

तज्जयंत. व० कृ० नाया० ८;

ताज्जिमाय कं० वा० व० कृ० सूय० २, १;

४८; नाया० १६;

तज्जण. न० (तर्जन) तर्जना करवी; उलंभो
देवो; तर छोड्युं. तिरस्कार करना Re-
proaching; taunting; insulting.

सूय० २, २, ६२; ८२; पण्ह० १, २; दसा०

६, ४; नाया० १६; सु०च० १, १; श्रव० ४१;

तज्जणा स्त्री० (तर्जना) लुओ। " तज्जण "
शब्द. दखा " तज्जण " शब्द. Vide
तज्जण " श्रव० ४०; राय० २७४;

तज्जाश्रय त्रि० (तज्जात) शुओ शिष्यने
शिष्याभ्यु आपतां ने शब्दो क्ख्वा, तेज
शब्दो शिष्य शुओने संललावे ३ तमे डभ
नथी करता ते. शिष्य को शिक्षा देते हुए गुरुने
जो शब्द कहे वेही शब्द शिष्य गुरु को पुनः
कह सुनावे कि तुम (स्वत) क्यों नहीं करते
हो Repeating the advice given
by a preceptor before him
retorting that why he himself
does not abide by it. " तज्जाय
दोसे भइभंगदोसे " ठा० १०; सम० ३३;
दसा० ३, २५; (२) साधुने आपना योग्य
द्रव्य-प्राप्त पदार्थ. साधु को देने योग्य द्रव्य
-खाद्य पदार्थ. an eatable fit to be
offered to an ascetic. ठा० ५, १;
—लेव. पुं० (-लेप) साधुने आपवाना
पदार्थही हाथ वगेरे लेपाय ते. साधु को देने
वाले पदार्थों से हाथ वगैरह बिगड जाय वह.
the smearing of hand by an
object to be given to an ascetic.
श्रव० नि० ४०१; —संसदुकप्पिअ. त्रि०
(-संसदुकप्पिक) तज्जमत-आपवानु द्रव्य
तेथी भरउयेल हाथ वगेरेथी आपे तेज
लेवु ओवे। अलिग्रह धरनार तज्जात-देने का
द्रव्य उससे बिगडे हुए हाथ इत्यादि से जो

मिले सोही लेना ऐसा अभिग्रह धारण करने
वाला. (one) taking the vow
that he would accept anything
given by one whose hands are
smeared by handling the ob-
jects that he is to receive. पण्ह०
१, ; ठा० २, १; —संसदुचरअ. त्रि० (-सं-
सृष्टचरक) लुओ। उपलो शब्द देखो ऊपर
का शब्द vide above श्रव० —सं-
सदुचरग. त्रि० (-संसृष्टचरक) लुओ।
उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. vide
above. ठा० ३; १;

तज्जाइय-अ. त्रि० (तज्जातिक-तस्म ज्जाति-
रुत्पातिर्यस्य सः) तेभांथी उत्पन्न थयेल. उसमें
से उत्पन्न. Born of it " तज्जाइआ
इमे कामा " सूय० १, ४, २, १६;

तज्जिय. त्रि० (तर्जित) तर्जना करेल.
पीडित; तर्जना किया हुआ. Troubled;
reproached उत्त० २, ८; ३५, पण्ह०
१, १; प्रव० १५२;

तटाग. पु० (तडाग) तलाय तलाव; तडाग.
A lake. श्रव०

तट्ट. त्रि० (तट) छेलेलु; जीलुं करेकुं. झोला
हुआ; बारीक किया हुआ. Scarped;
sliced. सूय० १, ७, ३०; जं० प० ७, १५७;

तट्ठाणपत्त. त्रि० (तत्स्थानप्राप्त) तेज स्थानने
प्राप्त थयेल उसी स्थान को जो प्राप्त हुआ
है वह (One) who has reached
that place. वेय० ६, २;

तट्टार. पुं० (त्वष्टृ) चित्रा नक्षत्रने अधिष्ठाता
देवता. चित्रा नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता.
The presiding deity of Chitrā
constellation " दो तट्टा " ठा० २, ३;
अणुजो० १३१; सू० प० १०; जं० प०

तड न० (तट) किनारा; किंडो. किनारा, तट.
Bank; shore नाया० ५; विशे० ७६४;

सु० च० २, ४८,

तडउडा स्त्री० (तटपुग) आवल आवल.

A kind of tree. जीवा० ३, ४; जं०

प० १; —कुसुम न० (—कुसुम) आवलना

पुल आवल के फूल the flower of
the Āvala tree. जीवा० ३, ४;

तडड. पुं० (*) आवल आवल. The
Āvala tree राय० ५४;

तडगड. पुं० (*) लुओ 'तडड' श०६.

देखो 'तडड' शब्द. Vide 'तडड' राय० ५४,

तडतडंत त्रि० (तडतडायत्) तडतड करतो.

तडतड करता हुआ. Making a "Tada

Tada " sound; asplitting or

snapping sound भग० ३, २. नाया० ९;

तडतथ त्रि० (तटस्थ) तटस्थ; मध्यस्थ तटस्थ,

मध्यस्थ Neutral विशेष० १२१२;

तडफडत त्रि० (—तडफडायत्) तडफडतो

तडफडाता हुआ Fluttering, flounc-

ing. सु० च० ८, ८०;

तडाग पुं० (तडाग) तलाव, सरोवर. तालाव;

सरोवर. A pond, a lake. भग० ४, ७,

८, ९, पिं० पिं० ४, ठा० २, ४; —मह

पुं० (—महत्) तलावने भोलेसव तलाव

का महोत्सव. a great festival con-

necting with a lake. "अगडमहेसु

वा तडालागमहेसुवा दहमहेसुवा " आया०

२, १, २, १२; भग० ६, ३३;

तडि. स्त्री० (तडित्) गिजली, विद्युत विद्युत;

विजली Lightning जं० प०

तडिअ पु० (तडिक) डांडो, बेण्ड. किनारा.

Bank विवा० १;

तडिगा. स्त्री० (तडिका) मोजडी, लोडा जूता

Sandal; slipper ओघ० नि० ३६,

तडितडिय. स्त्री० (तडितडित्) गिजलीनीपेडे

विस्तार पाभेक्ष. विजली समान विस्तृत.

Spread like the lightning

ओव० १०;

तडिय-अ. स्त्री० (तडित्) गिजली; विद्युत.

विजली, विद्युत Lightning. नाया० ८;

१६, भग० ११, ११, काप० ३, ३५;

तडी. स्त्री० (तडी) नदी आदिनी किनारे.

नदी आदि का तट-किनारा A river

bank नाया० १;

✓तण घा० I. (तणु) विस्तार करवे.

विस्तार करना; फैलाना To spread;

to stretch.

तणिजण. क० वा० विशेष० १३८३,

तण. न० (तण) घास, पशु; दल; पगेरे

तरण घास; दर्भ, दुर्वा-दूध इत्यादि तण.

Grass. पचा० ११, ५, नाया० १; २, ८,

९; १४, १७, भग० ३, ३; ६, १; ७, ९,

९, १८, ७; २१, ६; ७, दम० ४; ५, १,

८४, पिं० निं० ८७; जीवा० १; राय० २६;

वेय० ४, २६; पञ्च० १, उत्तर० २, ३६; सूय०

२, ३, ११, क० ग० १, २२, ३६, प्रव०

६८२; १६, आया० १, १, ४, ३७, १, ६,

३, १८५, १, ७, ६, २२२; जं० प० ५,

११२-१, १०; —कूड. पुं० (—कूट)

तरणुनी शिपर-ढगलो तण का शिखर-

देर a heap of grass. नाया० १४,

—ग्रहण न० (—ग्रहण—तणाना

ग्रीहिपलालाऽऽदीनां ग्रहणं तणग्रहणम्)

तरणु-ग्रीहि आदिना परालतु ग्रहणु करपुं

ते तण-ग्रीहि इत्यादि के भूसे को ग्रहण

करना accepting chaff of grass

etc प्रव० ५२४, —घर. न० (—गृह)

तरणुं जनावेसु घर-गुपी तण की

बनाई हुई मोपडी-कूटि. a hut of

straw. ओघ० निं० ४४, —पणग. न०

(—पणक) पांय जतना तणु. शालि, त्रीदि,

डोदव, कांग अने श्यामाङ्कप्रभुज जंगलना

तरणु-ये पाय जतना पलाल तथा तरणु.

पांच प्रकार के तृण, शालि, ब्राहि, कोदव, कांग व श्यामाकप्रमुख जंगली तृण-इन पांच प्रकार का भूसा-तृण. grass of five varieties; Sali etc.; the chaff or husk of these corns प्रव० ६८२; —पास- न० (-पाश) तरलुंनु अंधन-पास. तृण का बंधन. a noose of grass निसी० १२, १; —पीढय. न० (-पीढक) तरलुंनो आन्नेड. तृण का बनाया हुआ आसन. a seat made of grass निसी० १२, ६; —प्पवेस. न० (-प्रवेश — प्रविशन्ति तृणान्यनेन भूम्यन्तरमिति तृण-प्रवेशः) तृण अडतु भूत. तृण का मूल. the root of grass. नाया० १, —भार. पु० (-भार) तरलुंनो भारे. तृण का गट्टा a bundle of hay or grass भग० ८, ६; —मालिया स्त्री० (-मालिका) तरलुंनी माला. तृण की माला a garland of grass. निसी० ७, १, १७, ३; —रासि. पु० (-राशि) तरलुंनो ङगले तृण का ढेर. a heap of straw. भग० ८, ६; १५, १, —वणस्सइ. पु० (-वनस्पति) आदर वनस्पतिनो ओड प्रधार; तरलुं धासरूप वनस्पति बादर वनस्पति का एक प्रकार; तृण-घांसरूप एक वनस्पति a kind of gross vegetation; a grass-like vegetation. भग० ७, ६; —वणस्सइकाइय पु० (-वनस्पति-कायिक) आदर वनस्पति कायनो ओड प्रधार बादर वनस्पति काय का एक प्रकार. a species of gross vegetation embodiment अ० ३, १, ५, २; ६, १०; भग० ७, ६; —सूअ-य पु० न० (-शूक) तृणनो अग्रभाग. तृण का अग्रभाग. the tip of grass भग० ८, ६, १५, १, —हत्थग न० (-हस्तक) अडतो पुले.

घांस का पूला a bunch of hay. भग० १६, ४; —हत्थय. न० (-हस्तक) अडतो पुले. घांस का पूला a bunch of hay. भग० ३, ३; —हारअ. पु० (-हारक) घांस सारनार, घांस वेअनार घांस बेचने वाला a grass dealer अणुजो० १३१; तणग. न० (तृणक) ओड अततुं घांस. एक जाति का घांस A kind of grass सूय० २, २, ११; दस० ५, २, १६; (२) घांसतु पाथरलुं; अटाअ. घाम का बिछौना; चटाई a grass-bed a mat. आया० २, २, १, १०; तणफास. पु० (तृणस्पर्श) दाअडानी पथारीमां तरलुं लागे ते, २२ भानो १७मे. परिषड. घांस के बिछौने में घांस का चुभना, २२ म से १७ वां परिषड The 17th suffering amongst the 22, pain due to the sharp points in a grass-bedding परह० २, ५, नाया० ६, भग० ८, ८, प्रव० ६६३, —परिसह. पु० (-परिषह) तरलुंनी पथारीमा तरलुं भुंयवाथी उपअतु डए सहन इरतुं ते तृण के बिछौने में तृण चुभने से होनेवाले कष्ट को सहन करना. The act of suffering pain due to the pricking of sharp pointed grass stalks, while sleeping on a grass-bedding सम० २२; भग० ८, ८; प्रव० ८६; तणत्रिटिय पु० (तृणवृन्तक) त्रलुं धिद्वय वालो ओड अय तीन इंद्रिय वाला एक जीव A three-sensed being. पन्न० १, तणय पु० (तनय-तनोति कुलमिति) पुत्र. पुत्र A son सु० च० ४, १०, १४, २६; तणवि-वै-टय पु० (तृणवृन्तक) त्रलुं धिद्वय अय विशेष तीन इंद्रिय जीव विशेष. A

three-sensed being पञ्च १,
 तणसोल्लिआ-या छी० (तणसोल्लिका)
 अइः झूल वाली बनस्पति विशेष; मल्लिका
 श्वेत पुष्प वाली बनस्पति विशेष; मल्लिका
 A particular vegetation with
 white flowers. जं० प० नाया० १६,
 तणहार. पुं० (तणहार) घास आधने ज्य-
 नार घासोना छोडा, तेधद्विय ज्य विशेष
 घास खाकर जीने वाला, घास का काँडा,
 तेद्विय जीव विशेष One who lives
 on straw, an insect of grass,
 a three-sensed being. उत्त० ३६,
 १३६, पञ्च० १; जीवा० १; नाया० १३,
 तणु त्रि० (तनु) आरिक्, सूक्ष्म पतला,
 बारिक्, सूक्ष्म Minute; thin.
 कप० ३, ३४, प्रव० ६७२; ओव० १०,
 जं० प० पञ्च० २, उत्त० १४, ४७, विशे०
 १९६, पिं० नि० भा० ३६, कप० ४, २४,
 (२) पुं० छी० देह, शरीर. देह, शरीर.
 body गच्छा० ८४, क० प० १ २७,
 भक्त० १०, विशे० ३३७, ३७६; १६३२;
 नाया० १, पिं० नि० २०११, (३) न २५९५,
 लघु परिमालु लघु परिमाण a minute,
 measure. जवा ३, (४) छेडे सूक्ष्म होवा-
 थी सिद्धशिलानु ओक नाम सिरे पर सूक्ष्म
 होने से सिद्धशिला का एक नाम a name
 of Siddha-Silā, being very
 thin at the extremity पञ्च०
 २; सम० १२, ओव० ४३. ठा० ८, १, (५)
 शरीरनाम, नाम कर्मनी ओक प्रकृत जेना
 उदयथी ज्य उदरिनादि शरीर पामे शरीर
 नाम; नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदर्यस
 जीव उदारिकादि शरीर प्राप्त करे a variety
 of Nāma Karma at whose ap-
 pearance a soul gets physical
 body etc. क० ग० २, १६, १, २४; ३१, ५,

—अंग. त्रि० (-अङ्ग) तनु-पातयु छे
 अंग जेनु जिसका अंग तनु-पतला हो.
 slender-bodied मत्त १२८, —अंत.
 न० (-अन्त्र) ग्रीष्म आतरु. वारीक
 आत. a slender intestine “ तणु-
 यते तेण पासवणे परिणमइ” तदु० —अट्ट
 न० (-अष्ट) शरीर, अंगोपाग, सङ्गलु,
 संधयलु, गति, जाति, आलवानी गति, अने
 अनुपूर्वी ओ आठ नामकर्मनी प्रकृतिना
 समूह शरीर, अंगोपाग, सङ्गलु, संधयलु,
 गति, जाति, चलने की गति, व अनुपूर्वी, इन
 ८ नामकर्म की प्रकृतिओका समूह a group
 of the 8 varieties of Nāma
 Karma viz. body, limb, make
 up, constitution, birth, class,
 gait, and serial order क० ग० २,
 १६, —कसाअ त्रि० (-कषाय) जेना
 क्रोधादि कषाय तनु-पातला पड्या छे ते जिय
 के क्रोधादि कषाय तनु-पतले हो गये हो.
 (one) whose passions have
 become less. क० ग० १, ५८,
 —किट्टि छी० (-किट्टि) सूक्ष्म लोभ.
 सूक्ष्म लोभ a little greed क० प०
 ४, ५, —जोग. पुं० (-योग-तनोति
 विस्तारयत्यात्मप्रदेशानस्यमिति तनुरोदारि-
 क दि शरीर, तथा सहकरिकरणभूतया योग-
 स्तनुयोग तनुविषयो वा योगस्तनुयोग)
 क्षयाने योग-व्यापार काया का योग-व्यापार.
 the activity of a body “ मरण
 इस माणसीओ तणुजोगो विभक्तो” विशे०
 ३५६, क० ग० ४, १३, —ट्ट. त्रि० (-स्थ)
 शरीरमा रहेल तन में रहा हुआ. living
 in a body. क० प० ४, ५, —णाम न०
 (-नामन्) शरीर नाम, नामकर्मनी ओक
 प्रकृति. शरीर नाम. नामकर्म की एक प्रकृति.
 a variety of Nāma-Karma क०

गं० १; ३५; —णमिय. त्रि० (-नत—
तनु कृश नतं नम्रं तनुनमितं) थोडुं नम्र.
थोडा नम्र. a little bent. जं० प०
—पज्जत. त्रि० (-पर्याप्त) शरीर पर्याप्ति
आंधीने पुरी करेले होय ते. शरीर पर्याप्ति
बांध कर पूर्ण की हो वह. fully
developed bodied क० प० ६,
२; —तिग. न० (-त्रिक) उदारिक आदि
त्रय शरीर. उदारिक आदि तीन शरीर the
3 sorts of bodies viz Udārika
(physical) etc क० ग० १, ३४; —तुल्ल.
त्रि० (-तुल्य) शरीर नामकर्मनी भाक्ष शरीर
नामकर्म के समान similar to Śarīra
Nāma-Karma, a variety of
Nāma Karma relating to a
body. क० प० १, ६२, —दुग. न०
(-द्विक) शरीर नामकर्म अने आंगो
पांग नामकर्म अने प्रकृति शरीर नामकर्म
व अंगोपांग नामकर्म ये दो प्रकृतियां.
the two varieties of Karmic
matters viz Śarīra and Aṅ-
gopānga Nāma Karma. क० प० ४,
८३; —नाम. न० (-नामक) शरीररूप नाम
कर्मनी ऐक प्रकृति शरीररूप नामकर्म की एक
प्रकृति. a variety of Nāma-Karma
in the form of a body. क० गं० १,
३६; —पज्ज. न० (-पर्याप्त) लुओ “तणु
पज्जत” शब्द. देखो “तणुपज्जत” शब्द
vide “तणुपज्जत” क० गं० ४, ७,
—पज्जति. स्त्री० (-पर्याप्ति) ७ पर्याप्ति
भानी पीछे शरीरनामे पर्याप्ति छ. पर्याप्ति
मे से द्वितीय शरीर नामक पर्याप्ति. the 2nd
Paryāpti (development)
named Śarīra out of 6 Par-
yāptis (developing the full
characteristics of a body or

those attributes which it is
going to get in another life or
incarnation) क० गं० ३ १३,
—पणुग न० (-पञ्चक) उदादि पांच
शरीर. पांच प्रकार के शरीर five bodies
viz. Udārika (physical) etc प्र०
१२६७, —फरिस. पुं० (-स्पर्श) शरीरने
स्पर्श. शरीरका स्पर्श. bodily touch.
गच्छा० ८४; —माण. न० (-मान) शरीरनुं
परिमाण. शरीर का परिमाण. the
measure of a body. “ सत्तम पुढ-
वीए पुण पंचेव धणुस्तयाइ तणुमाणं ”
प्र० १०६२, (२) शरीर प्रमाणे,
शरीर जेहनुं शरीर के प्रमाणका-शरीर
जितना. of the measure of a
body. प्र० ७; ४१, —राग पुं०
(-राग) थोडा राग, अल्प प्रेम. थोडा
राग: अल्प प्रेम a little affection
क० प० ४, २४; —संभोग पुं० (-सम्भोग)
शरीरने संभोग, विषय शरीर का संयोग;
विषय copulation. सु० च० ४, ११३;
—सरीर न० (-शरीर) सूक्ष्म शरीर.
सूक्ष्म शरीर minute or subtle
body पण० १, १;

✓ तणुअ ना० धा० I. (*) ओछुं करनुं कम
करना. To lessen

तणुणंति. श्लो० नि० १६६;

तणुण-य. त्रि० (तनुक-तनुस्व तनुकः)
जीलु; सूक्ष्म; २५६५. सूक्ष्म, स्वरूप.
Minute; small क० ३, ३६;
नाया० ८; १२; जीवा. ३; राय० १०४;
(२) दरिद्री, गरीब. दरिद्री, गरीब wretch-
ed; poor. “ मे नूण भंते सेट्ठियस्म य
तणुयस्स य किवणस्स य खत्तियस्स य ”
भग० १, ६; (३) याचक. याचक mendi-
cant. नाया० १२; (४) अश्लाग.

अग्रभाग the tip. नाया० ८; (५)
शरीर शरीर. body. भग० ११, ११;
'तणुअ-य त्रि० (तनुज-तनुः शरीरं तस्मा-
ज्जात) तनु-देह्यो उभेन थयेल; पुत्र पुत्री
विगेरे तनु-देह से उत्पन्न पुत्र पुत्री इत्यादि.
A child. " जहाय भोई तणुयं भुजगी "
उत्त० १४, ३४,

तणुई. स्त्री० (तन्वी) नाजुक अंगवाली स्त्री
नाजुक अंगवाली स्त्री A slender-
limbed lady पि० नि० ४१८, ओघ० नि०
७३७; (२) सिद्धशिलानुं ऐक नाम सिद्ध
शिला का एक नाम. name of a Sid-
dha Silā ठा० ८;

तणुग न० (तनुक) शरीर. शरीर. Body.
ज० प० (२) त्रि० सूक्ष्म. सूक्ष्म.
minute ज० प० राग. त्रि० (-राग)
सूक्ष्म थोडा़ राग सूक्ष्म थोडा़ राग
a little affection क० प० ४, ५;
तणुज पुं० (तनुज) शरीरथी उभेन थयेल
पुत्र शरीर स उत्पन्न पुत्र A son. उत्त०
१४, ३४;

तणुतणु. स्त्री० (तनुतनु तनोरपितनुरतितनु-
त्वाद्वा तनुतनुः) सिद्धशिला, मुक्तिशिला.
सिद्धशिला, मुक्तिशिला A salvation
stone ठा० ८, १, ओघ० ४३; पञ्च० २;
तणुतणुई स्त्री० (तनुतन्वी) णुओ। उपेक्षो
शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above.
ठा० ८,

तणुयत्त. न० (तनुक्त्व) पारीकाष्ठ, सूक्ष्म-
पणु वारिकता, सूक्ष्मपणा Slenderness,
minuteness विरो० १४६६,

तणुयर त्रि० (तनुत्तर) थणु सूक्ष्म; अति
पानथु. बहुत सूक्ष्म, अति पतला. Very
minute or slender. उत्त० ३६, ५६.
विशे० ६६५, पञ्च० १; २;

तणुल. न० (तनुल-तनु, शरीरं तत् सुखं

स्पर्शतया लाति अनुगृह्णातीति तनुलम्)
शारीरिक सुख शारीरिक सुख Physical
happiness; pleasure. ज० प०

तणुवत्थुल. न० (तनुवत्थुल) ओ नामनी
ऐक वनस्पति इस नामकी एक वनस्पति.
A vegetation of this name.
भग० २१, ७;

तणुवात. पुं० (तनुवात) णुओ। " तणुवाय "
शब्द. देखो " तणुवाय " शब्द. Vide
" तणुवाय " भग० २०, ६, —वलय. न०
(-वलय) णुओ। " तणुवायवलय " शब्द.
देखो " तणुवायवलय " शब्द. vide 'तणु-
वायवलय " भग० २०, ६;

तणुवाय-अ. पुं० (तनुवात) धनवानो
आधारभूत तनुवा, आदर वायुकायनो ऐक
भेद घनवायु का आधारभूत तनुवायु, वादर
वायुकाय का एक भेद. The minute
or rarified air which is the ful-
crum of the gross air; a kind
of gross-air ठा० ३, ४, भग०
१, ६, २, १०; १२, ४; १७, ११; पञ्च० १,
जीवा० १, ३, १; —वलय. न० (-वलय
—तनुवातः स एव वलयसिध वलय कटक-
मिति) आदर वायुकायनो ऐक भेद; वल-
याकारे रडेह तनुवा वादर वायुकाय का एक
भेद; वलयाकार-कुण्डलाकार में रहा हुआ
तनुवा. a kind of gross-air;
the rarified air which remains
in a circular form भग० १७, ११;
ठा० ३, ४, पञ्च० २,

तणुसोहिय न० (तनुसोहिक) भावतीनु
झूल मालती का फूल. The jasmine
flower. नाया० १६;

तणुअरी. स्त्री० (तनुत्तरी) सिद्धशिला सिद्ध
शिला. Siddha Silā (salvation
stone). सम० १२;

तरण. पुं० (तार्य-तृणान्यति) वा० ७३।
 वद्धज A calf जं० प० ५. ११२, जीवा० १,
 तरणास. पुं० (तन्नाश) तेनो नाश उसका
 नाश. Its destruction. विशेष० ५४३;
 तरहा. स्त्री० (तृष्णा) तृष्णा; लालसा,
 पिपासा तृष्णा; लालसा, पिपासा. Thirst;
 desire for. नाया० १; २; १३; १८,
 भग० १२, ५; १४, ८; १५, १; आं० ३८;
 ३६; राय० २३६; विशेष० १०३४; पञ्च० २;
 उत्त० ३२, ६; परह० १, ३; गच्छा० ७७;
 —अभिहय. त्रि० (आभिहत) तृष्णाथी
 पीडित. तृष्णा से पीडित. troubled by
 thirst. भग० १६, ४, जीवा० ३, — प्राउर.
 त्रि० (-आतुर) तृपातुर. तृपातुर. eager
 in thirst. सु० च० २, ३८४; —आतिश्र
 त्रि० (-आर्द्रित) तृपातुर थयेन. तृपातुर.
 very thirsty परह० १, १; —गहि स्त्री०
 (-गृद्धि) तृष्णारूप गृद्धि-लालसा; गौशु
 अदत्तादान तृष्णा रूप गृद्धि-लालसा, गौशु
 अदत्तादान. greediness in the
 form of thirst; a secondary
 Adattādana (stealing or what
 is not given) परह० १, ३;
 —उष्माण न० (-ध्यान) तृपाना परि-
 पठतु यिन्तवन तृष्णा के परिपहका चिन्तवन
 meditation of the suffering of
 thirst आउ०

तत्त. न० (तत्त) तांतथी पागे ते वीणा-सारंगी
 वगेरे. तंतु से बजनेवाली वीणा-सारंगी.
 A stringed musical instrument.
 जं० प० ५, १२१; डा० २, ३, ४, ४; जीवा०
 ३, ४; भग० ५, ४, (१) प२ये पोला अने
 गे तरक्ष्णी यर्मादिक्ष्णी भटेल वाजिन्त्रनी
 ओक जत. ढोल भादल वगेरे. मध्य में
 पोला व दोनो तरफ से चर्मादिक से आच्छा-
 दित वाजिन्त्र का एक प्रकार, ढोल, मादल

इत्यादि. a kind of musical in-
 strument o. g. a drum etc राय०
 ६५; (३) विस्तार पागेल. विस्तार पाया हुआ
 extended भग० ८, ७; गति
 स्त्री० (-गति) ओक गाभथी गीने गाभ
 जतां स्तामे गाभ न पड़ेयाय त्यांमुधी
 गतिनो विस्तार थाय ते नतगति एक
 ग्राम से दूसरे गांव जाने में उद्दिष्ट गांव के
 न पहुँचे वहां तक गतिका जो विस्तार
 होता है वह ततगति a gait or
 locomotion which extends
 to as far as one does not
 reach a village in front
 when he is going from one
 village to another. भग० ८, ७, पञ्च० १६;
 तत्तिइ. य त्रि० (तृतीय) त्रीने-शु शु.
 तृतीय; तीसरा-री. Third जं० प० ७,
 १४६, १५१, भग० २४, ०; २५, ६;
 ततिया-आ. स्त्री० (तृतीया) त्रीन. तृतीया;
 तीज. The third date जं० प० ७,
 १२३; नाया० १०;
 ततो अ० (तत्तस्) त्पार पछी तत्त पश्चात्.
 After that. सम० ८; भग० १३, १;
 नाया० १६;
 तत्त. न० (तत्त्व) २६२५, सार; तत्त्व. रहस्य;
 सार, तत्त्व Secret; essence; reality.
 उत्त० २३, २५; परह० १, २; (२) वस्तु.
 सत्पदार्थ-वस्तु, सत्पदार्थ. an object;
 the real substance. सूय० १, १, ३,
 ८, १, ३, ३, १४; (३) परमार्थ-यथावस्थित
 (जेवो छे तेवे) लोकनो स्वभाव. परमार्थ
 यथावस्थित (जैसा है वैसा) लोक का स्वभाव.
 the real state or nature of
 the world. ' तत्तं तेण विजाणंति '
 सूय० १, १, ३, ६, (४) शुव, अशुव,
 पुष्ट, पाप, आश्रव, संवर, निर्जर; ७५

अने मोक्ष, अने नव तत्व जीव, अजीव, पुराय, पाप, आश्रव, संवर, निर्जरा, बंध व मोक्ष; ये पांच तत्व. the five elements viz soul, non living being, merit, sin, inflow of Karmic matter, check of this inflow, decay, bondage and salvation विशेष. ५३५; ठा० ६, —अणुरूपवत्त न० (—अनुरूपत्व) १५ भो सत्य वचनने अतिशय; तत्त्वने अनुसरी भोलेयु ७ १५ वां सत्य वचन का अतिशय, तत्व का अनुसरण करते हुए बोलना the 15th supernatural power due to true speech, speaking in accordance to the precepts. राय० —अभिनिवेश पु० (—अभिनिवेश) ५२७ २१३५ने निर्णय. वस्तु स्वरूप का निर्णय. determination of the nature of a thing पंचा० ६, ४०.

तत्त. त्रि० (तप्त) तपेल; गरम थपेल तथा हुआ, गरम Heated, hot. 'तत्तवणिज्जकणवणणा' श्रव० १०; २५; ३८, भग० २, ५, ३, १; ३ ६, १, ७, ६; पञ्च० १, २, दसा० ६ ४; विवा० ४, ६, सूय० १, ३, ४, १, तंदु० ठा० ८, उवा० १, ७६, —अणिवुड. त्रि० (—अनिवृत्त) तपेल पणु प्राशुक अयेत नहि थयेत उण परन्तु प्राशुक-अचेत न हुआ हो वह hot but possessing life दम० ३, ६; —कवेलय न० (कवेलक) गरम करवानु तपाववानु वासणु गरम करने का बरतन-पात्र a vessel to boil or heat जं० प० २, ३८, भग० ७, ६, —तव त्रि० (—तपस्) कमेति तपावे तेषु तप कर्म करनेवाले कर्मों को तप्त करे ऐ० तपकर्म करने वाला (one) who practises penances

which destroy the Kar-mas भग० १, १; जं० प० राय० —तवणिज्ज न० (—तपनीय) तपावेल सोनुं. तपाया हुआ-गरम किया हुआ-सुवर्ण refined gold "तत्तवणिज्ज संकासो" पञ्च० १; —तेल्ल. न० (—तैल) ६५५३तु तेल. उबलता हुआ तेल. boiling oil सम० ११; —निवुड. त्रि० (—निवृत्त) तपीने अशित थयेत. तप कर अचित हुआ हो वह. that which has become lifeless being heated दस० ३, ६, ५, २, २२, —फासुअ न० (—प्राशुक) गरम करेला अयेत पाणु गरम किया हुआ अचेत पानी. water rendered lifeless by heating "उसिणोदग तत्त-फासुय पडिगाहिज्ज संजण" दस० ८, ६; —लोहपह पुं० (—लोहपथ) तपेल लोढाना जेवो मार्ग. गरम लोहे के समान मार्ग a path like the red-hot iron. पण० १, १; —समजोइभूय त्रि० (समाज्योतिर्भूत-तप्तेन तापेन समा तुल्या ज्योतिषा वह्निना भूता जाता या सा तप्तसमज्योतिर्भूता) सलगती अग्नि समान जलती हुई अग्नि के समान like a burning fire. भग० ७, ६,

तत्तजला छी० (तप्तजला) सुव० २७ वि० ५५५नी पश्चिम सरहद-उपरनी ओक अंतर नदी. सुवच्छ विजय की पश्चिम सरहद ऊपर की एक अंतर नदी The Antara river on the western boundary of Suva-chhe Vijaya "तत्तजलाओ" ठा० २, ३; ३, ४, जं० प०

तत्तडिअ न० (—) २ गेल वस्त्र रंगीन वस्त्र Coloured dress गच्छा० ८९, तत्तथ पुं० (तत्त्वार्थ) परमार्थ, सार अर्थ;

परमार्थ, सार अर्थ. The real truth.
 पचा० १, ३; प्रव० ५६६; —सद्दहाण.
 न० (—श्रद्धा) तत्त्वार्थ की श्रद्धा तत्त्वार्थ की
 श्रद्धा a faith in reality पचा० १, ३;
 तत्त्ववर्द्ध. स्त्री० (—तत्त्ववर्त्ता) सुघोष नगर
 अर्जुन राजा की रानी का नाम. सुघोष नगर
 के अर्जुन राजा की रानी का नाम
 Name of the queen of the
 king Arjuna of Sughosu city.
 विवा० २, ८;
 तत्ति स्त्री० (तृप्ति) स तेप; तृप्ति; संतोष;
 तृप्ति. Satisfaction, contentment
 आउ० ४६, ठा० १, सु० च० २, ४०८;
 तत्ति स्त्री० (तप्ति) ताप, क्रोध.
 Anger, heat पि० नि० २०५;
 तत्तिय. त्रि० (तावत्) ते॒हुं उतना. That
 much पि० नि० ३६१, ५०८. विशेष० १३०;
 भग० ८, १, १६, ८,
 तत्तियमित्त. त्रि० (तावन्मात्र) ते॒हुं उतना-
 हा. That much only. पि० नि० २६६,
 तत्तिल त्रि० (तावत्) ते॒हुं उतनाही.
 केवल उतना That much only, so
 much. ओव० नि० १६०;
 तत्तिव्रज्जभवसाण त्रि० (तत्तीव्राध्यवसान
 तस्मिन्नेवार्थादौ तीव्र आरम्भत प्राकर्ष
 यायि अध्यवसान प्रयत्न विशेष लक्षण
 यस्यासौ) ते—आरंभ आदि मां तीव्र अध्व-
 यसाययाही. वह—आरंभ आदिमें तां
 अध्यवसायवाला One who is
 strongly addicted to sinful
 operations भग० १, ७,
 तत्तो अ० (ततः) त्या२ पछी तत्पश्चात् After
 that उ० १, १०; नाया० १०, भग०
 २५, ७, “ तत्तोविसेवइत्ताण ” दस० ५,
 २, ४८, क० गं० ५, ६६;
 तत्थ त्रि० (५ स्तब्ध) २१०५ धयेल स्तब्ध.

Steady; still. जीवा० १;
 तत्थ. न० (तथ्य) सत्य सत्य. Truth.
 नंदी० ४०;
 तत्थ, त्रि० (ग्रस्त) त्रास पाभेद. त्रयित;
 ग्रस्त, पीडित Troubled; harassed.
 नाया० १; ३; ४; ५; १४, १७; १८; भग०
 १२, १; १५, १; जं० प० ७, १७७; ५,
 ११२; ११५, उ० १६, ७२; १३० २, जीवा०
 ३, १; उवा० ८, २५६;
 तत्थ. अ० (तत्र) त्यां; ते॒हुं तहां; वहा;
 उस स्थानपर. There, in that place.
 नाया० १; २, ५; ८, ६; १३; १६ भग० १,
 १; २; २, १; ५, ४; ७, ६; १०; १२,
 ४; १४, ५; १५, १; २४, १२; दस० ५,
 १, २७; ६६; ५, २, ११; ६, ७; ५१; वव० १,
 १६; २३; दसा० ६, १. नि० ४, १, प०
 ओव० १२; राय० २३; पि० नि० ७६; विशेष०
 ६२, उ० २ २३; ६, २६, आया० १, १,
 १, १०; १, १, २, १५; १५; १, ६, २,
 १८४; अणुजो० २, उवा० १, ३;
 तत्थगय त्रि० (तत्रगत) त्यां गयेल वहा
 गया हुआ. Gone there भग० २, १;
 ३, २; ५, ६; ६, ६; नाया० ध० १या०
 १; दमा० ३, २०, जं० प० ५, ११५;
 तत्थवि अ० (तत्रापि) त्या पथु वहां भी.
 Even there. नाया० ६; १४; दस० ५,
 २, ४७; भग० १५, १;
 तत्थेव अ० (तत्रैव) त्यां वही; उसी स्थान
 पर. There; at that place. भग० २,
 १; ३, १; ५, ६, ८, ६; १५, १, नाया० ८;
 ६, दसा० १०, १; दस० ५, १, २१; क०
 गं० १, ४,
 तथारूख. त्रि० (तथारूख) शास्त्रमां ध्युं छे
 तेया प्रकृतो. शास्त्र में जैसा कहा है उसी
 प्रकार का. As prescribed in the
 scriptures ठा० ३, १;

तदन्तराल. न० (तदन्तराल) ते भेनी व२ये.
उन दोनों को मध्य में. Between the
two. विशेष १६;

तदज्झवसाण. त्रि० (तदध्यवसान) तेभां-
आरल कियाभां जेनुं यित रहेंछुं छे ते
उस में-आरंभ किया में जिस का चित्त रहा
हुआ है वह. One who is addicted
to sinful operations. विवा० २,

तदज्झवसिय त्रि० (तदध्यवसित) तेभां-
आरल कियादिमा यित राखेउ उस में-
आरंभ कियादि में चित्त रक्खा हुआ. (One)
who has placed his heart in
sinful operations भग० १, ७,

तदद्द पु० (तदर्थ-तस्यार्थस्तदर्थः सचासा-
वर्थश्च वा तदर्थ) प्रकृत वस्तु ते पदार्थ
प्रकृत वस्तु; वह पदार्थ That object;
the thing in question. भग० १,
७; विवा० २; —उचउत्त त्रि० (-उप-
युक्त) ते वस्तुमा उपयोगवाले उस वस्तु
में उपयोग युक्त. useful in that
विवा० १, भग० १, ७;

तदद्द. न० (तदद्द) तेनुं अ३ध उस का
आधा. Half of that. जं० प० ५, ११६,

तदन्नवत्थुअ. त्रि० (तदन्यवस्तुक) वादीये
जे साधनने। उपन्यास कथें होय तेथी
लिख वस्तुने लधने प्रतिवादी-उत्तर आये
ते. वादीने जिस साधन का उपन्यास किया
हो उस से भिन्न वस्तु को लेकर प्रतिवादी
जो उत्तर दे वह A different reply
presented by a defendant
than the point sued on by
the plaintiff. अ० ४, ३,

तदन्नवयण पुं० (तदन्यवचन) व्युत्पत्तिथी
भिन्न अर्थने कहेनार शब्द, रु० शब्द
जेम म३प वगेरे. व्युत्पत्तिसे भिन्न अर्थ

सूचक शब्द, रूढ शब्द मंडप इत्यादि. A
non-derivative word; an
arbitrary word e. g मंडप etc.

अ० ३, ३;

तदप्यिकरण. त्रि० (तदपितकरण) तेनी
अ३र मन, वचन, कायाने अप३ण करनार.
उसके अंदर मन, वचन व कायाको समर्पण
करनेवाला (One) 'who has
placed his mind, speech and
body in that भग० १, ७,

तदवत्थ त्रि० (तदवत्थ) भूल ६तु तेधुने
तेधुं. मूल था जैसा का वसा As it was
in the origin; original विशेष० २६६,

तदा अ० (तदा) त्पारे, ते व३पने. तदा,
तब, उस समय Then, at that
time भग० १२, ६; १५, १, नाया० ११;

तदाणुरूव त्रि० (तदनु रूप) तेना जेधु.
उस के जैसा Like that जं० प० २, ३८,

तदाहार. त्रि० (तदाधार-ते पृथिव्यादय
आधारो येषां ते तदाधाराः) पृथ्वी आदिने।
आधार जेने छे ते. जिसको पृथ्वी आदि
का आधार है वह That which
is supported by the earth etc.
परह० १, १,

तदाहार. पुं० (तदाहार-तानेव पृथिव्यादीन्
आहारयन्तीति तदाहाराः) ते पृथ्वी आदि
ने आधार करनार वह पृथ्वी आदि का
खानेवाला That which feeds upon
the earth etc परह० १, १;

तदुप्पाअ पु० (तदुत्पात) तेनी उत्पत्ति उसकी
उत्पत्ति Its birth. विशेष० ४२५;

तदुभय त्रि० (तदुभय) ते भे वे दो Those
two. भग० १, ७, ५, २, ८, ८, १७, ४;
पन्न० १४, २२, क० गं० १, २२; —अरिह.
त्रि० (-अर्ह) ते भे (आलोचना अने
प्रायश्चित) ने योग्य उसके (आलोचना

व प्रायश्चित्त) इन दोनों के योग्य. (one) fit for the two (confession and expiation). भग० २४, ७; —अहिगरणि. त्रि० (-अधिकराणि) ते भेनु दधियार उन दोनों के शस्त्र the weapons of those two. भग० १६, १, —आरंभ. त्रि० (आरम्भ) पेने आरंभ धरे अने पीन पासे धरावे ते. जो स्वयं आरम्भ करे व अन्यसे भी करावे. performing sinful operations oneself and through others as well. भग० १, १. —कड त्रि० (-कृत) ते भेथी धरेल उन दोनों ने किया हुआ. done by those two भग० १, ६; —प्यओ गनिच्चत्तिय त्रि० (-प्रयोगनिर्वाह) ते भेना प्रयोगथी-व्यापारथी-उत्पन्न थयेत्त. उन दोनों के प्रयोग से-व्यापार से-उत्पन्न. produced by the effort of those two भग० १६, १; —भविषणाण न० (-भविष्यज्ञान) आ ७५ अने ५२७५ भा ७५१३ ज्ञान. इस भव व परभवमें साथ जाने वाला ज्ञान the knowledge which accompanies the soul in this birth and the next birth too. भग० १, १;

तद्देगदेश पु० (तद्देगदेश) तेना ओक भाग. उसका एक भाग A part of that भग० १, १;

तद्विस्स. पुं० (तद्विस्स) तेज दिवस. वही दिन That very day वेय० ३, ३०; ४, २६;

तद्देस पुं० (तद्देस) तेना ओक भाग. उसका एक भाग A part of that. उक्त० ३६, ५; विशेष० २४१,

तद्दोसि त्रि० (त्वग्दोषिन्) आभरीना दोष पाधुं चमडी के दोष वाला. (One) suf-

fering from a skin-disease. पं० नि० ४७४; ४८३;

तद्धिय. पुं० (तद्धित) आपत्यादि अर्थ यत्ता-यत्ता प्रत्यय अपत्यादि अर्थ वताने वाला प्रत्यय. A nominal termination. पगह० २, २,

तद्धियश्च-य त्रि० (तद्धितज) तद्धितथी अनेधुं तद्धित में बना हुआ. Nominal derivative. “ योकिंते तद्धियण् ” अणुज्ञा० १३१; तथा अ० (तथा) ते प्रकारे उस रीति सं-प्रकार से In that manner म० प० १६;

तज्ज्ञाण न० (तज्ज्ञान) नेनुं ज्ञान उसका ज्ञान Its knowledge. विशेष० २६;

तच्चियेसण त्रि० (तच्चियेशन) सदा तेमां-शुश्रूषादिमां रहेनार सदा उस में-गुरु-कुनादि में रहने वाला. (One) who always stays in that (family of a preceptor etc) “ तत्पुरकोर तत्सञ्ज्ञा तच्चियेसणे ” आया० १, २, ६, १६६;

तच्चिस्सिय. त्रि० (तच्चिश्चित) तेने आश्रीने रहेत्त. उसके आश्रित होकर रहा हुआ. Resorting to that. दस० २, १, ६८;

तत्प पुं० (तत्प्र-तत्तस्ततः प्रवते चलति नदी-प्रव हेणेति) त्रापो. वेदा. A raft. पन्न० ३३; भग० ११, १०; (२) त्रापाने आधारे थतुं नारकीनुं अवधिज्ञान. बेड़े के आकृति में होने वाला नारकी का अवधिज्ञान. a limited knowledge of a hell-being in the shape of a raft विशेष० ७०६; —आगार. पुं० (-आकार) त्रापाने आधारे बेड़े का आकार. the shape of a raft. भग० ११, १०; —आगारसंठिय त्रि० (-आकारसंस्थित) त्रापाने आधारे रहेत्त बेड़े की आकृति में रहा हुआ. remaining in the form

of a raft भग० ११, १०;

तत्त्वप्रस पुं० (तत्त्वदेश) तेनो ओ३ णारी३भां
णारी३ अंश के जेना ओ३ना जे लाग थप
शके नहिं. उसका एक सूक्ष्म से सूक्ष्म अश
जिसके दो भाग न हो सके. An atomic
or indivisible portion of that,
उत्त० ३६, ५,

तत्त्वप्रसिद्धय त्रि० (तत्त्वाक्षिक-तेशां पक्षस्तत्त्व
तत्र भवस्तत्त्वाक्षिक) तेना पक्षवालो,
स विग्न पक्षिक. उसके पक्ष वाला; संबन्ध
पक्षिक Belonging to that party;
of the Samvigna party भग० ३,
७, ५, ४, ६, ३१, —उचासग त्रि०
(-उपासक) तेनो-स विग्न पक्षनो उपा-
सक. उसका-सविग्न पक्ष का उपासक the
devotee of that (Samvigna)
party. भग० ६, ३१, —उदासय. त्रि०
(-उपासक) जुओ उ३लो श०६ देखो
ऊपर का शब्द vide above भग० ६,
३१, —उचासिया. स्त्री० (-उपासिका)
स्वयं बुद्धनी उपासिका-आविका स्वयंबुद्ध
की उपासिका-आविका. a lay-woman
devotee of a Svayam Buddha
(one attaining salvation by
his own intuitive knowledge).
भग० ५, ४; ९, ३१; —सावग पु०
(-आवक) स्वयं बुद्धनो आवक. स्वयम्-
बुद्ध का भावक a layman devoted
to a Svayam Buddha भग० ६,
३१; —सावय पु० (-आवक) तत्त्वाक्षिक
आवक. तत्त्वाक्षिक आवक a layman
belonging to that party. भग०
५, ४, —साविया स्त्री० (-आविका)
स्वयं बुद्धनी आविका स्वयम्बुद्ध की आविका
a lay-woman devotee of a
Svayam Buddha. भग० ५, ४, ६, ३१,

तत्त्वचइय त्रि० (तत्त्वत्ययिक) तत्कारणिक;
तन्निमित्तिक तत्कारणिक, तन्निमित्तिक
Resulting in that, its cause.

उत्त० २६, ३१;

तत्त्वचइयहेउ पुं० (तत्त्वत्ययहेतु) तेना ज्ञा-
ननो हेतु. उसके ज्ञान का हेतु The
cause of its knowledge विशेष० ६१,

तत्त्वडिरुव त्रि० (तत्त्वतिरुप) तेना सरभु
उसके समान Like that पचा० १, १४;
तत्त्वढमया स्त्री० (तत्त्वथमता) सौदी पडेला;
शउआन सर्व से प्रथम, सब मे पहिले;
प्रारम्भ. First of all; foremost
ओव० ३१, वेय० ३. १३, भग० ६, ५;
नाया० १,

तत्त्वण न० (तर्पण) ओ३ उ३करण. एक उप-
करण An implement सम० ३०,
(२) साथवो सत्तु a kind of food;
ध powdered meal परह० २, ५,
(३) तेल आदि स्निग्ध पदार्थ तेल आदि
स्निग्ध पदार्थ an oily substance
नाया० १३; विवा० १,

तत्त्वणलोडिय. न० (तर्पणलोडित) पाण्णीथी
लोडो वालेस साथवो पानी से लोडा बनाया
हुआ सत्तु. a powdered meal
made into a lump with water.
ठा० ४, ३;

तत्त्वभिइं अ० (तत्त्वभृति) त्थारथी भाडीने
तब से लगाकर, तब से लेकर From
that time, thence-forth भग०
३, १, ५, ९, ६, ३२, १०, ४. नाया० १,
नाया० ध०

तत्त्वर त्रि० (तत्त्वर-तदेव पर प्रधान यस्यासौ)
तेना उपर उसके ऊपर Over that
विशे० ३७,

तत्त्वाङ्ग. त्रि० (तत्त्वायोग्य) तेने योग्य
उसके योग्य Fit for that भग० १,

५; क० गं० ६, ८१;

तपिऊण. थ० (तर्पयित्वा) तृप्त करीने तृप्त करके. Having satisfied. सु० च० २, ५, ४;

तत्पुरस्कार. पुं० (तत्पुरस्कार-तस्य पुरस्कारः) तेने-आचार्यादिकेने अग्रेसर तरीके मानपुं ते उसे-आचार्यादिक को अग्रेसर समझ कर मानना. Considering him (a preceptor etc) to be a leader. " तत्पुरस्कारे तस्सत्तीतज्जिवसणे " आया० १, ५, ४, १५७, १, ५, ६, १६६;

तत्पुरिस. पुं० (तत्पुरुष) तत्पुरुष नामनेो समास; समासनेो ओइ प्रधार. तत्पुरुष नामक समास का एक प्रकार A compound named Tatpuruṣa; a determinative compound. " से किंते तत्पुरिसे ? तत्पुरिसे अण्णगविहे पण्णत्ते " अणुजो० १३१;

तत्पेयव्व. त्रि० (तर्पयितव्य) तृप्त करवा योग्य. तृप्त करने योग्य Fit to be satisfied. सु० च० ११, ४५;

तत्फल. न० (तत्फल) तेनुं फल. उसका फल. Its fruit. विशेष० २३२;

तद्भक्षण. न० (तद्भक्षण) तेनुं लक्षण उस का भक्षण. Its devouring or eating up. नाया० १५;

तद्भक्तिय. त्रि० (तद्भक्तिक) तेनेो सेवक. उसका सेवक. Its devotee. भग० ३, ७; ५, ७;

तद्भव. पुं० (तद्भव) तेभव; वर्तमान भव. वह भव; वर्तमान भव. That life; the present birth. नाया० १६;

तद्भवज्ज. त्रि० (तद्भवज) तद्भव-वर्तमान भव के संबंध-में. Related to the present birth. विशेष० ७०२;

तद्भवजीविय. न० (तद्भवजीवित) उदारिक-शरीरवाथा मनुष्य अने तिर्ययनु जवन उदारिक शरीर वाले मनुष्य व तिर्यच का जीवन. Life of a human or sub-human being. विशेष० ३५१३;

तद्भवमरण. न० (तद्भवमरण) तद्भवमरण, जे गतिनु आयुष्य भोगवे छे तेज गतिनु इरी आयुष्य गाधी मरण पामे ते; आश-मरणनेो ओइ प्रधार. तद्भव मरण. जिस गति का आयुष्य भोग रहा हो उसी गति का पुनः आयुष्य बांधकर मृत्यु को प्राप्त होना. Death after again binding life to a condition which one is enduring; a kind of ignorant form of death सम० १७; ठा० २, ४; भग० २, १, निसी० ११, ४१;

तद्भारिय. त्रि० (तद्भारिक-तद्भारो येषा वोढव्यतयाऽस्तिते तद्भारिकाः) दास. दास A slave. भग० ३, ७;

तद्भाव पुं० (तद्भाव) तेनेो भाव उसका भाव. Its motive. पंचा० २, ३२; विशेष० ८५;

तद्भावणाभाविय. त्रि० (तद्भावना भावित) ते अनुष्ठाननी भावनाथी भावित. उस अनुष्ठान की भावना से भावित Impressed with the motive of that performance भग० १, ७;

तद्भासामीसिय. त्रि० (तद्भाषामिश्रित) भाषारूपे भूकेल पुद्गलोधी मिश्र थयेल. भाषा स्वरूप वर्णन किये हुए पुद्गलों से मिश्रित. Mixed with atoms in the form of a language. विशेष० ३५३;

तद्भेय. पुं० (तद्भेद) तेनेो भेद-विभाग. उसका भेद-विभाग. Its division. विशेष० २;

तम. पुं० न० (तमस्) अंधकार; अधारू.
 अंधकार; अंधेरा Darkness. भग० ६, ५;
 ७, ६; ७; सूय० १, १, १, १४, अणुजो०
 १०३, ठा० ४, ३; उवा० ७, २१८; कप०
 ३, ३८, (२) मोह. मोह. greed आया०
 १, ४, ४, १३८, ओव० (३) अज्ञान. अज्ञान.
 ignorance. सूय० १, १, १, १४, ठा० ४, ३;
 —पञ्जलण त्रि० (—प्रज्वलन) अज्ञानरूप
 अधकारने लीधे क्रोधादि अभीथी गलतरा
 धरना अज्ञानरूप अंधकार के कारण क्रोधादि
 अग्निसे संताप करनेवाला anger due to
 the darkness of ignorance. ठा० ४, ३; —तिमिर. न० (—तिमिर)
 अज्ञानरूप अधकार अज्ञानरूप अंधकार.
 darkness in the form of
 ignorance. प्रव० ८५; —पडल. न०
 (—पडल) ज्ञानावरण रूप ढक्कन A covering in the
 shape of obscuring knowledge.
 भग० ६, ४, (२) अधकारने समूह
 अंधकारका समूह. a volume of dark-
 ness. कप० ३, ३६; —एविष्ट त्रि०
 (—प्रविष्ट) अधारमा प्रवेश करे अंधकार
 में प्रविष्ट—प्रवेश किया हुआ. entered
 into darkness. भग० ६, ४; —रिपु
 पुं० (—रिपु) अधकारने शत्रू, सूर्य अथवा
 अंध. अंधकारका शत्रू, सूर्य अथवा चंद्र
 the enemy of darkness, the
 Sun or Moon कप० ३, ३८;

तमकाय. पुं० (तमस्काय) तमस्काय के लिये
 अश्वत्थ समुद्रथी निकली पायभा देवलोक
 सुधी पहुँच्ये छे. तमस्काय कि जो अरुण
 वर समुद्र से निकल कर पाचवे देवलोक
 पर्यन्त पहुँचा है. A volume of dark-
 ness which proceeding from
 the Aunavara sea has reach-

ed upto the 5th Devaloka. प्रव०
 ६०; —सरूव न० (—स्वरूप) तमस्कायनुं
 २५३५. तमस्काय का स्वरूप. the form
 or nature of the smoky co-
 lumn प्रव० ६०;

तमतमग. पुं० (तमस्तमग) सातमी नर-
 कनी ७५ सातवे नरक के जीव The
 beings of the 7th hell. क० गं०
 ५, ६८, क० प० ७, ३५;

तमतमपभा. स्त्री० (तमस्तमप्रभा) सातमी
 नरक. सातमी नरकनी पृथ्वीनु गोत्र
 सातवां नरक; सातवें नरककी पृथ्वी का गोत्र.
 The seventh hell; the family-
 origin of the land of the 7th
 hell. अणुजो० १०३; पञ्च० १; जांवा० १,
 तमतमा स्त्री० (तमस्तमा) गाढ अधकार
 वाली सातमी नरक घोर अंधकारमय
 सातवां नरक. The 7th hell where
 pitch darkness abounds. अणुजो०
 १३४; उत्त० ३६, १५६; सम० ४९, ठा०
 ७, १, भग० १, ५; ५, ८, क० प० २,
 ८२, क० गं० ५, ७२;

तमपभा. स्त्री० (तमस्तमप्रभा) छठी नरक.
 छठा नरक. The 6th hell प्रव० १७२;
 पञ्च० १; अणुजो० १०३;

तमपहा. स्त्री० (तमस्तमप्रभा) छठी नरकनी
 पृथ्वी. छठे नरक की पृथ्वी. The region
 of the 6th hell प्रव० १०८६;

तमवल. त्रि० (तमोवल—तमोवलं येषां ते) अ-
 सदाचारी, तस्कर. असदाचारी; तस्कर. Bad-
 conducted; a thief. (२) अज्ञाननु
 गल. अज्ञान का बल the strength of
 ignorance. ठा० ४, ३; —पलजण.
 पुं० (—प्रलज्जन) तमोवलथी रक्त-उद्धत
 पुरुषने समूह. तमोवल से रक्त-उद्धत पुरु-
 षोंका समूह a group of men

infatuated with the power of ignorance. ठा० ४, ३; —पलज्जण. पु० (-प्रलज्जन् तमोवलेन् संचरन् प्रलज्जत इति) रात्री यथाभां अण्णता माणसनेो समूह रात्रि चर्या में लज्जित होत हुण्ण मनुष्याका समूह a group of men who are ashamed of nocturnal roving or act ठा० ४, ३; —तमरूव. न० (-तमोहण) तमरूव; अरुणवर समुद्र समुद्रभांयी अधकारमय धूमस यडे छे ते तमस्काय, अरुणवर समुद्र में से अंधकारमय कुहिरा चढता है वह. a volume of smoke; a black mist which arises out of the Arunavara sea. प्रव० १४१३,

तमस पुं० (तमम्) अधकार अवकार. Darkness दस० ५, १, ५०; पञ्च० २;

तमा स्त्री० (तमा) छठी नरक पृथ्वी. छठी नरक पृथ्वी the 6th hell-region. सम० ४१, भग० ५, ८; १०, १; ठा० ७, १, उत्त० ३६, १५६; (२) निच्यी दिशानु नाम नीची दिशाका नाम. name of the lower direction. ठा० १०;

तमाल. पुं० (तमाल) तमालवृक्ष The Tamāla tree. श्रव० आया० नि० १, १, ५, १२६; पञ्च० १; भग० ८, ३; २२, १; —पत्त न० (-पत्र) तमाल वृक्षना पांड्या तमाल वृक्ष की पत्तियां the leaves of the Tamāla tree उत्त० ४१,

तमिस न० (तमिस्र) अधकार. अंधकार. अंधेरा Darkness पि० नि० ३०१; —(सं) अधकार पुं० न० (-अंधकार) गाढ अधकार. गाढ अवकार. pitch darkness. “ ते घोररूवे तमिसंधारे ” सूय० १, ५, १, ३;

तमिसगुहा. स्त्री० (तमिस्रगुहा) ६२७ विजयना पैताढ्य उपरना नपट्टभांनुं छट्टुं शिखर. कच्छ विजय के वैताढ्य के ऊपर के नवकूट में से छटा शिखर. The 6th summit out of 9 of Vaitādhya in the Kachcha Vijaya (territory) जं० प० १, १२;

तमिसगुहाकूट. पुं० (तमिस्रगुहाकूट) लुण्णो उपलो शब्द देखा ऊपर का शब्द. Vide above जं० प० १, १२;

तमिस्स. न० (तमिस्स) गाढ अधकार गाढ अधकार. Pitch darkness. जं० प० ठा० ४, ३;

तमिस्सगुहा स्त्री० (तमिस्सगुहा) वैताढ्य पर्वतनी पश्चिमे पश्चिम आग्निनी ओके शुक्र के लेभा यध यधवनी उत्तर भरतमां देश साधवा लय छे. वैताढ्य पर्वत के मध्य में पश्चिम दिशा की एक गुहा कि जिस में से हो कर चक्रवर्ती उत्तर भरत में देश जीतने को जाता है. A western cave in the middle of the Vaitādhya mountain through which a Chakravartī goes to conquer the countries of the northern Bharata जं० प०

तमुक्काइय. पु० (तमस्कायिक) तमरूव धरतार देव तमस्काय करने वाला देव. The deity creating a volume of smoke. “ तमुक्काइय देवे सद्धान्वेति ” भग० १४, २;

तमुक्काय पुं० (तमस्काय) अरुणवर समुद्रभांना पाणीना सूक्ष्म परिणामरूप अधकारनेो समूह अरुणवर समुद्र के पानी के सूक्ष्म परिणामरूप अवकार का समूह. A column of darkness resulting from a change in the

minute particles of water in the Arunavara sea. "किमियं भंते तमुक्काए त्ति पच्चुच्चइ" भग० ६, ५, ३, २, ६, १, ठा० ४, २, प्रव० २५५;

तमुयत्त न० (तमस्कत्व) जलित्थिधपाणुं जाति श्रंथपना, जाति श्रंथता A class blindness. सूय० २, २, २१,

तमोकासिय. त्रि० (तम कपिक—तमोसि कपितु शीलं येपा ते तमः कापिणस्त एव तम कपिकाः) भरी पीनानो दाड पीओडो डरनार सत्य वर्णन को छुपाने वाला (One) who conceals a true description सूय० २, २, १६,

तम्मज्झ न० (तन्मध्य) तेनु मध्य उस का मध्य. The middle of it सु० च० १, १०३;

तम्मण त्रि० (तन्मनस्—तस्य देवदत्तादे-स्तस्मिन् घटादौ मनस्तन्मन) ते घटादि विषयभा परोपायेलु मन उस घटादि विषय मे तल्लीन हुआ मन The mind devoted to that (pot etc) ठा० ३, ३; विवा० २; भग० १, ७, पि० नि०

तम्मत्त न० (तन्मात्र) तेदलुण् भाव उतनाही; केवल उतनाही. That much क० गं० ५, २३;

तम्मय. त्रि० (तन्मय) तन्मय, ते २५३५ तन्मय; तत्स्वरूप. In that form, blending with that विशेष० ३; १६०; पणह० १, १,

तम्मियय न० (तन्मात्रज—शब्दाऽऽशीनि यानि पञ्चतन्मात्राणि सूक्ष्मसंज्ञानि, तैम्यो जातमुत्पन्न तन्मात्रजम्) पाय तन् भावनी उत्पन्न थयेल आकाश आदि पांच भक्षभूत पच तन्मात्र से उत्पन्न आकाश आदि पच महाभूत. The five elements viz sky etc. which are

produced from the five original elements ठा० २, १,

तम्मिस्स पु० (तन्मिश्र) उदारिकमिश्र श्रययोग. उदारिकमिश्र काययोग. Mixed with that (a conjunction with a physical body). क० गं० ३, १४,

तम्मुत्ति स्त्री० (तन्मुक्ति) संग-उपाधिथो छुटा थयु ते संग उपाधि से मुक्त होना Emancipation from attachment. ' तद्धिद्विण्ण तम्मुत्तीप्प ' आया० १, ५, ४, १५७;

तम्मूल न० (तन्मूल) तेनु मूल कारण उस का मूल कारण. Its original cause " तम्मूलं संसारं जणोइ " गच्छा० १३३,

तम्मैत्त त्रि० (तन्मात्र) तेदलुण्. उतनाही. That much ठा० २, १;

तम्मैयय न० (तन्मात्रज) लुओ " तम्मियय " शब्द देखो " तम्मियय " शब्द. Vide " तम्मियय " ठा० २, १,

तम्हा थ० (तस्मात्) तेदलामाटे. इस के-उस के लिये Therefore, hence भग० १, ७; १, १०, २, १; ७, ३; ७, १२, २; दम० ५, १, ११; ६, ११, २६; ६, १, १०; ६, १, १०; ६, २, १६; १०, १, ४; नाया० ६, वेय० १, ३३, २, १८; विवा० ५, पि० नि० ४, वज्र० ६, १; सूय० १, २, १, २१, अणुजो० ७, विशेष० ११२, क० प० १, ११; गच्छा० ७;

तय स्त्री० (त्वच्) तय, तेनानाती ओड गन. दालचिनी. Cinnamom bark. जं० प० २, ३६, भत्त० ४१,

तय त्रि० (तत्क) ते वह That गच्छा० ७५; क० गं० १, १०,

तयणुभाव पुं० (तदनुभाव) तेनो अनुलाग-

२२. उसका अनुभाग-रस. Its influence, effect. क० प० २, १;

तयगुरुव. त्रि० (तदनुरूप) तेने अनुसार. उस के अनुसार Resembling that. प० १, १७,

ततक्खात्र-य. पुं० (त्वक्खाद) लाकड़ानी पहारनी छाल आनार धुल्ले लकड़ी के बाहर की छाल को खाने वाला कीड़ा. An insect that lives upon the outer bark of wood ठा० ४, १;

तयणवत्थुक. पुं० (तदन्यवस्तुक) उदाहरण-लुगो ओक प्रकार. उदाहरण का एक प्रकार. A kind of illustration ठा० ४, ३;

तयत्थालोचण पुं० (तदर्थालोचन) ते ते अर्थनो विचार. उस उस अर्थ का विचार. A thought of those various meanings. पंचा० ३, ६,

तयत्थि त्रि० (तदर्थिन्) तेना अर्था उस के अर्थ Its supplicant पंचा० ३, २६,

तयन्नमण न० (तदन्यमनस्) देवदत्त की अन्य यज्ञदत्त आदिनुं घटनी अपेक्षा ओ पटमां मन लागवु ते. देवदत्त से भिन्न यज्ञ-दत्त आदि का घट की अपेक्षा से पट मे चित्त लगना. Application of the mind of Yagnadatta etc different from Devadatta to a piece of cloth in expectation of a pot ठा० ३, ३.

तय. त्रि० (तत) विस्तृत, पसारेल विस्तृत, पसरा हुआ; फैला हुआ. Extended; spread उत्त० १४, ३६;

तया स्त्री० (त्वक्) तृण-वनस्पतिनो ओक प्रकार. तृण वनस्पति का एक प्रकार. A kind of grass-vegetation. ठा० ८; (२) आभडी, छाल, त्वया. चमडी; छाल; त्वचा. skin; bark. जं० प०

ओव० ३१; जीवा० १, ३, ४; सूय० १, २, २, १; २, ३, २; २, १, ४२, पिं० नि० २६७; पन्न० १, ठा० ४, ३; राय० २५८; भग० १६, ४; २१, १; नाया० १५; कप्प० ४, ६१; पंचा० १६, ६; प्रव० ४३६; ११६४; —आहार. पुं० (—आहार)

आडनी छालनो आहार करनार वानप्रस्थनी ओक जाति. वृक्ष के छाल का आहार करने वाले वानप्रस्थ का एक जाति. a kind of forest-dwelling ascetics who live on the bark of a tree निर० ३, ३; भग० ११, ६;

ओव० —पाम. न० (—प्रमाण) त्वया छाल प्रमाण. त्वया छाल प्रमाण. like a bark निसी० ११, २०; —पाणय. न० (—पानक) वृक्षनी छालनुं पाणुी. वृक्ष की छाल का पानी. the water of the bark of a tree भग० १५, १;

—फास पु० (—स्पर्श) आभडीनो स्पर्श. चमडी का स्पर्श. the touch of skin. प्रव० ११६४; —भोयण. न० (—भोजन)

आडनी छालनुं भोजन. वृक्ष की छाल का भोजन a food of bark सम० २१; दसा० २, १६; —रासि. पुं० (—राशि) छालनो ढगलो. छाल का ढेर a heap of bark. भग० १५, १; —विस्. पुं० (—विष-स्वचि विषं यस्य स त्वग्विषः)

आभडी मात्रना स्पर्शथी ओर यदे ओया सानी ओक जाति. चमडी मात्र के स्पर्श से विष चढ जावे ऐसे सर्प का एक जाति. a species of serpent the mere touch of whose skin is poisonous जीव० १; —सुह. न० (—सुख) आभडीने सुखरूप चमडी को सुख रूप. pleasing to the skin. विवा० ६; नाया० १;

तया. अ० (तदा) तयारे; ते वभते. तदा;

तब; उस समय. Then; at that time. नाया० १; ३; ७; १६; भग० १, ६; ६; ५, १; दसा० ५, ३२; ३३; ओव० १२; उवा० १, १४;

तथाण्तर. अ० (तदनन्तर) त्पार पथी; तेना पथी. तत्पश्चात्; तदनन्तर; उसकेबाद After that; then. नाया० १; ४; ६; ८; १०; १६; भग० ७, ३; ओव० ३१; जं० प० ७, १३१;

तथाणुग-य. त्रि० (तदनुग) तत्सदृश तेना जेपु; तेने अनुसरतुं. तत्सदृश, उसकेसमान; तदवत्; उसको अनुसरता हुआ. Like that; similar to that; resembling it. "विवरीयपक्षसभूयं अन्न उत्तं तथाणुगं" सूय० १, १, ४, ५;

तथाणुरूप त्रि० (तदनु रूप) तेना जेपु; उसके समान, तद्रूप. Like that; in that form. नाया० ८;

तयामंत. त्रि० (त्वगवत् -त्वग् विद्यते यस्यासौ) तयामडी-छात्र पाछु चमडी-छाल वाला. Skinny; having bark राय०

तयावरण. न० (तदावरण) तेना-आत्माना आवरण रूप ज्ञानावरणीय दर्शनावरणीय आदि कर्म. उसके आत्मा के आवरण रूप ज्ञानावरणीय दर्शनावरणीय आदि कर्म The Karmas known as Jñānāvaranīya, Darśanāvaranīya etc; which obscure knowledge and vision. नाया० ८; क० गं० १, ६,

तयावरणिज्ज न० (तदावरणीय) ज्ञुओ उपदेो शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above नाया० १; ८, ज० प० ३, ७०; —कर्म. न० (—कर्मन्) ज्ञुओ उपदेो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above नाया० १४,

✓तर. धा० I, II. (तृ) तरतुं; उल्लंघितुं;

पार पामजुं. तैरना; उम पार जाना, उल्लंघन करना. To swim; to cross.

तरह. भग० १६, ६; उत्त० ४, १; विशेष० १३०; सु० च० २, ४७३; पि० नि० ४१७;

तरंति. उत्त० १८, ५३; ओव० २१; नाया० ६; तरसि. पि० नि० ३०८,

तरे. वि० आया० १, २, ६, ६६;

(अ)तरिंसु. भू० उत्त० १८, ५३;

तरिस्संति. भ० सूय० १, ३, ४, १८;

तरिहिंति. उत्त० ८, १६;

तरित्तुं स० कृ० दस० ६, २, २४;

तरिउं. उत्त० १६, ४३, सूय० १, ६, २५;

भत्त० १८;

तरमाण. भग० १६, ६;

तरिज्जइ. क० वा० सु० च० ३५१;

तिज्जइ. क० वा० विशेष० १०२५;

तर. पुं० (-) छडी पगेरे उपर जे तर छेय ते. दही इत्यादि के ऊपर जो थर होती है वह. A layer over curds etc. ओष० नि० ८७; ठा० २, १,

तर. न०. (तरस्) वेग; गति वेग; चल. Speed, power. ओव० ३१;

तरंग. पुं० (तरङ्ग) तरंग; मोजा; लहर, तरंग; मोजा, लहरें. A wave; a ripple. ओव० १०, २१; जीवा० ३, ३; राय० ४६; नाया० ८; भग० ७, ६; पणह० १, ३; भत्त० १२६; कप० ३, ४३; जं० प० ५, ११६; —माला. स्त्री० (—माला) तरंगनी माला-हार. तरंगों की माला-हार. a wreath of 1. 0. a series of waves. नाया० ८;

तरंड. पुं० (तरण्ड) भण्डो. जनु पडाणु. छोटी नाव. A small boat. पचा १, ६; —तुल्ल त्रि० (—तुल्य) भण्ड्या समान. छोटी नाव के समान. like a small boat पंचा० १ ६.

तरग. त्रि० (तरक—तरन्तीति तरास्त एव तरकाः) तरनार; पार पामनार. तैरने वाला; उस पार जाने वाला. A swimmer; (one) who crosses. “चत्तारि तरगा पण्यता” ठा० ४, ४;

तरच्छु. पुं० (तरछ) तरस; दीपडो; बाधनी ओछ जात. एक प्रकार का व्याघ्र. A kind of tiger; a hyena. नाया० १; भग० ३, ५; १, ६; पञ्च० १; जं० प० परह० १, १; आया० २, १, ५, २७;

तरण. न० (तरण) तरवुं ते; पार पामवुं. तैरना; उस पार जाना. Swimming; crossing. सूय० टी० १, ११, १; विशेष० १०२७; भक्त० १५५;

तरणिं स्त्री० (तराणि) नाव, नौका; नाव. A boat; ship. भक्त० ५२;

तरणिज्ज. त्रि० (तरणीय) तरवा ये०य. तैरने योग्य. Fit to be crossed; fit to swim. विशेष० १०२७;

तरतम त्रि० (तरतम) न्यूनाधिक लावालो. न्यूनाधिक भावयुक्त. Having more or less. विशेष० २८६;

तरतमजोग पुं० (तरतमयोग) मुकायमे; जे वस्तुनी परस्पर तुलना करता न्यूनाधिकपणुं नीकले ते. तुलना; दो वस्तुओं की परस्पर तुलना करते हुए न्यूनाधिकता निकले वह Comparison विशेष० २८६; प्रब० १०६०; —जुत्त त्रि० (-युक्त) तरतमयोग सहित. तरतमयोग सहित. with comparison. कण्ठ० ३; ४६;

तरमल्लि त्रि० (*) वेग धारण करनेवाला. Bearing speed. जं० प० ७, ११६; ओव० —हायण. त्रि० (-हायन—तरं वेगं मल्लते धारयतीति तरमल्ली हायनः सम्बत्सरो वर्तते येषां ते) वेगधी होडी शके ते अवस्थाने प्राप्त थयेव

धोडा गलद वगेरे. जोर से भागने का शक्ति वाला बैल, घोडा वगैरह. (one) who has reached a state of running with speed e. g. a bull, horse etc. जं० प० ७, १६६; ओव०

तरय. त्रि० (तरक) तरनार. तैरने वाला. A swimmer. भग० १४, २;

तरल. त्रि० (तरल) थंथल. चंचल. Fickle; quick भक्त० १०६;

तरालियमइ. त्रि० (तरलितमति—तरलितमातिर्यस्यासौ) थंथल बुद्धिवालो. चंचल बुद्धिवाला. Fickle-minded. जीवा० १;

तरिअ. त्रि० (तोरण) तरी गथेल. तर गया हुआ. (One) who has swimmied or crossed सु० च० २, २२७;

तरिअ-य-व्व. त्रि० (तरितव्य) तरवा ये०य. तैरने योग्य. Fit to swim नाया० ६;

तरिउकाम. त्रि० (तरितुकाम) तरवाना धृञ्छावालो. तैरने की इच्छावाला. (One) desirous of swimming. नाया० १४;

तरियं. अ० (त्वरितम्) शीघ्र, जल्दी. शीघ्र; सत्वर Soon; immediately. नाया० १;

तरियार. त्रि० (तरितृ) तरनार. तैरनेवाला. A swimmer. विशेष० १०२७;

तरी. स्त्री० (तरी तरान्ति जनान्यनयति) तरवानुं साधन भञ्छेवा. तैरने का साधन; नाव. A means to sail; a boat. पिं० नि० १०२;

तरु पुं० (तरु) वृक्ष; आड. वृक्ष. A tree. आया० २, १०, १६६; ओव० ३८; नाया० १; भग० २, १; जीवा० २; (२) पनस्पति काय वनस्पति काय vegetation-embodiment प्रब० ४८८; क० गं० ३, १२;—काल पुं० (-काल) पनस्पति काय; अनंतकाल. वनस्पति काल; अनंत

काल. infinity; a period of vegetation. भग० ११, १; विशेष० ३३३७;
—गण. पुं० (-गण) वृक्ष समूह. वृक्ष समूह. a collection of trees. प्रव० १११३; —पक्ष्वांदोलय. त्रि० (-पक्ष्वांदोलक-तरुपक्ष्वांदोलयार्थे आत्मानमान्दोलयन्ति ये ते तथा) आ३ उ३२थी प३ने भरनार; पाल भरलुनो अेक प्रकार. वृक्ष के ऊपर से गिरकर मरने वाला. (one) whodies of a fall from a tree. ओव० —पडण न० (-पतन) आ३ उ३२थी प३ने भरनुं ते; पाल भरलुनो अेक प्रकार. वृक्ष से गिर कर मरजाना; वाल मरण का एक प्रकार dying of a fall from a tree; a kind of ignorant death. ठा० २, ४, निसी० ११, ४१, नाया० १६; भग० २, १; —पडणट्टाण न० (-पतनस्थान यत्र मुमूर्ख एवानशनेन तरुवत्पत्तिता स्तिष्ठन्ति तत् तरुयो वा यत्र पतन्ति) आ३ उ३२थी प३ने भरवानुं स्थान वृक्ष पर से गिर कर मरने का स्थान a place to die of a fall from a tree. “ गिद्धपट्ट ट्टाणेषुवातरु पडणट्टाणेषुवा ” द्वाया० २, २, ३, १६६; —वर पुं० (-वर) भोटो आ३. बडा वृक्ष a big tree. नाया० १; —संपया खी० (-संपत्) वृक्षनी संपत्ति. वृक्ष की संपत्ति prosperity or wealth of trees. नाया० ११; तरुण त्रि० (तरुण) युवान-लुवान. युवा, तरुण Young भग० ६, ३३; १४, १; १५, १; १६, ४; १६, ३; २५, ८; नाया० १; ओष० नि० २०; ओव० १०, जीवा० ३, २, ३. राय० ३२, आया० २, ५, १, १४१; उवा० ७, २१६; गच्छा० १०६, कप्प० ३ ४२, (२) नवीन; ताल्लु नया, ताजा fresh; new. ओव० १०; —आइच्च. पुं० (-आदित्य) सवारता पछोरनो सूर्य.

प्रातःकाल का सूर्य the morning sun. उत्त० ३४, ७;
तरुणअ पुं० (तरुणक) लहानो पालक; स्तन-न्धय. छोटा बालक; स्तनन्धय. A child; a suckling. “ पूयणां इव तरुण ” सूर्य० १, ३, ४, १३;
तरुणग. त्रि० (तरुणक) ननुं. नया. New. भग० १५, १; दम० ५, २, १६;
तरुणिया-आ खी० (तरुणिका) क्षापी पत-भूति कच्ची वनस्पति. Raw vegetation. आया० २, १, १, २; दस० ५, २, २०;
तरुणी खी० (तरुणी) युवान स्त्री; युवती. युवा स्त्री, युवती. A young female. भग० ६, ३३; १९, ३; नाया० १: पण्ह० २, ५; —पडिकम्म न० (-प्रतिकर्म) स्त्रीने शोभावनानु विज्ञान; ३१ भी कला. स्त्री को शोभा देने का विज्ञान; ३१ वीं कला. an art of adorning a lady; the 31st art ज० प० ओव० ४०, नाया० १;
✓तल धा० II. (तल) तेलभां तलनुं. तेल में तलना. To fry in oil. तलेति. विवा० ३;
तल पुं० (तल) हाथनुं तलीडि; हथेली. हाथ का तल; कर तल; हथेली. The palm. ज० प० ५, ११२; ७, १४०; नाया० १; ठा० ८; ओव० पञ्च० २; जीवा० ३, ४; राय० २८; सू० प० १८, ओष० नि० ४६०; सम० प० २१०; (२) मध्यभांड मध्य खंड. the middle portion. ठा० ८; (३) तलीडि. भुमिनु तलु. तला, भूमि का तल; भूतल. the surface of the earth. ओव० १०, पञ्च० २, सम० ११, भग० १५, १; पि० नि० ३५७, नाया० १; विवा० ३; उवा० २, १०२; १०५;
तल पुं० (*तल) ताडवृक्ष अने तेनु तल ताडवृक्ष व उस का फल The palm

tree or its fruit. नाया० ८; भग० ११, ११; दसा० ५, ३४; ३५; वव० १; तल. पुं० (ताल) ताड वृक्ष अने तेनुं इल. ताड वृक्ष व उसका फल. The palm tree or its fruit. नाया० ८; भग० ११, ११; दसा० ५, ३८; ३९; वव० १; (२) छायना ताल; तालीनो अवान. हाथ के ताल करतल ध्वनि clapping of hands. जीवा० ३, ३; सूय० २, २, ५५; नाया० राय० —ताल पुं० (-ताल) गायनना तालप्रमाणे ये हथेलीथी पाडवाभां आवति ताही, ताल. गाने के ताल के अनुमार दोनों हथेली से बजाई जातं ताली; ताल. clapping of hands to keep time to singing. जं० प० ५, ११५; श्रोव० ३२, नाया० १७, कप० २, १३; —पत्त. न० (-पत्र) ताड वृक्षना पांडा. ताल वृक्ष के पत्ते. palm leaves. नाया० १७; —पमाणापत्त. न० (-प्रमाणमात्र) ताड वृक्ष प्रमाणे ताल वृक्ष समान resembling a palm tree. नाया० ८; —फल न० (-फल) ताड वृक्षनु इल ताल वृक्ष का फल. the palm-tree fruit भग० १७, १; —संपुड न० (-सम्पुट) ताडना सुखा पांडाको पडा ताल के सूखे पत्तों का पुडा a bundle of dried palm leaves " तेलिपमाणा तलसंपुडं " सूय० १, ५, १, २३; तल. पुं० (: तिल) तल; ओड प्रकाशुं धान्य. तिल, एक प्रकार का धान्य. Sesamum, a kind of seed. सू० प० ११, तलओडा. श्री० (तलोडा) ओ नाभनो गुच्छो; नेलेडा. इस नाम का गुच्छा, तलोडा. A bunch, cluster of this name. पत्र० १, तलण. न० (तलन) तलनुं; लुंअं तलना;

भूना. Frying: roasting. परह० १, १; विवा० ३; तलभंगय. न० (तलभङ्ग) भुज्जमां पहेरवा- तु आभूषण भुजा में पहिने का आभूषण. An ornament worn on the arms. जीवा० ३, ३; श्रोव० २२; पत्र० २; तलवर. पुं० (तलवर) राजाये प्रसन्नताथी अक्षीस आपेक्ष रत्नभूषित सुवर्णपट्ट भरतके धरनार धनवान् गृहस्थ. राजाने प्रसन्नता मे पारितोषित किया हुआ रत्नभूषित सुवर्णपट्ट मस्तक पर धारण करने वाला धनवान् गृहस्थ. A rich man wearing on his head a gold medal studded with jewels which is presented by a king. पत्र० १६; जं० प० जीवा० ३, ३; नाया० १; अणुजो० १६, श्रोव० कप० २, ६२; (२) कोटवाल. a city guard. निर० ३, ४; राय० २५३; नाया० ५, १४; १६; भग० ६, ३३, १५, १; (३) तलाटी. पटवारी. a village revenue officer or accountant अणुजो० १३१; तलाअ-य. पुं० (तडाग) तलाव. तालाव. A pond. श्रोव० ३८; तलाग. पुं० (तडाग) लुओ उपेला शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. आया० २, १, १, १२; अणुजो० १३६; पत्र० २, श्रोव० जीवा० ३, ३, उत्त० ५, ३०; विशेष० ६२५; परह० २, ४; तलार. पुं० (*तलवर) कोटवाल, नगर-रक्षक अधिकारी. The city-guard; a police officer. सु० च० ११, ६०; तलिअ-य त्रि० (तलित) तलेल; लु अेल. तला हुआ. भूना हुआ. Fried; roasted. विवा० २; उवा०-८, २४०; तलिअ त्रि० (तलिक) जेडा- पगरपांथी

ढंकायेल पग. जूतो से ढका हुआ पैर.
foot covered by a shoe
श्रोघ० नि० ६८;

तलिआ. स्त्री० (तलिका) तलाध. तलाई;
सुजनी A small pond. गच्छा० ११४;

तलिगा स्त्री० (तलिका) सपाट, मोजडी
सपाट; जूता Slippers प्रव० ६८३,

तलिण त्रि० (तलिन) पतलुं; ग्रीष्म.
पतला, बारिक Thin जीवा० ३, ३, जं०
प० श्रव० १०;

तलिम. न० (तलिम्) धस्ताल करताल
Clap of a hand सु० च० २, ५८७;

तलिम. न० () शय्या; पलंग वगैरे
शय्या, पलंग इत्यादि A cot; a bed
नाया० १६;

तलिमा. स्त्री० (*) शय्या. शय्या. A
cot. नाया० १६,

तलिया. स्त्री० (तलिका) ओक जलतुं वासण
पात्र विशेष, एक जाति का बरतन-पात्र.
A kind of vessel. भग० ११, ११;

तलुण त्रि० (तरुण) लुणो " तरुण " शब्द
देखो " तरुण " शब्द. Vide " तरुण "
नाया० १६,

तल्लज न० (तल्लज) ओक जलतुं पत्र. एक
प्रकार का घास A kind of grass.
परह० २, ३,

तलिच्छु. त्रि० (तल्लिप्स-तत्पर) तेनी धृष्टा.
पाथो. उस की इच्छा वाला Desirous
of that सु० च० २, २४२, नाया० ४,

तल्लेसा स्त्री० (तल्लेश्या) ते सत्यथी लेश्या
उसके सवधमे लेश्या A thought-tint
related to that भग० १, ७, ३, ४,

✓तव धा० I, II (तप्) तप्यु. तपना
To get heated (२) तपायतुं.
तपाना, गरम करना. to heat.

तवेइ भग० १, ६;

तवइ राय० १२०;

तवेति भग० ७, १०, ८, ८; सू० प० १८,
तवंति. जीवा० ३, ४; जं० ५, १२१;

तवइस्सति भग० ७, ६;

तविस्संन्ति. जं० प० २, ३६; ७, १२६;

तवइंसु भू० जं० प० ७, १२६;

तवयइ. प्रे० सम० १६;

तवयन्ति. प्रे० जं० प० ७, १३६;

तव. पुं० (तपस्) जेनाथी कर्मनो क्षय
थाय ते तपकर्म, अनशन आदि पार
प्रधारना तप, तपस्या. जिससे कर्मोंका
क्षय होता है वह तपकर्म, अनशन आदि
बारह प्रकार के तप, तपस्या. An austeri-
ty, a penance e. g. fasting etc;
that which destroys the
Karmas तवसा. तृ० ए० व० नाया०
१, ५; १६; भग० ८, ७; नाया० दस०
५, २, ६; ४२, ६, १; ६८,
८, ६२; १०, १, ७, १४, भग० १, ६, ४२,
१, पञ्च० १, २३; जीवा० ३; उत्त० १, १६;
४७; २६, २, श्रव० १२, २०, सम० १०; जं०
प० नदी० ५, पिं० नि० १८५; २६२;
श्रोघ० नि० ५२६; ठा० ५, १, आया० १,
२, ३, ७६; उवा० १, ७२, प्रव० ६;
श्रव० १, १, गच्छा० ५; १००; पंचा०
६, ५, ११, १६, भक्त० ३, १२८,
—अमद. त्रि० (-अमद) तपना भदधी
रहित. तप के मद से रहित. free from
the pride of austerity. भग० ८,
६, —अरिह त्रि० (-अर्ह) तपने योग्य.
प्रायश्चित्तनो छे प्रका०. तप के योग्य,
प्रायश्चित्त का छटा प्रकार fit to per-
form an austerity, the 6th form
of expiation ठा० ८, १०, भग० २५,
७, —आचार पुं० (-आचार) पार
प्रधारना तपनो आचार, जेथी तप शुद्ध थाय

ते बारह प्रकार के तप का आचार; जिससे तप शुद्ध हो वह the performance of the austerity of 12 kinds; that which purifies an austerity. "अगिलाए अणाजीवी नायव्वो सो तवास्सयारी" ठा० २, ३; ५, २; सम० प० १६८, —उपहाण. न० (—उपधान) उपधान तप. उपधान तप the Upadhāna austerity "तवोवहाणे मुणिवेजयंतं" सूय० १, ६, २०, पंचा० ६; सम० प० १६८, —गुण पुं० (—गुण) तपना गुण आचार, अनशन आदि तप के गुण आचार, अनशन आदि. the varieties of austerity; fasting etc. अ० ६; —चरण न० (—चरण) तपनु आचरण करने से तप का आचरण करना, संयम अनुष्ठान the practice of austerity or self-restraint "तवचरणे होहजइयव्वं" सूय० नि० १, ५, १, ६२; अणुजो० १३०; नाया० ६; —चरणसमाप्ति स्त्री० (—चरण समाप्ति) तपश्चर्या की समाप्ति, तपपुरु थाय ते तपश्चर्या की समाप्ति, तप का संपूर्ण होना the fulfilment or completion of an austerity. प्रव० १२६३, —चरणि त्रि० (—चरणिन्) तपोनुष्ठान करनेवाला, तपस्वी तपोनुष्ठान करने वाला, तपस्वी an ascetic, one who practices austerity. "साइज्जंतो एगं वच्चइ एसो तवचरणी" ठा० ५, ३; —चियाय. न० (—त्याग) तप अने त्यागदान. austerity and renouncement नाया० ८, —तेण त्रि० (—स्तेन) तप संयमधी जुहु भोवनार, जेभडे कोष्ठये कोष्ठकृश मुनिने प्रहयुं के तमे तपस्वी छे? त्पारे तेले क्यु के छे, मुनीओ तपस्वी होय छे तप के सबव

मे असत्य बोलनेवाला; यथा किसी ने कृश मुनि से पूछा कि आप तपस्वी हैं? तब उसने उत्तर दिया कि हाँ मुनिगण तपस्वी होते हैं. (one) who tells a lie in connection with austerities, e. g. when one asked of an emaciated sage whether he was practising penances, he said "Yes, all the sages perform penances" "तवतेणे वयतेणे" दस० ५, २, ४६, —दुद्धम. त्रि० (—दुद्धम) तपे करी पल्लु जेनुं दमन न थल शके ते. तप से भी जिसका दमन न हो ऐसा. that which cannot be subdued even by a penance. प्रव० ७६१; —नियम. पुं० (—नियम) तप अने नियम—पञ्चखाण. आलु तप और नियम—पञ्चखाण. austerity and regulation or vow जं० प० ७, १६२; —निरय. त्रि० (—निरत) तपभा लयवीन—तत्पर तप में तल्लीन—तत्पर. devoted to austerities. सू० च० १, ३८८, —प्रहाण. त्रि० (—प्रधान) तपभा प्रधान—उत्तम तप में प्रधान—उत्तम. the best in austerities नाया० १; राय०—वल न० (—वल) तपनु सामर्थ्य. तपका सामर्थ्य. the power of austerities. ठा० १०; —मद-य. पुं० (—मद) तपने भद-अहंकार तप का मद-अहंकार. the pride of austerity सम० ८; ठा० १०; —मद पुं० (—मद) जुओ उपयो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above. ठा० ८, १; —विणय. पुं० (—विनय) तपभा अने विनय तपस्या व विनय austerity and modesty प्रव० ६७२; —विसय पुं० (—विषय)

तपने विषय. तप का विषय. an object of austerity. नाया० ८; —संजम. न० (—संयम) तप अने संयम. तप व संयम. austerity and self-restraint. प्रव० ५६१; दस० ८, ४१; —संजमप्यहाण. पुं० (—संयमप्रधान) तप अने संयमभा । प्रधान तप व संयम में श्रेष्ठ. chief in austerity and self-restraint. “ तवसंजमप्यहाण गुणधारी जे वयंति सदम्भावं ” सूय० नि० १, ११, ११४; —संजमरय पुं० (—संयमरत) तप अने संयमभा तत्पर तप व संयम में तत्पर. devoted to austerities and self-restraint. श्रव० —संयउत्त. त्रि० (—सप्रयुक्त) ७६ अक्षमादि तपमां ज्येष्ठयेन एक दिन या दो दिनके तप में रत. given to the austerities of one day or two day's fast etc. कप० ६, ६१; —सत्त त्रि० (—सक्त) तपमा तत्पर—प्रेमी तप में तत्पर—प्रेमी. devoted to austerities प्रव० ५५१; —समाहि. पुं० (—समाधि) तपनी समाधि, कैल निर्जरा अर्थे समाधिभावे तप करवुं ते तप की समाधि; केवल निर्जरा के हेतु समाधि भाव से तप करना. a contemplation in the form of austerity; practising a penance in the form of contemplation in order to destroy the Karmas. “ चउव्विहाखलु तवमप्यही भवइ ” दसा० ६, ४१; —सामायारी स्त्री० (—सामाचारी) आर प्रकारे तप करवुं ते; तपनुं अनुष्ठान द्वादश प्रकार से तप करना; तप क अनुष्ठान. practising of penances in 12 ways, the practice of an austerity दसा० ४, ७; —सूर त्रि०

(—शूर) तप करवाभां शूरो. तप करने में शूर. brave in performing penance. “ तवसूरा अणुगारा ” संथा० ठा० ४, ३;

तवअ. पुं० (तवक) तावडे। तवक; तसला; थाली. A flat dish; a plate; a tray. विवा० ३;

तवग्ग. पुं० (तवर्ग) त, थ, द, ध, न ने वर्ग. त, थ, द, ध, न का वर्ग. The class of dentals e. g. Ta, Tha, etc राय० ६४;

तवग्गपाविभत्ति. न० (तवर्गप्रविभक्ति) अे नामनुं ३२ नाटकमांनुं १८ भुं नाटक. इस नाम का ३२ नाटक में से १८ वां नाटक. The 18th drama so named out of the 32. राय० ६४,

तवण. पु० (तपन-तपतीति तपनः) रवि; सूर्य. रवि; सूर्य The sun. अणुजो० १३१; पि० नि० भा० १; —अच्चिमालि. पु० (—अर्चिमाज्जिन्) ताप करतो सूर्य. गर्मी-उत्पन्ना देनेवाला सूर्य. the heat-producing sun. दस० ६, १, १४;

तवणा स्त्री० (तपन) सूर्य तो ताप. सूर्य का ताप. The heat of the sun. उत्त० ३०, ५;

तवणिज्ज. न० (तपनीय) रातुं सोतुं, तपावेन सोतुं रक्त सुवर्ण; गरम किया हुआ सोना. Red or heated gold. “तवणिज्जबालुया पत्थडे” जीवा० ३, ४; सम० प० २१३; श्रव० १०, नाया० १, राय० ६१, ६३; १६४; भग० १५, १; पज० १, २, जं० प० ५, १२३; ७, १६६; ५, ११६; ४, ६३, ४; १०७; —उज्जल. त्रि० (—उज्जल) राता सुवर्ण जेथु उज्जल. गरम किये हुए सुवर्ण समान उज्जल (anything) as bright as heated gold भग० ६, ३३;

तवशिज्जकूड. पुं० (तपनीयकूट) जम्बुद्वीप-
ना इत्येक पर्वतस्य श्रेष्ठ-शिखरं. जंबूद्वीप
के-रुचक पर्वत का एक कूट-शिखर. A
summit of the mount Ruchaka
of Jambūdvīpa. ठा० ८;

तवणिय. त्रि० (तपनीय) तपना योग्य.
गरम होने योग्य; तपने योग्य. Fit to be
heated. नाया० १;

तवय. पुं० (तवक) तवाडे; कड़ाह. तसला;
कड़ाह. A tray; a frying pan
सु० च० ४, २१०;

तवस्सि त्रि० (तपस्विन्-तपश्चरितुं शील
मस्येति) अनशन आदि आरम्भकारे तप कर-
ना. अनशन आदि बारह प्रकार से तप क-
रनेवाला (One) who practises pen-
ance in twelve ways viz fast-
ing etc. भग० २, १, ३, २; ८, ८; १२, २;
१५, १; २५, ७; उक्त० २, २; १२, १०;
मय० २, ६, ७; वेय० ३, १६; दस० ५, २,
४२, ६, ६०; ८, ३०; पि०नि० ६६०; सु०
च० १, ३८८; दसा० ५, ३०; ठा० २, ४;
नाया० ८; ओष०नि० ५३७; उवा० १, ७६;
कप्प० ६, २०; पंचा० १४, १४; प्रव० १८६,
५६४, —वैयावच्च. न० (—वैयावृत्त्य)
तपस्वीनी वैयावच्च करनी. तपस्वी की वैया-
वच्च करना service of an ascetic.
ठा० ५, १; वव० १०, २७; भग० २५, ७,

तविय. त्रि० (तप्त) तपेत् गरम थयेत्
गरम किया हुआ, तपाया हुआ. Heated;
warmed. सू०प० ११; सु० च० १, ३२;
भग० २५, १; ठा० ५, ३;

तविय. त्रि० (तापित) तपायेत्. गरम-उष्ण
किया हुआ. Heated. ज०प० भग० ११,
११; नंदी० ३७; सु०च० ४, ३१०;

तवोक्कम्म. न० (तपःकर्म) कर्मों को तपाने वाला
तप कर्म; तपोनुष्ठान. कर्मों को तपाने वाला

तपकर्म; तपोनुष्ठान. Austerity; the
practice of penance. ठा० २, १;
नाया० १; ६, ८; १३; भग० २, १; ५; ३,
१; ७, ६; ८, ६; ६, ३१; वेय० ४, २५;
वव० १, ३७; ओव० १५; सम० ६; दसा०
१०; ११;

तवोक्कम्मगंडिया स्त्री० (तपःकर्मगण्डिका)
तप कर्मों की विवरण पुस्तक. तप कर्म
के विवरण वाला पुस्तक. A book con-
taining the description of aus-
terities. सम०

तवोधन. न० (तपोधन — तप एव धनं यस्य
सः) तपस्वी; तप योग्य होने वाला धन छे ते.
तपस्वी; जिसका तप ही धन है वह. An
ascetic; (one) whose wealth is
austerity. “अयमारेतवोधने ” उक्त०
१८, ४;

तवोमग्गगइ स्त्री० (तपोमार्गगति) उत्तरा-
ध्ययन-नाम ३० भां अध्ययन नाम. उत्तरा-
ध्ययन-सूत्र के ३० वें अध्ययन का नाम.
Name of the 30th chapter of
the Uttarādhyaṇa Sūtra. सम०

तवोमय. पुं० (तपोमद) तपने में मद. तप का
मद. The pride of austerity.

“पञ्चामयं चैव तवोमयं च” सूय० १, १३, १५;

तवोवण न० (तपोवन) तपोवन; तप
करने का स्थल. तपोवन; तप करने का स्थल.
A penance-grove; a place of
performing a penance ओष० नि०
१६४;

तव्वइतिरिक्त त्रि० (तद्वतिरिक्त) तथै
अन्य; ते सिवाय. उससे पृथक्; उसके अति-
रिक्त. Different or other than
that. ठा० २, १; भग० २, ५;

तव्वक्खाण. न० (तद्व्याख्यान) तेषु व्या-
ख्यान; कथन. उसका व्याख्यान; कथन.

Its description or expostulation. विशेष ३;

तद्वग. पुं० (तद्वर्ग) तेनो वर्ग-ने संख्या
होय तेने तेवला गणना करीये ते. उसका वर्ग-
जो संख्या हो उसके उतने ही गुने किये
जाय वह. Its square; squaring
a number क० गं० ४, ८७;

तद्वज्जण न० (तद्वर्जन) तेने वर्ग-पुं०-छोडवु
ते उसको छोडना-त्याग करना. Aban-
doning that. नाया० १५;

तद्वर्णिय. पुं० (तद्वर्ण) बौद्ध धर्म-ने मान-
ना२; बौद्धता अनुयायी. बौद्ध धर्म को
मानने वाला. (One) who follows
the Buddhist religion. विशेष
१०४१,

तद्वस्थुश्च पुं० (तद्वस्तु) वादीये ने
साधननो उपन्यास कर्यो होय तेने लधने
प्रतिवादी उपपत्ति पूर्वक प्रत्युत्तर आपे ते.
वादी ने जिस साधन का उपन्यास किया हो
उसे लेकर प्रतिवादी का उपपत्ति पूर्वक
प्रत्युत्तर देना. Giving a persua-
sive reply by the defendant
taking the very point which
the plaintiff has advanced ठा०
४, ३;

तद्वचयण पुं० न० (तद्वचन) व्युत्पत्ति अनु-
सार यथा अर्थने कहेनार शब्द-वैयक्तिक शब्द
पंक्त्यो पगेरे. व्युत्पत्ति के अनुसार होते हुए
अर्थ को कहने वाला शब्द, यौगिक शब्द,
पंक्त्य इत्यादि. A derivative, ety-
mological word e g. Paṅkaja
etc. ठा० ३, ३; पचा० ४, ३४,

तद्विमुक्त. त्रि० (तद्विमुक्त) तेनाथी मुक्त
उससे मुक्त Free from that नाया०
६;

तद्विवरिअ त्रि० (तद्विवरित) तेनाथी विप-
Vol III/5

रित; उलटुं. उसमे विपरीत. Opposed
to that. विशेष ५६; भग० १६. ६;
गच्छा० ६७;

तद्विषय पुं० (तद्विषय) तेना विषय.
उसका विषय. Its object. विशेष ४८७;
—विचारणा. स्त्री० (-विचारणा) तेना
(शास्त्रना) विषयनो विचार करवे ते
उसके (शास्त्रके) विषय का विचार करना
thinking or meditation of that
(scriptural) subject प्रब० ६५;

तद्विसेसण. न० (तद्विसेषण) तेनुं विशेष-
रूपे ज्ञान. उसका विशेष रूप से ज्ञान. Its
particular knowledge. विशेष २५४;

तस. धा० I. (तस्) तस पाभी भागी
छुटपुं; पलायन करपुं. तस्त हांकर पलाय-
मान हो जाना-छू हो जाना-भग निकलना
To run away being troubled

तसंति आया० १, १, ६, २०; सूय० १, ७, २०;

तस. पुं० (तस) दुःस्थिती तस पाभी ऐक
स्थानथी भीने स्थाने जवानी गति शक्ति
वाला प्राणी; तस जव; ये ध्निद्वय आदि
जव. दुःख से तस्त हांकर एक स्थान से
दूसर स्थान को जाने की शक्ति वाले प्राणी
तस जीव; द्वि इन्द्रिय आदि जीव. That
which would run away being
frightened, a mobile creature.

आया० १, १, ६, ४८; नदी० ४५; ठा० ३, २;

२, १; दस० ४, ६, १०, २४; सूय० १, ७, २०;

उत्त० ५, ८, १०; ओव० ३८; क० गं० १,

२६; (२) तसकाय भाग्येण. तसकाय

मार्गेणा soul-quest of a mobile

creature क० गं० ४, २२; (३) नाम-

कर्मनी ऐक प्रकृति के तेना उदयथी जव

तसपणुं पाभी नामकर्म की एक प्रकृति

किं जिसके उदय से जीव तसपना प्राप्त करे a

nature of Nāma Karma by

the rise of which a soul gets the body of a mobile creature. पञ्च० २३; —काइय. त्रि० (—कायिक) त्रसशाय ७५ त्रसकायजीव. a mobile-bodied being. भग० ८, २; दस० ४; —काय-अ. पुं० न० (—काय) दासता आसता ७५; ये धन्द्रिय, ते धन्द्रिय, यो धन्द्रिय अने पंचेन्द्रिय ७५. हिलने चत्तने वाला जीव; द्विन्द्रिय, त्रैन्द्रिय, चोन्द्रिय व पंचेन्द्रिय जीव. a mobile being; two-three-four and five-sensed beings. आब० ४, ७; आया० १, ६, १, १२; स्य० २, ८, ६; सम० ६; भग० ५, ६; ७, १०; दस० ६, ४४; क० ग० ४, १३; —कायसमारंभ. पुं० (—कायसमारंभ) त्रसशायनो समारंभ; त्रस शायने उपद्रव इत्येते. त्रस काय का समारम्भ; त्रस काय को उपद्रव करना. causing injury or harm to a mobile being दस० ६, ४६; —चउ. न० (—चतुष्क) त्रसनाम, आदरनाम, पर्याप्तनाम अने प्रत्येकनाम अथवा चार प्रकृति. त्रसनाम, वादरनाम, पर्याप्तनाम व प्रत्येकनाम ये चार प्रकृति. the four Karmic matters viz. Trasanāma (mobile name), Bādarnāma (gross name), Paryāptanāma, (developable name) and Prateyakānāma (one-souled-constitutional name). क० ग० १, २८; ५, १३; —चउक. न० (—चतुष्क) त्रस, आदर, पर्याप्त अने प्रत्येक अथवा चार प्रकृतिनाम समुदाय त्रस, वादर, पर्याप्त व प्रत्येक इन नामकर्म की चार प्रकृतियों का समुदाय an aggregate of the 4 Karmic matters, viz. Trasa, Bādara, Paryāpta and Prat-

yeka. क० ग० १, २८; —जिय. पुं० (—जीव) त्रस ७५. त्रस जीव. a mobile creature. क० प० ४, ७; १, ४४; —एवग. न० (—नवक) त्रस, आदर आदि नामकर्मनी नव प्रकृतिनाम समूह. त्रस, वादर आदि नामकर्म की नौ प्रकृतियों का समूह. an aggregate of the nine Nāma Karmic matters viz. Trasa, Bādara etc. क० ग० २, ६; —तिग. न० (—त्रिक) त्रस, आदर अने पर्याप्त अथवा ३ प्रकृतिनाम समूह. त्रस, वादर व पर्याप्त इन तीन प्रकृतियों का समूह an aggregate of 3 Karmic matter viz. Trasa, Bādara and Paryāpta. क० ग० २, २३; ३३; —थावर. पु० (—स्थायवर) त्रस अने स्थावर ७५. त्रस व स्थावर जीव mobile and immovable creatures. दस० १०, १, ४; प्रव० ८२६; १२४७; —दसग. न० (—दशक) त्रस, आदर आदि नामकर्मनी दस प्रकृतिनाम समूह. त्रस, वादर आदि नामकर्म की दश प्राकृतियों का समूह. an aggregate of the 10 natures of Nāma Karma viz. Trasa, Bādara etc क० ग० १, २६; —नव. न० (—नवक) त्रस, आदर, पर्याप्त, प्रत्येक, स्थिर, शुभ, सौभाग्य सुस्वर अने आदेयनाम अथवा नामकर्मनी नव प्रकृतिनाम समूह. त्रस, वादर, पर्याप्त, प्रत्येक, स्थिर, शुभ, सौभाग्य, सुस्वर व आदेयनाम इन नाम कर्म की नौ प्रकृतियों का समूह. an aggregate of the 9 natures of Nāma Karma viz. Trasa, Bādara, Paryāpta, Pratyeka, Sthira, Śubha, Saubhāgya, Susvara and Ādeyanāma. क०

गं० २, ६; —नाडी स्त्री० (—नाडी)
 त्रस श्रवणे रहेवाने प्रदेश के जे लोकनी
 पश्ये ओक राज प्रमाण लोकनी नीयेना
 छेथी उपरना छेडा सुधी छे. त्रस जाँवों
 को रहने का प्रदेश कि जो लोक की मध्यमे
 एक राज प्रमाण लोक के नीचे के सिरेसे
 ऊपर के सिरे तक है the space
 occupied by mobile creatures,
 which measures one Rāja in
 the middle of the world, and
 extends from the lower
 to the upper extremity of
 the world. प्रब० १३; —नाम.
 न० (—नामन्) जेना उदयथी त्रसपणुं
 भवे तेनी नामकर्मनी ओक प्रकृति जिसके
 उदय से त्रसत्व प्राप्त हो ऐसी नामकर्म की
 एक प्रकृति a nature of Nāma
 Karma by the rise of which
 a soul gets birth as a mobile
 creature. सम० २८, —पाण पुं०
 (—प्राण) हावता आलता प्राणी. चलता
 फिरता प्राणी. a mobile creature.
 उत्त० २४, १८; प्रब० ६१७; —पाणस-
 मारंभ पुं० (—प्राणसमारंभ) त्रस
 श्रवणेनी हिंसा. त्रस जीवों की हिंसा.
 injury to the mobile creatures
 भग० ७, १; —वीस. न० (—विशक)
 त्रस विशक; त्रस आफर आदि नामकर्मनी
 वीथ प्रकृतिओने समूह. त्रस विशक, त्रस
 वादर आदि नामकर्म की बीस प्रकृतियों
 का समूह an aggregate of the 20
 natures of Nāma Karma viz
 Tīasa, Bādara etc क०ग० ५, १६;
 तसकायियत्ता स्त्री० (—त्रसकायिकता) त्रस-
 शायपणु त्रसकायत्व-पना. The state
 of having a mobile body भग०

६, ५;

तसत्ता. स्त्री० (त्रसता) त्रसपणुं त्रसत्व;
 त्रसपना. Mobility. सूय० २, ७, ६;
 तसरेणु. पु० (त्रसरेणु) वालाग्रने ६४ भा
 भाग; रथरेणुने आठमे भाग. वालाग्रका
 ६४ वां भाग; रथरेणु का आठवां भाग.
 the 64th part of Vālāgra
 (the tip of a hair); the 8th
 part of Ratharenu. अणुजो० १३४,
 जं०ग० २, १६, भग० ६, ७, प्रब० १४०१,
 तसवाइया स्त्री० (त्रसपादिका) त्रिषट्तीय
 श्रव विशेष त्रिइद्रिय जीव विशेष A
 particular three-sensed being
 जाँवा० १;
 तसिय. त्रि० (त्रस्त) त्रस पाभेल त्रस्त,
 त्रस पाया हुआ. Troubled, harassed.
 नाया० १; ३; ४, ५, भग० ३, १, १२, १;
 १५, १, दस० ४; पन्न० २; उवा० ८, २५६,
 तसेत्तिकाल. पु० (त्रसत्वकाल) त्रस-
 पणुमा रहेवाने क्षण. त्रसगने में रहने का
 काल The period of existing
 in a state of mobility. जीवा० १,
 तसन्नि. त्रि० (त्रसंज्ञिन्) विपक्षित ज्ञानवाले
 विवक्षित ज्ञानवाला. Having a parti-
 cular knowledge alluded to
 आया० १, ५, ४, ४७, १, ५, ६, १६६;
 तस्सम त्रि० (तत्सम) तेना जेपुं. उसके
 समान Like that विशेष० १३०;
 तस्सीलय त्रि० (तच्छीलक) तेना स्वभाव
 वाला. उसके स्वभाववाला Having
 that nature. विशेष० १०४७;
 तस्सेवि त्रि० (तस्सेविन्) आलोचनाने ओक दोष;
 जे दोष प्रथम सेव्यो होय ते पुनः सेवनार
 जिस दोष का पहिले सेवन किया हो उसे
 पुनः सेवन करने वाला, आलोचना का एक
 दोष Indulging in the same

fault which is once incurred; a fault of *Ālochanā* (confession)

भग० २६, ७; ठा० १०;

तह. न० (तथ्य) यथार्थ. यथार्थ. True.

“तहमेवं देवाणुपिषया” भग० ११, ११;

सूय० नि० १, १३, १२२;

तहं अ० (तथा) तेमन्; ते प्रकारे. उमी रीतिसे; उस प्रकारसे. In that manner

भग० २, १; उवा० १, १२,

तह अ० (तथा) ते प्रकारे; तेवी रीति.

उस प्रकार-रीतिसे; ऐसी रीतिसे. In that

or this manner. नाया० १, ६; ७;

८; ६; १०; ११; १५; १६; १८; भग०

२, १; १०; ५. ६; पञ्च० ११; विवा० १;

उवा० १, ६७, प्रव० ८. क० गं० २, १;

तहकार. पुं० (तथाकार) गु३ये तत्प्रतिपादन

करती वगते के शास्त्रनो पाठ आपत्ती वगते

शिष्य तद्वृत्तिने-तेमन् छे, येम कहे ते साभा

आरीनो आइमे प्रकार गुरुजी जब तत्व का

प्रतिपादन करते हैं उस समय शास्त्र का पाठ

देवें तब शिष्य ने “तहृत्ति-ते” वह ऐसाही है

ऐसा कहना यह समाचारी का आठवां प्रकार

The corroboration by a dis-

ciple saying “It is so” at the

time when a preceptor discus-

ses some truth and reads a

scriptural passage. उत्त० २६, ३;

भग० २५, ७, पंचा० १२, २; प्रव० ७६७;

तहच्च. त्रि० (तथार्च) तथा-पूरनी पेडे

अर्चा-लेख्या अथवा शरीर छे जेतुं ते. जिस

का तथा-पूर्व के समान अर्चा-लेख्या अथवा

शरीर हो. (One) who has an Archā

(thought-tint) or body as

before. सूय० १, १३. ७, २, ६, ४;

तहच्चा. स्त्री० (तथार्चा) तथा-तेवा प्रकारनी

अर्चा-लेख्या. तथा-उस प्रकार की अर्चा-

लेख्या. An Archā (thought-tint) of that sort. सूय० १, १३, १८;

तहणाण. न० (तथाज्ञान) जेवा प्रकारनी

वस्तु तेवा प्रकारनुं ज्ञान; यथार्थ ज्ञान. जिस

प्रकार की वस्तु उर्मा प्रकार का ज्ञान; यथार्थ

ज्ञान. True knowledge or per-

ception ठा० ६, १;

तहृत्ति. अ० (तथेति) तेमन्; नहेत; सुननुं

प्रति पादन करती वगते ओझवानो शब्द.

ऐसाही; तहेत, सूत्र प्रतिपादन करत

समय बोलने का शब्द It is so; amen;

a word spoken at the time

of reading a Sūtra. गाया० १; ५;

७; ८; १४; १६; १७; भग० ७, ६; ६, ३३;

राय० ३६; दमा० १; १; गच्छा० ५६,

तहृपि अ० (तथापि) तोपणु. तोभी, तथापि.

Even then. विशेष० ३१४, सु० च० १,

१८; १२४;

तहृप्यगार. त्रि० (तथाप्रकार) तथा प्रकारनुं;

तेवी रीतनुं तथा प्रकार का; वैसी रीति का.

Of that mode or manner. दमा०

२, १८; ६, १; ४; १०, ३; ४; भग० ३,

७; ७, ३; ८, ३; १३, ४; १५, १; पञ्च० १;

वेय० ४, २६; निरी० ११, २८, १७, ३३;

उत्त० ४, १२. सूय० २, ६, ६, दस० ४;

आया० २, १, १, १; कण्ठ० २, १७;

तहा. अ० (तथा) तेमन्, तेम. पडी वैसेही;

उसी तरह; भी In that manner;

even; तो. भग० १, १; ३; ३, १; ५, ४;

५; १२, १०; १६, २; १८, ५; २५, ८;

नाया० १; ३; ६; ८; १६; दस० ७, २२;

विशे० ५४; ६८; सु० च० १, १०८; अणुजो०

१७; सूय० १, १, १, १८; उवा० १, १२,

७६; क० गं० १, ३८, १, ४८;

तहागय-अ. पुं० (तथागत) तथा-लय

ब्रमण्युथी गत नीकलेख; लय ब्रमण्युमांथी

निवृत्त थपेल अरिहंत गणुधर विगेरे.
तथा-भव भ्रमण से गत-निकला हुआ; भव
भ्रमण मे से जो निवृत्त हुआ हो - ह; अरिहंत
इत्यादि. (One) free from rebirth
e. g. Arihanta etc. सूय० १, १३,
२; १, १५, २०, भग० १७, २; आया० १,
३, ३, १११;

तद्भावाव. पुं० (तथाभाव) तेवा प्रकाशना
भाव. उस प्रकार के भाव Sentiments
of that sort भग० ३, ६,

तद्भाभूअ. त्रि० (तथाभूत) तेवा प्रकाशनु;
यथार्थ. वैसे प्रकार का; यथार्थ Of that
manner, true "तोपेसंति तद्भाभूएहि"
उत्त० ५, ३०, सूय० १, ४, २, ४; दस० ८, ७,

तद्भाभूति. स्त्री० (तथाभूति) सत्य २५३५;
तथाश्च सत्य स्वरूप, तथारूप. The real
nature or form. दस० ७, ५;

तद्भाभूत. त्रि० (तथारूप) शास्त्रिभां यथु-
व्याछे तेवा यथोक्त गुणुना धरनार शास्त्र
में वर्णन किये हैं ऐसे यथोक्त गुणों को
धारण करने वाला. As described in
the Śāstras; possessing the
said merits. भग० १, ७; २, १; ५;
३, २; ५, ६, ७, १, ८, ६; १८, २; नाया०
१; ५; ८; १५, दसा० १०, ३; विशेष० २२४;
ओव० २७, वव० ३, ६, —साहु. पुं०
(-साधु) शास्त्रिभां यथावेष्ट आचार पात्र-
नार साधु. शास्त्र मे वर्णन किये हुए आचार
को पालन करने वाला साधु an ascetic
whose conduct is regulated
according to the scriptures.
नाया० १६,

तद्भावि. अ० (तथापि) तो पणु तथापि;
तदपि; तोभी. Even then नाया० १६;
भ ० ६, ३३, गच्छा० ६६; जं० प० ३, ५८;
तद्भाविह त्रि० (तथाविध) ते प्रकाशनु उस

प्रकार का. Of that manner. सु० च०
१, १०१; दस० ४, १, ८४; सूय० १, ४, १, १८;
तद्भावि. अ० (तत्र) त्यां; ते ठेकाछे तहाँ; वहाँ;
उस स्थान पर. There; at that place.
भग० ६, ७; ७, १०; ८, ८; २०, ९; २४,
२१; नाया० ८; १७, विवा० ५; विशेष० १०३२;
पिं० नि० १६६, उत्त० १२, ३६; क० ग०
१, ४५;

तद्भावि त्रि० (तथ्य) सत्य; वास्तविक सत्य;
वास्तविक True; real सूय० १, १२, १०;
उत्त० २८, १४; नाया० १२; उवा० १, ८५;
तद्भावि अ० (तस्मिन्) त्यां ते ठेकाछे वहाँ;
उस स्थान पर. Therein; in that
place "तद्भावि गधोदयपुष्पवासं" उत्त०
१२, ३६; विशेष० २७८;

तद्भावि अ० (तथैव) ते प्रकाशने तेमथ उस
प्रकार से, वैसे ही In that manner.
नाया० १, ५; ८, ६; १२; १४, १६, १७;
१८; भग० १, १; ६, ७; १८, ७; ३३,
५; ३६, १; दस० ५, १, ७१; ८, ७, ११;
१५; विशेष० २; क० ग० १, १४, जं० प० ५०५,
११४; ११२;

ता. अ० (तस्मान्) तेथी. उस से; उस लिये.
Therefore, hence जं० प० ५, ११२;

ता. अ० (तावत्) त्यांमुभी तावत्; वही तक;
तब लग. So long; till then विशेष०
१३३; ५४२; नाया० १; भग० २, १; वव०
२, २६; उवा० १, ७३;

ताअ-य. पु० (तात) पिता, आप पिता;
बाप Father. सूय० १, ३, २, २; उत्त०
१४, ६, नाया० १; ७, ८, १६; १८, सु०
च० १, ३४३, पणह० १, १;

तादृ. त्रि० (ताद्यिन्-तय् गतौ रक्षणे च-
त्यस्य धातोर्धञ् प्रत्यय. तयनें तायः स त्रि-
द्यते यस्यसौ ताद्यी) मोक्षभां जनार. मोक्ष
में जाने वाला. Attaining salvation.

सूय० २, ६, २४; (२) स्व अने परतो रक्षा-
प्राप्तवानार. स्व व पर का रक्षक-पवाने वाला.
(ono) who protects himself
and others. सूय० १, २, २, १७; २,
६, २४; दसा० ४, २६; उत्त० ११, ३१,
दश० ३, १४;

ताड त्रि० (ताड) स्व अने परती रक्षा कर-
नार. स्व व पर की रक्षा करने वाला
(Ono) who protects himself
and others. " तायत्तिस ताडणा "
दस० ६, २१; ३६;

✓ताड. भा० II. (तड) ग्राह्यु; मारुं;
ताडन करुं. बजाना; मारना; ताडन करना.
To sound; to kill; to beat; to
drive away.

ताडित्ति सु० न० २, १७६;

ताडिजा. वि० राग० २४४; २, २६४;

ताडित. गन्ध० १७;

ताडित्तित्ति क० वा० सु० न० १२, ६४;

ताडिजमाण. सूय० २, १, ४८, सु० न०
१, ३४२;

ताडण. न० (ताडन) ताडन; मारुं ते
ताडन; मारना. Beating; thrashing.
सूय० २, २, ६२; प्रव० ८३७;

ताण. न० (त्राण) रक्षा करुं ते; शरण.
रक्षा. रक्षण करना; शरण; रक्षण. Pro-
tection; shelter. सूय० १, १, १, ४;
१, १, ४, ३; आया० १, २, १, ६४; उत्त०
६, ३; नम० ३०; ओप० विशेष० २४७४;
कण० २, १४;

ताण. न० (तान) राग गाथाभां पदेष्टा मारवा
ते; रागनी धुन-तान राग गाने में आलाप
लगाना; राग की धुन-तान. The mode
of a tune in a song अणुजो० १२८;
तामरस पुं० न० (तामरस) कमल.
A lotus. सूय० २, ३, १८; पञ्च० १;

कण० ३, ४२;

तामलित्ति श्री० (ताम्रलित्ति) ओ नामनी
प्रां देशी ओड नगरी के नाम ताम्रि ताप-
सनी जन्म गयो ततो द्य नामकी बंग देश
की एक नगरी कि जहाँपर ताम्रि नाम का
जन्म हुआ था. A town so named
in the Banga region where an
ascetic named Tāmali was born.
पञ्च० १; भग० ३, १;

तामलित्तिया. श्री० (ताम्रलित्तिका) गोदास
शिवरथी नीकडेय गोदास गजुनी प्रथम
शाखा गोदास शिवर से निकले हुए गोदास
गण की प्रथम शाखा. The 1st branch
of Godāśvagana started by Go-
dāś 'Thivara. कण० ८;

तामली. पुं० (तामली) ताम्रलिप्ति नगरीना
शिवरथी (ध्यान भन्दो लय) भाषा
वशनी ताम्रि नामे गाथापति. ताम्रलिप्ति
नगरी का रहनेवाला (ईशान इन्द्र का जीव)
मौर्यस का ताम्रि नामक गाथापति. A
Gāthāpati named Tāmali of
the Maurya family resident of
Tāmrālipsi town. भ० ३, १;
—मोरिपुत्त पुं० (-मौर्यपुत्र) लुथो
उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide
above. भग० ३, १;

तामस. त्रि० (तामस) अज्ञान भाव. अज्ञान
भाव Ignorance. परद० १, ४; (२)
अंधकार. अंधकार darkness. जीवा०
३, —बाण पुं० (-बाण) शत्रु स आभामें
अंधकार फैलावे तेषु आयु. रण संग्राम में
अंधकार फैला दे ऐसा बाण. an arrow
which spreads darkness in a
battle-field. जीवा० ३, ३;

तायत्तीस त्रि० (त्रयस्त्रिंशत्) ३३; तेत्तीस.
३३, तेत्तीस. 33; thirty-three. भग०

३, १; १०; ४; जं० प० ५, ११६; ५, ११५;
२, ३३;

तायत्तीसग पुं० (त्रायस्त्रिंशक) ईश्वरा पूज्य
स्थानीय त्रायस्त्रिंशक जतिना देवता. इन्द्र
के पूज्य स्थानीय त्रायस्त्रिंशक जाति के देवता.
The gods of the Trāyastriṅśaka class adorable by Indra.
ठा० ३, १, कण्ठ० २, १३; भग० १०, ४;

तायत्तीसगत्ता. स्त्री० (त्रायस्त्रिंशकता) त्राय-
स्त्रिंशक देवतापण्डु त्रायस्त्रिंशक देवतापना.
The state of being a Trāya-
striṅśaka god. भग० २५, ६;

तायय. पुं० (तातक) पिता पिता. Father.
“ तायय अन्नं माय मवसेता पथं ” उक्त०
टी० २, ४४;

तार न० (तार) चांदी सोनानो तारवालो
चांदी-सोने के तार वाला Having a
silver or gold wire. प्रव० ४५३;
पञ्च० १, ११; राय० ४६; (२) उद्यो २५२,
नीत्यो २५२. ऊँची आवाज a loud voice.
राय० ८६,

तारग न० (तारक) आंभनी डिकि. आख
की पुतली. Pupil of an eye. जीवा०
३, ४; (२) विवेकजन्य ज्ञान. विवेक जन्य
ज्ञान. intuitive knowledge. राय०
(३) भीष्म प्रतिवासुदेव द्वितीय प्रति-
वासुदेव. second Prati Vāsudeva.
प्रव० २११; (४) तारा तारा. a star
नाया० १; —पहा. स्त्री० (-प्रभा) तारानी
प्रभा. ताराओंकी प्रभा. the light of
the stars. नाया० १;

तारगा स्त्री० (तारका) यक्षिनी छन्द पूज्य-
भद्रनी योथी पट्टराणी. यक्ष के इन्द्र पूर्णभद्र
की चौथी पट्टराणी. The fourth chief
queen of Pūnabhadra the
Indra of Yakṣa. ठा० ४, १;

तारग. न० (ताराग्र) तारातुं परिमाण.
ताराओं का परिमाण. The extent of
stars जं० प० ७, १२५; १५८;

तारण. त्रि० (तारण) तारना२; पार उतार-
ना२. तारने वाला, पार ले जानेवाला. (One)
who takes across. भक्त० २४;
—समर्थ. त्रि० (-समर्थ) संसार समु-
द्रभांथी तारवाने समर्थ. संसार समुद्र में से
तारने को समर्थ powerful to carry
across the ocean in the form of
the world भक्त० २४;

तारय त्रि० (तारक-तारयतीति) तारना२.
तारक; तारने वाला Conveyer; pro-
tector, supporter. जं० प० ५,
११६; नाया० १, विशेष० १०२८; ओव०
१२; राय० २३, सम० १; कण्ठ० २, १५,
(२) पुं० भीष्म प्रतिवासुदेव नाम. द्वितीय
प्रति वासुदेव का नाम. name of
the 2nd Prativāsudeva. प्रव०
१२२७,

तारया स्त्री० (तारका) लुओ ' तारगा
शब्द. देखो ' तारगा ' शब्द. Vide ' ता-
रगा ' भग० १०, ५; प्रव० ११४७;

तारा. स्त्री० (तारा) सुग्रीवनी स्त्री, सुग्रीव की
स्त्री. The wife of Sugrīva परह० १,
४; (३) तारा, नक्षत्र तारा नक्षत्र. planet,
constellation. राय० १६४, सूय० २,
६, ४७, ठा० १, १; ५, १, सम० १; ९;
ओष० नि० ६४१, भग० ८, १; नाया० १;
सू० प० १, जीवा० ३; उक्त० ३६, २०६;
ओव० २५, (३) आडमा यक्षवर्ती सुभूम-
नी माता आठवें चक्रवर्ती सूम्म की माता.
mother of the 8th Chakra-
vartī Sūbhūma जं० प० ७, १००;
सम० प० २३४, (३) ओ नामनी ओड
महानदी. इस नाम की एक महानदी. a

great river of this name. ठा० १०;
 —गण. पुं० (-गण) ताराओनो समूह.
 ताराओ का समूह. a group of plan-
 nets. जं० प० ७, १२६; भग० ६, १; —रूच.
 त्रि० (-रूप) तारा समान. तार के समान.
 like a planet. भग० ३, ७; ६, ५; ८;
 १८, ७; नाया० १;
 ताराविमाणजोदसिय. पुं० (ताराविमान
 ज्योतिष्क) तारा विमानना वासी ज्योतिषी
 देवता. तारा विमान के वासी ज्योतिषा देवता.
 Luminary gods, inhabiting
 the planetary celestial abode.
 भग० २४, १२;
 तारागण न० (तारागण) ओ नामनो ओक
 ऋषि. इस नाम का एक ऋषि. A sage of
 this name. सूय० १, ३, ४, २;
 तारावलिपविभक्ति. पुं० न० (तारावलिप्रवि
 भक्ति) ३२ नाटकभानुं ओक नाटक. ३२
 नाटक में से एक नाटक. A drama out
 of 32 dramas राय० ९१;
 तारिश्च. त्रि० (तारित) तारेख तार दिया
 हुआ. (One) who is conveyed
 across. दस० ५, १, ६, ४,
 तारिश्चा-या. स्त्री० (तारिका) तारिका देवी.
 तारिका देवी. Tārikā goddess. नाया०
 ध० ५; (२) आंभनी द्विक्. आंख की
 पुतली. the pupil of an eye. सु० च०
 १०, २५४;
 तारिम. त्रि० (तार्य) तारवा थोअ. तारने
 के योग्य. Fit to be conveyed
 across दस० ७, ३८; सूय० १, ३, २,
 १२;
 तारिस. त्रि० (तादृश) तेना जेवो, तेना
 सरपो. उसके जैसा-समान. Like that.
 दस० ५, १, ४४ २, २, ३६; ६, ३७, ६७; ८, ६४;
 उत्त० २७, ८; भग० ३, १; सु० च० १,

३४६; विशेष० २६; ओघ० नि० ६६७; पिं०
 नि० ५२८, प्रव० ५३१; कण्ठ० ३, ३२;
 पंचा० १६, २२;
 तारिसग. त्रि० (तादृशक) तेना जेवुं; तेवुं.
 उसके समान; वैंसा. Like that. भग०
 ११, ११; दस० ४, २७;
 तारिसय. त्रि० (तादृशक) तेवुं. वैंसा.
 Like that. पंचा० ८, ८;
 तारिसिय. त्रि० (तादृशक) जुओ उपलो
 शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
 नाया० ८; भग० ३, २; १५, १;
 तारुण. न० (तारुण्य) यौवन; युवावस्था.
 यौवन; युवावस्था. Youth; puberty.
 उत्त० १६, ३६; ४०; सु० च० १, १२८;
 तारुन्न. न० (तारुण्य) जुयानी; तारुण्य.
 तारुण्य; युवावस्था. Youth; puberty.
 भक्त० १३०; -
 ✓ ताल. धा० II. (तह) भारहुं; ताडन
 करवु मारना; ताडन करना To beat;
 to strike
 तालेइ. नाया० १६; १६;
 तालेति. नाया० ४; ५; भग० ३, १; अंत०
 ६, ३;
 तालेज्जा. वि० उवा० ७, २००;
 तालेइ. नाया० ५; १३;
 तालित्ता. नाया० १६;
 तालिज्जंत. राय० ८८;
 तालीत. नाया० १६;
 तालिज्जमाण. नाया० १६; सूय० २, ४, ११;
 तालेमाण. विवा० १; नाया० ८;
 ताल. पुं० (ताल) ताल (ताल) तुं आस.
 ताल (ताल) का वृक्ष The palm or
 palmyra tree. ठा० ४, १; ओव०
 भग० ८, ३; ६, ३१; १६, ६; १७, १;
 २२, १; पञ्च० १; राय० ३३; जीवा० १;
 कण्ठ० ६, ४५; जं० प० ७, १४०; (२)

तेनु क्षल उसका फल. its fruit सू० १, २, १, ६, (३) क्षंसीया, अंज वगेरे. भाक्क आदि cymbals. पञ्च० २; निसी० १२, ३२; आया० २, ११, १६८, ठा० २, ३, सू० २, २, ५५, (४) छाथनेो ताल; गायनना सुरमां ताल आपवेो ते. हाथ का ताल, गाने के सुरमे ताल देना. clap of hands; keeping time in singing जीवा० ३, ३, ४, सू० ५० १८; (५) ये नामनेो गोशालातेो मुख्य आचक. the chief layman of Goshālā भग० ८, ५; (६) तालु ताला. a lock. सू० २, २, ३७; —उग्घाडणी. छी० (—उद्घाटनी) तालु छिन्नाड्यानी छला-विधा ताला खोलने की कला-विद्या. an art of opening locks. सू० २, २, ३०; —जंघा. छी० (—जङ्घा) तालना वृक्षनी समान जंघा. a thigh like a palmyra tree. नाया० ८, —पट्ट. न० (—पट्ट) तालना आडनेो पथेो. ताड के वृक्ष का पत्ता. a fan of palm-leaf भग० ६, ३३, —पिसाय. पुं० (—पिशाच) तालना आड जेवा लांथा आडारनेो पिशाच ताड के वृक्ष के समान लवाकृति वाला पिशाच. a demon, long like a palm tree. ठा० १०, पञ्च० १; नाया० ८, भग० १६, ६; —पिसायरूव. न० (—पिशाच-रूव) तालना जेवा लांथा पिशाचनु स्वरूप. ताड के समान लम्बे पिशाच का स्वरूप. the form of a demon as tall as a palm tree. नाया० ८, —फल न० (—फल) तालनु क्षल ताड के वृक्ष का फल. the fruit of a palm tree नाया० ६; —मत्थय न० (—मस्तक) तालना

आडनेो वयवो गर्भ-गामो. ताड के वृक्ष का मध्यस्थ गुदा. the internal pulp of the palm tree. आया० २, १, ८, ४८; —वर्ग. पुं० (—वर्ग) तालना अधिकारवालो वर्ग-प्रकरण. a chapter dealing with the palmyra tree. भग० २२, २, —विट न० (—वृन्त) तालना पांछनेो पथेो. ताड के पत्ता का पंखा a fan of a palm tree leaf. पण्ह० १, १, नाया० १; —सद्द. न० (—शब्द) ताल आपवानेो शब्द ताल देने का शब्द a clapping sound. निसी० १७, ३५;

तालउड. न० (तालपुट) तालपुट नामनुं अर तालपुट नामक विष A poison named Tālaputa. “ विसं तालउड जहा ” दस० ८, ५७; उत्त० १६, १३;

तालउडगविस न० (तालपुटकविष) ये नामनुं ओक अर-विष. इस नाम का एक विष A poison so named नाया० १४;

तालण. न० (ताडन) थपेटा धड़ मारनुं; तालन धरनु, ताडन करना; थपेटा देकर मारना. Slapping; beating. ओव० ४१; सू० २, २, ८२; नाया० १६, दसा० ६, ४, पण्ह० १, १;

तालण. न० (*नाडना-ताडन) ओओ छपेओ शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above राय० २६४; ओव० ४०,

तालद्धश्र. पुं० (तालध्वज) ताल वृक्षनी ध्वजना यिन्द्वाशा अक्षदेव ताल वृक्ष की ध्वजा के चिह्न वाले बलदेव. Baladeva whose insignia is a banner of a palm tree सम० ५० २३६;

तालना. छी० (ताडना) टीपनु, कुटनु ते. ठोकना: घटना, कुटना. Striking. ham-

mering; pounding. पंचा० १४, ३६;
तालपलंब पुं० (ताडप्रलम्ब) गोशालानो
श्रावक. गोशाला का श्रावक A layman-
voter of Gōśālā भग० ८, ५, (२)
ताडतुं फल. ताड का फल. the palm
tree fruit. वेय० १, १;

तालपुटविस. न० (तालपुटविष) तालपुट
अेर. तालपुट विष. A poison named
Tālaputa. नाया० १४;

तालपुडगविस. न० (तालपुडगविष) तालपुं
क्षडीनाभि ऐवुं अेर. तालु फोड डाले ऐसा
विष. A poison which tears
away the palate निर० १, १;

तालमूलय. न० (ताडमूलक) ताड पृश्नना
भूषनी पेडे नीचे विशाल अने उपर सडीयुं
ऐवु ऐक बनाना प्राणिनु धर ताड वृक्ष के
मूलके समान नीचे विशाल व ऊपर से संकीर्ण
ऐसा एक जाति के प्राणी का घर. An
abode of a class of animals,
which is broad at the base and
narrow at the top like a trunk
of a palm tree कप्प० ६, ४५;

तालसम. न० (तालसम) सरभा तालभां
गायुं ते सम ताल में गाना. Singing
in an even measure of clap-
ping of hands अणुजो० १२८, ४०७;
तालाचर त्रि० (तालचर) तालोटा वगाडी
नायनार. तालियां बजाकर नाचने वाला
(One) who dances clapping
his hands ज० प० भग० ११, ११;

तालायर. त्रि० (तालचर) तालोटा वगाडी
नायनार; नृत्यकारनो ऐक वर्ग ताल बजाकर
नाचने वाला; नृत्यकार का एक वर्ग (One)
who dances clapping the
hands; a class of dancers. जं०
प० परह० २, ४; ओघ० नि० ७६६, ओव०

नाया० १; —कम्म. न० (-कर्म) ताल
क्रिया; नृत्य कर्म. ताल क्रिया, नृत्य कर्म.
the clapping of hands; danc-
ing. “ तालायर कम्मं करेमाणा ” नाया०
१३;

तालिअं-यं-ट. न० (तालवृन्त) ताडनां पांढ-
डानो पंभो. ताड के वृक्ष के पत्ते का पंखा.
A fan of the palm tree leaf
आया० २, १, ७; ३६; निसी० १७, २८;
भग० ६, ३३, नाया० १, परह० १, ४;
अणुजो० ३, १; दस० ४; ६, ३८; ८, ६;
ओव० ३१; जं० प० ३, ४३, ५. ११४, १२०;
तालिय. त्रि० (ताडित) ताडन धरेल ताडन
क्रिया हुआ. Beaten. नाया० ५; ६, १६,
परह० १, ३;

तालीस. त्रि० (तादृश) तेतुं. नेवा प्रकाशतुं.
वैसा, वैसे प्रकार का. Like that, simi-
lar to that. उत्त० ५, ३१;

तालु न० (तालु) तालपु तालू Palate
नाया० १, ८; ज० प० ७, १६६, आया०
१, १, २, १६; अंत० ३, ८, ओव० १०:
पन्न० २, भग० ११, ११; जीवा० ३, ३,
(२) तालुं सीययुं तालां. a lock.
नाया० १८; —उग्घाडणी छी० (-उद्घा-
टनी) तालाने उद्घाटयानी विधा ताले को
खोलने की विद्या. an art of opening
locks. सूय० २, २, ३०; नाया० १८,

तालुय. न० (तालुक) तालपु तालू Palate.
भक्त० १४२;

तालुया. छी० (*तालुका-तालु) तालपु तालू
Palate. “ तवणिज्जामया तालुया ” राय०

ताव अ० (तावत्) त्यां भुधी तावत्; वहा
तक, तबतक. Till then. (२) पहले
पहिले. before नाया० १, ७; ८; ६, १२;
१४, १६; भग० १, ६; २, १; ३, १; २;
६, १०, ८, ५, १५, १, १६, ८; २०, ८;

पि० नि० भा० १८, पि० नि० १९८; २८६;
दस० ७, २१, अणुजो० १७; पञ्च० १६, वच०
१०, १; उवा० १, ७३, प्रव० ८२;

ताव. पु० (ताप) सूर्यनो तऽडे। सूर्य का ताप
Heat of the sun. सू० प० २; ठा०
४, २; क० गं० १, ४५; (२) तपायु ते.
गरम करना heating पचा० १४, ३६,
तावइअ-य त्रि० (तावत्) ते७लु, ते७ला
प्रमाणवा७लु. उतना; उतने प्रमाण वाला
That much ज० प० १, ३, ८, भग०
१, ६; ६, १; १८, ४, २०, ८, वच० ९, ४४,
उत्त ३६, ६८; अणुजो० १४,

तावं अ० (तावत्) त्था, सुधी. तावत्; वहांतक,
तबलग. Till then. सूय० २, १, ६,
तावंचणं. अ० (तावच्च) ते७लाभा उतने में.
In that time “ जावं जावंचणं अभि-
कमेइ तावं तावंचणं महते ” भग० १५, १;
सूय० २, १, ६;

तावक्खेत्त न० (तापक्षेत्र) सूर्यनो ताप ते७ला
क्षेत्रमां पडे ते७लु क्षेत्र सूर्य का ताप जितने
क्षेत्र में पडे उतना क्षेत्र So much
region as is heated by the
sun जीवा० ३, ४. सू० प० ४; ज० प०
७, १३५;

तावक्खेत्तदिसा. स्त्री० (तापक्षेत्रदिशा) ताप-
क्षेत्रनी दिशा तापक्षेत्रकी दिशा. The
direction of Tāpaksetta is a
region heated by the sun ठा०
३, २,

तावचणं. अ० (तावच्च) ते७लाभा. उतने में
In that time भग० २, १, ३, ३;

तावणीय त्रि० (तापनीय) तापना योग्य
ताप देने योग्य. Fit to be heated.
भग० १५, १,

तावत्तिय त्रि० (तावत्) ते७लु उतना.
That much. राय० १५१; जीवा० ३ ४,

तावस पुं० (तापस) तापस; तपस्वी तापस.
तपस्वी An ascetic भग० १, २; पञ्च०
२०; पि० नि० ४४५; ५३०, उत्त० २५, २६,
ओव० ३८; निर० ३, ३; पचा० ७, १५;
प्रव० ७३८. ११२६; (२) मा७र गोत्रना
आर्य शान्तिअश्रणीना शिष्य मा७र गोत्र के
आर्य शान्तिअश्रणी का शिष्य A disciple
of Ārya Śāntika order of the
MātharaGotra व० प० ८;—अवसह
पु० (-अवसथ) तापसनो भट-आश्रम
तापस का मठ-आश्रम a monastery.
भग० ११, ९;

तावसअ पुं० (तापसक) तापस तापस. An
ascetic. अणुजो० १३१,

तावसी स्त्री० (तापसी) तापसी, तप करनेवाली
स्त्री. तापसी; तप करने वाली स्त्री. A fe-
male ascetic ओष० नि० १३३,

ताविच्छु. न० (तापिच्छु) तमा७ल वृक्ष. तमा७ल
वृक्ष; तम्बाकु का वृक्ष A Tamāla tree,
the tobacco tree सु० च० २, ३६८,
ताविये त्रि० (तापित) तपावे७लु गरम किया
हुआ Heated विवा० ३, पि० नि० २४०;
भग० ११, ११, कप्प० ३, ३५,

ताविय. सं० कृ० अ० (तापयित्वा) तपातीने
गरम करके. Having heated. जीवा०
३, १,

तावेउं सं० कृ० (तापयित्वा) ओ७लो
उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. पि० नि० ३५०,

तास पुं० (त्रास) त्रास, भी७; अथ त्रास,
डर, भय. Fear, trouble. विशेष० ३४४६;
परह० १, १,

तासणअ त्रि० (त्रासनक) त्रास-आ७रिभ७
अथ उपपन्नना७र. त्रास; आकस्मिक भय पैदा
करने वाला. (One) who accidentally
raises fear or trouble परह० ३, १;

तासन. त्रि० (त्रासन) त्रास उपगमनार.

त्रास उत्पन्न करने वाला. (One) who raises trouble. पण० १, १; १, ३;

तासनग. त्रि० (त्रासनक) त्रास उपगमनार. त्रास उत्पन्न करने वाला. (One) who raises trouble पण० २;

तासि. त्रि० (त्रासिन्—स्वयं त्रस्तः परानपि त्रासयतीति त्रासी) पोते भीतो भीजने भीषणवे ते. स्वयं डरते हुए अन्यको भी डराने वाला (One) who frightens others though is afraid himself जं० प० ५, ११२; ११३; छा० ४, २,

तासेय त्रि० (त्रासिन्) त्रास पाभेन्न. त्रास पाया हुआ; त्रस्त. Troubled; harassed जीवा० ३, १; नाया० १६;

ताहे. अ० (तदा) तयारे; ते वभते. तदा; उस समय. Then; at that time. नाया० १; ८; ६; १३; १८; १६; भग० १४, ६; १६, २, २४, १; २४; ३४, १, विशेष० २३२४; विवा० ; ५; जं० प०

ति. अ० (इति) आ प्रक्षारे; आभ इस प्रकार से; इस तरह In this manner. नाया० १; ७, ८, ६, १२; १६, १६, दस० ७, ८; २, ८, २; १०, १, २१; भग० ३, १ २; ६, ५; पण० १७; ३६; (२) धनि; संपूर्ण; समाप्ति इति; संपूर्ण; समाप्ति. finish, complete. नाया० २; भग० ५, ४, ८, १०; १०, १, २४, २४, ३५, ६; विशेष० ३, १५१; वेय० ६, २०; दमा० १, ११,

ति त्रि० (त्रि) त्रयु. तीन Three भग० १, १०; २, ८; ५, ८, १३, २; १६, ६; १७, १; १८, ७; २४, २४, नाया० १, ८; वेय० ४, १, निसी० ४. १०७, ५ ७२, राय० ४६, २०१, दस० ६, ६०, नंदी० २७, विशेष० ६१०, पण० २; ४; जं० प० दमा० ७,

१; वव० ३, १३; १०, १; अणुजो० १४; ४८; उत्त० ५, ३२; २४, १६; उवा० १, १०; क० ग० १, २, ६; ३०, ४६;

तिजयजण. पुं० (त्रिजगजन) त्रयु जग-तना लोक तीन जगत के लोग. People of the three worlds. प्रव० ४४८;

तिअ-य. त्रि० (तृतीय) त्रीणुं. तांसार; तृतीय. Third. क० गं० २, ७; ५, ६६; —कसाय पुं० (-कपाय) त्रीणे ध्वाय—प्रत्यक्षभाषावरणीयनी योद्धी. तृतीय कपाय-प्रचक्काणावरणीयकी चौकड़ी. the 3rd passion; a quaternary of vow-obscuring (passion). क० ग० २, ७;

तिअग न० (त्रिक) त्रयुनो समूह. तीन का समूह. Trio. क० गं० २, १८;

तिअणाण. न० (व्यज्ञान-त्रयाणां अज्ञानानां समाहारस्त्यज्ञानम्) मति अज्ञान, श्रुति अज्ञान अने विभाग ये त्रयु अज्ञान. मति अज्ञान, श्रुति अज्ञान व विभंग ये तीन अज्ञान. The 3 kinds of ignorance viz Mati (intellectual), Śruti (scriptural) and Vibhaṅga (visual) क० ग० ४, ३३;

तिअणाणि. त्रि० (व्यज्ञानिन्) मति, श्रुति अने विभाग ये त्रयु अज्ञानवालो मति, श्रुत व विभंग इन तानो अज्ञान वाला. (One) having ignorance of intellect, scriptures and vision. भग० ८, २;

तिअसिंद पुं० (त्रिदशेन्द्र=त्रिदशा सुमन-सस्तेषामिन्द्रः) देवानो अधिपति; इन्द्र. देवों का अधिपति; इन्द्र Indra, the lord of the gods. गच्छा० १;—नमं-सिअ. त्रि० (-नमस्यित) धंद्रेअे नमन

इन्द्र. इन्द्रो से नमन किया हुआ. saluted by the Indras. गच्छा० १,
तिआल. त्रि० (त्रिवत्वारिंशत्) तेतालीश, ४३.
तेतालीस, ४३. Forty-three, 43 क०
गं० ६, ७२;

तिइंदिय. त्रि० (त्रीन्द्रिय) त्रय ४द्रियवाले
श्रव. तीन इंद्रिय वाला जीव Three-
sensed being. जीवा० १;

✓तिउट्ट. धा० I. (बुट्) तुट्युं, तुटी
न्युं. टूटना, टूट जाना To break, to
split.

तिउट्टइ आया० १, ७, ८, २, सूय० १,
१, १, १; १, १५, ५,

तिउट्टेजा सूय० १, १, १, १;

तिउडग. पु० (*) धान्यनी ऐकं गत;
२४ प्रकारना धान्यमानुं ऐकं. धान्य की
एक जाति; २४ प्रकार के धान्य में से एक.
A variety of corn, one of the
24 varieties of corn. प्रव० १०१६;

तिउण. त्रि० (त्रिगुण) त्रयुगलुं. तीन गु ।
Threefold भग० ६, ७;

तिउत्तर. त्रि० (त्र्युत्तर) त्रयु उपर, त्रये
अधिक तीन अधिक; तीन ऊपर Three
more क० ग० १, २३; —सय न०
(-शत) त्रये अधिक सौ. ऐकसौ ने त्रयु.
तीन अधिक सौ, एक सौ तीन. 103;
one hundred and three क० ग०
१, २३;

तिउल. त्रि० (त्रितुल) भन वयन अने काया
ओ त्रयुनी तुलना करीने श्रुतनार. मन,
वचन व काया इन तीनों का तुलना करके
जीतने वाला. One who conquers
the mind, speech and body
having balanced them नाया०
१, भग० ९, ३३, परह० १, १;

तिऊड पुं० (त्रिकूट) इन्द्रविजयनी पश्चिम

सरहद उपरनेो पश्चिम पर्वत. कच्छविजय
की पश्चिम सरहद पर का चखारा पर्वत. A
Vakhārā mountain to the west
of Kachchha Vijaya (terri-
tory). जं० प० ४, ६५; ठा० ४, २;

तिंतिणिअ. न० (निन्तिणिक) आहारादि
न भलेथके भेदना वयन भोखवा ते, भयभय
करवा ते. आहारादिक न मिलने पर खेदयुक्त
उद्गार प्रकट करना, बड़बड़ाहट करना.
Grumbling or murmuring at
not being able to get food. वेय०
६, १६,

तिंदुक पुं० (तिन्दुक) भुलु भील वाला इल-
वालु ऐकं गतनुं आउ अति बीज वाले फल
वाला एक जाति का वृक्ष. A kind of
tree bearing fruit having many
seeds पत्र० १, (२) वाराणसी नगरीनु
तिन्दुकना आउ वालुं तिन्दुक नामे उद्यान
वाराणसी नगरी का तिन्दुक के वृक्ष वाला
तिन्दुक नामक उद्यान. a garden nam-
ed Tinduka of Vārāṇasī city
having Tinduka trees. ठा० ७ तित्थ०
(३) सावर्धी नगरीनी अहारनु ओ नामनुं
उद्यान. सावर्धी नगरी के बाहर का इस नाम
का उद्यान. an orchard so named
outside Sāvārthī city. उत्त० २३;
(४) ११ मा तीर्थ करनुं अत्य पूक्ष. ११ वें
तीर्थकरका चैत्य वृक्ष. a memorial tree
of the 11th Tirthankara सम०

तिंदुग पुं० (तिन्दुक) शीघ्रनु आउ. टावरु
का वृक्ष The ebony tree. (२)
न० तेनुं इल. उसका फल its fruit.
आया० २, १, ८, ४८, (३) ऐकं गतनु
त्रयुं भिन्द्रियवाले श्रव एक जातिकी तीन
इन्द्रिय वाला जीव a kind of three-
sensed animal उत्त० ३६, १३७;

तिदुय. पुं० (तिन्दुक) वृक्षनी ओ३ वन
के जेना इस गोदडी भाया पड़ेना अनन्त-
दाय तरीके गण्यां छे. वृक्ष की एक जाति कि
जिमके फल गुठली बनने के पाहने
अनतकाय के समान माने गये हैं. A
species of trees the fruits of
which are considered as multi-
souled before the stone is form-
ed उत्त० १२, ८; २३, ४; डा० ८, १; दम०
१, १, ७३; जावा० १; भग० १५, १; २०,
३; प्र० २६३.

तिदूस. पुं० (तिन्दूम) अणु बीजंन इत्याहुं
ओ३ आ१. अनि बीज वाले फल का झाड
A tree bearing fruits having
many seeds. पञ्ज० १; (२) दंडा. गेद.
a ball. नाया० १४;

तिदूसय. पुं० (तिन्दूसक) दंडा. दडा. A
ball नाया० ६, १४. १८;

तिक. पुं० (त्रिक) त्रयुतो सभूद. तीन का
समूह Trio. जावा० ३, ३;

तिकंडग. त्रि० (त्रिकाण्डक) त्रयु डांड-थ०
-पृथ्वी विभाग जेभा छे ते तीन कांड-धर
-पृथ्वी विभाग जिममें हैं वह. Having
three layers " सयं सहस्माण उजोय-
णाणं तिकंडगे पंडगवेजयते " सूय० १, ६, १०;

तिकद्दु अ० (इतिकृत्वा) ओम इरीने; ओ
प्रक्षरे इरीने. ऐसा करके, इस प्रकार से
करके Having done so; thus
नाया० ५; १४; १६; भग० २, १;

तिकद्दुय न० (त्रिकटुक) सुं३, भरी अने
पिपर. सोंठ काली मिर्च व पीपल Dried
ginger, pepper, and Pipala.
उत्त० ३४, ११,

तिकणइय त्रि० (त्रिकनयिक) द्व्यार्थिक
पर्यायार्थिक अने उल्लेखार्थिक ओम त्रयु
नयतो आश्रय करनार; गोशावाना मतने

अनुसार त्रैशक्ति लोका दरे३ वस्तुना त्रयु
त्रयु भाग पाडे छे जेमे लोक अर्था३ अने
लोका३लो३. छव अछव अने छवाछव
ध्यादि. द्व्यार्थिक; पर्यायार्थिक व उभयार्थिक
इम प्रकार तीन नय का आश्रय करने वाला;
गंशाला के मत को अनुसरण करने वाला
त्रैशक्ति लोक प्रत्येक वस्तु के तीन तीन
भाग करने हैं यथा:- अनोक्त व लोकालोक
जीव अजीव व जीवाजीव इत्यादि (One)
who follows the triplicate
point of view viz objective,
modal and Ubhayārthika; a
follower of Gośālā who divides
all things into three catego-
ries viz world, non-world and
world non-world etc. सम० २२;

तिकरणसुद्ध. त्रि० (त्रिकरणसुद्ध) भन
त्रयन अने क्षया ओ त्रयु इन्द्रियी विशुद्ध-
निर्मल. मन, वचन व काया इन तीन
करण मे विशुद्ध-निर्मल. Pure in the
three Karanas (means) viz.
the mind, speech and body.
विवा० २; भग० १५, १;

तिकसाय पुं० (त्रिकषाय) अनंतानुय धी
आदि त्रयु क्षयाय. अनंतानुवर्ती आदि तीन
कषाय. The 3 passions which
bind eternally. क० गं० २, १६;
४, २३;

तिकाल. पुं० (त्रिकाल) भूत, लविष्य अने
वर्तमान ओ त्रयु क्षय. भूत, भविष्य व
वर्तमान ये ३ काल The three times
past, future and present. सम०
११, पि० नि० ४३५, अणुजो० १३०:
—विऊ त्रि० (-विद्) त्रयु क्षयने
ललुनार तीनो काल को जानने वाला.
One who is wide awake in the

three times. सु० च० ३, ८१; —स-
न्निधर. त्रि० (-संज्ञाधर) भूत, लविष्य
अने वर्तमान ये त्रयु क्षय विषयक सज्ञाने
धारणु करनार; दीर्घकालिकी संज्ञावाले.
भूत, भविष्य व वर्तमान ये तीन काल विष-
यक संज्ञाको धारण करने वाला; दीर्घकालि-
की संज्ञावाला. that which bears
names related to the three
times viz past, future and
present प्रव० ६३३,

तिकूड पु (त्रिकूट) जम्बुद्वीपना भेरी
पूर्वे आवेदी शीतोदा महानदीनी दक्षिण
दिशाभा. आवेदी ऐक वपारापर्वत. जबू
द्वीप के मेरु की पूर्व में आयाहुइ शीतोदा
महानदी की दक्षिण दिशा में आयाहुआ
एक वखारा पर्वत A Vakhārā
mountain to the south of the
great river Sitodā which is to
the east of Meru in Jambū-
Dvīpa 'दी तिकूडा' ठा० २, ३, ४, २;

तिकोण. त्रि० (त्रिकोण) त्रिकोणाकार पदार्थ
त्रिकोणाकार पदार्थ A triangular
thing. ठा० १, (२) शीगोडानु इल
सिंघाडेका फल. a fruit of Singhādā
ठा० ५, १;

तिक्ख. त्रि० (तीक्ष्ण) तीक्ष्ण, तीक्ष्ण तीखा;
तीक्ष्ण. Sharp, pungent नाया० १;
३, ७, ८, ६; १७, भग० ७, ६; १६, ३; दस० ६,
३३; जीवा० ३, जं० प० उत्त० ११, १६;
३४, ११, सूय० १, ५, १, १८, निसी० ३,
३४; भत्त० १५२; कप० ३, ३५; (२)
वेगवान् वेगवान् speedy ज० प० ७, १६६;
—तुंड त्रि० (-तुण्ड) आकृति सुभवालु.
कठोर सुखाकृति वाला. cruel faced.
पंचा० १६, ६. —धार त्रि० (-धार)
तीक्ष्ण धारवाला तीक्ष्ण धारवाला. sharp

-edged. भग० ७, ६, —सत्थजाअ. न०
(-सत्थजात) तीप्पा शस्त्रनी मत-समूह.
तीक्ष्ण शस्त्रों की जाति-समूह. a group
of sharp weapons निसी० ६, १३;
तिक्खुतो अ० (त्रिकृत्वस्) त्रयुवार. तीन
वार. Thrice. नाया० १, १३; १६, १९.
भग० १, १, २, १; ४२, ३२; ठा० ५, २;
ओव० १२; २२, वव० १, ३७; राय० २२;
निसी० ६, २०, विवा० १; पि० नि० ६३२,
वेय० ४, २८; सु० च० ३, ५८; उवा० १,
१०, प्रव० ७६३; जं० प० ५, ११२, ११५,

तिग न० (त्रिक) त्रयु रस्ताने संगम तीन
मार्गों का संगम. A meeting of three
paths भग० २, ५; ५, ७; नाया० ८, १६;
ओव० २७; पि० नि० भा० १८; पि० नि०
६६, अखुजो० ११४; क० प० १, ४; क० गं०
१, ४३; —संजोग पुं० (-संयोग) त्रयु
वस्तुने संयोग. तीन वस्तुओं का संयोग
the union of three things. प्रव०
१३६१; —हीण. त्रि० (-हीन) त्रि
विनाशु. त्रिक रहीत. devoid of a trio.
क० प० ४, २२;

तिगडुय. न० (त्रिकटुक) मुँद, पीपल, भरी-
तीप्पा ये त्रयु औषधि त्रिकटु कहैवाय.
सोंठ, पीपल, काली मिर्च ये तीन औषधियों
को त्रिकटु कहते हैं Dried ginger,
pepper and pīpala. पि० नि० १६६,

तिगरण. न० (त्रिकरण) मन वचन अने
काया ये त्रयु करण. मन, वचन व काया
ये ३ करण. The three Karanas
(means) viz the mind, speech
and body. भत्त० ७०;

तिगिच्छकूड. न० (तिगिच्छकूट) शिखरी
पर्वतना ११ कूटमांतुं अशीआरभुं ३२.
शिखरी पर्वत के ११ कूट में से ग्यारहवां
कूट. The last of the 11 summits of

the mount Sīkharī. जं० प०

तिगिच्छिद्दह पुं० (तिगिच्छिद्दह) निषध पर्वत
उपरनो ५६ के जे सार ६०२ जेज्जनो
लांगो जे ६०२ जेज्जन पछोयो अने दस
जेज्जनो उडो छे. निषध पर्वत के ऊपर का
द्रह कि जो चार हजार योजन लंबा दो कजार
यांजन चौड़ा व दस योजन गहरा है. A
lake on the Nisadha mountain
which is 4000 Yojanas long,
2000 Yojanas broad and 10
Yojanas deep (a Yojana = 8
miles) जं० प० ४, ८३;

तिगिच्छ. न० (तिगिच्छ) अे नामनो अेऽ
५६ इस नामका एक द्रह. A lake of
this name. जीवा० ३, ४; (२)
निगिच्छ विमान-दसमां देवलोऽस्तुं अेऽ
विमान; अेनी स्थिति वीस सागरोपमनी
छे अे देवता दशमे महिने आसोच्छवास ले
छे अने वीसहजार वर्षे क्षुधा लागे छे.
तिगिच्छ विमान-दशवे देवलोक का एक
विमान, इस की स्थिति बीस सागरोपम की
है; यह देवता दशवे महिने आसोच्छवास
लेते हैं व बीस हजार वर्ष की अवधि से
उन्हें जुधा लगती है. the Tigichchha
celestial abode of the 10th
Devaloka; its duration is 20
Sāgaropamas (a period of
time); its gods breathe at the
10th month and feel hungry
once in 2000 years सम० २०;

तिगिच्छ. पुं० (चिकित्स-चिकित्सक) चिकि-
त्सा इरनार; पैद्य चिकित्सा करने वाला; वैद्य.
A physician. निसी० ७, २५; १३, ५७;
ठा० १०;

तिगिच्छग. त्रि० (चिकित्सक) चिकित्सा
इरनार; पैद्य हठीम वगेरे, चिकित्सा करने

वाला; वैद्य इत्यादि. A physician etc.

ठा० ४; ४;

तिगिच्छण. न० (चिकित्सन) चिकित्सा इरवी.
चिकित्सा करना. Treating; healing;
curing. पि० नि० १८८;

तिगिच्छमाण. त्रि० (चिकित्सन्) चिकित्सा
इरतो चिकित्सा करता हुआ. Curing;
treating. विशेष० ११०८;

तिगिच्छय त्रि० (चिकित्सक) चिकित्सा
इरनार; पैद्य. चिकित्सा करने वाला, वैद्य.
A physician. नाया० ५;

तिगिच्छा. स्त्री० (चिकित्सा) चिकित्सा; रोग
निवारण उपाय. चिकित्सा; रोग निवारण
करने का उपाय. Healing; cure.
अणुजो० ५८; नाया० ५; विशेष० १०२; परह०
२, १; पि० नि० ४०८; पंचा० १३,
१८, प्रव० ६३०; (२) उपायसुता
१६ दोषमानो छे दोष उपायण के १६ दोष
में से छठा दोष the sixth of 16
faults in connection with Upā-
yanā. प्रव० ५७३; पि० नि० ४०८;
—साथ न० (शास्त्र) चिकित्सा शास्त्र;
आयुर्वेद. आयुर्वेद शास्त्र. the science of
medicines. ठा० ८;

तिगिच्छायण. पुं० (चिकित्सायन) जेध
नक्षत्रनुं गोत्र ज्येष्ठा नक्षत्र का गोत्र. The
family—origin of the Jyēsthā
constellation. सू० प० ११;

तिगिच्छि. पुं० (तिगिच्छि) शिखरी पर्वतनुं
अेऽ शिखर. शिखरी पर्वतका एक शिखर. A
summit of the Sīkharī mount.
ठा० २, ३; (२) निषध पर्वत उपरनो अेऽ
५६. निषध पर्वत ऊपर का एक द्रह. a lake
on the Nisadha mountain. ठा०
२, ३; सम० ४०००; (३) पुलनी रज. फूल की
रज. pollen. जं० प०

तिगिच्छिकूड. पु० (तिगिच्छिकूड) अरुणो-
दय समुद्रमा आवेत्त ओ नामनो अभरेन्द्रो
ओक उपात पर्वत. अरुणोदय समुद्र समीपका
चमरेंद्र का एक उपात पर्वत An Utpāta
mountain of Chamarendra
situated in Arunodaya ocean.
भग० ३, २, २, ८, ठा० २, ३;

तिगिच्छिण्यरी. स्त्री० (तिगिच्छिण्यरी)
तिगिच्छ नामकी नगरी. तिगिच्छ नामक
नगरी A city named Tigichchhi
विवा० ६;

तिगिच्छिद्रह पुं० (तिगिच्छिद्रह) निपध
पर्वतनी पश्येनो जे एतत् जेज्जन पडोसो
अने ४ एतत् जेज्जननाओ ओक द्रह निपध
पर्वत की मध्यस्थ दो सहस्र योजन चौडा
व चार हजार योजन जम्बा एक द्रह. A
lake in the middle of the
Nisadha mountain, which is
2000 Yojanas wide and 4000
Yojanas long भग० ७४; ज० प०

तिगिच्छिय पुं० (चिकित्सक) चिकित्सा
धरनार वेद चिकित्सा करने वाला. वैद्य.
A physician. नाया० २; ठा० ६;
विवा० १;

तिगिच्छिय. स्त्री० (चिकित्सा) रोगनी चि-
कित्सा; द्दीनी तपास रोगकी चिकित्सा,
दर्दीकी तपाम. Curing or prognosis
of disease उत्त० १५, ८;

तिगुण. त्रि० (त्रिगुण) त्रयु गुण. तिगुना.
तीन गुना. Threefold उत्त० ३६, ५८.
नंदी० ५६; जं० प० पिं० नि० १७९; जीवा०
२; (२) दृष्टिवादांतर्गत सिद्धश्रेणि परि-
क्रमनो नवमे भेद. दृष्टिवादांतर्गत सिद्धश्रेणि
परिकर्म का नववां भेद. the ninth
variety of Siddhasreṇi Pari-
karma occurring in Dristivāda.

ज० प० १७, १५२, नंदी० ५६; संम० १२;
तिगुत्त. त्रि० (त्रिगुत्त) मन वचन अने
कायायी शुभ-सुरक्षित. मन, वचन व काया
से गुत्त-सुरक्षित. Protected by the
mind, speech and body. सम० १२:
उत्त० ३, ३०, ६, ३०; ३२, १६; दम० ३, ११;

तिगुत्ति. स्त्री० (त्रिगुत्ति) मन वचन अने
कायाये पापयी गोपयवारूप त्रयु शुभि.
मन, वचन व काया को पाप से बचाने रूप
तीन गुत्ति. Three protective mea-
sures to save the mind, speech
and body from sin. आव० १, ४;

तिघरंतर. न० (त्रिगृहान्तर) त्रयु घरनु
अंतर-आतर् तीन गृहों का अंतर An
interval of three houses. निमा०
३, १५;

तिघरंतरिय. त्रि० (त्रिगृहान्तरिक) त्रयु
घरने आंतरे भिक्षा लेनार; गोशालाना
भतनो अनुपायी. तीन घर के अंतर से भिक्षा
लेन वाला; गोशाला के मत का अनुयायी.
A follower of Gōśālā who begs
at every fourth house. आव० ४९;

तिचक्षु पुं० (त्रिचक्षु) त्रक्षुरिंद्रिय, परम-
श्रुत अने परमअवधि ऐभ त्रयु ज्ञान-
रूपी त्रक्षु धरनार तथारूपना साधु.
चक्षुरिंद्रिय, परम श्रुत व परम अवधि इस
प्रकार तीन ज्ञानरूप चक्षुको धारण करने
वाला-तथारूप का साधु. One who
possesses the spiritual eye in
the form of sensual, scriptural
and perfect knowledge. ठा० ३, ४;

तिचरिम. पुं० (त्रिचरम) जेनाथा छेसो
समय त्रीन न प्यरने थाय ते. जिसमे
अंतिम समय तृतीय संख्याका (नंबरका)
हो वह. That which has the last
period numbering three. क०

प० २, ७७;

तिजय. पुं० (त्रिजगत) त्रयु लो०. तीन लोक.

The three worlds. सु० च० १, १;
तिट्ठाण न० (त्रिस्थान) स्वरना त्रयु स्थान-
८६५, ६६ अने भरत६. स्वर के तीन स्थान
हृदय, कंठ व मस्तक. The 3 places
of a note viz. the heart, throat
and head गय० ८६; १३१; (२)
कर्मना त्रिधाणीयो रस. कर्म का त्रिधाणी
रस the triplicate essence of
Karma. क० प० १, ६२; —रस.
पुं० (-रस) त्रिधाणीयो रस; अप्रत्या-
प्यानी कपायने योगे कर्ममां ने रस पडे
ते. त्रिधाणी रस; अप्रत्याप्यान की कपाय के
योग मे कर्म में जो रस हैं वे. triplicate
essence; the intensity which
occurs in Karman in union
with total-vow-preventing
passion क० गं० १, ६४; —शुद्ध
त्रि० (-शुद्ध) ६६५, ६६, अने भरत६थो
शुद्ध. हृदय, कंठ, व मस्तक से शुद्ध. pure
from the heart, throat and
head राय० ज० प०

तिट्ठ पु० (-) ति०. सतभ, टिठी
Locust सु० च० १२, ५६;

तिण. न० (तृण) घास; अ०. घास, चारा.
Grass, hay, सु० च० ३, ७०; कण०
५, ११८, —सूय. पु० न० (-शूक)
पडने अप्रसंग घास का अप्रभाग. the
tip of a straw भग० १५, १, —ह-
स्थय. न० (-हस्तक) पडने पुलो. चोरका
पूला, घास का पूला. a bundle of hay
or grass. भग० ३, ३.

तिणइय. न० (त्रिनयिक) त्रि-त्रयु नयवायु
सूत्र. त्रि-तीन नय-वाला सूत्र. A Sūtra
with three standpoints. नदी०

तिणय. त्रि० (त्रिनय) आदि मध्य अने
अवसानमां नभेक्ष. आदि, मध्य व अन्त में
सुझा हुआ. Bent in the begin-
ning, middle and end. राय० २०४;
भग० ३; ६;

तिणयण. पुं० (त्रिनयन) शं६२; शिव
शंकर; शिव The god Siva. सु०
च० ६, २६;

तिणिस. पुं० (त्रिनिश) वृक्ष विशेष; नेत-
रनुं ग्रा०. वृक्ष विशेष; वेंतका वृक्ष A
particular tree; cane-plant.
श्रोव० ३१; राय० १२६; जीवा० ३, ४;
जं० प० —लया. स्त्री० (-लता) वेंतरनी
छडी. वेंत की छडी. a cane-stick.
ठा० ४, २; क० गं० १, १६; —लयायम.
पुं० (-लतास्थंभ) नेतरनी थांसले वेंत
का स्तंभ. a cane post ठा० ४, २;

तिण नि० (त्रिणं) पार पामेक्ष; तरी
गयेक्ष, संसार समुद्रे पार पामेक्ष जिनने
पार पाया है वह, संसार समुद्र का पार पहुचा
हुआ. One who has crossed or
swum across this ocean-like
world जं० प० ५, ११५. वशे० १०२५;
श्रोव० १२; उत० २६, १; नाया० १; राय०
२३; भग० १६, ६; आया० १, ८, ६, २२३;
सूय० १, १२, २;

तिण्णाणि त्रि० (त्रिज्ञानिन्) भति, श्रुत अने
अवधि ओ त्रयु ज्ञानवाले. भति, श्रुत व
अवधि ये तीन ज्ञान वाला (One) who
has intellectual, scriptural and
limited knowledge भग० ८, २;

तिण्णाणोवगय. त्रि० (त्रिज्ञानोपगत) भति,
श्रुत अने अवधि ओ ज्ञानयुक्त. भति, श्रुत व
अवधि इन तीन ज्ञान से युक्त. Possessed
of intellectual, scriptural and
limited knowledge. भग० १५ १;

तिरिणग पु० (तीर्णक) ओ नामनो ओइ देश
इस नाम का एक देश. A country of
this name. (२) त्रि० ते देशमा रहे-
नार मनुष्य उस देश में रहने वाला मनुष्य.
an inhabitant of that country
पञ० १,

तिरहा. छी० (तृष्णा) तृष्णा; पिपासा तृष्णा.
पिपासा. Thirst सम० ५२, जं० प० २, ११५,

✓ तितिकख. वा० I (तिज्ञ+स्) सहन करेयु;
पु० मनु, सहेयु. सहन करना; सहना. To
endure, to suffer.

तितिकखइ अत० ६, ३; आया० २, १५, १७६;

तितिकखण. आया० १, ७, ८, २,

तितिकखसि नाया० १;

तितिकखे. उत्त० २, ५;

तितिकखमाण आया० १, ६, २, १८३;

तितिकख त्रि० (तितिक्षु) परिपह आदि
सहन करनेवाले; दीनता रहित परिपह आदि
को सहन करने वाला. दीनता रहित One
who endures afflictions, strong
दया० ६, २; ७, १, ठा० ५, १, वक्र० १०, १,

तितिकखण. न० (तितिक्षण) सहन करेयु ते.
सहन करना. Enduring ठा० ६,

तिर्निकखा छी० (तिनिक्षा) निनिक्षा-
पह सहन करेवाले; सहनशीलता निनिक्षा-
परिपह सहन करना, सहनशीलता En-
during affliction; forbearance.
उत्त० २, २६. २६, ३४, मूय० १, ८, २६; मम०
३२; पि० नि० ६६६, प्रव० ७८५;

नितिकिखय त्रि० (तितिक्षित) सहन करेयु
सहन किया हुआ. Endured भग० १५, १,

तित्त त्रि० (तृप्त) तृप्त, स-तृष्ट तृप्त; सतृष्ट
Satisfied, contented विशेष०
२४०६, पञ० २;

तित्त पुं० (तिरु) तीभो रस तीक्ष्ण रस.
Pungent taste. जं० प० विशेष० ८६५,

भग० १, १; २, १; १४; ७; २०, ५; (२)

त्रि० तीभो रसवायु; तीभुं तीक्ष्ण रस

वाला; तीक्ष्ण pungent नाया० १६; १७,

पञ० १; भग० १८, ६, ठा० १, २; जीवा० १;

अणुजो० १४६; उत्त० ३६, १८, आया० १,

५, ६, १७०, सम० २२, (३) निकतरस-

नामकर्म-नामकर्मनी ओइ प्रकृति के जेना

उदयथी छव निकषो रस पाये छे. तिक्तरस

नाम कर्म-को एक प्रकृति कि जिसके उदय

से जीव तीक्ष्ण रस को प्राप्त करता है. a

nature of Nāma Karma at

whose appearance a soul gets

pungent taste. क० ग० १. ४२;

—णाम न० (-नामन्) नामकर्मनी ओइ

प्रकृति नामकर्मकी एक प्रकृति. a nature

of Nāma Karma. क० ग० १, ४२;

—रस पु० (-रस) तीभो रस तीक्ष्ण

रस. pungent taste. भग० ८, १;

—रसणाम न० (-रसनामन्) नाम

कर्मनी ओइ प्रकृति. नाम कर्म की एक

प्रकृति a nature of Nāma

Karma क० ग० १, ४१;

तित्तग. पु० (तिरुग) तीभो रस तीक्ष्ण

रस Pungent taste. दस० ५, १,

६७, नाया० १६;

तित्त न० (तिकत्त) तीभो तीक्ष्णता.

Pungency, sharpness. भग० १७, २,

नित्तलाउय न० (तिकत्तालाउय) इती

तुथी कटु तुंबी. Bitter gourd.

नाया० ६; १६,

तित्ति. छी० (तृप्ति) तृप्ति; सतोष. तृप्ति,

संतोष. Satisfaction; content

ment सु० च० ६, २०; विशेष० २२७, २४०४,

नित्तिर पुं० (तित्तिर) तेतर पक्षी तेतर

पक्षी Partridge नाया० १७; पञ० १,

पण्ड० १, १; मू० प० ११, मूय० २, २,

१०; दसा० ६, ४; —पोसय. त्रि०
(-पोषक) तेतरने पालनार. तीतर को
पालने वाला (one) who rears a
partridge. निसी० ६, २३;

तिस्तिरक. पुं० (तित्तिरक) ण्युओ 'तित्तिर'
शब्द. देखो 'तित्तिर' शब्द. Vide.
'तित्तिर' आया० २, १०, १६६;

तिस्तिरलक्खण. न० (तित्तिरलक्खण) तेत०ना
स्वरूपनुं प्रतिपादन करनार ग्रंथ विशेष.
तीतर के स्वरूप का प्रतिपादन करने वाला
ग्रंथ विशेष. A particular book
which deals with the form of
a partridge. सूय० २, २, ३०; उवा०
७, २१६;

तिस्तीस. त्रि० (त्रयस्त्रिंशत्) ३३; तेतीसनी
संख्या ३३; तेतीस को संख्या.
Thirty-three; 33. उत्त० ३०, ३०; ३३,
२२; नंदी० ४६, —यर. पुं० (-अतर)
तेतीस सागरोपम. तेतीस सागरोपम.
like 33 Sāgaropamas (a
period of time) क० गं० ५, ६२;

तित्थ. पुं० न० (तीर्थ) गंगा यमुना वगैरे लौकिक तीर्थ
तीर्थ. गंगा यमुना इत्यादि लौकिक तीर्थ
Mundane pilgrimages e. g.
the Ganges, Yamunā etc
श्रव० ३८; (२) यतुविधि संघ. तीर्थकर
स्थापित करेय साधु, साध्वी, ब्राह्मण, ब्राह्मिका-
रूप संघ समुदाय. चतुर्विध संघ; तीर्थकर
ने स्थापित किया हुआ साधु, साध्वी, ब्राह्मण,
ब्राह्मिका रूप संघ; समुदाय. an order
of four viz. monk, nun, lay-
man and laywoman establish-
ed by a Tirthāṅkara. 'तित्थान्तिपुत्रं'
अणियं संघो जो नाण चरण संघाओ'
विशे० १३८०; १०२६; संत्या० १४;
अणुजो० १३१; नंदी० २१; सु० च० १,

१; भग० २०, ८; २६, ५; ६; ७; नाया
७; दस० ७, ३७; ठा० १; प्रव० ४७६;
(३) शासन; तीर्थ करनुं साम्राज्य. शासन;
तीर्थकर का साम्राज्य. a command;
the reign of a Tirthāṅkara
भग० २५, ५, ६; (४) तस्वानुं स्थान तैरनेका
स्थान. a place for swimming. दस०
७, ३७; (५) तीर्थ करनाम नामधर्मनी
ओष्ट प्रकृति के जेता उद्भवती तीर्थ कर-
पथ पावे तीर्थकरनाम नामधर्म की एक
प्रकृति कि जिस के उदय से जीव तीर्थ-
कर पद प्राप्त करे. a nature of
NāmaKarma at whose appear-
ance a soul is raised to the
position of a Tirthāṅkara. क०
गं० ३, २२; १, २५; ५, १२, ३, ५;
—अंतर. त्रि० (-अन्तर) अन्य तीर्थ;
जेतेतर. अन्य तीर्थ, जेनेतर. belong-
ing to another religion than
Jainism. विशे० १३६६; —अभिसेय.
पुं० (-अभिषेक) लौकिक तीर्थभां स्थान
करनु ते. लौकिक तीर्थ में स्नान करना.
bathing in a terrestrial pilgrim-
age नाया० ६; ८; —अहिव पुं०
(-अधिव) तीर्थ-यतुविधि संघना अधिपति,
तीर्थ कर. तीर्थ-चतुर्विध संघ के अधिपति;
तीर्थकर. the lord of the fourfold
order; a Tirthāṅkara विशे० १०५६
—आययण. न० (-आयतन) अन्य धर्म-
ना तीर्थस्थान अन्य धर्मके तीर्थस्थान the
places of pilgrimage of other
religions. सूय० २, ७, १६; —उण.
त्रि० (-ऊन) तीर्थ कर नामधर्म शिवा-
यनुं. तीर्थकर नाम धर्म के रहित. (one)
without a Excepting Tirthāṅ-
kara Nāma-Karma क० गं० ३, २२;

—उत्पत्ति स्त्री० (-उत्पत्ति) तीर्थनी
वृद्धि-उत्कर्ष. तीर्थ की वृद्धि, उत्कर्ष. a pro-
sperity of a Tirtha. पंचा० ८, ४६;
—उत्पत्तिकारण. त्रि० (-उत्पत्तिकारक)
तीर्थनी उत्पत्ति करनेवाला. तीर्थ की उत्पत्ति
करने वाला. (anything) causing
prosperity of a Tirtha. पंचा०
८, ४६; —उदय पुं० (-उदय)
तीर्थकर नामकर्मनो उदय. तीर्थकर नाम-
कर्म का उदय. the appearance of
a Tirthankara Nāma-Karma
क० ग० २; २१, —नाह. पुं० (-नाथ)
तीर्थना अधिष्ठाता, तीर्थकर. तीर्थ के अधि-
ष्ठाता; तीर्थकर the founder of a
Tirtha; a Tirthankara प्रव०
५; —पञ्चवृत्त न० (-प्रवर्तन)
साधु साध्वी-श्रावक श्राविका येन यतुविधि
सधनु स्थापयुं ते. साधु साध्वी-श्रावक
श्राविका इस तरह चतुर्विध सध की स्थापना
करना establishing a fourfold
order of monks, nuns, laymans
and laywomen. राय० ६५; —भेद पु०
(-भेद) तीर्थभां भेद पावे ते. तीर्थ में
भेद पैदा करना. causing difference
in a Tirtha नाया० २; —मट्टिया. स्त्री०
(-मृत्तिका) तीर्थनी भाटी तीर्थ की मृत्तिका.
the earth of a Tirtha राय० —
उच्छेद. पुं० (-व्युच्छेद) तीर्थनो उच्छेद-
नाश. तीर्थका उच्छेद नाश the destruc-
tion of a Tirtha प्रव० ८, —सिद्ध पु०
(-सिद्ध—तीर्थ सति सिद्धा निर्वृत्ता ऋषभ-
सेनगणधरादिवादि तीर्थसिद्धा) तीर्थ
स्थापापणी सिद्ध यनार. तीर्थ स्थापित होने
के पश्चात् सिद्ध होने वाला (one) who
becomes a Siddha (perfect)
after establishing a Tirtha.

पञ्च० १; ठा० १, १;

तित्थंकर. पु० (तीर्थकर) तीर्थकर.
A Tirthaṅkara. नाया० १५; भग० २०,
८; प्रव० ३; —णत. न० (-ज्ञात)
जिनेश्वरनु उदाहरण जिनेश्वर का उदाहरण.
an illustration of Jinesvara.
पंचा० ६, ६;

तित्थंयर. पुं० (तीर्थकर) साधु, साध्वी,
श्रावक, श्राविका आदि ४ तीर्थने स्थापनार
साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविका आदि चार
तीर्थ का स्थापन करने वाला. A founder
of four Tirthas viz. monks,
nuns, laymen and laywomen.
विशे० ७६६;

तित्थकर पुं० (तीर्थकर) लुभे। 'तित्थंकर'
शब्द देखो 'तित्थकर' शब्द. Vide.
'तित्थकर' भग० १५, १; —अटिसय.
पुं० (-अतिशय) तीर्थकरना ३४ अति-
शय, प्रभा। तीर्थकर के ३४ अतिशय
34 Atisayas of Tirthaṅkara.
भग० ६, ३३,

तित्थगर. पुं० (तीर्थकर) आर तीर्थने
स्थापनार, तीर्थकर चार तीर्थ को स्थापन
करने वाला, तीर्थकर Founder of
four Tirthas. ज० प० ५, ११२,
११३; नाया० १; १६; १८; पि० नि० १४७,
भग० १, १; ११, ११; १६, ५; २०, ८;
पञ्च० २०, पंचा० १७, ११; क० प० ४, १७;
(२) नामकर्मनी अथ प्रकृति-जेना उदयथी
एव तीर्थकर पद प्राप्त करे छे. नाम कर्म की
एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव तीर्थकर
पद प्राप्त करता है a kind or nature
of Nāma-karma by the rise of
which a living being obtains
Tirthankara position पञ्च० २३,
—अटिसय. न० (-अतिशय) तीर्थकरना

३४ अतिशय. तीर्थकर के ३४ अतिशय. the 34 supernatural powers of a Tirthankara. भग० ६, ३३; —मायर. स्त्री० (-मातर-मातृ) तीर्थदरनेनी माता. तीर्थकर देव की माता mother of a Tirthankara भग० १६, ६, —सिद्ध. पु० (-सिद्ध) तीर्थदरपद प्राप्त करके सिद्ध होने वाला (one) who is to be liberated after acquiring Tirthankara-hood. पञ्च० १;

तिथ्यगरत्त. न० (तीर्थकरत्व) तीर्थदरपणुं. तीर्थकरत्व. Tirthankara-hood. पञ्च० २०;

तिथ्यपञ्चत्तणचरियणिवद्ध न० (तीर्थप्रवर्तनचरित्रनिबद्ध) ३२ नाटकमांनु ओक प्रकाशनुं नाटक ३२ प्रकार के नाटकों में से एक A kind of the 32 dramas राय०

तिथ्य-अ-र पु० (तीर्थकर) साधु, साध्वी, श्रावक अने श्राविका, ओ ४ तीर्थ स्थापनार माधु, साध्वी, श्रावक व श्राविका इन चार तीर्थों को स्थापन करनेवाला. A founder of the four orders viz. male ascetics, female ascetics, laymen and lay-women ज० प० २, ११२; ११३, नाया० १; ८, १३, नंदी० २; ठा० १, १; भग० ५, ५; २५, ६; सत्या० १४, राय० सम० १६, भक्त० ३१; क० गं० २, ३, क० प० २, ३०, १११; कप० १, २, १५, प्रव० ४७६, ५५७, श्राव० २, १; —अतिसय पुं० (-अतिशय) तीर्थदर लगवानना अतिशय-प्रभाव. तीर्थकर भगवान का अतिशय-प्रभाव. power of a Tirthankara. नाया० ध० —अभिमुह त्रि० (-अभिमुख) तीर्थदरनी सम्मुख तीर्थकर के सम्मुख in the presence of a Tirthankara. कप० २,

१४, नाया० ध० —अभिसेय. न० (-अभिषेक) तीर्थदरने दीक्षा वषातने स्नानालिपेक. तीर्थकरका दीक्षाके समयका स्नानाभिषेक the bathing ceremony of a Tirthankara at the time of Dikṣā. नाया ८; —आगमण. न० (-आगमन) तीर्थदरनुं आगमन-आवतुं ते. तीर्थकर का आगमन. arrival of a Tirthankara. विवा० ६, —गंडिया. स्त्री० (-गण्डिका) तीर्थदरनी चरित्रवालो ग्रंथ विभाग. तीर्थकर के चरित्र वाला ग्रंथ विभाग. a part of a book on the life of Tirthankaras. सम० —जणणी स्त्री० (-जननी) तीर्थदरनी माता. तीर्थकर की माता. the mother of a Tirthankara. प्रव० १५६८, —जम्मणाभिसेय. पुं० (-जन्माभिषेक) तीर्थदरना जन्मने भोलेसय तीर्थकरका जन्म महोत्सव. birth ceremony of a Tirthankara. नाया० ८; —णाणु-प्वत्ति. न० (-ज्ञानोत्पत्ति) तीर्थदरने केवलज्ञान उत्पन्न थाय ते तीर्थकर को केवल ज्ञान का उत्पन्न होना appearing of perfect knowledge to a Tirthankara. (२) तीर्थदरनुं केवलज्ञान वषातनुं तप. तीर्थकर का केवल ज्ञान के समय का तप. the dawning or penance at the time of Kevala (perfect) knowledge on the part of a Tirthankara. पचा० १६, १०, —णाम-गोपकम्म. न० (-नामगोत्रकर्म) नाम-कर्मनी ओक प्रकृति के जेना उत्पत्ति छय तीर्थदर नामगोत्र पावे. नामकर्म की एक प्रकृति कि जिस के उदय से जीव तीर्थकर नाम गोत्र को प्राप्त वरत है A kind of Nāma Karma by the rise of

which a man gets a family name of Tirthankara. नाया० ८, —**नामबन्ध**. पुं० (—नामबन्ध) तीर्थंकर नाम धर्म आंध्रु ते तीर्थंकर नामकर्म बाधना. the bondage known as Tirthankara Nāma-Karma. नाया० ८, —**निर्गम**. न० (—निर्गम) तीर्थंकर गृहवास छोड़ी निकले ते तीर्थंकर का गृह-वाम छोड़ कर निकलना. renouncing the worldly effects on the part of a Tirthankara (२) तीर्थंकरनु दीक्षा वपन्तु तप. तीर्थंकर का दीक्षा समय का तप. the penance at the time of Dikṣā on the part of a Tirthankara पंचा० १६, ६, —**भक्ति** स्त्री० (—भक्ति) तीर्थंकरनी लक्षित तिन्य तीर्थंकर का भक्ति-विनय. devotion to a Tirthankara. पंचा० १, ३७, —**मोक्षगमणतप**. न० (—मोक्षगमण-तपम्) तीर्थंकर निर्वाण प्राप्त की वपन्ते ते तप करे ते तीर्थंकर निर्वाण को प्राप्त करने के समय जो तप करे वह penance of a Tirthankara at the time of salvation “ तिथ्यरमोक्षगमण अहावरो पुन्थ होइ विज्ञेओ ” ठा० ८; —**वज्जिय** त्रि० (—वज्जित) तीर्थंकर शिष्यानु तीर्थंकर के शिष्या except a Tirthankara प्र० ५८, —**समीप** न० (—समीप) तीर्थंकरनी समीप तीर्थंकर के पास in the vicinity of or near a Tirthankara प्र० २१८, —**सिद्ध**. पुं० (—सिद्ध) तीर्थंकरपणे सिद्ध बनार तीर्थंकरपणे से सिद्ध होने वाला. (one) becoming Siddha in the state of a Tirthankara. नदी० तिथ्यरत्न. न० (तार्थङ्करत्व) तीर्थंकरपणु तीर्थंकरपना Tirthankara-hood प्र०

३२०, नाया० ८;

तिथ्युगालिय. न० (तीर्थोद्गालिक) ओ नामनु ओक पधन्नु, दश पधनामानु ओक. इस नाम का पड़ना दश पड़नाओं में से एक. One of the ten Painnas (minor scripture) so named तिथ्यु०

तिदंड. पुं० (त्रिदण्ड) सन्यासीनु ओक लतनु छपडरणु; त्रिदण्डनी लाकडी. संन्यासीका एक प्रकार का उपकरण, त्रिदंड की लकड़ी. A stick of a wandering ascetic. नाया० ५; (२) तेने धारणु करनार. उसको धारण करने वाला. (one) accepting or holding it भग० २, १.

तिदंडि. पुं० (त्रिदण्डिन्) तणु दण्ड धारणु करनार-सन्यासी; त्रिदंडी. तीन दंड धारण करने वाला संन्यासी; त्रिदण्डी. A San-yāsī; (an ascetic) who holds a particular sticks प्र० ७३६,

तिदंडिय. न० (त्रिदण्डिक) सन्यासीने शिष्यानी लाकडी के गेना योगथी त्रिदण्डि छे-पाय छे ते संन्यासी को रखने की एक लकड़ी एक जिसके कारण वह त्रिदण्डी कहलाता है. An ascetic known as Tridandī ओव० ३६;

तिदिश. न० (त्रिदिश-त्रिस्रो दिश समाहता त्रिदिक्) चार दिशाभानी गमे ते तणु दिशा चार दिशाओं में से कोई भी तीन दिशा Any three of the four quarters. राय०

निदिशि. श्र० (त्रिदिश-निसृणां दिशा समाहारः त्रिदिक्) तणु दिशा, तणु आलु तीन दिशा, तीन ओर Three sides ज० प० ५, ११४, ११६; राय० १५१,

तिदुल त्रि० (त्रिदोल) मन, वचन और काया क्षयाने उपवासनार मन, वचन और काया को विचलित करने वाला (Anything)

that causes the loss of the controlling power of the mind speech and body. उत्त० २, ३५;

तिनवह. स्त्री० (त्रिनवति) नेत्रु अने त्रयु; ६३
नी सभ्या नव्वे और तानः ६३ की संख्या.

Ninety-three; 93. क० ग० १, २३; ३१,

तिन्न. त्रि० (त्रि) आर्द्रथयेत्; पाण्णीथी
पथयेत्. आर्द्र, पानी से भीगा हुआ. Wet,
soaked in water. " मदियालेमंसि
तिन्नंसि कुहियंसि " नाया० ६;

तिन्न. त्रि० (तीर्ण) लुओ. " तिण्ण " शब्द
देखो " तिण्ण " शब्द. Vide " तिण्ण "
सम० १; उत्त० १०, ३४; २६, ५२, ३१, १;

आया० १, ७, ६, २२२; पिं० नि० २११;

तिन्नाण. न० (विज्ञान) मति, श्रुत अने,
अवधि ओ त्रयु ज्ञान. मति, श्रुति और
अवधि ये तीन ज्ञान Three kinds of
knowledge viz. Mati, Śruta
and Avadhi. कप्प० १, २; —उवगअ.
त्रि० (-उपगत) त्रयु ज्ञान युक्त. तान
ज्ञान युक्त. possessed of the three
kinds of knowledge कप्प० ३, २६;

तिपप्पसिअ-य त्रि० (त्रिप्रदेशिक) जेमां
त्रयु परमाणु भवेलाछे तेवे २६५. जिसमें
तीन परमाणु मिलेहों ऐसा स्कं०. A body
made up of three atoms अणुजो०
७४, भग० ५, ७, २०, ५;

तिपप्पसोगाह. त्रि० (त्रिप्रदेशावगाह) आका-
शना त्रयु प्रदेशने अवगाही रहैव. आकाश
के तीन प्रदेशों में व्याप्त. Occupying
the three regions of the sky.
अणुजो० १०१;

तिपज्जवसिय. पुं० (त्रिपर्यवसित) जे सभ्याने
आरे लागता त्रयु वधि ते. जिस संख्या को
चार से भाग देने पर ३ बचे ऐसी संख्या. A
number having 3 as remainder

when divided by 4 (four). भग०
१८, ४; ३१, १;

तिपदेसिय. त्रि० (त्रिप्रदेशिक) लुओ " ति-
पप्पसिय " शब्द. देखो " तिपप्पसिय " शब्द.

Vide " तिपप्पसिय " भग० १२, ४; १८, ६;

तिपल्ल. न० (त्रिपल्य) त्रयु पल्योपम. तीन
पल्योपम. Three Palyopamas क०
प० २, ११०;

तिपासिय त्रि० (तिपाशित) दोराना त्रयु वे-
ष्टु-आंटाथी आधेव दोरे के तीन आठोंस
बन्धा हुआ Threefold tying of a
thread. ओघ० नि० ७०७;

तिपुंज. न० (त्रिपुञ्ज) शुद्ध, अशुद्ध
अने मिश्र ओ त्रयु पुद्गलनो समूह. शुद्ध,
अशुद्ध और मिश्र इन तीन पुद्गलों का समूह.
A collection of three Pudgalas
viz. Śuddha, Aśuddha and
Mīśra. विशेष० ५२६;

तिपुड त्रि० (त्रिपुट-त्रयः पुटा यस्य) त्रयु
पड्यालु तीन तहवाला. (Any thing)
having three layers ज० प०

✓ तिप्प धा० I. (तृप्) दुष्पः आपवुं दुख.
देना To tease; to give pain to.
(२) तृप्ति करणी. तृप्ति करना. to satis-
fy (३) तृप्ति थरी तृप्ति होना. to be
satisfied.

तिप्पह पिं० नि० २६७; आया० १, २, ५, ४१;

तिप्पाह. सूय० २, १, ३१;

तिप्पित. सूय० २, २, ५२; दमा० ६, ४;

तिप्पामि. सूय० २, १, ३१,

तिप्पपुं. सं० क० महा० प० ५५;

तिप्पयंत सम० ३०; दसा० ६, १६;

तिप्पमाण. नाया० १; ६; आया० १, ७, ८,
१०; सूय० १, ५, १, २३;

तिप्पण न० (तेषण) आंभमांथी टीपां पाडो
३।युं. आखों में से आसू डालकर रोना.

Weeping with tears in the eyes. दसा० ६, १;

तिप्पण्या. व्री० (-तेपन) आंसु भेरी रस्यु, आंसू डालकर रोना. Weeping with tears. ठा० ४, १; ओव० २; भग० ३, ३; २५, ७; (२) दुःख देवुं; हिंसा करी. दुःख देना; हिंसा करना. teasing; murdering; killing. सूय० २, ४, ६६;

तिफास. पुं० (त्रिस्पर्श) आठ स्पर्शभांन त्रयु स्पर्श, आठ स्पर्श में से तीन. Three out of eight touches. भग० २०, ५;

तिभाग पुं० (त्रिभाग-तृतीयो भागस्त्रिभाग) त्रीन्ने भाग-अंश; तृतीयांश. तीसरा हिस्सा-भाग; तृतीयांश Third part. जं० प० ७, १३५; अणुजो० ६५, उत्त० ३६, ६३; भग० ६, ३; —अवसेस. पुं० (-अवशेष) त्रीन्ने भागभागे अवशेष; त्रीन्ने भाग आधी रहे ते तीसरे भाग का अवशेष; तीसरे भाग का बाकी रहना. remainder of the third part. विवा० २; ३; ५; —क द्विअ. त्रि० (-कथित) त्रीन्ने भाग आधीरहे तेही रीते उकालेन. तीसरा भाग बाकी रहे उस रीतिसे उबाला हुआ. boiled to the extent of one out of three parts क० गं० ५, ६५, —हो-ए. त्रि० (-हीन) त्रीन्ने भागे न्यून. तीसरा भाग कम. less by the third part. प्रव० ४८६;

तिमासिय त्रि० (त्रिमासिक) त्रयु मासनुं; त्रयु महीनानु. तीन महिने का. Quarterly, three-monthly तिसी० २०, १३; १८; ४१, वव० १, २; भग० २, १, —भक्त. न० (-भक्त) त्रयु मासना उपवास. तीन महिने का उपवास. three month's fast भग० २५, ७;

तिमासिया. व्री० (त्रिमासिकी) शिक्षुनी

त्रीश पडिमा के जेमा ओक महिला सुधी त्रयु दात अन्नरी अने त्रयु दात पाणीनी लघु शक्य भिक्षु की तीसरी पडिमा कि जिस में एक महिने तक तीन दात अन्न का और तीन दात पानी की ली जा सकें A certain austerity, practised by an ascetic, in which he takes three morsels of food and three draughts of water every day for three months सम० १२; २८; ओव० १६, दसा० ७, १,

तिमि पुं० (तिमि) मोटु माछु-मच्छ. बड़ी मछली-मच्छ. A large fish. पञ्च० १; पण्ह० १, १; सूय० टी० २, ३; ५७; कण्ठ० ३, ४३;

तिमिगिल पु० (तिमिगिल-तिमि मत्स्य गिरतीति) ओ नामनो ओक जलनो मच्छ. इस नाम का एक जातिका मच्छ A fish so named सूय० टी० २, ३, ५७; पञ्च० १; पण्ह० १, १, कण्ठ० ३, ४३,

तिमिर. न० (तिमिर) अंधकार अंधकार. Darkness जीवा० ३, ३; भग० ४२, १, कण्ठ० ३, ३८; (२) पर्वतनी पर्वत-स्पतिनो ओक प्रकार. पर्वत की बनस्पति का एक प्रकार. a kind of mountainous vegetation. पञ्च० १; भग० २१, ६; —विद्धंस. त्रि० (-विध्वंस) अधकार दूर करनेवाला. अंधकार को दूर करने वाला. destroyer of darkness "जहा में तिमिर विद्धंस" उत्त० ११, २४;

तिमिसा. व्री० (तिमिसा) भरतना पैताड्य पर्वतनी ओक गुफा के जेमां थप यक्षवर्ती दक्षिण भरतार्थभांणी उत्तरार्थभांणी जेथ शके छे. भरत के पैताड्य पर्वत की एक गुफा कि जिस में होकर चक्रवर्ती दक्षिण भरतार्थ में से उत्तरार्थ में जा सकते हैं A cave on the

Vaitāḍhya mountain in Bharata through which a Chakravartī can go from the southern-half of Bharata to the northern-half. ठा० २, ३; पण्ह० १, १;

तिमिस्सगुहा. छा० (तिमिस्सगुहा) जुओ
" तिमिसा " शब्द. देखो " तिमिसा "
शब्द. Vide " तिमिसा " " तिमिस्सगुहा
अट्टोयणाहि ' जं० प० १, १२; ६, १२५;
३, ५१; नम० ५०;

तिमिस्सा. छा० (तिमिसा) जुओ
" तिमिसा " शब्द. देखो " तिमिसा "
शब्द. Vide. " तिमिसा " ठा० २, ३;

तिमुह. त्रि० (त्रिमुय) त्रीन् संभवनाथ
तीर्थंकरना यक्षनु नाम तीर्थे संभवनाथ
तीर्थंकर के यक्ष का नाम. Name of the
Yakṣa of the 3rd Saṃbhava-
nātha Tirthāṅkara. प्र० ३०५;

तिमुहुत्त न० (त्रिमुहूर्त) त्रय मुहुर्त; ७ घड़ी.
तीन मुहूर्त; छः घड़ी. Three Mu-
hūrtas (one Muḥūrta is equal
to 48 minutes). भग० ११, ११;

तिय-अ न० (त्रिक) त्रयुतो समुदाय. तीन
का समुदाय. A collection, group
of three. उत्त० २६, १६; ३१, ४;
भग० १, ३, ५, ४; ८, १, ११, १; १२,
१०; २०, ५; विशेष० १८; ओष० नि० १४;
राय० काप० ४, ८८; क० गं० १, ३३; (२)
शरीरने ओ३ अवयव; पीठ-पांसांना इरो३तो
ओ३ भाग शरीर का एक अवयव; पीठ का
एक भाग. lower part of the
spine or hips. " तियं मे
अंतरिच्छ्वं " उत्त० २०, २१; विश० ३४०१;
त्रयु भाग भेगा थाय ते स्थल; त्रिकोण
भाग. जिस स्थल पर तीन रास्ते मिलते हैं
वह स्थल; तिराहा. meeting place of

three ways; triangular way.
उत्त० १६, ४; नाया० १; —संग. पुं०
(-भङ्ग) पीठुं लांगुं. पीठ का टटना.
breaking of the back. भग० ६, ४;
—संज्ञात्र. पुं० (-संयोग) त्रयु वस्तुतो
संयोग-ने३ायु. तीन वस्तुओं का संयोग-
मिनाय. joining or combining
of three things or matters.
अणुज्ञा० १२७;

तिय. त्रि० (तृतीय) त्रीनुं. तीसरा. Third.
क० गं० ५, ६६; —कसाय. पुं० (-कपाय)
त्रीने प्रत्याख्यानी कपाय. तीसरा प्रत्याख्यान
कपाय. the third Pratyākhyāna
passion. क० गं० ५, ६६;

तियग. पुं० (त्रिक) जुओ " तिम्र-य "
शब्द. देखो " तिम्र-य " शब्द. Vide.
" तिम्र-य " भग० २०, ५;

तियस. पुं० (त्रिदश) देवता देवता God.
सु० च० २, ६३३; पंचा० ४, ४६; —लोग.
पुं० (-लोक) देवलो३. देव लोक heavenly
abode. पंचा० ४, ४६;

तियाह पुं० (त्रिकाह) त्रयु दिनस. तीन
दिन. Three days. दसा० ६, २; वव०
८, ४; भग० ६, ५; १२, ७;

तिरिच्छिय त्रि० (तिरश्चीन) त्रीच्छे। तिरछा.
Oblique दसा० ६, २;

तिरियण न० (त्रिरत्न) सम्मगुजान,
सम्मगुदर्शन अने सम्मगुचारित्र ओ मोक्ष
साधन रूप त्रयु रत्न यथार्थ ज्ञान, यथार्थ
दर्शन और यथार्थ चारित्र ये मोक्ष साधन
रूप तीन रत्न Three virtues of
acquiring emancipation viz
Samyak Jñāna, Samyak Dar-
śana and Samyak Chāritra.,
मंथा. ११७; —माला छा० (-माला)
ज्ञान, दर्शन, चारित्र ओ त्रयु रत्न रूप मा३.

ज्ञान, दर्शन, चारित्र इन तीन रत्न रूप माला
a collection of the three virtues
viz. Jñāna, Darśana and Chā-
ritra. “ चारित सुद्ध साला तिरयणमाला
जुम्मे भवा” संथा० —सार. न० (-सार)
ज्ञान दर्शन અને ચરિત્ર એ ત્રણ રત્નના સાર
રૂપ (મોક્ષ) જ્ઞાન, દર્શન ઔર ચારિત્ર इन
तीन रत्नोका साररूप (मेक्ष) essence of
the three virtues viz. Jñāna,
Darśana and Chāritra क० ग०
६, ६०.

तिराइय. त्रि० (*) ताडन करेव ताडन
क्रिया हुआ. Beaten; punished.
ओघ० नि० भा० २६४.

तिराय न० (तिरात्र) त्रय रात्रि. तीन रात्र.
Three nights. निसी० १०, १३;

तिरासि. न० (तिराशि) त्रैशिक मत प्रमाणे
ज्य अज्य અને જીવાજીવ એમ ત્રણ રાશિ
પદાર્થ સમૂહ ત્રૈશિક મત કે આવાર સે
જીવ અજીવ ઔર जीवाजीव इस तरह तीन
राशि-पदार्थ समूह A group of three
categories viz Jīva, Ajīva and
Jīvājīva according to Trairā-
śika tenet. ठा० ७;

तिरि त्रि० (तिर्यच्) तिर्यय तिर्यच Sub-
human क० ग १, २३, ३३, २, ४,
४, १३. —आउ न० (-आयुष्य) ति-
र्ययनु आयुष्य तिर्यच का आयुष्य. life
of sub human beings. क० ग० ३,
७; ५, ६६; —गइ. स्त्री० (-गति) ति-
र्यय गति. तिर्यच गति sub-human
state. क० ग० २, १६; ४, १३; —दुग
न० (-द्विक) तिर्ययनी गति અને ति-
र्ययની અનુપૂર્વી એ બે પ્રકૃતિ તિર્યચ કી
ગતિ ઔર तिर्यच की अनुपूर्वी ये २ गति
the two kinds of existence viz.

sub-human state and serial
order. क० ग० ३, ४; —नर. पुं० (-नर)
तिर्यय અને મનુષ્ય. તિર્યચ ઔર મનુષ્ય.
sub human and human beings.
ક० ગં ૨, ૬૬; —નરાડ નં (-નરા-
યુષ્) તિર્યય અને મનુષ્યનુ આયુષ્ય. તિ-
ર્યચ ઔર મનુષ્ય કા આયુષ્ય. life of
sub-human and human beings
ક० ગં ૩, ૪;

तिरिक्ख. त्रि० (तिर्यच्) तिर्यय, पशु पक्षी
वगैरे. तिर्यच; पशु पक्षी वगैरह Birds,
beasts etc विशेष० १३१; पञ० १; मु०
च० ३, ६६; उत्त० २६, ४; नंदी० ८,
अणुजो० १३४; भग० ८, १, पि० नि० भा०
२४, उवा० २, ११६; क० प० ४, ६३;
—आउ. न० (-आयुष्य) तिर्ययनु आयुष्य
तिर्यच का आयुष्य life of sub-human
beings. उत्त० ३३, १२;

तिरिक्खजोणि पुं० (तिर्यग्योनि) पशु पक्षी
वगैरे तिर्यय. पशु पक्षी वगैरह तिर्यच
The state of existence in the
form of birds, beasts etc ओघ०
७६६; दस० ५, २, ४८; प्रव० ११०३,

तिरिक्खजोणिणी स्त्री० (तिर्यग्योनि) ति-
र्ययणी, तिर्ययनी स्त्री. तिर्यचनी; तिर्यच
की स्त्री. Female sub-human be-
ing. “ तिरिक्खजोणिणीओ परिगहियाओ
भवन्ति. ” भय० ५, ७, ८, ८,

तिरिक्खजोणिअ-य पुं० (तिर्यग्योनिक)
तिर्यय; पशु, पक्षी तिर्यच, पशु, पक्षी
Birds, beasts etc ओघ० ३४, सम० १;
ठा० १, १३, १. भग० १, २, २, ५; ५, ७, ८, १,
८; ८, ३२; २४, १; २२, नाया० १, १३; दस०
४, वव० १०, १; दसा० ७, १; कप्प० ४, ११५;
—आउय. न० (-आयुष्य) तिर्ययनु.
आयुष्य तिर्यच का आयुष्य. life of sub-

human beings. भग० १, ३; ३०, १; —दुग्गद. स्त्री० (-दुग्गति) तीर्थं यो निरूप्य दुग्गति. तिर्यच योनिरूप दुग्गति. evil state in the form of animal life. ठा० ४, १,

तिरिक्खत्तण. न० (तिर्यक्त्व) तिर्य्यपणु. तिर्यचत्व. The state of a sub-human being. उक्त० ७, १६;

तिरिक्खभूय. त्रि० (तिर्यग्भूत) पशु समान. पशु समान. Beastly. पण० १, ३;

तिरिच्छ. त्रि० (तिरश्चोन) त्रिच्छे. तिरच्छा. Oblique. आया० १, २, ५, १४, सू० प० १; —छिन्न. त्रि० (-च्छिन्न) त्रिछुं छेदेषु-क्षेपेषु. तिरच्छा काटा हुआ. cut obliquely. "एवं अतिरिच्छच्छिनेवितिरिच्छाच्छिनेजाव " आया० २, ७, २, १६०; —संपाइम. त्रि० (-सम्पातिम) त्रिच्छा यावन्त२ तिरच्छा चलने वाला (one) going obliquely. "तिरिच्छसंपाइमा तसा पाणा " आया० २, १, ३, २०; दस० ५, १, ८;

तिरिच्छिय. पुं० (तिर्य्यश्) तिर्य्यश्; पशु तिर्यच, पशु. Birds, beasts. पण० २०, भग० १, १;

तिरिय-अ. त्रि० (तिर्य्यच्) पशु पक्षी वगेरे; तिर्य्यश् पशु पक्षी वगैरह; तिर्यच Sub-human beings. जं० प० १७, १३६; ४, ११२; ५, ११७; २, २७; १, ११; भग० ११, १; २०, ६, २१, १; क० गं० १, १३; १८; ३, ७, १०; प्रव० ३२; भत्त० १०५; पण० ३२; दसा० ५, ३१; ओव० २०; दस० ७, ५०; नंदी० १८; पि० नि० भा० ५०; उवा० १, ५०; (२) त्रिच्छुं; मध्य. तिरच्छा; मध्य. middle; oblique प्रव० ४०८; जीवा० १; अणुजो० १०३; राय० २६; जं० प० भग० ८, ८; १५, १; पि० नि० ३६३;

आया० १, १, २, ४१; सूय० १, ३, ४, २०; (३) त्रिच्छेलोक्ष; मध्यलोक्ष तिरच्छा लोक; मध्य लोक. the middle world. भग० १, ६, २, ८; ३, २; ६, १; उक्त० ३६, ५०; प्रव० ४७७; कण० ४, ८८; (४) तिर्यग् दिशा; त्रिशी दिशा. तिरच्छा दिशा; तिर्यग् दिशा. oblique direction. भग० १६, ६; —आउ. न० (-आयुप्) तिर्य्यन्तुं आयुष्य. तिर्यच का आयुष्य. animal or sub human life. क० गं० १, ५८; ३, १३; —आउय. न० (-आयुष्क) तिर्य्यन्तुं आउयुं. तिर्यच की आयु-जीवन. the life of an animal भग० १, ८; —गह. स्त्री० (-गति—तिरश्चातिर्यक्त्वप्रसंगिका गतिस्तिर्यग्गति) तिर्य्यन्ती गति. तिर्यच की गति. the state of a sub-human being. ठा० ५, ३; भग० ८, २; चं० प० २; सम० १७; —गहसम. त्रि० (-गतिसम) तिर्य्य-पशुनी गति-समान तिर्यच-पशु की गति के समान. like the condition of an animal. क० प० २, १०८; —गति स्त्री० (-गति) णुओ " तिरियगह " श० ६ देखो " तिरिय-गह " शब्द. vide " तिरिय गह " भग० ३, १; —जंभग पुं० (-जंभक) तिर्य्यो लोक्षमां रखेनाश ओक्ष भतिना देवता. तिच्छे लोक में रहने वाले जाति विशेष के देवता. a class of deities living in the Tirchhā region. कण० ४, ८८; —जोग्गा स्त्री० (-योग्या) तिर्य्यन्ती गतिमां उदय पामवाने योग्य कर्मप्रकृति जेवी के ओक्षेन्द्रिय भति जेधन्द्रिय भति-स्था-वरनाम, सूक्ष्मनाम वगेरे तिर्यच की योनी में जन्म दिलानेवाली कर्मप्रकृति यथा एकेन्द्रिय-दो इन्द्रिय जाति-स्थाव नाम, सूक्ष्मनाम आदि. a Karmic nature which

causes birth in the state of irrational beings like one sensed or two-sensed beings etc क० प० ४, ८५; —दुग्ग. न० (-द्विक) तिर्य्य द्वि गति अने तिर्य्य अनुपूर्वी अने प्रकृतिने समूह तिर्य्यच द्विगति तथा तिर्य्यच अनुपूर्वी इन दो प्रकृतियों का समूह a collection of the two varieties of existence viz. sub-human-Dvi and sub-human Anupūrvī प्रव० १३०२, क० प० २, १०७, —पञ्चय पुं० (-पर्वत) मार्गभा आडो आवे ओवो त्रीछो पर्वत. मार्गमें रुका बट डालने वाला तिरछा पर्वत a mountain lying crosswise on a path. भग० १४, ५, —भवत्थ. त्रि० (-भवत्थ) तिर्य्यनी वलभां रहेनार तिर्य्यच भव-संसार में रहने वाला living in the world of animals. भग० ८, २, —भित्ति. त्रि० (-भित्ति) त्रीछी बीत तिरछी भात-दिवाल crooked, oblique wall. भग० १४, ५, —लोग पु० (-लोक) अदारसो जेज्जन् प्रभावे त्रिच्छेलेक. अठारहसौ योजन प्रमाण का तिरछा लोक. a region of the irrational beings measuring 1800 Yojanas ठा० ३, २, —लोय-अ पु० (-लोक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide above. अणुनो० १०३; १४८, भग० २, ८, १०, ६, ८ ११, ६. १०, १३, ४, पञ० २; —लोयतट्ट पुं० (-लोकतट) त्रीछा लोकनो तट-काडो; आरे आणुओ स्थयम्भूरमणु समुद्रनी वेदिछा अने उपर नीचे अदारसो जेज्जन् प्रभावे त्रीछा लोकनो उपलो अने नीयलो छेडो. तिरछे लोक को ऊपर का और नीचे का तट—किनारा जिके चारों ओर स्वयंभूरमण समुद्र

की वैदिका और ऊपर व नीचे अठारहसौ योजन प्रमाण तिरछे लोक का ऊपर का व नीचे का किनारा है. the raised portion of land surrounding the Swayambhuramana ocean on all sides, the upper and the lower boundary of the region of the irrational beings. पञ० २; —वसइ त्रि० (-वसति) तिर्य्यनी वसती. तिर्य्यच की वस्ती the habitation of the irrational beings परह० १, १, —वाय. पुं० (-वात —तिर्य्यग गच्छन् यो वाति वात स तिर्य्यवात) त्रिच्छे वायु तिरछी हवा wind in an oblique direction पञ० १. —विग्रहगइ त्रि० (-विग्रहगति) तिर्य्यनी विग्रह गति तिर्य्यच की विग्रह गति the Vighraha state of existence of sub human beings ठा० १०, —सत्त. पुं० न० (-सत्त्व) तिर्य्यनी येनिभा उत्पन्न थयेज्जन्तु तिर्य्यच की गतिमें उत्पन्न जंतु a being born in the state of irrational beings पंचा० २, २२, —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) त्रिछा लोकभाथी सिद्ध थाय ते. तिरछे लोक में से सिद्ध होनेवाले those who become Siddha from the region of the irrational beings. प्रव० १०,

तिरीड. पुं० (किरिड) त्रयु शेषरयाहुं भुगुट तीन शिखरवाला मुकुट. A coronet with three crests. ओव० २६, परह० १, ३, ४, सम० प० २३७, पञ० २, जं० प०

तिरीड न० (तिरिड) वृक्ष विशेष; लोधरनुं आड. वृक्ष विशेष; लोध्र वृक्ष. A kind of tree; the Lodhra tree. वेय० २, २२, —पट्ट. न० (-पट्ट) लोधर

नामना आनी छालनुं वस्त्र. लोध्र नामक
 वस्त्र की छाल का वस्त्र. a garment of
 the bark of the Lodhra tree.
 वेय० २, २२, डा० ५, ३; निसी० ७, ११;
 —पट्टा. न० (-पट्टक) लुगो "तिरो-
 दपट्टक" शब्द. देखो "तिरोदपट्टक" शब्द.
 vide, "तिरोदपट्टक" डा० ५, ३;
 तिरीडि. त्रि० (किरिटिन्) मुकुटधारी मुकुट
 धारी; किरिट धारण करने वाला Wear-
 ing a crown. उत्त० ६, ६०;
 तिरुवाहय. त्रि० (त्रिरुवाहय) त्रये त्रये;
 त्रयुगुणो तीन गुना; तिगुना. Three-
 fold. जीवा० २;
 ✓तिरोधा. धा० I, II. (तिरस् + धा)
 छुपायुं; छुपुं रह्युं छिपाना; छुपाव छुपे
 रहना. To hide, to remain hidden
 तिरोहंति सु० च० ३, ७०;
 तिरोभात्र. पुं० (तिरोभात्र) अंतर्धान. छुपा
 रह्युं. अंतर्धान, छुपे रहना; अदृश्य होना
 Disappearance; hiding विशेष० ६७;
 तिल पुं० (तिल) तल; जेभांथी तेल निकले
 छे तेतु अेक धान्यनुं नाम तिल-तिल्ली-
 जिसमें से तैल निकलता है Sesamum;
 a kind of seed from which oil
 is extracted. 'साली बाही गोहुम
 जत्रा कलमसूरि तिल मुगा' जं० प० ३,
 ५१; ७, १६६; पञ्च० १; सूय० २, १, १६;
 भग० २, १; ६, ७, २१, २; जीवा० १;
 उत्त० १४, १८; वेय० २, १; दस० ६, ४;
 प्रव० १०१०; (२) ८८ अक्षुभांति ३१ मे
 अक्षु ८८ ग्रहों में से ३१ वां ग्रह. the
 31st of the 88 planets. "दोति-
 लया" डा० २, ३, सू० प० २०. —उदग्र
 न० (-उदक) तल धोयेलु पाणी; तलनुं
 धोयलु. तिल धोया हुआ पानी; निलोदक,
 तिल का धोवन. water in which

sesamum is washed. डा० ३, ३;
 —उदग. न० (-उदक) तलनुं धोयलु
 तिल का धोवन. water in which
 sesamum is washed. आया० २,
 १, ७, ४१; निसी० १७, ३०; कप्प०
 ३; ६, २५; —चूर्ण. न० (-चूर्ण)
 तलनुं यूर्यु तिल का चूर्ण powder of
 sesamum 'तिल चुनाण वा मुग चुना-
 ण वा' पञ्च० १; —निल. न० (-तिल)
 तल तल भाव. थोडा थोडा. तिल तिल मात्र.
 little by little. त्रिवा० २; —अंभय.
 पुं० न० (-स्तम्भ इस्तम्भ) तलनो छोडो.
 तिल का फाड. the sesamum plant.
 भग० १५, १. —अंभया. स्त्री०
 (-स्तम्भिका) तलनी शींग. तिल की
 फली sesamum pod. भग० १५, १;
 —दंडतगाडेया स्त्री० (-दण्डशकटिका)
 तिलता छोडवाना छोडवाली गाडी तिल की
 सांटीके दंडे वाली गाडी a cart having
 stal a of the sesamum plant
 नाया० १. —पप्पडगा स्त्री० (-पण्डिका)
 तलनी पपडी, तलसाइली तिल पापडी. a
 pudding made of sesamum.
 दस० ५, २, २१; आया० २, १, ८, ४८;
 —पिड्ड. न० (-पिष्ट) यूर्यु करेल तल;
 भांडेल तल, तलपट चूर्ण किये हुए तिल;
 खांडी—हटी हुई तिल powdered
 sesamum द० १, २, २२, आया० २, १,
 ८, ४८, —संगलिया स्त्री० (-शृङ्गलिका)
 तलनी शींग तिल की फली a sesamum
 pod. भग० १५, १. —सक्कुलया स्त्री०
 (-शक्कुलिका) तिलसाइली. तिल की पिंडी.
 तिल पापडी a sweet cake of sesa-
 num आया० नि० १, १, ५, १३२;
 तिलग पुं० (तिलक) लुगो. 'तिलय'
 शब्द. देखो 'तिलय' शब्द. Vide

“तिलग्र” नाया० ६, सूय० १, ४; २, १०; ज० प० पञ्च० २; सम० ७, भग० ११, ११, २२, २; —करणी. स्त्री० (—करणी) सोनानी अथवा दातनी कपाड़े तिलक करवानी सही. सोने अथवा हाथी दांत की बनी हुई भाल पर तिलक लगाने की सली. a gold or ivory stick to put a mark on the forehead. सूय० १, ४, २, १०; —वण. न० (—वन) तिलकना आडु वन. तिलक वृक्ष का वन a forest of Tilaka trees. भग० १, ७;

तिलगरयण. न० (तिलकरत्न) ओक प्रकरनु तिलक. एक तिलक विशेष A kind of mark on the forehead. जीवा० ३, तिलपुष्पवराण. पु० (तिलपुष्पवर्ण) ३२ भे महाग्रह ३२ वा महाग्रह The 32nd great planet. “दो तिलपुष्पवराणा” टा० २, ३, सू० प० २०;

तिलभट्ट पु० (तिलभट्ट) तलनी भेती करनार ओक ब्राह्मण के जेनी स्त्री उन्मत्त अने कुटला हुती अने जेणीये पोताना धुलीने भारी नाभ्यो हुतो तिल की खेती करने वाला एक ब्राह्मण जिसकी उन्मत्त तथा कुलटा स्त्री ने उसकी हत्या कर डाली थी A Brahmana who cultivated sesamum whose wife was insolent and unchaste and who murdered him. तदु०

तिल-य. न० (तिलक) तिल; आभडी उपर डाला रंगने तिलना जेयो अथ. तिल, चमड़ी पर काले रंग का तिल जैसा चिन्दू-दाग A mole; mark on the skin black like sesamum अणुजो० १४६, (२) आदेलो, टीकुं तिलक a mark on the forehead कप्प० ३, ३८, ३, ४२; सम० प० २१३, राय० ८१; सु० च० १, १, नाया० १, निर० ३, ४; अणुजो० १०३; (३)

तिलकनुं आऽ तिलक वृक्ष. a Tilaka tree. ज० प० ५, १२२; कप्प० ३, ३७, पञ्च० १; ओव० जीवा० १; ३, ३; (४) ११ भां तीर्थकरनु जैत्य वृक्ष ११ वे तीर्थकर का चैत्य वृक्ष. a memorial tree of the eleventh Tirthankara सम० प० २३३; (५) ओ नामना आवती यो-पिसीना प्रथम प्रतिवासुदेव. इस नामके आगामी चौबीसी के प्रथम प्रतिवासुदेव the first Prati Vāsudeva of that name of the coming Chauvīsī. सम० प० २४२; (६) ओ नामनो ओक द्वीप अने ओक समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र an island and an ocean of this name जीवा० ३, ४; पञ्च० १५;

तिलागणि पु० (तिलाग्नि) तलना आडनी अग्नि तिल वृक्ष की आग्नि. Fire of the sesamum plant टा० ८,

तिलिग. न० (त्रिलिङ्ग) सभकितना त्रयु लिंग, शास्त्र श्रवणुनी उत्कट इच्छा, धर्म उपर अत्यंत अनुराग अने धर्म गुंननी सेवा लक्षित ओ त्रयु लिंग समाकित के तीन लिंग, शास्त्र श्रवण की उत्कट इच्छा, धर्म के प्रति अत्याधिक अनुराग तथा धर्माचार्य की सेवा सुश्रुवा. Three characteristics of right belief, a strong desire to listen to scriptures, excessive attachment towards religion and service and devotion towards religious preceptors प्रव० ६४०,

तिलिम पु० (तिलिम) वाद्य विशेष A kind of musical instrument सु० च० १३, ४१;

तिलुवा न० (त्रैलोक्य) स्वर्ग, मृत्यु अने पाताल ओ त्रयु लोकवर्ती जन् समुदाय

स्वर्ग मर्त्य तथा पाताल इन तीन लोक मे रहने वाला जन समुदाय. Host of men living in the three worlds,—the heaven, earth and nether world. अणुजो० ४२;

तिलोई. श्री० (त्रिलोकी) त्रयु लो० तीन लोक; त्रिलोक. The three worlds. भक्त० १५२; मु० च० १, १;

तिलो०. न० (त्रिलोक्य) त्रयु लो० तीन लोक. The three worlds. नाया० १६;

तिलो०. पुं० (त्रिलोक-त्रयो लोका समा-हता त्रिलोक) त्रयु लो०; स्वर्ग मर्त्य अने पाताल. तीन लोक-स्वर्ग, मर्त्य तथा पाताल. The three worlds, the heaven, earth and nether world. पंचा० ८, ३४; —चूडामणि. पुं० (-चूडामणि) त्रयु लो० मुगट ३५ (मोक्ष स्थान). तीन लोक का मुकुट रूप (मोक्षस्थान). a place of salvation which is the diadem of the three worlds. पंचा० ८, ३४; —पुञ्ज. त्रि० (पूज्य) त्रयु लो० पूजनीय. तीन लोक मे पूज्य-वन्दनीय. venerable throughout the three worlds. पंचा० ६, १;

तिलो०. पुं० (त्रिलोक) स्वर्ग मर्त्य अने पाताल ये त्रयु लो०. स्वर्ग मर्त्य तथा पाताल ३ लोक. The three worlds, the heaven, earth and nether world. उक्त० १६, ४८; —पुञ्ज. त्रि० (-पूज्य) त्रयु लो० पूज्या योग्य. तीनों लोक मे पूजनीय. revered in the three worlds. प्रव० १००१;

तिलु न० (तैल) तेल तैल. Oil. ज० प० ४, ११४; उक्त० १४, १८, २८, २२; आया० २, १, ४, २४; ठा० ३, १, दस० ६, १८;

मु० च० ४, ७६; मू० २, १, १६; कप० ४, ६१; गच्छा० ११३; —उच्चट्टण. न० (-उद्धर्तन) तेलथी मर्दन करतुं ते. तैल मर्दन. rubbing with oil. गच्छा० ११३; —कुट्टी. श्री० (-कुट्टी) तत्र ५८. तिल पदार्थ; तिलपापड़ी. a substance made from sesamum "तिलमसि तिलकुट्टी दद्रुतिलं तहोसहोद्वीर्यं " प्रव० २३२; —पूय. पुं० (-पूय) तेलपूया; तेलना भाजपूया तैल का मालपूया. sweet cakes fried in oil. आया० २, १, ६, २१; —चिन्दु. पुं० (-चिन्दु) तेलतुं बिंदु; टपडु. तैल का बिंदु; टपका; चूट. a drop of oil. प्रव० ६६६; —मल्ली. श्री० (-मल्ली) तत्र ५० तिल की खल. a pod of sesamum' प्रव० २३२;

तिवई-ती. श्री० (त्रिपदी) पहेलवाननी ओ० प्रकारनी आल पहलवानों-मल्लो की गति विशेष. A particular gait of a wrestler. (२) थोडा पगेरेनुं त्रये पगे ठेला रहेतु; थोडानी ओ० प्रकारनी आल. घोडे की एक प्रकार की चाल standing on three legs by a horse etc; a particular kind of gait of a horse. ओ० ३१; भग० ३, २, हाथीनु पलान आधवानी रस्सी-दोरी हाथी का पलान बांधने की एक रस्सी-दोरी. a rope to tie the packsaddle of an elephant. राय० १८२; (४) कुट्टवानी ओ० प्रकार कूदने का एक प्रकार. a form of jumping. अंत० २, १; जीवा० ३, ४; त्रिवर्गिण. त्रि० (त्रिवर्गित) त्रयुवर्ग वर्ग धरेल. तीन बार वर्गीकरण किया हुआ. Classed three times. क० गं० ४, ८४; त्रिवर्गिण अ० (त्रिवर्गकृत्वा) त्रयुवार वर्ग करीने. तीन बार वर्गीकरण कर के. Hav-

ing classed three times. क० गं०
४, ८८;

तिचरिस पुं० स्त्री० (त्रिवर्ष) त्रय परसनी प्र-
ज्यावाला साधु, साध्वी. तीन वर्ष की प्रज्या
वाले साधु, साध्वी. A male or female
ascetic of three years stand-
ing. वच० ३, ३; —परियाय पुं० (-प-
र्याय-त्रिणि वर्षाणि पर्यायः प्रज्यापर्यायो
यस्य स त्रिवर्षपर्याय) जेने दीक्षा लीधां त्रय
वर्ष थयां होय ते वह जिसे दीक्षा लिये हुए
तीन वर्ष हो चुके हो one for whose
initiation three years have
elapsed. वच० ३, ३;

तिचलि स्त्री० (त्रिचलि) पेट उपर त्रय वाटा
होयछे ते. पेटपर की त्रिचलि The
three wrinkles across the ab-
domen. जं० प० जीवा० ३, ३;

तिचलिञ्च त्रि० (त्रिचलिक) त्रय रेखा वाहु.
तीन रेखा वाला One having three
wrinkles कप्प० ३, ३६;

तिचलिया-आ. स्त्री० (त्रिचलिका) क्रोध करती
वज्जते कपाल उपर त्रय वली-लीटी पडे ते
क्रोध करते समय कपाल पर पडने वाली तीन
आड़ी रेखाएं Three wrinkles
formed on the forehead in an
angry mood (२) पेट उपर पडती त्रय
वाटा. पेट पर पडती तीन रेखा. the 3
wrinkles across the abdomen
नाया० ६, १६, भग० ३, १; उवा० २, ६६;
ओव० विवा० ५, नाया० २;

तिचली- स्त्री० (त्रिचली) पेट के कपाल उपर
थती त्रय रेखा पेट अथवा कपाल पर पडने
वाली ३ रेखाएं The three wrinkles
on the abdomen or forehead.
पण० १, ३; —विणीय. त्रि० (-विनीत-
तिस्त्रो वलयो विनीत इति शेषतः प्रपिता यत्र

तत् त्रिचलीविनीतम्) त्रय वाटवालो. तीन
रेखावाला. having three wrinkles.
जीवा० ३, ४;

तिचस्सजाञ्च त्रि० (त्रिवर्षजात) जेने जन-
भ्याने अथवा प्रज्या लीधाने त्रय वर्ष
थया छे ते. जिसे जन्म लेने को अथवा
प्रज्याग्रहण किये को तीन वर्ष हुए हो.
(One) for whose birth or ini-
tiation three years have elaps-
ed. तदु०

तिवाञ्च पु० (त्रिपात-पतनं पात. त्रिभ्यो
मनोवाक्कायभ्यः पातस्त्रिपातः) मन, वचन
अने काया ओ त्रयुनुं पाडवु. मन वचन तथा
काया इन तीनों का पतन. Discarding
from the mind, speech and
body. पि० नि० भा० २६;

तिवायण न० (त्रिपातन=त्रयाणां देहाद्युरिन्द्रिय-
रूपाणाम् मनोवाक्कायरूपाणां वा पातन
विनाश. त्रिपातनम्) मन, वचन कायाने
नाश करवो, इन्द्रिय आयुष्य अने देह ओ
त्रयुने नाश करवो ते. मन वचन तथा काया
का नाश करना; इन्द्रिय आयुष्य व देह इन
तीनोंके नाश का कार्य. Destruction of
the mind, speech and body; to
annihilate the sense, life and
body. पि० नि० ६७,

तिवायणा. स्त्री० (त्रिपातना-अतिपातना-
त्रिपातन) मन वचन अने काया ओ त्रय
योग अथवा देह आयुष्य अने इन्द्रिय ओ
त्रयुथी के छे पणु छवने पाडवो, छष्ट करवो
ते. मन वचन तथा काया इन तीन योगों
से अथवा देह, आयुष्य व इन्द्रिय इन तीन
के द्वारा किसी भी जीवको भ्रष्ट करना-पतित
करना Degrading of any being
from the trio of the mind,
speech and body or body, life

and senses. परह० १, १; (२) प्राणुने।
अनिपात करवे। ते. प्राणका'अतिपात उल्लंघन.
transgression of life. परह० १, १;
तिवासपरियाय. पुं० (त्रिवर्षपर्याय) जुओ।
“ त्रिवरिसपरियाय ” शब्द देखो “ त्रिवरि-
सपरियाय ” शब्द Vide “ त्रिवरिसप-
रियाय ” वव० ३, ३; ७, १६;
तिवासपरियायग पुं० (त्रिवर्षपर्यायक)
जुओ। “ त्रिवरिसपरियाय ” शब्द देखो
“ त्रिवरिसपरियाय ” शब्द. Vide “ त्रिव-
रिसपरियाय ” वव० १०, २२; २३; २४;
तिविकल्प. त्रि० (त्रिविकल्प) त्रुणु वि३६५-
प्रकारनुं. तीन विकल्प-प्रकार का; त्रिविव.
Of three kinds or varieties.
क०प० २, ५०;
तिविगगप पुं० (त्रिविकल्प) त्रुणु वि३६५.
तीन विकल्प. Three optionals. क०
गं० ६, ३;
तिविह. पुं० (त्रिपृष्ठ) आलु येपिसीना प्रथम
वासुदेव चालु चौवीसी के १ ले वासुदेव.
The first Vāsudeva of the
present cycle. “ त्रिविहणं वासु-
देवे असिहं धणुहं ” सम० ८०; प्रव० १२२६;
(२) आपती येपीसीना नवमा वासुदेव.
आगामी चौवीसी के ६ वे वासुदेव. the
ninth Vāsudeva of the coming
cycle. सम० प० २४२;
तिविह त्रि० (त्रिविव-तिव्वा विधा यस्य तत्तथा)
त्रुणु प्रकारनुं. तीन प्रकार का; त्रिविव. Of
three kinds. भग० १, १, ७, २; १८,
८; २५, १; दस० ४, ६, २७, ८, ४; विशेष०
८६; आया० १, ३, ३, ८०; पि०नि०भा०
१६; १८; पि०नि० १४१, सम० २६; उवा०
१, १३; १४; १५, गच्छा० १०१; प्रव० ६५; ६१;
२, १३; आवा० १, ३; पंचा० ३, २, ५,
३२, १३, ३२; क० गं० १, १४, ४, ७४;

भक्त० ६, ३७; ४३; क० प० १, ७१;
—रस. पुं० (-रस) त्रुणु प्रकारने। रस.
त्रिविव रस; तीन प्रकार का रस. three
kinds of taste. क० प० १, ६०;
तिव्व. त्रि० (तीव्र) तीक्ष्ण; आश्चर्य; दुःसह.
तीक्ष्ण, कडा; दुःसह. Sharp, unbear-
able. “ तिव्वे रोगायं क पाउवभूण ” भग०
१५, १; सूय० १, १, १, १०; १, ५, १,
३; अणुजो० २७; भग० ६, ३३; १५, १;
पि० नि० १०१; राय० २८३; उवा० १, ४८;
भक्त० २१, ५१; प्रव० ८३७; (२) रैद्र. रौद्र.
causing fear. सूय० १, ५, १, ३;
अत्यंत गाढ. अत्यंत गाढ, गंभीर; गहग.
excessive, deep. सूय० १, २, १,
८; आवा० २१; (४) अत्यानंद भरुणु
निपण्णे तेवे। रोग. ऐसी व्याधि जिससे अक-
स्मात् मृत्यु हो जाय. a disease which
causes death all of a sudden.
(५) पुं० तीव्र रस तीव्र रस. intensity;
acuteness; strong essence.
क० गं० ५, ६३; —अणुभाव. पुं०
(-अनुभाव) तीव्र अनुभाव, उभने। रस.
तीव्र अनुभाव-कर्म रस. strong influ-
ence, intensity of Karma. भग०
१, १; —अभिताव. पुं० (-अभिताप) दुःसह
सताप दुःसह संताप; असह्य कष्ट. an un-
bearable pain. “ तिव्वा अभिता-
वेण उज्झिया असमाहिया ” सूय० १, ३,
३, १३; —अभित्तावि. त्रि० (-अभित्तापिन्)
तीव्र वेदना पाभनार. तीव्र वेदना पीडा-पाने
वाला. (one) getting great pain
“ तिव्वा अभितावी एरगाभिसेवी ” सूय० २, ९,
४४; —अभिलास. पुं० (-अभिलाप)
तीव्र धृष्ट तीव्र इच्छा. a strong de-
sire. उवा० १, ४८, —असुहसमायार.
त्रि० (-अशुभसमाचार) तीव्र-उत्कट अशुभ

समाचार-आचरण वाला. अत्युत्कट अशुभ
समाचार-आचरण वाला. an excessively
bad person. दसा० ६, ६;
—कोहया. स्त्री० (—क्रोधता-क्रोधत्व) तीव्र
क्रोधपणु. तीव्र क्रोधत्व; भयंकर क्रोधो भाव.
state of terrible anger. भग० ८,
६;—गिद्ध त्रि० (—गृद्ध) तीव्र-अत्यन्त गृद्ध,
अति लोलुपता. अत्यन्त गृद्ध; अति लोलुपता.
excessive greediness or covet-
ousness पण्ड० १, ३;—गिलाण त्रि०
(—ग्लान) अत्यन्त व्याधियालो. अत्यन्त
व्याधि-रोग-वाला. (one) too much
diseased. पंचा० ३, ५०;—चरित्तमोह-
णिज्जया. स्त्री० (—चारित्रमोहनीयता) चारित्र-
मोहनीयकर्मनी तीव्र प्रकृति चारित्रमोहनीय
कर्म की तीव्र प्रकृति. acute state
of conduct-deluding Karma
भग० ८, ६;—चरित्तमोहणीय. न०
(—चारित्रमोहनीय) नोकपायमोहनीय कर्मनी
प्रकृति. नोकपाय मोहनीय कर्म की प्रकृति. a
nature of Nokasāya Mohaniya
Karma भग० ८, ६; उभयसाण. न०
(—अध्वयसान) तीव्र चित्तपन-वित्थार.
तीव्र चित्तन-विचार. a deep medita-
tion or thought. विशेष० २२६,
—दंसणमोहणिज्ज न० (—दर्शनमोह-
नीय) दर्शनमोहनीय कर्मनी तीव्र प्रकृति.
दर्शनमोहनीय कर्म की तीव्र प्रकृति an
acute state of Darśana Mo-
haniya Karma. भग० ८, ६;
—दंसणमोहणिज्जया. स्त्री० (—दर्शनमोह-
नीयता) दर्शनमोहनीय कर्मनी तीव्र प्रकृति
पणु. दर्शनमोहनीय कर्म की तीव्र प्रकृति
acuteness of the state of the
Darśana Mohaniya Karma. भग०
८, ६;—धम्माणुरागरत्त. त्रि० (—धर्माव-

रागरक्त) धर्मभां तीव्र रागवालो धर्म में
उत्कट अनुराग रखने वाला. (one) hav-
ing strong attachment towards
religion. भग० १, ७;—भाव. पुं० (—भाव)
तीव्र परिणाम, संक्षिप्त भाव. तीव्र परिणाम;
संक्षिप्त भाव. an acute result. पंचा०
३, ४;—माणया. स्त्री० (—मानता-मान) तीव्र
मान. तीव्रामिमान; अत्यधिक गर्व. ex-
cessive pride. भग० ८, ६;—माया.
स्त्री० (—माया) तीव्र माया-कपट. तीव्र
माया-कपट-छल. excessive hypo-
crisy. भग० ८, ६;—रोस. पुं० (—रोष)
तीव्र-अत्यन्त क्रोध. तीव्र-अत्यधिक रोष-
क्रोध excessive anger. नाया० ६;
—लोह त्रि० (—लोभ) अत्यन्त लोभ
अत्यन्त लोभ. excessive covetous-
ness भग० ८, ६;—वेर. न० (—वैर)
तीव्र वैर. तीव्र वैर, चार शत्रुता. fierce
enmity. पण्ड० १, १; नाया० २,
—संकिलेस. पुं० (—संक्लेश) तीव्र-दुष्ट
परिणाम. तीव्र या दुष्ट परिणाम. an
evil result पंचा० १६, २३;
—संवेग पुं० (—सवेग) तीव्र संवेग;
अत्यन्त मेक्षाभिधाया. तीव्र संवेग; अत्यन्त
मोक्षाभिलाषा. fierce speed; desire
for utter salvation तदु०—सद्धा
स्त्री० (—श्रद्धा) तीव्र श्रद्धा—आस्था
सद्गुणान् करणभां अत्यन्त श्रद्धा तीव्र श्रद्धा-
आस्था; सद्गुणान् करने में अत्यन्त रुचि.
strong devotion, faith, strong
desire to perform devotion
'तं पुण्यसंविग्रेणं उवश्रागनुण्यं तिव्वमद्वाण'
पंचा० ४, ३२,

तिव्वतरग. न० (तीव्रतरक) अतिशय तीव्र.
अतिशय तीव्र. Very sharp or acute.
पंचा० १५, ७;

तिसंगहिय. त्रि० (त्रिसंगृहीत) त्रयु ७७
स धरेल. तीन व्यक्तियों द्वारा संग्रहीत.
Collected by three men वव० ३,
१२, १३;

तिसंजम् न० (त्रिसंजम्) प्रातःकाल,
मध्याह्निके अने सायं ओ त्रयु संध्याने समुह
प्रातःकाल, मध्याह्निके व सायंकाल इन तीन
कालों की संध्याओं का समूह. The three
twilights—morning, noon and
evening चउ० ६२, पु० च० १, ४०;

तिसंजम्. त्रि० (त्रिसंजम्) प्रातःकाल,
मध्याह्निके अने सायं ओ त्रयु संध्याने
समुह प्रातःकाल, मध्याह्निके व सायंकाल की
संध्याओं का समूह. A collection of
the twilights—morning, noon
and evening. नाया० २, ७,

तिसंधि. त्रि० (त्रिसंधि) आदि, मध्य अने
अंत-छे संधि वालुं आदि, मध्य व अंत
में मन्त्रि वाला-जुड़ा हुआ. Possessing
joints in the beginning, middle
and end राय० २०४,

निसतकषुतो अ० (त्रिसतकषुत्) २१
वार; २१ वषत इक्कीसवार. Twenty-
one times ओव० ४२, भग० ३, १;
६, ५; १६, ३, २०, ६; नाया० ६;

तिसमय. त्रि० (त्रिसमयिक-त्रयः समयाः
समयं तद्यत्रास्ति स त्रिसमयिक) त्रयु समय
सुधी रहेनार तीन समय तक रहने वाला
One staying for three Sama-
yas (a measure of time). डा० ३, ४,

तिसमय. न० (त्रिसमय = त्रयः समयाः
समाहतास्त्रिसमयम्) त्रयु समय तीन
समय Three Samayas भग० २१, ८,
—आहारग त्रि० (-आहारक) त्रयु
समय सुधी आहार करनेनार तीन समय तक
आहार करने वाला. one taking food

till three Samayas are over.
विशे० ५८८; —सिद्ध. पु० (-सिद्ध) नेने
सिद्ध भवाने-सिद्धि पाभ्याने त्रयु समय भया
छे ते. जिते सिद्धि प्राप्त किये तीन समय हो
चुके हों वह one for whom three
Samayas have elapsed after
becoming a Siddha (liberated).
पञ० १;

तिसमुत्थ. त्रि० (त्रिसमुत्थ) धर्म, अर्थ
अने काम ओ त्रयु वस्तुथी अनेल. धर्म,
अर्थ तथा काम इन तीन वस्तुओं द्वारा निर्मित.
Formed of the three objects-
religion, wealth, and pleasure.
पि० नि० ८६;

तिसमुद्रकायकित्ति. त्रि० (त्रिसमुद्रकाय
कीर्ति) समुद्री त्रयुणात् सुधी नेनी
भ्याति पहुँचिनी छे ते जिसकी ख्याति
समुद्र के तीन ओर तक पहुँची हुई है वह.
Whose fame has reached the
three sides of a sea. नंदा०

तिसय. न० (त्रिसय) त्रयुसे, ३०० तीनसौ;
३००. Three hundred; 300. विशे०
१०७; (२) ओ३से ने त्रयु. एकसौ तीन.
one hundred and three. क० गं०
१, ३; ३४;

तिसर. पु० (त्रिसर) त्रयु सरी ६२, त्रयु
सरताली भाला. तीन लड़ियों वाला हार;
तीन सर वाली-माला. A necklace of
three strings ओव० २७;

तिसर न० (त्रिसरस्-त्रोणि शराणि त्रिसरस्)
त्रयु त्रयुने समुह तीन बाणों का समूह.
A collection of three arrows.
दमा० १०, १;

तिसरग न० (त्रिसरक) त्रयु सरी ६२.
तीन सरा हार, तिहेरा हार. A necklace
of three strings जं० प० तदु०

तिसरय न० (त्रिशरक) त्रयसरी डार.
तीन सरा हार-माला. A necklace of
three strings. ज० प० दसा० १०,
१; नाया० १;

तिसरा स्त्री० (त्रिशरा) भृच्छ्रधन विशेष.
मच्छ्रधन विशेष. A particular
bodily structure विवा० ८;

तिसला स्त्री० (त्रिशला) लगवान महावीर
स्वामिनी माताजुं नाम. भगवान् महावीर
स्वामी की माता का नाम Name of
the mother of the Lord Mahā-
vīra. आया० २, १२, १७६; ठा० १०;
प्रव० ३२२, कण्प० २, २०, सम० प०
२४०,

तिसलोइया. स्त्री० (त्रिश्लोकिका) त्रय
श्लोकमा अनावेल स्तुति. तीन श्लोको में
रचित स्तुति. An eulogy written
in three verses. प्रव० ४४२;

तिसल्ल न० (त्रिशल्य) भाया, नियाणु अने
मिच्छादसणु अने त्रय शल्य. माया, नियाण
व मिच्छादसण आदि तीन शल्य. The
three Sālyas (thorns) viz
Māyā, Niyāṇa Michchhādan-
saṇa. प्रव० ४०४;

तिसा. स्त्री० (तृषा) तृषा; त२५. तृषा; प्यास
Thirst औष० नि० ६८२,

तिसालग. पु० (त्रिशालक) त्रय पञ्च-
भाषयाजुं धर तिमांजिला मरान. Three
storeyed house जीवा० ३, ३;

तिसिअ-य. त्रि० (तृषित) तृषापुर थओल;
तृषा युक्त. प्यासा, तृषा पीडित; तृषार्त.
Thirsty. नाया० १, १४, परह० १, ३,
२, १, सु० च० १०, ४१;

तिसुगंध. त्रि० (त्रिसुगंध) त्रय जलनी
सुगंधयाजुं. त्रिविव सुगन्ध वाला Ros-
sessed of three kinds of frag-

rance जीवा० ३, ४:

त्विसुद्धि. स्त्री० (त्रिशुद्धि) समकितनी त्रय
शुद्धि. देव गुरु अने धर्म शिष्याय आशीनी
स सारिक वस्तु मात्रने तुच्छ नि-सार मानवी
ते समकित की ३ शुद्धि; देव गुरु तथा धर्मके
अतिरिक्त शेष समस्त सांसारिक वस्तुमात्र
को नि सार जानना-मानना. Threefold
purity of Samakita, considering
all the worldly objects' except
the gods, preceptor and reli-
gion, as worthless प्रव० १४०;

तिसूल. न० (त्रिशूल) त्रिशूल त्रिशूल
Trident. सूय० १. ५, १, ६;

तिसूलिय. त्रि० (त्रिशूलिक) त्रिशूल सहित
त्रिशूल सहित With a trident. सूय०
१, ५, १, ६;

तिसूलिया. स्त्री० (त्रिशूलिका) लम्बी सूल
लम्बा त्रिशूल. A long trident.
“ अजेतु सूलाहि तिसूलियाहि ” सूय० १,
५, १, १०;

तिसेस. त्रि० (त्रिशेष) त्रय आशी शेष
तीन Remaining three. क० ग०
४, १०,

तिसोवाण न० (त्रिसोपान) त्रय दिशाभां
सोपान पगथीयांनो समूह. तीन ओर
को सोपान-सोढियोंका समूह. Stairs
in three directions जं० प० ५,
११६; ११७; ४, ७३, राय० — पडिरूवग
न० (-प्रतिरूपक) सुदर त्रय पगथी-
आनी सीढी. तीन पगथियों की सुन्दर
निसैनी-सीढी. a ladder of three
beautiful steps. “ तेमिण तिसोवाण
पाडिरूवगणं अयमे वारूवे ” जीवा० ३, ४,

तिहत्य पुं० (त्रिहस्त) त्रय हात. तीन हाथ.
Three hands आया० २, ५, १, १४१;

तिहा अ० (त्रिधा) त्रय प्रकारे तीन प्रकार

से. In three ways. जं० प० विशेष०
१६, १८७; राय० २५१; भग० १, १०; ८,
३; १२, ४; क० प० ४, २, ४, ३०;

तिहि श्री० (तिथि) तिथि; दिवस. तिथि.
दिवस A day; a date. जं० प० १,
११९; ७, १५२; नाया० १; २; ५; ८; १४;
१५, भग० ६, ३३; ११, ६; ११; १२, १;
सू० प० १; पण० १, २; ओष० नि० भा०
८०; ओष० ४०; चं० प० १०; पंचा० १५, २०;
तिहियसय. न० (त्र्याधिकशत) त्रये अधिक
सौ; ऐकसोने त्रयु तीन अधिक सौ; एक
सौ तीन One hundred and three.
क० गं० २, ३;

तिहुयण. पुं० (त्रिभुवन) त्रिर्भुव, अधो 'अने
त्रिच्छे ओ त्रयु लोक. ऊर्ध्व, अधो, व
तिरछा ये तीन लोक. The three
regions—the upper, lower, and
oblique सु० च० १, ३४५, चड० १८;
क० गं० १, ४७७;

तीइल. न० (तैतिल) तैतिल नामनु करण;
११ करणुमांनु ऐक. तैतिल नामक करण;
११ करणमेंसे एक A Karana named
Taitila; one of the eleven Ka-
rnas विशेष० ३३४८;

तीत. त्रि० (अतीत) भूत कालनु; गतकालनु
भूतकालका; बीतेहुए समय का; पुराना.
Past; of the bygone days, old.
जं० प० ७, १३८; भग० १, ४; १४, ४,
—कालसमय पुं० (—कालसमय) भूत-
कालने समय. भूतकाल; बीता हुआ समय.
past time. भग० १, १; —वचन. न०
(—वचन) भूत कालनु वचन-विभक्ति
प्रत्यय. भूतकाल का वचन-विभक्ति प्रत्यय.
the case termination of the
past tense ठा० १, १; ३, ४;

तीतद्धा. श्री० (अतीताद्धा) भूतकाल भूत

काल. The past tense. भग० १, ६;
१२, ५; १५, १; २५, ५;

तीय. न० (त्रिक) त्रयु; त्रयुनी संख्या. तीन;
तीन की संख्या. Three, third num-
ber. "कोतीय नोचेव दावर" सूय० १, १,
२, २३;

तीय-अ त्रि० (अतीत) भूतकालनु; गत-
कालनु. भूतकालिक; बीते हुए समय का
Of the past or bygone days.
ठा० ३, ४; अणुजो० ४२; जं० पं० ५,
११२; भग० २, १; ७, ७, १४, ४; नाया०
८, पञ्ज० ११; उवा० ७, १८७; कण० २,
२०; —काल. पुं० (—काल) अतीत
काल; भूतकाल. अतीत काल; भूतकाल.
the past time गच्छा० ३६;

तीयद्धा. श्री० (अतीताद्धा) भूतकाल. भूत-
काल Past time. भग० १२, ५; १५,
१; २५, ५;

✓ तीर धा० II. (तृ) तरुनु; पार पारनु.
तैरना; पारपाना. To swim; to cross.
तीरेइ. नाया० १; भग० २, १; उवा० १,
७०;

तीरंती विशेष० १३८, सु० च० ४, १२४, प्रव०
६१;

तीरिन्ता. सं० कु० नाया० १,

तीर. पुं० (तीर) कांठा; किनारा. तट; तीर;
किनारा. Bank; shore नाया० १; २;
८; भग० १३, ६; जीवा० ३, १; ओष
नि० भा० ३४; उत्त० १०, ३४; १३, ६;
३०; ठा० ४, १, उवा० ७, २१८; —ट्टि.
त्रि० (—अर्थिन-तीरं पारं भवार्थवस्यार्थयत
इत्येवं शलिस्तारार्थी) लवरूपी समुद्रने पार
पारपानाणी धृष्टावालो. भवरूपी समुद्रको तीरने
का अभिलाषी. (one) desirous of
crossing this world in the form
of an ocean. पूय० २, १, ६; ठा० ४, १;

तीरंगम. त्रि० (तीरङ्गम-तीरं गच्छन्तीति तीरंगमा.) पारगाभि; पार जनार पारगामी; पार जाने वाला. (One) who has reached the other end.

आया० १, २, ३, ८०;

तीरिय त्रि० (तारित) पा० उतारेल. पार उतारा हुआ. (One) who is made to cross 'तीरिया किट्टिया' ठा० ७; (२) समाप्त; पूर्ण करेला समाप्त; पूर्ण किया हुआ. fulfilled; finished. पणह० २, १, प्रब० २१३;

तीस स्त्री० (त्रिंशत्) त्रीस; ३०. तीस; ३० की संख्या Thirty; 30. भग० २, १, ८. ५, १; ६, ३; १५, १; १६, ६; २०, ६; ८; नंदी० १८; पत्र० २, ४; दसा० ६, १, सम० ३०; नाया० १; नाया० ध० क० गं० २, १०; २२; ज० प० ५, ११५, —दिण. न० (-दिन) त्रीश दिवस; ओ३ भास तीस दिन: एक माहिना thirty days, a month. प्रब० १०६;

तीसइ स्त्री० (त्रिंशत्) त्रीश; ३०. तीस; ३० Thirty; 30. उत्त० ३३, १६; —मु. हुत्त. त्रि० (-मुहूर्त) त्रीश मुहूर्त; सा६ धरी तीस मुहूर्त; साठ घंटा. thirty Muhūrtas (a Muhūrta equal to 48 minutes each); sixty Ghaḍīs ठा० ६;

तीसइम त्रि० (त्रिंशत्तम) त्रीशमे; ३० भुं. तीसवा, ३० वा Thirtieth. भग० २, १;

तीसगुत्त पु० (तिष्यगुत्त) तिष्यगुत्त नामना थीज निन्हव जेले जवन असज्यात प्रदेश पैडी छेला प्रदेशमां जवत छे, थीजमां नहिं जेरी रीने स्थापन कर्युं. तिष्यगुत्त नामक दूसरे निन्हव जिन्होने यह (सिद्धान्त) स्थापित किया कि जीव के असंख्य प्रदेशों से ये अन्तिम प्रदेश में जीव

है दूसरे में नहीं होता. The second heretic of the name of Tisyagupta who established that life exists in the last of the innumerable regions of the soul and not in others ठा० ७, १; त्रिश० २३०१;

तीसतिम त्रि० (त्रिंशत्तम) त्रीशमे-भी-भुं. तीसवा बी-वें-रा-री-रे. Thirtieth. नाया० १;

तीसभट्ट पुं० (तिष्यभट्ट) जे नामना माहर गोत्रना संभूतिविजय धिवरना शिष्य इस नाम के संभूत विजय धिवर के माहर गोत्रीय शिष्य A disciple of this name of the ascetic Sambhūti Vijaya of the Māthara lineage. कप० ८;

तीसय पु० (तिष्यक) जे नामना लगवान महावीर स्वाभिना ओ३ शिष्य. भगवान् महावीर स्वामी के इस नाम के एक शिष्य. A disciple of this name of the Lord Mahāvīra Swāmī भग० ३, १;

तीसयदेव (तिष्यकदेव) महावीर स्वाभिना तिष्यकनामना साधु के जे काव करीने प्रथम देवलोकना सामान्य देवता तथा ते महावीर स्वामी के तिष्यक नामक साधु कि जो मृत्यु के नंतर प्रथम देवलोक के सामान्य देवता हुए Tisyaka the disciple of the Lord Mahāvīra, who after death attained to the ordinary godhood of the 1st abode of the gods. भग० ३, १;

तीसा. स्त्री० (त्रिंशत्) त्रीस; ३०. तीस; ३०. Thirty ज०प० ६, ११८; भग० १, ५; १२, ७;

तु. अ० (तु) सधुअयय. समुच्चय; जोड़;
घन Addition; all taken to-
gether. क० गं० १, २; १३, २६;
(२) अवधारणु अवधारण. restriction.
दस० ७, ३०, ६, १, १४; (३) विशेषण.
विशेषण. qualification; adjective.
सूय० १, ४, २, २; (४) वितर्क-पणु.
वितर्क-किन्तु a conjecture. दस० ४,
५, २, ४१; ६, ४७; भग० २५, ७; (५)
पाद पूरणु. पाद पूरण; पाद पूर्ति. comple-
tion of a sentence. ठा० ४, २; (६)
तेना भाटे उसके लिये. for him. दस०
७, ७, (७) अने; वली. और; तथा; एवं.
and. सूय० नि० १, १, १, ३;

तुअट्टण. न० (त्वग्वर्त्तन) सुयुं; लांया थधने-
पडुं सोना: लम्बे होकर लेटना. Sleep-
ing; lying. ओव० २०;

तुअर न० (तुवर) ओक अतनुं धान्य; तुवर.
एक धान्य विशेष, तुवर. A kind of
pulse. जं० प०

तुंग त्रि० (तुङ्ग) गीय-शुल्लुवाहुं, उन्नत. ऊच्च;
उन्नत; गुण युक्त High; noble;
possessed of merits; promi-
nent. सम० ओव० जं० प० ३, ६५;
५, ११७; (२) पाट्टर नीकलतुं. बाहर
निकलता. projecting जीवा० ३,
३; ४; जं० प० ओव० १०, २१; नाया० १,
५, सम० प० २१३, राय० ७०; पन्न० २;
निर० ५, १; भक्त० ११; कप्प० ३, ४६,

तुंगिय पुं० (तुङ्गिक) ओ नामनुं गोत्र. इस
नाम का गोत्र. A Gotra (lineage)
of this name. कप्प० ८; (२) त्रि० तुंगिक
गोत्री. तुंगिक गोत्री of Tuṅgika
lineage. “जसभट्ट तुंगियं चैव” नदी० २४;

तुंगिया त्री० (तुंगिका) ओ नामनी ओक
प्रसिद्ध नगरी के जयां महावीर स्वामिना

धरुा श्रावक वसता हता इस नामकी एक
प्रसिद्ध नगरी जिसमें महावीर स्वामी के बहुत
से श्रावक निवास करते थे. Name of a
famous city where a number
of followers of Mahāvīra Svāmī
lived. “तसिं यं तुंगियाण्ण ययरीण्” भग०
२, ५;

तुंगियायण. पुं० (तुङ्गिकायण) तुंगिक गोत्रना
ऋषी. तुंगिक गोत्र के ऋषि A sage
of the Tuṅgika Gotra (line-
age). कप्प० ८;

तुंड. न० (तुण्ड) मोहुं; मुण्ण मुँह मुख.
Mouth. (२) यांय चोंच beak.
विशे० १४६६, जं० प० उत्त० ३४, ७, जीवा०
३, १; नाया० १,

तुंदिल त्रि० (तुन्दिल) हुंदायो; धांदायो.
तुंदिल; दूंदवाला. Big-bellied उत्त०
१, ५;

तुंव. पुं० (तुम्ब) तुण्डुं; तुण्डी. तुम्बी; तुम्बा;
तुम्बडी Gourd नाया० ५; ६; उत्त० ३४,
१०; भग० ७, १, जं० प० ३, ४६; ओष०
नि० ३८; (२) तुण्डीना दृष्टांतवाहुं साता
सुत्रनु ७८६ अथयन. तुम्बीके दृष्टांत वाला
ज्ञाता सूत्रका छठा अध्यायन the 6th chap-
ter of the Jñātā Sūtra having
a parable of a gourd नाया० १; १६;
(३) यक्क अथवा पैजानी वस्येने गोला
अवयव चक्र अथवा पहिये के बीच का गोल
अवयव-भाग. a hub; a round
portion in the centre of a
wheel. जं० प० नंदी० ५, पणह० २, ४;

तुंवइय पुं० (तुम्बकित-तुम्बकितो भयादर
घट्टतुम्बाकारवजातस्तुम्बकितः) लयथी
स्तब्ध थयेल, डिया थयेल भय सें स्तब्ध
बनाहुआ, उन्नत Motionless through
fear, raised. “आयवालोय महंतुम्ब-

इयपुनकन्नो " नाया० १;

तुंवणाय. न० (तुम्बज्ञात) तुंयडीना अधि-
कारवाहुं ज्ञातासूत्रतुं छुं अध्ययन तुम्बो
के अधिकारवाला ज्ञातासूत्र का छठा अध्या-
यन. The sixth chapter of the
Jñātā Sūtra having the de-
scription. of a gourd. नाया० १,
तुंववीण. त्रि० (तुम्बवीण-तुम्बयुक्ता वीणा
येषां ते तुम्बवीणाः) तुंयडीनी वीणा वगाड-
ना२ तुम्बो की वीन-वीणा बजाने वाला. A
lute-player. जीवा० ३ ३;

तुंववीणा वी० (तुम्बवीणा) तुंयडीनी वीणा
तुम्बो की वीणा-वीन. A lute राय० ८८;

तुंववीणिय त्रि० (तुम्बवीणिक) तुंयडीनी
वीणा वगाडना२. पुगी बजाने वाला-तुम्बो
की वीन बजाने वाला A player of
lute. अणुजो० ६२; ओ० क० ५, ६६;

तुंववीणिया वी० (तुम्बवीणिका) तुंयडीनी
वीणा तुम्बो की वीणा. A lute made
of gourd आया० १, ११, १६८;

तुंवा. वी० (तुम्बा) अमरेन्द्र तथा अलेन्द्रनी
अभ्यन्तर परिषद-सभा चमरेन्द्र तथा बले-
न्द्रकी अभ्यन्तर परिषद-सभा. The inter-
nal committee of Chamarendra
and Balendra ठा० ३, ३; (२)
सथं तथा अन्दनी अभ्यन्तर परिषद.
सूर्य तथा चंद्र की अभ्यन्तर परिषद the
inner assembly of the sun and
moon. ठा० ३, ३, जीवा० ३, ४;

तुंवाग. न० (तुम्बाक) तुंयडी, तुंणी तुम्बो,
तुम्बा. A gourd " तुंवागं सिंगरेच "
दस० ५, १, ७०;

तुंवो. वी० (तुम्बी) तुंयडीनी वेल. तुम्बो
की वेल-लता. A creeper of gourd.
भग० २२, ६, पत्र० १, राय० ८८, ओघ०
नि० १७०; आया० नि० १, १, १, १२६.

तुंवुरु. पु० (तुम्बुरु) श्री सुमतिनाथ प्रभुने
यक्ष. श्री सुमतिनाथ प्रभु का यक्ष The
Yaksa of Śrī Sumati Nātha
Prabhu. प्रव० २६; (२) शकेन्द्रनी गन्धर्व
मेनाने अधिपति. शकेन्द्र की गन्धर्व सेना का
नायक-अधिपति the general of the
Gandharva (demy-god) army of
Śakrendra. ठा० ८; (३) त्रीने गन्धर्व.
तृतीय गन्धर्व. the third Gandharva
पत्र० १; (४) वृक्ष विशेष वृक्ष विशेष;
टीमरू का वृक्ष. a particular tree.
सम० ८;

तुच्छ. त्रि० (तुच्छ) नशुपुं; निःसार; अल्प;
लघु निष्प्राण, निःसार, अल्प, हलका
Inert; worthless; small; light.
नाया० ५; भग० ६, ३३; सम० ६; उत्त०
४, १३, उवा० १, ५१; (२) थोथ, नोभ
अने अउदस ओ त्रयु तिथी. चतुर्थी, नवमी,
तथा चतुर्दशी नामक तीन तिथिया. the
three dates-the fourth, ninth
and fourteenth of a lunar
month. ज० १० ७, १५२; सू०
५० १०, पचा० १, २२; ५, १६;
—आहार. त्रि० (-आहार) अल्प-तुच्छ
आहार करने. अल्प-हलका आहार करने
वाला; अलगाहारी, मितभोजी (one) eating
a little. परह० २, १, —उभास्मि त्रि०
(अवभास्मि—तुच्छो धनश्रुतादिरहितो सत
एव तद्विनिर्भोजकत्वात् तुच्छावभासी)
तुच्छ दृष्टाते. हलका दियाई देने वाला,
अल्पदृष्ट. shortsighted. ठा० ४, ४.
—कुल. पु० (-कुल) लघु कुल
कुल, हलका-नीच वंश low family
दसा० १०, १०; कण्ठ० २, १६. —जीवि.
त्रि० (-जीविन्) तुच्छ आहार ग्रहण कर के जीवन बारण
तुच्छ आहार ग्रहण कर के जीवन बारण

कमरे वाला, अल्पाहारजीवी. (one) living or a low kind of food only.

भग० ६, ३३; —फल न० (—फल) ७६३; ६६, ७०२ वगेरे. हलका-छोटा फल वगैरे. a kind of fruit like a berry etc. प्रव० २४८; —रूप त्रि० (—रूप —तुच्छ हीन रूप आकारो यस्यासौ) ६११ भाषा२नो; ७०३६ हीन आकृति वाला; बेईकल, कुरूप. of deficient form; ugly डा० ४, ४;

तुच्छ-य. त्रि० (तुच्छ) निर्धन; दरिद्री. निर्धन, दान, दरिद्री. Poor; wretched. आया० १, २, ६, १००, (२) गर्विष्ठ; तो-छोटे गर्विष्ठ. proud. सू० १, १४, २१;

तुच्छग. त्रि० (तुच्छ) गभीरता विना. ७६३ गभीरताहीन, हलका. Low, not spine. पचा० ७, २२;

तुच्छतर त्रि० (तुच्छतर) अतिशय तुच्छ; अति ७६३. अतिशय तुच्छ-तुच्छ, बहुत हलका. Very light राय० २६२.

तुच्छत्त. न० (तुच्छत्व) निःसारता; तोछ-राह. नि सारता; तत्वहीनता; अयोग्यता. Worthlessness. प्रव० १११; पञ० १५; भग० १८, ३;

तुच्छा त्रि० (तुच्छा) चोथ, नोम अने चौद-सनी तिथिनु नाम चतुर्थी नवमी व चतुर्दशी इन तिथियों का नाम Name of the fourth, ninth and fourteenth dates of a lunar month. सू० प० १०;

तुच्छोसहिभक्षणाया त्रि० (तुच्छौपाधिभ-क्षण) जेभा नाप्पीदेवानुं धण्डु ओवी तुच्छ वस्तु आवी ते, सातभा उपभोग परिलोग मतनो ओइ अतिथार ऐसी वस्तु को खाना जिनका अधिकांश फेंकना पड़े; सातवें उपभोग परिलोग व्रत का एक अतिचार. Eating

a worthless thing from which much is to be thrown away; a violation of the seventh vow of Upabhoga Paribhoga प्रव० ३८२; तुज्ज. न० (तूर्य) तूरी; वाद्य विशेष. तूर्य; मरी; वाद्य विशेष. Trumpet; a kind of musical instrument. सू० प० १०;

तुटिय. न० (तुटित) वाद्य; वाजिन्त्र. वाद्य; वाजिन्त्र. Musical instrument. प्रव० १२४१; —ग्रंग. न० (—ग्रङ्ग) तुटित-वाजिन्त्रना अंग-पेटा, लाग-प्रधार. वाद्य यंत्र के भिन्न भिन्न ग्रंग; स्वर आदि प्रकार. different notes etc. of musical instruments. प्रव० १२४१;

✓ तुट धा० I. (तुट्) तुट्ठुं टूटना; तोड़ना; फोड़ना To break.

तुट्ठ सू० १, २, १, २;

तुट्ठे. आया० १, ६, ५, १६५;

तुट्ठति. सू० १, १५, २;

तुट्ठ त्रि० (तुट्) सन्तुष्ट; सन्तोष पाभेल, खुशी धभेल सन्तुष्ट; सन्तोष प्राप्त; तृप्त; प्रसन्न Contented; happy. “ नहि-रुट्टो नवि तुट्टो ” जं० प० ५, ११४; १३१; उत्त० २५, ६; नाया० १; ३; ६; १२; १६; १७; भग० २, १; ५; ५, ४; ७, ९, ६, ३२; १४, ८; १५, १; जीवा० ३, ४; दस० ६, २, १५; ओव० ११; राय० २१, उवा० १, १२; कण्ठ० १, ५, पंचा० ७, २; —चित्त. न० (—चित्त) प्रसन्न चित्तवाला प्रसन्न चित्तवाला. (one) with a glad heart. कण्ठ० १, ५;

तुट्ठि त्रि० (तुट्ठि) सन्तोष; तृप्ति. संतोष; तृप्ति. Contentment; satisfaction. नाया० १; २, भग० ११, ११; उत्त० ३२; २९; कण्ठ० १, ९, ५, ११८;

✓ तुड धा० II. (तुड्) थंगु देवुं थिगला

लगाना To patch (२) वगाउनुं.
वजाना. to play; to blow.

तुडेइ निसी० १, ४२;

तुडत व० कृ० निसी० १, ४२;

तुडिअ-य. न० (त्रुटित) तुरी; वीणा आदि वाणि-त्र. तुरई, वीणा आदि वाद्य-यन्त्र; बाजा Musical instruments such as trumpets, lute etc आया० २, ११, १७०; सूय० २, २, ५५, जं० प० निसी० १२, ३२; सू० प० १४; पञ्च० २; नाया० ८; परह० २, ५; राय० कण्प० २, १३; ५, १०२, (२) ८४ लाख त्रुटितांग प्रमाणने छालविभाग. ८४ लाख त्रुटितांग प्रमाण का काल विभाग. a period of time consisting of eighty-four lacs of Trutitāngus. भग० ५, १; ६, ७, २५, ५, अणुजो० ११५, ठा० २, ४; जीवा० ३, ४; (३) आणुयन्त्र, भेरया बाहुयन्त्र, बाजूबन्ध. armlet. ज० प० ५, ११५; ७, १४; १६२; १७०; २, १८; नाया० १, भग० ११, ११; ओव० १२, २२; सम० ३४; जं० प० राय० ८०, १८६; जीवा० ३, ३, ४, पञ्च० २; नाया० ध० निसी ७, ८; कण्प० २, १४, ४, ६२; (४) अंत पुर. अन्त पुर; रानिवास, महिलाभवन. harem जीवा० ३; सू० प० १८, भग० १०, ५, नाया० १, (५) यभरेन्द्रनी अन्ध-तर परिषद् चमरेंद्र की अभ्यन्तर परिषद् the internal committee of Chamarendra ठा० ३, २;

तुडिअ-य-ग. न० पुं० (त्रुटिताङ्ग) ८४ लाख पूर्वने ओङ त्रुटितांग. ८४ लाख पूर्व का एक त्रुटितांग. A period of time consisting of eighty-four lacs of Pūrvas ठा० २, ४, जीवा० ३, ४, जं० प० भग० ५, १; २५, ५; अणुजो०

११५, प्रव० १८१; (२) भेमांथी वाणित्र भेवे। अवाण-ध्वनि नीकले तेवे। इत्यपृक्ष. ऐसा कल्पवृक्ष जिसमें से बाजे जैसी ध्वनि निकले. a Kalpa tree from which musical notes proceed सम० १०; जीवा० ३, ३;

तुणिया. स्त्री० (त्रुटिता) वाण्यंतर, लोकपाल, सूर्य, चन्द्र, तथा इन्द्राणी की मध्यम सभा. The common council of Vāṇa Vyantara, Lokapāla, Sūrya, Chandra and Indrāṇī ठा० ३, २; जीवा० ३, ४,

तुणसद्. न० (तुणाशब्द) तुणा-वाणित्र विशेषता शब्द. तुणा-वाद्य विशेष की ध्वनि Sound of a particular musical instrument "तुणामहाणि" निसी० १७, ३४;

तुणा. स्त्री० (तुणा) वाद्य विशेष. पंजाबमा छाल भेने तुणतुणा कहे छे ते वाद्य विशेष, पंजाब में तुनतुना नाम से प्रसिद्ध एक वाद्य विशेष. A kind of musical instrument, which is still called Tu natunā in the Punjab राय० ८८,

तुणणाअ-य. (+तुच्चाक-तुच्चावाय) तुणुनारे, वस्त्रना छोटेल लागने तुणुने शीतनारे रफू-कार; वस्त्र के फटे हुए भाग को रफू कर के सीनेवाला. (One) who mends rent clothes अणुजो० १३१;

तुणणाग. त्रि० (+तुच्चाक-तुच्चावाय) तुणुनारे रफूगिर. A carder; a mender of rent clothes. अणुजो० १३८,

छुतुणिण्य. त्रि० (तुच्चित-तुच्चकरेण पूरित-च्छिद्र) तुणुनारे तुणुने छिद्र पूरेल. रफू-कार द्वारा रफू किया हुआ. Mended by

u mender e. g. cloth etc प्रव०
८१७;

तुगिहक त्रि० (तूष्णीक) भौत धारण करनेवाला.
मौनी; मौन धारण करने वाला (One)
practising a vow of silence. पि०
नि० १२१, श्रौ० नि० १८; सु० च० १,
८०; २, ४३१;

तुत्तश्च पुं० (तोत्रक) आधु०; आणभो
चायुक; कौड़ा. A whip उत्त० २७, ३;

✓ तुद् धा० I. (तुद्) पीडा करनेवाला; दुःख
उपजनक। पीडा देना; दुःख उपजाना; दुःख
देना. To afflict; to give pain.
तुदति. आया० २, १६, २;

तुद् पु० (तौद-तौदन) आधु०; आणभो.
चायुक; कौड़ा. A whip. " आरुस्त त्रि
ज्मन्ति तुदेण पीडे " सूय० १, ५, २, ३;

तुज्जण न० (तुज्जन) तुल्य, समीकृत। ते.
रफ़ करना; सांयना जोड़ना. Joining;
mending गच्छा० ११३;

तुज्जाग त्रि० (तुज्जक) लुगो " तुज्जाग "
शब्द देखो " तुज्जाग " शब्द. Vide
" तुज्जाग " पत्र० १;

तुत्तप () धी घी: घृत Ghee.
(Clarified butter) प्रव० २३५;

तुत्तप त्रि० () धीधी भस्मलेप; धी लगा-
नेवाला धी से मला हुआ, धी लगाया हुआ.
Besmeared with ghee. अणुजो०
२१; श्रौ० नि० भा० ३०७;

तुत्तपग () तेलधारी भस्मलेपने वाला
यस्य तेलसे ममलकर चिलका चढ़ाया हुआ.
Polished by smearing with oil.
कप्प० ३, ३४;

तुम्ह. त्रि० (युष्मद्) तू; तम; आप. तू: तुम;
आप. Thou, you. नाया० १; २, ५;
७, ८, ९; १२, १४; १६; भग० २, १; ३,
१; ७, १, १५, १; १८, ७, दसा० ६, २;

६, ६; ३, २२; उवा० १, ५८; चव० २, २६;
निसी० १, ४; जं० प० ५, ११४;

तुम्हारिष. त्रि० (युष्मादृश) तमारा जैसा.
तुम्हारे जैसा; आपसा. Like you. सु० च०
१, ३८१; ४, १५३; गच्छा० १६;

तुवट्ट. न० (त्वग्वर्तन) आडे पड़े पड़े,
लांछा थप मुचु लंबा होकर लेटना. Lying
down flat; sleeping prostrate.
प्रव० १०७;

तुवट्टण. न० (त्वग्वर्तन) आडे पड़े पड़े,
बाजू से-पर लेटना Lying on sides.
उत्त० २४, २४; श्रौ० नि० १०८; ७१०;
पि० नि० भा० १५; चव० ५, १८; निर्मा०
५, २; भग० १३, ४; २५, ७;

तुवट्टावण. न० (त्वग्वर्तन) पालु देखावत ते.
बाजू बदलना; करवट बदलना. Chang-
ing sides. वेय० ४, २६;

तुवट्टिय त्रि० (त्वग्वर्तित) आडे पड़े पड़े,
बाजू से-करवट से लेटा हुआ-पड़ा हुआ.
(One) lying on sides राय०

तुवट्टियच्च. न० (त्वग्वर्तितव्य) शयन करनेवाला
योग्य सोने योग्य. Fit to lie on. भग०
२, १; नाया० १;

तुवरी. स्त्री० (तुवरिका) तुलसी दाल; तुवेरनी
दाल. तुवर की दाल; अरहर की दाल.
Pulse of Tuvara. पि० नि० ६२३;

तुवावइत्ता. स्त्री० (तोदयित्वा-दीयमान)
अथवा उत्पन्न करीने प्रवर्जना आपसामें
आवे ते; प्रवर्जनामें ओड प्रकार व्यथा
उत्पन्न करके दी जाने वाली प्रवर्जना; प्रवर्जना
विशेष Giving asceticism after
producing pain; a kind of ini-
tiation " तिचिहा पव्वजा पव्वत्ता नंजहा
तुवावइत्ता पुवावइत्ता तुवावइत्ता " ठा० ३,
३; ४, ४;

✓ तुर धा० I (त्वर्) उतावले आधु०.

जल्दी से चलना. To walk hurriedly.
 तुरांति विशेष० १२११;
 तुरंत व० क० सु० च० ७, १२; तंदु०
 तुर न० (तूर्य) पा० ७४. वाद्य यंत्र. Trum-
 pet. श्रव० नि० भा० ८५;
 तुरंग न० (तुरंग) अश्व. घोड़ा अश्व. घोड़ा;
 तुरंग. A horse अश्वजो० १३१, पि०
 नि० ४०५;
 तुरंगम पु० (तुरङ्गम) घोड़ा. घोड़ा; अश्व.
 A horse नाया० १६.
 तुरग. पु० (तुरग) घोड़ा. घोड़ा; तुरग;
 अश्व. A horse. राय० ४३, जीवा० ३,
 ३; सु० प० १४, नाया० १; ८, श्रव०
 भग० ११, ११; जं० प० ५, ११५,
 तुरगमुह. पु० (तुरगमुख) अनार्य देश
 विशेष अनार्य देश विशेष A particu-
 lar Anārya country सूय० टी० २,
 १, ६;
 तुरतुंगव पु० (तुरतुङ्गव) त्रयु धीप्रियवाक्ष
 श्रवती ऐक्य अत तीन इन्द्रिय वाले जीव
 की जाति विशेष. A species of three-
 sensed beings पञ्च० १,
 तुरय. पु० (तुरग) घोड़ा. घोड़ा. A horse.
 भग० ७, ६; ६, ३३, नंदी० ६; सु० च०
 २, २०८, ६३८; प्रव० १०२८; (२) त्रीन्म
 तीर्थ इत्यु लो० ७८. तीमरे तीर्थकर का लो० ७८-
 चिन्ह. the insignia of the third
 Tirthankara. प्रव० ३८१,
 तुरयमुह पु० (तुरगमुख) ओ नामने अ-
 नार्य देश इस नाम का अनार्य देश An
 Anārya country of this name
 प्रव० १५६६;
 तुरिअ-य त्रि० (तुर्य) योथो; योथा न० २-
 ने। चौथा; चतुर्थ. Fourth. क० गं० २, १६;
 ५, ६, — कसाय पु० (— कषाय) योथो
 संज्वलने कषाय. चतुर्थ संज्वल का कषाय

the fourth Sañjvala passion
 क० गं० ५, ६३, — कोह. पु० (— क्रोध)
 योथो संज्वलने क्रोध. चतुर्थ संज्वल का
 क्रोध. the fourth Sañjvala anger.
 क० गं० २, ३०; — भंग. न० (— भङ्ग)
 योथो भागो. चतुर्थ विभाग. the fourth
 division. क० गं० ५, ६, — लोभ पु०
 (— लोभ) योथो संज्वलने लोभ. चौथा
 संज्वल का लोभ. the fourth Sañ-
 jvala greed. क० ० २, १६,
 तुरिअ-य. न० (तूर्य) भेरी, मृदंग, इत्यादि
 यंत्रों के वाद्य-वाद्य यंत्र. भेरी, मृदंग, करताल
 आदि वाद्य यंत्र. Musical instru-
 ments consisting of drums
 cymbals etc. श्रव० ३१; उत्त० २२, १२;
 तुरिअ-य न० (त्वरित) शीघ्र; त्वरित; उता-
 वल शीघ्र; सत्वर; जल्दी से. Soon;
 hastily नाया० १; २; ८; ६; १६; कष०
 २, १४, श्रव० १२, गय० २७; सु० च०
 १, ३०८; २, २५४, भग० ६, ३३, १५, १,
 (२) त्रि० उतावली. उतावला. hasty चं०
 प० ३, ४३; ५, ११५; श्रव० १२; २१;
 श्रव० नि० भा० २५; जीवा० ३, १, पि०
 नि० २६२; प्रव० १५६; (३) न० शीघ्र गति
 शीघ्र गति; शीघ्र गतिवाला speedy. भग०
 ३, १; २; ६, २; ११, ११; — भामि.
 त्रि० (— भाषिन्) अविवेकवाले ओलना.
 बिना विचार बोलेने वाला, अविवेकी वक्ता.
 an inconsiderate, hasty speak-
 er. आया० २, ४, २, १४०; — वेग.
 पु० (— वेग) उतावली गति सत्वर गति, तीव्र
 गति, जल्दी की चाल. a hurried gait,
 hasty speed कष० ३, ४३,
 तुरियगद् पु० (त्वरितगति) अमितगति
 तथा अमितवाहन धीप्रियवाक्ष नाम.
 अमितगति तथा अमितवाहन इद्र के लोक-

पाल का नाम Name of the Lokapālas (guardians of the quarters) of Amitagati and Amitavāhana Indras ठा० ४, १; भग० ३, ८;

तुरिया. स्त्री० (त्वरिता) मन जेवा वेगवाली देवतानी ओइ प्रद्वारनी गति मन के समान वेगवाली देवता की गति विशेष A particular kind of gait of gods as swift as the mind. आया० २, १५, १७६. राय० २६; भग० ६, ५; जं० प० ३, ५८;

तुरुष्क. न० (तुरुष्क) सेइहारस; सेरी लोथान सेरा लोथान A kind of myrrh; benzoin. राय० २८, सू० प० २०; जं० प० ५, १२२, नाया० १; १६; जीवा० ३, ४; भग० ११, ११; सम० प० २१०; जीव० उवा० १, ३२; कप्प० ३, ३२;

तुरुमणि स्त्री० (तुरुमणि) तुरुमणि नामनी ओइ नगरी. तुरुमणि नामक एक नगरी A city of this name. " तुरुमणि दत्तुव्व दाह ; पुरिसो " भत्त० ६२;

✓तुल धा० II (तुल) तोड़पुं; सरभाभणी करवी; तुलना करवी तुलना करना, मिलान करना. To weigh; to balance; to compare.

तुलेमि. राय० २६०;

तुलिया सं० कृ० उत्त० ६, ३०; ७, १८;

तुलणा. स्त्री० (तुलना) तुलना, सरभाभणी तुलना, मिलान. Comparision; similitie पंचा० १०, ४१, प्रव० ५०६;

तुलसी. स्त्री० (तुलसी) तुलसी, तुलसीपुत्रा तुलसी; तुलसी का वृक्ष. The Tulasi plant. पत्र० १; भग० २१, ८; प्रव० २११, पंचा० ५, ३०, (२) भुतदेवतानी सभा आगतनुं जैत्य वृक्ष. भूत देवताकी सभा के आगेका चैत्य वृक्ष. a memo-

rial tree before the assembly-hall of Bhūta gods. ठा० ८, १;

तुला. स्त्री० (तुला) तुलना; सरभाभणी. तुलना; वरावरी Comparision; similarity राय० २४४; मय० २, २, ८१; आया० १, १, ७, ५६; (२) तोड़वानुं त्राणनुं; झंटे. तोलने की तराजू; कांटा. a balance उत्त० १६, ४२; पण्ह० १, २; विशेष० ३९७,

तुलिय त्रि० (तुलित) तोलेल. तुला-तौला हुआ Weighed. तंदु०

तुल्ल न० (तोल्य) माप. नाप; माप, Measure. जं० प० ७, १२६; उवा० १, ४७;

तुल्ल त्रि० (तुल्य) सरभुं; यरायरा. सरिला समान; वरावरा. Similar; equal. ओव० १०; ठा० २, ३; ४, ३; सू० प० १४; विशेष० ५२; पत्र० ३; सु० च० ३, ६१४; ४, ८२; जीवा० १; पैं० ति० भा० ६; नाया० १; भग० १, १; २; ३, २; १६, ३; २५, १, ६; ३४, १; अणुजो० ८६; क० प० १, ६२; पंचा० १६, ४३; ६, १६; प्रव० ६७२; ६१२; क० गं० ४, ४६; ६, ८; —ठलिय. त्रि० (-स्थितिक)

समान स्थितिवाहुं समान स्थिति वाला. of a similar state. भग० ३४, १;

—फास. त्रि० (-स्पर्श) समान स्पर्श-

वाहुं समान स्पर्श वाला. of a similar

touch. कप्प० ३, ३२; —विसेसाहिय.

त्रि० (-विशेषाधिक) समान अने छोट

पधारे. समान और कुछ अधिक. equal

and a little more भग० ३४, १;

तुल्लत्त. न० (तुल्यत्व) तुल्यपणुं; सरभा-

पणुं. समानता; तुल्यता. Equality;

similarity. जं० प० ७, १६२; विशेष० ३८;

तुल्लमयत्त न० (*तुल्यमयत्व) तुल्यमय-

पणुं. तुल्यमय; तुल्यता; वरावरी.

State of being equal. विशेष ३८;
तुल्य त्रि० (तुल्यक) तुल्य तुल्य, समान
Equal. भग० १४, ७, टा० ४, ३.

✓ तुल्य. धा० I, II. (त्वग्+वृत्)
आडे पडये थपु; लांया थप सुपु. आडा-
ठेडा होना; लम्बा होकर सोना-लेटना. To
lie on sides, to sleep flat.

तुल्यद् भग० २, १;

तुल्यद्. निसी० ४, ८०,

तुल्यदंति. भग० १५, ६, जीवा० ३; नाया०
१७, जं० प० १ १६;

तुल्यदामो. सूय० २, ७, १५.

तुल्यदेज. वि० पञ्च० ३६; भग० १, ७,

तुल्यदेजा दस० ४,

तुल्यदह आ० राग० २५१,

तुल्यद्विस्सामो भग० १०, ३,

तुल्यद्विस्त सं० कृ० दसा० ३, ३२; ३३,

तुल्यद्विस्त हे० कृ० वेय० १, १५: ३, १. भग०
७, १०, १३, ४, १७, २, १८, ३;

तुल्यदमाण व० कृ० भग० ३, ३;

तुल्य. न० (तुल्य) तुल्य धान्य तुल्य, अरहर
धान्य. The Tuvara pulse. (२) पुं०
कसायलो रस बिगडा हुआ रस. sour or
decomposed juice. सु० प० ११,
प्रव० २६; (३) त्रि० क्षायु; कसायलुं कचा;
कसैला. unripe; decomposed राय०
उत्त० ३४, १२,

तुल्यी ली० (तुल्यी) धान्यनी ओक जात,
तुल्य. धान्य विशेष; तुल्य; अरहर A
kind of pulse, Tuvara प्रव० १०१०;

✓ तुल्य. धा० I. (तुल्य) सन्तोष पामपे-
पमापे. संतोष पाना; सन्तुष्ट होना, सतुष्ट
करना. To get satisfaction to
satisfy.

तोसह प्रे० दस० ६, १, १६,

तुल्य पुं० (तुल्य) अनाजना जाला-क्षेत्रां,

भुरसो. अनाजके जिलके; भूमी. Chaff;
husk. आया० २, १, १, १; जीवा० ३, १,
—दाह. न० (-दाह) क्षेत्रा आनवाती
जगह. भूमी जलाने की जगह A place
to burn chaff. निसी० ३, ७५; —रासि.
पुं० (-राशि) भुरसानो ढगलो भूमी का
ढर. a heap of husk. दस० ५, १, ७,
भग० ८, ६, १५, १;

तुल्योअ-य त्रि० (तृष्णीक) भानधारी.
अभोल रहेना. मौनधारी; चुनचाप रहन
वाला. (One) practising silence,
silent. भग० ३, १, ६, ३३, टा० ३, ३;
उत्त० १, २०, नाया० १२, —भाव पु०
(-भाव) भानधारीपण मोन भाव. मानधा-
रित्व. state of observing silence
आया० २, ३, ३, १३१,

तुल्यार न० (तुल्यार) अरु, हिम बरफ,
हिम. Snow. (२) टा० टड. cold
पञ्च० २, जीवा० ३, १, नाया० १, ६,
—कर. पुं० (-कर) चंद्रना चन्द्र,
चंद्रमा, चांद the moon. सु० च० २, ३६,

तुल्यणी. अ० (तृष्णीम्) भुग्या रहेपु.
मौन रहेपुं. चुन रहना, मौन रहना-होना
Remaining silent वि० नि० ३१३,

तुल्यणीय. त्रि० (तृष्णीक) भानधारी.
मौनधारी मौनव्रत धारण करनेवाला (One)
practising the vow of silence
नाया० १ २, ५, ८, १६, १६, १७, १६
भग० २, १; ११, ११, १५, १; निर० १, १,
उवा० २, ६६; जं० प० २, २६,

तुल्य. पुं० (तृष्णीक) कृष्णराजना विमानना
रहेता लोकान्ति देवतानी नय नानिमां-
नी ओक. कृष्णराजा के विमान में रहने वाले
लोकान्तिक देवता की नौ जाति में से एक
जाति. One of the nine classes
of the Lokāntika gods living

in the celestial abode of Kṛiṣṇarājī प्रव० २६७; २४६२; सम० ७७;

नाया० ८; भग० ६, ५, ठा० ६;

तुसियव्व. त्रि० (तुष्टव्य) सतोप पाभवा
योग्य. संतोष पाने योग्य. Deserving
satisfaction परह० २, ४;

तुसोदअ-ग. न० (तुषोदक) योआना
भुस्सानु पाणी; उंगरनु धोयु. चावल की
भूसी का पानी; मांड, धोवन. Husk-
water, washing of rice-husk
ठा० ३, ३;

तुसोदग. न० (तुषोदक) जुओ उषेले शब्द
देखो ऊपर का शब्द Vide above.
आया० २, १, ७, ४१, निसी० १७, ३०;
कप्प० ६; २५,

तुहग. पुं० (*तुहक) ओके मतने के एक
कन्द विशेष. A species of bulbous
roots. भग० ३६ ६८;

तुहिणायल पुं० (तुहिमाचल) हिमालय
हिमालय. The Himalayas सु० च०
३, १५,

तूण. पुं० (तूण) आणु राभवानु आथुं
तरकश; तूणीर, बाण रखने का भाता. A
quiver. ज० प०

तूणइल्ल त्रि० (तूणावत्) तूण नामनु वाथत्र
वगाडी लीक्षा मागनार वीणा या तून वजा-
कर भित्ता मागने वाला A beggar
who plays on an instrument
known as Tūna कप्प० ६. ६६;
ओव० जीवा० ३, ३; अणुजो० ६२,

तूणय. न० (तूणक) तुनक नामनु वाथ-
वाथत्र. तुनक नामक वाद्य-यंत्र A mu-
sical instrument known as
Tunaka. आया० २, ११, १६८;

तूण. स्त्री० (तूण) आणु राभवानु आथु.
तरकश, तूणीर A quiver ज० प० (२)

ओ नामनु वाथत्र. इस नाम का वाजिंत्र.
A kind of musical instrument.
ओव० राय०

✓तूर. धा० I. (तूर्) जल्दी आलवुं;
शीघ्र गति करनी; जल्दी चलना; वेग बढ़ाना
To walk swiftly, to hasten.

तूरंति. उत्त० १३, ३१,

तूरत व० कृ० ओघ० नि० भा० ७१;

तूर पुं० (तूर्य) वाद्य विशेष. वाद्य विशेष.
A particular kind of musical
instrument. सु० च० २, ६८, परह०
१, ३ विशेष ७८, —सद्. पुं० (—शब्द)
तूरीने आणु मेरी की ध्वनि. note
of a trumpet विशेष ७८;

तूल पुं० (तूल) कपास; रू. कपास; रुई.
Cotton राय० ५७; सू० प० २, २०;
भग० ११, ११; ओव० कप्प० ३, ३२;
—कड. त्रि० (—कृत) आकडाना रूतुं
अनेथु. अकाव के रुई का घना हुआ.
made of cotton of the Akadā
plant. आया० २, ५, १, १४१;
तूला स्त्री० (तूली) तलाई; सेज; शय्या.
पलंग; खटिया, शय्या. A bed.
राय० १६१;

तूलिया स्त्री० (तूलिका) तलाइ-गाइलु.
गादी A mattress (२) चित्र आलेख.
वानी पीछी चित्र निकालने की कलम-
कुची or brush नाया० ८;

तूली स्त्री० (तूली) तलाइ. गादी A bed
प्रव० ६८४, जीवा० ३, ४; (२) जेनु वडिलेहुयु
न थप शके ओपु अत्र ऐसा वस्त्र जिसका पडि
लेहण न हो सके a garment which
cannot be examined. ज० प०

तूसणीअ. त्रि० (तूणीक) मौनी; मौनधारी.
मानी, मौनधारी (One) practising
silence. राय० ७८,

तेजस. न० (तेजस्) तेजः; प्रकाश; क्षति
तेजः प्रकाश; कान्ति. Lustre; light;
splendour. तेजसा. तृ० ए० कप्प० ३,
३६; ४, ६०;

तेजस्वि, पुं० (तेजस्विन्) तेजस्वी; शरीरना
तेजवाला. तेजस्वी; शारीरिक तेज वाला.
Lustrous; possessing splen-
dour of the body ओव० १६;

तेजस्वि. त्रि० (तेजस्विन्) तेजस्वी. तेजस्वी.
Bright ज० प०

तेजोहिम. पुं० (व्याहिक) त्रय त्रय दिवसने
आतरे आपतो ताप, तरीओ ताप. तिजारी,
तीसरे दिन आने वाला ज्वर. Tertian
fever: fever coming on every
third day ज० प०

तेजोद्वि पुं० (त्रिन्द्रिय) शरीर, भोदुं अने
नाक ओ त्रय छिन्द्रियवाला अथ. शरीर,
मुह व नाक इन तीन इन्द्रियों से युक्त
जिव A being with the three
organs viz body, mouth and
nose. भग० १, १; ५; २, १, ५, १०; ८,
१; २४, १२; २६, १; पञ्च० १; दस० ४;
ठा० १, १; पि० नि० भा० ६; उत्त० ३६;
१२५; —काय. पु० (—काय) तेजोद्वि
अथ. तीन इन्द्रियों का भव-जन्म the
state of having three senses.
उत्त० १०, ११;

तेजोच्छ्र न० (चिकित्स्य—चिकित्सायाभाव
चिकित्स्यम्) चिकित्सा करणी ते; रोगनो
उपाय. चिकित्सा कार्य; रोगोपाय. curing
a disease; remedy. नाया० १३;

तेजोच्छ्रा स्त्री० (चिकित्सा) चिकित्सा; रोगनो
उपचार. चिकित्सा; रोग का उपचार A
cure; healing. आया० २, १३, १७३,

तेजस्व. त्रि० (तेजस्व) तेजवाला. तेज वाला;
तेजस्वी Lustrous. सु० च० २, ४०;

तेज न० (तेजस्) अग्नि. अग्नि. Fire.

सूय० १, १, १, ७; दस० ४; उत्त० ३६,
१०७; ओष० नि० ४५; (२) गरभी; ताप;
प्राप्ति. गर्मी; ताप; घाम. heat; warmth.

आया० १, ६, ३, १८५; (३) तेजो लेखा,
अग्निना जेवा रंगवाला धर्मरक्षक जेना

योगशील अने प्रदीप्त शुभ परिणाम थाय
तेजो लेखा, अग्नि के समान वर्ण वाले कर्म

समूह जिन के योग से जीव को प्रदीप्त शुभ अवचार
प्राप्त होते हैं. a group of Karmas

having the colour of fire by
whose association a being

obtains bright auspicious
thoughts उत्त० ३४, ३; पञ्च० १७; क० ग० ४,

१६; (४) अग्निशिख तथा अग्निमालाध्व ध्वना
पहेला लोकपालनु नाम अग्निशिख तथा

अग्निमालाध्व इन्द्र के पहिले लोकपालका नाम
the name of the first Lokapāla

of Agniśikha and Agnimā-
nava Indras. ठा० ४, १; भग० ३, ८;

—पुष्ट त्रि० (—स्पृष्ट) अग्निशी व्यलेल,
दाजेध. अग्नि से जला हुआ, Burnt by

fire, charred. “तेजोपट्टा व पाणिशो”
सूय० १, ३, १, ८; —प्राप्त पुं० (—स्पर्श)

अग्निनो स्पर्श. अग्नि का स्पर्श. the
touch of fire. आया० १, ६, ३, १८५;

—सोय. न० (—शौच—तेजसा अग्निना
तद्विकारेण वा भस्मना शौचं तेजःशौचम्)

अग्निशी अथवा राखशी पवित्रता करणी ते.
अग्नि या राख द्वारा पवित्र करना या पवित्र

करने का कार्य. purifying by means
of fire or ashes. ठा० ५, २; ३;

तेजकंत पुं० (तेजस्कान्त) अग्निशिख तथा
अग्निमालाध्व ध्वना लोकपालनु नाम. अग्नि-
शिख तथा अग्निमालाध्व इन्द्र के लोकपाल का
नाम. The name of Lokapāla of

Agnīśikha and Agnimānya

Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८;

तेजकाय. पुं० (तेजस्कायिक) अग्निकाय;

अग्निना लुप्त अग्निकाय; अग्नि के जीव.

Fire-embodiment; fire-beings.

दस० ४; पञ० १; भग० १, ५; २४, १४

३४, १;

तेजकाय-अ पुं० (तेजस्काय) अग्निकाय;

अग्निना लुप्त. अग्निकाय; अग्नि के जीव.

Fire-embodiment; fire-beings.

ठा० १, १; आया० १, ६, १, १२, सम० ६;

दस० ६, ३६, भग० ७, १०, आव० ४, ७;

तेजकाय. पुं० (तेजस्कायिक) अग्निना लुप्त

अग्नि का जीव. A fire-being "सं किं

तेजकाय ? तेजकाय दुविहा पण्यत्ता "

पञ० १; जीवा० १; भग० २४, १२; १८,

२६, १;

तेजकाय. पुं० (तेजस्काय) अग्निना लुप्त;

अग्निपक्षे उत्पन्न भवु ते. अग्नि का भव-

यानी-जन्म; अग्निरूप में उत्पन्न होना The

life of fire; a being born in the form of fire उत्त० १०, ७;

तेजपभ. पुं० (तेज प्रभ) अग्निशिख तथा

अग्निमाधुव धन्वता लोकपालनु नाम. अग्नि-

शिख तथा अग्निमाणव इन्द्र के लोकपाल का

नाम. The name of the Loka-

pāla of Agni Śikha and Agni

Mānava Indras. भग० ३, ८, ठा० ४, १,

तेजलेसा. स्त्री० (तेजोलेस्या) तेजोलेस्या;

लेस्याने योथे प्रक्षर. तेजो लेस्या; चौथे

प्रकार की लस्या The 4th variety

of thought-tint. उत्त० ३४, ७, आव०

४, ७;

तेजलेस्स. त्रि० (तेजोलेस्या) तेजो लेस्यावालो.

तेजो लेस्यावाला- Having bright

thought-tint ठा० २, ४; भग० १४,

६; २६, १;

तेजलेस्सा. स्त्री० (तेजोलेस्या) तेजोलेस्या;

तेजस्वी पुद्गलनेयोगे शता आत्माना

यलकता परिणाम. तेजोलेस्या; तेजस्वी

पुद्गलके योग के कारण होने वाले आत्मा

के प्रकाशमय परिणाम. The fourth

thought-tint; a bright efful-

gence of the soul resulting

from the combination of

lustrous atoms. भग० १, १; १४, ६;

पञ० १७; सम० ६; —लब्धि. स्त्री०

(-लब्धि) तेजोलेस्यानी प्राप्ति तेजो लेस्या

की प्राप्ति. attainment of bright

thought tint. प्रव० २७०;

तेजसीह पुं० (तेज.सिंह) अग्निशिख तथा

अग्निमाधुव धन्वता पीठे लोकपाल अग्नि

शिख तथा अग्निमाणव इन्द्रका दूसरा लोक-

पाल The second Lokapāla of

Agni Śikha and Agnimānava

Indras. ठा० ४, १; भग० ३, ८;

तेजोअ न० (त्र्योज) जे संख्याने चार

भागतां त्रयु शेष रहते वह संख्या जिसे

चार से भाग देनेपर तीन शेष रहे. The

number which divided by four

leaves the remainder of three.

भग० २५, ३; ठा० ४, ३;

तेजोग. पुं० (त्र्योज) लुप्तो उपलो शब्द.

देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग०

१८, ४; ३१, १; —कडजुम्म. पुं० (-कड-

जुम्म) जे संख्याने चार भागतां शून्य शेष

रहते अने लब्धांशने चार भागतां त्रयु शेष

रहते ते संख्या वह संख्या जिसे चार से भाग

देनेपर शून्य शेष रहे और लब्धांक को चार

से भाग देनेपर तीन शेष रहे. A num-

ber which divided by four

leaves zero as remainder and

a quotient which leaves three when divided by four. भग० ३५, १; —कलिओग. पुं० (-कल्योज) जे सभ्याने यारे लांगतां ओक शेष रहे अने लब्धांकने यारे लांगतां त्रयु शेष रहे ते सभ्या वह संख्या जिसे चार से भग देनेपर एक शेष रहे और लब्धांक को चार से भाग देने पर तीन शेष रहे. a number which divided by four leaves a remainder of 1 and the quotient which leaves three when divided by four. भग० ३५, १; —तेओग पुं० (-ज्योज) जे सभ्याने अने लब्धांकने (यनेने) यारे लांगता त्रयु शेष रहे ते सभ्या वह संख्या जिसे व जिसके लब्धांक को चार से भाग देनेपर तीन शेष रहें. a number and quotient which leaves a remainder of three being divided by four. भग० ३५, १; —दावरजुम्म. न० (-द्वापरयुग्म) जे सभ्याने यारे लांगतां ओ शेष रहे अने लब्धांकने यारे लांगता त्रयु शेष रहे ते सभ्या. वह संख्या जिसे चार से भाग देनेपर दो शेष रहे और लब्धांक को चार से भाग देने पर तीन शेष रहें. a number which leaves a remainder of two when divided by four and a quotient which leaves three when divided by 4 भग० ३५, १; तेओलेस्सा. स्त्री० (तेजोलेस्या) तेजोलेस्या. Bright thought-tint भग० १, १, २५, ६; तेंदुसय पुं० (*) दंडो गेंद. A ball. नाया० ८, अं० ३, ८, तेंबुह. पुं० (*) त्रयु धन्द्रिय वाले ज्यनी ओक जलत तीन इन्द्रिय वाले जीव

की एक जाति. A species of three-sensed beings जीवा० १; तेगिच्छ. न० (चैकित्स्य) चिकित्सा कर्म; रोग निवारणोपाय. चिकित्सा कर्म; रोग निवारण का उपाय. The practice of medicine; prevention of diseases "तेगिच्छु पाहणा पाण्" दस० ३, ४; तेगिच्छा. स्त्री० (चिकित्सा) चिकित्सा; रोगनी तपास चिकित्सा; रोग की परीक्षा Diagnosis. उत्त० २, ३३, तेगिच्छायण त्रि० (चैकित्सायन) चिकित्स गोत्रभां उत्पन्न थयेल. चिकित्स गोत्र में उत्पन्न. (One) born in the family-origin of Chikitsā. जं०प० ७, १५६; तेगिच्छिकूड. पुं० (तिगिच्छिकूट) असभ्यातमा समुद्रभां ओ नामनु ओक द्रष्ट-शिपर असह्यात समुद्रों में इस नाम का एक कूट शिखर. A mountain peak of this name amidst the innumerable seas. भग० १३, ६, तेगिच्छिद्दह पुं० (चैकित्स्यद्दह) निषध पर्वतना उपरना धृतिक्षेपनाने द्रह. निषध पर्वतवर्तीय धृतिक देवता का द्रह. The lake of Dhritika god on the Nisadba mountain. डा० २, ३, तेगिच्छियसाला. स्त्री० (चैकित्सिकशाला) दवाभानु, आषाढालय दवाखाना, औषधालय A hospital; a medical-hall नाया० १३; तेज न० (तेजस्) तेज. तेज. Lustre. भग० २, १; नंदो० ८; सम० प० २१६; तेण पुं० (स्तेन) चोर, तस्कर चोर; स्तेन, तस्कर A thief; a robber. जं०प० ५, ११२; १, १५, भग० १५, १, नाया० २; १५-१६; दस० ५, २, ३७; ७, १२; पिं० नि०

११८; ३३२; उत्त० ४, ३; ३४, २६; ओव० २०; सम० ३०, आया० २, ४, १, १३४; उवा० १, ४७; प्रव० १६४, —अणुबन्धि. पुं० (—अनुबन्धि) येरी करवाभां यित राप्पु; तस्कर पणु चोरी करने की इच्छा रखना; तस्करता thinking of stealing; thieving ठा० ४, १;
 तेणउड. ब्री० (तिबवति) ६३; त्राप्पुनी स'भ्या. ध्यानवे की संख्या; ध्यानवे, ६३. Ninety-three सम० ६३;
 तेणग. पुं० (स्तेनक) येर. चोर. A thief दस० ७, ३६; गच्छा० ४=,
 तेणपरं अ० (ततःपरं) त्पार पथी तबमे; उसके बाद After that वेय० ४, २६, भग० ५, ४, ६, ७, १०, ३, ७, ७, १८; पञ्च० ३;
 तेणयवंध. पुं० (स्तेनकबन्ध) भीजने कलवाभां न आवे तेथी रीते सांधुं ते येरीयो यध इस प्रकार से जोड़ना कि दूसरे जान न सके A joint which cannot be known to others; a gordian joint. ओघ० नि० ४०२;
 तेणाहड न० (स्तेनऽऽहत) येरी आणुल भाव लेवो ते; श्रावडना त्रीज वतनो प्रथम अतिचार. चुराया हुआ माल लेना; श्रावक के तीसरे व्रत का प्रथम अतिचार (One) who accepts stolen things; the first fault connected with a layman's third vow. उवा० १, ४७, पंचा० १, १४;
 तेणिकं. न० (स्तैनिक्य) येरी. चोरी. Theft. पञ्च० १, ३, —हरणबुद्धि त्रि० (—हरण-बुद्धि—स्तंयेन हरणे बुद्धिर्येषां ते तथा) येरीथी हरणु करवाना वध लेवानी बुद्धि वाला चोरी द्वारा हरण करने की बुद्धिवाला. (one) willing to steal पणह० १, ३;

तेणिय. न० (स्तैन्य) येरी. चोरी. Theft. प्रव० १५२,
 तेणिस. त्रि० (तैनिस) तण्ण नामना आउ सयधी तण्ण नामक वृक्ष सम्बन्धी. Pertaining to a tree named Tanachha. भग० ७, ६;
 तेणैव अ० (तत्रैव) त्पां; तिप्पां. वहा, उस जगह. There. नाया० १; ४, ५; १६, १६; भग० १, १; ६, २, १; ३, १; ५, ४; ६, ४; १६, ४, अंत० १, १; जं० ५०५, ११२; ११४;
 तेण न० (स्तैन्य) येरी. चोरी. Theft. वेय० ४, ३;
 तेतल. पुं० (तेतल) नागकुमारना छंदनी गधर् सेनातो अधिपति. नागकुमार के इन्द्र की गन्धर्व सेना का अधिपति. The general of the army of Gandharvas of the Indra of the Nāga-Kumārs ठा० ७;
 तेतलि पुं० (तेतलिन्) वृक्ष विशेष. वृक्ष विशेष. A kind of tree भग० ८, ३; २२, १; (२) मनुष्यनी ओक जाति. मनुष्य जाति विशेष. a class of men ज० ५०
 तेतलिपुत्तअणगार. पुं० (तेतलिपुत्राणगार) तेतलिपुत्र नामना ओक साधु तेतलिपुत्र नामक एक साधु. An ascetic named Tetaliputra. नाया० १४;
 तेतलिपुत्तकेवलि. पुं० (तेतलिपुत्रकेवलि) तेतील पुत्र नामना केवली-केवलजानी तेतलि पुत्र नामक केवल ज्ञानी. A Kevali (one possessed of perfect knowledge) named Tetali-putra नाया० १४;
 तेतलिपुर. न० (तेतलिपुर) ओ नामनुं ओक नगर के ज्पां कनकरथ नामे राजा हुतो अने तेतलिपुत्र तेनो प्रधान हुतो. इस नाम का एक शहर जिस का राजा कनकरथ व

प्रधान तेतलि पुत्र था. A city of this name whose king was Kanakratha and minister Tetali-putra. नाया० १३;

तेतलिसुय. पुं० (तेतलीसुत) तेतलिपुत्र
ये नामने तेतलीपुर नगरना राजा कनक-
रथने प्रधान. तेतलीपुत्र; तेतलीपुर नगर के
राजा कनकरथ का (इस नाम का) प्रधान.
Tetaliputra, the minister of
the king Kanakratha of the
city called Tetalipura. " तस्सण
कणगरहस्स रण्णो तेतिलपुत्तं णामं अमच्चे
होत्था ' नाया० १४; (२) तेतलिपुत्र
प्रधानना अधिकारवाले ज्ञातासूत्र १४भुं
अध्ययन. तेतलिपुत्र प्रधान के अधिकार
वाला-ज्ञातासूत्र का १४ वां अध्ययन the
fourteenth chapter of the
Jñātā Sūtra containing the
description of the minister
Tetaliputra. नाया० १४; पण्ह० २, ५;

तेतलीइअ पुं० (तैतलीयक) तेतलीपुत्रना
अधिकारवाले ज्ञातासूत्र १४भुं अध्ययन
तेतलिपुत्र के अधिकार वाला ज्ञातासूत्र का
१४ वां अध्ययन. The fourteenth
chapter of the Jñātā-Sūtra
containing the description of
Tetaliputra सम० १८.

तेतीस स्त्री० (त्रयस्त्रिंशद्) तेतीस. तैतीस,
३३ Thirty-three भग० १, १; पञ्च०
४; —सागरोपम. पुं० (-सागरोपम)
तेतीस सागरोपम; सर्वार्थसिद्ध विमानना
देवता अने सातभी नरकना नारकीनु आधिपुं
तैतीस सागरोपम; सर्वार्थमिद्ध विमान के
देवता और ७ वीं नरक के नारकी का आयुष्य.
thirty-three Sāgaropamas of
time; the age of the gods of

the Sarvārtha Siddha celestial
abode and of the hell-beings
of the seventh hell. भग० १, १;

तेत्तिर. पुं० (तित्तिर) तेतर पक्षी. तीतर पक्षी
A partridge जीवा० १.

तेत्तीस. स्त्री० (त्रयस्त्रिंशत्) ३३; तेतीस.
तैतीस; ३३. Thirty-three. भग० ८,
६; १२, ६; १५, १, १८, ६; २४ १; २५,
६; पञ्च० ४; द्वा० २, २; सम० ३, ३,
उत्त० ३४, ३४; नाया० १६,

तेपुरणमिजिया. स्त्री० (त्रिपूर्णात्मजिका)
त्रय धृष्टिवाला श्रवणी ऐक्य ज्ञात. तीन
इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति. A spe-
cies of three-sensed beings
पञ्च० १;

तेय. न० (स्तेय) चोरी. चौर कर्म.
Stealing. जं० प० १६, २२;

तेय-अ. पुं० (तेजस्) तेज; कान्ति; प्रकाश.
तेज, कान्ति, प्रकाश Lustre, light
उवा० १, ७६, अणुजो० १६; भग० १, १;
२, १, ३, २; १६, ४; नाया० १; सू० प०
११; ओष० नि० ४५; ठा० ८; श्रौव० १०,
२२; (२) तेजसशरीरनाम; नाम-
कर्मनी ऐक्य प्रकृति जेना उद्भवथी श्रव तेजस
शरीर पावे तेजसशरीरनाम; नामकर्म की
एक प्रकृति जिसके उदय से जीव तेजस शरीर
प्राप्त करे a name of lustrous body,
a variety of Nāma Karma at
whose rise, a soul obtains a
lustrous body. भग० ८, ६; क० ग० ५,
३१; ५, ७६, (३) ताप, सूर्यने तउके ताप,
घास; सूर्य की गर्मी heat. सूर्य० १, ५, १, २४,
(४) अग्नि. अग्नि fire पञ्च० १; (५) सात
समुद्घातमांसी पायभी समुद्घात के जेभा
तेजस नाम कर्मना पुद्गलनी निर्जरा थाय छे.
सातमें से पांचवीं समुद्घात जिस में तेजसना

मकर्म के पुद्गल की निर्जरा होती है. the fifth of the seven Samudghātas in which the atoms of Taijasa-Nāma-Karma perish. पञ्च० ३६; —कम्म. न० (—कर्मन्) नाम-धर्मिणी ओष्ठ प्रकृति तैजस्य अने क्षर्माण शरीर. नाम कर्म की एक प्रकृति, तैजस्य और कार्मेण शरीर. a nature of Nāma Karma; the lustrous and Kārmaṇa body. भग० ८, ६; —पण. न० (—पञ्चक) तैजस्य क्षर्माण ओष्ठ शरीर अगुरुलघु निर्माण अने उपधात ओष्ठ पांच प्रकृतिओना समूह. तैजस्य तथा कार्मेण ये दो शरीर, अगुरुलघु, निर्माण व उपधात इन पांच प्रकृतियों का समूह a group of the 5 Kasmic natures consisting of the two bodies Taijasa and Kārmaṇa and Agurulaghu, Nirmāṇa and Upaghāta. क० गं० २, ३१; —पुंज पुं० (—पुञ्ज) तेजोना समूह. तेज का समूह. a halo of lustre. सु० च० २, ३४४, —मंडल. न० (—मण्डल) तेज-प्रमाण मंडल. तेजोमंडल; प्रमाण मंडल. a circle of lustrous light. सम० ३४; —समुद्राय पुं० (—समुद्राय) तेजो लेश्या भुङ्क्ते वपते एव प्रदेशं विस्तृतं अने प्रकृत प्रकृतिनुं निर्गन्तुं ते तेजो लेश्या छोटने के समय जीव प्रदेश का विस्तृत होना और प्रकृत प्रकृति का जय निर्जरा होना. expanding of the soul at the time of casting Tejo-Leśyā and lessening of the Prakṛita Prakṛiti. मम० ६. —सरीरि त्रि० (—शरीरिन्) तैजस्य शरीरवाले तैजस्य शरीर वाला (one) possessing a lust-

rous body. जीवा० १०; तेयअ. न० (तेजस्क) जोराकने रस निपगन्धी पयावी परिणामानार ओष्ठ शरीर; तेजना विकाररूप द्वेष्ट एवानी पासेनुं ओष्ठ अक्षय शरीर; पांच शरीरभानुं ओष्ठ आहार का रस उत्पन्न कर, उस पचा कर परिणमन कराने वाला एक शरीर; तेजके विकार स्वरूप प्रत्येक जीवके निकट का एक मृक्ष शरीर; पांच शरीरों में से एक A body which changes the food after extracting a juice and then digesting it; a subtle body possessed by every being in the form of lustre; one of the five bodies. अणुजो० १४२; पञ्च० १२; जीवा० १; भग० १, ५; २, १; ८, १; तेयंसि. त्रि० (तेजस्विन्) तेजस्वी. तेजस्वी. Lustrous. नाया० १; भग० २, २; राय० २१५; सम० प० २३५; तेयग. न० (तेजस्क) लुओ। “तेयअ” शब्द. देखो “तेयअ” शब्द Vide “तेयअ” जीवा० १; भग० ८, ६; (२) पुं० अग्नि. आरंभ. fire सम० ३०; (३) तेजस्य शरीर योग्य पुद्गल रक्षधनी वर्गीया-समुद्राय. तैजस्य शरीर के योग्य पुद्गल रक्षध का समुदाय a collection of atoms fit for a lustrous body. क० प० १, १६; —लाटि. त्रि० (—लटि) तेजो लेश्या छापन इवानी लक्षि-शक्ति. तेजो लेश्या उत्पन्न करने की शक्ति the power of creating the bright thought-tint भग० १६, ८; —समुद्राय. पुं० (—समुद्राय) सात समुद्रधातुओं में से पांचवी समुद्रात. the 5th Samudghāta out of the seven. सम० ६; —सरीर. न० (—शरीर) तैजस्य शरीर तैजस्य शरीर. lustrous

body. भग० १६, ८; —सरीरणाम. पुं० (-शरीरनामन्) नाम कर्म की एक प्रकृति. a nature of Nāma Karma. सम० २८; —सरीरत्ता. स्त्री० (शरीरत्ता) तैजस शरीर-पण्डु. तैजस शरीरत्व the state of lustrous body. भग० २५, २; —सरीरि. त्रि० (-शरीरिन्) तैजस शरीरवाले (७५). तैजस शरीर वाला जीव (one) having a lustrous body. ङ० ६, ४;

तेयाणिसग्न. न० (तेजोनिर्ग) भगवती सूत्रना १५वां शतकना पड़ेला उद्देशानुं नाम भगवती सूत्र के १५ वे शतक के पहिले उद्देशा का नाम Name of the first Uddesā of the 15th chapter of the Bhagavatī Sūtra भग० १२, १; तेयलि. न० (तेतलि) ज्ञाता सूत्रनु तेतलीपुत्रना अधिकारवाधुं १४भुं अध्ययन तेतलीपुत्र के अधिकार वाला ज्ञाता सूत्र का १४वां अध्ययन. The fourteenth chapter of the Jñātā Sūtra containing the description of Tetaliputra. नाया० १; (२) देवकुरु उत्तरकुरुना भनुयनी ओक जाति देवकुरु उत्तरकुरु के मनुष्यों की एक जाति a class of men of Devakuru and Uttarakuru. भग० ६, ७, जीवा० ३, ४; —अमच्च. पुं० (-अमाच्य) तेतलिनामे तेतली पुत्रना राजनी अमाच्य-प्रधान तेतली नामक तेतलीपुरके राजा का अमाच्य-मन्त्री the minister named Tetali of the king of Tetaliपुरा नाया० १४;

तेयलिपुत्त पु० (तेतलिपुत्र) तेतलिपुर नगरना राजा कनकरथने ओ नामने

प्रधान तेतलिपुर नगर का राजा कनकरथ का इस नाम का प्रधान. A minister so named of Kanakaratha the king of Tetilapura. नाया० १४; तेयलिपुर. न० (तेतलिपुर) लुओ "तेतलिपुर" शब्द देखो "तेतलिपुर" शब्द. Vide. "तेतलिपुर" नाया० १४;

तेयलेस्स. त्रि० (तेजोलेश्य) तेजुलेखावाले. तेजोलेखा वाला (One) possessed of bright thought-tints. नाया० १६; तेयलेस्सा. स्त्री० (तेजोलेख्या) तेजु लेखा. तेजो लेखा Bright thought-tint भग० ३, १; ७, १०; १६, ५; निर० १, १, नाया० १,

तेयवन्त. त्रि० (तेजोवत्-तेजस्विन्) तेजस्वी; प्रभावशाली तेजस्वी, प्रभावशाली Lustrous; imposing. परह० २, ४; तेयवीरिय. पु० (तेजोवीर्य) भरतना ५शमा पांचमी पीढ़ीमे महाबल का पुत्र. The son of Mahābala in the fifth generation of the race of Bharata ङ० ८; १.

तेयस न० (तेजस्) क्षांति; तेज. क्रांति; तेज Sheen; lustre भग० १६, ५; तेयसा लृ० ए० व० अंत० ६, ३, नाया० १; कप० ५, ११६;

तेयस्सि. त्रि० (तेजस्विन्) तेजस्वी. तेजस्वी. Lustrous. आया० २, २, १, ७१; सु० च० २, ८६;

तेया-आ. स्त्री० (तेजस्) तैजस शरीर. तैजस-तेजपूर्ण शरीर. Lustrous body. भग० ७, ६, २५, ६; विशेष० ६२७; (२) तेरसनी रात्रिनुं नाम. त्रयोदशी के रात्रि का नाम name of the thirteenth night of a lunar month. सू० प० १०; ज० प०

—पोगलपरियट्ट न० (—पुद्गलपरिवर्त) लोडना सय' पुद्गलोने तेजस शरीरूपे जेटवा पणतभां परलुभावीने छोडे तेदलो व-
भत.उतना ममय जिममें लोकके समस्त पुद्गलां को तेजस शरीरमें परिणमन करे. a period of time in which all the atoms of the world are transformed in the form of lustrous bodies भग० १२, ४; —सररीर पुं० (—शरीर) तेजस शरीर. तेजस शरीर a lustrous body भग० ८, ६;

तेयाणुबन्धि. न० (स्तेयानुबन्धिन्-स्तेनस्य-चौरस्य कर्म स्तेयं, तन्निर्वाहः॥याकुलतया तदनुबन्धवत् तथा) येरने मारवा सं'धि-
नुं रौद्र ध्यान; रौद्र ध्यानने ओ३ प्रक्षर. चौर का मारने का रौद्रध्यान; रौद्रध्यान विशेष. An angry mood to kill a thief; a kind of strong rage भग० २५, ७;
तेयाल. छा० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; तेतालीस. तैतालीस; ४३. Forty-three उल्ल० ३४, २०; प्रव० ३६;

तेयालि. पुं० (तेयालि) ओ३ जलतनुं आ३ एक वृक्ष का नाम. A kind of tree. "ताले तमाले तक्षतेयालीसालिसारकह्लाणे" पञ० १;

तेयाली. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; तेतालीस. तैतालीस; त्रयालीस. Forty-three. पञ० ४;

तेयालीस. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३, तेतालीस त्रयालीस; तैतालीस. Forty-three. सम० ४३;

तेयासीड. त्रि० (अशीति) ८३; आशी. तिर्यासी; ८३. Eighty-three. सम० ८३;

तेयाहिय. पुं० (आहिक) त्रयु द्विसने आंतरे आवनार ताव; तरीओ ताव तिजारी; तीन दिन के अन्तर में आने वाला

ज्वर. Fever coming on every third day. जीवा० ३, ३;

तेरस त्रि० (त्रयोदशन्) १३; तेरनी सं'भा. तेरह; १३ Thirteen. भग० ५, १; ६, ३३; १३, ६; ३१, १; जं० प० सम० १३; ओव० २८; उवा० ८, २३३; क० गं० २, ३४; —किरिया. स्त्री० (—क्रिया) तेर प्रक्षरनी क्रिया. तेरह प्रकार की क्रिया. The actions of thirteen varieties प्रव० २७; —चासपरियाग. त्रि० (—चर्यपर्यायक) जेने दीक्षा लीधां तेर वर्ष थयां छे ते. जिने दांजा लिए तेरह वर्ष हुए हों वह. (one) for whose initiation thirteen years have elapsed. वव० १०, २८; २६;

तेरसम. त्रि० (त्रयोदश) १३ भो-भी-भुं. तेरहवा, वा, वै. Thirteenth. नाया० १; १३; भग० २, १; २६; १३;

तेरस्त्री स्त्री० (त्रयोदशी) ५३नी ५३ भी तिथी तेरस. पक्ष की तेरहवां तिथि; त्रयोदशी; तेरस. The thirteenth day of a lunar month. सु० च० १. ६६; ज० प० ७, १५३; कण० २, ३०;

तेरासिय. त्रि० (त्रैराशिक) ७५ अ७५ अने ७१७५ ओम त्रयु राशिनुं स्थापन करनार रोहगुप्त आचार्यना भनने अनुयायी. जीव अर्जव, और जीवाजीव इस प्रकार तीन राशियों को स्थापित करने वाला रोहगुप्त आचार्य का अनुयायी. A follower of the doctrine of Roha Gupta preceptor who established three categories e. g., Jiva, Ajiva and Jivajiva ओव० ४१; पिं० लि० ५४३, सम० १२;

तेरिन्दिय. त्रि० (त्रीन्द्रिय) त्रयु इंद्रियवाले ७५. तीन इन्द्रिय वाला जीव. A three-

sensed being. भग० २४, १;

तेरिच्छ. त्रि० (तिरश्चीन) तिर्य्य संयंधी
तिर्य्यच-पशु-सम्बन्धी. Pertaining to
sub-human beings. उत्त० २५, २५,
३१, ५; (२) तिर्य्य-पशु पक्षी वगैरे तिर्य्यच-
पशु-पक्षी आदि. animals, birds etc.
प्रव० ४४०; —संठावण न० (—संस्थापन)
तिर्य्य-पशु पक्षी आदि संस्थापने तिर्य्यच-
पशुपक्षी आदि का संस्थापन-पालन tam-
ing animals, bird etc प्रव० ४४०;
तेरिच्छि त्रि० (तिरश्चीन) तिर्य्य संयंधी,
तिर्य्यच-पशु. तिर्य्यच सम्बन्धी; तिर्य्यचकृत
Relating to sub-human beings.
विशे० ३००५;

तेरिच्छी. स्त्री० (तिरश्चीना) पशुनी स्त्री;
तिर्य्यच-पशु की स्त्री, मादा पशु A
female of an animal प्रव० ३२;
तेल. न० (तैल) तेल तैल. Oil. नाया० १;
—चर्म न० (—चर्मन्) जेना उपर भेसी
तेलनु मर्दन कराय ते आभु. ऐसा चमड़ा
जिस पर बैठ कर तैल मला जाय. a
skin, used as a seat while oil
is smeared. नाया० १; ओव०

तेलकेला. स्त्री० (तैलकला) तेल संभ्रान्त
क्षम. तैल रखने का पात्र; तैल पात्र. A
vessel to store oil; an oil can
नाया० १; तंडु०

तेलुक न० (त्रैलोक्य) त्रय लोक; स्वर्ग
मर्त्य आने पाताल. तीन लोक; स्वर्ग, मर्त्य
तथा पाताल. The three worlds;
the heaven, earth and nether
world ओष० नि० ७४५, पत्र० ३, भक्त०
६६, गच्छा० ३५;

तेलोक पुं० (त्रैलोक्य) त्रय लोक शब्द.
देखो ऊपर का शब्द. Vide above
ओष० नि० ७४७, उवा० ७, १८७, —

गमज्झ. त्रि० (—रज्जमध्य) त्रिलोक्य रूपी
रंगभूमिनी मध्ये. त्रिलोक्य रूपी रंगभूमि
के मध्य में in the middle of the
stage-like three worlds. भग०
६, ३३;

तेल न० (तैल) तेल. तैल. Oil नाया०
८; १६, ज० प० २, १२०, विशे० २०१;
ओव० ३१; पत्र० १; ३६; निसी० १, ५;
१३, ३५; भग० ८, ६, १८, ६; जीवा० ३,
१; अणुजो० १६, डा० ४; १, सूय० १, ४,
२, ८; २, ६, ३७, उवा० १, २५, प्रव०
२१८, —कुंभ. पुं० (—कुम्भ) तेलने
घडा. तैल का घडा. a pot of oil. भग०
१६, ६; —चर्म. न० (—चर्मन्) तेल
मर्दन करवाने भेसवानु आसन. तैल मर्दन
करते समय बैठनेका आसन. a skin used
as a seat at the time of rubb-
ing of oil. नाया० १; ओव० ३१, —समु-
गय. पुं० (—समुद्रक) तेलने
शीशी, तेलनु क्षम तैल का डिब्बा, शीशी,
an oil-tin, a bottle of oil. जीवा०
३, ४, राय०

तेलकेला स्त्री० (तैलकेला) त्रय लोक "तेल-
केला" शब्द. देखो "तेलकेला" शब्द.
Vide. 'तेलकेला' जीवा० ३, ४; भग०
१२, १;

तेलपल्ल. न० (तैलपल्ल) ओषध आतनु सौराष्ट्र
देश प्रसिद्ध तेलनु क्षम सौराष्ट्र देश प्रसिद्ध एक
तेल पात्र A pot of oil famous in
the Saurāṣṭra country. दसा० १०,
३,

तेलपूय न० (तैलपूय) मालपूया माल-
पूया A sweet fried cake ज० प०
—संठावणसंठिय. त्रि० (—संस्थानसंस्थित)
मालपूयाना जेवा आकारवाला. मालपूया
के से आकार वाला having the

—पोगलपरियट्ट. न० (—पुद्गलपरिवर्त) लोडना सर्व पुद्गलोने तेनस शरीरमे नेटडा वणतमां परलभापीने छोरे तेडलो व-
णत. उतना समय जिममें लोकके समस्त पुद्गलां को तेजस शरीरमें परिणमन करे. a period of time in which all the atoms of the world are transformed in the form of lustrous bodies भग० १०, ४; —सरीर पुं० (—शरीर) तेनस शरीर. तेजस शरीर a lustrous body भग० ८, ६;

तेयाणुबंधि. न० (स्तेयानुबन्धिन्-स्तेनस्व-
चारस्य कर्म स्तेयं, तमिक्कोडाऽऽशकुलतया
सदनुबन्धवत् तथा) ओरने भारवा संयधि-
नुं रैड ध्यान; रैड ध्यानने ओड प्रहार.
चोर को मारने का रैडध्यान; रैडध्यान विशेष.
An angry mood to kill a thief;
a kind of strong rage भग० २५, ७;
तेयाल छा० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; तेनालीस
तैतालीस; ४३ Forty-three उत०
३४, २०; प्रव० ३६;

तेयालि. पुं० (तेयालि) ओड लाननुं आड
एक वृक्ष का नाम A kind of tree.
“ ताले तमाले तक्तेयालीसालिमारकल्लाणे”
पञ्च० १;

तेयाली. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; तेता-
लीस. तैतालीस; त्रयालीस. Forty-
three. पञ्च० ४;

तेयालीस. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३;
तेतालीस त्रयालीस, तैतालीस. Forty-
three. सम० ४३;

तेयासीड. त्रि० (अशीति) ८३; आशी.
तिर्यासी; ८३. Eighty-three. सम० ८३;

तेयाहिय पुं० (आहिक) त्रयु दिवसने
आंतरे आपनार ताव; तरीओ ताव
तिजारी; तीन दिन के अन्तर से आने वाला

ज्वर. Fever coming on every
third day. त्रीया० ३, ३;

तेरस. त्रि० (त्रयोदशन्) १३; तेरनी संख्या.
तेरह; १३ Thirteen. भग० ५, १; ६,
३३; १३, ६; ३१, १; जं० प० सम० १३;
ओव० २८; उवा० ८, २३३; क० गं० २,
३४; —किरिया. स्त्री० (—क्रिया) तेर
प्रकारनी क्रिया. तेरह प्रकार की क्रिया.
The actions of thirteen varie-
ties प्रव० २७; —वासपरियाग. त्रि०
(—वर्षपर्यायक) नेने दीक्षा दीक्षां तेर
वर्ष यथां छे ते. जिनमे दीक्षा लिए तेरह
वर्ष हुए हों वह. (one) for whose
initiation thirteen years have
elapsed. वव० १०, २८; २६;

तेरसम त्रि० (त्रयोदश) १३ भो-भी-भुं.
तेरहवा, बी, वै. Thirteenth. नाया० १;
१३; भग० २, १; २६; १३;

तेरमी स्त्री० (त्रयोदशी) पक्षनी १३ गी
तिथी. तेरस. पक्ष की तेरहवीं तिथि; त्रयो-
दशी, तेरस. The thirteenth day
of a lunar month. सु० च० १, ६६;
ज० प० ७, १५३; कण्ठ० २, ३०;

तेरासिय त्रि० (त्रैराशिक) ७५ अश्व
अने ७५अश्व ऐम त्रयु राशितुं स्थापन
करनार गेहगुप्त आचार्यना भनने अनु-
यायी जीव अजंज, और जीवाजीव इस
प्रकार तीन राशियों को स्थापित करने वाला
गेहगुप्त आचार्य का अनुयायी. A follow-
er of the doctrine of Roha
Gupta preceptor who estab-
lished three categories e. g.,
Jīva, Ajīva and Jivājīva. ओव०
४१; पिं० नि० ५४३; सम० १२;

तेरिन्द्रिय. त्रि० (त्रीन्द्रिय) त्रयु इंद्रियालो
७५. तीन इन्द्रिय वाला जीव. A three-

sensed being. भग० २४, १,
तेरिच्छु. त्रि० (तिरश्चीन) तिर्य्य सञ्धी.
तिर्य्यच-पशु-सम्बन्धी. Pertaining to
sub-human beings उत्त० २५, २५,
३१, ५; (२) तिर्य्यच-पशु पक्षी वगेरे तिर्य्यच-
पशु-पक्षी आदि. animals, birds etc.
प्रव० ४४०, —संटावण न० (—संस्थापन)
तिर्य्यच-पशु पक्षी आदि राभवाते तिर्य्यच-
पशुपक्षी आदि का संस्थापन-पालन tam-
ing animals, bird etc प्रव० ४४०;
तेरिच्छुय त्रि० (तिरश्चीन) तिर्य्य संञ्धी,
तिर्य्यचुं करेदुं. तिर्य्यच सम्बन्धी, तिर्य्यचकृत
Relating to sub-human beings.
विशे० ३००५,

तेरिच्छी. स्त्री० (तिरश्चीना) पशुनी स्त्री;
तिर्य्यचस्त्री पशु की स्त्री, मादा पशु. A
female of an animal प्रव० ३२;
तेल. न० (तैल) तेल तैल. Oil. नाया० १,
—चम्म. न० (—चर्मन्) जेना उपर भेसी
तेलनु मर्दन कराय ते आभु. ऐसा चमडा
जिस पर बैठ कर तैल मला जाय. a
skin, used as a seat while oil
is smeared. नाया० १; ओव०

तेलकेला. स्त्री० (तैलकला) तेल राभवानुं
हाम. तैल रखने का पात्र, तैल पात्र. A
vessel to store oil; an oil can
नाया० १, तंडु०

तेलुक. न० (त्रैलोक्य) त्रय लोक, स्वर्ग
मर्त्य आने पाताल. तीन लोक, स्वर्ग, मर्त्य
तथा पाताल. The three worlds;
the heaven, earth and nether
world ओघ० नि० ७४५, पत्र० ३, भक्त०
६६; गच्छा० ३५;

तेलोक पुं० (त्रैलोक्य) लुगो उपलो शब्द.
देखो ऊपर का शब्द. Vide above
ओघ० नि० ७४७, उवा० ७, १८७,— रं-
Vol III/12.

गमज्झ. त्रि० (—रङ्गमध्य) त्रिलोक रूपी
रंगभूमिनी मध्ये. त्रिलोक रूपी रंगभूमि
के मध्य में. in the middle of the
stage-like three worlds. भग०
६, ३३;

तेल न० (तैल) तेल. तैल Oil नाया०
८; १६, जं० प० ५, १२०, विशे० २०१;
ओव० ३१, पत्र० १, ३६; निसी० १, ५;
१३, ३५; भग० ८, ६, १८, ६; जीवा० ३,
१; अणुजो० १६; ठा० ४; १, सूय० १, ४,
२, ८; २, ६, ३७; उवा० १, २५; प्रव०
२१८, —कुंभ. पु० (—कुम्भ) तेलनो
धडा. तैल का घडा. a pot of oil. भग०
१६, ६; —चम्म. न० (—चर्मन्) तेल
मर्दन करवाने भेसवानु आसन. तैल मर्दन
करते समय बैठनेका आसन. a skin used
as a seat at the time of rubb-
ing of oil. नाया० १; ओव० ३१,—समु-
ग्गय पुं० (—समुद्रक) तेलनो डब्बा-
शीशी, तेलनु हाम तैल का डिब्बा, शीशी.
an oil-tin, a bottle of oil जीवा०
३, ४; राय०

तेलकेला. स्त्री० (तैलकेला) लुगो "तैल-
केला" शब्द. देखो "तैलकेला" शब्द.
Vide 'तेलकेला' जीवा० ३, ४, भग०
१५, १;

तेलपल्ल. न० (तैलपल्ल) ओक गतनु सौराष्ट्र
देश प्रसिद्धतेलनु हाम सौराष्ट्र देश प्रसिद्ध एक
तैल पात्र A pot of oil famous in
the Saurāstra country. दसा० १०,
३;

तेलपूय. न० (तैलपूय) भाक्षपूया माल-
पूया A sweet fried cake जं० प०
—संटाणसंठिय. त्रि० (—संस्थानसंस्थित)
भाक्षपूयाना जेवा आशरवाले मालपूया
के से आकार वाला having the

shape of a sweet fried cake.
जं० प०

तेलपेला स्त्री० (तेलपल्लव) सौराष्ट्र देश
प्रसिद्ध भू-भय तेलपुं भा न. सौराष्ट्र देश
प्रख्यात मिट्टाका तेल पात्र An earthen
vessel for oil of the Saurashtra
country. दम० १०, ३;

तेवर्ग पुं० (त्रिवर्ग - त्रयोवर्गास्त्रिवर्गाः)
धर्म अर्थ अने काम ओ त्रयु पर्व. त्रिवर्ग
धर्म अर्थ तथा काम The class of
three - religion, wealth and
desires. नंदो०

तेवट् स्त्री० (त्रिषष्टि) त्रेसः साठ अने
त्रयु तिरमट; त्रेमटः ६३. Sixty-three.
मू० २, २, ७६; मग० ८, ८;

तेषट् स्त्री० (त्रिषष्टि) ६३; त्रेसःनी संध्या
६३, त्रेमट Sixty-three. मग० २४,
२१ २५, ७, १० १० ७. १४८. ७, १३६;
२ ३०; सम० ६३, क० गं० २, ७, -सय.
न० (-गत) ओइसो अने त्रेसः. एकसौ
त्रेमट; १६३. one hundred and
sixty-three क० प० २, ११७;

तेवण्ण स्त्री० (त्रिषष्टाशत्) ५३; त्रेपन;
पचास अने त्रयु ५३; त्रेपन. Fifty-
three. पञ्च० २; ४;

तेवत्तरि स्त्री० (त्रिमसति) ७३; तेनेरनी
संध्या ७३ तिहत्तर. Seventy-three
सम० ७३; जं० प० २, २६; ७, १४८;

तेवन्न स्त्री० (त्रिषष्टाशत्) ५३; त्रेपन ५३.
त्रेपन. Fifty-three. सम० ५३; क०
ग० ६, ७२;

तेवीस स्त्री० (त्रयोविंशति) २३; त्रेवीस
त्रयु अने बीस २३; तेइस. Twenty
three. मग० २, ८; २०, ८; पञ्च० ४;
नंदो० ४६; सम० २३; अणुजो० १४३;
उत्त० ३१, १६; क० गं० ६, ३३;

तेवीसइम. त्रि० (त्रयोविंशतितम) त्रेवी-
सभो; २३ भो तेइसवां. Twenty-third.

टा० ६, २;

तेसाट् स्त्री० (त्रिषष्टि) ६३; त्रेसःनी संध्या.
६३, त्रेमट Sixty-three. मग० ६३;
मग० १३, ६;

तेसीइम त्रि० (त्र्यशीतितम) आसीभुं.
तिरयासीवां, ८३ वां. Eighty-third.
कण्ठ० २, २०;

तेसीति स्त्री० (त्र्यशीति) ८३; तिर्याशीनी
संध्या. ८३; तिर्यामी, व्यामी. Eighty-
three. मग० २०, १०;

तेसीय. स्त्री० (त्र्यशीति) आसी; ८३. व्यामी;
तिर्यामी; ८३. Eighty-three. विशेष०
६०७३;

तेहिअ-य. त्रि० (त्र्याहिकं) त्रयु दिवसपुं.
तीन दिनका. Of three days. जं० पं०
५, ११२; २, १६; मग० ६, ७; (२)
त'ओ ताव; तीन्हे दीवसे आवे तेवो ताव.
तिजारी; तीसरे दिन आनेवाला ज्वर.
tertian fever. मग० ३, ७;

तो अ० (ततः) नेथी नेटला भाटे. अतएव;
इमलिए; अतः. Therefore; hence.
नाया० २; ८; ६; १४, १६; उवा० २, ६५;
क० गं० १, १;

तोडन. न० (तोदन) पीडा डरवी ने दुख;
देना. पीडित करना. Afflicting. मू०
नि० १, ५, १, ७२;

तोड् पुं० (त्र) चार इंद्रियासु श्रवणी
ओइ व्यत; चार इंद्रिय वाळे जीव की जाति
विशेष. A species of four sensed
beings. पञ्च० १;

तोण पुं० (तूण) आणु राभवानु लायुं,
तूणार; तरकरा निपंग A quiver. पण्ड०
१, ३, जीवा० ३, ४; विवा० ३; राय०
१२६; नाया० १८;

तोत्त. न० (तोत्र) आधु. चाबुक. A whip.

उत्त० १, ४०; १६, ५६; सू० च० १२, ५१;

तोमर. न० (तोमर) जेने लापाभां गडासा अथवा सवली छे ते अस्त्र. गडामा-तोमर नामक

अस्त्र विशेष. A missile called

"Gadāsā" or "Savali" in the

vernacular. जं० प० ३; जीवा० ३१;

परह० १, १; सूय० नि० १, ५, १, ७४,

—गा. न० (—अग्रा) तोमरने आगले ल ग

तोमर-गंडोस का अग्रभाग the fore

part of a Tomara नाया० १६;

तोय. पु० (तोद-तोदनं तोदः) पीडा. पीडा;

दु.ख Pain, affliction ठा० ४, ४;

तोय-अ. न० (तोय) पाणी, जल. पानी;

जल. Water. जं० प० ५, ११२, परह०

१, ३; विशेष० २०७; ओव० १७; काप० ३,

३६; भत्त० ६०; —पिट्ट. न० (—पृष्ठ)

पाणीनी सपाटी. पानी का समतल भाग-

उपरी भाग. the surface of water

ओव० २१; —बिन्दुप्रमाणमित्त. त्रि०

(—बिन्दुप्रमाणमात्र) पाणीना पिं दु

जेठलुं मात्र पानी की बूंद भर, जलबिन्दु

मात्र, पानी के बिन्दु समान like a drop

of water; drop-like वेय० ५, ३८,

तोरण. न० (तोरण) तोरण तोरण.

festoon. नाया० १, ६, १६, भग० ८,

६; सप० प० २१०, ओव० ठा० २, ४,

दम० ७, २७, राय० ४६, २६१, पञ्च० २;

जीवा० ३, २, अया० २, ४, २, १३८,

पंचा० २, १६; ज० प० ५, ११६.

तोल. पुं० न० (तोल) तोल, मगध देशभां

प्रसिद्ध माप विशेष तोल, मगध देश

प्रसिद्ध माप विशेष A measure in the

Magahda country, a particular

measure. तंदु०

तोलेउं. हे० क० अ० (तोलयिनुम्) तोलवाने

भाटे तोलने के लिए; वजन करने के लिए.

For weighing उत्त० १६; ४१,

तोस पुं० (तोष) प्रमोद; सतोष प्रमोद.

संतोष Joy, satisfaction पंचा० २, १०,

तोसलि. पुं० (तोसलिन) तोसलिना रहे.

वासी ओ३ आयाप^१. तोसलि में रहने वाले

एक आचार्य. A preceptor dwell-

ing in Tosali. आया० नि० १, ८,

१, २६७

तोसिय त्रि० (तोषित) सतोष पमाडेल

पुशी करेय सतोषित, खुश किया हुआ,

(One) satisfied or pleased उत्त०

२३, ८८;

✓ तस धा० I (तस् + णि) तस आणवे;

पीवडावपुं. तस देना; डराना. To dis-

tress, to frighten.

तासेउ प्रे० सं० क० सु० च० ११, ६०;

तासेमाण प्रे० सं० क० विवा० ३;

✓ ता धा० I (ताय्-त्रै) रक्षाय करेयुं. रक्षण

करना, बचाना To protect

तायेंति उत्त० २५, २८,

त्ति. अ० (इति) समाप्ति द्योतक अव्यय.

समाप्ति द्योतक अव्यय. An indecli-

nable denoting ' Finish. ' क०

गं० १, २५, ४५,

✓ तथण धा० I (स्तन्) आकन्दन करेयुं.

आकन्दन करना, रोना. To lament:

to cry

थयेंति सूय० १; ५, १, ७,

✓ त्थुण धा० I. (स्तु) स्तुति करेयुं,

गुण्युं कीर्तन करेयुं. स्तुति करना; गुणगान

करना. To praise, to eulogise.

थुयेंति. सु० च० २, १३६,

थुणिमो. क० गं० २, १,

थुणिजाहि पिं० नि० ४६०;

थुणिउ सु० च० १, ३६४, २, ६०६,

थ.

थ. अ० (थ) पाठ्यालंकार. वाक्यालंकार.

An expletive नागा० ८;

थइया. स्त्री० (स्थगिका) पान राजधानी
उष्णी; पानधानी. पानदान; ताम्बूल पात्र.

A box of betel leaves मु० न०
४, ५६;

थंडिल. न० (स्थगिडल) सथादेश इ०
वाने योग्य स्थल; जहाँ डाँध याधा पीडा
न थाय तेरी निवृत्तिनु स्थल. संथारा करने
के लिए योग्य स्थान, निवृत्तिपूर्ण स्थान जो
वाधाओं में गर्वना विहित हो A place
fit for retirement; a place for
Santhārā where no pain or obs-
truction arises. संथारा० ६६; आया०
१, ७, ८, ७, (२) साधुने शौच जगानी
जग्या; दिशाओ जग्याने उचित भूमि साधु
को शौच जाने की जगह, दिशा जगल जानि
के योग्य भूमि. a place to void
stools for an ascetic, a proper
place for passing stools वेय० ४,
११; १२; नेसा० ४, ७२, वव० ७, १७,
८, १२, दसा० ७, १;

थंडिल्ल न० (स्थगिडल) लुगो उपलो शब्द
देखो ऊपर का शब्द. Vide above
आया० २, ५, १, १४०, अंन० ३, ८,
ओष० नि० भा० ६३, भग० ८, ६; प्रव०
७७६, (२) क्रोध; गुस्से। क्रोध; गुस्सा
anger, rage. मूय० १, ६, ११,

थंय. पु० (स्तम्भ) घासने जग्या घास की
ढेरी A stock of hay. ओष० नि० ७७१,
(२) जुमला. झुमला. a cluster
ओष० नि० ७७१;

थंय पु० (स्तम्भ) आदकार, गर्व, मान
अहंकार; गर्व, मान Pride, a hughti-

ness. भग० १२, ४; दग० ६, १, १;
भग० ५२; उत्त० ११, ३; (२) थाबयो.
स्तम्भ योवा. a post क० मं० १, १६,
ठा० ४, २, भग० ६, ३३, १४, १; आया०
२, १, ७, ३७;

थंभण. न० (स्तम्भन) दासी आली शक्ति नहि
तेयुं इत्युः थांबयुं र्भर करना; रोचना;
थामना Checking; stopping. पि
नि० ४६७; (२) उद्यु इत्युं जंवा करना.
pañsing. आंच०

थंभणया. स्त्री० (स्तम्भन) अरुधावयुं. अट
काना; निरोध करना Stopping;
checking. ओष० ३८, पल० १६;

थंभण. स्त्री० (स्तम्भन) लुगो " थंभण "
शब्द देखो ' थंभण ' शब्द Vide
" थंभण " ठा० ४, ४.

थंभणी स्त्री० (स्तम्भनी) रतगान इरवानी
विद्या स्तम्भन विद्या. A charin to
make one motionless नाया० १३;
मूय० २, २, २७;

थंभय पुं० (स्तम्भक) अरीसानी इराम
(इरम) थोणहुं. दर्पण की चोखट. A
mirror-frame राय० ११८;

थंभिय. त्रि० (स्तम्भित) रतबंध इरेलुं;
थंभेल, रेडेल. स्तब्ध किया हुआ; थामा
हुआ, रोका हुआ Stopped; checked;
restrained ओष० १२ २२; पल० २;
नाया० १, नाया० ध० जीवा० ३ ४; सम०
३४, जं० प० ६, ११६; कप० २, १४; ४, ६२;

✓ थकार. ना० धा० II. (थकार) थ, थ,
ओवे शब्द इरेवे ' थय ' शब्द करना.
To produce the sound " Tha,
Tha "

थकारेति. जीवा० ३. ४;

थक्. त्रि०(२) पर्याय. पर्याय, जाति. Synonym; class; modification. विशेष. २०, ३, (२) अवसर, समय, वृत्त अवसर, समय time, chance. पि० नि० १५६; —आचिद्वि त्रि० (—आपतित) अवसर वृत्तसं आवेश उचित समय पर आया हुआ. (one) come at the right time. पि० नि० १५६,

थक्थक्कं अ० (स्थित्वा स्थित्वा) रही रहीने ठहर ठहर कर. Stopping now and then. सु० च० १२, ५४,

✓थक्कार. ना० धा० II. (थकार) जुआ "थकार" शब्द. देखो "थकार" शब्द. Vide "थकार"

थक्कॉरति राय० १६३;

थगण न० (स्थगन) टांकु डाकना, चन्द करना. Covering. ठा० ४, ४;

✓थग धा० I. (-) मान करुं. प्रमाण आधनु; मापनु मापना; प्रमाण निर्धारित करना, अंदाज लगाना. To measure, to estimate.

थगिजए क० वा० प्रव० ६७८;

थण पुं० न० (स्तन) स्तन; थान स्तन, थन; थान. Breast; udder. नाया० २; १, १७, भग० ६, ३३; अणुजो० १३०, १३१, आया० १, १, २, १६; १, ६, १७२; निंसा० ७, १६; अंत० ३, ४; विशेष० १६६२, पि० नि० ४८७, विवा० ७, तंदु० प्रव० २४६, कण्ठ० ३, ३६; — (रुं) अंतर. न० (—अन्तर) जे थान पच्चेनु अंतर. स्तनों के बीच का अन्तर the interval between the two breasts नाया० १६, —जीविणी स्त्री० (—जीविनी) दाई; धाव भाता. दाई, धात्री; धाय an Ayha-nurse पि० नि० ५०, १, —पीलण न०(—पीडन) स्तन मर्दन स्तन

मर्दन, कुच पीडन. fondling or pressing of breasts तंदु० —मूल. न० (—मूल) स्तननी भूत भाग स्तन का मूल भाग. the base of a breast. विवा० ७; धणग. न०(स्तनक—स्तन एव स्तनकम्) स्तन, थान. स्तन; थान Breast; udder. दस० ५, १, ४२, — (गं) अंतराय न० (—अन्तराल) जे थान पच्चेनी जग्या. दो स्तनों के बीच का भाग the part between the two breasts निर० ४, १; —छीर. न० (—चौर) थानुं दूध. स्तन का दूध. milk from an udder तंदु०

थणय न० (स्तनज—स्तनाभ्यां जायते इति) दूध दूध Milk. उवा० २, ६४; नाया० २, शणिय-य. त्रि० (स्तनित) गजना—मेघनी शब्द. गर्जना—मेघध्वनि Thunder. ओव० ३४, नाया० ५; भग० ६, २, सू०प० २०, पत्र० ४, जीवा० ३, ४; सूय० १, ६, १६, सु०च० ६, ६६, सम० प० २३८; (२) स्तनित कुमार देवता; भवनपति देवतानी ओक जगत स्तनित कुमार देवता; भवनपति देवता की एक जात the god Stanita Kumāra. a class of Bhavanapati gods ओव० २३, जीवा० १; सम० ७६, उत्त० ३६, ००४; प्रव० ११४३, (२) रति क्रीडा समयनी शब्द. रति क्रीडा के समय का शब्द a sound made at the time of sexual sport. उत्त० १६, ५, —सद् पुं० (—सब्द) मेघनी शब्द मेघ की ध्वनि rumbling of a cloud. नाया० ८, ६,

थणियकुमार पुं० (स्तनित कुमार) भवनपति देवतानी दशमी जगत भवनपति देवता की दसवीं जात The tenth class of Bhavanapati gods "द्वान्तरी थणि-

यकुमारावाससयसहस्रमा पणसा ” भग० १,
१, ३, १; ८, १; १६, १४; ठा० १, १;
पञ्च० १; — भवणवासि पुं० (— भवन-
वासिन्) स्तनितकुमार नामना भवनपति-
भवनभा रहेनार देवता स्तनितकुमार नामक
भवनपति-भवन में रहने वाले-देवता. a
Bahavanapati named god
Stanitakumāra; a god resid-
ing in a Bhavana (mansion).
भग० २४, १२,

थणियकुमारत्त न० (स्तनितकुमारत्व)
स्तनितकुमार पण्डु स्तनित कुमारता. The
state of Stanitakumāra. भग०
१२, ४,

थणियकुमारी स्त्री० (स्तनितकुमारी) स्तनित-
कुमार देवतानी देवी. स्तनितकुमार देवता की
देवी-धर्मपत्नि. The wife of the god
Stanitakumāra. भग० ३, ७,

थद्ध त्रि० (स्तब्ध) अहङ्कारी, अभिमानी,
विनय वगरेता. घमंडी, अभिमानी गर्विष्ठ,
विनयहीन. Proud; haughty, rude.
जं०प० ३, ५७; उत्त० ११, २; २७, १०,
सम० ३०; सूय० २, २, १७, सू०प० २०,
दसा० ६, २०, २१; दस० ६, २, ३; प्र०
१५०. गच्छा० ५२,

थय-अ पु० (स्तव) स्तोत्र, स्तवन, गुण
कीर्तन करने के स्तोत्र, स्तवन; गुण कीर्तन
Hymn, a panegyric, a praise
अणुजो० ५६, उत्त० २६, २, — पाठ पुं० (— पाठ)
स्तुतिपाठ स्तुतिपाठ an eulogy. पंचा०
३, १७, — स्मरण. न० (— स्मरण) यादीस
स्तवनु यिन्तन करने के चौबीस स्तवों का
चिन्तन ध्यान करना the meditation
of the twenty-four hymns
पंचा० ८, ३२,

*थरथरंत व० कृ० त्रि० (*) ध्रुव.

ध्रुजता; थरथर कांपता. Trembling
shaking. पि०नि० ५६८;
छथरहरिय त्रि० (छ) ध्रुजेल; ध्रुजेल.
कम्पित; थरथर कांपा हुआ. Trembling.
सु०च० १, २७२;

थल. न० (स्थल) पानी न बराय तेवा भूमि
विभाग; जल वगरनी जमीन स्थल जल
विहीन स्थल भाग, रेगिस्तान; वह स्थान जहाँ
पानी एकत्र न होसके. A waterless
region; a desert उत्त० ८, ६, १२, १२;
१३, ३०, नाया० १७; भग० ५, ७; ७, ६;
आया० २, ३, १, ११८, निसी० १८, ७;
१७, ३२; जं०प० २, ३६, सू०प० ११;
दमा० ७, १;

थलचर त्रि० (स्थलचर) स्थल-जमीन उपर
गति करनेवाला गाय, भैंस, घोड़ा, उट वगैरे,
तिर्य्य पंचेन्द्रिय की एक जाति. जमीन पर
चलने वाले गाय, भैंस, घोड़ा, ऊँट आदि;
तिर्य्यच पंचेन्द्रिय की एक जाति Terres-
trial animal such as a cow,
buffalo, horse etc, a species of
five-sensed beings. अणुजो० १३४;
जीवा० १, भग० ८, १; २४, १;

थलचरी. स्त्री० (स्थलचरी) भूमिउपर
गति करनेवाली, तिर्य्ययनी स्त्री, स्त्री थलचर
तिर्य्यय. भूमि पर चलने वाले तिर्य्यच की
नारी मादा, मादा थलचर तिर्य्यच Female
of a terrestrial animal ठा० ३, १;
थलज त्रि० (स्थलज) जमीनथी उत्पन्न
थलेल जमीन से पैदा हुआ-जन्मा हुआ.
Produced from the earth.
राय० २७,

थलय त्रि० (स्थलज) जलये “ थलज ”
शब्द देखो “ थलज ” शब्द Vide
“ थलज ” नाया० ८, पञ्च० १,

थलयर त्रि० (स्थलचर) जलये “ थलचर ”

शब्द देखो “ थलचर ” शब्द Vide थलचर ” पञ्च० १; जीवा० १; ओव० उत्त० ३६, १७०; —मंस. न० (-मास) हरणु वगेरे जमीन पर रहेनार प्राणिनु भांस. हरिणादि स्थलवासी प्राणियों का मांस flesh of terrestrial animals like deer etc. प्रव० २२२, थली. स्त्री० (स्थली) जमीननो उये प्रदेश. जमान का ऊचा प्रदेश, स्थल का उन्नत भाग; पथार-पठार. A tablet-land उत्त० ३०, १७, प्रव० ६७०;

थय पुं० (स्तव) लुओ “ थय-अ ” शब्द. देखो “ थय-अ ” शब्द. Vide “ थय-अ ” पञ्च० ३, ७७; —पाठ पुं० (-पाठ) लुओ “ थयपाठ ” शब्द देखो “ थयपाठ ” शब्द. vide “ थयपाठ ” पञ्च० ३, ७२, थवइय त्रि० (स्तवकित) पुल अने गुच्छ जेभां लागेल छे ते जिसमें फूल और गुच्छे लगे हुए हैं वह. That which has flowers and clusters ओव० भग० १, १;

थवण न० (स्तवन) श्रुति कृती ते स्तवन; प्रशंसा, गुण कीर्तन Eulogy पण्ह० २, २, थवय पुं० (स्तवक) पुलनो गुच्छे फूलो का गुच्छा A bunch of flowers जीवा० ३,

थचिर त्रि० (स्थविर) परिपक्व-स्थिर बुद्धिवालो. परितक्व-स्थिर बुद्धि वाला (One) having a steady or developed intellect भग० ६, ३३; प्रव० १०१६. (२) स्थविरकृष्णी-गच्छ वासि साधु स्थविर कल्पी-गच्छवासीमाधु a member or an order of monks. प्रव० १५; —कंचुडज्ज पुं० (-कञ्चुकीय) स्थिर बुद्धिनो प्रतिहारी स्थिर बुद्धि का प्रतिहारो, a chamberlain of a steady will. भग० ६, ३३,

—कप्प पुं० (-कल्प) गच्छमा रहेल आचार्य आदिनी समाचारी-व्यवहार मर्यादा. समुदाय में रहने वाले आचार्य आदि की समाचारी-व्यवहार मर्यादा. .. limit of conduct of preceptors etc who remain in a group ठा० ३, ४; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) स्थविरनी पदवी, वृद्धपण्डीनी भूमिका स्थविर की पदवी, वृद्धत्व की भूमिका the title of a Sthavira; the position of an old ascetic ठा० ३, २, —वेयावच्च. न० (-वेयावृत्त्य) स्थविरने आहार पाणी आदी आपीने सेवा कृती ते. आहार पानी-अन्न जल द्वारा स्थविरों का कीजाने वाली सेवा. the services done to a Sthavira such as fetching water, food, etc for him ओव०

थाण न० (स्थान) स्थान, ठेकाणु. स्थान; ठिकाना Place, resort विशेष० ५४७; थाणु पुं० (स्थानु) आणु ठुंठु वृज का ठूठ-सूखा हुआ भाग Stump. ओव० नि० १६६, नाया० १. विशेष० १६३;

थाम न० (स्थामन्) अक्षः सामर्थ्य. बल. शक्ति, सामर्थ्य. Power, strength पण्ह० २, ५ दस० ८, ३५; ओव० १७, मूय० १, ११, ३३, पञ्च० १५, २७. कप० २, ११६; (२) किया, अनुष्ठान. किया अनुष्ठान. work, performance गच्छा० २.

थामवन्त त्रि० (स्थामवन्त) अथवान् बलवान्. शशक्त Powerful उत्त० २, २;

थारुगिरिया स्त्री० (थारुकिनिका) थारु-दिन देशमा उत्पन्न थारुनी दासी थारुकिन देश में उत्पन्न दासी. A female servant born in the country of Thārukina नाया० १

थाल न० (स्थाल) पात्र विशेष; थाल. पात्र विशेष; थाल. A big dish. ज० प० ५, १२०; निर० ३, ३; आया० २, १, ११, ६२; भग० ११, ६; ११; पञ्च० ११; जीवा० ३, ३; थालश्च न० (स्थालक) लुओ "थाल" शब्द. देखो "थाल" शब्द. Vide 'थाल' सूच० २, २, ४४;

थालइ पु० (स्थालकिन्—स्थालमेव स्थालकं तदस्यास्तीति स्थालकी) थाल जेथु अभुक्त होम शोभनार तापत्र; तापत्रमेव ऐकं वग. थाल के समान पात्र विशेष रखने वाला तपस्वी; तपस्वी वर्ग विशेष A class of ascetics possessing a dish-like pot. ओच० ३८;

थालग पु० (स्थालक) लुओ "थाल" शब्द. देखो "थाल" शब्द. Vide 'थाल' राय० ३४, जीवा० ३, ३;

थालपाग. पु० (स्थालपाक) लुओ "थाल" भोजन; बड़ी रसोई. A big feast. जीवा० ३, ३;

थालपाण्य. न० (स्थालीपानक) दाहने उपस-भायनाइं कुआरती भाटीनुं पाणी. दाह को शान्त करने वाला कुम्हार की मिट्टीका पानी Water from the pot of a potter which allays burning. भग० १५, १,

थाली. स्त्री० (स्थाली) थाली; लाज्जन विशेष थाली; पात्र विशेष. A plate. ओच० ३८; भग० ७, १०; सू० प० २०; जीवा० ३, १;

थालीपाग. पु० (स्थालीपाक) थाली-तपेली वगेरेमा राधनु ते. थाली तपेली आदि में राधना पकाना. Cooking in a plate or bowl. ठा० ३, १, जं० प० २, २४;

थावच्चा. स्त्री० (स्थावत्या) ये नामनी ऐक गाथापत्नी-गृहिणी. इस नामकी एक गाथापत्ति गृहिणी. A merchant's wife of this name नाया० ५;—उत्त. पु० (—पुत्र)

थावच्चा गाथापत्नीना दीक्षे के जेणे ऐक दम्बर जगु साथे दीक्षा लीधी इती. थावच्चा गाथापत्ति का पुत्र जिसने एक महस मनुष्योंके साथ दीक्षा ली थी the son of a wealthy merchant's wife, who was initiated with a thousand men नाया० ५;

थावर. त्रि० (स्थावर) पृथ्वी आदि ओडेन्द्रिय छय; पृथ्वी, पाणी, अग्नि, वायु अने वन-स्पति ये पांच स्थावर. पृथ्वी आदि ऐक-न्द्रिय जीव. पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि व वनस्पति आदि पांच स्थावर One-sensed beings like the earth etc, the five Sthāvaras the earth, water, fire, wind and vegetation दस० ४; ६, १०; उत्त० ५, ८, ६, ६; ८, १०, २५, २६, भग० ७, १०; सु० च० ११, ३२; ज्ञ० २३; ठा० २, १. ओच० नि० ६८६; क० प० २, १०५; ६, १६; (२) स्थावरनाम-नामकर्मनी ऐक प्रकृति के जेना उदयथी छय स्थावरपणु पावे. स्थावर नाम-नामकर्म का एक प्रकृति जिस के उदय से जीव स्थावरता प्राप्त करता है a nature of Nāma Karma by the rise of which a being attains the state of a Sthāvara क० गं० १, २७; क० प० २, ६२, —काय. पु० (—काय) पृथ्वी आदि पांच स्थावर. पृथ्वी आदि पांच स्थावर. the 5 Sthāvaras—the earth etc. सूच० २, ७, ६, प्रव० ८२७;—चउ. न० (—चतुष्क) स्थावर-नाम, सूक्ष्मनाम अपर्याप्तनाम अने साधारणनाम ये नामकर्मनी चार प्रकृतियोंना समूह स्थावरनाम; सूक्ष्म नाम; अपर्याप्त नाम और साधारण नाम इन नामकर्म की चार प्रकृतियों का समूह. a group of

the four natures of NāmaKarma; viz. Sthāvara. Sūksma, Aparyāpta and Sādhārana Nāma क० गं २, ४; —चउक्क. न० (—चतुक्क) लुओ 'थावर-चउ' शब्द. देखो 'थावर-चउ' शब्द vide. 'थावर-चउ' क० गं १, २८; —जहन्न. त्रि० (—जघन्य) स्थावर-अकेन्द्रियते योग्य जघन्य स्थितिस्थानक the minimum duration of life fit for a Sthāvara one-sensed being. क० प० ७, २०; —जहन्नसंत. त्रि० (—जघन्यसत्) लुओ उपेला शब्द. देखा ऊपर का शब्द. vide above. क० प० ४, १४; —जीव पुं० (—जीव) पृथ्वी आदि पांच स्थावर ७५. पृथ्वी आदि पांच स्थावर जीव. the five Sthāvara beings viz the earth etc. क० प० १, ४४; —दस. न० (—दशक) स्थावर दशक. स्थावरनाम, सूक्ष्मनाम, साधारणनाम, अपर्याप्तनाम, अस्थिरनाम, अशुभनाम, दुर्भागनाम, दुस्वरनाम, अनादेयनाम, अने अजसोकीर्तिनाम ये दश प्रकृतियों सभूझ. स्थावर दशक; स्थावर नाम, सूक्ष्म नाम, साधारणनाम, अपर्याप्तनाम, अस्थिरनाम, अशुभनाम, दुर्भागनाम, दुस्वरनाम, अनादेयनाम, और अजसोकीर्तिनाम इन दश प्रकृतियोंका समूह. a group of the ten Karmic matters viz Sthāvara Nāma, Sūksma Nāma, Sādhārana Nāma, Aparyāpta Nāma, Asthira Nāma, Aśubha Nāma, Durbhaga Nāma, Duhsvara Nāma, Anādeya Nāma and Ajasokīrti Nāma क० गं ५, १७,

—दसग न० (—दशक) स्थावरनाम दशक, स्थावरनाम आदि नाम कर्मनी दश प्रकृति स्थावर दशक; स्थावरनाम आदि नामकर्म की दस प्रकृतियां. a group of ten Sthāvaras; the ten natures of Nāma-Karma viz. Sthāvara Nāma etc. क० गं ५, ६१; —विस न० (—विष) विष, जेरना ओझ भेद. विष; जहर विशेष. poison; venom. ठा० ६; थावरत्ता स्त्री० (स्थावरता) स्थावरपण. स्थावरता. The state of being a Sthāvara सू० २, ७, ६०; थासग पुं० (थासक) अरीसो दर्पण, कांच. A mirror. ओव० ३१; जं० प० नाया० १; (२) थोडानी पुं० तो अलङ्कार. घाडेकी पीठ का आभूषण an ornament for the back of a horse. अणुजो० १६; जं० प० थासया. स्त्री० (थासिक) आरसी, दर्पण. कांच, दर्पण A mirror. अणुज० ३, १; थाह न० (थाघ) अगाध नही किन्तु नासिका पर्यन्त जल. अगाध नहीं किन्तु, नासिका पर्यन्त गहरा जल Not very deep, only nose-deep water. विशेष० १३३६; पणह० २, २, नाया० ६; १४, १६; थिगल. न० (*) शरदऋतुना आकाशनेो पण्ड शरद ऋतुकें आकाश का भाग-खंड प्रदेश. A portion of the autumnal sky. जीवा० ३, ४, (२) थिगडे. टुकड़ा a patch दस० ५, १, १५; पण० १५; आया० २, १, ५, ३२; थिज न० (स्थैर्य) स्थिरता, धीरज. स्थिरता; धैर्य; धीरज Steadiness, courage. कण्ठ० ६, १६; थिवुग पुं० (चित्तवुग) पाण्डित्य परपोटा.

पानी का बुदबुदा. A bubble of water. जीवा० १; विशेष० ७०४; पत्र० १२; क० प० २, ७१; —विंदुसंस्थित. त्रि० (—विन्दु-संस्थित) पाण्डुना परपोटाने आधारे संस्थित यथेव अर्थात् अपकाय छवोना शरीरनुं संस्थान पाण्डुना पुण्डुदाने आधारे छे. पानी के बुदबुदे के रूप में स्थित अर्थात् अपकाय जीवों के शरीर का पानी के बुदबुदे के रूप संस्थान. formed in the shape of a bubble (the shape of the body of the lives of water is like that of a bubble).

भग० २४, २;

थिमिश्र-य. त्रि० (स्तिमित) लगथी रहित निर्भय; भयहीन; निडर. Fearless; dauntless नाया० १५; १६; जं० प० सू० प० १, आवा० ३८; राय० २, भग० १, १, उवा० १, ७; (२) निश्चल; स्थिर. निश्चल, अचल, स्थिर. Steady; motionless. परह० १, ४, राय० ८६; सूय० १, ३, ४, ११; सु० च० ३, ४१, (३) न० अंतगड सूत्रना १ ला वर्गना ५ भा अध्ययननुं नाम, के नेमा अधकवृष्णिना पुत्र पांगमा दशार्ह के ने नेमनाथ प्रभु पासे आर वरसनी प्रमन्यापात्री शत्रुंजय उपर ओक भासने स थारे करी मोक्ष गया. अंतगड सूत्र के १ ले वर्गक ४ थे अध्ययन का नाम जिसमें अन्धकवृष्णिके पुत्र ५ वें दशार्ह जिन्हो का नेमनाथ प्रभु से दक्षिण ले, बारह वर्ष की प्रव्रज्या पाल और शत्रुंजय पर १ मास का सयारा कर मोक्ष प्राप्त करने का उल्लेख है name of the fifth chapter of the 1st section of Antagāda Sūtra which deals with the fifth Daśārha the son of Andhaka Vṛiṣṇi who

being initiated by the Lord Nemanātha practised asceticism for twelve years and after practising Santhārā for a month on Satruñjaya mountain attained salvation. अंत० १, ४;

थिय. त्रि० (स्थित) रहेंद्र स्थित; कायम. Existing. विशेष० १०३५;

थिर. त्रि० (स्थिर) स्थिर रहेंद्रुं; निश्चल. निश्चल; अटग, अचल. Motionless; steady. क० प० १, ७२; ४, ३; प्रव० ११४७; कण० ३, ३४; पंचा० १०, १७; नाया० ८; भग० १, ६; ११, ११; १३, ४; १५, १; राय० ३२; उत्त० २६, २४; नंदी० ७, ओष० नि० ५८६; निसो० ५, ६७; १४, ७; विवा० जं० प० ७, १५३; (२) नाम कर्मनी ओक प्रकृति के नेना उद्यथी शरीरना अवयव भरतक दंत विगेरे स्थिर (दृढ) रही शके ते. नामकर्म की एक प्रकृति जिसका उदय में शरीरके अवयव दात अदि दृढ रह सकते हैं. a variety of Nāma Karma at whose rise the parts of body such as the head, teeth etc. remain strong. क० गं० १, २६; ५०; ५, ६१, पत्र० २३, —इतर. त्रि० (—इतर) अस्थिर अस्थिर; चचल unsteady. क० गं० ५, ७; —गह्वर त्रि० (—अग्रहस्त) नेना हाथने अग्रभाग स्थिर छे ते. जिस के हाथका अग्रभाग स्थिर है वह. (one) whose forearm is steady. जीवा० ३०; —चित्त त्रि० (—चित्त) स्थिर मनवाले स्थिर मनवाला. steady-minded. जीवा० ६; गच्छा० ६६, —छक्क. न० (—पट्क) स्थिर नाम, शुभनाम, शुभगनाम, सुस्वर नाम, आद्य नाम अने जसो-धीर्निनाम ओ नामकर्मनी ७ प्रकृति स्थिर-

नाम, शुभनाम, शुभगनाम, सुस्वरनाम, आदेय-
नाम और जसोकीर्ति नामक नाम-कर्म की छः
प्रकृतियां. the six varieties of
Nāma-Karma viz Sthiravāma,
Subhanāma, Subhaganāma,
Susvaranāma, Ādeyanāma,
and Jasokīrti. क० गं० १, २८, ५, ३०,

—जस. त्रि० (—यशस्) स्थिर-यशस्वायी
कीर्तिवालो. स्थिर कीर्ति वाला, अमर
यशवाला. of an eternal fame. सम०
७; ९; —जाय. त्रि० (—जात-स्थिरं
निर्विघ्नं जात उत्पन्नः स्थिरजातः) निर्विघ्न
पक्षे उत्पन्न थये. निर्विघ्नता पूर्वक उत्पन्न-
जन्माहुआ (one) born without any
obstacle. तंदु० —प. त्रि० (—आत्मन्)
स्थिर आत्मावालो स्थिर आत्मा वाला;
दृढात्मा. of a steady soul सु० च० ३,
१८५; —बंधण. न० (—बन्धन) गाढ़ बंधन
आधुं ते प्रगाढ़ बंधन से बांधना; गाढ़
बंधन tying fast. सम० ११; —संघ-
यण. पुं० (—सहनन) दृढ़ शक्ति; मज्जुत
आधो. दृढ़ शक्ति; सुदृढ़ बंधन strong
constitution. आया० २, ५, १, १४१,
भग० १५, १, दसा० ४, १६, २०, २१, २२,
—सत्त. त्रि० (—सत्त्व) निश्चल सत्त्व
वालो निश्चल सत्त्व शील. of a steady
virtue. ठा० ४, ३; ५, ३, —सम. त्रि०
(—सम) स्थिर नामनी भाङ्क स्थिर नाम
के समान. like a Sthira Nāma
कप्प० २, ६२;

थिरतरय. त्रि० (स्थिरतरक) अति स्थिर
अति स्थिर. Very steady. पंचा० ११,
१६,

थिरयर त्रि० (स्थिरतर) अति निश्चल.
अति निश्चल; प्रशान्त Very still,
calm पंचा० ११, १६,

थिरा स्त्री० (स्थिरा) स्थिरनिष्पन्न थये
वनस्पति; वनस्पतिनी ऐक्य अवस्था. स्थिर
निष्पन्न वनस्पति; वनस्पति की अवस्था विशेष.
A particular state of vegeta-
tion दस० ७, ३३;

थिराचालिया. स्त्री० (स्थिराचालिका) भुजपि
सर्पिणीनी ऐक्य प्रकार. भुजपरि सर्पिणी का
एक प्रकार. A variety of crawling
female animals. जीवा० २;

थिरीकरण न० (स्थिरीकरण) कष्टी-
दुःखी सीधाता धर्मिर्भोजनना शिथिल
अध्यवसायने हिलासो आपी स्थिर करना,
समझितना आह आचारमानो छोड़ो प्रकार
दुःख से पीड़ित धर्मात्मा पुरुष के शिथिल
अध्यवसाय को उत्साहित करके दृढ़
करना; ममकित के आठ आचारों में से छठा
आचार Making steady by en-
couraging a laxity in duty of a
religious person who is harassed
by pain प्रव० २७०; २६६; पञ्च०
१; उत्त० २८, ३१, (२) स्थिर करने, दृढ़
करने स्थिर करना; दृढ़ करना making
steady or firm पि० नि० ४४७, भग०
१५ १,

थिल्लि स्त्री० (:) छटनो पहनायु. ऊँट
की जीन. The saddle of a camel
ज० प० अणुजो० १३४; (२) हाथीनी
आयाडी. हाथी का हाँडा-अम्बारी. a seat
on an elephant सू० २, २, ६२,
जीवा० ३, ३; (३) यान विशेष. यान विशेष,
रथविशेष. a particular vehicle
भग० ५, ७, ११, ११, दमा० ६, ४, (६)
थोडानो ऐक्य उपकरण घोड़े का एक
उपकरण an accessory pertain-
ing to a horse. भग० ३, ४,

थिवथिवंत. त्रि० (स्तिवास्तिवन) थिव थिव

शब्द करतो. थिव थिव ध्वनि करता हुआ.
(One) making the sound "thiva
thiva" "थिवि थिवियं वभिच्छं" तदु-
विवा० ७;

थिहु. स्त्री० (स्तिभु)साधारण आदर जनस्पतिने
ओड़ भेद. साधारण वादर जनस्पति का
एक प्रकार. A kind of gross-vege-
tation having infinite souls.
भग० ७, ३, २३, २; उत्त० ३६. ६८; जीवा० १,
श्री स्त्री० (स्त्री) स्त्री, भार्या. स्त्री भार्या;
पतिन Wife प्रव० ६६२; कप्प० ४, ५२;
क० गं० १, २२; २, ४; गच्छा० ८३;
विशे० १३८४; भग० ६, ३०, —भोग.
पुं० (—भोग) स्त्री साथे विलास करवे। ते.
स्त्री के साथ भोग विलास करना. sexual
enjoyment with a woman प्रव०
४३८; —लक्षण. न० (—लक्षण) स्त्री-
भोगां प्रक्षालो-सारां नरसा यि-हे। क्रियों के
लक्षण बुरे भले चिन्ह. the character-
istics, marks of woman प्रव०
११५; —लिंग. न० (—लिंग) स्त्री भूति. स्त्री
जाति feminine gender प्रव० ४०८;
—वेद-य. पुं० (—वेद) स्त्री वेद स्त्री
वेद. feminine inclination क०
प० २, ११०; प्रव० १३, ७०६;

थीण. त्रि० (स्त्यान) ओड़कुं करेव एकत्रित;
इकठ्ठा किया हुआ. Gathered up. ठा०
६, १; (२) थीणद्धि निद्रा. नौंद में
चलना somnambulism. क० गं० २,
१७; २५; ५, ६; २, ४; —तिग न०
(—त्रिक) थीणद्धि त्रिक; निद्रानिद्रा,
प्रयत्नाप्रयत्ना अने थीणद्धिनिद्रा ओ त्रणु
प्रकृति. थीणद्धित्रिक, निद्रानिद्रा, प्रचलाप्रचला
और थीणद्धि निद्रा ये तीन प्रकृति. The
three varieties of somnambul-
ism viz Nidra, Prachalā-

prachalā and Thipaddhi
Nidra. क० गं० २, १७; २५; ३, ४;
२, ६९;

थीणगिद्धि. स्त्री० (स्त्यानगृद्धि) दर्शनावर-
णीय दुर्भर्नी ओड़ प्रकृति के जेना उदयथी
आसुसने वासुदेवुं अधुं अल आवता
प्रयत्न राग उदयनों उदय थाय छे ते थी
उधमां ने उधमा अलार आवी नर
धलानो संहार शही नाणे (निद्रानो
पांचभो भेद). दर्शनावरणीय कर्म की एक
प्रकृति जिसके उदयने मनुष्य को वासुदेव
का आधा बल प्राप्तहोते ही उसमें प्रबल राग
द्वेष का उदय होता है और अतएव नौंद
के नौंद ही में बाहर आकर कितने ही को
मार डालता है (पांचवें प्रकार की निद्रा).
Somnambulism; a nature of
faith-obscuring Karma at
whose rise a man gets half of
the strength of Vāsudeva and
when strong passions and
hatred appear he goes out in
an act of sleep and slays many
people; the fifth variety of
sleep क० प० ६, १३. उत्त० ३३, ५; ठा०
१, ६, विशेष० २३४; —तिग न० (—त्रिक)
लुओ "थीण-तिग" शब्द देखो "थीण-
तिग" शब्द vide. "थीण-तिग", क०
प० २, ६६;

थीणद्धि स्त्री० (स्त्यानद्धि) लुओ
'थीणगिद्धि' शब्द देखो 'थीणगिद्धि'
शब्द. Vide. 'थीणगिद्धि' प० २३;
सम० ६; ३१; अणुजो० १२७; क० गं०
१, १२; प्रव० १२६८;

थीपरिणामा. स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) स्त्री परिज्ञा
नामनु स्यगडांगेना ४ यु अध्ययन स्त्री
परिज्ञा नामक स्यगडांग का ४था अध्ययन.

The fourth chapter of Sūyagadāṅga named Striparijñā.

सम २३;

धीविलोयण. न० (धीविलोचन) दरेड भासना शुक्ल पक्षमां त्रीज अने दशमने दिवसे तथा छठ अने तेरसनी राते तेमज इण्ण पक्षमां भीज अने नेमने दिवसे तथा पांचम अने बारसनी राते आवतु ११ करणुमातुं येथु करणु. ग्यारह करणों मे से चौथा करण जो प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष में तृतीया तथा दशमी के दिन को शष्ठी और त्रयोदशी की रात्रि को व कृष्ण पक्ष में द्वितीया और नवमी तथा पंचमी व बारस की रात को आता है. The fourth Karana of the eleven which falls in the day on the third and tenth dates and at night on the sixth and thirteenth dates in the bright half of a month; similarly in the day on the second and ninth and at night on the fifth and thirteenth dates of the dark half of a month. ज० प० ७, १५३;

थुड. वी० (स्तुति) स्तुति-गुणगानु ते स्तुति; गुणगान; प्रशंसा. Panegyric; praise प्रव० ६६; पंचा० ३, २; ४, २३; ओघ०/नि० १३७; २७०; उत्त० २६, २; २६, ४२; —तिय. न० (—त्रिक) तथु थुर्ध; स्तुनि. तीन स्तुति; प्रार्थनात्रय. a group of three eulogies. प्रव० १७६; १७८, थुक्कार. पुं० (थूक्कार) थु थु करवु ते. धिक्कारवु ते. थूथू करना; धिक्कारना, थूकना saying; 'Fie'. राय०

थुक्कारजमाण त्रि० (थूक्कियमाण) थु थु शब्दधी तिरस्कार कराते थू थू शब्द द्वारा

तिरस्कार कराता (One) dishonoured by the words 'Thu Thu' नाया० १६;

थुड. पुं० (स्थुड) वनस्पतिनो रक्ष भाग. वनस्पति का स्कंध भाग. The stem of a tree or a branch ठा० १०;

थुण. न० (स्थुण) थांललो. यंभा, स्तंभ; खम्भ. A post; a pillar. निसी० १३, २; थुति. वी० (स्तुति) स्तववु ते; स्तुति करवी ते स्तुति; प्रार्थना. Praise, eulogy. पंचा० ८, ३२,

थुभ. पुं० (स्तूप) स्तूप, शिखर. स्तूप, शिखर. A Stūpa; summit. परह० १, १; थुभिया. वी० (स्तूपिका) शिखर. शिखर; कूट. Top. जीवा० ३, ४;

थुल्ल त्रि० (स्थूल) गडु; स्थूल. मोटा; स्थूल Thick; massive. पि० नि० ४१५; ७२६; ओघ० नि० ७२१; प्रव० ५२०;

✓थुव. धा० I (स्तु) स्तुति करवी. स्तुति करना To praise थुवति. भग० १५, १;

थुवन्त. क० वा० व० क० सु० च० २, ४८०; थूणा वी० (स्थूणा) थांलली. छोटा स्तंभ A small pillar पक्ष० १५; नाया० ३; विशेष० ३३४१; (२) ये नामनी पश्चिम दिशाभां ओड नगरी पश्चिम दिशा की एक नगरी. a city of this name in the west वेय० १, ६६; —मंडव. न० (—मंडप) तम्बू; थामली उपर करेन भांडवे. तम्बू; थंभों पर खडा किया हुआ मंडप. a tent, a canopy raised on posts नाया० ३;

थूप. पुं० (स्तूप) प्रेक्षाधरना मण्डपनी आगलनी भलिपीडिका उपर सोलज्जेननो लाणो पढोलेो अने सोलज्जेननो उयेो सईर रंगेनो अथेय स्तूप. प्रेक्षा घर के मंडप

के सामने वाली मणिपाठिका के ऊपर का सोलह योजन लम्बा, चौड़ा, सोलह योजन ऊँचा सफेद रंग वाला चैत्य स्तूप. a white coloured memorial Stūpa (mound) 16 Yojanas in length, breadth and height situated on the platform opposite the canopy of Prekṣāghara. राय० १५३; (२) अवयव समुदायरूप अवयवी. अवयव समुदायरूप अवयवी. a whole possessed of parts. सूय० १, १, १, ६; (३) कुचा पगेरेनुं तट-क्षोढो. कुओं आदिका किनारा. the edge of a well etc. विशेष० २०६४; (४) पगदां चरणचिह्न. memorial in the form of foot-marks. जीवा० ३, ३; आया० २, १, २, १२; (५) धुल-स्तम्भ स्तंभ. स्मारक स्तंभ a monumental post. विशेष० ६६८; (६) स्तूप-मृतकधर; येती न्याये आधेस देरी छतरडी स्तूप-मृतकधर; छत्रा. a memorial temple. भग० ५, ७; ८, ६; ६, ३३; १५, १; जं० प० (७) शिखर; ढगलो. शिखर; समूह; ढेर. a peak; a heap. पत्र० ११, ओघ० नि० ११९; जं० प० —मह. पुं० (-मह) स्तूपने भटोत्सव. स्तूप का महोत्सव. a festivity of a Stūpa. राय० २१७; आया० २, १, १, १२; —संस्थित. त्रि० (-संस्थित) स्तूपने आधारे रहेल. स्तूपाकार having the form of a Stūpa. भग० ८, २;

धूमकरंडग. न० (स्तूपकरण्डक) ऋषभपुरना भासेनु उद्यान अथभपुर के निकट का एक उद्यान. An orchard near Rishabhapura विवा० २;

धूमिआ-या. त्री० (स्तूपिका) अधु

शिखर. छोटा शिखर. A small peak. जं० प० सम० प० २१३; राय० १०; १५१; (२) प्रासाद उपरनी भूमिभय स्तूपिका (शिखर) प्रासाद ऊपरकी मणिमय स्तूपिका—शिखर. a turret studded with jewels on a palace. नाया० १; —(य)अग्न. पुं० (-अग्न) शिखरनी ध्वज. शिखरकी ध्वजा. a banner on a top. पत्र० २०;

धूमियाग. पुं० (स्तूपिका) शिखर. शिखर. Summit. पत्र० २;

धूल. त्रि० (स्थूल) स्थूल; लघु; भोदुं; पुष्ट. स्थूल; मोटा; जाड़ा. Thick; stout; gross क० गं० ५, ८७; १, ४६; प्रव० १०५४; भग० ७, २; ६; उच० १, १३; सूय० २, ६, ३७; ठा० ४, २; ओघ० नि० ४७४; दस० ४; ७, २२; आया० १, ५, २, १४६; —परिग्रह. पुं० (-परिग्रह) स्थूल, परिग्रह, धातु भाया-मिलकत अनन्त सम्पद्; प्रभूत-सम्पत्ति. vast riches. नाया० १३;

धूलश्च. त्रि० (स्थूलक) लुओ. “ धूल ” शब्द. देखो “ धूल ” शब्द. Vide. “ धूल ” भग० ८, ५; ठा० ४, २;

धूलक त्रि० (स्थूलक) लुओ. उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० १. १३;

धूलग. पुं० (स्थूलक) लुओ. “ धूलश्च ” शब्द. देखो “ धूलश्च ” Vide “ धूलश्च ” ओव० ३६; पंचा० १०, ८; १, ७; —प्राणाह्वय. पुं० (-प्राणातिपात) स्थूल हिंसा; त्रसजनों का हिंसा-प्राण हरण. the killing of mobile-beings. नाया० १३;

धूलभद्र. पुं० (स्थूलभद्र) आर्थ सम्भूत-

विजयता शिष्यनुं नाम. आर्य सम्भूत
विजयके शिष्य का नाम. Name of
the disciple of Ārya Sambhūta
Vijaya. नदी० सम० २४; कप्प० ८;
धूलयर. त्रि० (स्थूलतर) अति भेद्यु-
न्मदुं. अत्यधिक स्थूल-मोटा. Very.
thick. विशेष० ६६४;
धूममह. पुं० (स्तूपमह) लुओ " धूममह "
शब्द. देखो " धूममह " शब्द Vide
" धूममह " भग० ६, ३३;
थेग. पुं० (* स्तेक) थेग, कृद्धनी ओक जन
कद विशेष. A species of bulbous
roots. प्रव० २४०;
थेज्ज न० (स्थैर्य) धैर्य; स्थिरता. धैर्य,
स्थिरता, स्थैर्य. Courage; steadiness
"मणुजै मणामे थेजे " भग० २, १; ६,
३३, —करण न० (-करण) स्थिरता
भेधवनी ते दृढ करण; स्थिरता प्राप्त करना.
getting steadiness. पंचा० ८, ३३;
थेज्जत्थ. न० (स्थैर्यार्थ) स्थिरता भाटे
स्थिरता के लिये. For steadiness.
विशे० १४,
थेर. पुं० (स्थविर) १० अरसनी उभरना वध-
स्थविर गीस अरसनी दीक्षा वालो प्रवज्या-
थविर अने समवयांग, ठाण्णाग वगेरेना
गण्णुनार श्रुतस्थविर ओ तल्लु प्रकारे थिवर
(साधु). तीन प्रकार के स्थविर साधु-६०
वर्ष की आयु के वय थविर, बीस वर्ष की दीक्षा
वाला प्रवज्या-थविर तथा समवायांग, ठाण्णाग
आदि के ज्ञाता श्रुतस्थविर Ascetics of
three kinds viz. Vaya Sthavira
aged sixty years, Pravrajyā
Sthavira those of 20 years of
concecration and Śrūta Stha-
vira knowing Samavāyāṅga and
Thānāṅga etc प्रव० १०२, ४५७; ६३१,

नाया० १; २; ५; ८; १२, १४; भग० १, ६;
२, १; ४, ४; १८, २; ठा० ४, ३; ओव० १६;
वेय० ३, १६; वव० १; २२; २३; विशेष० ६;
५५०, निसी० १२, ३४; दसा० १, ३, पञ्च०
१६, आया० २, १, १०, ५६; (२) त्रि०
पुद्द-प्रैड. वृद्ध; प्रौढ; वृद्धा aged. गच्छा०
१२२; कप्प० ८; सम० ३०; उत्त० १६, १;
२७, १; आया० २, ७, २, १६२; २, ११,
१७०; नाया० १६; भग० २, ५; ५, ६; ८,
३; पिं० निं० भा० ४५; पिं० निं० ४८०; ५८०,
जीवा० १, सू० प० २०, सु० च० २, ४८०;
—आगमण न० (-आगमन) थिवर
साधुनुं आगमन-आवतुं थिवर साधु का
आगमन. the coming of a Thivara
ascetic नाया० १२; १५; —उचघाडि-
अ. पुं० (-उपघातिक) थिवर आचार्य
गुड वगेरेना दोष डाढी तेनी धात करनार;
असमाधित् छु स्थानक सेवतार थिवर
आचार्यके दोषोंको हूढकर उनका अपमान करने
वाला, असमाधि के छूटे स्थानक का सेवन
करने वाला. (one) who insults a
Thivara preceptor by exposing
his faults. दसा० १, ७, ८, सम० २०.
—कप्प पु० (-कल्प) १४ उपगण-
धारी साधुओंकी व्यवहार मर्यादा. १४ उप-
करणवारी साधुओं की व्यवहार मर्यादा. the
limit of conduct of the asce-
tics who can keep fourteen
articles with them. भग० २५, ६,
७, प्रव० ५०६, —कप्पठिड्. बी०
(-कल्पस्थिति) गच्छप्रतिपद आचार्या-
दिना इष्टपत्ती स्थिति व्यवहार मर्यादा.
गच्छप्रतिपद आचार्यादि के कल्प की
स्थिति-व्यवहार मर्यादा. the limit of
conduct of preceptors etc. of
an order of monks वेय० ६, २०,

—कप्पिय पुं० (-कल्पिक) स्थविर
 ४८५वाला (साधु); गच्छना प्रतिबंधवाला
 साधु स्थविर कल्प वाले साधु; गच्छ प्रतिबंध
 वाले साधु. monks belonging to
 a certain order; an ascetic
 under a restraint of an order
 वव० ५, २१; —भूमि स्त्री० (-भूमि) स्थविर
 पदवीनी योग्यता स्थविर पद की योग्यता.
 fitness for the title of a Stha-
 vira वव० ५, १७; १०, १६; —भूमिपत्त.
 पुं० (-भूमिप्राप्त) स्थवर भूमिने प्राप्त
 थयेल स्थवर भूमि को प्राप्त साधु. (one)
 who has reached the position
 of a Sthavira. वव० ८, ५; —वेया-
 चच्च. न० (-वेयाचच्च) वृद्धांनी सेवा करती
 ते वृद्ध जनों की सेवा, गुरुजन सेवा कार्य
 service done to the aged. भग०
 २५, ७; वव० १; २; ७; ठा० ५, १;
 थेरअ. पुं० (स्थविरक) लुओ "थेर" शब्द
 देखो "थेर" शब्द. Vide "थेर" सूय०
 १, ३, २, २,
 थेरग. पुं० (स्थविर) लुओ "थेर" शब्द.
 देखो "थेर" शब्द. Vide "थेर" निसी०
 १४, ६, भग० ७, ६; सूय० १, ७, १०;
 थेरत्ता. स्त्री० (स्थविरता) स्थविरपणुं
 स्थविरत्व Agedness. वव० ३, ७;
 थेरावली. स्त्री० (स्थविरावली) स्थविर
 साधुओंकी परिपाटी, ओझ पक्षी ओझनुं
 अनुक्रमे वर्णन स्थविर साधुओं की परिपाटी;
 एक के बाद दूसरे का क्रमपूर्वक वर्णन. The
 genealogy of Sthavira asce-
 tics, a serial description. नंदी०
 कप० ८,
 थेरिया स्त्री० (-स्थविरा) स्थविर साध्वी
 स्थविर माध्वी A female Sthavira
 निमी० १४, ६,

थेरी. स्त्री० (स्थविरा) वृद्ध स्त्री. वृद्ध स्त्री
 An old lady. पि० नि० ४१८;
 थेच त्रि० (*) थोडुं; २५६५ थोडा; स्वल्प;
 कम. A little प्रव० २१७; —काल.
 पुं० (-काल) थोडा वषत. थोडा समय;
 अल्पसमय a little time. प्रव० २१५;
 थोअ. त्रि० (स्तोक) थोडुं. थोडा; अल्प;
 कम. A little. विशेष० १४७३; —उणय.
 त्रि० (-ऊनक) थोडुं ओअधुं. थोडा कम;
 कुछकम. a little less विशेष० ६६६;
 थोग. त्रि० (स्तोक) थोडुं. थोडा; अल्प.
 A little. "चिरसमत्ता मिच्छत्तगयस्सु
 न्वलणयोगोसिं" क० प० २, १००;
 थोत्त न० (स्तोत्र) तीर्थंकर आदिनी स्तुति-
 रूप स्तोत्र तीर्थंकर आदि की स्तुति रूप
 स्तोत्र. A hymn of panegyric
 of a Tirthankara प्र० १७६; पंचा०
 ४, ३; २३; —गुरुई. स्त्री० (-गुर्वी)
 स्तोत्राथी भोटी. स्तोत्र के कारण गुरु-
 सम्मान वाली; स्तोत्र गुर्वी. great on
 account of hymns. पंचा० ४, ३;
 थोयव्व त्रि० (स्तोतव्य) पूजनीय-मान्य.
 पूज्य; वन्द्य; मान्य. Venerable; res-
 pectable. पंचा० ६, २४; प्रव० ८४;
 थोच. त्रि० (स्तोक) थोडुं. थोडा; स्वल्प. A
 little. "थोवमासा यण्हाण" दस० ५,
 १, ७८; ८, २६; नाया० ८, ११; भग० १,
 १; ३. २; ५, १; ७; ६, ७; १६, ११; २५,
 २५, १; ४; ठा० २, ४; ३३, ४, पि० नि०
 २०६; २७०, ५६८; विशेष० २५५; १३०६;
 उत्त० १०, २, ३२, १००; सू० प० ८; तंदु०
 जं० प० सूय० २, ६, ५३; जीवा० १, ३, ४;
 आया० १, २, ४, ८५; अणुजो० ११५;
 १३८; सु० च० १, ३१७; क० प० १, ४६;
 ४६; ६६; २, ७०; १०६; ५, २०; पंचा०
 ५, १२; १०, ३०; क० गं० ४, ४१; ५, ७६;

प्रव० १२००; (२) कालनुं ओक अतनुं
 प्रमाण. काल का प्रमाण विशेष. a mea-
 sure of time. कप्प० ५, ११३; १२३;
 —(वू) ऊण. त्रि० (-ऊन) थोडुं ओछुं.
 कुछ कम. a little less. जं० प० १, २१;
 भग० २५, ५; —(वू) ऊणग. त्रि०
 (-ऊनक) लुओ ओपलो शब्द. देखो ऊपर
 का शब्द. vide above. भग० २५, ५;
 —द्धि. व्री० (-अद्धि) थोडी नद्धि. अल्प
 ऋद्धि; थोड़ी समृद्धि. a little power,
 prosperity. नाया० ११; —निसेग पु०
 (-निपेक) थोडा कर्मना दक्षिया नाभया
 ते अल्प कार्मिक अणुओं का क्षय करना
 removing atoms of Karma in

small numbers. क० प० ६, २८;

थोवञ्ज. पुं० (स्तोकक) यातक पक्षी चातक पक्षी.
 The Chātaka bird; flamingo.
 नाया० १;

थोवँथोवँ. अ० (स्तोकस्तोक) थोडुं थोडुं. थोडा
 थोडा. Little by little. ठा० ४, ३;

थोवतम. त्रि० (स्तोकतम) थोडाभां थोडुं
 ओछे में ओछा; थोड़े में थोडा. Least,
 क० प० १, ७;

थोवतर त्रि० (स्तोकतर) अति थोडुं. बहुत
 कम; अल्प. Very little. विरो० १२०५;

थाहूरा. स्त्री० (थोहरी) थोरुं जाड. थूहर
 का वृक्ष. Thūara plant. प्रव० २३६,

द.

दअ न० (दक) पाणी. पानी; जल. Water.
 वेय० ५, १२;

दह. व्री० (दति) मशक; याभजानी डायली.
 चमडेकी थैली, मशक. A leather bag.
 पि० नि० भा० ४१,

दइय. पुं० (दयित) प्रिय; वल्लो; वल्लल;
 पति पति; प्यारा; दुलारा; वल्लभ. Dear,
 beloved. नंदी० ३७, उत्त० १६, २;
 नाया० ६; १६; कप्प० ३, ३८; —वज्जिअ.
 त्रि० (-वर्जित) पतिवर्जित; प्रियवर्जित.
 प्रियविहीन; पतिविहीन; पतिद्वारा छोड़ी हुई.
 forsaken by a beloved or
 husband. कप्प० ३, ३८;

दइया-आ. व्री० (दयिता) प्रिया; वल्लभा;
 स्त्री. प्रिया; प्राणवल्लभा; भार्या A be-
 loved; sweetheart. सु० च० १, ४०;

दइया-आ. व्री० (दयिका) याभजानी मशक
 चमडे की मशक. A leather water-
 bag. अणुजो० १३२;

दइवत. न० (दैवत) दैव; नशील; पूर्वकृत-
 पूर्वे करेखां कर्म. दैव; नसीब; पूर्व कृत कर्म.
 Fate; destiny; actions done in
 the former life. परह० १, २;

दइवय. न० (दैवत) लुओ ओपलो शब्द देखो
 ऊपर का शब्द. Vide above परह०
 १, २; —णभाव पुं० (-प्रभाव) नशी-
 लनु-पूर्वकृत कर्मनुं सामर्थ्य—प्रभाव.
 दैव सामर्थ्य; भाग्य प्रभाव; पूर्वकृत कर्मों का
 प्रभाव. prowess, influence of fate.
 परह० १, २;

दओदर. न० (दकोदर) ओलोदर; ओक जतनो
 पेटनो रोग. जालंधर; जलोदर; एक प्रकार
 का उदर रोग. A kind of disease
 relating to stomach; dropsy.
 नाया० १;

दओभास. पुं० (दकावभास) लयलु समु-
 द्रमां दक्षिण दिशे भेतालीस हज्जर ओहन
 उपर आवेख वेख धर देवतानो निवास पर्वत.

लवण समुद्र की दक्षिण दिशा में चयांलीस हजार योजन के ऊपर आया हुआ वेलंधर देवता का निवास पर्वत The dwelling mountain of the Velandhara gods situated in the Lavana ocean at a distance of 42,000 Yojanas to the south. ठा० ४, २; जीवा० ३, ४;

दंड. पुं० (दण्ड--दण्ड्यन्ते व्यापाद्यन्ते प्राणिनो येन स दण्डः) ऐधी आत्मा दंडाय तेरी मन यत्न अने शायनी प्रवृत्ति करवी ते, हिंसा. आत्मदमन प्रवृत्ति; मन, वचन व काया की ऐसी प्रवृत्ति जिसमें आत्मा दंडित (कलुषित) हो. The sinful activity of the mind, speech and body which blackens the soul. " एगे दंडे. सम० १, उत्त० ५, ८; ३१, ३, आया० १, १, ३, ३४, सूय० १, १३, २३; ठा० ६; उवा० १, ६३; भग० ७, २; १७, २, दम० ४, जीवा० ३, १; भक्त० २७; (२) आर हात परिमित ओ३ माप. चार हात का एक माप a unit of measure equal to four arms in length. जं० प० ५, ११२; मम० ४, अणुजो० १३३; भग० ६, ७, (३) दंड-लाट्टीना आकारे डेवलसमुद्घात पधते आत्माना प्रदेश विस्तारवा ते केवल समुद्रात के समय लकड़ी के रूख में आत्म प्रदेश का विस्तार. expanding of the molecules of the soul in the shape of a stick at the time of acquiring perfect knowledge ' पढे समये दंड करेइ ' पन० ३६; नाया० १; राय० २८, भग० २१, ४; (४) अप्पा प्रभाणे उथी लाट्टी; दंडाना पाय प्रकारमाने ओ३ खं भावत् ऊंची लकड़ी; पांच प्रकार के दंडों में

से एक. a pillar-like long stick; one of the five kinds of sticks. ओघ० नि० ७३०; प्रव० ६७६; (५) पाथी गरम इरतां पाथीमां उडासे आवे ते. गरम पानी का उबलना; उबलते पानी में बुदबुदों का आना. bubbles in the boiling water. पि० नि० भा० १८; (६) दंड; सामान्य लाट्टी दंड, मामान्य लकड़ी; उंडा. a stick; a club. ओव० ३१; आया० १, ७, १, २०१; मम० ८; उत्त० १२, १८; सूय० १, ३, १, १६; अणुजो० १३१, नाया० १; भग० २, १०; ३, १; ५, ४; ८, १०; दसा० ६, ५, ६, ७; वव० ८, ४; दम० ६, २, ४; राय० २३; २५४; पि० नि० २५३; पंचा० १, ३४; १८, १६; (७) सन्यासीनुं ओ३ उपकरण. a stick used by an ascetic नाया० १६; (८) शिला, सज्ज; राज नीतिना सामादि चार प्रकारमाने नीले प्रकार. शिला, दंड, सजा; राज नीति के सामादि चार प्रकारों में से तीसरा प्रकार the third of the four ways of politics viz Dandā; punishment. ठा० ३, ३; उत्त० ३०, ३७; आया० १, २, २, ७५; १, ४, १, १२६; राय० २०६; नाया० १; ८, १४, पंचा० १, २३; (९) दंड रत्न, चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक a jewel in the form of a stick, one of the 14 jewels of a Chakravartī. प्रव० १२२८, (१०) मूल पाठ; शब्द संदर्भ मूल पाठ; शब्द संदर्भ. an original reading; a composition. प्रव० ७८; —खंडनिवसण न० (-खण्डनिवसन) जुना अथवा थोड़ा दीपल पत्र पुराना

या पैबन्द लगाया हुआ वस्त्र. old or patched garment. नाया० १६: —गुरुय पु० (-गुरुक—दण्डेण गुरुको दण्डगुरुक) भोटा ६३ वाले। बडे दंड-लकडी या बाहु दंड वाला (one) with a club or muscular arms दमा० ६, १;—खायग. पु० (-नायक) गामनु रक्षायु करनार; डोटवाल ग्राम रक्तक; कोट-वाल. the head of the police, who guards a city नाया० १; परह० १, २,—णीइ छी० (-नीति—दण्डनं दण्ड परिधीनामनुशासनं तत्र तस्य वा स एव वा नीतिर्नयो दण्डनीतिः) ६५३ करनार; शिक्षा करनी ते, राज्या नीतिनो अेक प्रकार. दण्ड देना; सजा देना; एक राज नैतिक अंग a variety of politics, the law of punishing the culprits ठा० ७, ६;—तय. न० (-त्रय) मन वचन अने कथानो कुप्यापार मन, वचन व कायाका कुव्यापार, बुरी विचारणा an evil activity of the mind, speech and body प्रव० ५६२,—दारु. पु० (-दारु) काष्ठमय ६३, अस्त्रआरीनु अेक उपकरण काष्ठ दण्ड; ब्रह्मचारी का उपकरण. a wooden staff; an object owned by a celibate. भग० ११, ६; —धारि त्रि० (-धारिन्) ६५३ धारयु करनार दण्डधारी a club bearer ओघ० ६४४,—नायग. पु० (-नायक) लुओ। “ दंडणायग ” श० ६ देखो “ दंडणायग ” शब्द. vide “ दंड-णायग ” नाया० १, भग० ११, ६; राय० २५३; ओव० कण्ठ० ४, ६२; —नीइ छी० (-नीति) लुओ। “ दंडणीइ ” श० ६ देखो “ दंडणीइ ” शब्द. vide “ दंडणीइ ” ज० प० २, २६, प्रव० १२४०; —नीति

छी० (-नीति) लुओ। “ दंडणीइ ” श० ६ देखो “ दंडणीइ ” शब्द vide “ दंड-णीइ ” राय० २६६; —पह. पु० (-पथ) गायवगेरे पशुओने अरवा जवानो मार्ग; डेरी गोपथ भूमि; गौ आदि के चरने को जाने का मार्ग the way for the cattle to go to graze “ अथे व से दंडपह गहाय, अविश्रोसिण घासन्ति पावकम्मी ” सूय० १, १३, ५. —पासि पु० (-पार्श्विन्—दण्डस्य पार्श्व दण्डपार्श्वं तद्विद्यते यस्याऽसौ दण्डपार्श्वी) थोडा अपराधने भाटे भारे शिक्षा करनार थोडे से अपराध के लिये भारी दंड देने वाला. (one) who levies heavy punishment for a light offence सूय० २, २, १८; दमा० ६, १; ४; —पुंछु-णय न० (-पुच्छनक) दांडवाली सावर्णी। मूठवाली—फाड़ a broom having a handle. ज० प० —पुर-कड. त्रि० (-पुरस्कृत) ६३ आगल क्यो छे जेले दंड धारी जिसने दंड को आगे बढा कर रखा हो (one) who has projected a rod दसा० ६, १, ४; —रखिय पु० (-रक्षि) ६३थी रक्षायु करनार, डोटवाल. दंड से बचाने वाला, कोतवाल the head of the police; the upholder of punishment निसी० ६, २५, —रयण. न० (-रत्न) चक्रवर्तीनु ६३रत्न, आदरत्न मानु अेक. चक्रवर्ती का दण्डरत्न, चौदहरत्नों में से एक the Danda Ratna (a gem in the form of rod) of a Chakravarti; one of the 14 gems of a Chakravarti. पत्र० २०, ठा० ७, १;—ह-इ छी० (-रुचि) ६५३—हि सानी रुचि दंड-हिंसाकी रुचि—प्रवृत्ति. a liking for caus-

ing injury. पण्ह० १, ३; —लक्षणा. न० (—लक्षण) ६३ गुं २५२५. दण्डका लक्षण; स्वरूप. the nature of sin. जं० प० २; नाया० १; मम०—समादाण न० (—समादान) पापनु ग्रहणु करुं ते पाप को स्वीकारना; पाप ग्रहण करना. confession; accepting of sins. सू० २, २, ३; —समायाण न० (—समादान) जुओ उपायो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above. जीवा० ३,

दंडदंडेण. अ० (दण्डदंडेण) ६३ उपाय ६३. दंड पर दंड; सजा पर सजा; बार२ दंड Punishment followed by other punishment. राय० २६७;

दंडक. पुं० (दण्डक) पिंछीनो डांडो. बिच्छू का डंक The sting of a scorpion. पण्ह० १, १; (२) नारकी आदि ओवीस ६३३. नारकी आदि चौबीस दंडक the 24 Dandakas viz. Nārki etc. भग० १, ७, ६, ४; ८, १०; २४, १; (३) लाकडी, दांडो. लकड़ी, डंडा, लाठी. a stick; a rod. पिं० नि० भा० ४६; अघ० नि० ४६, ६८, दस० ४; सू० २, १, ४८; दमा० ६, ४, (४) कथन, वर्णन. कथन, वर्णन. narration; description. पञ्च० ६, (५) नमोत्थुणु आदि पाठ नमोत्थुणु आदि पाठ extracts from scriptures e. g. Namothunam etc पंचा० ३, २; प्रव० ६२; —पण्णन० (—पण्चक) पांच प्रकारना दांडा-लाकडी. पाच प्रकार के दंडे-लकड़ी. five sorts of sticks or rods प्रव० ६७६;

दंडण न० (दण्डन) ६३, सण्ण दंड, सजा. शिक्षा. Punishment. सू० २, २, ८२; नाया० ३, १६;

दंडणया स्त्री० (: दण्डन) ६३ तु ते. दंड देना,

दण्डित करना Punishing; incurring sin etc. विशेष० १८७६;

दंडभी. त्रि० (दण्डभी—दण्ड जीवकर्मममा-रम्भं मृषावादाऽऽदिकं, तन्मादिभेदीति दण्डभीः ६७३ श्री पाप अप्रवृत्ति श्री पीनार. दंड या पापप्रवृत्ति से डरने वाला; पापभीरु. (One) afraid of committing sin. आया० १, ८, १, २०१;

दंडय-अ. पुं० (दण्डक) जुओ "दंडग" शब्द देखो "दंडग" शब्द. Vide. "दंडग" भग० ६, ८; ७, २; ८, ६; १८, ३; २२, २; पञ्च० १४; निर्गी० १८, १६; प्रव० १६; दंडवीरिअ. पुं० (दण्डवीर्य) भरतनी गद्दीओ आवेल कीर्तिवीर्य पद्मी तेनो पुत्र. कीर्तिवीर्य के बाट भरत की गद्दी का उत्तराधिकारी उसका पुत्र. A son of Kirtivīrya, the heir to the throne of Bhurata after Kirtivīrya ठा० ८, १;

दंडायइय. त्रि० (दण्डायतिक—दण्डस्थेवाऽऽयतिर्दण्डत्वात् पादप्रसारणेन यस्यास्ति स दण्डाऽऽयतिक) ६३ नी भाक ५५ लाणा-करी भेसनार. दण्डवत् पैरों को लंबे कर के बैठने वाला (One) sitting with feet stretched like a stick. ठा० ४, १; पण्ह० २, १; दसा० ७, ६; ओव०

दंडायय. न० (दण्डायत) ६३-लाकडीनी पेड़े शरीरने लाणुं करुं ते; दंडासन; आसनो ओक प्रकार. दंडवत्-लकड़ी की भांति शरीर को लम्बा करना; दण्डासन, आमन विशेष. Stretching the body like a stick, Dandāsana; a kind of bodily posture प्रव० ४६०; दंडासणिय. त्रि० (दण्डासनिक) दंडासने भेसनार. दण्डासन से बैठने वाला. (One)

who sits in a particular posture called Dandāsana वेय० ५, २७;

दंडि त्रि० (दण्डिन्) दंड धारण करने वाला; दंडधारी; दण्डो; दंड धारण करने वाला; संन्यासी. (One) holding or possessing a staff or stick अणुजो० १३१; विवा० ७, जं० प० ३, ६७, सु० च० २, ६४३, प्रव० १४७५;

दंडिआ स्त्री० (दण्डिका) उड़ीसा, नानी लाइडी. छोटी लकड़ी, बेल, छड़ी A cane; a small stick. जं० प०

दंडिखंड पुं० (दंडिखण्ड) दोराथी सीपेल वस्त्र; थिगाई दीपेल वस्त्र धागे से सिला हुआ वस्त्र, पैबन्द लगाया हुआ वस्त्र A cloth sewn with a thread; a patched cloth नाया० १६,

दंडिणी. स्त्री० (दंडिनी) ये नामनी ओक राजनी ये स्त्रीयो इस नामकी एक राजा की दो बियां Two wives of a certain king of this name. पिं० नि० ५००;

दंडिय पु० (दंडिक) विरोधी राजा. An opposing king ओघ० नि० भा० ११७;

दंत. न० (दन्त्य) सुभडीनी ओक अत, शुभीन जेवो भावतो ओक पदार्थ मिठाई, खाद्य पदार्थ विशेष A kind of sweetmeat; a kind of eatable. प्रव० २१०; पचा० ५, २६.

दंत. पुं० (दन्त) दात दात, दन्त. A tooth नाया० १, ४, ८; ६, पिं० नि० भा० ५०; आया० १, १, २, १६, १, १, ६, ५३; २, ६, १, १४२; ओव० १०, सूय० २, २, ६, अणुजो० १६, १३१; जीवा० ३, ३; राय० ५४, १६४, दसा० ५, २६; निसी० ३ ५०, ५, ३६; दस० ३, ३; भग० ३, ७;

उवा० २, १०१; कप्प० ३, ३४, प्रव० ४३६; क० गं० १, ५०; —अंतर. न० (—अन्तर) ओ दांत वयेतुं आंतरं. दो दांतोके बीच का अन्तर. space between two teeth. भत्त० १०२: —(तु) उट्ट. त्रि० (—ओष्ठ) दांत अने ठोड. दांत और ओष्ठ the teeth and lips. ठा० ७; —पक्खालण. न० (—प्रचालन) दांतुं करवु, दांत साध करवा ते. दतौन करना; दात साफ करना, दतशुद्धि. rubbing and cleaning of the teeth सूय० १, ४, २, ११, आया० १, ६, ४, २, —पाय न० (—पात्र) दातनु अनापेल पात्र दात का बना हुआ पात्र; दंतपात्र a vessel prepared of ivory. आया० २, ६, १, १५२, —पहोयण. न० (—प्रघवन) दांतने आंगली आदिथी साध करवा ते अंगुली आदिसे दातोंको साफ करना rubbing of the teeth with a finger etc दस० ३, ३; —मल. न० (—मल) दांतने मेल. दात का मेल. the dirt of the teeth निसी० ३, ५६, —मालिया. स्त्री० (—मालिका) दांतनी माला दंतपंक्ति; दांत की माला a row or line of the teeth निसी० ७, १, —वेयणा स्त्री० (—वेदना) दातनी वेदना—पीडा दंतपीडा; दात का दर्द. tooth ache जीवा० ३, ४, —सेढी. स्त्री० (—श्रेणी) दातनी श्रेणी—छार. दन्त-श्रेणी, दांतों की पंक्ति a row of the teeth. ज० प० भग० १६, ४, ओव० —सेणी. स्त्री० (—श्रेणी) दांतनी श्रेणी; दांतनी पंक्ति. दात की श्रेणी, दंत-पंक्ति. a row of the teeth. जं० प०

दंतसोहण. न० (दन्तशोधन) दांत ओत-रणी, दन्तशोधक, दांत खतरनी. An instrument to clean the teeth दस०

६, १४; उक्त० १६, २८; (२) त्रि० धृष्टिय दमन
 करेल, संयमी, दमी; हृष्टिय दमन किया हुआ.
 (one) who has controlled
 the senses. उक्त० १, १२; २, २७;
 ११, ४; श्रोत्र० नि० भा० ४६, ८६, नाया०
 १; १४; भग० २, १; २२, ७; दस० १,
 ५, ३, १३; ६, ३; ८, २६; ९, ४, २; ३;
 सूय० २, ६, ५; श्रोत्र० १६; आया० १,
 ६, ४, १६३; गच्छा० ५३, प्रव० ६४७;
 कण्ठ० ३, ३६, —(ति)हृष्टिय. त्रि०
 (—हृष्टिय) धृष्टिय दमन करना; जिते-
 न्द्रिय. दमी, संयमी; जितेन्द्रिय. (one)
 who controls or checks the
 senses; (one) who has con-
 quered the senses. पंचा० १७, ५२;
 दंतकट्ट न० (दंतकाष्ठ) दांतयु. दर्तान; दंत
 काष्ठ. A wooden stick for rub-
 bing the teeth. दसा० ६, ४;
 दंतकम्म. न० (दन्तकर्मन्) दांतनी कारी-
 गरी. दांत का काम: हाथी दात का काम.
 Ivory work. निरी० १०, २०; आया०
 २, १२; १७१;
 दंतकार. पुं० (दन्तकार) दांतनी कारीगर-
 दातचिकित्सक; दांत का इलाज करने वाला;
 दात बनाने वाला-कारिगर. Dentist;
 a worker in ivory. अणुजो० १३१;
 दंतनिचाय. पुं० (दन्तनिपात) दांतों में दांत-
 दात करने के, कामयेशानो ओक प्रकार.
 ओष्ठ में दांत दब करना; कामचेष्टा विशेष.
 Pressing the teeth on the
 lips; a sort of sexual sport.
 प्रव० १०७६;
 दंतमणि पुं० (दन्तमणि) हाथी आदिना
 दांतमाथी निकलतो मणी. हाथी आदि के
 दात में से निकलने वाला मणी. A pre-
 cious stone or jewel extracted

from the tusks of an elephant
 etc. पण्ड० २, ५;

दंतमाल. पुं० (दन्तमाल) वृक्षविशेष. वृक्ष
 विशेष. A kind of tree. जीवा० ३,
 ३; जं० प० २;

दंतवक्त्र. पुं० (दान्तवाक्य) चक्रवर्ती; जेना
 वचनमात्रभी शत्रु दान्त-दमन थाय छे ते.
 चक्रवर्ता; जिन की मात्र आज्ञा के
 कारणही शत्रु कीका पड़ जाता छे. A
 Chakravarti; (one) by whose
 words alone an enemy is over-
 powered. तय० १, ६, २२;

दंतवण न० (दन्तपावन—दन्ताः पूयन्ते
 पवित्रीक्रियन्ते येन काष्ठमण्डेन तद् दन्त-
 पावनम्) दांतयु दर्तान; दर्तान की लकड़ी.
 A wooden stick for rubbing
 the teeth- उवा० १, २३; श्रोत्र० नि०
 ४६६; दस० ३, ६; पंचा० ५, ३०; १०,
 २४; प्रव० २११; —विहि. स्त्री० (—विधि)
 दांतयु करनेवाली विधि दांत धावन विधि;
 दात धोने की रीति. act of rubbing
 the teeth उवा० १, २३;

दंतवाणिज्य. पुं० (दन्तवाणिज्य) दांतनी
 व्यापार करनेवा ते; सातवा उपभोग परि.
 भोग प्रतनी अतिथार. दांत का व्यापार;
 सातवें उपभोग परिभोग प्रत का अतिथार.
 Ivory trade; a kind of sin due
 to lapse in the seventh vow
 called Upabhoga Paribhoga.
 भग० ८, ५; प्रव० २६७,

दंतार. पुं० (*दन्तकार) दांत दातरनार कारी-
 गर. दांत खुतरने वाला कारिगर. (One)
 skilled in scraping the teeth
 or ivory पण्ड १;

दंताली. स्त्री० (दन्ताली) दास पराल वगेरे
 ओकडुं करवानुं ओक लाकड़नु लुथीयार;

दंतावी, दरांती; घास आदि इकट्ठा करने का एक लकड़ी का हथियार. A wooden implement to collect hay or dried grass etc.; a hackle. क० गं १, ३६;

दंति. पुं० (दन्तिन्) हाथी. हाथी; गज. An elephant. जं० प०

दंतिया. स्त्री० (दन्तिका) ये नामनुं' एक शुद्ध जलितुं पृक्ष. एक गुल्म जाति का वृक्ष विशेष. A kind of a plant of this name. पञ्च० १;

दंती स्त्री० (दन्ती) ये नामनी' एक वन-स्पति; उदुम्बर. एक वनस्पति विशेष, उदुम्बर. A kind of vegetation of this name; Udumbara tree. भग० २३, ३; पञ्च० १;

दंतुक्खलिय त्रि० (दन्तोक्खलित) क्षुध्यानां तापसना' एक वर्ग. फलाहारी तपस्वियों का एक वर्ग. A class of ascetics who live on fruits ओव० ३८; भग० ११, ६; निर० ३, ३;

दंद्. न० (द्वन्द्व) राग द्वेष आदि अथे वस्तुनी' के दो राग द्वेषादि दो दो वस्तुओं की जोड़ी, A pair (of anger and hatred etc) चउ० २८; (२) द्वन्द्व नामे समास, समासना' एक प्रकार. द्वन्द्व नामक समास विशेष, a compound of this name " सेकितं दंदे " अणुजो० १३१;

दंभ. पुं० (दम्भ) डाल; भोटे आडंबर. डोंग; मिथ्या आडम्बर. Vanity; false show. सम० ५२;

दंभण. न० (दम्भन) डाल; डाम, गरम पदार्थ से दाग देना. Branding with a hot thing; scalding. विवा० ६;

✓दंस. धा० I, II. (दशन्धिच्) दर्शावतुं; अतावतु दिखलाना; दर्शाना; बतलाना. To

show

दंसेद्. भग० १६, ६;

दसंति सु० च० २, ११२;

दंसण. वि० सूय० १, २, २, १७;

दंसिजा भक्त० ३७;

दंस पुं० (दर्शन) दर्शन; सम्बन्ध. दर्शन; सम्बन्ध Conation; faith. विशेष १२८४; (२) सामान्य बोध. साधारण ज्ञान, सामान्य बोध. ordinary knowledge or understanding क० गं० ४, ५१; —तिग न० (—त्रिक) यक्षुदर्शन अयक्षुदर्शन अने अवधि दर्शन ये त्रय दर्शन चतु, अचतु व अवधि नामक त्रिविध दर्शन. three Darśanas (conations) viz Chaksu Darśana, Achaksu Darśana and Avadhi Darśana. क० गं० ४, ५१,

दंस पुं० (दंस) डास. डास. A mosquito; a gadfly आया० १, ६, ३, १८५; २, २, ३, ११०; उत्त० १, १०; १६, ४; सूय० १, ३, १, १२; ओव० ३८; ३६ भग० २, १; जीवा० ३, ३; जं० प० प्रव० ६६२;

दंसण पुं० (दशन) दात दांत, दन्त. A tooth. दसा० ६, ४; जीवा० ३, ३;

दंसण न० (दर्शन) सामान्य उपयोग, यक्षु अयक्षु अवधि अने केवल ये चार दर्शन Four Darśanas viz (conations) Chaksu, Achaksu, Avadhi and Kevala अणुजो० ४२, १४७, पिं० नि० ६१; वेय० १, ४६, ठा० १, १; सम० १; ओव० नाया० १; ५; १६; भग० १, १; दसा० १०, १; पञ्च० २३, दस० ४, २२; राय० २३; २१५, सू० प० २०, (२) तत्त्वार्थतुं गथाथ' अक्षान-सदृष्ट्या, तत्त्वार्थ विषयक यथार्थ भ्र-

ज्ञान-भक्ति. a proper faith towards the reality. विशेष० १०; नाया० १; २; ८; भग० १, ६; २, १; ६, ३; २५. ६; नंदी० ४; दम० ६, ११; पञ्च० १; १३; (३) पञ्चव्या सूत्रना त्रीन् पदनु नाम. पञ्चव्या सूत्र के तीसरे पद का नाम. name of the third Pada of Pannavanā Sūtra पञ्च० ३; (४) आंभ; नेत्र आल, नेत्र the eye जं० प० (५) देख्युं; जे०. देवना looking, seeing; sight. भग० ३, ६, ५, ४, दम० ५, १, १६, श्रोत्र० ११; पंचा० ७, ४६, ८, ४; कल्प० ५, १, २; गाथा० ६, (६) संवेदन; वेदयु ते. अनुभव करना; वेदना experiencing, sensing. सम० १०; (७) दर्शन; दृष्टि. दर्शन. दृष्टि sight उत्त० ६, ४, (८) उपदेश शिक्षा; उपदेश. advice आया० १, ३, ४, १२१. (८) अलिप्राय. अभिप्राय, तात्पर्य. opinion; purport आया० १, ३, ४, १२१: —(९) अंतर. न० (-अन्तर) दर्शन दर्शन वस्तुओं के अन्तर भेद. दो दर्शनों के बीच का अन्तर-भेद. the difference between two systems of philosophy. भग० १, ३; —अभिगम. पुं० (-अभिगम) शुश्रूषणिक अवधिज्ञानधी वस्तुओं के निर्णय करने का. the decision of an object by a limited knowledge which corroborates the attributes. डा० ६; —आचार. पुं० (-आचार) दर्शन-समकेतों का प्रकारों का आधार; १ तत्त्वों के निश्चय के २ अन्तरों के प्रमाण के ३ दर्शनों के ४ असादिग्धता-असंदिग्ध, ४ दृष्टि का आधार; ५ शक्ति का आधार.

६ पञ्चाने स्थिर करवे। साधर्मि प्रत्ये वत्स-लक्ष्य राखवे। अने धर्मों की प्रभावना करवी। दर्शन-समकित का आठ भांति का आचार: १ पूर्ण तत्त्वज्ञता, २ अतत्त्व या कुतत्त्व को ग्रहण करने की अनिच्छा, ३ कर्मफल की असंदिग्धता-निस्संदेहता-निश्चिन्ता, ४ दृष्टि का अविमोह, ५ शक्तिका अगोपन, ६ गिरते हुए को बचाना: ७ स्वधर्म के प्रति वात्सल्य भाव रखना और ८ धर्म की प्रभावना करना the eightfold marks of right belief viz. 1 knowing without doubt the reality; 2 unwillingness to accept a wrong belief. 3 entertaining no doubt in regard to the doctrine of "reaping as you sow," 4 firmness of conviction; 5 revealing of one's powers, 6 helping out one who is falling, 7 attachment to one's own religion: and 8 to expand the religion. प्रब० ११०, डा० २, ३; ५, २, —आय पु० (-आत्मन्) दर्शनरूप आत्म; आत्मानो को प्रकाश. दर्शनरूप आत्मा; आत्मा का छटा प्रकार. the conative from of the soul; sixth form or variety of the soul. भग० १२, १०; —आचार. पुं० (-आचार) लुप्त "दंसणाचार" शब्द. देखो "दंसणाचार" शब्द. vide "दंसणाचार" सम० प० १६८; —आराधना. स्त्री० (-आराधना) समकित की आराधना. the meditation of right faith. "तिविहा दंसणाऽऽराधना उक्ता मज्झिमा जइया" डा० ३, ४; भग० ८, १०;

—आरिय.पुं० (—आर्य) आर्यो एक प्रकार. आर्य की एक जाति; आर्य विशेष. a class of the Aryans. पञ्च १; —(शिं) इंद. पुं० (—इन्द्र) क्षायिक समकितनो धर्मी. क्षायिक समकित वाला. the possessor of the purifying Samakita. ठा० ३, १; —इयार. पुं० (—अतिचार) शंका क'भा वगेरे सम्पत्तनना अतियार-दोष. शंका करना आदि सम्यक्त्व क अतिचार-दोष. the faults connected with right-faith due to keeping doubts and misgivings. गच्छा० १३२; —उवघाअ-य पुं० (—उपघात) शंका आदिही सम्पत्तननी विराधना. शंका आदि से सम्यक्त्व की विराधना-अशून्य भाव destruction of right-faith by keeping doubts. ठा० १०; —(सु) उस्सुअ त्रि० (—उत्सुक) दर्शनाभिलाषी. दर्शनाभिलाषी; दर्शन का इच्छुक. (one) desirous of having right-faith. सु० च० २, ४५५; —कुसील. त्रि० (—कुशील) दर्शनने दूषित अनावनार. दर्शन को दूषित बनाने वाला. that which destroys or pollutes the right-faith. ठा० ५, ३; —खव-ग त्रि० (—खपक) दर्शन मोहनीय कर्मनो क्षय करनेवाला. a destroyer of the faith-deluding Karmic matter. ठा० १; क० ग० ५, ८२; —चउ. न० (—चतुष्क) अक्षुदर्शनावरणीय, अक्षुदर्शनावरणीय अवधिदर्शनावरणीय अने केवलदर्शनावरणीय अने चतुर्दशनावरणीय, अचतुर्दशनावरणीय, अवधि-दर्शनावरणीय और केवलदर्शनावरणीय

ये चार प्रकृतिया the four Karmic matters viz. sight-obscuring, non-sight-obscuring, conation-obscuring, limited-conation-obscuring and perfect-conation-obscuring. क० ग० १, ६; २, २०; —चउक्क न० (—चतुष्क) शुभो "दंसण-चउ" शब्द देखो "दंसण-चउ" शब्द. vide "दंसण-चउ" क० प० १, ७६; २, ४०; —चरिसजुत्त. त्रि० (—चारित्रयुक्त) दर्शन अने चारित्रवादी. दर्शन एवं चारित्रवाला; दर्शन चारित्रयुक्त. (one) having right-faith and right conduct. निसी० २०; —चारित्तमोह पु० (—चारित्रमोह) दर्शन-मोहनीय अने चारित्रमोहनीय अने मोहनीयकर्मना विभाग दर्शनमोहनीय और चारित्र मोहनीय ये मोहनीय कर्म के दो प्रकार the two varieties of deluding Karmas viz. conation and right conduct-deluding. पणह० २, ४; —इ. त्रि० (—अर्थ) दर्शन-सम्पत्तन-तत्त्वना अर्थ-अभिलाषी दर्शन सम्पत्तन-तत्त्व के अभिलाषी-इच्छुक. (one) desirous of the principle of DarsanaSāmakita. ठा० ५, ३; —हुया ली० (—अर्थता) दर्शननी अपेक्षा. दर्शनकी अपेक्षा, अभिलाषा. the desire of a sight. भग० १८, १०, ठा० ५, ३; —तिग. न० (—त्रिक) समकित मोहनीय, मिथ्यात्व-मोहनीय अने मिश्रमोहनीय अने त्रय दर्शन मोहनीय. समकित मोहनीय, मिथ्यात्व मोहनीय और मिश्र मोहनीय ये तीन दर्शन मोहनीय. the 3 conation-deluding Karmas viz. Samakita-deluding, falsity generating and

mixed (right and wrong belief generating) प्रव० १३०६, क० गं० ६, ७७; —धर. त्रि० (-धर) केवल दर्शनने धारणु करनार. केवल दर्शा; केवल दर्शन को धारण करने वाला. (one) having perfect conation. जं० गं० ५, ११५, आव० ६, ११; —दुगः न० (-द्विक) अक्षु दर्शन अने अक्षु दर्शन ओ ओ दर्शन. चक्षु और अक्षु दर्शन नामक दो दर्शन twofold sight-ocular and non-ocular. क० गं० ४, ३४; —धर. पु० (-धर) केवल दर्शन धारण केवल दर्शन धारण करन वाला. a possessor of perfect faith जं० गं० ५, ११५, —नाण. न० (-ज्ञान) दर्शन अने ज्ञान दर्शन और ज्ञान. conation and knowledge. प्रव० १३०५, —नाणनिग. न० (-ज्ञानत्रिक) ३ दर्शन अने त्रय ज्ञान. ३ दर्शन और तीन ज्ञान. the three conations and three knowledge. क० गं० ४, ३६; —नाणुसग्ग पुं० (-ज्ञानोत्सर्ग) दर्शन अने ज्ञाननी शुद्धि भाटे कठिसग्ग करवे ते दर्शन और ज्ञानकी शुद्धि के लिये कःयोत्सर्ग करना. performing meditation for the purification of the conation and knowledge. प्रव० १०६; —पज्जव पु० (-पर्यव) दर्शनना पर्याय. दर्शन का पर्यायः a modification of conation. भग० २, १, —पडिणीयया. श्री० (-प्रत्यनीकता) दर्शनसम्भक्त्य प्रत्ये शत्रुता; दर्शनावरणीय कर्म आंधवनो ओक हेतु. दर्शन सम्भक्त्य प्रति शत्रुता; दर्शनावरणीय कर्म बधनका एक हेतु. a cause of the bondage of the conation-obscuring Karmas. भग० ८, ६;

—पडिमा. श्री० (-प्रतिमा) आव० ओक भास भुंभी अरापर रीति सम्भक्त्यनुं पालन करवुं ते, आव० ११ पडिमाभांती पदेवी पडिमा. आव० द्वारा ठीक एक मासक सम्भक्त्यका पाला जाना-पालना, आव० की ११ पडिमाओं में की प्रथम पडिमा the maintenance of right faith by a layman for exactly a month; the 1st of the 11 vows of a layman प्रव० ६६६; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) सम्भक्त्यदर्शननुं परिणाम. सम्भक्त्यदर्शन का परिणाम. the result of right-conation. पञ्च० १३, —परीसद. पुं० (-परीषद) दर्शन-सम्भक्त्यने परीषद; आशीष परीषदमानो ओक. दर्शन-सम्भक्त्य-का परिषद, चाईम परिषद में से एक. affliction connected with getting faith; one of the 22 Parisaḥas (afflictions). भग० ८, ८; उत्त० २, १; —पायच्छेत्त. न० (-प्रायश्चित्त) दर्शनना अनित्यारनी शुद्धि अर्थे प्रायश्चित्त करवुं ते दर्शन के अतिचार की शुद्धि के लिये क्रिया हुआ प्रायश्चित्त. expiation for a conative fault. ठा० ४, १, ३, ४; —पुरिस त्रि० (-पुरुष) सम्भक्त्यवान पु३५. सम्भक्त्यवान पुरुष a person having right belief ठा० ३, १; —पुलाअ-य. पुं० (-पुलाक) दर्शनने निःसार अनावनार पुलाक लब्धिपवंत साधु. दर्शन को निःसार करने वाला पुलाक लब्धिपवंत साधु. an ascetic possessing a certain power which destroys the right faith. भग० २५, ६; ठा० २, ३; —वल पुं० (-बल) ६६ दर्शन. दर्शन की दृढता शक्ति; दृढ दर्शन. firm conation.

पण्ह० २, १, —बुद्ध. पुं० (—बुद्ध) दर्शन मोहनीयता क्षयोपशमादिथी तत्त्वश्रद्धान-
श्चि १३ मोध पाभेल दर्शन मोहनीय के क्षयोपशमादि के कारण तत्त्वश्रद्धान रुचिद्वारा बोध पाया हुआ. (one) having knowledge due to faith in the reality caused by the destruction of the conation-obscuring Karmas. " दुविहा पण्हत्ता, तं जहा णाण बुद्धा चे व दंसण बुद्धा चे व " ठा० २, ४; ३, २; —बोद्धि त्रि० (—बोधिन्) दर्शन मोहनीय कर्मना क्षयोपशमथी तत्त्व श्रद्धान पावनार. दर्शन मोहनीय कर्मके क्षयो-
पशम द्वारा तत्त्वश्रद्धान प्राप्त करने वाला. (one) getting knowledge due to faith in the reality caused by the destruction of the conation-obscuring Karmas. ठा० २, ४; ३, २; —भट्ट त्रि० (—अष्ट) समकित-
थी अष्ट थयेल. समकित च्युत-स्खलित-
अष्ट. fallen from Samakita (right faith) भक्त० ६१; —भे-
दणी. स्त्री० (—भेदिनी) दर्शन-समकितने भेदनारी विदुषा दर्शन-समकित का भेद करने वाली विदुषा. a story that de-
stroys right belief ठा० ७, —मूढ. त्रि० (—मूढ) दर्शन रहित; मिथ्यात्वी दर्शन रहित; मिथ्यात्व वाला. conationless, having wrong belief. ठा० ३, १; —मोह. पुं० (—मोह) जुओ "दंसण-मोह णिज्ज" शब्द. देखो "दंसण-मोहणिज्ज" शब्द vide "दंसण-मोहणिज्ज" प्रव० ६६४; क० प० ५, ३२; क० ग० १, १४; ५६. —मोहखवग. त्रि० (—मोहक्षपक) दर्शनमोहनीय त्रय प्रकृतिने अपावनार. दर्शनमोह की तीन प्रकृतियों का

क्षय करनेवाला. a destroyer of the 3 varieties of the conation-obscuring Karmas. क० प० ६, ८; —मोहणिज्ज न० (—मोहनीय) दर्शन-सम्यक्त्वमां मुआवनार मोहनीयकर्मनी प्रकृति; सम्यक्त्व मोहनीय, मिथ्यात्व मोहनीय अने मिश्र मोहनीय ये त्रय प्रकृति. दर्शन-सम्यक्त्व से विमुख करनेवाला मोहनीय कर्म की प्रकृति, सम्यक्त्व मोहनीय, मिथ्यात्व मोहनीय और मिश्र मोहनीय नामक तीनप्रकृ-
तियां the three deluding Kar-
mic matters which are amal-
gamated with right cona-
tion deluding Karma viz
Samyaktva, Mithyātva and
Mīśra Mohaniya. अणुजा० १२७; ठा० २, ४; भग० ८, ८, उक्त० २० ७, ३३, ८, —रत्ति स्त्री० (—रति) दर्शनभा रति-
प्रीति दर्शन विषयक प्रीति-लगन. attach-
ment for right-belief जं० प० १, ११७, —रय त्रि० (—रत) दर्शनभा अनु-
रक्त दर्शनमें अनुरक्त attached to
right faith. "बहुसु असमरसुयस-
पराप्सु दंसणरएसमंतओ कलह सदक्खिणं
अणुगवसेसमाणे" नाया० १६, —रहिय त्रि०
(—रहित) दर्शन-समकित रहित दर्शन-सम-
कित रहित. without right belief. उक्त० ६६; —लाद्धि स्त्री० (—लब्धि) दर्शन सम्यक्त्वनी प्राप्ति दर्शन-सम्यक्त्व की प्राप्ति attainment of right belief. भग० ८, २; —लाद्धिय. त्रि० (—लब्धिक) दर्शननी लब्धि पावे दर्शन की लब्धि-
प्राप्ति वाला. (one) who has ac-
quired right belief. भग० ८, २; —लूसि. त्रि० (—लूषेन्) दर्शन-समकित-
ना लोप करनेवाला. दर्शन-समकित का लोप

mixed (right and wrong belief generating) प्र० १३०६, क० गं० ६, ७०; —धर वि० (-धर) देव-दर्शनने धारण करने वाला (one) having perfect conation. जं० प० ४, ११४, आ० ६, ११; —दुग्ग. न० (-द्विगु) यद्गु दर्शन अने अयद्गु दर्शन ये दो दर्शन. चक्षु और अचक्षु दर्शन नामक दो दर्शन twofold sight-ocular and non-ocular. क० गं० ४, ३४; —धर. पुं० (-धर) देवदर्शन धारण करने वाला. a possessor of perfect faith जं० प० ४, ११४; —ज्ञान. न० (-ज्ञान) दर्शन अने ज्ञान. दर्शन और ज्ञान. conation and knowledge. प्र० १३०४, —ज्ञानविग. न० (-ज्ञानविक) ३ दर्शन अने त्रय ज्ञान ३ दर्शन और तीन ज्ञान. the three conations and three knowledge. क० गं० ४, ३६, —ज्ञानसंग पुं० (-ज्ञानोत्सर्ग) दर्शन अने ज्ञानकी शुद्धि भाटे शक्तिशाली करनेवाले दर्शन और ज्ञानकी शुद्धि के लिये कार्योत्सर्ग करना. performing meditation for the purification of the conation and knowledge प्र० १०६; —पञ्चव. पुं० (-पञ्चव) दर्शनना पर्याय. दर्शन का पर्यायः a modification of conation. भग० २, १, —पट्टिणीयया. स्त्री० (-प्रत्यनीकता) दर्शनसम्पत्त्य प्रत्ये शत्रुता; दर्शनान्तराध्याय धर्म आध्यात्मिक ओङ्क हेतु. दर्शन सम्पत्त्य प्रति शत्रुता, दर्शनान्तराध्याय कर्म बंधनका एक हेतु. a cause of the bondage of the conation-obscuring Karmas. भग० ८, ६;

—पट्टिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) आधिक्य ओङ्क भास अर्थात् अशान्ति रीति सम्पत्त्य पनु पावन हेतु ने; आयकनी ११ पट्टिमाभांती पट्टिणी पट्टिमा. आयक द्वारा ठीक एक मासक सम्पत्त्य प्राप्त करने वाला ज्ञान-पावन, आयक की ११ पट्टिमाओं में की प्रथम पट्टिमा. the maintenance of right faith by a layman for exactly a month; the 1st of the 11 vows of a layman. प्र० ११४; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) सम्पत्त्यदर्शनने परिणाम. सम्पत्त्यदर्शन का परिणाम. the result of right-conation. प्र० १३, —परिणम. पुं० (-परिणम) दर्शन-सम्पत्त्यने परीपद; आधीश परीपदमाने ओङ्क. दर्शन-सम्पत्त्य-मा परिणम; बाईन परिणम में से एक affliction connected with getting faith; one of the 22 Parisahas (afflictions). भग० ८, ८; उत० २, १; —प्रायश्चित्त. न० (-प्रायश्चित्त) दर्शनना अनियारनी शुद्धि अर्थे प्रायश्चित्त करनेवाले. दर्शन के अनियार की शुद्धि के लिये किया हुआ प्रायश्चित्त expiation for a conative fault. डा० ४, १, ३, ४; —पुरिस्स. वि० (-पुरिस्स) सम्पत्त्यवान पुरिस्स. सम्पत्त्यवान पुरिस्स a person having right belief. डा० ३, १; —पुलाअ-य. पुं० (-पुलाक) दर्शनने निःसार अनापनाए पुलाक लब्धिवंत साधु दर्शन को निःसार करने वाला पुलाक लब्धिवंत साधु an ascetic possessing a certain power which destroys the right faith. भग० २५, ६; डा० ४, ३; —वल. पुं० (-वल) ६६ दर्शन. दर्शन की दृढ़ता शक्ति, दृढ़ दर्शन. firm conation.

परह० २, १; —बुद्ध. पुं० (-बुद्ध) दर्शन मोहनीयना क्षयोपशमादिथी तत्त्वश्रद्धान-
श्चि यउ ओध पाभेल दर्शन मोहनीय के
क्षयोपशमादि के कारण तत्त्वश्रद्धान रुचिद्वारा
बोध पाया हुआ. (one) having
knowledge due to faith in the
reality caused by the destruc-
tion of the conation-obscuring
Karmas “ दुविहा परणत्ता, तं जहा
णाण बुद्धा चे व दंसण बुद्धा चे व ” ठा०
२, ४; ३, २; —बोहि त्रि० (-बोधिन्)
दर्शन मोहनीय धर्म्मना क्षयोपशमथी तत्त्व
श्रद्धान पावनार दर्शन मोहनीय कर्मके क्षयो-
पशम द्वारा तत्त्वश्रद्धान प्राप्त करन वाला.
(one) getting knowledge due
to faith in the reality caused
by the destruction of the cona-
tion-obscuring Karmas. ठा० २,
४; ३, २; —भट्ट त्रि० (-भट्ट) समकित-
थी अष्ट थयेल. समकित च्युत-स्खलित-
भट्ट. fallen from Samakita
(right faith) भत्त० ६१, —भे-
इणी. त्री० (-भेदिणी) दर्शन-समकितने
लेदनारी विख्या. दर्शन-समकित का मेनद
करने वाली विख्या. a story that de-
stroys right belief. ठा० ७, —मूढ.
त्रि० (-मूढ) दर्शन रहित; मिथ्यात्वी दर्शन
रहित, मिथ्यात्व वाला. conationless;
having wrong belief. ठा० ३, १;
—मोह. पुं० (-मोह) णुओ “दंसण-मोह
णिज्ज” शब्द. देखो “दंसण मोहाणिज्ज” शब्द
vide “दंसण-मोहाणिज्ज” प्रव० ६६४;
क० प० ५, ३२, क० गं० १, १४, ५६.
—मोहखवग. त्रि० (-मोहसपक)
दर्शनमोहनी त्रय प्रकृतिने अपावनार
दर्शनमोह की तीन प्रकृतियों का

क्षय करनेवाला. a destroyer of the
3 varieties of the conation-
obscuring Karmas. क० प० ६, ८;
—मोहाणिज्ज न० (-मोहनीय) दर्शन-
सम्यक्त्वभा मुञ्जवनार मोहनीयधर्म्मनी
प्रकृति; सम्यक्त्व मोहनीय, मिथ्यात्व मोह-
नीय अने मिश्र मोहनीय ये त्रय प्रकृति
दर्शन-सम्यक्त्व से विमुख करनेवाली मोहनीय
कर्म की प्रकृति, सम्यक्त्व मोहनीय, मिथ्यात्व
मोहनीय और मिश्र मोहनीय नामक तीनप्रकृ-
तिया the three deluding Kar-
mic matters which are amal-
gamated with right cona-
tion deluding Karma viz
Samyaktva, Mithyātva and
Mīśra Mohaniya अणुजा० १२७;
ठा० २, ४; भग० ८, ८; उत्त० २० ७, ३३,
८; —रइ त्री० (-रति) दर्शनभा रति-
प्रीति दर्शन विषयक प्रीति-लगन attach-
ment for right-belief जं० प० २,
११७, —रय त्रि० (-रत) दर्शनभा अनु-
रक्त दर्शन में अनुरक्त attached to
right faith. “बहुसु असमरसुयसं-
पराणसु दंसणरएसमंतओ कलहं सदक्खिणं
अणुगवेसमाणे” नाया० १६; —रहिय त्रि०
(-रहित) दर्शन-समकित रहित दर्शन-सम-
कित रहित. without right belief.
उत्त० ६६; —लाद्वि. त्री० (-लब्धि)
दर्शन सम्यक्त्वनी प्राप्ति दर्शन-सम्यक्त्व की
प्राप्ति attainment of right belief.
भग० ८, २; —लाद्विय त्रि० (-लब्धिक)
दर्शननी लब्धि पावे दर्शन की लब्धि-
प्राप्ति वाला. (one) who has ac-
quired right belief. भग० ८, २;
—लूसि. त्रि० (-लूचिन्) दर्शन-समकित-
ना लोप करनेवाला. दर्शन-समकित का लोप

करने वाला. (one) who of destroys right belief. आया० १, ६, ४, १६०; —लोग पुं० (—लोक) सम्यक्त्वादि दर्शनरूप लोक. the world in the form of right belief etc. ठा० ३, २; —चाचरणग पुं० (—व्यापन्नक—दर्शन सम्यक्त्वं व्यापन्नं भ्रष्टं येषां ते तथा) दर्शनसम्यक्त्ववन्धु छे जेछे ओया निन्दव वगेरे दर्शन सम्यक्त्व का वमन किए हुए—निन्दव आदि. heretic etc who has abandoned Darśana Samyaktva (right belief). पञ्च० २०, २३; —विणय पुं० (—विनय—दर्शनं सम्यक्त्वं तदेव विनयो दर्शनविनयः) सम- दितरूप विनय. दर्शनस्वरूप विनय; समकित विनय humility in the form of right belief. प्रव० ६४५; भग० २५, ७, —विराहणा. स्त्री० (—विराधना) दर्शन सम- कित की विराधना—अवहेलन. the oppo- sition of right belief सम० ३. आव० ४, ७, —विसंवायणाजोग पुं० (—विसंवादनायोग) समकित परस्पर ओटा विषयादि करवे ते, दर्शनावरणीय कर्म आ- धराने ओक छेतु दर्शन समकित के सम्बन्ध में निथ्या अमम्वद्द वादविवाद, दर्शनावरणीय कर्मवन्धन का एक हेतु. a useless discussion against the right belief, a cause of the bondage of the conation—obscuring Karma. भग० ८, ६ —विसोहि. स्त्री० (—विशोध—दर्शनाऽऽवाचारपरिपालनतो विशुद्धिर्दर्शनविशुद्धिः) सम्यक्त्वनी विशुद्धि. सम्यक्त्व की विशुद्धि. a purity of right belief. ठा० १०; —संकि-

लेस. पुं० (—संक्लेश—दर्शनस्य संक्लेशोऽविशुद्ध्यमानता स दर्शनसंक्लेशः) दर्शननी अविशुद्धि दर्शन का अशुद्धता. the impurity of conation. ठा० १०; —संग. पुं० (—सङ्ग—दर्शनेऽवलोकनेऽभिप्रेतंगो दर्शनमङ्गः) अवलोकन-लो- वाथी थतो राग अवलोकन करने या देखने से उत्पन्न राग आसक्ति. love produc- ed by sight. पंचा० १७, २१; —सं- पण वि० (—सम्पन्न) समकित संपन्न; सम्यग्दृष्टिवालो. समकित मन्त्र; सम्यग्दृष्टि वाला (one) having right be- lief. भग० २, ५; २५, ७, —संपन्नया. स्त्री० (—सम्पन्नता) दर्शन-सम्यक्त्व संप- नता—युक्तता. दर्शन संपन्नता; सम्यक्त्व- युक्तता. the possession of right belief उत्त० २६, २; भग० १७, ३; —समाधि पुं० (—समाधि) भाव समा- धिने ओक प्रकार. भावसमाधि विशेष a particular form of sentimental concentration. मूय० नि० १, १०; १०६; —सावध-य. वि० (—आवक) आपरणी ११ पडिमापेरी पडेरी पडिमा आदरनार आवक के जे ओक भास सुधी शंकादि रहित निर्मल समकित पालन करे. आवक की ११ पडिमाओं में से पहिली पडिमा का आदर करने वाला आवक जो एक मास तक शंकादि शून्य निर्मल समकित का पालन करे. the layman who adopts the first of the 11 vows, who holds right belief without any doubt for a month. सम० ११; दसो० ६, २; १०, ७; ८; —सावग. पुं० (—आवक) जे ओ ६५वे शब्द देखो ऊपरका शब्द vide above. सम० १०; —सुंदर वि० (—सुन्दर)

जेवामां सुंदर देखनेमें सुंदर. beautiful in appearance भत्त० १२०.

दंसणमेत्त न० (दर्शनमात्र) जेतावेत्त; नअर पडी के तरत. देखतेही; दृष्टि के गिरतेही. Just while seeing. पंचा० १२, २४;

दंसणावरण न० (दर्शनावरण) आत्मानी दर्शन शक्तिने आवरना-दभावना-कर्म; कर्मना आठ प्रकारमाने भीजे प्रकार आत्माकी दर्शन शक्ति को दबाने-ढंकने-या कम करने वाला कर्म; आठ प्रकार के कर्मों में से दूसरा कर्म A Karma which covers up the conative power of the soul; the 2nd of the 8 varieties of Karmas. “नवविहे दण्णा वरणे कम्म पण्णते” ठा० ६, उत्त० ३३, २, दसा० ५, ३३, क० गं० १, ३, ६, ६, ८, —अंतअ. त्रि० (-अन्तक) दर्शनावरणीय कर्म आदि धातिकर्मना अत-नाश करनेवाला. दर्शनावरणीय कर्म आदि धातिकर्म का अंत करने वाला-नाशक the destroyer of the conation-obscuring Karma etc सू० १, १५, १,

दंसणावरणज्ज. न० (दर्शनावरणीय) दर्शनावरणीय कर्म, आठ कर्मोंमें भीज्ज. दर्शनावरणीय कर्म; आठ कर्मों में से दूसरा The conation-obscuring Karma, the 2nd of the 8 Karmas. सम० ६,

दंसणि त्रि० (दर्शनिन्) दर्शनी, दर्शनवाला दर्शनवाला; दर्शनी. (One) having deep faith “दसणेण दंसणी” अणुजो० १, १,

दंसणिज्ज त्रि० (दर्शनीय) दर्शन करने योग्य. Hand-

some; beautiful; fit to be seen.

नाया० १, जीवा० ३,

दंसणिय. त्रि० (दर्शनीय) दर्शन करने योग्य. Hand some, beautiful; fit to be seen. नाया० १;

दंसमसग. पुं० (दंसमशक) चार इंद्रियवाला श्व; डांस अने भेच्छर. चार इंद्रियवाला जीव, डांस मच्छर आदि A four sensed living being, a gnat, a mosquito. सम० २१, भग० १, १, —परि-सह पुं० (-परिषह) डांस भेच्छर जू वगैरेनु दुःख सहन करनेवाले. डांस, मच्छर, जूं आदि का पीडा का परिषह सहन करना. bearing of the pain caused by mosquitoes, gnats, lice etc. सम० २२, उत्त० १, १, भग० १, ३:

दंसमाण त्रि० (दंसत्) धरती. काटता हुआ. Biting ‘अपे जणं गिवारेइ लूमणं सुणं दंसमाणे’ आया० १, ६, ३, ४;

दसि. त्रि० (दर्शिन्) जेना-अवलोकन करनेवाला. देखनेवाला; अवलोकन कर्ता, दर्शक. Seer, spectator. आया० १, १, ७, ४६;

दंसिज्जंत. त्रि० (दस्यमान) देखाजाना. दिखलाई देता हुआ. Visible सु० च० २, ४८१,

दंसि-य त्रि० (दर्शित) देखाजाना दिखाया-हुआ. Shown विशेष० ५१०, अणुजो० १६, नाया० १; पंचा० ५, ३१, ११, १३;

दक्ख. न० (दाक्ष्य) दक्षता, चतुरी, चतुरी; पटुता. Skill; cleverness. उत्त० १, १३;

दक्ख त्रि० (दक्ष) चतुर बुद्धिमान, निपुण चतुर, निपुण, बुद्धिमान. Clever, skilful intelligent. नाया० १, ६; १६; राय०

३३, २६५; जीवा० ३, १; श्रौत० ३१; ठा० ७;
कण्ठ० ४, ६१; ५, १०४, जं० प० ५, ११६;
(२) उत्तर तरङ्गना लवनपति धन्वनी पाथ-
द्वल सेनानो उपरो उत्तरी भवन पति इन्द्रकी
पैदल सेनाका अधिपति-नायक. the
general of the infantry of
Indra lord of the northern
Bhavana ठा० ५, १; जं० प०
—पदरण पु० (—प्रतिज्ञ-दत्ता निपुणा-
प्रतिज्ञा यस्य स) निपुणता पूर्वक प्रतिज्ञा
करने चतुरता पूर्वक प्रतिज्ञा करने वाला
(one) who promises skilfully.
कण्ठ० ५, १०४;

दक्षत्त न० (दक्षत्व) आतुरी; आलाडी.
चातुरी, दक्षता, पटुता. Cleverness,
skill, deftness. “दक्षत्तं भते, साहू,
आलसियत साहू” भग १२, २;

दक्षवण न० (दक्षवन) द्राक्ष-दराभ्यनु वन
द्राक्ष-दाख का वन. A forest of vine
creepers. अणुजो० १३१,

दाख. ली० (द्राक्षा) द्राक्ष-दराभ्य द्राक्ष-दाख;
अंगूर Grapes, vine. पंचा० २,
२६, पि० नि० १६६; ठा० ४, ३;

दक्षिण. पुं० (दक्षिण) सर्व स्त्रीयोभां
सर्भो राग राभ्यनार नायकनो ऐक प्रहार
सर्व स्त्रीयो मे समान प्रीति रखने वाला नायक
विशेष. A stage-hero who has
equal attachment towards all
his wives. जं० प० ६, १२५, ५, ११८;
(२) दक्षिण देश-विभाग. दक्षिण देश-
विभाग the southern region.
जं० प० १, १४; ७, १५४; उवा० १, ७४,
वेय० १, ४६; —अणुकूल त्रि० (—अनु-
कूल) दक्षिण दिशाने अनुकूल. दक्षिण दिशा
के अनुकूल favourable for the
southern direction नागा० ८;

—द्वभरह. पुं० (—अर्धभरत) दक्षिणार्ध
भरत; भरत क्षेत्रनुं दक्षिणार्ध. दक्षिणार्ध
भरत, भरत क्षेत्र का दक्षिणार्ध. the
southern half of Bharata. सम०
६०००; —मुह. त्रि० (—मुख) दक्षिण
दिशा तरङ्ग मुख राभेल दक्षिणमुख वाला;
दक्षिण दिशाकी ओर मुख कियाहुआ
(one) facing towards the
south सम० ७४;

दक्षिणकूल त्रि० (दक्षिणकूल) अनुभो
“दक्षिणकूलग” शब्द देखो “दक्षिण
कूलग” शब्द Vide. “दक्षिणकूलग”
निर० ३, ३;

दक्षिणकूलग. त्रि० (दक्षिणकूलक)
गगाने दक्षिण दिशे रहनेवाले तापसः
तापसनी ऐक अत गंगाके दक्षिण किनारे
रहने वाला एक तपस्वी, तपस्वीविशेष.
An ascetic living on the
southern bank of the Ganges;
a particular ascetic श्रौत० ३८;
भग० ११, ६;

दक्षिणत्त. न० (दक्षिणत्व) सत्य पथनो
दो अतिशय सत्यवचन का छठा अतिशय.
The 6th Atisaya influence of
the truth राय०

दक्षिणत्त. त्रि० (दक्षिणात्य) दक्षिण
दिशाभां रहनेवाले असुरकुमार आदि.
असुरकुमारादि दक्षिण दिशामें रहने वाला.
Asura Kumāra living in the
southern direction पञ्च० २,

दक्षिणा ली० (दक्षिणा) दक्षिणा; दान.
दक्षिणा; दान. Charity; alms.
“दक्षिणाण पडिलम्भो-अतिथि वा रातिथि वा
पुणो” सूय० २, ५, ३२, निर० ३, २;

दक्षिणावह. पुं० (दक्षिणापथ) ऐ नाभनो
ऐक देश इस नाम का एक देश. A

country of this name. प्र० ८०६;
दक्खिणि. त्रि० (दक्षिणात्य) दक्षिण
दिशानु. दक्षिण दिशा का. Of or
belonging to the southern
direction. जं० प० नाया० ८, ६:

दक्खिणेय. पुं० (दक्षिणेय) दान लेना
दान लेने वाला. (One) accepting
charity; a mendicant विशेष ३२७०;
दक्खिणण न० (दक्षिण्य) उदापण; आतुरी
अतुराध बुद्धिमान्नी; चातुर्य Wisdom
or expertness आघ० नि० भा० ११२,
दक्खिन्न. न० (दक्षिण) जुओ उपलो शब्द.
देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
सु० च० १५, १०५,

दक्खु. त्रि० (दत्त) अतुर; निपुण. चतुर;
निपुण Skilful, wise सू० १, २, ३,
११, —दंसण त्रि० (-दर्शन) सर्वज्ञ
दर्शन, सर्वज्ञोक्त शासन प्रमाणो वर्तमान.
सर्वज्ञ दर्शन, सर्वज्ञकथित शासनानुसार चलने
वाला (one) acting in accord-
ance with the ordinance of
philosophy; preached by an
omniscient सू० १, २, ३, ११;

दक्खु. त्रि० (पश्य-पर्यतीति पश्यःद्रष्टा)
देखना; सर्वज्ञ. दृष्टा, सर्वज्ञ. A seer,
an omniscient. सू० १, २, ३, ११;
—दंसण. न० (-दर्शन) सर्वज्ञनु दर्शित
सर्वज्ञ का दर्शन the philosophy of
an omniscient सू० १, २, ३, ११;

दग न० (दक) पाणी; जल. पानी, जल;
उदक. Water. ओव० २१; नाया० १;
पञ्च० १७, पि० नि० ५८८; दस० ५, १, २६;
निसी० ७, २१, ८, ४, वेय० ४, २६; ओव०
४, ५; गच्छा० ७५; प्र० ६६३, कप्प० ६,
२६; (२) ओ नामो ३३मो ३६ इस
नाम का ३३वां ग्रह. the 33rd con-

stellation of this name. “ दो
दग ” ठा० २, ३; सू० प० २०; (३)
२६टि, ३६टि स्फटिक; फाटक. crystal.
जं० प० —आहरण. न० (-आहरण
—उदक आह्वित येन नदुदकाहरणम्)
पाणी छटवाना साधन; डेस, डाल वगेरे.
पानी निकालने या खींचने का साधन, चटम,
ढोल, घड़ा, बालट्टी आदि requisites
for drawing water from a well.
a bucket etc. सू० १, ६, २, १०; —उ-
पपील पुं० (-उत्पीड) भाण्डसने पीडाकरे
ओवो जल प्रवाह. मनुष्यको दुःख पहुंचाने
वाला जलप्रवाह. a troublesome
current of water. जीवा० ३, ३;
—उद्भेय पुं० (-उद्भेद) धरती का
नाभे तेवो जलप्रवाह जमीन को
खोद डालने वाला, जल प्रवाह. a
forcible current of water which
digs deep the strata of the
earth. जीवा० ३, ३; —कलसग. पु०
(-कलशक) पाणीथी भरेल कलस. पानी में
भरा हुआ कलश, जलपात्र. a pot full of
water. राय० —कुंमग. पुं० (-कुम्भक)
पाणीतो धडा. पानी का घड़ा. a pot or
jar to keep water in; a water-
pot. राय० —गदम पुं० (-गर्भ) पाणीतो
गर्भ पानीका गर्भ. interior of water.
ठा० ६, ४; —छट्टण. न० (-छर्दन)
पाणी छेड्नु ते. पानी फेंकना; छिटकना
sprinkling or throwing of
water. आया० २, १, ६, ३२, —छट्टण
मत्तय. पुं० (-छर्दनमात्रक) पाणी नाभपातु
लाजना. पानी छार्टने का वर्तन a pot to
pour water आया० २, १, ६, ३२.
—ट्टण. न० (-स्थान) पाणीनी अ-द-
रना स्थान पानी के भतिर के स्थान

places under water. निसी० ८, ४;
 —तीर. न० (—तीर) पाणीने काठो.
 पानी का किनारा; जल का तट. water-
 bank; a beach. “ नो कण्णह निगं-
 थायं वा निगंथीयं वा दृगतीरं सेवा ” वेय०
 १, ११; निसी० ८, ४; —थालग पुं०
 (—रथालक) पाणीथी लरेख कासांनु क्षम
 (थाल वगेरे). पानी से भरा हुआ कांसीका
 बरतन. (थाली आदि). a bronze
 vessel full of water (a dish etc.)
 राय० —धारा. ली० (—धारा) पाणीनी
 धार. पानी की धारा a current of
 water; a water current. नाया०
 २; ६; —पह. पुं० (—पथ) पाणी लरवानो
 मार्ग. पानी भरने का मार्ग—रास्ता.
 way to fetch water. निसी० ८, ४;
 —पासाय पु० (—प्रासाद) जल महल.
 जल महल; पानी के बीच का प्रासाद. a
 water palace. जं० प०—फुसिय. न०
 (—पृषत्) पाणीना जीला छंटा. पानी
 की बारीक फुंवार. small drops, parti-
 cles of water. वेय० ५, १२; —फु-
 सिया. ली० (—पृषत्) पाणीना छिंदु;
 छंटा. पानी की बूंदें. drops or spray
 of water. कप० ६, २४; —भवण.
 न० (—मवन) पाणीआर. पानीघर.
 a water house; a place where
 water is kept दस० ५, १,
 १५; —भवन न० (—मवन) लुओ
 उपलो श०६. देखो ऊपरका शब्द. vide
 above. आया० २, १, ६, ३२; —मंचग.
 पुं० (—मञ्जक) स्फटिकने भांय; भांयी
 स्फटिक मंच. a bench or coach
 of crystal. जं० प० —मंडग. न०
 (—मण्डप) सूर्याल देवताना वन भंडमानो
 डीडा भंडप. सूर्यास देवता के वन खंड में का

कीका मंडप. a playing bower in
 Vanakhanda belonging to the
 deity by name Sūryābha. राय०
 १३५; —मंडव. पुं० (—मण्डप) जेभां पाणी
 अरे छे जेवो भांडवे. ऐसा मंडप जिसमें पानी
 टपकता हो. a pandal, bower with a
 spring of water. पण० २, ५; राय०
 १३५; —मंडवग पुं० (—मण्डपक) स्फटिकने
 भांडवे. स्फटिक मंडप. a crystal or
 marble bower. जं० प० पण० २, ५;
 —मग. पुं० (—मार्ग) पाणीने मार्ग.
 पानी का मार्ग. a water way; a way
 in which water flows. निसी०
 ८, ४; —मट्टिदियआयाण. पुं० (—मृ-
 तिकादान) पाणी अने माटी लाववानो
 मार्ग. पानी और मिट्टी लाने का मार्ग. a
 way to fetch water and earth.
 दस० ५, १, २६; —मट्टिया. ली० (—मृत्तिका)
 सञ्चित पाणी सहित काटव, दीधुं डीयड.
 सञ्चित पानी मिली हुई मिट्टी; गीली
 कीचड वाली मिट्टी. mud; mire. सम०
 २१; आया० १, ७, ६, २२२; वेय० २, २६;
 (२) पाणी अने माटीना संयोगनुं विज्ञान;
 अभीन अने पाणी पीछानवानी कला; ७२
 कलाभांनी १५ भी कला. पानी और मिट्टी के
 संयोग का विज्ञान; जमीन और पानी को
 पहिचानने की कला; ७२ कलाओं में से १५वीं
 कला. the 15th of the 72 arts; an
 art relating to the knowledge
 of recognising water and earth.
 ओव० ४०; ज० प० नाया० १; —मल. न०
 (—मल) मेल सहित पाणी; मेलुं गंधुं
 पाणी. मैला पानी; गंधला पानी. dirty
 water; muddy water. निसी० ८, ४;
 —मालग. पुं० (—मालक) सूर्यावभासी देव-
 तानुं ओक डीडा स्थान सूर्यावभासी देवता का

एक क्रीडा स्थान. a pleasure-garden or playing ground of a god named Sūryābha. राय० जं० प० १; —रक्खस पुं० (—रक्खस) जलचर विशेष. जलचर विशेष a particular aquatic animal. “मग्गूड डट्टा दगरक्खसाय ” सूय० १, ७, १५, —रय. न० (—रजस्) पाण्डितु पि दु २७५ कण् पानी की बूद रज, कण. a particle of water dust औव० १०; पल० २; नाया० १, वेय० ५, १२; भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३; राय० ६२, परह० १, ३; कप्प० ३, ३३, ४०. ९, २६; —रयय. न० (—रजत) पाण्डिता ड्रलु पानी का फेन; जलफन. water foam, froth भग० ११, ११; —लेव. पुं० (—लेप) नालि प्रभाणु पाण्डिभां उतरनुते नाभि की गहराई तक पानी में उतरना. plunging into navel deep water ठा० ५, २; —वार पुं० (—वार-कुम्भ) नानो धडे छोटा घडा a small jar, pot. “दग वारेणपहिअ” दस० ५, १, ४६; —वारक. पुं० (—वारक-कुम्भ) पाण्डितो नानो धडे पानी का छोटा घडा a small jar of water जीवा० ३, —वारय पुं० (—वारक) लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide above नाया० २; —वीणिया. स्त्री० (—वीणिका—दकस्य वीणिका दकवीणिका) पाण्डितो धौरओ पानी का रास्ता, नाली. a water drain निसी० १, १३; —सत्तघ.इ. त्रि० (—सत्तघातिन्) जलना प्राण्डिओनी हि सा करनार. जलचरों की हिंसा करने वाला; भोई; मछलीमार. (one) who kills, the water-animals e. g. fish, crocodiles etc. सूय० १, ७, १७; —सोयरिअ. पुं० (—सौकरिक) सांभ्य-

भतना अनुयायी के जे पाण्डि डोलनारा तरीके प्रसिद्ध छे; जलना शिकारी मांख्यमत के अनुयायी जो पानी बहुत डोलते हैं; जल के शिकारी. the followers of Sāṅkhya sect who are notorious for their extravagance in using water. पि० नि० ३१४;

दगतुंड. पुं० (दकतुण्ड) पक्षि विशेष. A kind of bird परह० १, १; दगपंचवण्णा. पुं० (दकपञ्चवर्ण) ८८ ग्रहमानो ३४ओ ग्रह. पंचग्रहों में से ३४वां ग्रह The 34th of the 88 planets. “दो दगपंचवण्णा” ठा० २, २;

दगपव्वय. पुं० (दकपर्वत) सूर्याभवासी देवता. ओना पनप आनो रुटिकमय डीडा पर्वत सूर्याभवासी देवताओं के वनखड का स्फटिक मय कांटा पर्वत. The sporting crystal mountain in the forest regions of the Sūryābha gods. राय० १३५,

दगपिप्पली स्त्री० (दकपिप्पली) ये नामनी ओक लीली पनस्पति. इस नामकी एक हरी वनस्पति A green herb of this name पल० १;

दगभास पुं० (दकभास) वेलंधर नागराज ओक आवास पर्वत. वेलंधर नागराज के रहने का एक पर्वत A mountain residence of Velandhara the king of Nāgas सम० ५२;

दगवण्णा पु० (दकवर्ण) ३४ओ महा ग्रह. ३४वां महाग्रह. The 34th major planet सू० प० २०,

दगसीम. पु० (दकसीमन्) मनशिलाक-नामना वेलंधर नागराज ओ आवास पर्वत मनशिलाक नामक वेलंधर नागराज का आवास-निवास पर्वत. A mountain

home by name Manasīlāka of Velandhara the king of Nāgas.

जीवा० ३, ४; सम० ५२; ८७;

दगाभास. पुं० (दकाभास) जुओ " दग भास " शब्द. देखो " दगभास " शब्द Vide " दगभास " सम० ८७;

दगोववर पुं० (दकोपवर) सफेद काली ओके जल. सफेदकुष्ठ की एक जाति A variety of white leprosy. जीवा० ३, ३;

दक्षु त्रि० (दक्ष) दक्ष; यतुर; निपुण. दक्ष, होशियार; चतुर. Skilful; adroit; wise; expert. भग० १५, १; उवा० २, १०७;

दग्धमाय व० कृ० त्रि० (दग्धमान) जलतो. दहकता हुआ; जलता हुआ. Burning; blazing. भग० ८, ६;

दृष्ट. त्रि० (दृष्ट) देभेल. देखा हुआ. Seen; observed. दस० ४, १, ६६;

दृष्टव्य. त्रि० (दृष्टव्य) देभवा लायक देखने योग्य; दृष्टव्य. Worth witnessing; worth seeing. पञ्च० १५; प्रव० ८०; सु० च० ४, १४७; पंचा० १०, ८; ६, २७;

दृष्ट. त्रि० (दृष्ट) डंसेल; डरेल डसा हुआ, काटा हुआ. Stung; bitten. भत० ११०;

दृष्ट. त्रि० (दृष्ट) जेता. देखने वाला. Seer; (one) who sees. विशेष० १८६५;

दृष्टुमण. त्रि० (दृष्टुमणस्) जेवानी भ्रष्टावालो देखने का इच्छा रखने वाला; दर्शनाभिलाषी. (One) willing to have a sight, visit. सु० च० २, ३८७;

दृष्ट. त्रि० (दग्ध) जलेल; दलेल. जला हुआ; दग्ध. Burnt. विशेष० ११५६; २३२५; ओष० नि० ६८६; पिं० नि० ६५६; चउ० २७; पञ्च० ३६; ओष० ४३; उत्त० १६, ४०; पण०

१, १; —च्छुवि त्रि० (—च्छुवि) शीतादिथी ५५३ थयेल त्वथा वालो. जिसकी त्वचा शीत के कारण कड़ी कठोर होगई हो. (one) whose skin has become coarse, rough on account of cool, heat etc. पण० १, ३; — (अ) द्वि. न० (—आस्थि) जली गयेल हड्डी जली हुई हड्डी दग्धास्थि. a burnt bone प्रव० १४८४;

दृष्ट. त्रि० (दग्धक) जलेल; सलेल. जला हुआ; सुलगा हुआ. Burnt; lighted. ओष० ३८;

दृढ. त्रि० (दृढ) दृढ; स्थिर; निश्चल. दृढ; स्थिर; निश्चल; मजबूत. Strong; firm, im movable आया० १, ६, २, १८३; सु० च० १, ३६; ओष० ४०, सम० ३२; पिं० नि० ५३८; नंदी० १२; पंचा० १५; ४६; —चारित. त्रि० (—चारित्र) दृढ छे चारित्र जेनु ते दृढ चरित्रवाला (one) having a firm, straight forward character. गच्छा० ६४; —चित. न० (—चित्त) दृढ छे चित जेनु ते. दृढ चित वाला; निश्चल-स्थिर चित वाला. (one) who is strong-minded, firm-minded भत० ५६. —जतकप त्रि० (—जतकृत) दृढ प्रत्ययी करेल; १५. भा६२५१ करेल. बडे प्रयत्न से किया हुआ, बडे आदर के साथ किया हुआ. done with a great effort; performed with a great respect. पंचा० ३, २४; —धम्म. त्रि० (—धर्म) धर्मभा युस्त-दृढ, अंगीकार करेल प्राने निर्वाह करनार धर्म दृढ, अंगी कृत व्रत का यथावत् निर्वाह करने वाला a firm upholder of religion. सूय० १, २, १, १; क० गं० १, ६६; ठा० ४, ३; दव० १०, १०, भग० १२, १; ओष० नि०

६४७; उत्त० ३४, २८; —धम्मया. पुं० (-धर्मता) धर्मभां ६६५७. धर्म दृढता. orthodoxy सम० ३२; —परक्कम. त्रि० (-पराक्रम) ६६ पराक्रमी. दृढ पराक्रमी of a firm prowess. दसा० ६, ३२; —प्पहार. त्रि० (-प्रहार) ६६ मज्झिम प्रहार भारना. दृढ प्रहार; जोरदार मार; मज्झिम मार. hard stroke. विवा० ३; —प्पहारि. त्रि० (-प्रहारिन्) ६६ प्रहार करनेवाला. (one) who strikes hard नाया० १८; —लट्ठि. स्त्री० (-यष्टि) मज्झिम लाडली दृढदंडा; मज्झिम दंडा. a hard stick भत्त० १४५; —चइर. त्रि० (-चैर) ६६ पैरवालो. दृढ-स्फिर चैर-शत्रुता वाला a relentless foe तंदु० —च्चच्च त्रि० (-चत) ६६ मज्झिम प्रत वालो. दृढवर्ती; स्थिर प्रत-प्रतिज्ञा वाला. firm in austerity, vow. गच्छा० ४१; दृढकड पुं० (दृढकेतु) ऐरवत क्षेत्रभां थवाना साधमा तीर्थकरनुं नाम. ऐरवत क्षेत्र में होने वाले चादहवे तीर्थकर का नाम. The name of the 14th would be Tirthankara of the Airavata region. प्रव० ३०३;

दृढणेमि. पुं० (दृढनेमि) द्वारका नगरीना समुद्रविष्णुपनी भार्या शीवादेवीथी अथेय पुत्र के जे नेमनाथ भगवान् पासे दीक्षा लध शत्रुंन्य पर सिद्ध थया तेनो अधिकार अंत गडदशा सूत्रना योथा वर्गना दशभां अध्ययनभां छे द्वारका नगरी के समुद्र विजयकी भार्या शीलादेवी से उत्पन्न (उनका) पुत्र जिससे नेमनाथ भगवान् से दीक्षा लेकर शत्रु-जय पर सिद्ध प्राप्त की; इनका अधिकार अंत-गडदशा सूत्र के चौथे वर्ग के दसवें अध्ययन में है. The son of Silādevī wife

of Samudra Vijaya of Dvārka city who being consecrated by the lord Neminātha attained Siddhi on Śatruñjya. His description occurs in the 10th chapter of the 4th section of Antagaḍaśā Sūtra अंत० ३, ८; दृढधनु पुं० (दृढधनुः) जंघु द्वीपना भरत क्षेत्रभां थनार आइमा कुलकर जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में होने वाले आठवें कुलकर. The 8th would be Kulakara of Bharata region of Jambudvīpa. डा० १०; (२) जंघु द्वीपना ऐरवत क्षेत्रभां थनार सातभां कुलकर जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में होने वाले सातवें कुलकर. 7th Kulakara to come in the Airavata region of Bharata Kṣetra. सम० ५० २४०;

दृढनेमि. पुं० (दृढनेमि) अंतगड सूत्रना योथा वर्गना दसभा अध्ययननु नाम. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के दसवें अध्ययन का नाम. The name of the 10th chapter of the 4th section of Antagaḍa Sūtra. (२) नेमनाथ प्रभुना भार्यानेमनाथ प्रभु के वन्धु. the brother of the lord Neminātha अंत० ४, १;

दृढपदरण पुं० (दृढप्रतिज्ञ) अम्बा देवताना आवता भवनुं नाम. सूर्योभ देवता के आगामी भवका नाम. The name of the future life of the Sūryābha god सूय० २८७, (२) अम्बा स-यासीना आवता त्रीन भवनु नाम. अम्बड सन्यासी के आनेवाले तीसरे भवका नाम. the name of the 3rd would be life of Ambaḍa ascetic ओव० ४०, भग० ११, ११, १२, १; १४, ८;

(३) गोशालाना श्रवणं नाम. गोशाला के जीव का नाम. the name of the soul of Goshālā. भग० १४, १, (४) ओ नामनो ओऽश्रवः. इस नाम का श्रावक विशेष. a layman of this name. निर० १, १; (५) प्रतिज्ञायां दृढ रहनेपर. दृढ प्रतिज्ञा; अटल संकल्पवाला. firm to a promise. विवा० १; श्रौत० ४०;

दरहरह. पुं० (हरय) दशमां तीर्थंकर शीतल नाथना पितापुं नाम. दसवें तीर्थंकर शीतल नाथ के पिताका नाम. Name of the father of the 10th Tirthāṅkara Śitalanātha. प्रव० ३२४; सम० प० २२२; (२) ओ नामना गत अवसर्पिणीना आठमां कुलकर. गत अवसर्पिणी के इस नामवाले आठवें कुलकर. the 8th Kulakara so named of the past aeon of decrease. सम० प० २२, ६;

दरहरहा. स्त्री० (हरया) वायुव्यन्तरना धर्मनी पट्टराश्रीनी आद्य परिषद. बाह्य व्यन्तर के इन्द्रकी पटरानी की बाह्य परिषद. The external assembly of the chief queen of the Indra of Vāṇavyantara gods. (२) भवनपतिना धर्मना लोकपालनी देवीनी आद्य परिषद. भवनपति इंद्र के लोकपाल के देवी की बाह्य परिषद. the external assembly of the Lokapāla of Bhavanapati Indra ठा० ३ २; जीवा० ३, ४;

दढाउ. पुं० (द्रढाश्रु) जंशुद्वीपनां भरत क्षेत्रमां यनार पांयमां तीर्थंकरना पूर्व जन्मना नाम. जंबूद्वीप के भरत क्षेत्रमें होनेवाले पांचवें तीर्थंकर के पूर्व भव का नाम. Name of the previous life of the 5th Tirthāṅkara to come in Bharata region of

Jambūdvīpa. सम० प० २४१; प्रव० ४६६; — जीव. पुं० (-जीव) आयत्ती. योवीसीमां यनार पांयमां तीर्थंकरना श्रव. आगामी चौबीसीमें होनेवाले पांचवें तीर्थंकरका जीव. the soul of the 5th Tirthāṅkara to come in the coming cycle. प्रव० ४६६;

ददाऊल. पुं० (ददाकुल) ओ नामनो ओऽश्रवः के मरीने सानभी नरकना अथवा हाथ नरकावासाभा उदयना थयो. इस नाम का एक पुरुष विशेष जो अपनी मृत्यु के बाद सातवें नरक के अग्रदूत नरकावास में पैदा हुआ A man of this name who was born in the 7th hell after his death. जीवा० ३, १;

दणुय. पुं० (दनुज) राक्षस राक्षस, दानव. Demon. सु० न० २, २०१;

दत्त. त्रि० (दत्त) आपेक्षुं. दीधेक्षुं दिया हुआ; दत्त. Given सू० १, १, ४, ४; परह० २, १; (२) न० दान; आपेक्षुं ते. दान. charity; gift उत्त० १, ३२; ठा० ५, १; (३) छोड़ल. छोड़ा हुआ. released. जं० प० (४) भारतवर्षमां यद्यथेक्ष सातमां वासुदेव. भारतवर्ष के भूत पूर्व सातवें वासुदेव the late 7th Vāsudeva of Bhārata; vars० प्र० १२२६; सम० ३२; (५) जंशुद्वीपनां भरत क्षेत्रमां आवती उत्सर्पिणीया यनार पांयमां कुलकर. जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले पांचवें कुलकर. the 5th Kulakara to come in the coming aeon of increase in Bharata Kṣetra. सम० प० २४०० (६) विपाक सूत्रना नवमा अध्ययनमां उदाहरणु आपेक्ष देव दत्तनो पितः विपाक सूत्र के नवें अध्ययनमें

उदाहृत देवदत्त के पिता. the father of Devadatta described in the 9th chapter of the Vipāka Sūtra. ठा० १०; विवा० ६; (७) पुष्पिका सूत्रना सातमा अध्ययनं नाम. पुष्पिका सूत्र के सातवें अध्ययन का नाम. the name of the 7th chapter of the Puṣpikā Sūtra. निर० ३, १; (८) गद्य योवीशीना ८मा तीर्थंकर. गत चौबीसी के आठवें तीर्थंकर. the 8th Tirthankara of the past cycle प्रव० २६०;

दत्ति. स्त्री० (दत्ति) अन्न के पाणीनी दात-धार, बिजुनी पडिमा के अलिग्रह विशेष-मां आ दातने ओक, जे, तलु, धत्तादि सम्प्रदायी नियम करवाभां आवे छे; अन्न के पाणी ओक वासलुभां थीपात्रभां ढेर-वतां धार नुटे ते ओक दात गलु वामा आवे छे अन्न या पानी को दात-धारा; भिक्षु की पडिमा-अभिग्रह विषेश में इस दात की एक दो तीन आदि सख्याओं से मर्यादा-सीमा बंध ली जाती है; अन्न या पानी किसी बरतन से पात्र (भिक्षपात्र) में परोसते हुए जो धार टूटती-खंडित होती है उसे एक दात कहते हैं One unbroken current of water etc.; this current of water serves as a measure in certain vows of a mendicant when food or water is poured from one vessel to another (mendicant's) and if the flow or current is broken it is counted as one Dāta प्रव० १६७; ५८६; १५७५; श्रंत० ८, ५; ठा० ३, ३; वव० ६, ४४; १०, १; २, कण्ठ० ६, २६; दत्तिय पुं० (दत्तिक) आहारपाणीनी दातने

अलिग्रह करनार (साधु). आहार पानी-अन्न जल की दात का अभिग्रह लेने वाला-साधु. An ascetic who keeps a vow of taking a particular measure of food and water. कण्ठ० ६, २६;

दत्तेसणा. स्त्री० (-दत्तेसणा) उत्पाद आदि ओषणा दोषनीतपास करती ते. उत्पाद आदि एषणा दोष की जांच The examination of the Eṣaṇā fault viz. Utpāda etc. सूय० १, ३, १, ६;

दहर. त्रि० (दहर) मज्जभूत; दृढ. मज्ज-बूत; दृढ़, कड़ा, गाढ़. Strong; hard; inflexible. नाया० १; राय० जं० प० (२) न० वाद्य विशेष वाद्य विशेष a particular musical instrument. जं० प० ५, १२०; जीवा० २; राय० (३) भीत के जमीन उपर थापो मारने ते; अपेक्षाने ओक प्रकार. भीत या जमीन पर चपत या थाप मारना; चपत या एक प्रकार. striking the wall or ground नाया० ८; ओव० सम० प० २१०; पञ्च० २; (४) दादर; दादरे; निरसरी. निसेनी; चढाव; सीढ़ी. a staircase; a ladder. पिं० नि० ३६४; जीवा० ३, ३; सम० प० २१० (५) ओक पर्वत एक पर्वत-पहाड़. a mountain. जं० प० (६) उड्डानी भाङ्क पग पछाडवां. मेंढक की भाँति पैरों का पटकना throwing of legs like a frog. जीवा० ३, ४; (७) पुं० वचनने आडपर वचनका दिखाव-ढोंग, आढम्बर. a show of words परह० १, ३; (८) दक्षिणुमां ददुर नामना पहाड उपरनुं य-दन ददुर नाम दक्षिणी पहाड पर का चन्दन. the sandal of the southern mountain named Dardura. पञ्च०

२; जीवा० ३, ४; कप० ५, ६६; जं० १०
ददुर-य. न० (ददुरक) वायुपुं-में
प्राधान्य लुगडाने छुटके. वरतन का मुंह
बांधने का कपड़े का टुकड़ा. A piece of
cloth to cover or tie the neck
of a pot पि० नि० ३४७;

ददुरग. पुं० (ददुरक) पगथी ६२ ६२ ओवे
अवाज करवे ते पैसों से ' दर दर ' शब्द
आवाज ध्वनि को पैदा करना. A patter-
ing sound made by the feet
भग० ३, २; राय० १२३; (२) ओक अतनु
वाजिंत्र. एक प्रकार का बाजा. a kind of
musical instrument. जीवा ३, ३;
राय० १२३;

ददुरिया स्त्री० (ददुरिका) वाद्य-वाजिंत्र
विशेष. वाद्य-बाजा विशेष. A kind of
musical instrument. डा० ७; राय० ८६;
ददु पुं० (ददु) पाप२; आमडीने ओक
रोग. दाद; गजकर्ण; ददु; चर्म रोग विशेष.
Ringworm; a skin disease जं०
प० भग० १, ६;

ददुर. पुं० (ददुर) दे० मेंढक; डेढक.
A frog; a toad विशे० १७५७; ओव०
२६; नाया० १; भक्त० ७५; (२) ओ नामने
ओक पर्वत इस नाम का एक पर्वत a
mountain of this name. नाया०
१६; जं० प० (३) राहुपुं० अप२ नाम.
राहु का दूसरा नाम. the second
name of Rāhu सू० प० १६; भग०
१२, ५, (४) यमप्राथी मोहुं प्राथिल कलस.
चमड़े से मुह बाधा हुआ कलस. a pot
the mouth of which is tied by
piece of a leather. प२ह० २, ५; (५)
कुडी आदि भाजननु भुप. कुंडी आदि पात्र
का मुंह. the mouth of a mortar or
a bowl etc. नाया० १; (६) दे०

लयभांथी ददुरावतंसक विमानभां उत्पन्न
थये देव मेंढक के भव में ने ददुरावतंसक
विमान में उत्पन्न देव विशेष. a god born
in the Dardurāvatānsaka cele-
stial abode from the life of
the frogs. नाया० १३; (७) पांगभां
देवलोकना छेनु यिन् देव पांचवें देवलोक के
इन्द्र का चिन्ह. the symbol of the
Indra of the 5th Devaloka.
ओव० २६; —कुलरसिय. न० (-कुल-
रसित) दे० काना समूहने ओक साथेने
अवाज. मेंढकों की संगठित एक साथ की
आवाज-शब्द ध्वनी. the simultaneous
croaking of a group of frogs.
नाया० ८; —गद. स्त्री० (-गति) दे०
कानी चाल. मेंढक की चाल-गति. the
gait of a frog. नाया० १२; —जीव.
पुं० (-जीव) दे० काने छेव. मेंढक का
जीव. the soul of a frog. नाया० १२;
—सीहासन. न० (-सिंहासन) ददुरनामा
देवपुं० सिंहासन. ददुर नामक देव का सिंहा-
सन. a throne of the god named
Dardura. नाया० १३;

ददुरत्ता. स्त्री० (ददुरता) दे० काने
मंडकत्व; मेंढकपन The state of a
frog. नाया० १३;

ददुरदेव. पुं० (ददुरदेव) पहिला देवलोकने
ओक देवता. पहिले देवलोक का एक देवता.
A god of the 1st Devaloka
नाया० १३;

ददुरदेवत्ता. स्त्री० (ददुरदेवत्ता) ददुरदेव
पुं०. ददुरदेवत्व The state of a
Darduradeva. नाया० १३;

ददुरवर्द्धिस-य. न० (ददुरावतंसक) ओ
नामपुं० पहिला देवलोकपुं० ओक विमान पहिले
देव लोक का इस नाम का एक विमान. A

celestial abode of the 1st Deva-
valoka of this name नाया० १३;
—विमाण न० (-विमान) लुओ उपले
श०६ देखो ऊपर का शब्द vide above.
नाया० १३;

ददुरी. स्त्री० (ददुरी) डेडी. मेंढकी; मादा-
मेंढक, डेंडकी. A female frog. नाया०
१३;

दद्व. त्रि० (दग्ध) अलेल जला हुआ
Burnt प्रव० २३२; —तैल. न० (-तैल)
अलेल तेल जला हुआ तैल. burnt oil
प्रव० २३२;

दधि. न० (दधि) दही दही. Curds.
जीवा० ३, ३, पि० नि० भा० ५०; सू० प०
११; ज० प० ५, १२२; —कुम्भ पुं० (-कुम्भ)
दहीना धडा दही का घडा. a pot of
curds भग० १६, ६; —घण न० (-घन)
अरापर नभेयु -डहणु थयेल दही बराबर
जमा हुआ-या गाढा दही; अच्छा जमा हुआ
दही well curdled curds ज० प०
७, १६६; नाया० १;

दधिफोल्लह. स्त्री० (दधिफोल्लकी) पन-
स्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A kind
of vegetation भग० २०, ६;

दधिमुह. न० (दधिमुल) आठमा नदीश्चर
दीपमा यारे दिशाये यार अञ्जन पर्वत
छे ते प्रयेडनी आलुओ यार पु० ३२३-
पावडी छे ते दरेड पावनी वर्ये ओडेड
पर्वत पल गन आशारे छे ते १६ पर्वत
दधिमुल पर्वत डहेवाय छे. आठवें नदीश्चर
द्वीपमें चारो दिशाओं में चार पर्वत हैं इन में
से हरएककी चारों तरफ चार पुष्करिणी-
वावडी हैं और हरएक वावडीके मध्यमें पलंग
के आकार का एक २ पर्वत है; ये १६ पर्वत
दधिमुल पर्वत कहलाते हैं. There are 4
mountains in the 4 directions

of the 8th Nandīśvaradvīpa.
There are 4 Puṣkarinī wells
on the 4 sides of each of these
mountains and there is a cot-
like mountain in the midst of
each of these wells These
16 mountains are called Da-
dhimukha. सम० ६४;

दधिचरण पुं० (दधिचरण) वृक्ष विशेष. वृक्ष
विशेष, एक जाति का वृक्ष. A kind of
tree. ओव० भग० २२, ३;

दण्प. पुं० (दर्प) अहंकार; गर्व; मानकपाय.
अहंकार, घमंड गर्व; मानकपाय Pride,
haughtiness. परह० १, ४; भग०
१२, ५; २५, ७; सम० ५२; गच्छा० १८;
भक्त० ११०;

दण्पण. पुं० न० (दर्पण) अरीसी, आयनी
ऐना; दर्पण. A mirror; one of the
8 auspicious objects. (२) आठ
भगलिकमानो ओड. आठ भागलिकों में से
एक one of the eight auspi-
cious things or marks. ज० प० ५,
१२२; परह० २, ४; राय० नाया० ४७;
१; १६; भग० ६, ३३; विशेष० ३०४; सु०
च० २, ५६८, जीवा० ३, ३; ४; ओव०
१०, ३१; कण्प० ३, ३८; —तलोवम. त्रि०
(-तलोपम) दर्पणना काय समान शोला
वास्तु, उ० १५ दर्पण के काचवत् शोभायमान
उज्ज्वल; निर्मल स्फटिकवत् beautiful
like the surface of a mirror;
bright as a mirror कण्प० ३, ३८;

दण्पणम. न० (दर्पणक) अरीसी पड्डापातो
हाथो. दर्पण का दस्ताना; काच की सुठ.
A handle of a mirror. ओव० १०;
दण्पणिज. त्रि० (दर्पणाय) पल आपी
उत्साह शक्तिने पुष्ट इरनार; नरेशजि

प्रदीप्त करनेवाला. बल प्रदान कर उत्साह शक्ति की वृद्धि करने वाला; जठराग्नि को प्रदीप्त करने वाला. That which increases the power of digestion. अथ० ३१; पञ्च० १७, जं० प० ठा० ६, १; कप्प० ४, ६१; (२) न० जेथी काम उत्पन्न थाय ओतुं ओक प्रकारतुं मर्दन. एक मर्दन विशेष जिमके कारण काम उत्पन्न हो a massage that excites sexual passion. नाया० १;

दण्डि. त्रि० (दण्डि) गणी; अहंकारी. गर्वी; अहंकारी; घमंडी. Proud; vain सु० च० १, २८४;

दण्डिय. त्रि० (दण्डित) गणी; घमंडी, गर्वित. Proud, vain. पण्ड० १, १; जं० प० ७, १६६;

दण्ड. पुं० (दण्ड) दाण्डि; ओक पतलुं पतलुं दण्ड; दुवां; दण्ड. एक प्रकार का चारीक घाँस Grass; a kind of thin grass. आया० २, २, २, ८७; अंत० ३, ८, पञ्च० १; नाया० १, ५; ६; ८; भग० २, १; ७, १; ६; ८, ६; ११, ६; उवा० १, ६६; —कर्मन्त न० (-कर्मन्त) दाण्डिनु क्षरणातुं दण्ड का कारखाना. a factory of the Darbha grass. दमा० १०, १; —कलश. पुं० (-कलश) दण्डिने क्षरश दण्ड-दण्ड का कलश. a pot of the Darbha grass. भग० ११, ६, —कुस. न० (-कुस) दाण्डि दण्ड; कुस; (दण्ड) grass भग० २१, ६; —कुस-हस्तगय त्रि० (-कुसहस्तगत) दाण्डि तरणु जेना हाथमा-छे ओवे। जिसके हाथ में दण्ड है वह; दण्डकर हस्ताधारी one holding the Darbha grass in his hands. निर० ३, ३; —वण न० (-वण) दाण्डिनु वन. दण्ड का वन, दण्ड

का जंगल. a forest of the Darbha grass. पण्ड० १, १; —संथारग. न० (-संथारक) दाण्डिनी पथारी दण्डा विद्याना. a mat of the Darbha grass. नाया० १६, —संथारागय त्रि० (-सं-थारकोपगत) दाण्डिनी संथारा-पथारी पर ओठेल. दण्ड के विद्याने पर बैठा हुआ. (one) seated on a Darbha mat. जं० प० ३, ४०; भग० १५, १;

दण्डपुष्प पुं० (दण्डपुष्प) दण्डि-सपनी ओक पतल. दण्डि-सपनी की एक जाति. A kind of serpent पण्ड० १, १;

दण्डय. पुं० (दण्डक) मूल सहित दाण्डिने छे। मूलसहित दण्ड का पौधा The Darbha plant with roots भग० १८, १;

दण्डियायण पुं० (दण्डियायण) चित्रा नक्षत्रतुं ओ. चित्रा नक्षत्रका गोत्र. The family-origin of the Chitrā constellation. ' चित्रा यण्यते किं गोत्रे पण्यते ? दण्डियायण . स गोत्रे पण्यते ' सू० प० ११; जं० प० ७, १२६;

दम पुं० (दम) इन्द्रिय दमन, इन्द्रिय निग्रह. संयम, इन्द्रिय निग्रह-दमन. Self-restraint. आया० १, २, ३, ७६, —सागर पुं० (-सागर—दम एव दुस्तरत्वासागर इवेति) तरी न शक्य ओवे। इन्द्रिय दमन करनेवाली सागर. इन्द्रिय दमनरूप दुस्तर सागर. the impassable ocean in the form of self-restraint उत्त० १६, ४३;

दमदन्ता. सं० कृ० अ० (दमयित्वा) आत्म दमन करीने. आत्मदमन करके Having controlled one's self दस० ५, १ १३; दमग पुं० (दमक) रंक; बिछारी रंक, दीन; गरीब; दरिद्र; बिछारी. Penniless;

pauper; poor. नाया० १६; —पुरिस. पुं० (-पुरिस) २३-हरिद्री पु३५. रक या दरिद्री पुरुष. poor; destitute. नाया० १६;

दमघोष. पुं० (दमघोष) शिशुपाल राजाना पिता नाम शिशुपाल राजा के पिता का नाम. Name of the father of the king Śiśupāla “वसुदेव सुसाण सुश्रो दमघोषण राहिवेण माहोण” नाया० ८; १६; सू० टी० १, ३, १;

दमण न० (दमन) दमन करणुं ते; पशु आदने पीडनां ते दमनकार्ये, पशु पीडन. Subduing; hurting the animals etc. परह० १, १, १, ३; (२) वृक्षनी अ० जल. वृक्ष की एक जाति. a particular class of trees नाया० १७; —**पुड.** पुं० (-पुड) दमनगता पांदाजने पुडो. दमनग के पत्तों का पुडा या द्रोण a cup of the Damanaga leaves नाया० १७;

दमणग. पुं० (दमनक) पुष्पनी अ० जल एक प्रकार का पुष्प विशेष A particular flower. ‘दमणग पुडाणवा’ जं० प० नाया० ८, जीवा० ३, ४; परह० २, ५, राय० पञ्च० १; —**वक्ष** न० (-वक्ष) दमनग-पक्ष विशेषतां पांदा दमणग-वृक्ष विशेष के पत्ते leaves of a particular tree. निसी० ३, ७०;

दमण्य पुं० (दमनक) लुओ ‘दमणग’ शब्द. देखो ‘दमणग’ शब्द. Vide ‘दमणग’ भग० २१, ८, राय० ५६, जं० प० परह० २, ५; कण्ठ० ३, ३७;

दमणा. स्त्री० (दमना) अ० जलतु गन्ध द्रव्य एक प्रकार का सुगन्धि द्रव्य विशेष. A sort of fragrant substance. राय० ५६;

दमदंत. पुं० (दमदन्त) अ० नामने हस्तिशीर्षक-
Vol III/17.

पुरनो अ० राजा. हस्तिशीर्षकपुरका इस नाम का एक राजा. A king of this name of Hastisīrṣaka city. नाया० १६;

दमि. त्रि० (दमिन् - दमो विद्यते येषां ते दमिनः) धृष्टि निग्रह करवा; जितेन्द्रिय. संयमी; दान्त, इन्द्रिय निग्रह करनेवाला; जितेन्द्रिय. Self-restrained; (one) who has controlled the senses. उत्त० १६; २२, —ईसर पुं० (-ईश्वर - दमो विद्यते येषां ते दमिनो जितेन्द्रियाः तेषामीश्वरो दमीश्वरः) जितेन्द्रियमां अग्रसर जितेन्द्रिय श्रेष्ठ, श्रेष्ठ संयमी the lord amongst the self-restrained उत्त० १६, २; २२, ४;

दमिय. त्रि० (दमित) दमन करे; निग्रह करे. दमन किया हुआ; निग्रहीत, निरोधित Subdued; checked उत्त० ३२, १२;

दमिला स्त्री० (द्रमिला) द्रमिल नामना देशमां उत्पन्न थये अ० दासी द्रमिल नामक देश में उत्पन्न एक दासी A maid-servant born in the country named Dramila. भग० ६, ३३,

दमिली स्त्री० (द्रमिली) द्रमिल देशमां उत्पन्न थये दासी द्रमिल देश में उत्पन्न एक दासी. A maid-servant born in the country named Dramila नाया० १; जं० प० ओ३० ३३;

दमेयत्व. त्रि० (दमितव्य - दम्य) दमन करवा योग्य दम्य, दमनयोग्य; निग्रहीचित. Fit to be subdued or restrained उत्त० १, १५;

दम्म त्रि० (दम्य) दमन करवा योग्य. दमन योग्य; निरोध योग्य. Fit to be subdued or restrained. दम० ७, २४; आया० २, ४, २, १३८;

✓ **दय.** धा० I. (दय) दया करवी. दया

करना. To pity.

दयह. सम० ३३, आया० १, ७, ३, २०६;

दयए आ० नाया० ८;

दय. त्रि० (दायक) आपना२. देनेवाला;

दाता. A giver; a donor. कप्प० २, १५;

दयद्वया. स्त्री० (दयार्थता) द्याने भाटे.

दया के लिए; दयार्थ; करुणार्थ. For compassion. सूय० २, ६, ५२;

दयपत्त. त्रि० (दयाप्राप्त) द्याने प्राप्त थयेल.

दयार्द; दयामय. Compassionate. ठा० ६; राय०

दया. स्त्री० (दया) द्या; कृपा; रडेभ. दया;

करुणा; कृपा, रहम Pity; compassion.

(२) उपरक्षा जीवरक्षा. protection of living beings. दस० ४,

१०; ६, १, १३, नंदी० १४; पएह० २,

१; ओव० आया० १, ६, ५, १७४, गच्छा०

७६; —अहिगार. त्रि० (—अधिकारिन्)

द्याने अधिकारी; द्याने पात्र. दया का

अधिकारी; दयापात्र. an object of

pity or compassion दस० ८, १३;

—वर. त्रि० (—वर) द्याना शुशुथी

पप्पुआयेअ—अेष्ठ दयालु स्वभाव के कारण

प्रशसित—अेष्ठ famous as compas-

sionate; best amongst the com-

passionate. सूय० २, ६, ४५;

दयालु त्रि० (दयालु) द्यालु; द्यावान

दयालु; दयावान. Compassionate.

प्रव० १३०१,

दर. त्रि० (*) अर्ध. आधा. Half.

ओष० नि० २५४; ४६३; (२) थैडुं

थोडा; कम. ओछा. a little. विशेष० ६४२;

—गय. त्रि० (—गत) थैडुं प्राप्त थयेअ

कम परिमाण में प्राप्त; थोडा प्राप्त—मिला

हुआ. obtained or got in a little

quantity. विशेष० ६४२; —दिरण त्रि०

(-दत्त) थैडुं आपेल. थोडा दिया

हुआ. given a little. पंचा० १०, ४७;

—निव्वलिय. त्रि० (—निव्वलित) मिश्र;

थैडुं शुद्ध अने थैडुं अशुद्ध. मिश्रा थोडा

शुद्ध और अशुद्ध mixed; alloyed.

विशे० १२२०, —फुल्ल त्रि० (—फुल्ल)

अर्ध विकसित. आधा खिला हुआ; अर्ध

विकसित—पस्फुटित half open, bloom-

ing. विशेष० १४३१; —विरइ स्त्री० (—वि-

रति) दर-धुपित थैडी विरति नेमा छे ते;

देश विरति; पांचभुं शुशुथानक कम

विरतिवाला; देश विरति, पांचवां गुण-

स्थानक. (one) who has partial

renouncement; fifth spiritual

stage. क० गं० ५, ८२;

दरसणिज्ज. त्रि० (दर्शनीय) दर्शन करवा

थैआ. दर्शनीय; प्रेक्षणीय; देखने योग्य.

Beautiful; handsome नाया० १;

७, ८, भग० १८, ५; निर० ५, १; चं०

प० १८;

दरसिय. त्रि० (दर्शित) देखाडेल. दिखाया

हुआ. Shown. नाया० १६;

दरिद त्रि० (दरिद्र) दरिद्र, गरीब; निर्धन

दरिद्र; गरीब; दीन; निर्धन. Destitute;

poor. ठा० ३, १; ४, ३; पि० नि० ३२५;

—कुल. न० (—कुल) निर्धन कुल

निर्धन कुल, दीन कुल. a poor family

दना० १०, १०; कप्प० २, १६;

दरिद्रीहूय. त्रि० (दरिद्रीभूत—अदरिद्रा दरिद्रा

भवन्ति दरिद्रीभूताः) दरिद्र थयेल. दरिद्री;

दरिद्र बना हुआ. (One) become

destitute. ठा० ३, १;

दरिय. त्रि० (दत्त) गर्विष्ठ. गर्वयुक्त. गर्विष्ठ;

दंभी; घमंडी. Proud, vain. सु० व०

१, ६१; २, ५२५; ओव० नाया० १. पएह०

१, ४;

दरिसंत. त्रि० (दर्शयत्) देखाओ। दिखलाता हुआ. Showing सु० च० १, ३३२;

दरिसण. न० (दर्शन) सभकित. समकित; सम्यक्त्व. Belief. faith. नाया० १; १४; (२) आगम आगम; शास्त्र. scriptures. सूय० १, १, १, १६; (३) संवेदन. संवेदन. narration which excites love for truth. सम० १०; (४) प्रकाशयुं; प्रगट करयुं. प्रकाश करना; प्रकट करना. showing; manifesting विशेष० २८१८; सम० ५; राय० (५) वाक्य. a sentence. सम० ६; (६) दर्शन—मत. दर्शन—मत. system; creed. सूय० १, १, १, १६; —रह्य. त्रि० (-रतिक—दर्शने—आलोकने रतिकस्मिन् स दर्शनरतिकः) जेतां आनन्द आपनार. देखते ही आनन्द देनेवाला, दर्शन सुखकर. that which gives pleasure at the mere sight. राय०

दरिसणाचरणज्ज. न० (दर्शनाचरणीय) आत्माना दर्शन गुणुं आच्छादन करना आठ कर्म भांनुं श्रीं कर्म. आत्माके दर्शन गुण का आच्छादन कर्ता आठ कर्मों में से दूसरा कर्म The 2nd of the eight Karinas which obscures the conative power of the soul. ठा० २, ३; ४, १; भग० ५, ४, ६, ३, २६, १;

दरिसणाचरणीय न० (दर्शनाचरणीय) जुओ उपायो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. पञ्च० २२,

दरिसणज्ज. त्रि० (दर्शनीय) आपने आनन्दकारी; जेना योग्य; जेने जेतां आपने श्रम न लागे ते नयनानन्दकारी, नेत्रों को सुखप्रद; दर्शनीय; दर्शन मनोहर. That which gives pleasure to the eyes; handsome. जं० प० ५,

११५; ११७; राय० २; ४४; पञ्च० २; जीवा० ३, १; नाया० १; ६; १२; १६; भग० २, ५; उवा० २, ११२; ओव०

दरिसणीय. त्रि० (दर्शनीय) जुओ उपायो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० ५; १३;

दरिसयंत. त्रि० (दर्शयत्) प्रकट करतो. प्रकट करता हुआ. Showing; manifesting. सम० २;

दरिसि पुं० (दर्शिन) सर्वदर्शी. सर्वज्ञ; सर्वदर्शी; सम्यक्ज्ञानी. Omniscient. उवा० ७, १८७;

दरी. स्त्री० (दरी) पर्वतनी गुफा. पर्वतकी गुफा-कन्दरा. A mountain cave. दसा० ७, १; आया० २, १, २, १२; २, १०, १६६; भग० १, ३१; १५, १; नाया० १; ५; जं० प० (२) उदर आदिथी करेसी नानी आउ चूहों आदि द्वारा बनाया हुआ छोटासा दर a hole or burrow made by rats etc. जीवा० ३, ३; जं० प० २; नाया० १; —(रि) मह. न० (-महस्) गुफा नी भोहतसय गुफा का महोत्सव. a great festivity connected with a cave. आया० २, १, २, १२; राय० २१७;

✓दल. धा० I. (दद्) आपनुं; दान करु. देना; दान करना; प्रदान करना. To give in charity; to bestow upon.

दलइ. पिं० निं० ५६६;

दलाइ. नाया० ७;

दलामो. नाया १४;

दलेज्जा. वि० उत्त० ८, १६;

दलएज्जा. विवि० नाया० २;

दले. आ० दसा० ६, २; वव० ४, २४;

दलसु सु० च० २, ६०७;

दलाह. आ० नाया० ७;

दलह. आ० निर० १, १;

दलाहि. आ० नाया० १४;
 दलइस्सद्. ओव० ४०;
 दलइस्सामि. नाया० १६;
 दलइत्तए. हे० कृ० नाया० ८; वव० ७, १५;
 दलंत. व० कृ० पि० नि० २७४; प्रव० १३७;
 दलमाण. व० कृ० नाया० १६; भग० ११, ११;
 दलावेमि (गिच्) अंत० ६, १५;
 दलावेमाण (गिच्) ठा० ४, ६; नाया० १,
 ✓ दल. धा० I. (दद्) आपवुं; देवुं. देना
 To give.
 दलयए. नाया० १;
 दलयइ-ति. नाया० १; २; ५; ६; ७; ८;
 १४; १५; १६; जं० प० ५, ११७;
 भग० ७, १; ११, ११; नाया० ध०
 पि० नि० ३२८; राय० २४०, ओव०
 १२; २८; जीवा० ३, ४, भग० ३,
 २; ११, ११;
 दलयंति. नाया० १; ८; १३; जं० प० ५, १२१;
 दलयामि. नाया० १; ७, १४; १६, निर०
 ३, ४,
 दलयामो. नाया० १; १६, नाया० ध० भग०
 ६, ३३;
 दलयाहि. आ० निसी० ६, ४;
 दलयित्था. आ० भग० ७, ६;
 दलइत्ता. सं० कृ० नाया० १, २; ६; ७; ८;
 १६; भग० ३, २; ११, ११,
 दलइत्तए. हे० कृ० नाया० २;
 दलयित्तए. हे० कृ० भग० ३, २,
 दलयमाण. व० कृ० ३, २; ४, २; नाया० १;
 वव० १०, १;
 दल. न० (दल) पत्र; पादल, पत्र; पत्ते A
 leaf. पत्र० १७; विशे० २६६; जीवा० ३,
 ४; (२) भाग, अंश. भाग; खंड a por-
 tion; a division. पत्र० २, (३) समूह;
 ज०थी समूह; भुंउ, वृन्द. a collection;
 a group नाया० १; ६; (४) उपादान

उपादान कारण. the material
 cause पंचा० ७, ९; (२) कर्मना दलीया;
 कर्मना अणुंनो ज०थी कर्म समूह, कर्म-
 अणुओं का समूह. an aggregate of
 Karmas or Karmicatoms. क० गं०
 ५, ७८; —अगणि पुं० (-अग्नि—दलानि
 पत्राणि तेषामग्निर्दलानि) पांडलानि
 अग्नि. पत्तों की अग्नि fire of leaves.
 ठा० ८; —रयणा स्त्री० (-रचना) कर्मना
 दलनी-प्रदेशनी रचना. कर्मदल-प्रदेश रचना.
 the arrangement of the mole-
 cules of Karmas क० गं० ५, ८३;
 —विमल. त्रि० (-विमल) दल-कमल-
 पत्रनी पेड़ें निर्मल. दल-कमल पत्रवत् निर्मल.
 clear, spotless like a lotus leaf.
 जं० प० ५, १२२;
 दलिय न० (दलिक) विभाग; अपयय
 विशेष विभाग, खंड; अंग; अवयव विशेष.
 A division; a portion; a parti-
 cular limb जं० प० (२) कर्मणा पर-
 माणु कर्म के परमाणु the molecules
 of Karma. ठा० ४, २, क० गं० ५, ८१;
 (३) वस्तु, पदार्थ वस्तु; पदार्थ; चीज. an
 object, a thing. ओव० नि० ५५;
 दव पु० (दव) खेल; क्रीडा, गम्भत केलि,
 क्रीडा; रमण; खेल. Sport; play;
 game. जं० प० ३, ६७; ओव० २४, पत्र०
 २; गच्छा० ७३; (२) जल, पाणी; प्रवाही.
 जल, उदक; पानी; पवाही water “सीए
 दवस्स एगो भत्ते चत्तारि अहव दो पाणो”
 प्रव० ७८६; पि० नि० भा० २६; विशे०
 १७०७, —कर त्रि० (-कर) क्रीडा-गम्भत
 ह्रासी-करनार. क्रीडक, खिलाडी a play-
 er; a sportsman ओव० ३१; —कारण.
 त्रि० (-कारक) क्रीडा करनार. क्रीडा करने
 वाला, खिलाडी. a player जं० प० ३,

६७; —कारी छी० (कारिणी) दांसी-
गम्भत करनारी (लाषा) हास्य विनोदात्मक-
भाषा, हास्यरस से भरी हुई भाषा. hu-
morous or witty language
भग० ११, ११; —गुड पुं० (—गुड) नरम
गोश्च. नरम गुड. soft molasses. प्रव०
२२१, पणह० १, ४;

दव. न० (दव) दावानल; वननो अग्नि
दावानल; वन की आग. Wild fire
विशे० १३०७; —दान न० (—दान—
दवस्य दवाग्ने स्तृणाऽऽदिदहनानेमिन्त
दानं चितरणं दवदानम्) दावानल सल-
गावेलो. वन की अग भडकाना—सुलगाना;
दावानल को प्रज्वलित करना enkindl-
ing a wild fire प्रव० २६८,

दवग्नि पुं० (दवाग्नि) दावानल. दावाग्नि;
दावानल; वन बन्हि Forest conflag-
ration. “दवाग्नि जालाभिहृष्ट” जवा०
१, २; पणह० १, १. श्रौत० ३८; नाया० १,
उत्त० ३३, ११; भग० १२, १, उवा० १,
२१; —दद्वयं न० (—द्वयं) दावा
ग्निभां आलवान्नी सन्न करणी ते दावाग्नि
दहन का दण्ड, वन की आग में जलाने
की सजा a punishment in the
form of burning in a conflagra-
tion. सूय० २, २, ६३; —दद्वय. त्रि०
(—द्वयक) दावानलभां अलेवेलो. दावाग्नि
दग्ध; दावानल में जला हुआ one burnt
by a wild fire दसा० ६, ४; —दा-
वणया. स्त्री० (—दावण) सातभा उप-
लोम परिलोम व्रतनो १३मो कर्मादानरूप
अतिथार, दुंगर वगेरेने सलगववा ते
सातवै उपभोग परिभोग व्रत का १३ वें
कर्मादानरूप अतिचार, पर्वत आदि का सुल-
गाना-उन से आग्नि प्रकट करना the 13th
fault in the form of sinful ac-

tions connected with the 7th
Upabhoga Paribhoga vow;
setting fire to a mountain etc.
भग० ८, २;

दवदव. अ० (*) ‘ दव दव ’ करतीं
आलपुं ते धव धव करके चलना; ध्वनि पूर्ण
गति Plodding heavily making
the sound “ Dhaba Dhaba ”
while walking. उत्त० १७, ८; दस०
५, १, १४; —चारि त्रि० (—चारिन्)
दव दव ओवो अवाज करतो आलनार साधु,
असमाधितुं प्रथम स्थान सेवनार. धम-धम
आवाज के साथ जल्दी चलने वाला साधु,
असमाधि के प्रथम स्थान का सेवक. an as-
cetic who plods heavily making
a sound, one who resorts to the
1st stage of non-concentration.
दसा० १, ४; सम० २०,

दवदवस्त. अ० (*) उतावले उतावले.
जल्दी जल्दी; शीघ्रता के साथ. Hurried-
ly. “ दव दवस्त चरईपमत्तय आभिकल्लणं ”
उत्त० १७, ८; अंत० ६, ३;

दवरग पुं० (दवरक) दोरपुं. रस्सा, दोरी;
रज्जू A rope; a cord. नाया० ८; राय०
दवसील. त्रि० (दवशील) जलदी जलदी
लाषाणु करनार. शीघ्रता के साथ बोलने
वाला, शीघ्र वक्ता (One) who
speaks hurriedly ठा० ४, ४;

दविड पुं० (दविड) ओ नामनो ओक
अनार्य देश. इस नाम का एक अनार्य देश.
An Anārya country of this
name नाया० १, प्रव० १२६८;

दविण न० (दविण) धन. धन; द्रव्य;
सम्पत्ति. Wealth, riches. सु० च० १,
२२०, ४, १२६;

दविअ-य पुं० (दविक) संयमी. संयमी.

Self-restrained. (२) मोक्ष न्याये
योग्य; लभ्य. मोक्ष प्राप्ति के योग्य; भव्य.
fit for emancipation. आया० १, १,
७, २७; १, ४, ४, १३७; १, ६, ३, १८५;
१, ६, २, १५; १, ६, ४, १३; सूय० १,
२, १, १५; १, ४, १, १०; १, १६, १;
(२) तृण आदि द्रव्य समुदाय; भीड़. a heap of
hay etc.; a grass field. भग० १, ८;
आया० २, ३, ३, १२७;

द्विविध. न० (द्रव्य) द्रव्य; वस्तु; शुभ्र अने
पर्यायना आधार ३५ धर्मास्ति काय आदि
७ द्रव्य. द्रव्य; वस्तु; गुण और पर्याय के
आधार रूप धर्मास्ति काय आदि छः द्रव्य.
Substance; object; the 6 sub-
stance viz. Dharmāstikāya etc.
which are the fulcrum of attri-
butes and modifications. ठा० ४, २;
अणुजो० ५०; (२) धन; संपत्ति. धन; संपत्ति
wealth; riches. कप्प० ५, १०३; —अणु
ओग, पुं० (अनुयोग) द्रव्य. संय धी विवेचन.
द्रव्य सम्बन्धी विवेचन. a discussion
relating to substance. “दमविहे
द्विविद्याणुयोगे पण्यते ” ठा० १०; —अणु
जोग. पुं० (अनुयोग) लुओ ‘द्विविद्या-
णुयोग ” शब्द. देखो “द्विविद्याणुओग ”
शब्द. vide “द्विविद्याणुओग ” ओष० नि०
६; —आत. पुं० (आत्मन्) द्रव्यात्मा;
आत्म द्रव्य द्रव्यात्मा; आत्म द्रव्य, आत्म
सम्पद वाला. possessing the
wealth of the soul. भग० १२, १०,
—एकय. पुं० (एकक) द्रव्य संय धी
ओक्षम. द्रव्यसम्बन्धी एकम् a unit relat-
ing to a substance. ठा० ४, २;

द्विविध त्रि० (द्विविध) द्विवि देशवासी
द्विवि देश का निवासी. A native of

the Dravida country पण्य० १, १;
पञ्च० १;

द्विविद्यातिय पुं० (द्रव्यस्वास्ति) वन-
स्पति विशेष वनस्पाते विशेष. A parti-
cular vegetation. भग० २१, ७;
द्रव्य. न० (द्रव्य) शुभ्र अने पर्यायनुं आ-
श्रय, लूत अने लावि पर्यायनुं कारण; वस्तु;
पदार्थ; धर्मास्ति काय आदि ७ द्रव्य. गुण
और पर्याय का आधार, भूत व भावि
पर्याय का कारण, वस्तु-पदार्थ; धर्मास्ति काय
आदि छः द्रव्य. Vide “द्विविध ” गाथा०
१; ७; ३; ८; १२; १७; भग० १, १; ३;
२, १; ५; ३, ४, ५, २; ७; ७, १; ८, १;
१०; १८, १०; २५, २; नंदी० १६; पञ्च०
१५; अणुजो० १८; १३२; १४३; ओव
२०; पि० नि० ५; विशेष० २८; क० गं० ५,
८६; पंचा० ३, ३५; ८, २६; प्रव०
६०४; भक्त० ३१; ४२; ७६; (२) कर्मदल;
कर्मना दलित्वा. कर्म समूह-कर्म दल. a
group of Karmas क० १० १, ८३;
—अंतर न० (अन्तर) द्रव्यान्तर;
भीतुं द्रव्य. द्रव्यान्तर; दूसरा द्रव्य. an-
other substance. सम० ३; —अ-
णंतअ-य. पुं० (अन्तक) अनंतद्रव्य.
अनन्त द्रव्य, अपार निधि. infinite
substances, an immense trea-
sury. ठा० ५, ३; —अणुओग. पुं०
(अनुयोग) धर्मास्ति काय आदि ७ द्रव्यनुं
विवेचन. धर्मास्ति काय आदि छः द्रव्य का
विवेचन a discussion on the 6
Dravyas. सम० ३; —अणुपुर्वी.
लो० (अनुपूर्वी) द्रव्य विषयक अनुक्रम;
अनुपूर्वी. द्रव्यसम्बन्धी अनुक्रम, द्रव्यानुक्रम-
माणिता-अनुपूर्वी. a serial order of
substances. अणुजो० ७१; —अभि-
ग्रह. पुं० (अभिग्रह) अभुक् द्रव्य लेवुं

अमुक् न लेवुं ऐवी रीते द्रव्य संयधी
नियम इवेो ते द्रव्य सम्बन्धी नियमन;
पदायो के लेने का नियम मर्यादा.
a vow that a parti-
cular thing is to be accepted
or not etc ओव० भा० २५, ७;
—अभिग्रहचरय. पुं० (-अभिग्रह
चरक) अमुक् द्रव्य लेवुं अमुक् न लेवुं
ऐवेो अलिग्रह विशेष धरनार आधु. अमुक्
द्रव्य लेना अमुक् न लेना इस आशय का
अभिग्रह विशेष धारण करने वाला साधु. an
ascetic who has taken a vow
that a particular thing is to
be taken or not. भग० २५, ७;
—आदेश. पुं० (-आदेश-आदेशः प्रकारो
द्रव्यरूप आदेशो द्रव्याऽऽदेशः) द्रव्येनो
आदेश-अपेक्षा द्रव्य का आदेश-अपेक्षा
a relation or substitute for
substances. भग० २, ६; १४, ४, ठा०
४, १; —आय पुं० (-आत्मन्) द्रव्य
स्वरूप. द्रव्य स्वरूप. the external
shape or form पि० नि० १०४, —आ-
यरिय. पुं० (-आचार्य) आचार्यना शुलु
रहित आचार्य. आचार्य के गुणों से हीन
आचार्य; अयोग्य आचार्य an unfit pre-
ceptor. पंचा० ६, १३; —इंद्र. पुं० (-इन्द्र)
द्रव्येन्द्रना मे प्रक्षर छे ओक् अ गमनी अपे
क्षाओ अने पीले अनागमनी अपेक्षाओ;
आगमना जया ईद्रनुं वलुं न छे, तेणो अलु-
नार पुरुष, उपयोग रहित तेनुं अध्ययन
करतो छेय तयारे ते पुरुष, आगमनी अपेक्षा-
द्रव्येन्द्र कहेवाय. जे शरीर लविष्यमां ईद्रनुं
सामर्थ्य मेलवनार छे अथवा लूत कालमां
जेणो मेलव्यु छे वर्तमानमां ईद्र लाव रहित छे
ते शरीरने आगमन अपेक्षाओ द्रव्येन्द्र कहे-
वाय. द्रव्येन्द्र दो प्रकार के हैं, १ आगम की

अपेक्षा से, २रा अनागम की अपेक्षा से
आगम मे जहाँ इन्द्र का वर्णन है, उसे जानने
वाला व्यक्ति यदि बिना समझे उसका अध्य-
यन करे, तो वह पुरुष आगम की अपेक्षा मे
द्रव्येन्द्र कहलाता है जो शरीर भाविष्य मे इन्द्र
की शक्ति प्राप्त करने वाला है अथवा
भूतकाल में उसे प्राप्त कर चुका है और वर्त-
मान में इन्द्रत्व से रहित है उस शरीर को
आगम की अपेक्षा से द्रव्येन्द्र कहते हैं. Dra-
vyendra is of two kinds; 1 with
reference to scriptures 2 with
reference to non-scriptures.
Any person who knows the
description of an Indra in scrip-
tures, but studies it without
understanding them is called
Dravyendra in reference to
scriptures. That body which
will obtain the power of Indra
or which has obtained it but
has not the state of an Indra at
present is called Dravyendra in
reference to scriptures —इंद्रिय.
पुं० (-इन्द्रिय) शन, नाक, आंख आदि
निर्पृति अने उपकरण रूप द्रव्येन्द्रिय. कान,
नाक, आंख आदि निर्गुण और उपकरण रूप
द्रव्येन्द्रिय organs of senses such
as the ears, nose, eyes etc पञ्च०
१४, भग० १, ७, विशेष० ६०, —उज्जोअ. पुं०
(-उद्योत) द्रव्य उद्योत-दीप्ताद्यदिना प्रकाश
द्रव्य उद्योत-दिये आदि का उज्जला.
brightness of an object such as
a lamp etc “गण से आवुज्जोअ दव्वु-
ज्जोअ करिस्सामो ” कण्व० ५, १२७;
—उमोयरिया. स्त्री० (-अवमोदरिका) पान
पाननां पडेरवा ओढवाना द्रव्यो व्रटायां.

खान पान के या पहिनने ओढ़ने के द्रव्यों को घटाना—कम करना. decreasing food stuffs and wearing apparels श्रव० १६; भग० २१, १; —एयणा स्त्री० (—एजना) द्रव्य परत्वे क्षिप्यु ते. द्रव्य परत्वे कंपन. trembling material-ly. भग० १७, ३०; —आगाहणा स्त्री० (—अवगाहना) द्रव्य आश्री अपगाहन-ठ्या॥ द्रव्य सम्बन्ध की अवगाहना—ऊँचाई material height ठा० ४, १; —ओहि पुं० (—अवधि) द्रव्य आश्री अवधिरान. द्रव्य के सम्बन्ध का अवधि-ज्ञान. limited knowledge in relation to substances. विशेष० २८४; —करण. न० (—करण) द्रव्य आश्री इत्यु. द्रव्य सम्बन्धी करण द्रव्यार्थी-करण. material cause. भग० १६, ६; —ग्रहणा. न० (—ग्रहण) पुद्गलादि द्रव्यानुं ग्रह्यु इत्युं ते. पुद्गलादि द्रव्य का ग्रहण करना. taking in of substances like Pudgala etc प्रव० २१०; १०५६; —जाय पुं० (जात) द्रव्यना प्रकार द्रव्य के प्रकार; द्रव्य की जाति. the varieties of substances जं० प० २, ३१; —जीविय न० (—जीवित) प्राण धारण करनेवाला आधाररूप अन्न पालुी वगैरे द्रव्य. प्राण धारण के आधाररूप अन्न जलादि द्रव्य substances such as food, water etc. which support life. विशेष० ३५११; —ट्ट पुं० (—अर्थ) द्रव्यनी अपेक्षा. द्रव्य की अपेक्षा—इच्छा wish for substances. भग० ७, २; —ट्टता. स्त्री० (—अर्थता) द्रव्यार्थपालु. द्रव्यनी अपेक्षा. द्रव्यार्थता; द्रव्य की अपेक्षा; द्रव्य कामना. a desire for substances भग० २५, ३; —ट्टया. स्त्री० (—अर्थता) द्रव्यार्थिक

नय; द्रव्यनी अपेक्षा; पर्यायने गौण राशी द्रव्यने मुख्यता आपी शाश्वत अशाश्वतने विचार इत्येते. द्रव्यार्थिक नय; द्रव्य की अपेक्षा; पर्याय को गौण रख कर द्रव्य को मुख्यत्व प्रधानता देना और फिर शाश्वत अशाश्वत का विचार करना. substantial standpoint; a desire for wealth; discussion of the eternal or transitory, making the substances as primary and there modifications as secondary. जं० प० ७; १७५, राय० १४५; भग० १८, १०, १६, ७; २५, ४, जीवा० ३, ४; नाया० ५, पत्र ३, —तुल्यय त्रि० (—तुल्यक) द्रव्य आश्री तुल्य द्रव्य तुल्य. similar to a substance. भग० १४, ७; —त्यच. (—स्तव) द्रव्य स्तव-स्तुति; लावविना स्तुतिने उच्चार मान इत्येते ते द्रव्य स्तुति भावहीन प्रार्थना करना; भाव को न समझते हुए स्तुति के उच्चार मात्र से प्रार्थना करना a material praise; repeating a prayer without any sincerity पंचा० ६, ४६; —दिस्ता. स्त्री० (—दिष्ट) दश दिशानी शब्दात् मेरुत रूपक प्रदेश रूप द्रव्यथी थाय छे तेथी तेनी अपेक्षाये दिशाये द्रव्य रूप इही शक्य दस दिशाओं का आरभ मेरु के रुक्क प्रदेश रूप द्रव्य में होता है इसकी अपेक्षा से दिशाये द्रव्यरूप कही जासकती हैं the quarters can be called material for they start from the Ruchaka region (which is material) in the Meru mountain. विशेष० ६६६६; —देव. पुं० (—देव) आवता लोकां देवपण्डु यतार मनुष्य अने तिर्यच. आग मी भवमें देवता होनेवाले मनुष्य और तिर्यच. the human and

sub-human beings which are to become gods in the coming life. भग० २०; —देश पुं० (-देश) द्रव्येनो देश भाग. द्रव्य का देश भाग. a part of a substance. भग० ८, १०; —धर्म. पुं० (-धर्म) भाव शून्य धर्म. भाव विहीन धर्म; खोखलाधर्म. unsentimental religion; a hollow religion. सूय० नि० १, ६; १००; —पञ्चमूलाण न० (-प्रत्याख्यान) द्रव्य की भावना सञ्चित पदार्थ-पाणी अन्न वगे-रेता त्याग करने के ते द्रव्य से भाव बिना भावको न समझे हुए सचित्त पदार्थ-अन्न जलादि का त्याग abandoning of food, water etc without understanding the motive. विशेष० ३८०३; —पम.ण. न० (-प्रमाण) द्रव्यनु परिमाणु गणुतरी. द्रव्य का परिमाण-गिनती सख्या the measure of a substance विशेष० ४०६; —परमाणु. पुं० (-परमाणु) द्रव्यना परमाणु द्रव्य के परमाणु. the molecules of a substances भग० २०, ५; —परिणाम पुं० (-परिणाम) द्रव्यनु परिणाम. द्रव्य का परिणाम. a modification or result of substances. विशेष० ६६; —पुरिस्. पुं० (-पुरुष) पुरुष भाव रहित; द्रव्य मात्र की पुरुष पुरुष भाव से हीन; द्रव्य मात्र से पुरुष, द्रव्य पुरुष man in appearance only. भा० ३, १. —पूह. स्त्री० (-पूति) पशुपुं अर्पितपणुं कालायेली पशु. पदार्थ-वस्तु की अपवित्रता; विखी हुई अपवित्र वस्तु impurity of an object; a decomposed thing पिं० नि० २२६; —वंध. पुं० (-बन्ध) द्रव्य बंध, स्नेह या रश्मी आदि बंधुं ते. द्रव्य बंध;

स्नेह या रस्ती का बंधन. the material bondage; a tie of affection. भग० १८, ३; —मंगल. न० (-मङ्गल) द्रव्यमङ्गल; मांगलिक द्रव्य योपा नालीयार वगेरे. मांगलिक द्रव्य; चावल, श्रीफल आदि. auspicious things e. g. rice, cocoanut etc विशेष० ४६; —मण. न० (-मनस्) काययोगनी सहायतायी श्रुति प्रदत्त करेले श्रुति-विचारणा प्रवृत्ति करावतार मनोवर्ग-णानी द्रव्य समूह. काययोग की सहायता से जीवद्वारा ग्रहण की हुई चिन्ता-विचारणा प्रवृत्ति करानेवाला मनोवर्गणा का द्रव्य समूह. a material group of Manovar-gaṇā which stimulates the thought-activity entertained by the soul through the help of Kayayoga (physical concentration) विशेष० २१७. —मास. पुं० (-मास) द्रव्यमां मास-अवस्था द्रव्य. मास-उदर, उदर रूप द्रव्य. a substance in the shape of Māsa (a kind of pulse). भग० १८, १०; —राशि पुं० (-राशि) द्रव्यना समूह. द्रव्य का समूह द्रव्य राशि. an aggregate of substances. पण्ड० २, ४; —लिंग. न० (-लिङ्ग) द्रव्य व्यवहार; बाहरी वेप. external intercourse, show. भग० २२, ६; ७; पंचा० ३, ३१. —लेस्मा. स्त्री० (-लेश्या) द्रव्य लेश्या; कृष्णादि लेश्यानु द्रव्य. द्रव्य लेश्या; कृष्णादि लेश्या का द्रव्य. matter-tint. भग० १, ६; १२, ५; —लोक. पुं० (-लोक) धर्मास्ति आदि श्रुतिश्रुत द्रव्यरूप लोक. धर्मास्ति काय आदि जीवाजीव द्रव्य रूप लोक. the animate or inanimate

material world viz. Dhasmāstikāya etc. डा० ३, २; —लोय. पुं० (-लोक) लुभो उपयो शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide above. भग० ११, १०; —विडस्सग- पुं० (-स्युत्सग) द्युत्थी शरीर आदिने परित्याग. द्रव्य मे शरीर आदि का परित्याग. material abandonment. भग० २५, ७. —संजोग. पुं० (-संयोग) द्युत्थो संयोग-सम्बन्ध द्रव्य का संयोग, सम्बन्ध. the union, relation of substances अणुजो० १३१; —संसार पुं० (-संसार) लुय पुद्गल रूप द्युत्थुं भ्रमण ते द्युत्थ मसार जीव पुद्गलरूप द्रव्य का भ्रमण वह द्रव्य मसार the wandering of substance in the shape of life-molecule is called a material world डा० ४, १; —स्वरूप. न० (-स्वरूप) द्युत्थुं स्वरूप द्रव्य का स्वरूप. the nature of a substance. प्रव० ६८७; —सील. न० (-गाल) येतन अचेतन आदि द्युत्थो स्वरूप चेतन अचेतन आदि द्रव्य का स्वभाव. the nature of a substance as consciousness, unconsciousness etc. मूय० नि० १, ७, ८६; —शुद्ध. त्रि० (-शुद्ध) द्विभादि दोष रहित शुद्ध वस्तु उद्भूत आदि दोषरहित शुद्ध वस्तु a pure substance; free from the faults such as birth etc. विवा० १, भग० १५, १; —सुय न० (-सुय) द्युत्थुत्त; भावश्रुतना क्षरण रूप शब्द समूह; आचारान्तर आदि शब्द द्रव्यश्रुत; भावश्रुत का शब्दसमूह; आचारान्तर आदिशास्त्र a composition of words in the form of scriptures. विशेष० ११६, ४०; —सुयत्त न० (-श्रुतत्व) द्युत्थ श्रुत

पणुं. द्रव्य श्रुतत्व, द्रव्य श्रुतता the state of being a scripture in a material form. विशेष० १३, ६; —सोय. पुं० (-शौच) शरीर शैत्य: पदार्थनी पवित्रता. शारीरिक शुद्धि; बाहरी पवित्रता physical cleanliness नाया० ५; —हय त्रि० (-हय) द्युत्थी दृष्टायेल. निर्विषय थयेल. द्रव्य विहीन, निर्विषय किया हुआ (one) rendered stuffless. प्रव० २२७, —हेकम्म. न० (-अधः कर्मन्) वस्तुनं नीचे लुय पदार्थ का अधोगमन, वस्तु का पतन the degradation of substances पि० नि० ६८;

द्रव्यजो. अ० (द्रव्यजम्) द्युत्थनी अपेक्षाये. द्रव्य मे, द्रव्य की अपेक्षा से द्रव्यके कारण. From the point of substance. उत्त० २४, ६; ओव० १७. भग० २, १; ५, ८, ८, ७; १०; नंदी० १६; प्रव० १५५; द्रव्यजाय य न० (द्रव्यजात) द्युत्थनी प्रकार जात. द्रव्य के प्रकार-जाति The varieties of substances. जं० प० ३, ६७, निसी० १०, ४४; पणह० २, ३; द्रव्य द्वय. पुं० (द्रव्यार्थिक) द्युत्थार्थिक नय; द्युत्थनी अपेक्षा लगायी विचार इतने ते द्रव्यार्थिक नय: द्रव्य की अपेक्षा मे विचार करना Substantial standpoint. विशेष० ७५, ४५०;

द्रव्यतो अ० (द्रव्यतम्) द्युत्थी यत्री द्रव्य से; द्रव्य की अपेक्षा से Materially पंचा० १६; विशेष० ३५२५;

द्रव्यत्त. न० (द्रव्यत्व) द्युत्थपणुं द्रव्यत्व; द्रव्यपूर्णता. The state or quality of a substance विशेष० ५२;

द्रव्यहलिया. स्त्री० (द्रव्यहलिका) ये नामनी अर्थ वनस्पति इस नामकी एक वनस्पति.

A kind of vegetation. पञ्च० १;
द्व्यहोमा स्त्री० (द्व्यहोमा) उच्चाटनादि
निमित्ते भक्ष्य तल पगेरे होमवानी विद्या;
४० विद्याभांती ओ३. उच्चाटनादि के निमित्त
मधु, घी, तिल आदि का हवन करने की
विद्या, ४० विद्याओं में से एक. An art
out of the 40; a sacrifice of
honey etc. offered for expel-
ling, attracting etc. सू० २, २,
२७;

द्विकर पुं० (द्विकर) ओ३ अतनो सप.
एक सर्प विशेष. A kind of snake.
जीवा० १;

द्विय. त्रि० (द्वय) ल०, मुक्ति प्राप्त करने
योग्य. भव्य; मोक्ष प्राप्ति के योग्य. One
fit for salvation; one possessed
of the qualities of acquiring
salvation सू० १, ८, ६; (२)
संयुक्त वस्तु संचित वस्तु-पदार्थ. con-
scious object; a thing having
life. दमा० २, २१, २२;

द्वी. स्त्री० (द्वी) क३; आ३. कढ़ी;
चाद. A spoon; a ladle. दस० ५,
१, ३५. पि० नि० २६०; अ० २, १, ६,
३३; (२) आ नामनी ओ३ वनस्पति;
क३, क३, क३ इस नाम की एक वनस्पति,
गोबी; गोबी फूल. a vegetation of
this name; acauliflower,
cabbage. पञ्च० १;

द्वीअ. पुं० (द्वीक) आ३; क३.
कढ़ी; भोजनालय का पात्र विशेष
जिसे द्वारा द्रव पदार्थ परोसे जाते हैं. A
spoon, a ladle. नि० १२, १८,

द्वीकर पुं० (द्वीकर) क३नी भा३
इष्टुने पछोली करना ओ३ अतनो सप.
कढ़ी के समान फन को गहरा फैलाने वाला

एक सर्प विशेष A kind of serpent
having an expanded hood like
a spoon "से किते द्वीकरा? द्वीकरा
अण्वगविहा पञ्चता" पञ्च० १;

✓दस. धा० I. (दस) दश करवा; क३पुं
काटना; डंक मारना; डसना; दश करना. To
bite, to sting.

दसतु. आ० १, ६, ३, ४;

दस. त्रि० (दशन्) दश; १०; दशनी सं०. या.
दस; १०; दस की संख्या. Ten, 10. ना०
१, ५; १६; भग० १, ५, ३, १, ८; ५, ८; ७,
६; २५, ४; उत्त० २६, १६; ३६, ५२;
पञ्च० १; ४; दस ६, ७, दसा० ५, १६;
ना० ध० सू० ११; पि० नि० १४६; नि०
६, २०; —अंग. पुं० (—अंग) दश अंग
अंग अवयवों के-अंगु सुभ भेदवन्त ७५;
दशांगी सुभ प्राप्त करना. दस अंगों से युक्त
सुख मिलाने वाला जीव; दशांगी सुख
प्राप्त करने वाला. a pleasure-seeking
being with ten limbs. उत्त० ३, १७,
—आहिया स्त्री० (—आहिका) दश
दिवस पर्यंत चली पुत्र की जन्म क्रिया.
दस दिन तक होने वाली पुत्र की जन्म क्रिया.
a ceremony lasting for 10
days at the birth of a son.
भग० ११, ११; —गुण त्रि० (—गुण)
दशगुण. दशगुण. tenfold. भग० २५,
४; अ० १०; —गुणकालग. त्रि० (—गु-
णकालक) ओ३ गुण काल की अपेक्षा
दशगुण काल. एक गुण (पट) काल की
अपेक्षा दशपट काल. tenfold black.
अ० १०; —गुणिय त्रि० (—गुणित)
दश गुणित; दशगुण. दश से गुणित; दस
गुना. multiplied by ten. भग० ६,
७, प्रब० १०४१; —ठाण न० (—स्थान)
दशांग सूत्रना दश ठाण ठाणंग सूत्र के

दस ठाणो. the ten sections of the Thāpaṅga Sūtra. भग० १, ५; १४, ५; —गृह. न० (-नख) पाँच दसना भक्षीने दस नख. दोनों हाथों के पाँच और पाँच दस नख. the ten nails. नाया० १६; भग० २, १; —दसय. न० (-दशक) दश दशक = १००, सौ. दश दशक = १ शतक; १००; सौ. ten by ten = 100. ठा० १०; —दसतर. पुं० (-दशाह) समुद्रविजय आदि १० भाष. समुद्र विजय आदि दस भाई. the ten brothers viz. Samudra Vijaya etc. नाया० ५; १६; —दिक्-सिय त्रि० (-द्वैतसिक) दश दिवसनुं. दस दिन का. of ten days. 'दस दिवसिय ठिद्वद्विथं' नाया० १; —दिस्ता. स्त्री० (-दिश) चार दिशा, चार विदिशा छत्ती आने नीची ओ दश दिशा. चार मुख्य दिशा, चार विदिशा, उर्ध्व और अधः ऐसी दस दिशा. the ten directions viz. the 4 principal quarters, 4 angular ones, up and low. भग० २, ६; —दिस्ती. स्त्री० (-दिशा) छुओ छपनी २७६. देखो ऊपर का शब्द. vide above. सम० ३४; —द्ध. त्रि० (-अर्द्ध) दशनुं अर्ध; पाँच, ५ दस का आधा; पाँच; ५. half of ten; five. नाया० १६; जीवा० ३, ३; राय० २७; भग० ७, ६; सम० ३६; —द्धवर्ण. त्रि० (-अर्धवर्ण) पाँच रंगनुं; पाँच रंगी. पंचरंगी, पाँच रंग वाला. of five colours. जं० प० ३, ४३; नाया० ८, १६; विवा० १, सम० ३४; राय० २७; —नह पुं० (-नख) ओ दाथना दस नख दो हाथों के दस नख. the ten nails कण० १, ५; —पणनिअ-य पुं० (-प्रदेशिक) दश प्रदेशिक २३५; दश परमाणु भलवाधी अनेल ओ दस चरतु दस

प्रदेशिक स्कंध; दस परमाणु के गोंग में चनी हुई एक चरतु. a formation of ten atoms. अणुजो० १३२; ठा० १०; —प-पसोमाह. पुं० (-प्रदेशाधमाह) दश प्रदेशने अवगाहीने रह्य. दश प्रदेशों का अव-गाहन कर रहा हुआ, लेकर रहा हुआ that which covers up ten units of space. ठा० १०; —पारेणाह पुं० (-परिणाह) दाथीने भक्ष्यभाग के १० दश दाथ दाणो होय छे ते. दाथी का मध्य भाग जिस की लम्बाई १० हाथ होना है. the middle part of an elephant, its length is 10 arms. नाया० १; —पुत्ति. पुं० (-पूर्विन्) दशपूर्वना ज्ञातुनार दशपूर्व के ज्ञाता (one) who knows the 10 Pūrvas (a certain mass of knowledge ओघ० नि० १, कण० ८; -पय्या पुं० (-प्रकार) दश प्रकार दस प्रकार-जाति-भाति. the ten varieties. नाया० ५; —भेय. पुं० (-भेद) दश प्रकार. दस प्रकार-भेद the ten varieties. प्रव० ११४३; —मास. पुं० (-मास) दश मास. दस मास या महिने. ten months. दसा० ६, २; —रत्त न० (-रात्र) दश रात्रि. दस रात्रि-रात-निशा. ten nights. विवा० ३; —रत्तठिद्वडिया. स्त्री० (-रात्रस्थिति पत्तिता) कुत्राचारप्रमाणे दश द्विस सुधी पुत्र पुत्रीने जन्म महोत्सव करवा ते. कुत्राचार के अनुसार दस दिनों तक पुत्र या पुत्री का जन्म महोत्सव celebrating the birth of a child for ten days according to family customs. विवा० ३; —रात्र य. न० (-रात्र) दस रात्रि दस रात्रि-रात ten nights. आया० २, ६, १, १४६; निशी०

२०, १७; १८; ४१; —**दशग.** पुं० (—वर्ग)
ज्ञाताधर्मकथायां दश वर्गं जाताधर्मकथा के
दस वर्ग. the ten sections of the
Jñātādharmakathā Sūtra. नाया०
ध० —**वासपरियाग.** पुं० (—वर्षपर्यायक)
दश वर्षीया दीक्षावालो. दश वर्ष की दीक्षा
वाला. (one) of ten years of
concecration वव० १०, २५, —**वा-**
ससय. न० (—वर्षशत) ओ३ ६७१२ वर्ष.
एक हजार या सहस्र वर्ष. one thousand
years. भग० ६, ७, —**वाससहस्र.**
न० (—वर्षसहस्र) दश ६७१२ वर्ष दस
सहस्र या हजार वर्ष ten thousand
years. भग० १, १; २४, १; —**विणय**
पुं० (—विनय) दश प्रकारको विनय दश
प्रकार का विनय humility of ten
kinds. प्रव० ६४०; —**समयटिहय** त्रि०
(—समयस्थितिक) दश समयकी स्थिति-
वालो. दश समय की स्थिति वाला. (one)
having an existence for ten
Samayas (a unit of time)
ठा० १०; —**सय.** न० (—शत) ६७१२ की
संख्या हजार की संख्या. one thousand;
1000 ठा० १०; —**सुन्न.** न०
(—शून्य) दश शून्य-भी ३. दश विन्दू-
शून्य ten zeroes. प्रव० ४११; —**हीण.**
त्रि० (—हीन) दश ग्राह करेले; दश ओछा
करेले दश कम किया हुआ; जिसमे से
दश घटा दिये गये हैं. less by ten;
that from which ten are sub-
tracted. प्रव० ३७६,

दसअष्ट. त्रि० (*दशाष्ट-अष्टादश) अटार;
१८. अठारह, अष्टादश, १८. Eighteen;
18 दस० ६, ७, —**ठाण** न० (—स्थान)
अटार यापनां स्थानक अठारह पाप
के स्थानक. the 18 ways or acts of

incurring sin. दस० ६, ७;

दसक न० (दशक) दशके; दशको थो३.

दस दस का जत्था; दशक. A group of
ten. भग० १२, ४;

दसकालिय. न० (दशकालिक) दशवैश-
विक नामनुं मूलसूत्र. दशवैकालिक नामक
मूलसूत्र. The original Sūtra
named Daśvaikālika. विशेष० १०२१;

दसट्ट. त्रि० (*दशाष्ट-अष्टादश) अटार;
१८ अठारह; १८. Eighteen; 18
दस० ६, ७;

दसठाण. न० (दशस्थान) अवधिज्ञान आदि
दश गोल के जे प भां आरामां विछेद थया.
अवधिज्ञान आदि दस बोल जिनका ५ वें
अरे में विच्छेद हुआ. The ten stages
viz limited knowledge etc.
whose destruction took place
in the 5th Ārā (a part of the
cycle of time) प्रव० २०, —**वव**
च्छेद पुं० (—व्यवच्छेद) जम्बुस्वामी
पक्षी दश स्थान-वस्तुओको विच्छेद थयो-ते;
अवधिज्ञान, मनपर्यवज्ञान, केवलज्ञान,
छेदला तलु चारित्र, क्षयकसमकित, पुलाक-
लम्बि, आहारक शरीर अने जिनकली साधु
ओ दश गोलको व्यवच्छेद. जम्बुस्वामी के बाद
के दस स्थान-वस्तुविच्छेद, अवधिज्ञान, मन-
पर्यवज्ञान, केवलज्ञान, अन्तिम तीन चारित्र,
क्षयकसमकित, पुलाकलम्बि, आहारक
शरीर और जिनकली साधु आदि इन दसबोल
का व्यवच्छेद. the destruction of
the ten stages after Jambū
Svāmī viz. limited knowledge
etc whose destruction took
place in the 5th Ārā (a part
of the cycle of time). प्रव० २०;
दसण पुं० (दशन) दात दात, दन्त A

tooth. सु० च० २, ३६५; जं० प०

दसरण. पुं० (दशरण) ओ नामनो ओऽ देश.

इस नाम का एक देश. A country of this name. पञ० १; उत्त० १३, ६;

दसरणपुर. न० (दशरणपुर) ओ नामनुं ओऽ

नगर इम नाम का एक नगर A city of this name. ठा० १०;

दसदसमिआ-या. स्त्री० (दशदशमिका)

दश दशक-सो दिवसनुं अभिग्रह-तप, जेभां ओकेक दिवसे अथवा दश दश दिवसे ओकेक दात अन्न पाणीनी वधारेतां ओके दातथी दश दात सुधी अन्न पाणीनी वर्ध शक्य छे. दस दसक या सौ दिन का अभिग्रह तप कि जिस में एक एक दिन में अथवा दस दस दिनों में अन्न जल की एक २ दात बढ़ते हुए एक दात से दस दात तक अन्न जल लिया जा सके. A vow of 100 days in which on every day or the 10th day one Data (a particular measure) of food and water is increased till it reaches ten Dātas. अंत० ८, ५; वव० ६, ४०; ओव० १५; ठा० १०; सम० १००;

दसवण्ण. पुं० (दशवण्ण) जम्बुद्वीपना और-

वन क्षेत्रमां आवती उत्सर्पिणीमां थनार छे। दुलक्षर जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में आने वाली उत्सर्पिणी में होने वाले छेके कुलकर. The 6th Kulakara who is to be born in the coming aeon of increase in Airavata region of Jambūdvīpa. सम० २४०; (२) अरतक्षेत्रनी आवती उत्सर्पिणीना १० भा दुलक्षर. भरत क्षेत्र की आगामी उत्सर्पिणी के १० वें कुलकर. the 10th Kulakara of the coming aeon of in-

crease of BharataKsetra ठा० १०;

दसन. पुं० (दशन) दांत. दांत; दन्त. A

tooth. जं० प०

दसन्न. पुं० (दशार्ण) लुओ " दसरण "

शब्द. देखो " दसरण " शब्द. Vide " दसरण " उत्त० १८, ४४;

दसन्नभद्र. पुं० (दशार्णभद्र) दशार्ण देशनो

राज के जेने पोतानी ऋद्धिने भाटे धातुं मान दतुं, ज्यारे भन्दे अधिक ऋद्धि गतावी मान उतार्तु तयारे तेले दीक्षा धारण करी छन्दने नमाउयो. दशार्ण देश का राजा जिमे अपनी ऋद्धि-ममृद्धि के विषय में बड़ा अभिमान था, जिस समय इंद्र ने अधिकतर ऋद्धि वनजाकर उसका अभिमान चूर कर दिया तब उसने दीक्षा धारण कर के इंद्र को नमाया. The king of Daśārṇa country who was very proud of his powers, when Indra humbled his pride by showing a superior power, then the king entered the order and humbled Indra. उत्त० १८, ४४,

दसपुर न० (दशपुर) दशपुर नामनुं नगर

के जेभां गोष्ठामाहिल निन्दव था। दशपुर नामक नगर कि जिसमें गोष्ठामाहिल निन्दव हुए थे. A city named Daśapura where Goṣṭā Māhila heretic lived. ठा० ७, १;

दसम. त्रि० (दशम) दशमे-भी-भुं. दसवां-

वाँ वे Tenth भग० २, १; १५, १; १६, ८; नाया० १०; १६; उत्त० २६, ४; नाया० घ० १०; उवा० १, ७१; (२) आर उपवास. चार उपवास. four fasts. नाया० १; ८; भग० २, १; —मत्त. न० (—मत्त) आर उपवास लेगा करना ते. एक साथ चार उपवासों का करना. the four simult-

aneous fasts परह० २, १; ओव० १६; —भस्त्रिय पुं० (—भस्त्रिक) आर ७पवास वाला. वा उपवास वाला. (one) keeping four fasts. भग० १६, ४; परह० २, ३;

दसमा. स्त्री० (दशमी) दशम; पक्षिनी १० मी तिथि दशमी; पक्ष की दसवीं तिथि. The 10th date of a lunar month दसा० ६, २;

समी स्त्री० (दशमी) दशम; दशमी. दशमी, दसम. The 10th date of a lunar month जं० प० ७, १५३;

दसमुद्रा. स्त्री० (दशमुद्रा) आंगलीमां पड़ेरवानुं आभूषण. अंगुली में पाहनेनेका आभूषण, अंगूठी. मुद्रा A ring. राय० १८५: —मंडयगहस्थ. पुं० (—मण्डिताग्रहस्त) जेले देश मुद्रा हाथमा पड़ेरे छे ओवे। जिके हाथ मे दम मुद्रा हों वह. (one) wearing a particular ring. जीवा० ३, ४;

दसमुद्रिताणंतक. पुं० (दशमुद्रिकानन्तक) आंगलीमां पड़ेरवानुं ओक आभूषण अंगुली में पाहनेने का एक आभूषण A particular ring; an ornament for the finger. जीवा० ३, ४;

दसमुद्रिताणंतय पुं० (दशमुद्रिकानन्तक) जुओ। उपरो ३५६. देखा ऊपर का शब्द Vide above भग० ६, ३३

दसय न० (दशक) दशनी सख्या दसको संख्या The number ten प्रव० ६८१, —पव्व. न० (—पर्व्व) दश प्रथियो, दश गाँ दशप्रथिया, दस गाँठ ten knots प्रव० ६८१,

दसरह पुं० (दशरथ) याहु अवसरिणीना आत्मा अवदेव वासुदेव (राम लक्ष्मण) ना पिता, दशरथ राजा. वर्तमान अवसरिणी के

आठवें बलदेव वासुदेव (राम लक्ष्मण) के पिता; राजा दशरथ. The king Daśa-ratha father of Rāma and Lakṣamaṇa the 8th Baladeva and Vāsudeva of the present decreasing aeon. ठा० ६; सम० प० २३५; (२) ओ नामना याहु अवसरिणीना ८ मा कुलकर. वर्तमान अवसरिणी के इस नामके ६ वें कुलकर the 9th Kulakaia of this name of the current aeon of decrease. ठा० १०; सम० प० २२६, (३) ओक कुमार नाम. एक कुमार का नाम. the name of a prince. निर० ५, १; (४) वन्हिदशा सूत्रना प्रथम अध्ययन नाम. वन्हिदशा सूत्र के प्रथम अध्ययन का नाम the name of the first chapter of Vanhidaśā Sūtra. निर० ५, १;

दसविह त्रि० (दशविध) दश प्रकारनु. दस प्रकार का. Of ten kinds जाया० ५, भग० २५, ६ सम० १०, आव० १, ४, —कल्पद्रुम पुं० (—कल्पद्रुम) दश प्रकारना कल्प वृक्ष। दस भाति के कल्प-वृक्ष. the desire-yielding celestial trees of ten varieties. प्रव० १४४८,

दसवेयालिअ-य न० (दशवैकालिक) ओ नामनु २६ उक्ताविक सूत्रमांनु पड़ेले. इस नाम का २६ उक्ताविक सूत्रों में से पहिला सूत्र. The first of the 29 Utkālika Sūtras of this name नदी० ४३;

दसहा अ० (दशधा) दश प्रकारनु दस प्रकार का. Of ten varieties भग० २४, ७, उत्त० ३६, ४, प्रव० १८८,

दसा स्त्री० (दशा) दशा, स्थिति, अवस्था. दशा, स्थिति, अवस्था, हालत State;

condition. ओष० नि० ७०८; तंदु० दसा० ३, ३४; (२) दस प्रकार की अधिकार वास्तु ओष० दशिक भूत. दश प्रकार के अधिकार वाला एक कालिक सूत्र. a Kālīka Sūtra having ten descriptions. नंदी० ४४; ठा० १०, १०; वव० १०, २४; दसाकल्पव्यवहार पुं० (दशाकल्पव्यवहार) दशाधुत रक्षणा दश, धृष्टकल्पना ७ अने व्यवहार सूत्रना दश अध्ययन सर्व भूतानि ७वीस अध्ययन. दशाधुत रक्षणा के दश, बृहत्कल्प के छः और व्यवहार सूत्र के दश अध्ययन इन प्रकार कुल छद्मीस अध्ययन The 26 chapters viz. 10 of Daśāśrutaskandha, 6 of Bṛihatkalpa and 10 of Vyavahāra. आव० ४, ७; —धर. पुं० (-धर) दशाकल्प व्यवहारश्च धरतीति) दशाश्रित धृष्टकल्प अने व्यवहार सूत्रना धरनार दशाश्रित, बृहत्कल्प और व्यवहार सूत्र के धारण कर्ता (one) who knows the Daśāśruta, Bṛihatkalpa, and Vyavahāra Sūtras. वव० ३, ५; दसर. पुं० (दशार्ह) समुद्रविजय चोरे दश भाई; लोडिमा अर्द्ध-लायक होवाथी दशार्ह कहेवाय छे. समुद्रविजय आदि दस भाई; लोगों में पूज्य होने के कारण दशार्ह के नामसे प्रख्यात हैं. The 10 brothers viz. Samudra-vijaya etc known as Daśārha as they are fit to be worshipped by the world अंत० १, १, उत्त० २२, ११; नाया० ५, १६; ओष० नि० ५३५; (२) वासुदेव; श्रीकृष्ण. वासुदेव; श्रीकृष्ण. Śrī Kṛiṣṇa, Vāsudeva. ठा० २; ३, १०; सम० पं० २३५; (३) वासुदेवजुं कुटुंब वासुदेव का कुटुम्ब. the family of

Vāsudeva. सम० पं० २३५; —गंडिया. श्री० (-गण्डिका) नेमां दशार्हनी अधि-क्षर ओष० ग्रन्थ, दशार्ह के वर्णन वाला ग्रन्थ. the book which treats of Daśārha. सम० पं० २३५; —चक्र न० (-चक्र) यादव समूह. यादववृन्द का समूह the group or host of Yādavas (a race). दस्तार चक्रेण्य सो मन्त्रो ररिवारिओ ' उत्त० २२, ११, —मंडल न० (-मण्डल) दशार्ह यादव वंशमानो दिनम पुत्र्य. दशार्ह यादव वंश का श्रेष्ठ पुत्र. the best person of the Yādava race. सम० पं० २३५; —मंडल. पुं० (-मण्डल) बलदेव ॥ सु-देवनी नेरी अने तेनुं कुटुंब. बलदेव वासुदेव की जोड़ी और उन का कुटुम्ब. the pair of Baladeva and Vāsudeva and their family. सम० पं० २३५; —वंश. पुं० (-वंश) दशार-वासुदेवो वंश दशार वासुदेव का वंश. the family of Vasudeva. ठा० २, ३; ३, १; जं० पं० २, ३४; दसाहिय त्रि० (दशान्हिक) दश दिवस साथ धी दस दिवस सम्पन्नी, दस दिन का. Of ten days कप० ५, १०१; दसी जी० (दसा) वस्त्रना छे। ३ ने भाग वस्त्रना पगरना होय ते वस्त्र का अन्तिम भाग जो बुना हुआ नहीं होता. the skirt or hem of a garment. ओष० नि० भा० १२६; दसुग. पुं० (दस्युक) चोर. चोर; दस्यु, स्तेन. A thief आया० २, ३, १, ११५; दसुय पुं० (दस्युक) चोर; तस्कर. तस्कर; चोर. A thief. उत्त० १०, १६, निती० १६, १८; दस्तु. पुं० (दस्यु) चोर. चोर; स्तेन, दस्यु.

A thief. आया० २, ३, १, ११५;

दह. त्रि० (दशत्र) दश; १०. दस; १०.

Ten; 10. प्रव० ६८; —त्रिक. न०

(-त्रिक) त्रय त्रयना दश थोड. तीन तीन

के दस जत्थे या समूह ten groups

of three each. प्रव० ६८; —तिय-

संयुक्त. त्रि० (-त्रिकसंयुक्त) त्रय त्रयना

दश थोडथी युक्त तीन तीन के दस समूहों-

जत्थों से युक्त, including ten groups

of three each. प्रव० ६८;

दह. पुं० (दह) पाण्डिनी उ-डा अरो; दह

पानीका गहरा झरा, गंभीर सरोवर. A deep

fountain or a lake of water.

ठा० २, ४; ३, ४; अणुजो० १०३, १३४;

जं० प० १, १०; नाया० १; ४, ८; भग०

१, ८; ८, ६; पिं० नि० १७, ५१८, नंदी०

४७; आया० २, १, २, १२; पन्न० २;

सूय० २, २, ८, उवा० १, ५१, प्रव०

१११५; (२) ओ नामनी ओक द्वीप अने

समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और समुद्र

an island and a sea of this

name पन्न० १५; जीवा० ३; ३, ४;

(३) ओ नामनी ओक वेल इस नाम की

एक लता. a creeper of this name.

पन्न० १; —उअ. ग. न० (-उदक) दहजुं

पाण्डिनी. करने का पानी. the water of

a lake. जं० प० ५, १२०; —गलण.

न० (-गलन) भरत आदि पकडवा भाटे

दहमां भ्रमण करवुं ते-शोधवु ते. मछली

आदि को पकडने के लिए करने पर घूमना-

शोध निकालना. searching a stream

for catching fish etc. विवा० ८,

—प्रवहण न० (-प्रवहन) दहनी प्रवाह.

करने का प्रवाह-धारा. the current

of a stream. विवा० ८; —महण.

पुं० (-मर्दन) दहमां बारवार भ्रमण

करवुं ते. सरोवर में बार बार घूमने

को जाना; जल भ्रमण wandering

frequently in a stream विवा०

८; —मलण. न० (-मर्दन) दहमां परि-

भ्रमण करवुं ते; तरवुं ते. भरने में तैरना;

झोत में चकर लगाना. swimming in

a stream. विवा० ८; —मह पुं० (-मह)

दह-जलाशयनी महोत्सव. दह-जलाशय का

महोत्सव a great festivity in

connection with a lake or a

well. भग० ९, ३३; आया० २, १, २, १२;

—महण. न० (-मंथन) दहजुं मंथन

करवु. दह-करने का मंथन. churning

of a pond " दहमहणेहि दह

वहणेहि " विवा० ८; —चट्टण. न०

(-वर्त्तन) दहजुं उलेयवु ते. करने का

उलचना, झरन का पानी बाहर फेंकना

removing of water from a

pond, draining a pond. विवा० ८;

दहण. न० (दहन-दहतीति दहनः) आलवु;

भस्म करवुं. जलाना; भस्म करना. Burn-

ing. पणह० १. १; प्रव० ८३७, (२)

ओ नामनी कृत्तिका नक्षत्रनी देवता. इस नाम

का कृत्तिका नक्षत्र का देवता. the god

of this name of the Krittikā

constellation. ठा० २, ३;

दहणय त्रि० (दहनक) दह करनार. जलन

करने वाला. (One) that burns.

भग० १, ८,

दहकुल्लिया स्त्री० (दहकुल्लिका) ओ नामनी

ओक वेल एक वेल-लता विशेष का नाम.

A creeper of this name. पन्न० १;

दहवई स्त्री० (दहवती) महाविदेहनी आर

अतर नदीमानी ओक. महाविदेह की बारह

अन्तर नदियों में से एक नदी One of the

12 Antara (inner) rivers of

Mahā Videha. “ दो दहवहश्रो ” ठा० २, ३;

दहवती. स्त्री० (दहवती) इन्द्रागवतीविजय
अने आवर्तविजय पश्चिमी नदी. कच्छ-
गवतीविजय और आवर्तविजय के बीच की
नदी. The river between Āvarta
Vijaya and Kachchhagāvatī
Vijaya. “ दहवती कूडे दहवती दीवे ”
जं० प०

दहावई स्त्री० (हदवती-हदा अगाध जला
ऽऽशयाः सन्त्यस्यामिति हदवती) पार
अन्तर नदीभांती ओ३. बारह अन्तर नदियों
में से एक नदी. One of the twelve
Antara rivers. “ तस्मिन् दहावई महा-
वई ” जं० प० ठा० ६; —कुंड. न०
(—कुण्ड) दहावती नदीने कुंड. दहावती
नदीका कुंड the pool of the Drahā-
vatī river. “ कहियं भंते, महाविदेहे
वासे दहावईकुण्डे गामं कुण्डे पश्यन्ते ”
जं० प० ४, ६५;

दहि. न० (दधि) दही. Curds. पञ्च०
११; विशेष० ७१; निसी० ६, २२; ठा० ४,
१; आया० २, १, ४, २४; ओव० ३८; प्रव०
२०६; १४३०; पंचा० ४, १५; कण० ६,
१५; —घण. पुं० (—घन) दहीने पिंड;
इष्टं लभेत्त दही. दही का पिंड; कठिन जमा
हुआ दही. a lump of curds; thick
curds. जं० प० १; राय०

दाहिकासुय. पुं० (दधिकामुक) ओ नामनी
वनस्पति विशेष. इस नाम की वनस्पति विशेष.
A vegetation of this name. राय०
१३७, —मंडव. पुं० (—मण्डप) दधि-
शयुक्त वनस्पतिना मंडप. दधि कामुक वन-
स्पति का मंडप. a bower of Dadhi-
Kāmuka vegetation. राय० १३७;

दाहिमुह. पुं० (दधिमुख) ओ३ पर्वतनुं नाम के
ने ६६००० ज्येष्ठन उ३। १००० ज्येष्ठन
उ३। अने ८०००० ज्येष्ठनना विस्तारमां छे.
एक पर्वत का नाम जो ६४ हजार योजन ऊंचा
१ हजार योजन गहरा और ८० हजार योजन
के विस्तार में है. Name of a
mountain which is 64000 Yo-
janas high, 1000 Yojanas deep
and 80000 Yojanas wide. जं० प०

२; ३३; प्रव० १-६५. जीवा० ३४; (२) दधिमुख
नामने दे१. दधिमुख नामक देव a god
named Dadhimukha. मग० ३, ७;
—पञ्चय. पुं० (—पर्वत) लुओ “ दहिमुह ”
शब्द. देखो “ दहिमुह ” शब्द. vide
“ दहिमुह ” सब्दे विषय दधिमुहा पञ्चया
पल्लासठाण संठिया ” सम० ६४;

दाहिमुहग पुं० (दधिमुखक) लुओ उपलो
शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above.
ठा० ४, २;

दाहिय. त्रि० (दग्ध) तपाये३. तपाया हुआ
Boiled; heated. त्रि० ६;

दाहिवरण. पुं० (दधिवर्ण) ओ नामनुं ओ३
आ३. इस नामका एक वृक्ष A tree of
this name पञ्च० १; ठा० १०, १; सम०
प० २३३; ओव० राय० (२) द्वीपकुमार
देवतानुं चैत्य वृक्ष. द्वीपकुमार देवता का चैत्य
वृक्ष. a memorial tree of Dvipa-
kumāra god ठा० १०, १; (३) १५ भा
तीर्थंकरनुं चैत्य वृक्ष. १५ वें तीर्थंकर का
चैत्य वृक्ष a memorial tree of the
15th Tirthāṅkara. सम० प० २३३;

दाहिवासुया. स्त्री० (दधिवासुका) ओ नामनी
ओ३ वनस्पति इस नाम की एक वनस्पति.
A vegetation of this name.
“ दहिवासुया मंडवगं ” जीवा० ३, ४; जं० प०
राय०

✓ दा धा० II (दा) आपवुं; देवुं; दान५२पुं.

देना, दान करना To give; to bestow.

देति-इ. सु०प० ११; नाया० ७; अणुजो०

१२८, विशेष० १३११; सु०च० १,

३७७; राय० २६७, जं०प० ७, १५१;

क० प० २, ६५; नि०सी० १०, १७,

१४, ५,

दिति विशेष० ५; जं०प० ७, १५७;

देन्ति. नाया० २; दस० ६, ८,

देजा. वि० उत्त० ७, १;

दए वि० उत्त० ६, ४०; दस० ६, ६;

देमि. पि० नि० १६५; ३८०, नाया० ८;

देमो. भग० ६, २३;

देहि पि०नि० १६५; २०८, वव० १, २६;

देसि. श्रोघ० नि० भा० ५३;

देहामि. भ० नाया० ७;

देउ. आ० भग० ४२, १;

देत व० कृ० पि० नि० ११५;

देह. आ० परह० १, २;

दाहिइ भ० उत्त० २७, १२;

दाहं. भ० पि० नि० २४१;

दाहामि. भ० उत्त० २६, ६; पि०नि० १४२;

नाया० १६;

दाहामु भ०व०सूय० १, ३, २, ८; उत्त० १२, ११;

दाहित्य. भू० पि०नि० ४६४;

दाउं. हे०कृ०आया० २, १, ६, ३३; भग० ६, ३३;

११, ११; वव० २, २६; नाया० १;

वेय० ४, १३; २६; उवा० १, ५८;

देयंत. व० कृ० निसी० १४, ६;

देयमाण व० कृ० नाया० १४;

दाऊण. सं० कृ० सु० च० २, ७५, जं० प०

५, १२२;

दद्या. सं० कृ० ठा० ३, २; उत्त० ६, ३८;

भग० ३, १, विवा० १;

दावेइ प्रे० सु० च० ४, १२७;

दविमि प्रे० पि० नि० ४६५;

दावए प्रे० आ० वेय० २, १८, ५, ११; वव०

८, १२; ६, १;

दाविस्सं. प्रे० सु० च० ६, ३७;

दाविजए प्रे० सु० च० २, ४४८;

दवावित्तए. प्रे० हे० कृ० वेय० ४, २६;

दवावेमाण व०कृ०भग० ११, ११; नाया० १४;

दिजइ. क०वा०विशे० १०६; पि०नि० २२६;

कप्प० ४, १;

दिजण. नाया० ८;

दिजामि. नाया० १६;

दिजठ. नाया० १६; सु० च० १, ३५५;

दिजंत क०वा० व० कृ० सु० च० ७, २८४;

पि० नि० २५१;

दिजमाण. व० कृ० निसी० ३, १५; ११,

८; १४, १; १६, १; दसा० २, ७;

सु०च० २, ३२८; दस० ५, १, ३५;

उत्त० १२, २२; सम० २१; भग० ८, ७;

दाश्र. न० (दात) दानाने परशुआ पथी

आपराती वस्तु; दाद; क्रियावर. कन्या के

विवाह के बाद उसे दी जाने वाली वस्तु;

दहेज Dowry. विवा० ३; ६; नाया०

८; कप्प० ५, १०१;

दाइय. पुं० (दायिक) लायात; गोत्रीय;

दुहुली भाई बन्द, दायाद; मगोत्री; कुटुम्ब

का. An heir; an inheritor; a

relative. नाया० १; भग० ६, ३३;

कप्प० ५, १०६; जं० प० २, ३०;

—सामरण त्रि० (—सामान्य) दायाद

लायातने साधारण. दायाद—सामान्य भाई

बन्धु a collateral. भग० ६, ३३;

—साहिय त्रि० (—साधिक) संपाधीने

आधीन सम्बन्धीके अधीन dependent

on a relative. भग० ९, ३३;

दाइय. त्रि० (दाशित) देखाउल; पतावेल.

दिखाया हुआ; बतलाया हुआ. Shown;

revealed. दस० ५, २, ३१; विशेष० १०१३;

दाई. स्त्री० (दात्री) देनारी; दातार स्त्री. देने वाला; दाता स्त्री. (A female) giver or donor. पञ्च० १२;

दाकलस. पुं० (दककलश) पाण्डुलो कलशियो. पानी का कलश A pot of water. भग० १५, १;

दाकुंभ पुं० (दककुंभ) पाण्डुलो धडा. पानी का घडा. A pot of water. भग० १५, १;

दाकुंभग. पुं० (दककुंभक) पाण्डुलो धडा. पानी का घडा. A pot of water. भग० १५, १;

दाडिम. पुं० (दाडिम) दाडिमुं जाड; दाडिमी. अनार-दाडिम का वृक्ष. The pomegranate tree. जीवा० १; जं० प० ओ० व० (२) तेनुं दल; दाडिम उसका फल, दाडिम. pomegranate. पिं० निं० १६६; जीवा० ३, ३; —पुष्प न० (-पुष्प) दाडिमीनां पुष्प अनार का फूल. the flower of a pomegranate tree. जीवा० ३, ४, प्रव० १५३६;

दाढ. त्रि० (दांष्ट्र) दाढथी दाडी जानार प्राणु सिद्ध पगेरे दात से फड कर खाने वाले हिंसक प्राणी आदि. A beast of prey; wild beast प्रव० ११०७;

दाढा. स्त्री० (दांष्ट्रा) दाढ; दाढ. A molar. उत्त० ११, २०; सूय० २, २, ८, ६; भग० ११, ११; नाया० ८, सु० च० २, ५३१; आया० १, १, ६, ५३; पिं० निं० १८७, उवा० २, १०८; कप्प० ३, ३५; भत्त० ११०;

दाढि. त्रि० (दांष्ट्रिन्) दाढवाला हिंसक पशु दाढ वाले हिंसक पशु A beast of prey. पश्य० १, १;

दाढिगाली स्त्री० (दाढगाली) जेनु पडिसे-डण्ठेरायर न थड शके जेनु प्राणुजने पडेखा योग्य पञ्च ब्राह्मण के पहिने के योग्य एक ऐसा वस्त्र जिसका ' पडिलेहण '

ठीक २ न होसके. A garment fit to be worn by a Brāhmaṇa and which cannot be examined properly. प्रव० ६८५;

दाढिया. स्त्री० (दाढिका) दाढी मु० दाढी मूँछ. Beard and mustaches नाया० २; भग० १५, १;

दाण न० (दान) दान, लिखुके अन्न आदि आप्तु ते. दान; भिक्षुक को अन्न आदि दान देना Charity; alms. " दाणाणं सेट्टं अमयप्पयाणं " सूय० १, ६, २३; सु० च० ४, १२७; पिं० निं० १८, दस० १, ३, पिं० निं० भा० ५१, क० ग० १ ५२; ५५, क० प० ४, ५८, पचा० १, ३१; ८, २८; १६, ३३; प्रव० १२१६; गच्छा० १००; —अंतराय. न० (-अन्तराय -दीयते इति दान तद्विषयकमन्तरायं दानान्तरायम्) दान देतां अन्तराय पाडवाथी पाधेल अन्तरायकर्मनी ओक प्रकृति के जेने दीधे पोते दान आपी शके नही दान देते हुए विन्न डालने से बधी हुई अन्तरायकर्म की एक प्रकृति जिससे मनुष्य स्वयं दान नहीं दे सकता. a variety of Antarāya Karma (Karma which makes a man averse to giving charity) arising by keeping a bar while is charity given and as a result of which he himself cannot give alms अणुजो० १२७; उत्त० ३३, १५, सम० १७; भग० ८, ६; क० प० ५, ४०; —उपदेश. पुं० (-उपदेश) दान आपवानो उपदेश करेवा ते दानोपदेश; दान देने का उपदेश. an advice to give charity. पंचा० ५, ४२, —ठ न० (-अर्थ) दानो अर्थ; दानतुं निमित्त. दान का

कारण; दान का निमित्त for charity. परह० २, ५; दस० ५, १, ४७; —धम्म. पुं० (- धर्म) दान रूप धर्म; दान आपणुं ते दान रूप धर्म; दान देने का कार्य. religion in the form of charity. नाया० ५; ८; पंचा० २, ३०; —रुद्ध क्री० (- रुचि) दाननी इति. दान की राव a love for charity. कं० नं० १, ५८; —लद्धि. क्री० (- लाटि) दान देवानी शक्ति दान देने की शक्ति the power of giving charity. भग० ८, २; —लद्धिया क्री० (- लद्धिका) लुओ ७५६० शब्द देखो ऊपरका शब्द. vide above भग० ८, २; —लाभ. पुं० (- लाभ) दान अने लाभ. दान और लाभ. charity and gain प्रव० १३०५; —वति. पुं० (- पति) दान आपनार; दान देनार. दान देने वाला, दाता. A donor. ओव० नि० ६१०; —विष्णुणास. पुं० (- विप्रनाश) दान देवुं होय तेमा विघ्न नाप्पवे ते देते हुए दान में विघ्न डालना. obstructing a charity परह० २, ३; —सूर. त्रि० (- शूर) दान आपवाभा शर; दानवीर दान देने में साहसी-शूर-दानवीर. brave amongst the donors. ठा० ४, ३;

दाणमय. त्रि० (दानमय) जेमा दान देवु भुप्प धर्म छे ते (ओक प्रकारनी तेवी प्रवज्या). जिसमें दान देना प्रधान धर्म हो (एक ऐसी प्रवज्या) That in which charity is the principal duty भग० ३, ३;

दाणव. पु० (दानव) लवनपतिनी ओक ज्ञान, दानव; असुर भवनपति की एक जाति, दानव; असुर; Dānava; Asura, a class of demons नाया० ५,

८; १६. सु० च० ६, १८; —इंद्र. पुं० (- इंद्र) यमरेन्द्र आदि दानवना इंद्र. चमरेन्द्र आदि दानवोंके इंद्र Chamarendra etc. the Indras of Dānavas (demons). नाया० ८;

दाणामा. क्री० (दानमयी) दान जेमा भुप्प इतव्य छे ओही प्रवज्या दीला ऐसी प्रवज्या-दीला जिसमें दान देना मुख्य हो. An ascetic life or vow in which charity is the chief thing "दाणोमाण पव्वज्जाण पव्वइण्" भग० ३, २,

दार्णि. श्र० (इदानीम्) अत्यार; उमण्ठा अभीहाल में; अब. Now. भग० ३, २;

दानार. त्रि० (दातृ) दान इतनार; दातार दाता, दानी; दान देन वाला A donor; a giver. ओव० ३६;

दाथालग-य न० (दकस्थालक) पाणीथी आर्द्र थाली. पानी से भीगी हुई थाली. A dish wet with water भग० १५, १;

दान न० (दान) लुओ " दाण " शब्द देखो " दाण " शब्द. Vide. " दाण " पत्र० २३; ओव० ३८;

दाम. न० (दामन्) पुशनी भाला. फूल की माला A garland of flowers. नाया० १; १४, जीवा० ३, ३; राय० ५४; भग० ११, ११; सूय० २, २, ५५; उवा० १, १, ज० प० ५, ११६; (२) दोरकुं. रस्सा. a cord. परह० १, ३; कप्प० १, ४. ३, ३७, (३) लवण समुद्रमा उत्तर दिशाओ ४२ उमर जेवन उपर वेध धर देवने निवास पर्वत लवण समुद्र में उत्तर की ओर ४२ हजार योजन ऊपर की ओर वेलधर देव का निवास पर्वत. the dwelling mountain of Velandhara god at a distance of 42000 Yojana-

was to the north of the Lavana sea; ठा० ४, २, —दुग. न० (-द्विक)
 ये माला दो मालाएं. two garlands
 भग० १६, ६, ठा० १०, १; —वर्णग
 पुं० (-वर्णक) मालानुं वर्णन. माला का
 वर्णन. a description of a garland.
 जं० प० ३, ६८;

दामक-ग न० (दामक) पग आधिवानुं
 दोरडुं; दामलु. दामन; पैर बांधने की रस्सी
 A rope to tie the legs. पण्ड० १, ३;
 दाम. पुं० (दामार्थिन्) शक्रेंद्री वृषभ सेना
 अधिपति. शक्रेंद्र की वृषभ सेना का अधि-
 पति The leader of the Vṛiṣabha
 army of Śakrendra ठा० ५, १.

दामण न० (दामन्) दामलु, आधन.
 दामन; बंधन. A tie; a bond. प्रव० ४३६;
 दामणी. स्त्री० (दामनी) गाय आदिना पग
 आधननुं दोरडु, दामलु गाय आदि के पैर
 बांधने की रस्सी, दामन A rope to
 tie the hind legs of a cow etc.
 भग० १६, ६; जं० प० ७, १५६; (२)
 १८मां तीर्थंकरनी मुख्य माध्वी का नाम.
 name of the principal nun
 of the eighteenth Tirthaṅkara.
 प्रव० ३०६; (३) दामनी आकारनुं स्त्रीनुं
 ओष्ठ सुलक्षण. माला के आकार का स्त्री का
 एक सुलक्षण-शुभ चिन्ह. an auspici-
 ous sign in a female of the
 form of a garland.

दामलिवि. स्त्री० (दामलिपि) आभीलिपिने
 १७मे प्रकार ब्राह्मीलिपि का १७वा प्रकार.
 The seventeenth variety of the
 Brāhmī script सम० १८;

दामा. स्त्री० (दामन्) फूलनी माला फूल की
 माला, पुष्पहार. A garland of

flowers. विवा० ३; नाया० ८; —अलं-
 किय. त्रि० (-अलंकृत) नाना प्रकारनी
 मालाथी अलंकृत. नानाविध मालाओं से
 भूषित या सजाया हुआ adorned with
 garlands of different kinds.
 नाया० १;

दामिण. न० (*दामन्) दामलु दामण;
 रस्ता. A rope; a cord भग० १६,
 ६; सू० प० १०;

दामिणी स्त्री० (दामनी) दामलु; दोरडी
 विशेष. दामण; रस्ता - सी विशेष. A par-
 ticular cord. जीवा० ३, ३;

दामिल पुं० (द्राविड) द्राविड देश. द्राविड
 देश. The Drāvida country जावा०
 ३, ३;

दामिललिवि स्त्री० (द्राविडलिपि) द्राविड
 अक्षरनी लिपि द्रविड अक्षरों की लिपि
 या वर्णमाला The Drāvida script.
 सम० १८;

दामिली स्त्री (द्राविडी) द्राविडी विद्या द्रा
 विडी विद्या The Drāvidī lore. सूय०
 २, २, २७; पत्र० १,

दामोयर पुं० (दामोदर) भरतक्षेत्रना गण
 योनीसीना नवमा तीर्थंकर भरत क्षेत्र की
 गङ्-गत चौबीसों के ९ वें तीर्थंकर. The
 9th Tirthaṅkara of the past
 cycle of Bharataketra. प्रव० २६०;

✓दाय धा० II. (दृश्+णिच्) देखाडुं,
 बतावुं दिखलाना; बतलाना. To show,
 to reveal.

दाएइ अणुजो० १३०. विशेष० ८४४;

दाए. आ० पिं० नि० ३८०;

दाइजइ विशेष० ४६०, ८४४;

दाइजमाण. कप्प० ५, ११३;

दाएत विशेष० १३६४,

दाय न० (दाय) दान; देवानो आग. दान;

देय अंश Charity; part of a gift to be given; inheritance. जं० प० नाया० १; २; विवा० ७; भग० ११, ११;
दायश्च. त्रि० (दायक) दातार. दानी; दायक; देनेवाला; दाता. A donor. दस० ५, २, १२;
दायग. त्रि० (दायक) ओषध्याना दश दोष मानो छडा दोष. एषणा के दस दोषों में से छठा दोष. The 6th of the ten of Esanā (seeking of food etc) faults पि० नि० ५२०; (२) दातार. दाता a donor ओष० नि० ४७५; पि० नि० ३३६; आया० २, १, १, ८; पंचा० १३, २६, गच्छा० ४३, प्रव० ४७६; —सुद्ध त्रि० (—शुद्ध) ओषध्याना दोष रहित एषणाके दोष से रहित. free from the fault of Esanā (seeking of food etc.) भग० १५, १; (२) इलनी आकांक्षा रहित फल की आकांक्षा रहित (one) devoid of an expectation of fruit भग० १५, १;
दायण न० (दान) देणु; आपवु. देना, दान करना Giving; bestowing उत्त० ३०, ३२; परह० २, १;
दायणा स्त्री० (दापना) प्रश्ननुं निराकरण करवुं ते. प्रश्न का निराकरण—खुलासा करना Explaining a question. “ दायणा तयत्थस्स वक्खायं ” विशेष० २६३१, (२) वस्त्र पात्रादिभूत आपवुं ते. वस्त्रपात्र आदि का दान. giving of utensils, garments etc. सम० १२;
दायव्व त्रि० (दातव्य) देवा योग्य देनेयोग्य; दातव्य; देय. Fit to be given. पि० नि० ६०७; आया० २, १, २, १२; पंचा० १०, ४६; १५, १०;
दायाय. पुं० (दायाद) लायात; ओलीयो. भाईबन्धु; सगोत्री, कुटुम्बी. An inheri-

tor. आया० १, २, ३, ८०;
दायार. पुं० (दातृ) दातार; आपनार. दाना; दाना. A donor. वश० ३२४३; पि० नि० भा० २७; ४६१; उत्त० १३, २५;
दायार. त्रि० (दायार) यायक; मागणु याचक, मांगनेवाला; भिक्षुक A beggar; a mendicant “ दायं दायारेहिं परिभाइत्ता दायं दाइयायं परिभाइत्ता ” काप० ५, १०६,
दार. पुं० न० (दार—दारयन्ति विदारयन्ति पुरुषस्यान्तरङ्गगुणानिति दारा.) पत्नी; स्त्री पत्नी; स्त्री; भार्या; कलत्र. A wife; a consort नाया० १४, अणुजो० १३०; उवा० १, १६, उत्त० ७, २३, आव० ४, १६; —अभिसंकि. पु० (—अभिशाकिन्) स्त्रीओनी शंका करनेवाला. (one) suspicious of women. नाया० १८, —मंतभय पुं० (—मन्त्रभेद) पीतानी स्त्रीनुं रहस्य प्रकाशवुं, पीत प्रतनो ओक अतिथार. अपनी स्त्री का रहस्य प्रकट करना; दूसरे मत का एक अतिचार. revealing the secret of one's wife; a violation of the 2nd vow. प्रव० २७६;
दार. न० (द्वार) दरवाजे; गारुणुं दरवाजा; द्वार; किमाड; पट; फाटक. A door; a gate; an entrance. विशेष० २; नाया० १; २; ८, भग० १, ७; ८, १; दस० ५, १, १५; ४, २; ६; राय० १०४; २०९; सू० प० १; ११; पि० नि० ११३; सु० च० १, ४५; ३, १६, पञ्च० २; जं० प० ५, ११२; ज्वा० ३०३; निर्वी० ८, ३; सम० प० २१०; ठा० २, ४; अणुजो० १३४; आव० दसा० ६, ११; प्रव० ६८; (२) न० प्रकरण. प्रकरण. topic; section. विशेष० १३५०; दस० ३; रि० नि० ६१८;

प्रव० ३३६; (३) अर्थ भेदवधानो उपाय.
अर्थ प्राप्त करने का उपाय. the means
to explain the meaning.
सम० ३०;—अंतर. न० (—अन्तर) ६१२ ६१२
पञ्चैतुं आंतर्. द्वार द्वार के मध्य का अंतर;
दो दरवाजों के बीच का अन्तर. the in-
terval between two doors. जं० प०
१, ६; —भाय. पुं० (—भाग) ६१२ भाग;
आरक्षणी भाग. दरवाजे का हिस्सा; द्वार
का भाग. a part of a door. नाया०
८; —मूल. पुं० (—मूल) आरक्षणी
पासे. दरवाजे के पास near a door.
नाया० ९;

दारग. पुं० (दारक) आलक्ष; छोड़रो. बालक,
छोकरा; शिशु. A young boy; a
youth. नाया० १; २; ६; १६; निर०
३, ४; राय० १८६; दस० ५, १, २२;
श्रीव० ४०; उक्त० १४, २३; सूय० १, ४,
२, १७, —पेजमाणी. स्त्री० (—पाय-
यन्ती) आलक्षने धवरावती. बालक को दूध
पिलाने वाली माता-धाय. a wet-nurse;
a mother feeding a baby. दसा०
७, १; वव० १०, २;

दारगत्त. न० (दारकत्व) छोड़रापणुं बाल्यर्त;
शिशुत्व; छिछोरपन. Childhood. नाया०
१४;

दारचेडी. स्त्री० (द्वारचेटी) आरक्षां
वारसाख; फाटक की वारसाख. A door-
frame. राय० १०६; १६२;

दारण. न० (दारण) विदारणुं ते विदारण;
फाटना. Rending or tearing.
भक्त० ५८;

दारपिंड पुं० (द्वारपिंड) आरक्षां. वारसाख.
A door-frame. जं० प० १, ६;

दार-य. पुं० (दारक) आलक्ष; छोड़रो. बालक;
शिशु. A youth, a boy. जं० प० ५,

११२; अणुजो० १३८; विवा० १; राय०
३२; जीवा० ३, १; नाया० १; २; ७; ८; ९;
१४; १८; सु० च० १, २००; भग० ११,
१०; कण्ठ० १, ८; ४, ६०;

दारवती. स्त्री० (द्वारवती) सारक्ष देश-
भांती प्रसिद्ध द्वारिका नगरी सारक्ष देश की
प्रसिद्ध द्वारिका नगरी. The famous
Dvārikā city of Gujarāta. पञ्च० १;

दारविंड. न० (द्वारपिंड) आरक्षां. वार-
साख. A door-frame जीवा० ३, ४;

दारिद्र न० (दारिद्र्य) दरिद्रता. दरिद्रता;
निर्धनता, गरीबी. Poverty; pauper-
ism. सूय० २, २, ८२; भक्त० १०५;

दारियत्ता. न० (दारिकात्व) दीक्षरीपणुं
कन्यत्व; कुमारिकापन; दुहितापन. The
state of being a daughter. दसा०
१०, ३; नाया० ८, १६; भग० १५, १;

दारिया. स्त्री० (दारिका) दीक्षरी; पुत्री.
पुत्री, लडकी; दुहिता; छोकरा. A
daughter; a female child आया०
२, ११, १७०; निर० ३, ४; नाया० २, ८;
१४, १, १८; भग० १५, १; विवा० ३;
दसा० १०, ३; अंत० ३, ८; —णिमित्त.

न० (—निमित्त) पुत्रितुं प्रयोजन-निमित्त.
पुत्रीका प्रयोजन निमित्त for a daugh-
ter "मम सुकं जज्ञ वेसमाये राया मम
दारियानिमित्तेण अणुगिरहति" विवा० १, ६;

दारु न० (दारु) क्षु. काष्ठ; लकड़ी
Wood. नाया० १८; ओष० नि० भा०
२७१; जं० प० ३, ४०; जीवा० ३, ४;
दमा० २, १८; निसो० ७, २१; ओष०
३८; आया० २, १, ५, २५; सूय० १,
४, २, २५, राय० १२६; —गोल. पुं०
(—गोल) लाक्षणी गोला. लकड़ी का
गोला. a ball of wood ठा० ४, ४;
—थंभ. पुं० (—स्तम्भ) लाक्षणी

थांभेला. लकड़ी का स्तंभ. a wooden pillar ठा० ४, २; —दंड. पुं० (—दण्ड) लाकड़ानो दंड लकड़ी का दंड; डंडा. a wooden staff निसी० ५, २७; —दंडय. पुं० (—दण्डक) लाकड़ानो दंडिका. लकड़ी का दंड. काष्ठदंड a wooden club वेय० ५, ३५; निसी० २, २; —पात्र-य. न० (—पात्र) लाकड़ानु धाम. लकड़ी का पात्र-वर्तन. a wooden vessel. ठा० ३, ३; —समान त्रि० (—समान) लाकड़ा जेवु लकड़ी के समान, like wood. (२) लाकड़ा थांभेला समान जे अपच्यभाषावरणीय कषाय तेनाथी जे द्विगुणित रस कर्मभां पडे ते. लकड़ी के स्तम्भवत् जा अपच्यभाषावरणीय कषाय उसके कारण जो द्विगुणित रस कर्म मे गिरे वह the duplicate intensity that falls in Karmas due to total-vow-preventing Karmic matter which is like a wooden post. क० प० २, ४५;

दारुण पुं० (दारुण) वसुदेव राजाना ओक पुत्रनु नाम. वसुदेव राजा के एक पुत्र का नाम Name of a son of the king Vasudeva अत० ३, १; ठा० ६, (२) कृष्णनो सारथी कृष्ण का सारथी. the charioteer of Kṛiṣṇa नाया० १६; दारुण त्रि० (दारुण) दारुण; अत्यन्त; असह्य दारुण; भयकर, असह्य, दुःस्सह. Terrible; horrible, intolerable. उत्त० २, २५; ६, ७; सूय० १, २, २, १६; नाया० १; २; दस० ८, २६; ६, २, १४; आया० १; ४, ४, १३६; भक्त० ५, २४, ५७; ६२, पंचा० १६, ४५, (२) ओक अहोरात्रना त्रीशमुहूर्तमांना पंदरमा मुहूर्तनु नाम एक अहोरात्रि के तीस

मुहूर्त में से १५वें मुहूर्त का नाम. name of the 15th Muhūrta of the 30 Muhūrtas of a day (24 hours). ज० प० —मति. त्री० (—मति) रौद्र मति रौद्र मति; भयंकर दुष्ट बुद्धि. evil intellect. परह० १, १; —विचाग. पुं० (—विपाक) दारुण-अयंकर दुष्प दायक क्षल-परिणाम. दारुण-भयंकर-दुःख दायक फल-परिणाम. a terrible, sorrowful result पचा० ८, १५; —सरूख पुं० (—स्वरूप) अयंकर २५२५. भयंकर स्वरूप. a terrible form नाया० ६; —हियय. पुं० (—हृदय) डोहर-निर्दय हृदय कठोर-कूर या निर्दय हृदय. a hard heart. नाय० २;

दारुणतर. त्रि० (दारुणतर) अति अयंकर. अतिभयंकर-भीषण More terrible. नाया० १,

दारुपर्वतय. पु० (दारुपर्वत) ओ नामनो ओक पर्वत विशेष. इस नामका एक पर्वत विशेष. A mountain of this name. जीवा० ३, ४; राय० १३५,

दारुपर्वतयग. पु० (दारुपर्वतक) सूर्याज विमानना वनभांडमानो लाकड़ानो जनेल देषातो ओक पर्वत. सूर्याज विमान के वन खंड का लकड़सा मालुम होने वाला एक पर्वत. A mountain appearing to be made of wood in the forest of the Sūryābha celestial abode राय० १३५,

दारुमड. पु० (दारुमृत) ज बुद्धीपना भरत-भांडमां थनार २३मां तीर्थकरना पूर्वजवनुं नाम जंबुद्वीप के भरतखंड में होने वाले २३वें तीर्थकर के पूर्वभव का नाम. Name of the previous birth of the 23rd would-be Tirthāṅkara in

Bharata Khaṇḍa of Jambūdvīpa. सम० प० २४१;
 दारुमय. त्रि० (दारुमय) काष्ठमय काष्ठमय;
 लकडियों का. Wooden. भग० ३, १;
 दारुय पुं० (दारुक) अंतगड सूत्रना
 त्रीज वर्गना आरभा अध्ययननुं नाम.
 अतगड सूत्र के तीसरे वर्ग के बारहवें
 अध्ययन का नाम. Name of the
 12th chapter of the 3rd sec-
 tion of Antagada Sūtra (२)
 वासुदेव राज्ञी धारणी राज्ञीना पुत्र के ने
 नेमनाथ प्रभुपासे दीक्षा लभ्यौध पूर्वतुं
 अध्ययन करी वीस वरसनी प्रव्रज्या पाषी
 शत्रुंजय पर सिद्धिपद पाभ्या. वासुदेव
 राजा की धारणी रानी के पुत्र कि जो नेमनाथ
 प्रभु से दीक्षा लेकर १४ पूर्व का अध्ययन
 कर बीस वर्ष की प्रव्रज्या पालकर शत्रुजय
 पर सिद्धि पद को प्राप्त हुए. the son of
 the queen Dhārānī wife of the
 king Vāsudava, who was con-
 secrated by the Lord Nemi-
 nātha studied the 14 Pūrvas;
 remained an ascetic for 20
 years and attained Siddhi on
 the Śatruñjaya. अंत० ३, १२; ठा० ६;
 (३) लाड्डु; काष्ठ लकड़ी; काष्ठ. wood;
 timber. सम० २१; श्रव० ३० निसी०
 १३, ४; (४) कृष्णवासुदेवना सारथिनुं
 नाम. कृष्ण वासुदेव के सारथी का नाम.
 name of the charioteer of
 Kṛṣṇa Vāsudeva. नाया० १६;
 दारुयसारहि. पुं० (दारुयसारथि) कृष्ण
 वासुदेवना सारथी. कृष्णवासुदेव का सारथी.
 Name of the charioteer of
 Kṛṣṇa. नाया० १६;
 ✓ दाल वा० I. (द) विदारयु; दाड्युं. फाटना;

विदारण करना. To rend to tear.
 दालद्वता. सं० कृ० जं० प० ४, ११०;
 दाडिय. सं० कृ० आया० २, १, २, १३;
 दालण. न० (दारण) दाड्युं; विदारयुं ते.
 फाटने का कार्य; विदारण. Rending;
 tearing. पण० १, १;
 दालि. स्त्री० (दाडलि) यथा वगेरेनी दाड.
 चने आदि की दाल. Pulse of grams
 etc. प्रव० ४४०;
 दालिह. न० (दारिद्र्य) दरिद्रता. दरिद्रता;
 गरीबी. Poverty. सु० च० १, ३०६; ४,
 १०७;
 दालिम. पुं० न० (दाडिम) दाडमडी अने
 तेनु दल; दाडम. अनार वृक्ष; अनार का फल;
 अनार; दाडिम. Pomegranate tree
 or fruit. श्रव० १०; पक्ष० १; भग०
 २२, ३; आया० २, १, ८, ४३;
 दालियव. न० (दालिकाम्ल) आमकी नाभेल
 दाल; भाटी दाल. इसली डली हुई दाल;
 खट्टी दाल; खटाई वाली दाल. A cooked
 pulse in which tamrind is put
 to make it sour. उवा० १, ४०;
 दालिया. स्त्री० (दालिका) दाल. दाल; द्विदल.
 Pulse. पण० २, ५; उवा० १, ४०
 दाली. स्त्री० (दाली) दाल. दाल. Pulse.
 (२) दाट; दाड. भाग; दल. a crack.
 श्रव० नि० ३२३;
 दावणा. स्त्री० (दापन) अपावयुं ते. (दस-
 रोस) दिलवाना. Causing to be
 given. पि० नि० २०३;
 दावद्व. पुं० (दावद्व) समुद्रना किंदा उपर
 उगतु अंक अतनुं जाड. समुद्र तटपर उगने
 वाला एक वृक्ष विशेष. A tree grow-
 ing on a sea shore. नाया० १; १०;
 ११; (२) दावद्व नामना वृक्षना दृष्टांत-
 वालुं शातासुत्रनुं ११ सुं अध्ययन. दावद्व

नामक वृक्षके दृष्टान्तवाला ज्ञातासूत्रका ११ वा अध्यायन the 11th chapter of the Jñātāsūtra having a description of a tree named Dāvada. सम० १८, —तरुवण न० (—तरुवन) पापद्रवना आउनु वन-दावद्रव के वृक्षों का जंगल-वन the forest of Dāvadrava trees. नाया० ११;

दावर. पुं० (द्वापर) भे, भेनी स० भ्या. दो; दोकी संख्या; २. Two; 2. सू० १, २, २, १३;

दावरजुम्म. न० (द्वापरजुम्म) भेने यारे आगतां भे शेष रहे ते स० भ्या. ६; १०; १४: वगेरे. वह संख्या जिसे चारसे भाग देनेसे दो शेष रहें. ६; १०; १४; आदि A figure which divided by 4 leaves two as remainder e. g. 6, 10, 14, etc. भग० १८, ४, २५, ३; ४. ३१, १. ३५, १, ठा० ४, ३; —कडजुम्म. न० (—कृतजुम्म) भे राशिने यारे आगतां ३४ न रहे अने लब्ध स० भ्याने यारे आगतां भे शेष रहे ते स० भ्या जिस राशि को चार से भाग देने पर कुछ भी शेष न रहे और लब्धि को चार से भाग देने पर दो शेष बचें वह संख्या-राशि a figure which when divided by four leaves zero as remainder and the quotient divided by 4 leaves two as remainder. भग० ३५ १; —कलिओग पुं० (—कल्योज) भे राशिने यारे आगतां ओक शेष रहे अने लब्ध स० भ्याने यारे आगतां भे शेष रहे ते स० भ्या जिस राशि को चार से भाग देने पर एक शेष रहे और लब्ध संख्या को चार से भाग देने पर दो शेष रहें वह संख्या. a figure which leaves a remain-

der of 1 when divided by 4 and the quotient leaves 2 as remainder when divided by four. भग० ३५, १, —तेओग. पुं० (—व्योज) भे स० भ्याने यारे आगतां त्रय शेष रहे अने लब्ध स० भ्याने यारे आगतां भे शेष रहे ते स० भ्या वह संख्या जिसे चारसे भाग देने पर तीन बाकी बचें और लब्धि को चार से भाग देने पर शेष दो बचें a figure which being divided by 4 leaves the remainder of 3 and the quotient divided by 4 leaves 2 as remainder. भग० ३५, १, —दावरजुम्म. न० (—द्वापरजुम्म) भे राशिने अने लब्ध स० भ्याने यारे आगतां भे शेष रहे ते स० भ्या. वह संख्या जिसकी राशि और लब्धि को चार से भाग देने पर दो शेष रहें a figure which leaves a remainder of two when it and its quotient is divided by 4. भग० ३५, १;

दावारग न० (दकवारक) धोडा, पाण्डुनु वासण घडा; पानी का पात्र-बरतन A waterpot. भग० १५, १;

दावारय. न० (दकवारक) लुओ " दावारग " शब्द देखो "दावारग" शब्द Vide. "दावारग" भग० १५, १;

दावाविय. त्रि० (दापित) अपावेद दिला-याहुआ Caused to be given सु० ख० २, ४६२; १३, २४,

दास. पु० (दास) दास, नौकर; आकर. दास भृत्य; नौकर A servant, a slave. नाया० १; २; ८, ६; १४, १६; भग० २, ५, ११, ११, जं० प० दसा० ६, ४; राग० २८६; वव० ९, ३८; जीवा० ३, ३; सू० १, ४, २, १५, २, २, ६३; उत्त० १, ३१,

३, १८; ८, १८; १३, ६; श्रौव० आया०
 २, १, २, १२; ठा० ३, १; —चेडग. पुं०
 (-चेटक) दास पुत्र; नोकरने। छोकरे।
 दास पुत्र; नौकरका लडका. a son of a
 servant, slave. नाया० २; —चेडय.
 पुं० (-चेटक) लुथो। उपलो। शब्द. देखो
 ऊपरका शब्द. vide above. नाया० १८;
 —चेडिआ छी० (-चेटिका) दास दासी
 दास, दासी. male and maid-ser-
 vants. नाया० ८; —चेडी छी० (-चेटी)
 दास दासी दासी; परिचारिका. male and
 maid-servants. विवा० ९; नाया० १६;
 —दासी. छी० (-दासी) दास अने दासी
 नोकर-आकर. दास दासी; नौकर चाकर
 a comprehensive term for
 servants प्रव० ७२६; —वाय. पुं०
 (-वाद) दासने आरोप असावे। दासका
 आरोप लगाना. fixing the charge
 of a slave. वेय० ६, २;
 दासत्त. न० (दासत्व) दासपणुं. दासत्व;
 दासता. Slavery. विशेष० १३११, पिं०
 नि० २१६;
 दासत्ता छी० (दासत्ता) दास पणुं, दासता,
 दासपन; दासत्व; सेवकाई. Slavery. भग०
 १२, ७;
 दासि. न० (*दासि) ओ नामने ओइ गुच्छो;
 वनस्पति विशेष इस नाम का एक गुच्छा;
 वनस्पति विशेष. A vegetation of
 this name. पञ्च० १;
 दासी छी० (दासी) दासी; आकरडी. दासी;
 नौकरानी. A maid-servant. नाया०
 ८; भग० २, ५; ११, ११; सूय० १, ४, १,
 १३; श्रौव० पिं० नि० ३७०; राय० २८६;
 २८८; दसा० ६, ४; आया० २, १, २, १२;
 —चोर. पुं० (-चोर) दासीने चोरनार.
 दासी को चुराने वाला. one who steals

a maid-servant. परह० १, ३;
 दासीखडिया. छी० (दासीखटिका) गोदास
 थिवरे डाटेवी गोदास गलुनी येथी शाखा.
 गोदास थिवर की निकाली -चलाई हुई
 गोदास-गण की चौथी शाखा The 4th
 branch of Godāsa-Gana started
 by Godās Thivara. कप्प० ८;
 दाह. पुं० (दाह) दाह ज्वर; अलतरीये
 ताप. दाह ज्वर; जलन करने वाला बुखार-
 ताप. A burning fever. नाया० १;
 १३; भग० ७, ८; जीवा० ३, ३;
 दाह. पुं० (दाह) दाह; अलतरा. दाह,
 जलन. Burning; heat क० गं० १,
 २२; नाया० ५, १६; भग० ३, ७; (२)
 शस्त्र विशेष शस्त्र विशेष a particular
 weapon. नाया० १८; —बुक्त. त्रि०
 (व्युत्क्रान्त) दाहथी पीड़ित. दाह से दुःखी;
 जलन का मारा. troubled by heat
 or burning. नाया० १६; भग० १२, १;
 —बुक्तिय. त्रि० (-व्युत्क्रान्तिक-दाहोव्यु-
 त्क्रान्त उत्पन्नो यस्याऽसौ दाहव्युत्क्रान्तः स
 एव दाहव्युत्क्रान्तिक) दाह उत्पन्न करनेवाला.
 दाह उत्पन्न करने वाला; जलन करने वाला.
 that which produces heat or
 burning. नाया० १; १६; भग० ६, ३३;
 १५, १;
 दाहक. त्रि० (दाहक) आधनार. जलाने वाला;
 दाहक (One) that burns. विशेष०
 ८६८;
 दाहिण. त्रि० (दाक्षिण) नमलुं; नमलुी थालु.
 दाहिना; दाहिनी ओर का. To the
 right. (२) छी० दक्षिण दिशा. दाक्षिण
 दिशा the southern direction.
 जं० प० ५, ११५; ११४; ७, १२०; १, ११;
 १२; २, ४१; ४, ७२, भग० २, ८; ३, २;
 ७, ५, १; ४; ६, ५; ६, ३; २५; २, नाया०

१; ५; १६; ओष० १२; राय० ६३: १०२;
 ओष० नि० २८२; ओष० नि० भा० ३१७;
 जीवा० ३, १; सु० च० १, २०२; सू० प०
 २०; दस० ६, ३४; कप्प० २, १४; ५, ११३;
 प्रव० ७७, ६४३; ७५४; —अभिमुद्द. त्रि०
 (-अभिमुख) दक्षिण दिशानी स-मु० २७६.
 दक्षिण दिशा के सामने का. facing the
 southern direction. भग० ११, १०;
 दमा० ७, १; —कूल न० (-कूल)
 गंगा नदीने दक्षिण तरफ़ने छोड़ा गंगा नदी
 का दाहिना-या दक्षिण ओर का किनारा.
 the southern bank of the
 Ganges नाया० १; —दिशा. छा०
 (-दिशा) दक्षिण दिशा. दक्षिण दिशा.
 the southern direction. प्रव० ६८६;
 —पश्चिच्छिमा. छा० (-पश्चिमा) नैऋत्य
 भुजो। नैऋत्य कोन; दक्षिण पश्चिम के बीच
 का कोना-विदिशा. the south-west
 direction. भग० ६, १; राय० ६४,
 —पश्चिम. पु० (-पश्चिम) नैऋत्य कोण
 नैऋत्य कोण the south-west direc-
 tion. भग० ५, १, —पड्ढीण पु० (-प्रतीचीन)
 दक्षिण पश्चिमने मध्य भाग, नैऋत्य कोण.
 दक्षिण पश्चिम का मध्य भाग; नैऋत्य कोण
 the south-west direction. जं० प०
 ७, १५०; —पुरच्छिम्. पु० (-पौरस्त्य) अग्नि
 कोण अग्नि कोण; पूर्व और दक्षिण के बीच
 की विदिशा. the south-east
 direction. राय० ६४; भग० ५, १;
 ९, ३३; —पुरच्छिमिज्ज पु० (-पौर-
 स्त्य) ऋग्वेदोपदेशो शब्द देखो ऊपर का
 शब्द. vide above. भग० १६, १,
 —पुरत्थ. पु० (-पौरस्त्य) अग्नि कोण
 अग्नि कोण. south-east सू० प० १;
 —पुरत्थिम पु० (-पौरस्त्य) अग्नि
 कोण. south-east जं० प०

४, ११६; विवा० १, नाया० १८; —अभ्यन्तर.
 पु० (-अभ्यन्तर) दक्षिण अने अभ्यन्तर.
 दक्षिण और अभ्यन्तर. south and
 interior भग० ६, ५; —भुज. पु०
 (-भुज) भूमि का दाहिना हाथ;
 दक्षिण हाथ. the right hand. राय०
 —लवणसमुद्. पु० (-लवणसमुद्र)
 दक्षिण तरफ़ने लवण समुद्र. दक्षिण ओर
 का लवण समुद्र. the southern salt
 ocean. जं० प० १, ११; —वाय. पु०
 (-वात) दक्षिण दिशाने वायु. दक्षिण
 दिशा की वायु the southern wind.
 पत्र० १; ठा० ५, ३; ७, १; —हस्त. पु०
 (-हस्त) भूमि का दाहिना हाथ. दाहिना हाथ. the
 right hand. नाया० १६; प्रव० ७६७;
 दाहियगामि. त्रि० (दक्षिणगामिन्) दक्षिण
 दिशा तरफ़ने दक्षिण दिशा की ओर का;
 दक्षिणगामी. Southern, going to-
 wards the south. दमा० ६, १;
 —णेरइअ. पु० (-नैरयिक) दक्षिण तरफ़ने
 नारकी. दक्षिण ओरके नारकी-नैरयिक. the
 hell-beings of the south. दसा०
 १०, ३;

दाहियहट्ट न० (दक्षिणार्ध) दक्षिणार्ध-दक्षिण
 तरफ़ने अर्धभाग. दक्षिणार्ध दक्षिण दिशा
 का आधा हिस्सा. The southern half.
 नाया० १, १६; ३, १; ५, १; मम० ६६;
 अणुजो० १४८; जं० प० निर० ५, १;
 —भरह. पु० (-भरत) दक्षिणार्ध भरत;
 भरत क्षेत्रने दक्षिण तरफ़ने अर्ध भाग
 दक्षिणार्ध भरत, भरत क्षेत्र की दक्षिण ओर
 का आधा भाग. the southern half
 of Bharata Ksetra. नाया० ५, १६;
 कप्प० १; २; —भरहकूट पु० (-भरत-
 कूट) वैताल्य पर्वतने नवकूटमांजु थीं
 कूट. वैताल्य पर्वत के नवकूट में से दूसरा

कूट. the 2nd peak of the 9 of Vaitādhyā mountain. जं० प०
—भारह. पुं० (-भारत) दक्षिणाद्धं
भरत. दक्षिणाद्धं भरत. the southern
half of Bharata. नाया० १; —भार-
हवास. पुं० (-भारतवर्ष) दक्षिणाद्धं
भारतवर्ष-भरत क्षेत्र. दक्षिणाद्धं-भारत
वर्ष-भरत क्षेत्र. the southern half
of Bharata Kṣetra. नाया० १६;
—माणुस्सखेत्त न० (-मनुष्यक्षेत्र) मनुष्य
क्षेत्रो दक्षिण अर्ध भाग. मनुष्य क्षेत्र का
दक्षिण अर्ध भाग. the southern
half of the region of the mor-
tals सम० ६५; —लोकाधिपति. पुं०
(-लोकाधिपति) मेरुस्थी दक्षिण तटस्थ
अर्ध लोको अधिपति मेरु से दक्षिण ओर
के अर्ध लोक का स्वामी. the lord of
the half world south of the
Meru mountain कप्प० २, १३;

दाहिणत्त. न० (दक्षिणत्व) सरलपथ.
सरलता; सीधावन; Straight for-
wardness सम० ३५.

दाहिणदारिय. न० (दक्षिणद्वारिक) अश्विनी
आदि सात नक्षत्र, दक्षिणभुभी छे. आश्विनी
आदि सात नक्षत्र जो दक्षिण मुखी हैं. the
7 constellations Āśvini etc.
which are facing the south.
सम० ७; ठा० ७.

दाहिणय. पुं० (दक्षिणक) दक्षिण देश.
देश. The southern country
सु० च० २, ३;

दाहिणा वी० (दक्षिणा) दक्षिण दिशा.
दक्षिण दिशा. The southern
direction जं० प० भग० १०, १; ठा० ६;
भाया० १; १, १, २; १, ६, ५, ११४;
दाहिणायण पुं० (दक्षिणायन) दक्षिणायन;

अर्धं नु दक्षिण दिशा तटस्थ नु ते दक्षिणा-
यन; सूर्य का दक्षिण दिशा की ओर गमन
एवं भ्रमण. The winter solstice.
सू० प० १०;

दाहिणावत्त. पुं० (दक्षिणावर्त) नभश्च
शंभ; दक्षिणावर्त शंभ. दाहिना शंख;
दक्षिणावर्त शंख. The right conch;
a particular conch. ठा० ४, २;

दाहिणज्ज. त्रि० (दक्षिणात्य) दक्षिण दिशा में
थना; दक्षिण दिशानुं. दक्षिण दिशा में
होने वाला; दक्षिण दिशा का. Of the
south. जं० प० ५, ११४; ११७; ३, ५४;
नाया० घ० ३; ५; नाया० १; ठा० ४, २;
पत्र० २; भग० ३, १; ६, ३३; १५, १; १६,
८; ३४, १; —पुरतियमिज्ज. पुं० (-पौर-
स्त्य) अग्नि भुज्जो. अग्नि कोण. the
south-east ray० ७२. —चणसंड.
पुं० (-वनसंड) दक्षिण दिशाने वन-
भू. दक्षिण दिशा का वनसंड. the
southern forest नाया० १३;
—वेयाली. वी० (-वेला) समुद्रो दक्षिण
तटस्थो किनारे समुद्र का दक्षिण किनारा.
the southern sea-shore. नाया० १६;

दिअंत. पुं० (दिगन्त) दिशाओंको अंत-छेडा.
दिशाओं का अन्त-छोर The ends of
the quarters. चउ० २०;

दिइ. वी० (दत्ति) पानी भरवानी मशक.
पानी भरने की मशक-पखाल. A leathern
bag to fill water. नाया० १८;

दिउत्तम. पुं० (द्विजोत्तम) उत्तम ब्राह्मण.
श्रेष्ठ ब्राह्मण, द्विजवर्य. A good Brāh-
mana उत्त० २५, ३३;

दित त्रि० (ददत्) आपणुं. देता हुआ. Giv-
ing जं० प० ७, १५१; पि० नि० ५७३;
सु० च० १, १७०; पि० नि० भा० ४५; विशेष
१४३५;

✓ दिक्ख. धा० II. (दीक्ष) दीक्षा देवुं. दीक्षा देना. To consecrate.

दिक्खण्. सु० च० १, ३८२;

दिक्खित्ता. गच्छा० १६;

दिक्खा. स्त्री० (दीक्षा) दीक्षा; संसार त्याग की क्रिया. Consecration; renouncement of the world. विशेष० ८६६, सु० च० १, ३८०, गच्छा० ८६; —उत्तरायण. पुं० (—उपकार) दीक्षा देवानो अनुग्रह. दीक्षा देने का अनुग्रह. the favour of initiating. पंचा० १८, ३५; —गुण. पुं० (—गुण) जैन दीक्षाना गुणधर्म. the attributes of the Jaina consecration. पंचा० २, ४२; —विहाण. न० (—विधान) दीक्षा लेवानी विधि. दीक्षा ग्रहण करने की विधि. the rites of accepting consecration पंचा० २, ४४;

दिक्खामाव. पुं० (दीक्षाभाव—दीक्षस्य प्रत्यस्याभावो दीक्षाभावः) दीक्षा लेनारतो अभाव. दीक्षा ग्राहकों की कर्मा-अभाव. a dearth of those who accept consecration. पंचा० १८, ३०;

दिक्खिय. त्रि० (दीक्षित) दीक्षा आपेक्ष. दीक्षित; दीक्षा लिया हुआ. Consecrated. सु० च० ३, १६३; पंचा० २, ५, ८, २८;

क्षिदिमिच्छा स्त्री० (जिघत्सा) भूख भूख, लुधा. Hunger. नाया० १, ६, ४, १६; उत्त० २, १; दसा० १०, ३; —परिगय. त्रि० (—परिगत) क्षुब्ध लगेला. जोरों की लगी हुई भूख वाला; तीव्र लुधात. very hungry. उत्त० २, १; —परिसह. पुं० (—परिपह) भूखनेो परिपह. भूख का परिपह. the trouble caused by hunger. उत्त० २, १; —परीसह

पुं० (—परिपह) भूखनेो परिपह. लुधा-भूखका परिपह. enduring an affliction caused by hunger. सम २२; भग० ८, ८;

दिगु. पुं० (दिगु) द्विगु सभास. द्विगु सामान. Numeral compound. अणुजो० १३१;

दिग्घ. त्रि० (दीर्घ) दीर्घ; लांघुं. दीर्घ; लंबा. Lengthy; long. जं० प०

दिट्ठ. त्रि० (दृष्ट) दीर्घ; लेखेल; देखेल.

देखा हुआ. Seen; noticed. नाया० १;

८; ६; १६; दस० २, १, ६६; ६, ५१; ८,

२०; ४६; भग० १, ४; ६; ३, १, ६, १;

११, ११, १७, २; २५, ७; पि० नि० १३१;

२१६; अणुजो० १६; निसी० १२, ३५,

उत्त० ५, ५; पञ्च० १; आया० १, १, ४, ३३;

उवा० ३, १४१; पंचा० ७, २१; प्रव० ५२६,

कण्ठ० १, ८; १, १०; ३, ४६; —आभट्ट.

त्रि० (—आभाषित) नजरे लेखने भोजन-

वेला आंखों से देखकर बुलाया हुआ. called

after being seen by the

eyes. भग० ३, १; —दोसपतित.

त्रि० (—दोषपतित—दृष्टः दोषश्चेत्तर्थाद्वि-

र्यस्यासौ तथा) दोष देखाध न्यायी पतित

थयेल दोष दिख जाने के कारण पतित.

degraded on account of the

exposure of faults. अंत० ३, ८;

—धम्म. पुं० (—धर्म) लखेल धर्म.

जाना हुआ या देखा हुआ धर्म. a com-

prehended religion. सूय० १, १३,

१७, —पह त्रि० (—पथ) लेखे भोजन

मार्ग लेथे छे ते. जिसने मोक्ष मार्ग को

जाना हो या देखा हो वह. (one) who

has seen the path of salvation.

आया० १, २, ६, ६४; —पुव्व. त्रि० (—पूर्व)

पहले देखेला. प्रथम देखा हुआ; पूर्व दृष्ट.

previously seen. नाया० ८, १६; १७;

—पुन्यग. त्रि० (पूर्वक) पहलेवां जेथेले.
 पहिले देखा हुआ. previously seen.
 दसा० ४, ७७; —भय. त्रि० (-भय—
 दृष्टं संसाराद्भयं सप्तप्रकारं वा येन स तथा)
 संसारना सात प्रकारना लयने जेनार.
 संसार के सप्तविध भय को देखने वाला.
 (one) who has seen the seven
 sources of fear of the world.
 आया० १, ३, २, १११. —लाभिअ
 त्रि० (-लाभिक) दीठेला अने परिचित
 दाता पासेथी दीठेला वस्तुनी गवेधला कर-
 नार देखे और परिचित दाता से देखी
 हुई वस्तु की याचना करने वाला (one)
 who begs of an acquainted
 donor a thing which is seen.
 ठा० ५, १; ओव० १८; पगह० २, १;
 —सार त्रि० (-सार) जेथे सार-पर-
 भार्य दीठेल छे ते, ज.नी जिसने सार-परमार्थ
 देख लिया है वह, ज्ञानी. (one)
 who has understood reality; a
 wise man भक्त० ३४; —साहम्म. न०
 (-साहम्य) अेक वस्तु जेध तेना उपर्यथी
 तेना जेवी वस्तुनुं ज्ञान थाय ते, अनुमानेना
 अेक प्रकार. एक पदार्थ को देखनेपर तद्वत्
 अन्य वस्तु का होनेवाला ज्ञान; अनुमान का
 एक प्रकार. knowledge produced of
 objects which are similar to
 the one seen; a kind of in-
 ference. अणुजो० १४६;

दिष्ट त्रि० (दिष्ट) इरभावेधुं; कहेधुं. कहा
 हुआ; आज्ञा किया हुआ. Said; order-
 ed. भक्त० ७७; पंचा० ६, १३;

दिष्टंत. पुं० (दृष्टान्त) दृष्टांत; दाखले;
 उदाहरण. दृष्टांत; मिसाल; उदाहरण,
 दाखला, An illustration. अणुजो०
 १६; १४८; सम० ६; सूय० २, ४, ७; भग०

३, १, २, १६, ५; पञ्च० १७; ३०; सु०च०
 ४, १०८; विशेष० ४१; १५४; नंदी० ३५;
 भक्त० १३७; पंचा० ३, २२; ५, ४८; क०
 ग० १, २; प्रव० १२८;

दिष्टित्य. त्रि० (दार्ष्टान्तिक) अभिनयना
 आर प्रकारमाने पहिले प्रकार. चार प्रकार
 के अभिनय में से पहिला. The 1st
 of the 4 kinds of acting. राय०
 ६५; जीवा० ३, ४;

दिष्टि. स्त्री० (दृष्टि) दृष्टि-नजर; नेत्रनी
 शक्ति. दृष्टि-नजर-नेत्र की शक्ति. Sight.
 अणुजो० १३०; नाया० २; ३; ८; ६; ओव०
 ४१; पिं० नि० १८६; भग० २, ५; २५, १;
 दस० ८, ५५; आया० १, ५, ४, १५७;
 दसा० ६, ४, ७, १२, उवा० ७, २१४; (२)
 ज्ञान; समजल. ज्ञान; समझ. know-
 ledge; understanding. जं० प० ५,
 १२३, पंचा० १८, २४, पिं० नि० १८६; (३)
 मत, पक्ष. दर्शन. मत, पक्ष, दर्शन tenet
 सूय० १, १, २, ३०; २, ५, २; २, ६, १२;
 विशेष० २३०७; राय० २४४, (४) सभ्य
 दृष्टि. सम्यक् दृष्टि. proper faith
 भग० १, ५, ९, ६, ४, जीवा० १; (५)
 आंख; नेत्र. आंख; नेत्र, नयन; चक्षु.
 the eye. “ दिष्टिं वा मेत्तए ” नाया०
 ५; गच्छा० ८; क० ग० १, १०; नाया० १;
 पञ्च० १; भग० ११, १०; —छोह पुं०
 (-छोम) दृष्टि क्षोभ. दृष्टि छोम; दृष्टि
 पीडा; नेत्र पीडा. a sore eye. भक्त०
 १२४; —जुद्ध न० (-युद्ध) दृष्टि युद्ध;
 आंखथी युद्ध करवुं ते. दृष्टि युद्ध; आंखो-
 नजरो द्वारा युद्ध करना fighting by
 the eyes. जं० प० —णिव्वति. स्त्री०
 (-निर्वृति) दृष्टिनी उत्पत्ति निष्पत्ति. दृष्टि
 की उत्पत्ति-निष्पत्ति. the origin of
 sight. ‘ कह विहायं भंते दिष्टिणिव्वति

पर्याप्तता " भग० १८, ८; —तिग. न० (-प्रिक) तत्र दृष्टिओ-समकित दृष्टि; मिथ्यात्व दृष्टि अने समाभिध्यात्व दृष्टि. तीन दृष्टियाँ-समकित, मिथ्यात्व तथा समाभिध्यात्व दृष्टि the three sights (sorts of faith): Samakita Mithyā-tva and Samāmithyātva. क० प० ५, ५७; —दुग न० (-द्विक) ये दृष्टि समकित दृष्टि अने समाभिध्यात्व दृष्टि दृष्टिद्वय, समकित दृष्टि और समाभिध्यात्व दृष्टि. the two sights; Samakita and Samāmithyātva. क० प० २, २; ६, २; —पडिलेहणा स्त्री० (-प्रतिलेखना) मुहपति वगेरे उपर नजर डेरवनी ते मुहपति आदि पर नजर डालना; आँखों से जाँचना. casting a glance at the mouth-cloth, examining by sight. प्रव० ६६; —मोह. पु० (-मोह) दर्शन मोहनीय दर्शन मोहनीय sight-deluding. क० प० २, २२; —विस त्रि० (-विष—दृष्टौ विष येषां ते दृष्टिविषाः) जेनी दृष्टि मात्रमां जेर होय ओवो सर्प, जिसका दृष्टि मात्र में विष हो ऐसा सर्प a serpent whose very sight is poisonous नाया० ६; भग० १६, १; जीवा० १; वव० १०, ३३, ३६; भक्त० १२६. गच्छा० ८३; —संचाल पुं० (-संचार) जरी जरी आँख हलवनी ते कुछ कुछ आँखों का हिलाना, दृष्टि संचार—प्रक्षेप slight movement of the eyes. आव० १, ५, —संपरण. पु० (-सम्पन्न) सम्यग्दृष्टि युक्त. सम्यक् दृष्टि से युक्त. possessed of right sight or faith आव० ४, ८; —संपरणय स्त्री० (-सम्पन्नता) सम्यग्दृष्टिप्राप्त्युं सम्यक् दर्शिता the state

of having right faith ठा० १०; —सूल. पुं० (-शूल) आँखनु शूल. नेत्र पीडा. आँखों की पीडा. an eye-sore. नाया० १३; —सेवा स्त्री० (-सेवा) हाव भाव युक्त स्त्रीनी दृष्टि साथे दृष्टि भैलवनी ते. हाव भाव वाली स्त्री की नजर से नजर मिलाना facing a lady casting amorous looks प्रव० १०७८;

दिष्टिमंत. त्रि० (दृष्टिमन्) सुदृष्टि; समकित. सुदृष्टः समकित. Right-sighted; Samkiti (having right faith) सूय० १, ३, ३, २१;

दिष्टिया. स्त्री० (दृष्टिका—दृष्टं दर्शन वस्तु वा निमित्ततया यस्यामास्ति सा) जेवाथी धर्म अर्थात् ते, २५ क्रियाभांजी ओठ. जिसके देखने से कर्म बंधे वह; २५ क्रियाओं में से एक The Karmic bondage incurred by looking; one of the 25 actions ठा० २, १; (२) नजर; जेवु ते. नजर; दृष्टि sight; seeing नाया० १;

दिष्टिया. स्त्री० (दृष्टिजा—दृष्टेर्जाता दृष्टिजा) जेवो उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above. ठा० २, १;

दिष्टिवाउवपसा. स्त्री० (दृष्टिवादोपदेशिका) सम्यक्त्व दृष्टिरूप संज्ञा; सज्ञानो नीने प्रकार. सम्यक्त्व दृष्टि रूप सज्ञा; सज्ञा का तीसरा प्रकार A knowledge of right belief or conduct; the 3rd variety of knowledge or animate feeling. प्रव० ६३२;

दिष्टिवाच पुं० (दृष्टिवाद) पारमु अगस्त्य भेटाभा भेटाठु ओठ जैन सूत्र के जे हाल विच्छेद यर्थ गथेल छे बारहवा अगस्त्य, एक वटे से बड़ा जैन सूत्र जिसका

दिग्ग. न० (दिन) दिनः दिनः; दिनः
A day. यथा- १, २; दिनः दिनः मा-
१०, ५० मं० १, १० द्वा० १०० ६००;
—कथाय. पुं० (-कथ) दिग्गो दिनः.
दिनः दिनः दयः, the end of a day.
दा० ६; —पुद्गल. न० (-दृग्गल)
३०१ दिग्गो मं० नय दिग्गो भयं-न.

द्विद्विषयपरिचयसिद्धांतः पुं० (दृष्टिनिर्वाण-
जगत्) आनन्दी भवनं दृग्भूत भागीयम्
तेन प्राप्त द्रव्यार्थी प्राप्ती क्षिप्ता, तेनान्न
प्राप्तम् क्षिप्ता आनन्द भवन मे निम्न
रां जगत् समस्त कश्च उमे मारुतं के कायम्

एक दिन से लगकर नौ दिन तक *from*
one to 9 days क० प० १, २२;
दिएकय पुं० (दिनकर) सूर्य. सूर्य; नात्कर:
चवित्ता. The Sun ल० २, ३;
दिएकर पुं० (दिनकर) सूर्य. दिनकर; सूर्य.
The Sun. नाया० १;
दिएनाह. पुं० (दिननाथ) सूर्य. सूर्य; दिनकर:
दिननाथ. The Sun. तु० च० २. ४४;
दिएयर. पुं० (दिनकर) सूर्य. सूर्य. The
Sun नाया० १; =; भग० २, १: ११,
११; १६, ६; अणुजो० १६; कप्य० १, ४;
३, १२; ४, ६०;
दिएण त्रि० (दत्त) आपेक्षुं; दीधेक्षुं. दत्त;
दिया हुआ. Given " दिएण भुंजामे "
नाया० १; ७; =; १३: १६; विवा० ३; जं०
प० ५, ११५; राय० ४०; श्रव० ३८, सम०
पः २१०; उवा० ७, १८४; (२) २१भा
तीर्थकरने प्रथम लिखा आपनार गृहस्थ.
२१वें तीर्थकर को सब से पहिले भिक्षा देने
वाला गृहस्थ the person to give
alms first of all to the 21st
Tirthaṅkara सम० प० २३२; (३)
आहंभा यद्रप्रभ तीर्थकरना प्रथम गणधरतुं
नाम आठवें चन्द्रप्रभ तीर्थकर के प्रथम गण-
धर का नाम name of the first
Gaṇadhara of the 8th Chandra
Prabha Tirthaṅkara सम० प०
२३३, (४) ११मां श्रेयांसनाथ स्वामीना
त्रीज पूषसवतुं नाम. ११वें श्रेयांगनाथ
स्वामी के तीसरे पूर्व भव का नाम
name of the third previous
life of the eleventh Śrīyaṅgana
Nātha. सम० प० २३४, (५) अष्टापद
पर्वत ७१३ २८११३ आ नाथना आह मापस
अष्टापद पर्वत ११ ४३८३३३ ३३
एक दसवीं ४३ ४८३३३, ४३

[illegible]

प्रयः तपः करुणा. प्रचंड तपस्वी. (one) who performs hard penance. भग० १, १; —रूप. त्रि० (—रूप) प्रयः रूप वाला. प्रचंड रूप वाला of a fierce shape. उक्त० १२, ६; —शोभा. त्रि० (—शोभा) प्रदीप्त छे शोभा नेनी ते प्रदीप्त शोभा वाला. of a shining beauty. कण० ३, ३६; —स्वर. पुं० (—स्वर) प्रयः स्वर. प्रचंड स्वर; तीव्र स्वर a terrible tone; a harsh sound. नाया० ८;
दित्त. त्रि० (दीप्त) कामपी उदीप्त काम मे उदीप्त. Infatuated with lust उक्त० ३२, १०; (२) गर्विष्ठ, अहंकारी. गर्विष्ठ; अहंकारी; घमडी. haughty; proud; vain. दम० २, १, १२; ओष० नि० ३०२; (३) भूत पिशाच वगैरेना आवेशवाला. भूत पिशाचादि के आवेश वाला. one possessed, haunted by a ghost or goblin. पि० नि० २२६; —चित्त. त्रि० (—चित्त) दुःखधिला चित्तवाला हर्ष से पागल हुए चित्त वाला (one) whose mind is mad on account of joy टा० २, १; वच० ३, १०;
दित्तर. त्रि० (दीप्तर) अनि प्रयः अति प्रचंड. Very terrible नाया० १,
दित्ति स्त्री० (दीप्ति) शोभा; प्रति; प्रकाश. शोभा; कान्ति. प्रकाश. Beauty, lustre विशेष० ३४४७, नाया० १०.
दित्ति त्रि० (दीप्ति) काम. काम. Lust. (२) अहंकार अहंकार pride उक्त० ३२, १०; —कर. त्रि० (—कर) काम उदीपन करने वाला. कामोदीपक, कामको दीप्त करने वाला. stimulating lust उक्त० ३२, १०; —धर. त्रि० (—धर) अहंकारवाला. अहंकारी, गर्विष्ठ. proud; haughty टा० १०;
दित्तिमत. त्रि० (दीप्तिमत) दीप्ति-मतेति-

वर्धुं दीप्ति-उद्योति नाना. Bright; luminous. उक्त० २, २७;
द्विनयर. पुं० (द्विनकर) सूर्य. सूर्य. The sun. ओष० १३;
द्विन्न. त्रि० (दत्त) लुब्धो " द्विण " शब्द देगो " द्विण " शब्द. Vide " द्विण " उक्त० ६, ८; १२, २१; अया० २, १, ६, ३०; पि० नि० १६४; २०८ सु० च० १, २१६; २, ४६२; राग० १८, पद्म० २; दम० ४, २, १३;
द्विन्नश्च. त्रि० (दत्तश्च) गोले गोशेख; दत्तश्च दीप्तिश्च. गोद लिया हुआ; दत्तश्च. An adopted child टा० १०;
दीप्यत. व० क० त्रि० (दीप्यत) दीप्युं अलङ्कृत. चतकता, चमकता Glittering; shining नाया० १, ८; भग० ३, २; उक्त० ३, १४; ओष० ३१; पि० नि० ३०३; सु० च० २, ३८;
दीप्यमाण व० क० त्रि० (दीप्यमाण) दीप्यमाणु. दीप्युं. चतकता; दीप्यमाण; शोभावाला. रोचक Glistening; brightened. 'कविलते पूणं दीप्यमाणा' उवा० २१६४, जं० १०३, ४४; कण० ३, ४१; ४, ६२;
द्विय पुं० (द्विज) आरा संस्कारवाला आराधु उत्तर संस्कारवाला ब्राह्मण. A Brāhmaṇa of good culture. उक्त० १२. १२. २५, ७; (२) पक्षी. पक्षी. a bird. सूय० १, १४, ३. —पो-
अ. पुं० (—पोत) पक्षीपुं अयुं पक्षी का बच्चा-शावक the young one of a bird. आया० १, ६, ३, १८७; —पो-
त. पुं० (—पोत) लुब्धो उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द vide above. 'जहा दियापोतमवत्तजातं' सूय० १, १४, २;
द्वियर पुं० (देवर) पतिनो नानो बाध; देवर. पति का छोटा भाई; देवर. A younger

brother of a husband पि० नि० १६६;
दियराउ. अ० (दिवारात्र) रात दिवस.
रात दिन, दिनरात. A night and
day. ओष० नि० भा० ७५;

दियस पु० (दिवस) दिवस दिवसः दिन.
A day. तंदु०

दियह. पु० (दिवस) दिवस; दिन. दिवस;
दिन. A day. सु० च० ६, १३६; पंचा०
८, २४; -

दिया अ० (दिवा) दिवस; दिन. दिवस;
दिन A day. नाया० १; ४; जीवा० १;
आया० १. ६, ४, १८८; वव० ६, ४१;
भग० २, १; निसी० ११, २१; दस० ६,
२५; पि० नि० १७५; दमा० ६, २; —वंच-
भयारि. पु० (-ब्रह्मचारिन्) श्रावकनी
पांचमी पडिमा आदरनार के जे पाय मास
सुधी दिवसे अक्षय्य पावे. श्रावक
का पांचवीं पडिमा का धारण करनेवाला जो
पाच मास तक दिन में ब्रह्मचर्य का पालन
करे the 5th Vow of a layman
which consists of remaining
a celibate in the daytime for
five months. सम० ११; —भोयण.
न० (-भोजन) दिवसनु भोजन. दिन का
भोजन, food of the day निसी० ११,
२१,

दियालोकच्युत त्रि० (देवलोकच्युत) देव
लोकाथी गये देवलोक से अष्ट च्युत पतित.
Fallen from the heaven. सम०
४; —भासिय त्रि० (-भाषित) देवलोकाथी
गये (ऋषिभ्यो) ना कहेला देवलोक से
चालित (ऋषिभ्यो) द्वारा कहा हुआ. spoken
by the sages who are fallen
from the heaven सम० ४४;

दिलिवेढय पु० (दिलिवेष्टक) ओ३ मतने

जलचर पये द्विप श्व एक जाति का पंचे-
द्रिय जलचर जीव. A kind of five-
sensed aquatic being. परह० १, १;
दिली. पु० (दिली) ओ३ मतने जलचर
पये द्विप श्व. एक जाति का पंचेन्द्रिय जल-
चर जीव A kind of five-sensed
aquatic being. पत्र० १,

दिव न० (दिव) स्वर्ग. स्वर्ग. The
heaven सूय० १, ६, ७; नाया० ८;
—गय. त्रि० (-गत) स्वर्ग भां गये.
स्वर्ग में गया हुआ. gone to the
heaven. नाया० ८;

दिवह. त्रि० (द्वापार्द) दोह; ओ३ने अर्धे.
डेह; एक और आधा. One and half.
भग० १, १; ८, १०; १३, ६; पत्र० २३; निसी
१, ४७; २०, २१; २३, विशेष० ६६३; सू०
प० १०; प्रव० १६८, जं० प० ६०; १२६,
—कखेत्त. न० (-क्षेत्र) दोह क्षेत्र. डेह
क्षेत्र one and half regions.
सू० प० १; —कखेत्तिय. त्रि० (-क्षेत्रिक)
दोह क्षेत्रनु डेह क्षेत्र का. of one and
half regions सम० ४५; ठा० ६,
—मासिय; त्रि० (-मासिक) दोह मासनु.
डेह मास का of one and half
months निसी० २०, १७;

दिवस. पु० (दिवस) दिवस, दहाडो. दिवस;
दिन A day ज० प० ७, १३४; नाया०
१; २, ८; १६; १८; १९; भग० ५, १; ११,
६; ११; १६, १; वव० ३, ६, विशेष० १६६;
२०३६, विवा० २, तंदु० नंदी० १२; सम०
१५, उक्त० २६, ११, ३०, १६, प्रव० ६२५;
आव० ३, १; —अंतर न० (-अन्तर)
बिन्न दिवस, भीन्ने दिवस. मिन्न दिन;
दूसरा दिन. a different day;
other day. विशेष० ६०६; —चरिय
न० (-चरम) दिवसनो छेले पड़ेर

दिवस का अन्तिम प्रहर. the last
Prahara (a period of three
hours) of a day. आव० ६, १०;
—तिद्धि. श्री० (-तिथि) तिथिने पृथ
भाग तिथि का पूर्व भाग. the first
part of a date. सू० प० १०;
—पुद्गुत्त न० (-पृथक्त्व) ऐथी मांडी
ते नव दिवस सुधी (कास). दो से लगाकर नौ
दिन तक (काल) from two to nine
days. भग० १, १; कप्प० ५, ५१;
—प्रमाणकाल. पुं० (-प्रमाणकाल)
दिवस प्रमाणेनो समथ. दिन प्रमाण का
समय. a period of time equal to
a day. भग० ११, ११; —चंभयारि.
पुं० (-ब्रह्मचारिन्-दिवसे ब्रह्मचरतायेवं
शालो दिवसब्रह्मचारी) दिवसे मैथुनने
त्याग करनेवा. दिन में मैथुन का त्याग करने
वाला. one who abandons coition
in the day time. पंचा० १०, १८;
प्रव० १०००; —भयत्र. पुं० (-मृतक)
दाडीओ; मजूर; ओक दिवसना पैसा लघ
काम करनेवा. मजूर; मजदूर; एक दिन की
मजदूरी के पैसे लेकर काम करने वाला. a
labourer; one who works on
wages per day. ठा० ४, १; —वि-
सय. पुं० (-विषय) दिवसनेो भाग.
दिन का भाग. the part of a day.
प्रव० १४१;

दिवसिय. त्रि० (-दैवासिक) दिवसमां थनार;
दिवस संबंधी. दिन में होने वाला; दिन
सम्बन्धी. Related to a day; daily.
नाया० १;

दिवा. अ० (दिवा) दिवस दिन; दिवस
A day राय० ५३; जं० प० ७, १५३;
५, ११४; दस० ४; —चंभयारि. पुं०
(-ब्रह्मचारिन्) दिवसे प्रत्यर्थ पावनार;

पांचवी पडिमाधारी श्रावक. दिन में ब्रह्मचर्य
पालने वाला; पांचवी पडिमा धारी श्रावक.
a layman observing the 5th
Padimā(vow); (one) abstaining
from coition in the day time.
दसा० ६, २;

दिवाकर. पुं० (दिवाकर) सूर्य. The
sun. राय० ५३;

दिवाकरकूड. पुं० (दिवाकरकूट) जंबूद्वीपना
मन्दरनी दक्षिणे आवेल इयक पर्वतनुं
आइभु इट. जंबूद्वीप के मन्दिर के दक्षिण
में आन वाले रुचक पर्वत का आठवां कूट-
शिखर The 8th peak of the Ru-
chaka mountain coming to the
south of the temple of Jam-
būdvipa. ठा० ८;

दिवागर. पुं० (दिवाकर) ओओ "दिवाकर"
शब्द. देखो " दिवाकर " शब्द. Vide
दिवाकर " नाया० १;

दिवायर. पुं० (दिवाकर) सूर्य. The
sun. " उत्तिट्ठंते दिवायरे जलत इव "
उत्त० ११, २४, पञ्च० १७,

दिव्य. त्रि० (दिव्य) उत्तम; श्रेष्ठ उत्तम;
श्रेष्ठ. Best. (२) दिव्य, स्वर्गीय. दिव्य;
स्वर्गीय divine; heavenly. (३)
प्रधान; मुख्य. प्रधान; मुख्य. chief;
principal. नाया० १; ५; ६; १४; भग०
३, १; २; ७; ६; १२, ८, १५, १; १६, ६; नाया०
५० पञ्च० २; ओव० सम० १०; राय० २७; २६;
दस० ६, २, ४; दसा० ५, २१; पिं० नि० भा० २२;
भत्त० ३६; जं० प० ५, ११२; (४) देवता
संबंधी. देव विषयक; देवता सम्बन्धी.
relating to gods ठा० ३, १; ४, ४;
उत्त० २५, २५; ३१, ५; ओव० २२;
जीवा० ३, १; सू० प० १८; विशे० ३००५;
दस० ४; वव० १०, १; नाया० १; कप्प०

२, १३; २, २७; २, २८; ६, ११६; पंचा०
१८; १६; वव० १०७५; (५) मुकुली
सर्पनी ऐक ज्ञत. मुकुली सर्प की एक जात.
a class of serpents जांवा० १; (६)
देवताध; देवताधिष्ठित देवाधिष्ठित pre-
sided by a god. जं० प० ५, ११२;
११५; ७, १४०, ३, ५३, —आयपत्त
न० (—आयपत्त) दिव्य छत्र दिव्य छत्र. a
divine umbrella. राय० —उत्तिरण
त्रि० (—उत्तिरण) स्वर्गभाथी उत्तरेल
स्वर्ग से उतरा हुआ. descended from
the heaven. सु० च० ४, १६६,
—ओसहि. पु० (—ओषधि) देवी ओषधि
देवी ओषधि-दवा divine medicine.
नाया० १; —गइ स्त्री० (—गति) उच्च गति;
देव गति. उच्च गति; देवगति a high posi-
tion, the state of the gods. नाया०
६; —तुडिय न० (—तुष्टि) वीणा, मृदंग
आदि दिव्य वाद्य यंत्र a set of divine
musical instruments such as
a lute, drum etc राय० —देव-
जुति स्त्री० (—देवजुति) देवतानी दिव्य
धुति-कानि देवता की दिव्य धुति-कानि.
the divine lustre of the gods.
सम० १०; —देवाङ्घ्रि स्त्री० (—देवाङ्घ्रि)
प्रधान परिवाररूप देवनी ऋद्धि प्रधान
परिवार रूप देव की ऋद्धि-ममृद्धि-सम्पद
the power of the gods सम० १०,
—देवानुभाव. पु० (—देवानुभाव) उत्तम
वेक्ष्य शरीर करने आदि देवता प्रभाव
उत्तम वेक्ष्य शरीरनिर्माण सवन्धी देव का
प्रभाव. the influence of the gods
relating the creation of the
best Vaikriya body. सम० १०;
—माया. स्त्री० (—माया) देवमाया. देव-

माया; मोहना the illusion of the
gods. आया० १, ८, ८, २४; —रूचधारि.
त्रि० (—रूचधारि) दिव्य रूप धारण करनेवाला
दिव्य रूपधारी. having a divine
form. नाया० १;

दिव्य. न० (दैव)भाग्य; भाग्य, नसीब,
दैव Fate; destiny, lot. सु० च० १,
३१६; उवा० २, ११६; —जोय. पु० (—योग)
दैवयोग देवयोग, दैव. fate. सु० च० ३,
१५४;

दिव्यग त्रि० (दिव्यक) व्यन्तर देवकृत
उपसर्गना ऐक प्रकार व्यन्तर देव कृत एक
उपसर्ग विशेष. A kind of disturb-
ance caused by the Vyantara
gods सूय० १, २, २, १५;

दिव्याग पुं० (दिव्याक) मुकुलि सर्पनी ऐक
जात मुकुली सर्प की एक जात. A kind
of serpent. पञ्च० १;

✓दिस धा० I. (दृश्) ज्ञेयु; अवलोकन
करने देखना, अवलोकन करना. To see,
to observe

दिच्छसि. भ० भग० २, १, दस० २, ६,

✓दिस. धा० II. (दिश्) उपदेश करनेवाला.
उपदेश करना. To preach, to instruct.
देसेइ. प्रे० नाया० ६,

✓दिस धा० I (दृश्) ज्ञेयु; तपासयु.
देखना; परीक्षा करना, निरीक्षण करना. To
see, to look; to inspect.

देहप सूय० १, १, २, ८;

देहमाण. व० कृ० जं० प० भग० ६, ३३;

अदक्ख भू० भग० ५, ४, १६, ३, सूय० १,
२, ३, २; आया० १, २, ५, ८७;
१, ६, १, १०;

ददुं मं० कृ० ठा० ३, ३, उत्त० १, १२, ३१, १४;
सूय० १, २, ३, १०; १, ७, २०;
पि० नि० १६८; दसा० ६, २;

दट्टहूण. दस० ५, १, २१; ५, २, ३१; ६, २६;
 ८, ५५; नाया० १६; आया० १, ४,
 ४; १३६, २, ३, १, ११४; विशेष
 ५८; सु० च० १, १०१;

दिस्स. स०कृ० दस० १०, १, १२;

✓दिस धा० I. (दृश्-दिश्) ज्ञेयुं; देय्युं.
 देखना To see; to look. (२) देयुं
 देना to give.

दांसह. क०वा० सूय० १, १, १, ६; नाया०
 ६; भग० ६ ३३; १५, १; उत्त० १८;
 २०; विशेष० ५३; पि० नि० ५१६;
 सु० च० ६, ५१;

दांसति पञ्च० १; भग० ८, ८; दस० ६, २,
 ५, विशेष० २०६; ज०प० ७, १३६;

दांसंत. दस० ५ २, २८; प्रव० १६६;

दिसा. छा० (दिश्) पूर्य आदि ७ दिशा.
 पूर्वादि छः दिशा. The 6 directions
 viz. the east etc. राय० २८; वव०
 ७, ८; नाया० १; ८; भग० १, १; २, १;
 ५, १; ४; ७, ६; १०, १; उत्त० ३, १३;
 दसा० १०, १; आव० २२; आया० १, १,
 १, २; उवा० १, २०; कप्प० ३, ३७; प्रव०
 ६३६; पचा० ५, ४२, (२) दिशा कुमार
 देवता; भवनपति देवतानी ओक जल दिशा-
 कुमार देवता. भवन पति देवता की एक जात.
 the gods known as Disākumāra;
 a class of Bhavanapati gods
 उत्त० ३६, २०४; सम० ७६, प्रव० ११४३,
 (३) ओ नामनु दशभा देवलोकनु ओक
 विमान, ओनी स्थिति २० सागरोपमनी छे
 ओ देवता इसमे महीने श्रसोत्थास ले छे अने
 पीसहुनर पणै शुधावागे छे दशवै देवलोक
 वा इस नामका एक विमान; इसकी स्थिति २०
 सागरोपम की है —ये देवता दमवै माहिने
 श्वामोच्छवास लेते है और बाँस हजार वर्षों
 में जुधा लगती है. a celestial abode

of this name of the 10th Deva-
 loka, the age of its gods is 20
 Sāgaropamas. The gods there
 breathe at the 10th month
 and become hungry after
 20000 years ज० प० ५, ११६;
 सम० २०; —अणुवाय. पुं० (—अनु-
 पात) दिशाने अनुसरतु ते दिशाओं
 का अनुसरण. following a direction
 पञ्च० ३ —अवलोक्य पुं० (अवलोक) दिग्-
 दर्शन; दिशाओनु अवलोकन करतुं ते.
 दिग्दर्शन. दिशाओं का अवलोकन bird's-
 eye view. नाया० २ ४; —गहद
 पुं० (—गर्जद) अप्रियवत्यादि हाथी; आठ
 दिशाना आठ हाथी ऐरावतादि हाथी; आठ
 दिशाओं के आठ हाथी the elephants
 of the 8 quarters viz. Airāvata
 etc कप्प० ३, ३६; —चर. त्रि० (—चर)
 दिशाचर; जुही जुही दिशाओमां हरनार;
 शुभा शुभ इल प्रकाशक दिशाचर; भिन्न २
 दिशाओं मे फिरने वाला शुभाशुभ फल
 प्रकाशक (one) who roams in
 the directions, (one) who
 reveals the auspicious or in
 auspicious result भग० १५, १;
 —दाह पु० (दाह) दिश.ओ। यज्ञती
 देभाय ते; अथर अग्निनी ज्वाला देभाय ते.
 दिशाओं का जलती हुई दिखना, अथर अग्नि
 की ज्वाला का दर्शन. the sight of
 the directions as burning; a
 blaze of fire in the atmosphere
 अणुजो० १२७, भग० ३, १; (२) दिशाओ।
 दाहती देभाय तेनुं शुभाशुभ ज्ञानानी
 विद्या दिशाएँ जलती हुई दिखे उनका शुभा-
 शुभ जानने की विद्या. the lore of
 knowing omens at the sight

of the burning directions. सूय० २, २, २७; —पोक्खि पुं० (-प्रोक्षिन्) आरे दिशा तरङ्ग पाणी छंटी इव पुष्पादिक दे अवा तापसनी अक जल चारों दिशाओं की ओर पानी छोंटकर फल फलादि ग्रहण करने वाला तपस्वी विशेष a class of ascetics who accept fruits or flowers having sprinkled water towards the 4 directions. भग० ११, ६; श्रौत० ३८; निर० ३; ३; —पोक्खिय. पुं० (-प्रोक्षिक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द vide above भग० ११, ६; —मोह. पुं० (-मोह) दिशानो मोह; दिग्भूढता दिशा का मोह, दिग्भूढता. the forgetfulness of the directions श्रव० ६, २; —यत्तिय. त्रि० (-यात्रिक—दिग्यात्रा देशांतर गमन प्रयोजनं येषां तानि तथा) देशान्तरभां गमन करनेवाले देशान्तर को जानेवाला. a traveller. उवा० १, २०; —विचारि. त्रि० (-विचारिन्) दिशाभां करनेवाले दिशाओं में फिरने वाला. (one) who wanders in all quarters. उत्त० ३६, २०६; —सोवत्थिअ पुं० (-सौवस्तिक) दिशाओंभां पाणी छंटी आहार लेना तापसनी अक पर्गे दिशाओं में पानी छोंटकर आहार ग्रहण करने वाला तपस्वी वर्ग a class of ascetics who accept food after sprinkling water in all the directions. जीवा० ३, ४,

दिसाइ. पुं० (दिशादि) दिशा विदिशानी शब्दात् न्यायी थाय छे ते मेरु पर्वत मेरु पर्वत जहासे दिशा विदिशाओं का आरम्भ होता है. the Meru mountain from which all directions pro-

ceed. जं० प०

दिसाकुमार पुं० (दिशाकुमार) ओ नामनी भवनपति देवतानी अक जल. भवनपति देवता की इस नामकी एक जात a class of the Bhavanapati gods so named. पञ्च० १; भग० १६; १२, —आवास. पुं० (-आवास—आसमन्तात् वसन्त्येविति) दिशाकुमार देवताने रहे-वानो आवास दिशाकुमार देवता के रहने के आवास. the abodes of the Disākumāra gods. सम० ७५;

दिसाकुमारिका स्त्री० (दिशाकुमारिका) भवनपति देवीनी अक जल; ५६ दिशाकुमारिका भवनपति देवी का एक जात; ५६ दिशाकुमारिका a class of the Bhavanapati gods; 56 Disākumārīkās जं० प० डा० ८,

दिसाकुमारिका. स्त्री० (दिशाकुमारिका) दिशाओंनी अधिष्ठात्री भवनपति जलतनी देवी के जे तीर्थकरने जन्ममहोत्सव करनेवाली साथी प्रथम आवे छे. दिशाओं की अधिष्ठात्री भवनपति जाति की देवी जो तीर्थकर का जन्ममहोत्सव मनाने के लिये सब से पहिले आती है. A goddess of the Bhavanapati class, presiding the quarters, who comes first to celebrate the birth of a Tirthankara जं० प०

दिसाकुमारी स्त्री० (दिशाकुमारी) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above जं० प० ५, ११२; ११४, भग० ३, ७; ११, १०;

दिसाचक्रवाल. न० (दिक्चक्रवाल) अक प्रकारनुं तप. एक तप विशेष A kind of penance. भग० ११, ६;

दिसादि. पु० (दिशादि) मेरु पर्वत. मेरु

पर्वत. The Meru mountain. सू०
प० ५;

दिसावगासिय. न० (दिगवकाशिक) श्राव-
कना पार प्रतमानुं दशमु दिशानी विशेष
मर्यादा पाधियानुं प्रत. श्रावक के चारह व्रतो
में से दसवा दिशाका विशेष मर्यादा बाधने का
व्रत. The 10th of the 12 vows
of a layman; a vow restraining
the limit of directions दसा० ६, २;

दिसासोवत्थिअ. पुं० (दिक्स्वस्तिक) ७ शु
दीपना रुचक पर्वतनुं आइमुं शिखर. जबू
द्वीपके रुचक पर्वतका आठवां शिखर. The
8th peak of the Ruchaka
mountain of Jambūdvīpa. डा० ८;

दिसासोवत्थिअसण. न० (दिसासोवत्थिअ-
ssan) ओ नामनु ओक आसन. इस नाम
का एक आसन A posture or seat
of this name. जीवा० ३, ४;

दिसाहत्थि पुं० (दिग्घस्तिन्) भद्रसाल वननु
ओक इ०. भद्रमाल वन का एक कूट. A
peak of the Bhadrāsāla forest.
जं० प०

दिसाहत्थिकूड पुं० (दिग्घस्तिकूट) जुओ
उपेओ शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. जं० प०

दिसि. स्त्री० (दिश्) दिशा. दिशा. Direc-
tion. वव० १, २३; नाया० १; ८; १६;
१७, वि० नि० ३१०, भग० १०, १; २५,
२; (२) दिशाकुमार देवता. दिशाकुमार
(नामक) देवता. a deity by name
Diśā Kumāra. पण० १, ३; (३)
पन्नवणा सूत्रना-पडेवा पटना त्रीन् द्वात्रिं
नाम पन्नवणा सूत्र के प्रथम पद के तीसरे
द्वार का नाम name of the third
chapter of the first section of
Pannavanā Sūtra पन्न० ३; —चक्र.

पुं० (-चक्र) दिशायक. दिशाचक्र-दिशा
(दर्शक) चक्र. a wheel of direc-
tions सु० च० ३, ६२; —दसय. न०
(-दशक) दश दिशाओ दस दिशा. the
ten directions. सु० च० २, १८४;
—दाह. पुं० (-दाह) जुओ. " दिमा-
डाह " शब्द. देखो " दिसाडाह " शब्द.
vide ' दिमाडाह ' धा० १०, १; —दुग.
न० (-द्विक) आर दिशाभानी गमे ते ये
दिशा. चार दिशाओ में मे चाहे जौनमी दो
दिशा. any two of the four direc-
tions. प्रव० ७२५; —देवया. स्त्री०
(-देवता) दिशाओना देवता. दिशाओं के
देवता the presiding deities of
the different quarters. पंचा०
८, १६; —भाग. पुं० (भाग) जुओ
उपेओ शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide
above नाया १६; —भाय पुं० (-भाग)
दिशाने विभाग दिशा का विभाग. an
angle of a quarter or direc-
tion. मय० २, ७, ४; भग० २, १; दसा०
५, ५, ओव० नाया० ५; ८; —मुह. न०
(-मुख) दिशानु सुप-शर्यात दिशामुख-
दिशा का प्रारंभ. the beginning of
a quarter direction. सु० च० २,
५०. —विभाय. पुं० (-विभाग) दिशाना
विभाग दिशा का विभाग. division,
angle of a direction सू० प० १, राय०
दिसिच्चय. न० (दिग्घत) श्रावकनुं उहुं प्रत.
श्रावक का छठा व्रत. The sixth vow
of a Jaina-layman. पंचा० १, ७;
भग० ७, ३;

दिसी स्त्री० (दिश्) दिशा दिशा A
quarter; a direction. राय० ४;
उवा० १, ५०; —भाग. पुं० (-भाग)
दिशाने भाग-प्रदेश. दिशा का भाग या

प्रदेश. the different angles or divisions of a quarter. जं० प० ५, ११२; १, १; ११३; भग० १५, १; कप्प० २, २६;

दिसोदिसि. अ० (दिशिदिशि) आरे दिशि. चारों दिशाओं में In all the quarters. उत्त० २१, १४; नाया० १; १६; भग० ७, ६;

दिस्स सं० कृ० अ० (दृष्ट्वा) जेधने देखकर. Having seen. “अणागयं भयं दिस्स” सूय० १, ३, ३, ३, उत्त० ६, ७,

दिस्समाण त्रि० (दृश्यमान) देखातो दिखता हुआ या दृश्यमान That which is being seen or visible. आया० १, ३, ३, ११०;

दिस्सा. सं० कृ० अ० (दृष्ट्वा) जेधने. देखकर. Having seen. सूय० २, २, ५४, भग० १८, ८;

दीण त्रि० (दीन) गरीब; रंक; निर्धन. गरीब; रंक; निर्धन. A poor, a penniless, a pauper. नाया० १; भग० ७, ५, ६, ३३; पञ्च० २३; उत्त० ३२, १०३; अया० १, ६; ४, १६३; सु० न० ४, १२७; कप्प० ४, ६२; भत्त० १०५; —उभासि. त्रि० (-अवभाषिन्) दीनपणुं ज्ञापनाए दीनता बताने वाला. (one) showing humility ठा० ४, २; —जाइ. त्रि० (-जाति-दीना हीना वा जातिरस्येति दीनजाति.) गरीब जाति वाला. गरीब-जाति का (one) of a poor breed or caste ठा० ४, २; —दाण. न० (-दान) गरीबने दान आपवुं ते दीन को दिया जाने वाला दान. charity which is given to the needy (poor). पंचा० ८, ४६; —दिट्ठि त्रि० (-दृष्टि) गरीब देखावनी आण

वालो दीन दृष्टि वाला (one) of piteous eyes. ठा० ४, २, —पण्ण. त्रि० (-प्रज्ञ) बुद्धिहीन; हीन बुद्धिवालो. बुद्धि हीन-निर्बुद्ध. (one) devoid of talent; a fool. ठा० ४, २; —परक्कम पुं० (-पराक्रम) हीन पराक्रमवालो हीन पराक्रम वाला; पराक्रम हीन. (one) of less prowess or valour; a coward. ठा० ४, २; —परिणय. पुं० (-परिणत) दीन थपेक्ष. दीन बना हुआ. humble; poor. ठा० ४, २; —परियाअ-य. त्रि० (-पर्याय) दीनक्रियावाली दीक्षा लेना दीन क्रिया की दीक्षा लेने वाला. (one) who is to enter into an order which is of low or mean principles ठा० ४, २; —परिवाल. त्रि० (-परिवार) गरीब परिवारवालो. निर्धन कुटुम्ब वाला (one) with a poor family. ठा० ४, २; —भासि. त्रि० (-भासिन्) गरीबापना पथन ओखनार. दीन, गरीब वचन बोलने वाला. (one) who speaks humble words. ठा० ४, २; —मण त्रि० (-मनस्) दीन अतः-क्षरणु वालो. दीन अन्तःकरण वाला. of an humble heart. ठा० ४, २; —रूव त्रि० (-रूप) गरीब देखावनी; दरिद्री दीन स्वरूपी, दरिद्री, दीन आकृति वाला. (one) poor in appearance; a pauper. ठा० ४, २; —ववहार. त्रि० (-व्यवहार) व्यवहारमें दीन कुशलता पगरेनो व्यवहार में दीन-अकुशल, व्यवहार को न जानने वाला. (one) not expert in practice; imperfect in practice or practical wisdom. ठा० ४, २; —वित्ति. त्रि० (-वृत्ति) दीन वृत्तिवालो, गरीब. दीन वृत्ति वाला; गरीब.

(one) of poor profession or disposition; a poor man. ठा० ४, २; —विमण. त्रि० (-विमनस्) दीन-पाभर यित्तावाला. दीन-हृदय वाला; पामर चित्त वाला. (one) of a poor mind; shallow hearted. विवा० २; —संकल्प. त्रि० (-संकल्प) दीन विचारवाला. दीन विचार वाला. (one) of poor ideas or thoughts. ठा० ४, २; —सर. त्रि० (-स्वर) दीन स्वर; कण्ठा जनक स्वर. a pitiful voice; a piteous cry. भग० १, ७; ७, ६; —सीलाचार. त्रि० (-शीलाचार) शीलाचार वगैरना. शील-सदाचार विहीन. devoid of good character or chastity. ठा० ४, २; —सीलसमाचार पुं० (-शीलसमाचार) शीलाचार वगैरना. शील-सदाचार रहित. devoid of good character or chastity. ठा० ४, २; —सेवि. त्रि० (-सेविन्) गरीबनी सेवाकरना. गरीबों की सेवा करने वाला; दीन सेवक. (one) serving the poor; ठा० ४, २;

दीणत्त न० (दीनत्व) दीनता; निर्धनता. गरीबी; अकिंचनता; द्रव्यहीनता. Pennilessness; pauperism; poverty. सु० च० २, १८६;

दीणया स्त्री० (दीनता) दैन्य; गरीबपण. दैन्य; गरीबी. Poverty; humility. ठा० ४, २,

दीणार पुं० (दीनार) सोना गैर; सिक्का. दीनार; सुवर्ण मुद्रा; सोने का सिक्का. A gold coin; a sovereign. कण्ठ० ३, ३६;

दीनारमासिया स्त्री० (दीनारमालिका) ये नामनुं ओं आभूषण; मोहरमाला इस

नाम का एक अलंकार; मोहर माला. A necklace of gold coins. जीवा ३, ३;

✓ दीव. घा० II. (दीप्) दीपन करुं; सध-गावुं; दीवे करुं. दिया लगाना; सुलगाना. To light; to kindle.

दीवेय. पि० नि० ३३५;

दीवन्ति. सु० च० २, १२६;

दीवण वि० उत्त० ३६, १२;

दीवित्ता. सं० कृ० वेय० ४, २१;

दीवन्त. व० कृ० ज० प० ३, ६७;

दीव. पुं० (द्वीप) भेड़; दीप; आरे आनु पाली अने वयभां जमीन होय ते द्वीप, टापू; भूमि का वह भाग जो चारों ओर पानी से घिरा हो. An island; that part of land which is surrounded by water on all sides. जं० प० ५, ११५; ११२; ६, १२४; भग० १, ६; २, ८; १६, ६; ३४, १; नाया० १, ६; सूय० १, ११, २३; ठा० २, ४; ओव० पि० नि० ५०३; विशेष० ६१६; पञ्च० १; नंदी० २७; अणुजो० १३६; सम० ३०; निर० ५, १; उवा० २, ११३; क० गं० १, १६; कण्ठ० १, २; २, १४; २, १५; प्रव० १४४२; (२) द्वीप कुमार नामे भवन पति देवनी ओं जत. द्वीपकुमार नामक भवनपति देव की एक जाति. a class of Bhavanapati gods named Dvipakumāra. भग० १, ५; ओव० २३; सम० ७६; परह० १, ४; प्रव० १४४३; —(वो)उदहि. पुं० (-उदधि) द्वीप अने समुद्र. द्वीप और समुद्र. an island and a sea. क० गं० ४, ७७; ८०; ५, ८२; —ताण. त्रि० (-त्राण) द्वीपनी पेड़ रक्षण करुना. द्वीप के समान रक्षा करने वाला. a protector like that of an island. दसा० ६, १७;

—वायु. पुं० (-वायु) द्वीपतो पवन.
 द्वीप की वायु. island-wind. नाया० ११;
 —संस्थि. त्रि० (-संस्थित) द्वीपना आकारे
 रहेल द्वीप के आकार में स्थित. formed
 in the shape of an island. भग०
 ८, २; —समुद्र पुं० (-समुद्र) द्वीप
 अने समुद्र द्वीप और समुद्र. an island
 and a sea. “ कहियं भंते दीवसमुद्रा ”
 जीवा० ३, ४; राय० २६; भग० ६, २,
 दत्ता० ५, २३, ठा० १००, आव० ४, ८;
 दीव पुं० (दीप) ‘ दीवो ’ तेना जे प्रकार द्रव्य
 दीवो अने लाव दीवो; द्रव्य दीवो अती वगेरे
 प्रकाशक वस्तु, लाव दीवो श्रुत ज्ञान दीवो
 या दीपक इसकी दो जातियाँ हैं; १ ला द्रव्य
 दीपक २रा भाव दीपक. द्रव्य दीपक अर्थात्
 वत्ती आदि प्रकाशक वस्तु भाव दीपक अर्थात्
 श्रुत ज्ञान. A lamp, it is of 2 kinds
 viz. 1 Dravya Dīpaka, that
 which enlightens material ob-
 jects, a lamp, e. g. a lantern; 2
 Bhāva Dīpaka i. e. the know-
 ledge of scriptures. उत्त० ४, ५;
 सूय० १, ६, ३४, आव० विशेष० १६४;
 जीवा० ३, ३, सु० च० १, १. कप्प० ३,
 ५२, पंचा० ४, १४, जं० प० २, २६; (२)
 जेमाथी दीपक समान ज्योति नीकले तेषां
 ३६५ वृक्ष. वे कल्पवृक्ष जिनमें दीपकवत्
 ज्योति प्रकट होती है those celestial
 trees which emit light like a
 lamp. प्रव० १०८१; सम० १०; —चं-
 पय न० (-चम्पक) दीवानु ढाङ्गु. दिये
 का ढक्कन. a cover or lid of a lamp.
 भग० ८, ६, राय० २७२, सम० —देवी
 स्त्री० (-देवी) द्वीपनी अधिष्ठाता देवी
 द्वीप की अधिष्ठात्री देवी. the presid-
 ing deity of an island. भक्त० १४७;

—सय. न० (-शत) सो दीवा. सौ दीये.
 शत दीपक. hundred lamps. अणुजो०
 २५४; —सिद्धा. स्त्री० (-शिखा) दीवानी
 शिभा दीये की लौ; दीपक शिखा the
 flame of a lamp. प्रव० १०८३;
 दीवंग. पुं० (दीपंग) जे नामनुं ओक ३६५
 वृक्ष; जेमाथी दीवा सरभी ज्योति प्रगटे
 ओषुं ओक जलनु ३६५ वृक्ष. इस नामका एक
 ऐसा कल्पवृक्ष जिसमें दीपकवत् ज्योति प्रकट
 होती है. a celestial tree of this
 name which emits light like a
 lamp ठा० १०; तंदु०

दीवकुमार. पु० (द्वीपकुमार) भगवतपति
 देवतानी छठी जल भवनपति देवता की
 छठी जात. the 6th class of Bha-
 vanapati gods. “ दीव कुमाराण भंते
 समाहारा ” भग० १६, १३; पञ्च० १;
 —आवास. पु० (-आवास) द्वीपकुमार
 देवताना आवास-रहेछाणु. द्वीपकुमार देवता
 का निवासस्थान the abodes of the
 Dvīpakumāra gods सम० ७२;

दीवकुमारी. स्त्री० (द्वीपकुमारी) द्वीपकुमार
 देवनी देवी. द्वीपकुमार देव की देवी. The
 queen of the Dvīpakumāra
 god. भग० ३, ७,

दीवकुमारुद्देशय न० (द्वीपकुमारोद्देशक)
 भगवतीना सोलभा शतकना १० भा छिंशानुं
 नाम भगवतीके सोलहवें शतकके १० वें उद्देश
 का नाम. Name of the 10th
 chapter of the 16th section of
 Bhagavati Sūtra. भग० १६, १०;

दीवग. न० (दीपक) दीवो. दीया, दीप. A
 lamp; a light. प्रव० ६६०; सू० प०
 १०; (२) जे नामनुं ओक जलनुं समकित;
 पोते तत्त्व अद्धान रहित होय छत्ता षीजने
 उपदेश आपी तत्त्व प्रत्ये अद्धान छिपन करीवे

ते इम नामका एक प्रकार का समकित; स्वतः तत्त्व श्रद्धान् से शून्य होते हुए दूसरों को उपदेश देकर तत्त्व के प्रति श्रद्धान उत्पन्न करवें. A kind of faith; creating in others faith towards precepts though he himself is ignorant of them. विशेष० २६७५;

दीवण. न० (दीपन) प्रकाश करवे; आग-भनादि प्रयोजनको आविर्भाव करवे ते प्रकाश करना आगमनादि प्रयोजन का आविर्भाव करना. Throwing light upon, illuminating. पंचा० १२, ६; शोध० नि० ७०; वेद्य० १, २;

दीवणा जी० (दीपना) प्रकाश करवुं ते. प्रकाश करना. Illuminating पंचा० १, ४८; दीवणिज्ज. त्रि० (दीपनीय) जठराग्निने पचानेवा (भोजक). जठराग्नि बढ़ाने वाली (खुराक). Appetising or hunger stimulating (diet) पञ्च० १७; जं० प० ठा० ६, ४; नाया० १२; जीवा० ३, ४, कण्ठ० ४, ६१;

दीवय. पुं० (दीपक) दीपक; यित्रो चीता. A leopard जीवा० १; ३, १;

दीवमंत. त्रि० (दीव्यत्) रमते खेलता हुआ; रममाण. Playing. सूय० १, २, २, २३;

दीवर. पुं० (दीवर) ओ नामनी ओक जलती पनस्पति इस नामकी एक जात की वनस्पति A vegetation of this name पञ्च० १;

दीवसमुद्दुद्देश. न० (दीपसमुद्देश) ओ नामने ज्वालामुखी सूत्रने ओक उद्देश. इस नामका जीवाभिगम सूत्र का एक उद्देश. A section of the Jivābhigama Sūtra of this name. जं० प० ५, ११७; भग० १६, ६;

दीवसागरपञ्चति. स्त्री० (दीपसागरप्रज्ञप्ति)

जेमां द्वीप सागरने अधिकार छे ओनुं ओक क्षालिक सूत्र. एकका कालिक सूत्र जिसमें द्वीप सागरका वर्णन है. A kind of Kālika Sūtra which describes Dvīpa Sāgara. ठा० ३, १; ४, १; नंदी० ४३; दीवासिह पुं० (दीपासिह) ६६५ वृक्षनी ओक जल. कलमृत्त की एक जात. A species of the celestial trees. जीवा० ३, ३; (२) ब्रह्मदत्त चक्रवर्तीनी स्त्रीनुं नाम. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती की स्त्री का नाम. name of the wife of Brahmadatta Chakravartī उक्त० टी० १३, १;

दीवायण. पुं० (द्वैपायन) ओ नामना ओक महर्षि के जे यादव कुमारोनी भक्षकरीथी कुपित भ्रष्ट नियाछुं करी अग्नि कुमार देवनामां उत्पन्न भया अने द्वारिका नगरीने पाली लक्ष्म करी. इस नाम के एक महर्षि जिन्होंने यादव कुमारोंकी हंसी-दिल्लीगीके कारण गुरसा होकर नियाणा कर अग्नि कुमार देवता में उत्पन्न होकर द्वारिकापुरी को जलाकर भस्म कर डाली. A great sage of this name who being enraged at the jokes of the Yādava Kumāras took birth in Agni Kumāradevatā through a resolve for future birth and burnt to ashes the city of Dvārikā. अत० ५, १, सूय० १, ३, ४, ३; (२) लक्ष्मण ५३मां अनार वीसमां तीर्थ-करना पूर्वसिधनुं नाम. भरतखंड में होने वाले चौसठे तीर्थकर के पूर्व भव का नाम. name of the past life of the 20th would-be Tirthāṅkara in Bharatakhanda. सम० प० २४१;—जीव. पुं० (—जीव) दीपायनने ज्वाल दीपायन का जीव the soul of

Dvipāyana प्रव० ४७३;

दीविआ-या. स्त्री० (दीपिका) दीधी; भशाल.

समाई; दीवी; मशाल. A torch. ज० प०

५, ११४; जीवा० ३, ३;

दीविग. पुं० (द्वीपिक) यित्रो चीता.

A leopard ज० प० नाया० १; १७;

दीविच्छ . त्रि० (द्वैप्य) द्वीप संयधी द्वीप

सम्बन्धी. Pertaining to an island.

" जयाय दीविच्छा इंसि पुरेवाया " नाया०

११;

दीविच्चय. त्रि० (द्वैप्य) द्वीप संयधी द्वीप

के सम्बन्ध का. Belonging to an

island. भग० ५, २.

दीविय. पुं० (द्वीपिक) दीपडे; यित्रो. चीता.

A leopard. नाया० १; १७, भग० ३,

५; ७, ६; आया० २, १. ५, २७; पन्न० १;

राय० ४६;

दीविय. त्रि० (दीप्त) प्रकाशित प्रकाशित

Illumined; lightened. नाया० १;

दीवियगह. त्रि० (दीपिकग्राह) दीवीने ग्रहण

करना, भशाल पकडना मशालची, दीपक

धारण करने वाला. A torch-bearer;

a link-man निसी० ६, २४; ज० प०

३, ६७,

✓ दीह ना० धा० I. (दीर्घ) लाथु करु

लबा करना To lengthen, to

stretch

दीहेजा. सूय० १, १४, २३, क० प० २, ७४;

प्रव० ४८६, ६७२;

दीह त्रि० (दीर्घ) लाथु; विशाल लम्बा;

विशाल. Lengthy; expansive;

great ओव० १०, १७, ३६, नाया० १;

८; विशेष० ४१६, १५६२; ओघ० नि० २७,

ठा० १, १; २, १; ७, १; निसी० ३, ४१; ४३;

पन्न० १३; भग० ५, ६; उत्त० ५, २७, आया०

१, ६, ५, १७०; नंदी० स्थ० ७; —आउ

न० (-आयुष्) लांथी अ० ६११; लाथु

आयुष्. दीर्घायु; मांटी उम्र a long life.

कण्ठ० १, ८; भग० ११, ११; नाया० १; (२)

त्रि० लांथी अ० ६११ वादा. लम्बी जींदगी

वाला; दीर्घायु long lived. पि० नि० ४१३,

—आउय त्रि० (-आयुष्क) लांथी

आयुषवाला दीर्घायु वाला, बडी उम्र वाला.

(one) having long life; long-

lived सूय० २, ७, २३; —आउयत्ता. स्त्री०

(-आयुष्कता) लांथी अ० ६११ रूप परि-

णाम. दीर्घायु रूप परिणाम; दीर्घ जीवित.

a result in the form of a long

life; longevity भग० ५, ६; ठा० ३,

१; —आसण. न० (-आसन) दीर्घ-

लाथु आसन-पलंग वगैरे दीर्घ-लम्बा

आसन, पलंग आदि a long seat,

bedstead etc. ज० प० भग० ११, ११;

राय० १३५, —उरह. न० (-उरण)

लांथी निःश्वास लम्बी उसास, दीर्घ निश्वास.

a deep sigh. भग० १५, १; —काल.

पुं० (-काल) लांथी वषत. दीर्घ

समय. a long time. भग० १, १;

६; —कालिगी स्त्री० (-कालिकी)

धला गत कालनी स्मृति अने लापि वस्तुनी

विचारणा सदा बहुत लम्बे-पिछले

काल की स्मृति तथा भावि वस्तु की विचार-

णारूपी संज्ञा a recognition in

the form of a recollection of

a very long past time and a

reflection of a future event

" इह दीह कालिगी कालिगति सरणा

सुदिहं पि " विशेष० ५०८; —कालिय. त्रि०

(-कालिक—दीर्घकाली विद्यते यस्य स

दीर्घकालिकः) लांथी वषतनु; प्राचीन

पूर्व कालीन, प्राचीन; बहुत पहिले का.

of long antiquity; very old,

ancient, archaic. उत्त० १६, ५;
 दसा० ७, १२; —केश. पुं० (केश)
 लांथा वाल. लम्बे बाल; दीर्घ केश. long
 hair. निसी० ३, ४७; —राय. न० (-रात्र)
 लांथो वषत; शृङ्गी पर्वत दीर्घ काल,
 आजीवन. long time; life-long.
 सूय० १, ६, २७, आया० १, ५, २, १५०;
 —रोम. पुं० (-रोमन्) दीर्घ रोम.
 शृङ्गी दीर्घ रोम-रुएं या रोंगटे. long
 hair or feathers दस० ६, ६५;
 —वट्ट. त्रि० (-वृत्त) लांथा अने गोले
 लम्बे और गोल. long and round.
 आया० २, ४, २, १३८; दस० ७, ३१;
 —वेयड्ड. पुं० (-वैताड्य) लांथो वैताड्य
 पर्वत. लम्बा वैताड्य पर्वत the long
 range of the Vaitāḍhya mount-
 ains ठा० २, ३; सम० ५०; जं० प० ६,
 १२५; भग० १४, ८; —सद्द पुं० (-शब्द)
 दीर्घ-लांथो शब्द दीर्घ शब्द; लम्बी
 आवाज. a long sounding voice;
 a bombastic word ठा० १०; —सुत्त.
 न० (-सूत्र) सूत्रना लांथा तातथा.
 सूत के लम्बे तंतू long fibres of
 thread. निसी० ५, १२;

दीर्घकालोचपसिया. स्त्री० (दीर्घकालो-
 पदेशिका) अतीत अने अनागत वस्तु
 विषयक ज्ञानवाली संज्ञा; संज्ञाने। प्रथम
 प्रकार. अतीत और अनागत वस्तु विषयक
 ज्ञान वाली संज्ञा; संज्ञा का प्रथम प्रकार
 A recognition having for its
 object a knowledge of the
 past and future objects; 1st
 kind of recognition. प्रव० ६३२;

दीर्घकालसन्नि त्रि० (दीर्घकालसंज्ञिन्)
 दीर्घ ज्ञान-संज्ञाये डरी संज्ञी दीर्घ कालिक
 संज्ञा वाला. (One) possessed of a

recognition of past events
 etc. प्रव० ६३३;

दीर्घाणित्र. पुं० (दीर्घनृप) कम्पिलपुरने ओ
 नामने। राजा. इस नाम का कम्पिलपुर का
 राजा. A king of Kampilapura
 known by this name उत्त० टी०
 १३, १;

दीर्घदंत. पुं० (दीर्घदंत) अणुत्तरोपपातिक
 सूत्रना प्रथम वर्गना छडा अध्ययननुं नाम
 अणुत्तरोप पातिक सूत्र के प्रथम वर्ग के छठे
 अध्ययन का नाम. Name of the
 6th chapter of the 1st section
 of the Anuttaropapātika
 Sūtra अणुत्त० १, ६ (२) श्रेणिक राजनी
 धारणी शणीना पुत्र के जे महावीर स्वामी
 पासे दीक्षा लघ ११ अंग भण्णी, गुणुरयण
 तप आथरी गार परसनी प्रवज्या पावी
 विपुत्र पर्वत उपर ओक मासने। संथारो
 डरी सर्वार्थसिद्ध महा विमाने ३३ सागरो-
 पमना आठिपे उत्पन्न थया त्याथी महा-
 विदेहमां मनुष्य थछ मोक्ष जरी. श्राणक
 राजा की धारणी शणी का पुत्र कि जिन्होंने
 महावीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर ११
 अंगों का अध्ययन कर गुणुरयण तप कर के
 बारह वर्ष तक प्रवज्या का पालन करके विपुत्र
 पर्वत पर १ मास का संथारा कर सर्वार्थसिद्ध
 विमान में ३३ सागरोपम का आयुष्य बांध
 कर उत्पन्न हुए और वहां से महाविदेह क्षेत्र
 में मनुष्य भव प्राप्त कर के मोक्ष प्राप्त करेंगे.
 the son of Dhāriani the queen
 of Śrenikā. He (son) took
 Dīkṣā from the Lord Mahāvīra,
 studied the 11 Aṅgas and
 practised Guṇarayaṇa penance
 and after 12 year's ascetic-
 ism and a month's Santhārā

on the mount Vipula, god birth in the Sarvārtha Siddha celestial abode with a life period of 33 Sāgaropamas. from there he will be born as a man in Mahāvideha and will get salvation अणुत्त० १, ६, (३) जंशु-दीपना भरतमा आवती उत्सर्पिणीभान्थनार १० भां तीर्थकर. जंबूद्वीप के भरत में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले १० वें तीर्थकर the tenth would-be Tirthankara of the coming aeon of increase in Bharata of Jam būdvīpa. सम० प० २४२;

दीहदशा. जी० (दीर्घदशा) ऐनामनो अेक ग्रन्थ एक ग्रन्थ का नाम. Name of a book. " दीहदशाणं दस अज्झयणा पण्यत्ता " ठ० १०;

दीहपास. पुं० (दीर्घपार्श्व) ऐरवत क्षेत्रभां थनार १६ भा तीर्थकर. ऐरवत क्षेत्र में होने वाले १६वें तीर्थकर The 16th would-be Tirthankara of Airavata Ksetra प्रव० ३०२;

दीहपुट्ट. पुं० (दीर्घपुष्ट) सप० सर्प; सांघ. A snake; a serpent प्रव० ५, २१,

दीहबाहु. पुं० (दीर्घबाहु) आवती चोपीसीना त्रीण वासुदेव. आगामी चौबीसी के तीसरे वासुदेव. The third Vāsudeva of the coming Chaubīsī सम० प० २४२; (२) आईभा तीर्थकरनुं त्रीण पूर्वभवनु नाम आठवें तीर्थकर के तीसरे पूर्व भव का नाम. name of the 3rd past life of the 8th Tirthankara. सम० प० २३०;

दीहभद्र. पुं० (दीर्घभद्र) संभूतिविजयना शिष्य. संभूतिविजय के शिष्य. The dis-

ciple of Sambhūti Vijaya. कण्ठ० ८;

दीहमद्ध. त्रि० (दीर्घाद्ध-दीर्घा अद्धा कालो यस्य तदीर्घाद्धम्) लाभे वप्यते उत्सर्धाप तेनुं. दीर्घ काल में उल्लंघन योग्य. (One) transgressable in a long time. ठ० २, १; भग० २, १; नाया० २;

दीहमद्ध. त्रि० (दीर्घाध्व-दीर्घाध्वा मार्गो-यस्मिन् तदीर्घाध्वम्) लाभो मार्गो जेभां ऐवुं. जिसमें दीर्घ मार्ग या लम्बा रास्ता हो. (One) having a lengthy way. नाया० १८; भग० १, १, १५, १, ठ० २, १; (२) पुं० लाभो मार्गो. लम्बा मार्ग. a long way. नाया० १५, ठ० ३, ४;

दीहमाउ. न० (दीर्घाऽऽयुष्) लांशुं आयुष-लुण्णी दीर्घायु या दीर्घ जीवन. Long life. ठ० १०;

दीहया. स्त्री० (दीर्घता) विशालता; लम्बाई. विशालता, लम्बाई. Lengthiness; greatness; longevity. कण्ठ० १, ८३; दीहर. त्रि० (दीर्घ) लांशुं, मोटुं. लम्बा; बड़ा; मोटा. Lengthy, great. सु० च० १, १०७; २, ८०;

दीहलोय पुं० (दीर्घलोक) वनस्पतिकाय. वनस्पति काय. Herbaceous. आया० १, १, ४, ३२;

दीहसेण. पुं० (दीर्घसेण) अणुत्तरौववाध सूत्रना प्णीग्नवर्गना प्रथम अध्ययननुं नाम अणुत्तरौववाध सूत्र के दूसरे वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम Name of the first chapter of the 2nd section of the Anuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० २, १; (२) श्रेष्ठि राजनी धारणी राणीना पुत्र, के जे महावीर स्वामी समीपे दीक्षा लध, ११ अंगलक्ष्मी, शुद्धरयलु तप तपी, मोक्ष वरसती प्रमन्या

भावी, विपुल पर्वत उपर ओक भासने सं-
थारे करी, विजय नामना अनुत्तर विमानभां
उत्पन्न थया त्यांथी ओक अवतार करी मोक्ष
जशे. श्रेणिक राजा की धारिणी नामक रानी
का पुत्र, जिन्होंने महावीर स्वामी से दीक्षा
लेकर ११ अंगों का अध्ययन कर, गुणारयण
नामक तपस्या कर सोलह वर्षों तक
प्रव्रज्या का पालन कर, विपुल पर्वत पर
एक महिने का संथारा करके विजय नामक
अनुत्तर विमान में उत्पन्न हुए, उसके बाद
एक अवतार करके मोक्ष प्राप्त करेंगे.
the son of Dhārāṇī the queen
of the king Śīlenika. He (son)
accepted consecration from
the Lord Mahāvīra, studied
the eleven Aṅgas, practised
the Guṇarayaṇa penance, ob-
served Santhāra (abstinence
from food and water) on Vi-
pula mountain after twelve
years asceticism got birth in
the Anuttara Vimāna (celestial
abode) and from there
after one birth will attain
salvation. अणुत्तर २, १, (३) धरवत
क्षेत्रना वर्तमान येवीसीना आइमा तीर्थ-
करनुं नाम. इरवत क्षेत्र के वर्तमान चौवीसी के
आठवें तीर्थकर का नाम name of the
8th Tirthankara of the pre-
sent cycle in Iravatakṣetra.
प्रव० २६८;

✓ दीर्घाकर नाम० धा० I. (दीर्घ + कृत्)
लांथो करवो. लम्बा बनाना, दीर्घ करना.
To lengthen; to make long.

दीर्घाकरेति० भग० १, ६;

दीर्घाया. ली० (दीर्घिका) पाणीनी नीक; धो-

रीओ; नहेर. पानी की प्रशस्त; धारा; नहर.

A long current of water; a
canal. (२) लांथी वाप. लम्बी या
दीर्घ बावडी-वापी. a deep well.
ओव० ३८; नाया० १; २; भग० ५, ७, ८,
६; पणह० १, १; जं० प० निमी० १२, २१;
अणुजो० १३४; राय० १३२; पञ० २; सु०
च० २, २०५;

दु. ली० (दु) सत्ता. सत्ता; शक्ति. Power:
authority विशेष० २२;

दु. अ० (दुर्) अभाव. अभाव Absence;
want. आया० १, २, ५, ६२; (२)
भराय; शु३. खराब; बुरा. bad, evil.
पञ० २;

दु. त्रि० (द्वि) ओ; २. दो, २. Two; 2.
भग० १, ५, ८; ६; १०; २. १; ५; ८; ३,
२; ५, ८; ६, ४; ७, १०; १२, १०; १८,
७; २०, ५, ३१, १; ४१, १; नाया० १; २;
३; ८, ६, १६; दस० ५, १, ३७; ३८;
विशे० ३७, १२१; नाया० ध० ६; राय०
६७, पञ० २; ४, वेय० १. ८; पि० नि०
१६०; विवा० १; अणुजो० १४; आया० १,
७, ५, २१६; निसी० ५, २२; वव० २, १;
६, ११; ६, ३८, ४१; प्रव० ३६; क० गं०
१, ३; ३, १९; २९; ३७; पञ० १, ४,
निसी० १६, २४, दसा० ७, १; भग०
१४, ६; २०, ५; २५, ४; उवा० १, १३;
वव० १०, १;—अणालि त्रि० (—अज्ञानिन्)
मति अज्ञान अने श्रुत अज्ञान वाली मति
अज्ञान तथा श्रुत अज्ञान वाला. one igno-
rant of Mati and Śruta know-
ledge. भग० ८, २; —अणालि. न०
(—अज्ञान) ओ अज्ञान दो (भान्ति के)
अज्ञान. two sorts of ignorance.
क० गं० ४, ६; —ओणाय. न० (—अव-
नत्) गु३ने, पन्धना करतां ओ वार भरतक

नमाड्युं ते; 'धृञ्छापि भमासमणो' ओ पाठमा 'अणु अणु' ओ पद भोली आजा भागतां भस्तक नमाड्यु ते. गुरु चंदना के सगय दो बार सिर नमाना, 'इच्छामि खमासमणो' इस पाठ के 'अणुजाहण' इस पद का उच्चारण कर के आज्ञा मागते हुए शीश नमाना. bending the head twice before a preceptor to salute and seek order while reciting 'अणुजाहण' pada part of 'इच्छामि खमासमणो' सम० १२; प्र० ६८, —गंध पुं० (-गन्ध) सुरभि अने असुरभि ओ भे गंध सुरभि व असुरभि नामक दो गंध two sorts of smell viz. the fragrant and foul क० गं० ५, ७८; —खंड. पुं० (-खण्ड) भे ५३-६३३ दो भाग; टुकड़े two parts, two divisions प्र० ६२३; —गाउ न० (-गन्वूत) भे गाँउ; अर्ध मंजुन आधा योजन, दो कोस four miles प्र० ५१९, —गोत्र न० (-गोय) गोत्र द्वि० गोत्रद्वय, दो गोत्र. two family-origins. क० गं० ५, २ ; —चारम त्रि० (-चरम) छेत्ता भे समय. अन्तिम दो समय last two moments क० ०२, २०, ३१, ६, ८४; —चरिमसमय पुं० (-चरमसमय) भुओ. उपरो शब्द देखो ऊपरका शब्द. vide above क० प० २, ७७, —छुवा न० (-पट्क) भे छुवा-आर दो छक या बारह. twice six i.e. twelve प्र० ६५४, —ज्ञानि त्रि० (-ज्ञानिन्) भे ज्ञानवाला. द्विज्ञानी (one) possessed of two sorts of knowledge. भग० ८, २; —दंस. न० (-दर्शन) यक्षु अने अयक्षु ओ भे दर्शन चक्षु व अचक्षु नामक द्विधा दर्शन. the

twofold sight named चक्षु and अचक्षु. क० गं० ४, ८, ३५; ५१, —नउइ स्त्री० (-नवति) आणु; ८२ नी संख्या. वानवे; ६२ की संख्या; the number 92. क० गं० ६, ३१; —निद्रा स्त्री० (-निद्रा) निद्रा अने निद्रानिद्रा ओ भे दर्शनापराधीयनी प्रकृति निद्रा तथा निद्रानिद्रा नामक द्विधा दर्शनावरणीय की प्रकृति. the two varieties of the sight-obscuring Karmic matter named Nidrā i.e. sleep and Nidrānidrā i.e. deep sleep. क० गं० २, ७०; —परसिअ त्रि० (-प्रदेशिक) द्वि प्रदेशिक २३ ध. भे परमाणु भेगा यथाधी अनेल ओक वस्तु. द्वि प्रदेशिक स्कंध दो परमाणुओ के इकट्ठे हो जाने से बनी हुई एक वस्तु. a thing made out of a combination of two atoms अणुजो० १३२; —पक्ख. पुं० (-पक्ष) भे पक्ष-गृहस्थ पक्ष अने यति पक्ष, अथवा धर्मापथ अने सांपरायिक ओ भे क्रिया दो पक्ष-गृहस्थ व यति, अथवा धर्मापथ और सांपरायिक नामक दो क्रियाये the 2 parties viz. of the laymen and ascetics two kinds of actions namely Iryāpatha and Sāmpaīāyika. सूय० १, १; ३, १, (२) ओक मान्यतानी सामे गीला मान्यता-प्रतिपक्ष उभो थाय ते मानो हुई बात के विपरीत प्रतिपक्षो का खडा होना the standing of an opposite party against an established truth. सूय० १, १२ ५; —पज्जवसिय त्रि० (-पर्यवसित) विवक्षित राशिने यार यारना थोका करतां भे शेष रहै ते विवक्षित राशिके चार २ के पृथक २ भाग करने पर २ का शेष रहना

the remainder of 2 when a figure is divided into groups of four each. भग० ३१, १;—पडोआर. त्रि० (—प्रत्यवतार) जेने जे प्रभारमां सगां वेश करवाभां आवे ते जियका समावेश दो तरह से हो सके. that which can be admitted in two ways. ठा० २, १;—पद त्रि० (—पद) जे पगवाला. दो पैर वाला. biped. (२) पु० मनुष्य. मनुष्य a man भग० ३२, २;—पदेसिय. त्रि० (—प्रदेशिक) जे परमाणु जेगा यध जनेल रक्षं दो परमाणुओं के इकट्ठा हो जाने से बना हुआ स्कंध. an object made by a combination of two atoms. भग० ५, ७;—पय. त्रि० (—पद—द्वे पदे यस्य) जेने जे पग होय ते. दो पैरवाला. biped. पि० नि० ४०६; जीवा० ३; सम० ३४; आया० १, २, ३, ८०; अणुजो० ६१; १३१; उत्त० १३, २४, उवा० १, ४६; प्रव० ७५०;—पवेश. पुं० (—प्रदेश) यदना कर्ता अवप्रभुमां—गुहनी मर्यादाभा जे वप्न प्रवेश करवे ते चन्दना करत समय अवप्रह में—गुरु की मर्यादा में दो बार प्रवेश करने का कार्य. entering the limit of a preceptor twice at the time of saluting him. सम० १२, प्रव० ६८, —प्पसिय त्रि० (—प्रदेशिक) जे प्रदेशवाला (रक्षं). दो प्रदेशवाला (स्कंध), a molecule of two halves. ठा० ५, ४;—प्पदेसिय. पु० (—प्रदेशिक) जे प्रदेशवाला रक्षं. दो प्रदेशवाला—स्कंध. a molecule of two parts. भग० १८, ६;—प्पमिह. अ० (—प्रभृति) जेथी वधारे दो से अधिक. more than two. अणुजो० १४६;—प्पय. पुं० (—पद) जुओ “ हुपय ”

शब्द. देखो “ हुपय ” शब्द. vide. “ हुपय ” नाया० ८;—मिस्स. न० (—मिश्र) औदारिकमिश्र जेने वैदिकमिश्र जेने मिश्रयोग. औदारिकमिश्र व वैदिकमिश्र नामक दो मिश्रयोग two Misha Yogas named Andārika and Viakriya क० ग० ४, ५६;—रग्ग. त्रि० (—अग्र) जे आगल अग्र भागे जेने छे ते वह जिसके अग्र भाग में दो हैं. that which has two in its front प्रव० १३६६, —राह छां० (—रात्रि) जे रात. दो रात two nights. वच० १०;—राय न० (—रात्रि) जे रात्रीने सभादार; जे रात्रीओ. दो रात्रियों का समाहार—दो रात्रि. congregation of two nights वच० १, २३;—चयण. न० (—वचन) द्विचयन जेनी सभ्या गतापनार प्रत्यय. द्विचयन; दो की सख्या की बताने वाला प्रत्यय. dual; a term expressing the number two ठा० ३, ४, आया० २, ४, १, १३२;—विगण्य. त्रि० (—विकल्प) द्विविध; जे प्रभारनुं. द्विविध, दो प्रकार का. of two kinds. प्रव० ११८; क० प० २, ३६; सु० च० ५, १७; १५, ७;—सज्ञा न० (—शत) जेसो, २००. दोसौ, २००. two hundred उत्त० ३४, २०, —संगहिय त्रि० (—संगृहीत) जे जेले सग्रह करेले. दो मनुष्यों द्वारा संग्रहीत. collected by two men वच० ३, १०; ११;—सञ्चि. त्रि० (—सञ्चिन्) जे संज्ञा—नामवाला. दो संज्ञा—नाम—वाला. (one) of two names. क० प० १, २;—समह्य त्रि० (—सामयिक) जे समयनी स्थितिवाला. दो समय की स्थिति वाला, द्विसामयिक. consisting of two innumerable

parts of a moment. भग० ३४, १, —समय. पु० (-समय) भीमे समय दूसरा समय second Samaya क० प० ४, १८; प० ४३; —सय. व० (-शत) ओकसोने मे, १०० एक्सा दो १०२ one hundred and two; 102 क० ग० ००, ३१, —हृत्त्रि० (हृत्) राग अने द्वेप ओ मेथी हृत्त्रि० राग व द्वेप इन दो द्वारा मारा हुआ struck by love and jealousy आया० १, ३, ३, ११६, —हृत्त्रि० पु० (-हस्त) मे हृत्त्रि० दो हाथ two arms प्रव० १४४, आया० २, ४, १, १४१,

दुआइक्ख त्रि० (दुराख्येय) दुःखे कहेवाय ओयु. दुःख के साथ कहा जाने वाला Difficult to relate, indescribable. ठा० ४, १,

दुआर न० (द्वार) आरलुं. दरवाजा, द्वार. A door. नाया० २,

दुआरिआ. स्त्री० (द्वारिका) नातुं आरलुं, आरी. छोटा दरवाजा; खिडकी A small door, a window. नाया० २;

दुआवत्त. न० (द्विकावर्त) दृष्टिवादनं अचिन्त छेदनयत्तु सोलभु सूत्र. दृष्टि-वाद का अचिन्त छेदनय नामक सोलहवा सूत्र The 16th Sūtra named Achchhinna Chedanaya of Dristivāda सम० १२,

दुइपलास न० (द्युतिपलास) वाणिज्य ग्राम आनी पदार्थ ओक छिदान वाणिज्य ग्राम के बाहरका एक उद्यान. A garden outside the city named Vāṇijya-grāma अंत० ६, १०;

दुइय. त्रि० (द्वितीय) भीलु. दूसरा. Second सु० च० २, ३,

दुंदुभय. पुं० (दुन्दुभक) लुओ उपलो श० ६

देखो ऊपर का शब्द Vide above. २, ३;

दुंदुभग. पुं० (दुन्दुभक) ८८ पैरी १८ भा मडाअहुं नाम. ८८ मे से १८ वें महाग्रह का नाम- The eighteenth of the 88 planets. सू० प० २०; ज० प० ७, १७०,

दुदुभि. पुं० (दुन्दुभि) मोटुं नगारुं, ओक अननु वाद्य. बडा नगारा; एक जाति का वाद्य यंत्र-वाजा. A big drum; a kind of musical instrument. नाया० १; राय० ८८, सम० प० २३८, भग० ५, ४; ज० प० ५, ११७; ओव० ३१;

दुंदुभिया स्त्री० (दुन्दुभिका) लुओ उपलो श० ६. देखो ऊपर का शब्द Vide above. विना० १;

दुंदुहि पुं० (दुन्दुभि) लुओ उपलो श० ६. देखो ऊपर का शब्द Vide above ज० प० राय० प्रव० ४५६,

दुंदिल पुं० (दुन्दिल) ओ नामतो ओक अनर्थ देश इस नाम का एक अनर्थ देश. An 'Anārya' (non Aryan) country of this name. प्रव० १५६८,

दुकरण. पुं० (द्विकर्ण) पनरुपति विशेष. एक विशिष्ट वनस्पति. A particular herb. भग० २३, १;

दुकूल न० (दुकूल) पत्र विशेष एक विशिष्ट वस्त्र A particular garment राय० ६०, दसा० १०, १,

दुक्कड न० (दुक्कड) पाप, दुष्कृत्य पाप, दुष्कृत्य; दुष्कार्य, बुरा कर्म. Sin; bad deed, evil act सू० १, ४, १, १८; आया० १, ७, १, १६६; उत्त० १, २८, आउ० आव० १, ५; प्रव० ७५६; —कम्म न० (-कर्मन्) नकारु कर्म-कर्तव्य; असद् अनुष्ठान बुरा कर्म; असद् अनुष्ठान. bad deed, evil action

सू० १, ५, २, १; —कर्मकारि त्रि०
(—कर्मकारिन्) अकृत्य इति। “अकृत्य-
करेण वाला; अयोग्य कार्य करने वाला.
(one) who commits unbecom-
ing deeds; an evil doer. “वाला
जहा दुष्कर्मकारी ” सू० १, ५, २, १;
—कारि-त्रि०(—कारिन्) पाप इति। पापी;
पापकर्म करने वाला. a sinner; sinful.
“ अत्तदुष्कर्मकारिणो ” सू० १, ८, ८;
—तावि. त्रि० (—तापिन्) अतिचार
लगाडी पश्चात्ताप इति। अतिचार लगाकर
पश्चात्ताप करने वाला. a penitent;
(one) who repents for his
past transgressions of mora-
lity पंचा० १५, १२;

दुष्कडि. त्रि० (दुष्कृतिन्-दुष्कृतं विद्यते तेषां
ते दुष्कृतिः) नारडी; भयापापी. नारकी;
महापापी. (One) living in hell; a
most wretched man. सू० १, ५,
१, २;

दुष्कडिय त्रि० (दुष्कृतिक) असह अनुष्ठान
सेवनार. अमद अनुष्ठान का सेवन करने वाला
(One) addicted to evil prac-
tices सू० १, ५, १, २;

दुष्कय. न० (दुष्कृत) पाप कर्म
Sinful action. पण्ड० १, १;

दुष्कर. त्रि० (दुष्कर) दुष्कर; मुश्किल; अथरुं;
इति। अशक्य. दुष्कर; कठिन;
मुश्किल से किया जाने वाला. Difficult
to undertake; difficult task.
उत्त० २, २८; ३५, ५; विशेष० १११; सु० च०
४, १२४; दस० ३, १८; भग० ७, १; ८,
३३; पि० नि० ४२१; नाया० १; उवा० ३,
१३५; गच्छा० ७४; पंचा० १३, ४३, १८, ४३;

दुष्काल पुं० (दुष्काल) अशक्य-दुर्लक्ष.
अकाल; दुर्भिक्ष. Famine. जीवा० ३, ३,

भग० ३, ७; जं० प०

✓ दुष्कर्म. धा० I, II. (दुःख) दुःख
आपणुं. दुःख देना. To give pain.

दुष्कर्म. सू० २, १, ७१;

दुष्कर्मि. दमा० ६, ४;

दुष्कर्मि. सू० २, २, ५५;

दुष्कर्मि. सू० २, १, ३१;

दुष्कर्मि. सू० २, १, ३१;

दुष्कर्म. न० (दुःख) दुःख-इति; इति।

दुःख; कष्ट; यत्नेष. Pain, distress; af-
fliction. भग० १, १०; २, १; ७, ८;

१०; १५, १; १७, ४; नाया० १; ६; १०;

१८; १९; १७; दमा० २, २७; २८; ६, १,

सू० प० १; आया० १, १, १, ११; टा० १,

१, सू० १, १, १, १०; १, १, २, १;

सु० च० २, ५४५; उवा० ७, २७; फ० गं०

१, ११; मत० ६०; (२) त्रि० दुःख

आपणार. दुःख देनवाला (one) causing

pain. दसा० ६, १; (३) न० असाता-वेद-

नीय इति। असाता वेदनीय कर्म. Karma

which causes distress. भग०

१, ६; २, १; (४) लगयती सूत्रना प्रथम

शतकना पीत्य उद्देशानुं नाम के जेभां दुःख

विषयक अर्थात्तरे छे भगवती सूत्र के प्रथम

शतकके दूसरे उद्देशा का नाम कि जिसमें दुःख

विषय के प्रश्नात्तर हैं. name of the

2nd chapter of the 1st section

of Bhagavati Sūtra which

contains enquiry on the

nature of afflictions, भग० १, १;

(५) दुःख-शारीरिक अने मानसिक. शारीरिक

और मानसिक दुःख. physical and

mental affliction. पण्ड० २०;—अंत-

कर. त्रि० (—अतकर) दुःखने नाश कर-

नार. दुःख का नाश करने वाला. the de-

stroyer of pain. पंचा० १४, ४६;

—अणुबन्धि. त्रि० (—अनुबन्धिन्) क्लेशने। अनुबन्धी, दुःख साथे संबंध जोड़नेवाला। that which joins hands with affliction. भग० ६, ३३; —आययण न० (—आयतन) दुःखपुं स्थान; क्लेशपुं धर. a place of affliction; a resort of trouble. भग० ६, ३३; —आवणत्ता. स्त्री० (—आपन-प्रापण) दुःखनी उत्पत्ति. दुःख की उत्पत्ति. the origin of pain. भग० ३, ३; —कखय. पुं० (—क्षय) दुःखनी क्षय. दुःख का क्षय-विनाश. the destruction of pain. भक्त० १३६; —कखव पुं० (—क्षय-दुःखं चपयतीति) दुःख नष्ट करनेवाला - क्षय करनेवाला. दुःख का क्षय करनेवाला. a destroyer of afflictions. ठा० ४, १; —खणि. स्त्री० (—खनि) दुःखनी आणु दुःखों की खान a mine, treasure of affliction. भक्त० १२३; —खम त्रि० (—खम-दुःखं खमते सहत इति) दुःख भगवान्. दुःख सहन करनेवाला. (one) who endures pain. आया० २, १६, ८; —नास ग. न० (—नाशन) दुःखनी नाश करनेवाला. दुःख का नाश करनेवाला. (one) who destroys pain. भक्त० ६३; —पडिकूल. त्रि० (—प्रतिकूल) दुःखनी द्वेषी; दुःखनी तिरस्कार करनेवाला. दुःख से द्वेष करनेवाला, दुःख का तिरस्कर्ता. (one) who hates or scorns pain. आया० १, २, ३, ८०; —पहीणमग्न. पुं० (—प्रहीणमार्ग) जहाँ दुःखनी क्षय थाय ओही मार्ग ऐसा मार्ग जिसमें दुःख का नाश हो. the way in which pain ends आव० ४, ८; —फास. त्रि० (—स्पर्श दुःखं स्पृशतीति)

दुःख दायक; दुःख आपनार दुःख देनेवाला harasser; troublesome. सूय० १, ८, ७; —भय. त्रि० (—भय-दुःखात्म-रणादिदुःखान्नयं येषां ते) भयान्नादि दुःखभी लय पावनार. मरणादि दुःखसे डरनेवाला. (one) afraid of trouble such as death etc. ठा० ३, २; —भोगि. त्रि० (—भोगिन्) दुःख भोग-पनार. दुःख भोगनेवाला. (one) who undergoes, endures troubles. भग० ७, ६; —मत्ता. स्त्री० (मात्रा) परिषद के रोगपी उत्पन्न यथा दुःखपुं परिभाषा. परिषद या रोग से उत्पन्न होने वाले दुःख का परिमाण a measure of trouble born of a disease or otherwise. आया १, ३, ३, १२०; —मोक्ख. पुं० (—मोक्ष) दुःखनी नाश; दुःखनी छुटकारा. दुःख का नाश; दुःख से मुक्ति the destruction of or emancipation from misery सूय० नि० १, १३; १२६; —विमोयग त्रि० (—विमोचक) दुःखभी मुक्त करनेवाला छेड़नेवाला दुःखसे मुक्त करनेवाला. liberator from pain. “न ते दुःखविमोयगा” सूय० १, ८, ३; —संभव. त्रि० (—सम्भव-सम्भवत्यस्मात्संभवः दुःखस्य संभवः दुःख-संभव) दुःख दायक; दुःख आपनार. दुःखदायक; दुःख देनेवाला. troublesome; distressing. उत्त० ६, १; —समुद्र. पुं० (—समुद्र) दुःखभी समुद्र. दुःख समुद्र. sea in the form of misery. भक्त० ११५; —सह. त्रि० (—सह) दुःख सहन करनेवाला. दुःख सहनेवाला. (one) who endures pain. दस० ८, ६१;

दुःखखण. न० (दुःखन) शुभे। “दुःख”

शब्द. देखो " दुःख " शब्द. Vide
 " दुःख " दसा० ६, १;
 दुःखणत्ता. स्त्री० (*) दुःखरूप परिणाम.
 दुःख रूप फल. Fruit in the form
 of pain or distress. सूय० २, ४, ६;
 दुःखणया. स्त्री० (*) लुप्तो "दुःख-
 णत्ता" शब्द. देखो " दुःखणत्ता " शब्द.
 Vide " दुःखणत्ता " भग० १२, १;
 दुःखत्त न० (दुःखत्व) दुःखपणुं. दुःखत्व.
 Misery. भग० १, १०;
 दुःखत्ता स्त्री० (दुःखता) लुप्तो ' दुःखत्ता '
 शब्द. देखो ' दुःखत्त ' शब्द. Vide
 ' दुःखत्त ' "दुःखत्ताए कज्जंति" भग० ६, ३;
 दुःखा. स्त्री० (दुःखा) पीमनी प्रेरणाथी
 उत्पन्न थयेली असाता वेदना-पीडा. दूसरे
 की प्रेरणासे उत्पन्न वेदना. Pain produc-
 ed by the goading of others
 पन्न० ३,
 दुःखिन् त्रि० (दुःखिन्) दुःखी दुःखी Un-
 happy; distressed. भग० ७, १; १४, ४;
 दुःखिय. त्रि० (दुःखित) दुःख पामेल;
 दुःखी थयेल. दुःख प्राप्त; दुःखी बना हुआ.
 Distressed; troubled. उत्त० ३, ६;
 दुःखुत्तो. अ० (द्विकृत्वस्) भे आर. दो
 बार. Twice. निसी० ६, २०; ठा० ५, २;
 दुःखुर. त्रि० (द्विचुर) जेने भे भुरी होय ते
 गाय भे स चगेरे. वे प्राणी जिनके दो खुर
 हों यथा गाय भैंस आदि. Cloven-foot-
 ed animals e. g. cow etc. भग०
 १२, १; ठा० ४, ४; उत्त० ३६, १७६; जीवा० १;
 दुग. त्रि० (द्विक) भे दो. Two भग० ४,
 १; विशेष० ६७२; २३००; क० गं० १, ३०;
 ४३; —जोग. पुं० (-योग) द्विकसंयोग.
 द्विक संयोग. a duplicate conjunc-
 tion प्रव० १३११; —बुद्धि स्त्री०
 (-बुद्धि) भे जेनी वद्धि. दा दो का

बढती. an increase by two. क० गं०
 ५, २८; —संजोअ. पुं० (-संयोग)
 भे वस्तुनो संयोग. दो वस्तुओं का संयोग.
 conjunction of two objects.
 अणुजो० १२७;
 दुर्गंध. पुं० (दुर्गन्ध) दुर्गन्ध; अराग्य आस.
 बुरी बास. Foul smell (२) त्रि० अराग्य
 गंधवालुं बुरी बास वाला. ill-smelling.
 जं० प० २, ३६; दस० ५, २, १; भक्त० ११२;
 (३) दुर्गन्ध नामनी नामकर्मनी श्रेष्ठ
 प्रकृति के जेना उदयथी अथ दुर्गन्ध पामे छे.
 दुर्गन्ध नाम की नामकर्म की एक प्रकृति
 जिसके उदय से जीव दुर्गन्ध प्राप्त करता
 है. a nature of Nāma Karma at
 whose appearance a being be-
 comes ill-smelling. क० गं० १, ४२;
 दुर्गन्धता. स्त्री० (दुर्गन्धता) दुर्गन्ध पणुं.
 दुर्गन्धता. Noisomeness. भग० ६,
 ३; ७, १०;
 दुर्गुच्छा. स्त्री० (जुगुप्सा) निन्दनीय वस्तु
 जेवाथी थनी धृष्टा. निन्दनीय वस्तु के
 देखने से उत्पन्न होने वाली घृणा. Hate
 produced by looking at a cen-
 surable object. आया० १, १, ७ ५५;
 दुर्गुच्छाणिज. त्रि० (जुगुप्सनीय) लुगुप्सा
 करवा थोअ. जुगुप्सा करने योग्य. Cen-
 surable. उत्त० १३, १६;
 दुर्गुच्छमाण. व० क० त्रि० (जुगुप्समान)
 लुगुप्सा करतो. जुगुप्सा करता हुआ; जुगुप्स
 मान Censuring. उत्त० ४, १३; सूय०
 २, ६, १४;
 दुर्गुच्छा. स्त्री० (जुगुप्सा) दुर्गन्धवाली
 वस्तु तर्क जेतां आवतो अलुगभो
 दुर्गन्धित वस्तु की ओर देखने से आने
 वाली नफरत. Disgust produced by
 looking at a striking object.

सु० च० ७, १; पि० नि० ५८५; ठा० ६, १; उत्त० ३२, १०२; पचा० १, ३६; (२) मोहनीय कर्म की एक प्रकृति के जेनाथी धृष्टा थाय. मोहनीय कर्म की एक प्रकृति कि जिसके कारण घृणा होती है. a nature of deluding-Karma by which hatred is produced. विशेष० ३५७५; पञ्च० २३; सम० २१; प्रव० ७०४; ७०६; ६४३; —कम्म. न० (—कर्म) निन्द्यकर्म निन्द्यकर्म; दुरा काम censurable action. ठा० १०;—वत्तिथि त्रि० (—प्रत्यय) जेनाथी धृष्टा थती होय; धृष्टानुं करण. जिससे घृणा उत्पन्न हो वह; घृणास्पद. an object of hatred or abhorrence भग० १, ७; दुगुंछि. त्रि० (जुगुप्सिन्) जुगुप्सा करना२. जुगुप्सा करने वाला. Censurer. उत्त० २, ४;

दुगुंछिय-अ. त्रि० (जुगुप्सित) धृष्टित वस्तु; निन्द्य. घृणित वस्तु, निन्द्य पदार्थ. A hateful or censurable thing. आब० ४, ८; ओघ० नि० ३०२; परह० १, ३; —कुल न० (—कुल) धृष्टापात्र कुल; निन्द्यकुल घृणित कुल; निन्द्य कुल. a censurable race or lineage. निसी० १६, ३०; ३७;

दुगुण. त्रि० (द्विगुण) अभङ्ग. द्वा; दुगना. Double. नाया० १; भग० ६, ८; २५, ५; सु० च० १; ३०३; पि० नि० १७१; सूय० १, ४, १, २६; क० प० १, ४७; ५६; १, १०; प्रव० १०६३; (२) दृष्टिवाद अन्तर्गत सिद्ध श्रेणीया अने भण्डस श्रेणीया परिकर्मना आठमे भेद अने पुट्ट सेखी आदि पांच परिकर्मना पांचमे भेद दृष्टिवाद के अन्तर्गत सिद्ध श्रेणीया और मण्डस श्रेणीया परिकर्म का आठवा भेद और पुट्ट सेखी आदि पांच परिकर्मका ५वां भेद. the eighth variety

of Siddhasreniyā and Maṇussa-sreniyā Parikarma and the 5th variety of the 5 Parikarmas viz Putthaseni etc नदी० ५; सम० १२; —कम्मद्विह. स्त्री० (—कर्मस्थिति) अभङ्गी कर्मस्थिति. दुगना कर्मस्थिति. the double duration of Karmas. क० प० ३, ५; —प्पमाण. त्रि० (—प्रमाण) जेनु प्रमाण पड़ेला करता जेवहुं—अभङ्ग होय ते, अभङ्गा प्रमाणवाहुं. जिसका प्रमाण पहिले की अपेक्षा द्वा हो वह; दुगने प्रमाण वाल. double than the original size भग० ६, ८;—हीण. त्रि० (—हीन) अभङ्गा ओछा. दूने ओछे. doubly less. कप्प० १, २२; ६५;

दुगुल न० (दुकूल) आङ्गी छालनुं वस्त्र. वस्त्र की छाल का वस्त्र. A bark-garment राय० १६२; निसी० ७, ११; जीवा० ३, ३; —पट्ट. न० (—पट्ट) रेशमी वस्त्र. रेशमी वस्त्र. silk garment. कप्प० ३, ३२; दुगुल्ल. न० (दुकूल) गोड-आंगालना सुतरनुं अनेल वस्त्र गोड-बंगाल के सूत का बना हुआ वस्त्र. A garment made of muslin of Bengal. आया० २, ५, १, १४५, भग० ६, ३३, ११, ११; सु० च० २, ४६६;

दुगूल न० (दुकूल) वस्त्र. वस्त्र; पट. A garment. नाया० १; सु० च० ४, ७६; दुगोत्त. न० (द्विगोत्र) जे नामनी ओछ वेल. इस नामकी एक लता. A creeper of this name. पञ्च० १;

दुग्ग. पुं० (दुर्ग) विषम प्रदेश; दुर्गम स्थान. विषम प्रदेश, दुर्गम स्थान. A place difficult to enter. (२) डिलो; डोट. किला; कोट. a fort परह० १, ३; वेय० ६, ७; जं० प० सु० च० १, ३२६;

१७६. देखो “ दुःख ” शब्द. Vide
“ दुःख ” दसा० ६, १;

दुःखणत्ता. स्त्री० (*) दुःखरूप परिणाम.
दुःख रूप फल. Fruit in the form
of pain or distress. सूय० २, ४, ६;

दुःखणया. स्त्री० (*) लुगो “दुःख-
णत्ता ” १७६ देखो “ दुःखणत्ता ” शब्द.
Vide “ दुःखणत्ता ” भग० १२, १;

दुःखत्त न० (दुःखत्व) दुःखपणुं. दुःखत्व.
Misery. भग० १, १०;

दुःखत्ता स्त्री० (दुःखता) लुगो ‘ दुःखत्त’
१७६ देखो ‘ दुःखत्त ’ शब्द. Vide
‘ दुःखत्त ’ “दुःखत्ताए कज्जति” भग० ६, ३;

दुःखा. स्त्री० (दुःखा) लीलनी प्रेरणाथी
उत्पन्न थयेली असाता वेदना-पीडा. दूसरे
की प्रेरणासे उत्पन्न वेदना. Pain produc-
ed by the goading of others.
पण० ३;

दुःखिन्. त्रि० (दुःखिन्) दुःखी दुःखी Un-
happy; distressed. भग० ७, १; १४, ४;

दुःखिन्. त्रि० (दुःखित) दुःख पाभेक्ष;
दुःखी थयेल. दुःख प्राप्त; दुःखी बना हुआ.
Distressed; troubled उत्त० ३, ६;

दुःखुत्तो. अ० (द्विक्त्वस्) भे आर. दो
बार. Twice. निसी० ६, २०; ठा० ५, २;

दुःखुर. त्रि० (द्विचुर) जेने भे भुरी होय ते
गाय भे स गेरे. वे प्राणी जिनके दो खुर
हों यथा गाय भैंस आदि. Cloven-foot-
ed animals e g. cow etc. भग०
१२, १; ठा० ४, ४; उत्त० ३६, १७६; जीवा० १;

दुग. त्रि० (द्विक) भे दो. Two. भग० ४,
१; विशेष० ६७२; २३००; क० गं० १, ३०;
४३; —जोग. पुं० (-योग) द्विकसंयोग.
द्विक संयोग. a duplicate conjunc-
tion प्रव० १३११; —बुद्धि. स्त्री०
(-बुद्धि) भे भेनी बुद्धि. दा दो का

बढती. an increase by two. क० गं०
५, २८; —संजोअ. पुं० (-संयोग)
भे वस्तुनो संयोग. दो वस्तुओं का संयोग.
conjunction of two objects.
अणुजो० १२७;

दुर्गंध. पुं० (दुर्गन्ध) दुर्गन्ध; अराग्न आस.
बुरी वास. Foul smell (२) त्रि० अराग्न
गंधवालुं बुरी वास वाला. ill-smelling.
जं० प० २, ३६; दस० ५, २, १; मत्त० ११२;
(३) दुर्गन्ध नाम नाना नामधर्मनी अर्थ
प्रकृति के जेना उदयथी लुग दुर्गन्ध पाभे छे
दुर्गन्ध नाम की नामकर्म की एक प्रकृति
जिसके उदय से जीव दुर्गन्ध प्राप्त करता
है. a nature of Nāma Karma at
whose appearance a being be-
comes ill-smelling. क० गं० १, ४२;

दुर्गन्धता. स्त्री० (दुर्गन्धता) दुर्गन्ध पणुं.
दुर्गन्धता. Noisomeness. भग० ६,
३; ७, १०;

दुर्गुच्छा. स्त्री० (जुगुप्सा) निन्दनीय वस्तु
जेवाथी थती धृष्टा. निन्दनीय वस्तु के
देखने से उत्पन्न होने वाली घृणा. Hate
produced by looking at a cen-
surable object. आया० १, १, ७ ५५;

दुर्गुच्छाणिज्ज. त्रि० (जुगुप्सनीय) लुगुप्सा
करवा योग्य. जुगुप्सा करने योग्य. Cen-
surable. उत्त० १३, १६;

दुर्गुच्छमाण. व० क० त्रि० (जुगुप्समान)
लुगुप्सा करतो. जुगुप्सा करता हुआ; जुगुप्स
मान Censuring. उत्त० ४, १३; सूय०
२, ६, १४;

दुर्गुच्छा. स्त्री० (जुगुप्सा) दुर्गन्धवाली
वस्तु नरक्ष जेतां आवतो अलुगभे
दुर्गन्धित वस्तु की ओर देखने से आने
वाली नफरत. Disgust produced by
looking at a striking object.

सु० च० ७, १; पि० नि० ५८५, ठा० ६, १; उत्त० ३२, १०२; पचा० १, ३६; (२) मोहनीय कर्म की एक प्रकृति के ज्ञेयार्थी धृष्टा थाय. मोहनीय कर्म की एक प्रकृति कि जिसके कारण घृणा होती है a nature of deluding-Karma by which hatred is produced. विशेष० ३५०५; पञ्च० २३; सम० २१; प्रव० ७०४; ७०६; ६४३; —कम्म. न० (-कर्म) निन्द्यकर्म निन्द्यकर्म; बुरा काम censurable action. ठा० १०; —वत्तिय त्रि० (-प्रत्यय) ज्ञेयार्थी धृष्टा यती होय; धृष्टानु कारण जिससे घृणा उत्पन्न हो वह; घृणास्पद. an object of hatred or abhorrence भग० १, ७; दुगुंछि. त्रि० (जुगुप्सन्) जुगुप्सा करनेवाला. Censurer. उत्त० २, ४;

दुगुंछिय-अ. त्रि० (जुगुप्सित) धृष्टित परतु; निन्द्य. घृणित वस्तु; निन्द्य पदार्थ. A hateful or censurable thing. आव० ४, ८; ओघ० नि० ३०२. परह० १, ३; —कुल न० (-कुल) धृष्टापात्र कुल, निन्द्यकुल घृणित कुल; निन्द्य कुल. a censurable race or lineage. निसी० १६, ३०; ३७;

दुगुण. त्रि० (द्विगुण) अभ्यु. दूना; दुगना. Double. नाया० १; भग० ६, ८; २५, ५; सु० च० १; ३०३; पि० नि० १७१; सूय० १, ४, १, २६; क० १० १, ४७; ५६; १, १०; प्रव० १०६३; (२) दृष्टिवाद अन्तर्गत सिद्ध श्रेणीया अने मल्लस्स श्रेणीया परिकर्मने आहमे भेद अने पुट्ट सेणी आदि पांच परिकर्मने पांचमे भेद दृष्टिवाद के अन्तर्गत सिद्ध श्रेणीया और मल्लस्स श्रेणीया परिकर्म का आठवां भेद और पुट्ट सेणी आदि पांच परिकर्मका १४वां भेद. the eighth variety

of Siddhasāreṇiyā and Maṇussa-sāreṇiyā Parikarma and the 5th variety of the 5 Parikarmas viz Putṭhasenī etc नदी० ५; सम० १२; —कम्मदिह. त्रि० (-कर्मस्थिति) अभ्यु. कर्मस्थिति. दुगना कर्मस्थिति. the double duration of Karmas. क० १० ३, ५; —प्पमाण. त्रि० (-प्रमाण) जेनु प्रमाण पहेला करता भेयहुं—अभ्यु. होय ते, अभ्यु. प्रमाणवाहुं. जिसका प्रमाण पहिले की अपेक्षा दूना हो वह, दुगने प्रमाण वाल double than the original size. भग० ६, ८; —हीण. त्रि० (-हीन) अभ्यु. ओछा. दूने ओछे. doubly less. कप्प० १, २२; ६५;

दुगुल न० (दुक्कल) आङनी छालनुं वस्त्र. वस्त्र की छाल का वस्त्र. A bark-garment राय० १६२; निसी० ७, ११; जीवा० ३, ३; —पट्ट न० (-पट्ट) रेशमी वस्त्र. रेशमी वस्त्र. silk garment. कप्प० ३, ३२; दुगुल्ल. न (दुक्कल) गोड-अंगालना सुतरनुं अनेल वस्त्र. गोड-बंगाल के सूत का बना हुआ वस्त्र. A garment made of muslin of Bengal आया० २, ५, १, १४५, भग० ६, ३३. ११, ११; सु० च० २, ४६६;

दुगूल. न० (दुक्कल) वस्त्र. वस्त्र; पट. A garment. नाया० १; सु० च० ४, ७६; दुगोत्त न० (द्विगोत्त) ओ नामनी ओक वेल इस गामकी एक लता. A creeper of this name. पञ्च० १;

दुग्ग. पुं० (दुग्ग) विषम प्रदेश; दुर्गम स्थान. विषम प्रदेश, दुर्गम स्थान. A place difficult to enter. (२) डिलो; डोट. किला, क़ोट. a fort. परह० १, ३; वेय० ६, ७; जं० ५० सु० च० १, ३२६;

भग० ३, २; ७, ६; ९; ३३; १६, १; जीवा०
३, १; सूय० १, ५, १, २; २, १०, ६;
दसा० ६, १; ७, १; राय० २८३; महा० प० ४२;
—ग्रहण. न० (-ग्रहण) पर्वत वगेर
दुर्गम स्थलनो आश्रय लेवो ते. पर्वत आदि
दुर्गम स्थल का आश्रय लेना. taking
shelter of an inaccessible place
such as a mountain etc. पंचा० ३,
१६;

दुग्गञ्ज. त्रि० (दुर्गत) दरिद्री; धनहीन; उप-
कार वगेरेथी रहित दरिद्री; निर्धन; उपकार
हीन. Wretched; poor; desti-
tute; ungrateful. ठा० ४, ३;

दुग्गञ्ज. पुं० (दुर्गक) दुष्ट वृषभ-अलक्ष.
दुष्ट वृषभ-बैल. A bad bull. “ दुग्ग-
ञ्जो वा पञ्चोपुण्यं ” दस० ६, २, १९;

दुग्गइ. स्त्री० (दुर्गति) नरक तिथि आदि
दुर्गति. नरक तिथि आदि दुर्गति. An
evil state like the hell; sub-
human birth etc. दस० ५, १, ११;
सूय० २, ७, २०; ठा० ३, ३; उत्त० ७,
१८; ६, ५३; सम० ६; पि० नि० १०२; पंचा०
३, ४१; भत्त० ७१; —गय. त्रि० (-गत)
नरक आदि दुर्गतिने पाभेले. नरक आदि
दुर्गतिको प्राप्त. (one) who attains
an evil state like the hell etc.
ठा० ३; —गामि. त्रि० (-गामिन्) दुर्ग-
तिमां जनार. दुर्गति को जाने वाला. (one)
falling into an evil state. ठा० ४,
३; —णारी. स्त्री० (-नारी) दरिद्री स्त्री. दरिद्रा
स्त्री; निर्धना; दीना. a destitute wo-
man. पंचा० ४, ४६; —पथ. पुं० (-पथन)
दुर्गतिनो मार्ग. दुर्गति का मार्ग the
path of an evil state. गच्छा० ४३;
—फल. न० (-फल) दुर्गतिपुं फल.
दुर्गति का फल. the result of an evil

state. सूय० नि० १, ११' १११; —फ-
लवाइ. पुं० (-फलवादिन्) दुर्गतिना
फलने जनार. दुर्गति के फल को कहने वाला.
(one) who relates the fruits of
an evil condition. सूय० नि० १, ११,
१११; —वद्धण. त्रि० (-वर्धन) दुर्गतिने
वधारनार. दुर्गति को बढ़ाने वाला. (one)
who increases an evil condi-
tion. दस० ६, २६;

दुग्गन्ध. पुं० (दुर्गन्ध) भराय गन्ध. खराब
गन्ध; दुर्गन्ध; बुरी बास. Foul smell.
भग० ७, ६; ठा० ६; क० ग० ९, ३२;
—परिणय. त्रि० (-परिणत) दुर्गन्ध
रूपे परिणाम पाभेन. दुर्गन्ध रूप से परि-
णाम प्राप्त. changed to a foul
taste. भग० ८, १;

दुग्गन्धि. त्रि० (दुर्गन्धिन्) दुर्गन्धवास्तु;
नक्षि०. दुर्गन्ध वाला, बुरा. Ill-smelling;
foul अणुजो० १३०;

दुग्गत त्रि० (दुर्गत) दरिद्र; भिखारी.
दरिद्री; भिखारी; निर्धन. Poor; desti-
tute. पंचा० १२, ४०;

दुग्गम. त्रि० (दुर्गम) दुःखे समझ-असुख
अवुं दुःखपूर्वक जो समझा या जाना जासके
Difficult to understand प्रव०
७८५; ठा० ५, १; जं० प०

दुग्गा स्त्री० (दुर्गा) दुर्गा देवी. दुर्गा देवी.
The goddess Durgā. अणुजो० २०;
दुग्गास. त्रि० (दुर्गास) जेमां प्रयासथी आवाने
भलपुं होय ते; दुर्लक्ष. जिसमें प्रयत्न
एवं प्रयास से खाने को मिले वह (समय);
दुर्भिक्ष. A famine. पि० नि० भा० ३३;
दुग्गिज्ज त्रि० (दुर्गिज्ज) मुश्किलीथी अलक्ष्य थप
शके-असुखी शक्य तेवुं. जिसे कठिनाई से
ग्रहण किया जासके-समझा जासके. Diffi-
cult to understand. गच्छा० ६५;

दुग्गेज्ज. त्रि० (दुग्गां) दुःपे करी ग्रहण
कराय ते. कठिनाई से ग्राह्य. Difficult to
grasp or hold. विशेष० ११२७;

दुग्घट्ट. त्रि० (दुर्घट्ट) ने मुश्किलीथी करी शक्य
ते. दुष्कर; दुर्घट. Difficult to per-
form. परह० १, ३;

दुग्घण. पु० (दुघन) धनु; लोहारनुं ओक
ओजार. घन; लोहार का एक ओजार. A
hammer- जीवा० ३, १;

दुग्घरंतरिय. पु० (द्विगृहान्तरिक) ओक घेर भिक्षा
लध वम्मे भे घर छोडी त्रीनेथी भिक्षा लेवा-
नो अभिग्रह धरनार साधु; गोशालानो अनुया-
यी एक घरसे भिक्षा लेकर बाँके दो घरों को
छोड़कर तीसरे घर से भिक्षा ग्रहण करने का
अभिग्रह धारण करने वाला साधु; गोशाला
का अनुयायी. A follower of Go-
śālā who begs alms at every
fourth house. ओव० ४१;

दुच्चिरण. त्रि० (दुश्चर्य) दुष्टरीते करेनुं
काम. अयोग्य रीति से किया हुआ काम
Work done badly. विवा० १; ओव०
३४; —कम्म. न० (-कर्म) अराय कर्म.
दुष्कर्म; बुरे कार्य. wicked deed
दसा० ६, ४; —फल. न० (-फल) दुष्टा-
त्यर्थनुं भाहुं क्ष. बुरे चाल चलन का बुरा
फल an evil end, result of evil
deeds. दसा० ६, ४;

दुच्च. त्रि० (द्वितीय) भीलुं. दूसरा Second.
आया० ६, १, ११, ६२; पञ्च० ३; कप्प०
४, १२३; दस० ४; गिरि० १, ३;

दुच्चअ-य. त्रि० (दुस्त्यज) दुःपेथी छोडाय
तेनुं. दुःख से छोड़ने योग्य; दुःख त्याज्य.
Difficult to abandon. उत्त० १४,
४६; भग० ७, ६;

दुच्चक. त्रि० (द्विचक्र) नेने भे पैडां होय
तेनुं पाहन दो पहियों वाला वाहन. A

two wheeled vehicle. ओव० नि०
३८३;

दुच्चर. त्रि० (दुश्चर) मुश्किलीथी यत्नाय तेनुं
स्थान. दुर्गम्य स्थान. Inaccessible
place. आया० १, ६, ३, २; (२)
मुश्किलीथी आत्यरवा योज्य. कठिनाई से
आचरणीय. impracticable. चउ० १४;

दुच्चरित. न० (दुश्चरित) अराय आत्यरव.
दुराचरण; बुरे चालचलन. Bad con-
duct; mischief. पंचा० १४, ३६;

दुच्चारिय. न० (दुश्चरित) नकारी आत्यरव.
दुष्टाचार, बुरा चालचलन. Bad conduct;
immorality. तंदु० दसा० ६, ४; आउ०
१८; सु० च० १, ३६३;

दुच्चिरण न० (दुश्चर्य) दुष्ट भावथी करेन
कार्य. दुष्ट भावना से किया हुआ कार्य.
An action done with an evil
inclination. डा० ४, २;

दुज्जडि पुं० (द्विजटिन्) द्विजटी नामनो ग्रह;
८८ महाग्रहभांनो ओक द्विजटी नामक ग्रह;
८८ महा ग्रहों में से एक ग्रह. A planet
called Dvijati; one of the 88
planets. सू० प० २०; डा० २, ३;

दुज्जंत. पुं० (दुर्जन्त) ओ नामनो ओक
आचार्य. इस नाम का एक आचार्य. A
preceptor of this name. कप्प० ८;

दुज्जण पुं० (दुर्जन) अराय अनुप्य. दुर्जन;
खराब मनुष्य. A wicked fellow.
वेय० १, ३;

दुज्जय. त्रि० (दुर्जय) दुःपेथी छुताय तेनुं.
कठिनाई से जीता जाने वाला; दुर्जय. Diffi-
cult to conquer. उत्त० ६, ३४; सु०
च० १, ३८३;

दुज्जाय. पुं० (दुर्जात) दुःपेथी जयाय
ते. जो कठिनाई से गम्य हो वह; दुर्गम्य.
Difficult to go. आया० १, ६, ४, १५६;

दुज्जीव. पुं० (दुर्जीव) दुष्ट ७५. दुष्ट जीव.

An evil being. विशेष० ३४५२;

दुज्जोसश्च. त्रि० (दुर्जोष्य) मुशकेक्षीथी

अपाया योग्य. काठिनाई से खपाने या पूरा करने योग्य. Difficult to finish.

आया० १, ५, ३, १२१;

दुज्जोहण. पुं० (दुर्योधन) धृतराष्ट्रो पुत्र

दुर्योधन. धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन. Duryodhana the son of Dhritarāstra. विवा० ६; नाया० १६;

दुज्झ. त्रि० (दोह) दोहवा योग्य. दुहने

योग्य. Fit to be milked. दस० ७, २४;

दुज्झाश्च. न० (दुर्ध्यात) रुद्रध्यान आदि दुष्ट

ध्यान धरेल रुद्रध्यान आदि दुष्ट ध्यान धारण किया हुआ. (One) who meditates upon evil things; Rudradhyāna etc. आब० १, ४;

दुह. त्रि० (दुष्ट) दुष्ट; अराय. दुष्ट; खराब.

Evil; wicked. दसा० ६, १६; ओघ०

नि० ७३६; वेय० ४, २; ७; नाया० २; १६;

उत्त० २७, १६; सम० ३०, ओघ० २१;

भग० ७, १; दस० ७, ५५; प्रव० ५८६,

७६२; पंचा० १६, २३; उत्त० १४६,

—आसण. न० (—आसन) अलिमानी

आसन; पग ७५२ पग अडावी ओसपुं ते (धर्म-

ध्यानमां तेम ओसवार्थी आशातना लागे).

अभिमानी आसन, पैर पर पैर चढाकर बैठना

(धर्मध्यान में इस तरह बैठने से आशातना

लगती है). a proud posture; sitting

by keeping a leg over another

a sin is incurred by sitting thus

in a religious performance.

प्रव० ४४०, —ग्गाह. पुं० (—ग्राह) दुष्ट भकर.

दुष्ट मकर. a wicked crocodile. तंदु०

—पारंचिश्च पुं० (—पारंचिक) क्रोध दुष्ट

पारंचिक अने विषय दुष्ट पारंचिक (क्रोधे डरी

शुश्रीणी पण धातु करे ते; क्रोध पारंचिक;

साध्वी स्त्रीना भोगनी धृष्टा करे ते विषय

पारंचिक डहेवाय). क्रोध दुष्ट पारंचिक और

विषय दुष्ट पारंचिक (जो क्रोध के कारण गुरु

का भी घात करे वह क्रोध पारंचिक और

जो साध्वी स्त्री के भोग की इच्छा करे वह

विषय पारंचिक कहलाता है). Krodha-

dusta Pārañchika i. e. who

slays even his preceptor in

anger, and Viśayadusta Pārañ-

chika i. e. one who desires to

violate the person of even a

chaste lady. ठा० ३, ४; —मण त्रि०

(—मनस्) जेनुं मन दुष्ट होय ते. जिस का

मन दुष्ट हो. evil-minded. सु० च०

११, १; —वाइ. त्रि० (—वादिन्) दुष्ट

रीते ओलनार. अनुचित या अयोग्य रीति से

बोलने वाला. (one) who speaks evil

or badly. उत्त० ३४, २६; —सीलायार

त्रि० (—शीलाचार) अराय शील अने

आचारवालो. दुःशील एवं दुराचार वाला.

bad-conducted नाया० २; —स्स पुं०

(—अश्च) अराय घोडा. खराब घोडा. a

nag, a bad horse. ओघ० नि० १६३,

पंचा० १८, १०;

दुष्टाण न० (दुःस्थान) अराय स्थान; डांस

भच्छर वगेरे क्षुद्र जंतुवाधु स्थान. खराब

स्थान, डांस मच्छर आदि क्षुद्र जंतुओं वाला

स्थान. A bad place; a place full

of minute insects like mosqui-

toes etc. भग० १६, २; ठा० २, ४;

क० प० २, ४७; ४, ४४;

दुष्टायण न० (द्विस्थानक) ओ नाभनुं हाणुंगनुं

णीणु हाणु. इस नाम का ठाणांग का दूसरा

ठाणा. The 2nd Thāṇā (section)

of this name of Thāṇāṅga. ठा०

२, १;

दुष्टाक्षरस. पुं० (द्विस्थानरस) अक्षय्यीयो रस; पच्यभाषावरणीय क्षयने योगे कर्मभां ने रस पडे ते. दुगना रस; पच्यभाषावरणीय कषाय के द्वारा कर्म में जो रस पडे वह रस. Double essence; the intensity which is met with in Karma due to the Pachchakhāpāra-nīya passion क० ग० ५, ६४;

दुष्टदु. त्रि० (दुष्ट) दुष्ट; अयोग्य Wicked, improper नाया० १६; —पडिच्छिद्य त्रि० (—प्रतिच्छिद्य) दुष्ट नाशायकने ज्ञान आपेक्षुं होय ते. ज्ञानने ओक अतिथार. अयोग्य को दिया हुआ ज्ञान, ज्ञान का एक अतिचार. Imparting knowledge to a wicked or unworthy fellow, a fault connected with knowledge. आव० ४, ७;

दुष्टणाम न० (दुर्नामन्) दुष्ट स्वभाववाला नाम. दुष्ट स्वभाव वाला नाम. A name of an evil nature. भग० १२, ५;

दुष्टिणकम्म. त्रि० (दुर्निक्रम-दु खेन निष्क मोयत्र) जहाँ दुःखी नीकलवानुं होय ते. जहासे दुःख से निकलने का हो वह (स्थान). A place where exist is difficult. ज० प० २, ३६; भग० ७, ६;

दुष्टिणसीहिया. स्त्री० (दुर्निषया) दुःख रूप स्वाभाव भूमि The place of religious scripture in the form of pain भग० १६, २.

दुत्त. न० (द्रुत) उतावले उतावले गानुं ते; गायनने ओक दोष. गायन का एक दोष, जल्दी जल्दी गाना A fault of singing (singing quickly). (२) जल्दी, उतावले. शीघ्रता; जल्दी. haste, quickness. पंचा० ७, ४०; अणुजो० १२-

ठा० ७, १: (३) नाटक विधि विशेष. नाटक विधि विशेष a particular dramatic performance. जीवा० ३, ४; दुत्तविलंबित. न० (द्रुतविलम्बित) ओक प्रशरणी नाटकविधि. एक प्रकार की नाटक विधि. A kind of dramatic performance. जीवा० ३, ४;

दुत्तितिकख त्रि० (दुस्तितिक) सहन न थाय तेनुं असख. Intolerable. ठा० ५, १; दुत्तित्त. न० (दूतीत्व) दूतीपणुं. दूतीपण. The state of a female messenger पंचा० १३, २०;

दुत्तर. त्रि० (दुस्तर) दुःखे तरी शक्य ते. वह जो दुःख से पार किया जा सके. That which is difficult to cross. भक्त० १४७; सु० च० ४, १६६; उत्त० ३२, १७; सूय० १; ३, ४, १५; भग० ६, ३३;

दुस्तर त्रि० (दुस्तर) मुश्किलीथी तरी शक्य ते. दुस्तर; कठिनाई से पार किया जाने वाला. Difficult to cross or swim. ओव० २१;

दुत्तितिकख. त्रि० (दुस्तितित्त) ने मुश्किलीथी सहन थाय ते. वह जो कठिनाई से सहता जा सके. Difficult to be endured. ठा० ५, १;

दुत्तोसअ. पुं० (दुस्तोषक) आहारादिकथी असतुष्ट (साधु) मुश्किलीथी प्रसन्न-तुष्ट थाय ते. जो आहारादिक से असंतुष्ट होनेके कारण कठिनाई से प्रसन्न हो वह (साधु). That ascetic who being dissatisfied with food etc. is difficult to please. दम० ५, २, ३२;

दुद्धंत. त्रि० (दुर्दान्त) नेनुं मुश्किलीथी दमन होत ते. वह जिसका कठिनाई से दमन होत है. Untamable. नाया० १; १०

१० ५, १; उत्त० २७, ७; ३२

भक्त० १५०;

दुदंतत्तण. न० (दुर्दान्तत्व) दुर्दान्तपाण्डु.

दुर्दान्ता. Intractableness. नाया० १७;

दुदंसण. त्रि० (दुर्दर्शन) जेनुं रूप अराय
होय ते. जिसका रूप खराब हो वह. Ugly
in appearance. अणुजो० १३०;

दुदंसणज्जरूव. त्रि० (दुर्दर्शनीयरूप-दुर्दर्श-
नीय रूप यस्य) जेनुं रूप जेष्ठ शक्य तेनुं
न होय ते जिसका रूप देखसकने योग्य न
हो वह. Ugly in shape. भग० ७, ६;

दुदम. त्रि० (दुर्दम) जेनुं दुःप्रथी दमनथाय
ते. दुर्दमनीय; जिसका दमन कठिनाई से हो
सके वह. Indomitable. उत्त० १; १५;
तंदु०

दुद्विण. न० (दुर्विन) धुलीया वादलना घेरावाथी
सूर्य न देखाता अंधारा जेनुं लागे ते.
वह दिन जिसमें कालेर बादलों के घिर जाने
के कारण सूर्य दिखाई न पड़े और चारों
ओर अंधारा सा हो जाय. A dark day
due to black clouds. पि० नि० भा०
३६;

दुद्ध. न० (दुग्ध) दुग्ध; दध दुग्ध; दूध.
Milk. भक्त० ४१; नाया० २; १८; पि० नि०
१३१; पञ्च० ११; जीवा० ३, ३; विवा० ७;
प्रव० २१८;

दुद्धटी. स्त्री० (दुग्धाटी) अथी (प्रसवव्यतना
दुधने पकती अनाववाभां आवे छे). बलि
(जो प्रसूति के दूध को पकाकर बनाई जाती
है). a preparation made of milk
of delivery. प्रव० २२८;

दुद्धया स्त्री० (दुग्धदा) दुधने आपनारी
(स्त्री गाय गोरें). दूध देने वाली (स्त्री, गौ
आदि). Milk-yielding; milch
(cow etc.) विशेष० १४४७;

दुद्धर. त्रि० (दुर्धर) दुःप्रथी-पकड़ी शक्य
ते; कष्ट पूर्वक पकड़ा जाने वाला. Diffi-

cult to catch or hold. पण्ह० १, २;
दसा० ४, ५२; सम० ६; ठा० ६, १; सम०
प० २३७,

दुद्धरिस त्रि० (दुर्धर्ष्य) पासे न जर्ध
शक्य तेनुं; जेने ताणे करवानी लाभ न
लीजय तेनुं; दुर्धर्ष्य. जिसके पास न जाया
जाय ऐसा; जिस कावू में करने का साहस न
किया जासके; दुर्जय. Unapproach-
able; unassailable; unconquer-
able. सु० च० २, ८६; ओव० १७; क० ग० १,
४४; कण्ठ० ५, ११६; ओघ० नि० भा०
२२०; नंदी० स्थ० ६;

दुद्धवलेही. स्त्री० (*) दुधनी तर-भलाध.
दूध की तरी-मलाई. Cream. प्रव० २२८;

दुद्धसाडी. स्त्री० (*) दुधभां योपानी
कलुडी नाथी रांधवामां आवे ते, भीर.
दूध में चावल डालकर जो पदार्थ बनाया
जाता है वह; खीर. Milk pudding.
प्रव० २२८;

दुद्धा. स्त्री० (दुग्धा) दोधेली गाय भैंस आदि.
दुही हुई गाय भैंस आदि. Milked cow,
she-buffalo etc. विशेष० १४७४;

दुद्धय पुं० (दुर्धय) दुष्ट नीति. दुष्ट नीति.
Bad politics. सु० च० १५, ११३;

दुद्धिगेह. त्रि० (दुर्निबोध) जे प्रयासथी
जानीशक्य ते. जो प्रयत्न पूर्वक जाना जा सके
वह. That which can be known
with an effort. सूय० १, १५, २५;

दुद्धिय. न० (दुर्नीत) दुःप्रथी सञ्चित ध्येय
अशुभकर्म. दुष्कर्मों के कारण संचित अशुभ
कर्म. Evil Karmas accumulated
through evil actions "बधन्तिवेदन्ति
य दुष्मि-याणि" सूय० १, ७, ४;

दुद्धिरिक्ख. त्रि० (दुर्निरीक्ष्य) दुःप्रथी जे
शक्य तेनुं. कष्ट पूर्वक देखा जा सकने
वाला. Difficult to be seen. कण्ठ०

३, ३६; —रूप. न० (-रूप) दुःप्रती
पणु न ओष शक्य ओषु रूप. कठिनाई से
भी न दिखाई देने वाला रूप. a form
which cannot be seen even
with difficulty; invisible form
कप्प० ३, ३६;

दुष्प्रसन्न. त्रि० (दुर्निषण्य) दुष्ट रीति में बैठे.
अनुचित रीतिसे बैठा हुआ. Improperly
seated ठा० ५, २;

दुप. पुं० (द्विप) हाथी; गज. हाथी; गज,
कुंजर. An elephant जीवा० ३, १.

दुपउत्तकाय. पुं० (दुःप्रयुक्तकाय) दुष्ट
विषयनी प्राप्तिथी सुभी यतां अने अनिष्ट
विषयनी प्राप्तिथी दुःप्र वेदना दुःप्रलुहित
प्रभत संयतिनी कायानो व्यापार इष्ट
विषय की प्राप्ति से सुख और अनिष्ट की
प्राप्ति से दुःख का अनुभव करने वाली दुःप्रणि
हित प्रभत संयति की काया. का व्यापार. The
activity of the body of Duh-
pranīhita Pramatta Sañyati
that is getting pleased with the
contact of a desired object and
getting dejected when some
undesirable object comes into
contact ठा० २, १; —किरिया. स्त्री०
(-क्रिया) लुप्तो उपलो शब्द. देखो
ऊपर का शब्द. vide above. ठा० २, १.
दुपओल त्रि० (दुष्पक्व) अर्धरीति पाकेल
पस्तु. अर्धपक्व, आधी पकी हुई वस्तु Par-
tially ripened or cooked. पचा०
१, २२;

दुपक्व. त्रि० (दुष्पक्व) दुष्टरीति पकेल
अनुचित रीति से पकाया हुआ.
Improperly cooked प्रव० २८२;

दुपचक्ष्वाइ. त्रि० (दुष्प्रत्याख्यायिन्) दुष्ट
रीति-अविधिसे प्रत्याख्यान पश्यन्नायु

करनाइ दुष्टरीति से-अनुचित रीति से प्रत्या-
ख्यान ' पचखाण ' करने वाला. (One)
who accepts a vow contrary to
the prescribed rules. भग० ७, १;
दुपचक्ष्वाय. त्रि० (दुष्प्रत्याख्यान) अवि-
धिसे पश्यन्नायु करे. अविधि से पच-
खाण किया हुआ. (One) who has
taken a vow contrary to the
prescribed rules भग० ७, २;

दुपाडयाणंद. पुं० (दुष्प्रत्यनान्द) भाहु करी
राज्य थनार; दुष्टृत्यमा आनंद माननार.
बुरा कार्य कर के प्रसन्न होने वाला; बुरे कामों
में ही खुशी मनाने वाला. (One) who
is pleased to do an evil act.
विवा० १;

दुपरिकर्मतरय. न० (दुष्परिकर्मतर) ने
प्रयासथी अग्नि आदिथी शुद्ध कराय ते.
वह जो प्रयास पूर्वक अग्नि आदि से शुद्ध
किया जा सके. That which can be
purified with difficulty by fire
etc भग० ६, १;

दुपरिचय पु० (दुष्परिचय) दुष्ट परिचय
आहितावह परिचय; दुष्ट परिचय. Bad
acquaintance. दसा० ६, ४;

दुपरिचय त्रि० (दुष्परित्यज) दुःप्रती छोड़ा
ते कष्टत्याज्य; कठिनाई से छोड़ा जाने वाला.
Difficult to abandon उत्त० ८, ६;

दुपस्त त्रि० (दुर्दर्श) भुङ्केलीथी नोवाय ते.
कठिनाई से देखने वाला Difficult to
see. ठा० ५, १;

दुपपत्र त्रि० (दुष्पद) दोषकु; स्थिर न रहे
तेषु, वाकुं पणी जय तेषु दुलकने वाला;
अस्थिर रहने वाला; टेढ़ा हो जाने वाला
Rolling, unstable; bending.
ओष० नि० ६८८;

दुपपुत्त त्रि० (दुष्प्रयुक्त) जोड़ी रीति उप-

योग करे। अनुचित रीत से उपयुक्त प्रयुक्त।
Used improperly. पत्र० २२; ओष०
नि० ८०३; भग० ३, ३; पंचा० १५, ३७;
दुष्पउलिय. त्रि० (दुष्प्रज्वलित) दुष्ट रीते
पाके। अनुचित रीतिसे पका हुआ. Badly
cooked or ripened उवा० १, ५१;
—ओसाहे. स्त्री० (-ओषधि) दुष्ट रीते
पाकेली ओषधी-अन्न. अनुचित रीति द्वारा
पकी हुई औषधि-अन्न. a food cooked
badly. उवा० १, ५१;—ओसाहिभक्ष-
णया. स्त्री० (-ओषधिभक्षणता) दुष्ट रीते
पाकेल अन्ननुं लक्षणु करवुं ते; सातमां व्रतनो
ओष अतिथार. खराब रीति से पके हुए अन्न
को खाना; सातवें व्रत का एक अतिचार.
eating an improperly cooked
food; a violation of the 7th
vow. उवा० १, ५१;

दुष्पचक्षाय. त्रि० (दुष्प्रत्याख्यात) दुष्टरीते-
अविधिओ पञ्चभाषु करे। अनुचित रीतिसे-
अविधिसे पचखाण किया हुआ. (One)
who has accepted vows in a
bad way. सूय० २, ७, ६;

दुष्पडिकंत. त्रि० (दुष्प्रतिकान्त) मुश्किली
नेनुं आक्रमणु थाय तेनु; दुर्जय जिम पर
कठिनाई से आक्रमण किया जासके वह;
दुर्जय. Difficult to overcome; in-
vincible. विवा० १;

दुष्पाडिगह. पु० (दुष्प्रतिग्रह) विच्छेद
गये। आरमां दृष्टि वाद अगना भीम
विलाग सूत्रनो वीसमे। बेद. विच्छेदित
वारहवें दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग सूत्र
का बीसवा भेद. The 20th division
of the 2nd Vibhāga Sūtra of
the lost twelfth Dr̥ṣṭivāda
Āṅga. नंदी० ५६;

दुष्पाडिग्रह. त्रि० (दुष्प्रतिग्रहक) पधारी

शक्य नहि तेनुं. अपरिवर्द्धनीय; जिसका
विस्तार न किया जासके. That which
cannot be enlarged or increas-
ed. आया० १, २, ५, ६२;

दुष्पाडियारुंद. त्रि० (दुष्प्रत्यानन्द) उपकारनो
गद्वे। बालवो पडशे ओषा लयथी तेना उप-
कारमा दाय दर्शावीनाराण अतापनार, मुश्के-
लीथी रीते तेवो. उपकार का बदला देना
होगा इस भय से जो उपकार में दोष दिखा
कर नाराजी बतावे-कठिनाई से प्रसन्न होने
वाला व्यक्ति. (One) who shows
anger by showing a defect in
an obligation under the fear
that it is to be repaid; a person
difficult to please. सूय० २, २, ६२;
ठा० ४, ३; दस ६, ४;

दुष्पाडियार. त्रि० (दुष्प्रति-ती-कार) नेने।
स्वैनामथी प्रतिकार-प्रत्युपकार न थध शके
ते जिसका प्रतिकार-प्रत्युपकार सरलता से न
होसके वह. That which cannot be
easily remedied or avenged
ठा० ३, १;

दुष्पाडिलेहग त्रि० (दुष्प्रतिलेख) ने दृष्टि
गोथर न थध शके तेनु; नेनुं पडिलेहणु न
थध शके तेनुं वह जा दिखाई न दे, अदृश्य,
जिसका पडिलेहण न हो सके. Invisible
whose " Padilehana " cannot
be done. दस० ५, १, २०; ६, ५६,

दुष्पाडिलेहणा. स्त्री० (दुष्प्रतिलेखन) अवि-
धिओ पडिलेहणु करवुं ते. अविधिसे पडिले-
हण करना. Making Padilehana
improperly. आवा० ४, ६;

दुष्पाडिलोहिय. त्रि० (दुष्प्रतिलेख्य) नेनुं
पडिलेहणु अरापर न थध शके ते. जिसका
' पडिलेहण ' (प्रतिलेख) बराबर न हो
सके वह. That whose Padileha-

na can not be properly made
पंचा० १, ३०;

दुष्प्रणिहाण. न० (दुष्प्रणिधान) हिंसा आदि
दुष्कृत्यमां प्रणिधान-चित्तनी ऐकाग्रता हिंसा
आदि दुष्कर्मों में प्रणिधान-चित्तकी एकाग्रता.
Concentration or evil deeds
such as injury etc पंचा० १, २६;
प्रव० २८४; १२२२; ठा० ३ १, भग० १८, ७,
दुष्प्रणीयतर त्रि० (दुष्प्रणीततर) युक्ति
हीन; अयुक्त. अयुक्त; युक्तिहीन, उपाय
रहित Illogical; irrational; with-
out means सूय० २, ७, ६,

दुष्प्रणोल्लिख्य त्रि० (दुष्प्रणोद्य-दु खन प्रणो-
द्यते प्रर्यते इति) दुःप्रेथीं मुश्केलीधी प्रेरणा
करवा योअ जिसे कठिनाई से प्रेरित किया
जा सके वह Difficult to urge. सूय०
१, ३, १, ६.

दुष्प्र.र. त्रि० (दुष्प्रतर) जे तरी न शक्य ते.
दुस्तर; जा पार न किया जासके वह Diffi-
cult to cross. 'अधंतमं दुष्प्रतर महंतं'
सूय० १, ५, १, ११;

दुष्प्रमज्जणा. स्त्री० (दु प्रमार्जना) दुष्ट रीते
अविधिमें प्रमार्जन करवु ते दुष्टरीति से
प्रमार्जन करने का काम Brushing
(sweeping) against the pre-
scribed rules. आवा० ४, ६;

दुष्प्रमाज्जिय त्रि० (दुष्प्रमार्जित) दुष्ट रीते
अविधिमें प्रमार्जन करेव. दुष्टरीति से अनु-
चित आवाधि म प्रमार्जन Improperly;
brushed प्रव० २८७, —चारी. त्रि०
(-चारिन्) अविधिमें दुष्ट रीते पुछने
यादनार; असमाधिना नीला स्थानको
सेवनार (साधु) आवाधि से प्रमार्जन कर
चलने वाला; असमाधि के तीसरे स्थानक का
सेवन करने वाला (one) who walks
without brushing the ground

in a proper way; one who in-
curs the third stage of Asa-
mādhī. सम० २०, दसा० १, ५, ६;

दुष्प्रयार. पुं० (दुष्प्रचार) चोरी विगेरे भाठो
आचार, अन्याय. चोरी आदि दुराचार;
अन्याय. Bad conduct like steal-
ing etc; evil deeds कप्प० ३, ३६;
दुष्प्ररक्त. त्रि० (दुष्प्राक्रान्त) जेना उपर
मुश्केलीधी पराक्रम थध शके तेवुं. वह जिसपर
कठिनाई से पराक्रम किया जा सके Diffi-
cult to be assaulted or over-
come. आया० १, ५, ४, १५६;

दुष्परिकम्मतर. न० (दुष्परिकर्मतर) लुओ
"दुपरिकम्मतरय" देखा "दुपरिकम्मतरय"
शब्द Vide "दुपरिकम्मतरय" भग०
६, १,

दुष्प्रवेश त्रि० (दुष्प्रवेश) जेभा धणी मुश्के-
लीओ प्रवेश थध शके तेवुं. जिसमें बंद
दु ख के साथ प्रवेश किया जासके ऐसा. Diffi-
cult to penetrate तदु० जं० १० ओव०

दुष्प्रसह. पुं० (दुष्प्रसह) जे नामना ओक
आचार्य के जे पांयभा आराने छेडे थवाना
छे. इस नामके एक आचार्य जो पाँचवें आरे
के अन्त में होने वाले हैं A preceptor
of this name who is to be born
at the end of the 5th Ārā (a
part of the cycle of time) प्रव०
७६५, —सूरि पुं० (-सूरि) दुष्प्रसह नामना
आचार्य. दुष्प्रसह नामक आचार्य a pre-
ceptor of this name प्रव० १४५१;

दुष्प्रस्स त्रि० (दुर्दर्श) मुश्केलीधी देभाय ते.
कठिनाई से दिखाई देने वाला. Difficult
to see. ठा० २, १,

दुष्प्रहंस. त्रि० (दुष्प्रहंस) कठिनताधी नाश
कराय ते जिसका नाश कठिनाई से हो
सके ऐसा. Difficult to destroy

नाया० १८; विवा० ३;

दुष्पहंसश्र-य. त्रि० (दुष्पहंसक) क्रापिथी न पकडी शक्य तेपुं. वह जो किसी से भी न पकड़ा जासके. That which cannot be caught by anyone उत्त० ६, २०; ११, २०; विवा० ३;

दुष्पिच्छ त्रि० (दुष्प्रेक्ष्य) कठिनाथी देखाय ते. जो कष्टपूर्वक देखा जा सके वह. Difficult to see. सु०च० २, ५३१; ६, ५६; दुष्पूरश्र. त्रि० (दुष्पूरक) जे कठिनाथी लरी शक्य ते वह जिसको पूर्ति कठिनाई से हो सके ऐसा Difficult to fill up. उत्त० ८, १६;

दुष्फास. पु० (दुःस्पर्श) अराय २५श. दुष्ट स्पर्श. Bad touch. भग० ७, ६;

दुष्फास. पु० (दुःस्पर्श) अराय २५श. दुष्ट स्पर्श बुरा स्पर्श. Bad touch. जं०प० २, ३६; भग० १, ७.

दुष्फासत्ता. स्त्री० (दुःस्पर्शता) अराय २५श. ५छुं. दुष्ट स्पर्शता, बुरी तरह से छूने का भाव The state of bad touch भग० ६, ३;

दुबद्ध. त्रि० (दुर्बद्ध) अराय रीते आधिष्ठ. बुरी तरह से बाँधा हुआ. Tied badly निसी० १३, ७;

दुबल. त्रि० (दुर्बल) अलहीन. बलहीन Feeble; weak. भग० १६, ४;

दुबुद्धि त्रि० (दुर्बुद्धि) जेनी बुद्धि अराय छेय ते. वह जिसकी बुद्धि खराब हो. Foolish; stupid, evil-minded. "एवं दुबुद्धि किञ्चाणं बुत्तोवत्तो पकुपइ" दस० ६, २, १६;

दुब्बल. त्रि० (दुर्बल) अलहीन बलहीन; निर्बल. Feeble, weak. भग० ७, ६; १, ३३; १६, ३; वेय० ३, १६; कप्प० ६, ६१; आवा० नाया० १; २; १३, जीवा० ३,

१; पि० नि० ८०; ३२७; उत्त० २७, ८; विवा० ७; सम० ६;

दुब्बलिय. त्रि० (दुर्बलक) सुक्षयेय; दुर्बल. सूखा हुआ; दुर्बल. Dried; weak; lean. अणुजो० १३०;

दुब्बलिय. न० (दुर्बल्य) दुर्बलता. अशक्तता; कमजोरी. Weakness; feebleness. आया० २, ३, २, १२१;

दुब्बलियत्त. न० (दुर्बलित्व) दुर्बलपणुं. दुर्बलता; कमजोरी Feebleness. भग० ५, ५; १०, २;

दुब्भगाकरा. स्त्री० (दुर्भगकरा) जेथी सांभागी भाग्यस दुर्भागी अने तेथी विद्या; ४० विद्याभांती ओक. जिसके कारण सांभाग्य शाली पुरुष अभाग्य बने ऐसी विद्या. ४० विद्याओं में से एक (विद्या) A lore by which a fortunate man becomes unfortunate; one of the 40 lores. सूय० २, २, २७;

दुब्भासिय. न० (दुर्भाषित) अराय वचन. खराब वचन; बुरे वचन. Bad words. पंचा० १२. १७;

दुष्मि त्रि० (दुर्गन्धि; दुर्गन्धि) दुर्गन्धी दुर्गन्धी. Foul-smelling. (२) अशुभ; अनिष्ट अशुभ; अनिष्ट. inauspicious; omenous पञ्च० १, निसी० २, ४३; जीवा० ३, १; आया० १, ६, २, ११८,

दुष्मिक्त्व न० (दुर्भिक्ष) जे देशमां भिक्षा न भवती छेय तेवो देश या काल. वह देश या काल जिसमें भिक्षा न मिलती हो. The place or time when alms cannot be got. भग० ३, ७; ५, ६; जीवा० ३, ३; ठा० ३, १; (२) भिक्षातो अभाव. भिक्षा का अभाव. absence of alms. जं०प० १, १०; ठा० ५, २; (३) दुर्भिक्ष. दुर्भिक्ष, अकाल. Famine. गच्छा० ६१;

प्रव० १६६; ४५०; सम० ३४; ओव० महा०
प० ३५; ओघ० नि० ६४६; —मत्त. न०
(-भक्त) दुःखालना वपतमां भूषे भरतीं
गरीभोते आपवानो भोराड. दुर्भिक्ष के
समय में भूखों मरते हुए गरीबों को दिया
जाने वाला भोजन. food distributed
to the famine-stricken. नाया० १;
निसी० ६, ६; भग० २, ६; ६, ३३; ओव० ४०;
दुग्धिगंध. पुं० (दुरभिगंधदुर्गंध) दुर्गंध.
दुर्गंध. Bad smell. (२) दुर्गंधवाधुं.
दुर्गंध वाला. ill-smelling. जं० प० ५,
११२; राय० २६; भग० ८, १; १४, ७;
१८, ६; २०, ५, ठा० १, १; सम० २२;
उत्त० ३६, १७,

दुग्धिगंधत्त. न० (दुरभिगंधत्व) दुर्गंधपण्य.
दुर्गंधता. Noisomeness भग० १७, २;
दुग्धिगंधत्ता. न० (दुरभिगंधत्व) दुर्गंध-
पण्य दुर्गंधता; वदवू. Noisome-
ness नाया० १२;

दुग्धिसद्व. पुं० (दुरभिगंधवद्) अशुभ शब्द.
अशुभ-बुरे शब्द. Bad evil word.
ठा० १, १; पञ्च० १३;

दुग्धिसद्वत्ता. स्त्री० (दुरभिगंधवद्ता) अशुभ
शब्द पण्य. अशुभ शब्दता; बुरे शब्दों का
भाव. The state or quality of
bad words. नाया० १२;

दुग्धूअ त्रि० (दुर्भूत) दुःसायारी; निन्द्य.
दुराचारी; निन्द्य Immoral; censur-
able उत्त० १७, १७; भग० ३, २;
जीवा० ३, ३;

दुग्धेभय. त्रि० (दुर्भेद) दुःपथी बेहवालायक.
कष्ट पूर्वक भेदने के योग्य; दुर्भेद. Diffi-
cult to pierce राय०

दुग्धग. न० (दुर्भग) नामकर्मनी ओक प्रकृति
के होने का उत्पत्ति श्रव दुर्भाग्यी होने के. नाम-
कर्म की एक प्रकृति जिसके उदय से जीव

अभागा बनता है. A variety of Nā-
ma Karma at whose maturity
a being becomes unfortunate.
क० गं० १, २७; क० प० ४, ३७; ८६; पञ्च०
२३; (२) त्रि० दुर्भाग्यी. अभागा. un-
fortunate. नाया० १६; परह० १, २;
२, ४; सम० २५;

दुग्धग. त्रि० (दुर्भाग्य) दुर्भाग्यी. अभागा.
Wretched. नाया० १६; —भाग. त्रि०
(-भाग) भीन्ने भाग; अधुं. दूसरा भाग;
आधा. the other part; half. ओव० १७;
—कद्विअ. त्रि० (—कथित) भे भागे उका-
लेखुं; सेरुं अधुंसेर रहे तेवी रीते उका-
लेख; भेगणीओ। २८. दोभागों में उवाला
हुआ; सेर का आधा सेर रह जाय इस भाति
उवाला हुआ. boiled to a half part
०. g. 1 seer may remain half
seer after boiling. क० गं० २, ६५;
—पत्त. त्रि० (—प्राप्त) भीन्ने भागने-
अर्धों आहार प्राप्त करना. दूसरे भाग के
आधे आहार को प्राप्त करने वाला. (one)
who receives half of the 2nd
part of food. भग० ७, १; वव० ८, १५;

दुग्ध. पुं० (दुग्ध) अष्टतरोववाध सूत्रना
भीन्ने पर्वना सातमा अध्ययननुं नाम.
अष्टतरोववाध सूत्र के दूसरे वर्ग के सातवें
अध्ययन - १ नाम. Name of the 2nd
section of Aṣṭatovavāi Sū-
tras. जं० प० २, २०; (२) श्रेष्ठिक
राजनी धारणी राजुनी पुत्र के ने महा-
वीर स्वामी पासे दीक्षाधर्ष १६ अंग लक्ष्मी
गुणरयण तप करी सोल वरसनी प्रनयना
पाथी विपुल पर्वत उपर १ भासने स थारे
करी अपराजित नामना अनुत्तर विमानमां
उत्पन्न थया; त्यांधी ओक अवतार करी भोक्ष
जशी. श्रेष्ठिक राजा की धारणी रानी के

पुत्र जिन्होंने महावीर स्वामी से दीक्षा लेकर ११ अंगों को पढा, गुणरयण तप किया, सोलह वर्ष की प्रव्रज्या पाल कर विपुल पर्वत पर एक मासका संथारा किया और अपराजित नामके अनुत्तर विमान में उत्पन्न हुए और वहा से एक अवतार के बाद मोक्ष को प्राप्त होंगे. The son of the queen Dhārini wife of the king Śrenika, who being consecrated by Mahāvira Svāmī studied the 11 Aṅgas, practised Gunarayana penance, remained an ascetic for 16 years, fasted for a month on the Vipula mountain was born in Anuttara celestial abode named Aparājita and after one incarnation will attain salvation अणुत्त० २, ७, (२) वृक्ष; आदृ a tree नाया० १; ६; जीवा० ३, ३, ठा० ४, ४, विशेष० १३०, ७; १७२४, उत्त० ५०, १; ३२, १०; दस० १, २; ६, २, १, भग० २, ५; (३) यमरेन्द्रना पायदल लक्ष्मरेतो अधिपति. चमरेन्द्र की पैदल सेना का अधिपति. the commander of the infantry of Chamarendia. ठा० ५, १; (४) द्रुम नामनु आहमा देवलोकनु ओक विमान, ओनी स्थिति अहार सागरोपमनी छे ओ देवता नव भङ्गिने श्वासोश्वास ले छे, अने ओने अहार छजनर वर्ष क्षुधा लागे छे आठवें देवलोक का द्रुम नामक एक विमान, इसकी स्थिति १८ सागरोपम की है ये देवता नौ महिने में श्वासोश्वास लेते हैं और इन्हें १८ हजार वर्षों में जुवा लगती है. a celestial abode named Druma of the 8th Devaloka,

its gods live for eighteen Sāgaropamas. They breathe once in nine months and are hungry after 18000 years. सम० १८; —राय. पुं० (-राज) प्रधान वृक्ष. प्रधान वृक्ष. a chief tree ठा० ४, ४;

द्रुमण. न० (दुर्मनस्) दुष्ट मन. दुष्ट मन, बिगड़ा दिल. An evil mind. नाया० १; परह० १, ३;

द्रुमण. न० (*) धातु करतुं ते. सफेद बनाने का कार्य. Whitening. परह० २, ३;

द्रुमपुष्पिका. स्त्री० (द्रुमपुष्पिका) दशवै-
कालिक सूत्रना प्रथम अध्ययननु नाम दशवै-
कालिक सूत्र के प्रथम अध्ययन का नाम
Name of the 1st chapter of
the Daśavaikāhika Sūtra. ओघ०
नि० ६५०;

द्रुमसेण. पुं० (द्रुमसेन) अणुत्तरोववाह भूत-
ना भीम वर्गना आहमा अध्ययननु नाम.
अणुत्तरोववाह सूत्र के दूसरे वर्ग के आठवें
अध्ययन का नाम. Name of the 8th
chapter of the Anuttarovavāi Sūtra.
अणुत्त० २, ८, (२) श्रेष्ठिक राजनी
धारणी राणीना पुत्र, के जे महावीर स्वामी
सभीपे दीक्षा लध, ११ अंग लक्ष्मी गुणरयण
तप करी, सोलह वरस प्रव्रज्या पाक्षी, विपुल
पर्वत पर ओक मासना संथारो करी,
अपराजित नामना अनुत्तर विमानमां
उत्पन्न थया; त्याथी ओक अवतार करी
भोक्ष जशे श्रेष्ठिक राजा की धारणा रानी के
पुत्र, जिन्होंने महावीर स्वामी से दीक्षा लेकर
११ अंगों का अध्ययन कर, गुणरयण तप कर
सोलह वर्षों तक प्रव्रज्या पालकर विपुल पर्वत
पर एक मास का संथारा कर, अपराजित

नाम के अनुत्तर विमान में उत्पन्न हुए और वहां से एक अवतार लेकर मोक्ष को प्राप्त होंगे. the son of the queen Dhārini wife of the king Śreṇika, who being consecrated by Mahāvīra Svāmī studied the 11 Aṅgas, practised Gunara-yana penance, remained an ascetic for 16 years, fasted for a month on the Vipula mountain, was born in Anuttara celestial abode named Aparājita and after one incarnation will attain salvation. अणुत्त० २, ८, (३) नवमां अन्नदेव वासुदेवना पूर्वत्वना धर्माचार्य, नवमें बलदेव वासुदेव के पूर्व भव के धर्माचार्य the religious preceptor of the ninth Baladeva Vāsudeva in his past birth. सम० प० २३६;

*दुमिय. त्रि० (*) धोलु करेन. मफंद किया हुआ. Whitened सु० प० २०; दुमुह पु० (दुर्मुख) ओ नामना ओक यादव कुमार. A Yādava Kumāra of this name. परह० १, ४; नाया० १६;

दुम्मह श्री० (दुर्मति) दुर्मति. दुर्मति; खराब बुद्धि वाला. Foolish, dull, evil-minded. दस० ५, २, ३६; (२) त्रि० दुष्ट बुद्धिवाला. खराब बुद्धि वाला. evil-intellected. सूय० १, १, २, २१,

दुम्मण त्रि० (दुर्मनस्) दुष्ट वियोगादिही जेनुं मन भिन थयेनुं होय ते इष्ट वियोगादि से जिसका मन खिन्न होगया हो. (One) dejected on account of separation from a desired object

ठा० ३, २; पि० नि० ४४६; दसा० ६, ४; दुम्मणिय न० (दुर्मनस्य) दुष्ट मनोभाव. दुष्टमनोभाव, खराब विचार Evil idea. दस० ६, ३, ८;

दुम्मारि. पुं० (दुर्मारि) दुष्ट भारी-भरकी. दुष्टमारी. An epidemic. प्रब० ४५०,

दुम्मुह पुं० (दुर्मुख) अतगड सूत्रना त्रीन्म वर्गना दशमा अध्ययननुं नाम. अंतगड सूत्र के तीसरे वर्ग के दशवें अध्ययन का नाम Name of the 10th chapter of the 3rd section of Antagaḍa Sūtra अंत० ३, १०; (२) द्वारकाना अक्षदेव राजनी धारणी राणीना पुत्र के जे नेमनाथ प्रभुना, पासे दीक्षा लध थाद पूर्वना अभ्यासकरी; बीस परसनी प्रवज्या पाव्री ओक मासना संथारे करी शत्रुजय पर निर्वाण पद पाव्या. द्वारिका के बलदेव राजा की रानी वारणी क पुत्र जिन्होंने नेमीनाथ प्रभु से दीक्षा ग्रहणकर चौदह पूर्व का अध्ययन कर बारह वर्षों का प्रवज्या पालकर, एक मास का सधारा कर शत्रुजय पर निर्वाण पद प्राप्त किया. the son of the queen Dhārini wife of the king Baladeva of Dvārīka, who studying the 14 Pūrvas, remaining an ascetic for 12 years and fasting for a month on Śatruñjaya attained salvation अंत० ३, १०, (३) दुर्मुख नामना प्रत्येक बुद्ध के जेने इन्द्रस्तम्भनी पलटाती अवस्था उपरथी पैराज्य उत्पन्न थयो हुते. दुर्मुख नामके प्रत्येक बुद्ध जिन्हे इन्द्रस्तम्भ की बदलती हुई अवस्था के कारण वैराग्य उत्पन्न हुआ था. Prateyaka Buddha (who attained salvation through the

knowledge of his own intuition) named Durmukha who was led to renouncement at seeing the changing condition of Indrastambha. उक्त० १८, ४५;
दुम्मेह. त्रि० (दुर्मेधम्) दुर्बुद्धि वाला. Foolish; dull; blockhead.

उक्त० १३, ७; विशेष० ५५१;

दुय-अ. त्रि० (द्विक) भे. दो. Two. जं० १०, ५, १२१; मग० ८, १; २०, ५; २१, ५;

दुय. न० (द्रुत) अतीश प्रक्षरना नाट्यभांवा २२ भां प्रक्षरना नाट्यनुं नाम; जेभां द्रुत-उतावणे उतावणे नायवाभां आवे ते नाट्य. वर्तमान प्रकार के नाटकों में से बाइसवां नाटक जिसमें द्रुतगति से नाचा जाय. The 22nd drama of the 32 kinds in which quick dance is shown. राय० १४;
(२) उतावणुं गावुं ते, जल्दी २ गाना. singing by quick. (३) गावनने ओश दोष; आ दोषने शक्तिपण्डु श्लेष्टे. गायनका एक दोष जिसे शक्तिपण्डु कहते हैं. a fault in singing called Sankita or shyness. अणुजो० १२८;

दुय-य. अ० (द्रुतम्) अक्षदी, उतावणुथी. जल्दी से; शीघ्रता से. quickly; speedily. विशेष० २०४८; पि० नि० २०८; ओघ० नि० भा० २८७६;

दुयअ. त्रि० (द्विक) भे. दो. Two. " एवं दुयओ मेओ " मग० ८, १;

दुयग. त्रि० (द्विक) भे. दो. Two. मग० १२, १०; २०, ५;

दुर्याचलंघिय-त. पुं० न० (दुर्याचलम्बित) अतीश नाट्यभांनुं अतीशभुं नाट्य; जेभां उतावणेअने धीमे अन्ते प्रक्षर नाय-नृत्य-क्षरवाभां आवेते नाट्य. वर्तमान नाटकों में से चाँचीसवां नाटक कि जिसमें बीस २ और

जल्दी २ दोनों प्रकार का नृत्य किया जाता हो. The 24th of the 32 dramas in which both slow and quick dances are shown राय० १४; ६३;

दुयावत्त. न० (द्विकावत्त) विच्छेद गयेअ आरभा द्रष्टिवाद अंगना बीनविभाग अन्नो सतरभो भेद. विच्छेद गयेहुण १२ वें द्रष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग सूत्र का सत्रहवां भेद. the 17th variety of the 2nd Vibhāga Sūtra of the lost 12th Dṛiṣṭi Vāda Aṅga. नंदी० ५६;

दुयाह. न० (द्विकाह) भे द्विपथ. दो दिन Two days. मग० ६, ५; १२, ७; दसा० ६, २;

दुरंत. त्रि० (दुरन्त-दुष्टान्तो विनाशो यस्य) नक्षरा परिश्रामवायुं. दुष्परिणाम वाला. Evil ending. उक्त० १०, ६; मग० ३, २; नाया० १६; पगह० १, २; उवा० २, ६५; अत्त० १५;

दुरक्ख. त्रि० (दूरक्ख) भुक्खेअथी अयावी शक्षाय तेवुं. दुरक्षय; जिमकी रक्षा कष्ट से हो सके वह. Difficult to protect. सु० च० ६, १०७;

दुरणुचर. त्रि० (दुरणुचर) दुःभे आयरणु अरीशक्षाय तेवुं; भुक्खेअथी अयुं. दुःख पूर्वक आचरण किया जाने वाला; कठिनाता पूर्ण. Difficult to do; difficult. पंचा० १०, ४६; आया० १, ४, ४, १३७; डा० ५, १; मग० १, ३३; नाया० १;

दुरणुणोय. त्रि० (दुरणुणेय) भा० २२५५५ वाला. दुष्ट प्रकृति वाला. Bad-natured. दसा० ६, ४;

दुरणुपाल. त्रि० (दुरणुपाल) दुःभेथी पाक्षी शक्षाय तेवुं. कष्ट पूर्वक पालनाय. Difficult to practise. पंचा० १७, ४२; उक्त० २३, २७;

दुरतिक्रमणिज्ज. त्रि० (दुरतिक्रमणीय)

दुःखे उद्वेगधनं यथं शक्ते तेषु दुर्लभ्यः; जिसे कठिनाई से पार किया जा सके. Difficult to cross. नाया० ५;

दुराप. त्रि० (दुरात्मन्) दुष्टात्मा; भराप स्वभाववाला. दुष्टात्मा; खराब स्वभाव वाला. A wicked, bad-natured fellow. ओष० नि० भा० २७;

दुरीभगंध त्रि० (दुरीभगन्ध) दुर्गंधी, नपणी वासवालुं. दुर्गन्धी; बुरी बासवाला foul-smelling (२) पु० दुर्गंध; भराप गंध दुर्गन्ध; खराब बास, foul-smell. भग० १, १; आया० १, ५, ६, १७०; नाया० ६, १२;

दुरवगाह त्रि० (दुरवगाह) दुःखे प्रवेशकरी शक्य तेषु कठिनाई से प्रवेश करने जैसा; वह जिममें कष्ट पूर्वक प्रवेश किया जा सके. Difficult to enter सम० १०;

दुरस त्रि० (दुरस-दुष्टे रसो यस्य) भराप रसवालुं, रसहीन खराब रस वाला; रस हीन; नीरस. Having bad juice; juiceless, dry. भग० १, ७; ७, ६;

दुरसता स्त्री० (दूरसता) भराप रसपण्य विरसता; कद्रमता. Tastelessness; insipidity. भग० ६, ३; नाया० १२.

दुरहि. पु० (दुरभि) दुरभिगंध नामकर्म के जेना उद्वेगधी श्रुत दुर्गंध पाये दुरभिगंध नामकर्म जिसके उदय से जीव दुर्गंध पावे A Nāma Karma named Dura bhigandha at whose appearance a life becomes foul smelling. क० ग० १, ४१;

दुरहिगम. त्रि० (दुरधिगम दुःदुखेन अधिगमः प्राप्त र्यश्नासी) दुर्बोध, भुशुकेलीधी समग्र्य तेषु. कठिनाई से समझा जान वाला. Difficult to understand. सम० १०; क०

ग० ६, ६१;

दुरहिद्विय. त्रि० (दुरधिष्ठित) भुशुकेलीधी सिद्ध यथं शक्ते तेषु, दुसाध्य, कठिनाई से सिद्ध हो सकने वाला-दुःसाध्य; दुराराध्य. Difficult to accomplish. दस० ६, ४;

दुरहियास. त्रि० (दुरधिसह्य) दुःखेकरी सहन थाय तेषु. दुःख से सहा जाने वाला. Borne with pain. उवा० २, १००; दसा० ६, १; राय० २८३; भग० ५, ६; ६, ३३; १५, १; सूय० २, २, ६७; नाया० १; ५; १६; जीवा० ३, १;

दुरहिवासय. त्रि० (दुरधिसह्य) ज्युआ "दुरहियास" शब्द. देखो "दुरहियास" शब्द. Vide "दुरहियास" सूय० १, ३, १, १७,

दुराराह. त्रि० (दुराराध्य) दुःखेकरी आराधी शक्य तेषु दुराध्य; कठिनाई से जिसकी आराधना की जा सके. Difficult to worship. कप्प० २, १३२;

दुरालोह्य त्रि० (दुरालोचित) भेदकरीधी ज्येथेयु असवधानी ने देखा हुआ Seen inadvertently. ओष० नि० भा० २७४,

दुरासय. पु० (दुराश्रय) कौधना लीधे ज्येना भुशुकेलीधी आश्रय यथं शक्ते ते, आत प्रयत्न प्रकृति वाला. जिसका आश्रय क्रोध के कारण कठिनाई से लिया जा सके वह; अति उग्र स्वभाव वाला (One) whose shelter can be taken with difficulty for his anger, a very hot-tempered person. उत्त० १, १३; दस० ६, ३३; पण्ड० १, ३;

दुरासय-अ. त्रि० (दुराशय) उँडा आशय-वाला; ज्येना सामान्य बुद्धि थी था (५१२) लथं शक्य नहीं ते. गंभीर आशय वाला; जिसकी चाह सामान्य बुद्धि द्वारा न ली जा सके (One) of a high motive; who

cannot be gauged by mens of ordinary intelligence. उक्त० ११, ३१;
 (२) अत्यन्त दुःअथी पापु सदन न थाप
 तेषु अत्यन्त कष्ट से भी न महा जाने वाला.
 that which cannot be endured
 even with great pain. दग० २, ६;
 दुरिय. न० (दूरित) पाप. पाप. Sin. प्रव०
 ३११, —दरी. श्री० (-दरी) दुरित-पाप-
 रूप युक्त. दुरित-पाप रूप गुफा. a cave
 in the form of sins. भक्त० १२३;
 दुरियारि. श्री० (दुरितारि) सत्त्वनाथश्रीनी
 देवीनु नाम. संभवनाथजी की देवी का नाम.
 Name of the wife of Sambha-
 vanāthji प्रव० ३७७;
 दुरुक्त. न० (*दुरुक्त) थोड़ा, थोड़ा पीसेलुं;
 थुलुं. कुछ कुछ पीसा हुआ; थूली. Ground
 a little; whole-wheat. आया० २,
 १, ८, ४५;
 दुरुक्त त्रि० (द्विरुक्त) ये येअन उन्त्यार करेलुं;
 पुनरुक्त दो बार बोला हुआ; पु रक्त,
 Repeated twice पि०/नि० १३३;
 दुरुत्तर. त्रि० (दुरुत्तर=दुस्तर) दुःअेदरी
 तरीशकाल तेषुं; दुस्तर; दुर्लभ्य कठिनाई
 से पार किया जाने वाला, दुस्तर; दुर्लभ्य
 Difficult to cross or swim.
 नाया० १; दस० ६, ६६; ६, २, २४, उक्त०
 ५, १; सूय० १, ३, २, १;
 दुरुद्धर नि० (दुरुद्धर) दुःअे नीकले तेवे।
 दु.स से निकलने वाला. Difficult to
 take out सूय० १, २, २, ११;
 दुरुस्सास. पुं० (दुरुच्छवास) दुष्ट विश्वास;
 दुर्विचार. दुष्ट उश्वास; दुर्विचार. Foul
 breath; bad thought. नाया० १;
 दुरूढ. त्रि० (आरूढ) आरूढ थपेले, थपेले।
 आरूढ; चढा हुआ. Mounted; riding.
 श्राव० ३१, भग० ७, ६, ६, ३३; १२, २;

१५, १; १६, ६; नाया० १; ३, ५, ८, ६; १६;
 पि० नि० ५८४; राय० ३८;
 दुरूय. न० (दूरूप) भेडाल रूप वेडोल या भद्दा
 रूप. Ugly form. नाया० १, ८;
 दुरूव. न० (दूरूप) अशान रूप; भेडाल.
 कुत्तितरूप; वेडौलपन. Ugliness; de-
 formity. भग० १, ७; ७, ६; दसा० १०,
 ७; टा० १, १; नाया० १२;
 दुरूव. त्रि० (द्विरूप) अे रूप, अेनी संख्या.
 दोरूप; दो की संख्या. Biform; the
 number 2. जं० प० २, ३६; अणुजो०
 ६७, विशेष० १६२;—अद्विय. त्रि० (-अधिक)
 अे अधिक. दो और, दो अधिक two
 more. भग० १३, ४;
 दुरूवत्ता. श्री० (दूरूपता) भेडाल पणुं.
 भद्दापन; कुरूपता. Akwardness; ugliness.
 नाया० १२; मग० ६, ३, ७, १०;
 दुरूवसंभव. त्रि० (दूरूपसंभव) दुरूप-
 प-अेन्द्रियना भल भूनाए तेने पिपे उत्पन्न
 थता श्रव. दुरूप-पंचेन्द्रिय के मलमूत्रादि से
 उत्पन्न होने वाले जीव Living beings
 born from the excretions of
 a five-sensed living being. सूय०
 २, ३, २८;
 ✓दुरूह. धा० I, II. (दूर् + रूह) उपर
 थपेणुं; स्वार थपुं. ऊपर चढ़ना, सवार होना.
 To ascend; to mount;
 दुरूह जं० प० ५, ११७, भग० ७, ६;
 १६, ६; नाया० १; १४; १६; १६;
 जं० प० निसी० १२, १३, १८, १;
 विवा० ३; राय० ६७; उवा० १, ६१;
 दुरूहांति. नाया० १, ३; ५; ८; १६; श्राव०
 ३३; जं० प० ५, ११२;
 दुरूहामि. उवा० २, १०८;
 दुरूहह. आ० भग० १८, २;
 दुरूहह. आ० भग० १५, १;

दुरुहिता. सं० कृ० पञ्च० १७; भग० २, १;
नाया० १, १२; १६, ज० प० ५,
११७, ११२;

दुरुहिहेता भग० ७, ६; ६, ३३; १२, १;
१५, १; १८, २; नाया० १, १४;

दुरुहमात्र व० कृ० दम० ५, १, ६८, भग० १६, ६;

दुरुहिया. सूय० १, १, २, ३१,

दुरोवणीञ्च त्रि० (दुरुपनीत) दुष्ट रीति
असंगत पक्षे उपनय भेदपक्षे ते, साध्यने
अनुपयोगी उदाहरण व्याप्यु ते. दुष्ट रीति
से उपनय मिलाने का कार्य, साध्य को अनु-
पयोगी उदाहरण देने का कार्य. Obtain-
ing application to the special
case of an inference in a falli-
cious way. अ० ४, ३,

दुल्लभ त्रि० (दुर्लभ) दुर्लभ. दुर्लभ Diffi-
cult to be attained. भग० ७१,
प्रव० ८१३;

दुल्लघ त्रि० (दुर्लघ) दु० भे० द्विरी उल्लघाय
अपुं दुर्लघर्नाय. Difficult to trans-
gress. सु० च० १५, १६०;

दुल्लभ. त्रि० (दुर्लभ) दुर्लभ-दुःभे भणे तेवु
कठिनाई से प्राप्त होने वाला, दुर्लभ. Hard
to get; inaccessible उक्त० ८, १५,
पि० नि० ३२२; —बोहि. त्रि० (-बोधि)
भुयो " दुल्लभबोहिञ्च " शब्द देखो
" दुल्लभबोहिञ्च " शब्द vide " दुल्लभ-
बोहिञ्च " भग० ३, १; —बोहिञ्च-य
त्रि० (-बोधिक) भुक्तेलीथी बोधि पामे
तेवे. कठिनाई से समझने वाला. (one)
who understands with diffi-
culty, dull दसा० १०, ३; राय० ७६;

दुल्लभय. त्रि० (दुर्लभक) दुर्लभ; भुक्तेल,
दुर्लभ. दुर्लभ-दुष्प्राप्य. Inaccessible;
difficult to get. उक्त० १०, २०,

दुल्लह त्रि० (दुर्लभ) भुयो " दुल्लभ " शब्द देखो
Vol III/26

" दुल्लभ " शब्द. Vide " दुल्लभ " जं०
प० ३, ५६; आया० २, ५, ३, १५४; उक्त०
३, १; १०, ४, भग० ७, १; ६, ३३, नाया०
१; २; पि० नि० ३६६, सु० च० १, ११६;
सू० प० २०; दम० ४, २६; ५, १, १००,
भक्त० ३; गच्छा० ६२, पंचा० ६, ४४;
१५, ३८;

दुवण्ण. पु० (दुर्वण्ण) अरावण. कुवण्ण;
खराब रंग Bad colour. भग० ७, ६;
ज० प० २, ३६;

दुवण्णता स्त्री० (दुर्वण्णता) दुष्टवर्ण (रंग)
पक्षुं कुरूपता, बदसूरती. Ugliness;
the quality of having bad
colour. भग० ६, ३;

द्रुपद पु० (द्रुपद) द्रुपद नामने। पायाल
देशने राजा द्रुपद नामक पांचाल देश का
राजा. The king of the Pāñchāla
country named Drupada नाया०
१६;

द्रुवामतर त्रि० (दुर्वाभ्यतर) अति भुक्ते-
लीथी वमवा-तन्वा योग्य कठिनाई से
त्याज्य Difficult to be aban-
doned. भग० ६, १,

दुवार. न० (द्वार) द्वार-द्वार, द्वारान्न.
द्वार; फाटक; दरवाजा. A door, a
gate भग० २, ५; ३, १; नाया० १; ५;
८; १६, १८; वेय० १, १०; १४; विवा०
३; ७, ६, जं० प० राय० ५८, प्रव० ६३८;
६७६; ८७६; कण्ठ० ४, ६७, ५, ६६,
—वयण. न० (-वदन) द्वारान्नना उभा३.
दरवाजे के फाटक panel of a door.
भग० १३, ४; १५, १.

दुवारा स्त्री० (द्वारा) द्वार; नानी पारी
द्वारा. छोटी खिडकी. A door; a
small window. भग० १३, ४;

दुवारिय. पु० (दौवारिक) द्वारपाल; द्वारान

द्वारपाल; दरवान; द्योदोवान्. A door-keeper.; a warder. निमी० १, ६; —भक्त न० (-भक्त) द्वारपालने भारेयुं ओल्लन. द्वारपाल का भोजन. the food for a door-keeper. निमी० ६, ६; दुवारिया खं० (द्वारिका) नानी पारी. छोटी निटकी. A small window. नाया० २, १, २, १३;

दुवालस त्रि० (द्वादश) पार; दश अने जे. बारह; दश और दश; १२. Twelve. ज० प० १, १२०, ५, ११६; अष्टांगो० ४२; १३४; भग० २, १; ३, २; ५, १; ६, ८; ८, १; ५; ११, ११; १८, २; १०; २५, ७; नाया० १; ४; ५; १६; नंदी० ४०; प० १; वच० ८, १४; सू० प० १; उवा० १, १२; प्रव० ३१; —अंग. न० (-अङ्ग) आचारंग आदि पारअंग सूत्रो आचारंग आदि बारह अंग. the 12 Āṅga Sūtras viz. Āchārāṅga etc. मम० १; भग० १६, ६; २०, ८; २५, ३; ४२, १; कण० ८; —अंगि. जी० (-अङ्गिन्) आचारंग सूत्रांग (सूत्र कृतांग) वगेरे पारअंग सूत्रो (शास्त्र) ना धरनारा; अंग शास्त्रवेत्ता. आचारंग, सूत्रकृतांग आदि बारह अंगसूत्रों को धारण करने वाला; अंगशास्त्र वेत्ता. (one) well versed in the Āṅga scriptures; (one) who bears upon himself the 12 Āṅga Sūtras viz. Āchārāṅga, Sūtra-kṛitāṅga etc. ओव० १६; चउ० ३३; —अंसिअ. त्रि० (-अंसिक) पार पुष्पा-याजुं. बारह कोने वाला. dodecagon. ठा० ८, १; —आवत्त. पुं० (-आवर्त) धृष्टाभि भमासुताली वन्दनामां पार आवर्तन आपना ते. इच्छामि खमासणा को वन्दना में बारह आवर्तों का देना.

offering 12 rounds in the salu-
tation of Ichchhāmi etc. मम० १२; —मुहूर्त. न० (-मुहूर्त) पार मुहूर्त. बारह मुहूर्त. twelve Muhūrtas (one Muhūrta=48 minutes). जं० प० ७, १३४; —यास. न० (-वर्ष) पार वर्ष. बारह वर्ष. twelve years. नाया० १२;

दुवालसम त्रि० (द्वादशम) पारभो. बारहवां. Twelfth. ठा० ६, १; नाया० ६; (२) न० पांच उपवास भेग ३२वां ते. पांच उप-वास एक साथ करना observing five fasts together. मम० २५, ७; नाया० ८;

दुवालसविह. त्रि० (द्वादशविध) पार प्रका-
रजुं. बारह तरहका. Of twelve kinds. मम० १२; विवा० १; निर० ३, ३; नाया० १२; प्रव० ४६६;

दुवालसद्वा. अ० (द्वादशधा.) पार प्रका-
र. बारह प्रकारसे. In twelve ways. सु० च० १५, ७०;

दुवासपरियाय. पुं० (द्विवर्षपर्याय) जे
वर्षनो पर्याय. दो वर्ष की पर्याय. A
modification of two years. नाया० ८;

दुविचिन्तिअ त्रि० (दुर्विचिन्तित) दुष्ट
चिंतयना करेक. दुष्ट चिंतन किया हुआ.
(One) having thought evil. आव० १, ४;

दुविष्ट. पुं० (द्विपृष्ट) द्विपृष्ट-आवती योवी-
सीना भरत क्षेत्रना आइमां वासुदेव. आगामी
चौबीसी के भरत क्षेत्र के आठवें वासुदेव.
The 8th Vāsudeva of Bharata
of the coming cycle. मम० प० २४२; प्रव० १२२६; (२) आलु योवी-
सीना भीम वासुदेवुं नाम. प्रचलित चौबी-

सीकें दूसरें वासुदेव का नाम. the 2nd Vāsudeva of the present eyele
दुविध. त्रि० (द्विविध) भे प्रकाशनुं. दो प्रकार का. Of two kinds. सम० २;

दुविह त्रि० (द्विविध) भे प्रकाशनुं. दो तरह का. Of two kinds. भग० १, १; २; १, १; ५, ३; ७, ७, १६, ६; १८, १०; पि० नि० भा० १६, अणुजो० ठा० २, १; नाया० ५; उवा० १, ५१; क० गं० १, १३, १७, ५७, कप्प० ५, १४५; पंचा० १, १३, ६, ३६, १६, ८; क० प० २, ३५; भक्त० १०; जं० प० ५, ११४, ७, १५२, १३२; —पगइ. त्रि० (-प्रकृति) भे प्रकाशनी प्रकृति. दो तरह की प्रकृति. two kinds of nature of matter क० प० १, १०१; —प्रमाण न० (-प्रमाण) भे प्रकाशनी प्रमाण. दो तरह के प्रमाण authorities or measures of two kinds क० प० २, ४७;

दुवीस बी० (द्वाविंशति) आधीस बाईस-२२. twenty two. क० गं० १, ३२; २, ११; —सय. न० (-शत) ओकसो ने आधीस. १२२; एकसौ बाईस. one hundred and twenty two. क० गं० २, १३; २६;

दुव्वस. त्रि० (दुर्वृत) नकारां आचरण कर-नार; माहा नत आचरणार. बुरे आचरण वाला, बुरे व्रत करने वाला Immoral; (one) undergoing evil practices उवा० १०, २७७, ठा० ४, ३, दसा० ६, ४;

दुव्वस. त्रि० (दुर्वर्ण) भराय देखाववाणुं. बुरी आकृति वाला Bad-coloured; ugly. पि० नि० ३२७; ४१६; भग० १, ७;

दुव्वयण. न० (दुर्वचन) भराय वचन. दुष्ट शब्द, बुरा बोल. Bad words; slander, abuse. विशेष० ५२०;

दुव्वसु. त्रि० (दुर्वसु) वसु-लभ्य-भोक्ष-न्याने योग्य-दु-यु०-वसु-अर्थात् अलभ्य. अभव्य. Not fit for attaining salvation. आया० १, २, ६, १४०;

दुव्वह. त्रि० (दुर्वह) दुःप्रेथी वहन करवा योग्य कष्ट सह्य; कठिनाई से सहा जाने वाला. Difficult to be borne or carried. उक्त० १६, ३५;

दुव्वा बी० (दुर्वा) घ्रा; वनस्पति विशेष. दुर्वा, युब, वनस्पति विशेष. Green grass, a kind of vegetation. विशेष० १७७४,

दुव्वाइ. त्रि० (दुर्वादिन्) भराय भालनार; अप्रिय-वक्ता. सराब बोलने वाला; अप्रिय वक्ता. A Slanderer दसा० ६, २, ३; दुव्विभावत्त न० (दुर्विभावित्व) दुर्लक्ष्यपणुं दुर्लक्ष्यता; असावधानी. Carelessness. विशेष० २६६,

दुव्वियड. त्रि० (दुर्विवृत) वस्त्रविनाश; नभे वस्त्र विहिन; नम्र. Nude; naked, ठा० ५, २;

दुव्वियड. त्रि० (दुर्विदग्ध) दाभारी गो; अर्ध० दग्ध. बुरी तरह से विदग्ध; अर्धदग्ध. Badly burnt; half burnt. नंदी० स्थ० ४५; परइ० १, ३;

दुव्विसह. त्रि० (दुर्विषह) मुश्किलीथी सहन करवुं ते. कठिनाई से सहन करना. Bearing with difficulty. भग० ७, ६; जं० प० २, ३६;

दुव्विसोज्झ त्रि० (दुर्विशोध्य) दुःप्रे शुद्धि करी शक्य तेवुं. जिसकी शुद्धि कठिनाई से हो सके वह. Difficult to be purified. पंचा० १७, ४२;

दुव्वुडि. बी० (दुर्वृष्टि) भराय. वृष्टी, भावु. खराब घाटे, भावठा untimely rain. भग० ३, ७;

दुसंचार. त्रि० (दुःसंचार) भुशकेलीथी थाली
शकाय तेवुं. कठिनाई सें चलने योग्य.
Difficult to walk; untractable
दसा० १०, २;

दुसरणण्य. त्रि० (दुसंज्ञाण्य) दुःप्पे करी
समभवया योग्य. मुश्किल से समझाया
जने वाला Difficult to be ex-
plained. डा० ३, ४; वेय० ४, ७;

दुसम. पुं० (दुप्पम) अवसर्पिणी कालने
पांचमे आरे अने उत्सर्पिणी कालने
पीन्ने आरे. अवसर्पिणी काल का पाचवा
और उत्सर्पिणी का दूसरा आरा. The
fifth Ārā (part of cycle of
time) of the decreasing and
second of the increasing aeon
भग० ६, ७; प्रव० ४०६, १०४८;

दुसमदुसमा वी० (दुप्पमदुप्पमा) अवस
र्पिणीने छठे आरे अने उत्सर्पिणी कालने
पहिले आरे. अवसर्पिणी का छठा आरा
और उत्सर्पिणी काल का पहिला आरा.
The first Ārā of the increas-
ing and the sixth of the de-
creasing aeon डा० १, १, भग० ६, ७;

दुसमदुसमाअ. त्रि० (दुप्पमदुप्पमाज)
अकाल दुःखमा दुःख छे जेमां येवा छठ
आराभां न-भेल. जिसमें एकान्त दुःख है ऐसे
छठे आरे में उत्पन्न. Born in the sixth
Ārā which is totally full of
pain अणुजो० १३१,

दुसमय-अ. पुं० (द्विसमय) ये समय.
दो समय. Two samayas (an
indivisible measure of time)
पञ्च० १, —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) जेने
सिद्ध थये ये समय थया होय ते जिसे
मिद्ध होने को दो समय हुए हैं वह. (one)
for whom two Samayas have

elapsed to become a Siddha
पञ्च० १;

दुसमसुसमा. वी० (दुप्पमसुपमा) येथा
आरातुं नाम जेमां दुःख धातुं अने सुख
धातुं होय ओवे दान. चोथे आरे का नाम,
जिस काल में दुःख बहुत और सुख थोडा
हो Name of the fourth Ārā
where happiness is little while
pain is great भग० ६, ७; कप्प० १, २;

दुसमाअ. त्रि० (दुप्पमज) जेमां ओकडु
दुःख छे येवा पायमां आराभां न-भेल.
जिसमें केवल दुःख ही है ऐसे पांचवें आरे में
उत्पन्न. (One) born in the fifth
Ārā wherein there is merely
pain अणुजो० १३१;

दुस्संवोह त्रि० (दुःसंवोध) दुःपे करी थोधा
पमाडी शकाय तेवे. कष्ट से अनुभव
कराया जा सके ऐसा (One)
difficult to be advised. आचा० १,
१, २, १४;

दुस्समस्सदुमाकाल पु० (दुप्पमदुप्पमाकाल)
अवसर्पिणीने छठे आरे अने उत्स-
र्पिणीने पहिले आरे. अवसर्पिणी का
छठा और उत्सर्पिणी का पहिला आरा
The first Ārā of the increas-
ing and the sixth of the de-
creasing aeon. भग० २५, ६;

दुस्समसुस्समाकाल. पुं० (दुप्पमसुपमाकाल)
अवसर्पिणी कालने येथे आरे अने
उत्सर्पिणी कालने तीन्ने आरे. अवसर्पिणी
काल का चौथा और उत्सर्पिणी काल का
तीसरा आरा The third Ārā (part
of a cycle of time) of the in-
creasing and the fourth of the
decreasing aeon. भग० २५, ६;

दुस्तमाओदेसय पुं० (दुप्पमाओदेसक)

भगवती सूत्रना ओक उद्देशानुं नाम. भगवती सूत्र के एक उद्देश का नाम. Name of a chapter of the Bhagavati Sūtra. भग० ८, ६;

दुस्समाकाल. पुं० (दुष्पमाकाल) अवसर्पिणी काधना पांचमा आरानु अने उत्सर्पिणीना जीम आरानु नाम अवसर्पिणी काल के पांचवें तथा उत्सर्पिणी के दूसरे आरे का नाम. Name of the 2nd Āra (a part of cycle of time) of the increasing and the fifth of the decreasing aeon भग० २५, ६;

दुस्सर. पुं० (दुस्वर) नामधर्मेनी ओक प्रकृति के जेना उदयथी जव कठोर स्वर पावे जिस प्रकृति के उदय से जीव कठोर स्वर वाला बने वह नाम कर्म की एक प्रकृति. A nature of Nāma Karma by the maturity of which a being becomes harsh-toned सम० २८; पञ्च० २३, क० गं० २, २२;

दुस्सविण्ण पुं० (दुःस्वप्नक) दुष्ट स्वप्न दुष्ट स्वप्न, बुरा स्वप्न An evil dream. प्रव० ७६०;

दुस्सह. त्रि० (दु सह) भुक्केलीथी सहन थाय तेनुं दुस्सह, कठिनाइ से सहने योग्य Difficult to be borne नाया० ११, भग० ६, ३२; दस० ३, १४, भक्त० ०१०;

दुस्साहड. त्रि० (दु संहत) दुःखे करी भेद 'वेधु'. दुःख से प्राप्त Obtained with difficulty. उत्त० ७, ८,

दुस्सिज्जा खी० (दु शय्या) दूषित शय्या. दूषित शय्या, अपवित्र बिछौना Polluted bed; unholy bed दस० ८, २७;

दुस्सील. त्रि० (दु सील) भराय स्वभाव वाला. खराय स्वभाव वाला Evil natured (२) दुराचारी दुराचारी immoral

उत्त० १, ४, दस० ६, ४, सु० च० ४, १००; तंदु० गच्छा० १०;

दुस्सील. न० (दुःशील्य) भराय स्वभाव. दुष्ट स्वभाव; खराय स्वभाव. Evil nature. उत्त० १, ५;

दुस्सीस पुं० (दुःशिष्य) दुष्ट शिष्य. दुष्ट शिष्य A bad disciple. उत्त० २७, ८, दुस्सेजा. खी० (दुःशय्या) दुष्ट वसति; दुःख दायक मकान A troublesome residence. भग० १६, २;

✓दुह. धा० I (द्रुह) द्रोह-भर्या करनी. द्रोह करना; ईर्ष्या करना. To be jealous; to envy.

दुहति-भग० २, १;

दुह. न० (दुःख) दुःख. पीडा. दुःख, पीडा; कष्ट. Pain distress ओव० ३४; नाया० ३; ७, भग० १, १; ६, १०; दस० ६, २, ५; विवा० १, उवा० २, ६५; प्रव० ४४४. भक्त० १०८, —गण पुं० (-गण) दुःखेना समूह दुःख का समूह. an aggregate of pain. नाया० १७, —दृत्रि० (-आर्त) दुःखी; आर्तध्यानी. दुःखी; आर्तध्यान वाला. troubled; distressed नाया० १; १३; १६; १६; —द्वित्रि० त्रि० (-आर्तिक) दुःखी आर्त-पीडित दुःख से आर्त-पीडित. troubled उत्त० २, ३२, —त. त्रि० (-आर्त) दुःखी पीडित दुःख से पीडित distressed नाया० ६; —फासत्ता खी० (-स्पर्शता) दुःख दायक स्पर्श-पणुं. दुःख दायक स्पर्श का भाव. a painful tactual state नाया० १२; —विमोयण-तरय न० (-विमोचनतर) दुःखी ओकदम छुटपुं ते एकाएक दुःखसे मुक्त होना. sudden deliverance from pain

भग० १४, २; —विवाग. पुं० (—विपाक)
 दुःख रूपे विपाक. दुःख रूप विपाक-परि-
 णाम. result ending in sorrow.
 विवा० १;—वेदणतरय. न० (—वेदनतर)
 दुःखरूपी वेदना भोगवी ते. दुःख रूपी
 वेदनाओं को भोगना. experienc-
 ing the painful sensation.
 भग० १४, २;—समुच्चिय. त्रि० (—समु-
 चित) दुःखने योग्य. दुःख के योग्य;
 fit for pain. भग० ६, ३३;—सिसेज्जा.
 स्त्री० (—शय्या) दुःखदायक वसति. दुःख
 दायक वसति-वस्ती. a troublesome
 residence. आया० २, १६, ६; ठा०
 ४, ३;—हश्च त्रि० (—हत्त) दुःखथी
 हुआथेल दुःख का मारा हुआ. troubled;
 struck by sorrow. नाया० ७;

दुहश्च. पुं० (दुर्भग) दौर्भाग्य; क्लमनशील.
 दुर्भाग्य, क्लमनसिव. misfortune;
 wretchedness. दस० ७, १४;—वउक्क.
 न० (—चतुष्क) दुर्भगनाम दुस्वरनाम
 अनादेयनाम अने अजसोकीर्तिनाम ये
 नामकर्मनी चार प्रकृतिना समूह. दुर्भगनाम,
 दुस्वरनाम, अनादेयनाम, और अजसोकीर्ति-
 नाम, इन नामों की चार प्रकृतियों का समूह.
 a group of the four natures of
 Karmic matter viz. Dubhaga
 Nāma, Duhsvara Nāma, Anā-
 deya Nāma and Ajasokīrti
 Nāma क० प० ४, ६२;

दुहश्च त्रि० (उभय) अने; ये. दोनों, दो.
 Both, two भग० ३, १, ५;

दुहश्चो. अ० (द्विधातस्) ये तरक्षथी. दो
 ओरसे. On two sides. नाया० १४;
 सु० २, ५; ३, १; ४, ५; १३, ४, १६,
 ६; १८, ८; २५, ३, ३४, १; आया० १,
 ३, ३, ११६; १, ७, ३, ३, २०६;

स्य० १, १, १, १६; दस० १, ११, २;
 ६, २, २२; उत्त० ५, १०; ६, २३, ६,
 ५४; वेय० १, ३६; २, १५; वव० ८, १०;
 परह० २, २; जं० प० राय० ८१; २५४;
 —अणंतश्च. त्रि० (—अनन्तक) ये प्रक्षरे
 लंणाध पढाणाधमां अनन्त लम्बाई चौडा-
 ईमें दो तरह से अनन्त. infinite in
 two ways that is in length
 and breadth. ठा० ५, ३;

दुहश्चोवत्त. पुं० (द्विधावत्त) ये धिन्द्रियवाले
 अण. दो इन्द्रियवाला जीव. Two sensed
 living being. पञ्च० १;

दुहग. न० (दुर्भग) दुर्भाग्यनाम; नामकर्मनी
 ओक प्रकृति अना उदयथी अण दुर्भाग्य नामे
 छे दुर्भाग्यनाम; नामकर्म की एक प्रकृति
 जिस के उदय होने से जीव दुर्खा होता है.
 A nature of Nāma Karma
 named Durbhāgya at whose
 appearance a life becomes un-
 happy. क० गं० २, १६; —तिग.
 न० (—त्रिक) दुर्भग दुस्वर अने अनादेय
 ओ नामकर्मनी त्रय प्रकृतिना समूह. नाम-
 कर्म की दुर्भग, दुस्वर और अनादेय नामक
 तीन तरह की प्रकृतियों का समूह. an aggre-
 gate of the 3 natures of Nāma-
 Karma viz. Dubhaga, Duhs-
 vara and Anādeya Nāma. क०
 गं० २; ४,

दुहट्ट. त्रि० (दुर्घट्ट) दुर्घट्ट; कठिन. दुर्घट्ट;
 कठिन; दुष्कर Difficult; hard.
 नाया० ८;

दुहण. पुं० (दुष्ण) मुद्गर विशेष; दसरतु
 ओक साधन. मुद्गर विशेष; व्यायाम का एक
 साधन. A club; a particular ap-
 pliance of exercise भग० १६, ३;
 परह० १, १;

दुहतो. अ० (द्विधात्स्) अन्ने त२३थी दोनों ओर से. On both sides. सू० प० १०;

दुहदुह. पुं० (दुहदुह) दुह दुह शब्द करवाते. दुह दुह आवाज करना. Saying " Duha Duha " जीवा० ३, ४;

दुहा. अ० (द्विधा) भे प्रकारे. दो प्रकार से; दो तरह से. In two ways भग० १, १०; ८, ३; १२, ४; सूय० १, ८, १, पि० नि० ८६; १६७; जं० प० क० प० ४, ३०, क० गं० १, १२; ५२; ५, ५, —किञ्ज-माण त्रि० (-क्रियमाण) भे भाग करता दो भाग कराता हुआ bisected. भग० १, १०; —धिभयमाण. त्रि० (—विभ-ज्यमान) भे भागे लंगातुं ण्डेयातु दो भागों में विभाजित होने वाला, बटने वाला. that which is being divided or distributed into two parts. भग० ३, २;

दुहावह त्रि० (दुःखावह) दुःखदायक. दुःख देने या बुझाने वाला. Painful. सूय० १, २, २, १०; उत्त० १३, १६;

दुहिय त्रि० (दुःखित) दुःखी; शोकग्रस्त; पीडित. दुःखी; शोकग्रस्त, पीडित. Distressed; sorrowful; vexed उत्त० ६, १०; भग० १, ७, नाया० २; १६; सु० च० १, १०७, २, ४२३;

दुहिअ त्रि० (दुग्ध) दोहेल दुहा हुआ; दूध निकाला हुआ. Milked. विवा० १;

दुहिया स्त्री० (दुहितृ) कन्या; दीवरी कन्या; लडकी, दुहिता. Daughter. गच्छा० ८४; सु० च० १, ६८;

दुहाल त्रि० (द्रोहघृ) द्रोह करने वाला; द्रोही. A hater. उत्त० ११, ६;

✓दू धा० I (दु) पिछार करवा; विचरवुं. विहार करना; विचरना. To wander, to roam.

दूइजइ. निसी० २, ४२; १०, ४५; वेय० ४, २५; ओघ० नि० ११५;

दूइजिता. स० कृ० सूय० २, ७, १४;

दूइजितए. हे० कृ० वेय० ४, २५; ५, १६; ठा० ५, २;

दूइजंत. व० कृ० ओव० २१;

दूइजमाण. च० कृ० नाया० १; भग० २, ५;

ओव० १०; आया० १, ५, ४, १५६; २, १, १, ४; भग० १, १,

३, २, ८, ६, ६, ३३; १३, ६;

१५, १; १८, १०; नाया० १; २६,

१६, निसी० २; ३६; सूय० १, ३,

२, १६;

दुजन्तु क० वा० परह० १, २;

दूइपलास. न० (दूतिपलाश) वाणिज्य

नगरनी गहारातुं ये नामनु येक उद्यान.

इस नाम का वाणिज्य नगर के बाहर का एक

उद्यान A garden so named out-

side the Vāṇijya city उवा० १,

८६; भग० ६, ३२; विवा० २;

दूइपलासय. पुं० (दूतिपलाशक) वाणिज्य

नगरनी गहारेनी दूतिपलाशक नामनी गणी

ये. वाणिज्य नगर के बाहर का दूतिपलाशक

नामक बगीचा. A garden of this

name outside Vāṇijya city.

भग० १०, ४; १८, १०, उवा० १, ३; २;

दूई. स्त्री० (दूती) असूत्र स्त्री जासूस स्त्री;

दूती. A female spy. प्रव० ५७४;

(२) उपाययाना १६ दोषभाने भीन्ने

दोष उपाययाना के १६ दोषों में से दूसरा दोष.

the 2nd of the 16 faults of

Upāyaṇā पि० नि० ४०८; —पिंड. पुं०

(—पिण्ड) गृहस्थने स देशे पड़ेयादी गहारे

लेवे ते; १६ दोषभाने भीन्ने दोष. गृहस्थ

का संदेशा पहुँचाकर भोजन प्राप्त करने का

क्रम उपाययाना के १६ दोषों में से दूसरा

दोष. obtaining food by convey-
ing a message; the second of
the 16 faults of Upāyaṇā.
निसी० १३; ४६; ५२; आया० २, १, १, ६;
दूत पुं० (दूत) स देशो पटोयाऽनार; दूत.
सदेश पहुंचाने वाला; दूत. Envoy;
messenger. परह० १, ३; आव०
दूती स्त्री० (दूती) स देशो आपनारी स्त्री.
सदेशवाहक स्त्री. A female messen-
ger. पचा० १३, १८;
दुभग. न० (दुर्भग) लुगो " दुभग " शब्द.
देखो " दुभग " शब्द. Vide " दुभग "
प्रव० १२७६;
दुभगसत्ता स्त्री० (दुर्भगसत्ता-दुर्भगः सत्वो
गर्भे यस्याः सा तथा) दुर्भागिनी पालकने
जन्म आपनारी स्त्री. अभागे शिशु को जन्म
 देने वाली स्त्री. A female who gives
birth to a wretched baby.
नाया० १६;
✓दूम. धा० I, II. (दु) दुःप्ति करतुं.
दु खी करना. To give pain.
दूमइ. सु० च० १, ६१;
दूमग. धि० (दावक) दुःप्ति करनार. दु ख
करने वाला. Sorrowful, unhappy.
परह० १, ३;
दूमण न० (दवन) दुःप्ति करतुं ते. दु.खी
बनाना. Making one unhappy
परह० १, ३;
दूमण. न० (*) धोखुं करतुं ते. सफेद
या श्वेतवनाना. Whitening परह० १, ३;
दूमण. त्रि० (दुर्मनस्) दुष्ट मन वालो दुष्ट
मन वाला. An evil-minded fellow.
"जे दूमण तेहिणोणया" स्य० १, १, २, २७;
दूमिअ. त्रि० (दावित) दुःप्ति थयेव दुःखी
बना हुआ. Unhappy. सु० च० १,
१३०; ६१०;

दूमिय. त्रि० (*) धोखुं करतुं ते. सफेद
किया हुआ. Whitened. सू० प० २०;
भग० ११, ११; नाया० १; कप्य० ३, ३२;
प्रव० ८८०; (२)) थयेव; दावेव. दगव;
जला हुआ. burnt. विशेष० १३०७;
दूमण त्रि० (दुर्मनस्क) व्यग्र; व्याकुल.
व्यग्र. व्याकुल; विकल. Anxious;
eager, agitated. कप्य० ३, ३८;
दूय पुं० (दूत) स देशो पटोयाऽनार; दूत.
सदेश लेजाने वाला. A messenger.
नाया० १, ८; १६; भग० ७, ९; राय०
२५३; कप्य० ४, ६३; —कम्म. न०
(-कर्म) लुगो " दुईपिढ " शब्द देखो
" दुईपिढ " शब्द. Vide " दुईपिढ "
उत्त० टी० २४, १२;
दूयग. पुं० (दूतक) दूत दूत; एलचो; चर. A
messenger; an ambassador; a
spy. नाया० ८;
दूर त्रि० (दूर) दूर; छेडे; आधे दूर; आगे;
दूरीपर. Yonder; at a distance.
नाया० १; ४; भग० २, १; ५, ४; ८, ८;
राय० २७४; पन्न० २; स्य० १, १, २, १६;
ओव० २७; गच्छा० १०३; प्रव० ७१७;
(२) पुं० छेडे आवेव भोक्ष दूर गया हुआ
भोक्ष the salvation gone to a
distance जं० प० १७, १३६; स्य० १, २, २,
५; —आलइय. त्रि० (-आलविक) भोक्ष-
गामी भोक्ष गामी; सुक्ति प्राप्त करने वाला.
(one) destined to salvation.
आया० १, ३, ३, ११८, —उज्झिय. त्रि०
(-उज्झित) दूरथी तलेव दूरसे त्यागा हुआ-
छोड़ा हुआ. abandoned at a distance.
गच्छा० ५७; —गइ. स्त्री० (-गति) उंची
गति. उँची गति. high state. भग० २, ५;
—गइय. त्रि० (-गतिक) सौधर्म आदि
विमानभां जन्तार सौधर्म आदि विमानों में

जाने वाला. destined to go to the celestial abode named Saudharma ठा० ८; —गत. त्रि० (-गत) आये गये। आगे गया हुआ; दूर पहुँचा हुआ. gone farther. भग० ७, १०; —पाय. त्रि० (-पात) दूरथी पड़े। दूरसे गिरा हुआ. fallen from afar परह० १, ३; —सुव्वत. त्रि० (-यमाण) दूरथी सभावातु दूरसे सुनाई पड़ने वाला. heard from a distance परह० १, ३; दूरश्रो. अ० (दूरतस्) दूरथी. दूर से At a distance. दस० ५, १, १२; ६, ५६; पि० नि० २६५; दूरग. त्रि० (दूरग) छेटे गये। दूरी पर गया हुआ; दूर गया हुआ. (One) who has gone far. सूय० १, ५, २, २०, दूरा अ० (दूरात्) दूरथी. दूर से. At a distance उत्त० ३२, २, ✓दूस धा० I. (दुप्) दूषित करने। दूषत करना; अपवित्र करना. To pollute, to contaminate. दूसति. पि० नि० २६५; दूसमाण. न० क० जं० प० २, ३४; दूस. न० (दूष्य) वस्त्र; आदर. वस्त्र, चदर. A garment; a sheet. भग० २, १०, ८, ५, ६, ३३, जीवा० ३, ३, ओव० ३०; उत्त० ६, ४६; नाया० ७; जं० प० सूय० २, १, ३६; दसा० १०, १, प्रव० १६; ६८४; —अंतर. न० (-अन्तर) वस्त्र-पड्डान् अतर. वस्त्रान्तर. another garment उत्त० १६, ५; —पट्टपरिपूय. त्रि० (-पट्टपरिपूत) वस्त्रना पट्टथी गादे। वस्त्र के भाग से गाला-झाना-हुआ. filtered through a cloth. तंदु० —रयण. न० (-रय) प्रधान-श्रेष्ठ वस्त्र. प्रधान वस्त्र. a principal or best garment. Vol III/27

नाया० १; ओव० कृष्ण० ४, ६२; दूसगणि. पुं० (दूष्यगणिन्) दोहिताचार्यना शिष्य. लोहिताचार्य के शिष्य. The disciple of Lohitāchārya. नंदी० ४१; दूसण. न० (दूषण) धूल'क कलंक, धब्बा Stain; stigma तंदु० दूसमा. ली० (दुष्पमा) शुभो "दुसमा" शब्द. देखो "दुसमा" शब्द. Vide "दुसमा" भग० ६, ७; दूसर. पुं० (दुस्वर) नामकर्मनी ओष्ठ प्रकृति के जेना उद्दयथी शुव् अपराध स्वर-आवाज पावे. नामकर्म की एक प्रकृति जिसके उद्दय से जीव को खराब स्वर प्राप्त होता है. A nature of Nāma Karma at whose appearance the tone of a living being becomes harsh प्रव० १२७६; दूसह त्रि० (दुसह) शुभो "दुसह" शब्द. देखो "दुसह" शब्द. Vide "दुसह" परह० १, १, भग० १३. ६; दूसि. न० (दूष्य) तक्ष, छाश. मट्ठा, छाछ Butter-milk. पत्र० १७; दूसिअ-य त्रि० (दूषित) दूषित; दोषवाहु दूषित, दोषपूर्ण Polluted; defective. नाया० १६; महा० प० ३५, दूसित त्रि० (दूषित) दूषित; दोषयुक्त. दूषित, दोषयुक्त Polluted; faulty. नाया० १; पंचा० १, १०, ६, १६; १६, १६; दूहग त्रि० (दुर्भग) दुर्भाग; पामर; दीन. अभागा, पामर, दीन Wretched, poor; destitute सूय० १, ३, १, ६; दूहफास. पुं० (दुःखस्पर्श) दुःखरूप स्पर्श. दुःखरूप स्पर्श. Painful touch. नाया० १२; देउल. न० (देवकुल) देवालय; देवल देव मन्दिर, देवस्थान. A temple नाया० १;

५; राय० ३३; पि० नि० ३३८; अणुजो० १३४;
देउलिअ. पुं० (देवकुलिक) देवदानी संलाह
लेनार; पुजारी. मन्दिर की देख रेख करने
वाला, पुजारी. A priest; (one) who
looks after a temple. ओष० नि०
भा० ४०;

देय. वि० (देय) देवा योग्य. देने योग्य.
Fit to be given. पंचा० १३, ३७;
विशे० ३२३१;

देयड पुं० (*) ओक प्रकारने शिल्पी
धारिभर. एक प्रकार का शिल्पी-कारिगर.
A kind of craftsman. पञ्च० १;

देव. पुं० (देव-दीव्यान्ति क्रीडादिधर्मभाजो
भवन्ति, दीव्यन्ते स्तूयन्ते वेति देवा.) भवन
पति वाणव्यन्तर ज्योतिष्क अने वैमानिक
देवता. भवनपति वाणव्यन्तर ज्योतिष्क तथा
वैमानिक देवता. the gods known as
Bhavanayati Vānavyantara
Jyotiṣka and Vaimanika.
अणुजो० २०; १०३; सम० १; ३४;
उत्त० १, ४८; १०, १४; ठा० १,
१; ओव० २२; नाया० १; २; ८; १६; भग०
१, १; ३; २, १; ५; ३, १; ८, १; १४, २;
१८, ७; पञ्च० १; सू० प० १६; दस० १, १;
४; ७, ५०; ६, २, १०; ६, ४, २; ३; वेय०
६, १; दसा० ६, २८; २६; उवा० ७, १८७;
कप्प० २, १३; २०; प्रव० ६३; क० गं०
१, ४६; (२) स्वामी, राजा; मालिक. प्रभु;
मालिक; राजा. lord; master; king
जं० प० ६, ११२; ११५; ११४; ४, ७३;
३, ४७; नाया० १; राय० ७८; (३) पुं०
अंजनक पर्वतनां सिद्धायतनना ओक द्धारतुं
नाम के ले १६येजन उयुं अने आठ जेजन
पहोतुं छे. अंजनक पर्वत के सिद्धायतन के
एक देवजि के नाम जो १६ योजन ऊंचा
और आठ योजन चौड़ा है. name

of a door of Siddhāyatana of
the Añjanaka mountain which
is 16 Yojanas long and 8
Yojanas broad. उत्त० ३, ४; (४)
अधिल विजयनी पूव' सरहद उपरने
वपारा पर्वत. गंधिल विजय की पूर्वीय
सीमा पर का वखारा पर्वत. the Vakhā-
rā mountain situated on the
eastern boundary of Gandhila
Vijaya. (५) देवद्वारना अधिपति देवतानुं
नाम देवद्वार के अधिपति देवता का नाम.
name of the god who is the
master of Devadvāra. जीवा० ३,
४; (६) ओ नामने ओक द्वीप अने ओक
समुद्र. इस नामका एक द्वीप और एक समुद्र.
an island and a sea of this
name. जीवा० ३, ४, सू० प० १६; पञ्च०
१५; —अणुभाव. पुं० (-अनुभाव)
देवतानुं सामर्थ्य. देवता का सामर्थ्य. the
power of gods. भग० ३, १; ७, ६;
१६, ५; दसा० ५, २१; —अभिओग. पुं०
(-अभियोग) देवताने अभियोग-गला-
हार. देवता का अभियोग-बलाकार. the
tyranny of gods. उत्त० १२, २१;
—अहिव. पुं० (-अधिप) देवताने अधि-
पति; धन्. देवताओं का अधिपति इन्द्र.
the lord of the gods; Indra.
जं० प० ५, १२०; —अहिवह. पुं०
(-अधिपति) धन् इन्द्र, सुरेश. Indra.
“ सकेव देवाहिवहं जुईमं ” सूय० १, ६, ८;
—आउ. न० (-आयुष) देवतानुं आयुष्य
देवता की आयु. the age of a god.
क० ग० ३, ३; —आउय. न० (-आयुष्य)
देवतानुं आयुष्य; आयुष्यकर्मनी ओक
प्रकृति. देवता की आयु; आयुष्यकर्म की
एक प्रकृति. the age of a god: a

nature of Āyusya Karma. भग० १, ८, २, ३; ३०, १, उत्तर ३३; १२; ठा० ४, ४; क० गं० ६, ७३; —आउस. न० (—आयुष्य) देवतानु आउषु. देवता की उम्र-वय. the age of a god भग० १५, १; —आवास पुं० (—आवास) देवताना आवास. देवता के रहने की जगह. the abode of the gods. भग० १४, १; १३, २; —आवासन्तर. न० (—आवासान्तर) देवताना अथ आवासभांथी पीजे आवास. देवता के एक आवास में से दूसरा आवास. the second abode of the gods भग० १०, ३; —इद्भि. स्त्री० (—अद्भि) त्रय प्रकाशनी देवतानी ऋद्धि. देवताओं की त्रिविध ऋद्धि. the threefold power of the gods कप्य० ५, १४०; निर० ३, १; भग० ३, २, ७, ६; ठा० ३, ४; —इत्थी. स्त्री० (—त्थी) देव-ानी स्त्री; देव देवता की पत्नी-देवी. goddess जीवा० २; —इद्भि. त्रि० (—अद्भि) लुग्यो “देव इद्भि” शब्द देखो “देवइद्भि” शब्द. vide “देवइद्भि” जं० प० ३, ४५; —उष्ठा लिया. स्त्री० (—उत्कलिका) देवतानी सभा देवताकी सभा. the assembly of gods. ठा० ३, १, ४, ३; —उज्जोय पुं० (—उज्जोय) देवतानो प्रकाश देवता का प्रकाश. the light of a god “तिहि ठोण्हि देवुज्जोओसिया” ठा० ३, १; राय० —उत्त त्रि० (—उत्त) देवथी उत्पन्न थयेन देव से उत्पन्न. born of a god. सूय० १, १, ३, २, —उत्त त्रि० (—गुप्त) देवे रक्षायु करेल. देवों द्वारा रक्षित. protected by the gods सूय० १, १, ३, ५; —करणा स्त्री० (—कन्यका) देवकन्या. देवकुमारी. daughter of a god. नाया० ८,

—करणा. स्त्री० (—कन्या) देवकन्या, देवकुमारी. देवकन्या; देवकुमारी. daughter of a god. नाया० ८; —कम्म. न० (—कर्मन्) देवताने योग्य कर्म. देवोचित कर्म. action fit for gods. ठा० ५, २, —कहकहय. पुं० (—कहकहक) देवने कोलाहल, शोरध्वजार; कह कह के अथवा देव का कोलाहल; कहकहाट पूर्ण ध्वनि the bustle of gods राय० जीवा ३, ४; ठा० ३; —काम. पुं० (—काम) देव संजधी विषय; देव भोग. देव सम्बन्धी विषय, देव भोग. enjoyment concerning the gods उत्त० ७, १२; —किव्विस्स पुं० (—किल्बिष) देवतानी हलसी जन; किल्बिष जनना देवता. देवता की घटिया जाति; किल्बिष जाति के देवता a low class of the gods; gods of this class. दस० ५, २, ४६; ठा० ४, ४; प्रव० ६४८; —किव्विसिय पुं० (—किल्बिषिक) लुग्यो उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide above “कह विहाण भंत देवकिव्विसिया पण्यता” भग० १, ३३; —किव्विसियत्ता स्त्री० (—किल्बिषिकता) किल्बिषिक देवतापण्य किल्बिषिक देवतापन the state of a lower god. भग० ६, ३३; —कुमार. पुं० (—कुमार) देवकुमार. देवकुमार son of a god. भग० ११, ११; राय० तदु० —कुल न० (—कुल) देव भन्दि; स्थल. देवालय, मन्दिर. a temple. नाया० ५. १८, भग० ८, ६, १८, १०; आया० २, २, २, ८०, ओव० १६; अणुजो० १६; पण० १, १; राय० २५१, कप्य० ४, ८८; —गण. पु० (—गण) देवनेतो समूह देवोंका समूह. a group of gods. भग० २, ५; —गाणियत्ता. न० (—गाणिकात्व)

देवीरूपे वेध्यापणुः. देवी रूप में वेश्यापन.
 prostitution in the form of a
 goddess. नाया० १६; —छरण. न०
 (-अर्चन) देवतानुं अर्चन करतु ते. देवा-
 र्चन कार्य; देवपूजन. worship; adora-
 tion. सु० च० ८, ४३; —छंदग. पुं०
 (-चन्द्रक) देव छंदो. देव मूर्ति का आसन,
 पाठ, a platform on which an idol
 is seated. "देवछंदो" ज० प० १, १३; ४, ६६;
 जीवा० ३, ४; —छंदयत्र. पुं० (-चन्द्रक)
 देव छंदो; जमीनती मे त्रयु दाय उयो
 ओटलो; देव भुक्तिने भेसाज्वालो ओटलो.
 देवछंद; पृथ्वा से दो तीन हाथ ऊंची वेदी;
 देव मूर्ति बठाने का वेदा. a platform
 two or three arms above the
 ground; an altar to place an
 idol. आया० २, १५, १७६; राय० १६२;
 जीवा० ३, ४; —जाण. न० (-यान)
 देवतुं वाहन. देव का वाहन-यान a
 vehicle of a god. पंचा० २, २२;
 —जुह. स्त्री० (-भुति) देवती क्षन्ति.
 देव की कान्ति. the lustre of gods
 सु० च० २, २१७; राय० ७७; —जुति.
 स्त्री० (-भुति) भुयो उपलो श०६. देखा
 ऊपर का शब्द. vide above भग० ७,
 ६, १६, ५; —जुहु. स्त्री० (-भुति)
 भुयो " देवजुह " श०६. देखो " देवजुह "
 शब्द. vide " देवजुह " दसा० ५, २१;
 —जुजुति. स्त्री० (-भुति) भुयो " देव
 जुह " श०६. देखो " देवजुह " शब्द.
 vide " देवजुह " भग० ३, १; —जमुणि.
 पुं० (-ध्वनि) दिव्य ध्वनि-अवाज. दिव्य
 ध्वनि; दिव्य स्वर. heavenly voice प्रव०
 ४४६; —टिह. स्त्री० (-स्थिति) देवती
 स्थिति; देवतु आयुष्य. देव की स्थिति; देव
 की आयु. the age of a god.

भग० ११, १२; डा० ४, १; —टिति.
 स्त्री० (-स्थिति) भुयो उपलो श०६.
 देखो ऊपरका शब्द. vide above.
 भग० २४, २४; —टिह. स्त्री० (-अदि)
 देवतानी अदि. देवताओं का अदि. the
 power of gods. भग० ३, १; १६, ५;
 नाया० १३; नाया० ५० राम० १०;
 —णिकाय. पुं० (-निकाय) देवनिकाय;
 समान धर्मवाला देवोतो समूह. देवनिकाय;
 समान धर्मवाले देवों का समूह.
 group of gods, a group of gods
 possessing common attributes.
 डा० ६; —दंसण. न० (-दर्शन) देव-
 तानुं दर्शन. देवदर्शन. the sight of
 god. दसा० ५, २१, —दुंदुभि. पुं०
 (-दुंदुभि) देव दुंदुभि; वाद्य विशेष
 देव दुंदुभि वाद्य विशेष. a divine
 drum. भग० १५, १; —दुंदुहि. पुं०
 (-दुंदुभि) भुयो उपलो श०६. देखो
 ऊपरका शब्द. vide above. भग० ३,
 ४४; गाय० १४. —दुग न० (-द्विक)
 देवगति अने देवानुपूर्वी. देवगति और
 देवानुपूर्वी. Devagati and Devānu-
 pūrvā क० प० १, ७१; —दुगह. स्त्री०
 (-दुर्गति) अधम देवआश्री देव दुर्गति.
 देव दुर्गति. the wretched state of
 wretched gods. डा० ४, १; —दुहदुहक.
 न० (-दुहदुहक) देवतानो दुहदुहक ओवो श०६.
 देवताका दुहदुहक सा शब्द. the "Duha-
 duhaka " sound of gods.
 जीवा० ३, ४; राय० —निकाय पुं०
 (-निकाय) देवोतो समुदाय. देव वृन्द.
 a group of gods. प्रव० १५०५;
 —पवेशण्य. पुं० (-प्रवेशनक) देव
 गतिभां प्रवेश करनार छव. देव गति मे
 प्रवेश करने वाला जीव. a soul enter-

ing the life of gods भग० ६, ३२;
—मवस्थ. त्रि० (—भवस्थ) देव अववालो. देव
भववाला. existing in the state of
gods भग० ८, २, —मद्. स्त्री० (—मति) देवनी
मति, आत्मा. देव की मति, चातुर्य-बुद्धिमान्नी.
the intellect of gods. जं० प०
—राज. पुं० (—राज) देवतानो राजन्;
५-६ देवता का राजा; इन्द्र, सुरेश. Indra;
lord of the gods. सम० ६०, —राय
पु० (—राज) देवतो राजन्; ५-६ देवोंका राजा;
इन्द्र. Indra; lord of the gods.
भग० ३, १, ७, ७, ६; १६, १, १७, ५;
नाया० ८; कथ० २, १३; ३, ३३, जं० प०
६, ११५; —रूप त्रि० (—रूप) देव
समान. देववत्; देव समान god-like
नाया० ८; —वरचहू स्त्री० (—वरचधू)
देवतानी पट्टराणी; भुष्य देवी. देवता की
पट्टरानी; महिषी. the chief queen of
the gods नाया० ६; —विग्रहगति स्त्री०
(—विग्रहगति) देवोमा जयानी विग्रह-वांङ्-
वादी गति. देवोंमें जानकी विग्रह पूर्ण-वांकी
देहागति. the crooked gait through
which a soul goes to the state
of gods. ठा० १०; —संघ पुं० (—संघ)
देवतानो समुदाय. देवता का समुदाय; देव
वृन्द. a group of gods. जं० प० ७,
१६६; —संसारविउत्सर्ग पुं० (संसार
व्युत्सर्ग) देवरूप संसारतो त्याग देवरूप
संसार का त्याग. abandonment of
the divine world. भग० २५, ७.
—संसारसंचिह्नकाल पु० (—संसारमं-
स्थानकाल) देवताना अवमां पेताना आयुष्य
प्रमाणे रहते ते देवता के भव में अपने
आयुष्यानुसार रहना the period of
time in which one lives in
the life of gods according to

his age. भग० १, २; —सशिणवाय.
पुं० (—सजिपात्) देवताना समुद्रपु मलयु;
देवतानो मेलावडा. देववृद सम्मिलन; देव
सम्मिलन a conference of the
gods. भग० २, १, ठा० ३, १, जं० प० ३, ७०;
नाया० ५; —समरूप. त्रि० (—समरूप) देव-
ताना समान रूपवाला. देवता के से रूपवाला.
god-like. प्रव० १४४३; —सयणिज्ज.
पुं० न० (—शयनीय) देवतानी सेम. देवता की
शय्या. a bed of gods राय० १६९;
भग० ३, १; १६, ५; ६; नाया० ४०
—सहस्त्री स्त्री० (—सहस्त्री) हज्जः
देवता सहस्र देवता. a thousand gods.
जं० प० ५, ११२; —सोमगद् स्त्री०
(—सद्गति) देवर्ष सद्गति देवरूप उत्तम
गति. a good state in the form
of a god ठा० ४, १;
देवई. स्त्री० (देवकी) वासुदेवनी ओम् राणी;
कृष्ण वासुदेवनी माता वासुदेवकी एक रानी;
कृष्ण वासुदेव की माता. a queen of
Vāsudeva, the mother of
Kṛishna Vāsudeva. उत्त० २२, २;
परह० १, ४, सम० प० २३५; प्रव० ४६६;
(२) ज्योत्स्नीपना भरतपुत्रमा यना
११मां तीर्थ करना पूर्वभवपु नाम जंबूद्वीप
के भरतखण्ड में होने वाले ११ वें तीर्थकर
के पूर्व भवका नाम. name of the
previous life of the 11th Tir-
thankara to be born in Bhara-
takhaṇḍa in Jambūdvīpa सम०
प० २४१,
देवउल. न० (देवकुल) देव भदिर. देव
मन्दिर. A temple. भग० ५, ७,
देवधकार. पु० (देवान्धकार) जुओ
“देवधयार” शब्द. देखो “देवधयार”
शब्द. vide “देवधयार” भग० ६, ५;

देवधरार. पु० (देवांधकार) देवाने संताप
जवा भाटे अधकारनुं स्थान होवाधी तम-
स्कायनुं नाम. देवों के छिपनेके लिये अंधकार
पूर्ण स्थान होने के कारण तमस्काय का एक
नाम. a name of Tamaskāya
(Dark body) being a dark
resort for the gods to hide
themselves. ठा० ४, २;

देवकुरा. स्त्री० (देवकुरु) मेरु पर्वतनी
दक्षिणे महाविदेहान्तर्गत ओ३ जुगलीयानुं
क्षेत्र. मेरु पर्वत की दक्षिण ओर महाविदे-
हान्तर्गत एक जुगलिया का क्षेत्र. a resid-
ing region of Jugaliyās situated
in Mahāvideha to the south of
Meru. जं० प० ठा० २, ३; (२) २१ भां
तीर्थंकरनी प्रयोज्या पालणीनु नाम. a
name of the palanquin of the
21st Tirthankara used at the
time of initiation. सम० प० २३१;

देवकुरु. पुं० (देवकुरु) जंबूद्वीपना महा-
विदेहक्षेत्र अन्तर्गत ओ३ जुगलीयानुं क्षेत्र.
जंबूद्वीपके महाविदेह क्षेत्र में का जुगलिया का
क्षेत्र. A region of the Jugaliyās
in Mahāvideha of Jambūdvīpa.
ठा० २, ३; ६; सम० ४८; जीवा० १;
भगं० ६, ७; २०, ८; जं० प० पञ० १,
१६; प्रव० १०६८; (२) ओ नामनो देवद्वृक्ष
क्षेत्रनो ओ३ ६६. देवकुरु क्षेत्र के एक
द्रव्य का नाम a lake of that
name in the country of Deva-
kuru. " दे देव कुराओ " ठा० २, ३.
जं० प० ४; (३) मेरु पर्वतनी दक्षिण
पश्चिम दिशाभां आवेल सिद्धायतननी दक्षिण
पश्चिम दिशाभां आवेल ओ नामनुं ओ३
कूट. मेरु पर्वत के नैऋत्य दिशाके सिद्धायतन
के नैऋत्य दिशामें स्थित इम नामका एक कूट

a summit in the south-west of
Siddhāyatana (Siddha-abode)
situated to the south west
of the Meru mount ठा० ५, २; (४)
जंबूद्वीपना सोमनस वज्जारा पर्वतनुं ओथुं
कूट-शिखर. जंबूद्वीपके सोमनस वज्जारा पर्वत
का चौथा शिखर. the fourth sum-
mit of the Somanasa Vakhārā
mountain of Jambūdvīpa. ठा० ७;
(५) जंबूद्वीपना विद्युत प्रभ पर्वतनुं ओ
नामनुं त्रीजुं कूट-शिखर. जंबूद्वीपके विद्युत
प्रभ पर्वत का इस नामका तीसरा कूट-शिखर.
the third summit of the Vid-
yutprabha mountain of Jambū-
dvīpa. (६) स्त्री० रतिकर पर्वतनी उत्तर
आवेल ईशानेन्द्रनी अग्र महिषीनी राज-
धानी रतिकर पर्वत की उत्तर की ओर कं
ईशानेन्द्र की पटरानी की राजधानी the
capital of the principal queen
of Īśānendra to the north
of the Ratikara mountain.
ठा० ४, २; —कूट. पु० (-कूट) सोम-
नस वज्जारा पर्वतना सात कूटभांनुं ओथु
कूट. सोमनस वज्जारा पर्वत के सातकूटों में
से चौथा कूट. the fourth peak of
the seven of the Somanasa
Vakhārā mountain जं० प०
(२) विद्युतप्रभ वज्जारा पर्वतनुं त्रीजुं
कूट. विद्युतप्रभ वज्जारा पर्वत का तीसरा कूट
the third peak of the Vidyut-
prabha Vakhārā mountain.
जं० प० —महद्दुम. पुं० (-महाद्रुम)
ओ नामनुं ओ३ दुम-आड. इस नामका एक
द्रुम-वृक्ष. a tree of this name.
" दे देवकुरु महाद्दुमा " ठा० २, ३;
—महद्दुमावास पुं० (-महाद्रुमावास)

ये नामने। ओ३ आवास. इस नामका एक
आवास-निवासस्थान. an abode of
this name. "देवकुरु महद्दुमावासा"
ठा० २, ३;

देवकुरुअ-य. पुं० (देवकुरुज) देवकुरु
क्षेत्रमां ७४-भे३. देवकुरु क्षेत्र में उत्पन्न.
Born in the Devakuru Ksetra
पञ्चहि देवकुरुर्हि" पञ्च० १, अणुजो० १३१;
देवगइ. स्त्री० (देवगति) देवतानी गति.
देवता की गति. The state of a god.
जं० प० ५, ११७; ११२; भग० ३, १; ६,
५; ११, १०; १२, ६; २५, ६; नाया० १;
६; ठा० ५, ३; कण्प० २, २७; —नवग.
न० (-नवक) देवगति आदि नामकभर्नी
नव प्रकृतिओना समूह. देवगति आदि नाम-
कर्म का नौ प्रकृतिओ का समूह. an
aggregate of the nine natures
of Nāma Karma viz. Devagati
etc. क० प० २, ६०;

देवगति. स्त्री० (देवगति) देवनी गति; नाम-
कर्मकी ओ३ प्रकृति. देव की गति; नामकर्म
की एक प्रकृति The state of a god,
a nature of Nāma Karma
भग० ८, २; कण्प० ४, ३३; —नाम. न०
(-नामक) देवगति नामे नामकभर्नी ओ३
प्रकृति. देवगति नामक नामकर्म की एक
प्रकृति. a nature of Nāma Kar-
ma called Devagati. सम० २८;
देवगुत्त. पुं० (देवगुत्त) ओ३ नामना ओ३
आत्मन् संन्यासी. इस नाम का एक ब्राह्मण
संन्यासी. A Brāhmaṇa ascetic
of this name. ओव० ३८;

देवजिण. पुं० (देवजिन) भारत वर्षमां यनर
२२मा तीर्थकर. भारतवर्ष में होने वाले
२२वें तीर्थकर. The 22nd Tirthan-
kara to be born in Bhārata

Varṣa प्रव० २६७; ४७४;

देवइद. त्रि० (ब्यर्द्ध) दै६. डे६. एक
और आधा; १११. One and half.
जीवा० २;

देवतमस. न० (देवतमस्) देवताने अधार
रूप; तमस्कय. देवताओं को अंधकार रूप-
तमस्कय. Dark body in the
form of darkness to the gods.
ठा० ४, २;

देवता. स्त्री० (देवता) दे५. देव; सुर. A god.
क० प० २, ८५; —उच्चवण. न० (-उच-
वन) व्यंतर देवतानुं उपवन. व्यंतर देवता
का उपवन. the garden of Vyān-
tara gods. पंचा० ७, १७;

देवती. स्त्री० (देवकी) कृष्ण वासुदेवनी माता.
कृष्ण वासुदेव की माता-जननी. The
mother of Kṛṣṇa Vāsudeva.
अत० ३, ८;

देवत्त. न० (देवत्व) दे५पण्. देवत्व; देवतन.
The state of a god; divinity
भग० २, १; ५, ३, १; ५, ५; ७, ६; १०,
२; १५, १; सु० च० १, १२३; ४, १५६;
नाया० ८; विशेष० ५३६; दस० ५, २, ४७;
उवा० १, ६२, —गअ. त्रि० (-गत)
दे५पण्णुने पाभे३. देवत्व प्राप्त; वह जिसे
देवत्व प्राप्त हो चुका है (one) obtain-
ing divinity क० प० ६, २२;

देवत्ता. न० (देवत्व) दे५पण्. देवत्व; देवताई.
The state of a god भग० ६, ५;
८, ५; १२, ७, १२, १; नाया० १; २; ८;
६, १४, १६;

देवदत्त. पुं० (देवदत्त) ओ३ पुरुपनुं नाम-
एक व्यक्ति का नाम. Name of a
person. पि० नि० भा० ४, पि० नि० १४२;
देवदत्ता. स्त्री० (देवदत्ता) थपानगरी रहेवाशी
गण्डिका-वेश्वा. चंपानगरी की रहने वाली

गणिका-वेश्या. A harlot living at Champā city. नाया० ३, १६; विवा० १; (२) विपाक सूत्रं अे नामनुं नयमुं अध्ययन. विपाक सूत्र का इस नामका नवा अध्ययन. the ninth chapter of this name of the Vipaka Sūtra. विवा० १; डा० १०;

देवदार. न० (देवदार) अञ्जनागिरिना सिद्धायतननी पूर्व दिशाभां आवेयुं द्वार. अञ्जन गिरे के सिद्धायतन का पूर्व दिशा वाला द्वार. A door to the east of Siddhāyatana on the Anjama mount. डा० ४, २;

देवदारु. पुं० (देवदारु) वृक्ष विशेष. वृक्ष विशेष; एक खास काष्ठ. The pine tree आया० नि० १, १, ५, १२६; भग० २२, ५; देवदाली. स्त्री० (देवदाली) अद्भुत उपवासी अे नामनी अेक लता. बहुत जीव वाली इस नाम की एक लता. A creeper of this name having many living beings. पञ्च० १,

देवदिएण. पुं० (देवदत्त) धनशेकने तेनी स्त्री लक्ष्मी डिपल थयेस पुत्र. धन मेठ का अपनी पत्नी भद्रा से उत्पन्न पुत्र. The son of Dhanasettha born from his wife Bhadrā नाया० २;

देवद्वीप. पुं० (देवद्वीप) अे नामने अेक द्वीप. इस नाम का एक द्वीप. An island of this name. जीवा० ३, ४;

देवदूत. न० (देवदूत) दिव्य वस्त्र. दिव्य वस्त्र; उज्ज्वल पट. A divine or bright garment. जं० प० भग० ३, २; १५, १; निर० ३, १; निर० ३, १; कण्ठ० ५, ११४; —अंतरिय. त्रि० (—अन्तरित) दिव्य वस्त्रने आंतरे रहेल. दिव्य वस्त्र के अंतर्गत रहा हुआ. that which has remained

inside a divine garment. भग० ३, १; नाया० ५० —जुगल. न० (—युगल) दिव्य वस्त्रनी जोडी. दिव्य वस्त्र का जोड़ी; दो दिव्य वस्त्र. a pair of divine garments. जीवा० ३, ८;

देवन्तू. पुं० (देवज्ञ) ज्योतिषी ज्योतिषी. Astronomer. मु० च० ६, ६१;

देवपडिक्खोम पुं० (देवप्रतिजोम) देवताने जोम पमाउनार तमसुदाय. देवताओं को चुभित करने वाला तमस्काय. A dark column which agitates the gods. “ देव पडिक्खोमइवा ” भग० ६, ५;

देवपर्वत-य. पुं० (देवपर्वत) अे नामने सीतोदा नदीना डिनारा डिपने अेक पथारा पर्वत सितादा नदी के तटपर स्थित इस नामका एक पथारा पर्वत. The Vakhārā mountain on the bank of the river Sitodā जं० प० डा० ४, २; ५, १. (२) पश्चिम वनअउनी वेदि-क्षानी पूर्व आवेसा पर्वतनु जेडुं. पश्चिमीय वनखंड की वेदिका के पूर्व में स्थित पर्वतों का एक जोड़ा. a pair of mountains to the east of the outskirts of the western forest. “ दो देवपर्वत ” डा० २, ३;

देवफलिक्खोमा. स्त्री० (देवपरिचोमा) देवताने जोम पमाउनार रूप कृष्णरुजुं अेक नाम. देवताको जोम पहुंचाने वाला रूप, कृष्णराज का एक नाम. A form which agitates the gods; a name of Krisparājī भग० ६, ५; डा० ५, १;

देवफलिह. पुं० (देवपरिध) देवने भोगल रूप तमस्काय. A Dark-column which acts as a bar to gods. भग० ६, ५;

देवफलिहा. श्री० (देवफलिका) आठ
कृष्णराज्यानी ओ३. आठ कृष्णराजियों में
से एक. One of the eight Kṛṣṇa-
rājās. भग० ६, ५; ठा० ८; १;

देवमद्. पुं० (देवमद्) देवद्वीपना अधिपति
देवतानुं नाम. देवद्वीप के अधिपति देवता
का नाम. Name of the presiding
of god Devadvīpa जीवा० ३, ४;
देवभूय. त्रि० (देवभूत) देवनी समान. देव
के समान; देववत्. Like a god नाया०
१८; भग० २, ५,

देवमहाभद्र. पुं० (देवमहाभद्र) देव द्वीपना
अधिपति देवतानुं नाम देवद्वीप के अधि-
पति देवता का नाम. Name of the
god who is the master of De-
vadvīpa जीवा० ३, ४, सू० प० १६;

देवमहावर. पुं० (देवमहावर) देवसमुद्रने
अधिपति देवता. देव समुद्र का अधिपति
देवता. The presiding god of
Deva sea. सू० प० १६,

देवय. न० (देवत) देव, देवता. देव, देवता
A god, a deity. ज० प० ३, ५२,
७, १५६; उवा० १, ५८; ओ३० ४०;
नाया० १; भग० २, १; ११, ६, (२)
त्रि० देव २५२५, देव स० धी देव स्वरूप,
देव सम्बन्धी. god-like, godly जीवा०
३, ४; वव० १०, १; नाया० दसा० १०, १,
१६; ओ३० २७; ठा० ३, १;

देवया. श्री० (देवता) देव; देवता देव. देवता
A god; a deity प्र० ५३०, पि० नि०
५२, नाया० ८, ६, अणुजो० १३१, —खिओग.
पुं० (—नियोग) देवताने आदेश देवता का
आदेश a command of a god पचा०
१६, २३;

देवर. पुं० (देवर कीव्यति पासुनति) दीप२;
धृष्टीने नाने ला०. A younger

brother of a husband. अणुजो०;
१३०;

देवरत्न पुं० (देवरति) देवरति नामे ओ३ राजा.
देवरति नामक एक राजा. A king
named Devarati. ज० प० ५; ११६;
२, ३३, भक्त० १२२;

देवरण न० (देवारण्य) देवतानुं अ२५५
ज० गल; तम२३५ देवताका अरण्य; तम-
स्काय. The forest of gods, the
dark column ज० प० ५; ११५, ११६;
भग० ६, ५; ठा० ४, २;

देवरमण न (देवरमण) सौभा न० या नगरीनी
प० १२० ओ३ उद्यान. सौभाजन्या नगरी के
बाहर का उद्यान. An orchard of the
Saubhāñjanya city. विवा० ४, ८;

देवल. पुं० (देवल) ओ नामना ओ३ अ० यतीर्थी
ऋषि. इस नामके एक अन्यतीर्थी ऋषि. A
Rishi of this name of another
creed. सू० १; ३, ४; ३;

देवलोग पुं० (देवलोक) देवलोक, देवने रहनेवाला
स्थान. देवलोक; देवों के रहने का स्थान.
The world of the gods; the
abode of the gods नाया० १; ८, १४;
१६, भग० ३, ६, ९, ९; २५, ६; नंदो० ५०; उक्त०;
६, १. गमण. न० (—गमन) देवलोकमां ज० पुं
ते. देव लोक में जाना the act of
going to heaven. सम० ६;—गय.
त्रि० (—गत) देवलोकमां गये. देव लोक में
गया हुआ gone to heaven. भग० ७,
७, १८, ७, —परिगृहीय त्रि० (—परि-
गृहीत) देवे ग्रहण करे. देवों द्वारा ग्रहित-
लिया हुआ accepted by the gods.
ज० प० २, २५; भग० ६, ३, —समाण
त्रि० (—समान) देवलोक समान देव लोक
के समान. like heaven. सम० ७,

देवलोगभूय त्रि० (देवलोकभूत) देव

समान. देवलोक वत्, like heaven.

जं० प० ३, ४१; नाया० ५, १६;

देवलोय-अ. पुं० (देवलोक) देवलो०.

देवलोक. Heaven; the world of the gods. दस० ३, १४; भग० १, १; २, १;

५; ७, १; नाया० १४; उत्त० ३, ३;

—गमण. न० (-गमन) देव लो०मां
जुं ते. देवलोक में जाना. the act
of going to the region of
the gods. सम० ७;

देवलोयभूय. त्रि० (देवलोकभूत) देवलो०समान.

देवलोक के समान. Liko heaven.

नाया० ८;

देववर. पुं० (देववर) देव समुद्रने अधिपति

देवता. देव समुद्र का अधिपति देवता. The

presiding god of Deva sea.

सू० प० १६;

देवबूह. पुं० (देवबूह) देवताना सभागरी

स्थिता ३५ तमस्कयपुं० ओ० नाग. देवसंग्राम

का रचनारूप तमस्कय का एक नाम.

Name of a dark column like an

arrangement of a battle array

of gods. ठा० ४, २; भग० ६, ५;

देवसमुद्र. पुं० (देवसमुद्र) ओ नामने ओ०

समुद्र. इस नामवाला एक समुद्र. A sea

of this name. जीवा० ३;

देवसम्म. पुं० (देवसम्मन्) जंबूद्वीपना

ओशयत क्षेत्रमां शालु अवसर्पिणीमां थओ०

११ मां तीर्थं०२ जंबूद्वीप के ऐरावत क्षेत्र में

प्रचलित अवसर्पिणी में उत्पन्न ११ वें तीर्थ-

कर. The 11th Tirthankara of

the present Avasarpinī in

Airāvata region of Jambū-

dvīpa सम० प० २४०, (२) गोतम

स्वाभीओ प्रतिषोध्य ओ नामने ओ०

शालु गोतम स्वामी द्वारा प्रतिषोध्य

इस नामका एक ब्राह्मण, a Brāhmaṇa

of this name, enlightened by

Gautama Svāmī. तंडु०

देवमित्र. त्रि० (देवमित्र) दिवस संघंधी;

दिवसने लगतुं. दैनिक, दिन सम्बन्धी.

Daily. नाया० ५, ओ००ओ०० नि० ६३६;

गच्छा० ११८; प्रव० १७६; —पट्टिकमण. न०

(-प्रतिक्रमण) दिवस संघंधी प्रतिक्रमण.

दिनसम्बन्धी प्रतिक्रमण. Pratikramana

relating to a day. नाया० ५;

आव० १, १;

देवसेण. पुं० (देवसेन) अंतगडसूत्रना त्रीग्न

वर्गना पांचमा अध्यायनतुं नाम अंतगड

सूत्रके तासरे वर्गके पांचवें अध्ययनका नाम.

The fifth chapter of the 3rd

section of AntagadaSūtra. अत०

३, ५; (२) लहलपुर निवासी नाग गाथापतिनी

पत्नी सुतसांना पुत्र के ओ नेमनाथ प्रभु

पासे दीक्षाग्रह, बीस वरस प्रव्रज्या पासी.

शत्रुं०५ पर ओ० भासने सथारे इरी

निवासी५६ पांच्या. भदलपुर निवासी

नाग नामके गाथापति की पत्नी सुतसांना पुत्र

जिसने नेमनाथ प्रभुसे दीक्षा ले बीस वर्षों तक

प्रव्रज्या का पालनकर शत्रुजयपर एक मासका

संनारा किया और निर्वाण पदके

प्राप्त हुए. the son of Sualsā wife

of a merchant named Nāga of

Bhaddalapura who accepted

consecration at the hands of

the lord Neminātha and

remaining ascetic for twenty

years attained salvation after

fasting for a month on the

Śatruñjaya mount. अत० ३, ५; (३)

ऐरवत क्षेत्रना वर्तमान योतीरीना १६ मा

तीर्थं०२नुं नाम ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान

चौदासी के १६ वे तीर्थंकरका नाम
name of the 16th Tirthaṅkara
of the current cycle in Aira-
vata Ksetra. प्रव० ४६, (४)
गोशालाना लायी जन्मनु ओइ नाम.
गोशाला के भावी जन्मका एक नाम &
name of the future birth of
Gośālā भग० १५, १;

देवस्सुय पुं० (देवश्रुत) जम्बूद्वीपना भरतपंड-
मा थनार छह तीर्थंकरनू नाम जंबूद्वीपके
भरतखण्ड में होनेवाले छठे तीर्थंकर का
नाम. Name of the 6th would-
be Tirthaṅkara in Bharata
Khaṇḍa of Jambūdvīpa. सम०
प० २४१, —जीव पुं० (-जाव)
भरतपंडमां थनार छह तीर्थंकरनो श्रव
भरतक्षेत्र में होने वाले छठे तीर्थंकर का जाव.
the soul of the 6th would be
Tirthaṅkara of Bharata Ksetra.
प्रव० ४६६.

देवाण्ड. पु० (देवानन्द) जम्बूद्वीपना अश्वत्
क्षेत्रमा आपनी उत्सर्पिणीमा थनार २४मां
तीर्थंकर, उत्सर्पण नाम देवापपात. जंबूद्वीप
के ऐश्वर्य क्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने
वाले २४वे तीर्थंकर, दूसरा नाम देवापपात.
The 24th would be Tirthaṅ-
kara of the coming Utsarpiṇī
in Airavata Ksetra of Jambū-
dvīpa, another name is Devo-
papāta. सम० प० २४३;

देवाण्डा. स्त्री० (देवानन्दा) आश्वत्थकुंड-
ग्राम नगरना ऋषभदेव आश्वत्थनी स्त्री अने
महावीर स्वामी की प्रथम गर्भ धारण
करने वाली माता. ब्राह्मणकुंडग्राम नगर के
ऋषभदेव ब्राह्मण की स्त्री तथा महावीर
स्वामी की प्रथम गर्भ धारण करने वाली

माता. The wife of Rīṣabhadatta
Brāhmaṇa of Brāhmaṇakūṇḍa-
grāma village and the mother
who bore first Mahāvīra
Svāmī. आया० २, १५, १७६; नाया०
१४, ठा० १०. कप्प० १, २; (२) ५५वाडी-
यानी पहरमी रात्रि पक्ष की पन्द्रहवां रात्रि,
the last night of a fortnight.
स० प० १० जं० प० ७, १५२: —माहणी.
स्त्री० (ब्रह्मणी) देवानंदा ब्रह्मणी.
देवानंदा ब्राह्मणी. Devānandā—wife
of a Brāhmaṇa. भग० ६, ३३;

देवाणुपुस्वो स्त्री० (देवानुपूर्वी) नामधर्मनी
अथ प्रकृति के जेना उदयथी श्रव सिद्धे सिद्धि
देवतानी गतिमां जन्म नामकर्म की एक
प्रकृति कि जिस के उदय से जीव सोंधा देव-
गति को प्राप्त होना है. A nature of
NāmaKarma at whose appear-
ance a soul directly obtains
the state of a god "देवाणु पुस्वो
पुच्छा ? गोयमा" पत्त० २१; —णाम. न०
(-नामन्) श्रुयो "देवाणुपुस्वो" श०६.
देवां "देवाणुपुस्वो" शब्द. vide "देवा-
णुपुस्वो" सम० २८;

देवाणुपिय त्रि० (देवानुप्रिय) देव सरणी
प्रिय. देवना जेवो पल्लवो कोमल (संशोधन)
देव के समान प्रिय, देववत्प्यारा. Lov-
able like the gods ज० प० २, ११२;
भग० १, ६; २, १; ३, १, ५, ४; ६, ३३,
१२, १, १६, ५, १८, १०; २०, ८, कप्प०
१, ६; ४, ५८, नाया० १; २; ५, ८, ६;
१२, १४, १६ निर० ३, ४; दमा० १०, १;
राय० २६, ७७; ओव० ११, उवा०
१, १२;

देवात्तिदेव. पुं० (देवात्तिदेव) देवाना पल्ल
देव; तीर्थंकर देवा के भी देव; तीर्थंकर. A

Tirthankara; the god of the gods. ठा० ५, १;

देवाधिदेव पुं० (देवाधिदेव) तीर्थंकर तीर्थकर. A Tirthankara. भग० १२, ८;

देवानंदा. स्त्री० (देवानंदा) लुओ ' देवा यंदा ' शब्द. देसो " देवाणंदा " शब्द Vido. " देवाणंदा " भग० ६ ३३;

देवारण्य. न० (देवारण्य) देवताने जंगल जेयुं स्थान; तमस्काय. देवता को जंगल के समान स्थान; तमस्काय. A place like a forest to the gods; a dark column ठा० ४, २; भग० ६, ५;

देवासुर. पुं० (देवासुर) देव आने असुर. देव और असुर-राक्षस. Gods and demons. भग० १८, ७; —संग्राम. पुं० (—संग्राम) देवता आने असुरनो संग्राम लडाव देवासुर संग्राम; देव और असुरों की लड़ाई. a fight between the gods and the demons भग० १८, ७;

देवाहिदेव. पुं० (देवाधिदेव) १८ दोषरहित तीर्थंकर. १८ दोष रहित तीर्थकर. A Tirthankara free from 18 faults. सम० २३.

देविंद. पुं० (देवेन्द्र) देवतागो धन्व. देवोंका ह्द. India (lord) of the gods जे० प० ५, ११५; १, १२; गच्छा० ७४; पंचा० ६, ८; कप० २, १३; उत्त० ६, ८, १२, २१; ठा० ३, १; आया० २, ७, २, १६२, सम० ६०; नाया० ८; भग० ३, १; ७; ७, ६; १६, १; सु० च० २, ६७८; निर० ३, ४; उवा० २, ११३; प्रब० ६८८; (२) ओ नाभनां ओ३ आचार्य के जेले ३३ अर्थ नामे पुस्तक २२५ छे इस नामवाले एक आचार्य कि जिन्होंने कर्मग्रंथ नामक एक ग्रंथ बनाया है a proceptor of

this name who wrote Karma-grantha क० गं २, ३५; —उगह.

पुं० (—अवग्रह) धन्वी आज्ञा. इन्द्रकी आज्ञा. a command of Indra.

भग० १६, १; —चंदिय. पुं० (—चान्दित) देवेन्द्रभी व दायेल (तीर्थंकर) देवेन्द्रसे चान्दित (तीर्थकर)

adored by the highest god (a Tirthankara) क० ग० २, ३ ; —सूरि. पुं०

(—सूरि) कर्मग्रंथना कर्ता ओ नाभना ओ३ आचार्य; जगत्प्रसूरिना शिष्य

कर्मग्रन्थ के कर्ता इसी नामक एक आचार्य जो जगचन्द्र सूरि के शिष्य थे a preceptor

of this name, author of Karma-grantha and a disciple of Jagachandra Sūri क० गं० १, ६१; ३, २५;

देविदत्ता स्त्री० (देवेन्द्रता) देवेन्द्रपत्नी देवेन्द्रता State of the highest

god. भग० १८, २;

देविदत्तव. पुं० (देवेन्द्रस्तव) २६ उत्कालिक सूत्रभांजुं १३ गुं सूत्र २६ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे १३वां सूत्र. The 13th of the

29 Utkālīka Sūtras. नंदा० १३;

देविदेववाय-अ न० (देवेन्द्रोपपात) ओ नाभनुं ओ३ कालिक सूत्र इस नाम का एक कालिक सूत्र. A Kālīka Sūtra of

this name. नंदा० ४३;

देवी स्त्री० (देवी) दे०; देवांगना. देवी, देवांगना; सुरवधु Goddess; wife of a

god. जे० प० ५, ११५; ११२; उत्त० ३२, १६; भग० १, १; २, ५; ३, १; ३;

६, ६; ८, ८; ६, १; १०, ३; २५, १; नाया० ८; १५; सूय० २, ५, १२; विवा० १;

सू० प० १८, वेय० ५, २, उवा० २, ११३; प्रब० ७, ११५३; भक्त० १२२; कप० २,

१३; (२) राजनी भुज्य राणी. पट्टराणी.

राजाकी मुख्य रानी, पट्टरानी; महिषी the chief queen ओव० २६; नाया० १, ८; १२, १४, १६; भग० ११, ११, विवा० १; राय० ७२, सू० प० १; अंत० ४, १, जं० प० दत्ता० १०, ६; ७, (३) सातमा यक्षवती० नी माता सातवें चक्रवर्ती की माता the mother of the 7th Chakravartī सम० प० २३४, (४) १० भा यक्षवती० हरिषेण० नी स्त्री (रत्न) १० वें चक्रवर्ती हरिषेण की स्त्री the wife of the 10th Chakravartī Haris pa. सम० प० २३४, (५) १८ भा तीर्थंकर० नी माता १८ वें तीर्थंकर की माता the mother of the 18th Tirthāṅkara सम० प० २०, ३२२, प्रव०

देवीता स्त्री० (देवीता-देवी) देवीपत्नी देवीत्व. The state of a goddess भग० १२, ७;

देवुदेसय. पुं० (देवदेसक) उपाधिगम सूत्रो अथ उद्देशो. जावाभिगम सूत्र का एक उद्देश An Uddēśa (chapter) of the Jivābhigama Sūtra. भग० ६, ५;

देवेंद्राववाग्र न० (देवेंद्राववाग्र) ७२ सूत्र भानु ओ३ श्लोक सूत्र ७२ सूत्रों में से एक कालिक-सूत्र. One of the 72 Kālīka Sūtras. वव० १०, २१;

देवेंद्र पुं० (देवेंद्र) इंद्र. इन्द्र; सुरेश Indra; lord of the gods सम० प० २४०; —चंद्रिय. पुं० (-चन्द्रित) इंद्रधी पण्डित ओवा अर्हन्त-भगवान् इन्द्र में चन्द्रित अर्हन्त प्रभु the lord Arhanta adored by Indra. सम० प० २४०;

देवोद पु० (देवोद) ओ नामो ओ३ समुद्र

इस नामका एक समुद्र. A sea of this name जीवा० ३, ४; सू० प० १९;

देवोववाग्र. पुं० (देवोवपात) जम्बुद्वीपनी भारतभूषां यत्तत् २३मा तीर्थंकर. The twentythird would-be Tirthāṅkara in Bharat Khaṇḍa of Jambūdvīpa. सम० प० २४१;

देस. पुं० (द्वेष) द्वेष; शत्रुता. द्वेष; शत्रुता; बैर Aversion; hatred, enmity. विशेष० २६६६;

देस. त्रि० (द्वेष) द्वेष इत्या योऽयं द्वेष करने के योग्य; द्वेषार्ह (One) fit to be hated. विशेष० १४४७;

देस पुं० (देश) देश, जनपद. देश, जनपद; मुल्क Country. नाया० १; १६; उवा० १ ५४, (२) १०० हाथ मापेली जमीन को देश कहते हैं. a piece of land measuring 100 arms पिं० नि० ३४४; (३) प्रदेश, जगह; स्थान. प्रदेश; जगह; स्थान place; territory सू० १० ११, पिं० नि० १२४, पञ्च० २२; आ० २०; (४) देश विरति शुल्लस्थानक partial renunciation; a spiritual stage विशेष० ११६१, क० गं० २, २; (५) परतुनो ओ३ भाग, अश, हिस्सा, प्रदेश. वस्तु का एक भाग, अश, हिस्सा. a part or sub-division of a thing अणुजो० १०१, १४४; नाया० ८, ९; विशेष० ४५; भग० १, ६; २, १, ३, १; ५, ७; ६, ५, १६, ८; २०, ५, पञ्च० १, वव० ३, १०; आ० १०. कप्प० ६, २६, प्रव० ५६६, (६) देशकाल, जमानो देशकाल, जमाना place and time. गच्छा० १४; (७) स्थूल; भेदाद् भेदाद् स्थूल; बड़ा २. thick; gross विशेष० १२३४; —अंत पुं०

(-अन्त) देशेनो अंत; छेडा. देश का अन्त, आखरी भाग. the extremity of a country. नाया० ८; —अणुसार. त्रि० (-अनुसार) देशने अनुसार दशानुसार; देश की प्रथा के अनुसार. according to place or custom of a country. नाया० ८; —अवसन्न. त्रि० (-अवसन्न) ओ देशधी सयमनी अउना करेनार, आपस्यकादि विधिपूर्वक न करे ते सयधी शुर् शिषामण्य आपे तो रक्षाभुं उलहुं ओ ले तेवेो साधु. ऐसा साधु कि जां एक देश से सयम का भंग करे, आवश्यकतादि त्रिवि पूर्वक न करे ओर इस विषय मे गुरुद्वारा उपदेश दिया जाने पर जो उलटकर सामने जवाब दे. (one) who partially violates self-restraint; an ascetic who would not do what he ought to do and being advised by a preceptor would oppose him. प्रव० १०८; —अधिवद् पु० (-अधिपति) देशेनो अधिपति, देशेनो राजा. देश का मालिक; राजा. a king ठा० ४, ४; —आरक्षिख्य. त्रि० (-आरक्षित) देशेनो अधिकारी देश का अधिकारी-हाकिम an official of a country. निसी० ४, १५. ६४, —आराध्य पु० (-आराधक) ओ३ देशेनो आराधक, सर्वथा आराधक नही एक देश का आराधक, जो सर्वथा आराधक नहीं है वह. a partial devotee. भग० ८, १०; नाया० ११, —आवरण पु० (-आवरण) देशधानी आवरण करनारी सात प्रकृति; केवलज्ञाना वरण्यु अने केवलदर्शनावरण्यु शिषायनी गृ ना वरण्यु अने दर्शनावरण्युनी प्रकृति. देशवाती आवरण करन वाली मात प्रकृतियां; केवल-

ज्ञानाव य और केवलदर्शनावरण के अति रिक्त ज्ञानवरण तथा दर्शनावरण की प्रकृति. the 7 Karmic natures which obscure knowledge etc. partially; the Karmic natures viz knowledge or sight-obscuring apart from the perfect knowledge or sight obscuring natures क०गं० ५, ६४; —उत्तरगुण. पु० (-उत्तरगुण) देश विरति आवकना उत्तर गुण देश विरति आवक कं उत्तर गुण. minor vows that is partial abstinence on the part of a layman भग० ७, २; —ऊण त्रि० (-ऊन) देस-थोडुं३, ठाय-थोडुं३; ३४३ ओ छुं. देस-थोडासा ऊन-कृच्छ्र थोडा. a little less विशेष० २०२; ४३७; भग० २, १०, ३, ३; ७; २४, २, नाया० ८, जं० प० १, १२; अणुजो० १४०, नाया० १० ४; पिं० नि० २८२, सम० ६७ ठा० ३, ४; —एय. त्रि० (-एज—एजन) देशधी यलायम न धतु-३पतु ते दे से चल यमान होने या वांपने (का भाव) shaking in part भग० २४, ४; —ओहि पुं० (अवधि) ओ३ देशे अवधिमान. एक देशीय अवधि ज्ञान limited knowledge. सम० —कहा. स्त्री० (-कथा) देशना आचार विचार वगैरेनी कथा करवी ते, आर विक्थामानी ओ३ देशके आचारविचार आदि की चर्चा करना, चार विक्थाओं मे से एक. discourse on the conduct of the men of a country; one of the 4 Vikathās (random talk) “देसकहा चउविवहा परण ॥” ठा० ४, २; सम० ४; आव० ४, ७; —कालजुत्त त्रि० (काळ युक्त) अवपरने ये अ. क्षेत्र कालने योग्य.

समयोपयोगी; क्षेत्रकाल के उपयुक्त op-
portunate; proper for place and
time पंचा० १, ३१; — (स रग न०
(-अग्र) देशेनो अग्रभाग -देश का अग्र
भाग the front part of a country
नाया० १५; — छाद् त्रि० (-घातिन्)
देशघाती आत्माना ओक देश-नी घात करने-
(कर्म प्रकृति) . देशघाती आत्मा के एक
देश का घात करने वाली (कर्म प्रकृति) .
a nature of Karmic matter
which destroys the soul in
one part क० गं० ५, १४, क० प० २,
४५, ४, ४४; चारत्त. न० (चारित्र)
ओक देशे सामायिक चारित्र, देश विरति-
श्रावकपात्रुं एक देशाय सा मायिक चारित्र;
दश विरति-श्रावकत्व partial observ-
ance of right-conduct. पंचा० ११,
२; — छाद्. पुं० (-त्यागिन्) देशेनो न-म-
भूमिने त्याग करने-वाला (one) who aban-
dons his motherland ठा० ३, ३;
— छाद्. पुं० (-त्याग) न-म-भूमिने त्याग
देश परित्याग, जन्मभूमि परित्याग aban-
doning one's mother country
ठा० ३, ३, — छुंद् पुं० (-छुंद्) देश-
छुंद्-अभुक्त श्री गम्य अभुक्त अगम्य ओम
छुंद् ओटले गम्यागम्य विभाग देश-छुंद्-
फला श्री गम्य है और फला अगम्य है इस
प्रकार का गम्यागम्य विचार-विभाग a
division as to whether a par-
ticular female is approachable
or not ठा० ४, २ — छुंद्कहा श्री०
(-छुंद्कथा) गम्यागम्य विभाग सगंधी
कथा करने-वाले गम्यागम्य विभाग विषयक बात
करना discourse related to the
approachable or unapproach-

able female. ठा० ४, २; — जद्.
पुं० (-यति) श्रावक; ओक देशी
यति नेपो. श्रावक; एक देश से
यतिवत्. a layman; partly like
an ascetic. " सत्वेण च देसेण च तेण
जुआहोइ देसजई " आठ० २; क० प० १,
८१, (२) देश विरति, स्थूल पापनी निवृत्ति.
देसविरति; स्थूल पापकी निवृत्ति. cess-
ation of gross sins. क० प० ५, २७;
— शाणाचराणिज्ज न० (-ज्ञानाचरणीय)
ओक देशी ज्ञानने आवरे ते; भक्तिज्ञानाचरणी-
यानि प्रकृति एक देशीय ज्ञानका आवरण, भक्ति
ज्ञानाचरणीय आदि प्रकृति. that which
partly obscures knowledge, a
nature of knowledge-obscuring
Karma. ठा० २, ४; — ऐवत्थ. न०
(-नेपत्थ) देशना श्री पुं० पड़ेर-
वेश देश के नरनारियों की वेशभूषा-पहि-
राव. the mode of wearing of
dress in a country. ठा० ४, २,
— ऐ (ने) चत्थकहा. श्री० (-नेपत्थ-
कथा) देशना पड़ेरवेशनी कथा देश की
वेशभूषा की कथा. the description
of the mode of dressing etc.
of a country ठा० ४, २; — देस.
पुं० (-देश) सो हाथनी अदरनी नभीनने
देश देश कहे छे. सौ हाथ के प्रमाण अन्दरकी
जमीन को देश देश कहते हैं. a patch of
field measuring under hundred
arms is styled as Desā Desā
"हत्थसयं खलु देसो आरण होइ देसदेसोय"
पिं० नि० ३४४; — पसिद्ध. त्रि० (-प्रासद्ध)
देशमा विख्यात देश प्रसिद्ध; देश में मशहूर.
famous in a country. पवा० १६,
२५ — पन्त. न० (-प्रान्त) देशेनो
छेडा-भीमा देश का अन्तिम भाग. समान्त

प्रदेश. the border or boundary of a country. विना० २; नाया० १६; —बंध. पुं० (-बंध) ओ३ देशे ञंध थाय ते. जो एक देश में बंध हो जाय वह. that which is closed in one part. भग० ८, ९; —बंधंतर. न० (-बंधान्तर) देशे ञंधनु अंतर देश बंध का अंतर. the interval between the extrimities of two countries. भग० ८, ६; —बंधग. पुं० (-बन्धक) देशधी ञंध करना; सर्व ञंध नही. देशमें बंध करने वाला. अंगतः बंधक, सर्व बंधक नहीं. that which binds in part not worldly. भग० ८, ६; —बंधय. पुं० (-बन्धक) थोडा ञंध करना थोडा बंध करने वाला, अल्पबधक (one) causing little bondage भग० ८, ६; —भाअ-य. पुं० (-भाग) देशनो भाग; प्रदेश विभाग. देशका हिस्सा, प्रदेश; विभाग. territory; province जं० प० ५, ११४; ओव० नाया० १, ५; भग० २, ८; —भाग. पुं० (-भाग) देशनो भाग; प्रदेश; विभाग. देश का भाग, प्रदेश, विभाग. a division of a country; province. नाया० १; भग० ६; ५; ओव० सम० प० २१०; कप्प० ३, ३; —वासि त्रि० (-वर्षिन्) ओ३ देशमा वरसनार; मेघ एक देश म वरसने वाला-बादल. a cloud shedding rain in one part. ठा० ४, ४; —विअण्णकहा स्त्री० (-विकल्पकथा) देशनी पेदाश सणधी कथा करती ते. देश की उपज संबंधी कथा या चर्चा करना. conversing about the production of a country. ठा० ४, २; —वि रण्णण. न० (-विज्ञान) विविध देश सणधी ज्ञान नाना देश विषयक ज्ञान.

knowledgo of various countries पंचा० १७; ३६; —विरअ. त्रि० (-विरत) ओ३ देशे पापधी निवृत्ति पाभेत्त; श्राव०. एक देश में अंशतः पाप में निवृत्त; श्रावक. absolved of sins in part; a lay-man. भक्त० २९; क० गं० ६, ७२; आउ० ७. —विरड. स्त्री० (-विरति) ओ३ देशे पापधी निवृत्ति पापनी ते; श्राव० पापु आशु-प्रत स्त्रीशरणा पशुआम. एक देश में वि-भागतः पापमें निवृत्त होना, श्रावस्वाश्रयुत्त स्त्रीकृत करने के मनोभाव. freedom from sins in one part; the thought inclination of accepting Anu-vrata; (minor vows). क० प० २, ६५; पचा० १०, ४१; —विरत. त्रि० (-विरत) लुओ "देसविरअ" शब्द देखो "देसविरअ" शब्द. vide "देसविरअ" क० प० ४, ५२; —विराहय. त्रि० (-विराधक) ओ३ देशे विराधना करना. एक देश में-अंशतः विराधना करने वाला. (one) who partially violates नाया० ११; भग० ८, १०; —विहिकहा. स्त्री० (-विधि-कथा) देशना रीतलातनी कथा करती ते. देश की रहन सहन रीति आदि की चर्चा करने का कार्य. description of the mode of living, customs, ethics etc of a country ठा० ४, २; —साहणबंध पुं० (-सहनबन्ध) थोडा स धयलुनी ञंध. कुछ संघयणों का बंध a bondage of a few osseous structures. भग० ८, ६; —हर त्रि० (-हर) ओ३ देशे हरनार-घात करना; देश घाती. देश घाती; एक देश में घात करने वाला. (one) killing in a particular portion. क० प० ७, २१;

देसंतर. न० (देशान्तर) ओक देशथी भीन्ने देश; ओक जग्याथी भीन्ने जग्या. एक देश से दूसरा देश; एक स्थान से दूसरा स्थान. another country or place. सु० च० ४, १२५; पि० नि० भा० ४४ ओव० ३९; प्रव० ६८४; —द्वि०. त्रि० (—स्थित) देशान्तर—भीन्ने देशमां रहैव. देशान्तर—दूसरे देश में रहा हुआ. a foreigner; alien. प्रव० ८६४;

देशकाल. पुं० (देशकाल) देश काय, शुभा-शुभ कायनो निश्चय करैव समय. देशकाल, शुभाशुभ कार्य का निश्चित किया हुआ समय. Place and time, the fixed time of the good or evil deeds. विशेष० २०६३; नाया० ८; —जुय त्रि० (—युत) देश कायने योग्य देश कालानुसार; देश काल के योग्य. proper for place and time पञ० १;

देशकालगणया छी० (देशकालज्ञता) देश कायने ज्ञायुं ते. देश कालज्ञता, देश काल का ज्ञान. Knowledge of place and time भग० २५, ७; —कालवदत्ता. छी० (—कालव्यतीतत्व) तीर्थकरनी पाण्डुरीनो १४ भो अतिशय. तीर्थकरकी बाणीका १४वा अतिशय. The 14th Atisaya of the words of a Tir-thankara. सम० ३५; राय०

देसग. त्रि० (देशक) उपदेश करनार. उप-देशक; उपदेष्टा; उपदेशदेनेवाला An adviser. सम० ५० २४१;

देशग. पुं० (दर्शक) दर्शक; दर्शावनार. दर्शक; दर्शावनार, बतलानेवाला. Spec-tator; (one) who shows परह० २, ४,

देसण. न० (देशन) उपदेश, शिक्षा उपदेश, सीख; शिक्षा; Advice, instruction

सु० च० १, ३७६;

देसण. न० (द्वेषण) द्वेष करनो ते. द्वेष करना, द्वेष. Hatred; aversion. विशेष० २९६६;

देसणा छी० (देशना) देशना उपदेश, धर्मोपदेश. उपदेश; धर्मोपदेश. Advice; religi-ous sermon. ठा० १; नाया० १५; ०च० ८, २०; प्रव० ६६३; पंचा० ६, २२; क० गं० १, ५६;

देसमाण. व० कृ० त्रि० (दिशत्—दर्शयत्) देखाइतो; गतावतो. दिखानेवाला, बताने-वाला. (One) who shows. ठा०; ४, २; ६;

देस-य. त्रि० (देशक) देशना आपनार; उप-देशक. देशना या उपदेश देनेवाला; उपदेशक. Adviser, instructor. ओव० १०; सम० १; नाया १;

देशयंत. व० कृ० त्रि० (दिशत्) कथन करतो. कथन करता हुआ. (One) narrating. विशेष० २६१;

देसयत. व० (देशकत्व) उपदेशकपण्य. उपदेशकत्व; उपदेशक का कार्य. The act of advising or preaching. विशेष० २६५९;

देसराग न० (देशराग) देश देशमां प्रसिद्ध ओक वस्त्रनी जत. देश प्रसिद्ध एक तरह का वस्त्र. A famous cloth of a cer-tain country. आया० २, ५, १, १४६;

देसावगास. पुं० (देशावकाश) जेभा देश-क्षेत्र-भूमिनी हद आंध्यामा आवे छे ते, आवइतु दशभुं मत. जिसमें देश-क्षेत्र या भूमि की सीमा निर्धारित की जाय ऐसा व्रत; आवक का दसवां व्रत. The tenth vow of a layman; that in which the limit of a country, field or land is set down प्रव० २८५;

देसावगासिय. न० (देसावगासिक) दिशाओ।

अने द्रव्यनी भर्पादिरूप आवाकनुं दशभुं प्रत.

दिशा तथा द्रव्य की मर्यादा रूप आवाक का

दसवां प्रत. The tenth vow of a

layman in the form of a limit

of directions and objects. श्रव०

३४; आउ० ४; भग० ७, २; मृय० २, ७,

२६, उवा० १, ४४;

देसि. त्रि० (देशिन्) देशभां ७८-भेद देशज;

देश में पैदा हुआ हुआ. Country-bred;

born in a country. श्रव० ३३;

देसिगणि. पुं० (देशिगणित) ओ नामना

आचार्य. इस नाम के एक आचार्य. A

preceptor of this name. कप्प० ८;

देसितवंत. त्रि० (देशितवर) निरूपेण;

दर्शावेल. निरूपित; दर्शाया या बतला ।

हुआ. Shown; pointed out. मृय०

१, ६, २४;

देसिभासा. स्त्री० (देशिभाषा) देशनी भाषा.

देश की भाषा. Language of a

country. विवा० २;

देसिय. पुं० (देशिक) उपदेश करनेवाला; स्थान

करनेवाला. उपदेश दाता; कथाकार An advi-

ser; a story-teller. विशेष १४२४;

देसिय. त्रि० (देशित) देखावेल. दिखाया

हुआ. Shown. (२) उपदेशेल; प्रति

पादन करेले उपदेश किया हुआ, प्राप्तपादित.

advised; maintained उत्त० ५, ४,

१०, ३१; २८, ४; ३६, १; दस० ५, १;

९२; ६, ६; नाया० ५; पि० नि० ७४७.

(३) मोटा क्षेत्रभा विस्तार पावेल. विशाल

क्षेत्र में विस्तारित. spread in a vast

field. श्रया० २, १, ३, ३०; प्रव० ६६८,

गच्छा० ४६;

देसिय. त्रि० (देवमिक) दिवस संबंधी

दैनिक; दिन सम्बन्धी. Pertaining to

a day " देमियंतु अद्वयारं आलोदज्ज

जहकम " उत० २६, ३६; प्रव० १८३;

देसी. स्त्री० (देश्या) देशभां ७८-भेदी, देशनी.

देश में उत्पन्न; देश की, दर्शाया Born in

a country; native श्रव० ३३,

देसी. स्त्री० (देशी) देशी (भाषा). देशी

(भाषा). Vernacular विशेष ३७;

नाया० १;

देह त्रि० (देह) गरीरना चिह्न भम निह

वगेरे शारीरिक चिह्न-मम, तिल आदि.

Physical signs such as a mole

etc मृय० १, १२, ६,

देह. पुं० (दह) देह; शरीर; देह. शरीर, बदन.

Body उत्त० १, ६८; ७, २; अणुजा० १६;

नाया० १; भग० ७, १ १६, २; दस० ३, ३, ६,

२२; विशेष ३०. पि० नि० भ० ६०, निमी०

१३, ३१; प्रव० ६३; ४४७, कप्प० ४, १२;

भत० ११६; (२) ओई ज्वतना पिशाचनुं

नाम. एक जातिके पिशाच का नाम name

of a class of ghosts, fiends.

पञ्च० १; —दुक्ख. न० (-दुःख) शरीरनी

पीडा शारीरिक पीडा; दैहिक दुःख physi-

cal pain दस० ८, २७; —प्रमाण न०

(-प्रमाण) शरीरनुं प्रमाण. शरीर का

प्रमाण measure of body प्रव० ५४०;

—पलोयण न० (-प्रलोकन) अरीसा

आदिभा शरीरनुं जेपु ते दर्पण वगैरह मे

शरीरको देखना seeing the image

of body in a mirror दस० ३, ३;

—माण. न० (-मान) देहनुं प्रमाण.

देह का प्रमाण माप. the measure of a

body ज० प० ५, १२३, प्रव० ८५. —वास

पुं० न० (-वास) शरीरभा वास करने

ते शरीर में रहने का कार्य. the act

of living in a body. दस० १०, १,

२१; —विमुक्त त्रि० (-विमुक्त) देहधी

भुक्त; सिद्ध देह से मुक्त-सिद्ध free from body; Siddha भग० ८, २; —सकार. पुं० (—सकार) शर २नी शैला शारीरिक शोभा. bodily equipment पंचा० १, २९;

देहबलिया. स्त्री० (देहबलिका) लिङ्गावृत्ति भिक्षा वृत्ति. भोख मांकर आजाविका-चलाना. Begging नाया० १६; विवा० ७, देहस्थ. त्रि० (देहस्थ) शरीरभां रहैल शरीरस्थ शरीर मे रहा हु । Inhabiting a body. bodily विशेष० २३६, क० प० ४, १०;

देहि. पुं० (देहिन्) देहधारी, अत्मा; ७५. देह धारी, आत्मा-जीव. Soul; life; possessed of body. सूय० १, १, १, ८; विशेष० १६६४;

दोकिरिय पुं० (द्विक्रिय) ओ३ सभये ओ३ ७। मे ६५५ वेदे ओ३ रीने स्थापन करनार, गंगाचार्यना भतनो अनुयायी एक ही समय में एक जीव दो क्रियाओं का ज्ञान प्राप्त करे इस प्रकार स्थापित करने वाला गंगाचार्य के मत का अनुयायी. A follower of Gaṅgāchārya who established the doctrine that a soul simultaneously knows two actions. आंच० ४९;

दोमच्च न० (दौर्मत्त्व) दारिद्र्यता. दारिद्र्य. निर्धनता Poverty, penury भक्त० १६६;

दोगिद्धिदसा स्त्री० (द्विगृद्धिदसा) ओ नामनो ओ३ श्रुत विलाग. इस नाम का एक धृत विभाग A class of scripture of this name. " दोगिद्धि दसाणं दस अक्षरपणा पण्यत्ता " ठा० १०

दोगुंन्दि. त्रि० (जुगुप्सित्) जुगुप्सा-धृत्वा करने नार जुगुप्सा-घृणा-करने वाला Cen

surer; hater. " दोगुंच्छी अप्पणोपाए दिएण भुंजज्ज भायणं " उक्त० ६ ८;

दोगुदग. पुं० (दोगुंदक) धर्मी ईडा ३२११२ देवताली ओ३ गान. आतिशय काडाशील देवों की एक जाति. A class of very sportive gods उक्त० १६, ३; सु०च० ७, ५२;

दोग्गद. स्त्री० (दुर्गति) भराय गति; नरक आदि गति दुर्गति बुरी गति-नरक आदि गति. Bad state-hell etc ठा० १, १;

दोच्च त्रि० (द्वितीय) ७। ओ३ ७-७५. दूसरा दूसरी. Second ज० प० ७, १३४, भग० २, १; ३, १; ५, ६; ६, ८; ५; ८, १०; ६, ३३, १२ ३, १५, १; १६, ६; ३१, १; नाया० १; २; ४, ६; ८; १२; १४; १६; १८; निर० १, १; सम० ३३; नाया० ध० २;

वेय० १, ३७; ३, १५, विशेष० ६६५, राय० ३४; दत्ता० ३, ३१, ६, २, ७, १; जीवा० २;

दोच्च न० (दौत्य) दूतपणुं. दूतत्व, दूतपन. Embassy; espionage नाया० ८;

✓दोज्ज. वा० I. (दुग्ध) दूध दैलुं. दूध दाहना. To milk.

दोज्जइ विशेष० १४०३;

दोण पु० (द्रोण) चार आठानुं माप. चार आठक का माप A measure of four Adhakas अणुजो० १३२, (२) द्रोण-कुमार द्रोण कुमार. Droṇa Kumara. नाया० १६; —मेह पुं० (—मेघ) गेटला पण्यमा पाणीना पिडुथी मे टी गागर लगाय ने प्रभाणनोवरमा ऐसी वर्षा कि पानी की बूंदों से एक बड़ा घड़ा भर जाय इतने समय तक बरसता रहे a rainfall which would fill a big pot with drops of rain. विशेष० ६४५८; —चाप. पु० (—पाक) द्रोण प्रमाण धान्य

का-पाक-रसोई, food prepared of corn measuring a Drona.

अणुजो० १३१;

दोणमुह. न० (दोणमुह) णंदरकाठे; ८५५ ८८८-
भाग' अने २५३ भाग' अने २२ने क्रियात्
पगेरे आवे ते शहरे बन्दरगाह के किनारे
का वह शहर जहां जल और धल के दोना
मार्गों से व्यापार की वस्तुएं आता रहता है।
A city near a port so situated
that merchandise is carried
in it by both the land and sea
routes. जं० ५०३, ६६; वेय० १, ६; ओव०
३२; सूय० २, २, १३; जीवा० ३ ३; नाया० १६.
भग० १, १; ३, ७; ७, ६; परह० १. ३.
उत्त० ३०, १६; अणुजो० १३१; आया० १,
७, ६, २२२; डा० २, ४; कप्प० ४, ८८,
प्रव० १२३३;

दोणसूरि पुं० (दोणसूरि) अणुद्विपुल-
पट्टन नगरनी ओके आचार्य. अणोद्विपुल-
पट्टन नगर के एक आचार्य. A prece-
ptor of Anahilapurapattana
city. डा० १०;

दोणो क्री० (दोणो) नौका. नाव नौका; नावः
जलयान. Boat, ship. भग० ८, ६;
परह १, १;

दोणिअ पुं० (दोणिक) ८८थी लरेली
गंडाठी कुंडीमां प्ररूप प्रवेश करे ने ओके दोण
पाणी तेमाथी गहारे नीकले तेठलां पणन-
वालो पुत्र जलस भर हुई बडी कुंडी
मे पुरुष प्रवेश कर और एक दोण पानी उ म
से बाहर निकले इतने वजन वाला पुरुष
A man with so much weight
that if he enters a reservoir
of water full upto the brim, his
volume causes one Drona of
water to come out उवा० ८. ३३५.

अणुजो० १३४;

दोनिप्पभा. क्री० (चातिपभा) यक्षनी अथ-
महिषीनुं नाम चद्रका अग्रमहिषी-पटरानी का
नाम Namo . of the chief queen
of the Moon नाया० १;

दोधार. त्रि० (द्विधार) ये धारवाले द्वाराः
दो धारवाले Two edged डा० १, ३;
—छेयण. म० (-छेदन) ये धारी
तलवार पगेरेथी छेदुं ने द्वारी तलवार
आदि शस्त्रों द्वार छेदन cutting with
a double-edged sword etc डा०
५, ३;

दोफगुणी. क्री (द्विफल्गुनी) पूर्वा ६ फल्गुनी
अने उत्तरा ६ फल्गुनी ओ ओ नक्षत्र पूर्वा
फल्गुनी और उत्तरा फल्गुनी नामक दो
नक्षत्र. The two plaasets viz. Pūr-
vā Phālgunī and Uttarā Phāl-
gunī. अणुजो० १३१;

दोबल्ल न० (दोर्बल्य) दुर्बल्य दुर्बलता.
कमजोरी. Feebleness विशेष० २१६;
३२३२. णि० नि० गा० ४२;

दोभग. न० (दोर्भाग्य) दुर्भाग्य दुर्भाग्य.
कमनसा। Misfortune जीवा० ३. ३;
दोमणस्स न० (दोर्मनस्य) नाभीपासी;
यिता निराशापूर्ण हृदय चिन्ता व्यग्र चित्त.
Hopeless or disappointed
mind सूय० २ २, ८२;

दोमास. पु० (द्विमास) ये मास दो मास-
महिने Two months नियो० २०,
१२; १६.

दोमासिअ-य त्रि० (द्विमासिक) ये मासनुं.
द्विमासिक, दो मासका Of two months.
सम० २८; निती० २० १०; ११; १२; १४;
वव० १, २; भग० २, १, (२) ये महीनाना
साथे उपवास करवा ते, द्विमासिक ८५ दो
महीने का लगातार उपवास करना, द्विमासिक

तप & penance to fast for two months आंव० १६; — भक्त. न० (-भक्त) भे भायना उपवास करने का व्रत & vow of fasting for two-months. भग० २५, २;

दोमासिया स्त्री० (द्विमासिकी) निपुडुनी पात्र पडिभाभानी पीछ पडिभा-अभिग्रहः (अ मा ओ३ भास सुधी भे दत अन्न अने भे दात पाणी लक्ष शाय) मित्तु' की १२ गडिमा में की द्वारा गडिमा आमेग्रह, (इसमें एक मास पर्यन्त दोदात अन्न और दोदात पानी ग्रहण किया जा सकता है). (One) of the twelve Padimās of an ascetic. In this an ascetic can take two draughts of food and water for one month. ओव० १५; सम० १२; नाया० ८; दसा० ७, १;

दोमिली. स्त्री० (दोमिली) ओ३ प्रकारनी अक्षरी लिपी. एक प्रकार की ब्राह्मी लिपी A kind of Brāhmī script पत्र० १;

दोर पुं० (दोर) दे. रे. तांजो. दोरा; धागा; तनु Thread, cord राय० १६६; ओघ० दि० भा० ३१६, जीवा० ३, ४;

दोरज्ज न० (द्विराज्य) भे राज्या. दो राज्य. Two kingdoms आया० २, ११, १७०, ठा० ३, १;

दोरुवय त्रि० (द्विरूपक) भे, भेने आं३डा. दो दो का अक. Two; the figure of two अणुजो० १०६;

दोला. स्त्री० (दोला) या२ धिद्रिवाला उपनी ओ३ जात चार इंद्रिय वाले जीव की एक जाति A kind of four-sensed being पत्र० १.

दोव. पुं० (दोव) ओ३ प्रकारनी अनाय

अति एक प्रकार की अनार्य जाति. A non Aryan race. पत्र० १;

दोवई स्त्री० (द्रोपदा) द्रौपदी द्रोपदी. Draupadī. नाया० १६; — अज्जा. (-आया) द्रौपदी साध्वी. सती-साध्वी-द्रौपदी-आया the female ascetic Draupadī नाया० १६ — देवी स्त्री० (देवी) द्रौपदी देवी देवी द्रोपदा. Devī Draupadī नाया० ४० नाया० १६;

दोवती स्त्री० (द्रौपदी) द्रौपदी. द्रौपदी; द्रुपदराज पुत्रा Draupadī, daughter of the king Drupada. पत्र० १, ४; दोवारंग पु० (-द्वाराङ्ग) अरिसाने हाथी. दर्पणका हस्ता, दस्ताना. Handle of a mirror राय० ११८;

दोवारिव. पुं० (दौवारिक) दारपाल, दरवान. A door keeper. नाया० १, ओव० राय० २५३; निसी० ६ २५; कप्प० ४, ६२;

दोस. पुं० (दोष) दोष. अपयुत्तु. दूषण दाप, ऐष. अवगुण, दूषण Fault, defect demerit, flaw. उत्त० १, २४, ठा० १, १, अणुजो० १२८, ओव० १०; भग० १, ६, ७, १, १२, ५, १८, १०, २५, ७, नाया० १; २; सू० प० २०; पि० नि० भा० २५; दम० ५, १, ११; ६६; ५, २, ३७, ६, २६, २६, ७, ५६, दसा० ४, ८४, ६, ३१; नंदी० ४५. सूय० २, ५, १२; प्रव० ६, ६८२; पचा० ५, ७, १७, ४८, भक्त० १०८; — गवभ. न० (-गर्म) दोषगर्भित. दोषगर्भित; दोषपूर्ण full of faults भक्त० १३६; — जाल. पुं० (-जाल) दोषने समुदाय. दोष समूह. दोषों का समुदाय & aggregate of faults. विशेष० २८८. — लि-ग्यायण न० (-निर्वातन) दोषने नाश करने के दोषों का नाश करने का कार्य

the act of destroying defects. दसा० ४, ६७; — एलिसिसय न० (-निःसृत) ओ३ प्र३रनुं भूपायाद. एक प्रकार का असत्य. a kind of false discussion. डा० १०; — दोसे त्रि० (-दर्शित) दोष लेना२. दोष देखने वाला, छिन्नावेरी fault-finder. आया० १. ३. ४. १२५; — दूसण. न० (-दूषण) पोताना दोषनी निन्दा करनी ते अपने अवगुणों की निन्दा करने का कार्य. an act of censuring one's own fault. मत० १६; — पडि वत्ति लो० (-प्रतिपत्ति) दोषनी प्राप्ति दोष की प्राप्ति getting defects. गच्छा० ५१; — पडिसेद. पुं० (-प्रतिषेध) निर्दोषपण्युः दोषनो अभाव निर्दोषता; दोषाभाव innocence: absence of faults. पंचा० १३; ४४. — परिणणण न० (-परिज्ञान) दोषनु ज्ञापण्युः परि ज्ञान; दोषों की जानकारी. knowledge of faults. पंचा० १३, ३२; — पपकाम त्रि० (-प्रकाम) लेभा धण्युं दोषो दुं प ते जिसमें अनेक दोष हैं. very defective. मत० १०७; — रहिय. त्रि० (-रहित) दोष रहित दोष विहीन; निर्दोष faultless. सू० १० २०; — व जिअ त्रि० (-वर्जित) दोष रहित दोष रहित. defectless दस० ५. १. ६९; — वत्तिया लो० (-प्रत्ययिका) प्रति३र३ किया. दोषधी उत्पन्न यनी किया. अप्रिय कार्य; दोषोत्पन्नक्रिया. an unpleasant act; that which would excite hatred. डा० २, १; ४;

दोस. पुं० (दोष-द्वेष) दोष; दोषनो पर्याय. अप्रीति. द्वेष. क्रोध का पर्याय. अप्रीति Aversion: a synonym of anger, discord. सम० २, ५२, उत्त० ४, १३,

२५, २१. अणुतो० १२७, ओव० १०, भग० १, ६; ९; १२. २; २५, ७ नाया० १: ३; पि० नि० ६३४; दस० २. ५ दसा० ६, ४; पत्र० २३: कप० ५, ११७; क० गं० १, १६; — कलिय त्रि० (-कलित) दुःख वाला. द्वेष वाला. द्वेषा. spiteful नाया० ६; — बंध. पुं० (-बन्ध) दोष अने मान रूप द्वेषयी होते अंध क्रोध और मान रूप द्वेष के कारण होने वाला कर्म बन्धन & bondage caused by hatred in the form of anger and pride डा० २, ४; — बंधण. न० (-बंधन) द्वेषरूप अंधन; अंध अंधनु कारण द्वेषरूप बंधन, कर्म बंधन का कारण the bondage due to hatred: a cause of Karmic bondage. आवा० ४, ७; पत्र० २;

दोसऊरिया लो० (दोषपूरिक) १८ लिपि. भांती ओ३ १८ लिपियों में से एक लिपि One of the 18 scripts. सम० १८;

दोसपूरिया लो० (दोषपूरिका) लुओ। " दोसऊरिया " शब्द. देखो " दो ऊरिया " शब्द Vide " दोसऊरिया " पत्र० १;

दोसणण पु० (दोषज्ञ) दोषने ज्ञाणार. दाणों का जानने वाला (One) who knows the faults दस० ७, १३;

दोसवंत त्रि० (दोषवत्) दोषयुक्त दोष युक्त. Faulty पंच० ८; ११;

दोसा लो० (दोषा) १८ लिपिभांती ओ३ १८ लिपियों में से एक लिपि. One of the eighteen scripts पत्र० १,

दोसाणण. न० (दोषाज-पदोषज-पर्यायितान्न) रातपासी अन्न. रात का बासी अन्न. Stale food being kept overnight पण्ह० २ ५.

दोसिण त्रि० (*) ठाढ़ा बासी ठंडा. वासो; पयुं पत Cold, stale आष० नि० २५३;

दोसिणा स्त्री० (ज्योत्स्ना) ज्योत्स्ना कान्ति.
तेजः; चन्द्रलेश्या ज्योत्स्ना, छवि, कान्ति;
तेज, चन्द्रलेश्या. Moonlight. ठा० २, ४,
सू० ५० १;

दोसिणाभा स्त्री० (ज्योत्स्नाभा) ज्योतिषीना
धर्म यद्र तथा सूर्यानी भीष्म अथ महिषी
ज्योतिषी के इन्द्र चन्द्र तथा सूर्य की दूसरा
अथ महिषी The second crowned
queen of Indra the moon and
sun of astronomers. नाया० व०
७; ठा० ४, १, जीवा० ४; जं० ५० ७, १७०,
सू० ५० १८,

दोसिआ. त्रि० (दौष्यिक) कापडिओ, कापडने
व्यापारी बजाज; कपडों का व्यापारी
वख व्यापारी. A cloth-merchant.
अणुजो १३१; पन्० १, —साला. स्त्री०
(—शाला) कापड बेचनेवाली जग्या;
कापडनी दुकान बजाजखाना. कपडोंकी दुकान.
A cloth-market. वव० ६, २१, २४, २५;
दोसियरण. न० (दोषान्न) रातवासी अन्न.
रात का बा १ ठंडा अन्न Stale food.
पराह० २, ५;

दोसिल्ल. त्रि० (दोषवत्) दोषवाहुं. दोष-
वाला. Defective विशेष० १११०, पि०
नि० १०६;

❖ दोसीण त्रि० (•) वासी, टाहुं. बर्मा;
ठंडा, पर्युषित. Stale, cold. ओष० नि०
१४५;

दोह. पुं० (दोह) कष्ट. वैरबुद्धि राभी अप-
कार करने ते वैरबुद्धि से अपकार करने
का कार्य, दोह. Doing an evil
turn with jealousy or enmity
चउ० ३५,

दोहग न० (दौर्भाग्य) दुर्भाग्य. दुर्भाग्य.
दौर्भाग्यता Misfortune. जं० ५०
सू० २, २, ८२;

दोहहि. पुं० (दोहहि) ओ नामनु ओक गाभ.
इस नाम का एक गाव A village of
this name. जीवा० ३;

दोहण. न० (दोहन) दुध देहवानु वासथ;
तांयडी. दूध दुहन का पात्र, बटलोई,
भगौना इत्यादि Milking pot or
bowl. जीवा० ३;

दोहल न० (दोहल) गर्भवती स्त्रीने भीने
स्त्रीने भट्टिने छवना भविष्य प्रभाषे सारी
माडी धन्धा-आतुरता थाप ते सगर्भा स्त्री
को गर्भ रहने के दूसरे या तीसरे महिने में
जीव के भविष्य के अनुसार अच्छी या बुरी
जो इच्छा-आतुरता उत्पन्न हो वह.
Desires or aspirations which
are born in the foetus ac-
cording to the future pros-
pects of a living being सू० १,
४, २, १५, नाया० १; निर० १, १; भग०
११, ११; पि० नि० ८०; कप० ४, ६६;

दोहारछेयण न० (द्विधारछेदन) ओ धार
वाली तरवार पिगेरेथी छेदन करने ते.
दुवारी तलवार आदि से छेदने का कार्य.
Cutting with a double edged
instrument. भग० ११, ११;

✓द्व धा० I, II. (द्व) प्राप्त थवु. प्राप्त
होना. To get

दवण. विशेष० २८;

दविजा वि० विशेष० १४०४;

✓द्व धा० I. (द्व) भेजववुं; प्राप्त करने.
मिलाना, प्राप्त करना To obtain, to
get.

दुइय विशेष० २८;

✓दह धा० I, II. (दह) लरभ करने;
आलवु भस्म करना; जलाना To burn
to ashes; to burn.

ददे. दस० ६, ३४;

दहिजा. वि० उत्त० १८, १०;

दह. आया० १, ७, २, २०४;

दहिजं. सं० कृ० उत्त० १३, २५;

दहिजण. सु० च० २, ६७;

✓ द्वेस. धा० I, II. (ध्वंस) नीचे पाऽयुं.

अधःपात इरेवो. नीचे गिराना; अधःपात

करना. To throw down; to cause to fall (२) नाश इरेवो नाश करना. to destroy.

धंसेह- दया० ६, ६; सम० ३०;

धंसति. विशेष० ३८१;

धंसिया. सं० कृ० सम० ३०;

ध.

धंत. त्रि० (ध्मात्) अग्नि आदिथी तपायीने शोधेयुं; निर्भक्ष इरेयुं. अग्नि आदिमे गरम कर के शुद्ध किया हुआ. Purified by smelting in fire. जं० प० ३, ४६; विशेष० ३०२६; राय० ५५, २६६; ठा० ५, ३; जं० वा० ३, ४; नाया० १; जं० प० पि० नि० भा० ४०; पञ्च० १; १७; —धोय. न० (-धौत) अग्निथी तपायीने साध इरेयुं. अग्नि में तपाकर शुद्ध किया हुआ; अग्निदूत. purified by means of blowing. जीवा० ४, जं० प०

धगधगंत. त्रि० (धगधगायमान) ज्वरेथी अक्षरुं; ज्वरवस्थमान. खूब जोरसे जलता हुआ; प्रकाण्ड रूप से धक्कता हुआ. Burning fiercely. नाया० १;

धट्टज्जुण्ण. पुं० (धट्टार्जुन) दुपद राजानो पुत्र; अक्ष राजकुमार. दुपद राजा का पुत्र; एक राजकुमार. the son of the king Drupada. नाया० १६;

धण. न० (धन) द्रव्य; धनभी; संपत्ति. द्रव्य, धन; दौलत; श्री Wealth; riches. सु० च० २, ३०८; नाया० १; २; १६; १८; भग० २, ६; ३, १; ५, ६; ८, ५; राय० २२२; उत्त० ४, २; ६, ६; १०, २८; अणुजो० १२८, ओव० १३; गच्छा० ८८, कप्प० ४, ८६; प्रव० ७२७; उवा० १, ४६; १०, २७७; (२) २३ भा तीर्थकरने प्रथम शिक्षा आप-

नार गृहस्थ २३ वें तीर्थकर को प्रथम भिक्षा प्रदान करने वाला गृहस्थ the man who gave alms first of all to the 23rd Tirthankara. सम० प० २३२; (३) अक्ष नामो अक्ष शोः इम नाम का एक सैंठ. a merchant of this name. नाया० १८; —धन्य. पुं० (-चय) धनो नाश. अर्थ नाश; द्रव्य की हानि. the destruction of wealth. भग० ३, ७, —णिहि. पु० (-निधि) सुवर्ण विगरे धनो निधि-अनो. सुवर्ण आदि द्रव्य का भंडार खजाना a treasury of wealth like gold etc. ठा० ५, ३; —धन. न० (-धान्य) धन अने धान्य. धन और धान्य. riches and corn; a comprehensive term for wealth. प्रव० २७६; —भागि त्रि० (-भाक्) धनना इक्षने भोगवानार. धनभीने भोगवरे इरेनार. धन के फल को भोगन वाला. ऐश्वर्य भोग करने वाला; धनभोगी. (one) who enjoys wealth or prosperity; an easy going man. विशेष० ३४२७;

धणंजय. पुं० (धनजय) उत्तराभाद्रपद नक्षत्रं गोत्र उत्तराभाद्रपद नक्षत्र का गोत्र. The family origin of the Uttarā Bhādrapada constellation. “ उत्तरा

पोट्टपदा खखत्ते किं गोत्ते पणत्ते ; धनं त्रय
सगोत्ते पणत्ते " जं० प० ७, १५३; सू० प०
१०; (२) पण्णाडीआना नवमा द्विस-
ने।भनुं नाम. पखवाडे या पत्त के नव दिन
नवमी का नाम the ninth date of a
fort-night. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२.
धनंतरि. पुं० (धन्वन्तरि) धन-वन्तः वैद्य
धन्वन्तरी वैद्य The physician of
the gods विवा० ७, — बिज्ज पुं०
(वैद्य) धन-वन्तरी वैद्य धन्वन्तरी वैद्य,
देवताओं के हकीम the physician of
the gods. विवा० ७;
धनगिरि पुं० (धनगिरि) ऐक भुनिनु नाम एक
मुनिका नाम. The name of a saint.
कप्प० ८;
धनगुप्त पुं० (धनगुप्त) धनगुप्त नामे महा-
गिरि आचार्यना ऐक शिष्य धनगुप्त नामक
महागरी आचार्य का एक शिष्य. A
disciple named Dhanagupta of
Mahāgiri preceptor विशेष० २४२५,
धनगोच पुं० (धनगोच) राजगृह नगरना
निवासी धन्य सार्थवाहनो त्रीन् पुत्र
राजगृह नगर निवासी धन्य सार्थवाह के तीसरे
पुत्र का नाम. The name of the
3rd son of the merchant Dha-
nya of Rajagriha. नाया० ७, १८,
धनदत्त. पुं० (धनदत्त) त्रीन् वासुदेवना
त्रीन् पूर्वभवनुं नाम. तिसर वासुदेव के
तीसरे पूर्व भव का नाम. The name of
the third past life of the 3rd
Vāsudeva. सम० प० २३६;
धनदेव. पुं० (धनदेव) धन्य सार्थवाहनो
भीन्ने पुत्र. धन्य सार्थवाह का दूसरा पुत्र.
The second son of the mer-
chant Dhanya नाया० ७, १८;
धनपाल पुं० (धनपाल) धन्य सार्थवाहनो

पहेलो पुत्र धन्य सार्थवाहका पहिला पुत्र.
The 1st son of the merchant
Dhanya. नाया० ७; १८;
धनय. पुं० (धनद-धनददातीति) वैश्रमण्य;
कुभेर-भंडारी वैश्रमण्य; कुबेर; भंडारी; देवता-
ओंके कापाध्यक्ष. The lord of wealth;
the treasurer of the gods भग०
४, १, सु० च० १, ३४७, २, १३०;
धनगन्धिव. पुं० (धनरक्षिन्) धन्य सार्थ
वाहनो योथो पुत्र धन्य सार्थवाहका चतुर्थ
पुत्र The 4th son of the mer-
chant Dhanya नाया० ७; १८;
धनवद् पुं० (धनपति) वैश्रमण्य-कुभेर भंडारी.
वैश्रमण्य-कुबेर, भंडारी, खजांची. The lord
of wealth; the treasurer of the
gods जं० प० ३, ४१, ४२, नाया० विवा० १;
धनवत् त्रि० (धनवत्) धनवान्; श्रीमन्तः धनवान्;
श्रीमन्त Rich; wealthy. विशेष० ५०६;
धनवति. पुं० (धनपति) कुभेर; धनो
अधिष्ठायक देवता. कुबेर, धन का अधिष्ठायक
देवता The god of wealth अन० १, १;
धनसत्थवाह. पुं० (धनसार्थवाह) राजगृह
नगरना निवासी धननामे ऐक सार्थवाह. धन
नामक राजगृह नगर निवासी एक सार्थवाह. A
merchant named Dhana dwel-
ling in Rajagriha नाया० १५, १८;
धनसेट्ठि. पुं० (धनसेट्ठिन्) राजगृह नगरना
रहेवासी धन नामे ऐक सेट्ठ धन नामक राज-
गृह नगर निवासी एक सेठ. A merchant
of this name dwelling in the
city of Rājagriha. नाया० १८;
धणि पुं० (ध्वनि) शब्द; ध्वनि; आवाज.
शब्द, आवाज; ध्वनि Sound; note;
voice. जीवा० ३, ३; विशेष० १५०;
धणि छा० (घ्राणि) असतोष लोभी प्रकृति.
असतोष, लोभ पूर्ण प्रकृति Discontent;

greediness. विशेष० १६२३;

धणिक. त्रि० (धनिक) धनवान्. धनवान्;
श्रीमान्; लक्ष्मीपुत्र. Rich; wealthy;
well to do पंचा० ७, ५;

धणिष्ठा. स्त्री० (धनिका) ओ नामनुं ओक्ष नक्षत्र.

इय नाम का एक नक्षत्र. A constella-
tion of this name. जं०प० ७, १२५;

१२१; अणुजो० १३१; सम० २; ठा० २, ३;

धणित्तण. न० (धनित्तण) शब्दप्राप्ति; आवाज-
नो शुद्ध. शाब्दिकता; आवाज का गुण.

The state of sound. विशेष० १२६;

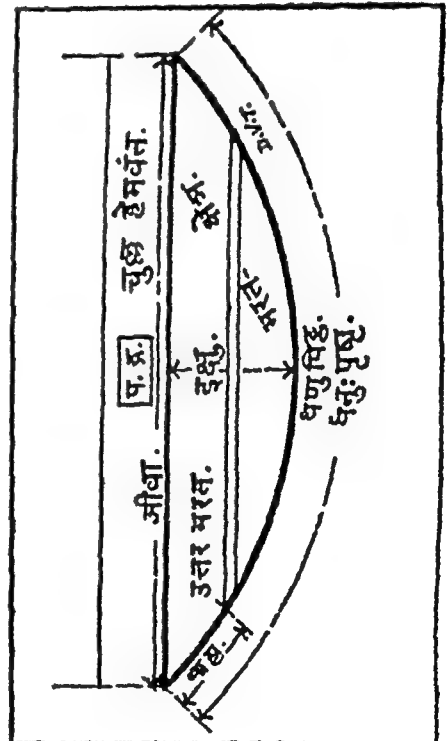
धणिय. त्रि० (धनिक) धनवान् धनी.
धनवान् Rich; wealthy. नाया० १८,
(२) धणी; भाक्षी; स्वामी धना; मालिक;
स्वामी master; lord सम० ६;

धणिय-अ. त्रि० (*) मज्झिमा; कठिना; दृढ;
गोढ; अत्यन्त मज्झुत्त. मज्झुत्त; कठिन,
दृढ;; प्रगाढ; अत्यन्त कठ्ठा. Strong;
deep. सु० च० ५, ८०; नाया० १; राय०
२७४; भग० १, ६; ६, ३३; १८, ३; सम०
११; पण्ड; १, ३; ओव० २१; —बंधण.
न० (—बंधन) कठिण-मज्झुत्त प-धन
कठिन या दृढ बन्धन. a fast or hard
knot भग० १, १;

धणियं अ० (*) अतिशय; धण्यं. अत्यन्त;
बहुत ही अधिक. Too much; ex-
cessive; profuse. ओघ० नि० ८०७;
सु० च० ११, १८; उत्त० १३, २१;

धणु न० (धनुष) धनुष; तीरक्षभुं. धनुष्य;
तिरिक्तमान; धनु. A bow; a bow and
arrow नाया० ८; १६; १८, पि० नि ६६;
भग० २, ५; ५, ६; ७, ६; १८, ३; २४,
२; उत्त० ६, २१, राय० २५६. ओव० (२)
चार हाथनु भाप चार हाथ का माप
a measure of 4 arms. भग० ६, ७.
ओव० ४३, सम० ३०; जं० प० ७, १७४;

विशे० ३४२; पञ्च० २१; (३) धनुष्यवती
नारकीओने दुःख आपनार; परमाधामी.
धनुष्य द्वा । नारकी (नरक के जीवो) का दुःख
देने वाला; परमाधामी (one) who
tortures the hell beings by
bows; Parmādhāmī those who
torture in the hell. भग० ३, १२, सम०
१५; —त्तिभाग. न० (—त्रिभाग) धनुष्यवती
त्रिमे भाग धनुष्य का तीसरा भाग the
third part or measure of a bow.
प्रव० ४६४; —परिहाणि स्त्री० (—परिहाणि)
धनुष्यवती परिहाणि, धनुष्य की क्षति;
धनुष्य का क्षय, नुकसान. the destruc-
tion of a bow प्रव० ४१३; —पिट्ट. पुं०
(—पृष्ठ) धनुष्यवती पीठ-क्षमान धनुष्य की
पाठ-मान a bow stick. (२) धनुष्यवती
पीठना आकारनुं क्षेत्र धनुष्य की पाठ के



आकार का क्षेत्र. a field or region

having the shape of the back (stick) of a bow नाया० १ भग० ५ ६; —पुष्ट. पुं० (-पुष्ट) लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide above. भग० ५, ६; —पुहुत्त. न० (-पुष्टात्) ओयी नय धनुष्य पयंत दोसे नौ धनुष्य तः from 2 to 9 bows प्र० ११. ८ —प्रमाण. न० (-प्रमाण) धनुष्युं प्रमाय माप. धनुष्य का प्रमाण, माप या नाप the measure of a bow भग० ६, ७; —बल. न० (-बल) धनुष्यनु यत्न धनुष्य का बल. strength equal to one Dhanuṣya (a measure) भग० ३, २. —वर न० (-वर) श्रेष्ठ धनुष्य श्रेष्ठ धनुष्य; उत्तम धनु. the best bow जं० प० ३, ४५. —सय. न० (-शत) ओऽसौ धनुष्य. शत धनुष्य, एकसौ धनुष्य hundred bows. प्र० ४ ३; जं० प० ७, १०४; १, ४;

घण्ट न० (धनुष्क) लुओ " घण्ट " शब्द देखो " घण्ट " शब्द. Vide " घण्ट " अणुजो ११३;

घण्टगह. (धनुर्वह) धनुर्ता; ओऽ प्रकारने वायुना रोग धनुर्वत; एक प्रकार का वायु रोग Tetanus; a kind of disease pertaining to the wind जं० प० जीवा० ३, ३;

घण्टद्वय. पुं० (धनुर्वह) ओ नामने राज के ओ आवी ओवीसीमां पहुँचा महापद्म तीर्थकर पासे दीक्षा लेशे. इस नामका एक राजा जो आगामी चौवीसी मे प्रथम महापद्म तीर्थकर से दाज्ञा लगा. A king of this name who will be consecrated by the first Mahāpadma Tirthakara of the coming cycle. जं० ८ १;

घण्टयगह पुं० (धनुर्वह) धनुषने ग्रहण करने वाला One who takes a bow निरी० ६, २४; घण्टवेद्य. पुं० (धनुर्वेद) णाय ओऽवानी विद्य ने ग्रंथ; पात्रमे वेद. धनुर्वेद; वाण च नि की विद्या को सिखाने वाला ग्रंथ; पात्रवां वेद. the work on the science of archery; the 5th Veda. नया० १. आ० ४०;

घण्ट. न० (धनुष) धनुष्य. धनुष्य; धनु. A bow. भग० २१, १, २४, २३. —पुहुत्त न० (पृथक्) ओ धनुष्ययी मास नय धनुष्य सुधी दो धनुष्य से लगाकार नौ धनुष्य पर्यन्त from two bows to nine भग० २१, १; २२, १६;

घण्ट त्रि० (धन्य) धन्यवादे लायः; सः सः धन्यवादी भलता सम्मानन पात्र; आदरणीय; लाभशाली. धन्यवाद के योग्य; सत्कर्म करने से मिलने हुए सम्मान योग्य, आदरणीय; सम्माननीय; भाग्यशाली Blessed. fit to be thanked; honoured or respected, fortunate; respectable जं० प० ५, ११२; १०७; पंचा० १५, ४४, २, ३५; ६, २६; गच्छा० ६५; नाया० १; २, ७; ८; १३; १४; १६ भग० ६, १३, ११, ११; १३, ६; १५, १; अणुजो १२८; १३०; दसा० ६, ४; परह० २, २; विवा० २, ७; (२) ओऽ सार्धवाहुं नाम. एक सार्धवाह का नाम. the name of a merchant नाया० ७; १५;

घण्ट न० (धान्य) २४ प्रकारनु धान्य; दाया. २४ प्रकार का धान्य; अनाज; दाना; नाज. The corn of 24 varieties कप० ४, ८६. परह० १, ३, ओव० १३; भग० ३, १; ६, ५. नाया० १; उत्त० ११, २६, प्र० ७२८; —कुलथ पुं० ली० (कुलथ)

कलथी नामक धान्य, कलथी नामक धान्य
 a corn named "Kulathi" नाया०
 ५; भग० १८, १०; —पुंजियसमाणा
 त्रि० (-पुञ्जितसमाना) कथरा सहित दगले
 करेल धान्यना जेवुं, कवरे सहित किये हुए
 धान्य के ढेर के समान; मिष्टा कंकर आदि में
 मिले हुए अनाज के ढेर के समान. like a
 heap of corn mixed with
 husk pebbles etc. डा० ४, ४;
 —मास. पुं० स्त्री० (-माष) अ०६ नागनुं
 धान्य. उर्द या उडद नामक धान्य a
 pulse named Uḍada or Urda.
 नाया० ५; भग० १८, १०; —सरसव.
 पुं० (-सर्षप) सरसव न भनुं धान्य. सरसव
 (सरसों) नामक धान्य. a seed named
 Sarsava; mustard. नाया० ५; भग०
 १८, १०;

धत्तरुह. पुं० (धृतराष्ट्र) कालामुष्ण अने पग-
 वालो ओक जलतने इस काले पर तया मुँह
 वाला एक जाति का हंस. A swan
 with black bill and foot परह०
 १, १;

धन्न त्रि० (धन्य) धन्यवाद्दे लायक. धन्यवाद
 के योग्य; धन्यवादाहं. It to be thank-
 ed. भक्त० १६५; भग० २, १; जं० प २, ३०.
 उवा० २, ११३; ६, १०३; पि० ति० १२७, कप्प०
 १, ४; आशुनरोपवाध सूनता त्रीण वर्गना
 प्रथम अध्ययननुं नाम अणुत्तरोववाह सूत्र के
 तीसरे वर्ग के पहिले अध्ययन का नाम. the
 name of the 1st chapter of the
 3rd class of the Aṇuttarovavāi
 Sūtra. अणुत्त० ३, १; (३) काकंदी
 नगरी निवासी भद्रा सार्थवासीता पुत्र;
 जे भद्रापीर स्वामी पारो दीक्षा लई छह
 छनां पारश्यां करवा लाय्या; पारश्वे बुद्ध्या
 आदारथी आय जिल करता, ओम नवभासनी

अवस्था पादी विपुल पर्यंत उपर ओक भासने
 संश्रांति करी सर्वायसिद्ध त्रिभ ने ३३ सागरने
 आयुष्ये उत्पन्न यया, त्याथी ओक अवतार
 करी गोक्षे जेरो काकंदी नगरी निवासी भद्रा
 सार्थवादी के पुत्र; जो मदावीर स्वामी से
 दीक्षा लेकर छठ छठ (दो दो उपवास) के
 पारणे करने लग, पारसों में लूये मूले आहार
 से आरंभिल करते थे; इस त ह नी मदिने
 को प्रव्रज्या पालकर, विपुल पर्यंत पर एक
 मदिने का संश्रांति कर सर्वोर्व सिद्ध विमान में
 ३३ सागर की आयु में उत्पन्न हुए और
 वहाँ से एक अवतार कर मोक्ष प्राप्त करेंगे.
 the son of the merchant Bha-
 drā dwelling in a Kakandī
 city who being consecrated
 by Mahāvīra Svāmī began to
 break his fast on every 3rd day
 and took coarse and dry food.
 In this manner remaining an
 ascetic for 9 months left food
 and water for a month on the
 Vipula mountain was born in
 the Sarvārthasiddhi celestial
 abode having a life period of 33
 Sagars and will thence attain
 salvation after another incarna-
 tion अणुत्त० ३, १;

धन्न. न० (धान्य) अनाज; धान्य. नाज;
 अनाज, धान्य Corn डा० ३, २. प्रव०
 ३७; ७३०; उवा० ३, ४१; १०, २७७;
 —एहि. पुं० (-निधि) अनाजनेो डेहार.
 धान्य भंडार; अनाज का कोठा granery;
 corn-house. डा० ५, ३. —माण पुं०
 (-मान) मापवानुं साधन धन्य मापने
 का साधन. a measure for corn.
 अणुत्त० १३२;

घञ्जड. पुं० (घनाक्ष्य) आर्य महागिरिना शिष्य
आर्य महागिरि के शिष्य The disciple
of Ārya Mahāgiri कण्व० ८;

घञ्जा स्त्री० (घञ्जा) ओ नामनी ओऽ स्त्री
इस नाम की एक स्त्री. A lady of this
name. उवा० ३, १४६, १० २७७;

घञ्जावह. पुं० (घञ्जावह) ओ नामनी ओऽ
राज. इस नामका एक राजा A king
of this name विवा० २;

धमंत व० कृ० त्रि० (धमत्) धमते, धम
धम ओवे अ १४ करते. धम धम ऐसा
आव.ज करता हुआ, धमना हुआ Imitat-
ing a sound like " Dhama
Dhama " blowing नाया० ६; भग०
१५, १;

धर्माणी स्त्री० (धमनी) नाडी, नस. नाडी,
नस, Nerve; vein. प० ह० १, १, उत्त० २,
३. अत० ८; १; तडु० १६ उवा० २, ७७;
८, २५१; प्रव० १३६३; —(शि) अ. र. न०
(—अंतर) ओ न डी ओ नी प० मे. दो नाडियों
के बीच में. between the two
nerves विवा० १;—सतय नं०—(सतय)
गांस रहित शरीर होवाथी नमो देखाय ते
शरीर स्थिति मांय रहित शरीर होने से
उसकी केवल नमो का दिखाई देना.
चमावशिष्ट अवस्था a state of the
body in which all the veins
are visible due to the absence
of flesh भग० २, १; ३, १;

धमधमंत. व० कृ० त्रि० (धमधमायमान)
ओ प्रकाशने शब्द करते इस प्रकार का
शब्द करता हुआ. A sort of loud
sound नाया० ८, ९; भग० १५, १;
प्रव० १६५; उवा० २; १०६;

धमाससार पुं० (धमाससार) ओऽ प्रका-
रनी वतस्पति: धम से एक प्रकार की

वतस्पति, धमासा. A kind of vegeta-
tion पञ्च० १७;

धम्म. पुं० (धर्म) दुर्गतिभां पडतां धरी राभ-
नार ज्ञान-दर्शन आरित्यप धर्म, दया,
क्षमा, सदाचार आदि आत्मश्रेयानी सामग्री.
धर्म; दया क्षमा, सदाचार आदि आत्मश्रेयकी
सामग्री दुर्गति में पड़ने से बचाने वाला
ज्ञान दर्शन चरित्र रूप धर्म a sub-
stance for the blessedness of
the soulsuch as religion; duty,
morality etc; an observance in
the form of right-belief which
upholds a man from wrong
path उत्त० १, ४२; २६, ७, ३०, ३६; ओव०
१८, सूय० २, ५, १२; आया० १, ६, २,
१८३; नाया० १; २; ५; १२; १३; १४; १६;
१८; उवा० २, ६८; ७, २२७; दसा० ४,
७६, ५, १८, ७, १२; ६, १७; भग० १,
६, २, १; ८, ३१; ३३; १७, २; २०, २;
२५, ७; जं० प० २, ३३; पञ्च० १; २०;
नाया० ध० वच० १०, ८; ६; गय० २३;
४२; सू० प० १; दस० १, १; सम० १;
२३; २४; कण्व० २, १५; आव० २, १;
भत्त० ६१, ६; प्रव० ५५७; गच्छा० ११६;
(२) वस्तुने स्वभाव वस्तु का स्वभाव.
the nature of an object सूय०
१, २, २, ५; २, १, २६; नाया० १; ८;
नंदी० स्व० १२; (३) दशपैकालिक सूत्रना
पहेला अध्ययननुं नाम. दशपैकालिक सूत्र के
पहिल अध्ययन का नाम. the name of
the 1st chapter of the Daśa-
vaikālika Sūtra. शृणुजो० १३१;
(४) सूयगांग सूत्रना नवभां अध्ययननुं
नाम सूयगांग सूत्रके नवें अध्ययन का नाम.
the name of the 9th chapter
of the Sūtragadāṅga Sūtra

सूय० १. ६, ३६; सम० १६: (५) उपनो
पर्याप्त, जीव का पर्याप्त, a modification
of the soul. वि० १३७६; (६)
१५भां तीर्थंकरं नाम, १५ वें तीर्थंकर का
नाम, the name of the 15th Tir-
thāṅkara. आव० २, ३; कप्प० ६.
१६१; प्रव० २६४. अणुजो० ११६; भग०
२०, ८, (७) दरेक परतुने गति आपनार
अरूपी द्रव्य, धर्मास्तिकाय प्रत्येक वस्तु को
गति देनेवाला अरूपी द्रव्य, धर्मास्तिकाय,
an invisible substance which
gives to every object; Dhar-
māstikāya, fulcrum of motion.
उत्त० २८, ७, टा० ४; — (मं) अं-
तराड्य, वि० (-अन्तराधिक) धर्मभा-
विध्न पाउनार, धर्म में बिध्न डालने वाला,
(one) who puts obstructions
in religion. भग० ६, ३१; १६, ३:
—अन्तराय पु० (-अन्तराय) धर्मभां
विध्न, धर्म में बिध्न, बाधा, रुकावट या
व्यत्यय, an obstruction. गच्छा-
६८; — (मं) अन्तेवासि, (-अन्तेवा-
सिन्) दीक्षा लब्ध भुइती समीप रहेनार
शिष्य, दीक्षा प्राप्तकर गुरु के समीप रहने
वाला शिष्य, a disciple living near
a preceptor after initiation.
टा० १०; भग० १५, १; —अंस पु०
(-अंस) धर्मनो अंस धर्म का भाग, अंस
a portion of religion. प्रव० ६३६;
—अणायर पु० (-अनादर) धर्मन
विषे अनार, धर्म के विषय में अनार
disrespect towards religion
प्रव० १२२२: —अणु (यो)ओग, पुं०
(-अनुयोग) धर्मनो व्याख्या, धर्म की
व्याख्या, the definition of
religion. नाया० १; —अणुग वि०

(-अणुग) धर्म मार्गमां यासनार धर्म
मार्ग से चलने वाला (one) who
walks on the path of religion.
भग० १२, २; —अणुपेहि वि० (-अनु-
प्रेक्षिन्) धर्म भावना लयनार, धर्म की
भावना रखने वाला (one) who has
a religious inclination प्रव०
६४६; —अणुराय पु० (-अनुराय)
धर्म उपर प्रीति, धर्म में प्रीति, धर्मरुचि
delight in religion उत्त० ६४:
—अधम्म, पु० (-अधर्म) धर्म अने
अधर्म धर्म और अधर्म right and
wrong. भग० १७, २; —अवबोद्धिया
ली० (-अवबोद्धिका) धर्मनो बोध कर
नार (वाणी) धर्म को समझाने वाला
(वाणी), a speech expounding
religion. प्रव० ४४६; —इच्छिय, न०
(-ईप्सित) धर्म ॥ अलिहाया धर्म की
अलिहाया, a desire for righte-
ousness भग० १८, २; —उवएस-
पुं० (-उपदेश) धर्मनो उपदेश धर्म का
उपदेश, धर्म की शिक्षा religious
preaching; a sermon भग० ७, ६;
गच्छा० १३३; —उवएसग पुं० (-उप-
देशक) धर्मनो उपदेशक, धर्म का उपदेश
देनेवाला, a religious preacher.
भग० १५, १, नाया० १६; —उवएसग
पु० (-उपदेशक) लुओ ॥ “ धम्म उवएसग ”
देखो “ धम्म उवएसग ” vide. “ धम्म
उवएसग ” उवा० १, ७३, ७, १६६;
भग० २, १, ७, १०; नाया० १; —उव-
एसय पुं० (-उपदेशक) लुओ ॥ “ धम्म
उवएसग ” देखो “ धम्म उवएसग ”
vide. “ धम्म उवएसग ” भग० २, १;
१८, ७. —करण न० (-करण) धर्म
देवे तो धर्मनुं मेवन धर्मावरण, धर्म

सेवत; धर्म पालन. right conduct, religious practice पंचा० २; ८ —कहा. स्त्री० (कथा) धर्मनी अर्था. धर्मोपदेश, धर्मप्रधान दान, शील, तप लाव योरे सत्य धी कथा. धर्मकी चर्चा, धर्मोपदेश, धर्मप्रधान दान, शील, तप, भाव आदि के विषयकी वथा. religious teaching; a sermon; religious tales भग० १८, २; २५, ७; नाया० १; ५. ६, नाया० ध०; निर० ३, ४, पि० नि० ३१२; सम० ६. ठा० ३, ३. उत्त० २६, २; अणुजो० १३; ओव० २०; गच्छा० १२६; उवा० १, ११, २, ११७; —कहि. त्रि० (-कथिन्) धर्म कथा कहेनार धर्म कथा कहने वाला. कथाकरी, धर्म कथक. an expounder of religious tales. उवा० ७, २१६, प्रव० ६४८, —कामय त्रि० (-कामक) धर्मने प्रयत्ननार. धर्मच्छुक; धर्म के चाहने वाला desirous of righteousness, religious merit. भग० २, ७; —कामि. त्रि० (-कामिन्) धर्मने प्रयत्न नार. धर्मकी इच्छा करने वाला. one devoted to religion; one desirous of religion दस० ६, १, १६; —क्रि-रिया स्त्री० (-क्रिया) धर्मनी क्रिया. धर्मकी क्रिया धर्मक्रिया. धर्मकार्य. religious deeds प्रव० १५६१; —गुण पुं० (-गुण) धर्मना गुण धर्म के गुण the attributes of religion पंचा० १, ४८; —वक्क न० (-वक्क) धर्मने प्रकाश करना. धर्मवक्क तीर्थकरनी आगत आले तीर्थकरना उअ अतिशयमाने २१मे अतिशय धर्मको प्रकाशित करने वाल धर्मवक्क-तार्थकरके आग चलताहै तार्थकरके ३४ आतशयो मेस २१वा अतिशय a supernatural manifestation which manifests

the 21st of the 34 supernatural manifestations of a Tirthankara. प्रव० ४५१; —चित्तग त्रि० (-चिन्तक) धर्मनु चिन्तन करना; धर्मशास्त्रोना चिन्तन-मनन उपर निर्वाह यथावतार वर्ग धर्म-शास्त्रोके चिन्तन तथा मनन पर अपना निर्वाह करनेवाला वर्ग; धर्मका चिन्तन या अध्ययन करनेवाला. one who practises religious meditation, a class of men subsisting upon religious meditation अणुजो० २०; —चिन्ता स्त्री० (-चिन्ता) धर्मनी चिन्ता-विचारणा करनी ते. धर्मचिन्ता, धर्म विचारणा religious meditation. गच्छा० ५६; प्रव० ७४४; दसा० ५, १८; —जणणी स्त्री० (-जननी) धर्मनी मा; धर्मने उत्पन्न करना (यतना) धर्मकी माता; धर्म जननी, धर्म को उत्पन्न करने वाली (यतना). the mother of religion; the originator of religion. पंचा० ७, ३०, —जागरिया. स्त्री० (-जागरिका) धर्मने माटे जागरण करवुं ते धर्म के लिए किया जानेवाला जागरण. keeping awake at night for religious meditation भग० २, १; १२, १, २; नाया० १; ५; १६; ठा० ४, २, वेथ० १, १६, अणुत्त० १; निर० २, १; कप्प० ६, ५१; (२) कुलधर्म प्रभाणे छेडे स्वप्ने जागरण थाय छे ते कुलधर्मनुसार छेडे दिनका जागरण a vigil kept on the 6th day according to one's family or religious customs. कप्प० ५, १०१, —(मा) जीवि त्रि० (-जीविन्) सधर्मभां ज्वन गालतार संयम पूर्ण जीवन बितान वाला practising religion, leading a self-restrained life. दस० ६, ५०; —जोग. पु० (-योग)

धर्म'नी योग-सं'य'ध. धर्म का संबन्ध; धर्म योग. the connection or contact with religion. प्रव० १०६७; — उक्कया. छी० (—ध्वजा) धर्म'नी ध्वज ते तीर्थ'क्षर'नी पास रहे छे. धर्म की ध्वजा जो तीर्थकर के पास रहती है. the religious flag accompanying a Tirthankara. भग० १, १; — उक्काण न० (—ध्यान) आना विचयादिरूप धर्म'चित्तन; धर्म'विचारमां तद्दलीनता; आर प्रशान्ता ध्यानमांनुं ओइ. आजा विचयादि रूप धर्म चित्तन; धर्म विचारों में तल्लीनता; चार प्रकार के ध्यानों में से एक religious meditation, concentration upon religious thoughts; one of the 4 kinds of contemplations. सम० ४; ठा० ४, १; आव० नाया० ८; भग० २५, ७; आव० ४, ७, — उक्काणरय. त्रि० (—ध्यानरत) धर्म'ना ध्यानमां रत-तत्पर. धर्म ध्यान परायण; धर्म के ध्यान में निमग्न. (one) devoted to religious thoughts, given solely to it. दस० १०, १, १६; — (S) द्वि त्रि० (—अर्थिन्) धर्म'ने धृञ्छनार; धर्म'नी वांछा राप्पनार. धर्मार्थी, धर्म की चाहने वाला, धर्मच्छुक. desirous of righteousness दस० ६, ३२; — नित्य पुं० (—तीर्थ) धर्म'नु तीर्थमार्ग; धर्म'नीर्थ'नी स्थापना. धर्म का तीर्थ मार्ग; धर्म तीर्थ की स्थापना. a religious; establishment of a religious order. नाया० ८; सम० प० २४१; — (S) तथ त्रि० (—अर्थ) धर्म'ने भाटे. धर्म के लिये. for the sake of religion. दस० ६, ४; — (S) त्यकाम पुं० (—अर्थकाम) धर्म'अर्थ-काम; आर पुद्गार्थमांता पहेला तलु धर्म, अर्थ, काम; चारों पुद्गार्थ में से पहिले तीन

the 1st three of the four ideals of human existence. religion, worldly prosperity and enjoyment. दस० ६, ४; — (S) न्यिय त्रि० (—अर्थिक) धर्म'ने आइइ धर्म का प्राहक; धर्म के स्वीकार करने वाला. a recipient of religion. भग० १२, २; — दार न० (द्वार) धर्म'नु द्वार धर्म द्वार, धर्म का दर्वाजा the entrance of religion ठा० ४, ४, देव पुं० (—देव) धर्म'भा देव समान साधु भुनि. धर्म में देव समान; गाधु. सुनि like a god in religion; a saint भग० १२ ८, — देसय-य पुं० (—देशक—धर्म देशयनि बोधयन इति) धर्म'देनार; धर्म'ने मार्ग देणा'नार. धर्म पदान करने वाला; धर्म का मार्ग बतलाने वाला. (one) who shows religion or its path. ज० प० १, ११४, कप्प० २, १५; नाया० १; — दअ-य पुं० (—उट) भुन आरिअ रूप धर्म'नेनार. भुत चारअ रूप धर्म का देनेवाला a preacher, a preceptor. ज० प० २, ११५ आव० ६, ११, नाया० १; कप्प० २, १५, — देसग पुं० (देशक) लुओ "धम्मदेसिय" १०६. दलो 'धम्म देसिय' शब्द vide "धम्मदेसिय" ज० प० ४, ११५; भग० ११. देसिय. पुं० (—देशक) धर्म'ने उपदेश आपनार; धर्म का उपदेश देने वाला. religious instructor. आव० ६, ११; — धुर-धवल पुं० (—धुर्धवल) धर्म'नी धोसरी उपासवामां धवल-उत्तम पलद समान. धर्म की धुरी को उठाने में श्रेष्ठ (अच्छे बल के समान) fit (like a good bull) to support the yoke of religion प्रव० ४०२, — धुरा छी० (—धुरा) धर्म

धोसरी-भार धर्म की धुरी; धर्म का भार the yoke of religion, i. e. its burden नाया० ८; —नायग. पुं० (—नायक) धर्मनो नेता, अथेसर धर्माग्रणी, धर्म के नेता, धर्म धुरंधर, धर्म के आचार्य a religious leader. जं० प० ५, ११५; कप्प० २, १५; भग० १, १०, आव० ६, ११; —पय. न० (—पद) धर्मनु पदस्थान धर्मका पदस्थान the abode of religion दस० ६, १, १२. —परिभट्ट त्रि० (—परिभट्ट) धर्मथी पड़ी गये धर्मच्युत; धर्म-पातित; धर्मभ्रष्ट, विगतवर्मा, अधर्मा. fallen or degenerated from religion. नाया० १७, —पुरिस. पुं० (—पुरुष) धर्म प्रधान पुरुष, अरिहंत. धर्म प्रधान पुरुष, अरिहंत. the principal religious person; Arihanta ठा० ३, १; पंचा० ६, २७; —पुरिससिंह. पुं० (—पुरुषसिंह) धर्मि पुरुषोभा सिंह समान. धार्मिक पुरुषों में सिंहवत्, धर्म केसरी, धर्म पंचानन a lion amongst the religious persons प्रव० ४१४, —रय. न० (—रत्न) धर्मरत्न, श्रेष्ठ धर्म धर्मरत्न, उत्तमधर्म, उत्कृष्टधर्म, अच्छा धर्म a jewel of religion, the best religion प्रव० १३७०; —रहस्स न० (—रहस्य) धर्मनु तत्त्व धर्म का तत्त्व, धर्म की सार बात. the reality or principle of religion. पंचा० ७, ३, —राअ. पुं० (—राग) धर्म उपर प्रीति. धर्मानुराग; धर्मपर प्रेम love towards religion. पंचा० १, ४; ३, ५; प्रव० ६४३; —रुद्धि स्त्री० (—रुचि) धर्म उपर इति-लागण्ठी. धर्म विषयक प्रीति, लगन, धर्म में दित्तचस्पी. religious attachment. प्रव० ६६४, —वर पुं० (—वर)

श्रेष्ठ धर्म. श्रेष्ठ धर्म, उत्तम धर्म the best religion. जं० प० २, ३०; ५, ११५; भग० १, १; —विसय. पुं० (—विषय) धर्मनो विषय. धर्म का विषय. the subject of religion. नाया० ८; —सरणा स्त्री० (—संज्ञा-धर्मश्रद्धा स्वमज्ञा गलिता) धर्मनी संज्ञा-श्रद्धा-निश्चय धर्म की संज्ञा-श्रद्धा-निश्चय-विश्वास. a recognition of religion viz. faith, resolve or belief. “धम्म सरण सम्मत्त परिभट्टा” भग० ७, ६; —सद्धा. स्त्री० (—श्रद्धा) सत्य धर्मनी श्रद्धा धर्म पर श्रद्धा, धर्म विषयक आस्था. faith in religion. उत्त० २६, २; —सरण न० (—शरण) धर्मनु शरण धर्म का आश्रय या शरण. the shelter of religion. नाया० ९; —सवण न० (—श्रवण) धर्मनु साधनपुं. धर्म का सुनना; धर्म श्रवण, धार्मिक बातों का श्रवण करना. hearing of religion पंचा० १०, १०; —सार पुं० (—सार) धर्मनु तत्त्व. धर्म का सार या तत्त्व the essence or reality of religion. पंचा० ७, २६, —सारहि. पुं० (—सारथि-धर्मरूपरथस्य प्रवर्तकत्वेन सारथिरिव सारथिः) धर्मने अलाव नार; धर्म प्रवर्तक धर्म को चलाने वाला; धर्मसंस्थापक या प्रवर्तक a founder or propounder of religion जं० प० ५, ११५; कप्प० २, १५; भग० १, १; आव० ६, ११; —साहअ त्रि० (—साधक) धर्मने साधनार. धर्म साधक; धर्म को साधने वाला, धर्माचरण करने वाला (one) who upholds or maintains religion प्रव० ५८१, —सुक्कम्भाण. न० (—शुक्लध्यान) धर्मध्यान अने शुक्ल ध्यान, आर ध्यानभांता ये श्रेष्ठ ध्यान धर्म

ध्यान और शुक्लध्यान; चार प्रकार के ध्यानों में से दो श्रेष्ठ ध्यान, the 2 best forms of the 4 religious meditations; viz. Dharma Dhyāna and Śukla Dhyāna. प्रव० ५२५: —हिगारि. त्रि० (-आधिकारिन्) धर्माने अधिकारी; धर्म पालवाने लायक. धर्म का अधिकारी; धर्म पालन करने के योग्य. one fit for practising of religion. पंचा० २, २; ६, ४१;

धम्म. त्रि० (धर्म) धर्मयुक्त; धर्माने लायक. धर्म युक्त; धर्म योग्य. Just; consistent with religion ज० प० ५, ११५; २, ३०; १, १; उत्त० १६, ७; ८; धम्मघोस पुं० (धर्मघोष) ओ नामना ओक थविर साधु इस नाम का एक बूढ़ा साधु. An old saint of this name. नाया० २; ८; १५; भग० ११, ११; १५, १; विवा० १; —थेर. पुं० (-स्थविर) धर्मधोष नामना स्थविर-बृद्ध साधु. धर्मघोष नामक बृद्ध साधु. an old ascetic named Dharma Ghosā नाया० ८; १६; १६;

धम्मज्झम पुं० (धर्मज्झम) जम्बूद्वीप में अवस्थित क्षेत्र में आयती उत्सर्पिणी में धनार पायभा तीर्थकर. जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले पांचवे तीर्थकर. The fifth would-be Tirthāṅkara of Airvata region in Jambūdvīpa सम० प० २४२;

धम्मण. न० (धमान) फुट् भारवी; वायुपुंरवो ते. फूंकना, वायु धमना; फूंकने दवा करना. Blowing; inflating. परह० १, १;

धम्मत्थकामभयण न० (धर्मार्थकामध्वयन) धर्मार्थकाम नामे दशवैकालिक सूत्रनु श्रुत्य अध्ययन धर्मार्थकाम नामक दशवैकालिक सूत्र का छठा अध्ययन. the sixth

chapter of the Daśavaikālika Sūtra dealing with the three of the four ideals of human existence (Dharma, Artha and Kāma) दम० ६, ६६;

धम्मत्थिआइय. पुं० (धर्मास्तिकायिक) असंख्येय प्रदेशात्मक, लोकाप्याप्त, अभूर्त, श्रुत्य अने पुद्गलने गति करपाभा सहायक द्रव्य. असंख्येय प्रदेशात्मक, लोकव्याप्त, अमूर्त, जीव और पुद्गलको गति करनेमें सहायता देनेवाला द्रव्य. A substance which is the medium of motion to soul and matter and which contains innumerable atoms of space, pervades the whole universe and has no form; the fulcrum of motion विश० ४०३;

धम्मत्थिकाय. पुं० (धर्मास्तिकाय) ओक प्रसारनु लोकाप्यापी अभूर्त द्रव्य के ओ सवने गतिमां सहाय करे छे. एक प्रकार का विश्व व्यापी अमूर्त द्रव्य जो वस्तु मात्र को गतिमें सहायता करता है. A substance which is the medium of motion to soul and matter, and which contains innumerable atoms of space, pervades the whole universe and has no form; a fulcrum of motion. भग० १, ६, २, १०; ७, १०; २०, २, सम० ५; उत्त० ३६, ४, पञ्च० १, राय० २७०; जीवा० १, अणुजो० ६७. १३१;

धम्मपराणत्ति स्त्री० (धर्मपराणत्ति) दशवैकालिक सूत्रनो अतुर्थ अध्याय, जेमां धर्मानु प्रतिपादन करेले छे. दशवैकालिक सूत्र का चौथा अध्याय, जिसमें धर्म का प्रतिपादन किया गया है. The 4th chapter of the Daśavaikālika Sūtra

which deals with an exposition of religion. दस० ४;

धम्ममय. त्रि० (धर्ममय) धर्म प्रधान; धर्म३५. धर्म प्रधान; धर्म स्वरूप Full of or abounding in religion. उवा० ७, २१६;

धम्ममाण व० कृ० त्रि० (ध्यायमान) धमते; धमत्तु पुं०. धमनी कूंकता हुआ; धम्मन चलाता हुआ. Blowing the bellows. नाया० ६; भग० १५, १;

धम्ममित्त. पुं० (धर्ममित्र) ७६। तीर्थ-करना त्रीण पूर्व भवतु नाम. छठे तीर्थकर के तीसरे पूर्व भव का नाम The name of the 3rd past life of the 6th Tirthankara. सम० प० २३०,

धम्मरुह. पुं० (धर्मरुचि) धर्मभा प्रेम; समकितते ओक प्रकार. धर्म में प्रीति, सम्यक्त्व का एक प्रकार Love for religion; a variety of Samakita. उत० १८, १९; (२) ओ नामना ओक साधु इस नाम का एक साधु. an ascetic of this name नाया० १६; विवा० १०; —अणगार. पुं० (-अनगर) धर्म३५ नामना साधु धर्मरुचि नामक साधु an ascetic named Dharmaaruchi नाया० १६,

धम्मरुक्ख. पुं० (धर्मवृक्ष) ओ नामनुं पल्लव भवतिनु ओक वृक्ष. इस नाम का वलय जाति का एक वृक्ष A tree of this name belonging to the Valaya (creeper) class पञ्च० १;

धम्मवि त्रि० (धर्मविन्-धर्म वेतगति) धर्म-ने सारी रीते ज्ञानार. धर्म को अच्छी तरह से जानने वाला, धर्मदत्त, धर्मपटु (One) thoroughly versed in religion. आया० १, ३, १, १०७;

धम्मविउ त्रि० (धर्मविद) शारत्रोक्त धर्माने

जानना. शास्त्र कथित धर्म को जानने वाला. One who knows religion as prescribed by the scriptures.

आया० १, ३, १, १०७; सूय० १, १, १, २०; धम्मविरति. पुं० (धर्मविरति) ओ नामना ओक साधु. इस नामका एक साधु. An ascetic of this name. विवा० ६;

धम्मसीह. पुं० (धर्मसिंह) पाटलीपुत्रना यन्द्रगुप्तना समयना यन्द्रगुप्तना पुत्र सिंदुसारना सुबुद्धि मंत्रीना मित्र-ओक राजा. एक राजा जो पाटली पुत्र के चंद्रगुप्त के समय में उसके पुत्र बिन्दुसारके सुबुद्धि मंत्रीका मित्र था. A king in the reign of Chandra Gupta who was a friend of Subuddhi a minister of Bindusāra the son of Chandra Gupta. सत्था० ७०; (२) ओथा तीर्थकरना त्रीण पूर्व भवतु नाम त्रैथे तीर्थकर के तीसरे पूर्वभव का नाम. the name of the third past life of the 4th Tirthankara. सम० प० २३०; (३) साधुनुं नाम. साधु का नाम a name of an ascetic विवा० ८; (४) १५मा तीर्थकरने प्रथम भिक्षा व्यापनार गृहस्थ. १५वें तीर्थकर को प्रथम भिक्षा देने वाला गृहस्थ. the person who first of all offered alms to the 16th Tirthankara सम० प० २३२;

धम्मसेण. पुं० (धर्मसेन) सातमा पल्लवना त्रीण पूर्वभवतु नाम सातवें बलदेव के तीसरे पूर्वभव का नाम. The name of the third past life of the 7th Baladeva. सम० प० २३६,

धम्मा स्त्री० (धर्मा) ओ नामनी ओक स्त्री इस नाम की एक स्त्री A lady of this

Uggaṃ. नाया० ध० १०;

धम्मपारिय. वि० (धर्माचार्य) धर्मेना
आचार्य; धर्म पालनार तथा पसायनार साधु
धर्माचार्य; धर्म पालक तथा पालन करवाने
वाला साधु. A religious preceptor;
an ascetic who abides by reli-
gion himself and causes others
to do the same. राय० २३३; २७०;
मम० ६; डा० ३, १; ओव० १२; भग० २,
१; ७, ६, १०; १५, १; १८, ७; नाया० १;
४; १३; १६; १६; पंचा० १, ४५; वव० १०,
१३; १४; उवा० १, ७३; ७, १६६; प्रव०
६५०; —अनुराग. पुं० (—अनुराग)
धर्माचार्यप्रत्येता प्रेम. धर्माचार्य के प्रति
प्रेम; श्रद्धा. devotion or faith in a
religious preceptor. भग० १५, १;
धम्मविश्र. वि० (ध्मापित) धमलुथी ६जुं
हरेल; धम्माथी धमेल. धमनी से गरम किया
हुआ; धम्मन से घमा हुआ. Heated
or blown by the bellows. राय०
२५६;

धम्मिद्व. वि० (धर्मिष्ठ) धर्मभां तत्पर;
धर्मनी उड़ी लागथी वालो; धर्म प्रेमी.
धर्म तत्पर; धर्मवरायण; धर्मवत्सल; धर्मशुक्ति
वाला. Ready or devoted to reli-
gion. ओव० ४१;

धम्मिय. वि० (धार्मिक) धर्माधारणी; धर्म-
वान; धर्मसंजधी. धर्मात्मा; धार्मिक; धर्म-
शील; धर्म विषयक. Religious; right-
eous; pertaining to religion.
डा० ३, ३; मू० १, २, १, ६; पि० नि०
२४३; राय० २५; १००; जीवा० ३; दसा०
१०, १; ओव० २७; ३०; ४१; नाया० १;
भग० ३, ७, २, १; ३, १; ६, ३३; ११,
११; १५, १; उवा० १, ६१; ७, २०६;
कप० ३, ५६; —आगहणा. स्त्री० (—आ

राधना) धर्म संजधी आराधना-सेवा.
धार्मिक आराधना, पूजा, सेवा आदि reli-
gious worship or service. डा०
२, ४, —जगु पुं० (—जत) धर्मयंत
मानुस. धर्मात्मा पुण्य. a religious
person; a saint पंचा० २, ५; —जाल.
न० (—यान) धर्मसाधन भाटे गवाने
भलपुं पान-वाहन. धर्मकार्य के लिये जाते
गमय मिलने वाला वात-वाहन. a con-
veyance used for religious
purposes नाया० ८, दसा० १०, १;
नाया० ध०

धम्मिल्ल. पुं० (धम्मिल) डेयलध. वेष्टी,
अंथोटो. जुडा; बंल्लो; अनोटो; केशगुच्छ;
केशग्रथि. A knot or braid of hair
सु० च० १४, ४७;

धम्मिसर. पुं० (धम्मिसर) धरतक्षेत्रभां यध
गथेल गर्धयोवीक्षीता २० भा तीर्थक्षरुं नाम
भरतक्षेत्र की गत चौदासी के २० वे तायकर
का नाम. Name of the 20th Tir-
thankara of the past cycle
of Bharataksetra प्रव० २६२.

✓ **घय.** धा० I. (घेद्) पीवुं; धाववुं पीना;
धाना-दूध पीना, स्तन पान करना आदि. To
drink: to suck.

घयंति पि० नि० ४११;

घय. पुं० (घज) घवल. पावटो. पताका;
घजा; फंडा. A flag; a pennon.
भग० ७, ६; ओव० नि० भा० ८५; कप०
३, ४०;

घया. स्त्री० (घजा) पावटो. घजा. फंडा;
पताका; फंडा. A pennon; a banner.
नाया० १६; सु० च० २, ४५;

✓ **घर.** धा० I, II. (घृ) धारण करवुं.
धारण करना. To bear or wear.
घरेद्. जं० प० ५, १२२; ११७; नाया० १६;

मिसी० १, ४७; २, ५; ५, २८;

१४, ७; उवा० ७, २१८,

धरिज्जति क० वा० उत्त० ३, २७;

धरिज्जमाण. क० वा० व० क० भग० ७, ६;

६, ३३, नाया० १, ओव० ३१;

दसा० १०, १, उवा० १, १०;

धरंत व० क० सु० च० २, २६

धरित ओष० नि० ५३२,

धरंत. ज० प० ३, ५४;

धर. त्रि० (धर धरतीति धरः) धारयु करनार;

धारी रायना०. धारण करने वाला, धारक,

रखने वाला. One who holds, holder,

wearer भग० २, १, १२, १ २५, ६;

ओव० २१, सम० १; सम० प० २३१; उत्त०

१२, १, उवा० ७, १६७; १६६; (२) अणु

दीपना ऐरवत क्षेत्रमा आलु अव पिण्णिमा

थयेल २० मा तीर्थ कर. जवूदीप के ऐरवत

क्षेत्र में प्रचलित अवसर्पिणी मे उत्पन्न २० वे

तीर्थकर. the 20th Tirthankara of

the aeon of decrease in the

Airavata region of Jambū

dvīpa सम० प० २४०, (३) छद्वा

तीर्थ करना पिता छठे तीर्थकर के पिता

the father of the 6th Tirthn-

kara प्रव० ३२३, सम० प० २२६; (४)

ओ नामने भथुरा नगरीनो राजा. इस नाम का

मथुरा नगरी का राजा. the king of

Mathurā known by this name.

नाया० १६;

धरण. पु० (धरण) दक्षिण दिशाना नाग-

कुमारोने धर-धरणे-दक्षिण दिशा के

नागकुमारों का इन्द्र. The Indra of

the Nāgakumāra of the south

ern direction. ज० प० ५, ११६; नाया०

ध० २; ठा० २, ३; सम० ३२; ४५; ओव०

३२; पञ्च० २, जीवा० ३, ४; भग० ३, १;

१०, ४; (२) धरणेन्द्रनो मित्र. धरणेन्द्र का

मित्र. the friend of Dharanen-

dra. नाया० ८, (३) अंतगडसूत्रना पीण

वर्गना छटा अध्ययनतुं नाम. अंतगड सूत्र

के दूसरे वर्ग के छठे अध्ययन का नाम.

the name of the 6th chapter

of the 2nd class of Antagada

Sūtras. (४) अधकवृष्णि राजनी धारणी-

ना पुत्र के ओ नेमिनाथ पासे दीक्षा लई,

शुश्रूषण तप करी, १६ वर्ष की प्रव्रज्या

पाली, ओक मासने संधारा करी, शत्रुंजय

उपर सिद्ध था. अंधकवृष्णि राजा की

धारणी के पुत्र जिन्होंने नेमिनाथजी से दीक्षा

ली, शुश्रूषण तप किया, १६ वर्ष की

प्रव्रज्या पाली और एक मास का संधारा कर

शत्रुजय पर सिद्धि प्राप्त की the son of

the queen Dhārāṇī wife of the

king Andhakavrispi who was

consecrated by the revered

Neminātha, performed the

Guparayana penance, remain-

ed an ascetic for 16 years and

fasting for a month attained

Siddhi अत० २, ६;

* धरण. न० (५) लाधण करनी. लघन करना.

Easting. प्रव० ४४२;

धरणा. स्त्री० (धरणा) धरणेन्द्रनी धरणा

नामे राजधानी धरणेन्द्र की धरणा नामक

राजधानी. The capital city named

Dharanā of the king Dharane

ndra. भग० १०, ५,

धरणि स्त्री० (धरणि) पृथ्वी; धरा, भूमि.

पृथ्वी, धरा; भूमि; वसु; वसुंधरा.

The earth. ज० प० भग० ७, ६; १५,

१, नाया० १; पञ्च० १७; सम० ११; राय०

२२; ७२; जीवा० ३, ४; ओव० १२, उवा०

२, १०७; (२) आरमां तीर्थंकरनी मुख्य साध्वी. the principal nun of the 12th Tirthaṅkara. प्रव० ३०८; सम० प० २३४; (३) अरनाथजी की रानी का नाम. the name of the queen of Aranāthji. प्रव० ३०८; —य (अ) ल. न० (-तल) पृथ्वीतल; पृथ्वीनी सपाटी. धरातल; पृथ्वी का समतल भाग; चौपाटी. the surface of the earth. नाया० १; २; ६; ६; १६; सु० च० १, ५५; नाया० ध० जं० प० ५, ११५; —गोयर. त्रि० (-गोचर) पृथ्वी तल. पृथ्वी की ओर, पृथ्वी में दिखाई देने वाला. towards the earth; visible on the earth. नाया० १६ —(णि) तल. न० (-तल) पृथ्वीनी सपाटी. धरातल; पृथ्वी का समतल भाग. the surface of the earth जं० प० ५, ११२; ४, १०३; नाया० १, ६; भग० ७, १; ११, १०; कप्प० २, १४; —(णि) तलपट्टाण. न० (-तलप्रतिष्ठान) धरणीतलने विषे रहेवुं-स्थापित करवुं. किसी स्थान में प्रतिष्ठित होना; पृथ्वी के किसी भागमें स्थापित होना; निवास करना. establishing oneself on the surface of the earth. दसा० ६, १; धरणिधरा. स्त्री० (धरणिधरा) तेरमां तीर्थंकरनी मुख्य साध्वी. तेरहवें तीर्थंकर की प्रमुख साध्वी. The principal nun of the 13th Tirthaṅkara. सम० प० २३४, धरणिधरायहाणी. स्त्री० (धरणिधरायहाणी) ओ नामनी ओ३ राजधानी. इस नाम की राजधानी. A capital city of this name. नाया० ध० ३;

धरणिधरायहाणी पुं० (धरणिधरायहाणी) ओ नामनुं ओ३ अधिक सूत्र. इस नामका एक कालिक सूत्र A Kālika Sūtra of this name. नंदी० ४३, वव० १०, २८;

धरा स्त्री० (धरा) तेरमा तीर्थंकरनी मुख्य साध्वीनुं नाम. तेरहवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी का नाम. The name of the principal nun of the 13th Tirthaṅkara प्रव० ३०८;

धरिज्जमाण व० क० त्रि० (धियमाण) धारण करवुं. धारण किया जाने वाला. That which is supported or worn. नाया० १;

धरिम न० (धरिम) तालव्याथी तोलीने ऐथी शक्य तेवी वस्तु. तराजू से तौलकर बेचा जा सकने वाली वस्तु. Things which can be sold by weighing नाया० ८; १; १५;

धरिय त्रि० (धारित) धारण करेले धारण किया हुआ; ओढ़ा हुआ; पहिना हुआ. Held पि० नि० ५६८;

धरिय त्रि० (ँ) ढाकेलुं; आच्छादित. ढँका हुआ; आच्छादित. Covered. भग० ६, ३३;

✓ धरिस धा० II (धृष्) पराभव करवे; धमारे करवे पराभव करना. हराना; भयभीत करना; जतिना. To defeat; to rush on.

धरिसेह. उक्त० ३२, १२;

✓ धरिस धा० II. (धृष्) धासपामवे; दुःख पामवुं. भयभीत होना; दुःख पाना. To fear, to suffer pain.

धासह क० वा० सूय० १, १३, ४,

धरिसणा. स्त्री० (धरिसणा) ययनथी तर छेडवुं; धिक्कारवे शाब्दिक तिरस्कार; निर्भर्त्सना, त्रिकार, फिडकना Threa-

tening or reproaching by words. ओव० २१;

धव पुं० (धव) ओ नामतुं ओ३ वृक्ष; धावरीनु
आ३ इस् नामका एक झाड़; धावड़ का वृक्ष.
A kind of a tree जीवा० १, पञ्च०
१, ओव०

✓ धवल न० धा० I (धवल) धोखुं धरपुं
सफेद करना. To whiten.

धवलइ सु- च० ७, १४४;

धवल. त्रि० (धवल) धोखुं सई६. धोला;
धवल, सफेद; श्वेत. White. जं०
प० ५, १२२, ३, ५३, नाया० १; द,
ओव० १०; २१; ३१; अणुजा० १३१; भग०
६, ३३, प्रव० ४४७, कण्ठ० ४, ६२; उवा०
२, १०१, —जोएहा खी० (-ज्योत्स्ना)
श्वेत चन्द्रिका, चान्दनी सफेद चांदनी, श्वेत
ज्योत्स्ना moonlight. नाया० ३; —प
फख. पुं० (-पख) शुद्ध पक्ष; अश्व्यादीयुं.
उजाला पक्ष या पखवाडा, शुक्ल पक्ष. the
bright-half of a month. प्रव०
१५५८; —मरीचि. स्त्री० (-मरीचि)
श्वेत त्रिरश्मि. सफेद किरण; श्वेत राश्मि.
white ray; the moon. नाया० १,
—वेला. स्त्री० (-वेला) सभुद्धनी भरती
सामुद्रिक ज्वार; समुद्र का चढ़ाव the tide
of the sea नाया० ६; —हर. न०
(-गृह) धोखुं धर. धवल गृह, सफेद घर
a white house जीवा० ३, ३;

✓ धम धा० I (धूम) धसपु. ओ३६म
प्रवेश धरवो. घुमजाना. एकाएक प्रवेश
करना. To enter or penetrate.
धसइ. विवा० २;

धसति भग० ६, ३३, नाया० २;

धसिया स० कृ० दसा० ६, ११;

✓ धा. धा० I, II (धा) धारणुं धरपुं.
धारण करना, रखना. To put on, to

hold; to keep.

धीयण क० वा० पि० नि० ४११;

धीयण विशेष० ८२;

धात्र पुं० (धातृ) पञ्चपत्नी जतना व्यंतर
देवतानो ध०६. पणपत्नी जाति के व्यंतर
देवता का इन्द्र The Indra of the
Vyantara gods of the Pana-
panni class. डा० २, ३;

धाइ पुं० (धातृ) दक्षिणतरङ्गता पञ्चपत्निय
जतना व्यंतर देवतानो ध०६. दक्षिण
ओर के पणपत्निय जाति के व्यतर देवता
का इन्द्र Vide above. पञ्च० २;

धाइत्तरण. न० (धात्रीत्व) धावभातापणुं.
धात्रीत्व, धाय का काम. The act of
nursing. पंचा० १३, २०;

धाइपिंड पुं० (धात्रीपिण्ड) धात्रीनी पेटे
आलकने रमाशी गोलावीने भिक्षा लेदी ते;
भिक्षानो ओ३६५ धात्री की भांति बालक
को खेला कर उमे रखकर प्राप्त की हुई भिक्षा;
भिक्षा का एक दोष Obtaining alms
by calling a child and amusing
it like a nurse. पि० नि० ४२७;
निशी० १३, ६;

धाइयसंड पुं० (धातकीखण्ड) धातकी
अ३नामे अ३नो द्वीप धातकी खण्ड नामक
दूसरा द्वीप. The second great
Island (continent) called Dhāta-
kikhaṇḍa नाया० १६;

धाई स्त्री० (धात्री) धाव भाता; छोडराने
सायवतारी उपभाता. धाय; माता के स्थान
पर बालकों की रक्षा करने वाली-उपमाता.
A nurse; a wet-nurse. आया० २,
१, ११, ६३; भग० ११, ११, नाया० १; पि० नि०
४०८, अणुजा० ३ १ सु० च० १, ३१२;

धाउ पु० (धातु) धोखुं, धरपुं विगरे धातु.
सोना, चादी आदि धातु. A metal

such as gold, silver etc. पि० नि० ४०६; निसी० १३, २८; ओव० ३८; सूय० १, १, १, १८; नंदा० स्थ० १४; पंचा० ५, ३६; प्रव० ७३६; (२) गेरु वगेरे जलनी भाटी-पथर. गेरु आदि जाति की मिट्टी mineral like red chalk etc. नाया० ५; विशे० १६७७; (३) शरीरनी अंदरना वात, पित्त, कफ वगेरे धातुओ. वात, पित्त, कफ आदि शारीरिक धातु. a humour of affection of the body viz " वात, पित्त, कफ " etc. ओघ० नि० भा० ६१; (४) क्रियावाचक शब्द; क्रियापद. क्रियाद्योतक पद. a verb. अणुजो० १३१; —स्त्रोभ. पुं० (-स्त्रोभ) धातुनो विकार; शरीरनी धातुनु परिवर्तन. धातु विकार; शरीर के धातु का परिवर्तन. a modification of Dhātu. पि० नि० ४५६; —रक्त. त्रि० (-रक्त) धातु गेरु आदि भाटीथी रंगेक्ष. धातु-गेरु आदि रंगीन मृत्तिका से रंगा हुआ. coloured by a mineral such as red chalk etc. भग० २, १;

धाउअ. त्रि० (धातुज) धातुथी जनेहुं. धातु वाहु धातु से बना हुआ, धातु वाला Metallic; made from a metal. अणुजो० १३१;

धाडियंत. व० कृ० त्रि० (निर्धार्यमान) प्रेरणा करानी. प्रेरित; निर्धारित. Urged; decided upon पण० १, ३;

धाती. स्त्री० (धात्री) धावमाता. धात्री, धाय माता के स्थान पर दूध पिलाने वाली. A wet-nurse. सूय० १, ४, १, १३; पंचा० १३, १८;

धातु पु० (धातु) क्रियावाचक शब्द, क्रियापद. क्रियापद. A verb पण० २, २; (२) अनिज पदार्थ; धातु. खानेज पदार्थ; धातु.

a mineral substance; metal. उक्त० ३४, ७;

धाम. न० (धामन्) जल; तेज. बल, तेज. Power; lustre पि० नि० ६६४; धाय. न० (धात) सुलिक्ष अमन चैन के दिन; सम्पति संकुलत के दिन. The days of plenty. " खेम धायं सिवन्तिवा " दस० ७, ५१;

धायई. पुं० (धातकी) जवण समुद्रने इस्ता धातकीना आसी ओलवानो जीवने द्वीप. लवण समुद्र के चारों ओर धातकी के वृक्ष के नाम से परिचित द्वीप. A 2nd island known by the name of the Dhātākī trees round the salt sea. कण० ६, १२८, अणुजो० १०३; (२) ओक प्रकारनु वृक्ष एक प्रकार का वृक्ष (विशेष). a kind of tree. भग० २२, २; जीवा० ३, ४, पल० १;

धायईखंड पुं० (धातकीखण्ड) ओ नामनो ओक द्वीप इस नामका एक द्वीप. A (continent) of this name. ठा० २, ३; सू० प० ८; भग० ५, १, ६, २;

धायईवृक्ष पु० (धातकीवृक्ष) आंवलानु आउ जेनी नीचे २३मा तीर्थकरने केवलज्ञान उपन थयुं हुनु. आवले का वृक्ष जिसके नीचे २३वें तीर्थकर को केवलज्ञान उपन हुआ था. The tree of Āmvalā; under which the 23rd Tirthakara attained perfect knowledge. सम० प० २३३;

धायईखंड. पु० (धातकीखण्ड) जुओ " धायइखंड " शब्द. देखो " धायइखंड " शब्द. Vide " धायइखंड " पल० १५; जीवा० ३, ४; भग० १८, ७;

✓ धार. धा० I, II (धृ+णिच्) धारलु करवुं; धरी राखवुं; पड़ेखुं. धारण करना, पहिनना.

To hold; to wear.

धारेद्. पि० नि० ४११;

धारति. दस० ६, २०;

धारण. वि० सूय० २, ५, ३१;

धारिजा. आया० १, ८, ८, २५; उत्त० १, १४;

धारिज्जा. भग० ५, ४;

धारिस्सद्. भ० वद० ८, १४;

धारित्तद्. हे० कृ० आ० ३८; वव० २, २४;

८, १४; वेय० १, १६; २, २२; ५, ३१;

धारिज्जगाण. क० गं० व० कृ० नाया० ८;

१२, १६;

धारयंत सय० २, ५, ३३;

धारिज्जद्. क० वा० विशेष० २६६,

धारण. त्रि० (धारक) धारण करने वाला. One who holds, wearer.

आ० ३८; कप्प० ८;

धारणा स्त्री० (धारणा) भतिजानने। ओ३ प्रशरः याददास्तः स्मृतिः, धारणा. मतिजान का एक प्रकार; याददास्त, स्मरण शक्ति। A kind of mental knowledge; memory; retentiveness. भग० ८,

२; ८; १२, ५; नदा० २६; ज० प० विश०

१७८; सम० २८; ६, १; दया० ४, ४५;

४६; क० गं० १, ५; (२) धारण नामने।

व्यवहार. धारणा नामक व्यवहार. the action of retentiveness. क्व०

१०, ३; ठा० ५, २; ६, १; प्रव० ८६१;

(३) जेना छिपर आसत्तर रहे छे ते थांलली.

वह स्तंभ जिस के ऊपर आड़ी छड़ ऊँचा हुई हाता है. a post having a horizontal beam over it " धारणा-विषया " भग० ८, ६; प्रव० ८०८;

—मद्. स्त्री० (-मति) धारण करी सय-नार बुद्धि. धारक बुद्धि. retentive intelligence. ठा० ४, ४,

—महसंपदा. स्त्री० (-मत्तिसंपद)

धारणा शक्तिरूप मति संपत्; निश्चयरूपे वस्तुने ग्रहण करवानी शक्ति धारणा शक्ति रूप मति सम्पत्ति; निश्चय पूर्वक वस्तु को ग्रहण करने का शक्ति. the wealth of intelligence in the form of a retentive power. प्रव० ५५२; दसा० ४, ३५;

धारणिज्ज. त्रि० (धारणाय) धारण करवा योग्य. धारण करने लायक. Fit to be worn or put on. भग० १५, १; निसी० ५, ६७; १४, ६;

धारणो. स्त्री० (धारणा) ११ भां तीर्थकरनी मुख्य साध्वी ग्यारहवे तीर्थकर की मुख्य साध्वी. The principal nun of the 11th Tirthankara सम० प० २३४; (२) अधकवृष्णि राजनी राणी. अधकवृष्णि राजा की रानी the queen of the king Andhakavrisni. अत० १, १; (३) शिव राजनी ऐ नामनी देवी, राणी. इस नाम का शिव राजा की रानी. the queen of the king Siva नाया० १,

धारत्र-य. त्रि० (धारक) धारण करने वाला. Holder; wearer. नदा० स्थ० ३५; भग० २, १; कप्प० १, ६; प्रव० १५६५;

धारस स्त्री० (धारा) शस्त्रादिनी धार. हथियारों की धार, तल्वर धार. The sharp edge of weapons " तत्त्व त्रिय स धारा ओषणा " नाया० १; १४; उवा० २, ६५; (२) दूध, पानी, तेल विगैरेनी धार दूध, पानी, तल आदि तरल पदार्थों का धारा. सेड. the flow or current of liquid substances such as milk, water, oil etc. ज० प० २, ३६; उत्त० ३४, ६; नाया० १; भग० ६, ३३, कप्प०

१, ५; क० गं० १, १२;—हय. त्रि० (-हृत)
पाणी वगेरेनी धारथी आहत धगेव;
धारथी सिंथन पागेव. जल आदि का
धारा से आहत; जल धार सिञ्चित; पानी से
झावित. struck by a current;
sprinkled by a current (of
water etc.) जं० प० ५. ११५; नाया०
१; १३; कप्प० १, ५;

धाराधारिय. त्रि० (धाराधारिक—धारा प्रधानं
धारि—जलं यत्र तत्तथा) ज्वां धाराथी पाणी
पडतुं होय ते, पुवारो धिगेरे. जहां धारा
प्रवाह से जहां पानी गिरता हों वह; फौवारा
आदि. A place where the water
flows in a current; a fountain
etc. भग० १३, ६—लेण पुं० (-लयन)
पुवारावायुं धर. फौवारं वाला गृह. a
house with a fountain. भग० १३, ६;
रि. त्रि० (धारिन्) धारणुं धरना. धारण
करने वाला. Holder wearer; पत्र० २:
रिआ. स्त्री० (धारिका) धरणुं धरना. धरित्री;
धारण करने वाली. (She) who
holds or puts on. भग० ११, ११;
रिणां. स्त्री० (धारिणी) मिथिला के जित-
शत्रु राजनी राज्ञी. मिथिला के जितशत्रु
राजा की रानी. The queen of Jita-
atru the king of Mithilā.
व० ३०८; जं० प० (२) डालीक राजनी
राज्ञी नाम. कोणिक राजा की रानी का
नाम. the name of the queen of
he king Konika. ओव० ७; (३)
लराजनी राज्ञी नाम. बल राजा की
नी का नाम. the name of the
ueen of Balarāja. नाया० ८; (४)
दशुशु धारी—सदशुशु स्त्री. सदगुणी
हेला, आर्य स्त्री. a virtuous woman
• प० १; (५) रूपी राजनी राज्ञी

नाम. रूपी राजा की रानी का नाम. the
name of the queen of the king
Rūpi. नाया ८; गद्य० ७२; (६) चंपा
नगरीना जितशत्रु राजनी राज्ञी नाम.
चंपा नगर के जितशत्रु राजा की रानी का
नाम. the name of the queen of
Jitśātru the king of Champā
city. नाया० १२; पामोक्खा. पुं०
(-प्रमुख) धारिणी नामनी मेरी राज्ञी
धिगेरे. धरिणी नामक बड़ी रानी आदि.
the chief queen named Dhā-
rīṇī and others नाया० ८;

धावण. न० (धावन) दौड़पुं; भागपुं. दौड़ना;
भागना. Running; १८८. ओव० ३१;
गच्छा० ८२;

धावणश्च पुं० (धावनक) दूता दौड़ानर सेवक.
दूत. दौड़ने वाला सेवक. पुरोधावक A mes-
senger; a runner सूच० ४, ३२;
धावमाण व० कृ० त्रि० (धावमान) दौड़ने;
भागने. दौड़ता हुआ; भागता हुआ; पलाय
मान Running. भग० १०, ३; नाया० ४;
छवाहा. पुं० (*) अवाज. शब्द; ध्वनी;
आवाज Sound; voice; note. सु०
च० ४, २१४;

धिइ. स्त्री० (धृति) धीरज; स्थिरता; स्थिरता.
धैर्य; चित्तकी स्थिरता; मनस्थैर्य Patie-
nce; steadiness of the mind.
जं० प० ४, ४, पिं० निं० ४१५. नाया० १;
६; जीवा० ३, १; दमा० ६, १. नंदी० स्व०
१, २; भग० ६, ३३; उत्त० ६, २१, २७,
८; ३२; ३, आया० १, ३, २, ११०; सम०
६; ३२. सु० च० ५, ८८, मत० १२; पंचा०
३, २७; १८, ४; उवा० २, ७३, ६५;
(२) धृति देवी; निपथ पर्वतना निगिच्छ
द्रुती अधिष्ठात्री देवी. धृति देवी; निपथ
पर्वत के तिगिच्छ द्रुत की अधिष्ठात्री देवी.

Dhṛtidevī, the presiding deity of the Tigichchha lake of the Nisadha mountain डा० २, ३. (३) धृति देवीती प्रतिमा धृति देवी की प्रतिमा the image of the goddess Dhṛiti. मग० ११, ११; (४) धरणा धारणा (अनुमान). guess विशेष० १८८: — जुत त्रि० (-युक्त) धृति युक्त धीरवृत्ति. धृतियुक्त. धैर्यवान्; धीर courageous, bold (one) having stability प्रब० ५८३. — बल न० (-बल) धी ० नु ५८. धैर्यबल; धीरजबल. the strength of courage; patience: boldness. भक्त० १५०,

धिइमंत. त्रि० (धृतिमन्) धैर्यवान्. धैर्यवान् धीर. Bold, courageous. सूय० १, ६, ५;

✓ धिकार. धा० I (धिक्+कृ) धिक्कारवे तिरस्कार करने धिकारना, तिरस्कार करना To reproach, to say "fie".

धिकारिजइ क० वा० सु० च० १४, ६८,

धिकारिजिमाय व० वा० व० कृ० नाया० १६

धिकार. पुं० (धिकार) तिरस्कार; धिक्कार. धिकार; तिरस्कार. Reproach; contempt. नाया० ७; (२) अगिवाग्भाथी ५६२भां कुलकरना समयमा ५५२भां ६५ नीति, धिक्कारनी शिक्षा ग्यारहवें कुलकर के समय से लेकर पंद्रहवें तक प्रचालत दण्ड नीति, धिकार पूर्ण शिक्षा a sort of punishment in force at the time of 11th to 15th Kulakaras, punishment by uttering condemning words such as "fie".

डा० ७, १, ज० ५०

धिज न० (धैर्य) धीर धैर्य धीरज. धैर्य. Fortitude; courage. वव० ३, ६,

धिज्जीवि १. न० (धिज्जीवित) धिक्कारपात्र ७५५. तिरस्कृत जीवन, धिक्कार योग्य जीवन.

A contemptuous or condemnable life. सूय० २, २, ५५;

धिति छा० (धृति) धीर धृति; धैर्य, धीरज.

Courage. नाया० १६; सू० प० २०;

निर० ४, १, सूय० २, २. ६७; अणुजो०

१३०; ओव० २१; पण्ड० २, १; (२)

निपथ पर्वतना तिगिच्छ द्रुती अधिष्ठात्री

देवी. निपथ पर्वत के तिगिच्छ द्रु की अधि-

ष्ठात्री देवी. the presiding goddess

of the Tigichchha lake on the

Nisodha mountain. ज० प०

धितिकूड. पुं० (धृतिकूट) निपथ पर्वतना

नपट्टमानु ६६८-शिखर निपथ पर्वत के

नौ कूटो मे से छठा कूट-शिखर. The 6th

peak out of 9 of the Nisadha

mountain ज० प० ४, ८४;

धितिहर पु० (धृतिहर) अंतगडसूत्रना ७६

वर्गना ७६ अध्यायननु नाम अंतगड सूत्र

के छठे वर्ग के छठे अध्यायन का नाम. The

name of the sixth chapter of

the sixth section of the Anta-

gāḍa Sūtra अत० ६, ६; (२)

काकंदी नगरी निवासी एक गाथापति, के

जेल्ले महावीरस्वामी ॥ मे १६५१ नी प्रवर्णना

पाली. विपुल पर्वत उपर सन्धारो करी

सिद्धि भेदनी कान्दो नगरी निवासी एक

गाथापति, जिन्होंने महावीर स्वामी के पास

१६ वर्ष तक प्रवर्णना का पालन किया और

विपुल पर्वत पर संधारा करके सिद्धि पाई.

a certain Gāthāpati (mer-

chant) of Kā k a n d i city

who remained an ascetic with

Mahāvīra Svāmī for sixteen

years and after practicing San-

thārā on the Vipula mountain,
attained salvation अन्त० ६, ६;

धिद्धिकार पुं० (धिग्धकार) धिद्ध शब्दधी
अतिशय तिरस्कार इत्येते ते धिक् शब्द
के द्वारा किया गया अतिशय तिरस्कार. Re-
proach by uttering the word
" fie ". विश० २५०५;

धिद्धी अ० (धिग्धिक्) धिद्ध शब्दधी शब्द.
धिद्धिकार वाचक शब्द. A word indicat-
ing " Fie ". सू० च० ४, १६७;

धिरत्थु. अ० (धिगत्थु) धिद्धिकार हे. धिद्धिकार !
धिद्धिकार ! (घृणापूर्ण भाव). Fie upon
you ! नाया० १६; दस० २, ७;

धी. स्त्री० (धी) धी, धुकि. धी; बुद्धि. In-
telligence. " ता धीर धी बलेणं "
भक्त० १५०;

धीमंत. त्रि० (धीमन्) धुद्धिवाधुं. बुद्धिमान;
धीमान्; अकलमन्द. Intelligent. कप्प०
५, १०३;

धीर. पुं० (धीर) धीरः धीरः धैर्यवान्;
मनस्वी. गंभीर; धीर. धैर्यवान्; मनस्वी.
Grave; bold; noble आद्या० १, २, ४,
८४; १, ६, २, १८४; १, ८, ७, १; नदी०
२५० १८; आड० नाया० १; भग० ६, ३३;
दस० ३, ११; ७, ४, ७; ४७, ६, २, २०; सूय०
१, १, ४, ६, उत्त० १, २१; ओव० २१; भक्त०
६, १०२; पद्म० १, ३४; १०, ४०; प्रव० ६१०;
—करण. न० (-करण) धीरज संपादन
इत्येते, धीरजवान् थयुं धैर्य सम्पादन करण;
धीर बनना. to get bold. सम० ६.
—पुरिस. पुं० (-पुरुष) धीरजवान्
पुरुष. धैर्यशाल पुरुष. courageous
person. सम० ५० २३७;

धीरत्तण. न० (धीरत्त्व) धीरपणुः धैर्य धैर्य;
धीरता; धीरज. Courage; fortitude.
आड० ६४;

धीरय न० (धैर्य) धीरज धैर्य; धीरज, धीर.

Courage; fortitude भक्त० १६३;

धुग-य. त्रि० (धुत्) इत्येते धुगधुग.
कंपाया दुग्गा; दिनाया दुग्गा. Shaken;
made to tremble. सूय० १, ४, २,
२२; सू० च० ६, ५३०; (२) न० (धूयने
क्षिप्यते कर्म येन तत् धूयम्) संयमनु अनु-
ष्ठान-पालन; जेथी इमं भये ते सयम
पालन-जितसे कर्म क्षय हो. self-res-
traint, by which Karmas
may decrease. सूय० १, २, २, २६;
(३) मोक्ष. मोक्ष. salvation. सूय० १,
१०, १६; —आमिराम. पुं० (-आमि-
राम) इमं आंधवाभां दुग्गल. कर्मों के बांधने
में पटु-कुशल. skilled in acquir-
ing Karmas. नाया० १; —पात्र.
त्रि० (-पाप) जेना पाप क्षीय थया होय
ते, जिसके पापों का क्षय हो गया हो, क्षीण
पाप (व्यक्ति) (one) whose sins
have decreased. आड० —मल. त्रि०
(-मल) जेले पापक्षी मेलेने दूर कथो होय
ते जिनमे पापक्षी मेल को धां डाला है;
निष्पाप (व्यक्ति) sinless; one who
has washed out the dirt like
sins. दस० ७, ५७. —मोह. त्रि० (-मोह)
जेले मोह त्याग्यो होय ते जिसने मोह को
छोड़ दिया है; निर्मोही (व्यक्ति) (one)
who has abandoned attachment.
सूय० १, ४, २, २२; दस० ३ १३; —रय.
त्रि० (रजस्) जेले इमं रज दूर करी नाभी
छे ते, जिसने कर्म रज दूर कर डाली है वह,
कर्मरज रहित (व्यक्ति). (one) who
has washed off the dust like
Karmas. सम० ५० २४०;

धुगधुग. पुं० (धुगधुग्) ऐक प्रकारतो शब्द.
एक शब्द (ध्वनि) विशेष A kind of

onomatopoeitic word पण्ह १, ३;

✓ धुण. धा० I (धू) कं पावपु; हुलावपुं
कंपाना; हिलाना. To shake, to cause;
to tremble.

धुणह. व० दस० ४, २०; ६, ४, २; ३.

धुणाह. आया० १, ४, ३, १३७;

धुणंति. दस० ६, ६८;

धुणे. वि० सूय० १, १०, ११; आया० १, २,
६, ६६;

धुणित्तप. हे० कृ० सूय० १, २, २, २७;

धुणिया. स० कृ० सूय० १, २, १, १४.

धुणिय सं० कृ० दस० ६, ३, १६ सु० च०
६, २७;

धुव्वप. क० वा० सु० च० ६, ८१;

धुव्वन्त क० वा० व० कृ० सु० च० २, ६४६.

धुणण. न० (धूनन) कं पावपु-हुलावपु ने
थरथराना; हिलाने का कार्य Shaking,
moving ओष० नि० भा० १६५.

धुत. त्रि० (धू) दूर करेला निकाला
हुआ; दूर किया हुआ Removed,
ousted; put aside. उत्त० ३, २०;
आचारंग सूत्रं ७६ अथयन
आचारंग सूत्र का छठा अध्यायन. the
6th chapter of the Āchārāṅga
Sūtra सम० ६; (३) (धूयत इति
धुतमष्ट प्रकारं कर्म) आठ प्रभेदना कर्म.
आठ भाँति के कर्म. the Karmas of
eight varieties दसा० ६, १;—बहुल.
पुं० (-बहुल) जेने धया कर्मो होय ते,
अहुल कर्मो. जिसके बहुत से कर्म हों वह,
बहुल कर्मो, प्रचुर कर्मो. one whose
Karmas are many; one of many
activities. दसा० ६, १.

धुत्त. त्रि० (धूर्त) धुतारे; छग वंचक ठग;
धोखेवाज. A cheat; pickpocket.
सू० २, २, ५६; उत्त० २, १६.

✓ धुत्तार. धा० I. (धूर्त) धुतपुं; धूतपुं.
ठगना, धूतना; धोखा देना. To cheat;
to deceive.

धूतारसि सु० च० ४, १५२;

धुम्म. पु० (धूत्र) धुभाडे। धूमाँ, धूम; धूत्र.

Smoke. दसा० ५, ३६; ३७; —हीण.

त्रि० (-हीन) धुंभाडथी रहित. धूँ से
रहित: धूर्मविहीन. free from smoke.

दसा० ५, ३६; ३७;

धुय. पुं० (ध्रुव) संयम. संयम; वृत्तियों
का निरोध. Self-restraint. सूय० १, २,
२, २५;

धुर. पुं० (धुर) ओ नामने। ४८ मो ग्रह. इस
नाम का ४८ वा ग्रह. The 48th
planet of this name. टा० २, ३;
सू० प० २०; (२) भार; जवापदारी. भार,
उत्तरदायित्व; जिम्मेदारी. burden; res-
ponsibility. पि० नि० ९६;

धुरा स्त्री० (धुरा) रथ आदिनी धोंसरी.
रथ, गाड़ी आदि की जुड़ी-धुरी. The
yoke of a chariot etc जीवा० ३;
३; राय० १२६;

ध्रुव. त्रि० (ध्रुव) निश्चल; स्थिर; शाश्वत.
अडग; अटल, स्थिर. Steady; stable;
eternal. क० प० १, १६; प्रव०
२, ६. विशेष० ३०६, ५५०; भग० १५,
१; जं० प० १, १३; (२) ध्रुवकाल; जे
वपते जे कार्य करवानु होय ते समय.
ध्रुवकाल; जिस समय जो काम करना हो वह
समय, उचित काल the proper
time. दस० ८, १७; (३) न० मोक्ष
अने तेना साधन. मोक्ष और उसके साधन
salvation and its means. आया०
१, २, ३, ८०, सूय० १, २, १, ८; —अ-
चित्त. त्रि० (-अचित्त) शाश्वत अने
अथी करीप. अक्षय न ५५ शदे भाटे

अथित ओपी वर्गणा-पुद्गल समूह, केदली ओक वर्गणा ओपी छे के ने लोडभा सदाय होई शके अने छव नेने अणुय करी सथित न अनावे भाटे ध्रु। अथित वर्गणा. शाश्वत और जीवद्वारा सर्वथा अप्राप्त अतएव अचित ऐसी वर्गणा-पुद्गल समूह; बहुनसा वर्गणाएं ऐसी हैं कि जो लोक में सदा स्थिर रह सकती हैं और जो उन्हीं ग्रहण कर साचत नहो बनाता अतएव ध्रुव अचित वर्गणा an arrangement of the Pudgalas or matter which though eternal cannot be accepted by the soul. There are many arrangements which can remain stable in the universe for ever and which cannot be made conscious by being accepted by the soul; hence the eternal unconscious arrangement. क० प० १, १६; —इतर. त्रि० (-इतर) नित्य सियाय थीलुं अनित्य ध्रुवली विपरीत अध्रुव वर्गणा नित्य का उलटा; ध्रुव का विपरीत, अनित्य, अध्रुव आदि transitory; non-eternal; unstable. विशेष० ६३८; —उद्व. त्रि० (-उद्वि) नेनो उदय विच्छिन्न नथी थयो ओपी कर्म प्रकृति जिसका उदय विच्छिन्न या भ्रष्ट न हुआ हो ऐसी कर्म प्रकृति. a variety of Karmic matter whose appearance is not lost. क० गं० ५, ६; —उद्ववा. छी० (-उद्विका) नेनो उदय विच्छिन्न नथी ते॥ कर्म प्रकृति जिसका उदय विच्छिन्न न हुआ हो ऐसी कर्म प्रकृति. a variety of Karmic matter whose appearance is not lost. “ अमुच्छिन्नी

उद्वि जाणं पगडण्णताधुवोद्वया ” क० ग० १, १: —उद्वया छी० (-उद्वया) ध्रुवोद्वी प्रकृति. अवश्यही उदय को प्राप्त होने वाली ध्रुवोद्वी प्रकृति a Karmic matter which is sure to appear or rise. क० गं० ५, ४, —उदीरणा. छी० (-उदीरणा) अवश्य आवी उदीरणा. ध्रुवउदीरणा. अवश्यमावी उदीरणा. sure expectation of experiencing of Karmic influence forced to appear by means of efforts though the time for it has not matured. क० प० ४, ३१; —कम्मिअ. पुं० (कम्मिअ) नित्य कर्माचारि. लुहारदि जाति. नित्य कर्मचारी, लुहारदि जाति. a daily craftsman such as a smith etc. ओब० नि० १०६; —जोग पुं० (-योग) निश्चल योग. अटल योग; अडग योग. a steady concentration दस० ४, १०; —जोगि. त्रि० (-योगिन्) निश्चल योगवादी. निश्चल या अडग योग वाला (योगी) (one) whose concentration is steady or firm. दस० १०, १, ६; —णियंत. त्रि० (-नियत) सदा ओक रूपे अवस्थित सदा एक ही रूपमें स्थिर विद्यमान. that which remains in the same form for ever. वव० ४, २१; —निगह पुं० (-निग्रह) आवश्यक कर्मों का निरोध करने वाला one who opposes the necessary duties अणुजो० २८; —पगडि. छी० (-प्रकृति) पाप ज्ञानावरण. नव दर्शनावरण, मिथ्यात्वभेदनीय, सोल इयाय, अथ, लुगुप्सा, तेजस, क्षमण, पार्श्वि आर, अगुलधु उपधात.

निर्माण, पांच अंतराय ये ४० प्रकृति अवि-
च्छन्न होय भाटे ध्रुव प्रकृति छेवाय छे.
पांच ज्ञानावरण, नौ दर्शनावरण, मिथ्यात्व
मोहनाय, सोलह कषाम, भय, जुगुप्सा
तेजस, कर्मण, वशादि चार, अगुरुलघु उप-
घात, निर्माण, पांच अंतराय ये ४० प्रकृतियां
अविच्छिन्न होती हैं अतएव ये ' ध्रुवप्रकृति '
कहलति है. the 47- Karmic
natures viz 5 knowledge-obs-
curing, nine sight-obscuring,
false faith-lending, 16 pas-
sions, fear, aversion, Taijasa,
Kārmāna, 4 colours, Agurula-
ghu Upaghata, Nirmāna and
5 Antarāya; these matters oc-
cur invariably hence they are
called eternal Karmic mat-
ters क० प० १. ६०; ४, ६; (२) जे
प्रकृति अंधहेतु भये अग्रय अघाय तेने
स्थाने पीछ प्रकृति न अघाय ते ध्रुवअधी
(प्रकृति) बधन के हेतु के मिलत हा जो
प्रकृति स्वयं (कर्म) बंधन में फस जाती है
और उसके स्थान पर दूसरे कर्म नहीं बधते
वह ध्रुव बधन शील (प्रकृति). a kind
of Karmic bondage which is
sure to take place at its pro-
per time and no other Karmic
nature comes in it way
क० गं० ५, १, २; —मरग. पुं० (-मार्ग)
ध्रुव-भोक्ष-संयमने भागि अविचल-सत्य
का मार्ग, महान समय का पथ the path
of salvation i. e. self-restraint.
सूय० १, ४, १, १०, —रय. त्रि० (-रजस
-ध्रुव धृत रज कर्म प्रबधो येन स.) कर्मना
रजने-मेलने दुर करेव. कर्मभल रहित
जिघने कर्म मज को धो डाला है वह-कर्म

मल रहित (व्यक्ति), one who has
washed off the dirt of Karam.
ओघ० नि० ७६८; —वन्न त्रि० (-वर्ण
-ध्रुवो वर्णो यशो यस्य सः) अटल कीर्ति;
जेनी कीर्ति स्थिर होय ते. अटल कीर्ति;
अमर कीर्ति वाला. (one) whose
fame is stable or immortal.
आया० १, ७, ८, २३; —संकम. पु०
(संकम) ध्रुव सत्तावाली प्रकृतिनु संकमय
-संनतीय प्रकृत्यान्तरमां प्रवेश ध्रुव सत्ता-
वाली प्रकृतिमा संकमय-सजातीय प्रकृत्यान्तरं
प्रवेश. transportation of the
Karmic matter whose strength
is eternal i. e. entering into
another matter of its class.
क० प० २, ७२; —संतकर्मिणा. श्री०
(-सत्कर्मिका ध्रुव सत्कर्म यासां ताः ध्रुव
सत्कर्मिकाः) कर्मनी १५८ प्रकृतिमां
नरकद्विक, मनुजद्विक, देवद्विक, वैद्विक सप्तक,
आहारक सप्तक, तीर्थकरनाम, सम्यक्त्व
मोहनीय, समामिथ्यात्वमोहनीय, उच्चगोत्र,
आयुष्य ये अध्वीस प्रकृति अध्रुव
सत्तानी छे आशीनी १३० प्रकृति ध्रुव
सत्तानी छे. कर्म की १५८ प्रकृतियों में नरक
द्विक, मनुजद्विक, देवद्विक, वैद्विकसप्तक,
आहारक सप्तक, तीर्थकरनाम सम्यक्त्व मोह-
नीय, समामिथ्यात्वमोहनीय, उच्चगोत्र, व चार
आयुष्य ऐसी ये २८ प्रकृति अध्रुव सत्ता की
हैं शेष १३० ध्रुवसत्ता की है. a group of
Dhīnvasattā (having steady in-
fluence) Karmic natures out of
the 158 secondry nature of
Karmic natures क० प० २, ३०;
—सत्ता. श्री० (-सत्ता) ध्रुव सत्ता; जेनी
सत्ता अपने सर्वान होय परतु लवप्रत्ययादिक
धारणिक न होय ते ध्रुवसत्ता, अखण्डसत्ता,

अर्थात् जिसकी सत्ता भवप्रत्ययादिक कारणरूप न हो वह. of firm existence; whose existence is always felt by a soul, but does not result in causing an experience of the world. क० गं० ५, १; —सीलया. स्त्री० (-शीलता) १८ सदस्य शीलांग रथने धारण करधुं ते. शील के १८ सदस्य भिन्न २ अंग-रथों का धारण करना या अंगों को धारण करने की शक्ति. putting or holding in 18,000 different ways celebrasy. दस० ८, ४१; —सुन्न. त्रि० (-शून्य) शायत शुन्य अटले ने काष्ठ पथु काले अस्तित्वमां न आवे अथीद्रव्य वर्गीया. शाश्वत शून्य अर्थात् ऐसी द्रव्य वर्गीया कि जिसका किसी भी समय में अस्तित्व न हो सके an arrangement of substances which do not exist at anytime क० प० १, १६;

धुवं. अ० (ध्रुवम्) नक्षत्री; अनियतपथे; योक्षस. अटल; निश्चित; आविचल. Certainly; infallibly आया० १, ७, १, १६८; २, ४, १, १३२; उत्त० ७, १६; दसा० ४, ४१; प्रव० १४५२;

धुवण न (धावन) धोयु; साक्ष करधुं. धोना; साफ करना. Washing; rinsing. पि० नि० भा० ०४;

धुवबधी. स्त्री० (ध्रुवबन्धिनि) ध्रुवबधी प्रकृति ध्रुव बंधन. A Karmic nature of eternal bondage. क० गं० ५, ७४; —नवग. न० (-नवक) ध्रुवबधि नवक; पथु, गंध, रस. स्पर्श, तेजस, निर्माण, धर्मण, उपवात. अने अगुरुलघु ओ नाम-धर्मनी ध्रुवबधि नव प्रकृतिनो समूह. ध्रुवबंधि नवक; वरुण, गंध स्पर्श, तैजस, कामेण

निर्माण, उपघात, और अगुरुलघु नामक कर्मों का ध्रुवबंधन शाल नौ प्रकृति का समूह the aggregate of nine eternally binding Karmic matters क० गं० ५, १८; —नाम. न० (-नामन्) नामधर्मनी ध्रुवबधी प्रकृति. नामकर्म की ध्रुव बंधन शाल प्रकृति the eternal binding Karmic matter of Nāma Karma क० प० ४, ३;

धुवराहु. पुं० (ध्रुवराहु) चन्द्रनी साथे रहेनार नित्य-राहु चन्द्र के साथ २ रहने वाला नित्य-राहु. The planet Rāhu which always accompanies the moon. भग० १२, ६; मू० प० २०;

धुव्व अ० (धृवम्) निश्चल; स्थिर. नित्य. अटल; निश्चल; स्थिर. Stable; steadily; firm. निमी० ५, ७; १४, ७;

धूत. त्रि० (धूत) पूर्व आधिल धर्म पहिले के बंधे हुए कर्म Karmas previously bound स्य० २, २, ६५; —बहुल. त्रि० (-बहुल) पूर्व आधिल धर्मनी अधिकतावाला. पूर्व के बद्धकर्मों की अधिकता वाला one bound fast by the previous Karmas. स्य० २, २, ६२;

धूना स्त्री० (दुहितृ) पुत्री; कन्या. दुहिता; लडकी. पुत्री. कन्या. Daughter. स्य० २, २, १२;

धूम. पुं० (धूम) धुंभाडा; धूम. धूआं धूम; धूम Smoke, पि० नि० २५०; सु० च० १, १०; नाया० १; भग० ७, ६; अणुजो० १०३; उत्त० २५, ८, विशेष० २०७; प्रव० ७४१; (२) धूमाजनी माक्ष संयमने मलिन करनार आहारनो ओक दोष धूमवत् संयम मे मलिनता लाने वाला आहार सम्बन्धी एक दोष A fault connected with food which blackens self rest

raint like smoke पि० नि० १; परह० २, १; —(मं)अंधकार पुं० (—अन्धकार) धूमथी थयेअ अन्धकार. धुएं के कारण उत्पन्न अंधेरा. darkness due to smoke नाया० १;—चट्टि. छी० (—वर्ति) धुंवाडाती वाट; धुवाडाती गोटा. धुए की बत्ती; धुएं के गोटे. a smoking wick; a mass or column of smoke जं० प० ३, ४३; ५, १२०. —चरण त्रि० (—वर्ण) जेनो वार्त्—रग धुमाड जेवो धुंधलो होय ते. धूएं के समान धुधले रग वाला; धूम वर्ण blackish like smoke. नाया० १; १७. —सिद्धा. छी० (—शिखा) धूमनी शिखा. धूम शिखा. धूएं का ऊपरी भाग. a column of smoke. ठा० ४, २;

धूमकेतु. पुं० (धूमकेतु) धूमकेतु नामनो ३८ गो ग्रह. धूमकेतु नामक ३८ वा ग्रह. The ३८th planet called a comet. दस० २, ६, ठा० २, ३; परह० १, ५; पञ्च० २; आब० २५; सू० प० २०;

धूमप्रभा. छी० (धूमप्रभा) पायभी नरकजुं नाम. पाचवें नर्क का नाम. The name of the 5th hell प्रव० १०८६;

धूमप्रभा. छी० (धूमप्रभा) पायभी नरक ज्वां धुमाडा जेवो प्रकाश होय छे. पंचम नर्क भूमि जहा धुएं जैसा (अस्पष्ट) प्रकाश रहता है. The 5th hell where exists a smoky light. भग० ५, ८, ४१, १, पञ्च० १; अणुजो० १०३; सम० १८, ठा० ७, १;

धूमप्रभा. छी० (धूमप्रभा) लुथो “धूम प्रभा” शब्द. देखो “धूमप्रभा” शब्द. Vide “धूमप्रभा” अणुजो० १३४;

धूमाभा. छी० (धूमाभा) जे नामनी पायभी नरक भूमि के ज्वां धुवाडाथी घनघोर होय

छे ते इस नामकी पांचवीं नर्क भूमि, जहाँ नित्य घनघोर धूआं बना रहता है. The region of the 5th hell where reeking smoke abounds. उत्त० ३६, १५६;

धूमिआ-या. छी० (धूमिका) धुमाडा जेवो दूरथी धुधलुं देखाय ते; धुंवर. धुए के समान दूर से धुंधला दिखाई देने वाला पदार्थ, धुन्धर; कुहरा. An indistinctly visible object at a distance as smoke, mist. अणुजो० १२७; ठा० १०, १; भग० ३, ७, जीवा० ३, ३, धूमिय न० (धूपित) अगर पगेरे सुगंधी पदार्थनो धुप देवो ते चन्दनागर आदि सुगंधित पदार्थों से धूप देने का कार्य. Burning of incense. प्रव० ८८०;

धूम्र. पु० (धूम्र) धुंवाडो. धूआ; धूम्र. Smoke भग० ७, १; निसी० १, ५७;

धूय-अ त्रि० (धूत) दूर करेले. दूर किया हुआ; निकाला हुआ; निस्सारित Set apart, removed; banished. दस० ३, १३; नंदी० स्थ० ३; —मोह. त्रि० (—मोह) जेले भोड तजेले होय ते विमोही; मोह रहित (व्यक्ति). (one) who has abandoned attachment. दस० ३, १३; —रय. त्रि० (—रजसू—धूत नि-सारितं रजो रागस्वभाव आत्म रजोगुणोयेन) जेले रजोगुण तण दीयो होय ते. जिसने रजो गुण त्याग दिया हो वह. (one) who has abandoned the Rajoguna. सूय० १, ४, २, २२; —चाय. पु० (—चाद) धूमने तज्वा सम्पन्धी वाद-सम्भाषण. कर्म त्याग विषयक चर्चा. discussion relating the renouncing of Karmus आया० १, ६, १, १०९,

धूयत्ता. स्त्री० (दुहितृता) दीक्षरीपण्डु;
पुत्रीपण्डु. दुहितृत्व; पुत्रीपण. The state
of a daughter. भग० १२, २;

धूयरा. स्त्री० (दुहितृ) पुत्री; पुत्रीनी पुत्री.
दौहित्री, लड़की की लड़की Daughter;
grand daughter. सू० १, ४, १,
१३, उत्त० २१, २;

धूया. स्त्री० (दुहितृ) दीक्षरी, कन्या; पुत्री.
लड़की, दुहिता, कन्या; पुत्री. Daughter.
नाया० ८, १४; १६; १८; भग० ८, ५, १२,
२, नाया० ध० विवा० ३; ६; पि० नि० ३६७.
४८६; जीवा० ३; उत्त० १२, २०; सु० च०
१, २७१; जं० प० आया० १, २, १, ६२;
२, १, २, १२; कण० ५, १०३,
—पिवासा पुं० (-पिवास) जेने पुत्रीनी
पिपासा छे ते जिमे कन्या प्राप्ति की आम्नि-
लापा है वह. (one) who longs
for a daughter. निर० ३, ४;

धूलि स्त्री० (धूलि) धूल, २०४. धूल; रज;
मिट्टी. Dust जीवा० ३, ३; भग० ७, ६;
जं० प० —बहुल. त्रि० (-बहुल)
धुलिथी क्षरेल धूलि पूर्ण. full of dust
भग० ७, ६.

धूलिया स्त्री० (धूलिका) धूलि. धूलि
Dust नाया० २;

धूली स्त्री० (धूलि) धूल; २०४ धूल, रज;
मिट्टी. Dust, pollen. पि० नि० ४२२,
जीवा० ३, ४;

✓ धूव धा० I (धूप) धूपदे. धूप देना To
fumigate; to incense.

धूवेज. वि० निसि० ३, १;

धूव. पुं० (धूप) धूप; अगस्त्यती यन्त्र आदि
सुगंधी पदार्थों से तयार किया हुआ धूप्य
पदार्थ Incense. जं० प० १, १३;

४, ६६; नाया० १; २; ७; ८; १६, १८;
विवा० ७; राय० २८; दसा० १०, १; सु०
च० २; २६६; पत्र० २; सू० प० २०;
जीवा० ३, ४, भग० ६, ३३; ११, ११;
सग० प० २१०; अणुजो० १६; श्रोत्र०
कण० ३, ३२; उवा० १, ३२; १०, २७७;
—कड्डुलुय. पुं० (*-कड्डुलुक) धूपनी
कड्डुली. धूप की कड्डुली. a laddle for
incense. जं० प० १, १३; ४, ८८;
नाया० ८; —घडिया. स्त्री० (-घटिका)
धूप रखवानुं लावने धूप धरने का पात्र.
an incense pot जीवा० ३, ४;
—घडी. स्त्री० (-घटी) जेभां धूप उभेव-
वाभा आवे ते जिसपात्र में धूप जलाई जाय
वह; धूपपात्र. a vessel in which in-
cense is burnt. राय० १११;

धूवण. न० (धूपन) धूप देनापने, रोग निवृत्ति
भाटे धूपभा वपराते सुगन्धि युक्त पदार्थ.
धूप देनाते धूपदेना; रोग निवृत्ति के लिये
काम में आनेवाला धूपपदार्थ (सुगन्ध लोबान
आदि) धूपदेनेका कार्य. Fumigation.
नाया० १७, उत्त० ३५, ४; दसा ३, ६;
उवा० १, ३२. —विधि. पु० (-विधि)
धूप देवानी विधि धूप देने की विधि the
process of burning incense.
उवा० १, ३२;

धूवणया. स्त्री० (धूपन) धूप देने
वस्त्रों को धूप देने का कार्य The fumi-
gation of clothes. भग० १, ६;

धूविय. त्रि० (धूपित) धूपावेनु; धूप दीयेनु.
धूपदिया हुआ, धूप प्राप्त Fumigated;
perfumed पि० नि० २६०, नाया० १;
दसा० १०, १, भग० ६, ३३;

धेज्ज न० (धैर्य) धैर्य; धीरज. धैर्य, धीरज.
Courage नाया० १,

धेणु स्त्री० (धेनु) गाय, धेनु गाय; धेनु;

गौ A cow. दस० ७, २५;

धेय. त्रि० (धेय) धारण करना या धारण करने के योग्य. Fit to wear or put on नाया० १;

धेवञ्च-य. पुं० (धौवन) नास्तीथी छुरेली वायु हाँत ने ओहना स्थानमा ने अयाण धारण करे ते रय०, सातभानो छोहा रबर. नामी से उत्पन्न वायु दन्त व ओष्ठ का सहायता से जो स्वर धारण करता है वह, मान स्वरों में का छठा (धैवत) स्वर The 6th Indian musical note, wind produced from the navel-words spoken by the help of teeth and lips अणुजो १९८,

धेवत पु० (धैवत) ०५ अ० " धेवञ्च " शब्द दखा ' धेवञ्च " शब्द Vide " धेवञ्च " डा० ७ १;

धोअण न० (धावन) धेयु. साक्ष करयु. धोना; साफ करना Washing, rinsing अणुजो० १६.

धोत त्रि० (धौत) धोयेलु, साक्ष करेलु धुला हुआ, साफ-शुद्ध Washed, cleaned. नाया० १; वेय० १, ४४; ज० १० ३. ४५; —रक्त त्रि० (—रक्त) धेयने रंगेले धोकर रंगा हुआ coloured after washing. निसी० ६, १७;

धोय-अ त्रि० (धौत) धोयेलु साक्ष करेलु. धुला हुआ, साफ किया हुआ Washed; cleaned निसी० १७, ३०; पि० नि० भा० ३४. पञ० २, १७ मग० ६, ३, ८, ६, राय० ५५, आव० १०. आया० १, ७, ४, २११; २, ५ १, १४४. प्रव० ६८६;

धोयण न० (धावन) धेयुं; साक्ष करयु. धोना. साफ करना Washing; cleaning सूय० १, ६, १२;

धोयपोत्ती स्त्री० (धौतपोतिका) ब्राह्मणने पहरेवाणुं वस्त्र. ब्राह्मणों के पहिने का वस्त्र. A garment to be worn by a Brāhmana. प्रव० ६८६;

धोरण न० (धोरण) आलवानी यतुराध. व्यवहार-पटुता, कार्य शैली. Skillness in practical life आं० ३०.

धोरणी. स्त्री० (धोरणी) जलनी निरन्तर आलती धारा. धोरीयो. जलकी अस्तराध धारा. An overflowing current of water. सु० च० १, ३६१;

धोरण्य त्रि० (धोरण्य) जेणे वडल करनार; अलए वगेरे बोझा ढोने वाला, बैल आदि. A beast of burden उत्त० १४ ३५;

✓ धोव घा० I, II (धाव) धेयुं. साक्ष करयु. धोना साफ करना To wash, to rinse. धोवइति मग० ११, ११; नाया० २; १६;

सूय० १, ७, २१;

धोवेति नाया० १६;

धोएजा. त्रि० निसी० १, ७;

धोवेजा. त्रि० नाया० ५;

धुवे. त्रि० पि० नि० भा० ३४;

धोविता मं० कृ० नाया० ६; मग० ११, ११; नाया० ध०

धोवेमाण. व० कृ० नाया० ८; मग० ६, ३.

धोयत. पि० नि० ५६०;

धोयण न० (धावन) धेयुं, साक्ष करयु. धाना; साफ करना. Washing; cleaning. पणह० १, १, २, ४; पि० नि० भा० २३;

न.

न. अ० (न) नही; ना निषेधार्थक अण्यथ नही, निषेधात्मक अव्यय. No, negation

उत्त० १, ७. अणुजो० ८; उवा० १३, १२६; नाय० ६, १२, वव० ६, ७, पञ० ५; मग०

५, ४; ६, ७; दस० ५, २, ५; ६, १८;
आया० १, १, १, ३; १, ६, २, १८३;
ओव० १७; सूय० १, १, १, ५; गच्छा०
७६; क० गं० १, २६; ४६; ४७;

नई. स्त्री० (नदी) नदी; गंगा यमुना सिंधु
इत्यादि. नदी; गंगा, यमुना, सिन्धु इत्यादि.
A river e. g. the Ganges,
Yamunā etc. कप्य० ६, ३३; भक्त०
२२२; कप्य० ६, ११६; दस० ७, ३८; पिं०
निं० ५०३; नंदी० ४७; उत्त० १६, ५६;
३२, १८; आया० २, १, २, १२; (२)
नदी नामवाल् द्वीप आने समुद्र नदी नाम
वाला द्वीप और समुद्र. a continent and
an ocean of this name पञ्च० १५;
—आयतन-ण. न० (-आयतन) नदीनुं
स्थान-तट-किनारे पिगेरे. नदी का स्थान;
तट; किनारा इत्यादि a place of a
river; a bank etc. आया० २, १०,
१६६; —मह पुं० (-मह) नदीने
भड़ेसव नदी का महोत्सव a festivity
of a river. भग० ६, ३३;

नउअ-य. पुं० (नयुत) ८४ लाख अयुतांग
प्रमाणे का विभाग. ८४ लाख अयुतांग के
बराबर एक काल विभाग. A period of
time measuring 84 lacs of
Ayutāngas. भग० ५, १; जीव० ३,
४; अणुजो० ११५;

नउअ (य) ग. पुं० (नयुताङ्ग) ८४ लाख
अयुत परिमित का विभाग. ८४ लाख
अयुत परिमित काल विभाग. A period
of time comprising 84 lacs of
Ayuta of time भग० ५, १; ६, ७,
अणुजो० ११५;

नइउ. स्त्री० (नवति) ९०; नेवुं. नव्ये; ९०.
Ninty; 90. सम० ९०;

नउति. स्त्री० (नवति) नेवुं; नव्ये. Ninty.

सू० प० १;

नउल. पुं० (नकुल) नोलीये; ओइ मतने
सर्पने मारना ७५. नकुल, नोलीया; सर्पको
मारने वाला जीव विशेष. A weasel; a
creature which kills serpents.
सूय० २, ३, २५. ओव० नि० भा० ८४;
सु०च १५, ८७; पंचा० २, २२; उवा० २, ८६;
नउली. स्त्री० (नकुली) नोलीआनी स्त्री. नकुल
—नोलीआ की स्त्री. A female weasel.

(२) नकुल संजधी विद्या नकुल संबंधी
विद्या; नकुल के विषय की विद्या a lore
concerning a weasel विशेष० २४५४;
नं. अ० (ननु) शङ्का सूचक अ०प५. शंका
सूचक अव्यय An indeclinable sug-
gesting doubt. सु० च० ८, ७६;

नंगल. पुं० (लाङ्गल) ७६. हल A plough.
दस० ७, २८; आया० २, ४, २, १३८;

नंगुलि. त्रि० (लाङ्गुलिन्) पूंछीवाल्
जनावर पूंछ वाला जानवर. दुमदार जानवर.
(An animal) having a tail.
अणुजो० १३१;

नंद. पुं० (नन्द) आवती योवीसीना प्रथम
वासुदेव. आवती चौबीसी के प्रथम वासुदेव.
The 1st Vāsudeva of the com-
ing cycle. सम० प० २४२, (२)
आन०; प्रसन्नता. आनन्द, प्रसन्नता joy;
happiness. नाया० १; (३) लोहावुं
आसन लोहासन, लोहे का आसन an
iron seat भग० ११, ११;

नदग पुं० (नन्दक) नन्द नामना वासुदेव
खड्ग-तलवार. नन्दक नाम का वासुदेव का
खड्ग-तलवार. A sword named Na-
ndaka of Vāsudeva. सम० प० २३७;
(२) लखत क्षेत्रना गाल योवीसीना
योवीसमा तीर्थकरना पुर्वना नील लवनुं
नाम. भरत चक्र के वर्तमान चौबीसी के

चौबीसवें तीर्थंकर के तीसरे पूर्व भव का नाम.
name of the third past life of
the 24th Tirthaṅkara of the
present cycle of Bharat Ksetra.
सम० प० १३० (३) देवनाथोने रमयानु—
आनन्द ६३ रवानु स्थान मे ३ पर्वत विपर आवेयुं
नन्दन वन. देवनाथों के रमने—आनन्द करने
योग्य स्थान, मेरु पर्वत का नन्दन वन.
the pleasure garden of the
gods in Nandana forest प्र०
६०७, उत्त० २० ३; भग० ३, १; (४)
आवती योपीसीना सातवा वसुदेव नाम
आगामी चौबीसी के सातव बलदेव का नाम.
the name of the 7th Baladeva
of the coming cycle. सम० प० ३५;
२४२; (५) ओगष्टीसभा तीर्थंकरना तीन
पूर्व भवतु नाम उन्नीसवें तीर्थंकर के तीसरे
पूर्वभव का नाम. nama of the third
past life of the 19th Tirthaṅ-
kara. सम० प० २३०;

नंदणभद्र. पु० (नंदनभद्र) सभूति विजयना
शिष्य. संभूति विजय के शिष्य A dis-
ciple of Sambhūti Vijaya कप० ८,
नंदमाण व० कृ० त्रि० (नन्दत्) आनन्द
पाभतो; समृद्धि पाभतो. आनन्द पाता हुआ,
समृद्धि पाता हुआ. Rejoicing;
prosperous. तंदु०

नंदमित्र पु० (नन्दमित्र) आवती योपीसीना
भील वासुदेव. आगामी चौबीसी के दूसरे
वासुदेव का नाम Name of the 2nd
Vāsudava of the coming cycle
सम० प० २४२;

नंदवती. स्त्री० (नन्दवती) अतगः सूत्रना
सातवा वर्गना भील अध्ययनतु नाम
अतगः सूत्र के सातवें वर्ग के दूसरे अध्ययन
का नाम. Name of the 2nd chap-

ter of the 7th section of Anta-
gada Sūtra. (२) राजगृह नगरना
श्रेष्ठि राजनी राज्ञी के जेहे महावीर
स्वामी समीपे दीक्षा लध, अगियार अंगने
अभ्यास करी, बीस वर्षनी प्रव्रज्या पाली,
संथारे करी, सिद्धी भेलवी राजगृह नगर
के श्रेष्ठि राजा की रानी, कि जिसने महा-
वीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर ग्यारह
अगों का अभ्यास किया, बीस वर्ष की
प्रव्रज्या पाला और अन्त में संथारा कर सिद्धि
प्राप्त की. the queen of Śreṇika
king of Rājagṛha, who was
consecrated by Mahāvīra Svā-
mī, studied 11 Aṅgas, remain-
ed a nun for 20 years and
attained salvation after prac-
tising Santhārā. अंत० ७, २;

नंदसेखिया स्त्री० (नन्दसेनिका) अतगः सूत्रना
७वा वर्गना यैथा अध्ययनतु नाम. अतगः
सूत्र के सातवें वर्ग के चौथ अध्ययन का नाम.
Name of the 4th chapter of
the 7th section of Antagada
Sūtra (२) राजगृह नगरना श्रेष्ठि राजनी
राज्ञी जेहे महावीर स्वामी समीपे दीक्षा लध;
अगियार अंगने अभ्यास करी। बीस वरसनी
प्रव्रज्या पाली, संथारे करी सिद्धि भेलवी.
राजगृह नगर के श्रेष्ठि राजा की रानी
जिनने महावीर स्वामी के पास दीक्षा ले
ग्यारह अगों का अभ्यासकर बीस वर्ष
प्रव्रज्या पाल, संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया.
the queen of the king Śreṇika
who got initiated from the
lord Mahāvīra studied the 11
Aṅgas, practised asceticism
for twelve years and obtained
salvation after performing

Santhārā अंत० ७, ४;

नंदा. ब्री० (नंदा) अंत० ७ सूत्रना सातवां
वर्गना पड़ेला अध्यायानुं नाम अतगड सूत्र
के सातवें वर्ग के पहिले अध्ययन का नाम.
Name of the 1st chapter
of the seventh section of
Antagaḍa Sūtra. (२) राजगृह
नगरना श्रेणिः राजनी राज्ञी डे जेले महा
वीर स्वामी सभीपे दीक्षा लध, अगीमार
अगने। अभ्यास करी २० वर्ष प्रवज्या पाली
संधारो करी सिद्ध भेजवी राजगृह नगर के
श्रेणिः राजा की राज्ञी कि जितने महावीर
स्वामी से दांचा ले ग्यारह अंगों का अभ्यास
कर २० वर्ष की प्रवज्या पाल संधारा कर
मोक्ष प्राप्त किया the queen of the
king Śreṇika of Rājagṛha
who was consecrated by Mahā
vīra Svāmī, studied the 11
Aṅgas remained a nun for 20
years and attained salvation
after Santhārā अंत० ७, १; (३)
ओकम ७६ अने अगिव २२ ओ त्रयु १५
ओनु नाम. एकम, पछी और ग्यारस इन
तीन नियियों का नाम. name given
to the first, sixth and the
eleventh days of either half
of a lunar month. जं० प० ७,
१५२; सू० प० १०; (४) १० मा तीर्थंकरनी
माता दसवें तीर्थंकर की माता. mother
of the 10th Tirthaṅkara. सम०
प० २३०; (५) अज्जतगिरिनी दक्षिण तरङ्ग-
नी पुष्करिणी-वापनुं नाम. अज्जतगिरि के
दक्षिण ओर की पुष्करिणी बावडी का नाम.
name of Puṣkarinī well to
the south of the mount Añja
nagiri. प्रव० १४६३;

नंदाचंपापविभक्ति पुं० (न दाचम्पाप्रविभक्ति)

३० प्र० २ना नाट्यमानुं ओ३. नाटकों के
३२ प्रकार में से एक One of the 32
kinds of dramas सम० ९३;

नंदापविभक्ति. ब्री० (नन्दाप्रविभक्ति) ओ
नामे नाट्य विधि. इस नामकी एक नाट्य
विधि विशेष. A particular drama-
tic mode so named राय० ६३;

नंदावत्त. पुं० न० (नन्दावर्त) ओ३ जलितो
साथीओ. एक प्रकार का स्वस्तिक साधिया.
A kind of auspicious sign नाया०
१: संख्या० १५, जं० प० (२) आ२
धन्दिवाला छयनी ओ३ जलत. चार इन्द्रिय
वाले जीव की एक जाति. a species of
four sensed being. पत्र० १, उत०
३६; १४६; (३) दृष्टि वादांतर्गत सिद्ध-
श्रेणि परिकर्मनो १३भो भेद दृष्टिवादांतर्गत
सिद्धश्रेणि परिकर्म का १३वां भेद. the
13th variety of the Siddha
Śreṇi Parikarma occurring in
Dṛṣṭivāda सम० १२. (४) सिद्धसेखिया
अने भतुरस से ऐषा परिकर्मनो तेरभो अने
पुद्गसेणी आदि पांच परिकर्मनो दशभो भेद.
सिद्धश्रेणि के ओर मणुस्सलेणि के परिकर्म का
तेरहवां और पुद्ग श्रेणि आदि पांच परिकर्मों
का दशवां भेद the tenth variety of
the 5 Parikarmas such as Put-
tha Śreṇi etc and the 13th
variety of Siddha Śreṇi and
Manussa Seni Parikarma नंदा०
२६; (५) विच्छिन्न वारहवे दृष्टिवाद
अंगता जाल दिलाग सूत्रो १२भो भेद
विच्छिन्न वारहवे दृष्टिवाद अंग के दूसरे
विभाग सूत्र का १२वां भेद. the 12th
section of the 2nd group of
the 12th Dṛṣṭivāda Aṅga

which is lost. नंदी० ५६; (६) अष्टा-
रभा तीर्थंकरनु लांछन अठारहवे तीर्थंकर
का लांछन. the insignia of the
13th Tirthankara प्र० ३८२;

नंदि पु० न० (नन्दि) नदी सूत्र नंदी सूत्र
Nandī Sūtra (a scripture)
सम० ८८; विवा० १; (२) नदि वाजि त्रने
शब्द. नंदी वाजित्र का शब्द the sound
of a particular drum निमी० १७,
३३, (३) रमत गमत, प्रमोद; हर्ष
खेल, क्रीडा, प्रमोद; हर्ष play, game;
amusement, joy. आया० १, २, ६,
६६, १, ३, २, १११,—कर त्रि० (—कर)
आनन्द देना२. आनन्द देनेवाला delight-
ing. नदी० स्थ० ३८, कप्य० ३, ५२,
—जण त्रि० (—जन) आनन्द उपग-
यना२. आनन्द पैदा करनेवाला joy-pro-
ducing. राय० २४५, —मुद्ग पु०
(—मृद्ग) वाद्य विशेष, आनन्दना वध-
तमा यगादाय तेना तथला वाद्य विशेष,
आनन्द के समय बजाये जाने वाले तबले
a kind of drum played upon at
the times of festivities राय०
८८, —राग पु० (—राग) समृद्धि
थतो हर्ष. समृद्धि से होने वाला हर्ष joy
due to prosperity. भग० १२, ५,
नन्दिआ(या)वत्त. पु० (नान्दिकावर्त) ओ
नाभनु सातमा महाशुक देवलोकनु ओक
विमान, ओनी स्थिति सोल सागरोपमनी छे;
ओ देवता आइ भडिने श्वास ले छे अने १६
हजार परमे आहार ले छे इस नाम का
सानवें महाशुक देवलोक का एक विमान,
जिस की स्थिति सोलह सागरोपम की है;
उममें रहने वाले देवता आठ मास में श्वास
लेते हैं और सोलह हजार वर्षों में आहार
करते हैं. A celestial abode so

named of the 7th Mahā Śukra
Devaloka. The gods there live
for 16 Sagaropamas (a period
of time) breath at every 8th
month and eat once in 16000
years. सम० १६, (२) ओक लोकपालनु
नाम एक लोकपाल का नाम. name of a
guardian of direction. भग० ३, ८;
नन्दिघोस. पु० (नन्दिघोस) ओ नामनुं
पायमां देवलोकनु ओक विमान के जेना
देवतानुं आयुष्य दस सागरनुं छे. इस नाम
का पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहां
के देवता का आयुष्य दस सागरों का है.
A celestial abode so named of
the 5th Devaloka where the
gods live for 10 Sāgaras.
सम० १०; (२) पार प्रकारना वाजि त्रने
अथाज. बारह प्रकार के वाजित्रों का शब्द.
a chorus of a set of twelve
kinds of musical instruments.
राय० १२८, उक्त० ११, १७,

नन्दिणीपिउ. पु० (नन्दिनीपितृ) महावीर
स्वामिना दश श्रावकमाना ओक महावीर
स्वामी क दस श्रावकों में से एक One
of the 10 laymen disciples of
Mahāvīra Svāmī उवा० १, २, ६,
२६८,

नन्दिपुर पु० (नन्दिपुर) आजिल देशनु
प्रसिद्ध नगर. सांडिल देशका एक प्रसिद्ध नगर
A famous city of Sāndila
country पञ० २,

नन्दिफल पु० (नन्दिफल) नदिफलना
दृष्टतवाणु सातानु १५ मुं अध्ययन नन्दि-
फल के दृष्टतवाला ज्ञता का १५ वा अध्य-
यन. The 15th chapter of Jñātā
having an illustration of Nandi

fruit. सम० १६;

नंदिमाणग. पुं० (नन्दिमाणक) ओ३ लतनुं
पदी. एक जाति का पक्षी. A species of
birds. परह० १, १;

नंदिय पुं० (नन्दि) नंदीसूत्र नंदी
सिद्धान्त. नंदीसूत्र; नंदी सिद्धान्त. Nandī
Sūtra (a scripture). भग० ८, २;

नंदिय. त्रि० (नन्दि) आनन्द युक्त; समृ
द्धिमान. आनन्द युक्त; समृद्धिवान. Joy-
ful; prosperous. ज० प० ३, ४३;
भग० २, १;

नंदिलखमण. पुं० (नन्दिखमण) ओ नामने
भंगु स्वाभिने ओ३ शिष्य इस नाम का मगु
स्वामी का एक शिष्य. A disciple so
named of Maṅgu Svāmī. नंदी०
स्थ० २६;

नंदिवद्धण. पुं० (नन्दिवर्धन) महावीर
स्वामीना भोटा भाधुनु नाम. महावीर
स्वामी के बड़े भ्राता का नाम. Name of
the elder brother of Mahāvīra
Svāmī. कप्प० ५, १०३; आया० २,
१५, १७७;

नंदिवद्धणा. स्त्री० (नन्दिवर्धना) अञ्जनगिरि
पर्वतनी उत्तर दिशानी पुष्करिणी वावडीनुं
नाम. अञ्जनगिरि पर्वत के उत्तर तरफ की
पुष्करिणी वावडी का नाम Name of
the mount Añjanagiri. प्रव०
१४६३.

नंदिसेण पुं० (नन्दिसेण) ७५५५५ना
ऐरावत क्षेत्रमां यात्रु अवसर्पिणीमां यथेल
याथा तीर्थक्षर जंबू द्विपान्तर्गत ऐरावत
क्षेत्र के वर्तमान अवसर्पिणी में उत्पन्न चौथे
तीर्थकर The 4th Tirthaṅkara in
the present aeon of decrease
in Airavata Ksetra of Jambū-

dvīpa. सम० प० २४०; प्रव० २६८;
(२) विपाक सूत्रनुं नंदिपेण नामनुं छुं
अभ्ययन. विपाक सूत्र का नंदिपेण नामक
छठा अध्यायन. the sixth chapter
so named of the Vipāka Sūtra.
ठा० १०, १;

नंदिसेणा स्त्री० (नन्दिसेना) पश्चिम तर-
फना अञ्जनगिरि पर्वतनी पूर्व यात्रुनी
पुष्करिणी वावनुं नाम पश्चिम तरफ के
अञ्जनगिरि पर्वत की पूर्व दिशाकी पुष्करिणी
वावडी का नाम. Name of Puṣkarinī
well to the east of the mount
Añjanagiri of the west. प्रव०
१५०२;

नंदिस्सर. पुं० (नंदीश्वर) नंदीश्वर नामने
आडभो द्वीप नंदीश्वर नाम का आठवां द्वीप.
The 8th continent named
Nandīśvara भग० ३, १;

नंदिस्सरवर. पुं० (नन्दिश्वरवर) ओ नामने
द्वीप अने समुद्र. इस नाम का द्वीप और
समुद्र. A continent and a sea of
this name सू० प० १८;

नंदी. पु० स्त्री० (नन्दी) २६ उत्कालिक
सूत्रमांनु ११ भुं सूत्र. नन्दी नामे सूत्र. २६
उत्कालिक सूत्रों में से ११ वा सूत्र; नन्दी
नामका सूत्र. The 11th of the 29
Utkālīka Sūtras, the original
scripture named Nandī नंदी०
४३; विशेष० १०, (२) लोभने पर्याय
वाचक शब्द. लोभ का पर्याय वाचक शब्द.
a synonym for greed. सम० ५२;
(३) गन्धार ग्रामनी पहेली मूर्च्छना.
गन्धार ग्रामकी पहिली मूर्च्छना. the
1st note of the Gāndhāra
gramut अणुजो० १२८; (४) आडभा
द्वीप अने समुद्रनुं नाम आठवें द्वीप और

समुद्र का नाम name of the 8th continent and the sea अणुजो० १०३; (५) पोटियो; आम्बोला, साँढ. नन्दी. माढ. a bull ओघ० नि० भा० ८५; (६) ६५, आत० ६. हर्ष. आनन्द joy. परह० २, १. (७) भति, श्रुत, अवधि, मन पर्यव अने केवल ये पाच ज्ञान. माति, श्रुत, अवधि, मन पर्यव और केवल ये पाच ज्ञान. an aggregate of five kinds of knowledge viz Mati, Śruta, Avadhi, Manahparyava and Ke ala. विशेष० ७८;

नंदीचुम्भग. न० (नन्दिचूर्णक) डोह २ गव तु ओक चूर्ण. होंठ-आपट्ट को रंगने का चूर्ण. A powder to colour lips मूय० १, ४, २, ६,

नंदीभाण. न० (नन्दिभाजन) पात्र विशेष. A pot, a vessel. ओघ० नि० भा० ३२१,

नंदीमुयंग पु० (नंदीमृदंग) ओक जलतुं मृदंग-भादल एक जात का मृदंग-मादल. A kind of drum जीवा० ३, १;

नंदीमुह. पु० (नंदीमुख) ओक जलतुं पक्षी. एक जाति का पक्षी. A species of birds. परह० १, १;

नंदीसर पु० (नंदीश्वर) ओक द्वीपतुं नाम. एक द्वीप का नाम. Name of an island. मु० च० ३, २१२, प्रव० ६०६, १५५६. —दीव. स्त्री० (द्वीप) नंदीश्वर नामने आहमे द्वीप. नंदीश्वर नामक न वा द्वीप. the 8th island named Nandīśvara प्रव० ६३;

नंदीसरवर. पु० (नंदीश्वरवर) ओ नामने द्वीप. इस नाम का द्वीप An island so named. जं० प० २, ३३, राय० ७२,

नंदुत्तरा. स्त्री० (नन्दोत्तरा) पूर्व तरङ्गना

अञ्जलगिरि पर्यंतनी पूर्व आञ्जनी पुष्करिणि वावनुं नाम. पूर्व दिशा के अञ्जनागिरि पर्वत के पूर्व ओर का पुष्करिणि बावड़ी का नाम. Name of Puskarini well to the east of the mount Añj-anagiri in the east. प्रव० १४६३;

नंदोत्तरा स्त्री० (नन्दोत्तरा) अंतगड सूत्रना ७ गां वर्गना त्रीज अध्ययनतुं नाम. अंतगड सूत्र के सातवें वर्ग के तीसरे अध्यायन का नाम. Name of the 3rd chapter of the 7th section of Antagada Sūtra. (३) राजगृह नगरना धैषिक राजनी नन्दोत्तरा न मनी राज्ञी, के जेजे महावीर स्वामीपासे दीक्षा लई, अगिपार अंगने अभ्यास करी, बीस वर्गनी प्रव्रज्या पाडी, सथारे करी सिद्धि गेली. राजगृह नगर के धैषिक राजा की नंदोत्तरा नाम की रानी कि जितने महावार स्वामी से दीक्षा ग्रहण की, ग्यारह भंग का अभ्यास करके बीस वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर संथारा करके सिद्धि प्राप्त का. a queen named Nandottarā, wife of Śronika the king of Rājagriha, who was consecrated by Mahāvīra Svāmī, studied the 11 Angas, remained a nun for 20 years and obtained salvation after Santhārā. अंत० ७, ३;

नकुल पु० (नकुल) नोलीयो नवल, नकुल; नाला A weasel अणुजो० १३१;

नक्ष पु० (नासिका) नाक; धाणु दिग. नाक; धाणुदिय. Nose आया० २, ३, २, १२१; — (कं) अंतर. न० (-अंतर) नाक के मध्यमे. in the middle a nose. बिवा० १;

—च्छिन्न. त्रि० (-च्छिन्न) नाक छेदायत्नो;
नक्षत्र. नाक हीन; नकटा (one) with-
out a nose. आया० २, ४, २, १३६;
नक्षत्र. पुं० (नख) नख. नख; नागून. A
nail. उवा० २, ६६, १०१;

नक्षत्र. न० (नक्षत्र) ज्योतिःशास्त्र प्रसिद्ध
२८ नक्षत्र. ज्योतिःशास्त्र प्रसिद्ध २८ नक्षत्र.
The 28 constellations known
in Astronomy. भग० ३, ७; ६, ४;
११, ७; ८, ४१; टा० १, १; सम० १;
उत्त० ११, २४; २४, ११। ३६, २०६;
अणुजो० १०३; पञ्च० १; सु० च० २, ३५४;
श्रोत्र० नि० भा० ८०; जं० प० नाया० १;
१४, १४; दमा० ६, ६; प्रव० ६०४;
११६७; कप० १, २; जं० प० ७, १४१;

नख. पु० (नख) नख. नख; नागून. A
nail निरी० ५, ४३;

नग. पु० (नग) पर्वत; पहाड़. पर्वत, पहाड़.
A mountain. उत्त० ११, २६; १३, ६;
श्रोत्र० १०, जीवा० ३, ३; प्रव० १४११;

नगर. न० (नगर) जहाँ धर लेवाभां न
आपता है।य तेवुं गाभ वह शहर जहाँ पर
कर नहीं लिया जाता है। गाँव. A town
where no taxes are levied. भग०
१, १, ३, १; ७; ७, ६; दम० ५, १, २; राय०
२६३; नाया० ४; नंदी० स्थ० ४, उत्त० २,
१८, ६, २८; ३०, १६; श्रोत्र० १०, क०
ग० १, २३, उवा० ७, २०८; २२२;
—गुप्तिय पुं० (-गुप्तिक) नगरी
रक्षा करनेवाला, कोटवाल, कोटवाल विगरे.
शहर का रक्षक; कोटवाल वगैरह. the
guard of a town; a Kotawāla
etc. राय० २४३; दमा० १०, १;—धर्म.
पुं० (-धर्म) नगरने धर्म; नागरिकता
आचारविचार शहर का धर्म; नागरिक के
आचार विचार. the religion of a

town; the customs and convic-
tions of citizens. टा० १०; —निद्र-
मण. न० (*) नगरने जलने आदर
निकलवाने मार्ग, आदर शहर के पानी को
बाहर जाने का मार्ग; गाल the drains;
gutters of a city. भग० ३,
७; —रूप न० (-रूप) नगरनुं रूप
देखाय. नगर का रूप-देखाय-दृश्य. the
sight of a town. भग० ३, ६;—रोग.
पुं० (-रोग) नगरभां आदरने-पसपेले
रोग. नगर में फैला हुआ रोग. an
epidemic भग० ३, ७; —संस्थित. त्रि०
(-संस्थित) नगरने आदरने शहर
की आदरति में रहा हुआ. remaining
in the form of a town भग० ८, २;
नगरी. स्त्री० (नगरी) नगरी नगर. नगरी;
नगर; शहर. A town; a city. भग०
७, ६; उवा० २, ११६;

नगिण त्रि० (नग्न) वस्त्र रहित, नागो.
वस्त्र रहित, नग्न. Naked, nude.
सूत्र० १, ३, १, १०; दम० ६, ६४;
नग. त्रि० (नग्न) वस्त्रहीन; नागो. वस्त्र
हीन; नग्न. खुला. Naked; nude;
bare. भग० १, ६; भक्त० १८०;

नग. न० (नाग्न्य) नग्नपण; निरुपाधिपण
नग्नत्व, निरुपाधिपण. Nudity; pos-
sessionlessness. उत्त० २०, ४६;
—भाव पुं० (-भाव) नग्न वृत्ति; साधु
वृत्ति. नग्न वृत्ति, साधु वृत्ति. nudity;
asceticism. भग० १, ६; ६, ३३;
नगिया. स्त्री० (नगिका) वस्त्र रहित,
उधारी; नागी. वस्त्र हीन; खुली; नग्न. A
nude or naked (female). विशेष
२६०१;

नगमोह. पुं० (न्यमोह) वटवृक्ष. वट वृक्ष;
वट का झाड़. The banyan tree.

सु० च० १२, ८, पञ्च० १;
 ✓ नच्च धा० I. (नृत्) नाचयु, नाच करेवा.
 नाचना; नाच करना. To dance.
 नच्चह. जं० प० नाया० ३;
 नच्चन्ति. जं० प० ५, १२१;
 नच्चज्ज. वि० निसी० १७, ३२;
 नच्चत ओव० ३१;
 नच्चत नदा० स्थ १५; सु०च० २, २६८.
 ६४३, ओव० २१; निसी० १२, ३४;
 आया० २. ११, १७०, ज० प०
 ३, ६७,
 नच्चमाण भग० १५ १;
 नच्चण न० (नर्तन) नाचयुं गानतान
 करयुं नाचना, गानतान करना Danc-
 ing. ओव० ३८;
 नच्चणी. स्त्री० (नर्तकी) नाचकरनारी, नटी.
 नाच करने वाली; नटी. A female
 dancer सु० च० १०, १६०;
 नच्चिर त्रि० (नर्तनशील) नाचनार नाचने
 वाली. A dancer सु० च० २, २८९;
 ३२१,
 नजुतंग पुं० (नयुताङ्ग) भोरासी क्षाण
 नजुत परिमित काल विभाग ८४ लक्ष
 नजुत परिमित काल विभाग A period
 of time measuring 84 lacs of
 Najutas. ज० प०
 नट्ट न० (नाट्य) ३२ प्रकारना नाटक प्रयोग,
 नृत्त गानादि; नाटक कला. ३२ प्रकार के
 नाटक प्रयोग, नृत्य गानादि, नाट्यकला
 Staging of the 32 kinds of
 dramas; dancing and singing.
 नाया० १३. भग० ३, २, ११, १०, राय०
 १६, जीवा ३, ३; पञ्च० २, सूय० २, २,
 ५५; उक्त० १३, १४, अणुजो० ६२. सु०
 च० २, ६०६, आया० १, ६, १, ८, २, ११,
 १७०; ओव० नि० ५६; कण्ठ० २, १३, (२)

नाटक करनेवाले; नाटकीया नाटक करने वाला.
 an actor भग० १४, ६; ठा० ७, १;—अ-
 र्णोअ य न० (अनीक) नटीनी सेना—समूह.
 नट लोगो का सैन्य—समूह. An army or
 a host of actors. भग० १४, ६; ठा०
 ७, १; —कुशल. त्रि० (-कुशल) नाट्य
 प्रयोगभां कुशल. नाट्य प्रयोग में कुशल.
 expert in acting. विवा० २:—विधि.
 पुं० (-विधि) नाटकनी विधि—नियम. नाटक
 की विधि—नियम the mode or proc-
 edure of a drama. भग० १४, ८; प्रव०
 १२४१; —विधि. पुं० (-विधि) नाटकनी
 प्रकार, नाटक के प्रकार. different
 varieties of a drama नाया० ध०
 २; भग० ३, १; ११, १०, १८, १; नाया०
 १३; निर० ३, १; —साला स्त्री० (शाला)
 नाटक शाला नाटक शाला. a theatre
 राय० २७६.
 नट्टग. पुं० (नर्तक) नाच करनेवाले. नाच-नृत्य
 करने वाला A dancer. कण्ठ० ५, ६६;
 नट्टमालअ. पुं० (नृत्तमालक) वैताड्यनी अं-
 प्रपात शुद्धनो अधिपति देवता वैताड्य की
 खंडप्रपात शुद्धा का अधिपति देवता. The
 presiding deity of the cave of
 Khanda Prapata of Vaitādhya
 mountain. जं० प०
 नट्टय. त्रि० (नर्तक) नाचनार नृत्य करने
 वाला A dancer निसी० ६, २२;
 नट्टिया. स्त्री० (नर्तकी) नाचकरनारी स्त्री.
 नृत्य करने वाली स्त्री A female
 dancer. भग० ११, १०;
 नट्ट. त्रि० (नट) नष्ट थपेल; नाश पाभेल;
 भोवाथेल. नष्ट; नाश को प्राप्त, म्रोया
 हुआ. Destroyed; lost. जं० प० २,
 ३६; पि० नि० ७५, १२५; ३२१, भग० ७,
 ६; ६, ३३; नाया० १; निसी० १३, २७,

भक्त० १४६; (२) द्विचरना त्रीश मुहुर्त
मांना सत्तरभा मुहुर्तनुं नाम दिन के ३०
मुहुर्तों में से १७वें मुहुर्तका नाम name of
the 17th Muhūrta out of 30 of
a day. सम० ३०;—चरित्त न० (—चरित्र)
नष्ट चरित्र; दुराचारी नष्ट चरित्र; दुराचारी.
loose; immoral नाया० १०;

नटवंत. पुं० (नटवत्) ओ नामनुं २६ मुं
मुहुर्त. इस नामका २६ वां मुहुर्त. The
26th Muhūrta so named. सम०
३०;

नट पु० (नट) नट; नाटकीया. नट; नाटक का
पात्र An actor. जीवा० ३, ३; अणुजो०
६२, विशेष० ६७, निरी० ६, २२; पंचा० ६, ११;
१७, ४३; कण्ठ० ६, ६६; —पेहा छा०
(—प्रेक्षा—नटा नाटकाना नाटयितारः तेषां-
प्रेक्षा नट प्रेक्षा) नट लोकन् प्रेक्षय इत्युं-
नेयुं ते, नट लोगो का प्रेक्षण करना—देखना
spectators of actors etc. जीवा०
३, ३;

नडिअ. त्रि० (-) विडम्बित; भेदपमाडेल
विडम्बित Insulted; made sorrow-
ful नाया० ६;

नणु अ० (ननु) शंका सूचक अव्यय. शंका
मूचक अव्यय. An indeclinable
suggesting a doubt. पि० नि० २६०;
विशे० २१

नणुत्तथ. अ० (नान्यत्र) शिवाय नहि; भीजे
ठेकाये नहि. सिवाय नहीं; अन्य स्थान पर
नहीं In no other case; nowhere
else. मूय० २, ७, ६;

नत्त पुं० (नत्त) पुत्रीनी पुत्र; दौहित्र. A daughter's son,
पु० च० १, ६५; पि० नि० ४६६;

नत्तमाल पु० (नत्तमाल) वृक्ष विशेष; अणु२.
वृक्ष विशेष. नजूर. A particular tree:

date-palm. जीवा० ३, ३;

नत्तियावास. त्रि० (नत्तिकाप्याम) जेने
पुत्रीनी पुत्रीनी पिपासा होय ते जिते पुत्रो की
पुत्री की इच्छा हो वह (One) who is
desirous of a daughter's
daughter. निर० ३, ४;

नत्तु पुं० (नत्त) दौहित्र. दौहित्र. A
daughter's son मग० ७, ६; —पि-
पासा. त्रि० (—पिपासा) जेने दौहित्रनी
पिपासा होय ते. जिते दौहित्र की अभि-
लाषा हो वह (one) who is thirsty
or eager for a daughter's son
निर० ३, ४;

नत्तुअ-य पुं० (नत्तक) पुत्रीनी पुत्र. पुत्री
का पुत्र. A son of a daughter
राय० २४५; विशेष० १६२; मग० १२, २;
विवा० ३; निर० १, १;

नत्तुआ छा० (नत्तका) पौत्री; दीक्षी के
दीक्षरीनी दीक्षरी. पौत्री; पुत्र या पुत्री की
पुत्री. A grand-daughter. गच्छा०
८५;

नत्तुई छा० (नत्तका) दीक्षरीनी दीक्षरी.
लडकी की लडकी: पुत्री की पुत्री. A
daughter's daughter. आया० २,
१५, १७७, कण्ठ० ६, १०३;

नत्थ त्रि० (न्यस्त) राखेहु. रखा हुआ
Deposited. (२) छोडेहुं; तजेहुं.
छोडा हुआ; त्याग दिया हुआ abandon-
ed, left. पि० नि० १६५; कण्ठ० ४, ६८;

नत्था. स्त्री० (नस्ता) अलद वगेरेनी नाकमां
आधेल दोरडी, नाथ बैल बगैरह की
नाक से बांधा हुई रस्ती; नथनी. A nose-
string of a bullock etc उवा०
७, २०६;

नाथि अ० त्रि० (नास्ति-न + अस्ति) नथी;
छे नहि. नहीं है; है नहीं Not, does not:

exist. दमा० ६, ३; दस० ६, १, ५;
भग० ३, ७, ५, ४, ७, १०, ८, ६. विशेष०
३२; पि० ति० १२१, उया० ६. १६६, ७,
२००;

✓ नद धा० I (नद) जोलवुं, शब्द करवा
बोलना; शब्द करना To speak; to
produce a sound

नदह. भग० ३, २१

अद्व दसा० ९, १२,

एदंति. जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१;

नदहत्ता. मं० कृ० भग० ३, २;

नद पुं० (नद) शब्द, नाद, ध्वनि. शब्दः
नाद, ध्वनि. Sound, note सम० ३०,
दसा० ९, १३;

नदी. स्त्री० (तदा) नदी नदी A river.
भग० ५, ७, ८, ९; अणुजो० १३४. पञ्च०
२, पंचा० ६, २१; —जत्तान्पत्त्रिय
त्रि० (-यात्रासंप्रस्थित) नदीनी यात्राये
यात्रेक्ष. नदी की यात्रा के लिये चला हुआ.
started for a pilgrimage to a
river. निसी० ६, १३; १४; १५; १६;
१७, १८.

नमस्तथ अ० (नान्यत्र) भीष्मे ईडासु नहि
अन्य स्थान पर नहीं Not elsewhere.
भग० ३, २, वेद्य० १, ४१, दस० ६ ५;
६, ४, २, ३;

नपु. न० (नपुस्) नपुसस्त्वेद नपुंसकवेद.
Neuter inclination क० गं० १,
२०, ५, ६१, —चउ न० (-चतुष्क)
नपुंसस्त्वेद, मिथ्यात्व मोहनीय, छेवटुं संध
यस्य अने दुःखसंज्ञास्य सो चार प्रकृतियो समूह.
नपुसक वेद; मिथ्यात्वमोहनीय, अतिम संघयण
और हुंडमठाण इन चार प्रकृतियों का समूह
an aggregate of the 4 Karmic
natures viz Napunsakaveda,
Mithyātvamohaniya, Chheva-

tū Saṅghayaṇa and Huṇḍa-
saṅthāṇa क० ग० ३, २,

नपुंस. न० (नपुंस्) नपुंसकवेद, जेमां स्त्री
अने पुरुष जेनेना लक्षण होय ते. नपुंसक
वेद, जिस में स्त्री व पुरुष दोनों के लक्षण
हो वह. Neutral inclination,
(one) who has charact-
eristics of both (a male or
female) प्रब० ७०१; ७६७; क० गं० ३, ७;
—चउ न० (-चतुष्क) अनु०। “ नपु-
चउ ” शब्द. देखो “ नपुचउ ” शब्द.
vide “ नपुचउ ” क० गं० ३, ७, —लिंग.
न० (-लिङ्ग) नपुंसकलिङ्ग नपुंसक लिंग.
neuter gender. प्रब० ४७६; —वेद
पुं० (-वेद) नपुंसकवेद नपुंसक वेद
neuter inclination. क० गं० ४, १४.

नपुंसक पु० (नपुंसक) नपुंसक नपुंसक An impotent उक्त० ३६, ५२; भग० ६, २, —वञ्च पुं० (—वेद) नपुंसकवेद. नपुंसक वेद neuter inclination प्रव० १३, नपुंसक न० (नपुंसक) नपुंसक; नाभेद. An eunuch, impotent. विवा० २; —कम्म. न० (—कर्मन्) नपुंसकपुं० कर्म-कार्य नपुंसक का कर्म-कार्य. impotency. विवा० २, —लिंगसिद्ध. पु० (—लिंगसिद्ध) शरीर निर्वृत्तिरूप नपुंसकना लिंगे सिद्ध ध्येय. शरीर निर्वात्तरूप नपुंसक के लिंग से सिद्ध (one) becoming a Siddha by the sign of impotence in the shape of bodily renouncement पञ्च० १;

नपुंसग पु० (नपुंसग) नपुंसक नपुंसक.
 Neuter; eunuch जीवा० १; उत्त०
 ३६, ४६; प्रव० ७०३; क० प० २, ८४;
 —त्रउ स्त्री० (-वाक) नपुंसक वाची शब्द
 नपुंसक वाचा शब्द & word in the

neuter gender. पञ्ज० ११; —चयण
न० (-चचन) नपुंसक वचन; ना-यतर
अतिशयः प्रत्यय नपुंसक वचन; नपुंसक
लिंग वाचक प्रत्यय. neuter gender.
आया० २, ४, १, १३२; —वेद्य-य. पु०
(-वेद) नपुंसक वेद; यथ वेदमानी ओ३.
नपुंसक वेद; तीन वेदों में से एक. neuter
inclination; one of the three
inclination. उत्त० २६, ५३२, १०२; ठा०
६, १; —वेद्य. पु० (-वेदक) लुगो ७५७
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above.
भग० ८, २; —वेद्य. पु० (-वेदक) लुगो
“ नपुंसकवेद्य ” शब्द. देखो “ नपुंसकवेद्य ”
शब्द vide “ नपुंसकवेद्य ” भग० ६, ३; ४;
नभ न० (नभस्) आकाश. आकाश
The sky. भग० २०, २; विश० ५७२;
—अगणतल. न० (-अगणतल) आकाश ३५
आगणतल तलीयुं. आकाश रूप आगण का
तला the surface of the like-
sky floor. कप्प० ३, ३८;
✓ नम. धा० I. (नम्) नभयुं. नभयुं
क्षेपे. नमन करना, नमस्कार करना To
how to, to salute.
यमद्. उत्त० १, ४५;
यमिद्. मं० कृ० क० गं० ४, १;
✓ नम धा० I (नम्) नभयुं; नभयुं;
पितयुं सेवन क्षेपु. नमन करना; नम्र
होना; विनय का सेवन करना. To bow;
to serve with politeness.
नमंति. तंदु०
नमिमो. सु० च० १, १; २, ५७;
नमद्. क० गं० २, ३६;
नमिक्क. सं० कृ० सु० च० १, १४७; भक्त०
१; प्रव० १.
नमिद्. सं० कृ० क० गं० ४, १;
नमिद्. सु० च० १, ११८;

नममाण. व० कृ० सु० च० १, ३, ४, ११२;
✓ नम. धा० II. (*) नभयुं; नीयुं क्षेपु
कुकरा; नीचा करना. To cause to
bend; to lower.
नामे. प्र० आभा० १, ३, ४, १३३;
नामिद्. प्र० दम० ७, ४;
✓ नमस. धा० I (नमस्य) नभयुं, नभन
क्षेपु; प्रणाम क्षेपु नमन करना; प्रणाम
करना. To bow to; to salute.
यमंसद्-ति भग० १, १; नाया० १३. जं०
प० ४, १२२, ११५; ओव० १२;
भग० १, १; जीवा० ३, ४;
यमंसामि नाया० २, ५; १४;
यमंसामो ओव० २७, भग० २, ५; ५, ४;
नाया० १३;
यममिज्जा. वि० राय० २७१;
यमंसज्जा. वि० भग० १३, ६;
यमंसामि भग० २, १; ४२, १;
यमंसामो. भग० २, १, ३, १, ६, ३२.
यमंसद्. आ० राय० २६;
यमंसिहिति. भग० १५, १;
यमंसिहामि सं० कृ० भग० १८, १०;
यमंसित्ता सं० कृ० भग० २, ५, १५, १, १, १६,
२२; ज० प० नाया० १९, ५, १३; १४;
यमंसित्तद् हे० कृ० ओव० ४०;
यमंसमाण व० कृ० नाया० १; २; ६; भग०
१, १; ५, ४; ६, ३३;
नमंसद्. भग० १, ६; ७, ६; नाया० १; सु०
च० २, ५१५;
नमसे. दस० ९, १, ११;
नमसंति. ठा० ३, २, भग० ३, १; दम० ६,
२; १५;
नमंसित्ता. सं० कृ० नाया० ३; १६; भग०
१, ६, २, १; ३, १; ५, ८;
नमंसित्ता. ठा० ३, १; २; सु० च० २, ६६;
भग० २, १; ३, १; ७, ६;

नमंसण न० (नमन) नमन करुं नमन करना. Salutation मग० २, ५, दसा० १०, ११, सु० च० ३; १०६;

नमंसाणुज्ज. त्रि० (नमस्य) नमस्कार करना योग्य. नमस्कार करने योग्य. Fit to be saluted. ओव० सु० च० ३, ७,

नमंसिय त्रि० (नमस्य) नमवा योग्य. नमन करने योग्य. Fit to be saluted नदी० स्य० ३;

नमि. पुं० (नमि) मिथिला नगरीना राजा नमि, के जेने दाहज्वर रोग धनां राज्ञीओने चन्दन धसवानो आदेश कयो चन्दन धसतां कछोना ओहु अवाज थावालाओ, ते राज्या सहुन न थल शक्यो, त्यारे ओकथी पधारै कंठो उतारवानी आजा करी राज्ञी ओओ तेम कथुं, त्यारे अवाज बध थयो. आ उपरथी राजने विचार थयो के जयां अनेकता छे त्यां कोलाहल-दुःख छे अने ओकतामां सुख छे भाटे भारे ओकान्त सुख भेलवतु नेछओ रोग, शान्त तथा पछी तेओ संसार छोडी दीक्षा लीधी; आर प्रत्येक बुद्ध माना ओक प्रत्येक बुद्ध. मिथिला नगरी का राजा नमि जिसने दाहज्वर रोग हो ने पर रानियों को चन्दन घिसने का आदेश किया, चन्दन घिसते २ कंकणों की बहुत आवाज होन लगी, राजा से वह सहन नहीं हो सका, तब एक को छोड़ कर सारे कंकणों को निकाल देने की आज्ञा दी. रानियों ने वैसा ही किया, तब आवाज बंद हुई, इस पर से राजा को विचार उत्पन्न हुआ कि जहाँ पर अनेकथ है वहाँ कोलाहल-दुःख है, व एकता में सुख है इस लिये मुझे एकान्त सुख प्राप्त करना चाहिये. रोग शान्त होने के पश्चात् उसने समार को त्याग दीक्षा धारण की. चार प्रत्येकबुद्ध में मे एक प्रत्येकबुद्ध. The king Nami of Mithilā city

who fell ill of fever. The queens were ordered to prepare a paste of sandal-wood for applying. The bangles on the arms of these queens who were preparing the paste made a clinking sound which was unpleasant to the ears of the king. He ordered to remove all bangles except one on each hand which did not then produce sound. Upon this the king realised "There is confusion where there are more than one objects There is happiness in being one, so it is desirable to be alone." After his illness was over he renounced the world and entered the orders, one of the 4 Pratyeka Buddhas. उत्त० ९, २; सूय० १. ३, ४, २; (२) आहु अवसर्पिणीना २१मा तीर्थकरु नाम. वर्तमान अवसर्पिणी के २१वे तीर्थकर का नाम, the 21st Tirthankara of the current aeon of decrease प्रव० २६४; सम० २४; भग० २०, ८; आव० २, ४,

नमिर. त्रि० (नम्र) नम्र, विनयी. नम्र, विनयी, मृदु. Humble, soft, obedient. सु० च० १, ३६५; २, २८६, —मउलि. त्रि० (-मौलि) जेनु भायु नगेहु होय ते, नम्रगीत, जेनु भुगत गदात्माओना अरुमा नमनु होय ते जिनका मस्तक-तिर नाँचे की तरफ झुकाहो वह; नम्रगीत; जिसका मुकुट महात्माओ के चरणों में झुकता हो वह one whose head is bent;

one whose crown is lowered in the feet of sages. सु० च० ३, ११८;

नमुस्कार. पु० (नमस्कार) नमस्कार. नमस्कार.

Salutation. भक्त० ५४; कण्ठ० १, १;

नमुस्कारसिया. स्त्री० (नमस्कारसीमा)

नमस्कार गंभीरी पावे नही त्याःसुधि सवारना

पंडारमां भेदही सुधी येविहारना पश्यपायु

इत्या ते. नमस्कार गिन कर छोडे नहीं तब

तक प्रातःकाल में दो घटिका पर्यन्त चौविहार

के पच्यन्वाण करना. Performing the

Chovichāra vow for 2 Ghatikās

(48 minutes) until one does

not observe salutation Mantra

counting. आव० ६, १,

नमुदय. पु० (नमुदक) ओ नामने ओइ

आधुनिक मतने विपक्ष. इस नाम का

आर्जविक मत का सन्यासी. An ascetic

of this name. भग० ७; ६; ८, ५;

नमो. अ० (नमस्) नमस्कार. नमस्कार.

Salutation दसा० १, १; भग० १, १;

राय० १; जं० प० नंदी० स्थ० ५;

नमोस्कार. पु० (नमस्कार) प्रणाम;

नमस्कार. प्रणाम; नमस्कार Salutation;

bowing अगुजो० २६; विश० ५;

—पुत्र. न० (-पुत्र) नमस्कारही भुं

पुत्र. नमस्कार में होता हुआ पुत्र.

Merit accruing through salu-

tation. त्र० ९, १;

नय-अ. त्रि० (नत) नम्र थयेइ; नत. नम्र.

Bent; lowered. आया० १, २, ६, १०२;

नंदी० स्थ० १६;

नय. अ० (नच) नहीं. नहीं. Not. दस०

८, १६;

नय-अ. पुं० (नय) ओइ दस्तुना अनेक धर्म-

भायी ओइ धर्मने भुज्य राणी अनयने गोण

राणी विचार इवे ते; मुदीमुदी अपेक्षाये

पदार्थ ने जेवानी-समजवानी द्रष्टि. एक

वस्तुके अनेक धर्म में से एक धर्म को प्रधान

समझ कर अन्य को गौण मानकर विचार

करना; भिन्न भिन्न अर्थों से पदार्थ को निरी-

क्षण करने की समझने की दृष्टि, मात प्रकार

के नय. A standpoint conceiving

of a thing from one point of

view as primary and others

secondary विशेष० ७., ११४, पि० नि०

भा० १० उत्त० ३६, २४७, अगुजो ५६;

उवा० ७, २६; (२) शास्त्र शास्त्र.

scriptures. कण्ठ० १, ६; (३) मत.

मत. creed भग० २, १; ६, ३३;

—जुय त्रि० (-युन) -पाययुक्त न्याययुक्त.

logical; moral, just. पंचा० २, १;

—ब्र०. न० (-ब्रह्म) नैगम आदि सात नय

पूर्वक ज्ञान-श्रुतज्ञान. नैगमादि सात नय पूर्वक

ज्ञान-श्रुतज्ञान. scriptural knowledge

consisting of Naigama etc 7

standpoints. चट० ३०; —विहि.

पु० (-विधि) नयनी रीति; नयना भेद.

नयनी रीति; नय के भेद. the way or

difference of morality, politics

उत्त० २८, २४; प्रव० ६१७, —सत्तग.

न० (-सत्तक) नैगम आदि सात नय.

नैगम आदि सात नय. the seven

standpoints viz. Naigama etc.

प्रव० २८;

नयण न० (नयन) नयन. आप्ति आंख; चक्षु.

An eye. ज० १०५, ११५; विशेष० २०४,

भग० ७, ६; ११, ११, १५, १. दसा० ६;

४; ७, १२; गच्छा० १२२; प्रव० ५६४; क०

गं० १, ४; कण्ठ० २, १४, ३, ३५, ४, ६०;

४, १०६; पंचा० ३८, १६; उवा० २, १०७;

(२) लक्ष्मि गुरु. दोरी गुरु. लेजाना;

लेचलना. carrying away. विशेष०

३१३७; —उदय. न० (-उदक) आंसु.
 अश्रु a tear. महा० प० ३८;
 नयर न० (नगर) नगर; ३२ पिनातु गाम
 शहर; नगर; कर होन-रहित गांव A city;
 a town free from taxes. भग० २,
 १; ५; पिं० नि० १२७; दसा० ५, ५; प्रव०
 ८८६; कण्ठ० १, २, उवा० १, ८८, ८, २३१;
 नयरी. स्त्री० (नगरी) नगरी, शहेर. नगरी
 शहर A city सू० प० १; श्राव० भग०
 २, १, ५, सु० च० २, ६, विवा० ४, उवा०
 १, १; ३, १४६;
 नयवंत त्रि० (नयवत्) नीतिवान्. नीतिवान्
 Moralist. सम० ३०;
 नयवत् त्रि० (नयवत्) लुओ। “ नयवंत ”
 शब्द देखो “ नयवत् ” शब्द Vide
 “नयवंत” दसा० ६, १०, ११.
 नर पुं० (नर) मनुष्य; पु३५ मनुष्य, पुरुष
 A man क० गं० १, २२, श्राव० २१,
 भग० ७, ६, दस० ५, २, ४६; ७, २; ८,
 ५७; उत्त० १, ६; ६, ४८; सूय० १, १, १,
 ४, प्रव० ७०६, पचा० ६, ७, कण्ठ० ६, ४४,
 (२) मनुष्यगति नामे नामकर्मनी ओक
 प्रकृति. मनुष्यगति नामक नामकर्म की एक
 प्रकृति. a Karmic nature named
 Manusyagati. क० ग० १, १८, ४,
 २२, —अणुपुर्वी. स्त्री० (-प्रनुपूर्वी)
 मनुष्यनी अनुपूर्वी; नामकर्मनी ओक प्रकृति
 के ले लवने बीछ गतिभायी मनुष्यनी
 गतिभां सिष्टे सिष्टुं लक्ष आवे सत्य की
 अनुपूर्वी; नामकर्म की एक प्रकृति जो
 जीव को अन्य गति में से मनुष्य की गति में
 सीधा ले आती है. a Karmic matter
 named Manusyānupūrvī which
 carries a soul directly to
 the life of a man from
 other life क० ग० २, ३५. —अ-

द्विच. पु (-अधिप) नरेतो अधिप; नृप;
 राजा. नरों का अधिपति; नृप; राजा. a
 king. उत्त० ६, ३२; १३, १५, —आउ
 न० (-आयुप्) मनुष्यनु आयुष्य. मनुष्य
 का आयुष्य. the life or age of a
 man. क० गं० ३, ४; ६, — (रिं) इंद
 पु० (-इन्द्र) नरेन्द्र; राजा. नरेन्द्र, राजा.
 a king. सु० च० १, १२३; ३१६, उत्त०
 १२, २१, श्राव० १२; नाया० १; दस० ७,
 ५३, कण्ठ० ४, ६२; —ईसर. पुं० (-ईश्वर)
 नरेश्वर, अक्षवर्ती; सार्वभौम राजा नरेश्वर,
 चक्रवर्ती, सार्वभौम राजा. a king; a
 suzerain. उत्त० १८, ३६; सु० च० ४,
 २७४, —गह. स्त्री० (-गति) मनुष्यगति
 मनुष्यगति. the condition of exis-
 tence of man. क० ग० ४, १३,
 —तिग. न० (-त्रिक) मनुष्यत्रिक; मनुष्य
 गति, मनुष्य-आयुष्य अने मनुष्यनी अनु-
 पूर्वी ओ त्रय प्रकृति मनुष्य गति, मनुष्य
 आयुष्य और मनुष्य की अनुपूर्वी ये तीन
 प्रकृतियां the 3 Karmic natures
 viz. Manusyagati, Manusyā
 yusya and Manusyānupūrvī.
 क० ग० २, ५, ५, १५, —दुग न०
 (-द्विक) मनुष्यगति अने मनुष्यनी
 अनुपूर्वी ओ ये प्रकृति. मनुष्यगति और
 मनुष्य की अनुपूर्वी ये दो प्रकृतियां.
 the two varieties of Karmic
 matter viz Manusyagati and
 Manusyānupūrvī क० प० २, ६७:
 ९१, क० ग० ३, ७; —देव. पुं० (-देव)
 अक्षवर्ती. चक्रवर्ती a sovereign
 भग० १२; ५; —नारी. स्त्री० (-नारी)
 नर ने नारी, पु३५ अने स्त्रीओ नर और
 नारी, पु३५ और स्त्रियां. a male and
 female. दा० ६, २, ७; प्रव० ७७;

—भोग. पुं० (-भोग) मनुष्यना भोग. मनुष्य के भोग. the enjoyments of men. प्रव० १३७७; —चद. पुं० (-पति) नृपति; राजा; नृप; भूपति. a king. निर० १, १; श्लो० नि० भा० ४५; उत्त० १३, २८; भग० ११, ११; श्लो०—वति. पुं० (-वति) राजा. a King परह० १, ३;—वाह्गुण्य. त्रि० (-वाहनीय) श्रेष्ठ प्रकारनुं आर्ष्य धर्म. एक प्रकार का आर्ष्य कर्म. a kind of venerable profession. पञ्च० १;—वेद्य पुं० (-वेद) पुरुष वेद. पुरुष वेद male inclination. क० गं० ४, १४;—संस्थि. त्रि० (-संस्थित) पुरुषना जेथा आधारवाहुं. पुरुष के समान आकार वाला having a form like a human being. भग० ८, २;—सीह. पुं० (-सिंह) नरोभां सिंह समान. नरों में सिंह समान. like a lion amongst men. नाया० १६;

नरक. पुं० (नरक) नरक. Hell श्लो० ३४;

नरकंता. स्त्री० (नरकान्त) रम्भकवास क्षेत्रनी पूर्व नरक क्षवण समुद्रमा भवती ये नामनी श्रेष्ठ भोक्षी नदी. रम्भकवास क्षेत्र के पूर्व तरफ क्षवण समुद्र में मिलती इस नाम का एक बड़ा नदी. a great river falling in the salt sea to the east of Rammakavāsa Ksetra. जं० प० ६, १२५; सम० १४,

नरग. पुं० (नरक) नरक; नरकावास. नरक; नरकावास. Hell दम० ५, २, ४८; दसा० ६, १;—पालक. त्रि० (-पालक) नरकनो रक्षक; नारकीयाने धर्मनुं इल आपनार; परमाधीन. नरक का रक्षक; नारकीयों को कर्म का फल देनेवाला; परमात्मा. the

protector of hell; the torturer of the hell being. राय० २४८;

नरय-अ. पुं० (नरक) नारकीयानुं निवास स्थान; रत्नप्रभा आदि सात नरक. नारकीयों का निवास स्थान; रत्नप्रभा आदि सात नरक; पाताल लोक. The abode of hell-beings; the 7 hells viz. Ratnaprabhā etc; the nether world. भक्त० १०१; क० गं० १, १३; १८, २३; प्रव० ४१; १३२४; उत्त० ३, ३; ४, २; १८, २५; सम० १; उवा० १, ८४; ८, २६३;—आउ. न० (-आयुष्य) नरकनुं आयुष्य. नरक का आयुष्य. the life or age of hell. क० गं० १, ५७;—उवह. त्रि० (-उद्घुन) नरकभांयी नीक्षण. नरक में निकला हुआ. coming out of hell. प्रव० ४२;—तिग. न० (-त्रिक) नरकगति, नरकनुं आयुष्य अने नरकानुपूर्वी ये त्रय प्रकृति नरक गति, नरक का आयुष्य और नरकानुपूर्वी ये तीन प्रकृतिया. the three Karmic natures viz. Narakagati, hell-age and Narakānupūrvī. क० गं० २, ४;—दंसि. त्रि० (-दर्शिन) नरक निदानने ज्ञानार नरक निदान को जाननेवाला. one who knows hell cause. “जे मार दंसि से नरकदंसि से तिरिय दंसि” आया० १, ३, ४, १२५;—दुग. न० (-द्विक) नरकगति अने नरकानुपूर्वी ये दो प्रकृति नरकगति और नरकानुपूर्वी ये दोनों प्रकृति. the two varieties viz. Narakagati and Narkānupūrvī of Karmic matter. प्रव० १३०२;—वियणा. स्त्री० (-वेदना) नरकनी वेदना नरक का वेदना the anguish of hell. भक्त० १११;

नरयविभक्ति. श्री० (नरकविभक्ति) ५५-
गङ्गागना पायभां अप्ययनतुं नाम. सूय-
गङ्गा के पांचवें अभ्ययन का नाम. Name
of the 5th chapter of Sūya-
gādāṅga. सूय० १, ५, १, २५; सम० २३,
नरिंद. पु० न० (नरेन्द्र) ओ नामनुं पांयभा देव-
लोकनुं ओक विमान के जेभां वसता देवानुं
१२ सागरनुं आयुष्य छे. इस नाम का पांचवें
देवलोक का एक विमान जिसमें रहने वाले देवों
का १२ सागर का आयुष्य है a celestial
abode of the 5th Devaloka so
named Its gods live for 12
Sāgaras. सम० १२,

नरिंदकेत पुं० (नरेन्द्रकान्त) ओ नामनुं
पांयभा देवलोकनुं विमान के जेभां वसता
देवानुं आयुष्य १२ सागरनुं छे. इस नामका
पांचवें देवलोक का विमान कि जिस में रहने
वाले देवता का आयुष्य १२ सागर का है. A
celestial abode of the 5th
Devaloka so named. Its gods
live for 12 Sāgaras. सम० १२,

**नरिंदुत्तरवाडिसग. पुं० (नरेन्द्रोत्तरावत
सक)** ओ नामनुं पांयभा देवलोकनुं ओक
विमान के जेभा वसता देवानुं आयुष्य १२
सागरोपमनुं छे. इस नाम का पांचवें देवलोक
का एक विमान जिसमें रहनेवाले देवका
आयुष्य १२ सागरोपम का है A celestial
abode of the 5th Devaloka so
named The duration of the
life of gods residing therein is
12 Sāgaropamas (a period of
time). सम० १२;

नरीसरत्तण. न० (नरेश्वरत्व) राजपणुं राजा-
पन; नृपत्न. Kingship पचा० ६, १७;
नल पुं० (नल) तृथ्य विशेष; नशी तृण
विशेष. A kind of grass or reed;

pipe; tube भग० २१, ५; ओष०
जि० ७७१; पिं० नि० ३८३; ओष० १६,
—वण. न० (-वन) नक्ष-नडीनु वन
नल का वन; बरु का वन a forest of
Nala; a forest of Baru ओव० १६;
नलकूवर. पु० (नलकूवर) वैश्रमण्य देवना पुत्र
ओक देव; अति लालित्यवान् ओक देव. वैश्रमण
देव का पुत्र; एक देव, अति लालित्यवान् एक
देव. A god; son of Vaisramaṇa
god; a very charming god. उत्त०
२२, ४१; अंत० ३, ८१

नलिण. पुं० न० (नलिन) कमल. A
Lotus. सूय० २, ३, १८, प्रव० १११४; (२)
८४ लाप पडिमाग परिमित काल विभाग.
८४ लक्ष पडिमाग परिमित काल विभाग. a
period of time measuring 84
lacs of Paumāṅga (३) ओ नामनुं
आइभा देवलोकनुं ओक विमान, जेनी स्थिति
अद्वार सागरोपमनी छे, ओना देवता नव
महिने श्वासोच्छ्वास ले छे, अने अद्वार
६००० वर्षे क्षुधा लागे छे. इस नाम का आठवें
देवलोक का एक विमान जिसकी स्थिति
अठारह सागरोपम की है, इस के देवता नौ
मास में श्वासोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें अठारह
सहस्र वर्षों में क्षुधा लगती है. a celestial
abode of the 8th Devaloka, its
duration is 18 Sāgaropamas,
its gods breathe at every
9th month and feel hungry
once in 18000 years सम० १८;

नलिणगुं. पुं० (नलिनाग) चोराशी लाप
नलिन परिमित काल विभाग ८४ लक्ष
नलिन परिमित काल विभाग. A period
of time measuring 84 lacs of
Nalina जं० प०

नलिणगुम्भ पुं० (नलिनगुम्भ) आइभा

देवलोकानुं ओऽपिमान के जेनी स्थिति अदार सागरोपमनी छे, ओना देवता नव महिने आस ले छे अने अदार हजार वर्षे क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोकका एक विमान जिस की स्थिति अठारह सागरोपम की है इस के देवता नौ महिने में आराम लेते हैं और उन्हें अठारह हजार वर्षों में क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 8th Devaloka whose duration is 18 Sāgaropamas; its gods breathe every 9th month and feel hungry once in 18000 years. मम० १८;

नलिणा. स्त्री० (नलिना) नलिना नामकी महा-विदेहिनी ओऽ विजय. नलिना नामकी महा-विदेह की एक विजय. A Vijaya (territory) named Nalinā of Mahā-videha ठा० २, ३; (२) जम्बूद्वीपना अग्नी भुज्याना वनभक्षिनी ओऽ वावज्जुं नाम. जम्बूद्वीप के अग्नि कौन के वनखंड की एक बावड़ी का नाम. name of a well in a forest of Jambūdvīpa to the south-east. जं० ५०

नलिणावर्द्ध. स्त्री० (नलिनावती) महाविदेहिनी ओऽ विजय. महा विदेहकी एक विजय. A Vijaya (territory) of Mahā Videha. ठा० २, ३;

नलिणी. स्त्री० (नलिनी) कमलिनी; कमलिनी (A female) lotus. भग० २२, ५; अणु-जो० १६; नाया० १;

नलिन. पुं० (नलिन) नलिन राजा के जे आपनी योगीसीता प्रथम तीर्थंकर महापद्मनी पास दीक्षा लेशे. नलिन राजा जो आगामी चाविसीके प्रथम तीर्थंकर महापद्मसे दीक्षा लेगे The king Nalina who will be consecrated by the 1st Tirtha-

nkara Mahāpadma to come in the coming cycle. ठा० ८, १;

नलिनगुम्फ. पुं० (नलिनगुम्फ) गुफा उपलो-शब्द, देखो ऊपरका शब्द. Vide above. ठा० ८, १;

नलिय. न० (नलिन) ओऽ अनली वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० ११, ८;

नव. त्रि० (नवन्) नव; ९ नी संख्या. नौ; ९ की संख्या. Nine; 9. नवग्रह. प० च० कप्प० ४, ६६; पिं० नि० ५३; भग० ७, १; ८, ८; नाया० ५; पञ्च० ४; अणुजो० १३१; विये० ३५८; क० ग० १, ३; १७, ३१; उवा० ७, २२६, २२७; — (वं) अंग. न० (-अंग) नव अंग; शरीरना अपवर्षे. नौ अंग nine limbs; nine constituents. विवा० २; —नवइ. स्त्री० (-नवति) नवाधुं; ९९ नी संख्या. निम्नानवे ९९ की संख्या. ninety-nine; 99. क० ग० २, ३१; —पय. न० (-पद) अष्टादि नव पदार्थ. जीवादि नौ पदार्थ the 9 categories viz soul etc प्रव० ६८८; १२०३; —पुर्वि पुं० (-पूर्विन्) नव पूर्वना नव्युत्तर. नौ पूर्व का ज्ञाता. versed in the 9 Pūrvas. चउ० ३३; —बन्धन. त्रि० (-बन्धक) दर्शनावरणीयनी नव प्रकृतिने पाधनार. दर्शनावरणीय की नौ प्रकृतियों को बांधने वाला. that which binds the 9 natures of sight-obscuring Karmas. क० ग० ६, ९; —भाग. पुं० (-भाग) ओऽ वस्तुना नव भाग. एक वस्तु के नौ हिस्से. nine parts of an object. प्रव० ८५८; —मास. पुं० (-मास) नव महीना नौ महीने. nine months. दसा ६, २; —सय. न० (-सय) ओऽसे

ने नव. एक सौ और नौ. 109; one hundred and nine. क० ग० ३, १०; —हृत्थपमाण त्रि० (-हस्तप्रमाण) नव हाथ प्रमाणतुं. नौ हाथ के परिमाण का. measuring 9 arms. प्रव० ३८०;

नव. त्रि० (नव) नवुं; सा३; रूपालु; नूतन. नया; अच्छा; सुन्दर; नूतन. New; good; beautiful; fresh. निसा० ३, २२; ओव० ३४; दसा० १, १३; भग० ३. १, २. राय० ६०; २५७; पल० २; विशेष० १७६०; सू० प० १; सु० च० १, १; दस० ६, ६८; प्रव० ७६२; ज० प० ४, ११५; ७, ११३; —मल्लिकामंडप. पुं० (-मल्लिकामंडप) नवीन मालतीनी भंडप नवान मालती का भंडप. a bower of fresh jasmine राय० १३७. —माला. स्त्री० (-माला) नवी (जुईनी) माला. नयी (जुई का) माला a fresh garland (of jasmine.) भक्त० ११६; —हेम. न० (-हेमन्) नवीन सोनु. नया सोना. new gold. काप० २, १३;

नवश्च. त्रि० (नवक) नव. नौ. Nine. पंचा० १७, ३०;

नवकार. पुं० (नमस्कार) नवकारनी पाठ. नवकार का पाठ. The lesson of salutation. प्रव० ६२; (२) पथ परमेष्ठिने नमस्कार करने ते. पंच परमेष्ठि को नमस्कार करना. saluting the five Paramesthis. पंचा० १, ४२;

नवग. न० (नवक) नवनी समूह. नौ का समूह. An aggregate of nine क० ग० १, ४२;

नवगनिवस पु० (नवकनिवेश) नवीन स्थान. नवीन स्थान. A new place निशी० ५, ३६;

नवणीय न० (नवनीत) भाषण मक्खन.

Butter. आया० २, १, ४, २४; पि० नि० २८२; ५४६; ओष० नि० ४ ६; उत्त० ३४, १६; कप० ९, १७; प्रव० २०६;

नवतय. न० (नवत) उनतुं वस्त्र विशेष. ऊनी वस्त्र विशेष Woolen garment. नाया० १;

नवनवमिया. स्त्री० (नवनवमिका) ८१ दिवसोभां यनी ४०५ दातनी ओक भिक्षु पडिमा-अलिग्रह विशेष, के जेभां नवनव दिवसे ओक ओक दात वधारयामां आवे ते. ८१ दिन में ४०५ दात की एक भिक्षु पडिमा-अभिग्रह विशेष, जिस में नौ नौ दिन में एक एक दात बढ़ाई जाय. A particular vow of an ascetic of accepting 405 Datas (a measure) of food in 81 days. In this, one Data is increased every ninth day. सम० ८१; वव० ६, ३६; अंत० ८, ४;

नवनीअ. न० (नवनीत) भाषण. मक्खन. Butter. कप० ३, ३२;

नवनवीया स्त्री० (नवनवीका) शुभ जलतु ओक आड गुल्म जाति का एक वृक्ष. A particular bush. पल० १;

नवम त्रि० (नवम) नवमुं. नौवां. Ninth. पल० ४; १०, भग० २, १; ५, ७; ७; ८; ९; उत्त० २६, ४; पंचा० १८, ५, उवा० १, ७१; ९, २६७;

नवमल्लह. पुं० (नयमल्लकिन्) नयमल्ल जलतु येरा राजनी पक्षी गन्ध, के जे महावीर स्वामीना परम भक्त हुता नवमल्ल जातिके चेरा राजा के पत्त के राजा जो महावीर स्वामी का परम भक्त था A king, an ally of the king Cherā of Navamalla class, who was a great devotee of Mahāvira

Svāmī. भग० ७, ६;

नवमा. स्त्री० (नवमी) नवमी; नोम. नौमी;
नवमी. The ninth date of a lunar
month. दसा० ६, २;

नवमालिआ. स्त्री० (नवमालिका) नवमा-
लिआनी बेल. नवमालिका की बेल. A
creeper. कप्प० ३, ३१;

नवमिआ-या. स्त्री० (नवमिका) पश्चिम
दिशाना रुचक पर्वत पर बसनारी आठ दिशा
कुमारीमांती छठी. पश्चिम दिशा के रुचक
पर्वत पर रहने वाली आठ दिशाकुमारी में
से छठी. The 6th Disākumārī
out of 8 residing on the Ruch-
aka mount in the west. जं० प०
आधर्मेन्द्रनी त्रीछ पट्टराणी. मौधर्मेन्द्र की
तीसरी पट्टराणी. the 3rd chief queen
of Saudharmendra भग० ४, २;
(३) सत्पुरुषनी भीछ अग्रमहिषी. सत्पु-
रुष की दूसरी अग्रमहिषी. the 2nd
chief queen of Satpuruṣa. भग०
१०, ५;

नवमी स्त्री० (नवमी) नोम तिथि. नवमी तिथि.
The 9th date of a lunar month.
जं० प० ७, १५३;

नवयअ. पुं० (नवतक्त) डिनगुं वस्त्र विशेष.
ऊन का वस्त्र विशेष. A woolen gar-
ment. प्रव० ६८५;

नवरं अ. (*) विशेषना सूचक
अव्यय. विशेषता सूचक अव्यय. Indecli-
nable suggesting a peculiarity
भग० २, ७; ६, ३; नाया० ५; प्रव० ७०६;
६२३; क० प० २, ११०; उवा० ३, १४७;
७, २३०; क० गं० ३, ११;

नवरि. अ. (*) केवल; मात्र. केवल;
मात्र Only. सु० च० ६, ४०; पिं० निं०
२४०; गच्छा० २३;

नवलेच्छइ. पुं० (नवलेच्छकिन्) नवलेच्छकि
जातिना राजा. नवलेच्छकि जाति का राजा.
The king of the Navalechchha-
ki class. भग० ७, ६;

नवविह. त्रि० (नवविध) नव प्रकारगुं.
नौ प्रकार का. Of nine kinds. उत्त०
३३, ११; प्रव० ५३३;

नवद्वा. अ. (नवधा) नव प्रकारे; नव रीते.
नौ प्रकार से; नौ रीति से. In nine
ways. विशेष० २५६;

नवि. अ० (नव) नहीं; निषेध सूचक. नहीं;
निषेध सूचक. No; negation. सु० च०
२, ३३;

नविय. त्रि० (नव्य) नूतन; नवुं. नूतन,
नया; नवीन. Fresh; new. आया० २,
१०; १६६; निसी० ३, ७७;

✓नस्स. धा० I. (नग्) नाश पाभवे.
नष्ट होना, नाश को प्राप्त होना. To be
destroyed.

नामिजा. वि० पिं० निं० ५०६;

नासिह. आ० विशेष० २४८१;

नस्समाण. व० कृ० त्रि० (नश्यत्) नष्ट
थगुं. नष्ट होता हुआ. Being destroy-
ed. सु० च० १०, ६२; उवा० ७, २१६;

नस्सर. त्रि० (नश्चर) नाश थनार. नष्ट
होनेवाला. Destructible सु० च०
१३, ५०;

नह. न० (नभस्) आकाश आकाश. The
sky. उत्त० १४, ३६; २८, ६; पणह०
१, ३; विशेष० १८११; दस० ७, ५२; भग०
२०, २; सु० च० १५, २६; कप्प० ३, ३५;
५, १११; — (णं) अंगन. न० (-अङ्गण)
आकाशना ओंछ भाग. आकाश का एक
भाग. a portion of the sky. सु० च०
२, ६३३; — तल. न० (-तल) नभस्तल.
नभस्तल. the surface of the sky.

अणुजो० १५४;—यत्न. न० (तल) नभस्तल
नभस्तल. the sky. सु० च० २, ३३८;
भग० ११, ११; कण्ठ० ३, ३५;

नह. पुं० (नख) न०. नख. A nail.
श्रोत्रोनि० २८; नाया० १, पि० नि० भा०
५०; भग० १, ७, ३, २; ५, २, ४, ७, ६;
सम० ६१; ३४; सु० च० २, ३१; कण्ठ० ६,
४३; ३, ३५, प्रव० ४३६; — छेदयणश्च. न०
(-छेदनक) न०ने छेदना२, नरेण्णी. नख को
छेदने वाला (शस्त्र) an instrument
to pare nails आया० २, ७, १,
१५७;—मल पुं० (-मल) न०ने मल-
मेल. नख का मैल. dirt of a nail.
निसी० ३, ६४;

नहत्त. न० (नखत्व) न०प०पुं० नखत्व.
The state of a nail भग० ३, ४;
नहर पु० (नखर) न०प० नाखन. A nail.
सू० च० ८, ८६;

नहि. त्रि० (नखिन्) न०प० वाहुं जन्तवर.
नाखन वाला जानवर. An animal
having nails. अणुजो० १३१;

नहु. अ० (नैव) न० नही No नाया० ६,

नाश्च पुं० (न्याय) स-भार्ग; मुमुक्षु जनोने
आचार. सन्मार्ग; मुमुक्षु जनो का आचार
The right path, good conduct.
आया० १, २, ६, १००; (२) परार्थतु
स्वरूप ज्ञापनार्थ-न्याय-कांटे. पदार्थ के
स्वरूप को जताने वाला न्याय-कांटा the
balance or rule which suggests
the real nature of things.
विशे० २४८३, (३) योग्य; उचित. योग्य,
उचित. proper. अणुजो० २८, (४)
आवश्यकसूत्रनुं पर्यायवाचक नाम आवश्यक
सूत्र का पर्यायवाचक नाम a synonym
for Āvaśyaka Sūtra विशे० ८७२;

नाइ अ० (नैव न०. निषेधार्थक अन्वय

नहीं; निषेधार्थक अन्वय. Not; nega-
tion. भग० ३, २;

नाइ जी० (जाति) जाति; कुटुम्ब जाति;
कुटुम्ब; जाति. A caste; family. उवा०
१, ८; ५२; उत्त० १, ३६; आया० १, ६,
४, १६३; प्रव० १२१६; भग० ३, २; कण्ठ०
५, १०२;

नाइश्च. त्रि० (नादित) शब्द-अवाज करते
गीतादि. शब्द-आवाज करते हुए गीतादि.
Sounded. जं०प० ५, ११२; जीवा० ३, १;
नाया० १३;

नाई अ० (नञ्) निषेध; नही. निषेध; नहीं.
Negation; no. उवा० २, ११३;

नाइंदूरं. अ० (नातिदूरम्) अति दूर नहीं.
बहुत दूर नहीं. Not far off भग० १,
१; राय० ७४; पि० नि० भा० १४;

नाइवंत. त्रि० (जातिवन्) जातिवान्. जाति-
वान्. Having a caste उत्त० ३, १८;

नाग पु० (नाग) सर्प. नाग, पु३. सर्प;
नाग, पुरु. A serpent. दस० ९, ४;
भग० १२, ८; राय० ६२; आया० २, १,
२, १२, पचा० ७, ३८; प्रव० ३२७;
(२) हाथी, गज. हाथी, गज an
elephant. दस० २, १०; दसा० १०, ३,
उत्त० २, ११; १३, ३०, ३२, ८६, (३)
नागकुमार; भवनपति देवतानी अेक जाति
नागकुमार, भवनपति देवता की एक जाति.
Nāgakumāra; a class of Bha-
vanapati gods. भग० १, ५; २, ५;
६, ५; नदी० ५४; सम० ३४; उत्त० ३६,
२०४; अणुजो० २०, १०३, कण्ठ० ८;
(४) अनीयसादि ७ लाधने पिता;
सुलसानो पति. अनीयसादि छः भाइयों का
पिता, सुलसा का पति father of
the 6 brothers Aniyasā etc.;
husband of Sulasā अत० ३, १;

(५) ११ द्वारगुप्तं ओक द्वार, जे अमा
पस्यानी रात्रीजे स्थिर रहै छै. एक करण,
कि जो अमावस्या की रात्रि को स्थिर रहता
है; ११ करणों मेंसे एक. one of the 11
Karapas which is steady on
the Amāvasyā night विशेष० ३३५०;
ज० प० ७, १५३; (६) अञ्जन पर्वतना
सिद्धायतनना त्रीगु. द्वारगुप्तं नाम. जे पश्चिमभां
छै, ते सोल योजन उंचु अने आठ योजन-
ना विस्तारभां छै अञ्जन पर्वत के सिद्धायतन
के तीसरे द्वार का नाम जो पश्चिम दिशा में है
वह १६ योजन ऊँचा और ८ योजन के
विस्तार में है. name of the 3rd
door of Siddhāyātana on the
Añjana mount, which is to-
wards the south. It is 16 Yojanas
high and 8 Yojanas wide
(Yojana=8 miles). जीवा० ३, ४;
(७) नागद्वारना अधिपति देवगुप्तं नाम.
नागद्वार के अधिपति देव का नाम name
of the presiding deity of Nāga
Dvāra जीवा० ३, ४; (८) जे नामने
ओक छै; नागकेसर. इस नाम का एक पौधा;
नागकेसर a plant named Nāga-
kesara कण्ठ० ३, ३७; पत्र० १; जीवा०
३, ४; —(गि)इंद. पुं० (—इन्द्र) नागकुमार
देवतानो इन्द्र नागकुमार देवता का स्वामी;
नागकुमार देवता का इन्द्र. the lord or
Indra of the Nāgakumāra gods.
सम० ४४; —घर. न० (—गृह) नागगुप्तं घर. नाग
का गृह. a house of Nāga नाया० २;
—पडिमा. स्त्री० (—प्रतिमा) नाग देवतानी
प्रतिमा-भूर्ति नाग देवता की प्रतिमा-
मूर्ति an image of Nāga god.
नाया० २; राय० १६६, —चाण. पुं०
(—वाण) ओक जंतु आण के जे छुट्या पछी

नागनी पेठे मनुष्यने पाश रूपे वीटाए
शरीरभां प्रवेश करेछै. एक प्रकार का बाण,
जो छूटने के बाद मनुष्य को पाण रूप से
लिपट कर शरीर में प्रवेश करता है. a
kind of arrow which being
shot entwines a man like a
a noose and then enters the
body. जीवा० ३, ३; —चाण. न (—वन)
नाग नागनां जगुं वन. नाग नाम
के वृक्षों का वन. a forest of Nāga.
trees अणुजो० १३१; —चर. पुं०
(—वर) भोटो हाथी. बड़ा हाथी-हस्ती. a
big elephant. टमा० १०, ३;

नागकुमार. पुं० (नागकुमार) भवनपति
देवतानी ओक जंत. भवनपति देवता की
एक जाति. A class of Bhavana-
pati gods पत्र० १; भग० १६, १४;
प्रव० ११४३; —(रिं) इंद. पुं० (—इन्द्र)
नागकुमारानो इन्द्र. नागकुमारो का इन्द्र. the
Indra of Nāgakumāras भग०
३, १; —राया. पुं० (राजद्र) लुपे
उपरो शब्द. देखा ऊपर का शब्द. vide
above भग० ३, १;

नागकुमारी स्त्री० (नागकुमारी) नागकुमा-
रनी देवी-राज्ञी. नागकुमार की देवी-रानी.
the queen of Nāgakumāra.
भग० ३, १, ७;

नागघरय न० (नागगृहक) जे नामनु
अपे, ध्यानी पासो आवेजुं ओक देवस्थान, जे
जेभां नागनी प्रतिमा छती. इस नाम का
प्रयोध्या के समीप आया हुआ एक देवस्थान
कि जिसमें नाग की प्रतिमा थी. A tem-
ple so named near Ayodhyā
which had an image of a
serpent. नाया० ८.

नागदंत पुं० (नागदन्त) हाथीनी दातना

आकारवाणी भीटी. हाथी के दांत के आकार वाली छंटी A peg like a tusk. राय० १०६;

नागपरियावणिया स्त्री० (नागपरियापनिका) ७२ सूत्रमानुं ऐक. ७२ सूत्रों में से एक.

One of the 72 Sūtras. वव० १०, २६;

नागपरियावणिया. स्त्री० (नागपर्यावणिका) ऐ नामनु कालिक सूत्र: इस नाम का कालिक सूत्र. A Kālika Sūtra of this name नदी ४३;

नागपर्वत्र. पुं० (नागपर्वत) ऐ नामने सीतोदा नदीने किनारे आवेले ऐक पर्वत सीतोदा नदी के किनारे आया हुआ इस नाम का एक पर्वत. A mountain on the bank of Sitodā river. ठा० ८, १;

नागमंडलप्रविभक्ति पुं० (नागमंडलप्रविभक्ति) नाग मंडलनी विशेष रचना युक्त नाटक. नागमंडल की विशेष रचना युक्त नाटक. A drama having a special composition of Nāgamaṇḍala राय० ६२;

नागमित्त. पुं० (नागमित्र) आर्यमहागिरिना शिष्य. आर्यमहागिरि के शिष्य. A disciple of Āryamahāgiri. कप्प० ८;

नागरपविभक्ति. पुं० (नागरप्रविभक्ति) नगर संबंधी विशेष रचनायुक्त नाटक. नगर संबंधी विशेष रचना युक्त नाटक. A drama specially arranged for the city. राय० ६३;

नागरुकख. पुं० (नागवृक्ष) महोरगदेवनी सभा आगलनु आऽ महोरग देव की सभा के समीप का नागवृक्ष. A Nāga tree near the assembly of Mahoraga god (२) नागकेसरनु आऽ नाग-केसर का वृक्ष. Nāgakesara tree. ठा० ८, १;

नागलया. स्त्री० (नागलता) ताम्बुलनी पेल; नागर पेल. ताम्बुल की बेल; पान की बेल; नागर बेल. The betel-leaf-creeper जीवा० ३, ३; पञ० १;

नागवीहि. स्त्री० (नागवीधि) शुक्र ग्रहनी गति विशेष. शुक्र ग्रह की गति विशेष. A particular movement of the planet Venus. ठा० ६, १;

नाडइज्ज त्रि० (नाटकीय) नाटक संबंधी. नाटक संबन्धी. Dramaturgical. (२) नाटकना पात्र. नाटक के पात्र. the dramatis personæ. कप्प० ५, १०१; भग० ११, ११;

नाडग न० (नाटक) पचीस प्रकारना नाटक. ३२ प्रकार के नाटक. Dramas of 32 kinds. (२) नाट्य शास्त्र. भरत आदि के रचे हुए नाट्य शास्त्र science of drama compiled by Bharata etc. अणुजो० ४१; भग० ११, ११; पिं० नि० ४;

नाडय. न० (नाटक) नाटक. नाटक. A drama. नाया० १; भग० ६, ३३; सु० च० १, १; पंचा० ६; ११; —विहि. पुं० (—विधि) नाटक विधि. नाटक विधि. dramatization. प्रव० १२४१;

नाडिया स्त्री० (नाडिका) २४ मिनट प्रमाण काल; घड़ी २४ मिनट प्रमाण काल, घटिका. A period of time equal to 24 minutes, Ghatikā. तंदु०

नाण न० (ज्ञान) ज्ञान; समझ; बोध; पात्र प्रकारना ज्ञान. ज्ञान; समझ; बोध; पांच प्रकार के ज्ञान. Knowledge; understanding; knowledge of five varieties. " नाणसुहोजा " भग० १, ३१; " नाणमेगमासित्त " दस० ६, ४, २, ३; क० गं० १, ३; ४; २,

१२; उवा० १, ७४; पि० नि० ६०; अणुजो०
१; १३१; ओव० सम० १; ठा० १, १;
दस० ४, १०; ६, १; १०, १, ८; भग०
१, ४; ६; ४, ६; ८, २; राय० २१५;
विशे० ३, ५०; २६७२; नंदी० स्थ० १०;
सु० च० १, १३६; गच्छा० २०; प्रव० ६;
भक्त० ६३; ८३; (२) ज्ञानावरणीयनी प्रकृति;
भक्ति ज्ञानावरणीयादि. ज्ञानावरणीय प्रकृति;
मतिज्ञानावरणीयादि. the knowledge-
obscuring Karma; intellect
obscuring etc. प्रव० १०३१; —(शं)
अंतर न० (-अंतर) ज्ञान ज्ञान वस्तु
अंतर-भेद. ज्ञान ज्ञान के बीच का अंतर
भेद. the difference amongst
various knowledge. भग० १, ३;
क० प० १, ४८; —(शं) अंतराय. पुं०
(-अन्तराय) ज्ञानमा अंतराय पायी;
ज्ञानावरणीय कर्म आध्यात्मिक ऐक्य हेतु.
ज्ञान में विघ्न डालना an obstruction
in knowledge भग० ८, ६; क० गं०
५, ६; —अंतरायदसग न० (-अंतराय-
दशक) ज्ञानावरणीयनी पांथ प्रकृति अने
अंतरायकर्मनी पांथ-ऐ ऐ मधीने दश
प्रकृति ज्ञानावरणीय की ५ प्रकृतिया और
अन्तरायकर्म की ५ ये दो मिलकर दस प्रकृ-
तियां. 10 varieties viz. 5 of
knowledge-obscuring and 5
of obstructing Karmas प्रव०
१३०१; —आचार. पुं० (-आचार)
शब्दे अणुपु, विनयसहित अणुपुं वगेरे आठ
प्रकारने ज्ञानने आचार. समय पर पढना,
विनय सहित पढना वगैरह आठ प्रकार का
आचार. the 8 regulations or
observances viz to read at a
proper time, to read with
politeness etc प्रव० ११०; —उत्पत्ति.

स्त्री० (-उत्पत्ति) ज्ञाननी प्राप्ति. ज्ञान की
प्राप्ति. acquisition of knowledge.
पंचा० १६, १२; —उचगग्र त्रि० (-उपगत)
ज्ञानथी युक्त. ज्ञान से युक्त. possessed
of knowledge. उत्त० २१; २३;
—उचयोग. पुं० (-उपयोग) ज्ञानने
उपयोग; विशेष उपयोग ज्ञान का उपयोग;
विशेष उपयोग. the special use of
knowledge. प्रव० ३१७, —ग्रहण.
न० (-ग्रहण) ज्ञानपुं ग्रहण करपुं ज्ञान-
ग्रहण. acceptance of knowledge.
प्रव० १६३; —दंसण न० (-दर्शन)
ज्ञान अने दर्शन. ज्ञान और दर्शन.
knowledge and right belief.
आव० १, १; —दंसणसंपन्न. त्रि०
(-दर्शनसम्पन्न) ज्ञान दर्शन युक्त. ज्ञान
दर्शनयुक्त. one possessed of know-
ledge and right belief. दस० ६;
१; —दंसणसन्निय. त्रि० (-दर्शन-
संज्ञित) ज्ञान दर्शनरूप संज्ञाने पाभेक्ष;
ज्ञानी ज्ञान दर्शन रूप संज्ञा को पाया हुआ;
ज्ञानी an enlightened person.
उत्त० ३६; ६५; —नय. पुं० (-नय) ज्ञान
रूपी नय दृष्टि, जे वडे सर्व वस्तु ज्ञानने जे
आधीन छे ओम समष्टि शक्य छे. ज्ञानरूपी
नय दृष्टि, जिस से सब वस्तुएं ज्ञान के ही
आधीन हैं ऐसा समझा जा सकता है. an
intellectual sight by which it
can be understood that all
things are dependent on know-
ledge. विशे० ३१६१, —निगृहवणया.
स्त्री० (-निगृह) ज्ञानी-ज्ञान आपनारने
उपकार न मानवे ते, ज्ञानावरणीय कर्म
आध्यात्मिक ऐक्य हेतु ज्ञान देने वाले का
उपकार न मानना. showing ingra-
titude to one who has given

knowledge भग० ८, ६; —पट्टिणी-
यया. स्त्री० (—प्रत्यनीकता) ज्ञानथी
प्रतिकूल वर्तवुं ते. ज्ञानावरणीय कर्म आधि-
वानो ओक हेतु. ज्ञान प्रतिकूलता. hostility
or opposition to know-
ledge. भग० ८, ६; —उपदोस्त. पुं०
(—प्रदोष) ज्ञान उपर द्वेष राखवो ते.
ज्ञानावरणीय कर्म आधवानो ओक हेतु.
ज्ञान से द्वेष aversion to know-
ledge. भग० ८, ६; —बुद्ध त्रि० (—बुद्ध)
ज्ञान रूपे ओध पावेल. ज्ञान रूपी बोध
पाया हुआ (one) who is enlight-
ened by knowledge डा० ३, २;
—उभट्ट त्रि० (—अष्ट) ज्ञानथी अष्ट ज्ञान
से अष्ट deprived; fallen from
knowledge. आया० १, ६, ४, १६०;
—लाब्धि. स्त्री० (—लाब्धि) ज्ञानकी प्राप्ति
ज्ञान की प्राप्ति. attainment of
knowledge भग० ८, २; —वसिय.
त्रि० (—वश्य) ज्ञानने आधीन ज्ञानादीन.
dependent on knowledge भक्त०
३; —विग्नदसग न० (—विघ्नदशक)
ज्ञानावरणीयनी पाय अने विघ्न-अन्तराय
कर्मनी पाय प्रकृति जे भलीने दश प्रकृति.
ज्ञानावरणीय की पांच और विघ्न-अन्तराय
कर्म की पाच प्रकृतिया, दांनों मिलाकर
दस प्रकृतियां. the ten varieties viz
5 of knowledge obscuring and
five of obstructing Karmas.
क० ग० २, १२; —विराहणा स्त्री०
(—विराधना) सूत्र पगेरेना ज्ञानतु
पंडन करवु ते. सूत्र इत्यादि के ज्ञान का
खंडन करना. opposing or refuting
the knowledge of Sūtra etc
सम० ३; आवा० ४, ७. —विसंवादनजोग
पुं० (—विसंवादनयोग) ज्ञानभा योगने

विषमभावे प्रवर्तव्यवाते, ज्ञानावरणीय कर्म
आधवानो ओक हेतु. ज्ञानावरणीय कर्म
बाधने का एक हेतु a source or
cause of the bondage of know-
ledge obscuring Karma. भग० ८,
६; —संपन्नया स्त्री० (—संपन्नता) ज्ञानकी
पूर्णता. ज्ञानकी पूर्णता. the perfection
of knowledge. उत्त० २६, २;

नाणट्ट त्रि० (नानार्थ) अनेक अर्थवाहुं.
अनेक अर्थ वाला. Having different
meanings; homonymous. पि०
नि० १३०;

नाणत्त न० (नानात्व) विविधपणु. विवि-
धता. Difference, diversity. पि०
नि० १२६, विशेष० ६६; ५५०; राय० २६०;
भग० ३, ७; ५, ८; प्रव० ७५१; ६२२;
क० ९० ४, ४३, उवा० ६, २७१;

नाणुपवाय पुं० (ज्ञानप्रवाद) ज्ञान विषयक
विचार जेभा छे ते पायभो पूर्व. ज्ञान विष-
यक विचार वाला पाचवा पूर्व. The 5th
Pūrva which contains a topic
of knowledge. नंदी० ५६; सम० १४;

नाणुपवायपुट्ट पुं० (ज्ञानप्रवादपूर्व)
ज्ञानप्रवाद नामे अउइ पूर्वभातो ओक पूर्व-
शास्त्र ज्ञानप्रवाद नामक १४ पूर्वों मे से एक
पूर्व-शास्त्र A Pūrva (scriptures)
out of 14 named Jñānapravāda.
प्रव० ७२०;

नाणवि त्रि० (ज्ञानवित्) ज्ञानवान्; यथा-
र्थपणु पदार्थने ज्ञानवान्; यथार्थ
संति से पदार्थ को जाननेवाला Learned;
one who knows an object
rightly आया० १, ३, १, १०७,

नाणा. अ० (नाना) अनेक रूप, विविध
प्रकार. अनेक रूप, विविध प्रकार Differ-
ent forms पंचा० १६, २४, उवा० ७,

२०६; कप्प० ३, ३६; ४६; भग० २, ५; दस० १, ५; उत्त० ११, २६; सूय० १; ६; क० प० १, १०; --गुणवृद्धि. स्त्री० (-गुणवृद्धि) नाना प्रकारना द्विगुण वृद्धिना स्थानक. अनेक प्रकार के द्विगुण वृद्धि के स्थानक. stages of different double development. क० प० १, ५४; --पिंडरय. पुं० (-पिंडरय) नाना प्रकारना पिंड-आहार-भिक्षाप्राप्तिमां संतुष्ट. नाना प्रकार के पिंड-आहार-भिक्षावृत्ति में संतुष्ट. satisfied in different food offered in alms. दस० १, ५; --भव. पुं० (-भव) नाना-जुष्ट जुष्ट प्रकारना लय अनेक-भिन्न प्रकार के भव different births प्रव० ८४५;

नाणावरण. न० (ज्ञानावरण) ज्ञानावरणीय कर्म. ज्ञानावरणीय कर्म. Knowledge-obscuring Karma. प्रव० १२६३, भग० ६, ३; उत्त० ३३, ४, क० गं० ६, ७;

नाणणिज्ज. न० (ज्ञानावरणीय) ज्ञानने ढांकना कर्म. ज्ञान को ढांकने वाला कर्म. Knowledge-obscuring Karma भग० ६६;

नाणाविह त्रि० (नानाविध) अनेक प्रकारना अनेक प्रकार के. Of various kinds. सु० च० २, ३५४; निर० ५, १; सू० प० १, १, १, २६;

नाणि. त्रि० (ज्ञानिन्) ज्ञानवान्; ज्ञानी. ज्ञानवान्. Learned, scholar ज० प० ५, ११२; भग० ८, २; अणुजो० १३१, आया० १, ३, २, ११४; उत्त० ६, १८, २८, ५; सु० च० २, ८३;

नाति. स्त्री० (ज्ञाति) ज्ञातिना भायुस ज्ञाति का मनुष्य. Caste-fellow. सूय० १, ३, १, १६;

नाभि पुं० (नाभि) नाभि, दुंटी नाभि, झोठा. Navel. अणुजो० १२८; आया० २, ४, २,

१३८; भग० ३, १; राय० १६४; क० गं० १, ५०; (२) श्रीऋषभदेवना पिता; नाभिराज; श्री ऋषभदेव के पित; नाभिराजा. The father of Śrī Rishabhadeva; Nābhi Rājā. कप्प० १, २०६, प्रव० ३२३; विशेष० ३१६७; सम० प० २२६; ज० प० (३) पैडानी नाभी-तुं. पहियों की नाभि-तुंब. nave of a wheel. भग० ३, १, ५, ६; दस० ७, २८; --उपभव. त्रि० (-प्रभव) नाभिथी उत्पन्न थये. नाभि से उत्पन्न. born from a navel. प्रव० १३८६;

नाम. न० (नामन्) नाम, अलिधान; संज्ञा. नाम, अभिधान; संज्ञा. A name अणुजो० ७०; १३१, भग० २, ६; विशेष० २४; ६४४; पञ्च० १, ११; नंदी० स्थ० २३; नाया० २; १४; सू० प० १; प्रव० ३, क० गं० १, ३, २३; ५, ७६; क० प० १, ४०; (२) जन्मे नरक गति वगेरे पर्यायाने भोगववा माटे प्रेरणा करे जेवा आहंकारेमानु छट्ठुं कर्म. जीव को नरक गति वगेरह पर्यायों को भोगने के लिये प्रेरणा करने वाला आठ कर्मों में से छठा कर्म. the 6th Karma of the 8 which urges a soul to endure hell etc (३) केमल आभरण रूप. आभरण का कोमल रूप. a form of polite address विश० ११८; (४) शुलु होय के न होय जता अमुक शुलु दर्शक नाम पाडतुं ते, नाम निक्षेप. गुणहो या न हो परन्तु अमुक गुण दर्शक नाम धारण कराना वह नाम निक्षेप attributing a connotative name whether the object denoted has those attributes or not. अणुजो० ८, पि० नि० ५; ओव० (५) अ० संला-वनार्थमां वपरतु अन्यथ. सम्भावना अर्थ में प्रयुक्त अव्यय an indeclinable used for "possibility". भग० २, १;

५, २; वव० १०, ४; जं० प० ५, ११५;—अणु-
पुञ्जी. पुं० (—अनुपूर्वी) नामनो कर्म. नामका
क्रम. a serial order of names. अणुजो०
७१;—कर्म न० (—कर्मन्) नामकर्म; आठ
प्रकारना कर्मभांति छोटा प्रकार जे वडे छव
नाम वगेरे उपाधियो प्राप्त करेछे नाम कर्म;
आठ प्रकार के कर्मों में से छठा प्रकार जिससे
जब नाम वगैरह उपाधियों को प्राप्त करता है
Nāma-Karma; the 6th out of
the 8 varieties of Karmas by
which a soul acquires a name
etc उत्त० ३३, ३;—करण न० (—करण)
जे नामनो जेक संस्कार जेभां नाम
पाडवानी क्रिया करवाभां आवेछे इस नामका
एक संस्कार जिस में नाम धारण कराने की
क्रिया की जाती है the ceremony of
naming a child भग० ११, ११,
—गहण. न० (—ग्रहण) नाम लेवुं; नामनो
उच्चार करवे नाम लेना, नामका उच्चारण
करना. repeating a name. गच्छा० ३७;
७०;—जिण. पुं० (—जिन) नाम भात्रे करी
जिन. नाम ही से जिन. Jina by name
alone. प्रव० ८८;—ठाण न०
(—स्थान) नाम कर्मना प्रकृति स्थानक नाम
कर्म के प्रकृति स्थानक the stages of
Nāma Karma क० प० ७, १४;
—वच्चयग. पुं० (—प्रत्ययक) नामकर्मनी
प्रकृति रूप उद्धारिकादि शरीरना निमित्त
रूप रसपरमाणुओंकी वर्गणातो समूह
—रसध०. नाम कर्म की प्रकृतिरूप-उद्धारिकादि
शरीर क निमित्त रूप रसपरमाणुओं की वर्गणा
का समूह-संघक. an aggregate of
the taste molecules which
cause a physical body; a variety
of Nāma Karma. क० प० १, २३;
—सम. त्रि० (—सम) पोताना नाम जेवुं

अपने नाम के समान. like one's name
विशे० ८५३;
नामं. अ० (नामन्) नामे; नामवालो. नाम
वाला; नामक. Named. भग० २२, १;
नाया० १०;
नामगोय. न० (नामगोत्र) नाम अने गोत्र;
कर्मना आठ प्रकारभांति छोटा अने सातवो
प्रकार. नाम और गोत्र, कर्म के आठ प्रकारों
में से छठा और सातवा प्रकार. Name
and family-origin; the sixth
and seventh variety of the 8
kinds of Karmas. प्रव० १२९४, दसा०
५, ४०;
नामधिज्ज. न० (नामधेय) नाम; नामनी
स्थापना. नाम की स्थापना; नाम. A
name; nomenclature. नाया० १,
२; दस० ७, १७; कण० ४, ६०; ५, १०३,
नामधेज्ज. त्रि० (नामधेय) जुओ उपलो
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above
जं० प० भग० ६, ५; ८; १०, १; सू० प०
१०,
नामधेय. त्रि० (नामधेय) सज्ञा; नाम. नाम;
संज्ञा Name. सम० १; आव० ६, ११;
कण० २, १२;
नामअ-य. अ० (नामक) सभावना अर्थे
वपराणु अणुय समावना अर्थ में प्रयुक्त
अव्यय. An indeclinable used in
the sense of "possibility."
भग० ३, १; नाया० १०, १२; १६; दसा०
६, १;
नामिय. त्रि० (नामित) नभावेलु. सुकाया
हुवा. Bent. पंचा० १६, ३६;
नामुदय पु० (नामोदक) जे नामना जेक अ-य-
ताथि विद्वान्. इस नाम का एक अन्यर्थां
विद्वान्. An ascetic of this name.
भग० ७, ६, (२) गोश्रावना जेक श्राव क

गोशाला का एक श्रावक. a layman disciple of Gośālā. भग० ८, १;
नाय-अ. त्रि० (ज्ञात) ज्ञातुं; समज्जयेत्.
 जाना हुआ; समझा हुआ. Understood;
 known. सु० च० २, ४७५; ४, १६३;
 दस० ९, २; २२; भक्त० १४, (२) उदाहरण;
 दृष्टांत. उदाहरण; दृष्टान्त. an illustration.
 विशेष० १३५८; उत्त० ३१, १४, पं०
 नि० ४३५; सूय० २, १, ११; (३) महावीर
 स्वामीने वंश; ज्ञात नामनुं कुल. महावीर
 स्वामी का वंश; ज्ञात नामक वंश. the fa-
 mily of Mahāvira Svāmī named
 Jñāta. आया० २, १५, १७६; कप्प० २, २०;
 (४) ७६ अंगसूत्रनुं नाम. छठे अंगसूत्र
 का नाम. the name of 6th Aṅga
 Sūtra उत्त० ३१, १४; (५) त्रि०
 (नायक) कर्माने नेता-आत्मा. कर्म का
 नेता-आत्मा. soul; the leader of
 Karman. भग० २०, २; (६) नात,
 जाति. जाति; जाति caste. प्रव० ८३६;
 कप्प० ५, १०३; निर० ३, ३, आउ० ६;
नायअ. पुं० (ज्ञातक) ज्ञातकुलमा उत्पन्न
 थये-महावीर स्वामी. ज्ञातकुल में उत्पन्न
 —महावीर स्वामी. Mahāvira Svāmī
 born in Jñāta lineage. उत्त० ३६,
 २६६; (२) त्रि० नातने; जातिने. जातिका;
 जाति का of one's caste. दसा० ६, २;
नायकुल. न० (ज्ञातकुल) ओ३ विख्यात
 क्षत्रिय कुल. एक प्रख्यात क्षत्रिय कुल A
 famous Kṣatriya family. उवा०
 १, ६६; ६९; (२) पितृकुल. पितृकुल.
 ancestors. वव० ७, २०;
नायकुलवासिणी स्त्री० (ज्ञात कुलवासिनी)
 पिताने घेर रहेनारी. पिता के गृह में रहने
 वाली. (A female) who lives in
 her father's house. वव० ७, २०;

नायग. त्रि० (नायक) नायक; स्वामी. नायक;
 स्वामी; मालिक. A leader; a master;
 a lord. जं० प० ५, ११२; सम० १; भग०
 ७, ६; सु० च० १ २६४; प्रव० ६६०; भक्त० ७३;
नायग. त्रि० (ज्ञातक) ज्ञातुं; परिचित.
 परिचित; पहिचानवाला. Acquainted;
 known. सूय० २, २, २८;
नायपुत्त. पुं० (ज्ञातपुत्र) ज्ञात नामे कुलमा
 उत्पन्न थये-श्री वर्धमान स्वामी. ज्ञात
 नामक कुलमें उत्पन्न श्री वर्धमान स्वामी Śrī
 Vardhamāna Svāmī born in
 the Jñāta lineage दस० ५, २, ४६,
 ६; १८; सूय० ११, १, २७; १, २, ३, २२;
 आया० १, ८, ७, १२. भग० ७, ६; कप्प०
 २, १०४; —चयण. न० (-वचन) महा-
 वीर स्वामीनुं वचन. महावीर स्वामी का
 वचन. the words of Mahāvira
 Svāmī. दस० १०, १, ५;
नायव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञातुं योग्य.
 जानने योग्य Worth knowing उत्त०
 २८, १८; पं० नि० भा० ४५; प्रव० १०४;
 ६०३; क० गं० ६, ५, १;
नायसंड. न० (ज्ञातलवण) महावीर स्वामीने
 जे वनमा दीक्षा लीधी ते वननुं नाम. महा-
 वीर स्वामी ने जिस वन में दीक्षा ली उस वन
 का नाम. The forest where Mahā-
 vira Svāmī was initiated आया०
 २, १५, १७९;
नायाधम्मकथा. स्त्री० (ज्ञाताधर्मकथा) ज्ञाता
 धर्म कथा ऐ नामनुं धर्म कथारूपं ७६ अंग
 सूत्र ज्ञाता धर्म कथा; ज्ञाता धर्मकथा नामक
 धर्म कथा रूप छठा अंगसूत्र. The Jñātā-
 dharma Kathā; the 6th Aṅga
 Sūtra in the form of religious
 stories named Jñātā Dharma
 Kathā नंदा० ४४; अणुजो० ४२; सम०

१; उवा० १, २;

नायार. पुं० (ज्ञातृ) ज्ञानार; आत्मा जाननेवाला; आत्मा One who knows; a soul. विशेष० १८६४, नदी० ४५; पंचा० ७६;

नारंग. न० (नारंग) नारंगी इल नारंगी फल. An orange. सु० च० ११, २४,

नारय पुं० (नारक) नरकनो ७५ नरक का जीव. A hell-being. क० ग० ४३६; पञ० २६; विशेष० ३४४; भक्त० १०५, प्रव० ६७६;

नारय. पुं० (नारद) जंबूद्वीपना भरतखण्ड में होनहार २१ वें तीर्थंकर के पूर्व भव का नाम. Name of the previous birth of the 21st Tirthankara to be born in Bharatashanda of Jambūdvīpa सम० ६, २४१;—जीव. पुं० (-जीव) नारदनो ७५. नारद का जीव. the soul of Nārada. प्रव० ४७४,

नाराय. पुं० (नाराच) आणु, शर बाण; शर. An arrow उत्त० ६, २२; जीवा० ३, १; क० ग० १, ३८; उवा० १, ७६; (२) भकट अंध; ओक जलतुं हासतुं अन्धारणु. मर्कट बंध; एक जातिका आस्थियों का ढांचा a particular form-structure of bones. सम० ५० २२६; ओव० १०; पञ० २३. क० ग० १, ३६; —संघयण. न० (-संहनन) ओक प्रकारनु शरीरनु अधाणु. एक प्रकार की शरीर की रचना. a kind of physical constitution. ठा० १, १, जीवा० १;

नारायण. पु० (नारायण) लक्ष्मणु अपर नामक नारायण नामना वासुदेव लक्ष्मण अपर नामक नारायण नाम के वासुदेव

Vāsudeva named Nārāyaṇa otherwise called Lakṣmaṇa. प्रव० ४१८; १२२६;

नारिकान्ता स्त्री० (नारीकान्ता) २२५३-वास क्षेत्रनी ओक नदी; नीलवन्त पर्वतना केशरी प्रहना उत्तर तोरणेथी नील्वी २२५३-वास क्षेत्रमां ओहेती ओक महानदी. रम्यक-वास क्षेत्र की एक नदी; नीलवन्त पर्वत के केशरी प्रह के उत्तर तोरण से निकल कर रम्यकवास क्षेत्रमें बहती हुई एक महा नदी A great river flowing in Ramyakavāsa Ksetra rising from the north of the lake Kēśarī on the Nilavanta mount. ठा० २, ३; सम० १४;'

नारिय. त्रि० (अनार्य) भेद०; अनार्य. म्लेच्छ, अनार्य. A non Āryan. सूय० १, ३, १, १४;

नारी स्त्री० (नारी) नारी; स्त्री. नारी, स्त्री. A female उत्त० ८, १६; सु० च० १३८, दम० २, ६;

नारीकूड पुं० (नारीकूट) नीलवन्त पर्वतना नवकूटमानु ७५ शिखर. नीलवन्त पर्वत के नौ कूटों में से छठा शिखर The 6th out of the 9 summits of Nilavanta mountain जं० ५०

नाल. पु० (नाल) कमलनो फाँडा. कमल की दंडा. Lotus stem. पिं० निं० ५१६; (२) पाणी ज्वानो रस्ते पानी बहने का रास्ता-मार्ग. A drain. नदी० स्थ० ७.

नालं अ० (नालम्) असमर्थ असमर्थ Unable. भग० ६, ३३, दम० ५. १, ७८.

नालंद पु० (नालंद) ये नामनो राजगृह नगरनो ओक भट्टोहलो, नाल दो पाडो; ज्वां महावीर स्वागीये १४ योमासा कर्मा हुता. इस नाम का राजगृह नगरका एक मुहल्ला. नालंदा पाडा

जहां पर महावीर स्वामी ने चौदह चातुर्मास किये थे. A street so named in Rājagriha city where Mahāvīra Svāmī passed 14 monsoons. कप्प० ५, १२१;

नालंदइज्ज. न० (नालंदीय) सूयगदांग सूत्रना भीम श्रुतस्कंधना सातमा अभ्ययननुं नाम, जेभां नालंदाना रहैवासी लेप गाथापतिनी उदकशालाभां उदक पेदालपुत्र अने गौतम स्वामीनो श्रावकनां पञ्चभाष्य संवाधे संवाद छे. सूयगदांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध के ७ वें अभ्ययन का नाम, जिस में नालंदा के रहने वाले लेप गाथापति की उदक शाला में उदक पेदालपुत्र और गौतम स्वामी का श्रावक के पञ्चभाष्य संबंधी संवाद है. Name of the 7th chapter of the 2nd Śrutaskandha of Sūyagdaṅga Sūtra treating of the discussion held between Peḍhāla Putra and Gautama Svāmī सूय० २, ७, ४०;

नालग. न० (नालक) लसतनी दांडी. लहसुन का डंठल. A stem of garlic. आया० २, ७, २, १६०;

नालिपरी. स्त्री० (नालिकेर) नालियेरनुं आड. नारियल का वृक्ष. Coconut tree. पञ्च० १; जं० ५० भग० ८, ३;

नालिदा. स्त्री० (नालिन्दा) राजगृहनी अेक शेरी; नालंदा पाडा. राजगृह की एक गली; नालंदा पाडा. A lane of Rājagriha. भग० १५, १;

नालियर. पुं० (नालिकेर) नालियेर. नारियल. Coconut. जीवा० १; (२) पुं० द्वीप विशेष; अेक भेटनुं नाम. एक द्वीप का नाम. a particular island. क० गं० १, १६;

नालियरीय पुं० (नालिकेर) नालियेरीनुं वृक्ष.

नारियल का वृक्ष. A cocoanut tree. भग० २२, १;

नालिया. स्त्री० (नालिका) मापवानुं अेक साधन; धनुष्य-चार हाथ प्रमाण माप. एक नापने का साधन; धनुष्य-चार हाथ के प्रमाण का माप. A means of measuring; a measure = 4 arms. दस० ५, २; १८; भग० ६, ७; सम० ९६; अंगुजो० १३३; जं० ५० (२) काल मापवानुं अेक साधन; धड़ी. काल-समय नापने का एक साधन; घड़ी. a measure of time. अंगुजो० ६८; विशेष० ६२७: (३) शरीर धरतां चार आंगुल धारे लाप्पी लाकड़ी शरीर से चार अंगुल अधिक लम्बी लकड़ी a stick 4 fingers longer than a body. आया० १, ६, ३, ५; ओघ० नि० ३६; (४) धूननी सर्व कला घूत की सर्व कला. all the arts of gambling. दस० ३, ४; (५) बांसनी नली. बांस की नली. a bamboo tube. भग० २, ५; (६) पनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष. a particular vegetation. भग० ११, ५;

नाली. स्त्री० (नाडी) घटिका; धड़ी घटिका; घड़ी; ६० पल का समय. A period of time equal to 24 minutes. प्रव० ६७६; जीवा० ३, १;

स्नानावण. न० (स्नापन) स्नान करवुं ते स्नान करना; न्हाना. Bathing परा० १, ३;

नावा. स्त्री० (नौ) नाव; छोड़ी; नौका. नाव; नौका. A boat. दस० ७, २७; ३८; भग० १, ६; अंगुजो० १३१; आया० २, ४, २, १३८; पिं० नि० ३३०; उवा० ७, २१८;

—पुड. पुं० (—पुट) नावना आकारे करेल हथेलीनो आकार; धोयो. नाव की आकृति जैसा बनाया हुआ हथेली का आकार; अंजलि. a form of a palm of hand like

the shape of a boat. निमी० ४, ७६; —बन्ध. पुं० (-बन्ध) छोड़ीनी पेठे
 ७५ सांधेपु ते नाव के समान बन्ध जोड़ना
 tying of knots like a boat
 आघ० नि० ४०२; —(च) संठिय. त्रि०
 (-संरिधत) नावाना सहायु-आकारपुं
 नाव के आकार का. having a shape
 like that of a boat. प्रव० ५३६;
 नाविअ पुं० (न विक) पलारी; नाव खलाव
 ना२ नाव चलानेवाला; नाविक A boats
 man. भग० ५, ४, अणुजो० १३१; उत्त०
 २३, ७३.
 नास. पुं० (न्यास) थापणु; निक्षेप. निक्षेप,
 धरोहर Deposit विशेष० ८४९; पचा०
 १, ११; —हरण न० (-हरण) थापणु
 ओलवणी ते धरोहर का हरण करना re-
 moving of deposit पचा० १, ११;
 नास पुं० (नाश) नाश; विनाश विनाश;
 नाश Destruction उत्त० २, २०;
 —विरह. पुं० (-विरह) मृत्युतो विरह
 काल, अमृत वपत सुधी कैरि भरे नही ते
 मृत्यु का विरह काल; अमृत काल तक किसी
 की मृत्यु का न होना the separation
 time of death; that time in
 which one cannot die. प्रव० ४१.
 नासग. पुं० (नाशक) नाश करनेवाला नाश
 करने वाला Destroyer. नदी० स्थ० १०;
 नासण. न० (नाशन) नाश करनेवाला नाश
 करना. Destroying सु० च० ३, ७१;
 (२) पलायन. नाशीण्युं ते पलायन,
 भाग जाना. running away प्रव० ४६०;
 ६४५, आया० नि० १, ६, १, २३४;
 नासणा. स्त्री० (नाशन) विनाश. विनाश
 Destruction. क० गं० १, ५६;
 नासा. स्त्री० (नासा) नासिका; नाक. नाक,
 नासिका. Nose. ओष० नि० ७१२;

अणुजो० १२८, भग० ७, ६; नाया० १;
 उवा० १, ५४; —अरिस. न० (-अर्शस्)
 नाकतो ओकरोग; नाकतो भरो. नाक का
 मसा; नाक का एक रोग. an ulcer in
 a nose; a kind of nose disease.
 विशेष० २०५;
 नासि. त्रि० (नाशिन्) नाशयन्त नाशवन्त.
 Destructible. विशेष० १६८१; ३१५४;
 नासिका स्त्री० (नासिका) नासिका; नाक
 नासिका, नाक Nose. राय० १६४, नाया० ८;
 नासिय. न० (नष्ट) नष्ट थयेन नष्ट. Des-
 troyed. भग० ४२, १;
 नासिया. स्त्री० (नासिका) नाक. नासिका,
 नाक. Nose प्रव० ४३९;
 नाह पु० (नाथ) स्वामी; मालिक; नायक.
 स्वामी; मालिक, नायक Master; lead-
 er, chief. राय० २३, ओष० १२; सम०
 १; सु० च० १, १०३; पचा० ११, ११;
 नाहि अ० (नाहि) नहीं. नहीं. No. भग०
 ३, २.
 नाहि स्त्री० (नाभि) दुग्दी. नाभि The
 navel. सु० च० १, ४६, उवा० २; ६४;
 —मंडल. न० (-मण्डल) नाभिमंडल.
 नाभिमंडल the navel प्रव० २५५;
 नाहिय पुं० (नास्तिक) नास्तिक नास्तिक
 An atheist. “ नाहियवाहं पृच्छे ”
 दस० नि० १, ७८, ८०; गच्छा० ८२;
 —दिष्टि. त्रि० (-दृष्टि) नास्तिकदृष्टि वाला.
 नास्तिक दृष्टि वाला (one) of
 atheistic point of view. दसा० ६,
 ३. —पण त्रि० (-प्रज्ञ) ज्ञानी ज्ञाता ज्ञेनी
 बुद्धि नास्तिक ज्ञाय ते. ज्ञानी होने पर भी
 नास्तिक बुद्धिवाला (one) who is
 an atheist though learned.
 दसा० ६, ३; —वाद पु० (-वाद)
 नास्तिकवाद नास्तिकवाद. atheism.

गच्छा० ८२; —वादि. त्रि० (—वादिन्)
 नास्तिकवादिन्; नास्तिक मतवाला. नास्तिक
 वादी, नास्तिक मत वाला. an atheist;
 belonging to atheism. दसा० ६, ३;
 निश्रंख. पुं० (नितम्ब) पर्वतको उपरनी
 भाग. पर्वत के ऊपर का हिस्सा. The
 upper part of a mountain.
 श्लो० नि० ४०;

निश्रग. त्रि० (निजक) पोतानुं. निज का.
 Ones' own. कप्प० ६, १६१; —परि-
 चार. पुं० (—परिवार) पोतानो परिवार.
 निज का परिवार. one's own family.
 जं० प० २, ३३;

निश्राद्धि. न० (निवृत्ति) आठमुं नियट्ठि आदर
 गुणस्थानक. आठवां नियट्ठि बादर गुण-
 स्थानक. The 8th Niyattṭhi Bādara
 spiritual stage. क० गं० २, २;

निश्रम. पुं० (नियम) निश्चय निश्चय; नियम.
 Resolution; rule. प्रव० ५३१; गच्छा०
 २६;

निश्रमिञ्च. त्रि० (नियमित) निर्माण करेले,
 रच्येले. निर्माण किया हुआ; रचा हुआ.
 Created; produced. क० गं० ६, ६३;

निश्रय त्रि० (नियत) नित्य; शाश्वत; स्थिर.
 नित्य; शाश्वत; स्थिर. Eternal; steady;
 everlasting चउ० २०;

निश्रालिञ्च. त्रि० (निगडित) बधनथी
 बाधेले. बन्धन से बधा हुआ. Bound;
 imprisoned. प्रव० २२४;

निहञ्च. त्रि० (नित्य) नित्य; स्थिर. नित्य;
 स्थिर; वह जिस का कभी विनाश न हो.
 Steady; eternal. सूय० १, १, ४,
 ६; श्लो० नि० १०५; आया० १, ४,
 १, १२६; (२) न० ६२२०७; प्रतिदिन.
 प्रतिदित; नित्य. daily; always. आया०
 २, १, १, ६;

✓ निउंज. धा० II. (नि+युज्) ओडपु,
 नियोजन करपुं; संलग्न करपुं. जोड़ना.
 नियोजन करना; संलग्न करना. To join;
 to unite; to attach.

निउजेसि. सु० च० १, ३४३;

निओदुं. हे० कृ० उत्त० ३६, ६;

निउंजमाण. व० कृ० सूय० १, १०, ५;

निउण त्रि० (निपुण) अतुर; प्रवीण; ज्ञाता
 चतुर; प्रवीण; स्याना Wise; clever;
 skilful. दस० ६, ९, १० नि० २७०; सु०
 च० १, १; जीवा० ३, १; भग० ६, ३३; नाया०
 १; कप्प० ४, ६१; २, १४; पंचा० ११, २०;
 ३, ३१; गच्छा० ७; ७८; उवा० ७, २१६;
 —उवविञ्च. त्रि० (उपचित) अतुर पुश्चे
 रच्येले, अनावेले. चतुर पुष्प द्वारा बनाया
 हुआ. made or arranged by a
 wise man. जं० प० ५, ११५; कप्प०
 २, १४;

निउत्त. त्रि० (नियुक्त) गोठवेले; येन्नेले.
 जुटाया हुआ, योजित. Arranged; ap-
 pointed. विशेष० ३८८; उत्त० २६, १०.

निउय पुं० (निगोद) निगोदीआ श्वपुं
 शरीर. अनन्तकायी निगोदिए जीव का शरीर.
 A body of multi-bodied Nigo-
 diya soul. जीवा० ६;

निउरंव. न० (निकुरम्ब) समूह; जथे.
 समूह; जथ्या. Host; group परह० १,
 ४, भत्त० १५;

निउरंवभूय. त्रि० (निकुरम्बभूत) समूह-
 धारापे ओकत्र थयेले. समूह-वटा रूप से
 एकत्रित. Grouped; accumulated.
 नाया० २; ११;

निश्रोम पुं० (नियोग) आज्ञा, हुकूम. आज्ञा.
 निर्देश. Order; command. (२)
 नियम नियम regulation विशेष०
 १३८५; १८७६; स्या० ८८; (३) व्यापार.

व्यापार. business. जं० प० ३, ६७;
 पंचा० ४, २१;
 निश्रोय. पु० (निगोद) अनंतकाय अथ.
 अनन्त काय जीव Many bodied-
 soul. भग० २५, ५;
 निश्रोयग. पुं० (*निगोदक) निगोदीया
 अथुं शरीर. निगोदिए जीव का शरीर. A
 body of Nigoda being (veget-
 able kingdom many-bodied
 soul). भग० २५, ५;
 नित. त्रि० (नीत) अंश जवाभां आवेल ले
 जाया हुआ. Carried सू० १, १, २, १६;
 ✓ निंद. धा० I. (निन्द) निंदतुं; निंदा
 करवी. निन्दा करना. To censure.
 निंदति. सू० २, १८, १७;
 निंदति. अंत० ६, ३;
 ✓ निंद. धा० I. (निन्द) निन्दा करवी.
 निन्दा करना. To censure, to blame.
 निंदह. सू० २, २, २०;
 निंदति. नापा० ८;
 निदिजमाण. क० वा० व० क० नापा० ८, १६;
 निदेजा. वि० वेय० ४, २५;
 निंद. आ० दस० ४;
 निंदह आ० भग० ५, ४, ११, १२;
 निदिहिति भ० भग० १५, १;
 निदिहत्तप. हे० क० ठा० २, १;
 निदिता सं० क० भग० ५, ६; आया० २,
 १५, १७८;
 निदेता. ठा० ३, १;
 निदिजमाण. क० वा० व० क० भग० ३, १;
 निंदण्या. स्त्री० (निन्दना) आत्मान्नी साक्षिथे
 पोत ना दोषोनी निन्दा करी पश्चात्ताप करवाते.
 आत्मा की साक्षी से अपने दोषों की निंदा कर
 पश्चात्ताप करना Repenting after
 censuring one's own fault,
 keeping the soul as a witness.

उत्त० २६, २;
 निंदण्या. स्त्री० (निन्दना) निंदा; दोष निरीक्षण;
 पश्चात्ताप. अपने ही दोषों का निरीक्षण, पश्चा-
 ताप. Repentance; seeing one's
 fault. राय० २५५; विशेष० ६०२; अणुजो०
 ५८;
 निंदा. स्त्री० (निन्दा) निन्दा. निन्दा. Cen-
 sure. उत्त० २६, ६;
 निंदुय. त्रि० (निंदुत) जन्मतां भरेल; भृत
 जन्मेल. जन्म धारण करते ही मृत्यु प्राप्त, जन्म
 से ही मृतक. Born dead विवा० २,
 निंब पुं० (निम्ब) लींथोडा. निम्ब. Nima
 tree उत्त० ३४, १०, ओघ० नि० ७७०;
 पन्न० १; भग० ८, ३; —रस. पुं० (—रस)
 लींथोडो रस. निम्ब का रस. the juice
 of Nima tree. क० गं० ५, ६५;
 निंबश्च (निम्बक) ओ नामनो भाणुस. इस
 नाम का मनुष्य. A man so named.
 अणुजो० १३१;
 निंबकरय. पुं० (निम्बकरज) ओ नामनुं ओक
 आ० इस नामका एक वृक्ष. A tree so
 named. पन्न० १;
 निंबु पुं० (निम्ब) ओ नामनुं वृक्ष; लींथोडा
 इस नाम का वृक्ष; निम्ब A tree named
 Nima जीवा० १;
 निकर. पुं० (निकर) समूह. समूह. A
 group. जं० प०; ओव० कप० ३, ४६;
 निकरण. न० (निकरण—निकरण निकार
 शरीर मानस दुःखोत्पादनम्) कष्टनि पणु
 शारीरिक या मानसिक दुःख उत्पन्न करतु ते
 किसीको भी शारीरिक या मानसिक दुःख देना.
 Causing physical or mental
 affliction to anyone. आया० १, २,
 ६, ८७; (२) कारण कारण. reason;
 cause. भग० ७, ७;
 निकरणया. स्त्री० (निकरणया) शारीरिक अने

मानसिक दुःखकी उत्पत्ति. शारीरिक और मानसिक दुःखकी उत्पत्ति. The origin of physical and mental affliction.

आया० १, २, ६, ६७;

निकरणा. स्त्री० (निकरण) निर्णय; निश्चय. निर्णय, निश्चय. Resolution; decision.

आया० १, १, ३, २६;

निकस. पुं० (निकष) सेतुं धसवानी कसौटी. सुवर्ण को घिसने की कसौटी. Touch-stone. अणुजो० १४७;

निकसात्र. पुं० (निष्कपाय) जम्बूद्वीपना भरत पञ्चमाथना १३मा तीर्थंकर जम्बू द्वीपान्तर्गत भरतखंड में होनेवाले १३वे तीर्थंकर. The 13th Tirthankara to be born in Bharata Khanda of Jambūdvīpa. सम० प० २४१; प्रव० ४७०;

✓निका. धा० I. (नि + कच्) कठिन करने कठिण करना, कडा बनाना. To harden निकाह. भग० १, १,

निकाहसु. सूय० ५, १, १८;

निकात्र. पुं० (निकाय) समूह; जथा समूह; जथा A group; a host अणुजो० ५७; ओघ० नि० ७४७; पि० नि० २,

✓निकात्र धा० I. (नि + कच्) आभित्रण आपवुं, निभत्रण देवुं निमत्रण देना To invite

निकायण. सम० १२,

निकाहत्रय त्रि० (निकाचित) निर्युक्ति, हेतु, उदाहरणदि द्वारा व्यवस्थापित करेव. निर्युक्ति, हेतु, उदाहरणदि द्वारा व्यवस्थापित. Established by an appropriate passage from a scripture, cause and illustration etc. “सूयण्डे अज्झयणे धम्मं पि निकाहतं” सूय० नि० १, ६, १०२; नंदी०

४५; परह० १, ५: (२) अत्यंत गाढ़ अध्यवसाय वडे आधिल कर्म के जे इलरूपे भोगव्या विना नाश थाय नहिं ते. अत्यन्त गाढ़ अध्यवसाय से बांधे हुए वे कर्म जिनको फल रूप से भुगते विना कालान्तर में भी नाश नहीं होता. a very strong bondage of Karmas due to energetic activity, which can not be set aside unless it is endured in full विशेष० २५१३;

निकाइया. स्त्री० (निकाचना) कर्मो निश्चित पन्ध कर्म का निकाचित बध. A very strong bond of Karmas क० प० ५, ७२;

निकाम. न० (निकाम) अत्यन्त, अतिशय. अत्यन्त, अतिशय. Too much. (२) निश्चय. निश्चय. decision. सूय० १, १०, ८; —कामीण. पुं० (—कामीन —निकाममत्यर्थ प्रार्थयते यः स निकामकामीन) आहार उपकरण आदिनी अत्यंत छद्म राभनार आहार उपकरण आदि की अत्यन्त इच्छा रखनेवाला. (one) too much desirous of getting means of livelihood सूय० १, १०, ५, ८; —चारि. त्रि० (—चारिन् —निकाममत्यर्थ चरति तच्छीलश्च निकामचारी) आधा कर्मादि निमित्ते अत्यन्त करनेार आधा-कर्मादि निमित्त अत्यन्त फिरने वाला. (one) moving about too much for receiving faulty food etc. सूय० १, १०, ५;

निकाय. अ० (निकाच्य) व्यवस्थापन करीने. व्यवस्थापन करके. Having arranged. आया० १, ४, २, १३३;

निकायणा. स्त्री० (निकाचना) आह्मांतु डाँध पणु करणु प्रयत्नी न शके ओवी अव-

स्थाभां कर्म ने स्थापवाले. आठ में से कोई भी करण प्रवर्त न सके ऐसी अवस्था में कर्म को स्थापन करना. Establishing Karmas in such a state that no means out of the 8 can urge them. क० प० १, २;

✓निकुट्ट. घा० II. (नि + कृव) कुट्टुं; भारुं. मारना; पीटना. To beat; to strike.

निकुट्टेद. उवा० २, ११०;

निकुट्टेमि. उवा० २, १०८.

निकुरंघभूय. त्रि० (निकुरम्बभूत) उपद्रवथी रहित. उपद्रव रहित. Free from trouble. भग० १३६; १५, १;

निकेत. न० (निकेत) आश्रय; स्थान; उपाश्रय. Abode; residence. उत्त० ३२, ३;

निक. त्रि० (-) निर्मल. मलसे रहित.

Free from dust; clear. नाया० १,

निकंकड. त्रि० (निष्कंटक) कटक रहित; विघ्नरहित. निष्कंटक; विघ्नरहित. Free from obstructions. भग० २, ८; पञ्च० २;

निकंखिय. त्रि० (निष्कांक्षित) आकांक्षा-अलिखाया विनाशुं. आकांक्षा-अभिलाषा हीन. Free from desires भग० २, ५; पञ्च० १; उत्त० २८, ३१; प्रव० ७०; २६६; पचा० १६, २४;

निकटक. त्रि० (निष्कण्टक) अशयल-विघ्न रहित विघ्न रहित. वे रोक टोक. निर्विघ्न. Free from obstructions. गाण० ४;

निकप. त्रि० (निष्कम्प) अशयल; स्थिर. अचल स्थिर. Steady, still. सु० च० ३, १.

निक्रम न० (निष्कर्मव) कर्म रहित-भोक्ष. कर्म रहित; मोक्ष. Without actions; salvation आया० १, ४, ३, १३६;

—दंसि. त्रि० (-दर्शिन्) सर्व कर्म रहित; आत्माने ज्ञेय; आत्मज्ञ. सर्व कर्म रहित; आत्मा को देखने वाला; आत्मज्ञ. free from all actions; (one) who sees the soul. आया० १, ३, २, ४;

निक्रमण. न० (निष्क्रमण) नीकलपुं. निकलना. Departing. भग० ६, ३३;

निकल. त्रि० (निष्कल) कलाहीन. कला हीन. Artless. सु० च० १, १;

निकसाय. पुं० (निष्काय) जुओ। “ निकसाय ” शब्द. देखो “ निकसाय ” शब्द. Vide “ निकसाय ” सम० प० २४१; प्रव० २६६;

निकारण. न० (निष्कारण) कारणविना. निष्कारण; कारण रहित. Without reason or cause. पि० नि० ५१६; सु० च० २, ६४; प्रव० १०६;

निकारणअ. त्रि० (निष्कारणक) कारणविना. कारण रहित. Without cause. विशेष० १००६;

निकारणओ. अ० (निष्कारणतस्) कारणविना. कारण रहित. Without cause. विशेष० ६७;

निकालेउं. अ० (निष्काश्य) हटाने निकाल कर. Having removed. सु० च० १, १६७,

निकिट्ट त्रि० (नि कृष्ट) अधम; नीच अधम, नीच. Low, vulgar. विवा० ३.

निकिरिअ. त्रि० (निष्क्रिय) क्रिया रहित; अक्रिय क्रिया रहित, अक्रिय. Inactive विशेष० १९५४;

निकिविया खी० (नि कृपता) निर्दयता निर्दयता; क्रूरता. Cruelty प्रव० ६५२.

निष्खंत. त्रि० (निष्कान्त) नीकलेल; आहार आवेल; संसारथी लागेल; दीक्षित थयेल.

निकला हुआ; संसार से निकल भागा हुआ;
दीक्षित. Consecrated; deported.
दस० ८, ६१; वव० ८, १२; सू० १, ८,
२४; आया० १, १, १, १६; १, ६, ४, ११;
अणुजो० १७; उत्त० १८, १६; २५, ४२;
वेय० १, ३८; भग० ८, ६; सु० च० ३, २१४;
✓निकलम. धा० I, II. (निरुक्तम्)
नीकलवुं; दीक्षा लेवी. निकलना; दीक्षा लेना.
To depart; to be initiated.
निकलमह. भग० २, १; सू० ५० १;
निकलमेह. निसी० ८, १४;
निकलमे. वि० दस० ५, २, ४;
निकलम. आ० उत्त० २५, ३८;
निकलमितए हे० कृ० वेय० १, ४७; दसा०
७, १; वय० ८, ५;
निकलमाण. व० कृ० सम० ८२;
निकलमंत. आया० १, ६, ४, १८८; उत्त०
३२, ५०;
निकलम्म. सं० कृ० आया० १, २, २, ७५;
१, ५, ६, १६६; दस० १०, १,
१, २०;
निकलम. पुं० (निष्कम) नीकलवुंते; दीक्षा
लेवी निकलना; दीक्षा लेना. Depart-
ing, entering an order. उत्त०
२५, ३८; —अभिसेअ. पुं० (—अभिषेक)
दीक्षा महोत्सव. संसार को त्यागने के समय
होने वाला उत्सव; दीक्षा महोत्सव. a festi-
vity at the time of renoun-
cing the world विवा० १;
निष्कलमण. न० (निष्कमण) आली नीकलवुं;
संसार छोड़ी दीक्षा लेवी. चल पडना; संसार
त्याग कर दीक्षा लेना. Starting out;
renouncing the world and
entering an order. राय० ८५; अंत०
५, १; गणि० २२; जीवा० ३, ३; परह० २,
३, कप्प० २, १६, ६, १०६; प्रव० ९;

—पुण्डग. पुं० (—प्रयोग) दीक्षाने।
प्रयोग. दीक्षा का प्रयोग. the appli-
cation of initiation. भग० ६, ३३;
—मह. पुं० (—मह) दीक्षाने उत्सव. दीक्षा
के समय का उत्सव. a festivity at
the time of initiation. भग० ३,
१; —महिमा. पुं० (—महिम्न) दीक्षानी
महिमा-गौरव. दीक्षा का गौरव. the
glory of initiation. भग० १६, २;
निष्कलमिउमण. पुं० (निष्कलान्तुमनस्)
नीकलवाना छुछावाले। निकलने की इच्छा
वाला; जाने की इच्छा वाला. One
desirous of departing. विशेष०
२६८८;
निष्कलत्त. त्रि० (निक्षिप्त) अपेक्षाना दश
दोषमाने। त्रीन्ने दोष ने सञ्चित वस्तु उपर
राभेली वस्तु लेवायी लागे छे. एषया के
१० दोषों में से तीसरा दोष कि जो सञ्चित
वस्तुपर रक्खा हुई वस्तु लेने से लगता है.
The 3rd of 10 flaws of Esāṇā
which accrues through accept-
ing a thing placed on a
conscious object. (२) भुकेल;
राभेल. रक्खा हुआ. deposited;
kept. सू० २, ७, १३; पिं०
नि० ५२०; भग० ७, १; १७, २; दस० ५,
१, ५६; ६१; नाया० १; पंचा० १३, २६;
प्रव० ५७६; —चरअ. पुं० (—चरक)
रांधवाना वासलुभांथी अहार कडाउल होय
तेअ लेवुं अवे। अणिअह करनार. रमोई के
पात्र में से बाहर निकाल कर रक्खा हो
बही लेना एसा अभिमह वाला. (one)
who has taken the vow of
accepting that alone which
is kept out of a cooking uten-
sil. परह० २; १, आव० १६; —भर.

त्रि० (-भर) कुटुम्ब विगरे उपर कार्यतो
भार भुझी छुटे थयेलो. कुटुम्ब वगैरह के
ऊपर कार्य का बोझ रख कर अलग होने
वाला. (one) who has separated.
placing the burden of work
on a family. पंचा० १०, ३०;

निर्विखतसत्थ. पुं० (निचिसशख) अरवत
क्षेत्रमां आधु अवसर्पिणीमा थयेल भारमां
तीर्थकर ऐरावत क्षेत्र में वर्तमान अवसर्पिणी
में हुए बारहवें तीर्थकर. The 12th
Tirthankara born in the cur-
rent aeon of decrease. सम० प०
२४०;

✓ निर्विखव. धा० I. (नि+खिप्) ई क्पुं;
तछ्छेपुं, नीचे मुक्पु. फेंकना; त्याग देना;
नीचे रखना. To throw; to aban-
don; to put down.

निर्विखवह. तिसी० १६, २०; जं० प० ५,
१२३;

निर्विखवेला. वि० उत्त० २४, १४;

निर्विखेव. वि० अणुजो० ८; आया० १, ४,
१, १२७;

निर्विखव. आ० वव० ४, १३;

निर्विखविस्सामि. भ० अणुजो० ७;

निर्विखविस्तु. स० कृ० दस० ५, १, ४२;

निर्विखवमाख. व० कृ० भग० ७, १७;

निर्विखेवमाण. व० कृ० भग० ३, ३;

✓ निर्विखप्प. धा० I (नि+खिप्) लुओ।
“ निर्विखव ” शब्द देखा “ निर्विखव ”
शब्द. Vide “ निर्विखव ”

निर्विखप्पह. पि० नि० ३४०.

निर्विखव. पु० (निक्षेप) स्थापन करपु.
मुक्पुं स्थापन करना. रखना. Establish-
ing; putting. उत्त० १२, २;

निर्विखवण न० (निक्षेपन) मुक्पु; ई क्पुं.
रखना; फेंकना Placing; throwing

पंचा० १, ३२;

निर्विखुड. पु० (निष्कुट) घरनी पासैनुं वन;
मकान के समीपका बन. A forest near
a house. विशेष० १२३८; (२) गोरप्प
वगेरे स्थान ज्यौडी वगैरह स्थान; गोखडा.
a balcony; entrance. पञ्च० २; (३)
भरत आदि क्षेत्रना ओइ विभाग-खंड. a
territory in Bharata etc.
regions. जं० प० ५, ११५;

निर्विखेव्व. त्रि० (निक्षेप्य) छोडवा योग्य;
निक्षेप करवा योग्य. त्यागने योग्य; निक्षेप
करने योग्य. Fit to be abandoned;
to be set aside. विशेष० ६५७;

निर्विखेव. पु० (निक्षेप) थापलु; राभेलु
धन पूंजी, एकत्र करके रक्खा हुआ धन.
Capital; accumulated wealth
परह० १, २; भग० १२, १०; १५, १; १८,
३, पि० नि० २, ओघ० नि० ७१०; विशेष०
६१२; उवा० १, ६०; ७, २३०; (२)
निक्षेप, अभि दलितानो निक्षेप करवा ते.
निक्षेप; कर्म दल का निक्षेप करना. put-
ting down of the bond of
Karmas क० प० ३, २; (३) शब्दार्थ
व्यापार, नाम, स्थापना, द्रव्य अपने भाव ओ
आर प्रकाशना निक्षेप. शब्दार्थ व्यापार;
नाम, स्थापना, द्रव्य और भाव आदि
चार प्रकार के निक्षेप. the use of
meaning of words; Niksepa
of 4 kinds. अणुजो० ८; ५६; (४)
अणुजोगद्वार सूत्रना बीन्ने भेद. अणुजोग
द्वार सूत्र का द्वितीय भेद the 2nd
variety of Anujogadvāra
Sūtra अणुजो० १२४; (५) मुक्पुते
रखना. placing. प्रव० ५२२; ६४३;
निर्विखेवञ्ज. पुं० (निक्षेपक) निगमन उप-

सं३१२. निगमन; उपसंहार. Conclu-
sion. भग० ६, ३४; २४, १;

निकलेवण. न० (निक्षेपण) भूकपुं; राप्पपुं.
रखना. Placing. ओव० १७; कप्प० ५;
११६;

निकलेवणया स्त्री० (निक्षेपणा) लुओ
“ निकलेवणा ” श०६. देखो “निकलेवणा ”
शब्द. Vide “निकलेवणा ” उवा० १, २६;

निकलेवणा. स्त्री० (निक्षेपणा) स्थापन
करपुं ते; राप्पपुं-भूकपुं ते. स्थापना करना;
रखना. Establishing; posting;
keeping. भग० २, १; २०, २;

✓ निगच्छ. धा० I. (नि+गम्) लृपुं;
यालपुं. जाना, चलना. To go; to
walk

निगच्छह. विद्या० १; सूय० १, १, १, १०;

निगच्छहत्ता. सं० कृ० भग० २, ५;

निगच्छत्तित्ता. सं० कृ० भग० ३, १;

निगच्छमाण. व० कृ० निसी० ६, ८;

✓ निगह. धा० I. (नि+गृह्) निअह
करवे; दमन करपुं निग्रह करना; दमन करना.
To restrain; to subdue.

निगहहाइ. उत्त० २८; ३५;

निगम. पुं० (निगम) जेभां व्यापारी वधारे
रहेता होय ते नगर; व्यापारीओनु निवास
स्थान. जिसमें व्यापारी अधिक रहते हों
वह नगर; व्यापारियों का निवासस्थान. A
town where a majority of
merchants live; the abode of
merchants. राय० २५३; भग० १, १;
उत्त० ३०, १६; सूय० २, २, १३; वेय० १,
६, (२) वैश्य; व्यापारी. वैश्य, व्यापारी
a merchant. नाया० २; सम० ३०,
ओव० कप्प० ४, ६२;

निगर. पुं० (निकर) समूह; जस्थो समूह;
जस्था. A group. अणुजो० ५७; नाया०

१; उवा० २, १०७;

निगरित. त्रि० (निकरित) सज्ज करेले.
सज्ज किया हुआ; एकत्रित Made
ready; equipped. जं० ५०

निगरिय. त्रि० (निगलित) शोधित; गाणीने
शुद्ध करेले. शोधित; छान कर शुद्ध किया
हुआ. Purified by filtering परह०
१, ४;

निगाइअ. पुं० (निगाचित) भोगव्या विना
भीछरीते छुटे नही तेवो भोगभूत कर्मवन्ध.
मजबूत कर्मवन्ध. जिस के फल विना
उदय हुए रहते ही नहीं, यानी जिसका परा
भव तपश्चर्या आदि से नहीं हो सकता इस
प्रकार का कर्मवन्ध. A firm bondage
of Karmas which cannot be
otherwise out off than enduring
it. ठा० ४; २;

निगाम. न० (निकाम) अत्यंत, धातु; अतिशय;
हृदयपरान्त. अत्यन्त; बहुत, अतिशय; हृद से
जियादा. Too much; excessive.
दस० ४, २६; आव० ४, ४; —साइ त्रि०
(-शायिन्) धरणा पूर्वक धलीज निद्रा
लेना२. इच्छा पूर्वक अत्यन्त निद्रा लेने वाला.
one who sleeps soundly at his
will. दस० ४, २६, —सिजा. स्त्री०
(-शय्या) प्रमाण उपगंतनी सस्था-पथारी
प्रमाण से अधिक बड़ी शय्या-विद्याना. a
bed more than the measure.
आव० ४, ४;

निगिभिय सं० कृ० अ० (निगृह्य) ग्रहण करीने;
पकडीने. ग्रहण कर के. पकड़ कर. Having
accepted or caught. कप्प० ६, ३२;
वव० ६, ७;

निगिट्ट. त्रि० (निकृष्ट) अधम; नीच. अधम;
नीच Low; mean. सु० च० ८, १७१;

निगिण त्रि० (नग्न) नग्न; नागो. नग्न; नगा, वस्त्र हीन. Nude; naked आया० २, २, ३, ३७;

✓निगिण. धा० 1. (नि+गृह्) पकड़वु ग्रहण करतुं. पकड़ना; ग्रहण करना. To catch; to accept

निगिणहइ. भग० ७, ६;

निगिणहइ. भग० ६, ३३;

निगिणहइत्ता. सं० कृ० भग० ७, ६; ६, ३३;

निगोहइत्ता. भग० ६, ३३.

निगुंज. पुं० (निकुञ्ज) लतानो भांडवे. लता का गंडप A bower of creepers. सु० च० ६, ३०; ओष० नि० ४०;

निगुहिय. त्रि० (निगुहित) ढाँकेलुं, छुपावेलुं; ढंकाहुआ, छिपायाहुआ. Covered; concealed पंचा० १५, २१;

निगूढ. त्रि० (निगूढ) गुप्त; नहिं देखाय तेलुं. गुप्त, अदृश्य. Secret; invisible कण्व० ३, ३५,

✓निगूढ. धा० I. (नि+गूह्) ढाकतुं; अ-ध-राभवु ढाकना; बंद रखना. To cover; to conceal.

निगूहे. वि० दस० ८, ३२;

निगोअय पु० (निगोद) अनंतकाय जीव. अनन्तकाय जीव A many bodied soul भग० ७, ६. प्रव० १४१८, क० प० २, ६४, —जीव. पुं० (-जीव) निगोदना जीव. निगोद के जीव. the souls of a Nigoda (a particular vegetable kingdom) क० ग० ४, ८८;

निगोअ-य. त्रि० (निगोदक) निगोद, भूक्षम आदर अनन्तकायना शरीर. सूक्ष्म बादर अनन्त काय के शरीर. A vegetable kingdom in which one body contains infinite souls. क० ग० ४, ८५,

निगमाअ-य. त्रि० (निर्गत) नीकलेल; दूर थयेल. निकला हुआ; दूर गया हुआ. Departed; gone far away. दस० ५. ७; अणुत्त० १, १; भग० २, १; निर० २, १; निसी० ६, १०; उत्त० २७, १२; नाया० १, २, प्रव० ४६०;—जस. त्रि० (-यशस्) जेने। यश नाश पाभ्यो होय ते. जिसका यश नष्ट हुआ हो वह, नष्टकीर्ति. (one) whose fame is lost विवा० ३;

निगइ. पुं० (निर्गति) ओ नाभनो ओक अत्येक बुद्ध, के जेने आआनी पलटायेली दशा जेष्ठ वैराग्य थयो ते. इस नामका एक प्रत्येक बुद्ध कि जिसको आम्रफल की पलटी हुई दशा को देखने से वैराग्य उत्पन्न हुआ. A Pratyeka Buddha so named who became an ascetic at seeing the changed state of a mango. उत्त० १८, ४५;

निगमंथ. पुं० (निर्ग्रन्थ) परिग्रहनी अथवा रागद्वेषनी ग्रंथि-गाढ रहित; साधु. परिग्रह अथवा रागद्वेष की ग्रन्थि-गठन रहित; सर्वस्व त्याग करने वाला साधु. Possessionless or passionless ascetic. निर० ३, ४, वव० ७, १, २०; ११; १६; दसा० ५, ६; १०, १, दस० ३, १; ६, ४, भग० १, ६; २, १, ७, १; २२, ३, राय० ७८; वेय० १, १, ३७; सूय० २, ७, ३, आया० २, ५, १, १४१, ओव० १५; पि० नि० १४५; ४४५, पण्ह० २, ३; उवा० २, १०२; ६, १७५, कण्व० २, १२६; प्रव० २१; ७२६, —निस्सा ली० (-निश्चा) साधुनी निश्चा. साधु की निश्चा. the support of an ascetic वव० ७, १२; १३; —पावयण. न० (-पावचन) निर्ग्रन्थ वीतरागना प्रकृष्ट वचन, जैन आगम. निर्ग्रन्थ-वीतराग के प्रकृष्ट वचन; जैन आगम. the Jaina

sacred scriptures. भग० २, १;

निर्गन्ध. त्रि० (निर्गन्ध) निर्गन्ध संबंधी (धर्म-प्रवचन वगैरे) निर्गन्ध संबंधी (धर्म-प्रवचन वगैरेह). Related to one possession-less ascetic. उवा० १, १२; ७, २२२;

निर्गन्धस्स. न० (निर्गन्धत्व) निर्गन्धपक्षुं. निर्गन्धत्व. The state of being an ascetic. प्रव० २३;

निर्गन्धी. स्त्री० (निर्गन्धी) साध्वी; आर्या. साध्वी; आर्या. A possessionless female ascetic; a venerable lady वव० ३, १२; ४, १७; ३, २०; ७, १; १६; वेग० १, १, ४८; भग० ७, १; ८, ६; नाया० १; आया० २, ५, १, १४१; निसी० ८, ११; कप्प० ६, १२९; उवा० २, ११६, ६, १७६;

निर्गत्त. त्रि० (निर्गत) नीकलेखुं; हूर थयेखुं. निकला हुआ; दूर गया हुआ. Departed. सू० प० १; सम० ६;

निर्गम. पुं० (निर्गम) निकलपुं ते निकलना; निकास. Departure; exit. निवा० ३; पंचा० ६, २१; प्रव० ७२७, ७९६; कप्प० ४, ६२; कप्प० ८;

निर्गमण. न० (निर्गमन) नीकलपुं ते. निकलना. Departure. प्रव० १०७; ७८६;

निर्गमन. न० (निर्गमन) . उत्पत्ति. उत्पत्ति. Origin. विशेष० २३००;

निर्गमय. त्रि० (निर्गत) लुओ " निर्गत " शब्द. देखो " निर्गत " शब्द. Vide " निर्गत " उवा० २, ६२; ३, १२७;

✓निर्गह. धा० I. (नि + गृह्) ढांकपुं; ढायापुं; छुभापुं. ढांकना; ढबाना; छिपाना. To conceal; to subdue.

निर्गहजा. त्रि० दसा० ६, ८; निर्गहहिं. हे० कृ० सु० च० १, ३५१;

निर्गह. पुं० (निर्गह) ढां; शिक्षा; दमन. दंड; शिक्षा; दमन. Confinement; punishment; subduing. भत्त० १६१; परह० १, ३; उवा० १, ५८; गच्छा० ७१; (२) पराजय; वादीने युक्ति छलथी पडवे। ते. पराजय; वादी को युक्ति छल से पकडना. Defeat; overtaking a disputant by a plausible argument. ठा० १; — द्वाण. न० (-स्थान) ऐक प्रक्षारपुं. वादीने पराजय करवानुं स्थान-वचन यातुरी. एक प्रकार का वादी को पराजित करने का स्थान-वाक्-चातुर्य. a flaw in reasoning by which a disputant is vanquished ठा० १;

निर्गुण. त्रि० (निर्गुण) शुल्ल विनातो; भूष०. गुण हीन; मूर्खे Worthless; devoid of merits. दसा० ६, ४; विशेष० ११६८; भग० ७, ६; परह० १, २;

निर्गुण. त्रि० (निर्गुण) शुल्ल हीन. गुण-हीन. Devoid of merits, attributes. भत्त० १४;

निर्गोह. पुं० (न्यग्रोध) निर्गोह परिमंडल संहाल्ल. निर्गोह परिमंडल संहाल्ल. A particular physical constitution, broad in the upper and narrow in the lower portion like a banyan tree. क० गं० १, ४०; (२) पडनुं जाड. बड का फाड. a banyan tree. भग० १, १;

निर्गोहमेडल न० (न्यग्रोधमेडल) जेने नाभि उपरने भाग शास्त्रमां कहेला भ्रमाल्ल जेवुं होय ते छ संहाल्लमांनु ऐक. जिस का नाभि के ऊपर का भाग-शास्त्र में कहे हुए प्रमाण से अधिक न हो वैसे याने पहिले प्रकार के संस्थान के लक्षण वाला शरीर. (One) whose portion of body above

the navel is as described in the scriptures; one of the 6 physical constitutions. अणुजो० ११८; निगोहवण. न० (न्यग्रोधवन) वृक्षां अडेयुं पत. बड के वृक्षों का बन. A forest of banyan trees. भग० १, १;

निगघात्र-य. पुं० (निघात) कर्मना नाश. कर्म का नाश. The destruction of Karmas. सूय० १, १५, २२; निसी० १, १०; (२) गर्जनाते कडोके. गर्जना का प्रचण्ड शब्द. roaring sound. जीवा० ३, ३; परह० १, ३; ठा० १०, १; प्रव० १४७१;

निगघाडण. न० (निघाटन) कडयुं; पडार करवु; पडिपडार निकालना; बाहर निकाल देना. वहिष्कार. Expelling; excommunicating. परह० १, १; गच्छा० ६५;

निगघायण. न० (निघातन) मारयुं. नाश करवो ते. मारना, नाश करना Killing; slaying ओव० १, ५; अणुजो० १३०;

निगिघण. त्रि० (निघृण) निर्दय; घातकी निर्दय, घातकी Cruel, treacherous. परह० १, १; ६; प्रव० १५६६; ठा० १, १;

निगिघणता. स्त्री० (निघृणता) निर्दयपणुं निर्दयता, क्रूरता. Cruelty पंचा० १०, २७;

निगघोस. पुं० (निघोष) आवाज, शब्द. आवाज, शब्द. Sound, note. जं० प० ३, ५२, आया० २, ५, १, १४६; सम० प० २३८, सु० च० २, २०३; भग० १६, ५;

निघंटु. पुं० (निघंटु) ओ नामनो पैदकनो ग्रन्थ इम नामका वैद्यक का एक ग्रन्थ. A medical vocabulary. भग० २, १; कप्प० १, ६,

निघस. पुं० (निकप) कस; कसोटी. कस, कसौटी A touch stone. राय० ५४,

जीवा० ३, ४; भग० १, १; उवा० १, ७६; निघाडिय. त्रि० (निघाटित) कडेलु. निकाला हुआ. Cast out. परह० १, ३; निघातयंत. व० कृ० त्रि० (निघातयत्) कडा-पतो. निकलवाता हुआ. Causing to expel or removing out. निसी० १, १०;

निचय-अ. पुं० (निचय) समूह; जथा. समूह; A group; a host पि० नि० २; राय० ५७; (२) कर्मदलनी रचना. कर्मदल की रचना. an arrangement of strata of Karmas. क० गं० १, ३८,

निचिय. त्रि० (निचित) पुष्ट. मजबूत, निवड. पुष्ट; मजबूत. Fat; strong जीवा० ३; ३; ओव० १०, भग० १, १;

निच. त्रि० (नित्य) नित्य; स्थिर; अपिनाशी. नित्य, स्थिर, अपिनाशी. Always; steady; indestructible विशेष० ३२, ६७; ४५७, ओव० २१; प्रव० १२०४; क० प० १, ४५; २, ७६; (२) अ० निरंतर; हमेशा: सदा. निरन्तर; हमेशा; सदा. constant; always; ever सु० च० १, ३५५; पञ्च० २, उत्त० १, ४४; दस० ६, २३; न० ३, १०, १, १, भग० १, १, क० गं० १, १६०, भक्त० ६६, ६४;—उडआ. स्त्री० (—ऋतुका) नित्य ऋतु-कालवाली नित्य ऋतु काल वाली. always in menses. ठा० ५.२; —उडघाड त्रि० (—उडघाट) नित्य उधेले नित्य खुला हुआ. ever open. विशेष० ४६७, —(चु) उडजुत्त त्रि० (—उडुक्त) नित्य तैयार नित्य तैयार. ever ready. भग० ७, ६; —उडग त्रि० (—उडक) जेभा हमेशा पाणी रहेतु होय ते; अगाध जल वाला जिस में हमेशा पानी रहता हो वह, अगाध जल वाला that which contains water always; having deep

waters. कप्प० ६, ११; —(च्चु)-
उच्चिग. त्रि० (-उच्चिग) नित्य पित्र रहने-
वाला. नित्य खिन्न रहनेवाला; हमेशा उदास रहने
वाला. always gloomy or sorrow-
ful. दस० ५, २, ३६; —भक्त. न० (-भक्त)
हमेशा भोजन करने वाला. हमेशा भोजन करना.
always eating. प्रव० ४६०; —भक्तिय.
पुं० (-भक्तिक) हमेशा ओझ वपत आना
साधु. हमेशा एक ही समय भोजन करने
वाला साधु. an ascetic who al-
ways eats once. कप्प० १, २०;
—संदण. त्रि० (-स्यन्दन) हमेशा पड़ेला.
हमेशा बहता हुआ. ever-flowing. कप्प०
१, ११; —संति. स्त्री० (-सृष्टि) निरंतर
स्मरण. निरन्तर स्मरण. a constant
memory. पंचा० १, ३६; —हियाटिअप्प.
पुं० (-हितस्वितारमन्) जेतुं मन निरंतर
आत्महित करनेवाला आगे लुं होय ते. जिसका
मन निरंतर आत्म हित करने में लगा हुआ हो
वह. (one) whose mind is intent
upon benefitting the soul. दस०
१०, १, २१;

निचं. अ० (नित्यम्) नित्य. नित्य.
Always. नदी० स्य० ६; दसा० ७, १;
निचमंडिया. स्त्री० (नित्यमंडिता) जंभु
सुदर्शनात् नाम. जम्बू सुदर्शना का नाम.
Name of Jambū Sudarśanā.
जीवा० ३, ४;

निचल. त्रि० (निश्चल) स्थिर; मज्जुत.
स्थिर; मज्जुत. Steady; firm. ओष०
नि० ६, १०६; अंत० ६, ३; राय० ३४;
कप्प० ४, ९१; उवा० ७, २१६;

निचसो. अ० (नित्यशः) नित्य; रोज.
नित्य; हमेशा; प्रतिदिन. Daily; always
उत्त० १६, १४;

निचालोक. पुं० (नित्यालोक) नित्यालोक

नामनो ग्रह. नित्यालोक नामका ग्रह. A
planet Nityāloka. ठा० २, ३;
निचिचट्ट. त्रि० (निश्चेष्ट) येषां रहित. चेष्टा
रहित. Motionless. निर० १, १; सु०
च० १, १०६;

निचुजोय. पुं० (नित्योद्योत) ओ नामनो
ग्रह. इस नाम का ग्रह. A planet of
this name. ठा० २, ३;

निचिह. त्रि० (निश्चेष्ट) ज्योति ' निचिह '
शब्द. देखो " निचिह " शब्द. Vide.
" निचिह " प्रव० ६३४;

निच्यइय. त्रि० (निश्चयिक) निश्चय नयथी
वात कहनेवाला; परमार्थ दृष्टिवाला. निश्चय
नय से बात कहने वाला; परमार्थ दृष्टिवाला.
(One) who speaks decisively.
विशे० ३५८६; भग० १८, ६; भक्त० ३, ४;
निच्यण्त. व० कृ० त्रि० (निश्चलत्) पडतो;
ठेथ आतो. गिरता हुआ; ठोकर खाता हुआ.
Stumbling; falling सु० च० २,
५०६;

निच्यय. पुं० (निश्चय) निश्चय; दृढ विचार;
तत्त्वनिर्णय; आशी. निश्चय; दृढ विचार;
तत्त्व-निर्णय; विश्वास. Resolution;
determination; faith; conclu-
sion. सु० च० ७, १२८; पि० नि० भा०
१०, १६; ओष० १६; उवा० १, ५; (२)
निश्चयनय. निश्चयनय. a convincing
stand-point. पंचा० १६, ५०; —त्य.
पुं० (-अर्थ) निश्चयार्थ. निश्चयार्थ. a
determined purpose. सूय० १, १,
२, १६; —नय. पुं० (-नय) निश्चय
नय; वस्तुने परमार्थार्थी ज्ञेयानी ओझ दृष्टि.
निश्चय नय; वस्तु को परमार्थ से देखने की
एक दृष्टि. the stand-point of view-
ing a thing in its reality. पि०
नि० १०६;

निच्छथओ. अ. (निश्चयतस्) वास्तव रीते;
परमार्थी. वास्तविक रीति से; परमार्थ से.
Really; truthfully. विशेष २८५;
गच्छा० ८६;

✓ निच्छल. धा० I. (नि + छल्) छल
विनाशो व्यवहार राखे; अहार काढी देना-
उपुं० छल रहित व्यवहार रखना; बहार
निकालकर दिखलाना. To be straight-
forward, to show by taking
out.

निच्छलइ निसी० १, ८;

निच्छलंत. व० क० निसी० १, ८;

निच्छाया स्त्री० (निच्छाया) छाया रहित.
छाया रहित. Without shade. भग०
६, ३३;

निच्छुउं. सं० क० अ० (निश्चित्य) निश्चय
करीने निश्चय करके. Having decided
सु० च० १, ३१६;

निच्छुऊण सं० क० अ० (निश्चित्य) निश्चय
करीने निश्चय करके. Having resolved.
सु० च० १, १९३;

निच्छुरण. त्रि० (निच्छिन्न) पीनथी लूटुं
करे. दूसरे से पृथक् किया हुआ.
Separated by other. विशेष० २७३;

निच्छुरण. त्रि० (निस्तीर्ण) तरी पार
पाये. तैर कर पार पाया हुआ.
(One) who has crossed.
प्रव० ३०४; —भवसमुद्र. त्रि० (-भव-
समुद्र) संसार समुद्र तरी पार पाये.
संसार समुद्र को तैर कर पार पाया हुआ
(one) who has crossed this
ocean-like world प्रव० ३०४;

निच्छुद त्रि० (निश्छिद्र) जेभां छिद्र न होय
ते. जिस में छिद्र न हो वह. Without
holes. भग० ७, १; सु० च० ६, ७५,

निच्छुय. त्रि० (निश्चित) निश्चय करे

निश्चय किया हुआ; निश्चित Resolved;
decided. सम० ११; —मरणावस्थ.
त्रि० (-मरणावस्थ) जेथे मृत्यु दशाने
निश्चय थये छे ते. जिस को मृत्यु दशा का
निश्चय हुआ हो वह. (one) who has
decided that his death is com-
ing. भक्त० १४;

निच्छीर. त्रि० (नि. क्षीर) दूध रहित. दूध
रहित. Milkless. प्रव० २४६; पञ्च० १०,
अणुजो० १४६;

निच्छुद. त्रि० (*) काढी नाये; विभ-
रे. निकाल दिया हुआ; बिखेर दिया हुआ.
Cast away; scattered. परह० १,
३; पञ्च० ३६;

✓ निच्छुभ. धा० I. (नि + चिप्) डेंडुं.
फेंकना. To throw.

निच्छुभइ. भग० १, ७; पञ्च० ३५, तंदु०

निच्छुभइ. विशेष० ११७०;

निच्छुभ. पुं० (निच्छोभ) लुओ "निच्छुभण"
शब्द. देखो " निच्छुभण " शब्द. Vide.
" निच्छुभण " पिं० नि० ३७३;

निच्छुभण. न० (निच्छोभन) समुदाय मांथी
दूर करे; अहिंसा करे. समुदाय में से
दूर करना; बहिष्कार करना. Excom-
municating. पिं० नि० ४८६; पिं० १०
३७३;

निच्छुय. त्रि० (निच्छुत) सुख समाधिपुक्त
सुख समाधिपुक्त. Possessed of
happy contemplation भग०
१२, १;

निच्छूढ. न० (निष्पूत) थूंकुं. थूकना.
Spitting. विशेष० ५०१; नदी० ३८;
विवा० २; (२) निक्षिप्त; बिभराये;
झेलवे लु निक्षिप्त, बिखरा हुआ; फैला
हुआ scattered; stretched. पञ्च०
३६;

निच्छोडणा. घ्नी० (निच्छोडना) दुलकाध
करनी. हलकापन करना. Causing
lightness. राय० २६६;

निच्छोडिअ वि० (निच्छोडित) धुंधी
नापेहुं. पोंछ दिया हुआ. Wiped. पि०
नि० २७६;

निज. वि० (निज) पोताहुं. निजका; निजी.
One's own. वच० ७, ३;

निजवग्ग. पुं० (निर्यामक) पार पहुँचाउना;
आराधना करना; आराधक. पार पहुँचाने
वाला; आराधना करने वाला; आराधक.
(One) who conveys across;
a devotee. ओघ० नि० २८;

✓ निजुज. धा० I. (निजुज्ज्) जोड़ुं.
जोड़ना. To join.

निजुज्ज वि० दस० ८, ३५;

निजुत्त. वि० (नियुक्त) ठीक ठीक.
बराबर व्यवस्थित किया हुआ; ठीक जमाया
हुआ. Well, properly arranged.
आव० २३;

निज्जरट्ठ. न० (निर्जरथ) क्षम करने भाटे.
कर्म-क्षय के लिये. For the destruc-
tion of Karmas. दस० ६, ४, २,
३; प्रव० १००;

निज्जरट्ठ. वि० (निर्जरथिन्) क्षम करने
करानी धृष्टवादी. कर्मों के क्षय का
इच्छा वाला. (One) desirous of
destroying the Karmas. दस०
६, ४, २, ३;

निज्जरण. न० (निर्जरणा) भरपूर. करना;
Oozing; trickling राय० २२४;

निज्जरणा. स्त्री० (निर्जरण) क्षमनी
निर्जर. कर्म का निर्जर. The decay
or destruction of Karmas. क०
ग० १, १५;

निज्जरत्थ न० (निर्जरथ) क्षम अपावना

भाटे. कर्म का क्षय करने के लिये. For
the purpose of destroying
Karmas. विशेष० १६;

निज्जरा. स्त्री० (निर्जरा) ओछे देशी क्षमने
कर करती ते; नव तत्वभांति सातभुं तत्व.
कर्म क्षय; कर्मों को दूर करना; नव तत्वों में से
सातवां तत्व. Decay or destruction
of Karmas; the 7th amongst
9 realities. पण्ड० २, १; भग० २,
५; ७, ३; ८, ६; उत्त० २८, १४; सम० ५;
सू० प० २, ६, १२; ओघ० नि० भा० १४१;
पि० नि० ६७१; प्रव० ६८; ६८०; गच्छा०
२१; क० प० ७, ६६; —अपेहि. वि०
(—अपेहिन्) निर्जर करने धृष्टवादी. निर्जरा
को चाहने वाला. (one) desirous of
causing decay of Karmas आया०
१, ८, ७, ५; उत्त० २, ३७; —करण न०
(—करण) निर्जर करनी ते निर्जर करना.
the act of causing decay of
Karmas क० प० ७, ५५;

निज्जरिय वि० (निर्जरि) निर्जर करे.
निर्जरा किया हुआ Destroyed;
decayed. भग० ३, ३;

निज्जवग्ग पुं० (निर्यामक) संथारे निर्वाह
कराना; संथारे करेला होय तेने सङ्ग-
देशी ६६ कराना. संथारे का निर्वाह कराने
वाला; संथारा किया हुआ हो उसको सङ्ग-
देश से दूर करने वाला. (One) who
advises other to be firm in
observing Santhārā. भत्त० ४३;

निज्जवणा. स्त्री० (निर्यापना) निर्गमनरूपे
प्ररूपणा; जेम धूम होवाथी अग्निनी
स्थापना निर्गमन रूप से प्ररूपणा; जैसे
धूम होनेसे अग्नि की स्थापना. The
conclusive statement e. g. to
establish that there is fire on

the mountain by the presence of smoke thereon. विशेष० २९३२; निज्जवय. पुं० (निर्यापक) जे सर्व पावन करी शके जेवा प्रक्षरे आयश्चित्त आपनार. जिन्हें सब पालन कर सकें ऐसे प्रायश्चित्त देने वाला. One who prescribes such an expiation which all can undertake. भग० २५, ७;

निज्जह्मित्त. व० कृ० त्रि० (पारित्यजत्) त्याग करतुं. त्याग करता हुआ. Abandoning पि० नि० ६६१;

निज्जाण. न० (निर्याण) राज्म वगैरेने निकलवानो मार्ग. राजा इत्यादि के निकलने का राजमार्ग. A road for kings etc. सू० प० ४; निसि० ८, २; (२) कर्मथी छुटपुं ते; संसारथी निकलपुं ते कर्म से छूटना; संसार से निकलना freedom from Karmas; salvation. आव० ४, ८; —कहा. छी० (—कथा) राज्मनी नगरथी नीकलवानी धामधूमनी वात-वर्णन. राजा के नगर से निकलते-रवाना होते समय की धूमधाम की बात-वर्णन. a story of the procession at the time of the departure of a king. ठा० ४, २; —गिह. न० (—गृह) नीकलवानुं घर. निकलने का मकान the house of departure. निसि० ८, २; —मग्ग. पुं० (—मार्ग) नीकलवानो रस्ते निकलने का मार्ग exit जं० प० ५, ११७, ११८; राय० ७१; नाया १; (२) कर्मथी छुटवानो मार्ग. कर्म से छूटने का मार्ग. the path to be free from Karinas आव० ४, ८;

निज्जामय त्रि० (निर्यामक) मुख्य अध्यासी. जहाज को चलाने वाला; नाविक; मुख्य पुरुष; The captain of a ship. विशेष०

११४५; २६५६; मत्त० १८; (२) संथारे करनारनी परियर्या-सेवा करनार साधु. संथारा करने वाले की परिचर्या-सेवा करने वाला साधु an ascetic who serves (one) who is performing self death. प्रव० १७; ६३७;

निज्जावग. पुं० (नियामिक) जुओ "निज्जवग" शब्द देखो "निज्जवग" शब्द. Vide "निज्जवग" सया० १०८;

निज्जाविचार. त्रि० (निर्यापयितु) निर्वाह करनार; पार पाडनार. निर्वाह करनेवाला; पार लगाने वाला Sustainer; (one) who conveys across. प्रव० ५५२; निज्जिऊण अ० (निज्जित्य) श्रुतीने. जीत कर Having conquered. सु० च० २, ३८२;

निज्जिञ्च. त्रि० (निर्जिण) दूर करेह; निर्जिरेह. दूर किया हुआ; त्याग किया हुआ. Cast aside; abandoned. उत्त० २६, ७१; कण्ठ० २, १७;

निज्जिय त्रि० (निजित) श्रुतेह. जीता हुआ. Conquered उत्त० ३३, ३५; ओव०

निज्जीव पु० (निर्जीव) श्रुय न होय तेवी रीते निश्चेष्ट यनी भुवेला जेवे देखाव करवानी कथा. प्राण न हों ऐसे निश्चेष्ट बन कर मृतक सा दिखाने की कला. The art of showing oneself like a dead man नाया० १; ओव०

निज्जुति. छी० (निर्युक्ति) सूत्रना अर्थनी विशेषरूपे युक्ति लगाडी घटना करती ते; निक्षेप उपोद्घात अने सूत्रस्पर्शिक जेभ तथ प्रक्षरनी निर्युक्ति. सूत्र के अर्थ की विशेष रूप से युक्ति लगाकर घटना करना, निक्षेप, उपोद्घात और सूत्रस्पर्शिक इस तरह ३ प्रकार की निर्युक्ति The explanation of the meaning of a Sūtra

by bringing out its special propriety; three kinds of Nir-yukti. अणुजो० १४०; सम० प० १६८; भग० २२, ३; पि० नि० १; विशेष० १०७०; (२) सूत्रना अर्थनी युक्ति दर्शयितार वाक्य वा ग्रन्थ. सूत्र के अर्थ की युक्ति दर्शाने वाला वाक्य वा ग्रन्थ. a sentence or book showing the propriety of the meaning of a Sūtra. ओघ० नि० १; नंदी० ४५; '

निज्जूट. त्रि० (निर्यूट) शास्त्रभांथी सारांश तारपी काटेल शास्त्र से सारांश छांट कर निकाला हुआ. Extracted; selected purport from a scripture. भग० १, ६; (२) अभनोत्त अभनोत्त. not beautiful. ओघ० नि० ५४८;

निज्जूहण. न० (निर्यूहन) गच्छ ७६२ भुक्तुं ते. गच्छके बाहर रखना. Excommuni-cating from an order. प्रव० १६१;

निज्जूहणा. स्त्री० (निर्यूहणा) विशेष रचना. विशेष रचना Special arrange-ment. विशेष० २५१; (२) नकली करने. निश्चिन करना. resolving. ओघ० नि० भा० २६६;

निज्जूहितव्य. त्रि० (निर्यूहितव्य) निषेध करने जेयुं. निषेध करने योग्य. Fit to be prohibited or contradicted. वेय० ४, २५;

निज्जोग. पुं० (निर्योग) उपकरण Means; instrument. पि० नि० भा० २६;

निज्जोय पु० (निर्योग) योजयुं ते. योजना. Arrangement. भग० ६, ३३;

निज्झर. पुं० (निर्झर) पालिनी ग्रन्थ. जल के फरने-प्रवाह. Currents or springs of water. अणुजो० १३०; भग० ५, ७;

जं० प० १, १०;

निज्झाद्. त्रि० (निर्ध्यायिन्) बार-बार जेवानी जेववायुं. बार-बार देखने की आदत वाला. (One) who habitually sees often. आया० १, ५, ४, १५७;

निज्झाद्त्तार. त्रि० (निर्ध्यातृ) ध्यान करने-वार; ओकाग्रपणुं चिंतयन करने-वार. ध्यान धरनेवाला; एकाग्रतासे चिंतयन करनेवाला. Concentrator; contemplator. सम० ६; उत्त० १६, ४;

निज्झायमाण. व० कृ० त्रि० (निर्ध्यायमान) ध्यान करते. ध्यान धरता हुआ ध्यानस्थ. (One) contemplating or con-centrating. भग० १०; १;

निज्झासद्त्तार. त्रि० (निर्कोषयितृ) क्षमने क्षय करने-वार. कर्म का क्षय करनेवाला. The destroyer of Karma. आया० १, ३, ३, ११७;

निट्टविश्र. त्रि० (निष्ठापित) दूर करेक्ष; क्षय करेक्ष. दूर किया हुआ; क्षय किया हुआ. Set aside; destroyed. प्रव० २१६; गच्छा० ४२;

✓ निट्टा. धा० I (नि+स्था) समाप्तिने प्राप्त होने. To come to an end or completion. निट्टार. विशेष० ६२७;

निट्ठा. स्त्री० (निष्ठा) लक्षित. भावत. Devo-tion सु० च० १, १७८; (२) सिद्धि; समाप्ति सिद्धि; समाप्ति. completion; accomplishment. क० गं० २, ७; (३) निश्चयकारी भाषा. निश्चयकारी भाषा. a decisive speech. आया० २, ४, १, १३२; —जणिय. त्रि० (-जनित) समाप्तिथी यथेक्ष. समाप्ति से बना हुआ. produced from completion. क० प० ७, ५६; —भासि. त्रि० (-भाषिन)

निश्चय करी वयन भोजनार निश्चयात्मक वचन बोलने वाला. (one) who speaks after deciding. आया० २, ४, १, १३२;
 निदृष्टाण न० (निष्ठान) दृष्टि वगेरे भाव वस्तु दर्हा आदि स्वाद्य पदार्थ. Eatables & gouds etc. दम० ८, २२;
 निदृष्टाण त्रि० (नि स्थान) स्थान रहित स्थान रहित Without a place विवा० ३;
 निदृष्टाणग. न० (निष्ठानक) अनुभो " निदृष्टाण " शब्द. देखा " निदृष्टाण " शब्द Vide. " निदृष्टाण " परह० २, ५,
 निदृष्टिक त्रि० (नैष्ठिक) धर्मनी पराकाष्ठा युक्त. सर्व धर्म पर्यंत वर्ति; धर्म का पराकाष्ठा को प्राप्त किया हुआ. (One) reaching the highest point in religion परह० २, ३;
 निदृष्टिय त्रि० (निष्ठित) निष्ठा पामेल; समाप्त करेल निष्ठा पाया हुआ; समाप्त किया हुआ. Firm; devoted to; completed (२) सिद्ध करेल. निपन्नवेस. सिद्ध किया हुआ, पैदा किया हुआ. produced. आया० १, ४, ६, १६८; ओव० ४३; जं० ५० वेय० २, ११, वव० ६, १; (३) सारी रीते रंधायेले. बराबर बना हुआ; अच्छी तरहसे पका हुआ. well cooked, prepared, completed पि० नि० १६१, १७०, राय० २७५. वव० १, २३; भग० ६, १. ७. — फड त्रि० (-कृत) निष्ठा पामे तेनी रीते करेल. अच्छी तरह से किया हुआ well done पि० नि० १७१, — दृ त्रि० (-अर्थ) जेनु प्रयोजन सिद्ध ययु छे ते. छलार्थनी सिद्धि भेलेवनार जिसका प्रयोजन सिद्ध हुआ है वह; इष्टार्थ की सिद्धि को प्राप्त करने वाला (one)

whose desires or purposes are fulfilled. भग० २, १; आया० १, ६, ४, १९३;

निद्वीवण न० (निष्ठावन) थूंकपुं. थूंकना. Spitting प्रव० ४३८,

निदुष्टुर. त्रि० (निष्ठुर) धीक्ष्ण करनार; दूर. ठिठाई करने वाला; निष्ठुर; क्रूर. Cruel; obstinate, haughty. निसी० ८, ५;

निडाल. न० (जलाट) लाल; कपाल. भात; कपाल. Forehead: भग० ३, १, सु० च० १, ३७१, ७, १२०; परह० १, ३; निर० १, १; उवा० २, ९४; ९९;

निरण. त्रि० (निम्न) नीचे: गभीर; उ० डू. नीचा. गंभीर; गहरा Low; deep सू० प० १०; — उरणय. त्रि० (-उन्नत) उ० थुं नीथुं. ऊंचा नीचा high and low. भग० ७, ६;

निरहग. पुं० (निन्हावक) तत्त्वने छुपावनार; निन्हाव तत्त्वको छिपाने वाला, निन्हाव. A heretic ओघ० नि० भा० ४०.

निरहय. त्रि० (निन्हावक) तत्त्वने छुपावनार; निन्हाव तत्त्वको छिपाने वाला, निन्हाव A heretic, (one) who conceals the truth. ओव० ४१,

✓ निरहव. वा० I (निन्हाव) छुपावयु, सतावयु. छिपाना; गुप्त रखना. To conceal, to hide

निरहविज्ज वि० उक्त० १, ११;

निरहव. पुं० (निन्हाव) जैन दर्शनथी अधिक अथवा विपरीत वदनार; सत्य यातने छुपावनार. जैन दर्शन से अधिक अथवा विपरीत बोलने वाला; सत्य बातको गुप्त रखने वाला. A Heretic, (one) who opposes Jainism or conceals the truth. विशेष० २२९७;

नितिक. त्रि० (नैत्यिक) नित्यतु; शैत्यतुं.

दैनिक; नित्यका; हमेशाका. Daily, diurnal. परह० २, ५;

नित्त. न० (नेत्र) नेत्र; आंख. नेत्र; आंख.

An eye. आया० १, ४, ३, १३८;

नित्तुस. त्रि० (निस्तुष) निर्मल; शैतल-
विनालु. निर्मल; छिलके रहित. Pure;
without husk or chaff. परह० २, ४;

नित्तेज. त्रि० (निस्तेजस्) तेज विनालु.
तेज रहित; निस्तेज. Lack-lustre;
lustreless. विवा० २;

नित्तेय. त्रि० (निस्तेजस्) तेजहीन; आंखुं.
तेज हीन; निस्तेज. Lack-lustre;
splendourless. निर० १, १; भग० ६, ३३;

नित्थरियव्व. त्रि० (निस्तरित्थ) पालन
करवा जेवु. पालन करने योग्य. Fit to
be fulfilled. सु० च० ४, ३१२;

नित्थारणा. स्त्री० (निस्तारणा) धारेल
कामने पार पालुं ते. सोचे हुए कार्य को
पार लगाना. Completing an act
which is thought over; fulfil-
ment. जं० ५०

नित्थारिय. त्रि० (निस्तारित) काटेलुं.
पहार करेलुं. निकाला हुआ; बाहर किया
हुआ; प्रकट किया हुआ. Cast out;
revealed; thrown away. भग०
२, १;

✓निदंस धा० II. (नि+दृश्) देखाउवु.
दिखाना. To show

निदंसिह. भव० १६, ६;

निदंसिज्जस्सति. क० वा० भ० सम० ५० १७०;

निदंसिअ. त्रि० (निदंशित) देखाउलुं;
अतावेलुं. दिखलाया हुआ; बताया हुआ.
Shown; related. अणुजो० १६;

निदा. स्त्री० (निदा) समज्जुपूर्वक वेदना
वेदनी ते. ज्ञान पूर्वक सहन की जाने वाला
एक प्रकार का वेदना. Sensing of a

feeling with understanding.

भग० १६, ५; पण० ३५;

निदाअ. अ० (निदाय) लधने; ग्रहण करीने;
प्राप्त करीने. लेकर; ग्रहण करके; प्राप्त करके.

Accepting; taking. सूय० २, ४, ५;

निदाण. न० (निदान) कारण; मूल. Reason;
origin. विरो० १० ५३;

निदाय. पुं० (निदाघ) उन्हायो. गरमी का
मौसम; ग्रीष्म ऋतु. The summer
season. जं० ५० ७, १५२; ओघ० नि०
भा० २३७; जीवा० ३, १;

निदमुक्ख. पु० (निद्रामोक्ष) उठवुं; निद्रा
छोडवी ते; जगवुं ते. उठना; निद्रा का त्याग
करना; जागना. To wake up. उत्त०
२६, १८;

निदय. त्रि० (निर्दय) - दया विनालो. दया
रहित. Cruel. पिं० नि० ३६०;

निदरसण. न० (निदर्शन) दाखलो; दृष्टांत.
उदाहरण; दृष्टांत. Illustration. पिं०
नि० १७६;

निद्रा. स्त्री० (निद्रा) निद्रा; उठ; दृष्टाना-
परत्थीय कर्मनी ओक प्रकृति. निद्रा; सामान्य
निद्रा; दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति.
Sleep; ordinary sleep; a variety
of sight-obscuring Karma. सम०
६; सु० च० ३, १८४; उत्त० १७, ३, ३३,
५; अणुजो० १२७; दसु० ८, ५२; क० ग०
१, ५१; ४, १६; ६, १२; प्रव० ४६७, १२६८;

कप्प० ४, ३६; —(ह) दुग्ग. न० (-द्विक)
निद्रा अने प्रयत्ना. निद्रा और प्रचला.

sleep and drowsiness. क० प० २,
३२; क० गं० २, ६; २०; —पंचग न०

(-पञ्चक) निद्रा, निद्रानिद्रा, प्रयत्ना,
प्रयत्नाप्रयत्ना, थियुद्धि निद्रा ओ पांय
निद्रा, निद्रा, निद्रानिद्रा, प्रचला, प्रचला-
प्रचला, थियुद्धि निद्रा ये पांच निद्राएं. sleep

deep sleep, drowsiness and drowsiness and Thinadhi Nidrā क० प० ४, ५६; —पयला. स्त्री० (-प्रचला) निद्रा अने प्रयला; सुषे नगे ते निद्रा अने भेक्षा भेक्षा उधे ते प्रयला. निद्रा व प्रचला; सुख मे जाग्रत रहना वह निद्रा और बैठे २ ऊघना वह प्रचला. sleep and drowsiness. क० प० ४, १८, ७०; प्रव० १२६८;

✓ निद्राश्रय. धा० I. (निद्रा) निद्रा करनी; उँवपुं. निद्रा लेना; सोना. To sleep.

निद्राएज. विधि० भग० ५, ४;

निद्रायित्तप हे० कृ० वेय० १, १६;

निद्रायमाण. व० कृ० भग० ५, ४; दसा० ७, १;

निद्रानिद्रा. स्त्री० (निद्रानिद्रा) गाढ निद्रा; दर्शनावरणीय कर्मनी ओझ प्रकृति अति गाढ निद्रा; दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति. A deep sleep; a variety of sight-obscuring Karma उत्त० ३३, ५. डा० ६, १; अणुजो० १२७; सम० ६; क० ग० १, ११,

निद्रारित त्रि० (निर्दारित) क्षाडेय; पिदारेल फाटा हुआ; विदारित. Torn; rent पणह० १, ३;

निद्रिष्ट. त्रि० (निर्दिष्ट) इलेलुं. अतावेलुं. कहा हुआ, बताया हुआ Pointed out; related. कण्ठ० २, १५. प्रव० ८३; विशेष० १३; ४८; १५११; (२) पु० पडेसी नरकनो मेरुधी दक्षिण तरङ्गनो ओझ नरकावासो. (२) पुं० प्रथम नरक के मेरु स दक्षिण तरफ का एक नरकावास. a hellish-abode to the south of Meru of the 1st hell डा० ६, १;

निद्रुक्ख. त्रि० (निर्दुःख) दुष्प्र रहित

दुःख रहित. Free from sorrow. प्रव० १४७७;

निर्देस. पुं० (निर्देश) निर्देश; आज्ञा. निर्देश; आज्ञा. Command; order. (२) अतावपुं. वताना showing. भग० ३, १; ७; अणुजो० १२९; आया० १, ५, ६, १६९; डा० ८, १; विशेष० ९७५; १५२६; —वत्ति. त्रि० (-वर्तिन्) आज्ञाकारी, ताभेदार. आज्ञाकारी; तावेदार, obedient; servant. दस० ६, २, १५, २४;

निर्दोस. त्रि० (निर्दोष) दोष रहित, शुद्ध; निर्मल. दोष रहित, शुद्ध, निर्मल. Faultless; pure. अणुजो० १२८; डा० ७, १;

निद्र. त्रि० (स्निग्ध) चिकण; चिकनासनालु चिकना; चिकनाहटवाला Smooth. (२) पुं० स्नेह; चिकना स्नेह, चिकनापन love कण्ठ० ३, ३४; ४, ६५; क० प० २, ८९, ४, ५०, प्रव० १४१; आया० १, ५, ६, १७०. २, १, ५, २६; भग० ८, ६; विशेष० ३०८; दसा० ३, ६१; पि० नि० १८८; जीवा० १, उत्त० ३३, ४; ३६, २०; सम० ३३, पु० च० ३, १२४, भक्त० १५७, —सम. त्रि० (-सम) स्निग्ध-स्पर्शनी अग्निर स्निग्ध-स्पर्श के समान like oily touch. क० प० २, ८६, निद्रंन त्रि० (निर्धाम) अग्निभा नाभी शोधेल अग्नि मे डालकर शुद्ध किया हुआ. अग्निपूत; जलाया हुआ Burnt; reduced to ashes; purified in fire. उत्त० २५, २१;

निद्रंनसत्त न० (*) निर्दय पणुं. निर्दयता, क्रूरता. Cruelty पु० च० १३, ७७.

निद्रमण. पुं० (निर्धमन) नात्री, आल-भोरी. नाली, मोरी Gutter, cess pool जीवा० ३, ३; ओघ० नि० ४६६; पञ्च० १; कण्ठ० ४, ८८,

निद्धया स्त्री० (स्निग्धता) स्निग्धता; स्नीकाश.
स्निग्धता; चिकनाहट Oiliness. भग०
८, ९; नाया० १०;

निद्धाहत्ता. सं० कृ० अ० (निर्द्वान्य) नीकलीने;
दोडीने. निकलकर; दौड़कर. Having
come out; run out. भग० ७, ६;

निद्धूम. त्रि० (निर्धूम) धूमाग्न वगरनुं. धुएं
से रहित. Smokeless. ओव० १०;

निद्धूमग. त्रि० (निर्धूमक) धूमाग्नयी
रहित. धुए से रहित. Smokeless. विशेष०
२०६४;

निद्धूय त्रि० (निर्द्धूत) दूर करेह. दूर किया
हुआ Shaken off ओव०

निद्धोय. त्रि० (निर्धौत) धोछ नापेह. धो
डाला हुआ. Washed. क० प० १, १;

निधण. न० (निधन) मृत्यु; अवसान
मृत्यु; मौत. Death पण० १, १, २;
पञ्च० १,

निधण त्रि० (निर्धन) धन रहित. निर्धन,
धन हीन. Poor, penniless. विवा० ३,

निधत्त. न० (निधत्त) उद्धर्तन अने अप-
वर्तन सिवाय के छिड़ करण्णी ईरक्षर न
थाय ओवी रीते कर्माने आधु ते; कर्माने
अधने ओके प्रक्षर. उद्धर्तन व अपवर्तन के
सिवाय अन्य किसी भी कारण से विकार
न हो इस प्रकार कर्म का बन्धन करना;
कर्म बंधन का एक प्रकार. Binding
of Karmas in such a manner
that they do not change
except by Udvartana and
Apavartana. ठा० ८, २; ८, १;

✓ निधा धा० I. (नि+धा) धारण्ण करणुं.
धारण करना. To bear, to put on.

निहे. दस० १०, १; ८;

निहावण. प्रे० वि० दस० १०, १, ८,

निनाद. पुं० (निनाद) शब्द. शब्द. Sound

ओष० नि० ८६; भग० ७, ६;

निन्न. त्रि० (निम्न) नीचुं. नीचा. Lower;
following. उत्त० १२, १२; दसा० ६, १;

निन्नअ. त्रि० (निम्नक) निचो. नीचे का
Lower. विवा० ३;

निन्नगा. स्त्री० (निम्नगा) नदी. नदी A
river. पण० २, ४;

निन्नय. पुं० (निर्णय) निश्चय; संशयने
अभाव निश्चय; संशय का अभाव. Deci-
sion; resolution विशेष० ३१७;

निन्नया. स्त्री० (निम्नगा) नदी. नदी A
river. विशेष० १०२७; भक्त० ११६;

✓ निन्हव धा० I (नि+न्हव) गोपयणुं;
छुपायणुं. गुप्त रखना; छिपाना. To hide;
to conceal.

निन्हवे. वि० दस० ८, ३२;

निन्हवण. न० (निन्हव) गोपयणुं; छुपायणुं.
गुप्त रखना. छिपाना. Concealment;
hiding विवा० २;

निपच्चक्खाण. त्रि० (निष्प्रत्याख्यान) नेने
के छिड़ जानुं पन्थक्खाण-त्याग नथी ते
जिस को किसी तरह का पञ्चक्खाण-त्याग
नहीं है वह One who has no vows.
भग० ७, ६; दसा० ६, ४. —पोसद्धोव-
वास. त्रि० (-पौषधोपवास) नेने के छिड़
गतने। त्याग नथी तेम ने कदी पोषो के
उपवास करतो नथी ते जिस को किसी तरह
का त्याग नहीं है, अर्थात् जो कभी पोषा या
उपवास नहीं करता है वह. one who
has no vows such as fasting etc
भग० ७, ६; दसा० ६, ४;

✓ निपड. धा० I. (नि+पट्) पडणुं. पडना.
To fall.

निवडह. उत्त० १०, १;

निवडत. व० कृ० सु० च० १, २७२;

✓ नि-पड. धा० I. (नि+पट्) पडणुं पडना.

To fall.

निवयंति. राय० १८३;

निवहंषु. भू० आया० १, ५, ३३.

निवयमाण. व० कृ० भग० ५, ४

✓ नि-पड. धा० I. (नि+पत्) प्राणाति-
पात-हिंसा करनी. प्राणातिपात-हिंसा करना.

To kill; to injure.

निवातएज्जा. प्रे० विधि० सूय० १, ७, ६;

✓ नि-पड. धा० I (नि-पत्+णिच्) हिंसा
करनी; मारवुं. हिंसा करना; मारना. To
kill; to injure

निवायए. प्रे० सूय० १, १, १, ३:

निवायएज्जा प्रे० त्र सूय० १, ७, ६;

निपातिणी स्त्री० (निपातिनी) सन्मुख पडती
शिला. सन्मुख गिरती हुई (शिला). (A
stone) falling in front. "सिलाहि

हम्मान्ति निपातिणीहिं" सूय० १, ५, २, ६;

निपुण त्रि० (निपुण) अतुर, निपुण. चतुर;

निपुण. Clever, adept भग० १६, ३;

निपूर पुं० (निपूर) नंदी वृक्ष; पीपलनी
अक्षत. नदी वृक्ष, पीपल की एक जाति

The Nandī tree; a species of

Pīpal tree आया० २, १, ८, ४५;

निष्पंक. त्रि० (निष्पङ्क) क्लृप्त के अधिनातुं,

शुद्ध. कलंक या दाग रहित; शुद्ध. Stain-
less; pure. जं० प० भग० २, ८,

निष्पकंप. त्रि० (निष्पकम्प) निश्चल; स्थिर.

निश्चल; स्थिर. Steady, motionless

परह० २, ५; सम० २; ओव० २१;

निष्पगल त्रि० (निष्पगल) थिलकुल न

टपके तैयुं. बिलकुल न टपकने वाला. That
which cannot ooze out at all.

ओष० नि० भा० ३४;

निष्पञ्चकखण त्रि० (निष्प्रत्याख्यान)

प्रत्याख्यानथी रहित. प्रत्याख्यान से रहित

Free from a vow. भग० ७, ९;

निष्पञ्चवाय. त्रि० (निष्प्रत्यवाय) विघ्न
रहित. विघ्नरहित Free from obstruc-
tions. भक्त० २४;

निष्पट्ठ त्रि० (नि.पृष्ट) जेभां दूरी पुछवानु
न रहे तेहुं; अतिस्पष्ट. जिसमें पुनः पुछने
का न रहे ऐसा; अतिस्पष्ट. Very clear;
lucid. उवा० ६, १७४; ७, २१६;

निष्पाडिकम्म. त्रि० (नि-प्रतिकर्मन्) प्रति-
कर्म-संभाल-सारवार-चिकित्सा विनानु-
प्रतिकर्म-संभाल-चिकित्सा हीन. With-
out remedy. प्रव० ६३०; —सरीर.
त्रि० (—शरीर) शुश्रूषा-सारसंभाल विनानु
शरीर छे जेनु ते. शुश्रूषा-सालसमहाल हीन
शरीर वाला. (one) whose body
is without nursing. प्रव० ५३०;

निष्पाडिकम्मया. स्त्री० (निष्प्रतिकर्मता)
उपायनो अभाव; चिकित्साहीनो अभाव;
शुश्रूषा न करनी .ते. उपाय का अभाव;
चिकित्सादि का अभाव; शुश्रूषा का न करना.
Want of treatment or admini-
stration. उक्त० १६.७६; सम० ३२;

निष्पडियार. त्रि० (निष्प्रतिकार) प्रतिकार-
उपाय रहित. निरुपाय. Without re-
medy. परह० १, १;

निष्पडिवयण. त्रि० (निष्प्रतिवचन) जे
उत्तर न आपी थके ते. उत्तर न दे सकने
वाला. (One) who cannot reply
सम० ३४;

निष्पत्ति. स्त्री० (निष्पत्ति) सिद्धि. मिद्धि.
Attainment. प्रव० ६०७, १२३७.
पचा० १८, २२;

निष्पन्न. त्रि० (निष्पन्न) तैयार थयेहुं; अना-
येहुं. तैयार. बनाया हुआ Made
ready; created. प्रव० ५१०; कप्प०
४, ६६;

निष्परिग्रह. त्रि० (निष्परिग्रह) परिग्रह

रहित. परिग्रह रहित. Possessionless.
 “निच्चेहानिष्परिग्रहा” उक्त० १४; ४६;
 निष्पाइऊण. अ० (निष्पाय) करीने; अना-
 धीने. करके; बनाकर. Having done;
 produced. सु० च० १, १८५;
 निष्पाण. त्रि० (निष्प्राण) प्राणहीन रहित;
 भरेल. प्राण रहित; मृत. Lifeless;
 dead. निर० १, १,
 निष्पाव. न० (निष्पाव) धान्य विशेष; योला.
 चौला-धान्य विशेष Pea; a kind of
 corn. भग० ६, १०; प्रव० १०१६;
 निष्पाविय. त्रि० (निष्प्रापित) तैयार करे-
 ल. तैयार किया हुआ. Prepared. जीवा० ३,
 ३;
 निष्पिट्ट त्रि० (निष्पिष्ट) सारी रीते पाटे-
 ल. अच्छी तरहसे पीसा हुआ Well pound-
 ed. पि० नि० ६२;
 निष्पिवास. त्रि० (निष्पिवासा) पिपासा-
 तृष्णा रहित; निष्काम. निस्पृही. पिपासा-
 तृष्णा रहित; निष्काम; निस्पृही. Free
 from thirst, desires; disinterest-
 ed. उक्त० १६, ४४; परह० १, १.
 निष्पिह. त्रि० (निस्पृह) निस्पृह; प्र-
 रहित निस्पृह; इच्छा रहित. Free
 from desires. गच्छा० ५७;
 निष्पुलाअ. पु० (निष्पुलाक) अश्वत्थामा
 भरतखंडमा थनार १४ भा तीर्थकरनु नाम.
 जबूद्वीप के भरतखंडमें होनेवाले १४ वें तीर्थ-
 कर The 14th Tirthankara to be
 born in Bharatakhanda of
 Jambūdvīpa. मम० प० २४१, प्रव०
 २६६;
 निष्फद त्रि० (निष्पन्द) अगता इरकवा
 विनाश, अवन अवनानि क्रिया रहित स्पद-
 अगता अद्विपरता रहित; शान्त Motion-
 less. still “तहिं तहिं निचलं निष्फद”

नाया० ४; अंत० ६, ३; कप० ४, ३१;
 उवा० ७, २१६;
 निष्फण. त्रि० (निष्पन्न) उत्पन्न थपे-
 उत्पन्न. Born अणुजो० १३०; १३२;
 १३३;
 निष्फत्ति. स्त्री० (निष्पत्ति) उत्पत्ति. उत्पत्ति.
 Origin. विशे० ७; भक्त० ७६; पंचा०
 १४, ३;
 निष्फन्न. त्रि० (निष्पन्न) तैयार अथेल. तैयार.
 Ready. पि० नि० भा० १; ओष०
 नि० ६८१;
 निष्फाइय. त्रि० (निष्पादित) उत्पन्न करे-
 उत्पन्न किया हुआ. Produced “निष्फा-
 इया य सीसा” आया० नि० १, ८, १,
 २७०; —निष्फन्न. न० (—निष्पन्न) सारी
 रीने तैयार करे-ल. अच्छी तरहसे तैयार किया
 हुआ prepared well. पि० नि० २३१;
 निष्फायग. त्रि० (निष्पादक) अनायनाद;
 उत्पन्न करनेवाला बनाने वाला; उत्पन्न करने
 वाला. Producer; creator. विशे०
 ४८३;
 निष्फाव पु० (निष्पाव) धान्य विशेष, वाल.
 धान्य विशेष, वाल A particular seed.
 दसा० ६, ४, जं० प० सूय० २, २, ६३.
 भग० ६. ७; २१, २; (२) भासाना त्रीण
 भाग जेटलुं अेक तोल. मासा के तीमरे
 हिस्स जितना एक वजन a third part
 of a Masā (a particular
 weight.) अणुजो० १३३;
 निष्फावय. पुं० (निष्पावक) वाल; धान्य
 विशेष वाल; धान्य विशेष. A kind of
 pulse. ज० प०
 निष्फेडण न० (निष्फोटन) ऐशानशक्ति.
 मताय. आफन. Distress. गाणि० ६,
 ✓ निबंध धा० I. (नि+बन्ध्) बांध-
 बांधना Totie

निबंधई. उत्त० २९, ४;
 ✓निबंध. धा० I (नि + बन्ध्) आंधुं.
 बांधना. To bind.
 निबन्धंति. सु० च० २, ३२४;
 निबंध. पु०(निबंध) निश्चय. निश्चय. Reso-
 lution. (२) आग्रह. आग्रह persuasion.
 ओघ० नि० भा० ६०; विशेष०
 १८७७;
 ✓निबिडीकुण. धा० I. (निबिड + कृ)
 मज्जितुं कठिन करना To harden.
 "आजिबिडं निबिडं करोतीति"
 निबिडी कुणइ. सु० च० ७, ७८;
 निबोलिज्जमाण. व० कृ० त्रि० (निबुल्य-
 मान) डुप्लो. डूबता हुआ. Drowning.
 परह० १, ३;
 निबन्धं पु० (निबन्ध) आग्रह. आग्रह Per-
 suasion. पि० नि० ३६९.
 निबुडु. त्रि० (निबुडित) पाणीमां डुप्ले
 जलमें डूबा हुआ Drowned. पि० नि०
 ५०५;
 निभंछुणा स्त्री० (निभंत्सना) डरावणी;
 तिरस्कार. डर दिखाना; तिरस्कारयुक्त वचन.
 Frightening; reproaching. राय०
 २६६;
 निभंजण न० (निभंजन) पुरी पक्ष्यात्
 पजेरे तशी लीधा पछी अवशेष रह्येल,
 प्येल धी; दूध घृत. पूरी पक्का इत्यादि
 को भुजने के बाद शेष बचा हुआ घी;
 दूध घृत. Boiled ghee which
 remains after something is
 fried in it. प्रव० २३१;
 निभंछण. न० (निभंत्सन) तिरस्कार करना;
 डराना. Re-
 proaching; insulting परह० १,
 ३; पि० नि० २१०, गच्छा० ४४;
 निभय त्रि० (निर्भय) भयरहित; भय-

विनाश-भय रहित; निर्भय. Fearless;
 dauntless. विशेष० २१३६; सु० च० ५,
 ४०; विवा० २;
 निभर त्रि० (निर्भर) व्याप्त. व्याप्त.
 Occupied. भक्त० ११८;
 निभ्राहता. म० कृ० (निभ्राहता) भेदने,
 देखकर. Having seen भग० १५, १;
 निभिज्जमाण. व० कृ० त्रि० (निभिज्जमात्)
 अतिशयपणे भेदतु अत्यन्त भिदा हुआ;
 विशेष रूपसे छिन्न. Pierced 'exces-
 sively. जीवा० ३, ४;
 निवद्ध त्रि० (निवद्ध) आधेष्टुं; रयेष्टुं; गोष्टुं.
 बधा हुआ; रचा हुआ; जमाया हुआ. Tied;
 arranged. नदी० ४५; पि० नि० ३३१;
 राय० १५; क० गं० १, ३६; सम० ५०
 १६९;
 निभ त्रि० (निभ) समान; तुल्य; अश्वर,
 समान; तुल्य, बराबर. Like; similar
 to; equal to. उत्त० ३४, ४; ओघ० १०;
 राय० ६६;
 निभिदिज्जमाण त्रि० (निभिद्यमान)
 भेदातु. भेदित होता हुआ. Being
 divided. राय० ५६;
 ✓निमंत धा० I (नि + मन्थ्) निमन्त्रथु
 करुं. निमन्त्रण करना; बुलाना. To invite.
 निमन्तण. ओघ० नि० ५२५; दस० ५,
 १, ३७;
 निमन्तज्जा वि० आया० १, ७, १, १६७;
 निमन्तयंत. व० कृ० उत्त० १४, ११;
 निमन्तमाण आया० २, १, ३, २१;
 निमन्तण. न० (निमन्त्रण) निमन्त्रण; आमन्त्रण;
 नातरुं. निमन्त्रण; आमन्त्रण; न्याता
 Invitation. उत्त० २, ३८; प्रव० १३०;
 पि० नि० १७९; — वत्थ. न० (-वत्थ) निमं-
 त्रित थयेष्टुं वत्थ. निमन्त्रित वत्थ. an
 invited garment. निसी० १५, ३४;

निमंत्रणा. स्त्री० (निमंत्रणा) आमंत्रण.
आमंत्रण. Invitation. प्रव० ७६७;
पंचा० १२, २;

निमित्तिश्र. त्रि० (निमन्त्रित) निमंत्रण
दीधेल; नौतरेल. निमंत्रित; निमंत्रण दिया
हुआ. Invited. सु० च० ७, २७८;

निमग्न. त्रि० (निमग्न) डुबेला हुआ हुआ.
Plunged; sunk. सु० च० १, ३६६;
परह० १, ३;

निमग्नजला. स्त्री० (निमग्नजला) तिमिस
युक्षने मध्यभागे आवेक्षी ओक नदी. डे जेना
पाणीमां पडती कलेवर पगेरे वस्तु उणी
ज्या छे. तिमिस गुफा के मध्यभाग में, आई
हुई एक नदी कि जिस के जल में गिरती
हुई, शव आदि वस्तु डूब जाती है. A
river in the middle of Timisa
cave in which any object
thrown such as a corpse etc.
sinks. जं० प०

✓निमज्ज. था० I. (नि+मज्ज) डूबना.
डूबना. To plunge in water.

निमज्जति. परह० २, २;

निमज्जिउ ह० कृ० उत० ३२, १०५;

निमज्जक. त्रि० (निमज्जक) स्नान करने
पाणीमां डुगरी भारी थोड़ा पथत पडी रहे
नारतापस, तापसनी ओक ज्ञान. स्नान करने
हुए पानी में डुबकी मार कुछ समय तक
भीतर रहने वाला तापस, तापस की एक
जाति. An ascetic who dives for
a time inside water at the
time of bathing; a class of
ascetics. आश० ३८;

निमज्जणमण. त्रि० (निमज्जनमनस्) डूब-
वानी धृष्टावालो. डूबने की इच्छा वाला.
One desirous of plunging in
water. सु० च० २, १८३;

✓निमिज्ज. था० I. (नि+मज्ज्) पक्षारुं:
पाणीमां भसलपुं. भिगोना; पानी में मलना.
To plunge in water; to rub
in water.

निमिज्जइ. क० वा० उवा० ७, १६७;

निमित्त न० (निमित्त) कारण; हेतु कारण;
हेतु. Reason; cause विशेष० २६;
२०६६; निरी० १०, ७; पिं० नि० ३१२;
भग० ३, ३; भत० ३६; पंचा० १३, १८;
प्रव० ५७४, प्रव० ६५१, (२) शुभाशुभ
सूचक निमित्त शास्त्र; शुभन आदि चिन्ह
शुभाशुभ कलनी कल्पना. शुभाशुभ सूचक
निमित्त शास्त्र; शकुन आदि चिन्ह से शुभा
शुभ फल की कल्पना. Science of
omens; augury. उत० १७, १८;
परह० २, १; सूय० १, १२, ६; विश०
२१६३; पिं० नि० ४०८; ४३६. गण० ७०;
दम० ८, ५१;—आजीवया. स्त्री० (—आजी-
विका) निमित्तशास्त्राथी आशुविज्ञा अक्षावपी
ते निमित्तशास्त्र से आजीविका का चलाना
maintaining oneself on augury.
ठा० ४, ४;—कहण. न० (—कथन)
आयीसुभ, दुःख, शुभ, अशुभ पगेरे कहेयां
ते. भावी सुख, दुःख, शुभ अशुभ इत्यादि का
कथन करना. informing future
happiness etc. प्र० ६५२. —पिंड.
पुं० (—पिण्ड) निमित्त लाप्पीने लिता
लेवाभा आवे ते निमित्त कह कर जी जाने
वाली भिक्षा. accepting alms by
giving some reason. निमा० १३, ६२;
—वादि. त्रि० (—वादिन्) सृष्टिना निमित्त
रूपे धिश्चरने मानवार. मृष्टि के निमित्तरूप से
ईश्वर को मानने वाला. One who com-
prehends God as the creator
of the world ठा० ८, १;

निमित्तिश्र पुं० (निमित्तिक) निमित्तशास्त्राथी

भूत अविध्य इत्युक्तम्. निमित्त साक्ष मे भूत
अविध्य को जानने वाला. augurer. अंत-
३, ८;

निमित्त. न० (निमित्त) आँखने पलकशे.
निमित्त; पलक. Twinkling or
twinkling of an eye. गच्छा० ६०;
निर्मोक्षित. प्रि० (निर्मोक्षित) आँख अंध
होने; आँख भींचने. आँख बंद किया हुआ;
आँख मींचा हुआ. (One) who has
shut his eyes. जीमा० ३, १;

निर्ममस प्रि० (निर्ममस) भास रहित; दुःख-
मोग रहित; दुर्बल Without flesh;
weak. निर० १, १; विवा० २; प्रि० नि०
४२६; नाया० १; भग० २, १;

निम्नगामिणी. स्त्री० (निम्नगामिनी) नीचे
जाने वाली. नीचे की ओर बहने वाली
नदी. A descending river. तदु० १;

निर्ममच्छिद्य न० (निर्ममच्छिद्य) आशी न
होए तेथु अछान्त स्थान. मच्छिद्यों से रहित
एकान्त स्थान. A lonely place free
from flies विजे० २०६५

निर्ममह्य प्रि० (निर्ममह्य) भर्त्सक ३२ना२.
भर्त्सक होने वाला. (One) who
insults पण० १, ३;

निर्ममह्य प्रि० (निर्ममह्य) भृशपशुपी
रहित; ३३शु. मृदुता से रहित; कठिन.
Rude; harsh; hard. पण० १, १;

निर्ममस. प्रि० (निर्ममस) भभना-आसक्ति
रहित. ममता-आसक्ति रहित. Without
attachment, pity. मृ० १, २, ६;

उत्त० १२, २०; जं० प० पण० १; पण०
२, ६; (२) जं० पूरूपना भरतभंडों में यना२
१५ भा तीर्थकरना नाम. ब्रह्मदेव के भरतभंड
में होनेवाला १५वें तीर्थकर. 15th would
be Tirthankara of the Bharata
region of Jambūdvīpa. जं० ८

५, ११०; मम० प० २४१;

निम्नमत्त. न० (निम्नमत्त) भभना रहित-
पशु. ममतारहितता. Compassion-
lessness. उत्त० १६, २६ (२) भरत
क्षेत्रमां ययाना पंडरमा तीर्थकरना नाम.
भरत क्षेत्र में होनेवाले पंडरमे तीर्थकर का
नाम. the name of the 15th
Tirthankara to be born in
Bharata Ksetra. प्र० ४०१;

निर्मल. प्रि० (निर्मल) भल रहित; शुद्ध.
मल रहित; शुद्ध Dirtless; pure.
भग० २, ८; ९, ८; जं० प० १, १२३; ७,
१६६; नंदी० स्प० ६; सोप० १०१ २२;
पण० २; वप० १, ४३; (२) पांचवें
देवलोकांमोंना निर्मल नामको अक्ष पांचवें.
पांचवें देवलोक का निर्मल नामक एक प्रस्तर.
a layer named Nirmala in the
5th Devaloka. ता० ९, १;

निर्मलयर. प्रि० (निर्मलयर) अशुद्ध
निर्मल. अत्यन्त निर्मल. Very clear.
आव० २, ४;

निर्मल. न० (निर्मल) देवपूजाओं अर्पण
होने पुष्पादि. देवपूजा में अर्पण किये हुए
पुष्पादि Flowers etc. offered in
the worship of a god प्रि० नि०
१०८;

निर्मलप्रदत्तार. प्रि० (निर्मलप्रदत्त) जना-
पना२-धान्य आदि नीपनयना२ करने
वाला-प्रदत्त आदि उत्पन्न करने वाला.
Creator; producer of corn etc
ता० ४, ४;

निर्मलप्रदत्त न० (निर्मलप्रदत्त) जन-पशु, नि-
पशु. बनाना. Creating; making.
पु० प० १, १०३;

निर्मलप्रदत्त. प्रि० (निर्मलप्रदत्त) जन-पशु.
बनाना हुआ. Made; produced. पु०

one's own place. सु० व० १, २२५;
—भाषा. जी० (—भाषा) पोतानी भाषा.
अपनी भाषा. one's language. प्रब०
४४६; —भूमिगा. जी० (—भूमिगा)
पोतानी भूमी; पोतानुं स्थान. छपवी पदवी;
अपना स्थान. one's position. पंचा०
५, ४४; —स्मरण. न० (—स्मरण)
पोतानुं स्मरण. अपना स्मरण; सुद ही
याद. one's remembrance. भस० १;
—सामर्थ्य न० (—सामर्थ्य) पोतानुं
सामर्थ्य. अपना सामर्थ्य; आत्म-शक्ति.
one's power. प्रब० १२६६;

नियम. जी० (निकृति) भाषा; ४५८. माया;
कपट; कल. Fraud; illusion;
deceit. पण० १, ३; (२) भावी;
देवनी भूमी. मावी; देव की इच्छा.
chance; will of God. पण० १,
३; प्रब० १२०४;

नियमपर्वत. पुं० (नियमपर्वत) सूर्याभ
विमानता पर्वतमांने ओक पर्वत, के
न्यां देवता नित्य मूलरूपे तेमण वेडेय
शरीरे कीडा करेछे सूर्याभ विमान के बन
कंद का एक पर्वत यहाँ देवता नियम मूलरूप
से तथा वैक्रिय शरीर से कीडा करते हैं A
mountain of the forest region
of the Sūryābha celestial
abode where gods sport about
in their original form as well
as with physical body of a
fluid nature. राव० १३५;

नियमि. त्रि० (नियमित) पंच्यभाषुना दश
प्रकारमाने ओक; नियत समयमां करवानुं
तप करवुसर न अनतां कालांतरै करवानी
प्रतिष्ठा देवी ते पञ्चसाय के दश प्रकार में से
एक; नियत समय पर किये जाने वाले तप के
कारण वश न होने पर उसे कालांतर में करने

की प्रतिष्ठा लेना One of the 10 Pa
chhakṣāpas (vows) to vow to
perform a penance at a future
date which for some reason
cannot be practised in time.
भग० ७, २; प्रब० १५७; —पञ्चवक्सास. न०
(—प्रवक्सास) लुओ उपदेो १५६. देखो
ऊपर का शब्द. vide above. प्रब० १६२;
नियमि. पुं० (नियमित) परिमल न राभनार;
साधु परिमल न रखने वाला; साधु. An
ascetic; one who does not keep
Parigraha (wordly objects)
भग० २, १, ५; ७, १०; उत्त० १२, १६;
सूब० २, ७, ५; प्रब० ७३३;

नियमिपुत्र. पुं० (नियमिपुत्र) महावीर
स्वामीने ओक शिष्य. महावीर स्वामी का एक
शिष्य. A disciple of Mahāvīra.
Svāmī. भग० ५, ८;

नियमित-अ. त्रि० (नियमित) स्वाधीन
करेल; नियममां राभेल. स्वायसीकृत;
स्वाधीन किया हुआ; नियम मे रखा हुआ.
Mastered; made one's own; re-
gulated. आया० २, १, ३, १५;

नियमि त्रि० (नियमित) पर्वतनुं शिष्य.
पर्वत का शिष्य. Summit of a moun-
tain. विश० २०७;

✓नियमि. भा० I. (नि + वल्) पहेराववुं.
पहिराना. To cause to wear.

नियमि. सं. क० भग० १५, १;

नियमि. भग० १५, १;

नियमि. क० वा० सु० व० २, ४६९;

नियमि न० (नियमित) पहेरवानुं वस्त्र.
पहिरने का वस्त्र. A garment. राय०
८१;

नियमि. जी० (नियमित) साधुने केडी
भांडी अधनंध सुधी पहेरवानुं वस्त्र, ते

अन्तर्निर्वसनी अने पशनी धुंटी सुधीनुं
वस्त्र ते अहिर्निर्वसनी. साध्याकी कमरसे लेकर
आधी जांघ तक पहिने का वस्त्र-अन्तर्निर्वसनी
और पैर के घुटने तक का वस्त्र-बाहिर्निर्वसनी.
An inner garment to be
worn by a nun reaching the
thighs from the waist, and
an outer garment reaching the
knees. ओघ० नि० ६७५;

नियग. त्रि० (निजक) पोतानुं; आपत्तुं.
अपना; निजका; खुदका. One's own.
भग० ३, १; ६, ३३; निसी० २, २७;
कण्य० ३, ३५; ४, १०२; क० प० २, ६७;
७, ३६; क० प० २, ८०; उवा० १, ८;
—गई. स्त्री० (-गति) पोतानी गति.
अपनी गति; आत्मगति. one's gait,
condition. क० प० ४, ६७; —ट्टिह.
स्त्री० (-स्थिति) पोतानी स्थिति.
अपनी स्थिति-आत्मस्थिति. one's posi-
tion or state. क० प० ४, ६४;
—वरण. पुं० (-वर्य) पोत पोताना
शरीरनी शक्ति अपने २ शरीर की शक्ति.
the beauty of the respective
bodies. पंचा० २, २१;

✓नियच्छ. घा० I. (नियच्छ) अर्जुं. जाना.
To go. (२) प्राप्त करने. प्राप्त करना. to
obtain. (३) निश्चय करने. निश्चय
करना. to resolve.

नियच्छह. दस० ६, १, ४;

नियच्छंति. ६, २, १४; आया० १, ३, ३,
११७;

✓नियट्ट. घा० I. (नि+वृट्) निवृत्त अर्जुं.
निवृत्त होना; निपटना. To finish; to
be free.

नियट्टह. सूय० २, २, २०;

नियट्टंति. आया० १, ६, ४, १६१;

नियट्टमाण. आया० १, ६, ४, १६०;

नियट्टि. स्त्री० (निवृत्ति) नियट्टिआदरनामे
आश्रुं अथ २५१३. नियट्टिआदर नामक
८ वां गुणस्थानक. The 8th spiritual
stage named Niyatti Bādara.
प्रव० १३१६; क० प० २, ८०;

नियड. न० (निकट) समीप; पास; नज्द.
समीप, पास; निकट. Near; vicinity;
close at hand. सु० च० २, ४६६;

नियड. पुं० (निगड) निगड; हाथकड़ी.
निगड; बेड़ी; हथकड़ी. Fetters;
chains; handcuffs. सु० च० ३,
१४६; प्रव० २४६;

नियडि. स्त्री० (निहृति) गुह्यकपट; छल;
माया. गुह्यकपट; छल; माया. A secret
fraud. “ दुस्वाई नियडी सही ” दस०
६, २, ३; भग० १२, ५; सम० ५२; तदु०
राय० २०८; प्रव० ११४;

निगडिय. त्रि० (निगडित) आधिपुं; नज्द-
उलुं. बांधा हुआ; जकड़ा हुआ. Fetter-
ed; chained. सु० च० ३, १४५;

नियडिल. त्रि० (निहृतिनय) छपटी;
छल करनेवाला. कपटी; छली. Deceitful;
hypocritical. दस० ३४, २५१

नियडिलया. स्त्री० (निहृति) माया; छल;
छपट माया; छल; कपट. Fraud;
deceit. भग० ८, ६;

नियति. स्त्री० (निहृति) छपट. Deceit.
परा० १, २; —भाव. पुं० (-नियतिभाव)
नित्यपत्तुं. नित्यता; नियति. Eternity.
“सर्वदेवि सर्वदा भावा नियतिभावमागया”
सूय० १, १, १, १६;

✓नियत्त. घा० I. (नि+वृट्) पाशुं करने;
अपट्टुं. पीछे फिरना; अटकना. To
turn back; to return.

नियत्तह. ओघ० नि० २६;

नियन्तिज्ज. वि० उत्त० २४, २१;

नियन्तमाण. क० प० ४, ७८;

नियन्त. त्रि० (निवृत्त) निवृत्ति पाभेक्ष.
निवृत्ति पाया हुआ; निवृत्त. (One) who
is free-has finished. उत्त० १४.४१;
भग० ६, ३३; पंचा० ६, २०;

नियन्तण. न० (निवर्तन) निवर्तन. अटका-
वतुं निवर्तन, अटकाना Returning;
hinderance. उत्त० २४, २६; (२)
जमीननुं ऐक्ष माप-भरप. जमीन का एक
माप-भरप. A measure of land.
उवा० १, १६;

नियन्तणिय त्रि० (निवर्तनिक) निवर्तन-
जमीन मापवानुं ऐक्ष प्राचीन साधन,
तत्परिमित; निवर्तन प्रमाणे निवर्तन-भूमि
नापने का एक प्राचीन साधन, तत्परिमित-
उसके परिमाण का. निवर्तन के प्रमाण से.
Measured by an ancient mea-
sure of land. भग० ३, २;

नियन्त. स्त्री० (निवृत्ति) निवृत्ति; निवृत्त यवुं;
पाठा पल्लु. निवृत्ति; निवृत्त होना; पीछे
फिरना. Completion; returning
“असंजमे नियन्तिस्तच्च संजमेय पवत्तय ”
उत्त० ३१, २,

नियन्तिय त्रि० (निवृत्त) निवृत्ति पाभेक्ष.
निवृत्ति पाया हुआ, निवृत्त. (One) who
has returned; accomplished.
दस० ५, १, १३; ५, २, १२;

नियन्त्य. त्रि० (न्यस्त) छोड़ें; भूडें छोड़ा
हुआ; त्यक्त. Abandoned; cast
away. राय० ८१;

नियन्थ. त्रि० (निवसित) पहरेलुं; ओढेलुं.
पहिना हुआ; ओढा हुआ. Worn; put-
on. भग० ११, ६; परद० १, ३; विशेष०
२६०७;

नियनिय. त्रि० (निजनिज) पोतपोतानुं

अपना अपना, निजी. One's own
पंचा० २, १२;

✓नियम. धा० I. (नियम) कराना. To cause to do.

नियमे. वि० आया० २, १३, १७२;

नियम पुं० (नियम) प्रत; तपश्चर्यादि नियम;
टेक. नियम, व्रत; तपश्चर्यादि नियम, टेक;
सकल्प A vow; a penance; a
promise; a rule. भग० १, १, ४; २,
१; १०; ५, ४; ८; ६, ४; ८, २; ओव०
१६; जं० प० ७, १३५; आया० १, २, ३,
७६; पंचा० २, ४०, १, ४; १७, २६; प्रव०
११६०; ६६५, क० गं० २, १३; ५, १०; ५,
२५, (२) अवश्यपणुं; व्याप्ति आवश्यक-
कता, व्याप्ति necessity, neces-
sary connection. ओव० १६;
पि० नि० ४, १३७; विशेष० २१५७; ओघ०
नि० ५२८, (३) नियम; कानून. नियम;
कानून; कायदा; नीति. Regulation;
law; rule. नंदी० स्थ० ६. —पञ्जंत.
न० (—पर्यन्त) नियम-भर्यादा पर्यंत.
नियमपर्यंत; भर्यादा तक upto a limit.
प्रव० २१६; —सेषि. त्रि० (—सेषिन्)
नियमनु सेवन करना. नियम पालक;
सयमी. one who abides by a
rule; self-restrained प्रव० २८८;
नियमण. न० (नियमन) गोडपणुं; व्यवस्था
व्यवस्था; नियमन; प्रबन्ध. Arrange-
ment; control. क० गं० १, ४८;
नियन्त्र-अ त्रि० (निजक) पोतानु. अपना;
निजका. One's own. पंचा० १०, ३३;
विशे० ५८; उत्त० १२, ८; भग० ११, ११;
नाया० १६; —त्युत्ति. स्त्री० (—अधोक्ति)
पोताना अभिप्रायनुं अ-यने प्रतिपादन करना
ते. अपने अभिप्राय का दूसरे से प्रतिपादन
करना making one's own desires

known to others. विशेष. १००;
—मरण. न० (—मरण) पोतानुं मरण.
अपनी मृत्यु. the death of one self.
प्रव० १०६१;—सुत. पुं० (—सुत) पोतानो
पुत्र. अपना पुत्र; आत्मज. one's son.
मत० ११३;

नियय-अ. त्रि० (नियत) नियमय. नियम-
बद्ध; नियत. Regulated; prescrib-
ed विशेष० ७३; ओष० नि० ३३२; उवा० २,
१६३; ७, २००; (२) दायमनुं; शाश्वत;
दमेशनुं. नित्य का: शाश्वत; कायम का.
steady; eternal. जं० प० पि० नि० २२०;
(३) निश्चित; नक्षत्री करेक्ष निश्चित; ठहरा
हुआ. resolved; decided. विशेष० ८०;
—अनियय. त्रि० (—अनियत) अवश्य
यत्नार नाह; नियतानियत; क्षीर योक्षस अने
क्षीर अयोक्षस. अनिश्चित: नियतानियत;
कहाँ ठाँक कहाँ ठाँक नहीं undecided;
partially decided “ नियया निययं
मंतं अयायंता अवादिता ” मू० १, १, २, ४;
—भाग. पुं० (—भाग) योक्षस नक्षत्री
करेक्षो भाग. निश्चित. ठहरा हुआ भाग. the
settled part or division. आया०
२, १, १, १;

नियर. पुं० (निकर) समूह. समूह; कुटु.
Group. विशेष० ६; कप० ४, ६०;

नियल. पुं० (निगल) भेरी; लं० ७७; पञ्च
आंधवानी आंधवी. बेड़ा; श्रृंगला; जंजार;
पैरों में बांधने की माला Fetters;
chains. परा० १, ३; २ ५; मू० २, २,
२, ६३; विवा० ६; पि० नि० ५७३;
—बन्धन. न० (—बन्धन) निगल-भेरीनुं
बन्धन. बेड़ाका बंधन. bond of chains
निर० १, १; दमा० ६, ४;

नियल. पुं० (नियल) ये नामने अक्ष. इस
नामका ग्रह विशेष. A constellation

of this name. अ० २, १;

नियसिय. त्रि० (निवासित) धारण करेक्ष.
धारण किया हुआ. Worn. मू० ५० २,
२, ३३५;

निया. त्रि० (निदा) अधर्भ तरीके लज्जुवा
छतां छानना प्राण्य देवा ते; लक्ष्मी छुत्रीने
करवाभां आवती दि०सा. अधर्म पहि-
चानने हुए भी किसी की हत्या करना;
समझभूकर की जान बाली हिंसा.
Injury knowingly inflicted; a
deliberate harm. पि० नि० १०३;

नियाह. त्रि० (निकाचन) भोज्युत; ६६.
मजबूत; दृढ़. Strong; powerful.
ओष० नि० भा० ३६;

नियाग. न० (नियाग-मित्र्यामन्त्रितस्यपियहस्य
ग्रहणं नित्यं तत्त्वना मन्त्रितस्य) ने आभ-
न्रथु करे त्यागी भिक्षा लेवी ते; नित्यपि० ३.
जो आर्मांत्रित करे उसी के यहाँ की भिक्षा का
लेना: नित्यापिह. Accepting alms
from one who invites. दस० ३,
२; ६, ७३; उत० २०, ४०; (२) पुं०
भोक्ष; मुक्ति. मंच; मुक्ति; गति. Salva-
tion; emancipation. उत० १, ६;

नियाण. न० (निदान) कारण; हेतु. कारण
हेतु. Source; cause. पि० नि० ४५६;
विवा० १; पंचा० ४, ३०; ३६; ४४; १६;
(२) तपना कलनी अगाडिथी भागणी करवी
ते; नियाणुं; तथु शक्ष्यमानुं भेक्ष. तप के
फल की पहिले से हो याचना करना-पूर्व
याचना; नियाणा; तीन शल्यों में से एक.
begging of the fruit of a pen-
ance in the very beginning;
one of the three Salyas. दमा०
१०, ३; ओष० नि० ८०५; उत० २३, १;
आठ० ४०; —करण. न० (—करण)
नियाणुं करवुं नियाणा करना. begging

beforehand the fruit of a penance. वच० १३; —मरण. न० (—मरण) भोग वगेरेनी भांगणी करी मृत्यु पावबु ते. भोग आदि की याचना करके मृत्यु को प्राप्त होना dying after begging for sexual enjoyment. ठा० २, ४, —सल्ल न० (—शल्य) धन्दादिनी पदवीनि भाटे सकाम तप करबु ते; आत्माना विकास भागनु शक्य विघ्न. इन्द्रादि की पदवी के लिए की जाने वाली सकाम तपस्या; आत्मा के विकासमार्ग का शल्य—विघ्न. performing a penance with a desire of obtaining the position of Indra; an obstruction in the evolution of the soul. सम० ३; भक्त० ५६; १३५; आव० ४, ७;

नियमित्ता. सं० क० अ० (नियम्य) नियमभां राखीने. नियम में रक्कड़. Having controlled; regulated “उबसगा खिचमता आमोक्काए परिचव” सूय० १, ३, ३, २१;

नियाय. पुं० (निवाग) मोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. The path of salvation. आया० १, १, ३, १५; —हि. त्रि० (—अर्क्षिन्) मोक्ष भांने धञ्छतार. मोक्ष मार्ग का इच्छुक; मुमुक्षु (one) who desires salvation. सूय० १, १, १, २०;

नियुद्ध. न० (नियुद्ध) भेड़ोडुं युद्ध करवाती कला. विशाल युद्ध की कला. A science of fighting a great battle. ओव० ४०;

नियीया. पुं० (नियोग) नियोग, अवश्य भाव; नक्षत्री नियोग; ठीक; निश्चित; अनिवार्यता. Order; exact; decided. भग० ७, ६;

निरद्ध. पुं० (निर्द्धति) ज्येष्ठा अने मूल नक्षत्रों की स्वामी. The lord of the Jyēṣṭha and Mūla constellations ज० प० ७; १५७; अणुजो० १३१; ठा० २, ३, निरद्वयार. त्रि० (निरसिचार) अतिचार—रहित (प्रतादि). अतिचार—दोष रहित. (प्रतादि) Without a fault or transgression (fast etc.) प्रव० ३१२;

निरओवग. त्रि० (निरयोपग) नरकादि दुर्गतिभां भ्रमनार. नरकादि दुर्गति में चक्कर लगाने वाला. (One) who wanders about in wretched conditions such as the hell etc. विशेष० २५६६;

निरंकुस त्रि० (निरंकुश) निरंकुश; स्वतंत्र; २५७ टी. निरंकुश, निडर; स्वतंत्र. Independent, free; fearless; unruly. अणुजो० २१; -

निरंगण. त्रि० (निरङ्गण) रंग रंग रहित; २५७७. रंगरंग रहित; स्वच्छ; शुद्ध. Colourless; clean. ओव० १७,

निरंगणया जी० (निरागता) रंग द्वेषने अभाव रंग द्वेष का अभाव—कर्मा. Absence of love and hatred भग० ७, १;

निरंजन त्रि० (निरञ्जन) अंजन—रहित रहित. अंजन—द्राग रहित. Spotless. ज० प० कप्प० २, ११६; —उज्जो. पुं० (—उज्जोत) निरंजन—सिद्ध भगवान् की उज्जोत—प्रकाश निरंजन—सिद्ध भगवान् का उज्जोत—प्रकाश The lustre of Siddha Bhagavāna. भक्त० १६८;

निरंजन त्रि० (निरञ्जन) रंग रंग द्वेषनी रहित रंग हीन; रंग द्वेष विहीन. Colour-

less; passionless. पण्ह० २, ५;
 निरंतर. अ० (निरन्तर) हमेशा; प्रतिक्षण. Always; for
 ever; every moment. भग० ६, ३२;
 क० प० १, ४५; प्रव० ४०७; ४६५;
 निरंतरिय. त्रि० (निरन्तरित) सांध के क्षिप्त
 विनातुं. संधिहीन, अंतरहीन. Jointless,
 without interval. राय० १०५;
 निरंभा. स्त्री० (निरम्भा) वैरोचनेन्द्रनी शैथी
 अथ भद्रिणी. वैरोचनेन्द्र की चौथी अम्भ-
 महिणी. The 4th principal queen
 of Vairochanaindra. भग० १०, ५;
 निरक्तय. त्रि० (निराकृत) दूर करेले; त्यागेले
 दूर किया हुआ; त्यागा हुआ. Banished;
 abandoned; insulted. पण्ह० १, ३;
 निरक्रिय त्रि० (निराकृत) दूर करेले; त्यागेले.
 दूर किया हुआ; त्यक्त. Abandoned; set
 apart उत्त० ६, २६;
 निरट्ट. त्रि० (निरर्थक) अर्थ - प्रयोजन
 विनातुं; निरर्थक. अर्थहीन, बेमतलब. Use-
 less; unprofitable "निरट्टलोया परि-
 तावमेह" उत्त० २०, ५०; उत्त० १, ८; २५;
 निरट्टग त्रि० (निरर्थक) अर्थ विनातुं; नष्टाभु.
 अर्थहीन, निष्काम. Useless; unprofit-
 able. "निरट्टगमि विरमो मेहुणा ओ सुसं-
 युद्धो" उत्त० २, ४२;
 निरणुत्त. न० (नीरणुत्व) २थु रहित पथुं.
 रणहीनता. Absence of fighting
 दसा० ४, ६७;
 निरणुकंप. त्रि० (निरनुकम्प) दया विनातुं;
 निर्दय; क्रूर मनतुं. निर्दय; निष्ठुर; क्रूर.
 Cruel; pitiless. अणुजो० २१;
 निरणुकंपस. (निरनुकम्पत्व) निर्दयपथुं
 निर्दयता; क्रूरता. Cruelty; barbarity.
 प्रव० ६५२;
 निरणुतावि. त्रि० (निरनुतापेन्) पश्चात्ताप

न करेना. पश्चात्ताप न करनेवाला. (One)
 who does not repent. प्रव० १६००;
 निरतियार. त्रि० (निरातिचार) शंका क्षांसादि
 अतियार दोष रहित. शंका कांक्षादि अनिचार-
 दोषहीन. Free from the faults of
 suspicion, expectation etc. पंचा०
 १०, ५;
 निरतिसअ. पुं० (निरतिशय) केवलज्ञाना
 दिना अतिशय रहित. केवलज्ञानादि के अति-
 शय से हीन. (One) devoid of the
 supernatural powers of perfect
 knowledge विशेष० २४६६;
 निरतथय. त्रि० (निरर्थक) अर्थविनातुं;
 नष्टाभुं. निरर्थक, व्यर्थ; निरुपयोगी. Use-
 less; unprofitable. पण्ह० १, २;
 गण्डा० १३५;
 निरतथिय. त्रि० (निरर्थक) नष्टाभुं. व्यर्थ;
 बे काम Useless. विशेष० १४७३;
 निरभिसंग. त्रि० (निरभिष्वङ्ग) प्रतिगंध-
 विनातुं; आसक्तिविनातुं प्रतिबंध-आसक्ति
 रहित. Free; passionless; without
 attachment. पंचा० १४, २८;
 निरभिसंगस. न० (निरभिष्वङ्गत्व) संग
 रहितपथुं. असक्तता; विराग; निःसंगता.
 The state of being passionless.
 पंचा० ५, १८;
 निरभिसंग. त्रि० (निरभिष्वङ्ग) निःस्पृह;
 भ्रष्टाविनातो. निःस्पृह; निरिच्छ; निष्काम.
 Desireless; unselfish. पंचा० २,
 ३४; ११, ५;
 निर-य. त्रि० (निरजस) २थुविनातुं. रज
 रहित. Dustless; free from the
 Rajoguna दसा० ५, ४१;
 निरय. त्रि० (निरत) कार्यमां रत-तत्पर.
 कार्य रत; कार्य तत्पर; काम में लगा हुआ.
 Ready; attentive to an act.

भग० १, ५; ७, ६; (२) पुं० पांथभां
देवलोकनो निरत नामनो पाथो। पचिवे देव-
लोक का निरत नामक प्रस्तर A layer
named Nirata of the 5th
Devaloka. ठा० ६, १;

निरय. पु० (निरय) नरक. नरक. The
hell. जं० प० भग० २, ३; ओ३० २१;
अणुजो० १२७; भक्त० ५७; क० गं० १, ३२;
क० प० २, १०४; —अणुपुड्वी. स्त्री०
(-अनुपूर्वी) नरकानुपूर्वी नामे नामकर्म की
ऐक प्रकृति. नरकानुपूर्वी नामक नामकर्म की
एक प्रकृति A variety of Karmic
matter named Narakānupūrvī.
क० गं० २, १४; —आउ न० (-आयुप्)
नरकनुं आयुष्य नरक का आयुष्य-नारकी-
जीवन. hellish life. क० गं० २, २७;
—आवास पुं० (-आवास) नरकनो निवास;
नरकावासा. नरक का रहना; नरक निवास.
dwelling in the hell. भग० १, ५;
६, ५; जीवा० ३, १; —गइ. स्त्री० (-गति)
नरकनी गति. नरक की गति. the state
of the hell. भग० १, १०; ठा० ५, ३;
क० प० ४, ३२; क० गं० ४, १३;
—गतिया स्त्री० (-गति) नरकनी गति.
नरक की गति. the condition of the
hell. भग० ८, २. —तिग. न० (-त्रिक)
नरकगति, नरकनुं आयुष्य अने नरकानुपूर्वी
ऐ त्रय प्रकृति. नरक गति, नरक का आयुष्य
और नरकानुपूर्वी ये तीन प्रकृतियाँ. the 3
varieties of the Karmic nature
viz NarakaGati, Narakāyusya
and Narakānupūrvī. क० गं० ५,
६६; —दुग. न० (-द्विक) नरकगति अने
नरकानुपूर्वी. नरक गति और नरकानुपूर्वी-दो
प्रकृतियाँ. the two varieties of the
Karmic nature viz. Naraka-

gati and Narakānupūrvī क० गं०
५, ६१; क० प० २, ६६; ६०; —नव.
न० (-नवक) नरक त्रिक, सूक्ष्मत्रिक अने
विकलत्रिक ऐ नव नामकर्म की प्रकृतियों का समूह.
an aggregate of the nine
varieties of Karmic nature
viz a Narakatrika, a Sūkṣma-
trika and a Vikalatrika.
क० गं० ३, २३; —द्वार. न० (-द्वार-
शक) नरकत्रिक, सूक्ष्मत्रिक, विकल-
त्रिक, ऐकेन्द्रियजाति, स्थावर अने
आतप ऐ बार प्रकृतियों का समूह. नरकत्रिक,
सूक्ष्मत्रिक, विकलत्रिक, ऐकेन्द्रियजाति, स्थावर
और आतप इन बार प्रकृतियों का समूह.
a group of the 12 Karmic
natures viz. Narakatrika,
Sūkṣmatrika, Vikalatrika, one-
sensed beings, immovables
and heat. क० गं० ३, २३; —भवस्थ
त्रि० (-भवस्थ) नरकरूप अवभां रहेनार.
नरकरूप अव में रहने वाला; नरक योनि.
dwelling in the hell भग० ८, २;
—वाल. पुं० (-पाल) नरकने पालनार;
यम पुरष; परमाधी देव. नरक की रक्षा
करने वाला; यमपुरष; परमाधी देव. the
protector of the hell भग० १, ७;
—सोल. न० (-सोडश) नरकगतिथी
मांडी छेवदु संघयणपर्यंत नामकर्म की १६
प्रकृतियों का समूह. नरकगति से लगा कर
अन्तिम संघयण पर्यंत नामकर्म की १६
प्रकृतियों का समूह. an aggregate of
the 16 varieties of Nāma-
karma. क० गं० ३, ६;

निरयविभक्ति स्त्री० (निरयविभक्ति) ऐ

नामनुं सूयगङ्गासूत्रनुं पांचमुं अभ्ययन.
सूयगङ्गा सूत्र का इस नामका पांचवां अभ्य-
यन. The 5th chapter of this
name of the Sūyagadāṅga
Sūtra. सम० १६;

निर्यावलिया. द्यो० (निर्यावलिङ्ग) ओ
नामनु ओक-कालिक सूत्र इस नामका एक
कालिक सूत्र. A Kalika Sūtra of
this name. नंदा० ४३;

निरवकांक्ष. त्रि० (निरवकांक्ष) आकांक्षा भ्रष्टा
 विनाश; निःस्पृह निराकांक्ष; निरिच्छ;
 निस्तुष्ट. Desireless; disinterested.

उत्त० ३०, ९; आ० २१; कप्य० ५, ११८;

निरवचयः त्रि (निरपचय) क्षान्ति रक्षितः
 हानि से रक्षित; हानि शून्य; निरापद.
 Harmless: without danger.
 भग० ५,८;

निरवज्ज. त्रि० (निरवय) निश्चय; निर्दोष.
निरवय; अनिर्दोष; निर्दोष Faultless;
without censure. सु० च० ४, ६;
भक्त० १३;

निरवयक्ख. त्रि० (निरपेक्ष) .आशंझाथी
गहित. आकांक्षा-अपेक्षा रहित. Disin-
terested. भग० १. ३३;

निरवसेस त्रि० (निरवशेष) सधनुः संपूर्णः ।
 गव, सम्पूर्णः सारा. All; whole.
 अणुजो० ८, भग० २, १०; ३, १; ६, २;
 ७, २; विंशे० ३८८; पचा० १, २३; १५,
 २८; प्रव० १८७; उवा० ४, ११४;

निरवाय. त्रि० (निरपाय) दोष रहित;
निधनविनाशुं दोष रहित; विघ्न विहान
Faultless; harmless. विशेष १०२३:

निराविक्लव. त्रि० (निरपेक्ष) डोई गतनी
अपेक्षाविनाही. किसी भी प्रकार का अपेक्षा
न रखनेवाला. Without any expect-
ation. मत्त० १४७;

निरव्येकश्च. त्रि० (निरपेक्ष) अपेक्षा-
अर्थान्नानुं. अपेक्षा-गरज हीन, Un-
selfish. "निरव्येकश्चो वशिष्ठश्च" सूय० १,
६, ७; सु० च० ११, १; उत्त० ६, १३;
विशे० २३; ७०; भक्त० ४७; पञ्चा० ४, ७;
निरव्येक्षा. स्त्री० (निरपेक्षा) निःस्पृहा;
धृ० नहि०ते. निःस्पृहः निरिच्छ, Desire-
less. पञ्चा० २, ६;

निरस्तण. न० (निरशन) भोजनने। अभाव.
भोजन का अभाव; उपवास; निरशन.
Absence of food; fast. सु० अ०
११. ३०;

निरस्ताश्र-य. प्रि० (निरास्वाद) स्वाद
 विनानुं भोक्षुं; क्षीडुं. निःस्वाद. बेस्वाद; फोका.
 Tasteless. उक्त० १६, ३०; नाया० १;
 मिरहंकार. प्रि० (निरहंकार) अहंकार रहित;
 निरभिमानी निरभिमानो; अहंकारशून्य.
 Free from pride; humble. “निर-
 हकारो निस्प्रगो” उक्त० १६, ३०; ३५,
 २१; जं० प० “निम्ममो निरहंकारो” सूय०
 १, ६; ६;

• निरादिगकरण. प्र० (निराधिकरण) अद्भुतः।
आरंभ विना। बहुत बड़े आरंभ हान.
Without a grand beginning.
पंचा० ११, २२:

निराडम्ब. त्रि० (निरायुः) आयुष्य विनाशः
 आयुष्य कर्मणा क्षय करेव आयुष्यहानः
 आयुष्य कर्म का क्षय-नाश किया हुआ.
 Lifeless; one (whose) life
 Karmas are destroyed अणुजा०
 १२७: भग० २. ३;

निराकिष्ठा. स० क० अ० (निराकृत्य)
 निराकरण करके; दूर करके; निकाल करके. Having
 set aside; abandoned; banish-
 ed सय० १, ११, १२;

निराकरण. पुं० (निराकरण) शुद्धासे; निराकरण. सुलभा; निराकरण; फैसला; निकाल. Explanation: decision पं० १७, १४;

निराकार. त्रि० (निराकार) आकार रहित. आकार रहित, निराकार. Formless, विशेष० २६; (२) त्रि० (निराकार) आकार-छूट रहित. आकार-छूट रहित, Without any option. आ० १८;

निरातक. त्रि० (निरातक) निरोगी निरोगी; दुःख-पीड़ा रहित. Healthy. ज० प०

निरामगन्ध. त्रि० (निरामगन्ध-गिरिताम गन्धं यस्मात्सः आमगन्ध) भुक्षित शुद्धिनी अशुद्धानां दोषात् रहित. आमगन्ध-मूलोत्तर गुण की अशुद्धता के दोष से रहित Free from Amagandha. " निरामगन्धो परिविवह " आया० १, २, ५, ८७;

निरामय. त्रि० (निरामय) रोग-पीड़ा रहित. रोग-पीड़ा से रहित; निरोग; स्वस्थ. Healthy; free from a disease सम० ३४.

निरामिस. त्रि० (निरामिस-आमिषा विषयास्तो निर्वन्ता यस्मादिति) विषय रूप आमिषा रहित; विषय वासनाधीन निवृत्ति पामेक्ष. विषय रूप आमिष से रहित; विषय वासना हीन-निर्वास पाया हुआ. (One) who is free from sexual or worldly desires. " आमिस सख मुञ्जिक्ता विहरिस्सामो निरामिसा " उक्त० १४, ४१;

निरायंक. त्रि० (निरातक) रोग विनाश; निरोगी. रोग हीन; निरोगी. Healthy. ओ० १०;

निरायस. त्रि० (निरातप) तपसा रहित. धूप रहित; निरातप; चामशून्य; छाया पूर्ण. Free from heat त्रि० नि० १७५,

निरारम्भ. त्रि० (निरारम्भ) आरंभ-पाप क्रिया न करने वाला; आरंभ शून्य (One) who does not commit sins; sinless " धम्मशमे निरारम्भे उवसंते गुणी चरे " उक्त० २, १५;

निरालम्बण. न० (निरालम्बण) आलोक अने परलोकनी आशसायी रहित; निष्काम. इह लोक व परलोक की आशसा से रहित. निष्काम Desireless; free from the desires of this or the other world. " इम्ममेलोह परतये दोसुवि नविज्जइ यंधण जस्सकिंछिवि सेहु निराखंढणे " आया० २, ४, १, १२; २, १६, १२, (२) आलम्बण-आधार विनाश. निरालम्ब, निरावार, आश्रय विहीन Supportless, alone; helpless ओ० १७; कप्प० ४, ११६,

निरालम्बणया स्त्री० (निरालम्बणता) डोहने पण आधार न होना पण. निरावलम्बता, निराश्रयता. The state of being supportless. आ० ४, ३, आया० १, ५, ६, १६७; ओ० १७,

निरालय. त्रि० (निराकय) धर विनाश; रहोशुनी अरु विनाश. घरबार विहीन; निवासस्थान की आवश्यकता से रहित. Homeless; ओ० १७;

निरालोय. त्रि० (निरालोक) प्रकाश रहित. प्रकाश शून्य Devoid of light, invisible. भग० ७, ६;

निरासकंकिष. त्रि० (निरासकंकिष) आरा वाञ्छा रहित; निरपृष्ट. आकाङ्क्षा-इच्छा रहित. Desireless. स० १, १०, २४;

निरावरण. त्रि० (निरावरण) आवरण-धर्म रहित, उधाड़; शुद्ध. आवरण-कर्म रहित; सुला, अनच्छदित Free from

Karmas; open; uncovered.

भगुजो० १२७; श्रव० ४०; भग० १, ३१;

कप० १, १;

निरास. त्रि० (निराश) आशाथी रहित.

निराश; नाउम्मेद Hopeless. दस० १, ४, २, ३;

निरासव. त्रि० (निराश्रव) आश्रय विनाशुं; पाप रहित. निराश्रव; पाप शून्य.

Sinless " पावकम्मनिरासेव " उक्त० ३०; ६;

निरासंस. त्रि० (निरासंस) आ लो३ अने

परलो३कनी आशंसा-छि३छा रहित. इहलोक

व परलोक को इच्छा से शून्य. Free

from the desire of this or the

other world. " निरासमे उवरययेहुणा

चटे " आया० २, ४, १, १, १, १६, ६;

निरिंधण त्रि० (निरिंधन) धंधन रहित.

इंधन रहित. Fuelless दसा० ५,

३६, ३७;

निरिंधण. स्त्री० (निरिन्धनता) धंधन-

का३ समु३धथी रहित पणु३ निरिंधनता; इंधन-

हानता. The state of being with-

out fuel. भग० ७, १;

निरिक्षणा. स्त्री० (निरीक्षणा) परि३ले३धु.

ने३नु-तपासयुं ते पडिलेहण; देखना; निरीक्षण

करना; जांच करना. Care; examina-

tion; circumspection जं० ५० ७,

१६६; श्रव० नि० ६२;

निरिक्षिअ. त्रि० (निरीक्षित) ने३धे३लुं;

तपासे३लुं. निरीक्षित; जांचा हुआ; देखा हुआ.

Tested; seen. सं३दु० — विरइ. स्त्री०

(-विरति) दृष्टिने नियममां रा३धनी ने

दृष्टि नियमन; नेत्रों का संयमन.

control of the sight प्र० ६७;

निरिया. स्त्री० (निरिका) कॢन्-विशेष

कन्द विशेष A kind of bulbous

root. भग० ७, ३;

निरुअ. त्रि० (नीरुज) रोग विनाशुं. रोग

रहित; निरोग. Diseaseless; healthy.

विशे० १५८५; २१२७;

निरुह. स्त्री० (निरुहति) भू३ नक्षत्रने

अधि३शता दे३ता. मूल नक्षत्र का अधि३शता

दे३ता. The presiding god of the

Mūla constellation. जं० १०७, १७१;

✓निरुंभ. घा० II. (निरुंभ) निरुंभ

करना. निरुंभ करना; रोकना. To obstruct;

to obstruct.

निरुंभइ. उक्त० २६, ४; श्रव० ४३;

निरुंभिता. सं० कृ० दसा० ४, २४; सू३य० १,

४, २, २०; श्रव० ४३;

निरुंभण. न० (निरुंभण) रोकनु; अ३ट३यनुं

ते. रोकना अ३ट३काना; निरुंभ Hinder-

ance; obstruction श्रव० नि०

२०६; परह० १, १;

निरुच्छार. त्रि० (निरुच्छार) ने३ने पु३रि३पो३त्सर्ग-

भ३त्तयाग करवाने भा३र्ग अॢध हो३य ते वह

जि३यका पु३रि३पो३त्सर्ग मल३त्तयाग करने का मा३र्ग

य३ हो३. One whose rectum is

stopped or clogged परह० १, ३;

निरुच्छाह. त्रि० (निरुच्छाह) डि३सा३धुथी

रहित उ३त्साहहीन; निरु३त्साह Inactive;

devoid of energy. भग० ७, ६;

गच्छा० ४;

निरुज. त्रि० (नीरुज) रोग विनाशुं. रोग

रहित. Diseaseless. पंचा० १६, २८;

निरुजसिद्ध. पु० (नीरुजसिद्ध - रुजा रोगाणा

मभा३वो गिरुजं तदे३व प्रधान फल वि३वक्ष्या

शि३ले३व शि३खा य३श्रा३सौ न३या) त३प वि३शेष ३

ने कृ३णु३पक्षमां कराय३छे, आ३ उ३प३वास अ३ने

पार३णु३ आ३पं३पि३लरूप त३पने३ अ३क प्र३कार.

कृ३णपक्ष में किया जाने वाला त३प वि३शेष;

आठ उपवास और पारणों का आ३यंत्रित रूप

तप का एक प्रकार; A particular austerity to be practised in the black-half of a month; one of the austerities. प्रव० १५२६; निरुद्धाह. त्रि० (निरुद्धायिन्) बारंवार उठ-
पैठ न करना. बारंवार उठबैठ न करने वाला.
(One) who does not stand and sit often. "अप्युद्धाह्निकद्धाह्न" उत्त० १, ३०;

निरुक्त. न० (निरुक्त) निरुक्त शास्त्र; शब्दों की व्युत्पत्ति करने-बतलाने वाला शास्त्र.
A treatise on the derivation of words. विशेष० २; भग० २, १; कप्प० १, १०;

निरुक्ति. त्री० (निरुक्ति) व्युत्पत्ति; विग्रह. व्युत्पत्ति; विग्रह. Derivation; etymological interpretation. अणुजो० १५६;

निरुक्तिश्च. त्रि० (निरुक्तिज) व्युत्पत्तिथी अपने-अपने व्युत्पत्ति से बना हुआ, व्युत्पत्ति निर्मित.
A derivative. अणुजो० १३१;

निरुद्ध. त्रि० (निरुद्ध) आच्छादित करेले. आच्छादित किया हुआ Covered "किरिय णवस्सति निरुद्धपच्चा" सूय० १, १२; ८; भग० २, १; (२) दुँकु; २५६५ छोटा; थोड़ा; कम; स्वल्प a little; less. "इम निरुद्धा उयंसवेहाय" आया० १, ४, ३, १३६; नाया० १; विवा० ४, ठा० ४, १; (३) जलचर; जलविशेष जलचर; जीव विशेष a particular aquatic animal कप्प० ३, ४३. —आउय. न० (—आयुष्क) थोड़ा आउआ वाला थोड़ा वय-उमर वाला. short-lived. 'इमं निरुद्धाउयं सेवहाय' आया० १, ४, ३, १३६. —एराण. त्रि० (—प्रज्ञ) कर्मना आवरणथी जेनुं

ज्ञान ढंकाध गयु छे ते. कर्मों के आवरण से आच्छादित ज्ञान वाला. (one) whose knowledge is obscured by Karmas सूय० १, १२, ८; —परियाअ. पुं० (—पर्याय) धर्मां वधर्मां प्रवर्णना छोड़ी धर्मने दूरी प्रवर्णना लेवी ते. बहुत वर्णों की प्रवर्णना को छोड़कर फिर से प्रवर्णना का प्रवर्ण करना. entering again the order left after attending it for a long time. बव० ३, ६; —भव. त्रि० (—भव) जेणे संसारने प्रचार रोक्यो होय ते. संसार के प्रचार को रोकने वाला. one who has checked the tie of the world. भग० २, १;

निरुद्धग. त्रि० (निरुद्धक) २५६५, थोड़ा. स्वल्प; थोड़ा. A little; less. सूय० १, १४, २३; निरुद्धह. त्रि० (निरुद्धत) रोगादिथी दुःखमेव नही. रोगादि से विमुक्त, रोगादि से अपादित. Free from disease etc. प्रव० १४२६;

निरुद्धकंस्त्रि. त्रि० (निरुद्धकंस्त्रि) आकांक्षा रहित. आकांक्षा-इच्छा शून्य. Desireless जं० ५०

निरुद्धकम. त्रि० (निरुद्धकम) उपक्रम शून्य. Without a commencement पंचा० ३, १५।

निरुद्धकमाउय त्रि० (निरुद्धकमायुष्क) आयां सूनना सातमा आयांमां कहेले अप्य-वसाय शस्त्र आदि सात कारणथी आयुष्य अहित न थयुं होय ते "निरुद्धकमायुष्क". आयां सून के सातवें आयु में कहे हुए अव्यवसाय शस्त्रादि सात कारणों से अस्त्रादि आयुष्य वाला "निरुद्धकमायुष्क" (One) whose life is not disturbed by the 7 reasons des-

cribed in the 7th section of the Thāpāṅga Sūtra. पञ्च० ६;
 निरुपक्षिह. त्रि० (निरुपक्षिह) शैभादिधी
 रहित. निरामय; रोग रहित. Disease-
 less. भग० ६, ७; अलुङ्गो० १२८;
 निरुपगारि. त्रि० (निरुपकारि) उपहार
 न करतार. उपकार न करने वाला. Un-
 grateful. विशेष० १४४७;
 निरुपचय. त्रि० (निरुपचय) उपचय-वृद्धि
 रहित. उपचय-वृद्धि रहित. Free from
 excess. भग० १, ६;
 निरुपचरित. त्रि० (निरुपचरित) उपचरनाभां
 न आवेतेषु; उपचार रहित करणालीत;
 उपचार रहित. Incomprehensible;
 without formality. पञ्चा० ६, १०;
 निरुपह्वाण. त्रि० (निरुपह्वाण-निर्गतमुप-
 ह्वाणं उद्यमो-येषां ते निरुपह्वाणाः) सर्वज्ञ
 प्रणीत सदाचारे के अनुष्ठान रहित. सर्वज्ञ
 प्रणीत सदाचारे के अनुष्ठान से शून्य. One
 devoid of the rules of right
 conduct laid down by Sarva-
 jña (omniscient). " आख्याप
 णं निरुपह्वाणा " आया० १. ५, ६, १६६;
 निरुपम. त्रि० (निरुपम) अति सुंदर;
 अनुपम भाति सुन्दर; अनुपम.
 Peerless; very handsome. जीवा०
 ३, ३; आद्य० १०; सु० च० १, ४०; भग०
 ६, ३३; पञ्चा० ४, ३८, क० गं० ३, ६०;
 निरुपलोच. त्रि० (निरुपलोच) निर्लेप; लेप
 रहित. निर्लेप; लेप रहित; कर्म
 शून्य. Stainless; free from
 desires जं० प० २, ३१; आद्य० १०;
 सम० ३४, कप्प० ५, ११६;
 निरुपसर्ग. त्रि० (निरुपसर्ग) उपसर्ग
 रहित; निरुपसर्ग. उपसर्ग हान; निरुपसर्ग.
 Free from obstructions उवा०

२, ११४; १०, २७४; मत० ४;
 निरुपसर्गय. त्रि० (निरुपसर्ग) लुप्तो
 उपसर्ग शून्य. हेतु का कारण का शून्य.
 Vide above. उवा० १०, २७७;
 निरुपहत. त्रि० (निरुपहत) उपहत-रोग
 रहित. उपहत वा रोग रहित. Free from
 calamity or disease. भग० ७, १;
 १८, १०; जीवा० ३, ३;
 ✓ निरुह. धा० II. (नि + रुह्) रोधयुं;
 रोधयुं. रोधना; निरोध करना. To check;
 to hinder.
 निरुहोहि. आज्ञा० विवा० १;
 ✓ निरुध. धा० II (नि + रुध्) निरुधयुं
 रुधयुं; निरुधयुं. निरुध करना; निरुधना.
 To define; to determine.
 निरुधइ. स० च० १, २६३;
 निरुधिम. त्रि० (निरुधिम) निरुधयुं रुधयुं.
 निरुध-निरुधयुं किया हुआ. Deter-
 mined; defined प्रब० १३८;
 निरुधियस्य. त्रि० (निरुधियस्य) निरुधयुं
 रुधयुं; तपासना धातु. निरुधयुं; निरुध-
 युं. Fit to be determined or
 ascertained. पञ्चा० ३, ३१; ११, २०;
 निरुधेय. त्रि० (निरुधेय) रुधयुं-प्रशमययुं रहित
 रुधयुं-प्रशमययुं से खाली; रुध शून्य Free
 from tremour; steady. भग० १, ७;
 २५, ४;
 निरुधेय. न० (निरुधेय) रुधयुं न होवे
 ते; निरुधयुं. निरुधयुं; निरुधयुं.
 Steadyness; stillness आद्य० ४३;
 कप्प० ४, ६१;
 निरुधेय त्रि० (निरुधेय) रोगरहित; निरुधेय.
 रोगरहित; निरुधेय. Diseaseless; heal-
 thy. आद्य०
 निरोध. पुं० (*) आज्ञा; हुक्म. आज्ञा; हुक्म;
 आदेश. Order; command. सु० च०

१०, १८७;

निरोद्ध. पुं० (निरोध) अटकाव; रोक।
अटकाव; रोक, प्रतिबंध; दकावट, Hinder-
ance. (२) ताप; गर्मी. ताप; गर्मी,
heat. तदु० आया० १, ८, ७, १६; श्लो०
१६, उत्त० ७, २६; (३) अशेष कर्मनो-
क्षय. अशेष कर्म का क्षय, destruction
of all Karmas. "ए पसु या सति तिरोद्ध
माहु" सूय० १, १४, १६;

✓ निर-कस. धा० I. (निर+कृप्) अहार
नीक्षयुं; डाडी काढवुं बाहर निकलना;
निकाल देना. To turn out; to drive
out.

शिक्षसिञ्जह. भा० वा० उत्त० १, ४;

शिक्षसे वि० सूय० १, १४, ४;

शिक्षसिञ्जत. उत्त० १, ४;

✓ निर-क्रम. धा० I, II. (नि+क्रम)
निकलवुं; अहार नीक्षयुं निकलना; बाहर
निकलना. To step out; to come
out.

शिक्षसंति. नाया० २;

शिक्षसमामि. नाया० ८;

शिक्षसमे उत्त० १, ११;

शिक्षसमिस्तामि. नाया० ८;

शिक्षसमिता. सं० कृ० नाया० १३;

शिक्षसम्म. सं० कृ० सूय० १, ७, २६;

शिक्षसमाय सं० कृ० व० कृ० नाया० ८;

जं० प० ७, १३१; १३२; १४२;

शिक्षसमितप. हे० कृ० वेय० ५, १५;

✓ निर-गच्छ. धा० I (नि+गम्) नीक्षयुं.
निकलना. To go.

निगाच्छह. भग० २, १; ३, १, उवा० १;

६; ६, २६४;

निगाच्छट. भा० अंत० ६, ३;

निगाच्छता. सं० कृ० भग० २, १;

निगाच्छिता भग० ३, १;

✓ निर-घट्ट धा० I. (निर+घट्) अहार
काढवुं बाहर निकाल देना. To expell
निग्घाट्टिजह. गच्छा० ८७;

✓ निर-चर धा० I (निर+चर्) यथा प्रका-
रनु अनुष्ठान करवुं; नियम पालन पुरस्सर
वियरवुं. यथाविध अनुष्ठान करना, नियम
पालन पुरस्सर विचरना. To act strictly
according to prescribed rules;
to act with strict observance
of rules.

शिक्षरह सूय० २, २, २०,

✓ निर-च्छुभ. धा० I (नि+क्षुम्) अहार
काढवुं. बाहर निकालना. To push out;
to drive out.

शिक्षुभंति. नाया० १; ८;

शिक्षुभावेह प्रे० नाया० ८; १६; विवा० २;

शिक्षुभद. नाया० १८;

✓ निर-च्छोड धा० I. (नि+क्षुड्) अपमान
करवुं; तिरस्कार करवुं; डाडी आली अहार
काढवुं. अपमान करना; तिरस्कार करना; गरयन
पकड कर बाहर निकालना. To insult;
to show contempt towards; to
push out by seizing the neck,
दिच्छोडह. डा० ५, १;

दिच्छोडेह. भग० १५, १, नाया० १८;

दिच्छोडसि. नाया० १६;

दिच्छोडेहिति. भग० १५, १;

दिच्छोडेता. सं० कृ० भग० १५, १

✓ निर-छोड धा० II. (निर+छोड्) तद
छोडवुं; तिरस्कार करवुं. तिरस्कार करना.
To insult

निच्छोडेता. उवा० ७, २००;

✓ निर-च्छो. धा० II. (निर+च्छ) पाणी-
मां डुबावुं. पाणी में डुबाना. To dip
in water; to cause to sink in
water.

शिच्छोत्तोमि नाया० ८;

✓ निर्-जय. धा० I. (निर्+यत्) लेवुं, देवुं;
पाधुं आपवुं. लेना, देना; वापिस देना. To
take; to give; to return.

शिजाएइ. नाया० १; ७;

शिजाएमि. नाया० ७;

शिजाइस्ससि. नाया० ७२

शिजाउ. नाया० १६;

शिजाएत्ता. सं० कृ० नाया० १;

शिजाएत्तए. हे० कृ० नाया० ७;

✓ निर्-जर. धा० I, II. (निर्+जर्)
निर्जरा करवी; कर्म दलने आत्म प्रदेशी
अभेरेवा. निर्जरा करना; कर्मदल का आत्म
प्रदेशसे झटक डालना To cause Kar-
mic matter to fall off from
the soul.

शिजरेइति. भग० १, ३; १४, ७; १६, ४;

शिजरेति. ठा० ४, १;

शिजरेसु. ठा० ४, १; पञ्च० १४;

शिजरमाण. भग० १८, ३;

✓ निर्-जर. धा० I, II. (निर्+जृ) अरवुं;
अभेरेवुं; त्याग करवे। झटकारना; त्याग
करना. To cast away; to throw
off; to abandon.

निजरइ. ठा० २, २; भग० ७, १;

निजरंति. पञ्च० १४; भग० ७, ३;

निजरोत. भग० ७, ३;

निजरेस्संति. भ० पञ्च० १४; भग० ७, ३;

निजारसु. भू० भग० ७, ३;

निज्जरेज्जइ. क० व० उत्त० ३०, ६;

निज्जरेज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० १, १०;

✓ निर्-जा. धा० I. (निर्+या) नीकवुं;
अ-दरवी अहार अवुं. निकलना; आंतर से
बाहर जाना. To come out; to get
out. (२) नीये अवुं; डूबवुं. नांचे जाना;
डूबना. to get down; to sink.

शिजाति. ठा० २, ४;

शिजामि. नाया० ६;

निजाइति. भग० १५, १;

शिजाइस्सामि. दसा० १०, १;

शिजायमाण. धिवा० ६;

✓ निर्-जा. धा० I (निर्+या) निकवुं;
प्रयाथ करवुं. निकलना; प्रयाण करना. To
depart; to come out; to march.
निजाइ-ति. आया० १, ४, ३, १३६; उत्त०
८, ६; दसा० १०, ३;

निजाजंतु. आ० ओव० ३०;

निजाइस्सामि. भ० ओव० २६;

निजायमाण. व० कृ० दसा० १०, ३;

✓ निर्-जा धा० I (निर्+या) अवुं;
नीकवुं. जाना; निकलना. To go out;
to come out.

शिजायंति. भग० २, ५;

शिजायमाण. नाया० १२, १४;

✓ निर्-जूह धा० I. (निर्+यूह) अहार
करवुं बाहर निकालना. To expell.

निज्जहिंति. भग० १५, १;

निज्जहिना. सं० कृ० भग० १५, १;

निज्जहिण. सं० कृ० उत्त० ३५, २०;

✓ निर्-झा. धा० I (निर्+घ्यै) ध्यान
करवुं; विचार करवे। ध्यान धरना; विचार
करना. To meditate; to think.

निज्झाए. दस० ८, ५५;

निज्झाइत्ता. सं० कृ० आया० १, १, ६, ५०;

✓ निर्-त्तर धा० I (निर्+तृ) पार
पावुं; अन्त आणवे। पूरा करना; समाप्त
करना. To complete to finish.

नित्थरेज्जा. वि० पणह० २, २;

✓ निर्-त्थर धा० I. (निर्+त्थ्) निरतार
करवे। निस्तार करना. To cross; to
finish.

नित्थरइ. गच्छा० ६७;

✓ निर्-स्थर. धा० II. (निर्+स्थृ) पार
पामवुं पार पाना To cross.

निर्स्थरह्. उवा० ७, २१८;

✓ निर्-दह. धा० I. (निर्+दह्) आलवुं.
जलाना. To burn.

निर्दहे वि० गच्छा० ६;

✓ निर्-दिश धा० I (निर्+दिश्)
निर्देश करवा; ज्ञापयवु निर्देश करना;
जताना. To point out.

निर्दिसे वि० दस० ७, १०; ६, २२.

✓ निर्-धूय धा० I (निर्+धूय्) कं'पा-
वपुं, हूर करवु. कं'पायमान करना; दूर करना.
To shake, to set apart.

निर्धूये. वि० उत्त० ३, ११, दस० ७, ५७;

✓ निर्-ने. धा० II (निर्+नी) लध
वपुं. ले जाना. To take away.

नीयेह. उवा० ३, १३२; ७, १३४;

नीयेमि उवा० २, १०२; ३, १२६; ५,
१५६; ७, २२७;

नीयेत्ता. ३, १३८; ७, २३०;

✓ निर्-पज्ज. धा० I. (निर्+पज्)
क्षिपन थपुं; अन्वपुं. उत्पन्न होना; बनना.
To be born; to be made.

निष्पज्जह् अणुजो० १३४;

निष्पज्जए सू० प० जं० प० ७, १५१;

✓ निर्-पील. धा० I (निर्+पील्)
पीवपुं; कष्ट देवुं. सताना; कष्ट देना. To
trouble, to distress.

निष्पीलए वि० आया० १, ४, ४, १३७;

✓ निर्-भच्छ. धा० II (निर्+भर्त्स्) निर्भ्र-
वपुः पणोऽवपुं. निर्भर्त्सना करना; अपमान
युक्त शब्द बोलना. To reproach; to
insult.

निर्भच्छेज्जा. उवा० ७. २००;

निर्भच्छेज्जण. सं० कृ० सु० च० ६, १४६;

✓ निर्-वत्त धा० II. (निर्+वृत्त-णिच्)

निपन्नवपुं. निपजाना; पैदा करना. To
produce.

निव्वत्तेह्. उवा० २६, ३;

✓ निर्-वत्त. धा० I. (निर्+वृत्) करवुं.
करना To do.

निव्वत्ते पराह० १, १;

✓ निर्-वत्त. धा० I. (निर्+वृत्+णिच्) करवुं;
अनावपुं. करना; बनाना. To do; to
make.

निव्वत्तयह्. पिं० नि० १७४;

निव्वत्तावेह्. क० व० सु० च० २, ३५४;

✓ निर्-वह. धा० II. (निर्+वह्) निर्वाह
करवा; निर्वाहण करवुं; संयम पालवा.
निर्वाह करना; संयम पालन करना; गुजारा
करना. To sustain; to observe
self-restraint.

निव्वहे. वि० सूय० १, ६, २३;

✓ निर्-वा. धा० I. (निर्+वा) अश्रवपुं;
आलपी नावपुं. बुझाना; ठंडा करना. To
extinguish.

निव्वावेज्जा. प्रे० वि० दस० ४;

निव्वावंत. व० कृ० चउ० १९;

✓ निर्-वा धा० II. (निर्+वा) अश्रवपुं;
अश्रवपुं. बुझाना; शान्त-ठंडा करना. To
extinguish; to appease.

निव्ववेह. आ० जं० प०

निव्ववंत. सु० च० १०, १८३;

✓ निर्-विद. धा० I (निर्+विद्) उदासीन
थपुं. उदासीन होना; निर्वेद प्राप्त करना. To
be neutral; to experience
sorrow.

निव्विज्जह्. विशेष० १४५६; आया० १, २,
४, ८६;

✓ निर्-विद. धा० I. (निर्+विद्) निवृत्ति
करवी निवृत्ति करना; मुँह फेर लेना. To
return; to desist from.

निर्विन्द्य. दस० ४, १६;

✓निर्-विद्. धा० II. (निर्+विद्) लुगुप्सा
करती; निन्दा; गेह पाभवे। जुगुप्सा-निन्दा
करना; दुखी होना। To censure; to
be sorrowful.

निर्विदेज्ज. सूय० १, २, ३, १२;

✓निर्-सर. धा० I. (निर्+च) नीक्री
भाग्युं. निकल भागना। To move
out.

निस्सरह. दस० २, ४;

निस्सरंति. जं० प० ५, ११२;

✓निर्-सस. धा० I. (निर्+भस्) श्वास
लेवा; निःश्वास नुकवे। सांस लेना;
उसांस लेना; निःश्वास होटना। To sigh.
नीमसंति. पञ० ७, भग० ६; ३४; सम० १;
नीमसयाण. भग० ९, ३४; १५, १;

नीममिऊण. सु० च० १, २७७;

✓निर्-हर. धा० I. (निर्+हृ) पादर
हावुं; अग्नि संस्कार करवे। बाहर निकाल
अग्नि संस्कार करना। To turn out; to
cremate.

नीहरंति. उत्त० १८, १५;

नीहरिज्ज. वि० आया० १२, १३, १७२;

भग० ५, ४;

नीहरित्तण. हे० कृ० भग० ५, ४;

नीहरंत. व० कृ० पि० नि० ५१६;

नीहरिडं. सु० च० ६, ३३;

निलंछण. न० (निर्लोच्छ्रण) पाछरडा; पाडा
पगेरेने भासी करवा ते. बछुडे या पाके
आदि को खस्सी करने का कार्य। Emas-
culation; castration of a male
calf etc. उवा० १, ५१; —कम्म. न०
(-कर्म) पृथग्व्यादिने लांछन रहित-नपुं.
सक अनापयानो-भासी करवानो धंधा।
वृषभ-बैल आदि को लांछन रहित-नपुंसक
बनाने-या खस्सी करने का धंधा। the

profession of castrating a bull
etc. भग० ८, ५;

निलज्ज. त्रि० (निर्लेज्ज) लज्जामरहित, भे-
शरम. निर्लेज्ज; बेशरम; बेहया Shame-
less; impudent. पण० १, २;

निलय. पुं० (निलय) धर. घर, गृह; मदन;
आलय. House; shelter तंदु० पण०
२, ५; विरो० १८७१;

निलाड. न० (ललाट) कपाल;
ललाट. Forehead. राय० ११३; विवा०
२; प्रव० ७६, —देश. पुं० (-देश)
ललाट-कपालतो भाग, ब्रह्म प्रदेश ललाट
-भाल-प्रदेश forehead प्रव० ७६;

✓निलुक्क. धा० I (नि+गुक्) छुपावु;
सन्ताछ रहेयुं. छिपाना; छिपे रहना To
hide; to conceal.

निलुक्कंति. अंत० ६, ३;

निल्लंछण. न० (निर्लांछन) गोदला पाडा
पगेरे समारवा ते. बछुडों पाकें आदि को
निर्लांछन करने का कर्म. Castration of
bulls etc. प्रव० २६८;

निल्लज्ज. त्रि० (निर्लेज्ज) लज्जामहीन निर्लेज्ज;
लज्जाहीन; बेहया. Shameless. भग०
७, ६;

निल्लालिय. त्रि० (निर्लालित) लप लप
करतुं; प्छार नीकलेव. लप लगाता हुआ;
बाहर निकलता हुआ. Coming out
quickly or with a bustle. कप्प०
३, ३५; उवा० २, ६५;

✓नि-ल्लिय धा० I. (नि+ली) नाश
पाभवे। नाश होना To be destroyed.
निल्लायंति भग० ५, ६;

निस्सेव त्रि० (निर्लेप) लेपथी रहित. लेप-
बंधन-कर्म से शून्य. Stainless. भग० ६,
७; १५, १; अणुजो० १३६; जीवा० ३, २;
निस्सेवण. न० (निर्लेपन) लेपन न करतु ते

लेप शून्यता, निरूपण State of un-anointing or smearing. भग० ७, ४, निष्पेक्षा स्त्री० (निरूपिका) नेना लेप न धगे येवा वास यथा वगेरे देवा ते; गोचरीना येक प्रकाश. जिनका लेप न लगे ऐसे बाल चने आदि का स्वीकार; गोचरी का एक प्रकार Accepting peas, gram etc by which nothing is smeared, a variety of Gochari (accepting food as alms) प्रव० ७४८;

निच. पुं० (नृप) नृप; राजा. नृप; राजा, A king. उत्त० १८, ८; सु० च० १, २७; विशेष० ६३४; २३८६; पिं० नि० २१६; पंचा० १८, २८; प्रव० ७४३; —भारिया. स्त्री० (—भार्या) राजाणी स्त्री; राणी रानी; राजास्त्री; साहिबी. a queen प्रव० ७६३; निचइ पुं० (नृपति) राजा, भूपाल; नरेश्वर. A king. जं० प० ३, ४४; प्रव० १२१६; —जोग त्रि० (—योग) राजने योग्य. राजा के योग्य. fit for a king. प्रव० १४३०;

निचट्टिम त्रि० (निर्वर्तित) नीपनेत्र; तैयार थयेल. निपजा हुआ; उत्पन्न; तैयार बना हुआ. Produced; made ready. आया० २, ४, २, १३८;

निचडण. न० (निपतन) पडनु. गिरन, निपतन. Falling. भग० ३, ७,

निचडिअ त्रि० (निपतित) पडी गयेल. गिरा हुआ, पतित Fallen. विशेष० २४४४;

निचण त्रि० (निष्पन्न) तैयार थयेलु तैयार बना हुआ Made ready. भग० ३, १;

निचति पुं० (नृपति) राजा; भूपाल; नरपाल; प्रजापाल A king विशेष० २३८३;

निचस त्रि० (निवृत्त) उत्पन्न थयेल. उत्पन्न किया हुआ Produced. नाया० १६;

दसा० ६, ४;

निचसण न० (निवर्त्तन) योगस्थानीना कंडक विशेष योगस्थानी का कंडक विशेष. An obstruction in the stages of concentration. क० प० १, ६६;

निचत्तिअ. त्रि० (निवर्त्तित) निपनेत्र; निष्पन्न थयेल निपजा हुआ; उत्पन्न; निष्पन्न. Produced, created “अणाभोगनिचत्तिओ आहारो ” प्रव० ११६८;

निचन्न त्रि० (निर्वर्ण) वर्ण-रंगहीन रहित. वर्ण-रंग-हीन, बेरंग Colourless. भग० ३, २;

निचय. पुं० (निपात) उपरथी पडनु ते. ऊपर से गिरना; निपात. Falling from above. राय० ६४;

✓निचर धा० II. (निवृत्) रोक्नुं; वारुं. रोकना, निवारण करना. To stop; to check.

निचारेइ प्रे० आया० १, २, ३, ४; विशेष० ११०;

निचारिस्सं. प्रे० भ० सु० च० १, ३४६;

निचारेउं. हे० क० उत्त० ३४, ४;

✓निचस्स. धा० II. (निवृत्) रहेनुं; वास करेवा. रहना; निवास करना. To dwell; to reside

निचसेइ. सु० च० १, १२६;

निचसंति पिं० नि० २०३;

निचसण. न० (निवसन) वस्त्र, कपडा वस्त्र, कपडे; पट; वसन. A garment, dress. अणुजो० १३१;

निचइ. त्रि० (निपातिन्-निपतन वा निपातः सोऽस्या स्तीति निपाती) नीये पडना; संयमथी निमुअ थई असयममां पडना; नीचे गिरनेवाला, समय बिमुख होकर असयम में गिरने वाला. Falling bellow; one falling into an unrestrained

life being opposed to self-restraint. "जेयो पुच्छुद्दाई ते एच्छा निवाहई" आया० १, ५, ३, १५२;

निवाहय. त्रि० (निपातित) पाडेक्षुं. गिरा हुआ; निपातित. Made to fall; felled. भग० ७, ६;

निवाहित. त्रि० (निपातित) उपरथी नीचे पाडेक्षुं. ऊपर से नीचे गिराया हुआ. Fell-ed from above. अंत० ३, ८;

निवात. पुं० (निपात) य, वा, अह, धृत्पादि अन्वय समूह. च, वा, अह, इत्यादि अन्वय समूह. Indeclinables e. g. च, वा, etc. परह० २, २;

निवाय-अ. पुं० (निपात) पडवुं; नीचे सरकवुं ते. पडना; नीचेको ओर सरकना; गिरना; पतन. Falling; moving below. उत्त० २, ३१; पि० नि० ३२७; सु० च० २, ५८०; ४, ३; भग० ७, ६;

निवाय. त्रि० (निर्वात) पवन वितानो प्रदेश. निर्वात स्थल; वायु शून्य प्रदेश. Place sheltered from wind. आया० २, २, ३, ११०; राय० २५४;

निवायण. न० (निपातन) लुप्थो 'निवाय' शब्द. देखो 'निवाय' शब्द. Vide 'निवाय', विशेष० २३;

निवारण. न० (निवारण) निवारणुं ते: पाछुं वाळवुं ते. निवारण करना; पीछे फेरना. Checking or turning back. पंचा० ७, ३८;

निवारणा. स्त्री० (निवारणा) रोकथाम; अटकाव. रूकावट; अटकाव; निवारणा. Hindrance; obstruction. प्रब० ५२५;

निवास. पुं० (निवास) रहैक्षाणु; स्थान; वसणुं. निवास स्थान; रहना; बसना. Residence; dwelling place. उत्त० ३२, १३;

निवाहे द्व. त्रि० (निविष्ट) आसक्त. आसक्त;

लीन; तत्पर. Attached; prompt; ready. "परिगृह निविष्टाणु" सूय० १, ६, ३; प्रब० ८८६; (२) भेदवेल. प्राप्त; मिलाया हुआ. acquired. "काळ गहिया निवाय निविष्टा " आया० १, ५, २; १३१; सूय० नाया० (३) छपना प्रदेश. जांव के प्रदेश. molecules of soul. भग० १३, ७; (४) तीव्र अनुभावथी उत्पन्न थयेल कर्मो रहैले आंश. तीव्र अनुभाव द्वारा उत्पन्न कर्म का शेष भाग the residue of Karmas produced by a strong dignity. पञ्च० २; (५) भेडैल; स्थित थयैल; स्थापन करैल. बैठा हुआ; स्थित; स्थापित. seated; sitting; posted. भग० ३, २; १२, ४; ओष० नि० ३१२;

निविण. त्रि० (निर्विण) निर्वेद-उदासीनता पावेल. निर्वेद-उदासीनता-प्राप्त. Sorrowful; gloomy. नाया० ४; —ओसइ-भेसउज. त्रि० (—ओषधभञ्ज) ओषध वेसथी निवृत्ति पावेल. औषधि-दवा दारु से उदासीन. Indifferent to medicine. विवा० १;

निविस्तिअ. त्रि० (निर्वृत्तिक) सदा निवृत्त थरुं तप करेना. सदा निवृत्त होकर तप करने वाला. One who practises penances having always completed his duties. परह० २, १; भस० १०६;

✓ निविस. धा० II. (नि + विश्) न्यास करेना; स्थापणुं; राखणुं; मुडवुं. न्यास करना; स्थापना करना; रखना. To deposit: to place.

निवेसेइ ओव० १२;

निवेसेउं. सं० कृ० सु० च० २, १७४;

✓ निविस धा० I. (नि + विश्) भेसवुं; स्थापन करवुं. बैठना; स्थापन करना. To

sit; to post.

निवेसह. उत्त० २७, ४;

निवेसयंति दस० ६, ३, १३;

निवेसए. वि० सूय० २, ५, १२;

निवेसइत्ता. सं० कृ० उत्त० ३२, १४;

निवेसंत. प्रव० १५९;

निवज्झमाण. व० कृ० त्रि० (नीयमान) लघु ज्ञापुं ले जाया जाता हुआ Being carried. आया० २, ११, १७०;

निवुट्ट त्रि० (निवृष्ट) पृष्टि डरेल. बरसा हुआ, निवृष्ट. Rained; showered. "पवुट्ठो देवत्ति वा निवुट्ठो देवत्तिवा णोवए" आया० २, ४, १, १३५;

निवुडमाण. त्रि० (निवृद्ध) जन्म मरण रूप आदि रूप जलमां धुत्तो. जन्म मरण रूप जल में डूबता हुआ. (One) who is sinking in the water of life and death. उवा० ७, २१८;

निवेइय. त्रि० (निवेदित) निवेदन करेले; ज्ञाप्यले. निवेदित; प्रार्थित; सूचित. Related; requested; suggested. सु० च० १, २८०; २, ४७४; ६, ६३;

✓**निवेद्.** धा० I. (नि + विद् - णिच्) निवेदन करवुं; अडेर करवुं; ज्ञाप्यवुं. निवेदन करना; जताना; प्रकट करना; जाहिर करना. To inform; to make known.

निवेइज्जासि. ओव० १२;

✓**निवेद.** धा० I. (नि + विद्) ज्ञाप्यवुं. प्रकट करना; जतलाना; निवेदन करना. To reveal; to show.

निवेइय. त्रिवा० २;

निवेदणा. स्त्री० (निवेदना) नैवेद्य; देवतानी पास उपहार तरीके अन्नादि धरवाभां आवे ते नैवेद्य; उपहार रूप में देवता के सम्मुख रखा जाने वाला अन्नादि Food offered

to the gods. जं० प०

निवेय. पुं० (निवेद) वैराग्य. वैराग्य; विरक्त.

Renunciation. दसा० १०, ५;

निवेयण. न० (निवेदन) निवेदन; ज्ञाप्यवुं. निवेदन; प्रार्थना; विनंती. Information; request. जीवां० ३, ३; निसी० ११, २६;

निवेस. पुं० (निवेश) उतारे; धर; रहनेवाला. ठहरने की जगह; घर; आश्रम Home; shelter; place of resort. जं० २० ३५८; ओघ० नि० २६१; (२) लाभ; फायदा. लाभ; फायदा. profit; use. ओघ० नि० ५३०; (३) स्थापन; गोष्ठ्यवुं स्थापन; प्रतिष्ठा; नियति. arrangement; establishment. प्रव० १२३३;

निवेसण. न० (निवेशन) एक द्वारवाली जगह जगह तब जगह धरानी जगह. एक ही दरवाजे से जिन घरों में जाना आना होता है ऐसे दो तीन घरों का समूह. A group of houses which have one common door of passage. आया० १, ५, ४, १५७; पि० नि० ३३४;

निवेसिय-अ. त्रि० (निवेशित) स्थापन करेले; स्थापित; रखा हुआ; प्रतिष्ठित. Established; kept. सु० च० १, ६२; ओव० नाया० २;

निव्वइय. त्रि० (*) उपर पडनाथी ओरनुं परिस्थिति होय ते. वह जिनके ऊपर गिरने से विषका परिणाम हो-विष पैदा हो. That which produces a poisonous effect by falling over. डा० ६, १;

निव्वट्टिय. त्रि० (निवर्तित) करेले. किया हुआ; कृत; सम्पादित. Done; achieved. "असंयरातिवा बहुनिव्वट्टियमाविवा बहु संभूयातिवा" आया० २, ४, २; १३८;

निव्वण. त्रि० (निर्वण) बिना रहित; अभां०. छेद रहित; अखंड; धावहीन Without

holes or wounds; plain. ओष. नि० २७; ६८७; परह० २, १; (२) निर-
नियार; दोष रहित. निरतिचार; दोष से
रहित. Faultless; blameless.
परह० २, ५; भक्त० १३५; —गुण.
पुं० (—गुण) शून्य रहित शुभ. शून्य रहित
गुण; दोष रहित गुण. An attribute
free from an obstruction or
flaw. भक्त० १३५;

निष्कृतिय. त्रि० (निर्वाह) उत्पन्न करे.
उत्पन्न किया हुआ. Produced; creat-
ed. पक्ष० २८;

निष्कृत्त. त्रि० (निर्कृत्त) निष्पन्न थये.
निष्पन्न; बना हुआ; सम्पादित. Created;
completed. जं० प० ३, ४४; भग० ६, ३३,
निष्कृत्तणा स्त्री० (निर्कृत्तना) उत्पन्न करने
ते. उत्पात्ति; पैदाइश; निष्पन्नता. Birth;
production; origin. पक्ष० १५;
—अस्त्रिहारण. न० (अस्त्रिहारण) नया
शस्त्रादि अनायवाथी लागती किया. नए शस्त्र
बनानेपर लगने वाली किया—दोष. a fault
accruing through the compos-
ing of new weapons. भग० ३, ३;

निष्कृत्य. त्रि० (निर्कृत्य) उत्पन्न करने.
पैदा करने वाला; जन्मदाता. Creator;
producer. विशेष० ११४२;

निष्कृत्ति. स्त्री० (निर्कृत्ति) उत्पत्ति. उत्पात्ति;
पैदाइश; जन्म. Birth; origin; pro-
duction. पक्ष० २;

निष्कृतिय. त्रि० (निर्कृतिय) अनायवेष्टुं; करेष्टुं.
बनाया हुआ; किया हुआ. Made; done.
भग० ५, ६; ७, ८;

निष्कृत्यण त्रि० (निर्कृत्यण) वचन रहित;
शुंगी. वचन रहित; मूक; गूंगा. Speech
less; dumb. विशेष० १७२१; क० प० ५,
१२;

निष्कृत्यण. न० (निर्वाहन) पूर्वापर संगति
लगाड़ी शास्त्रीय अर्थानो निर्वाह करने के
आचार्य संपदानो अर्थ प्रकाश पूर्वापर
संगति—संदर्भ लगाकर शास्त्रीय अर्थका निर्वाहन
—प्रातिपादन; आचार्य संपदा का एक प्रकार.
Expostulation of the scrip-
tural meaning by referring to
context. प्रव० ५५२;

निष्वाय. त्रि० (निर्वाय) वायु रहित स्थान.
वायु शून्य स्थान; निर्वात प्रदेश. A
region free from wind. विवा० २;
निष्वाघाय—अ. त्रि० (निर्वाघाय) व्याघात
पीडा—विघ्नहीन रहित व्याघात—पीडा विघ्नदि
से रहित. Without obstruction or
pain. क० प० ३, ३; राय० २८९; भग
१, १; ६; २, १; ७, १; ६, ३१; विवा०
२; दसा० १०, १७, पक्ष० २; २; कण्ठ० १,
१; ५, ११९;

निष्वाघादय. त्रि० (निर्वाघातवत्) जेने
कई पक्ष विघ्न न होय ते. वह जिसे कुछ
भी विघ्न न हो; विघ्न विहीन Free from
all obstructions or troubles.
श्रव० १६;

निष्वाघादय. त्रि० (निर्वाघातिक) व्याघात
विघ्न विनायु. विघ्न रहित; व्याघात शून्य.
Free from obstruction जं० प०
१६९;

निष्वाण. न० (निर्वाण) मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष;
मुक्ति; सुगति. Salvation दस० ५, २,
३३; पि० नि० ६६; दसा० ५, २७; विशेष०
२६२१; ३१८५; दस० ५, २, ३२; परह०
२, १; उत्त० ३, १२; २३, ८२; २८, ३०;
सु० च० ३, १८२; सूय० १, १,
२, २७; भक्त० ६६; प्रव० ६; ४६२;
कण्ठ० ५, ११६; उवा० ७, २१८;
—गमयण. न० (—गमनस्थान) मोक्ष

ज्वानु स्थान; जे स्थले तीर्थंकरे मोक्षगया
 होय ते स्थल मोक्ष को जाने का स्थान; वह
 स्थल जहा तीर्थकर मोक्ष को गये हैं the
 place of salvation; the place
 where the Tirthankaras have
 attained salvation प्रव० ८; —गय.
 त्रि० (—गत) मोक्ष पाभेल मुक्त, मोक्ष प्राप्त.
 emancipated. सम० प० २४०,
 —भावि. त्रि० (—भाविन्) अर्थोपमा
 मोक्षे जनार प्राप्ती; अ०५. भविष्य में मोक्ष
 को जाने वाला प्राणी; भव्य. one who
 is to attain salvation. विशेष० १४५;
 —मार्ग. पुं० (—मार्ग) मोक्षने मार्ग.
 मोक्ष का मार्ग; मुक्तपथ. the path of
 salvation. आ० ४, ८; —महावाट.
 पु० (—महावाट) निर्वाणरूप गायोनुं स्थान
 विशेष. निर्वाणरूप गायों का स्थान विशेष
 a particular place of the cows
 in the shape of salvation.
 “निष्वाणमहावाटं साहसि सपानेह” उवा०
 ७, २१८; —सुख. न० (—सुख) निर्वाण
 सुख; मोक्षनुं सुख. निर्वाण सुख; मोक्ष
 सुख; प्रद्वानंद. the happiness of
 salvation. भक्त० १७, —सेह त्रि०
 (—श्रेष्ठ) मोक्ष आपवामां प्रधान. मोक्ष
 देने में श्रेष्ठ best in giving salva-
 tion. सू० १, ६, २४;

निष्वाणसामि. पु० (निर्वाणस्वामिन्) अरवत
 क्षेत्रमां भावि ७ भा तीर्थंकर ऐरवत क्षेत्र में
 होने वाले ७ वे तीर्थकर The seventh
 Tirthankara to come in the
 Airavata region. प्रव० ३०१;

निष्वाणि पुं० (निर्वाणिन्) गध योदीसीमां
 भरत क्षेत्रमां यथेन पीत्वा तीर्थंकरं नाम
 गत चोदीसी में भरत क्षेत्र में उत्पन्न दूसरे
 तीर्थकर का नाम The name of the

second Tirthankara born in
 Bharata Kṣetra in the last
 Chaubīsī (cycle). प्रव० २६०,
 निष्वाणी. स्त्री० (निर्वाणी) सोलभा तीर्थंकर
 शान्तिनाथनी शासन देवी. सालहवे सौर्यकर
 शान्तिनाथ की शासन देवी. The com-
 manding diety of the 16th
 Tirthankara Śāntinātha. प्रव०
 ३७८; (२) सभाधि समाधि. con-
 centration; contemplation. नंदी०
 स्थ० ४९,

निष्वाचअ. त्रि० (निर्वाचक) अग्नि आदिने
 ओलवनार. अग्नि आदि को बुझाने वाला.
 Extinguisher सू० १, ७, ६;

निष्वाचकहा स्त्री० (निर्वाचकहा) निर्वाप-
 पडवान विगेरेनी कथा निर्वाप-पडवान आदि
 की कथा A chat about food etc.
 उा० ४, २;

निष्वाचार. त्रि० (निर्वाचार) व्यापार-
 आर अरहित. व्यापारशून्य; आरम्भहीन.
 Inactive; without operation.
 “चत्तपुत्तकलसस्म निष्वायरस्सभिक्खुणो”
 उत्त० ६, १५.

निष्वाधिय त्रि० (निर्वापित) शान्त करेले;
 बुझावेले. शान्त किया हुआ; बुझाया हुआ.
 Extinguished; pacified. दस० ५,
 १, ६३; भग० ६, ३३; भक्त० ४२;

निष्वाहण. न० (निर्वाहण) निर्वाहण करेवा.
 निर्वाहण करना. Subsistence उत्त०
 २५, १०;

निर्विहअ त्रि० (निर्विहृत्तिक) धृतादि विहृ-
 त्तिने तज्जनार; नीवि तप करनार; घृतादि
 विहृति को छोड़ने वाला, नीवि नामक तप
 करने वाला. (One) who gives up
 taking Ghee etc. (one) who
 performs an austerity named

Nivi. ठा० ५, १;

निर्विगड्य. न० (निर्विकृतिक) नीवि नामनु
तप; जेभां दुध वगेरे विगयनो त्याग करवाभां
आवे छे तेनु तप. नीवि नामक तप; बहु तप
जिसमें दूध आदि विगयों का त्याग किया
जाता है. An austerity named
Nivi in which one has to ab-
stain from taking materials
e. g. milk etc. प्रव० ७६१, १५२३;
आव० ६, ७;

निर्विगड्य. त्रि० (निर्विकल्प) निर्विकल्प रहित.
विकल्पशून्य; निर्विकल्प. Free from
classes, kinds, alternatives or
conditions. गच्छा० ४४;

निर्विगड्य. त्रि० (निर्विकार) विकारही
रहित; ऐक रूपे रहेनार. विकारशून्य; निर्वि-
कार; सदा एकही रूप में रहने वाला; स्थिर.
Free from change; existing
in one form. वव० ३, १३;

निर्विगड्य. न० (निर्विघ्न) विघ्ननो अभाव
विघ्न का अभाव; निर्विघ्न; विघ्नहीन. Ab-
sence of obstruction. गच्छा० ४४;

निर्विज्ज्ञ. त्रि० (निर्विष) विद्या विनाले;
मूर्ख. विद्याहीन; मूर्ख; अपठ. Foolish;
illiterate; stupid. उक्त० ११, २;

निर्विद्व. त्रि० (निर्विद्व) भेदबेधुं. मिलाया
हुआ; मिश्रित. Mixed. पि० नि० ३७०:
—काइय. त्रि० (-कायिक) परिहार
विशुद्धि आरित्रने पूर्ण करनार. परिहार
विशुद्धि चारित्र को पूरा करने वाला. (one)
who achieves a pure and
absolutely non-injurious con-
duct. पञ्च० १;

निर्विषण. त्रि० (निर्विषण) भिन्न थयेस;
उदास अनेस. खिन्न; उदामन्तित.
Gloomy; sad. राय० २६५;

निर्विषतिगच्छ. त्रि० (निर्विचिकित्स्य) दुर्भना
इलभां संदेह न करनार. कर्मफल के विषय में
शंका रहित-निःशंक (One) doubtless
about the result of Karmas
मग० २, ५; पञ्च० १; वेय० ५, १; उक्त०
२८, ३१; पंचा० १५, २४;

निर्विषतिगच्छ. श्री० (निर्विचिकित्सा)
संशयनो अभाव. संशयहीनता, निःशंकता.
Absence of doubt or suspicion.
प्रव० २६८;

निर्विचि. श्री० (निर्वृत्ति) निष्पत्ति; सिद्धि.
निष्पत्ति; सिद्धि, सफलता; पूर्ति. Produc-
tion; accomplishment; achieve-
ment; fulfilment अणुजो० १३२;

निर्विचि. त्रि० (निर्विचि) निर्वेद वैराग्य
पामेल. निर्वेद-वैराग्य प्राप्त; विरागी One
indifferent from the world.
उक्त० १४, २;

निर्विचय. त्रि० (निर्विकार) विकार रहित;
शुद्ध विकार रहित; शुद्ध. Fine; un-
changed. विशेष० ६६; संस्था० ४४;

निर्विचय. त्रि० (निर्विचय-निष्पूर्वस्य विशेष-
रूपभोगार्थत्वात्) उपभोग करनार. उप
भोग करने वाला. (One) who enjoys.
पि० नि० ११६;

निर्विचय. पुं० (निर्विषय) देशपारनी शिक्षा
विदेश की या देशपार की शिक्षा. A
foreign education. राय० २५५;
पि० नि० ३८१; पराह० १, ३; (२)
त्रि० न ज्ञाणी शक्य ऐतुं. अज्ञेय, जो
न जाना जा सके. unknowable;
incomprehensible. पंचा० १२, २०;

निर्विचय. त्रि० (निर्विशेष) विशेषता रहित;
सामान्य रूप. विशेषता रहित, सामान्य; साधा-
रण; निर्विशिष्ट. Ordinary; without
any peculiarity. संदु० विशेष० ७६४;

पण्ह० २, ५; —भाव. पुं० (-भाव) सामान्य भाव. सामान्य भाव. State of being ordinary. विरो० १५५;

निव्वी. स्त्री० (*) नावी नामनुं ओड तप. नीवी नामक एक तप. An austerity named Nivi. प्रव० २०५;

निव्वुअ. वि० (निर्वृत) निर्वाण पद पामेक्ष निर्वाण पद प्राप्त; मुक्त Emancipated. प्रव० ३६०;

निव्वुइ. स्त्री० (निर्वृति) छुटकारा; मोक्ष. छुटकारा; मोक्ष, मुक्ति. Freedom, emancipation. जं० प० ६, ११६; चउ० ६३; सु० च० १, ६६; नदी० स्थ० २२; विरो० ३१८५; भत० २; —सुह. न० (-सुख) मोक्षनुं सुख. मोक्ष सुख. The happiness of salvation. नाया० ४, निव्वुइकरी. स्त्री० (निवृत्तिकरी) १८ भा तीर्थंकरनी प्रवज्या पालखीनुं नाम १८ वें तीर्थंकरकी प्रवज्या पालखीका नाम. The name of the ascetic Palanquin of the 18th. Tirthankara. सम० प० २३१;

निव्वुड. वि० (निर्वृत) निर्वाण पद पामेक्ष. निर्वाण पद प्राप्त; मुक्त. Emancipated. “णिव्वुड वित्तमो” कप्प० ५, ११६; भग० ५, ४; आया० १, ४, ३, १३६, —दंसण. न० (-दर्शन) निर्वाण पद पामेक्षनुं दर्शन. डेवक्ष दर्शन. The sight of one emancipated; perfect philosophy. भग० ६, १०;

निव्वुड. वि० (निर्वृत) डूप्पी गयेल. डूबा हुआ. Drowned. नाया०, —भांडसार. वि० (-भावसार) डूप्पी गया छे समुद्रभां भाण्डसार पदार्थ जेना ते. वह जिसके भाण्डसार पदार्थ समुद्र में डूब गये हों. (one) whose wealth and

cargo are plunged in the sea. नाया० ६;

निव्वुडि. स्त्री० (निर्वृति) अपयय-हानि अपयय-हानि-पाचन न होनेसे उत्पन्न हानि. Waste; loss. “ दोएह गब्भत्थाण निव्वुडि पणत्ता ” ठा० २, ३; ३, २; सू० प० १२,

निव्वुति. स्त्री० (निर्वृति) मोक्ष सुख. मोक्ष सुख, मुक्ति सुख. The happiness of salvation. राय० ५०;

निव्वेग पुं० (निर्वेद) ससारथी विरक्त थयु ते. ससार विरक्ता-उदासीनता Indifference towards the world. भग० १७, ३;

निव्वे (य). पु० (निर्वेद) उदासीनता; वैराग्य. उदासीनता; वैराग्य. Renunciation; indifference. उत्त० २६, ६; अणुजो० १३०; आया० १, ४, १, १२७, प्रव० ६५०,

निव्वेयण. वि० (निर्वेदन) ज्ञाता अज्ञाता रूपी वेदना विनाश. ज्ञाता अज्ञाता रूप वेदना विहीन. (One) free from the sensation of non-volition अणुजो० १२७,

निव्वोदग. न० (नीब्रोदक) नेत्रानुं पाणी. नेत्रोंका पानी. Water oozing out from the eaves. पिं० नि० भा० ३२;

निस्तंत. वि० (निश्चित) सांख्येय. सुना-हुआ, श्रुत पूर्व. Heard भग० २, ३२, ११, ११;

निस्तंत. पु० (निशान्त) निशा-रात्रिनुं अवसान; प्रातःकाल. निशा-रात्रि की समाप्ति, प्रातःकाल. The end of night; morning. दस० ६, २, १४; उवा० १, ५८, (२) न० तदुन; संपूर्णपणु बिलकुल; नितान्त, संपूर्णतया. All; complete. जं० प० ५, ११५;

निसक्रिय. सं. कृ. भ० (निष्क्रिय) लाड्डु
 छलापी अग्निने। निषेड करीने. लकड़ी
 हिलाकर एव अग्नि का निषेड करके. Having
 thrown out fire by shaking
 the wood. आया० २, १, ७, ३८;

निसग. पु० (निर्ग) स्वभाव. स्वभाव.
 Nature. उत० २८, १७; पि० नि०
 ८६; प्रव० ६५७; (२) गुरुने। उपदेश
 सांलान्या विना पूर्व संस्कारथी सम्यक्त्व
 उपजे ते; सम्यक्त्वने। ओझ प्रसार. वह
 सम्यक्त्व जो गुरुके उपदेशके श्रवण विनाही उत्पन्न
 होता हो; सम्यक्त्वका एक प्रकार. That
 right belief which is produced
 even without a preceptor's
 advice. पत्र० १; — रुद्र. स्त्री० (-रुचि)
 सहज रुचि-श्रद्धा; कोषने। उपदेश सांल-
 ण्या विना पानानी भेजे धर्मरुचि थाय ते.
 सहज रुचि-श्रद्धा, विना किसीका उपदेश सुने
 अने आप ही धर्मरुचि का होना. Natural
 inclination or faith; a faith
 born without the advice of
 any one प्रव० ६६४;

निसगज्जो भ० (निर्गतस) स्वभावथी.
 स्वभावमे, निस्सगतया. Naturally. वि०
 २६७५;

निसज्जा. स्त्री०. (निषया) ओसपानुं स्थान.
 बैठनेका स्थान की जगह. A place to
 sit. seat दस० ६, ८, (२) रजोहरणुनी
 छडी उपर परअनु वेष्टन; नेसथीओ.
 रजोहरकी दडीपरके वस्त्रका वेष्टन. A
 covering of cloth for the
 stick of Rajohara. पि० नि०
 मा० २८;

निसट्ट. त्रि० () धलुं; वधारे. बहुत;
 अधिक. Profuse; excessive. प्रो०
 नि० ८७;

निसट्ट. त्रि० (निष्कट) दीधेल; आपेल.
 दिया हुआ: प्रदत्त. Given. “ सत्ववणाए
 निसट्टे ते भुंजट ” आया० २, १, ५, ८६;
 नाया० १; वेय० २, १६; पणह० १, ३;
 (२) डेडेल. पं.का हुआ. Thrown. भग०
 ७, १०;

निसट्ट. पु० (निषध) हरिवास क्षेत्र अने
 महाविदेह क्षेत्रनी मध्ये आवेत्त ओझ पर्वत;
 निषध नामने। पर्वत. हरिवास क्षेत्र और
 महाविदेह क्षेत्रके बीच आया हुआ एक पर्वत;
 निष्क नामक पर्वत. A mountain of
 this name coming between the
 Harivāsa kṣetra and mahā-
 videha kṣetra सम० ७; (२) ओ
 नामने। ओझ यादव कुमार; कृष्ण महाराजने।
 पुत्र. इस नामका एक यादव कुमार, कृष्ण
 महाराजका पुत्र. A yādava prince
 so named; the son of the lord
 Kṛṣṇa. पणह० १, ४; नि० ५, १,

निसराण. त्रि० (निष्करण) ओझेल. (२) निवृत्ति
 पाभेल; निवृत्त बैठ हुआ, (२) निवृत्तिप्राप्त,
 निर्वृत Seated; free. आया० १, ३,
 २, ११४, क० ४, ६२;

निसन्न त्रि० (निष्करण) ओझेलुं; स्थिर थपेलुं.
 बैठ हुआ; स्थिर बना हुआ. Seated; made
 steady. प्रव० ४६१; ५४५, प्रो० ३६;
 सु० च० २, ४१, ज० ५०

✓नि-सम. धा० I. (निश्चय) सांलणवुं.
 सुनना; श्रवण करना. To hear. गच्छा०
 ४०;

निसामांत सम० ३४;

निसामेहि. वि० १५६२,

निसामित्त हे. कृ. भग० २, १,

निसामित्ता. सं. कृ. उत० ६, ८;

निसामित्त व. कृ. सु० च० २, ५८४;

निसामेह. कृ. व. भग० २, ५; ११, ६;
 उवा० १, ७६;

निसामेत्तए. क. वा. हे. कृ. भा० ७, १०.

उवा० ७, २०२;

निसामिऊण. स. कृ. अ० (निशम्य) सांभणीने.

सुनकरके Having heard सु० च० १, २८६,

निसम्म स. कृ. अ० (निशम्य) सांभणीने,

जान्हेने सुनकर के, जानकर के. Having

heard or known. आया० १, ६,

४, १८८, २, ४, १, १३२, भाग० १,

७, २, १, ५, ३, १, ५, ८, नाया० १,

राय० ३६ उत० १०, ३९; ठा० ३, १.

उवा० १, १२ ७, २१०, —भासि. वि०

(—भाषिन्) विचारिने भासना. विचारकर

बोलनेवाला, विवेकीवक्ता. A thoughtful

speaker आया० २, ५, २, १४०,

✓निसर धा० I. (निरुस) हूर डरवु, डेंडी

देवु हूर करना, फेंकदेना. To cast away;

to throw.

निसरइ नाया० १,

निसरित्तए हे. कृ. राय० २५७,

निसरइत्ता स. कृ. नाया० १,

निसह पु० (निषध) महाविदेहनी सीमा

करनार अेक पर्वत. महाविदेहको सीमित

करनेवाला एक पर्वत. A mountain

forming a boundry of Mahā-

Videha. सुय० १, ६, १५;

निसा. स्त्री० (ः) शिला, पत्थर. शिला,

पत्थर; पाषाण. A stone दस० ५, १.

४५, उवा० १, ६४;

निसा. स्त्री० (निशा) रात्रि. रात्रि, रात.

Night. जीवा० ३, १. क० ३, ३८,

प्रब० १५८१, —अइयार. पु० (—अतिचार)

रात्रि अे अनित्यार—दोष वाया होय ते.

रात्रिमें लगेहुए अतिचार दोष. A fault

incurred at night. प्रब० १८०,

—यर वि० (—कर) राक्षस, पिशाच

पगेरे. राक्षस पिशाच आदि. Demon;

ghost etc. प्रब० ७६४; —वसाण.

न० (—अवसान) रात्रिनुं अवसान;

प्रातःकाल. रात्रिका अवसान, प्रातःकाल. The

end of night; morning. सु० च०

४, १६६; —सोहग. पु० (—शोभक)

रातने शोभापनार (अद्). रातको सुशोभित

करनेवाला—चंद्र That which beauti-

fies the night : e. the moon

कय० ३, ३८,

निसाअ. पुं० (निषाद) अे नाभने २५२;

सात २५२भांने सातभा. इस नामका एक

स्वर, सात स्वरोंमेंसे अन्तिम स्वर. A

musical note of this name;

the 7th note. अणुजो० १२८,

निसाय. स. कृ. अ० (निशाय) निशाय,

आश्रित. आश्रय लेकर. Having taken

a support. ज० ५०

निसापाहाण. न० (निशापाहाण) उ५२५२।

आदि दहन शिला. पत्थर पर पदार्थ पीसने—

बाँटनेके काममें लोई जानेवाला लुढ़िया—लोढ़ा.

A stone to pound things on

a slab. उवा० २, ६४;

निसामअ. न० (निशामन) सांभणवुं. सुनना.

Hearing. पिं० निं० ५२८,

निसामण. न० (निशामन) सांभणवुं. सुनना.

Hearing. सु० च० १, ३०६,

निसामिअ. वि० (निशमित) सांभणवुं.

सुना हुआ. Heard. सु० च० ५, २७६;

निसाय. वि० (निशात) तीक्ष्ण. तीक्ष्ण, तेज.

Sharp. सु० च० २, ५४५,

निसाय. पु० (निषाद) सातभां निषाद नाभने

२५२. निषाद नामक सातवा स्वर. The 7th

musical note of this name.

अणुजो० १२८,

निसालोढ. पुं० (निशालोष्ट) शिलापुत्र; पीस-
वाने पत्थर. शिलापुत्र, पीसनेका पत्थर, लोढा;
लुढ़िया. A stone to pound things
on a slab उवा० २, ६४;

निसिअत्रि वि० (निषण्ण) भेडेसुं. बैठा हुआ.
Seated. ओघ० नि० १०६;

निसिजागरण. न० (निशाजागरण) रात्रे
जगवु ते. रातका जागरण A night-
watch. प्रव० २६;

निसिज्जा स्त्री० (निष्या) भेसवानु स्थान.
बैठनेकी जगह. A seat. दस० ६, ५५,
उत्त० १७, ७; ओघ०

निसिद्ध. वि० (निष्ठ) दूर धरेल दूरकिया हुआ.
Set aside. भग० ३, २; १२, ४; पिं०
नि० ३८४, वव० ६, १;

निसिद्ध. वि० (निषिद्ध) निषेध धरायेल.
निषिद्ध; मना किया हुआ. Prohibited.
विशे० ४३१; —जोग. वि० (-योग)
भराय व्यापार-अशुल योगने जेणे रेड्या
छे ते. खराब-कु-व्यापार अथवा अशुभ योगोंको
रोकनेवाला. That which wards off
evil deeds or omens पंचा० १२,
२२; —(अ)-प्य (-आत्मन्) सावध
योगथी निवृत्त थयेले. आत्मा. सावधयोग
निवृत्त आत्मा. A soul having
completed Sāvadya yoga. पंचा०
१२, २५;

निसिभक्त. न० (निशामक्त) रात्रि भोजन.
रात्रिभोजन; निशा भोजन-भुक्त. A night-
meal. ओघ० नि० ७८७; विशे० १२४०;
भक्त० १४०; पंचा० १५, ३०; —नियसि.
स्त्री० (-निवृत्ति) रात्रि भोजनथी निवृत्ति.
रात्रि भोजनसे निवृत्ति, रात्रिके भोजनसे निया-
जाना-उसे कर चुकना. Finishing a
night meal. भक्त० १४०;

निसिय. वि० (निश्चित) तीक्ष्ण. तीक्ष्ण;
तेज. Sharp. पणह० १, १; सु० च०
१, ५२;

निसिय. वि० (निश्चित) धारण धरेल धृत;
धारण किया हुआ. Put on; worn.
सु० च० १, ५०;

निसिय. वि० (न्यस्त) राभेल. रखा हुआ.
Kept. सु० च० ६, ६४,

निसियर. वि० (निश्चर) चोर. (२) राक्ष-
सादि चोर. (२) राक्षसादि. A thief;
demon etc. ओघ० नि० भा० १८४;

✓निसिर. धा० I. (नि+सृज्) दूर धरेल.
दूर करना. To spurn.

निसिर. भग० १, ८; ३, १, २,

निसिरे. वि० उत्त० ३२, २१; दस० ८, ४६;

निसिरिजमाण. क. वा. व. क. भग० २,
८, ८, ७,

निसिरण न० (निर्जन) नीक्षणपुं ते निक-
लना; निकलने-बाहर-आनेका कार्य; बहिरागमन.
Egress; exit विशे० ३६६;

निसीहसार. वि० (निर्वाहवितृ-निषृ) भेस-
नार. बैठनेवाला. (one) who sits.
सम० ३६;

निसीहयव. वि० (निषत्तव्य) भेसपुं जेधये.
बैठना चाहिए. Should sit. भग० २, १;

✓निसीद्. धा० I. (नि+षद्) भेसपुं. बैठना.
To sit.

निसिज्जा. दस० ६, २, २०;

निसिज्ज. सं. क. पणह० २, १;

निसिहसा. सं. क. दसा० २, ३; ४, ५;
६; ७; ८, ६;

निसियमाण. क. वा. व. क. भग० ३, ३;

✓निसीद्. धा० I. (नि+षद्) भेसपुं. बैठना.
To sit.

निसीहय. ओघ० १२; भग० २, १; सु०
च० २, २७७;

निसीयंति. भग० ११, ११, जं० प०

✓निसीद. धा० I. (नि+षद्) सुत्तुं; शयन
कृतुं. सोना; शयन करना. To sleep.

निवज्जिज्जा. विधि० आया० १, ७, ७, १३,

निसीइज्जा. वि० दस० ८, ५, उत्त० १, २१;

निसीप. वि० दस० ८, ५;

निसीएज्ज. वि० पन्न० ३६;

निसीइस्सामो. भ. भग० १०, ३,

निसीइत्तए. हे कृ भग० ७, १०;

निसीइत्ता स० कृ० दसा० ३, ३२, ३३;

निसीइयत्ता. नाया० १;

निसीयावेइ. क. वा. भग० ६, ३३;

निसीयावेज्ज. क. वा. वि० निसी० ७, १६;

निसीयावेत्ता. क. वा. सं. कृ भग० ६, ३३;

निसियावप. क. वा. णिच० सु० च० २,

६०२;

निसियाविति. क. वा. सु० च० २, १७०;

निसीदण. (निशीदन) भेसत्तुं ते. बैठक, बैठनेका
कार्य, निषीदन Sitting. ओव० २०,

निसीयण न० (निशीदन) भेसत्तुं बैठना.

Sitting. -पि० नि० भा० १५, ओघ०

नि० ७१०; भा० १६२, उत्त० २४२४, प्रव०

१०७; ५२२; १३२;

निसीयावण. न० (निषादन) भेसात्तुं. बिठाना,

बिठलाना. To cause to sit. वेय० ४,

२६;

निसीह. पु० (निशीथ) अर्ध रात्रिना समय,

मध्यरात आधीरातका समय, मध्यरात्रि

midnight. सु० च० १, ४५; राय०

२५१, विरो० ३३५६, पि० नि० ३२६;

(२) ऐ नामत्तुं ऐकं कालिकं सूत्रं. इस

नामका एक कालिक सूत्र. A kālīka

sūtra of this name. नदी० ४३;

निसीहिगा. स्त्री० (नैषेधिकी) धर्म स्थानके

जतां ससारता कर्मनी निषेध सूत्रयवनार

‘निसीहि’ शब्द भोलेवो ते; सामान्यारीतो

ऐक प्रकार. धर्म स्थानकमें जातेहुए सांसारिक
कर्मोंका निषेध बतलानेवाला—सूत्रक ‘निसीहि’ शब्दका
उच्चारण, सामान्यारीका एक प्रकार. Reciting
the word ‘निसीहि’ suggestive of
checking the worldly activi-
ties when visiting a religious
place. पि० नि० ३३६;

निसीहिया स्त्री० (नैषेधिकी) भेडक. भेस-
वाने परिसड. बैठक; बैठनेका परिसह—
कष्ट. Seat; the suffering caused
by sitting. भग० ८, ८; स्म० २१;
प्रव० ६६२; ६६५; (२) पापकार्य निषेधवाने
‘निसीहि’ शब्द कहेवो ते. पाप कार्यका निषेध
करनेके लिए निसीहि शब्दका उच्चारण. The
recital of the word “निसीहि” to
check a sinful act. भग० २५, ७;
उत्त० २६, २; आब० ३, १, दसा० २,
१६, १७,

निसीहिया—(आ) स्त्री० (नैषेधिकी) कार्य
निषेधनु स्मरण कइवा भोलातो शब्द, सामा-
न्यारीतो भीजे प्रकार. कार्य निषेधका स्मरण
करनेके लिए बोलाजानेवाला शब्द, सामान्यारीका
दूसरा प्रकार. A word spoken to
cause one to remember a
negation; the 2nd variety of
Sāmāchārī पवा० १२, २, दसा० २,
१६; १७, भग० २५, ७, उत्त० २६, २;
—भंजण. न० (—भजन) धर्मस्थानभा-
जतां ‘निसीहि’ ऐ शब्द न भोलेवो ते.
धर्मस्थानमें जाते हुए ‘निसीहि’ इस शब्दका न
बोलना. Non-uttering of the word
‘निसीहि’ when going to a religious
place. प्रव० ४४०, (२) स्वाध्यायनु स्थान.
स्वाध्यायका स्थान—स्थल—भूमि. A place of
scriptural study. दस० ५, २, २;
अणुजो० १६, राय० ११३; आया० २, ६,

२, १६४; —परिस्व ५० (-परिस्व)
स्वाध्याय भूमिमां येसी रहैवानुं कष्ट सहन
करुं ते. स्वाध्याय भूमिमें बैठ रहनेका कष्ट
सहन. Enduring of the suffering
of sitting in a place for reli-
gious study. सम० २२;

✓निःसुंभ. धा० I. (नि+पत्-णिय) नीचे पावुं.
नीचे गिराना. To cause to fall be
low.

निःसुंमति—स्य० नि० १, ५, १, ७०;

निःसुंभ. पुं० (निशुम्भ) पांथमा प्रतिवासुदेव.
पांचवें प्रतिवासुदेव. The 5th prati-
vāsudeva. प्रव० १२२७;

✓निसुण. —धा० I. (नि+शृ) सांलणवु.
सुक्ता; श्रवण करना. To hear.

निसुणासुं. भा० सु० च० १, २२१;

निसुणंत. व. कृ. सु० च० २, ४१३;

निसुणिजंत. क वा. व कृ. सु० च० २,
२००;

निसूरण. त्रि० (निवृद्धन) मारनार, नाशक.
मारनेवाला; घातक, नाशक. Slayer; de-
stroyer. उत्त० १८, ४२;

निसेवणिज्ज. त्रि० (निपेवणीय) सेवा करुं
योग्य. सेव्य; सेवा करने योग्य. To be
served. सु० च० २, ८८;

निःसंक त्रि० (निश्शङ्क) शंका रहित. शंका
रहित, निःस्फुट Free from doubt
or fear. प्रव० ६०५; गच्छा० ४६,

निःसंक्रिय(अ). त्रि० (निःशङ्कित) शंका
विनाशित. शंका विहीन, सदेह शान्त. Fear-
less; without doubt. दस० ५, १,
५६; ७, १०, पि० नि० ४६३; पत्र० १,
ओव० २७; भग० २, ५; पचा० १५, २४;
प्रव० २७०; २६६; (२) देव, शुरु, धर्म
प्रत्ये शक्तो अलाव; समझितना आह

आचारमानो प्रथम आचार. देव, गुरु और
धर्म प्रति शंकाका अभाव, समकितके आठ
आचारोंमेंसे पहिला आचार. Absence of
doubt concerning god, precep-
tor and religion; the 1st right
conduct of the 8. उत्त० २८,
३१;

निःसंग. त्रि० (निःसङ्ग) संग रहित; अकेला.
संग रहित, अकेला; निःसंग; एकाकी. Indif-
ferent; alone. दिगो० २५६७,

निःसंगया. स्त्री० (निःसङ्गता) अकेलापावुं.
अकेलापन, एकाकिता. State of being
unattached. भग० ७, १;

निःसंचिया. अ० (निःसंचि) सीथीने;
धोधने. सींच करके; धो करके. Having
sprinkled or washed. दस० ५,
१, ६३;

निःसंद. पु० (निःसन्द) सार; रस; तत्त्वरूप
पदार्थ. सार; रस, तत्त्वरूप-पदार्थ. Sum and
substance; flow; juice; sap.
चउ० २८, पण० १, १;

निःसंस. त्रि० (नृत्तस) घातकी; क्रूर. घातकी,
क्रूर; निर्दय. Cruel; treacher-
ous. उत्त० ३४, २२. पण० १, १;

निःसंसहय. त्रि० (निःसहायक) शंकाही रहित.
निःशक, सहायहीन. Free from doubt.
नाया० २;

निःसंकड. त्रि० (निःसङ्कट) डोढनी नेआये,
अपेक्षा राखी करेल. किसीके आश्रय-सम्बन्धकी
इच्छा रखकर कियाहुआ. Done with
the expectation of any body's
support. प्रव० ६६६;

निःसंगल. स्त्री० (निःसङ्गल) स्वाभाविक रीते
उत्पन्नथनी धर्मरुचि; सम्पत्त्यनो अङ्क प्रधार.
स्वभावसेही उत्पन्न होनेवाली धर्मरुचि; सम्पत्त्य-

त्वका एक प्रकार. Natural taste for religion, a variety of right-belief. उक्त० २८, १६,

निस्सन्न. वि० (निषण्ण) भेदेन बैठाहुमा, आसीन. Seated. राय० १५४,

✓नि-स्सय धा० I (नि+धि) भेसवुं. बैठना. To sit.

निस्सण वि० दस० ८, ४५,

निस्सल्ल वि० (निश्लय) मायाआदि त्रय शब्दार्थो रहित. माया आदि तीन श्लयोंसे शुन्य-रहित. Free from a blemish such as deceit. उक्त० २६, ४१; सम० ६, भक्त० १३५, ५६;

निस्सा स्त्री० (निश्चा) निश्चा-आधार; अवलम्बन; आश्रय. आधार; अवलम्बन; आश्रय, सहाय. Support; help, prop. वव० ४, ५, ६, ८, ९; निती० १२, ४७; दसा० १०, २, सूय० २, १, ४५; भग० ३, २,

निस्सामन्नता स्त्री० (नि सामान्यता) सामान्यता अभाव. असमता; सामान्यता-या समताका अभाव An absence of generality. विशेष० ३२;

निस्साय पु० (निश्रय) निश्रय. आश्रय लेकर, आधार रखकर Having taken a support भग० ७, ६,

निस्सार वि० (नि सार) सार विनाजुं, पाली सारहीन, नि.सार, निरर्थक, खोटावाला. Empty; useless, unsubstantial. आया० १, ३, २, ११४, ओग० नि० ७३६, भग० ६, ३३; सम० ६, गच्छा० २३,

निस्सारय. वि० (निस्सार) सार रहित. सारहीन, तत्त्वशून्य Unsubstantial; pithless " निस्सारण होइ जहा पलाए " सूय० १, ७, २६;

निस्सारिय. वि० (नि सारित) पहरा डटेहुं. बाहर निकालाहुमा. Expelled or turned out सूय० १, १४, ३;

निस्सास पु० (निश्वास) निश्वास; श्वास लेना ते. नि.श्वास, श्वास, उसास. Breath. " सन्वेसमुस्सास निस्सासा " भग० १६, ११; भग० २, १, ६, ३३, पत्र० १, सम० ३४;

निस्सासय. वि० (निश्वासक) नीचे श्वास लेना नीचे श्वास लेनेवाला (one) who breathes. भग० ११, १,

निस्सिञ्च-य. वि० (निश्चित) आश्रित रहेल. आश्रित, आश्रयमें रहाहुमा Supported. दसा० ६, १३; उक्त० ८, १०; ३५ ११; सम० ४०, आया० १, १, ४, ३७; राय० २७२, (२) अवग्रहादि चतुष्टय अवग्रहादि चतुष्टय A group of 4 Avagrahas etc. (perception). विशेष० १६६; (३) वस्तुने अन्यथारूपे ग्रहण करवुं ते. वस्तुका अन्यथा ग्रहण. Accepting a thing in another shape. विशेष० ३१०;

निस्सिञ्चिय. न० (नि सिद्धित) वा सञ्चरवुं, पाहवुं ते वायुस्सण; पादना, गुदा मार्गसे दफ्त अपान-वायुका छोड़ना Passing of the wind. विशेष० ५०१, नदी० ३८,

निस्सिञ्चमाण व कृ वि० (निस्सिञ्चन्) छंटातो-सिञ्चतो. छीटाताहुमा; सिञ्चन करता हुमा Sprinkling, showering. "उस्मिञ्चमाणे वा निस्सिञ्चमाणे वा आमज्जमाणे वा पमज्जमाणे वा." आया० २, १, ६, ३५,

निस्सील. वि० (निशील) शील-सद्भाव्यारथी रहित. शील-सद्भाव्यारसे रहित, शीलहीन, निःशील. Rude; bad conducted. भग० ७, ६, ६, दसा० ६, ४, विशेष० ३२८६,

निस्तुह. वि० (निस्तुह) शुभ. रहित; दुःखी.
सुखहीन, दुःखी. Unhappy. विशेष० २००२;
निस्सेजा. स्त्री० (निषया) स्त्रीयोगेने रहैवानुं
स्थान; स्त्री साथे गेसवानुं स्थान. अन्तःपुर;
मियोके रहनेका स्थान-उन्के साथ बैठनेकी
जगह. A harem; a place to sit
with ladies. सम० १८; सूय० १, ४,
१, १६; (२) रत्नेदराशुना दांश उपर
आंधवानुं पत्र; नेसथीओ. राजोहरणकी दंडी
पर बांधा जानेवाला वस्त्र; नेमधिमा. The
cloth tied on the stick of
Rajoharana. प्रव० ८६७; — जुअल.
न० (-युगल) ओइ उननी अने भीछ
भुतराडि ओ ओ निपवा-नेसथिया-रत्ने-
दराशुना दांश उपर आंधवानुं पत्र. उती
और सूती दो तरहकी निषया-नेसथिया-राजोहरणकी
दंडी पर बांधनेका वस्त्र. A wollen and
a cotton cloth to be tied to
the stick of Rajoharana. प्रव०
८६७;

निस्सेणि. स्त्री० (निश्रेणि) नीसरक्षी. निरैनी;
निरनी; सीढ़ी. A ladder. पण्ड० १, १,
आया० २, १, ७, ३७; दस० ५, १, ६७,
पिं० नि० ३६२;

निरसेय(अ)स. न० (निश्रेयस) इत्याणु; भोक्ष.
कल्याण, मोक्ष. Bliss; salvation.
ओव० २७; भग० २, १; राय० २५; उत्त०
२२, १६;

निरसेयसिय. वि० (निश्रेयसिक) भोक्ष-इत्याणुने
धन्वना२. मोक्ष या कल्याणकी इच्छा करने
वाला; मुमुक्षु. One who desires
salvation भग० ३, १;

निस्सेस. न० (निश्रेयस) इत्याणु. कल्याण.
Bliss. आया० १, ७, ४, २१५; उत्त०
८, ३; भग० ३, १;

निस्सेस. वि० (निशेष) समस्त; अंधुं.
समस्त, सम्पूर्ण, सारा All; everything.

राय० २५; दसा० ४, ७५, ८०; प्रव०
६२;

निस्तोणिय. वि० (निस्तोणित) रुधिर विनानुं.
रुधिर रहित; रक्तहीन; बेरक्त Bloodless
नाया० १;

✓निह. घा० I. (हु) छुपावतुं; दाइतुं. छिपाना;
छिपना-छांमना. To hide, to cover.
निहे. आया० १, ४, १, १२७,

निह. न० (निह) नारक्षीने मारवानुं स्थान.
नारकीको मारनेका स्थान. A place to
kill a hell-being. सूय० १, ५, २,
११; (२) पु० (कययि कर्षमि परिपद्दोपमार्गिवा
निह्यत इति निह) शगी; स्नेहवाद्. रागी;
प्रेमी, स्नेहवानुं; अनुरागी. A lover.
आया० १, २, ३, ८१, (३) भायावी;
झपटी. मायावी; झूठी, कपटी. Deceitful;
fraudulent. आया० १, २, ३, ८१;

निहअ. वि० (निश्चल) निश्चल; स्थिर, शान्त.
निश्चल; स्थिर; शान्त. Steady; still.
दसा० ६, ३;

निहदु. स कृ. अ० (निहत्य) स्थापिने.
स्थापना करके Having established.
नाया० १६; आया० २, १, १०, ५८,

✓निहण. घा० I. (निहन्) मारतुं. मारना;
हत्या करना; प्राण लेना. To slay.

निहणाहि. आ० भग० ६, ३३;

निहणिसु. आया० १, ६, ३, १२;

निहण. न० (निधन) मरतुं; मृत्यु. मरण,
मृत्यु; मौत; देहान्त Death. ओष० नि०
७७५; गच्छा० ४७;

निहात्त. स्त्री० (निधत्त) उद्धर्तना अने अप-
वर्तना शिवाय आक्षीना छ इरखो अपवर्ती न
शेके अथी अपवर्थाभां उर्भने स्थापवा ते.
जब उद्धर्तना और अपवर्तनाके अतिरिक्तोष छ करण
न प्रवर्त सकें ऐसी दशामें (कीगई) कर्मकी स्थापना.
Establishing karmas in such a

that the 6 Karanas with the exception of Udvartana and Apavartana cannot proceed.

भग० ६, ८; पञ्च० ६;

निहात्ति. न० (निधत्ति) लुथो " निहत्त " शब्द. देखो " निहत्त " शब्द. Vide " निहत्त " क० प० १, २, ५, ७२;

निहय. त्रि० (निहत) भरेत; हल्लेख. मारा हुआ; घात किया हुआ. Killed. जं० प० ५, ११३; राय० ३५; सु० च० १, १; भक्त० १५३;

✓निहर. धा० II (नि + हृ) हरेत्यु क्त्वे; ५६१२ ३६५. हरण करना; बाहर निकालना; ले जाना. To carry away.

निहरेद्. निसी० ७, २७; २८;

निहरेज्. वि० निसी० ३, ३५; ५६;

निहातिष्. हे० कृ० वव० ८, ६; दसा० ७, १;

निहा. क्री० (निभा-निहा) क्षान्ति; प्रभा कांति; तेज, प्रभा, युति; आभा. Lustre; brightness. नदी० स्थ० ३१; (२) भाषा, ३५८. माया, कपट, छल. illusion, fraud. सूय० १, ८, १८,

निहाण. न० (निधान) समूह; अक्षर; पञ्चमो. समूह, भंडार; खजाना; घर Collection; treasury. परह० १, ५; विशे० ५५७; जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; कण्ठ० ४, ८८, उवा० १, ४; १०, २७३;

निहार. पुं० (निहार) भक्ष त्याग मल त्याग. Viuding stools. प्रव० ४४७; राय० २७०;

✓निहाल. धा० I, II. (नि + भाल) लोभुं; देखुं. देखना; निरीक्षण करना; अवलोकन करना. To see; to observe.

निहालेद्. सु० च० २, ४४;

निहालद्. गच्छा० १४;

निहाल्युं. सं० कृ० गच्छा० १५;

निहि. पुं० (निधि) धैष; पञ्चमो. कोष;

खजाना; भंडार. Treasury. जं० प० ७, १७३; भग० ३, ७; अणुजो० १०३; पंचा० ७, २५; १४, ४०; प्रव० ४८; ६५४;

निहिय. त्रि० (निहित) भूकेषु; धा० लु क्त्वे. रखा हुआ; स्थापित, धारण किया हुआ. Kept; established; worn. पंचा० १०, ३३; प्रव० १००६;

निहुश्च. त्रि० (निभृत्) शान्त-स्थिर क्त्वे; पिरभी गथेल. शांत-स्थिर किया हुआ; विशेष रमा हुआ; मग्न. Calm, still; stopped दस० ६, २, ३; सु० च० ८, १५८; परह० २, ३; गच्छा० ७३; —इंद्रिय. त्रि० (-इन्द्रिय) जेनी इन्द्रिय शान्त होय ते शान्त-स्थिर-इन्द्रियो वाला; सयमी. (one) whose senses are calm. दस० १०, १, १०; —प्य. त्रि० (-आत्मन्) स्थिर चित्तवाला मनुष्य. स्थिर चित्तवाला मनुष्य, स्थितप्रज्ञ. steady-minded. दस० ६, २. —सहाव. त्रि० (-स्वभाव) गभीर स्वभाव वाला; निश्चल. गंभीर स्वभाव वाला, निश्चल; अटल. calm; steady. गच्छा० ७३;

निहृत्थिभगा. क्री० (निहृत्थिभगा) ओ नामनी ओके वनस्पति. एक वनस्पति विशेष A vegetation of this name. पञ्च० १;

निहृय. त्रि० (*) कर्षयत्यु न करनार; निरूपयोगी. कुछ भी न करने वाला; निष्फला; निरूपयोगी. Useless, good for nothing; one doing nothing. विशे० २६१७;

निन्दग. न० (निन्दक) सत्य वस्तुने छुपायी असत्य कहेना. सत्य बात को छिपाकर असत्य कहने वाला. (One) who tells a lie having concealed the truth. पिं० नि० १४६;

✓ निन्हव. धा० I. (निन्हव) ढांकुं; गुप्त
राखुं. ढांकना; छिपाना; गुप्त रखना. To
cover; to hide.

निन्हवे. विधि० दस० ८, ३२;

निन्हव. पुं० (निन्हव) षरी आत छुपावती
ते. सच्ची बात का गोपन-छिपाना. Hid-
ing the truth. क० गं० १, ५४;

निन्हवण. न० (निन्हवन) ढांकुं; छुपावतुं.
ढांकना; छिपाना; गुप्त रखना. Covering;
hiding; concealment. विवा० १;
प्रब० २६६;

✓ नी. धा० I. (*) ञ्युं; निकलवुं. जाना;
निकलना To go.

नीइ. विशेष० २१८;

नीउ. विशेष० २२२;

नीअगोअ. न० (नीचगोत्र) ढलकुं कुल.
नीच कुल; हलका गोत्र. A low family-
origin. आया० १, २, ३, ७७, क० गं०
५, ८५;

नीइ. स्त्री० (नीति) नीति; व्यवहार विधि.
नीति; व्यवहार विधि. Politics; pro-
priety. विशेष० ३३६५; —कोविद्य. पुं०
(—कोविद्) लोकनीति-व्यवहारमा यतुर
लोकनीति या लोक व्यवहार में दक्ष-निपुण.
(one) versed in politics or
decorum. “ सिक्खिण्ण नीइकोविण्ण ”
उत्त० २१, ६;

नीणिय. त्रि० (*) ञ्युं; बाहर
निकाला हुआ. (One) turned out.
श्रोध० नि० १ ४५;

नीत त्रि० (नीत) कहेलुं; कथन करेलुं. कहा
हुआ; कथित. Said; reported. पञ्च०
१५;

नीति. स्त्री० (नीति) न्याय. न्याय. Justice;
politics. पञ्चा० १६, ३०;

नीम. पुं० (नीप) इल विशेष फल विशेष.

A kind of fruit. दस० ५, २, २१;
नीय. त्रि० (नीत) लृट् ञ्यमां आवेक्ष.
ले जाया गया हुआ; नीत. Carried. पिं०
नि० ३४२;

नीय. त्रि० (नीच) नीयुं; ढेहुं. नीचा; अधम.
Low. (२) पुं० ७; ढलकुं. तुच्छ; क्षुद्र;
हलका. mean. पिं० नि० २९३; भग० २, ५;
३, १; नाया० १६; दस० ९, २, १७; प्रब०
१२७३; क० प० ४, ८६, ६, २४; (३)
नीय गोत्र; गोत्र कर्मनी ओक प्रकृति. नीच
गोत्र; गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a low
family-origin; a nature of
Gotra-Karma. उवा० १, ७७; ७८;
क० गं० १, ५२; —कर्मबंध. पुं०
(—कर्मबंध) नीय-अशुभ-गोत्रनुं कर्मबंधन.
अशुभ गोत्र का कर्म-बंधन. the Kar-
mic bond of an undesirable
family-origin. पञ्चा० १७, २३;
—कुल न० (—कुल) ढलकुं कुल. नीच
कुल; क्षुद्रवंश; अधमगोत्र. a low family.
दस० ५, २, २५; —गोत्र न० (—गोत्र)
ओ नामनी ओक कर्म प्रकृति के जेना उदयथी
छय नीय कुल पाये छे. वह कर्म प्रकृति कि
जिसके उदय से प्राणि की नीच कुल प्राप्त
होता है. a variety of Karmic
nature at whose appearance
one gets a low birth. उत्त० ३३, १४;
—दुचार. न० (—द्वार) नीयुं आरंभ.
नीचा दरवाजा-द्वार. a low door. पञ्चा०
१३, ११; —बंध. पुं० (—बन्ध) नीय-
अशुभ कर्मनी बंध. नीच-अशुभ कर्म का
बंध. the bond of evil deeds. क०
प० २, ९३;

नीयगमा. स्त्री० (नीचगमा) नीयनी साथे
जानारी (स्त्री). नीच के साथ जाने वाली
(स्त्री); नीचगा (A female) going

with a low man. भक्त० ११६;

नीयत्तण. न० (नीचत्व) नीयपणुं. नीचता;

लुप्तता Meanness दम० ६, ३, ३;

नीया स्त्री० (नीचा) आर धृष्टिय वाला
जुवनी ऐक जलत, चार इन्द्रिय वाले जीव की
एक जाति, A class of four sensed
living beings. उत्त० ३६, १४७;

नीयागोय न० (नीचगोत्र) हलकुं कुल. नीच
कुल. A low family. (२) गोत्र
कर्मनी ऐक प्रकृति गोत्र कर्म की एक प्रकृति.
a variety of Gotra Karma. डा०
२, ४, क० प० १, ६३;

नीयवत्ति त्रि० (नीचवत्तिन्) नीचे आसने
पेसनार; नम्र स्वभाववाला. नीचे आसन
पर बैठने वाला, नम्र स्वभाव वाला. Hum-
ble; one sitting on a low seat.
उत्त० ११, १०,

नीयवत्ति त्रि० (नीचवत्तिन्) भन. प्रथम,
झायाने नीचा—नम्र राभनार; नम्र, अनुद्धत.
मन, वचन और काया को नम्र रखने वाला;
नम्र, अनुद्धत (One) who humbles
the mind, speech and body;
meek. उत्त० ३४ २७;

नीर. न० (नीर) पाणी. पानी; जल.
Water भक्त० १५;

नीरञ्च-य त्रि० (नीरञ्ज) ००४-धूल विनानुं.
रज-धूलहान. Dustless. अणुजो० १३६;
पञ्च० २, भग० २, ८; ६, ७, दस० ३, १४;
सम० ५० ०११; जं० ५० उत्त० ९, ५८,
१८, ५३, दस० ४, २४,

नील त्रि० (नील) नील रंगवाणुं. नीलुं.
नीले रंग वाला, नीला Blue उवा० २,
६६, ७, २२५; उत्त० ३६, १६; भग० २, १
१२, ६; पञ्च० १; दस० ७, ३४; राय०
२८६; डा० १, १, आव० आया० १, ५, ६,
१७०; जीवा० ३, १, सम० ५० २३८, प्रव०

००; कप्प० ३, ४०; ६, ४५; (२) न०
नीलवर्णनामे नामकर्मनी ऐक प्रकृति ३
नेना उदयथी ज्व नीलो रंग पावे छे
नामकर्म की नील वर्ण नामक वह प्रकृति
कि जिसके उदय से प्राणीको नीला रंग प्राप्त
होता है, a variety of Nāmakarma
named Nilavarna at whose
appearance a living being
obtains blue colour. क० गं० १,
४०; —असोक. पुं० (-अशोक) नीलो
अशोक; नीयुं आशीपासवतु. आ३. नीला
अशोक; अशोकपक्षव का नीला वृक्ष. blue
Asoka tree. उत्त० ३४, ५; —लेस्सा.
स्त्री० (-लेश्या) नीलवर्णना कर्म पुद्गलने
योगे यता आत्माना भलिन परिणाम;
छ लेश्यामांती पीछ लेश्या. नील वर्ण के
कर्म पुद्गलों के योग से होने वाले आत्मा के
मलिन परिणाम, छः लेश्याओंमें की दूसरी
लेश्या. the dirty results accruing
through the conjunction of the
blue coloured Karmic atoms,
the 2nd of the 6 thought-
tints ओव० ४, ७; जीवा० १; प्रव०
११७३; —लेस्सा. स्त्री० (-लेश्या)
जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द.
vide above. भग० १, १, २५, ६;
३३, ४; —वर्ण. पुं० (-वर्ण) नीलो
वर्ण. नीला रंग. the blue colour.
सम० ३२;

नीलकंठ. पुं० (नीलकण्ठ) धरञ्जेन्द्रना
पाशना लक्ष्मरने अधिपति. धरंज के
पाशों की सेना का नायक. The gene-
ral of the army of buffaloes of
Dharanendra. डा० ५, १;

नीलकूड पुं० (नीलकूट) नीलवर्त पर्वतना
नवकूटमानुं पीछ शिष्य. नीलवर्त पर्वत के

नवकूटों में से दूसरा शिखर. The 2nd peak of the 9 of the Nilavanta mountain. जं० प०

नीलमिग. पुं० (नीलमृग) नीलावर्णुनी भृग.
नीले रंग का हरिण. A blue deer.

आया० २, ५, १, १४५;

नीलमिय. पुं० (नीलमृग) नीलो भृग. नील-
मृग. A blue deer. निसी० ७, ११;

नीलय. त्रि० (नीलक) नील वर्णुवाधुं.
नीले रंग वाला. Blue. भग० १२, ६;

—पोगलत्ता. स्त्री० (-पुद्गलत्ता) नीला
रंगना पुद्गलनी स्थिति. नीले रंग के पुद्गल
की स्थिति. the existence of blue
coloured atoms. भग० ६, ६;

नीलवंत. पुं० (नीलवन्त) मेरु की उत्तर तरङ्ग-
नी पर्वत पर्यंत; महाविदेहनी उत्तर सरङ्ग
उपरने पर्वत. मेरु की उत्तर ओर का वर्णधर
पर्वत; महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला
पहाड़. The mount Varsadhara
to the north of Meru; the
northern mountain of Mahā-
videha. उत्त० ११, २८; सम० ७;
—कूड. पुं० (-कूट) नीलवंत पर्यंत
शिखर. नीलवंत पर्वत का शिखर. A
peak of the mountain Nila-
vanta. ठा० २, ३; जं० प०

नीला. स्त्री० (नीला) ऐ नामनी नदी. एक
नदी का नाम. A particular river.
ठा० ५, ३; (२) नीललेश्या; नीला रंगना
धर्मरक्षधना योग्यी यता श्रवना तेवा
परिष्ठाभ. नीललेश्या; नीलवर्ण कर्म-रक्षध
के योग से होने वाले जीव के तद्रूप परिणाम.
blue thought-tint; the blue
changes occurring in a soul
due to contact with blue Kar-
mic matter. क०गं० ४, १६; उत्त० ३४, ३;

नीलाभास. पुं० (नीलाभास) ऐ नामनी
ग्रह; ८८ महाग्रहमानों में एक. एक ग्रह विशेष;
८८ महाग्रहों में से एक. A planet of
this name; one of the 88
planets. ठा० २, ३;

नीलि. पुं० (नीलिन्) लील; शेवाल. नील;
शेवाल. Blue; moss. जं० प० राय० ५७;
नीलिय. त्रि० (नीलक) नीला रंगवाधुं;
नीलुं; आर्द्र. नीले रंग वाला; नीला; आर्द्र.
Blue; raw. आया० २, ४, २, १३८;

नीलीरस. पुं० (नीलीरस) नीलनी रंग.
नील का रंग. Indigo-colour; पंचा०
१५, ७;

नीलुप्पल. न० (नीलोत्पल) नील कमल.
नीलकमल; कुवलय. Blue-lotus. ठा०
२, ४; ओव० (२) ऐकपीशभा तीर्थकरनुं
लांछन. इक्कीसवें तीर्थकर का लांछन. the
symbol of the 21st Tirthan-
kara. प्रव० ३८२; —रुयमितल. त्रि०
(-कृताऽऽसीढ) नीलोत्पल कमलनुं बनावेले छे
शेपर-भुगट जेछे ते. (वह) जिसने नीलोत्पल
कमल का शिखर-मुकुट बनाया हो. (one)
who has made a crown of blue-
lotuses. उवा० ७, २०६;

नीव. पुं० (नीव) वृक्ष विशेष. वृक्ष विशेष.
A particular tree. नाया० १; ६;

नीवार. पुं० (नीवार) धान्य धान्यनी ऐक जल.
ऐक जलनुं धान्य खड-धान्यकी एक जाति;
नीवार धान्य; धान्य विशेष. A wild
corn. “ इच्छेयं निमंतेति नीवारणं व
सयरं ” सूय० १, ३, २, १६;

नीसंक. त्रि० (निःशङ्क) शंका रहित. शंका
रहित, निःसंशय. Fearless; without
doubt. सु० च० २, २१; आया० १, ५,
५, १६२;

नीसंद. पुं० (निःप्यन्द) सार; तत्त्व. सार;

तत्त्व. Essence; reality; jist. क० गं०
६, १; (२) रसना टीपा. रस की वून्डें-टिपके.
drops of juice. भक्त० १६; (३) प२-
सेवा; पसीना पसीना; स्वेद; घाम. sweat;
perspiration. सु० च० २, ७२;

नीसवध त्रि० (निःश्वावक) कर्मनी निर्जरा
करना। कर्म की निर्जरा करने वाला. (One)
who brings about the decay of
Karmas. विशेष० २७४६;

नीसवमाण व० कृ० त्रि० (निश्वावयत्)
कर्मनी निर्जरा करतो कर्म की निर्जरा करता
हुआ (One) who is bringing about
the decay of Karmas. विशेष० २७४६;

नीससिद्ध न० (निश्वासित) नीथो श्वास
मुझवे ते नीचे की ओर श्वास को छोड़ना.
Letting down breathe. नंदी० ३८;
विशे० ५०१;

नीसा स्त्री० (निश्वा) निश्वा; अपेक्षा; आश्रय;
निश्वा; अपेक्षा, आश्रय. Expectation;
support. जं० प० २, ३६; भग० ३, २;
पिं० निं० १४५; कप्प० ५, २१;

नीसास पु० (निश्वास) नीथो श्वास; निसासो.
नीचा श्वास; निसासा; निश्वास. A low
breathe. अणुजो० १३८; भग० १, ९;
६, ७; जं० प० नाया० १;

नीसेस न० (निःश्रेयस्) कल्याण. कल्याण;
श्रेय. Salvation; highest good.
सम० १;

नीसेस त्रि० (निःशेष) समस्त; संपूर्ण.
समस्त, संपूर्ण; सारा; सब. All; every
thing. दस० ५, १, ८६; ६, २, २; सु०
च० १, ४३; —कर्ममुक्त. त्रि० (—कर्ममु-
क्त) सर्व कर्मधी मुक्तयेतुं. सर्व कर्मों से
मुक्त. free from all Karmas. पंचा०
२, ४३;

नीणहु सं० कृ० अ० (निर्हृत्य) काढीने. निकला

कर; बाहर लाकर. Having removed
or turned out. “ परि भाइता नीहहु
दल इजा ” आया० २; ६, २, १५४;

नीहड नि० (निर्हृत) ँहारे काढे। बाहर
निकाला हुआ. Turned or taken out.
आया० २, १, १, ६;

नीहरण न० (निर्हरण) अग्नि संस्कार. अग्नि-
संस्कार; दाह किया. Cremation. भग०
१५, १;

नीहार पु० (निर्हार) देहचिन्ता; चिन्ता.
देहचिन्ता. The care of the body.

ओच० निं० ५१९; सम० ३४; प्रव० १६५;

नीहारि पु० (निर्हारि) संसारा में पृथु
थया पथी शरीरनुं निर्हारण न थाय तेवी
ज्याये संसारे करवे ते; संसाराते अक्ष
प्रकार ऐसे स्थान पर संसारा करना कि जहाँ
पर संसारे के पूर्ण होने पर भी शरीर का
निर्हरण-अग्नि संस्कार न हो; संसारे का एक
प्रकार. Fasting in such a place
that even after the close of
Santhārā (self-starvation)
the body cannot be cremated.
उत्त० ३०, १३;

नीहारिम न० (निर्हारिम) मृत्यु पथी अग्नि-
संस्कार थछ शके तेवी ज्याये संसारे
करवे ते मृत्यु के अनन्तर अग्नि संस्कार
होसके ऐसे स्थान पर किया गया संसारा;
संसारा विशेष. A Santhārā (self-
starvation) practised in such a
place that proper cremation
could be done after death भग०
२, १;

नीहास त्रि० (निर्हास) हस्य विनाश; हस्य
वगैरुं. हस्य विहीन, हर्षशून्य. (One)
without laughter; gloomy. उत्त०
२२, २८;

नु. अ० (नु) वितर्क अर्थभां वपरातो शब्द.

वितर्क के लिये उपयोग में लाया जाने वाला शब्द (वितर्क नु). An indeclinable particle used for doubting.

दस० २, ११;

नूण. त्रि० (न्यून) -यून; ओछा. कम; थोड़ा;

न्यून. Less; short पि० नि० १००;

नूण. अ० (नूनम्) अरेअर; नडकी. सचमुच; वस्तुतः; ठीक ठीक; निश्चय पूर्वक. Verily; really. सु० च० १, ५३; २, ५४३; गच्छा०

१३३; उवा० २, ११८; ७, १६२;

नूम पुं० न० (नूम) कर्म. Action.

(२) भाया; सत्यने छुपायनुं माया; सत्य का भोगन; छल. deceit; fraud. आया० १, ८, ७, २४; पण्ड० १, २;

नूमगिह. न० (निम्नगृह) नीचेनुं भोगतली-आयुं धर नीचे का घर; भोयरा; तलघर. A lower house; a cellar. आया०

२, ३, ३, १२७;

✓ ने धा० II. (नी) लुप्त भु. ले जाना.

To take away; to carry.

नेह. पि० नि० १००; उत्त० २६. १६; क० गं० २, ८,

नेया वि० पि० नि० १५०;

नेउण. स० कृ० पि० नि० ११६;

नेत व० कृ० पि० नि० ३८०;

✓ ने धा० II. (नी) दोरवयुं; लुप्त भुं.

ले जाना; राह बताना To lead; to carry.

नेह. जं० प० १, १६२;

नजाहि. सूय० १, २, १, १८,

✓ ने धा० I (नी) निकलनुं. निकलना To come out; to depart.

निति. विशेष० १५४२;

नित. व० कृ० पि० नि० ३५५;

नेआइम. त्रि० (नैयायिक) न्याय अनुसार

यासुतार. न्यायानुसार चलने वाला. (One) who acts according to moral principles. सम० ३०;

नेउणिय. न० (नैपुणिक) अनुप्रवादपूर्वने अभुक्त भाग. अनुप्रवादपूर्व का अमुक्त भाग. A particular portion of Anu-pravādpūrva. विशेष० २३६०;

नेउर. न० (नूपुर) आंखर. नूपुर; बिछिया; फांकर Anklet. पि० नि० १८१; भग० ६, ३३;

नेगम. पुं० (नैगम) ओक वस्तुने सामान्य विशेष वगेरे अनेक रीते जुडी पाउनार नय; सात नयमाने प्रथम नय. एक पदार्थ को सामान्य विशेषादि अनेक भांति से पृथक् करने वाला नय; सात प्रकार के नयों में से पहिला नय. A stand-point which analyses an object generally or particularly; one of the 7 stand-points. ठा० ७, १; अखुजो०

१४; १४८; विशेष० १५०५. प्रव० ८५४;

(२) न्यां वेश्य रहता होय तेवु स्थान-गाभ. वह स्थान या ग्राम जहां वेश्यों का बस्ती हो. a place where merchants live आया० १, ७, ६, २२२;

—व्यवहार पुं० (-व्यवहार) नैगम नय तथा व्यवहार नय; सातमाने में प्रथम नय दृष्टि. नैगम नय तथा व्यवहार नय; सात में से दो प्रकार का दृष्टि the analysing and the judicial or professional stand point; a twofold stand point out of the seven.

विशेष० ३७;

नेगुण. न० (नेगुण) निर्युल्य पालुं; गुणनो अभाव. निर्गुणता; गुण का अभाव The state of absence of attributes. भक्त० १६३;

नेमगंध. त्रि० (नैमगंध) निमगंध-अर्हत
सम्बन्धी. निमगंध-अर्हत सम्बन्धी. Per-
taining to Arhat. विशेष० २६२१;

नेच्छइय. त्रि० (नैश्चयिक) निश्चय दृष्टि
विचार इतना. निश्चय दृष्टि से विचार करने
वाला. (One) who thinks re-
solutely. विशेष० २८२; —नय. पुं०
(-नय) निश्चयात्मक-दृष्टि. निश्चयात्मक-दृष्टि.
a resolute, decisive stand-
point. विशेष० ४१४;

नेट्टर. पुं० (नेट्टर) नेट्टर नामने अधिक देश.
नेट्टर नामक एक देश. A country of
this name. (२) त्रि० ते देशमां रहे-
नार. उस देश का निवासी. the inhabi-
tant of this country प्रह० १, १;

नेतार. पुं० (नेतार-नेतृ) नायक; अग्रेसर.
नायक; अग्रेसर; नेता; पुरस्कृता; अग्रगण्य;
अगुमा. A leader; a fore-runner.
दसा० ६, १६; सू० प० १;

नेत्त. न० (नेत्र) आंख, नयन. आंख, नेत्र,
नयन. An eye. पत्र० १५; उवा० २, ६४,

नेट्टर. पुं० (नेट्टर) ने नामने अधिक देश.
एक देश विशेष. A country of this
name (२) ते देशमां रहेनार. उस देश
का निवासी. an inhabitant of that
country. पत्र० १;

नेम. न० (नियम) काम. काम. Work;
a rule. पिं० निं० ७०;

नेमि. पुं० (नेमि) श्री नेमीनाथ; २२ मा
तीर्थंकर. श्री नेमीनाथ; २२वें तीर्थंकर.
Neminātha; the 22nd Tirtha-
nākara. सम० २४; प्रव० २६४; (२)
पैडाने घेरावे. पहिये का चक्र-परिधि.
the circumference of a wheel.
ज० प० ३, ४८, —मंडल न०
(-मण्डल) रथ आदिना पैडाने घेरावे।

रथ आदि के चक्र-परिधि का घेरा. a rim;
periphery. ज० प० ३, ४८;

नेमिजंतकम्म न० (नेमियन्त्रकर्मन्) गाडाना
पैडाने इरते लोडाने पाटा. गाडी के पहिये
पर लगा हुआ लोहे का पाटा; पाटा. Iron
rim round a cart-wheel. राय०
१२६;

नेमिस्तित्र. त्रि० (नैमित्तिक) निमित्तने
लाभुनार; ज्योतिषी निमित्तज्ञ; ज्योतिषी.
Astrologer. अणुजो० १४६;

नेमिस्तिचत्त न० (नैमित्तिकत्त) नैमित्तिक-
पक्ष. नैमित्तिकता. The quality or
action of an astrologer विशेष०
१७०४;

नेमीसर. पुं० (नेमीश्वर) भरत क्षेत्रना गध
योपीशीना १६ मा तीर्थंकर. भरत क्षेत्र की
गत चौबीसी के १६ वें तीर्थंकर. The
16th Tirthānkara of the past
Chaubīsī (cycle) in Bharata
Kṣetra प्रव० २९१;

नेम्म न० (*) भूधन; भूमी. मूलधन;
पूंजी Capital. प्रह० १, ४;

नेम्मा. स्त्री० (नेमा) जगतीनी वेदिकाने
अग्र-उपरने भाग जगती की वेदिका का
ऊपरी भाग. The upper portion of
the platform of Jagatī (wall).
जीवा० ३, ४;

नेय. त्रि० (ज्ञेय) लाभुया योग्य. जानने योग्य;
ज्ञेय; ज्ञातव्य Knowable; compre-
hensible. विशेष० ७८; २१३; सू० च०
३, २५१; प्रव० ८१; ६५; क० ग० १; ३५;
३, २५; उवा० १०, २७७;

नेयव्य. त्रि० (नेतव्य) लभुया योग्य;
लभुया योग्य. पहुचाने-लेजाने योग्य. Fit
to be carried. मग० १, ६;

नेयव्य. त्रि० (ज्ञातव्य) लाभुया योग्य.

जानने योग्य; ज्ञातव्य. Fit to be known. भग० १, ७, ३, ३; ६; २१, ६; उवा० १०; २८४;

नेयाउय. पुं० (नैयायिक) न्याय संपन्न. न्याय सम्पन्न. Logician; (one) behaving properly. सूय० १, ८, ११;

नेयार. त्रि० (नेतृ) अग्रेसर; नायक. अगुआ; नायक; नेता. A leader. सम० ३०;

नेरइय. त्रि० (नैरयिक) नरकभां रहनेवाला. ७५ नारकी जीव; नरकमें रहने वाला प्राणी. A hell being. दस० ४; नाया० १७; भग० १, १; २, १; ३, ४; ४, ६; ५, ५; ६; ७, ६, उत्त० २६; ४, पं० नि० भा० ४६; सम० १; दसा० ६, १; प्रव० ४१; १०६१; ११८०; १३६६; उवा० ८, २६६; २६७; —आउय. त्रि० (-आयुष्क) नारकीनुं आयुष्य. नारकी-नरकनिवासी का आयुष्य. the life of hell beings. भग० १, ३; ८; ५, ३; ७, ६; —आयु. न० (-आयु) नारकीनुं आयुष्य; आयुष्य कर्मनी ऐक प्रकृति. नरकनिवासी की आयुष्य; आयुष्य कर्म की एक प्रकृति. the life of hell beings; a variety of Āyusya Karma. उत्त० ३३, १२; —भाव. पुं० (-भाव) नारकीपणुं. नारकी पन. the state of hellish beings. भग० १८, १; —लोअ. पुं० (-लोक) नारकीओनुं स्थान; नरक. नारकियों का स्थान; नरक; निरय. the hell. भग० ५, ६;

नेरइयत्त न० (नैरयिकत्व) नारकी पणुं. नारकी पन. The state of being a hellish being. भग० ८, ६; २०, ३; उवा० ८, २६६; २६७;

नेरइयत्ता. स्त्री० (नैरयिकता) नारकीपणुं.

नारकित्व; नारकीपन. The state of being a hellish being. भग० ६, ४; नेरई. स्त्री० (नैरैती) नैरैत्य पुण्डनी दिशा.. नैरैत्य कोन की दिशा. The south-west quarter. भग० १०, १;

नेरुत्त. पुं० (नैरुत्त) शब्दना स्वरूपने ज्ञानु-नार. शब्द के स्वल्प का ज्ञाता. (One) who knows the forms of words. विशेष० २४;

नेल. पुं० (नैल) नीलीने विहार; नील रंग. नील का विहार; नीला रंग. Blue colour. भग० १, १;

नेलओ पुं० (नैलक) कांची नगरीने प्राचीन सिक्के कांची नगरी की प्राचीन मुद्रा-सिक्का. An ancient coin of Kāñchi city. प्रव० ८०६;

नेलवंत. पुं० (नैलवत्) ऐक द्रव्युं नाम. एक द्रव-स्रोत का नाम; द्रव विशेष. The name of a lake. जीवा० ३, ४;

नेव. अ० (नैव) निषेधार्थक अन्वय. निषेध-वाचक अव्यय. A negative particle. "नेवट्टो" भग० १, ५; दस० ४; ८, ४;

नेवं. अ० (नैवम्) ऐम-ऐ प्रकारे नहीं. इस प्रकार-यों नहीं. Not this way; not so. भग० ७, १४; विशेष० १६६;

नैवत्थ. न० (नैवत्थ) पोषाक; वेप. वेप; पहिराव; पोषाक. Dress. पण्ड० १, ३; ४; राय० ७०; भग० ६, ३३; विशेष० २५८७; जं० प० ५, ११७; —कहा. स्त्री० (-कथा) पोषाक सम्बन्धी चर्चा. a chat about dress. ठा० ४, २;

नेव्वाण. न० (निर्वाण) मोक्ष. मोक्ष; मुक्ति. Salvation. पंचा० ३, २६; —अंग. न० (-अङ्ग) मोक्षनुं कारण. मोक्ष का कारण. the cause of salvation.

पंचा० ३, २६;

नैसर्गिय. त्रि० (नैसर्गिक) स्वाभाविक.

स्वाभाविक; महज, नैसर्गिक Natural.

सु० च० १, १०६;

नैसर्जिअ. त्रि० (नैसर्गिक) पलेडी पाठी

भेसना२. आलखी पालखी मारकर-आसन

लगाकर-बैठने वाला. (One) sitting

cross legged or folding his

legs. श्रव० १६;

नैसर्प. पु० (नैसर्प) यक्षवर्तीना नवनिधान-

मांतु अेक के जेभा आम नगरादिना समा-

वेश थायछे. चक्रवर्ती के नव निधानों में से

एक निवान, जिसमें ग्राम, नगर आदि का

समावेश होता है. One of the nine

books or treasures of a Cha-

kravartī (a sovereign) which

treat about villages towns etc.

प्रव० १२३२, ठा० ६, १;

नेह पुं० (स्नेह) स्नेह; राग; प्रीति. स्नेह;

अनुराग, प्रीति. Affection; attach-

ment. विशेष० १६२७; उत्त० १३, १५.

२३, ४३, (२) धी, तेल आदि स्निग्धवस्तु

पदार्थ. घी, तैल आदि स्निग्ध-चिकने पदार्थ.

oily or greasy objects e. g.

ghee oil etc. पिं० निं० ५४; (३) कर्म

पुद्गलमा पडतो रस. कर्मपुद्गल में गिरने वाला

रस. an essence or fluid falling

in Karmic atoms. क० प० १, २२;

—अणुरागइत्त त्रि० (—अनुरागरक्त)

स्नेहधी अधायेव; अनुरागी स्नेहवद्ध;

अनुरक्त. attached; affectionate.

निर० १, १; —अवगाढ. त्रि० (—अवगाढ)

स्नेहधी वगेरेथी व्याप्त. स्निग्ध पदार्थों से

व्याप्त; स्नेहपूर्ण-पूरित lubricated;

oily; affectionate. प्रव० १४१;

—तुपियगत. त्रि० (—स्नपितगात्र) जेनुं

शरीर सेवाथी लीजयेव होयते. वह, जिसका

शरीर परोपकार के कार्यों में ओतप्रोत लीन

है. one whose body is wet with

obliging others निवा० २.—प्पच्चय.

त्रि० (—प्रत्यय) स्नेह रस छे निमित्त जेभां

ते. स्नेह रस के निमित्त वाला, स्नेहार्थ;

स्नेह-नैमित्तिक that which has

affection for its cause क० प० १,

२२; —वज्जिय. त्रि० (—वर्जित) स्नेह

रहित, लुक्पुं स्नेहरहित; रुखा; अस्निग्ध.

coarse; without affection or oil.

प्रव० १४१;

नो. अ० (नो) निषेधार्थक अव्यय. निषेध

बोधक अव्यय. A negative particle.

वव० १, २३; सम० ६; आया० १, १, ३,

२६; २, १, ३, १५; वेय० १, १; नाया० १;

भग० ३, ५, राय० ५१, गच्छा० ७६; उवा०

१, १२; ८, २६२.

नोआगमओ. अ० (नोआगमतः) देशधी दे

सर्वधी आगम-ज्ञानस्वरूपना अभावने

आश्रीने. अंशत-देशत या सर्वथा आगम

ज्ञानस्वरूप के अभाव से सम्बन्ध रखकर-का

आश्रय लेकर. Relating to the

absence of scriptural know-

ledge in part or whole. अणुजो०

१२;

नोइंदिय-अ. पु० न० (नोइन्द्रिय) केवलज्ञान

अने केवल-दर्शन युक्त जेव के जेने इन्द्र-

यनु प्रयोजन नथी रह्यु. केवल-ज्ञान और

केवल-दर्शन युक्त प्राणी, जिसे इन्द्रियों से कुछ

प्रयोजन नहीं रहा. A soul having

perfect knowledge and feel-

ings, for whom the senses

have no use. जीवा० १; (२) मन. मन.

the mind. नंदी० २६; —धारणा. स्त्री०

(—धारणा) मनथी वस्तुतो निरूप्य करवे.

मन द्वारा वस्तु निर्णय. a decision of an object by the mind. भग० ८, १;

नोकसाञ्ज. पुं० (नोकपाय) हास्य, रति, अरति, दुःख, स्त्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद, लय अने शोक, अने नव मोहनीयनी प्रकृति. हास्य, रति, अरति, शोक, दुःख, स्त्री वेद, पुरुष वेद, और नपुंसक वेद, ये नव मोहनीय की प्रकृतियां. The nine deluding Karmic-natures viz; laughter, attachment, non-attachment, sorrow, dislike, female-male-and neutral-inclinations. क० गं० १, १७; ५, १४; क० प० ७, १६; —छुक्क. न० (—पदक) कपाय नही पथ कपाय नी सभीपेरहेनार अथा हास्य, रति, अरति, लय, शोक, अने दुःख अने छः प्रकृति. कपाय न होने पर भी कपाय के निकट रहने वाली हास्य, रति, अरति, भय, शोक, व दुःख नामक छः प्रकृति. the six Karmic-natures which are not passions but still are close to them viz. laughter, attachment, non-attachment, fear, sorrow, and Dugañchā. —संदोह. पु० (—सन्दोह) हास्यादि नव प्रकृतिनो संदोह—समूह. हास्यादि नव प्रकृति का संदोह—समूह. an aggregate of the nine Karmic natures viz. laughter etc. प्रव० १२७१;

नोकसायज. न० (नोकपायज) नोकपाय मोहनीय हास्य. रति, अरति, लय, शोक, दुःख, स्त्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद, अने नव प्रकृतिनो समुदाय. नव कपाय मोहनीय; हास्य, रति, अरति, भय, शोक, दुःख, स्त्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद, इन नव

प्रकृतियों का समूह. An aggregate of 9 passion-deluding Karmic-natures viz, laughter, attachment; non-attachment, fear, sorrow, dislike, female-male and neutral-inclinations. उत्त० ३३, ११;

नोपज्जत्तगनोअपज्जत्तग. न० (नोपर्याप्तः-पर्याप्त) पर्याप्त नही, तेम अपर्याप्त नही अथवा सिद्ध भगवान्. न पर्याप्त और न अपर्याप्त ऐसे सिद्ध भगवान्. Neither sufficient nor insufficient; a Siddha Bhagvāna (liberated soul). ' नोपज्जत्त आं नोतो अपज्जत्तयो बंध' भग० ६, ३;

नोपारेत्तनोअपारेत्त. पुं० (नोपरित्तनोअपरित्त) सिद्ध भगवान्. सिद्ध भगवान्. A Siddha Bhagvāna जीवा० १०; भग० ६, ३;

नोभवसिद्धिअनोअभवसिद्धिअ पु० (नभव-सिद्धिकाभवसिद्धिक) लब्ध नही तेम अलब्ध नही अथवा छव; सिद्ध भगवान्. न तो भव्य हो व न अभव्य हो ऐसे जीव—सिद्ध भगवान्. A soul which is neither emancipated nor bound; a Siddha Bhagvāna भग० ६, ३, ४; ८, २; जीवा० १०;

नोभिउर. त्रि० (नोभिदुर) भेदाय नही तेपुं. अभेद्य; जो न भेदा जा सके. Inseparable; that which cannot be cut. ठा० २, ३;

नोमालिया. स्त्री० (नवमालिका) सुगंधी फूल वाला नेवर नामनुं वृक्ष. सुगन्धित पुष्प वाला नेवर—नवमालिका नामक वृक्ष. A tree named Nevara having fragrant flowers ज० प०

नोसंजयनोअसंजय. पुं० (नसंयतासंयत)

संयम ङे असंयम ङेने नथी ओवा सिद्ध-
भगवान्. जिन्हें नतो सयम है न असंयम ही
ऐसे सिद्ध भगवान्. A Siddha Bhagav-
vāna who is neither self-res-
trained nor otherwise. भग० ६, ३,
४;

नोसणिनोअसणिण. पुं० (नोसंइयसंजिन्)
संती नही तेम असंती नही ओवा सिद्ध भग-
वान्. संज्ञी व असंज्ञी दोनों से परे-सिद्धि
भगवान्. A Siddha Bhagvāna
who is neither rational nor
irrational. भग० ८, २;

नोसद्. पुं० (नोशब्द) नकार वाचक शब्द
निषेध बोधक शब्द A negative parti-
cle विशेष० ४८;

नोसन्निनोअसन्नि. पुं० (नोसंइयसंजिन्)
संज्ञी ङे असंज्ञीपणा रहित सिद्ध भगवान्.
संज्ञी या असंज्ञीपन मे रहित सिद्ध भगवान्
Siddha Bhagavāna who is free
from the state of being rational
or irrational जीवा० १; भग० ६,
३, ४;

नोसम्मावादि. त्रि० (नोसम्यग्वादिन्)
सम्यग्वादि न होय ते; मिथ्या दृष्टि. वह
जो सम्यग्वादि न हो; मिथ्या दृष्टि (One)
who is false; (one) not pos-
sessed of truthfulness. दसा०
६, ३;

नोसुहुनोयादर पुं० (नोसूक्ष्मबादर) सूक्ष्म
ङे आरूपणा रहित सिद्ध भगवान् सूक्ष्मता
या बादरता रहित सिद्ध भगवान्. A Sid-
dha Bhagavāna who is neither
minute nor gross. भग० ८, २; जीवा०
१०;

✓ज्ञा. धा० I. (ज्ञा) ज्ञायुं. ज्ञात होना;
जानना. To be known; to know.

याज्झ-ति. क० वा० नाया० २; ७; ६; १४;
१६; जं० ५०

✓ज्ञा. धा० I. (ज्ञा) ज्ञायुं. जानना.
To know or understand.

याहिसि. सूय० १, २, १, ८;

✓ज्ञा. धा० I. (ज्ञा) ज्ञायुं. जानना.
To know.

याहिसि. सूय० १, २, १, ८;

नाहिद्. विशेष० १०१३; दस० ४, १०;

नाहिति. भ० सूय० १, १, ३, १०;

नाउं. सं० कृ० सु० च० १, २६४; विशेष०
८२९;

नाउण. नाया० ६;

नच्चा. सं० कृ० दस० ५, १, १९; ७, ३६;
८, ३४; २०; उत्त० १, ४१;

आया० १, ७, ३, २०७; १, ८,
७, १; सूय० १, २, ३, १५,

निसी० १०, २०;

✓ज्ञा. धा० I. (ज्ञा) ज्ञायुं; सम-
जुं. जानना; समझना. To know; to
understand.

जज्झ विशेष० २१३; विता० १. पि० नि० ४३६;

जज्झ. विशेष० ४८५;

नहवण. न० (स्नपन) न्हायुं; स्नान करवुं ते.

नहाना; स्नान. Bathing. प्रव० ११२;

✓न्हा. धा० I. (स्ना) न्हायुं; स्नान करवुं.
नहाना; स्नान करना. To bathe.

न्हाइ-ति. नाया० १३; १६;

न्हायद्. नाया० १३;

न्हाणद् जीवा० ३, ४;

न्हायंति. नाया० १३;

न्हाउं. पि० नि० ३७६;

न्हायमाण. व० कृ० नाया० १३;

न्हावेह. प्रे० नाया० १; १६;

न्हाणेह. प्रे० जं० ५० २, ३३;

पुहावेन्ति. प्रे० भग० ६, ३३;

पुहायेन्ति. प्रे० भग० १५, १;

पुहायेह. प्रे० भग० १५, १;

पुहाहेत्ता. प्रे० सं० कृ० भग० १५, १;

पुहावेत्ता. प्रे० सं० कृ० नाया० १; ५; भग०

६, ३३;

प.

✓ पञ्च. धा० I. (पञ्) पञ्चपुं; रांधपुं.
पकाना; रांधना; रसोई बनाना. To cook
पण्. वि० दस० १०, १, ४; उत्त० २, २;
३५, १०;

पञ्च. पुं० न० (पद) पञ्च. पद; पैर; पांव;
चरण. A Foot or feet. भक्त० ४६;
दस० २, १; नाया० १; (२) वाक्यनेो अंग.
वाक्यांश; वाक्यका अंग-भाग. a part of
a sentence. प्रव० ७६;

पञ्च. न० (पयस्) दुध. दूध; दुग्ध; पय.
Milk. वि० नि० १३१;

✓ प-अण्. धा० I. (प्र+अन्) श्वास लेवे.
श्वास लेना. To breathe.

पाणमंति. सम० १; भग० १, १; २, १; ६,
३४; पञ्च० ७;

पाणममाण. व० कृ० भग० ६, ३४;

✓ प-अत्थ. धा० I. II. (प्र+अर्थ) याचना
करवी; प्रार्थना करवी. मांगना; प्रार्थना करना.
To beg; to request; to pray.
पत्येह. भग० २, ६; उत्त० २८; ३३; दसा०
१०, १;

पत्यण्. दस० ६, ६१;

पत्यंति. ओव० ११;

पत्यति. उत्त० ६. ४२;

पत्यसि. सु० च० १, १७; ७;

पत्यण्. वि० सूय० १, २, १, १६; दस० ५,
२, २३; ८, १०; २८;

पत्येउं. हे० कृ० आउ० ५१;

पत्यमाण. व० कृ० सु० च० १, १४२;

पत्यमाण. व० कृ० उत्त० ६, ५३; विवा० १;

पञ्चलित्र. त्रि० (प्रचलित) आलेखुं; ह०पेखुं.
चला हुआ; कम्पित. Moved; shaken;
in force. ओव० १२;

✓ प अ च. धा० I. (प्र+आप्) भक्षणपुं;
आप्त करपुं. मिलाना; प्राप्त करना. To
obtain; to secure. (२) पानपुं; पार
उतारपु. पालना; पार उतारना. पूरा करना.
to fulfil; to observe; to cross
or to finish.

पाउणति. मूय० २, ६, ४२;

पाउणइ. भग० १, ६; ६, ३३; नाया० ध०
पञ्च० ३६;

पाउणंति. ओव० ३८;

पाउणोउजा. वि० दसा० ७, १२; भग० ६, ५;
१४, २, ८; वव० ५, २१;

पाउणिहिति. भ० भग० १५, १;

पाउणित्ता. सं० कृ० भग० २, १; २, १; ३,
१२; नाया० १; ५; ८; १०; १४;

१५; १६; अणुत्त० १, १; विवा० १;

दसा० १० ११; ज० प० म० ४२, ५४;

पाउणिहितित्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

पइ. अ० (प्रति) स्तुभे; उलटुं. सम्मुख;
विरुद्ध; सामने. In front of, opposite
to; क० गं० १, २२; उत्त० २, २४;
विशे० ८६; सु० च० ३, ५७;

पइ. पुं० (पति) स्वामी; अधिपति प्रभु;
मालिक, स्वामी; अधिपति. Lord;
master. ओव० २३; अणुजो० १०८;
उत्त० १४, ३६; विशे० १४९२; २३२५;
भक्त० ११५;

✓ प-इक्ख धा० I. (प्र+ईच्छ्) लेखुं. देखना.

To see; to look; to inspect

पिच्छद्. सु० च० १, ४६; दस० ८, २०;

पिच्छसि. सु० च० १, २३५;

पिच्छेह. नाया० १६;

पिच्छित्तए ओव० ३६;

पिच्छत. सु० च० २, ११६;

पिच्छिऊण. सु० च० १, ५१;

✓ प-इक्ख धा० I. (प्र+ईच्छ्) लेखुं; निरीक्षणे ३ः पुं देखना; निरीक्षण करना. To see; to inspect; to observe.

पेच्छंति. विशेष० ३४५;

पेच्छामि. नाया० ९;

पेच्छिमो. पि० ति० २१०;

पेच्छिऊण सं० कृ० विशेष० ५७;

पेच्छिओ हे० कृ० नाया० ६;

पेच्छंत. व० कृ० नाया० ८;

पेच्छमाण व० कृ० नाया० १, १३;

पेच्छिजमाण. क० वा० व० कृ० भग० ९; ओव० ३२;

✓ प-इक्ख धा० I, II (प्र+ईच्छ्) लेखुं; द्रष्टुं ३२पी. देखना; नजर डालना; दृष्टिपात करना. To see; to look at; to have a glance.

पेहाए आया० १, ८, १, २१;

पेहेह-ति. दस० ६, ४, १; सूय० १, ३, ३, १;

पेहइति. पञ्च० १५;

पेहे वि० उत्त० २, २७; २४, ७;

पेहि-आ. सूय० ९, ३, ६;

पेहाए सं० कृ० भग० १८, ८, उत्त० १, २७;

आया० १, २, १, ६३; निसी०

६, ११, २४; दस० ७, २६;

पेहिया. सूय० १, २, १, ३;

पेहमाण व० कृ० नाया० ३. ८; आया०

१, ८, ४, ७; दसा० ६, २; दस०

५, १, ३; पञ्च० १५;

✓ प-इक्ख धा० I. (प्र+ईच्छ्) लेखुं. देखना. To see.

पिक्खिऊण. क० वा० सु० च० २, ८;

पइक्खण. न० (प्रतिक्षण-क्षणं क्षणं प्रतिघत्तत इति) क्षणेषु क्षणेषु; दरेक क्षणेषु प्रतिक्षण; पल

पल में Every second; every

minute. क० गं० ५, ४५; सु० च०

५, ३३; विशेष० ६९;

पइहु जि० (प्रकृष्ट) श्रेष्ठ; प्रधान; उत्तम.

श्रेष्ठ; प्रधान; उत्तम. Excellent; supe-

rior; best नाया० १;

पइहु. जि० (प्रविष्ट) अ-६२ पेहेलुं, अन्दर

घुसा हुआ; प्रविष्ट. Thrust into; en-

tered into; got through. पि०

नि० २१५; आव० ६, ११;

पइहु पुं० (प्रतिष्ठ) सातमा तीर्थंकरना पितापुं

नाम. सातवें तीर्थंकर के पिता का नाम.

Name of the father of seventh

Tirthankara. सम० प० २२६; प्रव०

३२३;

पइहा. स्त्री० (प्रतिष्ठा) आधार; लेने आश्रये

शान्तिथी रही शक्य ते. वह आधार जिसके

आश्रय में शान्तता पूर्वक रहा जा सके. A

support. (२) संसार परिश्रमभूथी

निवृत्तिरूप अवस्थान. संसार परिश्रमण से

निवृत्ति मुक्ति रूप अवस्थान. a support

in the form of salvation from

rebirth. जं० प० ५, ११५; ७, १५१

ओव० भग० ६, ५; सूय० १, ११, २३;

नंदी० ३३; भत्त० ३१; कप्प० २, १५;

पइहाण. न० (प्रतिष्ठान) अवस्थान; स्थिति;

आधार. अवस्थान; स्थिति; आधार. A

support; an establishment;

stand जं० प० ५, १२१; अणुअं० १२८;

भग० २, ७; ७, १; नाया० ६; दसा० ६, १;

जोवा० ३, ४; (२) पाया; भीत-

शीर्षा विगेरेनुं भूल. नीव; पाया; दीवार-
सीढी-जीना आदि की नीव Foundation;
basis. राय० ४५; १०५; प्रव० ६२४;
जीवा० ३, ४;

पद्मवाच. त्रि० (प्रतिष्ठापक) व्यवस्था कर-
ना; व्यवस्थापक. व्यवस्था
प्रबन्ध करने वाला. A manager. ओव०
१०; नाया० १८;

पद्मवाच. न० (प्रतिष्ठापन) स्थापन करने;
प्रतिष्ठा करनी ते स्थापना; प्रतिष्ठापन. The
act of establishing; establish-
ment; bringing into existence.
पंचा० ७, ४५; ८, १६;

पद्मवाच-य त्रि० (प्रतिष्ठित) प्रतिष्ठा पायेला;
स्थिति करेला. प्रतिष्ठा पाया हुआ; स्थापित
Established: made to exist.
उत्त० ३६, ५६; ठा० ३, ३; सम० २१;
भग० १, ६; ६, ५; नाया० १; उवा० २.
१०१; कप्प० ३, ४०; गच्छा० २; दमा०
२, १८; निंसा० १४, ७५; पन्न० १४; पंचा०
३, २७; कप्प० ३, ५५; प्रव० ४६३; (२)
बाह्यरवा महिनातुं लोकान्तर नाम. भाद्रपद
मास का लोकान्तर नाम. an extra-
ordinary name of the month
Bhādrapada जं० प०

पद्मवाच त्रि० (प्रकीर्ण) फैलायेधुं; बिभरयेधुं.
फैला हुआ; बिखरा हुआ; प्रसारत.
Scattered; spread. नाया० २; ३;

पद्मवाच. न० (प्रकीर्णक) प्रकीर्णक छुटके
शास्त्र-पुस्तिका. प्रकीर्णक-छुटके-इधर उधर के
शास्त्र आदि; पद्मवाच. Stray scriptures;
a collection of scriptures. उत्त०
२८, ६३; पन्न० १;

पद्मवाच. स्त्री० (प्रतिज्ञा) प्रतिज्ञा-देक.
प्रतिज्ञा-टेक A vow. (२) पद्मवाच.
पद्मवाच a determination. उत्त० ६,

१०; निशे० १२६५; ओव० नि० ४६; राय०
२४४; (२) निश; श्रद्धा. निश; श्रद्धा;
विश्वास. Belief; devotion; confi-
dence. राय० २८६;

पद्मवाच. न० (प्रतिदिन) हररोज; हमेशा.
प्रतिदिन; हररोज; सदा. Daily; ever;
every day. नाया० १०; सु० च० १,
१३२; २११, ३३२; पि० नि० ३६६;

पद्मवाच. न० (प्रतिदिवस) हररोज; हमेशा।
प्रतिदिन; हमेशा. Daily; every day.
पंचा० २, ३७;

पद्मवाच. न० (प्रतिद्वार) द्वार द्वार प्रत्ये.
घरघर; प्रतिद्वार. From door to door.
विशे० ६५६;

पद्मवाच. त्रि० (प्रकीर्ण) ओ० “ पद्मवाच ”
शब्द. देखो “ पद्मवाच ” शब्द. Vide.
‘ पद्मवाच ’ नंदा० ४३: —तत्र. न० (-तपम्)
श्रद्धा अने अनुष्ठान बिना छुटके जप, मध्य-
जप यंत्र-प्रतिमा वगेरे यथा शक्ति करवाभां
आपतुं तप आण एव अनुक्रम के बिनाहो
फुटकर रीतिसे—जप, मध्यजप, चन्द्रप्रतिमा
आदि यथाशक्त किया जाने वाला तप.
A penance, such as Java,
Madhyajava etc. undertaken
according to one's strength
without any serial order. उत्त०
३०, १०; —वाच. त्रि० (-वादिन्) गमे तेवो
प्रक्षाप करनार; अस्वयं ओलनार. मनमाना
बकनेवाला; असबद्ध प्रलापो. a prattler,
a babbler. उत्त० ११, ६;

पद्मवाच. त्रि० (प्रतीक) जन्मशी पायेधुं.
जन्मत: पाला हुआ. Protected or
observed from the very birth.
परह० २, १;

पद्मवाच. स्त्री० (प्रतिज्ञा) प्रतिज्ञा; संकल्प.
प्रतिज्ञा; प्रण; सकल्प. A vow; a firm

determination; an oath; a solemn promise. भक्त० २६; सु० च० ८, ३०७;

पद्मय. न० (प्रतिभय) रक्षाभो लय-लयनो पञ्चभाष्ये। सम्मुख भय; भय की प्रतिष्ठाया। A shadow of fear; fear in opposition. नाया० २; श्रौत० २१;

पद्मारुय. पुं० (प्रतिमारुत-प्रतिकूलो मारुतः प्रतिमारुत.) प्रतिकूल वायु-पवन. प्रति-कूल वायु-पवन. An unfavourable wind. नाया० १;

पदरिक्त. त्रि० (प्रतिरिक्त) ऐकान्तपाणुं; श्री, पशु वज्रे वसति पितातुं (स्थान). एकांत वाला; श्री, पशु आदि की वस्तीसे शून्य. A seclusion; a deserted place; a place devoid of beasts, men and women etc. उक्त० २, २३; ३५, ६; जीवा० ३, ३; कप्प० ४, ६५; (२) धनुं; वधारे. बहुत, आविक; प्रचुर. ample; abundant; plenty ओघ० नि० १४५;

पद्मल. पु० (पैल) प्पावनभा अष्टनुं नाम. बावनवे ग्रह का नाम Name of the fifty second constellation. "दो विसंधी दो नियल्ला दो पद्मल्ला " ठा० २, ३; सू० प० २०; (२) त्रि० जेने राक्षीने रोग थये छेय ते. वह जिस राक्षी का रोग हुआ हो. (one) suffering from " Rāfi " पद्म० २, ५;

पद्मवस्तु न० (प्रतिवस्तु) दरेक वस्तु प्रति-वस्तु; हर एक पदार्थ वस्तु Every thing; each commodity. विशेष० ७४;

पद्मविसिद्धय. त्रि० (प्रातिविशिष्ट) विशिष्ट; सहित; युक्त. विशिष्ट; सहित; युक्त Special; with; attached to. उवा० ७, २०६;

पद्मवैसेस पुं० (प्रातिविशेष) विभक्ता-लेट;

तारतम्य, भिन्नता; भेद-तारतम्य. Difference; comparison. अंगुजो० ११;

पद्मव्या. स्त्री० (प्रतिव्रता-पतिव्रतयति-तमे-वानुगच्छामीति नियमं करोति) प्रतिव्रता धर्म पालनारी स्त्री. प्रतिव्रता धर्म पालने-वाली स्त्री; प्रतिव्रता; साध्वी. A chaste; faithful woman. नाया० १६;

पद्मसमय. न० (प्रतिसमय) दरेक सभये; सदा. प्रतिसमय; नदा; हमेशा. Every time; always; ever. कं० गं० ५, ८१; विशेष० ७१; सु० च० १, ३६०; —उत्पराण. त्रि० (-उत्पन्न) सभये सभये उत्पन्न थतुं; ननु ननु. समय समयपर होनेवाला; नया नया. occurring occasionally-newly. विशेष० ४२०;

पद्म त्रि० (प्रतीचीन) पश्चिम दिशानुं. पश्चिम दिशा-पाश्चात्य. Belonging to the west; western. भग० १५, १;

पद्म. पुं० (प्रदीप) दीपक; दीपो. दीपक; दीया. A light; a lamp. भग० ८, ६; दस० ६, ३५; पिं० नि० भा० १; विशेष० १७; २४४, वेद्य० ५, ७; राय० २३. उक्त० २३, ६; ३४, ७; सम० १; नंदी० १०; कप्प० ३, ३६; (२) प्रदीपकुमार; लयनपति देवतानी ऐक जत प्रदीपकुमार; भवनपति देवता की एक जात. Pradipa Kumāra, a class of Bhavanapati gods. नाया० १६;

पञ्च. पु० (प्रयुत) चौरासी लाख अयु-तनो- ऐक ' प्रयुतांग काल ' अने ' चौरासी लाख ' प्रयुतांग प्रमाणे ऐक ' प्रयुत काल विभाग ' चौरासी लक्ष अयुत-एक प्रयुतांग काल एवं चौरासी लक्ष प्रयुतांग प्रमाण से एक काल विभाग. A period of time equal to 84 lacs of Prayutāṅga Prayutāṅga 84 lacs of Ayuta.

भग० २५, ५; अणुजो० ११५; ठा० २, ४;
जीवा० ३, ४; जं० प० २, १८;

पउअंग. पुं० (प्रयुतांग) योरासी क्षाप्य अयु-
तनो ऐक प्रयुतांग; क्षाप्युं ऐक माप.
चौरासी लक्ष अयुतका एक प्रयुतांग; काल का
एक माप. A Prayutānga equal
to 84 lacs of Ayutas; a
measure of time. अणुजो० ११५; ठा०
२, ४; भग० ५, १;

✓ प-उच्छ्र. धा० I. (प+उच्छ्र) छुट्ठुं;
छुट्ठुं. लूँछना; संवारना. To comb.

पुच्छइ. निती० ४, ७४; उवा० २, ६४;

पुच्छे आ० दस० ८, ७;

✓ पउज. धा० I. (प्र+युज्) योज्जुं; प्रयोग
करवे; अणभापयुं. योजना करना; प्रयोग
करना; आजमाना. To arrange; to
experiment; to test.

पउजइ. भग० ३, २, १६, ५; ओष० नि०
७५५; जं० प० ५, १२२; ११५;

पउजइ. नाया० ६; उवा० ८, २५५;

पउजति नाया० १; नाया० ८; उत्त० ८,
१३; ओष० ३३; जं० प० ५, ११२;

पउजामि. सु० च० १०, ११४; नाया० ८;

पउजिज वि० उत्त० २४, १३;

पउजे वि० दस० ८, ४१; वव० ७, १८;
दसा० ६, ४;

पउजय. आ० दसा० १०, ७;

पउजइत्ता. सं० कृ० भग० ३, २; १६, ५;
नाया० ६;

पउजित्ता. सं० कृ० नाया० ८;

पउजिउं. स० कृ० सु० च० १, २२४;

पउजित्ता. सं० कृ० भग० १५, १; जं० प०
५, ११५; ११२, १२२;

पउजेहिंति. भग० १५, १;

पउजमाण. व० कृ० भग० ६, ३३; ओष०
३१;

पउजियव्व. त्रि० (प्रयुक्तव्य) योज्जुं; धटा-
युं. योजना करना; प्रयोग करना; जमाना
-चनाना. Arranging; experiment-
ation. राय० २७७; पंचा० १२, ८; क०
गं० ६, ३५;

✓ प-उक्ख. धा० I. (प्र+उच्) पाण्णी
छांटुं. पानी छोंटना; जल प्रोक्षण.
To sprinkle water.

पोक्खेइ. भग० ११, ६;

पउज्ज. त्रि० (प्रयोज्य) प्रेरणा करवा
योग्य; योज्जवा लायक. प्रेरणा करने के योग्य;
योजना के योग्य. Fit to be urged,
arranged. विशेष० ३३=४;

पउट्ट. पुं० (परिवर्त) परिवर्तन; ऐक
शरीरभांथी णीज शरीरभां प्रवेश करवे।
ते. परिवर्तन; एक शरीर में से दूसरे शरीर
में प्रवेश करना Change; transmi-
gration. भग० १५, १;

पउट्ट. पुं० (प्रकोष्ठ) छाथनो पोथो; छाथीथी
पोथा सुधीनो लाग. हाथ का पहुँचा; मणि-
बन्ध, कलाई; प्रकोष्ठ; कुहनी से पहुँचे पर्यन्त
भाग The wrist. ओष० १०; भग०
११, ११; जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३५;
जं० प० ७, १६६;

पउट्ट. त्रि० (प्रदुष्ट) अराय; दुष्ट. दुष्ट;
अधम; खराब. Bad; worse. प्रव० १५१;

✓ पउण. ना० धा० I. (प्रगुण) विशेषगुण-
क्षायदो करवे। विशेषगुण पहुँचाना-फायदा
करना. To cause special profit
or benefit.

पउणइ. विशेष० ८६५;

पउण. त्रि० (प्रगुण) प्रकृष्ट-श्रेष्ठ गुण वालुं.
प्रकृष्ट गुण वाला; उत्तम गुणी-सद्गुणी.
(One) having best merits or
qualities. सु० च० १, १०२; पिं० नि०
३०८;

પડત. નં (પ્રયુત) બુઝો “ પડઅ ” શબ્દ.
 देखो “ पडअ ” शब्द. Vide “ पडअ ”
 भग० ५, १;

પડત્ત. ત્રિં (પ્રયુક્ત) બેઠેલું; થોળેલું,
 અજમાવેલું પ્રયુક્ત; યોજના ક્રિયા હુઆ;
 आजमाया हुआ. Experimented;
 used; taken experience of.
 जीवां ३, ३; भक्त० ८३; उवा० ७, १८२;
 २०४;

પડત્તિ. છીં (પ્રયુક્તિ) પ્રયુક્તિ; પ્રકટવાત.
 प्रयुक्ति; प्रकट बात; प्रसिद्ध वार्ता. An
 open fact નાયાં ૨,

પડત્થ. ત્રિં (પ્રોપિત) ક્રોધથી તપ થયેલ;
 रीसाधने लागी गये क्रोध से गरम बना
 हुआ; घुस्सा खाकर भागा हुआ. Hot
 with anger, (one) who has
 run away being enraged. વિશે.
 ૨૦૬૫, —વહ્યા. છીં (-પત્તિકા) બેને
 पति-धृष्टी परदेश गये छे तेवी वियोगिनी
 श्री. वह विरहिणी छी जिसका पात पर-
 देश गया हुआ है. a lady whose
 husband has gone on a long
 journey. ઓઘં નિં માં ૨૨૨; વિશે.
 ૨૦૬૬;

પડપ્પઅ. પું (પ્રપૌત્ર) પુત્રના પુત્રનો પુત્ર,
 પડપોતરો. लडके के लडके का लडका,
 प्रपौत्र; पोता-ती. a great grandson.
 (૨) શિષ્યાનુશિષ્ય શિષ્યાનુશિષ્ય a
 generation of disciples. “ तेण
 कालेणं तेणं समयेण विमलस्म अरहणो
 पडप्पण् धम्मघोसे नामं अणगारे ” भग०
 ११, ११; १५, १,

પડમ. નં (પદ્મ) સૂર્યવિકાશી કમલ. સૂર્ય-
 विकासी कमल. A lotus જં પં ૫,
 ૧૧૫; આયાં ૨, ૨, ૧, ૬૭; ઓવં ૧૦,
 સૂયં ૨, ૩, ૧૮; નાયાં ૧; ૪, ૬; ૧૩;

उवा० १, ३०; भग० ६, ७; ६, ३३;
 ११, ६; २५, ५; ओघ० निं भा० ५६;
 ओघ० निं ६८९; सु० च० १, ३७; दस०
 ५, २, १४; नंदी० स्थ० ८; राय० ४२; पञ०
 १; १५; जीवां ३, १; निर० २, १; (२)
 પમ નામનો દ્વીપ અને સમુદ્ર. पद्म नामक
 द्वीप और समुद्र a continent and an
 ocean so named. पञ० १५; (३)
 પમ નામની વેદિકા, જે દ્વીપ અને સમુદ્રની
 ચારે તરફ હોય છે. पद्म नामक एक वेदिका जो
 द्वीप तथा समुद्रो के चारों बाजू होती है. a
 raised portion of land so named
 round a continent or a sea
 भग० २, ८; ३, २; (४) ચૌરાસી લાખ
 उत्पल कालतो એક પદ્માંગ, એવા ચૌરાસી
 लाख पद्मांगतो એક પદ્મ; કાલનું એક માપ.
 चौरासी लाख उत्पल काल का एक पद्मांग
 और चौरासी लाख पद्मांग का एक पद्म; एक
 काल-माप. a duration of time
 equal to 84 lacs of Padmāngas.
 ठा० २, ४; अणुजो० ११५; भग० ५, १;
 जीवां ३, ४, ज० प० (५) રમ્યકવાસ ક્ષેત્રના
 वैताढ्य पर्वततो अधिष्ठाता देवता. रम्यक-
 वास क्षेत्र के वैताढ्य पर्वत का अधिष्ठाता
 देवता. the presiding deity of
 the RamyakvāsaKsetra of the
 Vaitādhya mountain. ठा० २, ३,
 (६) પદ્મ નામનો રાજા કે જે આવતી
 ચૌવીસીના પ્રથમ તીર્થંકર મહાપદ્મની પાસે
 दीक्षा लेशे पद्म नामक राजा जो आगामी
 चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर महापद्म से दीक्षा
 लेंगे. the king named Padma
 who will be consecrated by
 the first Tirthāṅkara in the
 coming Chaubīsī. ठा० ८, १; (७)
 पद्म-रम्यद्वीपना भरत क्षेत्रमां आवती

उत्सर्पिणीभिः थनार आऽभा यक्ष्वती. पद्म-जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले आठवें चक्रवर्ती. the 8th Chakravarti to come in the coming æon of increase in the Bharata Ksetra of Jambūdvīpa. (८) पद्म-पायभा तीर्थ करने सर्व प्रथम लिखा आपना. पद्म-पाचवं तीर्थकर को सर्व प्रथम भिक्षा देने वाला. (one) who gave alms first of all to the 5th Tirthankara. सम० प० २४२; (९) पद्म-आवती येनीसीना आऽभा यक्षदेवनु नाम. पद्म-आगामी चौबीसी के आठवें बलदेव का नाम. name of the 8th Baladeva of the coming Chaubīsī. सम० प० २८२; (१०) सानभा देवलोक्तं पद्म नामे विमान, येनी स्थिति सत्रह सागरोपमनी छे, ओ देवता साऽभा आऽभासे आसोच्छवास ले छे अने सतर दत्तर वर्षे क्षुधा-भूष लागे छे मातवें देवलोक का पद्म नामक विमान; इसकी स्थिति सत्रह सागरोपम की है; यह देवता मांछे आठ मांहनों में आसोच्छवास लेते हैं, इन्हें सत्रह हजार वर्षों में भूख लगती है. a celestial abode so named, of the 7th Devaloka; the duration of the life of its gods is seventeen Sāgaropamas; (a period of time), they breathe at every 8½ months and feel hungry once in 17,000 years. सम० प० २४२, (११) पद्म-आऽभा देवलोक्तं ओऽ विमान, येनी स्थिति अठार सागरोपमनी छे, ओ देवता नव माहिने आसोच्छवास ले छे अने अठार दत्तर वर्षे क्षुधा-भूष लागे छे. आठवें देवलोक का एक

विमान, ईमकां स्थिति अठारह सागरोपम की है; ये देवता नौ माहिने में आसोच्छवास लेते हैं, इन्हें अठारह हजार वर्षों में भूख लगती है. a celestial abode of the 8th Devaloka; the life of its gods is 18 Sāgaropamas (a period of time), they breathe at every nine months and feel hungry once in 18,000 years सम० १८; —उत्पल. न० (-उत्पल) पद्म-क्षमल. पद्म; कमल; पंकज. a lotus. नाया० ८; सम० ३४; कण० ३, ३; —चूर्ण. पु० (-चूर्ण) क्षमलचूर्ण. कमलका चूर्ण. powder of lotus. निर्मो० १, ६; —द्रव पु० (-द्रव) युलदिभवंत पर्वत उपरतो पद्म नामे ओऽ द्रव. चुलाहिमवंत पर्वत पर का एक पद्म नामक द्रव-झील & lake named Padma on the Chula Himavanta mount. कण० ३, ३५; सम० १०००; जं० प० ५, १२०, —पत्त. न० (-पत्र) क्षमलती पांभरी कमल दल; कमल पत्र. & lotus leaf. राय० ४६; जं० प० ५, ११६; (२) पुं० पद्म नामे पिता. पद्म नामक पिता. & father named Padma. नाया० ध० ६; —रज्र. न० (-रजस) क्षमलती रज-पराग. कमल की केसर; पद्मपराग; कमलरज pollen; filament of lotus. नाया० १, —लया. स्त्री० (-लता) क्षमलती वेत्र. कमल लता; कमल की वेल. & lotus-creeper भग० १४, ६; नाया० १; ८; राय० ९१; पत्र० १; ओव० जं० प० ५, ११६; —वास. पुं० (-वर्ष) पद्म-क्षमलतो वरसाह पद्म-कमलो की वर्षा & shower of lotuses. भग० १५, १; —सर न० (-सरम्) क्षमल युक्त सरोवर;

कमल वालुं तलाव. कमल युक्त सरोवर; पद्म पूरित सर; कमल वाला तालाव. & lake or pond abounding in lotus-flowers. भग० ११, ११; १५, १; १६, ६; नाया० १; ८; विशेष० ३४०५; सु० कप्प० १, ४; च० २, ४७; —सीहासण. न० (-सि-हासन) पद्म नामे सिहासन. पद्म नामक सि-हासन. & throne named Padma. नाया० ध० ९; —हृत्थगय त्रि० (-हस्त-गत) जेना हाथमां कमल रहेल छे ते वह जिसके हाथ मे कमल है, पद्म-हस्त (one) who has a lotus in his hands ज० प० ३, ४३;

पडमंग. न० (पद्माङ्ग) = ४ लाख उत्पलने। ऐक पद्माङ्ग कलनुं ऐक भाप ८४लाख उत्पलों का एक पद्माङ्ग; काल का माप विशेष. A measure of time; 84 lacs of Utpalas make a Padmaṅga. भग० ५, १, २५, ५, ठा० २, ४; अणुजा० ११५, ज० प०

पडमग. पु० (पद्मक) केसर. केसर. Filaments of a flower दस० ६, ६४;

पडमगुल्म पु० (पद्मगुल्म) पद्मगुल्म नामे राजा के जे आवती येवीसीना पड़ेला तीर्थ-कर महुपद्मनी पासे दीक्षा देशे पद्मगुल्म नामक राजा जो आगामी चौबीसी के प्रथम तीर्थकर महापद्म से दीक्षा लेगा. A king named Padmagulma who will be consecrated by the first Tirthāṅkara of the coming Chaubīsī. ठा० ८, १; (२) जे नामनुं ऐक विमान. इस नामका एक विमान. & celestial abode of this name उत्त० १३, १; सम० १८,

पडमणाभ. पुं० (पद्मनाभ) धातकीखंड की अमरकंका राजधानी का राजा. The king so named of the capital city Amarakaṅkā of Dhātakikhanda who abducted Draupadī. नाया० १६;

पडमणाह. पुं० (पद्मनाभ) ज्यो "पडमणाभ" शब्द. देखो "पडमणाभ" शब्द. Vide "पडमणाभ" नाया० १६;

पडमद्धय पुं० (पद्मध्वज) पद्मध्वज नामने राजा के जे आवती येवीसीना पड़ेला महु-पद्म तीर्थकर पासे दीक्षा देशे. आगामी चौबीसी के प्रथम महापद्म तीर्थकर से दीक्षा लेने वाला पद्मध्वज नामक राजा. A king named Padmadhvaja who will be consecrated by the 1st Tirthāṅkara named Mahāpadma of the coming Chaubīsī. ठा० ८, १;

पडमनाह. पुं० (पद्मनाभ) भरत क्षेत्रना आवती येवीसीना पड़ेला तीर्थकरनुं नाम. भरत क्षेत्र की आगामी चौबीसी के पहिले तीर्थकर का नाम. Name of the 1st Tirthāṅkara of the coming Chaubīsī in Bharata Ksetra. प्रव० २६५, ४६४;

पडमप्पह. पु० (पद्मप्रभ) छठे तीर्थकरनुं नाम. छठे तीर्थकर का नाम. Name of the 6th Tirthāṅkara. अणुजो० ११६; सम० २४; ठा० २, ४; उवा० २, २; प्रव० २६३; कप्प० ६, २००;

पडमप्पहा. स्त्री० (पद्मप्रभा) जम्बूवृक्षना ध्यान भुलाना वनमां पयास जेवन उपर आवेली ऐक पुष्करिणी वावुं नाम जम्बू वृक्ष के ईशान्य कोन के वन में पचास योजन पर आने वाली एक पुष्करिणी—कमल दल

वाली चावटी का नाम. A Puṣkarinī well coming, at a distance of 50 Yojanas in a forest to the north-east of the Jambū Vrikṣa; जं० प०

पउमराय. पुं० (पद्मराग) लालरंगेना मणि. लालरंग की मणि; पद्मराग. A ruby. प्र० ११६८;

पउमचडिसयविमाण. न० (पञ्चावितंगक-विमान) ओ नामनु विमान. विमान विशेष. A particular celestial abode. नाया० प० ६;

पउमचरवेडआ-या स्त्री० (पद्मचरवेदिका) वन० ५-श्रेणी वगेरेनी सीमा डपरनी वेदी के वगेना रतल वगेरेमा पद्म-कमल डोत-रेल ओ वनखण्ड-धेरिण आदि की सीमापर स्थित एक वेदी जिसके स्तंभ आदि में कमल खुदे हुए हैं. That platform situated at the borders of the out skirts of a forest on whose posts etc. lotuses are engraved भग० ६, ३; जं० प० १, ६;

पउमसिरी. स्त्री० (पद्मश्री) पद्मश्री-आठमा यक्षवर्तीनी स्त्री (रत्न). पद्मश्री-आठवें चक्रवर्ती की स्त्री (रत्न). Padmasī queen of the 8th Chakravartī. सम० प० २३४;

पउमा स्त्री० (पद्मा) पद्मादेवी पद्मादेवी The goddess Padmā. नाया० ५; नाया० प० ५, ६; प्र० ३०८, (२) राक्षसना छेडी सीमना पड़ेसी पट्टराणी राजाओं के इन्द्र भाम की पहिली पटरानी the 1st chief queen of Bhīma, the Indra of Rākṣasas. ठा० ४, १; भग० १०, ५; (३) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष a particular vege-

tation. (४) पद्मावती नामे वीसमा तीर्थंकरनी माता. बीसवें तीर्थंकर की पद्मावती नामक माता. mother of the 20th Tirthaṅkara. सम० ५; २३४; (५) आठमां तीर्थंकरनी मुख्य साध्वी. चौदहवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी. the chief nun of the 14th Tirthaṅkara. सम० प० २३४; (६) जम्बू-द्वीपना वनस्पतिका धराना जम्बूद्वीपना वनमां पञ्चाश जेठन डपर आवेसी ओके चावटुं नाम. जम्बूद्वीपस्थ जम्बूद्वीप के ईशान्य कोन वाले वन में पञ्चाश योजनपर आने वाली एक चावटु-चावटिका विशेष. a well coming towards the north-east of the Jambū Vrikṣa situated in the Jambūdvīpa at a distance of 50 Yojanas. जं० प० (७) ओ नामनी शाखा. शाखा विशेष a branch of this name कण० ८;

पउमाचई छा० (पद्मावती) अतगः सूत्रना पाथमां वर्गना प्रथम अध्ययननु नाम. अतगः सूत्र के पांचवें वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. name of the 1st chapter of the 5th Antagāḍa Sūtra. अंत० ५, १; (२) कृष्ण महा-राजनी ओके पट्टराणी के जे नेमिनाथ प्रभुना मोक्षार्थ विरक्त यज्ञ यक्षिणी आर्यानी पासे दीक्षा लभ अगोपार अगोना अभ्यास करी बीस परसनी प्रवज्या पाणी ओके मासना सथारो करी मोक्षे गया. कृष्णमहाराजकी पटरानी जिन्होंने नेमिनाथ प्रभु के बाध से विरक्त होकर यक्षिणी आया से दीक्षा ली एवं ग्यारह अंगों का अभ्यास कर बीस वर्षकी प्रवज्या पाल तथा एक मासका सथारा करके मोक्ष प्राप्त किया. the chief queen of Kṛṣṇa Mahārāja who being advised

by the Lord Neminātha was consecrated by Yaksinī Āryā, studied the eleven Āṅgas, remained a nun for 20 years and attained salvation after a month's self starvation. अत० ५, १; ठा० ८, १; (३) पश्चिम दिशांना इत्येक पर्वतपर वसनादी आठ दिशाकुमारीमांनि येथी. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर निवास करने वाली आठ दिशाकुमारियों में से चौथी. the 4th of the 8 Diśā Kumāris residing on the mount Ruchaka in the west. ज०प० १, ११४; (४) कैशिक राज्ञी पट्टराणी कोणिक राजा की पटरानी. the chief queen of the king Konika. निर० १, १; (५) महापद्म राज्ञी पद्मावती देवी महापद्मराजा की पद्मावती देवी. the queen Padmāvati of Mahāpadma king. नाया० १६; विवा० ५; (६) राक्षसना भीमैद्रीणी पट्टराणी. राक्षसों के भीमैद्री की दूसरी पटरानी. the 2nd chief queen of Bhimendra of the Rākṣasas. भग० १५, ५; (७) उदायन राज्ञी देवीनु नाम उदायन राजा की देवी-रानी का नाम. name of the queen of the king Udāyana. भग० १३, ६; (८) कनकरथ राज्ञी देवी कनकरथ राजा की देवी queen of the king Kanakaratha. नाया० १४, (९) महाराज शेलकनी पट्टराणी महाराजा शेलक की पटरानी-महिषी. the chief queen of Mahārājā Śelaka नाया० ५, (१०) हिरण्यनाभ राजा की देवी देवीनु नाम. daughter of the king Hiranyanābha at whose choice-marriage a fight took place between Rāma, Keśava and other kings etc. पद्म० १, ४; (११) प्रतिबुद्ध राज्ञी राणी प्रतिबुद्ध राजा की रानी. the queen of the king Pratibuddha. नाया० ८; (१२) पद्मावती देवी, पार्श्वनाथजी देवीनु नाम. पद्मावती देवी, पार्श्वनाथजी की देवी का नाम. the wife of Pārśvanāthjī नाया० १४; नाया० ध० ६, प्रव० ३७८, (१३) वीशभा तीर्थंकरनी माता बीमवै तीर्थंकर की माता. mother of the 20th Tirthaṅkara. प्रव० ३२२;

हती. हिरण्यनाभ राजा की कन्या, जिसके स्वयंवरमें राम, केशव तथा अन्य राजकुमारों के बीच युद्ध हुआ था. daughter of the king Hiranyanābha at whose choice-marriage a fight took place between Rāma, Keśava and other kings etc. पद्म० १, ४; (११) प्रतिबुद्ध राज्ञी राणी प्रतिबुद्ध राजा की रानी. the queen of the king Pratibuddha. नाया० ८; (१२) पद्मावती देवी, पार्श्वनाथजी देवीनु नाम. पद्मावती देवी, पार्श्वनाथजी की देवी का नाम. the wife of Pārśvanāthjī नाया० १४; नाया० ध० ६, प्रव० ३७८, (१३) वीशभा तीर्थंकरनी माता बीमवै तीर्थंकर की माता. mother of the 20th Tirthaṅkara. प्रव० ३२२;

पडमासन. न० (पद्मासन-पद्मसिख-पद्माकारमासनम्) ये नामनु येक आसन; पद्मासने भेसुं ते. एक आसन विशेष; पद्मासन नामक बैठक-आसन. A particular kind of posture in sitting. भग० ११, ११; जीवा० ३; राय० १३६,

पडमिणी. स्त्री० (पद्मिनी) कमलिनी; धोला पोपणी. कमलिनी, कुमुदिनी, श्वेतपद्मिनी. A white lotus. कण्ठ० ३, ४२,

पडमुत्तर पुं० (पद्मोत्तर) ८ भा यक्षवर्तीना पिता ६ वे चक्रवर्ती के पिता. Father of the 9th Chakravartī सम० प० २३४; (२) साकरनी येक जंत. शकर की एक जाति. a sort of sughar नाया० १७,

पडमुत्तरकूड पुं० (पद्मोत्तरकूट) लक्ष्मण वनना आठ दिग्गुहस्तिकूटमांनुं पडेसुं कूट-शिखर. भद्रमाल वनके आठ दिग्गुहस्तिकूटों में

से पहिला कूट-शिखर. The 1st peak of the 8 Dighasti-peaks of the Bhadrasāla forest. जं० प०

पउमुत्तरा. स्त्री० (पद्मोत्तरा) ओष्ठ जलनी भीक्षार्थ. मिश्रार्थ विशेष. A kind of sweet. जीवा० ३, ३; पञ्च० १७; जं० प०

पउर. त्रि० (प्रचुर) प्रचुर; धातुः विशेष. प्रचुर; बहुत; प्रभूत; अधिक; विशेष. Too much; profuse; excessive; more. जं० प० ५, ११५; २, २५; भग० १; १; ७, ६; १२, १; नाया० १; ५; ८; १७; अणुजो० १४७; ओष० २१; उत्त० ८, १; ३२, ११; मूय० २७, २; नंदी० स्व० १५; राय० २८६; —गोयर न० (-गोचर) भेदादु-धातुं गोय्यर-गाथेने धास यरवानुं क्षेत्र. गायों के चरने का विस्तृत क्षेत्र-मैदान; विशाल गोचर भूमि. a big pasturage. नाया० १७;—तणुपागिय. त्रि० (-तणुपानीय) धातुं धास अने पाणुं जेभां होय ते. प्रचुर घास व पानी वाला; घास पानी में संपन्न-संकुल. (that) which has plenty of grass and water. विवा० २;

पउर. त्रि० (पौर) शहरी; शहरेभां रहेनार नगरनिवासी; नागर; नागरिक. A citizen. सु० च० ३, १०९; —महल्लय त्रि० (-महन्) पौरलोकोना माननीय; शहरेनो रहेतो भाषस. नगरनिवासियों का पूज्य-सन्माननीय (व्यक्ति); शहर का प्रतिष्ठित पुरुष; श्रेष्ठ नागरिक (one) venerable to the citizens, an eminent citizen. सु० च० ४, १६७;

✓ प-उ-लंड. धा० II. (प्र+उत्+लंड्) उल्लंघी व्युं. उल्लंघन करना; लांघना. To transgress; to cross. पोलेदेह. नाया० १;

पउरयर. त्रि० (प्रचुरतर) अति धातु. अत्यधिक. Very much. सु० च० २, ६६;

पउल. पुं० न० (पौल) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A particular vegetation. भग० २३; ५;

पउलण. न० (प्रजलन) पौवां पगेरे सेकवा ते. पोहे आदि का भूजना-सेकना. Roasting or baking of ears of corn etc. पण्ट० १, १;

पउलिय. त्रि० (प्रजलित-पक्क) अग्नि उपर पाडेस अग्नि पर पका हुआ; अग्निपक्क. Cooked over a fire. उवा० १, ५१;

पउस. पुं० (+प्रकुश) पउस नामनो देय पउस नामक देश. A country so named (२) त्रि० पउस देशभां रहेनार. पउम देश के निवासी. its inhabitants. पञ्च० १;

पउस. पुं० (प्रद्वेष) रोष; द्वेष. रोष; द्वेष. Anger, hatred. सूय० १, ३, १, १८; नाया० ८;

पउसिया. स्त्री० (प्रकुशिका) पउस देशभां ज-भेली दासी. पउस देश में उत्पन्न दामी. A maid-servant born in Pausa country. ओष० ३३;

पण. अ० (प्रणे) सवारभां; प्रभातभां सवेरे; प्रातःकाल. In the morning. ओष० नि० भा० ४७;

✓ प-पस. धा० I, II. (प्र+हृप्) भेदा-धातुं; कामभां योवुं. भेजना; काम में लगाना. To send; to use.

पेसण सु० च० ६६;

पेसेह. विवा० ३; नाया० १६;

पेसंति. सूय० १, ४, २, ४;

पेसिजऊ. आ० सु० च० १५, १८२;

पमाय सूय० १, २, २६;

पयस. पुं० (प्रदेश) जेना जे विभाग यध
 शेके नही जेवो वस्तुनो सूक्ष्मभा सूक्ष्म अंश.
 जिसके दो विभाग न हो सके ऐसा वस्तु का
 सूक्ष्मातिसूक्ष्म अंश. An indivisible
 unit of a substance. अणुजो० ४८;
 १३२; १४३; ठा० १, १; भग० १, ७; ६; ४,
 १०; १२, ६, २५, ३, ४; ५, ४; नदी० १८;
 जं० प० ५, ११६; ओव० उत्त० १३, १६;
 सम० ४, क० प० १, ६, विशेष० ३३७, (२)
 ज्वना अस ज्वात प्रदेशमाना जेवना प्रदेशमा
 ज्व सत्ता भाननार जेके निहव. जीव के
 असंख्य प्रदेशों में से अन्तिम प्रदेश में जीव-
 सत्ता को मानने वाला एक निन्दव-नास्तिक,
 a heretic who maintains that
 soul exists in the last of the
 innumerable living molecules.
 क० ग० १, २, विशेष० २३००; (३) जमीनो
 विभाग भूमि-खड; स्थल-विभाग. a por-
 tion of land. भग० ३, २, नाया ६,
 पि० नि० ५५, सु० च० २, ५; वव० ८, १;
 निमी० ६, १२, सू० प० १, पंचा० १२, ४५,
 वेय० ४, १३, क० प० २, ६०, ७३, (४)
 योग्य स्थान उचित स्थान. योग्य स्थल
 a proper place. पंचा० ७, १०, (५)
 धर्मनो प्रदेश बन्ध. कर्म का प्रदेश बन्ध
 a partial bondage of Karmic
 molecules क० ग० ५, ६६, —अणु-
 तत्र पु० (—अनन्तक) प्रदेशनी अपेक्षाजे
 अनन्त प्रदेश की अपेक्षा-तुलना में
 अनन्त infinite in point of parti-
 cles. ठा० २, ३, —उक्कोस. पुं० (—उत्कर्ष)
 प्रदेश बन्धनो उक्कोस, उत्कृष्ट प्रदेश बन्ध
 प्रदेश बन्ध का उत्कर्ष, उत्कृष्ट प्रदेश बन्ध
 the highest bondage of Kar-
 mic molecules क० ग० ५, ८६;
 —उजोगाढ. त्रि० (—अवगाढ) आकाश

प्रदेशने अवगाही रहेल आकाश प्रदेश को
 छिपाए हुए-ढके हुए. covering the
 space of sky. भग० ५, ७; २५, २;
 —कम्म. न० (—कर्मन्) धर्मप्रदेशनो आत्म
 प्रदेशनी साथे क्षीरनीरपत् सयध थाय ते
 कर्म प्रदेश का आत्म-प्रदेश के साथ क्षीरनीर-
 वन् सम्बन्ध का होना a harmonious
 blending of Karmic particles
 with that of the soul. भग० १,
 ४, —घण. न० (—घन) प्रदेश धन;
 निश्चिद्र-नक्षर प्रदेशरूपे आत्मानि
 स्थिति थाय ते; सिद्ध जेवानुं सस्थान
 प्रदेश-घन, सिद्ध जीवो का संस्थान
 the solid state of the eman-
 cipated beings, the existence
 of the soul in the form of a
 solid state which has no holes.
 प्रव० ४६०; —छेयण न० (—च्छेदन)
 प्रदेशरूपे बुद्धिधी विभाग जेवो ते
 प्रदेश रूप में बुद्धि द्वारा विभाग कल्पना-
 विभाग की कल्पना करना an ima-
 ginary partition according to
 the unit of space of Karmic
 particle ठा० ४, ३, —गग न०
 (—अग्र) प्रदेश परमाणुनु परिमाणु.
 प्रदेश परमाणुका परिमाण the measure
 of an atom of unit of space
 or Karmic particle. उत्त० ३३,
 १७; —जेह. त्रि० (—ज्येष्ठ) प्रदेशवडे
 मोटु, ववारे प्रदेशवावु. प्रदेश से बडा;
 अधिक प्रदेश वाला large or big
 in space क० प० ६, ८२,
 —हुया छी० (—अर्थता) प्रदेशार्थपणु,
 प्रदेशनी अपेक्षा. प्रदर्शार्थता; प्रदेश की अपेक्षा
 the state in expectation or
 capacity of occupying the

space. भग० २५, ३; नाया० ५;

—नामनिहत्ताउअ. न० (—नामनिधत्तायु-

ष्क) प्रदेशरूप नामकर्मनी साथे आयुष्यना

पुद्गलने अंध थाय ते. प्रदेश रूप नामकर्म

के साथ आयुष्य-पुद्गलों का बंधन. the

bondage of life-molecules with

NāmaKarma in the form of a

unit of space or particle. भग० ६,

८; —बंध. पुं० (—बन्ध) प्रदेशरूपे कर्मनी

अंध. प्रदेश रूपी कर्मबन्ध. a bondage

of Karmic-molecules. ठा०

४, २; क० ग० ५, २१; —वृद्धि. स्त्री०

(—वृद्धि) प्रदेशनी वृद्धि. प्रदश की वृद्धि-

बढती. an increase in space. प्रव०

६१०; —ह्रासि. स्त्री० (—हानि) प्रदेशनी

हानि-न्यूनता. प्रदश की हानि-कमी. &

decrease in space. प्रव० ६१०;

पयसत्र. पुं० (प्रदेशक) प्रकृष्ट उपदेश करना;

साशरी रीति देणाडना. प्रकृष्ट उपदेशक; उत्तम

रीति से बतलाने-समन्ताने वाला. A sound

adviser or counsellor. विशेष० १०२५;

पयसि. पुं० (प्रदेशिन्) अधर्कदेश्य देशने

राज के नेने केशीस्वामीये प्रतिशोध

पमाये होतो. अर्ध केकय देश का वह राजा

जिसे केशीस्वामी ने प्रबुद्ध किया वा-ज्ञान प्राप्त

कराया था. The king of Ardhakai-

kaya country who was enlight-

ened by Keśī Svāmī. राय० २०७,

पयसिणी. स्त्री० (प्रदेशिनी) पहेली आंगुली;

अंगुली पासेनी आंगुली. पहिली अंगुली;

अंगुठे के पास वाली अंगुली; तर्जनी या प्रदे-

शिनी. The index-finger. दि० नि०

४६८;

पयसिय. त्रि० (प्रदेशिक) प्रदेशवालो; प्रदेश

वाला. Spatial. भग० ५, ७; २०, ५;

२५, २;

पञ्चोग. पुं० (पयोद) वादणुं. बादल; पयोद;

पयोधर. A cloud. दस० ७, ५२;

पञ्चोग. पुं० (प्रतोद) यायुक्; डेरडी चावुक;

कोड़ा. A whip. दस० ६, २, १९;

—धारत्र. पुं० (—धारक) यायुक्ते

धारण करनेवाले. चावुक वाला; चावुक रखने

वाला. (one) with a whip. दसा०

१०, १; —लट्टि. स्त्री० (—यष्टि)

यायुक्ती लाडली-दांडी. चावुक की लकड़ी-

दंडा. stick attached to a whip

दसा० १०, १;

पञ्चोगण. न० (प्रयोजन) प्रयोजन; निमित्त;

कारण. हेतु प्रयोजन; मनलव; निमित्त;

कारण. Reason; cause. भग० ११,

११; १२, १; नाया० ३; उत्त० ३२, १०५;

विश० २; ४१; अणुजो० ७५, १३२; कप्प०

९, ४७;

पञ्चोग. पु० (प्रयोग) उपाय; साधन. उपाय;

साधन. Means; remedy नाया० ६;

ठा० ३, १; क० प० २, १; ४, २६; उत्त०

३२, ३१; सम० १३; ओव० ओघ० नि०

७४६; जं० प०; सूय० २, ७, २; पंचा० १,

२८; ६, १०; १०, २६; उवा० १, ४७;

(२) धीययास; व्यापार प्रवृत्ति; हलचल;

व्यापार; प्रवृत्ति. movement; action.

(३) प्रज्ञापना सोलभां पदं नाम,

जेमा सत्य-मन-प्रयोग आदि पंदर योगो

अथ छे. प्रज्ञापना के सोलहवें पद का नाम;

जिस में सत्य-मन-प्रयोग आदि पन्द्रह योगों

का कथन है. the name of the 16th

chapter of Prajñāpānā Sūtra;

a chapter dealing with the 15

activities viz. truth, mind etc.

पञ्च० १; (४) मन-वचन-कायाना योगद्वारा

पुद्गलनु ग्रहण करनेवाले. मन-वचन-काया

के योग से पुद्गल का ग्रहण. accepting

of a matter through a conjunction of the mind, speech and body. भग० १, ३; २, ५; ८, १; नाया० १२; पञ्च० १६, क० प० १, २३, —गङ्ग. स्त्री० (—गति) पं६२ योगिनी गति-प्रवृत्ति. पन्द्रह योगों की गति-प्रवृत्ति the activity of the Yoga (concentration) of 15 kinds. भग० ८, ७; पञ्च० १६; —पञ्चयग. पुं० (—प्रत्ययक) योग निमित्त रूप, रस अविभागी वर्गशून्य अमूर्त योग निमित्त रूप, रस अविभाग की वर्गणा का समूह. an aggregate of the order of indivisible form, taste, etc for the sake of Yoga. क० प० १, २३, —परिणाम. पुं० (—परिणाम) योग द्वारा परिणत पुद्गल an atom matured by Yoga भग० ८, १; —बन्ध. पुं० (—बन्ध) ज्ञाना प्रयोगशीलता अन्ध. जीव के प्रयोग में होने वाला बन्ध. a bondage due to the activity of soul ठा० ३, १; भग० ८, ६; १८, ३. २०, ७ —मरण. न० (—मरण) निश्चाय करी भरण ते, निश्चाय करके मृत्युशाना; निश्चाय मरण. dying after making a prospective resolution. प्रव० २६६; —वाससा. स्त्री० (—विज्ञाना) पुद्गलना प्रयोग अने स्वाभाविक बन्ध the activity of an atom and its natural bond. नाया० १२; भग० १८, ३; —संपत्ता. स्त्री० (—संपत्) प्रकृष्ट योग रूपी संपत्-संपत्ति प्रकृष्ट योगरूपी संपत्ति wealth consisting of a good Yoga (concentration) दसा० ४, ७, ८; ६;

पञ्चोऽङ्गपद. पुं० (प्रयोगपद) प्रज्ञापना सूत्रना सोलमा पदना नाम. प्रज्ञापना सूत्र के सोलहवें पद का नाम. Name of the 16th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० ८, ७; १५, १,

पञ्चोऽङ्गमङ्ग. स्त्री० (प्रयोगमति) वाद विवाद प्रसंगे मतिना तर्क रूपे उपयोग करवा ते. वाद विवाद के अवसर पर बुद्धि का तर्क रूप में प्रयोग करना. The logical use of intellect at the time of discussion. प्रव० ५४६, —संपत्ता. स्त्री० (—संपत्) वाद विवाद प्रसंगे मतिनी स्फूर्ति थाप ते; आचार्यनी येसस संपदाभानी ऐस. वाद विवाद के अवसरपर होने वाली मति की स्फुरणा; आचार्य की चौमठ संपदाओं में से एक संपदा the flash of intelligence at the time of discussion; one of the 64 rich possessions of a preceptor. दसा० ४, ५३; प्रव० ५४६, पञ्चोद. पुं० (प्रतोद) आशु. चाबुक. a whip; (२) लाकड़ी. लकड़ी a stick. श्रव० ३०;

पञ्चोस. पुं० (प्रद्वेष) द्वेष; ईर्ष्या, अद्वेषार्थः वैर. द्वेष; ईर्ष्या; जलन; वैर. Hatred; jealousy; enmity. ठा० ४, ४. उत्त० ३२, २६; ३४, २३; सु० च० २, १३८; विशे० ३००६; प्रव० ६४७; क० ग० १, ५४; पिं० नि० ३६१; पचा० ३, ४८;

पञ्चोस. पुं० (प्रदोष) रात्रिना पड़ेला लाग; सांजने समय. रात्रि का प्रथम भाग; संध्या काल The first part of a night; evening time उत्त० २६, १९; ठा० ४, २; पचा० २, २३,

पञ्चोदर. पु० (पयोधर) स्तन; थादोला. स्तन; यन The breast. सु० च० १, ३०४; जं० ५०

पंक. पुं० (पङ्क-पच्यते द्वाप्यने-मिलयतेऽनेन)
 ३६१; ३१५; आरौ. कीचट; गागा; पक.
 Mud; mire. उक्त० १, ४८; २, १७, १३,
 ३०; मूय० २, २, ६५; अणुजो० १०३;
 ओव० ३८; ४०; भग० १, ५; ९, ३३;
 नाया० १; निर्या० ३, ७०; ७६; पि० नि०
 ३३२, प्रव० ४४२; पञ० १६; जीवा० ३, ३;
 —आययण. न० (-आयतन) ३६५
 वात्री ७२५, कीचट वाला स्थान; दलदल.
 & bog; & mire; & marsh. आया० २,
 १०, १६६; —गय. त्रि० (-गत) ३६५भां
 गयेलुं-रहेलुं. कीचट में गया हुआ-रहा हुआ.
 gone or existing in the mud.
 निर्या० १८, २१; —बहुल त्रि० (-बहुल)
 धृत्वा ३६५वाचुं. अधिक कीचट वाला. very
 muddy. जं० प० २, ३५; भग० ७, ५;
 (२) पुं० रत्नप्रभाता तथु ३९५भांते भीन्ते
 ३३, ७५। धृत्वा ३६५ छे. रत्नप्रभा के तीन
 काण्डों में से दूसरा काण्ड ज १ अत्यधिक कीचड
 है. the 2nd Kāṇḍa (portion)
 out of the 3 of Ratnaprabhā
 which is very muddy. मम०
 २४; दमा० ६, १, —बहुलकड. पुं०
 (-बहुलकाण्ड) धृत्वा ३६५ वाले पड़ेसी
 नरकने भीन्ते ३३ पहिले नरक का अत्य-
 विक कीच पूरु दूसरा काण्ड. the 2nd
 Kāṇḍa of the 1st hell which is
 very miry जीवा० ३, १; —रय न०
 (-रजम्) ३६५नी २७-२७३थु कीचड
 की रज-के रज.कण stain or parti-
 cles of mud. नाया० १;
 पंकत्ता. स्त्री० (पंकता) ३६५थु कीचना;
 पकता; दलदलापन; कीचडपन. Muddy-
 ness. दमा० ७, १;
 पंकप्पभा. स्त्री० (पंकप्रभा) योथी नरक.
 चौथा नरक. The 4th hell. अणुजो०

१०३; मम० ४१; भग० ५, ८, प्रव० ४८८;
 पञ० १, टा० ७, १;

पंकप्पद्दा स्त्री० (पङ्कप्रभा) धृत्वा " पंक-
 प्पभा " शब्द. देगो " पंकप्पभा " शब्द
 Vide " पंकप्पभा " अणुजो १३४,
 प्रव० १०८६;

पंकय. न० (पंकज) इभल कमल; पद्म;
 मरोज A lotus पंचा० ११, ४६;

पंकवर्द्ध. स्त्री० (पंकवती) पंकवती नामनी
 नदी; महाविदेहनी आर अन्तर नदीभांती
 ओ३. पंकवती नामक नदी; महाविदेह के
 धार; नदियों में से एक A river
 named Paṅkavati; one of the
 12 interior rivers of Mahā
 Videha टा० २, ३;

पंका. स्त्री० (पंका) योथी नरकपुं नाम.
 चौथे नरक का नाम. Name of the
 4th hell. क० ग० ३, ५;

पंकाभा. स्त्री० (पंकाभा) योथी नरकपुं नाम.
 चौथे नरक का नाम. Name of the
 4th hell. उक्त० ३६, १५६;

पंकावती स्त्री० (पंकावती) मंगलावर्त
 पञ्चवती पृथ्वीरद्वे उपरनी नदी. मंगलावर्त
 विजय का पूर्वीय सीमावाली नदी. A river
 on the eastern border of
 Maṅgalāvarta territory जं० प०
 —कुंड पुं० (-कुंड) देभा पंकावती
 नदीने दरेडा पडे छे ने कुंड. वह कुंड जिसमें
 पंकावती नदी की धारा गिरती है. the
 tank into which a current of
 the river Paṅkāvatī falls. ज.
 प० —दीव. पुं० (-द्वीप) पंकावती नदी-
 ना कुंडभांती द्वीप. पंकावती नदी के कुंड
 में का द्वीप. an island with a
 tank of the Paṅkāvatī river.
 जं० प०

पंकिय. त्रि० (पंकित-पंक संजातोयस्य)
 क्षिप्तवातुं. कचिडवाला; कीचपूर्ण. Muddy.

भग० ६, ३,

पंख. पु० (पक्ष) पांभ. पक्ष; पंख A wing.

उत्त० १४, ३०; — सण. न० (-आसन)

भेपडभे उथुं अने पयभां डलतुं आसन.

आसन विशेष जो दोनों ओरसे उंचा और

बाँच में ढालू हो. a seat which is
 low in the middle and lifted on

both the sides राय० १३६;

पंखि. पु० (पक्षिन्) पक्षी. पक्षी, विहंग
 A bird जीवा० १; — जाह. स्त्री.

(-जाति) पक्षिनी जाति. पक्षी की जाति.

a class of birds. निसी० ७, २९;

पंगण. न० (प्राङ्गण) धरतुं आगणु घर का
 आगन Outer-yard of a house.

सु० च० १३, ०१;

पंगु. त्रि० (पंगु) पांगणो; पग विनातो.

पगु; पांगला, बिना पैर का; लंगड़ा A

lame man प्रव० ८०२;

पगुल त्रि० (पंगुल) पांगलो, पग विनातो;

लंगडो. लंगड़ा, लूला, टूटे पैर का A

lame man; crippled. भक्त० १२२;

पगह० १, १; गच्छा० ६७, (२) पक्षी

विशेष. पक्षी विशेष. a particular

bird पगह० १, १;

पंच त्रि० (पञ्चन्) पाय-पांयनी

संख्या. पाच-पांच की संख्या Five;

५ सम० ५; उत्त० १, ४७; ९, ३६;

अणुजो० १; सूय० १, १, १, ७; भग० १,

१, ५, ६; २, १; ६, १०, ७, २६; १८, ७,

२०, ८; २३, ५, २४, ६; ३१, १; नाथा०

१; ६, ८; १२; १५; १६, १८, दसा० ७,

१, दस० १०, १, ५, पञ्च० १, ४; वव०

१०, ३, विज्ञा० १; नदी० स्थ० ७, विशेष०

६, १८७; पि० नि० भा० १५; उवा० १,

६५, निसी० २०, २०; २२, सू० ५० १;

१०; नाया० ध० २; ओव० क० गं० १,

३०; ३, १६; उवा० १, १६; अणुत्त० १,

१०; नाया० ५; वव० १०, १; विवा० ३;

निर० ५, १; जं० ५० ५, ११५; — अंग

न० (-अंग) भे हाथ भे पग अने

भस्तक अे पांय अंग. पंचांग-दो हाथ,

दो पांव और मस्तिष्क. the 5 limbs viz.

2 hands, 2 legs and a head.

पंचा० ३, १७, — अंगुली. स्त्री० (-अंगुलि)

पांय आंगली; हाथनो पंजे पांच अंगुली.

हाथ का पंजा five fingers; palm;

paw. सम० ५० २१०; — अंगुलितल

न० (-अङ्गुलितल) हाथनो पंजे; हाथथी

पाडेलो थापो. हाथ का पंजा; हथेली. im-

pression made by a palm नाया०

८, जीवा० ३, ४; राय० ५९; — अणुव्वहय.

न० (-अनुव्रतिक) गृहस्थ (श्रावक) नाय

अणुव्रत धारणु करनार गृहस्थ (श्रावक)

के पांच अनुव्रतों को धारण करने वाला. a

layman who observes five

minor vows. नाया० ५; १२; १३; १४;

विवा० १; निर० ३, ३; उवा० १, १२; ५८;

— अणुव्वय. न० (-अनुव्रत) श्रावकना

पांय अणुव्रत-महाव्रतनी अपेक्षाअे नहानां

व्रत. श्रावक के पांच अनुव्रत-महाव्रत से

अपेक्षा कृत छोटाव्रत. the five minor

vows of a layman. नाया० ५; — अ-

सीह. स्त्री० (-अशीति) ५ आशी; ८५.

पच्चासी; ८५ the number eighty-

five. सम० ८५; नदी० ४५; — अह. पु०

न० (-अहन्) पांय दिवस पांच दिन.

five days. वव० ८, ४; — आसवसंवर.

पुं० (-आश्रवसंवृत) आश्रवना पाय क्षां-

ने रोकनार-अध करनार (मुनि) आश्रव

के पाच द्वारों को रोकने वाला (मुनि).

(an ascetic) who shuts the five doors of the inflow of Karmic-matter. दस० १०, १, ५; —उंचार. क्री० (—उदुम्बरी) वड, पीपलो, पीपली, उंचर तथा अहिंशी अे पांयनतना इलोने समूह. वड, पीपल, औदुम्बर आदि पांच प्रकार के फलों का समूह. a collection of five species of fruits viz. banyan, Pipala, Udumbara etc. प्रव० २४७; —उत्तर. त्रि० (—उत्तर) नेना उत्तर पदमां पांय छे ते; पाये इरी अधिक. पाच से अधिक; पंचोत्तर; वह जिके उत्तर पद में पांच का अंक है. having five more or at the end. जे० प० ४, ८०; ७, १३३; —ऊण. त्रि० (—ऊन) पांय ओछा. पांच कम. less by five भग० १, ६; निसी० २०, ४१; —गामसय. न० (—ग्रामशत)पांयरो गाम. पांचसौ ग्राम—गांव. 500 villages. विवा० १; —गिताच.पुं० (—अग्निताप) आरे तरइ अग्नि अने उपर अग्नि ताप ते पांयग्नि ताप. पंचाग्नि ताप, जिसमें चारों ओर अग्निताप और ऊपर से सूर्य का ताप रहता है. an austerity in which a penitent is surrounded by fire on four sides and the heat of the sun above. निर० ३, ३; भग० ११, ६; ओव० —जम. पुं० (—यम) अहिंसा, सत्य, अदत्तादान, ब्रह्मचर्य अने अपरिग्रह अे पांय यमवत अहिंसा, सत्य, अदत्तादान, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह रूप पांच यम the 5 vows viz. non-injury, truth, charity, continence and not begging. नाया० ५; —जाम. पुं० (—याम) पांय—याम—महावत पांच याम—महाव्रत. five

Yāma—great vows. भग० २७, ७; मम० २५; —णियम. पुं० (—नियम) शैत्य, सन्तोष, तप, स्वाध्याय, अने धृतिर प्रणिधान अे पांय नियम. शौच, सन्तोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान रूप पंच नियम. the 5 rules viz. purity, contentment, austerity, religious study and meditation on god. नाया० ५; —तणु. क्री० (—तनु) उदारिक आदि पांय शरीर. उदारिक आदि पांच शरीर. five bodies viz. physical etc. क० प० १, १७; —स्थिकाय. पुं० (—अस्तिकाय) पांय अस्तिकाय द्रव्य, धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय, आकाशास्तिकाय, पुद्गलास्तिकाय अने जवास्तिकाय अे पांय अस्तिकाय द्रव्य. पांच अस्तिकाय द्रव्य; धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय, आकाशास्तिकाय, पुद्गलास्तिकाय, और जीवास्तिकाय रूप पंचास्तिकाय. five embodied substances viz Dharmāstikāya, Adharmāstikāya, Ākāśāstikāya, Pudgalāstikāya and Jivāstikāya, etc. प्रव० ६१२; विशेष ४४६; भग० १८, ७; —दिव्य न० (—दिव्य) वसुधारा—सेना भेदारी वृष्टि, पांयवर्णी इन्द्रनी वृष्टि. वस्त्रनी वृष्टि. आकाशमां देव दुंदुभि अने अहोदानं महादानं अेवा ध्वनि—अे पांय दिव्य. वसुधारा—सुवर्ण मुद्राओं की वृष्टि, पंचवर्णी फूलों की वर्षा, वस्त्रों की वर्षा, आकाश में देव दुंदुभि और अहोदानं महादानं अर्थ की ध्वनि आदि पांच दिव्य. the five divine occurrences viz shower of gold-coins, shower of five coloured flowers, a rain of clothings, a sound of divine drums and

bravo etc. विवा० २; १; —दिशि.
अ (-दिश्) छमांती पांय दिशा.
दुः दिशाओं में से पांच दिशाएं.
5 of the 5 directions. भग० २, १;
—दोस्. पुं० (-दोष) पांय दोष. पांच
दोष; पंच दोष. the 5 faults. प्रव०
१४०; —धनुसय-अ. त्रि० (-धनुःशत)
पांयसो धनुष. पांच सौ धनुष. five
hundred bows प्रव० ३७९; ४१२;
—धनुहसय. न० (-धनुःशत) पांय
सो धनुष. पांच सौ धनुष. 500 bows.
भग० २४, १, —धार्ह. स्त्री० (-धार्त्री) क्षीर
धार्त्री, भग्गलु धार्त्री, भग्गनधार्त्री, अंक-
धार्त्री, भीमावलुधार्त्री, ओ पांय धावमाता.
क्षीर धार्त्री, मज्जन धार्त्री, मण्डन धार्त्री,
अंक धार्त्री, व क्रोडा धार्त्री ये पंच धार्त्री-
माता-धायें. the 5 nurses or
mothers viz. one who supplies
milk, one who gives bath, one
who adorns, one who fondles
and one who teaches. नाया० १६;
राय० २८८; —धार्हपरिगहिय. त्रि०
(-धार्त्रिपरिगृहीत) पांय धावमाताओ स्त्रीका-
रेल. पंच धार्त्रियों-धायों का स्वीकारा हुआ.
accepted by the five mothers
or nurses. विवा० ५; —नवइ स्त्री०
(-नवति) पांयालु; ६५. पंचानवें. ninety-
five; 95 सु० च० ३, १२०; —निर्यंठ
पुं० (-निर्ग्रन्थ) पुलाक, अकुश. कुसील,
निर्ग्रन्थ, स्नातक, ओ पांय निर्ग्रन्थ.
पुलाक, बकुश, निर्ग्रन्थ, कुसील, स्नातक नामक
पांच निर्ग्रन्थ. the 5 possession-less
saint viz Pulāka, Bakusā, Ku-
sila, Nirgrantha and Snātaka.
प्रव० ७२६; —पणसिय. पुं० (-प्रदेशिक)
पांय प्रदेशवालो रक्षक पांच प्रदेश वाला

स्कंध. a molecule of five units.
भग० ५, ७; २०, ५; २५, ६; —पं-
डव पुं० (-पाण्डव) युधिष्ठिर, भीम,
अर्जुन, नकुल अने सहदेव ओ पांय पांडव.
युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल तथा सहदेव
नामक पंचपाण्डव. the five Pāṇḍavas
viz. Yudhiṣṭhira, Bhīma,
Arjuna, Nakula and Sahadeva.
नाया० १६; —पदेसोगाढ. त्रि० (-प्रदेशाव-
गाढ) आकाशना पांय प्रदेशने अवगाही
रहेल. आकाश के पंचप्रदेशों को घेरे हुए.
encompassing the 5 spaces of
the sky. भग० २५, ३; —परमेष्ठिमंत.
पुं० (-परमेष्ठिमन्त्र) पांय परमेष्ठी-मंत्र;
'नमो अरिहंतायु' वगैरे पांय पद. पंच पर-
मेष्ठी मंत्र; 'नमो अरिहंतायु,' आदि पांच पद.
the five Parmesthī charms e. g.
" नमो अरिहंतायम् " etc प्रव० ७६;
—प्यार पुं० (-प्रकार) पांय प्रकार.
पांच प्रकार five varieties. प्रव० १२४८;
—भिगार. पुं० (-भृङ्गार) पांय आरी-
कलश विशेष. पंच कलश विशेष parti-
cular five pots. जीवा० ३, ३;
—मंगल. न० (-मङ्गल) पांय भंगल-
शुभ. पंच मंगल-शुभ. five good
omens प्रव० १५८४; —महभूतिअ.
त्रि० (-महाभौतिक) पांय महाभूत
शिवाय जुद्धे आत्मा नथी ओम माननार
नास्तिक विशेष. नास्तिक विशेष जो पंच महा
भूतों के अतिरिक्त भिन्न आत्मा की स्थिति
को नहीं मानता an atheist who
does not recognise the soul
apart from the five elements
सूय० २, १, २०; —महवचय. न० (-महा-
व्रत) अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अन्नयय
अपरिग्रह, ओ पांय महाव्रत. अहिंसा, सत्य,

अस्तेय, ब्रह्मचर्य, तथा अपरिग्रह ये पांच महाव्रत, the 5 great vows viz. non-injury, truth, non-stealing, continence and non-possession of worldly effects. नाया० ३; ५; १४; भग० ५, ६; आव० १, ४, भक्त० ५५; —महावीर. पुं० (—महावीर) गलदेव प्रभुष पाय महावीर—महा सुभट. बलदेव आदि पांच महावीर, महा सुभट, the five great warriors viz Baladeva etc. नाया० १६; —मास. पुं० (—मास) पांय महिना पांच महिने—मास five months. दसा० ६, २; —मासिय. त्रि० (—मासिक) पाय मासनुं. पांच महिनो का; पच मासिक. of five months. निसी० २०, १२, ४१; वव० १, ३; —मुष्टिय न० (—मौष्टिक) माथानी यार गालुये यार अने ओक वर्ये ओम पांय मुष्टि-अपट्टीथी लोय करयो ते. मिर के चारों ओर चार और बीच में एक इस प्रकार पांच चिमटियों द्वारा किया जानेवाला केश-लुचन plucking of hair in 4 pinches on the 4 sides of the head and 1 in the middle (२) त्रि० पाय मुष्टिमा आवे तेटलु. पंच-मुष्टि मात्र; पाच मुष्टियों में समाने योग्य five-handful. आया० २, १५, १७६, अंत० ५, १; निर० ३, ४; —मुष्टियलोय पुं० (—मौष्टिकलोच) भुओ 'पंचमुष्टिय' शब्द. देखो 'पंचमुष्टिय' शब्द. vide 'पंच-मुष्टिय' भग० ६, ३३; १६, ५; नाया० १; ५, ८, १४; १६; —रत्त. न० (—रात्र) पांय रात्री. पंच रात्रि, पाचरात. five nights. प्रव० ६२९, —रय. त्रि० (—रत) पांय महाव्रत पाणवामां रत-तत्पर पांच महाव्रत पालने में तत्पर. devoted to

observe the five full vows. "चरे सुखी पंचरप तिगुत्तो" दस० ६, ३, १४; —रस. पुं० (—रस) तिउपो, इउपो इसायलो, भाटे अने भीडे ओ पांय रस तीखा, कडवा, कसैला, खट्टा और मीठा ये पंच-रस the 5 tastes viz pungent, bitter, astringent, sour and sweet. प्रव० १२८६; क० गं० ५, ७८, —रात्र. न० (—रात्र—पंचानां रात्रोणां समाहारः) पाय रात-रात्री. पांच रात. an aggregate of 5 nights. निसी० ६, ७; आया० २, ५, १, १४६, —राइअ. त्रि० (—रात्रिक) पाय रात रहेनार; पांय दिवस सुधी निवास करनार. पांच रात रहनेवाला; पांच दिन तक निवास करने वाला. (one) who stays for 5 nights or days. ओव० —लइआ त्रि० (—लातिका) पाय डातली वाधुं. पांच चीर वाला having 5 slices जं० प० ३, ५३, —वरण. त्रि० (—वर्ण) पय रंगी पच-रंगी; पंचवर्णी; पांच रंग वाला. five-coloured जीवा० ३, ३; राय० ६०, —वन्न पुं० (—वर्ण) डायो, नीलो रानो, पीलो अने धोयो ओ पांय वणुं-रंग. काला, नीला, लाल, पीला और सफेद ये पांच रंग-वर्ण. the 5 colours viz. black, blue, red, yellow and white क० गं० ५, ७८; —वासपरियाअ. त्रि० (—वर्षपर्याय) पांय वर्षनी दीक्षावालो. पाच वर्षों की दीक्षा वाला. (one) of 5 years of consecration. वव० ३, ५; ७, १६; १०, २१, २२; २३, २४; —संवच्छरिय त्रि० (—सांवत्सरिक) पाय वर्षनुं. पांच वर्षों का; पंच वार्षिक. of 5 years जं० प० ७, १५१; सम० ६१; —सट्टि स्त्री०

(-षष्टि) पांसट; ६५. पैमठ; ६५. 65; sixty five. क० गं० ६, ३०; —सत्तरि-
छो० (-सप्तति) पयोतेर पचहत्तर, ७५.
seventy five. भग० २०, ५; —सालि.
पुं० (-शालि) पाय शाल-अभ्य
योआ, पाच साल-अखंड चावल, five
unhusked rice. नाया० ७, —सि
क्खिअ. त्रि० (-शिक्षित) प्राणुतिपात
विरमणादि पांय मद्दावत रूप शिक्षा-
थी शिक्षित थयेल. प्राणातिपात विरमणादि
पांच महामन रूप शिक्षाओ द्वारा शिक्षित
(one) who is taught by the
discipline in the form of the
5 full vows viz Prānātipāta
Viramaṇa etc उत्त० २३, १२,
—सिह. त्रि० (-शिख) पयशिख-जेना
आलभेवाणा उतारवाभां आग्या नथी ते.
पंच शिख-बह जिसके जमाल-बाल उतारे
नहीं गए हैं (one) whose birth
hair are not shaved सूय० १, ७,
१०, —सीड छो० (-अशीति) पंथासी;
८५ पचचासी, ८५. eighty five. क०
ग० ६, २९;

पंचगुलिया. छो० (पञ्चागुलिका) ओं नामनी
ऐक वेल लता एक लता विशेष. A
particular creeper पञ० १,

पंचगसंजोअ न० (पञ्चकर्मयोग) पाय
आपनो सयोग जेआय पाच भावों का
सयोग जोड़. Union of five senti-
ments अणुजो० १२७,

पंचजण पु० (पञ्चजन्य) कृष्णवासुदेवो
पायजन्म नामनो गंण. कृष्णवासुदेव
का पंचजन्य नामन शंख The conch
named Pañchajanya of Kṛṣṇa
Vāsudeva नाया० ५, १६; सु० च०
१५, १४६.

पंचत्त. न० (पञ्चत्त-पंचामांक्षित्यादिभूतानां
भावः) भरल; मृत्यु. मृत्यु; मौत; मरण.
Death सु० च० १, १६१;

पंचदस. त्रि० (पञ्चदश) ५६२ पन्द्रह,
१५. Fifteen. नाया० १;

पंचपुल. न० (पचपुल) मत्स्य अन्धत विशेष.
मत्स्य बन्धन विशेष. A particular
net to catch fish. विवा० ८;

पंचम. त्रि० (पंचम—पंचानापुरण-पचानां
स्वराणां वा पूरणः) पांयभुं. पाचवा;
पंचम Fifth जं० प० ७, १५०; नाया०
१, ५; १६. १८, नाया० घ० भग० २, १,
५, १; १८, १०; २४, १६; २५, ६;
सप्त० ८, पञ० ३, दस० ४; विवा० ६;
कण्प० २, ३०; ८, उवा० १, ७१, दसा०
६, २० (२) पुं० नालिथी ठोले वायु
नासिका स्थानमां जे आस ध्वनिधारण
करे ते; सात स्वरमानो पांयभो स्वर. नाभि
से उठने वाली वायु-द्वारा नासिका स्थान
में उत्पन्न विशय ध्वनि; सात स्वरों
में से पाचवा स्वर the fifth of 7
musical notes, the wind which
takes its rise from the navel
and produces a note in the
no०१०. अणुजा० १२८, ठा० ७, १. —पु-
ढवी. छो० (-पृथ्वी) पायभी पृथ्वी;
पांयभी नरक. पांचवां पृथ्वी, पांचवा नरक
the 5th earth, the 5th hell.
जीवा० २,

पंचमय त्रि० (पंचमक) पांयभो. पाचवा.
Fifth नाया० ७;

पचमासिया. छो० (पचमासिकी) भिक्षुपुत्री
पायभी पडिमा के जेमां ऐक मास पर्यन्त
अन्नपाणीनी पांय पाय दात करे भिक्षुकों
पाचवां पाडमा जिसमें एक महिने तक अन्न
जल के पांच पांच दात (प्राप्त) ग्रहण किये

जते हैं. The fifth vow of an ascetic in which he accepts 5 Dātas (a measure) of food and water for a month. सम० १२; दसा० ७, १;

पंचमित्रा. स्त्री० (पंचमिका) पांयभी; पांयभा नंयनी. पाचवीं; पांचवीं संख्या की. Fifth. अणुजो० १२८;

पंचमी. स्त्री० (पंचमी) पांयभी तिथि; पांयभ. पंचमी; पांचवीं तिथि. The fifth date. (२) पांयभी विलक्षित. पांचवीं विभक्ति. अपादान the ablative. भग० १, ५; सम० १०; अणुजो० १२६; विशेष० ६६६; ज० प० ७, १५२; १५३;

पंचय. न० (पचक) पयक, पांयनो समुद्ध. पंचक; पाच का समूह. An aggregate of five भग० २०, १०; पञ० २३;

पंचवर्णा स्त्री० (पंचवर्णा) यादभा तीर्थक्षेत्री प्रवर्ज्या पालपीनुं नाम चांदहंव तीर्थकर की प्रवर्ज्या पालकी का नाम. Name of the ascetic-palanquin of the 14th Tirthankara. ज० प० ५, ११६; ११७; १, ११; सम० प० २३१;

पंचवाइया. स्त्री० (पंचवादिका) पय-लोष्ठ छय विशेष. पचवादिका जीव विशेष. A particular kind of being जीवा० १;

पंचवार. न० (पंचवार) पाय पयत पाच समय बार-वक्त. Five times. प्रव० २३;

पंचविह. त्रि० (पञ्चविध) पाय प्रक्षारनुं. पाच प्रकार का, पचविध. Of five varieties. उत्त० ३३, ४; अणुजो० १३२; वव० १०, ३; नाया० प्रव० ६४८; क० गं० ६, २४; —बंधग. त्रि० (-बन्धक) कर्मनी पांय प्रकृतिनो अन्धक-आधनार. कर्म की पांच प्रकृति का बंधक-वाधने वाला

that which binds the nature of 5 Karmic matters. क० गं० ६, १८;

पंचहत्तरि. त्रि० (पचमसति) पयतेर. पचहत्तर. Seventy five. कप० १, २;

पंचहा. अ० (पचचधा) पांय प्रक्षारे. पचधा; पांच तरह-प्रकार से. In five ways. क० प० १, २५; प्रव० ६१; पंचा० १, ११; ११, २; भग० १२, ४; विशेष० ४७०;

पंचाणुउग्र. त्रि०. (पंचनवत) पंथाणुं; ८५. पंचानवे; ६५. Ninety-five. क० गं० ६, २२;

पंचाणुउह. स्त्री० (पंचनवति) पंथाणुं. पंचानवे; ६५. Ninety-five. सम० ६५;

पंचाणुण पुं० (पञ्चानन) सिंद, पाध. सिंह; बाघ; शेर. A lion. सु० च० २, ६६; ८, ८८;

पंचाल. पु० (पाञ्चाल-पंचाला क्षत्रियास्तेषा निवासो यत्र) पायाल देश-आर्य देश भांनो नयभो. पांचाल देश-नवा आर्य देश. The Pāñchāla country; the ninth of the Ārya countries. उत्त० १३, १३; नाया० ८, १६; पञ० १; —अहिबह. पुं० (-अधिपति) पांयाल देश-नो राजा. पांचाल देश का राजा. a king of the Pāñchāla country. नाया० ८; —जणवय. पुं० (-जनपद) पायाल नामक देश पांचाल नामक देश. a country named Pāñchāla. नाया० ८,

पंचास. स्त्री० (पचाशत्) पयास. पचास; ५०. Fifty सम० ५०;

पंचासव. पु० (पंचाश्रव) प्राणातिपात; मृषा वाह, अदत्तादान, मैथुन अने परिग्रह पांय आश्रव कर्म आश्रवाना द्वार. प्राणातिपात. मृषावाद, अदत्तादान, मैथुन तथा परिग्रह रूप आश्रव-कर्म के आने के पांच द्वार. The five inlets of the inflow of Kar-

mic matter viz. Prānātipāta, Mṛisavāda, Adattādāna, Maitṥhuna and Parigraha. प्रव० ५६२; —आसक्त त्रि० (-आसक्त) प्राणुतिपात वगेरे पाय आश्रय तेमां आसक्त. प्राणातिपात आदि पंचाश्रवों में आसक्त. addicted to the 5 inflows of Karmic matters viz. Prānātipāta etc प्रव० १२०; —विरमण न० (-विरमण) प्राणुतिपात वगेरे पांय आश्रयथी विरमनुं ते. प्राणातिपात आदि पंचाश्रवों से विरक्ति. freedom from the 5 inflows of Karmic matters viz. the Prānātipāta etc प्रव० ५६२,

पंचिन्द्रिय-अ. त्रि० (पंचेन्द्रिय-पंच-इन्द्रियाणि यस्य) जेने आंख, कान, नाक, जिह्वा अने शरीर ओ पाय छद्रिय होय ते आख, कान, नाक, जिह्वा और शरीर इन पाचों इन्द्रियों वाला. (One) having five senses viz the eyes, ears, nose, tongue and body. भग० १, १, ३, २, १; १०, ६, ४; ७, २, ८, १. दसा० ५, २३; पञ्च० १, सम० १, १३; उत्त० ३६, १२६, नाया० १; ७, जीवा० १; पि० नि० भा० ६, दस० ४; ७, २१; कप्प० १, ६, २, १४, (२) न० आंख, नाक, कान, जिह्वा अने २५श ओ पाय छद्रिय आख, नाक, कान, जीम और स्पर्श नामक पंचेन्द्रिय. the five senses viz the eyes, nose, ears, tongue and touch. प्रव० ५६२; —काय पु० (-काय) पाय छद्रियवाला शरीर पंचेन्द्रिय जीव का शरीर. the body of a being of 5 senses उत्त० १०, १३, —जातिनाम. न० (-जातिनामन्) पंचेन्द्रियनी गति तथा

नाम. पंचेन्द्रिय की जाति तथा नाम. the class and name of five-sensed beings सम० २८; —तिरिक्खजोणिय. त्रि० (-तिर्यक्योनिक) तिर्यय. पंचेन्द्रिय श्रव. तिर्यय-पंचेन्द्रिय जीव. sub-human beings—a five-sensed being. भग० १, १; ३. ६, ४, ७, २; २४; १२, २६, ११; —निग्गह. पु० (-निग्रह) पाय छद्रियोने वश करी ते. पंचेन्द्रिय दमन निग्रह. the subjugation of the 5 senses प्रव० ५६२. —रूप. न० (-रूप) पंचेन्द्रिय श्रवनु रूप. पंचेन्द्रिय जीव का रूप. the form of a five-sensed being. भग० १२, ६; —वह पु० (-वध) पांय छद्रियवाला श्रवने वध पंचेन्द्रिय जीव का वध-हत्या. killing of a five-sensed being. भग० ८, ६, —सररीर न० (-शरीर) पंचेन्द्रिय श्रवनु शरीर. पंचेन्द्रिय जीव का शरीर. a body of a five-sensed being. नाया० १६;

पंचेन्द्रियत्त. न० (पंचेन्द्रियत्व) पंचेन्द्रियपल्लु; छद्रियोनी परिपूर्णता. पंचेन्द्रियता; इन्द्रियों की परिपूर्णता. The state of having the 5 senses, the perfection of the senses. उत्त० १०, १८; पंचेन्द्रियया. स्त्री० (पंचेन्द्रियता) पंचेन्द्रियपल्लु पाच इन्द्रियों का भाव; पंचेन्द्रियता The existence or quality of the five senses. उत्त० १०, १७,

पंजर न० (पंजर) पीज३. पांज३. पंजरा; पंजर. A cage उत्त० १४, ४१, २२, १४; सम० प० २१३, ओघ० नि० ४४८; जीवा० ३, ४; पञ्च० २, सूय० १ १, २, २२, ज० प० ३, ५६; —दीप. पु० (-दीप) क्षानस सहित दीपे। फानस युक्त दीपक.

a lamp with a cover. भग० ११, ११;
पंजरग. पुं० (पंजरक) पांजर. पंजरा. A
cage. भग० ६, ५;

पंजलि. पुं० (प्रांजलि) क२पुट; अंजलि;
ओवो. करपुट; अंजलि; प्रांजलि; हस्तपुट. A
folded hand. ओव० २२; नाया० ६;
सम० प० २३२; उत्त० २५, १३; उवा० २,
११३; —उड. पुं० (-पुट) ओ दाथ लोडी
भरतके लगायी ते दोनों हाथों को मिलाकर
सिर से लगाना. placing of folded
hands on the head; a form of
salutation उत्त० १, २२; २७, १७;
नाया० १, ८, ९; १६; भग० १, १; ६, ३६;
जीवा० ३, ४; विवा० ३; जं० प० ५, १२१;
—गड त्रि० (-कृत) ओ ओ दाथ ओआ
छे ते. वह जिसने दोनों हाथ जोड़ रखे हैं;
कृतांजली. (one) who has folded his
hands. उत्त० १, २२; —पंजली-
होउं. अ० (-प्रांजलीभूय) ओ दाथ लोडी
भरतके लगायीने. कृतांजली होकर; दोनों
हाथों से अंजली बना सिर को लगाकर.
having placed the folded hands
on the head. उत्त० २५, १३;

पंडअ पु० (पण्डक-पंडतेनिष्कलत्वं प्राप्नोति)
नपुंसक; पापैषो. नपुंसक; हिजडा. An
impotent; eunuch ठा० ३, ४; वेय०
४, ४; प्रव०; ८००;

पंडग. पुं० (पण्डक) नामर्द; नपुंसक.
नामर्द; नपुंसक; हिजडा. Impotent;
eunuch. नाया० ६; भग० १८, १०; ओव०
१६; सम० ६; दस० ७, १२; तंडु० (२)
न० मे३ पवर्तनी यूविका-शिखर उपरनुं
वन मेरुपर्वत की चूलिका-शिखर पर का
वन the forest on the top
of the mount Meru. ठा० २,
३; सूय० ६, १०; जीवा० ३,

४; पञ० २१; (३) पाप३; पाप.
पापगुह; पाप. sin; hypocrisy. राय०
२०७; —वगु. न० (-वन) मे३ना
शिखर उपरनुं वन. मेरु के शिखर पर का
वन. a forest on the summit of
the mount Meru. जं० प० ५, ११७;
१२०; भग० ६, ३१; १०, ६; जं० प०
प्रव० ६०७;

पंडव. पुं० (पाण्डव) पांडु राजा पुत्रो;
पांथ पांडवो. पांडु राजा के पुत्र; पंचपाण्डव.
The sons of the king Pāṇḍu;
5 Pāṇḍavas अंत० ५, १; नाया० १६;
पंडिष. न० (पाण्डित्य) पंडिताध. पंडिताई;
पाण्डित्य. Scholarliness; learning.
सु० च० १, ३४५;

पंडिय. पुं० (पण्डित-पण्डा तत्वानुगा बुद्धिर्वि-
द्यते यस्यासौ) पंडित; अहो; विद्यक्षु पंडित;
बुद्धिमान्; विचक्षण. A scholar; a
learned or intellectual person.
भग० १, ६; २, १; ७, २, ८, १८, ८; दस०
२, ११; ५, २, २६; ६, ४. १; सूय० १, १,
१, ११० आव० ४०; उत्त० १, ९, ५, ३
आया० १, २, १, ७०; पण्ड० २, २; नाया०
१; प्रव० ६४७; पंचा० १६, ३८; (२)
सर्वविरति श्रमणः साधु. सर्वथा विरक्त
श्रमण; साधु. an ascetic who has
renounced every thing. भग०
१७, २; —मरण. न० (-मरण) पंडित
लाय सहित सभाधि परिणामे भरथु
थाय ते. पंडित भाव सहित समाधि परिणाम
में (प्राप्त) मृत्यु. peaceful death.
सम० १७; ठा० ३, ४; भग० १३, ७;
—वीरिय. न० (-वीर्य) पंडित वीर्य;
ज्ञान सहित शक्ति. पंडितवीर्य, ज्ञान युक्त
बल. the prowess of an intel-
lectual person. अणुजो० १२७; भग०

१, ४; ८, २; —वीर्यलब्धिया. स्त्री०
(-वीर्यलब्धिका) पंडित वीर्य की प्राप्ति.
पंडित वीर्य की प्राप्ति. the attainment
of the prowess of learning. भग०
८, २;

पंडित्य न० (पंडितत्व) पंडितपण्यं. पंडि-
ताई; पंडित्य. Learning; scholar-
liness भग० १, ६; ७, ८;

पंडित्यमाण. त्रि० (पण्डितमन्य-आत्मानं
पंडितमन्यते यः) पण्डित नहिं छातां
पोताने पण्डित तरीके माननार पंडित-
मन्य; आडम्बरी पण्डित; भूळ मूळ पंडित
कहलानेवाला. (One) who consi-
ders himself a learned man.
ग्रोध नि० भा० २७;

पण्डियमाण. त्रि० (पण्डितमानिन्) लुओ
उपयो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide.
above. उत्त० ६, ११; सूय० १, १, २, ४;

पण्डिया स्त्री० (पण्डिता) विदुषी-भाषेदी स्त्री.
विदुषी-शिक्षित महिला-स्त्री A learn-
ed female. (२) पापथी सर्वथा निवृत्त
थयेल (साध्वी) पाप से सर्वथा निवृत्त
साध्वी a nun; one totally free
from sin. नाया० ३; भग० ६, ३३;
विवा० २;

पंडु. त्रि० (पाण्डु) पीकुं; सई पड़ी गयेलु.
फीका; सफेद; पाण्डु Pale ओव० पि०
नि० ४१७; —मात्तिय. स्त्री० (-मृत्तिका)
कछ पीली अने कछ सई मिट्टी भूरी
मिट्टी, कहीं पीली और कहीं सफेद ऐसी मिट्टी.
pale earth, yellowish earth
पञ्च० १;

पंडुश्र. पुं० (पाण्डुक) यक्षतीर्त्ता नव
निधानमाने ओक के जेभां धान्य वगेरेनी
उत्पत्ति तथा मान उमान वगेरेना प्रवेश
थाय छे चक्रवर्ती के नव निधानों में से एक

निधान, जिसमें धान्य आदि की उत्पत्ति
तथा मानोन्मान प्रभृति का समावेश होता है.
One of the 9 treasures of a
Chakravartī which deals with
the production of corns etc.
and weights. “ गणियस्ससन्धियाणं
माणुम्माणस्सज पमाणं च । धम्मस्सयन्धियाणं
उप्पत्ती पंडुभणिया ॥ १ ॥ ” ठा० ६, १;
जं० प० प्रव० १२३२;

पंडुकंचलसिला. स्त्री० (पाण्डुकंचलशिला)
मेरुनी चूलिकानी दक्षिणे पडगवनने दक्षिणे
छे अर्धचंद्राकारे पायसे जेजनुनी लाथी
अने अहीसे जेजनु पडोही मेरु पर्वत
उपरनी ओक शिला के जेना उपर भरतना
तीर्थकरोने जन्माभिषेक करवामा आवे छे.
मेरु पर्वत के ऊपर की एक शिला जिस पर
भरत के तीर्थकरों का जन्माभिषेक किया जाता
है और जो मेरु की चूलिका के दक्षिण,
पडगवन के दक्षिण छोर पर अर्धचन्द्राकार
रूप में पाचसौं योजन लम्बी और ढाई सौ
योजन चौड़ी है. A stone-slab on
the mount Meru on which is
celebrated the birth-festival of
the Tirthankaras of Bharata
(a country) It is in the
shape of a half moon and is
500 Yojanas high and 250
Yojanas broad (1 Yojana = 8
miles) lying to the south of
the Chūlikā (summit) of the
mount Meru and towards the
southern extremity of the
Paḍaṅga forest ठा० २, ३; जं० प०
पंडुभद्र. पुं० (पंडुभद्र) संभूति विजयना
शिष्य. संभूति विजय के शिष्य. A disci-
ple of Sambhūti Vijaya. कप्प० ८;

पंडुमहुरा. स्त्री० (पाण्डुमथुरा) दृष्टव्यवासुदेव
तत्स्थली देशवर्गे मत्स्या व्याह. पांडवोऽग्रे दक्षिण्यु
समुद्रने कंडे वसावेसी ओक नगरी; पाण्ड-
वोनी गणधानी कृष्ण वासुदेवकी और से
देश निर्वासन के बाद पांडवों द्वारा समुद्र तट
पर बसाई हुई एक नगरी; पांडवोंकी राजधानी.
The capital of the Pāṇḍavas:
a city on the sea-shore popu-
lated by Pāṇḍavas after they
were exiled by Kṛiṣṇa Vāsu-
deva. नाया० ८; १६; अंत० २, १;

पण्डुअ. त्रि० (पांडुक) क्षीक पीलुं अने
क्षीक सफेद; आगना पांडेय पांडेयाना रंगवालुं
कुछ पीला और कुछ सफेद ऐसे अर्ध पके
हुए रंग वाला; भूरे रंग का A pale
white; whitish yellow. उत्त० १०,
१.

पंडुर. त्रि० (पाण्डुर) धौल; श्वेत; सफेद; श्वेत;
सफेद; धौला. White; whitish उत्त०
३५, ४; भग० २, १; अणुजो० १६; ओव०
१०; नाया० १, ३; जीवा० ३, ३; मम० ३४;
कण्प० ३, ३३, —तल. न० (—तल) नेतुं
लोयनगीलुं सफेद होय तेतुं ध० सफेद फर्श-
वाला मकान. a house with a white
floor जीवा० ३, ३;

पंडुरंग पु० (पाण्डुराङ्ग) ओ नामनो दक्षिणभां
धयेय ओक परित्राजक, के ने शरीरने भरम
हगाडी सफेद रंगता एक दक्षिणी परिव्राजक
जो शरीर पर भरम का लेप कर उसे श्वेत
रत्ते थे. An ascetic of the south
who would smear his body
with ashes अणुजो० २०; १५; नाया०
१५;

पंडुरंग त्रि० (पाण्डुरङ्ग) धौली-सफेद आंघ
वालु. सफेद साँई वाला. Whitish;
yellowish white उत्त० १०, २१;

पंडुरतर. त्रि० (पाण्डुतर) धौलाभां धौलुं.
अत्यन्त सफेद; श्वेततर; अधिक धौला.
Very white भग० ११, ११,

पंडुराय पु० (पाण्डुराजन्) पाण्डुराज पांडु-
राजा The king Pāṇḍu. नाया० १६;

पंडुरोग. पु० (पाण्डुरोग) पांडुरोग-रोगी
शरीर पीलुं थई लय तेवो ओक रोग
पांडुरोग-एक रोग विशेष जिमके कारण सारा
शरीर पीला हो जाता है. Jaundice.
प्रव० १३००; भग० ३, ७; जं० प० ३; तंडु०

पंडुल्लइयमुह. त्रि० (पाण्डुरकितमुह)
क्षीक भुजवालुं; निस्तेज मोहावालुं. पीले-
कीके मुख वाला; निस्तेज मुख वाला Hav-
ing a pale or lack-lustre face.
निर० १, १; विवा० २;

पण्डुवद्वाणया स्त्री० (पाण्डुवद्धानिका) ओ
नामनी शाखा एक शाखा विशेष. A
branch of this name कण्प० ८;

पंडुसिला. स्त्री० (पाण्डुसिला) मेरु पर्वतनी
शूलिकानी पूर्वदिशे अर्ध चन्द्राकारे पायसो
नेजन लाणी अने अदीसो नेजन पछोली
ओक अभिषेक शिला के नेना उपर पूर्व
महाविदेहना तीर्थक्षेत्रो न-मालिषेक दर-
वाभा आवे छे. एक अभिषेक गिला जिम
पर पूर्व महाविदेह के तीर्थक्षेत्रों का जन्माभि-
षेक किया जाता है और जो मेरु पर्वत की
शूलिका के पूर्व अर्धचन्द्राकार में पांचसो
योजन लम्बी और टाँसी योजन ऊँची है.
A stone slab on which is
celebrated the birth-ceremony
of the Tirthāṅkara of Mahā-
videha. It is situated to the
east of the Chūlikā of the
mount Meru, it is shaped like
the half-moon and is 500 Yo-
janas long and 250 Yojanas

board (1 Yojana = 8 miles)
जं० प०

पंडुसेण. पुं० (पांडुसेन) पांडुसेननाभे पांडव
कुमार. पांडुसेन नामक पांडव कुमार. A
Pāṇḍava prince named Pāṇ-
dusena नाया० १६;

पंत. त्रि० (प्रान्त) तु०; नक्षत्रं, अराण्य,
लक्ष्म; रस विनाशु तुच्छ; खराब, क्षुद्र;
रमहीन; अधम. Mean; wretched,
insipid, low. उक्त० ८, १२; १२, ४,
१५, ४, आया० १, २, ६, ६६, १, ५ ३;
१५५, भग० ३, २; दम० ५, २, ३४,
ओघ० नि० भा० ३६, पिं० नि० ४८६,
(२) नमता आशी रलेल भोराक्ष उच्छिष्ट,
भोजन करते हुए शेष रहा हुआ अन्न. rem-
nants or fragments of food.
भग० ६, ३३; नाया० ५, १६, दसा०
५२८, (३) पत-धर्मभ्रष्ट थपेल धर्मभ्रष्ट,
धर्मस्खलित-च्युत-पतित fallen from
religion or duty. पिं० नि० ४१४,
(४) अराण्य लक्ष्म. कुलक्षयः दुर्लक्षयः
बुरे चिन्ह bad signs or character-
istics. नाया० १६; (५) अपशब्द गाण.
अपशब्द. गाली. an abuse. नाया० १, ८;
—आहार पुं० (-आहार) लक्ष्म भोराक्ष,
तु० आहार. हलका-गरीब भोजन; तुच्छ
आहार a coarse meal. ठा० ५, १;
ओव० १६; —कुल न० (-कुल) अधम-
नीय कुल. अधम-नीच कुल low family.
दसा० १०, १०; कष० २, १६,
—चरत्र त्रि० (-चरक) तु० के पक्षे
आहारनी गवेषणा करना; अस्मिन् विशेष
धारी साधु. तुच्छ या अवशेष आहार की
गवेषणा करनेवाला; विशिष्ट अवग्रहधारी साधु.
an ascetic who observes the
vow of accepting fragments

of coarse or surplus food.
ठा० ५, १; परह० २, १; —जीवि० त्रि०
(-जीविन्) तु० आहार करी उपनार.
तुच्छ-रूखा सूखा भोजन खाकर जीने वाला.
(one) who lives on coarse
food. ठा० ५, १;

पंतावण. न० (प्रताहन) आधुक्थी मारतु ते.
चायुक्ते मारना; चायुक् मार. Whipping.
ओघ० नि० भा० २१८;

पंति. स्त्री० (पंक्ति-पच्यतेऽप्यवित्क्रियतेऽप्येति
विशेषेण इति) पंक्ति; श्रेणी; दार. पक्ति;
कतार, श्रेणि; दार; माला. A row; a
line; a garland. भग० ५, ७; १३, ६;
नाया० १, ८; १३, पिं० नि० ३४५; जीवा०
३, ३;

पंथ. पुं० (पथिन्—पथति गच्छति जन अत्र)
रस्ते; मार्ग. रास्ता, मार्ग; पथ. A path,
a road. ठा० ४, २, उक्त० २, ५, पिं० नि०
भा० १२, वेय० ४, २६; —कुट्टण पुं०
(-कुट्टन) वाटपाकु. रस्ते छुटनार लुट्टरा,
डकैत, रास्ते में लूटने वाला a robber;
a dacoit नाया० १८.

पथकोट त्रि० (पथकुट) वाटपाकु;
रस्ते छुटनार. रास्ते में लूटने वाला; लुटेरा;
डकैत. A robber; plunderer. विवा०
१, ३;

पंथग. पुं० (पन्थक) पथकनामे शैलक
राज्यना ओक मंत्री, के जेहे राज्यनी साथे
दीक्षा लीधी हती, शैलगराजपि शिथिल
थन गया हता, तोपथु तेने पितृ सायदी
छेयत गुरुने ठेकाहे लाव्या. पथक नामक
शैलक राजाका एक मंत्री; जिसने राजा के साथ
दीक्षा ली थी और यद्यपि शैलक राजा शिथिल
हो गया था तथापि उसके विनय की रक्षा
कर के अन्ततः उसने स्थित किया. A
minister named Panthaka of

the king Śelaka. He was consecrated with the king The king became lax when the minister brought him to a position of a preceptor by protecting his character नाया० ५;

पंथदास. पुं० (पन्थदास) धन्ना शेथेनो पंथ नामनेो दास; धन्नासेठ का पंथ नामक दास. A servant so named of Dhannā Sētha. नाया० २;

पंथय. पुं० (पन्थक) लुओ ' पंथग ' शब्द. देखो ' पंथग ' शब्द vide ' पंथग ' नाया० ५; (२) धन्नाशेथेनो ओक दास. धन्ना सेठ का एक दास. a servant of Dhannā Sētha नाया० २; —पामोक्ख. त्रि० (-प्रमुख) पंथक प्रमुख; पंथक पगेरे. पंथक प्रमुख; पंथकादि. Panthaka etc. नाया० ५;

पंथिय. पुं० (पान्थिक-पन्थानं गच्छतीति) पटे भार्यु; भुसाक्षि. बटोही; पथिक; राहगीर; सुसाफिर A way-farer; a traveller. नाया० ८; १३; ओष० नि० भा० ८०;

✓पंस. धा० II (*) भेलु डरपुं मैला करना. To make dirty. पंसेइ विरो० ३०२५;

पंसु. पुं० (पाशु) धूल, रेती धूल; रेत; मिट्टी. Dust; sand. उत्त० १२, ६; सूय० १, २, १, १५; भग० ७, ६; सु० च० ४, २७, जीवा० ३, ३; जं० प० प्रव० १४६७, —लार. पुं० (-लार) लवण; भीड़. लवण. निमक; लार. salt. दस० ३, ८;

पंसुलिया. स्त्री० (पार्शुका) पांसणी. पमली. A rib. परह० १, ३; प्रव० १३८३;

पंसुवुट्टि. स्त्री० (पांशुवृष्टि) धूलनी वृष्टि उपरधी शुभाशुभ लक्षणानी विद्या. धूल की वृष्टि पर से शुभाशुभ जानने की विद्या A

science of knowing omens by a shower of dust. सूय० २, २, २७; (२) धूलनी वृष्टि. धूल की वृष्टि. a shower of dust भग० ३, ७;

पंकथक. पुं० (प्रकन्थक) उत्तम लक्ष्मी ओक घोडा; घोडानी ओक उत्तम लक्ष्मी. उत्तम जाति का एक अश्व-घोडा विशेष. A horse of a good breed. ठा० ४, ३;

✓प-कंप धा० I. (प्र+कम्प्) धूलपु; डरपु धूजना; कांपना. To tremble; to quake.

पकम्पइ. सु० च० २, १८०;

पकम्पमाण. प्रव० २६१;

पकम्प. पुं० (प्रकम्प) धूलपु. कम्प; थरथरा-हट; धूजनी. Trembling. सु० च० ३, ५५;

✓प-कट. धा० II. (प्र+कट्) प्रकट डरपुं लहेर डरपुं. प्रकट करना, विदित करना; ख्यात करना. To reveal; to publish; to expose.

पयडेमि सु० च० १, ५६;

पयडसु आ० सु० च० २, ६०७;

पयडेउं. सं० कृ० सु० च० १५; १२७;

पयडंत. व० कृ० सु० च० १, १६६;

पयडिजइ. क० वा० सु० च० २, ४४६;

✓प-कड्ढ. धा० I. (प्र+कृष्) भिद्युं. खींचना; आकर्षण करना. To draw; to attract.

पकडइ. जं० प० ५, ११७;

पकडिजमाण. ओव० १०; भग० १, १;

१६, ५; जं० प० ५, ११७;

✓प-कथ धा० I. (प्र+कथ्) हेलना डरपी; निन्दपुं. अवहेलना करना; निन्दा करना. To upbraid; to censure

पकथे. वि० आया० १, ६, ४, १९१;

पकृत्य. सं० कृ० आया० १, ६, २, १८३;

✓प-कप्प. धा० I. (प्र + क्लृप्) क्लृपयुं;
उत्पन्न करुं; रचयुं. कल्पना करना; उत्पन्न
करना; रचना. To guess; to create;
to arrange.

पकप्पिन्ति. आया० १, ४, १, १२८, १, ६,
४, १६१;

पकप्पयामो. सुय० २, ६, ५२;

पकप्पिय. त्रि० (प्रकल्पित) क्लृपेयुं, क्लृप-
येयुं कल्पित; बनाया हुआ. Guessed;
made. सु० च० ३, १७;

✓प-कर. धा० I, II. (प्र + कृ) करयुं.
करना. To do.

पकरह. पि० लि० १०१; भग० १, १;

पकरेह. भग० १, ८; ६१०; २, २, ३, १;

१, ३; ६, ५८; ७, ६; ८; ३०, १;

पकरंति. उत्त० १, १३; दसा० ६, १;

भग० ५, ६;

पकरोति भग० १४, १; २५, ८; ३०, १;

३४, १, जं प० ७, १४१;

पकरेजा. वि० भग० २४, २०;

पकरेह. आ० भग० ३, १;

पकरेतए हे० कृ० भग० ८, १;

पकरेहत्ता सं० कृ० भग० १५, १;

पकरेमाख व० कृ० भग० १, ३; ३, २;

५, ३; पञ्च० ६;

पकरावेत्तए क० वा० हे० कृ० भग० ३, १;

पकिज्जह. क० वा० सम० ३४;

पकरण. न० (प्रकरण) प्रकृष्टपक्षे करुं;
रचयुं. प्रकृष्ट रीति से करना; उत्तमता से
करना-रचना-बनाना. Doing well or
arranging. भग० १, ६;

पकरणया. स्त्री० (प्रकरण) लुगो उपदे-
शो०. देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
भग० १, १०;

पकाम त्रि० (प्रकाम) अनिशय, धन्युं अति

शय, अधिक; बहुत; प्रचुर Too much;
excessive. ओव० १६; भग० ७, १;
७, ६, ३३; नाया० १; १६; —रसभोई.
त्रि० (—रसभोजिन्) अत्यंत स्निग्धरसने-
आहार करनेवाला. (one) who eats
excessive fatty and oily food
भग० २६, ७;

✓पकास धा० II. (प्र + काश्) प्रकाश
करुं. प्रकाश-उज्ज्वल करना. To shine;
to enlighten.

पकासेह. भग० ६, ५;

✓प-कास. धा० II. (प्र + काश्)
प्रकाशयुं; प्रकाश करुं. प्रकाश करना;
उज्ज्वल करना. To shine; to en-
lighten.

पयासेह. गच्छा० २७;

पयासेह. आ० सु० च० ४, १६४;

पयासितुं. सं० कृ० सु० च० ४, २३०;

पकिरण. त्रि० (प्रकीर्ण) विभरेयुं. बिखरा
हुआ; ड़धर उधर फैला हुआ; प्रकीर्ण.
Scattered; cast asunder. पणह-
२, ५;

पकिन्न. त्रि० (प्रकीर्ण) विभरेयुं; वेरेयुं.
बिखरा हुआ; गिरा हुआ; फैला हुआ. Scat-
tered; dispersed उत्त० १२, १३;
पकीलेउं. सं० कृ० अ० (प्रकीर्ण) क्रीडा
करीने. क्रीडा-रमण या खेल करके. Hav-
ing played or amused. सु० च०
६, ३२;

✓पकुब्ब. धा० I. (प्र + कृ) सारी रीति
करुं उत्तमतासे करना. To do well.

पकुब्बह. उत्त० २७, ११; दसा० ६, २;

दस० ५, २, ३२; ६, २, १६;

पकुब्बंत. व० कृ० सु० च० १, २३५;

पकुव्वमाण. व० कृ० आया० १, २, ३,
८०;

पकुव्वनो. डा० ए० मूय० १, ७, १७;

पकुव्वअ-य त्रि० (प्रकारक) प्रापश्चित्त लघु
अत्यंत शुद्धि भेक्षवन्तः. प्रापश्चित्त ले कर
पूर्ण शुद्धि प्राप्त करने वाला. (One)
who attains perfect purity by
expiation. भग० २५, ७, डा० ८, १;

पक्क त्रि० (पक्क-पच्यतेस्म यत्) पक्षवेक्ष;
पक्षेक्ष; रंधेक्ष. पक्का; पकाहुआ; सीजाहुआ.
Ripe; cooked; boiled. नाया० ७;
आया० २, ४, २, १३८; उत्त० १६, ४६;
५७, ३४, १३; दस० ७, ३२; वेय० १,
३; पञ्च० १७; भग० १४, ७; —वय न०
(-घृत) औषधी नाभी पक्षवेक्ष धी औषधि
डालकर पकाया हुआ घी. clarified
butter boiled with medicines.
प्रव० २३१; —महुर त्रि० (-मयुर)
पाक्षवाधी मधुर अनेक्ष. पकने क कारण
मीठा लगने वाला. sweet on account
of being cooked or ripe. डा०
७, १;

पक्कण. पु० (पक्कण) ओ नामने ओक्ष
अनाथ देश. इस नामका एक अनार्य देश
A non-Aryan country so
named प्रव० १५९७. (२) त्रि० ते
देशमां रहन्तार. उस देश का निवासी an
inhabitant of that country.
पञ्च० १;

पक्कणिय. त्रि० (पक्कणिक) पक्षवण देशवासी.
पक्कण देश निवासी. An inhabitant
of Pakvana country प्रव० १, १;

पक्कणी स्त्री० (पक्कणी) पक्षवण नामना
अनाथ देशमां न-भेली दासी. पक्कण नामक
अनार्य देश में उत्पन्न दासी-सेविका. A
maid-servant born in Pakvana

country. ओव० ३३; नाया० १;
जं० प०

✓ पक्कम. धा० I. (प्र + क्रम) आलभुं;
गति क्षरी चलना; प्रगति करना. To
move; to walk; to proceed
पक्कमइ उत्त० ३, १३; भग० १५, १;
पक्कमंति. उत्त० २७, १४; २८, ३६;
पक्कमं. त्रि० मूय० १, २, १, ११; दमा०
३, १३;

पक्कम न० (प्रक्रम) पराक्रम; उद्योग; प्रयोग
क्षेत्रे ने पराक्रम; उद्योग; प्रयोग-प्रयोगकर्म
Valour; industry; experiment-
ation. नाया० १६;

पक्कमणी. स्त्री० (प्रकामणी) डेर लाववाली
विद्या. मस्तक भ्रमण कराने का विद्या.
A science or art of causing
giddy. मूय० २ २; २७;

पक्काम. त्रि० (पक्काम) थोड़ा क्षयु, अने थोड़ा
पाक्षु; क्षयु पाक्षु. अर्धपक्का; अर्धपक्का;
पक्का Half ripe. ओव० नि० भा०
१४२;

पक्किट्ठगा. स्त्री० (पक्किट्ठका) पाखी भूट.
पकई हुई ईंट. A burnt brick. जं०
प० ७, १४१;

पक्कीलिय. त्रि० (प्र-क्रोडित) झोला क्षरेक्ष;
क्रोडित; क्रोडा किया हुआ; खेला हुआ.
Played; amused with. नाया० १;
५; ८; भग० ११, ११, १४, ८; जीवा० ३,
४; राय० २३६; कप्प० ४, ६६; ५, १०१;

पक्केलय. त्रि० (पक्क+क) अग्निथी पाक्षेक्ष;
परिपक्ष. थपेक्ष आग्नेयकव; अग्निद्वारा परि-
पका किया हुआ. Cooked in fire.
उवा० ७, २००;

पक्ख. पु० (पक्क-पच्यतेचन्द्रस्यपर्ववशानां
आपूरणं क्षयो वा येन) पक्कवाडीयुं; पक्क-
दिवस. पक्क; पक्कवाडा; पक्कह दिन. A

fortnight. उक्त० ५, २३, २६; १४; ठा० २, ४, शृणुजो० ११५; १३०; १३७; भग० १, ५, १; ६, ७, १२, ६; २५, ५; नाया० ३; द; सु० च० २, ३५, जं० प० ७; १५२; सू० प० ८, विशेष० ६०६; नंदी० १२; प्रव० ११६६; गच्छा० ३, १०५; क० गं० ५, ३६, कप्प० १, २, २, ३०, (२) पार्श्व; पक्षु, आल्लु पार्श्व, बाजू, बगल, समोपे. side, vicinity. ओव० ३८, उक्त० १, १८; प्रव० १२६, (३) पक्ष; पक्ष. पक्ष, वर्ग. a side; a party; a flank. उक्त० १२, ११; गच्छा० ३२, (४) पाप, पीछं पंख, पक्ष. wing, pinions. उक्त० २७, १४, जीवा० ३, ४, नाया० ३; तडु० निसी० ७, २६, (५) छी० धरनी छत (छत) नी पाप घर की छत. roof of a house राय० १०७; (६) हेतु अने साध्यनो आश्रय; अनुमितिनु ओक अग, जेम “ पर्वतो वह्निमान् धूमत्वात् ” अने पर्वत पक्ष, अग्नि साध्य अने धूम हेतु छे. हेतु और साध्यका आश्रय, अनुमिति का अंग विशेष; यथा “ पर्वतो वह्निमान् धूमत्वात् ” यहा पर्वत पक्ष, अग्नि साध्य और धूम हेतु है. the support of the middle and the major term; a premise of a syllogism e. g. in the proposition the mountain has fire, the smoke being seen there, the “mountain” is the Pakṣa, the “fire” is the major term and “smoke” is the middle term विशेष० २८२४; —अंतर. न० (-अंतर—अन्यः पक्ष. पक्षान्तरं) पक्षान्तर, भील्लु पक्ष. पक्षान्तर, दूसरा पक्ष another side of an argu-

ment. विशेष० १६०८, —उड. पुं० (-पुट) पाप-पीछानो पुट-स पुट. पक्षों या पंखों का पुट. a fold of wings or feathers. सु० च० २, ५३७, —पडि-क्रमण. न० (-प्रतिक्रमण) पाक्षिक प्रति क्रमण पक्षिक प्रतिक्रमण a fortnightly confession. प्रव० १८२; —पिंड. पुं० (-पिण्ड) भेलुगथी पलाडी आधारि ते, शरीरने सकेयी पिंड रूपे अनापी भेलुगथी आधारि ते. दोनों भुजाओं का परस्पर बन्वन, पिंड रूप में सिकुड़े हुए संकुचित शरीर का दोनों भुजाओं द्वारा बन्वन. an embrace by the two arms, embracing a body which is contracted in a lump. उक्त० १, १६; —बाहु छी० (-बाहु) धरनी पापभा आससरनो अहार नीकलतो लाग. घर की बाजू में अडसर का बाहर निकला हुआ भाग. the projecting eaves of a house राय० १०७; —वाय पु० (-वात) पीछानो पवन. पंखों की हवा, पक्ष वात-पवन. a breeze of wings. नाया० ३,

पक्षअ पु० (पक्ष) पक्षो, पिण्डो. पंखा; विजना. A fan. कप्प० ३, ३६;

पक्षअ. अ० (पक्षत्) पक्षो, जेडाने. जोडाजोड; पक्ष से, बाजू से. Closely. दस० ८, ४६,

✓पक्षद्व. धा० I. (प्रस्कन्द) पडील्लु; गति करी. गिरना, गत करना. To fall; to move.

पक्षद्व. दस० २, ६;

पक्षद्व. पु० (प्रस्कन्द) गति करी; जल्लु. गति करना; चलना, जाना. Moving; walking पक्षद्व. १, ५; (२) कुटी पडी भरतु ते. कूद कर मरना death due

to a fall. निसी० ११, ४१;

पक्षसंदोलग. पु० (पक्ष्यान्दोलक) जेना
उपर भेसी पक्षीओ हियका आय ते;
पक्षीओनो हियका. पक्षियों का बैठकर
भूलने का साधन; पक्षियों का भूला. A
swing for birds. जीवा० ३; राय० १३५;
पक्षखग. त्रि० (पक्षग) ओक पक्षवादीयुं रहे-
नार; पक्षवादीयानी स्थितिवाहु. एक पक्ष
तक रहने वाला, पक्ष-पक्षवाडे की स्थिति
वाला. That which remains for a
fortnight. क० गं० १, १८;

पक्षखलंत. त्रि० (प्रखलत्) रभक्षना पामतु;
पक्षुं. खलित होता हुआ; गिरता हुआ.
Stumbling; falling. दस० ५, १, ५;
पक्षखलमाण. व० कृ० त्रि० (प्रखलत्)
रभक्षना पामतो. खलित-च्युत-भ्रष्ट होता
हुआ. Falling, stumbling. वेय०
६, ७;

पक्षखलिय त्रि० (प्रखलित) रभक्षित
थयेलुं; पडेलुं. खलित, च्युत; भ्रष्ट; पतित;
गिरा हुआ. Stumbled; fallen. de
generated. परह० १, ३;

✓ पक्षखाल. धा० II. (प्र+खाल्) धेयुं;
साध करेयुं. धोना, साफ करना To wash;
to cleanse

पक्षखालेइ नाया० १; भग० ६, ३;

पक्षखालेइत्ता. भग० ३, १; ६, ३३. नाया० १;

पक्षखालेत्ता भग० ३, १;

पक्षखालिजह क० वा० नाया० ५;

पक्षखालिजमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ५;

पक्षखाल. न० (प्रखालन) धेयुं ते. धोने का
कार्य; धोना; प्रखालन Washing;
cleansing. नाया० १;

पक्षखालण. न० (प्रखालन) धेयुं; साध
करेयुं. धोना; साफ करना. Washing;
cleansing. ओव० ३८; वव०

पक्षखालण. न० (प्रखालन) धेयुं; साध
करेयुं. धोना; साफ करना. Washing.
अणुजो० १६,

पक्षखालिअ. त्रि० (प्रखालित) धेयेलुं;
साध करेलुं. धोया हुआ; साफ किया हुआ.
-Washed; cleansed. ओव० ३८;

पक्षखालण न० (पक्षसन) पक्षीना आकार
जेतु आसन-पक्षसन. पक्षी के आकार जैसा
आसन-पक्षसन. A posture in the
form of a bird. भग० ११, ११;

पक्षिख. पुं० (पक्षिन्) आकाशमां उडनार
भेयर प्राणी; पक्षी. आकाश में उडने वाला
पक्षी; खग; विहग. A bird ओव० १७;
अणुजो० ६३१; १३४; भग० ७, १; १५,
१, ३१, १; विशेष० ५७२; उत्त० ३२, १०;
सु० च० २, १०; दस० ७, २२; विशेष०
५७२; भक्त० १४१; प्रव० ६७६. ११०५;

—जाइअ पुं० (-जातीय) पक्षी जतिवु.
पक्षी की जाति का. belonging to the
class of birds. वेय० ५, १३. —संघ
पुं० (-संघ) पक्षीओनो सध-टोलुं पक्षी-
समूह; खग-वृन्द. a bevy of birds.
ज० प० २, ३६; नाया० १; भग० ७, ६;

पक्षिखत्त. त्रि० (प्रक्षिप्त) नायेलुं;
इं डेलुं. डाला हुआ; फेंका हुआ.
Thrown away; interpolated.
अणुजो० १४३; भग० ३, ३; १; ८, ६;
नाया० १४, १६; निर० १, १; पंचा० ४,
४७; पञ्च० १२; नंदी० ३५; दस० ६, १;

पक्षिखप्माण. व० कृ० त्रि० (प्रक्षिप्यमाण)
नाभवाभां आपवतुं; इं डेतु. त्यागने में आने
वाला; फेंका जाने वाला. Being thrown
away or abandoned अणुजो०
१५०; भग० ८, ६; नाया० २; ८;

पक्षिखय. त्रि० (पक्षिक-पक्षेभवः पक्षिकः)
पक्षवादीआभां थयेलुं; पक्षवादीआनुं. पक्ष के

सम्बन्ध का; पाल्कि. Fortnightly. (२)
 पाप्पी; पूनम अने अभावस्था. पौर्णिमा तथा
 अभावस्था; पक्खी-पत्तीय. the last day
 of a fortnight गच्छा० ११८; भग०
 १२, १, २४, १; ओष० नि० १०; प्रव०
 १८३; निसी० २०, २१; २८; (३) जेना
 पक्षमां धल्लामाणुसे होय ते; भोटा कुटुम्ब
 वालो. बहु कुटुम्बा; वह जिसके पक्ष में बहुत
 से लोग हो (one) having a big
 family; having many people
 on his side. प्रव० १४७७; —पोसह.
 न० (- पौषध) पाक्षिक पौषध, पाप्पीने
 द्विसे पोसे करवे। ते. पाल्कि पौषध;
 पक्खा के दिन किया जाने वाला पौषध a
 fortnightly vow consisting of a
 fast भग० १२, १; —पासहिअ त्रि०
 (- पौषधिक) पाक्षिकपोषो करनार. पाल्कि
 पौषध करन वाला (one) who ob-
 serves a fast on a fortnight.
 दमा० ५, २६,

✓ पक्खिव. धा० I.II. (प्र+त्तिप्) डे क्कुं.
 फेंकना To throw away.
 पक्खिवइति. नाया० १; २; ७, ८; १४; १६;
 १८; वव० ६, ४५; भग० १५, १;
 उवा० ४, १४३; निर० ३, ३,
 पक्खिवेइ. भग० ११, ६;
 पक्खिवति नाया० २; ७; जं० प० ५, ११४;
 पक्खिवामि नाया० १६;
 पक्खिवेज्जा. वि० नाया० ६; भग० ३, ३;
 ६, १; ८, ६; १२, ७,
 पक्खिविज्जा. वि० भग० ११, १०;
 पक्खिवह आ० नाया० २;
 पक्खिवइत्ता. म० क० नाया० ७; १४; १८;
 भग० ६, ३३;
 पक्खिवित्तुं हे० क० भग० १४, ८;
 पक्खिवेमाण. व० क० नाया० ८;

पक्खिवमाण व० क० नाया० ८;
 पक्खिवविइ. प्र० नाया० १२;
 पक्खावेइ प्र० विवा० ६;
 पक्खिवविमि. राय० २५;
 पक्खेवेइत्ता. स० क० भग० ११, ६;
 पक्खिवावेइत्ता प्रे० सं० क० नाया० १२;
 पक्खिवावेत्तइ. हे० क० नाया० ३;
 पक्खिवावेत्तए. व० क० नाया० १२;
 पक्खिप्पइ. क० वा० जं० प० ३, ४५;
 पक्खिवणया खी० (प्रक्षेपण) डे क्कुं ते.
 फेंकने का कार्य; प्रक्षेपण. Throwing-
 away, interpolation. भग० १४, २;
 पक्खिविराल. पु० (पक्षिविराल) गिलाडी
 जेवा पक्षी विशेष. बिलाव जैसा पक्षी विशेष.
 A particular bird like a cat.
 पज० १;
 पक्खिविरालय. पुं० (पक्षिविरालक) गिलाडी
 जेवा पक्षी विशेष बिलाव जैसा पक्षी विशेष.
 A particular bird like a cat.
 भग० १३, ६;
 पक्खुडिअ त्रि० (प्रक्रांशित) गाणो दीधेल;
 वपोडेल. गालियां दिया हुआ; निर्भर्त्सित;
 कोसों तर खदेडा हुआ. Rebuked;
 abused सु० च० ४, २२६;
 पक्खुमिअ-य. त्रि० (प्रक्षुभित) क्षोभ
 पाभेअ; व्याकुल अनेल क्षुब्ध; व्याकुल;
 क्षुभित. Agitated; sad. ओव० २१;
 २७, नाया० ८;
 पक्खेव. पु० (प्रक्षेप) डे क्कुं; ना० पुं०. फेंकना;
 डालना Throwing away; placing
 (२) डोलीयो. ग्रास. a mouthful.
 नाया० १५; क० गं० २, १७; प्रव० ६३४;
 १३४८; उवा० १, ५४, —आहार पु०.
 (-आहार) डोलीयो डोलीयो आनु ते; डो-
 लीयो आवा योग्य आहार. एक एक ग्रास-
 कार लेकर खाना, ग्रास रूप में खाने योग्य

आहार. eating in mouthfuls. भग०
१, १; पञ० २८; प्रव० ११६४;

✓ पक्षोड था० I. (प्र + स्फुट्) क्षटक्षुं.
स्फुटित होना; खिलना; खुलना; फटना. To
open; to bloom; to jerk
पक्षोडिजा वि० दस० ४;

पक्षोडाविजा. क० वा० वि० दस० ४;

पक्षोड पु० (प्रस्फोट) पष्ठाडा; पडिलेणो
ऐक प्रकार प्रस्फोट; पडिलेहण विशेष A
particular inspection of cloth-
ings प्रव० ६६;

पगड स्त्री० (प्रकृति) कर्मो स्वभाव, जेभ के
जानावरणीयनो स्वभाव जानने रोक्वानो,
दर्शनावरणीयनो दर्शनने अटकाववानो जेभ
आंइ कर्मो ज़ुदो जुदो स्वभाव ते प्रकृति
कर्म का स्वभाव ज़िम भौति जानावरणीय का
स्वभाव जान को रोक्कना, दर्शनावरणीय
का स्वभाव दर्शन की अटकाना आदि इसी
प्रकार आठों कर्मों का भिन्न भिन्न स्वभाव.
Nature of Karmic matter viz
knowledge obscuring which
checks knowledge; sight obscur-
ing which obscures sight etc
सम० ४; भग० १, १; ३; ६; ३. ३; दस०
६, १, ३, जं० प० जीवा० ३, ३; विशेष
२३, २४६४, क० प० २, ६६; क० गं० १,
२; ६; २; प्रव० २, २. (२) प्रज; लो६.
प्रजा; लोक; प्रकृति; रियाया. subject;
ryot क० प० ५, ११३, (३) शरीर के
भननुं अधाणु; तासीर. शरीर या मनका
स्वभाव; तासीर. the nature or dis-
position of the mind or body.
माया० १; भग० ६, ३१; ११, ६; —उत्र
संतया. स्त्री० (-उपशान्तता) स्वभावथी
डोधादिनी उपशान्तता-उपशम स्वभाव से
कोधादिका निग्रह-उपशम the subjugation

tion of anger etc. by nature.
जं० प० २, २, २१; भग० ६, ३१. —ठाण.
न० (-स्थान) कर्म प्रकृतिना स्थानक कर्म
प्रकृति के स्थानक. the stages of
Karmic natures. क० गं० ६, ८; प्रव०
२८; —बंध. पुं० (-बन्ध) कर्मो प्रकृति-
स्वभावरूपे बन्ध थाय ते, जेभ कर्मोनी कोथ
प्रकृतिनो जान अटकाववाना स्वभावरूपे,
कोथनो दर्शन अटकाववाना स्वभावरूपे अध
थाय छे ते. कर्मका प्राकृतिक-स्वाभाविक
बन्धन. the natural bond of
Karmas. ठा० ४, २; क० प० १, २४;
—भदय. त्रि० (-भद्रक) स्वभावथी
भद्रिक, सरल. स्वभावत. सरल-भद्रिक; प्रकृ-
त्या सरल naturally simple. भग० ३,
१. नाया० १; —भदया. स्त्री० (-भद्रता)
स्वभावथी भद्रिकपणु; सरलतावाणो
स्वभाव. स्वाभाविक सरलता, सरलता पूर्ण
स्वभाव. natural simplicity जं० प०
२, २४; भग० ८, ९; ११, ६; —विणी-
यया. स्त्री० (-विनीतता) स्वभावथी
विनीतपणु; नम्र स्वभाव. स्वाभाविक विनय;
नम्र स्वभाव; सहज विनीतता. natural
humility or politeness भग० ८,
६; —वेद त्रि० (-वेदिन्) कर्म प्रकृतिने
वेदनार कर्म प्रकृति का अनुभव करने वाला
—भोगने वाला. (one) who expe-
riences the nature of Karmic
matter क० प० ४, ७६; —संकम
पुं० (-संकम) कर्मोनी ऐक प्रकृतिभां जीउ
प्रकृतिनो परिणाम थाय ते. कर्म को एक
प्रकृतिमें दूसरी प्रकृति का होने वाला परिणाम;
कर्म-प्रकृति-संकमण. a transforma-
tion of one Karma Prakriti.
into another ठा० ४, २; —सच्भाव.
पुं० (-सद्भाव) कर्म प्रकृतिनो सद्भाव.

कर्म प्रकृतिका सद्भाव. the existence of the nature of Karmic क० ग० ६, ७५; —सुन्दर. त्रि० (—सुन्दर) स्वभावथी सुन्दर. स्वभावसे सुन्दर; सहज सुन्दर. naturally handsome. भक्त० ६५; —सौम. त्रि० (—सौम्य) प्रकृति-स्वभावे सौम्यतावाणो; शांत स्वभावी स्वभावसे सौम्य-शान्त; प्रकृत्या शान्त. naturally calm or still प्रव० १३७०,

पगढग. पु० (प्रकण्टक) ओक जलनो आनैड, आनैडने आकारे योभुखो ओटलो. एक बाजुट विशेष; बाजुट के आकार का चौखुटा चौतरा-वेदी. A kind of small desk or seat, a square platform जीवा० ३; राय० ११४, (२) अरीसानी पीडनो योडो दर्पण की चौखट mirror-frame राय० ११८;

पगड त्रि० (प्रकृत) डरेलुं, आ-धेल, उत्पन्न डीधेलुं बिया हुआ बाधा हुआ उत्पन्न किया हुआ. Made bound, produced आया० १, ३ २, १११; दस० ५, १, ४६; ८, ५५;

पगड त्रि० (प्रकट) प्रसिद्ध; जहेर, प्रसिद्ध; प्रख्यात; जाहिर; प्रवट Famous; noted. उत्त० १३, ६; पंचा० २, ६,

पगडि. छी० (प्रकृति) लुओ " पगइ " शब्द देखो 'पगइ' शब्द. Vide "पगइ" भग० १, १. १, पञ्च० १४; २३; पचा० १६ ४१;

पगडिय त्रि० (प्रकटित) प्रगट थयेल; भुएलुं पडेल; जहेर थयेल. प्रकटित प्रसिद्ध; ख्यात Published. famous पञ्च० २; तडु०

पगडीकम्म. न० (प्रकृतिकर्मन्) प्रकृतिरूपे बन्धायेल कर्म. प्रकृति के रूप से बंधे हुए कर्म. Karma bound in the shape

of Piakriti (nature). टा० ४, ४; पगइ. पुं० (प्रगर्त-प्रकृष्टोर्गर्तः) मोटी आड; आडो गहरा खड्डा; गंभीर गर्त A deep ditch or pit. आया० २, १०; १६६;

पगडिजमाण. व० क० त्रि० (प्रगृह्यमाण) दोरातु, लघु जवाभां आवतु. ले जाया जाने वाला, खदेडाता हुआ. Being carried away, being pursued. विवा० १;

पगणिय. सं० क० अ० (प्रगणय्य) गणुनी; गणुनी करीने. गनकर; गिनता करके.

Having counted आया० २, १, १, ७;

पगति. छी० (प्रकृति) लुओ " पगइ " शब्द देखो 'पगइ' शब्द Vide. "पगइ" भग० ६, ३१, ओव० ३४;

पगप्प. पु० (प्रकल्प) आचार; सदाचार. आचार; सदाचार. Conduct, good-conduct. आया० १, ७, ५, २१७. (२) साधुनो आचार अतावनार शास्त्र. साधु का आचार बताने वाला शास्त्र. a scripture regulating the conduct of an ascetic उत्त० ३१, १८;

पगप्पएत्ता. सं० क० अ० (प्रकल्प्य) तैयार करीने. तयार कर के. Having prepared स्य० २, ६, ३७,

✓पगढभ धा० I. (प्र+गल्भ्) धृष्टता करवी, अडाध करवी; भगइर थवु. धृष्टता करना; (आत्म) प्रशंसा करना; गर्वी बनना. To be haughty; to praise oneself.

पगढभइ उत्त० ५, ७; आया० १, २, ३, १५४; सूय० १, २, २, २१;

पगढभ. त्रि० (प्रगल्भ) धीर; प्रौढ. धीर; प्रौढ़ Grave; sedate भग० १, ३३; नदी० स्थ० ३६, जीवा० ३, ३;

पगढिमत्र. त्रि० (प्रगल्भित) भगइर, धीर. गर्वी; धृष्ट; डाढ Haughty; obsti-

nate. सूय० १, १, १, १३;

पगधिस्तार. त्रि० (प्रकर्तृयिन्) क्षानरनार.
कतरने वाला; काटने वाला. A cutter.

सूय० १, ८, ५;

पगय-अ. त्रि० (प्रकृत) आक्षुः प्रस्तुत.
प्रस्तुत; प्रकृत; विद्यमान. Current; on-
hand; present. विशेष० ४६२: ८३७;
पि० नि० ६१; १४८: २६०; काप० २, ७८;
६, २०; पचा० १३, १७; प्रव० १४७७;

पगरण. न० (प्रकरण) प्रक्षरु ३-थे; सूत्रभां
क्षेप विषयने विस्तारथी क्षेपनार अथ
प्रकरण अथ; सूत्रमें कहे हुए विषयका विस्तार
पूर्वक कथन करने वाले अथ. Explana-
tory books; books which ex-
plain the topics dealt with
in Sūtras विशेष० १११५;

पगरिअ. त्रि० (प्रगलित) क्षेदी; शरीरे गणी
गपेक्ष. कुश्री; कोढ़ी; गलित शरीर वाला. A
leper. पि० नि० ५७२;

पगरिस. पुं० (प्रकर्ष) अधिष्ठता. अधिकता;
उत्कर्ष. Excellence; profusion. सु०
च० २; ५१६; ५, ८;

पगलित. व० कृ० त्रि० (प्रगलत्) अक्षुः
गलत्. गलता हुआ; चूता हुआ; भरता
हुआ. Oozing; trickling; flowing
out. भग० ६, ३३; नाया० १; ८; नदी०
स्थ० १६; विवा० ७, पणह० १, १; तंदु०

पगलिय. त्रि० (प्रगलित) अरी गपेक्ष; गणी
गपेक्ष. गला हुआ; चूया हुआ Trickled.
पणह० १, ३;

पगाढ. त्रि० (प्रगाढ) तीव्र; क्षेप; तीक्ष्ण.
तीव्र; कठोर; तीक्ष्ण; अत्यधिक कडा.
Sharp; piercing; very hard
(२) अत्यन्त; धृष्टुं. अत्यंत; अधिक;
बहुत; घना. much; plenty. उत्त० ५,
१२; सूय० २, २, ६७; भग० ६, ३३;

नाया० १९; राय० २८३;

पगाम. त्रि० (प्रकाम) अतिशय; धृष्टुं.
अतिशय; प्रचुर; बहुत. Too much;
profuse. उत्त० ३३, १०; पि० नि०
६४४; नाया० १; —रसभोद्. त्रि०
(-रसभोजिन्) लुभो " पकामरसभोद् "
शब्द. देखो "पकामरसभोद्" शब्द. vide.
'पकामरसभोद्' वच० ८, १५;

पगामसो. अ० (प्रकामशः) पण्णार; धृष्टी-
वार. अनेकधा; बहुतवार; कईवार. Many
times; often. उत्त० १७, ३;

पगामाप. अ० (प्रकामतम्) अत्यंत; धृष्टुं.
अत्यन्त; बहुत. Too much; excess-
sive. आया० १, ८, २, ५;

पगार. पुं० (प्रकार) प्रक्षान्. भेद. प्रकार;
भेद; जाति Variety; class; differ-
ence पंचा० १०, ४६; १६, ३३; नाया०
१; भग० २०, २; विशेष० ४०३; राय०
२०१; —अंतर पुं० (-अन्तर)
भीन्ने उपाय; भीन्ने प्रकार दूसरा उपाय;
दूसरा प्रकार-रोति. another means;
another variety. पंचा० ६, २५;

पगास पुं० (प्रकाश) प्रकाश, नेत्र; उद्योत.
प्रकाश, तंत्र; उज्जला. Light; bright-
ness. ज० प० ७, १६६; कप० ३, ३६;
४, ६०; पचा० १५; ३५; अणुजो० १६;
१३०; श्रोत्र०; भग० २, १; ६, ३२; नाया०
१, उवा० २, ६५; ६; (२) धृष्टुं. खुला.
ventilated; open; known. पि०
नि० २६८, (३) सरभुः तुल्य; समान.
समान; तुल्य; सरीखा. similar to; like.
भग० १४, ६; राय० २०६; नाया० १; ५;
८; ६; (४) क्षेप; श्रुसो. कोष; गुस्मा;
रोष anger. सूय० १, २, २, २६;

पगासणा. स्त्री० (प्रकाशन) प्रकाशित करने;
प्रगट करने; प्रकाशित करना; प्रकट करना;

प्रकट करनेका कार्य. Publishing; publication; revealing; enlightening. सू० १, १४, १६; उत्त० ३२, २; पगासमाण व० कृ० त्रि० (प्रकाशयत्) प्रकाश करने प्रकाश करता हुआ Reveal- ing, publishing; enlightening. भग० १५, १;

पगासिया. स्त्री० (प्रकाशिका) प्रकाश करने- वाली. प्रकाश करने वाली. That which enlightens सम० १०;

पगिज्झिय सं० कृ० अ० (प्रगृह्य) ग्रहण करने, ग्रहण करके; स्वीकृत्य. Having accepted or received. आया० २, १, ६, ३२; भग० ३, १; ६, ३१; १५, १; ओव० ४०; वेय० ५, २२; निवा० ६; निर० ३, ३,

पगिह्. त्रि० (प्रकृष्ट) मज्ज्भूत; पुष्ट; उत्तम. मज्ज्भूत, पुष्ट; दृढ, उत्तम Muscular; strong; best. सु० च० २, ६३८; विशेष० १८७४; —फल. न० (-फल) उत्कृष्ट फल. उत्तम फल-परिणाम. a good result or end नाया० ८;

✓पगिह् धा I. (प्र + ग्रह्) लेवु; पकड़वु; ग्रहण करने लेंना; पकड़ना; ग्रहण करना To accept, to catch.

पगिह्मामि. भग० ३, २;

पगिह्मं. हे० कृ० सु० च० १, २८३.

पगिह्मत्ता सं० कृ० भग० ३, २.

पगे अ० (प्रगे) प्रभातमा, सवारमां सवेरे; प्रातःकाल; सुबह के समय In the morning. पि० नि० ४६६.

पगह पुं० (प्रग्रह) पकड़वु ते; ग्रहण करने पकड़ने या ग्रहण करने का काय; प्रग्रहण, स्वीकरण. Catching, accepting भग० २, ५; ओव० २० (२) रास; दोरडी रस्ती, रास, दोरी a cord, a rope.

नाया० ३; उवा० ७, २०६; —उवग्गहिय. त्रि० (-उपगृहीत) रास-दोरडीथी ग्रहण करेव. रस्तीसे पकड़ा हुआ; ग्रहीत. caught by a rope. भग० ६, ३३; नाया० ३;

पगहित्त. सं० कृ० अ० (प्रगृह्य) ग्रहण करने ग्रहण करके; स्वीकृत्य. Having accepted. जं० प०

पगहिय. त्रि० (प्रगृहीत) लीधेवुं; ग्रहण करेवुं. लिया हुआ; ग्रहण किया हुआ. Accepted, taken. भग० २, १; नाया० १; ५; उवा० १, ७२;

पगहियतरग. त्रि० (प्रगृहीततरक) अत्यन्त ग्रहण करेव विशेष रूप से ग्रहण किया हुआ; स्वीकृततर. Especially accepted. आया० २, ७, ८, ११;

पगहिया स्त्री० (प्रगृहीता) पिण्डप्राप्त सात प्रकारमाने छोटा प्रकार; जे आहार गृहस्थे पोताना वासणुमां आवा भाटे लीधे छे, तेमांथी साधुने व्होरावे ते सात भाति की पिण्डप्राप्ता का छठा प्रकार; जिस आहारको गृहस्थने अपने भोजन के पात्र में रख लिया है उस में से साधुको व्होराना-भिक्षामें देना. The 6th variety of the 7 kinds of Pindaisanā; giving of food to an ascetic, which is placed by a householder in his dish. प्रव० ७४५.

पचंगमण न० (प्रचंकमण) गुह्य के दिव्य- लुपडे जमीन उपर धससाधने आलवुं ते. घुटनों के बल जमीन पर चलना; घुटने टेक कर चलना Moving on the knees. राय० २८८; (२) आलक जमीन उपर गुह्य- लुपडे आलवा शीमे त्तारे करवाभां आवे तो संस्कार. जिस समय बालक घुटना टेक कर चलना सीखता है उस समय किया जानेवाला संस्कार-प्रचंकमण. a ceremony per-

formed at the time when a child learns to walk on knees.

राय० २८८;

पंचडमाण. व० कृ० त्रि० (प्रचण्डयत्)
विस्तार करतुं. विस्तार करते हुए; फैलाते
हुए. Extending. जीवा० ३, ४;

✓ प-चर. धा० I. (प्र+चर्) प्रचार करवे.
प्रचार करना; फैलाना. To publish; to
expand.

पयरह. नंदी० २५० १३;

पयरंति. सु० च० २, ६००;

✓ प-चल. धा० II (प्र+चल्) चलायमान
करतुं. चलायमान करना, कंपाना; चंचल
करना. To move; to make un-
steady; to cause to shake.

पचालेह-ति प्रे० भ० १५, १; १७, १;

पचालेमाण. व० कृ० भग० ६, ३४; १७, १;

✓ प-चल धा० I (प्र+चल्) ओझां ओझा
निद्रा लेया ओझा आया. ऊथना; बैठ २ नींद
लेना; नींद के ओझे खाना To drowse.

पचालेज्. प्रे० दसा० ७, ५;

पयलाएज् वि० जीवा० ३, १; भग० ४, ४;

पयलाइत्तए हे० कृ० वेय० १, १६.

पयलाइया सं० कृ० सूय० २, ३, २५,

पयलायमाण. व० कृ० दसा० ७, १, भग०
५, ४;

पवलित्र. त्रि० (प्रचलित) चलायमान थपेल
कामित; चलित; चलायमान या चंचल बना
हुआ. Made unsteady or caused
to tremble. जं० प० ५, ११५; कप्प०
२, १४;

पच्चञ्च. त्रि० (प्रत्यय) ज्ञान. ज्ञान.
Knowledge. (२) निमित्त. निमित्त.
reason. विशे० १७५; (३) पुं० विश्वास,
अज्ञेय. विश्वास; भरोसा. faith; belief
नाया० १;

पच्चञ्च. त्रि० (प्रत्ययिक) प्रत्यय-धन्द्रिय
अने अनिन्द्रिय ३५ निमित्तशी उपपत्तुं.
प्रत्यय-इन्द्रिय तथा अनिन्द्रिय रूप निमित्त से
उत्पन्न होने वाला. Produced by
means of the senses or other-
wise. ठा० ३, ३; (२) आत्रीदार; विश्वा-
सनेपात्र. भरोसे का; विश्वासपात्र trust-
worthy. राय० २५३;

पच्चंग. न० (प्रत्यय) अत्यन्त नेत्र, नख
वगैरे उपाग. शरीर के अवयवों के उपाग
यथा नेत्र, नख आदि. Minor organs
of the body e. g. the eyes,
nails etc. “ अंगपच्चंगसंठायां चाहल-
विय पोहिय ” दस० ८, ५८; उत्त० १६,
४२८;

पच्चंत. पुं० (प्रत्यय) पास, १७५. पासमें
निकट; समीप. Near; in the vic-
inity of. वि० नि० १६६; (२) त्रि०
अत्यन्त नीच; अत्यन्त. अत्यज; अत्यन्त
नीच. an untouchable. आया० २,
४, २, १७०;

पच्चंतिय. त्रि० (प्रात्ययिक) सीमाओं
आवेक, प्रांत आगमां रहल. सीमापर आया
हुआ; प्रांत भाग में रहता हुआ; प्रातवासी.
Brinful, (one) who has come
to the boundry. आया० २, ३, १,
११५;

पच्चंतिय. पुं० (प्रात्ययिक) पर्वतनी
समीपमें प्रदेश. पर्वत के पासका प्रदेश;
पर्वत प्रान्तीय प्रदेश. A land near a
mountain. निसी० १६, २६.

पञ्चकल. त्रि० (प्रत्यय-प्रतिगतमस्त्रियत्र-
अस्त्रिविषयं वा) आत्माने धन्द्रियेनी भद्व
विना पदार्थना साक्षात् योग्यी यत्तु ज्ञान-
तेना ये प्रकार धन्द्रियप्रत्यक्ष अने नो धन्द्रिय-
प्रत्यक्ष, सांख्यवद्वारिक प्रत्यक्ष ते धन्द्रियप्रत्यक्ष

અને અવધિમનઃપર્યવ તથા કેવલજ્ઞાન તે નોઇન્દ્રિયપ્રત્યક્ષ આત્મા કો ઇન્દ્રિયોં કી સહાયતા કે બિના પદાર્થોં કે પ્રત્યક્ષ યોગ સે હોને વાલે જ્ઞાન કેં દો પ્રકાર ૧ ઇન્દ્રિયપ્રત્યક્ષ ૨ નો-ઇન્દ્રિયપ્રત્યક્ષ, સાવ્યવહારિક પ્રત્યક્ષ અર્થાત્ ઇન્દ્રિયપ્રત્યક્ષ ઔર અવધિમનઃપર્યવ એવ કેવલ જ્ઞાન અર્થાત્ નો-ઇન્દ્રિયપ્રત્યક્ષ. The two varieties of perceptual knowledge produced without the aid of the senses to the soul, by the direct perception of objects viz Indriya Pratyaksa and No-Indriya Pratyaksa. અણુજોં ૧૪૬; સમં ૧૦; મગં ૫, ૪, ૬, ૩૩; ૧૬, ૧; નાયાં ૬, ૮; ૧૨, વિશેં ૮૮, ઠાં ૨, ૧; ૪, ૩, મું ચં ૨, ૫૭૫, દસં ૫, ૨, ૨૮, પગહં ૧, ૩; વવં ૭, ૪, મત્તં ૧૫૬, પંચાં ૧૪, ૪૨; પ્રવં ૬૦૩; નદીં ૨; —ઉવચાર પું (-ઉપચાર) પ્રત્યક્ષનો ઉપચાર. પ્રત્યક્ષ કા ઉપચાર. the procedure or formality of perceptual knowledge. વિશેં ૪૭૧, —દિદ્ધ પું (-દિદ્ધ) પ્રત્યક્ષ દિદ્ધ-એથેલ પ્રત્યક્ષ દેખા હુઆ-દિદ્ધ. seen directly. પ્રવં ૬૨૬, —વચણ નં (-વચન) પ્રત્યક્ષ વચન, દ્રષ્ટિગોચર-સંમુખ રહેલુ જેમકે આ દેવ-દત્ત છે. પ્રત્યક્ષ વચન, દ્રષ્ટિગોચર-સામે સ્થિત, યથા-યહ દેવદત્ત હૈ. words related to an object present before the speaker e. g. “ this is Devadatta ” આયાં ૨, ૪, ૧, ૧૩૨;

પચ્ચક્ષત્રો. અં (પ્રત્યક્ષત્) સાક્ષાત્. પ્રત્યક્ષ. સાક્ષાત્; પ્રત્યક્ષ. Directly visible, immediate. દસં ૧, ૩, ૯;

પચ્ચક્ષં. અં (પ્રત્યક્ષત્) ૩૫૩; નજર આગલ. સમક્ષ, નજર કે સામે, સ્વરુ. Infront, personally પિંનિં ૪૬૧; પચ્ચક્ષાણ્યયં ત્રિં (પ્રત્યાખ્યાતવ્ય) પચ્ચખ્યાણ કરવા યોગ્ય; તજવા યોગ્ય પચ્ચક્ષાણ કરને યોગ્ય; ત્યાગ કરને યા છોડને યોગ્ય. Fit to be abandoned or renounced નાયાં ૮,

પચ્ચક્ષાણ નં (પ્રત્યાખ્યાન) શ્રાવકનું દશમું વ્રત શ્રાવક કા દસવા વ્રત; The 10th vow of a layman. (૨) પાપના ત્યાગની પ્રતિજ્ઞા, સાવધ યોગની નિવૃત્તિ પાપ કે ત્યાગ કી પ્રતિજ્ઞા-સંકલ્પ, સાવધયોગ કી નિવૃત્તિ the vow of abandoning sins ઉત્તં ૨૬, ૨૬, ૨૬, ૨; મગં ૧, ૮, ૨, ૫, ૬, ૪; ૭, ૨, ૮, ૮; ૧૭, ૩, ૨૫, ૬, દસાં ૬, ૨; પજં ૨૦, નાયાં ૫; ૮, રાયં ૨૨૬, નદીં ૪૩; વિશેં ૧૨૬૪; ૩૫૦૧, પ્રવં ૨, મત્તં ૧૫૬; કં ગં ૧, ૧૭, પંચાં ૧, ૪૨, ૪૩; ૬, ૧; ઉવાં ૧, ૬૬; (૩) આવશ્યકના છઠા અધ્યયનનું નામ. આવશ્યક કે છઠે અધ્યયન કા નામ. name of the 6th chapter of Āvashyaka અણુજોં ૫૬; (૪) પ્રત્યાખ્યાન સળધી હકીકત, વાલો નવમો પૂર્વ-શાસ્ત્ર. પ્રત્યાખ્યાન વિષયક વર્ણન વાલા નવા પૂર્વ-શાસ્ત્ર the 9th Pūrva (scripture) dealing with renouncement. સમં ૧૪; —અપચ્ચક્ષાણિ ત્રિં (-અપ્રત્યાખ્યાનિન્) દેશવિરતિ શ્રાવક; જેને અમુક વસ્તુનું પ્રત્યાખ્યાન-નિયમ છે અને અમુક નિયમ નથી તે; કષ્ટક નિવૃત્તિ અને કષ્ટક અનિવૃત્તિ જેને છે તે. દેશ વિરતિ શ્રાવક, વહ જિસે અમુક વસ્તુ કા પ્રત્યાખ્યાન નિયમ હૈ ઔર અમુક કા નહીં, વહ જિસે કહીં નિવૃત્તિ ઔર કહીં અનિવૃત્તિ હૈ.

a layman with partial vows; one who has abandoned a particular thing; one who is partially free. भग० ६, ४; —कुशल. त्रि० (—कुशल) पञ्चखाणुं करवाभां कुशल. प्रत्याख्यान-पञ्चखाण करने में कुशल-दत्त. adept in renouncing or abandoning. प्रव० १३४२;

पञ्चखाणकिरिया. स्त्री० (प्रत्याख्यानक्रिया)

सूयगडाग सूत्रना भीन श्रुतस्कर्धना यथा अध्ययननुं नाम डे जेभां संयतिपणुं—विरतिपणुं अने कर्मांना पञ्चखाणुं देवी रीते प्राप्त थाय छे ते विषे शिष्य शुद्धो संवाद छे. सूयगडाग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कर्ध के चौथे अध्ययन का नाम जिसमें संयति-विरतिपन तथा पापकर्म के प्रत्याख्यान कर्योकर प्राप्त होते हैं इस विषय में गुरु शिष्य का सवाद है. Name of the 4th chapter of the 2nd Śrutaskandha of Sūyagadāṅga Sūtra which contains a conversation between a preceptor and a disciple on the cause of the occurrence of self-restraint, freedom, and abandoning of sins. सूय० २४, ११, सम० २३;

पञ्चखाणग न० (प्रत्याख्यानक) पाण० कनी रक्षा भाटे राभवामा आवती पाधा. बालक के रक्षणार्थ रखी जाने वाली बाधा. A privilege or option for the protection of a child. राय० २८८;

पञ्चखाणपवाय. पुं० (प्रत्याख्यान-प्रवाद) प्रत्याख्यानना अधिकारवाले १४ पूर्वमानो नवमे पूर्व प्रत्याख्यान के अधिकार में युक्त १४ पूर्वों में से नवा पूर्व. The 9th Pūrva of the 14 which

deals with the topic of Pratyākhyāna, नंदी० ५६;

पञ्चखाणावरण. न० (प्रत्याख्यानवरण) जे असर पधारेमां पधारे आर भदिता सुधी रहें छे अने जे सर्व विरतिपणुं प्राप्त थाय देनहि ते कपाय; कपायना आर प्रक्षारमानो ज्ञाने प्रक्षार. वह कपाय जिसका प्रभाव अधिक से अधिक ४ मास तक रहता है और जो सर्व विरति प्राप्त नहीं होने देता, चार प्रकार के कपायों में से तीसरा. The 3rd of the 4 passions whose influence lasts with a force for four months and allows not to adopt the full vows. विशे० १२३६; डा० ४, १; पञ्च० १४;

पञ्चखाणि. त्रि० (प्रत्याख्यानेन) त्यागी; पञ्चखाणुं करनार. त्यागी; पञ्चखाण करने वाला. One who renounces or abandons. भग० ६, ४; ७, २; पि० नि० भा० २२;

पञ्चखाणी. स्त्री० (प्रत्याख्यानी) याचकने ना न कहेनारी भाषा. याचक को मना-निषेव-नहीं कहने वाली भाषा. A speech of not negating the request of a mendicant. पञ्च० ११; भग० १०, ३; प्रव० ६०१;

पञ्चखाय. न० (प्रत्याख्यात) नियम लीधेलुं; प्रतिज्ञा करेली; त्याग करेलु प्रतिज्ञा किया हुआ; नियम बढ़; त्याग किया हुआ. One who has taken a vow of abandonment. दस० ४; भग० ७, १६; १७, २; नाया० १; १२; १३; पञ्च० ११; भक्त० ५१;

पञ्चखिल. पुं० (प्रत्यक्षिन्) प्रत्यक्ष डेवल ज्ञानने धरनार; डेवली. प्रत्यक्ष केवल ज्ञान को धारण करने वाला, केवली. One who

possesses omniscience. प्रव० ८६३;

पञ्चचिह्नम्. पुं० (पश्चिम) पश्चिम दिशा पश्चिम दिशा The western direction. भग० ६, ५; —उत्तरा स्त्री० (—उत्तरा— पश्चिमस्या उत्तरस्या अन्तरात्वे मध्ये या दिक् सा) वापव्य भुजो. पश्चिम अने उत्तरनी पश्चिमेनी दिशा—भुजो. वापव्य कोण; पश्चिम तथा उत्तर के बीच की विदिशा कोण north-west direction. भग० १०, १; —दिशा. स्त्री० (—दिशा) पश्चिम (आथम्ये) दिशा पश्चिम दिशा; सूर्य के अस्त होने की दिशा. the west. निर० ३, ३,

पञ्चचिह्नमा स्त्री० (पश्चिमा) पश्चिम दिशा. पश्चिम दिशा. The west. भग० ३, ७; ५, १, ४, ६, ३३; १०, १; १२, ६;

पञ्चचिह्नमिह्न. न० (पश्चात्य) पश्चिम दिशा सं० धी; पश्चिमनु पश्चिम दिशा के सम्बन्ध का पश्चिमी, पश्चात्य. Western; occidental भग० १६, ८; ३४, १;

पञ्चचिह्नवमाण व० कृ० त्रि० (प्रत्यनुभवत्) अनुभव-भोगवत् ३२तु. अनुभव प्राप्त करता हुआ; भोगता हुआ. Experiencing. ज० प० १, ६, उवा० १. ६; श्रव० ठा० २, ३. भग० ३; १; ७, ८; ६, ३३, १२, ६, १५, १; १९, ३, नाया० १, २; ३; १२; १७; निर० १, १; दसा० ६, १; पञ० २; राय० २४७;

पञ्चवर्थाभिमुख. त्रि० (पश्चात्याभिमुख) पश्चिम दिशानी सम्मुख. पश्चिम दिशा के सामने. In front of the western direction. भग० ११, १०;

पञ्चवर्थाभिमुख. पुं० (प्रत्यर्थिक-प्रत्यर्थयने वैरायिति) प्रतिपक्षी; दुश्मन. प्रतिपक्षी; विपक्षी. शत्रु; विरोधी An enemy of the opposite party पिं० निं०

४४७;

पञ्चवर्थाभिमुख. पुं० (पश्चिम) पश्चिम विभाग. पश्चिम विभाग. Western region. उवा० १, ७४; ८, २५३; नाया० ८; १९; जीवा० ३, १, वेय० १, ४९; जं० प० ५, ११४, ३, ४८; ४, १०४; पञ० ३;

पञ्चवर्थाभिमुख. स्त्री० (पश्चिमा) पश्चिम दिशा. पश्चिम दिशा. The west. आया० १, १, १, २;

पञ्चवर्थाभिमुख. त्रि० (पश्चिमात्य) पश्चिम दिशा तरङ्गनुं; पश्चिमनुं. पश्चिमीय; पश्चिमात्य, पश्चिम ओर का. Western; occidental. पञ० १६; भग० ३४, १; नाया० ६; जं० प० —वणसंड. पुं० (—वनखण्ड) पश्चिमदिशानु पन. पश्चिम दिशा का वन, पश्चिमी वन. western forest. नाया० १३;

पञ्चवर्थाभिमुख. त्रि० (प्रत्यास्तृत) पि० वेष्टु, विद्याया हुआ; Spread. (२) ढाकेलुं. ढंका हुआ. covered. नाया० १;

पञ्चवर्थाभिमुख. न० (प्रत्यर्पण) समर्पण; पाछु सोपी देवु ते समर्पण; वापिस लौटाना. Giving back; returning; (२) निवेदन ३२वुं-अथापवुं ते. निवेदन. informing; making known. विशेष ३०४६, ३५७१;

पञ्चवर्थाभिमुख. व० कृ० त्रि० (पच्यमान) विपाक; पाकवानी-अवस्थाने प्राप्त थतुं. विपाक, पकनेव ला, परिपक्व अवस्था को प्राप्त होता हुआ. Ripening; maturing उत्त० ६, ६; ३२, २०;

पञ्चवर्थाभिमुख. पुं० (प्रत्यय) विश्वास; भरोसा. विश्वास भरोसा; प्रतीति. Confidence; trust. उत्त० २३, ३२; परह० १, २; भग० १, ६; क० प० ४, ४३; (२) हेतु. कारण; निमित्त हेतु; कारण; निमित्त;

प्रयोजन cause; reason; occasion.
पि० नि० १७३; भग० २, ३; ३, ३;
उत्त० ३२, १०५; (३) विभक्ति वगेरेना
प्रत्यय. विभक्ति आदि के प्रत्यय. a ter-
mination; an affix. विशेष० २३;
—करण न० (—करण) विश्वास उपज-
वणे. विश्वास उत्पन्न करना creating
confidence. नाया० १४;

पञ्चवत्थारण. न० (प्रत्यवत्थान) शङ्कानुं
समाधान करयुं ते. शंका समाधान; शंका
समाधान करने का कार्य. Clearing of a
doubt. विशेष० १००१७.

पञ्चवाय. पुं० (प्रत्यवाय) दोष; गेर लाभ.
दोष, अनुचित लाभ. A blemish; a
fault; improper benefit. आया०
२, १, ३, १५, पंचा० ७, ३६; (२) विघ्नः
अ-१२१५. विघ्नः रुकावट, अन्तराय ob-
struction; hinderence पचा० ३,
४३; उत्त० १०३; पि० नि० ५०७,

पञ्चवाय पु० (प्रत्युपाय) उपाय, धलाय.
उपाय; इलाज, तदवीर Remedy;
means, कप्य० १, ०६.

पञ्चवेकलमाण. व० कृ० त्रि० (प्रत्यवेकमाण)
पाछु नेतु; अपेक्षा राखतु. पीछे का ओर
देखता हुआ; अपेक्षा रखता हुआ Look
ing back; expecting भग० ११, ६;

पञ्चा अ० (प्रत्य) मरीने; परलवभा.
परलोक में, परतः मृत्यु के अनन्तर Having
died; after death. दसा० ६, ३२;

पञ्चा. छी० (प्रत्या) लोकपाल तथा अन्द्र-
सूर्यनी पाछु परिपदा— भा लोकपाल तथा
चन्द्र सूर्य की बाह्य परिपद्-सभा The ex-
ternal assembly of Lokapāla
and the sun and moon. अ० ३, २;

पञ्चाइकलमाण. व० कृ० त्रि० (प्रत्याचक-
माण) जवाप्य आपतुं; उत्तर आपतुं. उत्तर

देता हुआ; जवाब देता हुआ Replying;
answering. भग० ८, ४;

पञ्चाउट्टणया. न० (प्रत्यावर्तन) पाछु इरयुं;
आवर्तन इरयुं. पीछे जाटना; आवर्तन-
पुनरावर्तन करना. Returning; revis-
ing नदी० ३२;

पञ्चागई. छी० (प्रत्यागति) गोचरीनी नव-
वीथीमांती पीछु वीथि; जतां ओक पंडितभा
लिखा अर्थ वसतां धरोनी पीछु पंडितभा
लिखा एवे ते. गोचरी की नवी वीथियों में से
दूसरी वीथि. जाते हुए एक पंक्ति-पट्टी में भिन्ना
ग्रहण कर लांघत समय वरों की दूसरी पंक्ति
में भिन्ना ग्रहण करना The 2nd Vithi
of the 9 of Gochari; accepting
alms from another street while
returning, the one previously
passed through. प्रव० ७५२;

पञ्चागय. त्रि० (प्रत्यागत) पाछु आवेयुं
लांटा हुआ; पीछा आया हुआ. Come
back; returned सु० च० १, २६०;

पञ्चाजाय. त्रि० (प्रत्याजात) उत्पन्नथयेल;
जन्मेल उत्पन्न; जन्मा हुआ Born; pro-
duced. भग० ७, ०;

*पञ्चापिच्छिअ. न० (*) पदवण
नामना घासने कुटीने जनावेयुं रत्नेइरथ
पल्लव नामक घास को कूटकर बनाया हुआ
रजोहरण. A Rajoharapa (a sort
of brush) made from pounding
grass called Palvaja. अ० ५, ३;

पञ्चामित्र पुं० (प्रत्यमित्र) पड़ोशने
दुश्मन; सीमाशने प्रतिपक्षी. पड़ोस का
दुश्मन; सीमाप्रांत का प्रतिपक्षी; पार्श्व-शत्रु.
A neighbouring enemy; an
enemy on the border land. ओव०
(२) प्रथम मित्र अर्थ पछी दुश्मन थयेल होय
ते. पहिले मित्र रहकर फिर दुश्मन बना

हुआ a friend turned into an enemy. ज० प० नाया० २, जीवा० ३, ३;
पञ्चामित्ता स्त्री० (प्रत्यमित्रता) दुश्मन-
पक्ष. शत्रुता; दुश्मनाई Enmity, hos-
tility. भग० १२, ७;

पञ्चायग त्रि० (प्रत्यायक) ज्ञापना-
वतलाने वाला; ज्ञान कराने वाला. (One)
who shows or makes known.
विश० १७१.

पञ्चायाग्र-य. त्रि० (प्रत्याजात) जन्म-
प्राप्त, अवतरित जन्मप्राप्त; अवतरित;
उद्भूत Born; descended; produ-
ced (२) पुनर्जन्म. पुनर्जन्म re-
birth ज० प० भग० ७, ३, ११, ११,
१५, १; नाया० १, ८, १६, १६.

पञ्चावट पुं० (प्रत्यावर्त) आवर्तन-
साधने आवर्तन, यक्ष-रक्षामे यक्ष. आवर्तन के
सन्मुख आवर्तन, प्रत्यावर्तन; प्रतिचक्र-एक
चक्र के सम्मुख दूसरा चक्र An Āvar-
tana in front of another
Āvartana (a form of saluta-
tion), a circle in front of
another ज० प०

पञ्चावट पुं० (प्रत्यावर्त) लुब्धो " पञ्चा-
वट " शब्द. देखो " पञ्चावट " शब्द
Vide " पञ्चावट " राय० ४९; जीवा० ३,

पञ्चासन्न. न० (प्रत्यासन्न) समीपता;
निकटता; आसन्न Vicinity,
nearness विशेष० २६२;

पञ्चासि त्रि० (प्रत्याशिन्) पीछे बार
आना. दूसरी बार खाने वाला (One)
who eats a second time. आया०
१, १, ५, ६४,

पञ्चुत्तर. पुं० (प्रत्युत्तर) उत्तर, जवाब.
A reply, answer.
सु० च० १, २७६;

पञ्चुत्थय. त्रि० (प्रत्यवस्तृत) धरती ढाँके-
लेखने से ढका हुआ; बिछाया हुआ.
Covered by a cloth. strewn.
भग० ११, ११; नाया० १७.

पञ्चुत्थुय. त्रि० (प्रत्यावस्तृत) लुब्धो
उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide
above. जीवा० ३, ४,

पञ्चुत्पण त्रि० (प्रत्युत्पन्न) वर्तमान
काल; आलता समय; वर्तमानकालिक,
प्रचलितकाल का Current, of
modern times. अणुजो० ४२, उक्त०
७, ८, नाया० ८; भग० २, १; दस० ७,
८; कण्ठ० २, २०; जं० प० ५, ११५; ११२,
(२) ऋजुसूत्र नामको नय ऋजुसूत्र
नामक नय, an ethical work named
Riju Sūtra. विश० ३१६१;

पञ्चुरस. न० (प्रत्युरस) छाति-
सन्मुख. वक्षस्थल-छाति के सन्मुख-सामने.
In front of the chest, in front
वि० नि० २१३;

पञ्चूस न० (प्रत्यूप) प्रातःकाल; परोढी-
प्रातःकाल, सवेरा, भोर Dawn; morn-
ing. भग० ११, ११; नाया० १; ठा० ४, २;
सु० च० ७, ८७; जीवा० ३, ४, —काल-
समय पुं० (-काल-समय) प्रभात-
अवसर प्रभात समय, सबेरे का अवसर
morning time. कण्ठ० ४, ५७,

पञ्चोश्च (य) ड न० (प्रत्यवस्तृत) नदी-
का पास की भेरी. नदी तीर के समीप की
जमीन. The earth near the bank
of a river. जीवा० ३, ४; जं० प० राय०
१३३, (२) ढाँके ढका हुआ. covered
राय० १२०;

पञ्चोणियत्त. त्रि० (प्रत्यवनिवृत्त) उथे
ऊँचे पाछे नीचे पड़ने का चटकर फिर नीचे
गिरना हुआ Falling below after

ascending a height. श्रौव० २१;

पञ्चोणि. न० (*) सम्भुज आगमन;
सांभुजुं ३२३ ते. स्वागत करना; अगवानी
के लिए सामने जाना. Welcoming;
coming out to greet. सु० च० १०६,
१८५; पि० नि० भा० ४२;

पञ्चदश. पुं० (प्रच्छद) पछेरी; ओछा।
पछेवड; डंकने का वस्त्र A covering
garment. परह० २ ४;

पञ्चदश. स्त्री० (प्रच्छन्) थोड़ी थोड़ी आभरी
ताछती-भेदवी ते. थोड़ा थोड़ा चमड़ा काट
कर छेदन करना. Piercing after
cutting the skin little by little.
'तच्छन्नाहि य पच्छन्नाहि य मिरावेदेहि य'
नाया० १३, परह० २, ४;

पञ्चदश. त्रि० (प्रच्छन्न) गुप्त; छिपा हुआ;
छिपा हुआ; प्रच्छन्न Hidden; secret.
नाया० ४; भग० १५, १; विवा० १;—पडि-
सोवे. त्रि० (-प्रतिमन्त्रिन्) छानी रीते
पापदमन मेयनार. गुप्त रानिमे पापकर्म करने
वाला. a secret sinner ठा० ४, १;

पञ्चदश. त्रि० (पश्चादर्थ-उत्तरार्ध) उत्तरार्ध;
पश्चात्तार्ध अर्धभाग. उत्तरार्ध; पीछेका आधा
भाग-खंड The latter half. विशेष०
१०६८;

पञ्चदश. त्रि० (प्रच्छन्न) गुप्त; नजर न देणाय
मेयु. गुप्त; आँखों से ओझल; अदृष्ट
Hidden; invisible. आव० ६, २;
आया० १, ६, १, १७२ सम० ३४; सूय०
१, १४, २६; सु० च० ४, १६७;—काल.
पुं० (-काल) प्रच्छन्न काल; बादल पगेरेथी
दंकायेल दिवस प्रच्छन्न काल; बादल आदि
से घिरा हुआ दिन. a cloudy day.
आव० ६, २;

पञ्चदश. पुं० (प्रच्छद) छुआ " पच्छद "
शब्द देखो " पच्छद " शब्द Vide.

" पच्छद " श्रौव० ३०; परह० २, ५;
पच्छा. श्र० (पश्चात्) पछी; पीछे। फिर;
पीछेमे. After; later. ठा० ३, १. सम०
८; श्रुणुजो० १६; सूय० १, १, ३, १२;
उत्त० २, ४१; १०, ३३; श्रौव० ४२; भग०
१, ६; २, १; ३, १३; ४, ६; १७, ६; १९,
३; नाया० १; ५; ६; ८; १२; १८; दग०
४, २८; ५. १, ६१; ६, २, १; पि० नि०
भा० ३३; पि० नि० १८७; विशेष० निर० ३,
३; ८; पञ० १७; राय० ७७; दसा० ३,
११; विवा० १. वष० १, १६; २, २५; वेय०
५, ६; गच्छा० १३; कण्व० ६, ३३; मत्त०
४६; क० प० २, ६६; ४, ४१; पंचा० ५,
३८; उवा० ७, १६७; प्रव० १३२;—अणु-
ताव. पुं० (-अनुताप) पश्तावे; पश्चा-
त्ताप, पश्चात्ताप; पश्चतावा; अनुताप. repen-
tance; penitence उत्त० २६, ६,
राय० २७३;—आउत्त. त्रि० (-आयुक्त)
साधु छोड़या आया पछी यूझा उपरथी
छेड़ो छितारेव छेय ते साधु के भिक्षा मागने
के आने के बाद चूल्हे पर से नीचे उतारा
हुआ (कुछभी पदार्थ) anything
taken down from an oven
after the arrival of an ascetic
to beg food. दसा० ६, २; वष०
६, ४; पंचा० १०, ३७;—उवचन्तग.
त्रि० (-उपपन्नक) पीछेमे उत्पन्न
थयेव पीछे मे उत्पन्न; बाद में जन्म लेने
वाला born or produced after.
भग० १, २;—कड. त्रि० (-कृत) निरा-
करण करेले; निराकरण-खुलासा किया हुआ
explained or set aside. परह० १,
२; (०) साधुने वेप छितारी गृहस्थ अन्धो
छेय ते. साधुका वेप त्यागकर गृहस्थ बना
हुआ. (one) who has become a
householder after removing

the garb of an ascetic. पि० नि०
८१; वच० १, ३७; (३) पसार थयेल.
अतीत थयेल. चाँत चुका हुआ. past.
भग० १, २; ५, १, सू० प० १०;
—कर्म. न० (-कर्मन्) साधु साध्वीने
आहार छोडारानी ते निमित्ते सयेत पाणीथी
वासलु वगेरे थेवे ते पश्चात्कर्म दोष,
आहार संपंधी ऐक दोष. साधु साध्वी को
आहार-व्होरा कर तदर्थ सचेत जल से वर्तन
वगेरह धोने के कारण लगने वाला पश्चात्कर्म
दोष; आहार सम्बन्धी एक दोष. &
sin due to washing of utensils
etc. with water full of living
beings; having given food to
a monk or a nun; a fault con-
nected with food आया० ४, ५;
दस० ५, १, ३५; ६, ५२; परह० २, ५;
—गय. त्रि० (-पश्चाद्गत) पाठण
गयेलुं. पीछे गया हुआ; फिरा हुआ: लौटा
हुआ gone afterwards, returned.
नाया० २; —गुपुर्वी. स्त्री० (-अनुपूर्वी)
पाठलथी-छेलेथी अनुक्रम गल्ले ते.
पीछे या अन्तिम भाग से क्रम पूर्वक गिनना.
counting consecutively from
below. क० गं० ४, ४६; —वाय पुं०
(-वात) पश्चिमतो अनुकूल वायु. पश्चिम
दिशा की अनुकूल वायु. a favourable
western wind. “ जयाणं सासुहगा
ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महा-
नाया ” नाया० ११; —संथव पुं०
(-सस्तव) पाठणथी परिचित थयेल.
गुणोते संस्तवन-कीर्तन-करुं ते पीछे
से परिचित के गुणों का कीर्तन. prais-
ing the merits of people ac-
quainted afterwards प्र० ५७५,
निंसी० २, ३८; —संथुय. त्रि० (-संस्तुत)

पाठलथी परिचित थयेल; स्त्री, सासु, ससरा
वगेरे पीछे से-बाद में पहिचाने हुए, स्त्री,
साम, ससुर आदि. acquainted after-
wards ०. g. a wife, a mother
or father-in-law. आया० २, १, १०,
५६; भग० १७, ६; निंसी० २, ३४;
पच्छादय. त्रि० (प्रच्छादित) ढाँकेलुं. ढंका
हुआ Covered सु० च० १, ४६,
पच्छाग. पु० (प्रच्छादक-प्रच्छाद्यतेऽनेनेति)
पछेडी-अदन उपर ओढवानु वस्त्र, साधुना
थोढ उपर ओढवानु ऐक. पछेवड; शरीर
पर ओढने का वस्त्र; साधु क चौदह उपक-
रणों में से एक. An upper covering
garment, one of the fourteen
possessions of an ascetic. प्र०
४६६; ओष० नि० ६६६;
पच्छाग. त्रि० (पश्चात्क) पाठलुं. पिछला.
Last ओष० नि० ७२५,
पच्छाताव पु० (पश्चात्ताप) पठतावा.
पश्चात्ताप पश्चात्ताप Remorse; re-
pentance पचा० ११; ४८;
पच्छादण. न० (प्रच्छादन) ढाँकलुं ते.
प्रच्छादन, ढाँकना Covering up भग०
१५, १;
पच्छापुर. अ० (पश्चात्पुरस्) आगण पाठण.
आगं पीछे To and fro; back-
wards and forward. सु० च० २, २०;
पच्छायण. न० (प्रच्छादन) छत उपरनु ऐक
आच्छादननुं प३. छत को ढाकने का एक
वस्त्र; छत. A cloth to cover an
open roof. प्र० ५४५; राय० १०८;
पच्छायणा-णी. (प्रच्छादना-नी) आफर;
पछेडी. चादर; पछेवड. An upper
garment, a covering cloth. भग०
१४, २; ओष० नि० भा० ३१६;
पच्छाययित्ता. सं० क० अ० (प्रच्छाद्य)

दांझीने; छुपावने. छंक्र कर; छिपा कर.

Having covered or concealed.

उत्त० १२, ८,

पच्छायाच. पुं० (पश्चात्ताप) पश्चात्ताप;

पश्तापो. पश्चात्ताप; पद्यतावा Penitence;

remorse. सु० च० १२, ६६; मत्त० १६;

पच्छाचि. श्र० (पश्चादपि) पश्चात्पण्यु; पाछणयी

पण्यु फिर से भा; पाछु से गी. Even

later or afterwards. भग० ३, २०

पच्छिउत्त. न० (प्रायश्चित्त) गेथी पापनो

नाश थाय तेयुं तप. वह तप जिससे पाप

प्रक्षालन हो. An expiatory auster-

ity श्रौ० नि० भा० १७४; प्रव०

७५९; गच्छा० ३७; ७४, पंचा० १६, ३१;

—करण न० (—करण) इरेडा देपने धोपा-

माटे सुद्ध इरु ते. प्रायश्चित्त लेयु ते किये

हुए दोष को मिटाने के लिये पुण्य कर्मों का

काना; प्रायश्चित्त ग्रहण करना expiation

to wipe away the sins com-

mitted. मम० ३२;

पच्छिम. त्रि० (पश्चिम) पाछलुं; पाछलनु.

पिछला; वाटका. Latter, last अणुजो०

४६; भग० १, ३; ७, १; २४, २२; २३;

निमी० १२, ३६; १०, ६; प्रव० ६५४;

कप्प० ६, १७४; क० प० ५, ३२; उवा०

२, ११०; —काल. पु० (—काल) पाछलो

वपत; संक्षेपणानो समय, अन्तकाल

पिछला समय; संलक्षणा का समय, अंत-

काल. the last or ending time,

last time of conferring sins.

श्रौ० नि० ५१८; —जाम पु०

(—जाम) छेडो. पटेड. पाछलो पट्टार

अन्तिम प्रहर; पिछला प्रहर. the last

quarter of a day or night

टा० ३, २; —संलेहणा. स्त्री० (—संले-

खना) छेडो वपतनी संक्षेपना; अंतवपते

उपायादि टाणवा ते. अन्तिम समय की संले-

खना; अन्तिम समय में कपायादि का दूरी

—करण. abandoning or setting

aside of passions etc. at the

last time. आउ० ६;

पच्छिमश्रा. श्र० (पश्चिमतम्) पाछल;

पाछलयी, पाछे में; पीछे, वाट में. After-

wards; later प्रव० ७५;

पच्छिमग. त्रि० (पश्चिमक) जुओ 'पच्छिम'

शब्द देखा "पच्छिम" शब्द Vide

"पच्छिम" पद०; १७, भग० ९, ३२;

२०, ८; २४, १२;

पच्छिया. स्त्री० (*) बांसनी छाली;

अगेरी. बांसकी छबटा. A bamboo

basket. अन० ६, ३;

पच्छिलय त्रि० (पश्चाम्य) पाछलनुं पश्चिम

अंर का; पाछे का Latter; occiden-

tal भग० १३, ६; २०, १०; २४, १२, २०;

✓ प-च्छेाल. भा० II. (प्र + चाल्) अपेटा

मारवा; धातुं चपेटे लगाना, धाना To

slap, to wash.

पच्छोलेह. भग० ३, २,

पच्छोलन्ति जं० प० ५, १२१;

पच्छोलेहता. सं० कृ० भग० ३, २;

पच्छालंत. व० कृ० निसी० १, ७;

पञ्चपापण व० कृ० त्रि० (प्रजल्पत्) ओ-

लनुं; पापजाल इरुं. बकबक करता हुआ;

बड़बड़ाता हुआ; जलपना हुआ. Mur-

muring; grumbling; prattling.

राय० २८८,

पञ्चपापण. न० (प्रजल्पकारण) यावत् ओलता

शीमे ते वपते संस्कार इरवाभां आवे ते.

बालक के बोलना सीखने के समय किया जाने

वाला संस्कार. A ceremony per-

formed at the time when a

child learns to speak. भग० ११, ११;

पञ्चपिय. न० (प्रजद्विपत) गोधनु ते, लापण. भाषण, बोलना, कथन. Anything spoken; speech श्रुत० ३, ८; पञ्जरण. त्रि० (प्रजन-प्रजायते इति) उत्पन्न करने वाला. Producer; creator "अद्वैतपञ्जरण" राय० २०७;

पञ्जरण. न० (प्रजनन-प्रजायतेऽनेन इति) पुं३ यि-ङ; जननेन्द्रिय पुरुष चिह्न; जननेन्द्रिय. The male genital organ; penis, urethra. श्रौ० नि० ७२२;

✓प-जहा. धा० I (प्र+हा) तञ्जु; छोड़ना त्यागना, छोड़ना; तजना. To abandon, to release.

पयहिज्ज. णि० म्य० १, २, २, ११;

पयहिज्ज. सं० कृ० अणुजो० १३०;

पयहिय सं० कृ० गच्छा० २४,

पयहाण कृ० वा० उत्त० ३२, १०५;

✓प-जा धा० I (प्र+जन्) प्रसूति धवी; जन्म. प्रसूति होना; पैदा होना. To deliver; to give birth to.

पयामि. विवा० ७;

पयाहिति. श्रौ० ४० भग० १५, १;

पयाहिमि. भग० ११, ११; नाया० १;

पयायामि कृ० व० नाया० २, १४;

पयाएज्जासि कृ० वा० आ० नाया० २;

✓प्रजा धा० I (प्र+जन्+जा) प्रसवधु; प्रसव होना, जन्म लेना. To be born; to be delivered.

पजामि. विवा० ७;

पजाएस्सामि विवा० ६;

पजीवण न० (प्रजीवन) प्रकृष्ट अर्थिका; सारी रीते अवन-निर्वाह-थाप देहलु द्रव्य. प्रकृष्ट जीविका; उत्तमतया जीवन निर्वाह के लिये पर्याप्त द्रव्य A good livelihood,

Vol. III/51.

sufficient materials for the upkeep of the body. पि० नि० ४७८, पञ्जुत. पुं० (प्रयुत) ८४ लाख प्रयुतांग परिमित क्षण. ८४ लाख प्रयुतांग परिमित काल. A period of time equal to 84 lacs of Prayutāṅgas. जं० प०

पञ्जुतंग. पुं० (प्रयुताङ्ग) ८४ लाख प्रयुतांग परिमित क्षण ८४ लाख प्रयुतांग परिमित काल A period of time equal to 84 lacs of Ayutāṅgas. जं० प०

पञ्ज. न० (पद्य) पद्य; पृत्त; छंदोपम पद्य. पद्य, वृत्त, छंद; छंदोपम पद्य. Metre; verse. जीवा० ३, ४; ठा० ४, ४; राय० १३१;

पञ्ज. न० (पाद्य) पद्य धोवानु पाणी. पैर धोने का पानी, पाद्य. The water to wash feet. नाया० १६;

पञ्जश्र पुं० (पर्याय) सर्वतः लाभ-प्राप्ति. सर्वतः लाभ, सब ओर से प्राप्ति. Income or profit from all sources विशेष० ८३, (२) परिपाटी, सभ्य-प्रस्ताव. परिपाटी; पद्धति; समय-प्रस्ताव custom; resolution उत्त० ३५, १६;

पञ्जंत. पुं० (पर्यन्त) अन्त-छेद. अन्त; छोर, आखिर, अवसान. Extremity; end; border. भग० ६, ३३; विशेष० ३८७; प्रव० ७९, ६१२, पचा० १५, ३०;

पञ्जंतश्र त्रि० (पर्यन्तक) छेदनु, छेदुं. अन्तिम; आखिर का. Last; ending विशेष० १३;

पञ्जग. पुं० (प्रार्थक) पितामहने पिता, परदादा. प्रपितामह; परदादा. A great-grand-father. नाया० ८;

पञ्जरण पुं० (पर्जन्य) परसाध वर्षा; वर्षा. Rain. भग० १४, २;

पञ्जत्त. पुं० (पर्याप्त) जेणे आहार आदि पर्याप्ति आंधीने पूरी करीछे तेवे शुव. जीव विशेष जिसने आहारादि पर्याप्ति बांधकर पूर्ण की है. The soul which has fully developed the food characteristics in the womb. उक्त० ३६, ३०; श्रौव० ४१; ४३, विशेष० ४१०; पञ्ज० १; श्रौघ० नि० भा० ५४. नंदी० १७, क० गं० १, २६; ४९; क० प० १, ६४; प्रव० १२६५; (२) संपूर्ण; पूरं सम्पूर्ण; समाप्त; पूर्ण. complete, finish; sufficient भग० १, ७; ५, ४; ६, ३; १५, १; २४, २०; ३३, १; पि० नि० १२८, सु० च० ८, ५१. पराह० २, १; प्रव० ११८८; १५७८; उवा० १, ७६; (३) पञ्चगुणा सूत्रनां त्रीणां पदानां सत्तरमाक्षरपुं नाम पञ्चवर्णा सूत्र के तीसरे पद के सत्रहवें द्वार का नाम. name of the 17th Drāra of the 3rd Pada of Pannavanā Sūtra पञ्ज० ३; —अमण. त्रि० (—अमनस्क) पर्याप्ति-असंज्ञी; जेणे पर्याप्ति आंधी पूरी करीछे पल्य जेने मन नहीं ते. पर्याप्ति-असंज्ञी; वह जिसने पर्याप्ति बांधकर पूरी की है परन्तु जो अमनस्क-मनहीन है. an irrational soul which has developed all the characteristics except mind. क० गं० ६, ३६; —जहन्न. त्रि० (—जघन्य) पञ्जत्त-पर्याप्ति सूक्ष्मनिगोदनुं जघन्य-पदानामां नानुं योग स्थान. पञ्जत्त-पर्याप्त-सूक्ष्मनिगोद का जघन्य-छोटे से छोटा योग स्थान, the least degree of vibratory thought-activity of Sūkṣma Nigoda क० प० १, १२; —देव. पुं० (—देव) देवताने पर्याप्ति; पर्याप्ति आंधी पूरी करेव देवता देवता का पर्याप्ति; पर्याप्ति बांध पूर्ण किया हुआ देवता.

a god who has fully developed the characteristics which he is going to assume in an incarnation. क० प० ४, ६१; —नाम. न० (—नामन्) पर्याप्ति नाम, नामकर्मनी भेद प्रकृति. पर्याप्ति नाम; नामकर्म की एक प्रकृति Paryāpti Nāma; a nature of Nāmakarma. सम० २८; —भाव. पुं० (—भाव) पूर्णताने भाव. पूर्णता का भाव; सम्पूर्णत्व. completion; sufficiency. भग० ३, १; —संखेज. त्रि० (—संखेज) संप्रधान रचना आयुष्यादेो पर्याप्ति शुव. संख्यात वर्णों का आयुवाला पर्याप्त जीव. a Paryāpta soul of numerable ṣṣṭṭ. भग० २४, १२;

पञ्जत्तश्च-य. पुं० (पर्याप्तक) जुओ 'पञ्जत' शब्द. देखो "पञ्जत" शब्द Vide "पञ्जत" भग० ६, ३; २४, १; ३४, १; सम० १४;

पञ्जत्तग. पुं० (पर्याप्तक) जुओ "पञ्जत" शब्द. देखो "पञ्जत" शब्द. Vide "पञ्जत" भग० ८, १; १९, ३, २५, १; ठा० २, १; पञ्ज० १. २३; दसा० ५, २३; अणुजो० १३४; कप्प० ५, १४१; —संज्ञि. त्रि० (—संज्ञिन्) पर्याप्ति संज्ञी; जेणे पर्याप्ति पूरी करीछे जेवे संज्ञी शुव. पर्याप्त संज्ञी, वह संज्ञी जीव जिसने पर्याप्ति पूर्ण की है. a rational soul which has acquired Paryāpti. क० गं० ६, ३८;

पञ्जत्ति. स्त्री० (पर्याप्ति) संपूर्णता; छ प्रक्षरनी पर्याप्ति. सम्पूर्णता; छः प्रकार की पर्याप्ति. Completion; Paryāpti of 6 kinds. भग० ६, ४; १८१; नाया० ६०; राय० १०१; क० गं० १, ४९; —भाव. पुं० (—भाव) जुओ "पञ्जतभाव" शब्द.

देखो “ पञ्चतभाव ” शब्द. vide “पञ्चत-
भाव ” भग० ३, १२; १६, ५, राय० १७१;
पञ्चतिया स्त्री० (पर्याप्तिका) जेनु स्वरूप
सारी रीते समझवाभां आवे ते भाषा. वह
भाषा जिसका रूप अच्छी तरह समझा जाता
है A language whose forms can
be well understood. पञ्च० ११,

पञ्चज. पुं० (पर्याय) लब्धि अपर्याप्ति-सूक्ष्म
निगोदश्रवने उत्पत्ति समये जे मतिश्रुत
अज्ञानने अंश होय तेने भीजे समय जे
वृद्धि थाय ते पर्यायश्रुत. लब्धि अपर्याप्ति-
सूक्ष्मनिगोदजीवका उत्पत्ति के समय उस
में मतिश्रुत अज्ञान का जो अंश हो उसके
दूसरे समय उसमें जो वृद्धि हो वह पर्याय
श्रुत The increase of a portion
of intellectual or scriptural
ignorance at the second time
which exists at the time of the
birth of a Labdhi Aparyāpti
Sūksma Nigoda soul. क० गं० १, ७;
—समास पु० (-समास) पर्यायश्रुतने
समुदाय पर्यायश्रुत का समुदाय an
aggregate of Paryāya Śrūta.
क० नं० १, ७;

पञ्चज. पु० (प्रायिक-प्र+आर्य+क) प्रपिता-
मह, आपने दादा प्रपितामह, पिताके दादा
Great-grand-father नाया० १;
भग० ६, ३३; दस० ७, १८, अत० ६, ३;
—आगय. त्रि० (-आगत) आप दादा-
आनी परपराथी आवेसु परम्परागत;
वाप दादाओं के समय से चला आया हुआ
ancestral; hereditary; नाया० १;

पञ्चजण. न० (पर्ययन) सर्वातः वस्तुपरि-
च्छेदरूप ज्ञान सर्वतः वस्तुपरिच्छेदरूप ज्ञान.
Knowledge in the form of a
full perception of an object.

विशे० ८३,

पञ्जरअ. पुं० (पर्जरक) पहेली नरकने
मेथी दक्षिण तरफने नरकावासो. मेरु से
दक्षिण ओर का पहिली नरक का नरकावास
A hellish abode of the 1st hell
towards the south of Meru.
ठा० ६, १;

✓ प-ज्जल. धा० I. (प्र+ज्वल्) जलपुं;
प्रकाशपु. जलना; प्रकाश करना To burn;
to shine

पज्जलइ. सुं० च० ४, २११;

पज्जलंत. व० कृ० सु० च० १, ३४४;

✓ पज्जल. धा० II. (प्र+ज्वल्) सलग-
पुं. सिद्धगाना; सुलगाना-जलाना To
kindle.

पज्जालेइ. प्रे० नाया० १८,

पज्जालेज्जा. वि० दस० ४;

पज्जालेइत्ता. सं० कृ० नाया० १८;

पज्जालिय. स० कृ० दस० ५, १; ६३;

पज्जालावेज्जा. कृ० वा० वि० दस० ४,

पज्जल. त्रि० (प्रज्वलत्) प्रकाशपुं;
सलगपु. प्रकाश करता हुआ; सिलगता
हुआ Burning. kindling. नाया० १;

पज्जलंत. व० कृ० त्रि० (प्रज्वलत्) दीपपुं;
जलपु. जलता हुआ; ऋग्मग करता
हुआ, दीप्यमान Burning, shining.
कण्ठ० ३, ३६, ३६;

पज्जलण. न० (प्रज्वलन) वधारे सलगपुं
खूब सुलगना; अधिक जोरसे जलना. Burn-
ing fiercely. उत्त० १८, १०;

पज्जालिय-अ. त्रि० (प्रज्वलित) सलगी
ठोले. सिलगा हुआ; जलता हुआ. En-
kindled. (१) जगृत थयेसु. जगा हुआ.
awakened. उत्त० २३, ५०; सु० च०
४, २१०; राय०-६६; गच्छा० ४६;

पञ्जव. पुं० (पर्यव) द्रव्य अने गुणनं ३ पा-
न्तर थलुं-ओक अयस्थाभायी पीछ अय-
स्थाभां ८८ थुं ते. द्रव्य आर गुणका रूपान्तर
होना; एक अवस्था से दूसरी अवस्था में
जाना Modification of qualities
and substances. उक्त० २८, ५; २९,
६, ३०, १४; सम० प० १६९; भग० १,
६६; २, १०; १६, ७; २५, ३५; राय०
१२२, जं० प० अणुजो० १४६; दमा० ५
३२३३; पञ० ३; (२) विशेषता; व्यक्तित्व.
विशेषता; व्यक्तित्व. individuality.
आया० १, ३, १. १०९; जं० प० २, २६;
(३) पर्याय, ओक वस्तुना भिन्न २ नामो;
ओकार्थ वायक भिन्न भिन्न शब्दो पर्याय, एक
वस्तु के भिन्न भिन्न नाम. एकार्थवाचा भिन्न
भिन्न शब्द synonymy. पि० नि० ६५;
नंदो० ४५; भग० १८, ४, अणुजो० ४२;
—कस्तर. न० (-अस्तर) सर्व आकाश
प्रदेशने अनंत गुणा करीओ ओटला ओक ओक
आकाश प्रदेशना अगुल्लधु पर्याय छे, ते
' पञ्जवकस्तर '. सर्व आकाश प्रदेश को
अनन्त गुणा करें इतने एक एक आकाश
प्रदेश के अगुल्लधु पर्याय हैं वे 'पञ्जवकस्तर'
there are as many not heavy-
light modifications of each unit
of space as are equal to an infi-
nite multiplication of all units
of space. नंदो० ४०. —जात्र त्रि०
(—जात) ज्ञान वगेरे पर्यायनी उत्पत्तिवाणुं.
ज्ञानादि पर्यायका उत्पत्तिवाला. having
the birth of modifications e g.
knowledge etc. ठा० १, १; —नय.
पुं० (—नय) पर्यायास्तिक (पर्यायने विषय कर-
नार) नय. पर्यायास्तिक नय a model
standpoint. विशेष ७५; —लीढ. त्रि०
(—लीढ) अवस्था-न्तर रूप पर्यायधी यवा-

ओल; पुरातनी; लुनुं थओलुं. अवस्थान्तर
रूप पर्याय मे च्युत; पुगतन; जीणं dila-
pidated or worn out by a trans-
forming modification प्रव० ८५७;
पञ्जवद्विष्ट. त्रि० (पर्यवस्थित) अवस्थाओ
पओयेलुं; ५१२ पओलुं. अवस्था प्राप्त; पार
पहुंचा हुआ. Reaching a limit.
पञ० १६;

पञ्जवण. न० (पर्यवण) सर्वथा वेदुं-
लाथुं ते. सर्वथा ज्ञान-सब प्रकार का ज्ञान.
Experiencing in all ways विशेष
८३;

पञ्जवसाण. न० (पर्यवसान) छेडा; अन्त.
पर्यवमान; अन्त; छोर. Extremity;
end. जं० प० ७, १३३; १३४; श्रव० ४०;
नाया० १; ८; भग० २, ५; ६, ८; ११, ९;
१७, ३ १८, १०; २४, १; जीवा० १; मू०
प० १; १०; श्रव० ४, ८, क० प० १, ४२;
कण्ठ० ७, २१०;

पञ्जवसिय. त्रि० (पर्यवमित) अन्तवाणुं;
छेडावाणुं. अन्तयुक्त; छारमहित Hav-
ing an end; limited भग० १३, ४;
१८, ४; (२) शेष रहैल; आडी वधैल.
शेष रहा हुआ; बाकी बचा हुआ residue;
remainder. भग० ४१, १;

पञ्जाय पुं० (पर्याय) अमान अर्थ जेम
धट कलश वगेरे समान अर्थ यथा घट, कलश
आदि. Synonyms e g. a pot, a
jar etc विशेष० २५, (२) अनुक्रम. अनुक्रम;
एक एक; सिलसिला. serial order.
विशे० २०५३; (३) वस्तुनी उत्तरोत्तर
अवस्था; रूपान्तर. वस्तु की उत्तरोत्तर
अवस्था; रूपान्तर modification of a
thing. प्रव० ६८७; विशेष० ५४; (४)
साधुपणुं, आवडपणुं वगेरे अवस्था,
साधुता, अवकता आदि अवस्था. condi-

tions e.g. asceticism, laity etc. प्रव० ७६१, —वायग. पु० (-वाचक) समान अर्थवाला शब्द समान अर्थवाला शब्द. a synonym विशेष० ७७; —वोच्छेद. पु० (-व्यवच्छेद) अनुक्रमे साधुपत्न्याना पर्यायानो विच्छेद कर्त्तव्यो ते, प्रायश्चित्तानो ऐक प्रकार. अनुक्रमसे साधुता के पर्याय का विच्छेद; प्रायश्चित्त का एक प्रकार. a form of expiation, serially the striking out of the modifications of asceticism प्रव० ७६१, पज्जिञ्जा. स्त्री० (प्रार्थिका) मापनी के मानी मोटी मा पिता या माता की दादी मा Grandmother of a father or mother दम० ७, १५,

पज्जिञ्जमाण. त्रि० (पायमान) पीवराव वामां आपतुं. पिलाया जानेवाला That which is given to drink. सूय० १, ५, १, २५.

पञ्जुज. पु० (प्रद्युम्न) कृष्ण वासुदेवनी इक्ष्मणी राशुतो पुत्र, के ने नेमनाथ प्रभु पासे दीक्षा लई पार अंगनो अभ्यास करी सोण वरसनी प्रव्रज्या पाली शत्रुंजय उपर ऐक मासतो संधारो करी परमपद पाया. कृष्णवासुदेवकी रुक्मिणी रानी का पुत्र जिसने नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर बारह अर्गों का अभ्यास किया और सोलह वर्षकी प्रव्रज्याका पालन कर, शत्रुंजय पर एक मास का सथारा कर के परमाद प्राप्त किया The son of the queen Rikmīnī wife of Kṛiṣṇa Vāsudeva He was consecrated by the Lord Nemi Nātha, studied the 12 Aṅgas, remained an ascetic for 16 years and attained salvation after selfstarvation for a month.

अंत० ४, ६; नाया० ५; १६; परह० १, ४; निर० ५, १; (२) अंतगड सूत्रना योथा वर्गना छडा अभ्यासना नाम. अंतगड सूत्रके चौथे वर्ग के छठे अभ्यास का नाम. name of the 6th chapter of the 4th class of Antagada Sūtra अंत० ४, ६; (३) प्रद्युम्न नामनो मेघ; के ने ऐक वर्षत वरसे तो तेनो ऐक हजार वरस सुधी त्रेड आये प्रद्युम्न नामक मेघ जिसके एक बार बरसने से एक सहस्र वर्ष पर्यंत उसका धारा बहती रहता है a cloud named Pradyumna which causes a current to flow for 1000 years if it rains once. ठा० ४, ४;

पञ्जुवाट्टिय-अ त्रि० (पर्युपस्थित) उद्यत थऐल; तैयार थऐल. उद्यत, तत्पर: तैयार बना हुआ Ready, prepared उत्त० ६, ६१;

पञ्जुवासण न० (पर्युपासन) सेवा; भक्ति. सेवा; भक्ति; उपासना. Service; devotion. पचा० १०, ३४,

पञ्जुवासणया. स्त्री० (पर्युपासना) सेवा भक्ति करपी ते सेवा भक्ति या उपासना कार्य. Service; devotion. भग० १४, ३; ओव० २०; २७;

पञ्जुवासणा स्त्री० (पर्युपासना) सेवा, भक्ति सेवा; भक्ति Service. devotion ओव० २०; भग० २, ५; ६, ३३; दमा० १०, १; पंचा० १, ३७;

पञ्जुवासणिज्ज. त्रि० (पर्युपासनोय) पर्युपासना-सेवा भक्ति कररा योग्य पर्युपासनोय; सेवा भक्ति करने योग्य. Fit to be served or adored ओव० नाया० २; १६; सू० प० १०;

पञ्जुवासणीअ. त्रि० (पर्युपासनीय) लुओ।
'पञ्जुवासणीज्ज' शब्द. देखो 'पञ्जुवा-
सणीज्ज' शब्द. Vide. 'पञ्जुवासणीज्ज'
जीवा० ३, ४;

पञ्जुसण. न० (पर्युपण) वर्षाकालमां साधुओ
ओक स्थाने निवास करवो ते. वर्षाकाल
में साधु का एक स्थान में निवसन-वास.
Residence in a place, of an
ascetic during the monsoon.
प्रव० ६५८; —कप्प. पुं० (-कल्प)
पर्युपणु कल्प; वर्षा कालमां साधुओ ओक
स्थानके निवास करवो, संवत्सरी प्रति-
क्रमणु करवु, लेय करवो, वस्त्रादिक छोडवां
नही वगेरे पर्युपण कल्प-आचार; वर्षा-
ऋतु में साधु को एक स्थान में रहना, सव-
त्सरी प्रतिक्रमण करना, लोच आदि करना
तथा वस्त्रादि भिक्षा में न लेना आदि कल्प.
Monsoon-rules i. e. prescribed
rules which one has to observe
during-the rainy season e. g.
an ascetic should remain in
one place, should observe
annual confession called Pra-
tikramana, should root out the
hair and should not beg for
clothes etc. प्रव० ६५८;

पञ्जुण पुं० (प्रद्युम्न) कृष्णनी राणी रुक्मणी-
नो पुत्र; लुओ। " पञ्जुज्ज " शब्द. कृष्ण
की रानी रुक्मिणी का पुत्र; देखो "पञ्जुज्ज"
शब्द. Vide "पञ्जुज्ज" The son of
the queen Rukmīṇī. अत० १, १;

पञ्जेमाण. व० कृ० त्रि० (पाययन्) पाणी
पातुं. पानी पिलाता हुआ. (One) giv-
ing water to drink. ज० ५०

पञ्जेतित्त. त्रि० (प्रद्योतित्त) प्रगट करेले.
प्रकट किया हुआ; दीपित. Revealed;

illuminated. सूय० २, १, २६;

पञ्जोय पुं० (प्रद्योत) उद्योत; प्रकाश. उजेलो;
प्रकाश. Light. सूय० १, ४, २, ५; राय०
२३; (२) छट्ठा तीर्थ करना १ ला गण-
धर छठे तीर्थकर के पहिले गणधर. the
1st Gaṇadhara of the 6th Tir-
thaṅkara. प्रव० ३०५; —गर. त्रि०
(-कर) प्रकाश करनार; तेज आपनार.
प्रकाशक; प्रकाश करने वाला; तेज प्रदान
करने वाला. one that shines, illu-
miner. सम० १;

पञ्जोसवण. न० (पर्युपण) पर्युपणु पय
भादरवा सुद पायमनो दिवस. पर्युपण पर्व;
भाद्रपद शुक्ला पचमी का दिन The
chief day of Paryuṣaṇa; the
5th date of the bright half of
Bhādrapada month निमी० २, ५०;

पञ्जोसवणा स्त्री० (पर्युपणा) लुओ। "पञ्जु-
सणकप्प " शब्द. देखो "पञ्जुसणकप्प"
शब्द. Vide "पञ्जुसणकप्प " कप्प० ६,
५७; प्रव० ६६४; —कप्प. पु० (-कल्प)
लुओ। " पञ्जुसणकप्प " शब्द. देखो
"पञ्जुसणकप्प" शब्द. vide. "पञ्जुसण-
कप्प " प्रव० ६६४;

पञ्जोसविय त्रि० (पर्युपित्त) पर्युपणु
कल्प-पर्युपणुमां करवानुं विधान करेले-
आयरेले पर्युपण कल्प; पर्युपण में कर्तव्य
विधानों का आचरण किया हुआ. That
which is to be practised in
Paryuṣaṇa. प्रव० ५, १२; निमी० १०,
४६; कप्प० ६, ९;

पञ्ज्ञाय. न० (प्रध्यात) प्रियजननु अति-
शय चिन्तन करवुं ते. प्रियजनों का अत्य-
धिक चिन्तन. An excessive con-
templation of dear ones अणुजो०
१३;

पट. पुं० (पट) वस्त्र; लुगडु. वस्त्र, कपडा;

पट. A cloth; a garment भग० ७,

१, १२, १०; प्रव० ५३७;

पट्ट. पुं० (पट्ट) दुपट्टी, पछेड़ी दुपट्टा; पछेवड.

A garment, an upper garment

भग० ११, ११, पिं० नि० भा० २८, राय०

४७, १६२; जांवा० ३, ३. प्रव० २५९, क०

गं० १, ३९; (२) धातुनी पतरां धातु के

पतरे metal-sheets जांवा० ३, ४.

(३) साध्वीनु ओक उपकरण, अथवादान-

न्तकने धरी राखवा माटे साध्वीनी के उपर

आंधवानो ओक पट्टी. साध्वीका एक उपकरण;

अथवादानन्तक को रखने के लिए साध्वी

की कमर पर बांधनेका एक पट्टा a belong-

ing of a nun, a girdle to lift

up an inner garment. ओव० नि०

भा० ३१४; नाया० ८, (४) कीडानी

लागनु सूत्र कीडों की लार का सूत;

रेशम silk. अणुजो० ३७; (५) कवच

उपर बांधवानो पट्टी कवच पर बांधने का

पट्टा a belt to be tied on an

armour. भग० ७, ६; निसी० ७, ८, ज०

प० ५, ११७, राय० ५५, ३, ४५, ४७; (६)

लेखनी ताली लेख की पट्टी-तख्ता. a

slate or board for writing. पत्र०

१७, (७) पट्टसूत्रा जनेल पट्टेला पट्ट

सूत के बने हुए आसन a board or seat

made of silk thread आया० २, ४,

१, १४५; —कार पुं० (-कार) शालवी:

वस्त्रकर्ता. सालवी; जुलाहा; कपडा बुननेवाला

a weaver. अणुजो० १३१;

पट्टे(दं)सुय. पुं० (पट्टांशुक) अशुभछो, शरीर

छुंछानो दुवाल अथवा; अगौछा, दुवाल.

A towel. सु० च० ७, ८१;

पट्टग. पुं० (पट्टक) आसन विशेष. पाट,

आसन विशेष. A board used as a

seat जीवा० ३, ३;

पट्टण. न० (पत्तन) मोटुं शहर, जहां अनेक

देशी वस्तुआ आवती जाती होय

ते नगर विशाल नगर, जहां नाना देशों

से अनेक पदार्थ विक्रयार्थ आते हैं. A

big town, where things are

brought from different places

for selling. ओव० २१; ३२; सम०

४८; अणुजो० १३१; भग० १, १; ३,

७; ७, ६, नाया० १६; सूय० २, २, १३;

सु० च० १४, ७. पणह० १, २; वेय०

१, ६; कप० ४, ६४, ८८; उवा० ७, २१८;

प्रव० १२३३; ज० प० ३, ५२; उत्त० ३०,

१६, आया० १, ७, ६, २२२; ठा० २, ४;

(२) रत्न-भूमि; स्थान विशेष. रत्नभूमि;

स्थान विशेष. Ratna Bhūmi; a

particular place. जीवा० ३, ३;

—उगगय. त्रि० (-उद्गत) शहरभाथी

ज्वाल निकलेलु. शहर से बाहर निकला

हुआ. coming out from a city.

भग० ११, ११;

पट्टय. न० (पट्टक) लावानो पाटलो. स्नान

करने का पाट-आसन. A wooden

seat for bathing. नाया० ८; १४;

१६, उवा० ६, १६४; विवा० ९,

पट्टिया ली० (पट्टिका) लाडानी पट्टी-

पाटली. लकड़ी की पट्टी-पट्टरी. Strip, a

wooden board. जावा० ३, ४, राय०

१०७, (२) धनुषनी पट्टी धनुष की पट्टी.

the strip of a bow. ज० प० ३, ५२;

५६. नाया० २;

पट्टिस पुं० (पट्टिश) नाल; ओक जलतुं

अस्त्र. नाल, एक अस्त्र विशेष A kind

of missile उत्त० १६, ५२, पणह० १, ३,

पट्ट. त्रि० (पट्ट) वाग्मी-वायालु; पटित.

वाग्मी; वावाल, पांडित A talkative;

a fluent speaker; a learned man. जीवा० ३, १; नाया० १; राय० ३३; (२) पूछयेलुं पूछा हुआ; पृष्ठ. asked; enquired. कप्प० ४, ६१; पट्ट. न० (पृष्ठ) पीठ; वांसानो लाग. पाठ; पीछे का भाग. Back. आया० २, १०, १६६; नाया० १; ६;

✓ पट्टव. धा० II. (प्रस्था-णि) प्रस्था-पन करेयु. प्रतिष्ठा करना; आरोपण करना. To establish, to fix.

पट्टवेज्जा. वि० वव० १०, ३;

पट्टवित्ता. सं० कृ० ठा० ५, १; दस० ५, १, ६३;

पट्टविंसु. भग० २६, १; २;

पट्टावेज्जा. वि० क० वा० ओघ० नि० भा० ३०;

पट्टवअ त्रि० (प्रस्थापक) स्थापन करनेवाला. (One) who establishes. (२) अपधि-ज्ञानेनो प्रारंभ करनेवाला, (one) who begins to attain a limited knowledge विशेष० ६२७;

पट्टवग. पुं० (प्रस्थापक) प्रस्थापना करनेवाला, संस्थापक. Estab-lisher. क० प० ५, ३२;

पट्टवण. न० (प्रस्थापन) आरंभ. आरंभ. Beginning. अणुजो० ३.

पट्टवणा. स्त्री० (प्रस्थापना) कल्पना. कल्पना; प्रतिष्ठा. Imagining; estab-lishment. निसी० २०, १०; जीवा० ३, १; वव० १, १६, १०, ३; दसा० ६, २;

पट्टविअ-य त्रि० (प्रस्थापित) स्थापित; करवा भाँडेलुं. स्थापित; स्थापन किया हुआ. Established; undertaken ठा० ६, २; सूय० २, ६, २; वेय० ४, २५;

सु० च० ६, १३६; वव० १, १६; निसी० २०; १०; भग० १, ७; १२, ४;

पट्टविया. स्त्री० (प्रस्थापिता) अपराधनुं प्रायश्चित्त शर्त करेयुं ते; आरोपणा प्राय-श्चित्तनो ओक प्रहार अपराध के प्रायश्चित्त का प्रारंभ; आरोपणा प्रायश्चित्त का एक प्रकार. Beginning of an expia-tion for a fault; a kind of Āropanā expiation. ठा० ५, २;

पट्टवे(वि)यव्व त्रि० (प्रस्थापयेतव्य) प्रस्थापन करवा योग्य. प्रतिष्ठा-प्रस्थापन करने योग्य. Fit to be instituted वव० २, ७; वेय० ५, ४१,

पट्टिय-अ. त्रि० (प्रस्थित) प्रयाण करेय. प्रयाण किया हुआ; रवाना हो चुका हुआ; प्रस्थित. Departed, going forth. उत्त० २०, ३७; २७, ४; ओघ० नि० भा० ८१; सु० च० २, ६३८; वव० ३, १३; गच्छा० १०५,

पट्टीवंस. पुं० (पट्टीवंश) आडसर अड-साकल. A cross chain प्रव० ८७;

✓ पड. धा० I (पट्) पतन श्रयुं; पडी श्रयुं. पतन होना, गिरजाना. To fall, to degenerate.

पडइ. भग० ३, २; नाया० १७ दस० ६, ६६; विशेष० ६२६; उत्त० २७, ४;

पडंति. उत्त० १८, २५; मम० २५; सूय० १, ५, १, १३; भग० १२, १०; नाया० १; ६;

पडइत्ता सं० कृ० नाया० १६;

पडंत. व० कृ० उत्त० १४, २१; १६, २०; प्रव० ७८५;

पडिज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० १६;

पडिइ. प्रे० नाया० ७; ६; १६; १८, भग० ११, ६; १६, ३; निर० ३, ३; राय० २६४; विवा० १, ६; गच्छा० २६;

पादेन्ति जं० प० ५, ११४;

पादेसि. नाया० १; ६;

पादेह. नाया० १६;

पादेइत्ता. सं० कृ० नाया० ७; १८; भग०

११, ६; १६; ३;

पड. पुं० (पट) वस्त्र; लुगडुं. वस्त्र, कपडा.

A cloth; a garment. जं० प० ३,

६१; अणुजो० २१; १३१; १३३; ओव०

१४; भग० ५, ४, ८, १०; पिं० निं० २८;

१३२; विशेष० ३२४; नाया० १; क० गं०

१, ६; —आरंभ. पुं० (-आरंभ) वस्त्र

(वस्त्रवा) ने आरंभ. वस्त्र-कपडा (बुनने)

का आरंभ. action of weaving a

cloth. विशेष० ४२१; —उवगारि. त्रि०

(-उपकारिन्-पदैर्वस्त्रैरुपकर्तुं-शीलमस्येति)

वस्त्रधी उपकार करनेवाला. वस्त्रद्वारा उपकार

करने वाला. (one) who favours

by garments. विशेष० २०३; —कारक

पुं० (-कारक) लुगडा वस्त्रधारी; वस्त्रकर.

वस्त्र बुनने वाला; जुलाहा, वस्त्रकार. a

weaver. परह० १, २;

पडसाडग. पुं० (पडसाटक) नीचे पड़ेवानु

वस्त्र, धोतीयु. शरीर के नीचे के भाग में

पहिनने का वस्त्र; धोती. a loose loin

cloth or garment; a-Dhoti. भग०

१५, १; राय० ३५१; जं० प० —साडय. पु०

(-शब्दक) लुगडा “ पडसाडग ” शब्द.

देखो “ पडसाडग ” शब्द. vide “ पड-

साडग ” जं० प० २, ३३; नाया० १, भग० ६,

३३; —साड(डि)या. स्त्री० (-शाटिका)

साडी; पछेडी. साडी, सारी, पछेवड. a

Sāri. नाया० ८; अणुजो० १३८, अंत० ३, ८;

पडहगा स्त्री० (.) छडी; लाकडी. छडी,

लकडी; बेंत, डण्डा. A stick; a cane.

सु० व० १२, ५६;

पडग. पुं० (पटक) पट, वस्त्र पट. वस्त्र;

कपडा A cloth; a garment. नाया०

२; १६;

पडण. न० (पतन) पडीजुपुं; पडपुं. गिरना;

पडन; अष्ट होना; पतन. Falling; de-

generation. भग० २, १; ६, ३३;

नाया० १; ८; आया० २, १०, १६६; पिं०

निं० ५८२; जीवा० ३३; ओघ० निं० २२४;

विशे० १२५६;

पडल. न० (पटल) पटल, समूह, ज्येष्ठा.

पटल, समूह, झुंड; वृन्द. A group, a

host. भग० ७, ६७; परह० १, १; जं०

प० सु० च० १, ४६; दसा० ६, १; उवा०

७, २१८, (२) पड; थर. थर; परता, पुट.

a layer. जीवा० ३, १; (३) थुंथुं.

गुच्छ; गुच्छा. a cluster. राय० ३५;

(४) पडलो, गोथरी वपने पात्र टाकवानुं

येक वस्त्र-भण्ड पडला; गोचरी के समय

पात्र को ढकने का एक वस्त्र-खण्ड. a piece

of cloth to cover a pot at the

time of begging food. ओघ० निं०

२८८; ६६८; राय० १२०, जीवा० ३, ४,

प्रव० ४६८;

पडलग न० (पडलक) झूल वगेरे ढांकवाने

पडलो, आच्छादन वस्त्र. पुष्प आदि ढाक-

ने का पटल-ढकना; आच्छादन वस्त्र. A

cloth to cover; flowers etc. जं०

प० ५, १२०, राय० १२२;

पडह. पु० (पटह) मोटी ढोल; पडगम. बडा

ढोल; नकारा; पटह, पडगम. A big

drum ओव० ३१; भग० ५, ४; जीवा०

३, १; पल० ३३; जं० प० राय० ८८; सु०

च० २, ५८७; —सह. पुं० (-शब्द) ढोल

नगाराने शब्द. ढोल, नकारे का शब्द.

the sound of a drum. निसी० १७,

३३;

पडहग. पुं० (पडहक) ढोल; वाद्य त्र विशेष.

ढोल; वाद्य विशेष. A drum; a kind of musical instrument. विशेष ७०६;
पडाग-गा. स्त्री० (पताका) ध्वज; वायटो. ध्वजा, पताका; झंडा. A banner; a flag. नाया० १; ५; ८; १६; जं० प० ५, ११७; ७, १५६; राय० ६८; पञ्च० १; २, सु० प० १०; भग० ३, ४, ५; ७, ६; ९, ३३; ओव० विवा० २; ओघ० नि० भा० ८६; नंदी० स्थ० ६, जीवा० १, सु० च० १, २४; (२) थि-हुयालो पट्टा. चिन्ह वाला पट्टा. a belt with a sign भक्त० ८०; १५०; नाया० ८, (३) ऐक जलतेना सर्प. सर्प विशेष. a kind of serpent. पञ्च० १; — **अइपडागा.** स्त्री० (—अतिपताका) उपरी उपरी ध्वज, ध्वज उपर ध्वज. ध्वजा के ऊपर ध्वजा; बहुतसी ध्वजाएँ. a banner above banner. ओव० नाया० १; (२) भट्ठनी ऐक जल मछली की एक जाति विशेष. a kind of fish विवा० ८; — **समाण.** त्रि० (—समान) उडती ध्वजना सरभो; नानाविध देशना साधुने जाली भुशी थनार. उडती हुई पताका के समान; नाना प्रकार के—अनेक—देशों के साधुओं से परिचय पाकर प्रसन्न होने वाला. like a flowing banner; (one) who is pleased to know the ascetics of different places ठा० ४, ३;
पडि. अ० (प्रति) ६३६. हरएक; प्रत्येक. Each; every. (२) अत्थे. प्रति; सामने. towards. (३) प्रतिपक्षी. प्रतिपक्षी; विपक्षी; विरुद्ध पक्षवाला enemy; hostile. पञ्च० २; १५;
पडि. त्रि० (पटिन्) पटवातुं; वस्त्रवातुं. पटवाला; वस्त्र वाला. (One) with a garment or clothing. अणुजो० १३१;

✓ **पडिआइक्ख.** धा० I. (प्रति+आ+ख्या) पय्यउभायु करवुं; प्रतिज्ञा लेवी. पच्चक्खाण करना; प्रतिज्ञालेना, प्रण करना. To undertake a vow or promise.

पडिआइक्खेइ. हे० कृ० दसा० २, ८, ६;

✓ **पडि-आ-इक्ख.** धा० II. (प्रति+आ+ख्या) निपेध करवे; पय्यउभायु करवां; त्याग करवे. निपेध करना; पच्चक्खाण करना; त्याग करना. To take a vow; to give up as in a vow.

पडियाइक्खेइ. निसी० ८, १३; १०, ४४;

पडियाइक्खिण् वि० विवा० १;

✓ **पडि-आ-पड.** धा० I. (प्रति+आ+पत्) पडवु. गिरना; पडना. To fall down.

पडिवायंति. विशेष १३०६;

पडियावपजा वि० वेथ० ५, ११;

✓ **पडि-आ-पा.** धा० I. (प्रति+आ+पा) पान करवुं; पीवुं. पान करना; पीना. To drink.

पडिआयइ दस० १०, १, १;

✓ **पडिइक्ख.** धा० I. (प्रति+ईक्ख) राहुलेवी निरीक्षयु करवुं. प्रतीक्षा करना, वाट जोड़ना; रास्ता देखना; निरीक्षण करना To wait for; to expect; to inspect

पडिक्ख. आज्ञा० सु० च० ६, ७७;

✓ **पडि-इच्छ.** धा० I. (प्रति+इच्छ) स्वीकारवुं; कप्पुल करवुं. स्वीकार करना; मंजूर करना To accept; to admit.

पडिइच्छइ. निसी० ४, २६, ५, ८; ६; १०;

११, उवा० २, १०५;

पडिइच्छइति. ज० प० भग० ११, ११; नाया०

१; ५; ७; ८; १५; निसी० १५, २७;

पडिच्छामि. उवा० २, १०२;

पडिच्छेजा. दस० ५, १, ३८;

पडिच्छइत्ता. भग० ६, ३३; ११, ११, १५,

१; नाया० १; ८; १६, १७;

पडिच्छंति. जे० प० ५, ११४;

पडिच्छतु भग० ६, ३३; नाया० १; १४;

नाया० ध० जे० प० ३, ५०;

पडिच्छत्ता. नाया० ६,

पटीच्छत्तए. वव० ५, १८;

पडिच्छत्तए. भग० २५, ७;

पडिच्छमाण. भग० ११, ११; नाया० १;

पडिच्छावेमाण. भग० ११, ११; नाया० १;

पडिउच्चारयेयव्व. त्रि० (प्रत्युच्चरितव्य) २६।भुं

भोएवु सामने बोलना; जवाब देना. A

retort भग० १२, १०; उवा० २, ११८;

पडिएक. अ० (प्रत्येक) ६रेक; प्रत्येक. हर

एक; प्रत्येक. Everyone. ओव० २६;

पडिएकय. अ० (प्रत्येकक) प्रत्येक, ६रेक.

हरएक; प्रत्येक; एक एक. Each; indivi-

dually नाया० ध०

✓ पडि-ओ-चर धा० II. (प्रति+उप+चर्)

प्रत्युपचार करेवा; सेवा करेवा. प्रत्युपचार

करना; सेवा शुश्रूषा करना. To serve or

wait upon.

पडोयारेति. भग० १५, १;

पडोयारेओ हे० कृ० भग० १५, १;

पडोपारिजमाण. क० वा० व० कृ० भग०

१५, १;

✓ पडिकप्प. धा० I, II. (प्रति+क्लप्)

सज्ज करेवुं, तैयार करेवु. सजाना; तैयार

करना. To equip; to prepare.

पडिकप्पइ ओव० ३०;

पडिकप्पति. भग० ७, ६;

पडिकप्पेहि. ओव० २६; जे० प० ३, ४४;

पडिकप्पह. भग० ७, ९; नाया० १६;

पडिकप्पह. जे० प०

पडिकप्पावेइ. क० वा० नाया० ८;

पडिकप्पावेइत्ता. सं० कृ० नाया० ८;

पडिकाप्पिअ. त्रि० (प्रतिकल्पित) सज्ज

करेव; तैयार करेव. सजाना हुआ; तैयार किया

हुआ. Equipped; prepared. ओव०;

३०; विवा० २;

पडिकम्म. न० (प्रतिकर्मन्) संकलनादि

गणित. संकलनादि गणित. Arith-

metic such as addition etc.

अ० ४, ३; (२) वैदुं; यिदित्सा. चिकित्सा;

वैद्यकोपचार; औषधोपचार-इलाज. treat-

ment; remedy. पण्ह० २, १;

निसी० १३, ३७; ४१;

✓ पडि-कर. धा० II. (प्रति+कृ+णि)

प्रतिकार करेवा; बदला वाणवे। प्रतिकार

करना; बदला लेना; विरोध करना. To

take revenge; to oppose.

पडियारेह. प्रे० भग० १५, १;

पडिकुकुड. पुं० (प्रतिकुकुट) प्रतिपक्षी

कुडु। प्रतिपक्षी मुर्गा-कुक्कुट. A hostile

cock विशेष० ३०४;

पडिकुट्ट त्रि० (प्रति+कुट्ट) सभाजनो

तिरस्कार पाभेव; निषिद्ध; निंद्य. समाज

द्वारा तिरस्कृत, निषिद्ध; निन्द्य. Insulted

or censured by a society. पण्ह०

२, ३; दस० ५, १, १७; पिं० नि० २५२;

३४२; महा० प० ८; पचा० १७, १८, ४,

४१;

✓ पडिकूल धा० II (प्रति+कूल) विप-

रीत करेवुं. विपरीत कार्य करना. To do

in an opposite manner.

पडिकूलेइ. उक्त० २७, ११; क० गं० १, ५३;

पडिकूल. त्रि० (प्रतिकूल) उलटु; विपरीत.

उलटा, विपरीत; विरुद्ध. Opposite;

hostile. उक्त० १२, १६; नाया० १; ११;

राय० २५२; २६७;

पडिकोह. पुं० (प्रतिक्रोध) क्रोधनी रक्षाभे

क्रोध करेवा. क्रोध पर क्रोध करना; किसी

के गुस्सा होने पर स्वयं भी गुस्सा होना.

Getting angry when another gets angry. दस० ६, ५८;

पडिक्कंत. त्रि० (प्रतिक्रान्त) प्रतिक्रमणु करेव,
पापथी पाछे वणेल; दोषथी निवर्तेव.
प्रतिक्रमण किया हुआ; पाप से, पाप कर्म-से
पीछा फिरा हुआ; दोष से निवृत्त. (One)
who has repented, turned back
from sins; free from faults.
भग० २, १; ३, १; ४, ५, ६; ७, ६; ८,
५; १५, १; २०, ६; नाया० १, ५; १४;
१६; दस० ४; उवा० २, ६६;

✓ पडिक्कम. धा० I, II. (प्रति + क्रम्)
प्रतिक्रमणु करवुं; पाछुं आलवुं; पापथी
पाछुं वणवुं; पापथी निवर्तवुं. प्रतिक्रमण
करना; पीछे चलना; पाप से पीछे फिरना;
पाप से हटना. To repent; to come
back; to recede from sins.

पडिक्कमइ. सु० च० १४, ८१; वव० १, २६;
नाया० १६; भग० २, ५; ८, ५,
दस० ४; उवा० १, ८६;

पडिक्कमेइ. सूय० २, २, २०;

पडिक्कमए पि० नि० २१७;

पडिक्कमंति. नाया० १६;

पडिक्कमामि. आउ० ११;

पडिक्कमे. वि० उत्त० १, ३१; दस० ५, २,
४;

पडिक्कमेज्जा. वि० वेय० ४, २५;

पडिक्कमिस्सामि. भ० भग० १०, २;

पडिक्कमिउं हे० क० नाया० ५;

पडिक्कमित्तए. हे० क० ठा० २, १;

पडिक्कमित्ता. सं० क० आया० २, १५,
१७८; उत्त० २६, ४०;

पडिक्कमइत्ता सं० क० नाया० १६; भग०
१२, १;

पडिक्कममाण. व० क० नाया० ५; भग०
८, ५;

पडिक्कम. पुं० (प्रतिक्रम) शरीरनी विभूषा
आदि क्रिया. शारीरिक विभूषा-सजावट
आदि क्रिया. Adornment of the
body. भग० २५, ७;

पडिक्कमण. न० (प्रतिक्रमण) अतिचार
दोषथी पाछा इवुं-निवर्तवुं; प्रतिक्रमणु
करवुं; पापनी आलोचना; दोष निवारण.
अतिचार दोष से पीछे फिरना-हटना; प्रति-
क्रमण करना; पाप की आलोचना करना;
दोषों को दूर हटाना. Turning back
from the fault of transgress-
ing a vow; repenting; criticism
of sins. प्रव० २; आव० १, १; ४, ८;
पंचा० १६, २; उत्त० २६, २; ओव० २०;
अणुजो० ५६; भग० २५, ५; नंदी० ४३;
पएह० २, १, —अइचार. पुं० (—अति-
चार) प्रतिक्रमणुना अतिचार दोष. प्रति-
क्रमण का अतिचार दोष. a fault con-
nected with Pratikramana or
confession. प्रव० २; —करण. न०
(—करण) प्रतिक्रमणु करवुं ते प्रतिक्रमण;
प्रतिक्रमण करने का कार्य. the act of
repentance or self-analysis.
प्रव० ५६८;

पडिकामियच्च त्रि० (प्रतिक्रान्तव्य) पाछा
हठवा योअ; निवर्तवा योअ पीछे फिरने
योग्य; परावर्तन-निवर्तन योग्य. Fit to
recede; to turn back. ओच० नि०
७६६;

✓ पडिक्कोस. धा० I. (प्रति + कृष्)
आक्षेप पूर्वक बोधवुं. आक्षेप पूर्वक बोलना.
To speak ironically.

पडिक्कोसह. सूय० २, ७, ६;

पडिगय-अ. त्रि० (प्रतिगत) पाछुं गयेवुं.
पीछा फिरा-गया हुआ. Gone back.
जं० प० १, १; सू० प० १; कण० २, २७;

भग० १, १; २, १; ५; ३, १; २; ७, १०;
१८, १०; नाया० १; २; ६; ८; १३; १६;
१६; अणुजो० १०१; दसा० ५, ७; राय०
२२४; जं० प० उवा० २, १११;

✓ पाडिग्गह. धा० I. (प्रति+ग्रह) ग्रहण
करवु; स्वीकार करवुं. ग्रहण करना. स्वीकार
करना. To accept; to receive.

पाडिग्गहेज्जा. वि० भग० ८, ६; उव० १,
७६;

पाडिग्गहिज्जा वि० आया० २, २, ३, ६६;

पाडिग्गहिज्ज. वि० दस० ६, ४८,

पाडिग्गहेत्ता. सं० कृ० नाया० १६; भग०
३, १;

पाडिग्गहिता. सं० कृ० सम० २१;

पाडिग्गहित्तप. हे० कृ० ओव० ३८;

✓ पाडिग्गह. धा० II. (प्रति+ग्रह) ग्रहण
करवुं; स्वीकार करवुं. ग्रहण करना; स्वीकार
करना To accept, to admit.

पाडिग्गहेइ. भग० ३, १;

पाडिग्गहिज्ज. दस० ८, ६;

पाडिग्गहिता. सं० कृ० भग० ७, १;

पाडिग्गहेत्ता. सं० कृ० भग० ७, १;

पाडिग्गहिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग०
८, ७;

पाडिग्गहेज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग०
८, ७;

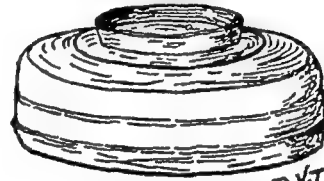
पाडिग्गह. न० (पतद्ग्रह-प्रतिग्रह) उपरथी
पडती परतुने ग्रहण करना; साधुनां पात्रः
पात्रा ऊपरसे गिरती हुई वस्तु को पकड़ने
या ग्रहण करने वाला; साधु के पात्र. That
which accepts or receives a
thing falling from above; a
mendicant's bowl. नाया० १; ५;
१६; भग० २, ५; ५, ४; आया० १, ७, १,
१६७; ओघ० नि० ३६; ६७२; दस० ४;
५, २, १; वव० २, २७; वेय० १, ३७; ३,

१३; पणह० २, ५; निसी० ६, ४; १४, ५;
४०; १८, ५, राय० २२६; गच्छा० ६१;
क० प० २, २; कप्प० ५, ११५; उवा० १,

सबळुं पातरुं.



= पाडिग्गह = काष्ठपात्र =



अवळुं पातरुं. २५१

५८; (२) सिद्धसेणिया अने: मल्लस-
सेणिया परिकर्माने ११ भो भेद अने पुद्ग-
सेणिया आदि पांच परिकर्माने आठभो भेद.
सिद्धसेणिया तथा मणुस्ससेणिया परिकर्म
का ग्यारहवा भेद और पुद्गसेणियादि पांच
परिकर्म का आठवा प्रकार-भेद. the 11th
variety of the Siddha Sēpiā
and Maṇussa Sēpiā Parikarma
and the 8th of the five Pa-
rikarmas Puttha Sēpiā etc. सम०
१२; नंदी० ५६; —घर. त्रि० (-घर) ५३-
गह-काष्ठ पात्रने धारण करना. पाडिग्गह
काष्ठपात्र को धारण करने वाला. (one)
who holds a wooden bowl or
pot. आव० ४, ८; प्रव० ५००; —धारि.
त्रि० (-धारि) पात्रने धारण करना.
पात्र को धारण करने वाला; पात्रधारी

one who holds a bowl वव० ६,
४३; —सुद्ध. पुं० (-सुद्ध) शुद्धपात्र;
शुद्ध लेनार. शुद्धपात्र; शुद्ध ग्रहण करनेवाला.
a pure bowl (one) who accepts
pure things. भग० १५, १; विवा० १;
पडिगहग. न० (पतद्ग्रहक) ३४५पात्र; पातरा.
काष्ठपात्र; पात्र विशेष. A wooden
bowl. भग० ८, ७; प्रव० ६३२;
पडिगहय. न० (पतद्ग्रहक-प्रतिग्रहक) पात्र;
पातरा. पात्र; साधुओं का लकड़ों का भाजन
विशेष. A bowl; a wooden pot.
भग० ५, ४;
✓ पडिगगाह. धा० II. (प्रति+ग्रह) ग्रहण
करना; स्वीकार करना.
To accept; to take.
पडिगगाहेह. नाया० १६;
पडिगगाहिजा. वि० आया० २, १, १, १;
पडिगगाहेजा. वि० वेय० ५, १;
पडिगगाहिज. वि० दस० ५, १, २७;
पडिगगाहिता. सं० कृ० दसा० २, २२,
पडिगगाहिताप. हे० कृ० वव० २, २७, ८,
१४; १०, १; दसा० ७, १; वेय०
१, १;
पडिगगाहित्रि० त्रि० (प्रतिगृहीत) ग्रहण करेला.
ग्रहण कियाहुआ; गृहीत, स्वीकृत. Accepted;
taken; admitted. वेय० ४, १३;
पाडेघात्र. पु० (प्रतिघात) विनाश. विनाश.
Destruction. (२) प्रनिषध; नि-
रोध प्रतिवन्ध; निरोध. obstruction.
hinderance. उक्त० ६, ५४; भग० ३, २;
आया० १, १, १, ११; ठा० ३, ४; विशेष०
२०७; जं० प० ७, १३६;
पडिचंद. पुं० (प्रतिचन्द्र) साम सामे भेयंद्र
देखाय ते; उरपात सूर्यवनार पीला यन्द्र
देखाय ते. आमने सामने दो चंद्रमा का दिखाई
देना; उत्पात सूचक दूसरे चंद्र का दर्शन

Appearing of two moons oppo-
site to each other, an omenous
sight of a 2nd moon. अणुजो०
१२७; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३;
✓ पडिचर. धा० I. (प्रति+चर्) रहामे
आलपुं. सामने चलना. To go in front.
(२) सेवा करनी. सेवा करना. to serve.
पडियरपु. पिं० नि० ५१७;
पडिचरति. सू० प० १;
पडियरसि. उक्त० १८, २१;
पडिआरिडं. ओघ० नि० भा० २८;
पडिआरिय. दस० ६, ३, १५;
पडिचार पु० (प्रतिचार) गोलवणु; व्यवस्था
प्रबन्ध, व्यवस्था. Arrangement;
management नाया० १, १३;
✓ पडिचिह्न धा० I. (प्रति+स्था) स्थिर
थपुं. स्थिर होना. To be steady.
पडिचिह्न. नाया० ८;
✓ पडिचोय. धा० I (प्रति+चुद्) प्रेरणा
करनी. प्रेरणा करना. To urge.
पडिचोएति. भग० १५, १;
पडिचोएह. आ० भग० १४, १;
पडिचोएडं. हे० कृ० भग० १५, १;
पडिचोएजमाण. णि० व० कृ० १५, १;
पडिचोयणा. स्त्री० (प्रतिचोदना) उपदेश;
प्रेरणा उपदेश; प्रेरणा Advice;
exhortation. भग० १५, १;
पडिच्चमख. पुं० न० (प्रतीत्य + मख)
कोई वस्तु की स्निग्धता का आश्रय लेकर.
Taking the support of the oili-
ness of anything. ओव० ६, ६;
पडिच्छग. पु० (प्रतीच्छक) पीताना शुद्धी
आला लक्ष सूचना अर्थ ग्रहण करने
आयाय साथे रहनेसार साधु, ज्ञान देवाने
अलिखारी गुरु की आज्ञा प्राप्तकर सूत्रार्थ

समझने के उद्देश से आचार्य के साथ रहने वाला साधु; ज्ञानप्राप्ति का अभिलाषी। A monk who is permitted by his Guru to live with him with a view to understand the meaning of a Sūtra (scripture) ओव० विशेष० १४७५; ओघ० नि० १३४, नंदी० स्थ० ४२;

पडिच्छण. न० (प्रतीच्छन) गी० गणुभा ७४ सूत्रार्थ ग्रहण करनेवाले दूसरे गण में जाकर सूत्रार्थ का ग्रहण करना। The act of receiving a scriptural meaning in another brotherhood. ओघ० नि० भा० ३४;

पडिच्छन्न. त्रि० (प्रतिच्छन्न) ढकायेधुं. ढकाहुआ; आच्छादित; वेष्टित. Covered कप्प० ३, ३२, उत्त० १, ३५, दस० ५, १, ८३, भग० २, १;

पडिच्छमाण. त्रि० (प्रतीच्छन्) सूत्रार्थ ग्रहण करनेवाला। सूत्रार्थ ग्रहण करता हुआ Accepting the meaning of a Sūtra (scripture.) ओव० ३२;

पडिच्छयण. न० (प्रतिच्छादन) आवरण ६८; ढाकणु आच्छादन. A cover, a lid भग० ११, ११; नाया० १; राय० १६२;

पडिच्छायण. न० (प्रतिच्छादन) आवरण ६८; ढाकणु आच्छादन, ढक्कन. A cover, a lid राय० ६, २; सू० प० २०;

पडिच्छिय. त्रि० (प्रतीप्सित) ग्रहण ग्रहीत, स्वीकृत, ग्रहण किया हुआ. Accepted; taken. भग० २, १; ६, ३३; १८, २; ४१, ३२; नाया० १, १२, सु० च० ३, १८, कप्प० २, १२; नाया० घ० उवा० १, ५८;

पडिच्छियच्च. त्रि० (प्रतीष्टव्य) ग्रहण योग्य. Desirable. सु० च० ४, ३१०;

पडिच्छीण. पुं० (प्रतिक्षीण) उभेदवार; धृते- ७२ प्रतीक्षक, उम्मेदवार; अभिलाषी. A candidate; a waiter. गच्छा० १२७;

✓ पडिजागर. धा० I. (प्रति + जागृ) जागृतुं; जागृतुं रहेतुं. जागना; जागते रहना. To be awake; to lie awake.

पडिजागरिज्जा. दस० ६, ३, १,

पडिजागरेमाण. राय० ७१;

पडिजागरमाण. भग० ११, ११; १२, १;

वव० ६, २०; नाया० १; १; विवा०

१, उवा० ८, २३८;

पडिजागर न० (प्रतिजागरण) जागरे; जागता रहेतुं. उजागरा; जागरण; जागते रहने का कार्य. A watch: wakefulness; a vigil. नाया० १;

पडिजागरण. न० (प्रतिजागरण) गिधानन्ती वैयावृत्य करनेवाली सेवा शुश्रूषा. Services given to an afflicted through pity. प्रव० १५५६;—नियम. पुं० (-नियम) प्रतिजागरण-गिधानन्ती वैयावृत्य नियम-अभिग्रह. प्रतिजागरणा—दुःखी की सेवा शुश्रूषा करने का संकल्प. the vow of serving the afflicted प्रव० १५५६;

पडिणाविया. स्त्री० (प्रतिनौका) आगती आगती नावा-ढोड़ी. सामने आती हुई नौका, नाव, डोंगी. A boat coming in front निसी० १८, १०;

पडिणिकास. त्रि० (प्रतिनिकाश) सदृश; सरूप सदृश, समान; एकसा. Similar to, like. जं० प०

✓ पडिणिगच्छ. धा० I. (प्रति + नि + गम्) पा० वा० वणुं. पीछे फिरना. To return. पडिणिगच्छइ. उवा० १, १६; ७, २१२;

पडिणिगम्य. त्रि० (प्रतिनिर्गत) नीकले-
लु, नीकली गयेलुं निकला हुआ; निकल गया
हुआ; बीता हुआ. Gone out; past
नाया० १४;

पडिणिज्जाइयव्व. त्रि० (प्रतिनिर्यातव्य)
पाछु आपवा थोय्य पीछे देने योग्य; फिर
से देने लायक. Fit to be returned.
वव० ८, ११; वेय० २, ५;

पडिणिभ. त्रि० (प्रतिनिभ) वादीना
उपन्यासतुय उपन्यासकरी प्रतिवादी
उत्तर आपे ते वादीके उपन्यासवत् उपन्यास
करके प्रतिवादी का उत्तर दना. The
reply given by a disputant
similar in suggestion to one
made by an opponent. ठा० ४, ३;

पडिणियत्त. त्रि० (प्रतिनिवृत्त) पाछा लुठेय.
पीछे फिरे हुए; लौटे हुए; प्रत्यागत. Re-
turned; receded. नाया० १४; १६;
विवा० ९, ज० प० ३, २२; उवा० २, ११६;

✓ पडिणिर्-क्कम. धा० I. (प्रति+निर्+
कम्) पहर जत्रुं; प्रयाण करनु; नीकलवुं.
बाहर जाना; प्रयाण करना; निकलना. To
go out; to travel.

पडिणिकखमइति. श्रव० ११; २८; नाया०
१; १४; १६; उवा० १, १०; ५८;

पडिणिकखमति नाया० १; ३;

पडिणिकखमामि. भग० १५; १;

पडिणिकखमामो. नाया० १६;

पडिणिकखामिस्सामि. भ० नाया० १;

पडिणिकखमइत्ता. स० कृ० नाया० १, २,
१६, भग० ९, ३३;

पडिणिकखमंत्तिता. स० कृ० नाया० १; ५;

पडिणिकखमामित्ता सं० कृ० भग० १५, १;

पडिणिकखंत व० कृ० नाया० १३;

पडिणिकखमाण व० कृ० भग० १५, १;

पडिणिर्-जा. धा० II. (प्रति + निर् + या)

पाछुं आपवुं; पाछुं मोकलवुं. पीछे देना;
पीछे भेजदेना; लौटा देना. To give
back; to send back; to return.

पडिणिज्जाणसि. नाया० ७;

पडिणिज्जाणज्जामि. नाया० ७;

पडिणिज्जाणमि. नाया० ७,

पडिणिवत्त धा० I. (प्रति+नि+वृत्)
पाछा पणुवु. पीछे फिरना; लौटना. To
turn back.

पडिणियत्तइ. भग० २०, ६;

पडिणियत्तए. नाया० १६;

पडिणियत्तएइत्ता. सं० कृ० नाया० १९;

पडिणियत्तइत्ता. स० कृ० भग० २०, ६;

पडिणियत्तए. हे० कृ० नाया० १८;

पाडणियत्तमाण. व० कृ० भग० १५, १;

२०, ६; प्रव० ६०६;

पडिणिसंत. त्रि० (प्रतिनिश्रान्त) सारीरीते
विश्राम पाभेलु. पूर्ण तया विश्रामित; खूब
आराम पाया हुआ. Well or suffi-
ciently reposed; rested नाया० ४;
८; १२; १८;

पडिणीय. त्रि० (प्रत्यनीक-प्रतिगतोऽनीकंयुद्धं)
दुश्मनाप राप्पनार; उपद्रव करनार शत्रुं.
दुश्मनाई रखने वाला; शत्रु; उपद्रव मचाने
वाला, वरी. An enemy; harasser.

(२) नि६६. निंदक censurer नाया०
२; भग० ८, १; ८; ठा० ३, ४, उत्त० १,
३; १७; श्रव० ४१; जीवा० ३, ३; पि० नि०
५६६; ज० प० २, २४; प्रव० १५२, क०
गं० १, ५६; गच्छा० ११५; —भाषा.
छी० (-भाषा) अपकारी-विरोधी भाषा.
अपकारी-विरोधी भाषा. a hostile
speech. दस० ६, ३; ६;

पडिणीयत्तर. न० (प्रत्यनीकत्व) शत्रुता;
वेरीपणुं. शत्रुता; वैर; दुश्मनाई. Enmity,
hostility क० ग० १, ५४;

पडिणीयत्ता. (प्रत्यनीकता) विरोधिपक्षं.
विरोधिता; प्रतिपक्षता; विपक्षित्व. Enmity.
भग० १२, ७;

✓ पडितप्प. धा० I. (प्रति+तृप्) स तोष
उपलव्वे; तृप्ति करवी; सेवा करवा. संतुष्ट
करना; तृप्ति करना, सेवा करना To satisfy;
to serve.

पडितप्पह. उक्त० १७, ५; सम० ३०;

पडितप्पंति. सूय० २, २, ५५;

पडितप्पह. ओघ० नि० ५३५,

✓ पडितव. धा० I. (प्रति+तप्) तपुं,
भील्लु. : तपना; खीजना; चिढना; सताप
करना. To be hot, to vex, to be
teased.

पडितवह. निसी० १०, ४५;

पडितवेज्जा. वि० वव० ७, ४;

✓ पडि-थंभ. धा० I. (प्रति + स्तब्ध्) स्तब्ध
अनपु; अलिमानी थपु स्तब्ध होना; गर्व
करना; अभिमान करना To be steady;
to be haughty, to be proud.

पडिथद्धा. उक्त० १२, ५;

✓ पडिदंस. धा० II. (प्रति+दश्+णि) द्वेभा-
वपुं; अतावपुं. दिखलाना; घनलाना. To
show; to point out.

पडिदंसेह. सम० ३३; भग० २, ५; ७, १०;

उवा० १, ८६; नाया० १६, १६;

नाया० ध०

पडिदसेति. नाया० १६,

पडिदसइत्ता सं० कृ० भग० ७, १०;

पडिदंसेइत्ता सं० कृ० नाया० १६;

पडिदायव्व त्रि० (प्रतिदातव्य) पाछु
आपवा लायइ. पीछा देने योग्य; लौटाने
योग्य. Fit to be returned. वेय०
३, २४;

पडिदुगंछि त्रि० (प्रतिजुगुप्सिन्) परिहार-
त्याग करवा. परिहार-त्याग करने वाला.

(One) who abandons. सूय० १,
२, २, २०,

पडिदुवार न० (प्रतिद्वार) भेदाटा दरवाजा
पासेतो पीणे नानो-दरवाजे वडे फाटक
के पास का दूसरा छोटा द्वार-दरवाजा. A
wicket-gate. ओव० सम० ५० २१०;
भग० ११, ११; नाया० ५;

पडिद्वार. न० (प्रतिद्वार) द्वा२ २ अथे; दरेइ
आरहे. दरदर; घरघर. From door
to door. पन्न० २;

पडिनिग्गास. त्रि० (प्रतिनिकाश) सरभुं;
समान. सरीखा; सदृश; समान. Similar
to; like. जीवा० ३, ४;

पडिनियत्त. त्रि० (प्रतिनिवृत्त) पाछुं पणेइ;
निवृत्त थयेल. पाछा लौटा हुआ; निवृत्ति
प्राप्त Turned back; (one) who
has finished भग० १२, १; विशेष
१२१२; वव० १०, १; ज० ५०

✓ पडिनिस्-कम्म धा० I. (प्रति+निर्+
कम्) निकलपुं. निकलना. To come
out.

पडिनिक्खमह. भग० २, ५; ७, ६; ज० ५०
५, ११५;

पडिनिक्खमंति. राय० ३६;

पडिनिक्खमइत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ५;

पडिनिक्खममाण. व० कृ० भग० ७, ६;

✓ पडिनिवत्त धा० I (प्रति+नि+वृत्)
विरमपु; पाछा हटपुं विरमण करना; पीछे
हटना To cease; to retreat.

पडिनियत्तइ ओव० ४२; भग० ६, ५;

पडिनियत्तंति. भग० ३, २;

पडिनियत्तिता. सं० कृ० ओव० ४२; भग०
६, ५;

पडिनियत्तमाण. व० कृ० भग० ८, ६;

पडिनिवेश. पुं० (प्रतिनिवेश) अत्यन्त द्वेष.
अत्यन्त द्वेष. Excessive hatred.

विशे० २२६६;

पडिनीअ. पुं० (प्रत्यनीय) प्रतिपक्षी;
विरोधी. प्रतिपक्षी, विरोधी, विपक्षी. An
enemy; an opponent. सू० प० २०;

पडिन्नत. त्रि० (प्रतिज्ञा) प्रतिज्ञा करेले.
प्रण किया हुआ; कृतसंकल्प. (One) who
has made a promise or a vow.
(२) आदेश करेले; आदेशित; आज्ञा किया
हुआ. Ordered, commanded आया०
२, ७, ५, २१७;

पडिपंधिया. स्त्री० (प्रतिपंधिता) प्रतिपक्षिता;
विद्वेषिणी. प्रतिपक्षिता; विद्वेषिता; विरोधिता.
Opposition, hostility; harted
सय० १, ३, १; ६;

✓ पडिपज्ज. धा० I. (प्रति+ग्) स्वीकृ-
त्तुं; ग्रहण करेत्तुं. स्वीकार करना; ग्रहण
करना To accept, to admit.

पडिवज्जह-ति भग० ४, १, ६, ३३; नाया०
१; ८; १२, १४; १६; दसा० १०,
३; सूय० २, २, २०; उवा० १,
५८; अंत० ६, ३;

पडिविज्जिह सु० च० २, ४४६; उवा० १,
५८;

पडिवज्जंति. दसा० १०, ११;

पडिवज्जसि. नाया० १;

पडिवज्जेज. वि० विशे ४२८;

पडिवज्जेजा. वि० वेय० ४, २५;

पडिवज्जाहि आ० नाया० १६; उवा० १, ५८;

पडिवज्जह. आ० उवा० १, ५५;

पडिवज्जिहिति. भ० भग० १५, १;

पडिवज्जिस्सामि भ० विवा० १; उवा० १,
१२; ७, २१०; भग० ८, ६;

पडिवज्जिमु. जं० प० २, ३४;

पडिवज्जिऊण. सं० कृ० सु० च० १, १२२,

पडिवज्जित्ता. सं० कृ० आया० २, १५, १७८;
नाया० ७; ८;

पडिवज्जित्ता. सं० कृ० भग० १८, १०;
नाया० १६;

पडिवज्जिअ-य. सं० कृ० दस० १०, १, १२,
उत्त० ५, १५;

पडिवज्जित्तु हे० कृ० नाया० १४; वव० १,
३७; पज्ज० २०;

पडिवज्जंत व० कृ० विशे० ४१०;

पडिवज्जमाण. व० कृ० दस० ९, १, २; प्रव०
६१७; ६३४;

✓ पडिपड. धा० (पति+पत्) कुद्वुं.
कूदना; फांदना. To jump (२)
सयमथी पडी ज्वुं. संयम मे गिरना-
स्खलित-च्युत-स्रष्ट होना to fall from
self-restraint

पडियवंति. राय० १८३;

पडिवयमाण व० कृ० आया० १, ६, ४, १६३;

पडिपन्न. त्रि० (प्रतिपन्न) युक्त; सहित. युक्तः
सम्पन्न; सहित. Together with;
attached to नंदी० ६;

पडिपह. त्रि० (प्रतिपह) अवरोध भाग;
उद्घाटन रस्ते. अडखड मार्ग, उल्टा रस्ता.
दुर्गम पथ. An opposite or diffi-
cult road. आया० २, १, ५, २७;
निसी० १०, ४२;

पडिपहिअ. त्रि० (प्रतिपहिअ) पथे यावता
मुसाइरनी रमाहे ज्वुं चोरी रनार रास्ता
चलने हुए पथिक के सामने पहुंच कर चोरी
करने वाला-लुटेरा. A way-layer.
सूय० २, २, १८;

पडिपाद पु० (प्रतिपाद) पाया नीचे राख-
वानो-पडाया. पाया पैर के नीचे रखने का
प्रतिपाद-पाया. A foot stool. जीवा० ३;

पडिपिस्सिअ त्रि० (प्रतिपिस्सिअ) पीडेव.
पीड़ित, दुःखत. Troubled; distress-
ed. चउ० २७,

पडिपिस्त्रिय. त्रि० (प्रतिप्रेरित) प्रेरणा करे।

प्रेरणा किया हुआ; प्रेरित. Urged; impelled. भक्त० ११४;

✓ पडिपिह. धा० II. (प्रति+पिह्) ढांकुं; ढाकना; मुंह बंद करना. To cover up. पडिपिहेह्. निसी० १८, १६;

पडिपेहिता. सं० कृ० सूय० २, २, ५१;

✓ पडिपुच्छ. धा० I. (प्रति+पृच्छ्) पुच्छुं; प्रश्न करे; सवाल करे। पूछना; प्रश्न करना; सवाल करना; जिज्ञासा करना. To ask; to question; to enquire. पडिपुच्छति. श्रौव० २१;

पडिपुच्छउ उवा० १, ६८;

पडिपुच्छिऊण. सं० कृ० दस० ५, १, १६;

पाडपुच्छउजइ. क० वा० भग० २५, ४;

पडिपुच्छणावा. स्त्री० (प्रतिपृच्छन) पूछुं ते पूछने-प्रश्न करने का कार्य. Questioning or enquiring. राय० २५; श्रौव०

पडिपुच्छणा स्त्री० (प्रतिपृच्छना) शुद्धि अनुज्ञाथी ऐक काम करता वर्ये पोताने भाटे के भील साधुओने भाटे के धं भीलुं काम नीकसे ते वर्यते पण पुनः शुद्धि पुछी संभति लधनेज करवु ते, सामाचारीने। योथो प्रकार गुरु की अनुज्ञा से एक काम करते हुए बीच में अपना या अन्य किसी माधु का कोई काम आपड़े तो ऐसे समय फिर से गुरु की आज्ञा प्राप्तकर काम का करना; सामाचारी का चौथा प्रकार Doing of a work by taking permission of a Guru in case some work of an ascetic or one's own props up in the middle while one is doing a work permitted by a Guru; the fourth variety of Sāmāchārī. भग० ६, ३३, २५, ७; उत्त० २६, २; ठा० ४, १; (२) सदेह

उपने प्रश्न पुछवे। ते; शुद्धि पासेथी खुलासा प्रेणववा प्रश्न करवे। ते. संदेह निवृत्ति के लिये प्रश्न करना; गुरु आदि से खुलासा प्राप्त करने के लिए प्रश्न करना. questioning in order to clear a doubt; a question put to a preceptor etc. for explanation etc. श्रौव० २०;

पडिपुच्छणिज्ज. त्रि० (प्रतिपृच्छनीय) बार-बार पुछवा योग्य. बार बार पूछने के योग्य. Fit to be asked oftener. चाया० १; ७;

पडिपुच्छा. स्त्री० (प्रतिपृच्छा) ७५२ पुछवी ते. खबर समाचार पूछना. Enquiring a message. पंचा० १२, २; गच्छा० ३८; (२) शुद्धि ऐक बार मना करी होय ते काम भाटे इरीथी शुद्धि शिष्ये पुछुं ते; दश सामाचारी-भांती सातवीं सामाचारी. किसी कार्य के लिये एक बार मना कर देने पर शिष्य का गुरु को उस कार्य के लिये पुनः प्रश्न करना; दश सामाचारी में से सातवीं सामाचारी. asking by a disciple once again of a Guru about a work which is once forbidden, the 7th good rule out often. प्रव० ७६७; ७७३;

पडिपूजिय. त्रि० (प्रतिपूजित) पूजेधुं; अर्थेधुं. पूजित; अर्चित; पूजोहुआ Adored; worshipped. नाया० १;

पडिपुरण त्रि० (प्रति-पूर्ण) सम्पूर्ण; पूरे-पूरे. सम्पूर्ण; पूर्ण पूरा. Complete; full. कप० १, ११, ३, ३८; भग० २, १५१; ३, १; ६, ३१; ११, ११; १४, ६; २५, ६; ३३, १; नाया० १; २; ३; ४; ७, ८; १०; १४; १६; अणुजो० १३; १५०; सम० प० २३६; जीवा० ३, १; जं० प० ५, १२१; २, २०; श्रौव० उत्त० ८, १६; ६,

४६; आया० १, ५, ५, १६०; राय० ३, २;
दस० ८, ४६; उवा० २, १०१;—अलंकार
पुं० (-अलंकार) संपूर्ण अलंकार-धरेषु।
सम्पूर्ण अलंकार-भूषण-गहने-जहवर. all
ornaments. भग० ६, ३३; —पोसह
न० (-पौषध) संपूर्ण पौषध-पेपो;
पडिपुत्र अहोरात्र पर्यन्त पोषधमतमां
रहेषु ते सम्पूर्ण पौषध-पोषा; परिपूर्ण
अहोरात्र पर्यन्त पोषधमत में स्थित रहना.
a complete regular fast i. e.
one of 24 hours and observed
in a particular way. दसा० ६, २;

पडिपुत्र. त्रि० (प्रतिपूर्ण) लुप्ते। “पडिपुत्र”
शब्द देखो “पडिपुत्र” शब्द.
Vide “पडिपुत्र” उक्त० ३२, १; दस०
६, ४, २, ३; सु० च० १; ६५; आव० ४,
८; कप्य० ३, ३५; ३०६;

✓ पडिवंध. धा० I. (प्रति+बन्ध्) प्रतिपद्य
करणे; रोक्षुः धेरीवणुं. प्रतिबन्ध करना;
राकना; अटकाना, घेर लेना. To check;
to stop; to besiege.

पडिवंध. स्य० १, ३, २, १०;

पडिवंध. पुं० (प्रतिबन्ध) प्रतिपद्य; विलम्ब;
अटकाव; रोक्षात्. प्रतिबंध; विलम्ब; अट-
काव; रोक. A check; stoppage;
delay. भग० १, ६; २, १; ५, ६; ६,
३२; ३३; १८, २; नाया० १; ७; ८; हाया०
ध० पि० नि० ४६; निर० ३, ४; परह० १;
५; राय० २२३; २७६; ओव० १७; स्य० २,
७, ४०; उवा० १, १२; ७७; ७, २१०; (२)
६६; आग्रह. दृढ; आग्रह. persuasion;
obstinacy. सु० च० २, ४५०; प्रव० ६२६;
पंचा० १७, १६; कप्य० ५, १७७; (३)
विलम्बोक्त करनार; आलस्य; धीमे. देर
लगाकर काम करने वाला, आलसी, शिथिल.
a sluggard; a slow worker ओघ०

नि० भा० १३३;

पडिवद्ध. त्रि० (प्रतिबद्ध) पांथेपुं. बंधा हुआ.
Bound. (२) पोतानुं करी रापेपुं. अपना
बनाकर रखा हुआ. make one's own.
भग० १, ७; ७, ३; नाया० १; उवा० १, ५१;
वेय० १, २६; ५, २२; विवा० १; (३) ६६;
मज्झिम. दृढ; मज्झित; strong; tight.
पंचा० १, २२; ४, ३७; १३, ४१; स्य० २,
२, ५५; गच्छा० १०; प्रव० ६२४;

पडिवाहिर त्रि० (प्रतिवाह्य) अधिकारही
उदाहर-अनाधिकारी; अधिकार से परे-अन-
धिकारी. Unauthorised; सम० ३०;
दसा० ६, ११;

पडिबिम्बित. त्रि० (प्रतिबिम्बमान) प्रति-
बिम्ब पाभुं. प्रतिबिम्ब प्राप्त करता हुआ;
फलकता हुआ. Being reflected;
glittering. सु० च० १५, २२३;

✓ पडिवुज्झ. धा० I. (प्रति+बुद्ध) जगपु;
विधमांथी विधुं. जागना; नौद मे उठना.
To wake up; to get up from
sleep; to realise the self.
पडिवुज्झति. नाया० १; भग० ११, ११;
१६, ६;

पडिवुज्झ. आज्ञा० आया० १, ७, ८, २४;
पडिवुज्झमाण. व० कृ० ओव० ३२;

✓ पडिवुज्झ. धा० II (प्रति-बुद्ध)
प्रतिबोध-उपदेश पाभुं; प्रतिबोध-उपदेश
प्राप्त करना. To be advised. (२)
जगृत यथुं; येतपु. जागृत होना; चेतना.
to be awoken; to be roused.
पडिवोहेह. प्रे० नाया० १; भग० ११, १०;
पडिवोहेहज्जा. व० दस० ६, १, ८;
पडिवोहेहत्ता. सं० कृ० भग० ११, ११;
पडिवोहित्ता. नाया० १;

पडिवुद्ध त्रि० (प्रतिबुद्ध) जगृत यथेय;
विधमांथी विधेय. उठा हुआ; जगा हुआ; नौद

छाडकर उठा हुआ.; प्रतिबुद्ध Roused; got up from sleep; awakened नाया० १; ८, १६; भग० ११, ११; १६, ६; उत्त० ४, ६; अणुजो० १३०; कप्प० १, ४; सु० च० २, ६८; ४, १६६;

पडिबुद्धि. पुं० (प्रतिबुद्धि) प्रतिबुद्धि नामनेो अयोध्यानेो प्राचीन राजा. प्रतिबुद्धि नामक अयोध्या का प्राचीन राजा. An ancient king of Ayodhyā named Prati-buddhi नाया० ८;

पडिबोध पुं० (प्रतिबोध) जगत्ते जागरण; प्रतिबोध. Awakening जं० प० ५, ११५; प्रव० २०; —कालिय त्रि० (-कालिक) जगती पश्यतुं. जाग्रत अवस्था का of the rising time.

पडिबोद्धिय. त्रि० (प्रतिबोधित) जगृत करेह; जगाडेह. जगाया हुआ; जाग्रत किया हुआ. Roused; awakened. नाया० १; ३;

पडिबोद्धिया. स्त्री० (प्रतिबोधिका) जगाड नारी, दासी. जगाने वाली दासी. A maid servant who roused. विवा० २;

पडिभंड पु० (प्रतिभाण्ड) बेचनां करि-यालु भाव. बेचने का किराना माल-फुटकर वस्तुएं. Commodities to be sold. नाया० ८; १५;

पडिभग्न. त्रि० (प्रतिभग्न) हारी गयेह; थकी गयेस हारा हुआ, थका हुआ De-feated; exhausted ओघ० नि० ५३३; क० प० ८, २३;

✓पडिभण. धा० I. (प्रति+भण) प्रत्युत्तर आपवे। प्रत्युत्तर देना; जबाब देना To reply पडिभणई. उवा० ४, १५३;

पडिभणना. स्त्री० (प्रतिभणन) सामेो जवाब देवे। ते. सामने जबाब देना. Retorting.

प्रव० १४४;

पडिभणित्तर. पुं० (प्रतिभणित्) २६मे भोलनार. सन्मुख-सामने बोलने वाला An opponent; one who replies in front सम० ३३.

✓पडि-भा. धा० I. (प्रति+भा) भासवु; ज्ञापुं. भास होना; मालूम होना, दिखलाई देना. To feel; to be known or visible.

पडिहाइ. सु० च० ४, १८४; विशे० १६६; २२७३;

✓पडिभास. धा० I. (प्रति + भाप्) २६मे भोलपुं, ज्ञाप देवे। सामने बोलना; जबाब देना. To reply; to give a retort. पडिभासंति. सूय० १, ३, १, १६;

पडिमट्टाइ. पुं० (प्रतिमास्थायिन्) पडिमा-पारमी लिङ्गुनी पडिमा अगीकार करी २६-नार (सधु) पडिमा-भित्तु की १२वीं पडिमा धरण करके रहने वाला (साधु) An ascetic who undertakes the 12th vow of a monk ठा० ५, १;

पडिमट्टाइअ पु० (प्रतिमास्थायिक) पडिमा-धारि साधु. प्रतिमा-पडिमा धारण करने वाला साधु An ascetic with a particulat vow. परह० २, १;

पडिमट्टाविया. स्त्री० (प्रतिमास्थायिका) लिङ्गुनी पार पडिमा आदरनारी (स्त्री) भिक्षु-भिक्षु की बारह पडिमा का आदर करने वाली (स्त्री). A (female) who respects the 12 vows of a monk “ नो कप्पइ निगंयीए पडिमट्टा-वियाए होतए ” वेय० ५, २३;

✓पडि-मा. धा० I. (प्रति+मा) माप करवुं; डिभत करवी. मापना; कीमत ठहराना. To measure; to value.

पडिमिणजइ. क० वा० अणुजो० १३३;

पडिमा.स्त्री० (प्रतिमा) अभिग्रह विशेष; आवकनी अगीयार अने साधुनी पार पडिमा वगेरे. अभिग्रह विशेष; आवक की ग्यारह और साधु की बारह पडिमा आदि. A particular vow e. g. the 11 vows of a layman and 12 of a monk. उत० २, ४३; ३१, ६; आया० २, ५, १, १४३; ओव० ३६; सम० ११; ६०; ठा० १, १; उवा० १०, २७०; भग० २, १; ६, १; ओघ० नि० मा० ३; अंत० ६, ३; नंदी० ५१; वच० १, २४; ६, ४१; दसा० ५, ३३; नाया० ८; दस० १०, १, १२; प्रव० ५७०; पंचा० १८, २; (२) ईटो-भूर्नि; आकार. चित्र; आकृति; मूर्ति a photo; an image; form. सु० च० १, ३२७; २, ७०; ५, ४८; अंत० ३, ८; नाया० ८; जं० प० जीवा० ३, ४; विशे० २३६५; प्रव० ६७०; पंचा० १०, १; कप्प० ६, १०३; —ट्रिय. त्रि० (-स्थित) कडि-सगग्रूप प्रतिमा विशे रहेल. काउसगग्रूप प्रतिमा में स्थित. devoted to a particular posture of meditation. प्रव० १००१;

पडिमाण. न० (प्रतिमान) प्रतिमान; पैसा वगेरेथी वस्तुनी किमत करवी ते. प्रतिमान; मोल; पैस आदि से पदार्थ का मोल करना. Valuation. अणुजो० १३२;

पडिमोय-अ त्रि० (प्रतिमोचक) मुक्त कराना; छोड़ाना. मुक्त कराने वाला; छुड़ाने वाला; मुक्तिदाता Emancipator; (one) who sets free आया० १, २, ६, १०२;

पडिय-अ. पि० (पतित) पड़ेला; पड़ीगयेला. गिरा हुआ, गिर पड़ा हुआ; भ्रष्ट. Fallen; degenerated भग० ७, ६; ६, ३३; १५, १; नाया० १; २; ७; १५; पि० नि०

१६६; ३६८; ओव० ३८; विवा० १; सु० च० १, ७४; २७७; पराह० २, ३; भत्त० ८६; प्रव० ६८६; नाया० ध० —विभंग. त्रि० (-विभङ्ग) जेतुं विभंगज्ञान नष्ट थयुं छे ते नष्ट-विभंगज्ञान वाला. (one) whose wrong visual knowledge is destroyed. भग० ११, ६;

पडियच्च. सं० क० अ० (प्रतीत्य) गायी-समञ्जसे; प्रतीति करीने. जान बूझकर; प्रतीति-विश्वास करके. Having known; believed. सूय० १, ६, २७;

पडियत्तप. हे० क० अ० (प्रतिवर्तितुम्) पाछा पलवाने. पीछे लौटने के लिये; वापिस फिरने के उद्देशसे For returning. वेय० ३, ३०;

पडियमित्त न० (पतितमात्र) पड़तीवत. पड़ते के साथही. Just while falling. पि० नि० भा० १८;

पडियरग. पुं० (प्रतिवरक) सेवा कराना; पैवावच्य कराना. सेवा करने वाला; सेवक; उपचारक; पैवावच करनेवाला. An attendant; a servant; (one) who performs Vaiyāvachcha (care of an ascetic etc.) पि० नि० १८८;

पडियरण. न० (प्रतिचरण) निरूपण करने; आलोचना करना. Expostulation; criticism. ओघ० नि० ८३;

पडिया स्त्री० (प्रतिज्ञा) टेह; धारणा; प्रतिज्ञा. टेक; प्रण; प्रतिज्ञा; सिद्धान्त; संकल्प. A vow; a resolution. निस्सी० ३, ५;

पडिया. स्त्री० (पटिका) ढाँधने ढाँकवानुं पत्र. छत्रडी छाव को ढंकने का वस्त्र. A cloth to cover a basket अंत० ६, ३;

पडियाइक्खिय. त्रि० (प्रत्याख्यात) पन्थ-आणु करेले; त्याग करेले. पचचक्काण किया

हुआ; त्यक्त; त्याग हुआ That which is abandoned or renounced.

नाया० १; भग० २, १; ३, २; उवा० ८, २५०.

पडियाखित्त. त्रि० (प्रत्याखित्त) निषेध करेखुं.

निषेधित; मना किया हुआ. Prohibited; forbidden. निसी० ३, १३;

पडियागय. त्रि० (प्रत्यागत) पाछा आवेख.

पीछा आया हुआ; लौटा हुआ; प्रत्यागत.

(One) come back, returned.

निसी० ३, ५;

पडियाणअ. न० (पटनानक) घोडाना पक्षाणुनी

नीचेखुं पअ; पण्डी घोड़े की पलान

के नीचे का वस्त्र, पाथन्या A cloth

below the saddle of a horse.

“ अहिजाणेहिय पडियाणएहिय अंकणाहिय

वेल्हणहारेहिय ” नाया० १७,

पडियाणिय. न० (पटतानिक) धिगडुं. पैवद;

थेगता; जोड़. A patch, निसी० १, ४८;

पडियार. पु० (प्रतिकार) पूर्व कर्मने

अदलो; पूर्वकर्म विपाक-अनुभव; उपाय;

प्रतिक्रिया. पूर्वकर्म का बदल; पूर्वकर्म

विपाक-अनुभव; उपाय; प्रतिक्रिया The

result or requital of previous

actions; experience; means;

revenge विशेष० २००५; सूय० १, ३,

१, ६; सु० च० ४, २६४; पंचा० ५, २२;

पडियार. त्रि० (प्रतिचार) अग व्यापार,

शरीरनी हलन चलन क्रिया-अगयेष्टा. शारी-

रिक हल चल, अंग व्यापार-चेष्टा.

Movement of the body or

limbs (२) प्रतिकार; सेवा प्रतिकार; सेवा

requital; service, भग० १५, १;

आया० १, ७, ८, १२; —णिचिण्ण. त्रि०

(-निर्विण्ण) उपाय-सेवाकरवाणी भेद

पाभेख. उपय-सेवा करने से खेद

प्राप्त-खिन्न gloomy or exhausted

through service. विवा० ८;

पडियारग. पुं० (प्रतिचारक) परिवार; सेवक

वर्ग. परिवार; सेवक वर्ग; परिजन. Atten-

dants. विवा० १;

पडियारिया. स्त्री० (प्रतिचारिका) दासी.

दासी; लौंडी, चैरी. A maid-servant.

निर० १, १;

पडिरह. पुं० (प्रतिरथ) रथनी-रथमे रथ.

रथ के सम्मुख दूसरा रथ; प्रतिरथ. An

opposing chariot भग० ७, ६;

पडिरूव. त्रि० (प्रतिरूप-प्रतिगतं नवं नवं

रूपमिति) सुंदर देखावताखुं; जेनारने

क्षणे २ नवु लागे तेखुं सुन्दर दृश्य वाला;

देखने वाले को पल २ में नया दीखने वाला.

A picturesque scene; that

which is fresh at every mo-

ment जं० प० ५, ११५; १, ४; १, १२;

नाया० १; २; १३. भग० ११; ११, १८,

५; राय० ४५; पणह० २, २; जीवा० ३,

३, जं० प० उवा० २, ११२; श्रीव० (२)

प्रतिविम्ब पडे तेथी २५२७ वस्तु प्रतिविम्ब

पडने योग्य निर्मल वस्तु a reflecting

object. कण्ठ० ५, १०४; ७, २१०;

भग० २, ६, नाया० १; ५, ६; (३)

मलतो आकार. मिलता हुआ रूप; सदृशता;

एकरूपता a resembling form नाया०

८, (४) उत्तर तरङ्गना भूत देवताना

थीन धन्तु नाम. उत्तर और के भूत

देवता के २ रे इन्द्र का नाम name of

the 2nd Indra of the Bhuta

gods of the north. भग० ३, ८;

१०, ६, पञ्च० २; ठा० २, ३; (५)

माता अने पिता जेना कुलने लायक. माता

-पिता दोनों के कुल के योग्य. proper

for both families of parents.

उत्त० २३, १६; दसा० १०, ३, (६)

श्रेष्ठ पद्धति-गुणा यथतथी आसी आवती
रीत. श्रेष्ठ पद्धति; परम्परागत प्रथा-
रीति-रूढि an ancient hence
good custom. उक्त० १, ३१; (७)
नमुनो.. नमूना. a sample. सूय० २, ६,
२५; —कायसंकासण्या छी० (-काय-
सम्पर्शन) जेभ इये तेभ शरीरन स्पर्श
करवे। ते. शरीर का मनचाहा स्पर्श. touch
ing of the body in a manner
which is pleasing. दसा० ४, ९७;

पडिरूवग. न० (प्रतिरूपक) प्रतिगिम्भ.
प्रातेविम्ब; परछाई. Reflection. जं०
प० ५, ११६; ४, ७३; भग० ७, ६; उवा०
१, ४७, (२) त्रि० नमुनो, तेना जेपुं.
नमूना, तद्वत्; उसके समान a sample;
similar to it. उवा० १, ८७;

पडिरूवन्नु. त्रि० (प्रतिरूपक) योग्य विनय-
मर्यादा ज्ञानुनार; विनित प्रतिपत्ति ज्ञानु-
नार. योग्य विनय-मर्यादा जानने वाला;
उचित प्रतिपत्ति-शिष्टाचार का वेत्ता. (One)
who knows proper manners,
formalities, decorum. उक्त० २३,
१५;

पडिरूवया छी० (प्रतिरूपता) स्थविर
इहादि सरभु रूप-वेप, अधिक उपकरण
आदिनो परिहार-त्याग. स्थविर कलादि-
वत् रूप-वेप; अधिक उपकरणदि का परि-
हार-त्याग A form like a number
of an order of saints; renounc-
ing of many belongings. उक्त०
२६, २,

पडिरूवय. त्रि० (प्रतिरूपक) सरभा रूप-
वाहुं समान रूप वाला Similar in
form. भग० १५, १;

पडिरूवा. छी० (प्रतिरूपा) आधु अवस-
पिणीना योथा कुवकरनी श्री. चालू अव-

सपिणी के चथे कुलकर की श्री. Wife
of the 4th Kulkaro in the cur-
rent season of decrease. सम० प०
२२६;

पडिलंभ. पुं० (प्रतिलम्भ) प्राप्त; आदाश-
दिष्टनो लाभ. प्राप्ति, आहारादिक का प्राप्त-
लाभ-लब्धि. Attainment; getting
of food etc. सूय० २, ५, ३२;

पडिलद्ध. त्रि० (प्रतिलब्ध) भेदवेद; प्राप्त
करेव. मिलाया हुआ; प्राप्त किया हुआ.
Attained; acquired नाया० १;
भग० १५, १; —सम्पत्त. त्रि० (-सम्प-
त्तव) जेजे अभ्यस्त्य भेलथु छे ते
गम्यक्त्ववाला. (one) who has
attained right-belief. भग० १२, १;

✓ पडिलभ था० I. (प्रति+लभ्) भेदवपुं;
प्राप्त करवुं. मिलाना; प्राप्त करना To
acquire; to get

पडिलभामि भग० १५, १;

पडिलभे. वि० उक्त० १, ७;

पडिलाभेह प्र० सम० प० २३२; नाया०
१६; १६;

पडिलाभेज्जा वि० राय० २७७;

पडिलाभिस्सामि. भ० भग० १५, १;

पडिलाभेहत्ता. सं० कृ० नाया० १४; १६;

पडिलाभेत्ता सं० कृ० भग० ५, ६;

पडिलाभित्ता. सं० कृ० भग० ५, ६;

पडिलाभेमाण व० कृ० भग० ७, १; ९,

१०; ८, ६; नाया० ५; १२; १४,

उवा० १, ६८, ६, १६३;

पडिलाभमाण व० कृ० भग० २, ५;

पडिलाभिय त्रि० (प्रतिलाभित) आहार
पाणी ओहाशवेष्ट; साधु-मुनिने निर्दोष आहारा-
रादि आपेल आहार पानी प्रदत्त -
मुनि को निर्दोष आहार आदि दि
(One) who has re

etc; (one) who has given pure food to a saint, monk etc.
विवा० १; पि० नि० ५०५; भग० १५, १;

✓ पडिलेह. धा० I, II. (प्रति+खिच्)

पडिलेहण् क२वुं; पञ्च पात्रादिषु विधि-
पूर्वकं ज्ञेयां-तपासवां. पडिलेहण करना;
वस्त्र पात्रादि को विधिवत् देखना-जाचना
To take proper care of dress
and utensils etc. (२) विचारवुं;
आलोचन क२वुं. विचार करना; आलोचना
करना. to think; to analyse.

पडिलेहह-ति. उत्त० १७, ६; भग० २, १;
५; १२, १; नाया० १; १६; उवा०
१, ६६;

पडिलेहह. निती० २, ५६; भग० १५, १;
नाया० १६;

पडिलेहण. वि० दस० ५, १, ३७;

पडिलेहजा. दस० ८, १७;

पडिलेहिचण. हे० कृ० दसा० ७, १;

पडिलेहिता. सं० कृ० वव० ७, १७; दस०
६, २, २१; नाया० १; भग० २,

१; ५; ८, ६; उत्त० २४, १४;

२६, ८; २०; आया० १, १, ६, ५०;

पडिलेहहता. सं० कृ० नाया० १; १६;
भग० १५, १;

पडिलेहहता. सं० कृ० नाया० १; १६;
भग० १२, १;

पडिलेहाण. सं० कृ० दस० ६, ५५; आया०
१, २, ६, ६७;

पडिलेहिया. सं० कृ० सूय० १, ११, ६;
दसा० ५, १, ८१;

पडिलेहिय. सं० कृ० दस० ४; उवा० १,
५५;

पडिलेहिए. सं० कृ० सूय० २, ७, ३७;

पडिलेहमाण. व० कृ० आया० २, १,
३, १५;

पडिलेहण. न० (प्रतिलेखन) लुओ। “ पडि-
लेह ” श०६. देखो “ पडिलेह ” शब्द.
Vide. “पडिलेह” उत्त० २६, २९; ओघ०
नि० भा० ३; प्रव० ५७०; ५६८;

पडिलेहणा. स्त्री० (प्रतिलेखना) लुओ।
“पडिलेहण” श०६. देखो “पडिलेहण”
शब्द. Vide. “पडिलेहण” पराह० २, १;
—प्रमात्र. पुं० (-प्रमाद) पञ्च, पात्र,
पगेरेनु पडिलेहण क२वाभां प्रमाद क२वे ते.
वस्त्र, पात्र आदि का निरीक्षण करने में प्रमाद-
असावधानी (करना). negligence in
taking proper care of dress etc.
ठा० ६, १;

पडिलेहणिया. स्त्री० (प्रतिलेखनिका) लुओ।
“ पडिलेह ” श०६. देखो “पडिलेह” शब्द.
Vide “पडिलेह” ओघ० नि० भा० १७४;

पडिलहा. स्त्री० (प्रतिलेखा) लुओ। “ पडि-
लेह ” श०६. देखो “ पडिलेह ” शब्द.
Vide ‘पडिलेह.’ उत्त० १७, ६; २६,
१६; ओघ० नि० ६३; ९७; कप्प० ६, ६०;

पडिलेहिता. त्रि० (प्रतिलेखयितृ) पडिलेहण
क२वा२. पडिलेहण करने वाला; निरीक्षण
करने वाला. (One) who properly
inspects dress etc; an inspec-
tor. दस० ४, ५८;

पडिलेहिय त्रि० (प्रतिलेखित) पडिलेहण
क२रेख पडिलेहण किया हुआ; आलोचित.
Inspected; circumspected. उवा०
१, ५५; पचा० १०, १६;

पडिलेहियव्व. त्रि० (प्रतिलेखितव्य) पडि-
लेहण क२वाये०. पडिलेहण करने के योग्य.
Fit to be inspected or taken
care of. कप्प० ९, ४५;

पडिलोम. त्रि० (प्रतिलोम) विरुद्ध;
प्रतिदूष; उलटुं. विरुद्ध; प्रतिकूल; उलटा;
विपरीत. Opposite; hostile; ini-

mical राय० २५२; दसा० ९, ११; विशेष० १३०५; सम० ३०; भग० १, ५; नाया० १; ६; ओघ० नि० ३६; प्रव० १०५२; वव० १०, १; जं० प० क० प० १, ५६, कण्प० ५, ११५;

पडिलोमइत्ता. सं० कृ० अ० (प्रतिलोमायित्वा) प्रतिद्वन्द्व करने; प्रतिपक्षी बनायीने. प्रतिकूल करके; प्रतिपक्षा बनाकर. Having made an opponent or adversary. ठा० ६, १;

पडिलोमं-पडिलोमेण. अ० (प्रतिलोम-प्रतिलोमेन) उलटे उलटुं उलट उलट; विपरीत. Opposite; contrary. राय० २६७;

पडिलोमग. त्रि० (प्रतिलोमक) विपरीत; प्रतिद्वन्द्व विपरीत; विरुद्ध; प्रतिकूल Hostile; inverted; adverse. भग० ९, ३२;

पडिवंसग. पुं० (प्रतिवंसक) पांजरानी वन्धे दूरी गोडवेली वांसनी झंझडी. पांजरे के बीचमें बिठाई हुई फिरती बासकी कांमडी. A moving bamboo stick fixed inside a cage (२) उल्ला वांस उभर आया गोडवेल वांस खडे बास पर रखा हुआ आढा बांस. & horizontal bamboo placed on vertical bamboos. जीवा० ३, ४, राय० १०७;

पडिवक्ख. पुं० (प्रतिपक्ष) रक्षाभोपक्ष; प्रतिपक्ष. प्रतिपक्ष; सामनेवाला पक्ष; विपक्ष An adverse or hostile party. ठा० ४, १; विशेष० ३१; पि० नि० भा० २; चउ० २६; पंचा० १, ३६; सु० च० १, ३२६; ८, ३४; पञ्च० ५: —पञ्च न० (—पद) उलटा गुणवाणुं पद; प्रतिपक्षी अर्थवाणुं पद. उलटे गुण वाला पद; प्रतिपक्षा अर्थवाला शब्द & wor of opposite or ad.

verse sense of merit अणुजो० १२१;

✓पडिवच्च. धा० I (प्रतिवच्) दंडेपुं; साभुं भोलपुं. कहना; सामने बोलना. To speak; to retort

पडिवक्खामि. भ० सूय० १, ११ ६;

पडिवज्जमाणय. त्रि० (प्रतिपद्यमानक) ग्रहण धरतो; स्वीकारतो. ग्रहण करता हुआ; स्वीकार करता हुआ Accepting; admitting. भग० ८, ८; २५, ६; ७;

पडिवज्जिम. त्रि० (*प्रतिपद्य) ग्रहण धरेल; स्वीकारेल. ग्रहीत; स्वीकृत. Accepted; admitted सु० च० १, १६६; नाया० ७;

पडिवज्जियच्च त्रि० (प्रतिपत्तय) स्वीकार २वा गेय्य. स्वीकार करने योग्य; प्राप्त. ग्रहण करने के योग्य. Fit to be accepted; taken. उत्त० ३२, ९;

पडिवज्जेयच्च त्रि० (प्रतिपत्तय) लुओ। "पडिवज्जियच्च" शब्द. देखो "पडिवज्जियच्च" शब्द. Vide. "पडिवज्जियच्च" उवा० १, ८६;

पडिवडिय त्रि० (प्रतिपात्तन) आधी गयेल. पुनः गिरा हुआ, भ्रष्ट चालित Fallen; degraded भग० ११, ९;

पडिवरण. त्रि० (प्रतिपन्न) प्राप्त थयेपुं. प्राप्त; मिला हुआ. Acquired; obtained. भग० २, १; ५, १; १०, २; नाया० १; ५; ८; १३; आया० १, १, ३, १८; १, ४, २, १३३; ओव० १५; वव० ६, ४१; १०, १;

पडिवरणग. त्रि० (प्रतिपन्नक) स्वीकारेल; ग्रहण धरेल स्वीकृत; ग्रहीत. Accepted; taken. भग० १, ८; नाया० १५;

पडिवरणय. त्रि० (प्रतिपन्नक) लुओ। "पडिवरणय" शब्द देखो "पडिवरणय" शब्द Vide. 'पडिवरणय' भग० ६, १;

पडिवात्ति. स्त्री० (प्रतिपत्ति) प्रणाम-वन्दना आदि विनय विधि; सेवा-लक्षित. प्रणाम-वन्दना आदि विनय विधि; सेवा-भक्ति. Service, attendance, salutation etc. उक्त० २३, १६; अणुजो० ५८. न या० ८; चउ० १; विशेष० ६०३; (२) अंगीकार; स्वीकार. acceptance; admission उवा० २, ११३; उक्त० २६, ८; (३) द्रव्यादिक पदार्थ परत्वे मतान्तर. द्रव्यादिक पदार्थ विषयक मतान्तर another theory or opinion about substances etc सम० प० १६८; सू० प० १; (४) अनुभवधृती यती प्रतीति-निश्चय. अनुभव द्वारा प्राप्त प्रतीति-निश्चय-विश्वास. confidence due to experience; faith विशेष० २३०; क० गं० १, ७; (५) कर्तृत्व; कृत्य करनी; कृत्य; कार्य. काम action; deed. “ कस्सका विणाय पडिवात्ति पडंजिवा ” राय० २७७, पंचा० १, ४; ६, २६; (६) प्रकार; भेद. प्रकार, भेद; जाति variety; class, kind ओघ० नि० २६०; (७) उपादि-द्वार, प्रवेश जीवादिद्वार; प्रकरण. an entrance or access to a soul; a topic. क० गं० १, ७; (८) उपपत्ति; युक्ति धटना उपपत्ति, युक्ति, घटना reasoning; argument नंदी० ४६, (९) प्राप्ति, लाभ प्राप्ति, लाभ. acquisition; profit. पंचा० ६, २; प्रव० ५५४, —समास पु० न० (—समास) श्रुत-ज्ञानने ओक प्रकार, गति आदि भे या २ द्वारथी यत्तु उपादि पदार्थानुं ज्ञान श्रुत ज्ञान का एक प्रकार, गति आदि दो चार द्वारों से प्राप्त जीवादि पदार्थ का ज्ञान. a variety of scriptural knowledge; knowledge of substances like soul

etc. through two or more means like condition etc. क० गं० १, ७;

पडिवात्ति. पुं० (प्रतिपत्तिक) सम्यक्त्वधी पडीने वणी पीछे वार सम्यक्त्व पामनार उव सम्यक्त्व से भ्रष्ट होकर पुनः दूसरी बार सम्यक्त्व प्राप्त करने वाला जीव. A soul which again attains right belief after once falling from it. पञ्च० ३;

पडिवन्न. त्रि० (प्रतिपन्न) स्वीक्षरेल; अंगी-कार करेले. स्वीकृत; अंगीकृत. Accepted; admitted उवा० २, ११३; (२) प्राप्त थयेले, पाभेले प्राप्त; पाया हुआ; मिला हुआ. Obtained; got; received. भक्त० १६०.

पडिवया. स्त्री० (प्रतिपद्) पडवे; ओकम. प्रतिपदा; पडवा; एकम्. The 1st date of a lunar fortnight. प्रव० १५७०; पंचा० १६, १६;

✓ पडिवह धा० I. (प्रति+वह्) वहन करवु; निर्वाह करवे। वहन करना; सहना. निर्वाह-गुजर करना. To carry; to endure; to subsist.

पडिवहति नाया० ५;

पडिवय. पुं० (प्रतिपथ) आडे। २२तो; उलटो। मार्ग उलटा रास्ता; बेटब मार्ग. A cross-way; an opposite way. उक्त० २७, ६;

पडिवय. स्त्री० (प्रतिपद्-प्रतिपथते उपक्रम्यते-जन्येति) पडवे। ओकम. प्रतिपदा एकम्. The 1st date of a lunar fortnight. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२; पडिवाअ. पु० (प्रतिपात) अवधिज्ञानने। ह्रास-घटाडे थाय ते. अवधिज्ञान का ह्रास-घटी-कमी. Decrease of a limited

knowledge. विशेष ७१०;

पडिचाइ. त्रि० (प्रतिपातित्र) पडवाना २५-
लाय वानुं; आधीने जतु रहै तेनुं; अपधि
ज्ञाननो अेक भेद. गिरने के स्वभाववाला;
पतनशील; आकरके जानेवाला; अवधि
ज्ञान का एक भेद. Having a ten-
dency to fall; passing; a varie-
ty of limited knowledge. ठा० २,
१; नंदी० ९; पञ्च० १; ३३; क० गं० १. ८;

पडिचाय. पुं० (प्रतिपाद्) पडवाये; पलंग
आदिना पाया नीचे रखवानो लाकड़ानो
कड़ो. टेका; पलंग आदि के पायों के नीचे
रखने का लकड़ी का टुकड़ा. A prop;
a block of wood kept under
the legs of a cot. राय० १६१;

पडिवालैमाण व० कृ० त्रि० (प्रतिपालयत्)
जेटुं; राह जेटु. देखताहु प्रा; राह जोहता
हुआ Waiting; expecting. नाया०
३; ८; १६; विवा० ३;

पडिवासुदेव. पुं० (प्रतिवासुदेव) जे त्रय
भंडुं राज्य करेतां वासुदेवने हाथे भरे
ने तेनुं राज्य वासुदेव करे ते प्रतिवासुदेव
जो तीनो खंडों का राज्य करने वाले को
मारकर उसके स्थान पर राज्य करे वह प्रति-
वासुदेव. Prati Vāsudeva; (one)
who rules the three continents
after slaying the ruling Vāsu-
deva. जीवा० ३, ४; प्रव० ४८;

पडिविज्जा स्त्री० (प्रतिविद्या) विद्यानी रूढिमे
विद्या-मारण मोहन वगेरेनी रूढिमे तेपी
विद्या अध्यायी ते. प्रतिविद्या-प्रतियोगी
विद्या-मारण, मोहन आदि के सामने उसी
प्रकार की विरुद्ध विद्या का प्रयोग. A re-
taliating black magic. पि० नि०
४६७;

✓ पडिविद्धंस. धा० II. (प्रति + वि + ध्वंस)

विनाश करेवा; ध्वंस करेवा. विनाश करना;
नाश करना; ध्वंस करना. To destroy;
to annihilate.

पडिविद्धंसेह. सूय० २, २, २०;

पडिविरय. त्रि० (प्रतिविरत) सावधयोगार्थी
निवृत्त थयेल. सावध योगसे निवृत्त; सावध
योगसे विरत. Ceasing from Sāva-
dya (involving sin) contem-
plation. सम० ३० दसा० ६, १७; १०.
७; वव० ३, १३;

पडिविसज्ज. धा० II. (प्रति + वि + मृज्)
रत्न आपवी; विदाय करेनुं आज्ञा देना;
विदा देना, छुटी मजूर करना; रवाना करना;
भेजना. To permit; to grant
leave; to bid farewell.

पडिविसजेह. ओव० २८; नाया० १; ३; ७;
८; १४; १६; भग० ११, ११; ज०
५० ३, ४३; ५१;

पडिविसज्जे आ० दसा० १०; १;

पडिविसजेहता. म० कृ० नाया० ८; भग०
११, ११;

पडिविसजित्ता. निर० १, १;

पडिविसज्जिय. त्रि० (प्रतिविसर्जित) विदाय
करेल. विदा किया हुआ; भेजा हुआ. Des-
patched, sent away. नाया० १;

पडिविसेस. त्रि० (प्रतिविशेष) विशेष.
अधिक. सविशेष-अतिशय. Extra-
ordinary; special. विशेष ५२;

पाडवुत्तया. स्त्री० (प्रत्युक्ता) प्रत्युत्तर.
प्रत्युत्तर; जवाब. A reply; an answer.
भग० ११, ११;

पडिवूह. न० (प्रतिव्यूह) शत्रुनी रूढिमे
लश्कर गोल्लवानी कला. शत्रु के सम्मुख
सेना को सजाने की युक्ति-कला. The
art of arranging an army in
front of an enemy नाया० १;

पडिसंखिय सं० कृ० अ० (प्रतिसंखिय)
 लुभे: " पडिमखिविया " शब्द. देखो
 " पडिसंखिविया " शब्द. Vide. " पडि-
 सखिविया " भग० १६, ३;

पडिसंखिविया. सं० कृ० अ० (प्रतिसंखिय)
 मुह्तीमा सक्षेप करीने; मुह्तीमां लघने-
 रापीने. मुह्ती में दवाकर-रखकर-लेकर.
 Contracting or keeping in a
 fist. भग० १४, ७,

✓ पडिसंजल. धा० I. (प्रति+सम्+जल्)
 डेधनु उ० दीपन करयु. क्रोध भड़काना, गुस्से
 का तरह देना To excite anger.
 पडिसंजलिजासि क० वा० आया० १, ४,
 ३, १३६,

पडिसंत त्रि० (प्रतिशान्त) शांत थयेल.
 शान्ति प्राप्त; शान्त Calmed; paci-
 fied जं० प० ५, ११५;

✓ पडिसंधा. धा० I (प्रति+सम्+धा)
 योजयु; साधयु. योजना करना; साधना;
 जोड़ना. To arrange; to join
 पडिसंधयु. उक्त० २७, १; महा० प० ७;
 पडिमधायजा. वि० भग० १४, ८;
 पडिसंधाय. सं० कृ० सूय० २, २, २६

पडिसंलीण. त्रि० (प्रतिसंलीन) छिद्रियोने
 नियममा रापी अेकान्तर्भा रहेलुं; छिद्रिया-
 न्द्रियोने निग्रह करनार. इन्द्रियोका वश मे
 रखकर एकान्त में रहा हुआ; इन्द्रिय निग्रह
 करने वाला, एकान्त वासी-जितेन्द्रिय. One
 living alone having controlled
 his senses; (one) who controls
 his senses. उक्त० ११, १३; दस० ३,
 १०; ठा० ४, २; ५, २;

पडिसंलीणया. स्त्री० (प्रतिसंलीन) प्रतिसं-
 लीन तप; छिद्रियता विषयो अने कषायोने
 लय करवे। प्रतिसंलीन तप, इन्द्रियोंके विषयों
 तथा कषायों का क्षय करना-मिटाना. An

austerity of self-restraint; the
 annihilation of the objects of
 the senses and passions. भग०
 २५, ७, आवा० १६; ठा० ६, १;

✓ पडिसंवेद. धा० II (प्रति+सम्+विद्)
 अनुभव करवे; भोगयुं. अनुभव करना;
 भोगना. To experience.
 पडिसंवेदेह. आया० १, १, १, ६; भग०
 १, ७, ५, ६; ७, ६; १८, ५;

पडिसंवेदयइ-ति भग० ५, ३; दस० १०,
 ४;

पडिमंवेदयइ. नाया० १५;
 पडिसंवेदति. सूय० २, १, ४०;
 पडिमंवेदति. भग० १०, ३; २०, १;
 पडिसंवेदंमो. भग० १६, ३; २०, १;

✓ पडिसंसाध. धा० I. (प्रति+सम्+साध्)
 सत्कार करवे। सत्कार करना; आदर करना
 To welcome; to show respect
 or hospitality.

पडिसंसाहेहि. आ० नाया० १४;
 पडिसंसाहणया स्त्री० (प्रतिसंसाधन)
 पछवाडे आलयुं; उलंघीनेन ययुं ते. पीछे र
 चलना, लाघकर के न जाना Following;
 going without transgressing.
 भग० २५, ७; आवा० २०;

✓ पडिसंहर. धा० I (प्रति+सम्+ह)
 संकटयुं, अेकत्र करयुं; पाछुं भेयी लेयुं.
 सकोचना; एकत्र करना, पीछे की ओर खींच-
 लेना. To contract; to gather up,
 to drag back
 पडिं हरेजा. वि० सूय० १, ७, २०;

✓ पडि-सं-हर. धा० I. (प्रति+सम्+ह)
 पाछुं भेयी लेयु; संकटयुं. पीछेकी ओर
 खींच लेना; सकलन-संकुचन करना. To
 draw back; to contract.
 पडिसाहरइ-ति. आवा० १२; जीवा० ३,

४; नाया० ८; सम० ८; भग० ३,

१; २; १५, १;

पडिसाहरन्ति. सूय० २, २, ८१; जं० प०
३, ६१;

पडिसमाहरे. विधि० दस० ८, २५;

पडिसाहराभि. भग० ३, २;

पडिसाहरिया. जं० प० भग० १४, ७;

१६, ३;

पडिसाहरित्ता. सं० कृ० भग० ३, २;

पडिसाहरेत्ता. सं० कृ० राय० ६६;

पडिसाहरित्तण्. हे० कृ० भग० ११, १०;

पडिसाहरसाय. व० कृ० राय० ७२; ज०

प० ५, ११७;

पडिसिडिय. त्रि० (प्रतिशब्दित) भरी पड़ेयुं.

गिरकर पडा हुआ; गिरा हुआ; गिरा हुआ.

Fallen off. भग० ११, ९; १६, ४;

नाया० ६; ११; पिं० नि० ५१७;

पडिसल्लु. पुं० (प्रतिशब्द) प्रति पक्षी; दुश्मन.

विपक्षी; दुश्मन; शत्रु; वैरी. An adver-
sary; an enemy. भग० ५, ५;

✓ पडिसर. धा० II. (प्रति + शृ) शिक्षा
करवी. शिक्षा करना, दण्ड देना. To pu-
nish. (२) निन्दा करवी निन्दा करना.
to censure.

पडिसारेंति भग० १५, १;

पडिसारेद् अ० भग० १५, १;

पडिसारेओ. ह० कृ० भग० १५, १;

पडिसारिजमाण्. व० कृ० भग० १५, १;

पडिसाडण. न० (प्रतिशब्द) परित्याग
नामनुं करणुं; आहारिक शरीरने छोड़ना
छेत्वा समग्रभां सर्वथा ते पुद्गलोतो त्याग
करवे। ते आहारिक शरीर को छोड़ते हुए
अन्तिम समय में पुद्गल का एकान्त त्याग.
A wholesale renouncement
of the molecules at the end
while leaving off a physical

body. विशेष० ३३१६;

✓ पडिसाड. धा० I. (प्रति + श्राट्) आम
तेम पाड़ुं; नीचे छेड़ुं करवुं. ज्यों ज्यों जिधर
उधर गिराना; नीचे गिराना, गिराना, बिखे-
रना. To scatter; to cause to fall
below.

पडिसाडिज्ज वि० दस० ५, १, २८;

पडिसाडित्तण्. हे० कृ० भग० ६, १;

पडिसारणा. स्त्री० (प्रतिस्मारण) पीनना
भननी निन्दा करवी ते. दूसरों के मत की
निन्दा. Act of censuring an-
other's creed भग० १५, १;

पडिसाहरण. न० (प्रतिसंहार) संकेशी

लेयुं; पाछुं खींच लेयुं. संकलन करनेना;

पंछे समेट-खींच लेना. Gathering

up; dragging back; retracting.

पिं० नि० ४६६; भग० ३, २; १५, १;

पडिसिद्ध त्रि० (प्रतिषिद्ध) निषेध करेयुं.

निषिद्ध; मनाकिया हुआ. Prohibited;

forbidden पंचा० ६. ३१; भक्त० १०४;

पडिसुह पुं० (प्रतिश्रुति) प्रतिश्रुति-जम्बू-

द्वीपना ओरवत क्षेत्रभां आगामी उत्सर्पि-

णीभां थनार ८ माकुलकर प्रतिश्रुति-आगामी

उत्सर्पणी में जवूद्रूप के एरवत क्षेत्र में होने

वाले एवं कुलकर. Pratisruti, the

9th Kulakar to be born in the

Airavata region of Jambū

Dvīpa सम० प० २४१;

✓ पडिसुण. धा० II. (प्रति + श्रु) सांभ-

लयुं; लक्ष्यभां लेयुं; श्रुणु करवुं. सुनना;

ध्यान देना; स्वीकार करना. To accept;

to hear; to notice.

पडिसुणोद्-ति. श्रोव० ३०; भग० ६; ३३;

नाया० १; ५; ८; १०; १४; १६;

निसी० ६, ५; राय० २८;

पडिसुणानि. श्रोव० ३६; भग० २, ५; ३,

१ ७, ९ १०; १२, १; नाया०
१; ८; १७; दसा० १०, १;
पडिसुणंति नाया० ३, राय० २८,
पडिसुणोमि. नाया० ७; भग० १५, १;
पडिसुणोह. दम० ६, २, २०; दसा० १०,
१;
पडिसुणोज्जा. दसा० १०, ३;
पडिसुणित्तए. हे० कृ० दसा० १०, ३;
पडिसुणोइत्ता. स० कृ० भग० ७, ६; नाया०
१; ३; ५; ७; ८; १२; १४; १६;
जं० प० ५, १२०;
पडिसुणोत्ता. स० कृ० दसा० १०, १; भग०
७, ६, १०; ११, ११;
पडिसुणित्ता. स० कृ० भग० २, ५, दसा०
१०, १,
पडिसुणंतिता स० कृ० भा० ३, १;
पडिसुणंतिता. भग० १५, १;
पडिसुणमाण. व० कृ० पि० नि० १८२;
पडिसुराण न० (प्रतिश्रवण) निमत्रणो
२यी३२. निमत्रण की स्वीकृति. Accept
ance of an invitation पि० नि०
६५; ११६
पडिसुणित्तर. त्रि० (प्रतिश्रोतृ) साधण-
ना२. श्राता, सुनने वाला A hearer;
audience दसा० ३ १०; २१;
पडिसुत्ति. पुं० (प्रतिश्रुति) भीष्म कुलशरतु
नाम. दूसरे कुलकर का नाम. Name of
the 2nd Kulakara जं० प०
पडिसुय. पुं० (प्रतिश्रुत) प्रतिध्वनि;
५५७ दे०. प्रतिध्वनि; गुज Echo
राय० ४०, (२) त्रि० सामणेयुं सुना
हुआ. heard नाया० ५;
पडिसूर. पुं० (प्रतिसूर्य) सूर्य की सभे भीष्मे
सूर्य देखाय ते; सूर्य प्रतिबिम्ब सूर्य के
सामने दूसरे सूर्य का दिखाई देना, सूर्य की
बराबरी-प्रतिनिम्ब The reflecti on of

the sun, the image of another
sun seen in front of the sun.
अणुजो० १२७; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३;
पडिसेग. पुं० (प्रतिपेक) नाइली अं६२तुं.
आवरण. नासिका के भीतर का आवरण.
A nasal membrane; (२) नभनी
नीचेने भाग नख के नीचे का भाग.
lower portion of a nail राय०
१६४;
पडिसेज्जा. स्त्री० (प्रतिशय्या) उत्तर शय्या.
उत्तर शय्या-विछौना A death bed.
भग० ११, ११;
पडिसेय. पुं० (प्रतिपेक) नभनी नीचेने
भाग. नख के नीचे का भाग. Lower
portion of a nail. जीवा० ३, ४,
✓पडिसेव. घा० १ (प्रतिसेव) सेवपु;
सेवन ३२पु; सेवन करना. To enjoy;
to take
पडिसेवे वि० आया० १, ८, ४, ५; वव०
१, १६, ३, १२ १३,
पडिसेवेज्जा. वि० भग० २५, ६;
पडिसेवमाण. व० कृ० सम० २१; सूय० २,
६, ८; भग० २५, ६; दसा० २, ३;
पडिसेवित्ता. सं० कृ० भग० १०, २; वव० १,
१; ३७; निसी० २०, १०; ११;
पडिसेवणा. न० (प्रतिसेवन) सेवन ३२पुं
सेवपुं. सेवन करना; काम में लाना.
Enjoying; using; taking. पि०
नि० ६५, वेय० ५, १; १३;
पडिसेवणा. स्त्री० न० (प्रतिसेवन) दोषपुं
सेवन, संयमभां दोष लगावना ते दोषों का
सेवन; संयम को दूषित करने का
कार्य Incurring of a fault; con-
taminating self-restraint. ठा० ४,
१; भग० २५, ५; ६; ७; प्रव० ७३६;—कु-
सील पुं० (-कुरीत) दोष लगाववाली

थयेल कुशील; नियंठानो ओक प्रकार. दोष लगाने के कारण उत्पन्न कुशील; नियंठा का एक प्रकार. degraded through incurring fault by a saint; a variety of Niyanthā. भग० २५, ६;
पडिसेवय. पुं० (प्रतिसेवक) संयमनो विरोधी; दोष; दोषपुं सेवन करना. संयम का विरोधी; दोषों का सेवन करने वाला. An opponent of self-restraint; (one) who incurs faults. भग० २५, ६७;
पडिसेवा. स्त्री० (प्रतिसेवा) आधारभूमि आधारस्थित सेवन करवा रूपी दोष लगाववाले; संयमनी विरोधना. आधारदि के सेवन रूपी दोषों का लगाना; संयम की विरोधना-भंग. Accruing of a fault due to an enjoyment of food etc., which involves sin; transgression of self-restraint. " मूलुत्तर गुणविसया पडिसेवा सेवए पुलाए य " प्रव० ७३६; पिं० नि० ११२;
पडिसेवि. त्रि० (प्रतिसेविन्) दोषनो सेवनार. दोषों का सेवन करने वाला. (One) who enjoys a fault. उत्त० ३६, २६४; वव० २, २२;
पडिसेविय. त्रि० (प्रतिसेवित्) सेवन करने; भोगवेष्ट. सेवन किया हुआ; सहा हुआ; भोगा हुआ. Enjoyed; endured. भग० ८, ६; राय० २६३; ज० प० कण्ठ० ५, १२०;
✓पडिसेह. धा० I, II. (प्रति + पिष्) प्रतिषेध-निषेध करने; अटकावपुं; रोकपुं प्रतिषेध-निषेध-मना करना; अटकाना; रोकना. To prohibit; to check; to stop.
 पडिसेहए. उत्त० २५, ६;
 पडिसेहेह नाया० १६; १८;

पडिसेहंति. सूय० १, ११, २०; नाया० ८;
 पडिसेहए. वि० दस० १, २, ४;
 पडिसेहिरथा. भग० ७, १;
 पडिसेहित्ता. सं० कृ० नाया० १६; निती० ३, ६;
 पडिसेहेहत्ता. सं० कृ० नाया० १८;
 पडिसेहेउं. सं० कृ० विशेष० ३११७;
 पडिसेहित्तए. हे० कृ० विवा० ७; जं० प० ३, ५८;
 पडिसेहिज्जइ. क० वा० विवा० ५;
पडिसेह. पुं० (प्रतिषेध) निषेध; मनाई. निषेध; मनाई; नाहीं. Prohibition; negation. भग० ४०, १; पिं० नि० भा० ३२; पिं० नि० ५०७; जीवा० १; पन्न० ६; प्रव० १४; ४८६; ११११; पंचा० २, २७; ४, ३७; ५, २०; ११, ८;
पडिसेहअ. त्रि० (प्रतिषेधक) प्रतिषेध करने; रोकना. प्रतिषेध करने वाला; मना करने वाला; रोकने वाला. Prohibitor; preventive. जं० प०
पडिसेहिय. त्रि० (प्रतिषिद्ध) प्रतिषेध करने; मनाई करने. प्रतिषिद्ध; निषिद्ध; मना किया हुआ; निवारित Forbidden; prohibited; negated. दम० ५, २, १३; नाया० १६; १८; उत्त० १२, ११; प्रव० ११८८;
पडिसेहि-हे-यव्व त्रि० (प्रतिषिद्धय) मनाई करवा योग्य; निषेध करवा योग्य. निषेध-योग्य; दिवारण-योग्य. मना करने के लायक. Fit to be prohibited; set aside. भग० १, ३; २, १०; ५, ७; ६, ३; ४; २४, २०;
पडिसोय. न० (प्रातिश्रोत्र) काननी सम्मुख. कान-कर्ण के सामने Before the ear. भग० ६, ३३;

पडिसोय. न० (प्रतिभोतस्) २६।मुं पूर;
प्रवाहनी २६।मे. सामने का बहाव-बहाव के
सामने; प्रवाह के विरुद्ध. An opposite
current; opposite to a current.
भग० ५, ७; अणुजो० १३४; नाया० १;
उत्त० १४, ३३;—**गामि.** त्रि० (—गामिन्)
प्रवाह सामे-सामे पूरे आलनार. प्रवाह के
विरुद्ध-सामने की तरफ जाने वाला. (one)
who goes against a current.
“ जुमो व हंसो पडिसोयगामि ” उत्त०
१४, ३३; —**चारि.** त्रि० (—चारिन्)
पाणीना प्रवाह सामे आलनार. पानी के
प्रवाह के सामने जाने-चलने वाला. (one)
who walks or swims against a
current of water. ठा० ४, ४;

पडिस्सुअ. त्रि० (प्रतिकृत) स्वीकारेहुं;
क्षुल करेहुं स्वीकृत; कबूल-मंजूर किया
हुआ. Accepted; admitted. जं०
प० २, २७; उत्त० २६, ६;

✓ **पडिहण** धा० I, II. (प्रति+हन्) ङथुपुं;
भारपुं; अटकावपुं. हनन करना; मारना;
अटकाना. To slay; to check.

पडिहणह-ति. भग० १६, ५; १८, ७; ८;

पडिहणोइ. सु० च० ३, ६;

पडिहणोति. भग० ८, ७;

पडिहणहत्ता. सं० कृ० भग० १८, ७८;

पडिहणित्तण् हे० कृ० भग० ७, ६;

पडिहणोत्ता. सं० कृ० भग० ८, ७;

पडिहणित्ता. सं० कृ० दसा० ३, २५;

✓ **पडिहण** धा० I. (प्रति+हन्) लुओ
“ पडिहण ” धातु. देखो “ पडिहण ”
धातु. Vide. “ पडिहण ”

पडिहम्मति. जीवा० ३, ४;

पडिहरिमहिंति. नाया० १;

पडिहम्मिस्साइ. भग० ११, ११;

पडिहणण. न० (प्रतिहनन) अटकावपुं ते;

VOL. III/55.

निषेध. अटकाव; निषेध. Hindrance;
prohibition. ओघ० नि० ११०;

पडिहत्य. त्रि० (*) परिपूर्ण; भरेहुं;
धथुं. परिपूर्ण; भरा हुआ; अधिक पूर्ण.
Full; filled up; excessive. राय०
८१; ११६; जं० प०

पडिहत्यग. त्रि० (प्रतिहस्तक) भरेहुं. भरा
हुआ; पूर्ण. Full; complete. जीवा० ३;

पडिहय. त्रि० (प्रतिहत) पाछा हटाडेल;
रुपलना पमाडेड. पीछे हटाए हुए. स्थलित
—स्थान अष्ट किये हुए. Turned back;
stumbled; fallen. जं० प० ३, ५३;
उत्त० ३६, ५६; भग० ७, २; १५, १; १७,
२; नाया० ८; दस० ४; प्रव० ४६३; आव०
४, ८;

पडिहाण. पुं० (प्रतिधान) चित्तनी ऐकाग्रता.
चित्त की एकाग्रता. Concentration.
उवा० १, ५३;

पडिहाणवंत. त्रि० (प्रतिमानवत्) प्रतिभा-
उत्पानकी आदि बुद्धिवाणो. प्रतिभा-उत्पात-
की बुद्धि वाला. Ready-witted; in-
telligent. सूय० १, १३, १३;

पडिहाणवंत. त्रि० (प्रणिधानवत्) ऐकाग्र
चित्तवाणुं एकाग्र चित्त वाला. (One)
concentrated. उत्त० १६, १४;

पडिहाय. पुं० (प्रतिघात) प्रतिघात-प्रति-
घात; अटकावत. प्रतिघात; प्रतिबन्ध; अट-
काव; रुकावट. An obstruction; hin-
derance; a counter blow. ठा०
२, १;

पडिहार. पुं० (प्रतिहार) द्वारपाल. द्वारपाल;
ज्यौडीवान; प्रतिहारी. A door-keeper.
नाया० ५; सु० च० २, ७;

पडिहारिया. स्त्री० (प्रतिहारिका) दासी.
दासी; परिचारिका. A maid-servant;
an attendant. भग० ११, ११;

पडीण. पुं० स्त्री० (प्रतीचीन) पश्चिमी प्रदेश;
पश्चिम-दिशा. पश्चिमी प्रदेश; पश्चिम-दिशा.
Western region; the west. आया०
१, ६, ५, १६४; भग० ५, १; १०, १,
२५, ३; नाया० ५; राय० १०२; जं० प०
जीवा० १; दसा० ६, ३४; सू० प० १; जं०
प० १, १०; —अभिमुह. त्रि० (-अभि-
मुख) पश्चिमनी स-मुष्ण. पश्चिमकी ओर.
in front of western direction.
दसा० ७, १; —आयत. त्रि० (-आयत)
पूर्व पश्चिमे लांघुं. पूर्व पश्चिम लम्बा-
आयत. enlongated towards the
east and west. भग० १६, ६;
—वाअ. पुं० (-वात) पश्चिमने वायु-
पवन. पश्चिमी वायु-पवन. a western
wind. ठा० ५, ३; ७, १;

पड्ड. त्रि० (पड्ड) होशियार; चतुर; आलाङ्ग. होशि-
यार; चतुर; चालाक. Skilful; adept;
clever. जं० प० ५, ११५; ओव० ३२;
भग० ६, ३३; नाया० ८; सु० च० २,
५८७; क० प० २, ६५; कप्प० २, १३;
३, ४३; पन्न० २; —पड्ड. पुं० (-पड्ड)
सुंदर ढोल. सुंदर ढोल. a beautiful
drum. कप्प० २, १३;

पड्डस्वव. पुं० (प्रत्युत्सेव) ढोलक, ढाँसा
पगेरे गायने/पयोगी वाद्यने शब्द. ढोलक,
मजीरे आदि गायनोपयोगी वाद्यों का शब्द.
The notes of a drum or copper-
musical instruments (२) नाय-
नारीना पगने/भके. नर्तिका के पदका प्रहार;
नाचने वाली के पैरों की ठुमक. the steps
of a dancer अणुजो० १२८;

पडुच्च. सं० कृ० अ० (प्रतीत्य) आश्रीने;
आशरी लधने; अवलंभीने; अपेक्षाओ.
आश्रय लेकर; आधार से; अपेक्षा से.
Having taken a shelter or

support. उत्त० ३६; ७६; सम० १४;
अणुजो० ३; ठा० ४, १; सूय० १, ५, १,
४; भग० १, १९; ३, ३; ५, २; ६, ३; ७,
३७८; ८, ७, १०; १२, ५; १३, ४; १६, १;
१८, ८; २५, २६; विशेष० ५३८; पिं० नि०
१३४: १५८; निसी० ८, १४; दसा० ७, १;
नदी० ४२; जं० प० पन्न० २; ८; ११; प्रव०
८९८;

*पडुच्छि. स्त्री० (पारिहृदि) पारेड-पांडड
गाय भैंस. बाम्ब गाय या भैंस. A barren
cow or she-buffalo. ओघ० नि० ८७;
पडुपण. त्रि० (प्रत्युत्पन्न) विद्यमान; वर्तमान-
कालनु. विद्यमान; साम्प्रत समय का; आधु-
निक. Extant; present; modern.
जं० प० ७, १३७; भग० १, १४; ८, ५८६;
१४, ४; पन्न० ११, निसी० १०, ७; (२)
गुण्यकार करेव. गुणित. multiplied.
पन्न० १२; —एँदि. त्रि० (-नंदिन्) जे
भणे तेना उपर आनंद भाननार. जो
कुछ मिल जाय उसी पर संतोष मनाने वाला.
(one) who is contented with
what he gets. ठा० ४, २; —विणा-
सिअ. त्रि० (-विनाशक) वर्तमान काले
प्राप्त वस्तुनो नाश करनार. वर्तमान समय में
प्राप्त वस्तु का नाश करने वाला. (one)
who destroys things got in the
present. ठा० २, ४;

पडुपन्न. त्रि० (प्रत्युत्पन्न) गुण्यो “ पडु-
पण ” शब्द. देखो “ पडुपण ” शब्द.
Vide. “ पडुपण ” उत्त० २९, १२;
आया० १, ४, १, १२६; ओघ० नि० ५२;
उवा० ७, १८७; —वचण. न० (-वचन)
आधु कालनुं वचन; वर्तमान-काल वाचक-
विभक्ति प्रत्यय. साम्प्रत-वर्तमान काल का
वचन; वर्तमान-काल वाचक-विभक्ति प्रत्यय.
a word of the present or mo-

dern times; a present-tense termination or conjugational sign. ठा० ३, ४; आया० २, ४, १, १३२; पटुप्पवाइय. त्रि० (प्रत्युपवादित) वा० ३ वगाडे. बाजा बजाया हुआ. (One) who has played upon musical instruments. जं० ५, ७, १४०; आया० २, ११; १७०; निरी० १२, ३२; पटुप्पमाय त्रि० (प्रत्युत्पद्यमान) गुथुता गुथुता. गुणा करते करते; अधिकाधिक उत्पन्न करते हुए. Multiplying and multiplying. जीवा० ३, ४; पटुयर. त्रि० (पटुतर) अतिशय अतुर. अतिशय चतुर. Very clever; wiser. विशेष० ३३८; पटुया. स्त्री० (पटुता) अतुराई; होशियारी. दक्षता; चतुराई, होशियारी Wisdom; cleverness; dexterity. विशेष० ५१४, पडोआर. पुं० (प्रत्यवचार) परिपालन; सेवा-आकरी. परिपालन; सेवा, चाकरी, नौकरी. Nursing; service, attendance. ओष० नि० भा० ३८; पडोच्छन्न. त्रि० (प्रत्यवच्छन्न) ढंकायेलुं. ढंका हुआ. Covered. " अट्टविहकम्ममपडल्लपडोच्छन्ने " उवा० ७, २१८; पडोयाआर. पुं० (प्रत्यवतार) समावतार; समावेश करने, लागू करना. A descent; amalgamation; utilizing. जं० ५, १, ११; ओव० २०; सू० ५० १६; जीवा० ३, ३; (२) आविर्भाव. आविर्भाव; उत्पत्ति. birth; existence. जं० ५० (३) पात्रना उपकरण. पात्र के उपकरण-साधन. resources such as pots. पिं० नि० भा० २८; (४) स्वरूप स्वरूप; आकार. form जीवा० ३, ३; (५)

धनोदधि वगेरेतुं पक्ष्य ने रत्नप्रभा वगेरे पृथ्वीनी सर्व दिशा अने विदिशाभां व्यवस्थित छे. घनोदधि आदि का बलय, जो रत्न-प्रभादि पृथ्वी की सर्व दिशाओं और विदिशाओं में व्यवस्थित है. the girdle of Ghanodadhi which is encircling all the directions and angular directions of the earth Ratnaprabhā etc पन्न० ३०; पडोयार पुं० (प्रत्युपचार) धर्मोपाय; उपाय. धर्म का उपचार-उपाय. The means or decorum of religion भग० १५; १; पडोल. पुं० (पडोल) परवरतो गुच्छा. परवर(ल)का गुच्छा. A cluster of Paravara (a kind of fruit). पन्न० १; पडोला. स्त्री० (पडोला) कडवा परवरनी पेश. कड़वे परवल की बेल-लता. A creeper of bitter Paravara (a species of cucumber). पन्न० १; √ पढ. धा० I. (पठ्) लघुपु, अभ्यास करने. पढ़ना; अभ्यास करना. To read; to study. पढइ. सु० च० ४, ६; पढउ. सु० च० १४, ८२; पढअ. व० कृ० विशेष० ८८२; पढिजइ. क० वा० विशेष० १०; पढण. न० (पठन) पढ़न करने; लघुपु. पढ़ना; अभ्यास करना. Reading; studying पंचा० १५, २८, विशेष० १३८४; सु० च० १, ३१६; पदम. त्रि० (प्रथम-प्रथमे प्रसिद्धो भवतिवा) पहले; प्रथमजुं. पहिला; प्रथम. First; foremost. जं० ५० ७, १३२; २, ३०; २७; क० गं० १, ३४, २, २७; ३, १७; उवा० १, ७०; दसा० १, १, ६, २; ७, १;

आया० २, ४, १, १३२; सम० ८; ३७;
 ठा० १, १; उत्त० ५, ४; २६, १८; अणुजो०
 ५६, १२९; ओव० २२; भग० १, १; २,
 १५; ३, २; ५, १; ५; ७, १; १२; ३; १८, १;
 २२, ५; २५, १६१६; ३५, ६; नाया०
 १; ७; ८; १४; १६; १६; दस० ४; ६, ६;
 विशेष० १०; निसी० १०, ४५५३; १२, ३६;
 विवा० १, नदी० स्य० २०; वेय० ३, १५;
 ४, ११; १२; निर० १, १; प्रव० ५८२;
 ८६७; कप्प० १, १; ४, ६६; ७, २१०; ८;
 —अंतिमदुग. न० (-अन्तिमद्विक)
 पहेलो भे अने छेडा भे गुणगणा. पूर्व के
 दो और अन्तिम दो गुणगणा. first two
 and last two Gunaganā or
 groups of qualities. क० गं० ४, २६;
 —अप्रदम. त्रि० (-अप्रथम) प्रथम
 समय अने अप्रथम समयनुं. प्रथम तथा
 अप्रथम समयका. of the 1st and last
 time. भग० ३५, ७; —उद्देशगमअ. पुं०
 (-उद्देशगमक) पहेला उद्देशने गो-
 अधि३२. पहिले उद्देशका गम-अविकार the
 description of the 1st: Uddeśa.
 निसी० ६, ५; २०, १०; भग० २५, २;
 —करण. न० (-करण) त्रयु करणु पैडी
 यथाप्रवृत्ति नामनुं प्रथम करणु-उपयोग
 विना कर्मस्थितिना क्षय तथा पाये जेम
 नदीमां पडेल पत्थर पाश्चीना प्रवाहथी
 आडे अवणो लटकवाथी डोछक घाटमां
 (गोलाकार दिगेरे) आवे छे पणु पत्थरने
 कांछ लान नथी तेम शुवात्मा विना उपयोग
 कर्मने अपावतां ग्रंथिभेद सुधी आनी
 पहेलि परंतु ग्रंथि भेद करे नहि ते. तीन
 करणों में से यथाप्रवृत्ति नामक प्रथम करण-
 उपयोग के अभाव में भी कर्म-स्थिति का क्षय
 प्राप्त करने वाला, यथा नदी में पड़ा हुआ
 पत्थर पानी के प्रवाह से ऊपर नीचे गिरता

हुआ किसी न किसी-गोलादि आकृति को
 धारण कर लेता है परंतु इसका पत्थर को
 कोई विचार ज्ञान नहीं रहता वैसेही वह जीवा-
 त्मा जो उपयोग बिनाही कर्मों का क्षय करता
 हुआ ग्रंथिभेदपर्यंत तो आ पहुंचे परंतु ग्रंथिभेद
 न कर सके. the 1st Karana named
 Yathāpravṛitti out of the 3
 Karanas (thought-activity);
 that which may be destroying
 the existence of Karmas in
 the absence of any utility e.g.
 a stone falling in a river being
 rolled hither and thither by
 the current assumes any shape
 such as circular etc. but it does
 not know itself, similarly a soul
 without utility destroying the
 Karmas may come to Granthi-
 Bheda but may not sever the
 knot. पंचा० ३, २८; विशेष० १२०७;
 —कसाय. पुं० (-कपाय) प्रथम कपाय;
 अनतानुषंधी कपाय. प्रथम कपाय; अनंता-
 नुवन्वी कपाय. the first passion;
 ever-feeding passions. क० प०
 २, ४२; ७, २; क० ग० ६, ७७; —चउ.
 त्रि० (-चतुर्) प्रथमनी चार (लेश्या).
 पहिली चार लेश्या. the first four
 thought-tints. क० गं० ४, १०;
 —चरिम. त्रि० (-चरम) पहेलुं तथा
 छेडुं. प्रथम तथा अन्तिम. first and
 last. भग० ३५, ८; —जहन्न. त्रि०
 (-जघन्य) प्रथमनी जघन्य स्थिति. पहिली
 जघन्य स्थिति. the first last or
 lowest stage. क० प० १, ८९;
 —जाम. पुं० (-जाम) पहेले पहेर.
 पहिला प्रहर. the 1st quarter of

a day. ठा० ३, २; प्रव० ८६८; —टाणि. त्रि० (-स्थानिन्) अव्युत्पन्न बुद्धिवाहुं. अव्युत्पन्न बुद्धिवाला; वह जिसकी बुद्धि व्युत्पन्न-जागृत नहीं हुई हो. of an undeveloped; intelligence. पंचा० १६, ६; —ट्टिई. स्त्री० (-स्थिति) पहेली स्थिति. पूर्व स्थिति. the first condition. क० प० ४, ३६; —तिगुण. न० (-त्रिगुण) प्रथम त्रय गुणस्थान. प्रथम तीन गुणस्थान. the 1st three spiritual stages. क० गं० ५, १०; —तिपल्ल. पुं० (-त्रिपल्ल) पहेला त्रय पक्ष. पहिले तीन पक्ष. the first three sacks of corn or measures. क० गं० ४, ८०; —तिलेसा. स्त्री० (-त्रिलेश्या) पहेली त्रय लेश्या. पहिली तीन लेश्या. the first 3 thought-tints. क० गं० ४, २६; —पाउंस पुं० (-प्रावृष्) पहेली योभासानी ऋतु. पहिली बरसात; वर्षाऋतु. the first monsoon or rain. त्रिवा० १; —पुढवी स्त्री० (-पृथिवी) पहेली नरक की पृथ्वी. पहिली नरक की पृथ्वी. the first region of the hell. ज्ञावा० ३, १; —पहराणीय. त्रि० (-प्रहरानीत) प्रथम पहेले आखेहुं. प्रथम प्रहर में लाया हुआ. brought in 1st quarter of a day. प्रव० ८२०; —बन्ध पुं० (-बन्ध) पहेलो स्थिति-बन्ध. पहिला स्थिति-बन्ध. the first bond of existence. क० प० १, ५६; —विअ. त्रि० (-द्वितीय) प्रथम अने भीलु. पहिला और दूसरा. 1st and 2nd. क० गं० ४, ६; —वर्गणा. स्त्री० (-वर्गणा) पहेली वर्गणा. पहिली वर्गणा. the first class, arrangement. क० प० १, ३०;

—सम त्रि० (-सम) पहेला ४९३३ गुट्य. पहिले कण्डक के समान. like the 1st Kanḍaka. क० प० १; ३४; —समय. पुं० (-समय) पहेलो समय. पहिला समय; पूर्व काल. the first time. ठा० २, १; भग० ७, १०; क० प० १, १४; ६, १६; —सुत्त. न० (-सूत्र) पहेलुं सूत्र पहिली-प्रथम सूत्र. the 1st Sūtra. पंचा० ११, १३;

पदमग. त्रि० (प्रथमक) पहेलो. पहिला; प्रथम. First. विशेष० ७५;

पदमता. स्त्री० (प्रथमता) प्रथमपणुं. प्रथम; प्रथमता. First; firstly. पंचा० १२; ४६;

पदमया. स्त्री० (प्रथमता) पहेलापणुं. प्रथम; प्रथमता First; firstly. “तप्पदमयाए” भग० १, ७; ६, ३३; उवा० १, १३; कप्प० ३, ३३;

पदमा. स्त्री० (प्रथमा) पहेली तिथि; पडेवा. पहिली तिथि; प्रतिपदा. First day of both the fortnights of a Hindu month भग० १२, ६;

पदमालिआ. स्त्री० (प्रथमादिका) शिक्षा-पहेली शिक्षा. भिक्षा-पहिली भिक्षा. Begging of alms for the first time. ओघ० नि० भा० ४७; प्रव० ८१४;

पदमिल्ल. त्रि० (प्राथमिक) पहेलानुं. पहिले का. First; elementary. भग० २, ३; ५, ६; २४, १२; क० प० ०६, १०;

पदमिल्लय. त्रि० (प्राथमिक) लुओ. “पदमिल्ल” शब्द देखो “पदमिल्ल” शब्द. Vide “पदमिल्ल” भग० ७, २;

पदमिल्लुअ. त्रि० (प्राथमिक) लुओ. “पदमिल्ल” शब्द. देखो “पदमिल्ल” शब्द. Vide. “पदमिल्ल” विशेष० १२२६;

पठिअ. त्रि० (पठित) भण्णेलुं. पढा हुआ.

Learnt; read. पंचा० १७, ३०;

पण. त्रि० (पञ्चत्) पांथ; संख्यावाचक

शब्द. पांच; संख्यावाचक शब्द. The

number five; 5 भग० ६, ८; सु० च०

१, १; क० गं० १, ३; ४१, २; ९; १०;

२६; ३०; ३१; ५, ६१; —तालीस. छी०

(-चत्वारिंशत्) पिसतालीस; ४५ पैता-

लीस; ४५. forty-five; 45 ओव०

२०; —तीस. छी० (-त्रिंशत्) पांतीस;

३५. पैतीस; ३५. thirty-five; 35.

नाया० ८; भग० २, ६; १३, ४; ओव०

१०; सम० ३५; सु० च० ९; १३८;

—निद्रा. छी० (-निद्रा) निद्रा, निद्रा-

निद्रा, प्रयत्ना, प्रयत्नाप्रयत्ना अने थिलुद्धि-

निद्रा ऐ पांथ निद्रा. पांच तरह की

नींद. Nidrā (sleep) of 5 kinds

viz Nidrā, (sleep) Nidrā-

Nidrā, (deep-sleep) Prachalā,

(drowsiness) Prachalā-Pra-

chalā, (heavy drowsiness) and

Thiṇṇaddhi Nidrā (double

sleep). क० गं० १, ६; —पन्न. छी०

(-पञ्चाशत्) पन्थावन; ५५. पचपन;

५५. fifty-five; 55. भग० १३, ६; २०,

५; नाया० ८; सम० ५५; पन्न० ४; क०

गं० ४, ५७; —याल. छी० (-चत्वारिंशत्)

४५; पिसतालीसनी सभ्या. पैतालीस;

४५. the number forty-five;

45. क० गं० २, २७; —यालीस. छी०

(-चत्वारिंशत्) पिसतालीस; ४५. पैतालीस;

४५. forty-five; 45. ओव० ४३; सम०

४५; उत्त० ३६, ५८; भग० २, १; ११, १०;

२५, ३७, पन्न० १; ४; जं० प० ३, ४७; १,

८; —चण. छी० (-पञ्चाशत्)

पन्थावन; ५५. पचपन; ५५. fifty-five;

55. भग० २, ८; क० गं० २, २०;

—वन्न. छी० (-वर्य) पंथरंजी; पांथ

रंग वाणुं. पंचरंगी; पांच रंगवाला. of

five colours; (one) having

five colours. सु० च० २, ६००; प्रव०

१२८६; —विग्घ. न० (-विघ्न) पांथ

प्रकारनुं अंतराय कर्म. पांच प्रकार के अंत-

राय कर्म. five kinds of Karma in

the form of obstacles or hind-

erances. क० गं० ५, ३५;

—वीस. छी० (-विंश) पत्तीस;

२५. पचीस; २५. twenty-five; 25.

उत्त० ३१, १७; भग० २, ८, १२, ७, १३,

१; २०, ५; नाया० ८; पिं० निं० ५२०; सु०

च० ८, २४; पन्न० २; ४; जं० प० क० गं०

२, ५; ६, ६०; —सट्ठि. छी० (-षष्ठि)

पांसठ; ६५. पैसठ; ६५. sixty-five; 65.

सम० ६५; नाया० ८, क० गं० ६, ५३; १,

३०; —सीइ. छी० (-अशीति) पन्थासी;

८५. पच्चासी; ८५. eighty-five; 85.

क० गं० २, ३१;

पण. न० (पण) ऐ नामनुं नवमां देवलोकनुं

ऐक विमान, ऐ देवतानी स्थिति आगणीश

सागरोपमनी छे, ऐ देवता साडानव महिने

आसोच्छवास ले छे ऐने आगणीश

हजार वर्षे क्षुधा-भूष लागे छे. नवें देव-

लोक के एक विमान का नाम जिसकी आयु

१९ सागरोपम की है, यह देवता साढ़े नव

मास में आसोच्छवास लेते हैं और इन्हें १९

हजार वर्षों में क्षुधा लगती है. A cele-

tial abode of the ninth Deva-

loka of this name, the state or

condition of this deity is of

the nineteen Sāgaropmas this

deity breathes every nine and

a half months and feels

hungry after 19 thousand years. सम० १९;

पण्डरी. स्त्री० (प्रणयिनी) प्रेमण स्त्री;
पल्लवा. प्यारी स्त्री: प्राणवह्मन्मा; प्रिया.
A loving wife; a beloved. सू०
च० १, ६६; २, १६;

पण्ण. त्रि० (पञ्चक) पांच. पञ्चक; पांच,
The group of five. प्रव० ६२३;
६६८; विशेष० २०७८; क० गं० ६८; पंचा०
१६; ८७;

पण्ण पुं० (पनक) पुगी; लीलङ्ग; छारी.
फफूंद; फूलन. A flower of moss;
fungus. उत्त० ३६, १०३; सू० २, ३,
१८; सम० २१; आया० १, ७, ६, २२२;
शोध० नि० ३७४; विशेष० ५८८; नंदी०
१२; वेय० ४, २६; दस० ८, १५; निसी०
३, ६६, ७, २१; पञ्च० १; आवा० ४, ३;
कप्प० ६, ४४; (२) ढीलो क्लृप्त; क्षीयः.
पतला कीच-कीचड़; दलदल. mud, mire.
जं० प० —बहुला. स्त्री० (-बहुला) धृष्टा
क्षीयवाणी भूमि. बहुत कीचवाली भूमि.
marshy or muddy place. भग० ७,
५; —मट्टिया. स्त्री० (-मृत्तिका) पण्ण-
अत्यंत सूक्ष्म रत्नरूप भाटीना लव. अत्यंत
सूक्ष्म रत्नरूप मिट्टीके जीव a being in
the form of very fine particle
of earth. उत्त० ३६, ७२; —मत्तिया.
स्त्री० (-मृत्तिका) चिकली भाटी. चिकनी
मिट्टी soft and sticky earth. पञ्च १;
पण्णचिचय. त्रि० (प्रनर्तित) नृत्य करेक्ष.
नाचा हुआ Danced. सु० च० ४, २२४;
पण्णट्ट त्रि० (प्रणष्ट) नाश पायेलुं. नाश
प्राप्त; नष्ट Destroyed; ruined
उत्त० ४, ५; नाया० १; जं० प० ३, ४२;
—संधि. पुं० (-सन्धि) जेना पांछांती
वयली सांघांती दांती देखाती नथी जेवी

जलनी पनस्पति. वनस्पति विशेष कि जिसके
पत्तों के बीच की गस नजर नहीं आती.
a kind of vegetation whose
central vein of the leaves is
not visible. पञ्च० १;

पण्णत्ति. स्त्री० (प्रज्ञप्ति) धर्मनाथजी देवीनुं
नाम. धर्मनाथजी की देवी का नाम. Name
of the wife of Dharmanāthajī.
प्रव० ३७८;

पण्णपरिणत्त. पुं० (पंचप्राज्ञिक) कुतूहलप्रिय-
व्यन्तरदेवनी ऐक जलत. कुतूहल प्रिय व्यन्तर-
देव की एक जाति. A kind of infer-
nal gods fond of curiosities.
जं० प० ७, १४७; शोध० २४;

पण्णपान्निय. पुं० (पञ्चप्राज्ञिक) वाणव्यन्तर
देवतानी १६ जलतभांती दशमी जलत वाण-
व्यन्तर देवता की १६ जातियों में से दशमी
जाति. The tenth of the sixteen
species of infernal gods. पण्ड०
१, ४; प्रव० ११४५;

पण्णमिय-अ त्रि० (प्रणत) नभेलुं; नीये
वणी गयेलुं नत; नमा हुआ; नीचे की ओर
झुका हुआ Bowed down; bent
down. शोध० अणुजो० १३०; भग० १, १;

पण्णय. पुं० (पनक) लीलङ्ग; पुग. फफूंद;
लीलन-फूलन; वर्षाऋतु में जमीन पर व अन्य
कई वस्तुओं पर प्रायः जो हरे रंग की फफूंद
जमने वाली; एक प्रकार की वनस्पति. A
flower of moss; fungus. जं० प०
२, ३६; पञ्च० १; जीवा० ३, ३; पि० नि०
भा० २५;

पण्णय त्रि० (प्रणत) अतिनम्र; विनीत.
अतिनम्र, विनीत. Humble; modest;
polite आया० १, १, ३, २०, १, ६,
२, १८३; नाया० ७; —आसन. न०
(-आसन) नभेलुं-नीयुं आसन; भांथी

वगेरे. नीचा आसन; खाट माची आदि. a low or bent seat. भग० ११, ११; राय० १३६;

पणय. पुं० (प्रणय) स्नेह; प्रेम. स्नेह; प्रेम. Affection; friendship. भग० ७, ६; नाया० ६; जं० प० ७, १३२; —अंजलि. पुं० (-अञ्जलि) प्रणय-प्रेमपूर्वक अंजलि-हाथ जोड़ना ते. प्रणय-प्रेम पूर्वक हाथ जोड़ना; folding of hands through love or affection. सु० च० १, २८६; —खिन्निय. न० (-खिन्नित) प्रणय-स्नेह उतां भेद-रूप दर्शावे तो. स्नेह के होते हुए क्रोध का दर्शाना. distracted or jilted in love. नाया० ९; पणरस. त्रि० (पञ्चदश) पंद्रह. Fifteen; १५. वव० १०, ३०; ३१; ३२; —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) पंद्रह वर्षों की प्रव्रज्यावाला. an ascetic who observes a vow for 15 years. वव० १०, ३०; ३१; ३२;

पणरसम. पु० (पञ्चदशम) पंद्रहवां. Fifteenth. भग० १५ १; नाया० १५; १६; वव० १०, ३०, ३१, ३५; ३२;

पणरसिञ्चा. स्त्री० (पञ्चदशी) पूनम. पौर्णिमा. Fifteenth day of the bright half of a lunar month वव० १०, २;

पणव पुं० (पणव) लाण्ड लेडिनुं वाद्य त्रि०; ढोल. भाँडों का बाजा; ढोल. A musical instrument of a buffoon; a drum. भग० ५, ४; श्रव० ३१; जीवा० ३, १; परह० २, ५; जं० प० ५, ११२; राय० ८८;

पणवरिणय पुं० (पञ्चप्राज्ञिक) लुब्धो "पणपणिय" शब्द. देखो "पणपणिय" शब्द. Vide. "पण पणिय" पञ्च० २;

पणविह. त्रि० (पंचविध) पांच प्रकार का. Of five kinds or varieties. क० गं० १, ३;

पणस. पुं० (पनस) क्षुत्सुनुं वृक्ष; आस. फनस का वृक्ष A jack-fruit tree. जीवा० ३, ४;

✓पणाम. घा० I. (प्रनम्) नभायवुं. नमाना. To bend. (२) अर्पण करवुं. अर्पण करना. to offer.

पणमह. सु० च० २, ३५५;

पणामण. उक्त० १६, ८०;

पणामेहि. आ० नाया० १६;

पणामेहिता. सं० कृ० नाया० १६;

पणाम. पुं० (प्रणाम) प्रणाम; नमस्कार. प्रणाम; वंदन; नमस्कार. A bow; salutation. भग० ३, १; नाया० २; ८; ९; १६; विशेष० १; प्रव० ६६; कण्ठ० २, २७; जं० प० ५, ११७;

पणामश्र. त्रि० (प्रणामक) दुर्गति तरक्ष नभासना शब्दादि पांच विषय. दुर्गति की ओर झुकाने वाले शब्दादि पांच विषय. The five objects viz. sound etc. leading towards a bad or evil state. सूय० १, २, २, २७;

पणायक. पुं० (प्रणायक) नायक; दोरनार. नायक; अगुआ; मुखिया. A leader; a chief. परह० २, १;

पणालि. पुं० (प्रणालि) शरीर जेवडी उंची लाडली. शरीर के प्रमाण की ऊंची लकड़ी. A stick of the height of a body. परह० १, ३;

पण्यसिञ्च. त्रि० (प्रणयसिञ्च) नाश करवुं. नाश किया हुआ; नष्ट. Destroyed; ruined. नाया० १; भग० ११, ११; कण्ठ० २, ३२;

परिदि. पुं० (पञ्चेन्द्रिय) पांच इंद्रिय वाला जीव. A five-sensed living being क० ग० १, ३३, ४९; २, ६, २३, ३, १३; ४, २२;

परिदिअ. पुं० (पञ्चेन्द्रिय) पांच इंद्रियवाला जीव. A five-sensed living being क० ग० २, ३३, ५, ६७;

परिज्जण न० (प्रणयन) धूम्र भूमि तरङ्ग लक्ष्यं ते वधस्थान का ओर लेजाना. Taking or leading to a slaughter house परह० १, १;

✓परि-धा. धा० I. (प्र+नि+धा) प्रक्षिप्त धान-शुद्धिमा धारण करनी; ओकाग्रता करनी मन में सकल्य करना, एकाग्रता करना. To concentrate, to pay close attention to. (२) अपेक्षा राखनी. अपेक्षा रखना. to expect; to hope. परिहाय. उवा० ७, १९२, भग० १३, ४, १५, १; नाया० १०; जीवा० ३, सू० प० १; ज० प० पञ्च० १७;

परिधाय. सं० कृ० अ० (परिधाय) शरीर आदिने वश करीने. शरीर आदि को वश में करके Having controlled the body etc. दस० ९, ४५, (२) मर्यादित करीने. मर्यादित करके having bounded or limited. ज० प० ७, १३४;

परिधित्ता. सं० कृ० अ० (परिधाय) वहन करीने वहन करके Having carried. जीवा० ३, ४,

परिय. न० (परय) व्यापार, सोदा; क्रय-विक्रय. व्यापार; सौदा, क्रय-विक्रय. Trade; bargain; (२) व्यापारनी वस्तु, करियाण्यु. व्यापार की वस्तुएँ; किराना. trading commodities. दस० ७, ४५; जं० प० ओव० १६; नाया० ३; ६, १५; भग० १५,

१; परह० २, ४; जीवा० ३, ३; राय० २७३;

—अद्द. पुं० (-अर्थ) करीयाण्यु भाटे किराने के लिए. for the sake of grocery. दस० ७, ४५; (२) पोते सकट वेदी पोताने. स्वार्थ सिद्ध करना. स्वयं सकटों को सहन करके स्वार्थ को सिद्ध करने वाला. (one) who accomplishes one's own object after suffering difficulties. दस० ७, ३७;

—गिह. न० (-गृह) करीयाण्यु धरदुकान पंमारी की दूकान. shop, a grocery निसी० ८, ८; दसा० १०, १;

—भडग न० (-भारडक) धी तेल वगेरे भाल. घी, तैल आदि पदार्थ trading articles, e.g. ghee, oil, etc. नाया० १५, —भूमि. स्त्री० (-भूमि) करीयाण्युनी भूमि-स्थान किराना माल बेचने की जगह. a market; a place for buying and selling. कप्प० ५, १२१; भग० १५, १;

—साला. स्त्री० (-शाला) करीयाण्यु डाट-दुकान. किराना माल बेचने वालों का बाजार-की दूकान a market; a grocer's shop. आया० १, ६, २, २, दसा० १०, १; निसी० ८, ८; १५, १६; २१, २२; २३; नाया० २;

परिय. त्रि० (प्रणीत) सरस; रसदार. सरस, रसदार. Tasteful; juicy. परह० २, ४;

परिवह्य. त्रि० (परिपतित) नमेशुं. नमाहुआ; नत Bowed or bent down. जं० प० ३, ६१, नंदी० स्थ० ४२, नाया० १६;

✓प-शि-वड. धा० I (प्र+नि+पत्) नमन करवु नमन करना. To bow; to salute.

परिवयामि जं० प० ३, ४५;

परिवयंत. प्रव० १६६;

पण्डिचाय पुं० (प्रणिपात) दंडवत् : प्रणाम दण्डवत्-प्रणाम. A bow made by stretching one's body like a stick; prostration. सु० च० १, ३७१; प्रव० ६७; पंचा० २, १७; —दंडय पु० (—दण्डक) प्रणिपात-नमस्कारना दंडक पाठ; 'नमोऽस्तुते' ना पाठ. नमस्कार का दंडक पाठ; 'नमोऽस्तुते' का पाठ. the lesson of the scripture in the form of salutation; recitation of 'नमोऽस्तुते'. प्रव० १७७;

पण्डिहाण न० (प्रणिधान) मन वगेरे योगिनी ऐकाग्रता मन आदि योगों की एकाग्रता Concentration of the mind etc ठा० ३, १; भग० १०, ५; १८, ७; भक्त० ७८; पंचा० ३, १७; १६, २५; उवा० ४, १६; —तिय. न० (—त्रिक) मन-प्रणिधान, वचनप्रणिधान, अने कायप्रणिधान ऐ त्रय प्रणिधान. तीन प्रणिधान; मन प्रणिधान, वचनप्रणिधान और कायप्रणिधान. concentration of three kinds viz. of the mind, body and speech प्रव० ७१;

पण्डिहि. पु० (प्रणिधि) मनकी विशिष्ट ऐकाग्रता. मनकी विशिष्ट एकाग्रता. A special concentration of the mind. सम० ३२; परह० १, ३; (२) भाषा; ३५८ माया; कपट. deceit; illusion दसा० ६, ७;

पण्डिहिअ-य. त्रि० (प्रणिहित) अस-मार्गधी छडीने स-मार्गमां व्यवस्थित थयेन. कुपथ छोडकर सन्मार्ग ग्रहण किया हुआ. (One) who having given up the wrong path, has taken or resorted to a right one उत्त० २९, ११; आया० १, ६, २, १८३; भग० ३, २;

पण्डिहिअ. त्रि० (प्रणिधिक) दोधने छेतरवाने भाटे वेप बदलाना ३५८-भाषा ४२ना२. लोगों को ठगने के लिए वेप बदलने वाला. A juggler; (one) who deceives others by changing his dress. दसा० ९, ७;

पणीत. त्रि० (प्रणीत) करेनुं; रचेनुं. किया हुआ; रचा हुआ. Composed; written. पंचा० ७ २४;

पणीय. त्रि० (प्रणीत) प्ररचेनुं; प्रकाशेनुं; रचेनुं. प्ररूपित; प्रकाशित; रचा हुआ; Published; composed. सूय० २, १, २६; सु० च० १, ३७८; अणुजो० ४२; दस० ५, २, ४१; जीवा० १; प्रव० ५६५; (२) रसभर; जेभा धी वगेरेना थि-दु टपके तेनुं रसभर. रसभरा; जिसमें से धी आदि के बिन्दु टपकते हैं ऐसा रसभरा. succulent; juicy. उत्त० १६, ६; ३; २६; भग० ३, ४; ५, ४, नाया० १६; पि० नि० ६४४. ओघ० नि० १५०; निसी० ६, २२; (३) प्रकषे करी होरवायेल. विशेषता से प्रेरित well led. आया० १, ४, २, १३१;

परस. त्रि० (परस) पुं०३ल धी वालो आहार; सरस अहार. प्रचुर धी युक्त आहार; पौष्टिक भोजन. A food or diet prepared with much ghee; fatty food. ओव० १९; भग० २५, ७; —भोइ त्रि० (—भोजिन्) धी विगेरे रस टपकतु सरस भोजन करेना२. सरस भोजन करने वाला. (one) who takes such kind of food from which ghee etc. is oozing or dropping सम० ६; —भोजन न० (—भोजन) सुन्दर रसवालुं भोजन. अच्छे रसवाला भोजन; सरस भोजन. food or diet full of flavour or taste. दस० ८, ५७;

पणुन्न त्रि० (प्रनुन्न) प्रेरणा करेव, प्रेरणयेव.
प्रेरित; प्रेरणा किया हुआ Inspired;
instigated, impelled. आया० १, ५,
१, १४२,

✓ पणुल्ल. धा० I. (प्र+नुद्) प्रेरणा करवी.
प्रेरणा करना To inspire; to in-
stigate.

पणुल्लयामो उत्त० १२, ४२;

पणुल्लिज्जा. वि० दस० ५, १, १८;

पणुल्ल. सं० क० सूय० १, ८, १०;

पणुल्लेमाण. व० क० नंदी० १०;

पणुवीस. स्त्री० (पंचविश) पचीश; २५
पचीस; २५. Twenty-five; 25. नंदी०
४५,

पणुवीसइम. त्रि० (पंचविशतितम) पची-
शनुं. पचीसवां. Twenty-fifth विशेष
३१२०;

पणोली. स्त्री० (प्रणोदी) ताणुल्लानी लाकडी
चावुक की लकड़ी A stick for beat-
ing (the bullocks etc.). पणह०
१, ३;

पणोल्लिय. त्रि० (प्रणोदित) प्रेरणा करेव.
प्रेरित. Driven; inspired; goaded.
ओव० २१; पणह० १, ३;

पण न० (पणय) वाणिज्य. वाणिज्य;
व्यापार Trade. (२) ६५ विक्रयनी वस्तु.
क्रय-विक्रयकी वस्तु articles for trade
सूय० २, ६, १६; नाया० ६;

पणणा पुं० (प्राज्ञ-प्रज्ञाविद्यतेऽस्येति) अज्ञेय,
भुद्धिमान् अक्लमंद; बुद्धिमान्. An
intellectual or talented per-
son. उत्त० १५ २, दसा० ६, ४, पंचा०
१७, ४३,

पणण. त्रि० (पञ्चन्) पांच पांच; ५. Five;
5. विशेष० ६६६;

पणणम. पुं० (पन्नम) सप, नाग. सप; नाग.

A serpent; a snake. जीवा० ३, ४;
भग० १५, १;

पणणभूय. त्रि० (पन्नगभूत) सप^१ नेपुं^१
अनेपुं. सर्प के समान बना हुआ Made
like a serpent नाया० १६; १६;

पणणट्ठि. स्त्री० (पञ्चवट्ठि) पांसड; ६५.
पैंसड; ६५ Sixty-five; 65. “ पणण-
ट्ठिच सहस्साई ” भग० १३, ६; ज० प०
७, १४६;

पणणत्त त्रि० (प्रज्ञस) डडेपु; प्ररूपेपुं. कहा
हुआ; आदेशित, प्ररूपित. Ordered; ex-
pounded. ज० प० ५, ११४, ६, १२५;
७, १३३; १४६, १५२; उवा० १, २; ५१;
६१; नाया० १; ५; ६; ८; १०, १६; १६;
अणुजो० १, १३४; ओव० भग० १, १२;
१०; २, १; ७, १, १३, १; २५, ५; उत्त०
८, ८; वेय० ४, २; सू० प० १; ज० प०
राय० ४५, दसा० ३, ११; ६, १, २; पन्न०
पंचा० ८, ४३; ५, १६; ओव० ४, ७; १;

पणणत्तय पुं० (प्रज्ञसक) इरभावेपु; डडेपुं.
आदेशित; आज्ञापित Ordered; com-
manded. भग० १३, २;

पणणत्ति स्त्री० (प्रज्ञप्ति) निरूपण; प्ररू-
पण; उपदेश निरूपण; प्ररूपण; उपदेश.
Order; advice. (२) पांचभुं अंगसूत्र;
भगवती सूत्र. पांचवा अंगसूत्र, भगवती सूत्र
the fifth Āṅga Sūtra; Bhaga-
vatī Sūtra. (३) जंबूद्वीप-पन्नति वगेरे
सूत्रो. जंबूद्वीप पन्नति वगेरे सूत्र the
Sūtras called Jambū Dvīpa
Pannati etc. भग० ४२, २; नाया०
१६; सू० प० २०; उवा० ६, १६६; १६६;
—कुसल. पुं० (-कुशल) प्रसप्ति सूत्रोभां
कुशल प्रज्ञप्ति सूत्रों मे प्रवीण expert
in Prajñapti Sūtras वव० ३, ३;
—कखेवणी. स्त्री० (-आवेवणी) प्रसप्ति

—सन्दिग्ध भाष्यसने भक्षुर वयने क्षरी षोष
आपवा रूप आक्षय्य कथा. सन्दिग्ध मनुष्य
को उपदेश देने वाली मीठे वचनयुक्त आकर्षक
कथा. an attractive story giving
sweet advice to a sceptre.
ठा० ४, २; (२) जम्बूद्वीप-पन्नति वगेरे
पन्नति सूत्रनुं कथारूपे वाचन. जंबूद्वीप
पन्नति वगेरह पन्नति सूत्रों का कथारूप में
पठन. reading of Jambū Dvīpa
Pannati Sūtras etc. in the
form of narratives. ठा० ४, २;

परणरस त्रि० (पंचदशम्) ५-६२; १५.
पंद्रह; १५. Fifteen; 15. जं० प० ४,
८४; भग० ५, १; ६, ७; ८, ५; ९, ३१;
१३, १; २०, ५८; २५, १; ३१, १; सू०
प० १; पत्र० १; पंचा० १६, १६; उवा०
१, ५३; —भाग. पुं० (-भाग) ५-६२भो
भाग. पंद्रहवां भाग. fifteenth part
or-divison. भग० १२, ६;

परणरसम. त्रि० (पञ्चदशम्) ५-६२भुं.
पन्द्रहवां. Fifteenth. भग० २०, ५; उवा०
१, ६६; १०, २७६;

परणरसी. स्त्री० (पंचदशी) पूनम पार्श्विमा.
The 15th day of the bright
half of a lunar month. जं० प० ७,
१५२; विशेष० ३४०७;

परणवग. त्रि० (प्रज्ञापक) ज्ञापयना२; शु३.
ज्ञान देने वाला; गुरु. A master; a
preceptor विशेष० ५४६; जं० प० ३,
५४;

परणवण. न० (प्रज्ञापन) प्रतिपादन करतुं
प्रतिपादन करना. Exposition; expla-
nation; description. नाया० १; १६;
भग० ५, २; २५, ५;

परणवणा. स्त्री० (प्रज्ञापना) प्ररूपणा; निरू-
पण निरूपण; कथन. Explanation;

description. भग० ५, २; ९, ३३;
श्रोष० नि० भा० ६२; सू० १, १, २, ११;
अणुजो० १३६; पत्र० १; उवा० ७, २२२;
(२) १२ उपांगपेक्षी योथुं उपांग सूत्र;
२६ उत्कालिका सूत्रभांजुं ८ भुं. बारह उपंग
सूत्रों में से चौथा सूत्र; २९ उत्कालिक सूत्रों
में से ८ वां सूत्र. the 4th Upānga
Sūtra out of twelve; the 8th
Utkālīka Sūtra out of 29. भग०
१, १; ४, ६; १०; ६, १; ७, २; ११, ३;
विशे० ५५५; नंदी० ४३; पत्र० १; (३)
विनंती; अरज. प्रार्थना; अर्ज; विनय. a
request; a petition. पंचा० १७, ३१;
—गम. पुं० (-गम) प्रज्ञापना नामे सूत्रने
गमे-पाठ. प्रज्ञापना नामक सूत्र का पाठ.
a lesson of Prajñāpanā Sūtra
भग० १, १; —पद. न० (-पद) प्रज्ञापना
सूत्रनुं पद-प्रश्नसु प्रज्ञापना सूत्रका पद-
प्रकरण. a chapter from the
Prajñāpanā Sūtra. भग० १२, १;

परणवणिज्ज. त्रि० (प्रज्ञापनीय) ज्ञापयना
योथ. मालूम कराने योग्य; खुलासा करने
योग्य. Worthy of imparting
knowledge to or enlightening
विशे० १४१; ५४६; पंचा० ३, ६; १२, ६;
११, २२, १५, २२;

परणवणी. स्त्री० (प्रज्ञापनी) विनयवान्
शिष्यने उपदेश देवामां वपराती भाषा.
विनयवान् शिष्य को उपदेश देने की भाषा.
A language used in advising
a humble or modest disciple.
भग० १; ३, पत्र० ११;

परणविय. त्रि० (प्रज्ञापित) सामान्यथी
कहेहुं. साधारणतया कहा हुआ. Gene-
rally spoken; ordered in gene-
ral. अणुजो० १६;

परएवीस. स्त्री० (पंचविंश) पचीस; २५.
पचीस; २५. Twenty-five; 25 भग०
१, ५; विशेष० ६०६;

परएणा. स्त्री० (प्रज्ञा) बुद्धि बुद्धि; अक्ल.
Talent; intellect. ज० प० ५, ११८;
उत्त० २, ३२; ८, १६; भग० १, ३; १९
३; २०, १; (२) त्रिकालिक ज्ञान-समएणु.
त्रिकालिक ज्ञान. knowledge of 3
times viz. past, present
and future. राय० २४४; —परिसह.
पुं० (—परिपह) प्रज्ञा-बुद्धिनी म-दतातो
परिपह. बुद्धि की मंदता का परिपह दुःख
Sorrow experienced through
dullness of intellect. सद० २२;
भग० ८, ८;

परएणा. स्त्री० (पंचाशत्) पचास. पचास.
Fifty; 50 पञ्च० २; भग० १, ५;

परएणाण. न० (प्रज्ञान) सदसद्विवेक. सद-
सद्विवेक. Knowledge of right and
wrong; intuition. आया० १, ४,
१, १२६;

परएणास. स्त्री० (पंचाशत्) पचास; ५०.
पचास; ५०. Fifty; 50. भग० २, ८;
३, ७; १३, ६; २३, ५; २७, ७; पञ्च०
४; नाया० धं० ८; जीवा० ३, १; जं० प०
२, ३१;

परह. पुं० (प्रश्न) प्रश्न; सवाल. प्रश्न; सवाल.
A question; query; doubt. उत्त०
५, १; ओव० २१; विशेष० ६८०;

परहव. पुं० (प्रसव) टपकपुं; ऋतु टपकना;
झरना. Oozing; dropping. पिं० निं०
४८७;

परहव. पुं० (प्रहव) ओ नामने ओक
अनार्य देश एक अनार्य देश का नाम.
An uncivilised country of this
name. (२) त्रि० ते देशने रहेवासी

उस देशका निवासी. a-resident of the
country of this name. भग० ३,
२; परह० १, १;

परहवण. न० (प्रज्ञापन) ज्ञापयतुं ते;
निरूपण. प्रज्ञापन; निरूपण. Explana-
tion making known. विवा० २३;

परहविआ स्त्री० (प्रहविका) प्रहव देशमा
ज-भेदी दासी. प्रहव देश में उत्पन्न
दासी. A female-servant born in
the country called Pranhava.
ओव० ३३;

परहवागरण. न० (प्रश्नव्याकरण) प्रश्न-
व्याकरण नामनु दशभुं अंगसूत्र. प्रश्नव्याकरण
नामक दसवां अंगसूत्र. The tenth
Anga Sūtra viz Prasna Vyā-
karaṇa. अणुजो० ४२, सम० १; विवा
१; नंदी० ४४;

परिह. पुं० (पार्थिव) पगने पानी. चरणा-
मृत. The holy water got from
the washing of the feet of
idols etc. सु० च० १२, ५१; परह० १, ३;

परिहया. स्त्री० (पार्थिवका) पगने पानी.
चरणामृत. The holy water got
from the washing of the feet
of idols. etc प्रव० २५७;

पतंगवीहिया. स्त्री० (पतंगवीहिका) पतंगी-
यानी गति प्रमाणे अनियमितपणे कमपिना
गोचरी करवी ते; गोचरीने ओक प्रकार.
पतंग की चाल के समान अनियमित एवं
क्रमहीन गोचरी; गोचरी का एक प्रकार. A
kind of begging alms without
any order like kite. ठा० ६, १;

✓पतएतएण ना० घा० I. (प्र+स्तन्) भूष
न्येथी गाणुं; गाणना करवी खूब जोरसे
गर्जना करना. To cry aloud; to
roar

पतणुतयायते. भग० १५, १; जं० प० २, ३८;
 पतणु त्रि० (प्रतनु) ग्रीष्म, पातणु-भूक्ष्म.
 पतला; सूक्ष्म. Slender; minute;
 thin. जं० प० ३, ४८; श्राव० ३८;
 पतरग. पुं० (प्रतरक) सोना-रूपाने अंतर-
 गमां भेदी अनावेल ग्रीष्म तार. यन्त्र
 में खींच कर बनाये हुए सोना-चांदी के पतले
 तार. Machine-made thin wires
 of gold, silver etc. जीवा० १, ४;
 ✓ प-तव. धा० I. (प्र+तप्) तपुं.
 तपना. To shine vigorously.
 पयवन्ति. जं० प० ५, १२१;
 पयाविज्जा. प्रे० वि० दम० ४;
 ✓ प-ताड. धा० I. (प्र+ताड्) भा२पुं.
 मारना. To beat severely.
 पंतावे. पि० नि० ३२५;
 पति. पुं० (पति) पति; अर्तार; स्वामी-पत्नी.
 पति; स्वामी; मालिक. Husband;
 master; owner. नाया० १६;
 ✓ पति-अपिपण. धा० I (प्रति+अर्प) पाथुं
 सोपपुं; पाथुं अर्पणुं कर्तुं. पीछे-वापिस
 देना; लौटाना. To return; to repay.
 पचप्पिणह. श्राव० ३०; नाया० १; निर्मा०
 १, ३६; दसा० १०, १;
 पचप्पिणति. भग० ७, ६; ६, ३३; नाया०
 १; ५; ८; १३; १५; १६; राय०
 ३७; भक्त० २६; उवा० ७, २०७;
 जं० प० ५, ११६; ११२;
 पचप्पिणज्जा. वि० पथ० ३६;
 पचप्पिणहि. आ० नाया० १६; श्राव० २३;
 राय० ४; जं० प० ५, १२३;
 ११५;
 पचप्पिणह. आ० भग० ७, १; ६; ३३;
 ११, ११; नाया० १; ८; १५; १३;
 १६; नाया० ध० उवा० ७, २०६;
 जं० प० ५, ११२;

पचप्पिणह. आ० राय० २८;
 पचप्पिणहस्मामि. व० कृ० निरी० ५, १५;
 पचप्पिणित्ता. सं० कृ० नाया० १; वव०
 ८, ८;
 पचप्पिणंत. व० कृ० निरी० १, ३६;
 ✓ पति-अभि-जाण. धा० I. (प्रति+अभि+
 जा) पूव् अनुभवेशी वस्तुने शालान्तरे
 नेतां ओणभी शब्दानुं जान थपुं. पहिले
 देखां हुई वस्तुको कुछ समय बाद फिर देखने
 में पहचान लेना. To recognise a
 thing seen after a long time.
 पचभिजाणह. भग० १, ३२;
 पचभिजाणति. भग० १, ६;
 पचभिजाणज्जा. वि० अणुजो० १४७;
 ✓ पति-अव-रुंभ. धा० I. (प्रति+अव+रुंभ)
 ऐ० उतरपुं. नीचे उतरना. To descend;
 to alight.
 पचोरुमह. भग० १५, १;
 पचोरुभित्ता. सं० कृ० भग० ३, १२;
 पचोरुमहत्ता. सं० कृ० भग० १५, १;
 पचोरुभित्तिता. सं० कृ० भग० १५, १;
 ✓ पति-आ-कखा. धा० I. (प्रति+आ+
 कखा) त७ देपुं; प्रत्याख्यान कर्तुं छोड़
 देना; प्रत्याख्यान करना. To abandon;
 to renounce.
 पचक्खाइ-ति. ठा० २, १; नाया० १; ८;
 भग० १, ८; ८, ५; उवा० १, १३;
 ४३; ८, २३४;
 पचक्खंति. नाया० १६;
 पचक्खापमि. महा० प० २;
 पचक्खामि. भग० २, १; ७, ६; नाया०
 १; १३; उवा० १, १६; ४२;
 पचक्खाइत्ता. सं० कृ० नाया० २;
 पचक्खंत. व० कृ० सूय २, ७, ६;
 पचक्खमाण. व० कृ० सूय० भग० ८, ५;
 पचक्खाण्माण. व० कृ० उवा० १, २२;

✓पति-आ-गच्छ. धा० I (प्रति+आ+गम्) पाठा आवुं पीछे आना. To return; to come back.

पच्चागच्छंति सूय० २, १, १५;

✓पति-आ-या. धा० I. (प्रति+आ+या) द्विरी अपतरवुं-अभुं. फिर से अवतार लेना-जन्म लेना To take re birth or re-incarnation.

पच्चायाइ-ति. ठा० ३, ३; दसा० १०, ३;

भग० २, १; १५, १; सूय० २, २,

२०; नंदी० ५०;

पच्चायंति. ओव० ३४; सूय० २, ७, ६;

जं० प० ६, १२४;

पच्चायाहिति. ओव० ४०; भग० १४, ८;

१५, १;

पच्चाइस्सइ. भग० १५, १, विवा० १;

पच्चाइस्संति. विवा० ५;

पच्चायंत. व० कृ० दसा० ६, ४;

✓पति-इ. धा० I. (प्रति+इ) प्रतीति करनी; विश्वास राखेवा प्रतीति करना; विश्वास रखना. To trust; to believe. पतियइ भग० ३, १; ६, ३३; नाया० १२; १६;

पत्तिरंति. भग० ६, ३३; नाया० १५;

पत्तियसि. भग० १५, १;

पत्तियामि. नाया० १; ८; १४; नाया० ध०

सूय० २, ७, ३८; भग० १, ६; २,

१; ६, ३३; राय० २२२;

पत्तिण्जा. वि० पन्न० २०;

पत्तियाहि. आ० भग० १, ६;

पत्तियाइत्ता. सं० कृ० उत्त० २६, १;

पत्तियमाण. व० कृ० जीवा० १;

✓पति-उ-गच्छ. धा० I. (प्रति+उत्+गम्) रूढाभे अ० सामने जाना. To face; to encounter.

पच्चुगच्छइ-ति. नाया० ५; १६; भग०

२, १;

पच्चुगच्छइत्ता. सं० कृ० भग० २, १;

✓पति-उ-सर. धा० I. (प्रति+उत्+सृ) भसयु; उत्तरवुं. खिमकना; उतरना. To move; to alight.

पच्चुसरइ विवा० ७,

✓पति-उद्-तर. धा० I (प्रति+उत्+तृ) पार उत्तरवुं, त२वुं. पार उतरना; तरना. To cross; to go to the other end or bank.

पच्चुत्तरति राय० १७३;

पच्चुत्तरंति. नाया० ६, निर० ३, ३,

✓पति-उद्-नम धा० I. (प्रति+उत्+नम्) थोडुं नमवुं. प्रणाम करेवा. कुछ झुकना; प्रणाम करना To bend a little, to bow down.

पच्चुणामति. ओव० १२;

पच्चुणमइ नाया० २; जं० प० ५, ११५,

पच्चुणामइ. नाया० ध०

✓पति-उद्-हर. धा० I. (प्रति+उत्+ह) उद्धार करेवा उद्धार करना. To save; rescue (from hell etc.)

पच्चुद्धरिस्सामि भ० नाया० १;

पच्चुद्धरित्ता. सं० कृ० दसा० ४, ६३;

पच्चुद्धरित्तिइ. हे० कृ० जीवा० ३; १;

✓पति-उच-इक्ख. धा० I, II. (प्रति+उत्+ईक्ख) निरीक्षण करवुं; तपासी लेवुं; विचार करेवा. निरीक्षण करना; परीक्षा करना; विचार करना. To scrutinise; to examine; to think

पच्चुवेक्खइ ओव० ३०;

पच्चुवेक्खइ दसा० १०, १;

पच्चुवेक्खह. आ० भग० ७, १०;

पच्चुवेक्खमाण. व० कृ० राय० २०६; भग०

१३, ६;

✓ पति-उव-गच्छ. धा० I. (प्रति+उप+
गम्-गच्छ) २४।३ ७४।३ सामने जाना
To oppose; to encounter.

पञ्चव्रगच्छति. भग० ५, ४;

✓ पति-ओ-रुह. धा० I, II (प्रति +
अव + रुह) ७३।३ उतरपुं; नीचे आपुं
नीचे उतरना; नीचे आना. To descend;
to get down.

पच्चोरुहइ. ओव० १२; नाया० १४;

पच्चोरुहइ. ति० ओव० ३२; भग० २, १;

७, ६; ६, ३३; जं० प० ५, ११५;

११७; नाया० १; २; १६; १६;

नाया० ध० दसा० १०, १; राय०

२२; जं० प० उवा० ७, २०८;

निर० ३, ३;

पच्चोरुहति. ओव० २७; भग० २, १; नाया०

२; ५; ८; जं० प० ५, ११२;

पच्चोरुहइत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ३, १;

७, ६; ६, ३३; नाया० १;

पच्चोरुहइत्ता. सं० कृ० नाया० १४;

✓ पति-ओ-वय. धा० I (प्रति + अव + पत्)
नीचे पडपुं. नीचे गिरना. To fall down.

पच्चोवयमाणा व० कृ० भग० ५, ६; १७,
१;

✓ पति-ओ-सक. धा० I, II. (प्रति +
अव + सृह) असपुं; पाथुं ६३पुं. सरकना;
पीछे हटना. To move back; to
recede.

पच्चोसकइ. भग० २, १; १२, ६; १५, १;

नाया० ८; १६; जं० प० ३, ४३;

५३; राय० १६०; जं० प० उवा० २,

१०१; ८. २५६;

पच्चोसकइ. नाया० ४; १४;

पच्चोसकइति. भग० १५, १;

पच्चोसकइया. जं० प० ३, ५३;

पच्चोसकइतपु. हे० कृ० दसा० ७, १;

पच्चोसकइत्ता. सं० कृ० नाया० ४, १४,

पच्चोसकइत्ता सं० कृ० भग० २, १; १५;

१; नाया० १६;

पच्चोसकंत. व० कृ० नाया० ८;

पच्चोसकमाणा व० कृ० भग० १५, १;

पच्चोसकइति. भग० १५, १;

पतिकंत. त्रि० (प्रतिक्रान्त) प्रवेश इत्थे.
प्रवेश किया हुआ Entered; trans-
gressed भग० ११, ११;

पतिष्ठा. स्त्री० (प्रतिष्ठा) आ० १३; ५५।३;
प्रतिष्ठा. इज्जन; प्रसिद्धि; प्रतिष्ठा; मान Good
name; reputation; credit. ओव०
नि० ६८७; राय० २६५;

पतिष्ठाण न० (प्रतिष्ठान) प्रा० १३; १३।३;
रक्षक. रक्षण करने वाला-वचाने वाला.
Protector; saviour; defender.
पह० १, ३;

पतिष्ठि. त्रि० (प्रतिष्ठित) प्रतिष्ठा पायेपुं.
प्रतिष्ठा-मान पाया हुआ. Established;
famous भग० १५, १;

पतिष्ठा. स्त्री० (प्रतिष्ठा) प्रतिष्ठा; २६.
प्रतिष्ठा; टेक A promise; a vow.
ओव० ४०;

पतिवोहण पु० (प्रतिवोधन) ज्ञान देपुं;
७५।३।३ ते ज्ञान देना; बोध देना. Im-
parting of knowledge; enlight-
ening. राय० ४०,

पतिभयकर. त्रि० (प्रतिभयकर) २४।३।३ लय
उत्पन्न करे तेपुं. प्रत्यक्ष भय उत्पन्न करने
वाला Very dreadful or terrorisi-
ng. सम० ११;

पतिभाग. पुं० (प्रतिभाग) समान; प्रतीक. ५.
समान; एकसा; प्रतिफल. Similar; like-
wise. भग० २५, ६;

पतिरिक्त. त्रि० (प्रतिरिक्त) आ० १३; १३।३.
शून्य; खाली. Vacant; empty. भग०

११, ११;

पतिरिक्ततर. त्रि० (प्रतिरिक्त - तर) लुओ।
“ पतिरिक्त ” शब्द. देखो “ पतिरिक्त ”
शब्द. Vide. “ पतिरिक्त ” भग० १३,
४,

पतुरण न० (प्रतुन्न) आडनी छावना वस्त्रनी
येक जल. वृक्षकी छालके वस्त्रकी एक जाति—
प्रकार. A kind of a bark-cloth
of a tree. आया० २, ५, १, १४५;
निसी० ७, ११;

पतोदय. त्रि० (पतदुदय) उये तथा नीचे
जतु; उडतु. ऊंचा नीचा जाने वाला; उडता
हुआ. Flying up and down. भग०
३, ४,

पत्त. न० (पत्र) पाँडुं—पान. पत्ता; पान.
A leaf. प्रव० ४६८; ६६२; कप० ३,
३४; ३५; गच्छा० १४; ५७; ओव० उत्त०
३४, १८; नाया० १; ४; ९; ११; १३; १५;
भग० १, १; २, १; ५, ६; ७, ९; ३, ७;
११, ११; १८, जं० प० २, ३८; ५, ११२;
७; २१, ६; दस० ४; नंदी० स्थ० ८; जीवा०
१; पन्न० १, २; जं० प० राय० २६; ५७;
अणुजो० १३३; पि० नि० भा० ४५; दस०
४, ६, ३८; २, ८, ९; १; निसी० ५, ४४;
१७, २८; विवा० १; (२) पांअ. पंख.
a wing; a feather. उत्त० ६, १६;
नाया० १; पन्न० १७; (३) पुस्तकना
पृष्ठ—पानां. पुस्तक के पृष्ठ pages or
leaves of a book. प्रव० ६७४, विशेष
१२४; —आहारग. पुं० (—आहारक)
वृक्षना पाँडु आधने जवनार जंतु; पाँड-
डाने जवडे; तेष्ठद्रिय जव विशेष वृक्ष के
पत्ते खाकर जीने वाला जन्तु; तीन इन्द्रिय-
वाला जीव. an insect living on
leaves of a tree; a three-sensed
living being. भग० ११, ६; निर०

३, ३; पन्न० १; —ऊसिय. त्रि० (—उच्छ्रित)
पत्र-पुस्तकना पाना वडे कंठक उयाधवाणु;
पुस्तकना येक प्रकार. एक प्रकार की पुस्तक.
a variety of a book. “ तणुपत्तूसिय
रुवो होइ छिवाडीबुहोवेति ” प्रव० ६७४;

—च्छेज्ज. न० (—च्छेद) आणुथी—पाँडुं
विधवानी कला. तीर से पत्ते को बाँधने की
कला. the art or skill of pierc-
ing the leaves with an arrow.
ओव० ४०; नाया० १; निसी० १२, २०;

—च्छेज्जक. त्रि० (—च्छेद्यक) आडने
पाँडुं जभीन डिपर पाडनारनुं काम वृक्ष
के पत्तों को जमीन पर पटकने वाले का
काम. the work of a man of
dropping down the leaves of
a tree आया० २, १२, १७१; —पुड.

पुं० (—पुट) पाँडुडाने दडियो; दुनो.
दोना; पत्तों का द्रोण. a cup of leaves
to hold ghee etc नाया० १७;

—विटिय. पुं० (—वृन्तक) पाँडुडाने
आथी रडेनार; त्रि० धन्द्रियवाला जवनी
येक जल. पत्तों के सहारे रहने वाला; तीन
इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति. a kind
of three-sensed living being.

पन्न० १; —भंग पुं० (—भंग) पाँडुडाने
लग-भग-भाग. पत्तों का टूटा हुआ भाग.
a broken part of a leaf. दस०

४; निसी० १७, २८; —भार. पुं० (—भार)
पाँडुडाने भार. पत्तों का गद्दा-भार. bur-
den or bundle of leaves. भग०
८, ६; —भोजण. न० (—भोजन) पाँड-
डानुं भोजन. पत्तों का भोजन. food or
diet of leaves. दसा० २, १६;

—मालिया. स्त्री० (—मालिका) पाँड-
डानी माला. पत्तों की माला. a garland
of leaves. निसी० ७, १; —रासि.

पुं० (-राशि) पाँदसानी ढगले। पत्तों का ढेर. a heap of leaves. भग० ८, ६; १२, १; —सगडिया-इ. स्त्री० (-शकटिका) सुडां पाँदसानी गाडी. सखे पत्तों की गाडी a cart full of dried leaves. नाया० १; भग० २, १; —साग. न० (-शाक) पाँदसानुं शाक. पत्तों का शाक a vegetable of leaves. प्रव० १३६; —हारअ त्रि० (-हारक) पाँदस उपासना-सारना. पत्ते निकालने वाला-उठाने वाला (one) who removes the leaves. अणुजो० १३१;

पत्त. त्रि० (प्राप्त) पामेधुं; प्राप्त करे। पाया हुआ; प्राप्त किया हुआ. Obtained; got; secured. प्रव० २१४; १२०७; क० ग० २, १; ३४; भक्त० ३८; ८७; जं० प० ३, ४५; ठा० ३. ३; उत्त० ५, १५; ७, ३; नाया० १; २; ७, ८; ६; १२; १४, १६; १७; भग० १८, १; पिं० नि० ५०८; नंदी० स्थ० ३२; वेद्य० ३, १५; ४, ६१०; ५, ११३; श्रव० १०; राय० ७८; निर० ४, १; भग० ३, १; ५, ४; ७, १; ६; ६; १८, १; २५, ७, विशेष० २०५; सु० च० १, ७३; दस० ६, २, ६; वव० ५, १७; उवा० १, ८६; —श्रोमोयारिया. स्त्री० (-श्रवमोटिका) उणोदरी तपने ओक प्रकार के जेभां दुमेशना ओराक करता लगलग अर्द्धलाग ओछो देवाभा आवे उणोदरी तप का एक प्रकार जिसमें मामूली आहार की अपेक्षा आधा भोजन किया जाता है. a kind of Unodari penance in which half of the usual food is taken वव० ८, १५; —जाल. त्रि० (-ज्वाल) ज्वाला-अग्निनी आंयने प्राप्त थये। ज्वाला-अग्नि की आंच में पड़ा हुआ. fallen into flames or tongues

of fire. पिं० नि० ५४९; —ट्ट. त्रि० (-अर्थ) धणुं लजेध; अर्थ-२६२५ प्राप्त करे। बहुत पढा हुआ; अर्थ या रहस्य का ज्ञाता. very learned; (one) who has digested the sense or essence. सु० च० ४, ३१८; नाया० ६; —वंचिछुय. त्रि० (-वांचिछुत) भेलवेल छे धिछेल वस्तु जेछे ते. इच्छित पदार्थ को प्राप्त करने वाला. (one) who has secured the desired object. प्रव० १४४५; —समय. पुं० (-समय) भजेलेो वपत-अवसर. प्राप्तावसर-मौका. an occasion; chance. नाया० ६;

पत्त. न० (पात्र) पात्र; वासलु. पात्र; वर्तन. A vessel; a pot. भग० २, १; विशेष० २५८२, श्रव० नि० ६६८; (२) पात्र-शुलुवान; सुपात्र. पात्र-गुणी; सुपात्र. meritorious; virtuous; deserving. नाया० १६; ठा० १, १; (३) पात्र-नाटकनो भेल लज्जवना; ओकटर. पात्र-नाटक का पात्र-नट. an actor; (one) who takes part in a dramatic performance. सु० च० १, १; —बुद्धि. स्त्री० (-बुद्धि) आ ज्ञान रूप शुलुवतनुं पात्र छे ओवी बुद्धि करवी ते. यह ज्ञानरूप गुण-रत्न का पात्र है ऐसा विचार. thinking that this one is an object in the form of knowledge. पंचा० ६, ६;

पत्तअ. त्रि० (पत्रक) गेय-गीतनो ओक प्रकार गीत; गीत का एक प्रकार. A song; a kind of song. ठा० ४, ४; (२) न० पातइं; पाफुं. पत्ता a leaf. उत्त० १०, १;

पत्तद्वय. त्रि० (पत्रकित) जेभां नाना पाँदस,

आया छे ते. कोमल पत्तियों वाला (वृक्ष).
(A tree) having sprouts or
tender leaves नाया० ७,

पत्तकालग. पुं० (पत्रकालक) आलंभिका
नगरीनी वृद्धारतो ओक यैत्य आलंभिका
नगरी के बाहर का एक चैत्य. A Chaitya
(memorial) outside the city
of Ālambhikā. भग० १५, १,

पत्तग. न० (पत्रक) पुस्तकना पाना. पुस्तक
के पृष्ठ Pages or leaves of a
book. राय० १६६; विशेष० १२४;

पत्तग. न० (पात्रक) पात्र; भाजन; वासु
पात्र, वर्तन. A vessel; a pot. प्रव०
५०६, भग० १५, १; —ट्वरण. न० (—स्था-
पन) जेना उपर पात्र रपाय ते पात्रो
को रखेन का स्थान anything over
which vessels are placed
प्रव० ५०६; —धुयण. न० (—धोवन)
पात्रानु धोयु; आहार कर्था पछी पात्र धोवा
ते. पात्र का धोवन, आहार करने कं पश्चात्
पात्र धोने से निकला हुआ धोवन. the
water obtained from washing
the vessels after taking food.
प्रव० ७७५;

पत्तत्ता. स्त्री० (पत्रता) पांढरापणुं पत्तो की
दशा. A leafy state सूय० २, ३, ५.

पत्तय न० (पत्रक) ताडपत्र; पानां ताड
पत्र; पत्ता. Leaf of the palm
tree; a leaf अणुजो० ३३, भग० ११, १,
पत्तरक. पुं० (प्रतरक) आभरण विशेष.
आभूषण विशेष. A kind of orna-
ment. पण० २, ५;

पत्तल न० (पत्रल) पापयु पत्तल; पत्रावलि.
A number of leaves pinned
together so as to serve the
purpose of a dish. श्रव० १०; २२;

जं० प० ७, १६६;

पत्तल. त्रि० (पत्रवत्) पांढरापणुं पत्तों
वाला Leafy. पिं० नि० २१४;

पत्ताबंध. पु० (पात्रबन्ध) पात्रा आधाराने
येसार पत्र पण्ड-आणी. पात्र बांधने का
चौरस बन्ध—फोला A square cloth
to tie bowels; wallet. प्रव० ४६८;
श्राव० नि० ६६८,

पत्तामोड. न० (पत्रामोड—मोटिनपत्र) आणीने
वाणी—नीचे नमाडी मुटेल पादसं डाली
को नीचे कुकाकर तोड़े हुए पत्ते. Leaves
plucked by bending a branch.
अत० ३, ८, भग० ११, ६;

पत्तिश्च. न० (प्रीतिक) प्रीति उपलव्यमान
वचन. प्रीति पैदा करने वाले वचन. Words
which excite love (२) प्रेम;
प्रीति प्रेम; प्रीति. love; affection.
उत्त० १, ४१,

पत्तिश्च न० (पत्रक) पानु; पृष्ठ. पत्रा; पृष्ठ;
पेज Page; leaf कप्प० ३, ३६;

पत्तिहय. त्रि० (प्रत्ययित) प्रतीति अरेलु;
विश्वास जनक. भरोसे वाला; विश्वास जनक;
प्रतीति वाला. (One) confided;
trusted भग० १, ६;

पत्तिय न० (प्रत्यय) निमित्त; कारण, हेतु.
निमित्त, कारण, हेतु. Occasion, rea-
son, cause. भग० २, ५, ३, १२; १३,
६; १४, २, नाया० १६,

पत्तिय त्रि० (प्रतीति) प्रसिद्ध; प्रख्यात
प्रसिद्ध; विख्यात Famous; noted.
(२) प्रतीति राभेल. विश्वस्त
confident. नाया० १२, सूय० २, ७, ३८,
वव० २, २१; २४, ३, ६; वेय० ५, ५;
उवा० १, १२;

पत्तिय त्रि० (पत्रिल—पात्राणिसंज्ञातानियस्य)
पांढरा पणुं. पत्तों वाला. Leafy. नाया०

७; ११; १३; १५; भग० ७, ३; १५, १;
राय० २७६;

पत्ती. स्त्री० (पत्नी) स्त्री; पत्नी. धर्मायात्री.
स्त्री; पत्नी. Wife; mistress. उत्त० १२,
२४; १४, ३;

पत्ती. स्त्री० (पात्री) पात्री-प्यालो कटोरी
प्याला. A cup. भग० ११, ११; उवा०
१, ७०;

पत्तेअ. न० (प्रत्येक) दरेक; प्रत्येक. हरएक;
प्रत्येक. Everyone; each. ज० प० ५,
११२; ११६; ११३; क० गं० ४, ८५;
६, ५;

पत्तेग. न० (प्रत्येक) नामकर्मनी आठ प्रत्येक
प्रकृति; उपधात नाम पिगेरे. नामकर्म की
आठ प्रत्येक प्रकृति; उपधात नाम आदि.
Every nature of the eight of
Nāmakarma. क० प० ४, ५१;

पत्तेगतणु. त्रि० (प्रत्येकतनु) प्रत्येक शरीर;
जेने ओक छव दीस ओक शरीर होय ते.
एक शरीर-एक आत्मा पीछे एक शरीर
वाला. A body having one soul.
क० प० १; २०;

पत्तेय. न० (प्रत्येक-एकमेकप्रतीति) दरेक;
ओकेओके. हरएक; प्रत्येक. Every. पचा०
१२, ३; १५, १६; कप्प० ४, ६८; क० गं०
१, २६; २५; ५०; सूय० १, १, १, ११;
आया० १, १, ६, ५०; १, २, १, ६८;
१, ४, २, १३३; ठा० ४, २; ओव० २३;
नाया० १; ५; ८; १६; भग० ११, ११;
१६; ३; दस० १०, १; १८; सू० प० १;
पन्न० २३; नेसी० ४, ७६, सु० च० २,
६४०; ३, १५०; पि० नि० ५०; १४७;
जीवा० ३, ४; विशेष० प्रव० १९; १८१; ६१०;
७६८; २०१; राय० ६८; १५२; जं० प०
(२) नामकर्मनी ओक प्रकृत के जेना
उद्यथी छव प्रत्येक शरीर-ओक छव दीस

ओक शरीर पाये छे. नामकर्म की एक प्रकृति
कि जिसके उद्यम में जीव एक जीव पीछे
एक शरीर पाता है. a variety or
nature of Karmic matter by
the rise of which a living being
obtains one body. पन्न० २३; (३)
प्रत्येक वनस्पति वगेरे प्रत्येक वनस्पति आदि.
vegetation etc. having one soul.
जीवा० ३, ४; —आहार. पुं० (—आहार)
दरेकनो भिन्न २ आहार. प्रत्येक का भिन्न २
आहार. different food of different
beings. भग० १६, ३; २०, १;—तणु.
पुं० (—तनु) प्रत्येक शरीर छव; ओक छव
दीस ओक शरीर. प्रत्येक शरीर जीव; एक
जीव पीछे एक शरीर. a body having
one soul. क० गं० १, ५०; —पय. न०
(—पद) प्रत्येक पद; दरेक पद. हरएक
पद. every word. प्रव० १३४८;
—परिणाम. पुं० (—परिणाम) दरेक
दरेक छवनो परिणाम. प्रत्येक जीवका परि-
णाम. the result of every life.
भग० २, १; —परूवणा. स्त्री० (—परू-
वणा) प्रत्येकनी परूवणा विवेचना.
प्रत्येक की टोका. a criticism of
everyone. “ पत्तेयपरूवणं वोच्छं ”
प्रव० ७६८; —शरीर. न० (—शरीर)
प्रत्येक शरीर; छव दीस ओकेक शरीर. प्रत्येक
शरीर. a constitution in which
one body contains one soul.
भग० १६, ३; सम० २८; जीवा० १; पन्न० १;

पत्तेकबुद्ध पु० (प्रत्येकबुद्ध) प्रत्येक बुद्ध;
कौष्ठ वस्तुना निमित्तथी जेने बोध थयो
होय ते; इन्द्रकु आदि महापुरुष. प्रत्येक
बुद्ध; किसी वस्तुके निमित्त में प्राप्त ज्ञान वाला;
करकंडू आदि महापुरुष. Led to sal-
vation by one's own intuition;

(one) who attains knowledge by means of anything; Mahā Puruṣa like Karkandū etc. भग० २५, ६; पिं० निं० १५२, नंदी० २०; पत्र० १; —मुणि. पुं० (—मुनि) प्रत्येक भुद्धि मुनि; क्रांति वस्तुनी प्रतीति यतां भोध पाभेल साधु; करकंडु आदि मुनि प्रत्येक बुद्ध मुनि, किसी वस्तु की प्रतीति होनेसे प्राप्त ज्ञान वाला साधु; करकंडु आदि मुनि. an emancipated—through his own intuition; an ascetic who attains knowledge by fully knowing one thing, sages like Karkandū etc. प्रव० ५२७; —सिद्ध. पुं० (—सिद्ध) प्रत्येक भुद्धि यधने भेक्ष गया होय ते; सिद्धना पंढर भेदमाने अेक भेद. प्रत्येक बुद्ध होकर मोक्ष प्राप्त करने वाला; सिद्ध के पन्द्रह भेदों में से एक भेद he who attains salvation by becoming a Buddha; one of the fifteen kinds of Siddhas पत्र० १;

पत्तोवन्न पुं० (पत्रोपग) धल्ला पादडांवाणुं ओड बहुत से पत्तों वाला झाड़; घना वृक्ष. A thickly foliated tree. ठा० ४, ३; निसी० ३, ७१,

पत्थ. त्रि० (पथ्य) हितकारक; प्रकृतिने भाक्षक आवे तेषु. लाभदायक; प्रकृति के अनुकूल. Wholesome; which suits one's nature. पिं० निं० ६४६; भग० ५, १; ११, ११; नाया० १; १२; विशेष० १६०६, कण० ४, ९५; जं० प० ४, ७४; —कामय. त्रि० (—कामुक) पथ्य—आनंद दायक पदार्थ की लालसा वाला. one - greedy of wholesome objects. भग० ३, १;

१५, १;

पत्थ. पुं० (प्रस्थ) पाथे; अनीश पसली प्रमाणने अेक भाप; द्रोणने योथे भाग; अेक शेर माप विशेष; वत्तीस पसली प्रमाणका एक माप, द्रोणका चौथा भाग—एक सेर. A particular measure; one seer; one-fourth of a Droṇa (a particular measure). ओव० ३८; अणुजो० १३२; ओष० निं० ७१३; (२) शिखर; टोंय. शिखर; चोंटी. top; peak. प्रव० ५१७, १३६५;

पत्थंतर त्रि० (प्रस्तरान्तर) पथ्यर पथ्यर वन्थेनुं अन्तर—तक्षवत नेम डांकरे अने यिंतामणि रत्न. पथ्यर पथ्यर का भेद—फरक जैसे कंकर और चिन्तामणि रत्न. The difference between stones e. g. between a pebble and the gem Chintāmaṇi. ठा० ४, १;

पत्थग. पुं० (प्रस्थक) भगध देश प्रसिद्ध अेक जलतने भाप; पाथे; पाली. मगध देश में प्रसिद्ध एक माप विशेष. A particular measure of the Magadha country. अणुजो० १४८;

पत्थड. न० (प्रस्तट) पाथडे; पड. घर; प्रस्तर; पुट. Layer. अणुजो० १३४; जीवा० ३, ४; पत्र० २; प्रव० १४१४; जं० प०

पत्थड. त्रि० (प्रस्तृत) पाथरेलुं, झेलायेलुं. बिछाया हुआ; फैलाया हुआ. Stretched or spread. राय० १०८; पत्र० २; —उदय. न० (—उदक) पथरायलुं—दोपायलुं—पाथी. डुकरा—ढोला हुआ पानी. water, thrown or spilled. भग० ६, ८;

पत्थण्या. स्त्री० (प्रार्थना) भागली; पायना करपी ते माँग; याचना करना. Demand;

begging (२) खोलतु पर्याय नाम.
लोभका दूसरा नाम. a synonym for
greed. भग० १२, ५,

पत्थणा. स्त्री० (प्रार्थनः) दीनता पूर्वक
याचतुं ते; प्रार्थना, मागणी. दीनतापूर्वक
याचना, प्रार्थना, माग. Begging with
supplication. सु० च० १, १२४; २,
४५१; ७, ६३; परह० १, ३; २, १;
पंचा० ४, ३०; ३६; १६, ४३;

पत्थणिज्ज. त्रि० (प्रार्थनीय) प्रार्थना करवा
योग्य प्रार्थना करने योग्य. Fit for
praying. दसा० १०, ५; भत्त० १३६;

पत्थ-य. पु० (प्रस्थक) भाप विशेष. नाप
विशेष. A particular measure.
विश० १४००; राय० २७२; तट्ट०

पत्थय. त्रि० (प्रार्थक) प्रार्थना करनेवा;
मागी लेनार. प्रार्थना करने वाला; मांगने
वाला; याचक (One) who prays;
(one) who begs भग० ३, २,

पत्थयण. न० (पथ्यदन) लातुः टीमण-
नारने। नास्ता, फलाहार; कलेवा Break-
fast, refreshment. भग० १५, १,
नाया० १५, राय० २७३, मंथा० १६,

पत्थर. पुं० (प्रस्तर-प्रस्तृणाति आच्छादयति
भूमिं) पाषाण, पथ्रर पाषाण, पत्थर
Stone. ओव० २१; नाया० १. परह० १, ३,

पत्थाण. न० (प्रस्थान) गमन; यात्रा. यात्रा.
गमना प्रस्थान Journey; departure
भग० ११, ६, परह० १, ३,

पत्थार पु० (प्रस्तर) पथ्रने ओक विभाग
वस्त्र का एक भाग A portion of a gar-
ment. वेय० १, १४, (२) प्रायश्चित्त
रचना विशेष. प्रायश्चित्त की रचना विशेष.
a particular expiatory arrange-
ment डा० ६, ४; वेय० ६; २, (३)
नाश; भस्त्र. नाश; मृत्तु destruction;

death. पि० नि० ५०१;

पत्थारेत्ता. सं० कृ० अ० (प्रस्तीर्य) प्रायश्चित्त
करने. प्रायश्चित्त लेकर. Having expi-
ated वेय० ६, २;

पत्थाव पुं० (प्रस्ताव-प्रस्तूयते इति) संयध;
विषय. सम्बन्ध; विषय. Relation;
subject (२) अवसर. मौका. oppor-
tunity. सु० च० १, ३६७; २, ३४१;
पचा० ६, ११;

पत्थिज्जमाण. त्रि० (प्रार्थ्यमान) प्रार्थना
करातु. प्रार्थना कराता हुआ. (One)
prayed to. ओव० ३२,

पत्थिय-अ. त्रि० (प्रार्थित) प्रार्थना करेले;
छरेले प्रार्थना किया हुआ; इच्छित.
Prayed for; desired. जं० प० ३,
५३; भग० २, १; ३, २; ६, ३३; ११, ६;
नाया० १; २; १२; १३; १४; १६, सु० च०
११, ४७; अंत० ३, ८, जावा० ३, ४; ओव०
३३; उवा० २, ६५; कप्प० २, १६; ४, ८६;

पत्थिय. त्रि० (प्रस्थित) विदाय थयेले.
प्रस्थान किया हुआ Departed. सु० च०
१, ३८६;

पत्थियअ पुं० (प्रस्थितक) विनयथी प्रयाण
करेले-अष्ट थयेले. विनय विनाने। शिष्य
अविनीत-अष्ट शिष्य A rude or obsti-
nate disciple. विश० १४४७;

पत्थिया स्त्री० (प्रस्थिका) जाली; टोपली.
छाव, टोकरी Basket ओव० नि० ४७६.
—पिडअ. पुं० (-पिडक) डालनी जे
जालनी वासनी जाली-टोपली. कावड
के दोनो बाजू की वास की छाव-टोकरी.
Bamboo baskets at the 2 ends
of a pole चिवा० ३, राय० २५६;

पत्थिव. पु० (पार्थिव) राजा. राजा; नृप.
King. उत्त० ६, ३२५१; १८, ११;
नाया० १६, सु० च० २, ६६२;

पञ्चुय. त्रि० (प्रस्तुत) आहुं; आलुं. चालुं;
वर्तमान. (Subject) under consi-
deration; on hand पंचा० १८, २५;
पत्थेयञ्च. त्रि० (प्रार्थयिष्य) प्रार्थना करवी
प्रार्थना करना. Entreating; praying.
भक्त० १४६;
पथ पु० (पथिन्) मार्ग; रस्ते. मार्ग, रास्ता
Road; path अणुजो० १३३, पि० नि०
भा० ५१;
पथिय. पुं० (पथिक) मुसाफिर. मुमाफिर.
Traveller. भग० ३, २;
पद. न० (पद) पद वाक्यनुं ओक अ ग; शब्द.
पद-वाक्य का एक अंग; शब्द Word.
सम० १८; अणुजो० १३; भग० ५, ८, ८,
१; २०, ७, २२, ५; २५, २. (२) अथ
अथवा आदि पदार्थ जीव अजीव आदि
पदार्थ. objects such as Jīva;
Ajīva etc पञ्च० १; (२) अथवा
पदार्थनां वर्णनवाहुं प्रकरणा-अध्याय.
जीवादि पदार्थ के वर्णन वाला प्रकरण-
अध्याय. a chapter describing the
categories such as life etc.
भग० ८, १; पञ्च० २८; (४) पग. पैर.
foot. निसी० १, ११, (५) स्थान; ठेकाणुं.
स्थान; ठिकाना. place; resort. भग०
२६, १; —वद्ध स्त्री० (-वद्ध) विशिष्ट
पद रचनायां रचेल. विशेष पद-रचना द्वारा
रचित composed of a particular
combination of words. अणुजो०
१२८; —मग्न पुं० (-मार्ग) पद (पग) ने
मार्ग; पग-रस्ते पदल रास्ता; पगदंडी. a
foot-path. निसी० १, ११, —सम. न०
(-सम) ने पद ने स्वरमां गावुं नेधये
तेन स्वरमां गावुं ते जो पद जिस स्वर में
गाना चाहिये उसे उसी स्वर में गाना.
singing of a song in its pro-

per tone. अणुजो० १२८;
✓प-दंस. धा० I. (प्र+दस्-णिजन्त) देभा-
ऽयु दिखाना; बताना. To show.
पयंसंति विशेष० ६८२,
पयसिउं. हे० कृ० सु० च० ७, ३१;
पदंसिय. त्रि० (प्रदर्शित) देभाऽलुं. बतया
हुआ. Shown. सु० च० २, २०;
पदन्थ. पु० (पदार्थ) अथवा पदार्थ-तत्त्व
जीवादि पदार्थ-तत्त्व. Category like
life etc. पंचा० २, ३४, —रसिग.
त्रि० (-रसिक) अथवा पदार्थभा प्रीति
पायो. जीवादि पदार्थ में प्रीति रखने
वाला. (one) who has attach-
ment for the objects like life
etc. पंचा० २, ३४;
✓प-दा. धा० I. (प्र+दा) आपवु. देवु.
देना; प्रदान करना To give; to hand
over.
पयच्छुह. राय० २४०;
पयच्छामि. नाया० १;
पयच्छामो. भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १;
पादेजा. वि० आया० १, ७; १, १९७,
पदण. न० (प्रदान) आपवुं; देवुं ते. देना;
प्रदान करना. Handing over; giv-
ing ओव० १६; पंचा० ७, २१; —काल.
पुं० (-काल) साधुने दान आपवानो अप-
सर. साधु को दान देने का अवसर. a
time for giving alms to an
ascetic. पंचा० १३, ४१;
पदाहिणा. स्त्री० (प्रदक्षिणा) प्रदक्षिणा कर-
वीते. प्रदक्षिणा देना, परिक्रमा करना Cir-
cum ambulation जीवा० ३, ४;
पदिद्ध. त्रि० (प्रदिग्ध) योपडेल; ललरादेन.
चुपडा-हुआ, लगाया हुआ; जलाया हुआ.
Besmeared; scalded. सूय० १,
५, १, २३;

✓ प-दिप्प. धा० I. (प्र + दीप्) प्रदीप्त थवुं.
प्रदीप्त होना; तेजपूर्वक जलना. To glow;
to burn brightly.

पदिप्पए. अणुजो० १५४;

पदिप्पमाण व० कृ० सम० प० २३८;

✓ प-दिस. धा० I. (प्र + दृश्) दृश्युं;
देखुं. देखना. To see; to observe.

पदीसए. क० चा० पञ्च० १;

पदि(दे)स्सा. सं० कृ० भग० १८; ८;

पदिसा. स्त्री० (प्रदिश) विदिशा-अग्नी,
नैऋति वगेरे भुत्ता. विदिशा-आग्नेय, नैऋ-
त्यादि कौण. An intermediate
point of directions e. g. south-
east; south-west etc. आया० १,
१, ६, ५०;

✓ पदीव. धा० II. (प्र + दीप्) प्रकाश
करे। प्रकाश करना; उजला करना. To
illumine.

पली(दी)वेज्जा. वि० भग० १३, ४;

पदीव. पुं० (प्रदीप) दीवा. दीया; दीपक.
Lamp. भग० ७, ७; ८, ६; —चंपअ.

पुं० (-चम्पक) दीवानुं ढाकणुं. दीये का
ढकन. a covering of a lamp. भग०
८, ६; —लेस्सा. स्त्री० (-लेस्या) दीवानी
ज्योति; ज्योत. दीये की ज्योति. light of
a lamp; light. भग० १३, ३;

पदीवग. पुं० (प्रदीपक) भेडोटी दीवा;
भसाल. बड़ा दीया; मशाल. A big
lamp, a bonfire; a torch. राय०
२७१;

पदुग्ग. पुं० (प्रदुर्ग) कैट-किल्ला; गढ़. किला;
दुर्ग; गढ़. A castle; a fort. आया०
२, १०, १६६;

पदुट्ट वि० (प्रदुष्ट) दूषित; द्वेषपूर्ण. दूषित;
द्वेषपूर्ण. Polluted, full of hatred.
उत० ३२, ३३; ओघ० नि० १३३;

✓ प-दुस. धा० (प्र-दुष्) दूषित करे; द्वेष
करे। दूषित करना; द्वेष करना. To
pollute; to hate.

पउसए. वि० उत० २, ११;

पउसेज्जा वि० ओघ० नि० भा० २६;

पउस्संति. सूय० १, १, २, २६;

पदेस. पुं० (प्रदेश) सूक्ष्मभां सूक्ष्म अंश;
प्रदेश; अविभागी अंश. सूक्ष्मातिसूक्ष्म
अंश; प्रदेश; अविभाज्य अंश. A minut-
est particle, an indivisible
portion. (२) जग्ग; स्थान. स्थान;
जगह. place. जं० प० ६, १२४; भग०
२, १०; ८, ७; पञ्च० १, २२;
—ट्टया. स्त्री० (-अर्थता) प्रदेशनी अपेक्षा.
प्रदेश की अपेक्षा. incomparision to
Pradesā. भग० १८, १०; २५, ३; ४;
पञ्च० ३; —कम्म. न० (-कर्मन्) प्रदेश
इये अन्धायेल कर्म; कर्मनी प्रदेश-पुद्गल
विभाग. प्रदेशरूप में बँधे हुए कर्म; कर्म-
प्रदेश-पुद्गल विभाग. Karma bound in
the form of Pradesā; a divi-
sion of the atoms of Pradesā
of Karma. ठा० ४, ४; —नामानह-
त्ताउय. पुं० न० (-नामनिधत्तायुक्) अंध
जतने आयुष्कर्मनी अन्ध; प्रदेशरूप
नामकर्मनी साथे आयुष्य कर्मनी निधत्त-
अन्धथाय ते एक प्रकार का आयुष्य का
कर्मबंध; प्रदेश रूप नामकर्म के साथ आयुष्य
का होनेवाला निधत्त बंध. a kind of life-
bondage; an affixed bondage
of the life-actions with Nāma
Karma in the form of Pra-
desā. पञ्च० ६;

पदेसिअ. वि० (प्रदर्शिन) अतावेल; दर्शा-
वेल. बतलाया हुआ; दर्शित. Shown;
pointed out. आया० १, ६, ३, १८७;

पदेसिय. त्रि० (प्रदेशिक) प्रदेशवाणो; प्रदेशना समूह्यी अनेक स्कंध वगेरे. प्रदेश वाला; प्रदेश के समूह से बने हुए स्कंध आदि. Having magnitude; a Skandha (molecule) made by an aggregate of Pradesā. भग० १२, ४,

पदोस पुं० (प्रदोष) द्वेष, आर, दोष द्वेष; ईर्ष्या; दोष. Aversion; hatred; jealousy; fault भग० २५, ७; सूय० १, १, ३, ११; उत्त० ८, २. अत० ३, ८. (२) प्रातःकाल अने सायंकाल प्रातःकाल व सायंकाल. morning and evening. जीवा० ३, ४;

पद्वंसाभाव. पुं० (प्रध्वंसाभाव) वस्तुने ध्वंस थायाथी थतो अभाव-नाश ध्वंस के कारण होने वाला वस्तु का अभाव. वस्तु-नाश के कारण होने वाला अभाव. The absence of a thing after its destruction विशेष० १८३७,

✓ **पधार.** धा० I. (प्र+धृ) धारण करेवु. धारण करना; पहिनुना. To put on. पधारह. दसा० १०, १, ज० प० ५, १२३; पधारेजा. ओव० २०; पधारेमाण. निसी० १६, २४; पधारेमाण. पन्न० ३४, पधारेत्ता सं० कृ० भग० ५, ६;

✓ **प-धाव.** धा० I, II. (प्र+धाव्) दौडवु दौडना. To run. पहावह उत्त० २७, ६; सूय० १, ३, २, ६, पहावप. ओघ० नि० भा० १२४, पहावेह. सु० च० २, ४०६,

✓ **पधूव.** धा० I. (प्र+धूप्) धूप देवे; तपाववु धूप देना; तपाना. To show sun light; to heat पधूवेज वि० निसी० ३, ३१;

पधूमिय. त्रि० (प्रधूपित) धूपथी सुवासित

करेलु. धूप द्वारा सुवासित किया हुआ. Made fragrant by incense; incensed. कप्प० ९, २;

✓ **पधोव** धा० I. (प्र+धाव्) धोवुं; पभाणवु धोना. To wash पधोएज. निसी० २, २१; पधोइज. आया० २, १, ६, ३३; पधोअंत. निसी० १, ७;

✓ **प-नच्च.** धा० I. (प्र+नृत्) नृत्य करेवुं; नाचवु. नृत्य करना; नाचना. To dance. पणच्चमाण. व० कृ० नाया० ८;

✓ **पनम.** धा० I, II. (प्र+नम्) नमवु; नमस्कार करेवे. नमना; नत होना; नमस्कार करना To bow; to salute.

पणमह. सु० च० ४, ८१;

पणमेह. नाया० १६;

पणमंति. तंदु०

पणामिमो भग० ४२, १,

पणमह. आ० सु० च० १, १;

पणमिज्जत. क० वा० व० कृ० सु० च० ३, ८४;

पणमित्ता. सं० कृ० विशेष० ३२१३;

✓ **प-नस्स.** धा० I. (प्र+णश्) नाश पावुं नाश पाना. To be destroyed. पणस्सह. पिं० नि० ४६८; दसा० ५, ३६; ३७;

पणसेजा वि० विशेष० १०६,

पणासेई शि० दसा० ८, ३८;

पणासंति. गच्छा० २८;

पणासंतु भग० ४२, १;

✓ **प-ने.** धा० I. (प्र+नी) लेवुं ले जाना. To carry away.

पणिज्जंत क० वा० व० कृ० पणह० १, ३;

पन्न. त्रि० (प्राज्ञ) अज्ञान; पंडित. प्रज्ञा-वान्; पंडित. Intelligent; learned. उत्त० १, २८;

पन्नग. पुं० (पन्नग) सर्प; सांप. Ser-

pent सूय० २, १, ५६; भग० ७, १;
—द्ध. न० (-अर्थ) सर्पना अर्धा भाग.
सर्प का आधा भाग the half of a
serpent. (नागदन्ता) “ अहे पञ्चगद्ध-
रुवा पञ्चगद्ध संठाण संठिया’ राय० १०९;

पञ्चत्त. त्रि० (प्रज्ञप्त) कहेलु; क्षरभायेलुं.
कहा हुआ; कथित. Said, told. पि० नि०
७७, दमा० १, ३; २, १; ७, १; उत्त० २८,
२, ठा० १, १; सम० १, दस० ६, ४, १;
वव० १०, ३; कप० ५, ११७;

पञ्चत्तरि. स्त्री० (पञ्चसप्तति) पञ्चातेर; ७५.
पचहत्तर; ७५. Seventy-five सम०
७५; क० गं० ६, २१;

पञ्चत्तार त्रि० (प्रज्ञप्तृ) प्ररूपणुा करेनार.
ज्ञात करनेवाला; जतलाने वाला; प्ररूपणा
करने वाला (One) who makes
known. सूय० २, १; १४;

पञ्चत्ति. स्त्री० (प्रज्ञप्ति) लणुावपुं ते; निरू-
पणु. वतलाना; प्रदर्शन, निरूपण To
make known or understood.
निर० ३, ५;

पञ्चरस. त्रि० (पंचदशन-पंचभिरधिकादश)
५६२; १५. पन्द्रह; १५ Fifteen. सम०
१५; उत्त० ११, १०; भग० १, ५; १९, ४;
, नदी० १८; —भेअ पुं० (-भेद) सिद्धना
पं६२ भेद सिद्ध के पन्द्रह भेद The
15 kinds of Siddhas प्र० १०,

पञ्चरसम. त्रि० (पंचदशम) ५६२मु पन्द्र-
हवां. Fifteenth. भग० २, १, ठा० ६, १;

पञ्चरसी स्त्री० (पंचदशी) पूनम. पूर्णिमा;
पूनम A Day of full moon कप०
५, १२३,

✓पं-चव. धा० I, II (प्र+ञ्च्) भुवासे
क्षी विगत पार कहेलुं सविस्तर वर्णन करना
खुलासा करके कहना. To speak in
details.

पणवद्ध. भग० ३, १;

पणवेद्ध-ति. श्रोव० २७; भग० ७, १०;

८, २; १६, ६; उवा० ५, २६२;

पणवित्ति. आया० १, ४, १, १२६; जं०

५० ७, १७८;

पणवित्ति. भग० १, ६; २, ५; ५, ३; २०, ८;

पणवोमि. भग० २, ५; ७, १०; नाया० ८;

पणवेज्ज. वि० भग० ६, ३१;

✓पञ्चव. धा० I. (प्र+ज्ञा+णिच्) क्षरभावपुं.

आज्ञा देना. To order.

पञ्चवित्ति. सूय० २, २, २३;

पञ्चविसु सूय० २, २, २३;

पञ्चवसु. भू० सु० च० २, ४३६;

पञ्चविस्मंति. सूय० २, २, २३;

पञ्चवहस्पामो. सूय० २, १, १४;

पञ्चवहत्ता. मं० कृ० ठा० ३, १;

पञ्चवेगाण. व० कृ० आया० १, ७, १,

१६६; प्र० १२१;

पणवहंसु. भू० भग० ८, ७;

पणवित्तण. हे० कृ० नाया० १;

पणवेममाण. व० कृ० भग० ३, १; ६, ३३;

नाया० १; ५; ८; श्रोव० ३८,

पणविविज्ज क० वा० अणुजो० १३६;

पणविविज्जति क० वा० सम० प० १७०;

पणववयंति. क० वा० भग० २, ८;

पञ्चवंत त्रि० (प्रज्ञावत्) बुद्धिमान्; मेधावी

बुद्धिमान्; मेधावी Intelligent. उत्त०

२४, १०; दस० ७, १;

पञ्चवग. पुं० (प्रज्ञापक) प्रश्नो भुवासे

करेनार-आचार्य. प्रश्न का निराकरण करने

वाला-आचार्य. A preceptor who

answers a question. सूय० २, ४, २;

पञ्चवणा. स्त्री० (प्रज्ञापना) ओ नामनुं ओक

उपांग सूत्र-आगम. इस नाम का एक

उपांग सूत्र-आगम. An Upāṅga

Sūtra of this name. अणुजो० ४२;

(२) निरूपणु क२७; कहेषुं निरूपण करना, कथन करना. describing, relating. पि० नि० २६१;

पञ्चवर्णी. स्त्री० (प्रज्ञापना) शिष्यवर्गने उपदेश देवे। ते; उपदेश आपवानी भाषाने। ऐक प्रकाश शिष्य वर्ग को उपदेश देने का कार्य; उपदेश देने की भाषा, भाषा विशेष. Advice to a group of disciples, the language used in advice: a kind of speech प्र० ६०१;

पञ्चवित्र. त्रि० (प्रज्ञापित) ज्ञानवेधु; सभ ज्ञानवेधुं प्रदर्शित, जतलाया हुआ. समझाया हुआ. Made known or manifest. उक्त० २६; ७३,

पञ्चवीस स्त्री० (पञ्चविंश) पञ्चवीस; २५. पञ्चीस, २५. Twenty-five. ज० प० ७, १४८; क० गं० ६, ३३,

पञ्चहत्तरि स्त्री० (पञ्चसप्तति) पञ्चोत्तर; ७५ पञ्चहत्तर, ७५. Seventy-five आया० २, १५. १७६.

✓ प-ज्ञा. धा० I (प्र+ज्ञा) ज्ञानु जानना To know.

पणायद्. क० वा० ५, ६; ७, १; १०, २,

पणायन्ति. भग० १, ८,

पणायद् क० वा० भग० ५, ९; जं० प० ७, १६२;

पञ्चा स्त्री० (प्रज्ञा) माणसनी दश दशाब्धो पैडी पांचवी अवस्था: ४१ थी ५० वर्ष सुधीनी माणसनी समज्जवाणी अवस्था. मनुष्यकी दस अवस्थाओं में से ५वी अवस्था; ४१ से ५० वर्ष पर्यन्तकी मनुष्यकी सूत्रावस्था. The fifth state out of ten of a man; the period between 41 and 50 of good understanding प्र० ६६३; (२) बुद्धि; उदापणु. बुद्धि; दानापन; चतुराई. intelligence;

wisdom. उक्त० १३, ३३; सूय० १, १, ४, ५; विरो० ३६६. तंडु० — छेयण. न० (- छेदन) प्रज्ञा-भुद्धिरूपी शस्त्र. प्रज्ञा-बुद्धि रूपी शस्त्र a weapon in the form of knowledge क० प० १, ६. — मय पुं० (- मद) भुद्धिने। म६. बुद्धि का मद-गर्व. pride of knowledge. सूय० १, १३, १५;

पञ्चाण न० (प्रज्ञान-प्रज्ञायंत इति) पदार्थनु सारी रीते ज्ञानुं ते पदार्थ का सम्यक् ज्ञान. Full knowledge of a thing. आया० १, ६, ३, १८६,

पञ्चाणमंत त्रि० (प्रज्ञानवत् प्रज्ञानमस्त्यस्येति) सदसद्विवेकवान्; ज्ञानी. सदसद्विवेकशील, ज्ञानी. A conscientious person; wise man आया० १, ४, ३, १३८, १, ६, ४, १८८;

पञ्चास स्त्री० (पचाशत्) पचास, ५०. पचास, ५० Fifty. भग० २, ८; ६, २, पण्ड्य पुं० (प्रश्नव) थानमाथी उभरातु दूध; हर्षाथी स्त्रीने दूधने पाने। यडे ते स्तनोंसे उभराता हुआ. हर्षावेश के कारण स्त्रीके स्तनों से दूध का उभरना The outflow of milk through joy from the breasts or udders अंत० ३, ८;

✓ प-प्नहा धा० I. (प्र+प्नहा-प्रप्नहाति यमतीत्यर्थ) मैथुन सेवधुं; रति क्रीडा करनी. मैथुन करना; रति क्रीडा करना. To copulate

पणहयन्ति वव० ६, १६.

पपंच पुं० (प्रपंच) अउभार, डोण. आडम्बर; डोंग: पाखण्ड. Vain show; vanity (२) ढगाध ठगी cheating. विरो० १६०८;

✓ प-पज्ज. धा० I. (प्र+पज्ज) प्रतिपादन करवुं प्रतिपादन करना To maintain

पवजिही. यु० च० १. ११७;

पवजग्रा. व० कृ० विशेष० १६६;

✓प-पड. धा० I. (प्र+पत्) पड्नु. पडना;
गिरना. To fall.

पवट्ट. भग० १, ६;

पवहेज. वि० वेय० ४, २६; दमा० ७, ८;

पवडे. आ० दसा० ६, १;

पवडंत व० कृ० दस० ५, १, ५. नाया०
१; पि० नि० १०२.

पवाडेह. प्रे० भग० १७, १;

पवाडेमाण प्रे० व० कृ० भग० ६, ३४;
१७, १;

✓प-पील धा० I. (प्र+पीड्) पीडा करवा
पीडा देना To give pain.

पवीलिजा. वि० दस० ४;

पवीलाविजा वि० दस० ४.

पपुत्त. पुं० (प्रप्रात्र-प्रकर्षेणपौत्र) प२पोतरे;
पुत्रना पुत्रनो पुत्र. प्रपौत्र; गतेका लडका.

A great-grandson विशेष० ८६२,

पप्प. स० कृ० श्र० (प्राप्य) मेणवीने. मिला-
कर, प्राप्त करके Having obtained.

आया० १, २, ३, ८०; उत्त० ३६, ६, भग०
१६, ८; विशेष० ५२१; ओघ० नि० ६६०;

पज० १६, १७, क० ग० २२७,

पप्पग. पुं० (पर्यक) ओड गतनु घास, पन-
रपति विशेष. एक जाति का घास, वनस्पति
विशेष A kind of grass; a parti-
cular vegetation. सूय० २, २, ७;

पप्पड. पुं० (पर्यट) पापड. पापड. A
thin paper-like dried cake. प्रव०
४४०;

पप्पडमोदय पुं० (पर्यटमोदक) मिष्टान्न
विशेष मिष्टान्न विशेष; एक विशेष मिठाई.
A kind of sweet meat. पज० १७;
ज० प०

पप्पडिया छी० (पर्यटिका) पापड, पडी

पगेरे पाप पदार्थ. पापड, बटी आदि
आय पदार्थ. Eatables like thin
dried cakes etc पि० नि० ५५६;

पप्पुय. त्रि० (प्रप्लुत) भीनयेन. भीगा
हुआ; गीला Wet परह० १, १; नाया० ८;

पप्फड पुं० (पर्यट) पापड. पापड; पपडी;
थर. Layer, a thin cake. जवा० ३, ३;

पप्फुय. त्रि० (प्रप्लुत) विकसित पाभेल.
विकसित प्राप्त. Evolved. भग० ६, ३३;
(२) पडेपुं; टपडपु. बहता हुआ; टपकता
हुआ. Flowing, dropping. अंत०
३, ८;

✓पप्फाड धा० II. (प्र+स्फुट्) फूटनु;
फूर फूरनु; आटकनु. फोडना; दूर करना;
फटकना. To break, to throw
apart, to shake.

पप्फोडह. भग० १२, १;

पप्फांड. वि० उत्त० २६, २४,

पप्फोडण. म० कृ० आड० ६३;

पप्फोडंत. व० कृ० सथा० १०६;

पप्फोडेमाण. व० कृ० वव० ६, ७;

पप्फोडण न० (प्रस्फोटन) विस्तारनुं. वि-
स्तृत करना Spreading (२) फाटकनु.
फटकना winnowing परह० २, १;

पप्फोडणा छी० (प्रस्फोटन) पडिलेहण
वपते वखने आटकनु ते; पडिलेहणना ओड
होपनु नाम. पडिलेहण के समय वख को
फटकने का कार्य; पडिलेहण के एक दोष का
नाम. Shaking of a garment at
the time of Padilehana; a
name of a fault of Padilehana.
उत्त० २६ २६; ओघ० नि० १६३;

पप्फोडणी. छी० (प्रस्फोटन) ओओ।
'पप्फोडण' शब्द देखो 'पप्फोडणा' शब्द.
Vide. "पप्फोडणा" ठा० ६, १;

पबंध. पुं० (प्रबन्ध) निरन्तर विक्षया करवी ते; स्त्री कथा भक्त कथा, देश कथा अने राज कथा अथे आर विक्षयानी प्रवृत्ति निरन्तर विकथन; स्त्री कथा, भक्त(र्तु)कथा, देश तथा तथा राज कथा आद चार प्रकार की कथाओं की प्रवृत्ति Telling stories incessantly, the relating of stories of 4 kinds viz talk about women, talk about food, talk about country and talk about politics. “पबंध च पकुवद् ” उक्त० ११, ७; (२) रचना. निर्माण रचना. वनावट. निर्माण creation, production; arrangement सु० च० १, ३,

पबंधण न० (प्रबन्धन) प्रबन्ध करवे; व्यवस्था करवी. प्रबन्ध करना, व्यवस्था करना Arranging, ordering सम० १२, **पबंधिय स० कृ० अ० (प्रबन्ध)** प्रकृष्ट पक्षे आधीने उत्तम रीति से बाधकर; अच्छी तरह से बाधकर Having tied well क० प० २, ५२,

पबाहा स्त्री० (प्रबाधा) विशेष पीडा विशेष अति तीव्र पीडा. Acute pain नाया० ४, ५,

पबोहय त्रि० (प्रबोधक) प्रबोध करनार. प्रबोध कर्ता. Enlightener. विशेष० १७३, **पबोहिउं हे० कृ० अ० (प्रबोधयितुम्)** सम-जगवाने समझाने के लिये For the sake of enlightening सु० च० १, १८६.

पबभट्ट त्रि० (प्रभट्ट) अष्ट. पतित थयेल भट्ट, पतित, गिरा हुआ. Fallen, sinful. भग० ६, ३३; उक्त० ८, १४, सूय० १, ४, १, १६, नाया० १, ८, भक्त० ६५, १२२;

पवभार पुं० (प्राग्भार) पर्वतनो कांछक नभी गयेलो भाग-शिखर. पर्वतका कुछ कुछ

नमा हुआ भाग-शिखर A peak bent on one side. नाया० १, ५, भग० ३, २; ५, ७; संख्या० १०६; जं० प० अखुजो० १३४, नंदी० ४० पत्र० २, (२) समूह समूह; वृन्द; झुंड group (३) ऐक्य जतनो कारीगर. एक कारीगर विशेष a kind of craftsman पत्र० १;

पवभारगत्र. त्रि० (प्राग्भारगत) नभेक्षुं. नमा हुआ, नत Bent दसा० ७, ११;

पवभारा स्त्री० (प्राग्भारा) भायुसनी १० दशा-अथे मानी आरभी दशा, ७१थी ८० वरस सुधीनी भायुसनी अवस्था के जेभां आरभीअथे करयली पडे छे अने शरीर नभी भेयकु वले छे मनुष्य की दस दशाओं मे से आठवीं दशा; मनुष्य की ७१ से ८० वर्ष तक की अवस्था जिसमें देह पर झुरिया पड़ने लगती हैं और शरीर झुक जाता है. The 8th stage of the 10 of a man; the period between 71st and 80th years of a man when his skin gets crabbled and the body bends on one side, तंदु०

पभ. पुं० (प्रभ) हरिकान्त अने हरिसह धन्वना लोकपालसु नाम हरिकान्त और हरिसह इन्द्र के लोकपाल का नाम. The name of the Lokapāla of Harikānta and Harisaha Indras. अ० ४, १; भग० ३, ८, उवा० ३, १४४; (२) प्रभा-शान्ति प्रभा-काति lustre भग० ११, ११

पभंकर. पुं० (प्रभंकर) प्रभांकर नामे त्रीज देवलोकसु ऐक विमान. प्रभंकर नामक तीसरे देवलोक का एक विमान A celestial abode of the third Devaloka named Prabhaṅkara सम० ३; (२) अे नामसु पांयमा देवलोकसु ऐक

विमान पाचवे देवलोक का एक विमान.
a celestial abode of the fifth
Devaloka named Prabhāṅkara
सम० ८; (३) लोकान्तिक देवताओं के वि-
मान लोकान्तिक देवता का एक विमान a ce-
lestial abode of the Lokāntika
gods भग० ६, ५. (४) ओ नामनी के
ग्रह. एक ग्रह का नाम. a planet of
this name. ठा० २, ३; मू० प० २०;

पभंकर. पुं० (प्रभाकर) तेज आपनार; प्रकाश
करना प्रकाश देने वाला; तेज प्रदान करने
वाला Enlightener; giver of
lustre उत्त० २३, ७५;

पभंकरा. स्त्री० (प्रभंकरा) ज्योतिषीना धन्-
यन्द्रमा तथा सूर्य की ज्योती पट्टराणीनुं नाम
ज्योतिषी के इन्द्र, चन्द्रमा तथा सूर्य की चौथी
पट्टरानी का नाम The name of the
4th chief queen of the Indra
of planets—the Moon and Sun
according to astronomy. ठा०
४, १; भग० १०, ५; जीवा० ४, १. मू०
प० १८, नाया० ध० ७; (२) वक्षगावती
विजयती मुख्य राजधानी-नगरी. वक्ष
गावती विजय की मुख्य राजधानी the
capital city of Vacchagāvatī
division. ठा० २, ३; जं० प० ७, १७०;

पभंगुर त्रि० (प्रभंगुर) क्षणभा नाश पाये
तेयु-क्षण क्षणुर क्षणभंगुर; क्षणस्थायी;
क्षणध्वंसी; पलभर में नष्ट होनेवाला
Transitory in a moment. आया०
१, ६, १, १७८; १, ७, ३, २०-;

पभंजण पुं० (प्रभंजन) प्रलंघन नामे वायु
कुमार अनिना देवताओं धन् प्रभंजन नामक
वायुकुमार जाति के देवता का इन्द्र Indra
named Prabhāṅjana of the
class of Vāyukumāra gods. ठा०

२, ३; भग० ४६ भग० ३, ८; पत्र० २;
(२) पताल इक्षीना अधिष्ठाता के देवता
नाम. पाताल कलशिक अधिष्ठाता एक देव का
नाम. a so called presiding deity
of Pātālakulaśa जीवा० ३; ४; प्रव०
१५८८;

पभकंत पुं० (प्रभकन्त) अनुभूति "पभंकर"
शब्द. देमा "पभंकर" शब्द. Vide
"पभंकर" ठा० ४, १; भग० ३, ८;

पभणिय. त्रि० (प्रभणित) इष्टेयुं. कहा हुआ;
कथित. Said. नाया० २;

✓पभव धा० I. (प्र + भू) उत्पन्न भवु.
उत्पन्न होना To be born (२) समर्थ
भवु. समर्थ होना to be able.

पभवद्-ति विशेष० १६०; पत्र० ११;

पभवत् व० कृ० सु० च० ३, ५४;

पभावंइत्ताणि स० कृ० भग० ५, ६;

पभव. पुं० (प्रभव) उत्पत्ति; कारण. उत्पत्ति;
कारण Origin; cause. पि० नि० ८६;
विशे० १०८; १०८५; नंदी० स्व० २; २३;
पंचा० १३, ४; (२) प्रभवस्वामी के लिये
पांचसौ और सहित जम्बू स्वामी साथ
दीक्षा दीधी. प्रभवस्वामी-जिन्होंने पांचसौ
चोरों के साथ जंबूस्वामी से दीक्षा ली
Prabhava Svāmī who accept-
ed initiation with five hundred
thieves from Jambū Svāmī.
कथ० ८;

पभर्विसु. त्रि० (प्रभर्विष्णु) भवानी धृ०
वायु हाने-बनने की इच्छा वाला. One
desirous of becoming. सु० च०
१०; १८६;

पभा स्त्री० (प्रभा) कान्ति; ज्योति; तेज.
कान्ति; ज्योति; तेज. Lustre, brilli-
ance; splendour. उत्त० ५, २७; २८,
१२; ३४, ५; श्रौव० २२; नाया० १; १०;

મગં ૨, ૧; ૧૪, ૬; સૂચં ૧૮; રાયં ૪૬,
જં ૫૦ વિશે ૭૭૩:

પમાદ્ય. ત્રિં (પ્રમાતિક) પ્રાતઃકાલ
સમ્યન્ધી; સત્તરતું. પ્રાતઃકાલીન; સવેરે કે
સમય કા. Related to the morn-
ing અણુત્તં ૩, ૧;

પમાકર. પું (પ્રમાકર) એ નામનું ત્રીજા
દેવલોકનું એક વિમાન. આ નામ કા ત્રીસરે
દેવલોક કા એક વિમાન. A celestial
abode of this name of the
third Devaloka મમં ૩,

પમાય નં (પ્રમાત) પ્રભાત-પ્રાતઃકાલ.
પ્રમાત, પ્રાતઃકાલ; સવેરા. Morning.
ઉત્તં ૨૦, ૩૪; નાયાં ૧, સૂં ચં ૪,
૧૪૩; અણુજોં ૧૬; પિં નિં ૨૧૩;

પમાવ પું (પ્રમાવ) મહિમા; પ્રતાપ.
પ્રમાવ Influence; majesty
નાયાં ૧૪, ઉત્તં ૩૨, ૧૦૪, મગં ૩, ૧;
૨; નંદીં સ્થં ૨૮; મત્તં ૧૬૫, પંચાં
૪, ૩૩; પ્રવં ૧૨૭૪;

પમાવઈ સ્ત્રીં (પ્રમાવતી) ઓગણીશમા
તીર્થંકરની માતાનું નામ. ઉત્તીસવે તીર્થંકર કી
માતા કા નામ. The name of the
nineteenth Tirthankara. મમં ૫૦
૨૩૦ નાયાં ૮; પ્રવં ૩૨૨; (૨) બલ-
રાજની રાણીનું નામ બલરાજા કી રાની
કા નામ the name of the queen
of Balarājā મગં ૧૧. ૧૧, (૩)
ઉદાયન રાજની દેવાનું નામ ઉદાયન રાજા
કી દેવી કા નામ. the name of the
wife of Udāyana king. મગં ૧૩,
૬.

પમાવણા સ્ત્રીં (પ્રમાવના) શાસન ઉત્તતિના
જે જે કારણો હોય તેનું પ્રવર્તન કરવું તે.
જ્ઞાન, દર્શન, ચારિત્રના સાધનોની દહેણી
કરવી તે, સમકિતના આઠ આચારમાંનો

છેલ્લો આચાર. શાસનોત્તતિ કે લિયે આવ-
શ્યક કારણો કા પ્રવર્તન; જ્ઞાન, દર્શન, ચારિત્ર
કે સાધનો કી પ્રમાવના કરના; સમકિત કે
આઠ આચારોં મેં સે અન્તિમ-આચાર. Pro-
pagation of religious cause.
પંચાં ૭, ૨૪; ૬, ૨; ૧૫, ૨૪, પ્રવં ૩૧૩;
૬૪૦, ઉત્તં ૨૮, ૩૧; પજં ૧,

✓ **પમાસ.** ધાં I, II (પ્ર-માસ) પ્રકાશવું
દીપવું પ્રકાશ કરના, દીપ્ત કરના. To
enlighten; to shine.

પમાસઈ. ઠાં ૨, ૨; દસં ૬, ૧, ' ૬, વિશે
૧૨૬; રાયં ૧૨૦;

પમાસેઈ. મગં ૧, ૬; સમં ૩૪;

પમાસંતિ. મગં ૧, ૨; ૧૪, ૬; જં ૫૦ ૭,
૧૨૬;

પમાસિંતિ. જીવાં ૩, ૪;

પમાસિસ્સંતિ. મં મગં ૧, ૨; જં ૫૦
૭, ૧૨૬;

પમાસિંસુ મૂં મગં ૬, ૨; જં ૫૦ ૭, ૧૨૬;

પમાસેસુંવા મૂં સૂં ૫૦ ૧૬;

પમાસમાણ. વં કૂં મગં ૩, ૨; કપ્પં
૩, ૪૧,

પમાસેમાણ વં કૂં ઓવં ૨૨; મગં ૨,
૫; ઉવાં ૨, ૧૧૨;

પમાસયંત વં કૂં કપ્પં ૩, ૪૫;

✓ **પમાસ** ધાં I (પ્ર-માસ) બોલવું; કહેવું.
બોલના, કહના; માણ કરના To speak;
to relate.

પમાસતિ. વિશે ૩૬૦૨,

પમાસે. આં ઉત્તં ૧૨, ૧૬;

પમાસ પું (પ્રમાસ) પ્રભાસ-આરમા
દેવલોકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ બાવીશ
સાગરોપમની છે; એ દેવતા અગ્રીયારમે
મહીને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે એને બાવીસ
હબર વર્ષે ક્ષુધા-ભૂખ લાગે છે. પ્રમાસ-
ચારહવે દેવલોક કા એક વિમાન; આઠ

स्विाति २२ सागरोपम की है, यह देवता ११वें महिने आसोच्छ्वास लेते हैं और इन्हें बाईस सहस्र वर्षों में भूख लगती है A celestial abode of the twelfth Devaloka, where the duration of life is twelve Sāgaro pamas (a period of time), here the gods breathe every 11 month and feel hungry and thirsty at every twenty-two thousand years सम० २२; (२) लवण समुद्र अने सिंधु नदीना संगम स्थाने प्रभासनामे देवताना आवासरूप ओ३ तीर्थ के जहाँ चक्रवर्ती अष्टम तप करे लवण समुद्र और सिंधु नदी के संगम पर प्रभास नामक देवता के निवास स्थान वाला एक तीर्थ जहाँ चक्रवर्ती अष्टम तप करते हैं. a place of pilgrimage at the mouth of the river Sindhu where Chakravartī performs penances and which is the abode of a god named Prabhāsa. ठा० ३, १; जीवा० ३, ज० प० ६, १२५; (३) त्रीज्ज. योथा देवलोकजुं ओ३ विमान तीसरे व चौथे देवलोक का एक विमान. a celestial abode of the third and fourth Devalokas. सम० ७. (४) महावीर प्रभुना ओ३ गणधरनु नाम. महावीर प्रभु के एक गणधर का नाम. the name of a Ganadhara of the lord Mahāvīra. सम० ११; (५) औरस्यवय क्षेत्रना वृन्तवैताल्यने अधिष्ठाता देवता. ऐरस्यवय क्षेत्र के वृन्तवैताल्य का अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the Vrintavaitādhya of Airanyā-

vaya region. ठा० २, ३;

पभासतिथ्यकुमार. पुं० (प्रभासतीर्थकुमार) प्रभास तीर्थना अधिपति देवता प्रभास तीर्थ का अधिपति देवता. The presiding deity of Prabhāsa Tirtha. जं० प० ३, ५०;

पभिह. अ० (प्रभृति) शरुआत; आदि; वगेरे. आरंभ; आदि, वगेरह Etc.; so forth नाया० १, २; ५; ७, ८, १२; १३; १४, १५, १६; आवा० १, ६, २, १८३; पिं० निं० भा० ४७; सु० च० ४, १०१; भग० ६, ३३; प्रव० ११६०, उवा० १, ५८; पभिसि. अ० (प्रभृति) वगेरे. वगेरह; आदि; प्रभृति. Etc. भग० १५, १; अणुजो० १८; पंचा० १७, २०;

पभीअ. त्रि० (प्रभात) आ३ भीधेल; लय पाभेल बहुत उरा हुआ; अति भयभात. Very much afraid; terrified. उत्त० ५, ११,

पभु. पुं० (प्रभु) समर्थ, देवाधिदेव; तीर्थकर. समर्थ, देवाधिदेव; तीर्थकर Lord, omnipotent, the highest god; Tirthaṅkara भग० १, ७; २, ५; ३, १; २, ५, ४; ६, ६; ७, ७, १५, १. १८, १७; पिं० निं० ३६६, जीवा० ३, १; सू० प० १८, ज० प० ५, ११२; ३, ५२; उवा० ७, २१६;

पभूत. त्रि० (प्रभूत) उत्पन्न; उत्पन्न थयेल. उत्पन्न; जन्मा हुआ. Born; produced. ओव० २१: (२) अतिशय; धलुं. अतिशय; बहुतसा; प्रचुर; अधिक too much; excessive. उत्त० २०, २; सम० ३४; सूय० २, ६, ३८; भग० १, १, २, ५; सु० च० २, ५६३; जीवा० ३, ३; राय० २७; प्रव० १२४५; (३) प्रभादादिपुं परिश्राम; अनीत अनाभतादि विषयक कुम परिश्राम

प्रमादादि का परिणाम; अतीत अनागतादि विषयक कर्म परिणाम the result of idleness etc आया० १, ५, ४, १५६; पभेय. पुं० (प्रभेद) प्रकार; भेद. प्रकार; तरह; भेद; जाति. A kind; variety प्रव० ४००,

✓पमज्ज. धा० I, II (प्र + मृज्) साक्ष करवुं. साफ करना, शुद्ध करना. To clear up

पमज्जह-ति जीवा० ३, ४, नाया० १, २, भग० २, ५; १२, १; जं० प० ३, ४४, गच्छा० ७६; उवा० १, ६६; ७७, विवा० ७,

पमजेह. नाया० १६,

पमज्जिज्ज वि० उक्त० २४, १४;

पमजेज्ज वि० निरी० ४, ५७,

पमजेज्जा वि० निरी० ३, १६;

पमजित्तु सं० कृ० दस० ८, ५,

पमज्जइत्ता. सं० कृ० नाया० १, ८, भग० २, ५; १२, १;

पमजेइत्ता सं० कृ० नाया० १६;

पमज्जिय सं० कृ० ओष० नि० ६५३, दस० ४, आया० १, ७, ६, २२२; उवा० १, ५५;

पमज्जेमाण्य व० कृ० आया० २, १, ६, ३५, वव० ६, ७,

पमज्जंत व० कृ० प्रव० ५२३,

पमज्जाण न० (प्रमार्जन) पूजवुं; साक्ष करवुं. पूजना; साफ करना, मार्जन करना. Brushing, clearing पर० २, १; पंचा० २, १३; —ट्ट पुं० (—अर्थ) प्रमार्जनने भाटे. प्रमार्जनार्थ; साफ करने-प्रमार्जन के लिये. for brushing. प्रव० ५२२;

पमज्जणया. स्त्री० (प्रमार्जन) पूजवुं, शुद्ध करवुं, मार्जन करवुं. पूजना, शुद्ध करना, मार्जन करना; झाड़ना. Brushing; pu-

rifying, cleaning. ठा० २, १,

पमज्जणा. स्त्री० (प्रमार्जना) वासीहुं वाक्षवुं ते. झाड़ू निकालना; झाड़ू बुहार करना Sweeping; rinsing. प्रव० ६०१; कप्प० ९, ६०;

पमत्त. त्रि० (प्रमत्त) प्रमाद युक्तो प्रमादी. प्रमादयुक्त, असावधान; प्रमादी Careless; idle. उक्त० ३४, २१; आया० १, ४, १, १२०, नाया० १; २; ५, भग० ३, ३; ८, १; ६; १४, ३, नदी० १७, पिं० नि० १०६; राय० ४०; वेय० ४, २, प्रव० १२४; क० प० ४, ४; जं० प० ५, ११५, (२) प्रमत्त सयति; छट्टा शुशुक्षणा वालो. प्रमत्त संयति; छट्टे गुण स्थान वाला an ascetic who has reached the sixth spiritual stage क० गं० १, ६६, २, २; १७; २४; ७; —विरत त्रि० (—विरत) प्रमत्त सयति-छट्टा शुशुक्षणा वालो. प्रमत्त यति-छट्टे गुणस्थान वाला. an ascetic who has reached the sixth spiritual stage क० प० ५, ५७; —विहारि. त्रि० (—विहारिन्) पाय प्रकारना प्रमादने सेवनार पाच प्रकार के प्रमादों का सेवन करने वाला (one) who dallies with the carelessness of five kinds. नाया० ५; —संजय पुं० (—सयत) कष्टक प्रमाद करने रहनेवाले छे तेवा छट्टा शुशुस्थान-वर्ती साधु. अवशिष्ट प्रमाद; छट्टे गुण-स्थान वाला साधु an ascetic who has reached the sixth spiritual stage, (one) in whom some carelessness has remained. भग० १, १, २; सम० १४;

✓पमत्थ. धा० I. (प्र + मथ्) नष्टदीप्ति वाली लक्ष्म करवुं. जलदी से जलाकर भस्म करना. To reduce to ashes by

burning quickly.

पमत्थह्. आया० १, ४, ३, १३५;

पमदवण. न० (प्रमदवन) मल्लदत्त नामना
युवराजपुं प्रमदवन नामे ओष्ठ उद्यान. मल्ल-
दत्त नामक युवराज का प्रमदवन नामक उद्यान
An orchard named Pramada
vana belonging to the prince
Malladatta नाया० ८;

पमदा. स्त्री० (प्रमदा) लुपान स्त्री युवा स्त्री;
प्रमदा. A young lady. पण० १, ४;

पमद्. पुं० (प्रमर्द) स पट्टन, मर्दन. संघट्टत;
मर्दन. Contact; rubbing. सू० प०
१०, जं० प० ७, १५६;

पमद्दण. न० (प्रमर्दन) मर्दन करने; पीसपुं;
मथन करने. मर्दन करना; मथना; पासना.
Rubbing; 'churning; grinding
(२) धरावपुं; पराजय करने हाराना;
पराजित करना. defeating. ओव० १६;
सम० ६, पिं० नि० १०३; जीवा० ३, १;
राय० ३३;

पमद्दमाण. त्रि० (प्रमृद्वन्) पिभरतु; छुट्टे
पातु. खुलता हुआ; शिथिल; ढीला.
That which is loosening or
disengaging. पिं० नि० ५७४,

पमद्दि त्रि० (प्रमर्दिज) मर्दन करने; पीसना;
पीसना. मर्दन करने वाला, पीडा पहुचाने
वाला. Squeezer, one who
troubles. ओव० ४०,

पमयवण. न० (प्रमदवन) तेलीपुर नगरनी
पहाडनु ओष्ठ वन. तेलीपुर नगर के बाहर
का एक वन A forest on the out-
skirts of Tetaliपुरa city नाया०
१४;

पमया. स्त्री० (प्रमदा) लुपान " पमदा "
शब्द. देखो " पमदा " शब्द. Vide
" पमदा " विशेष० २३७२; तद्.

✓प-मर. धा० II. (प्र+मृड्+णिच्) भारी
नापपुं. मार डालना. To kill.

पमारोहिति. प्रे० भवि० भग० १५, १;

पमाद्. त्रि० (प्रमादिन्) आणसु. आलसी;
सुस्त. Sluggard; lazy. ओव० नि०
भा० १६५; आया० १, ३, १, १०६;

पमाइयव्व त्रि० (प्रमादितव्य) प्रमाद करने.
प्रमाद करना; असावधान होना, ध्यान न देना.
Hoedlessness. भग० २, १;

पमाण न० (प्रमाण) प्रत्यक्ष परोक्ष आदि
प्रमाण; प्रमाण-यथार्थ प्रमाणनक ज्ञान;
युक्तिसिद्ध ज्ञान. प्रत्यक्ष परोक्ष आदि प्रमाण;
युक्तिमिद्ध ज्ञान A mode of proof
or evidence like, direct, here-
say etc. पंचा० १३, ४८; प्रव० २०१;
१४०५; कप्प० ३, ३५; ५, १०७. ६, १८;
क० गं० ६, ५१; उत्त० २८, २४; सूय०
२, २, ८१; अणुजो० ७०; १३१; विशेष०
६४६; भग० १, ३, २, ८; ५, ४; ६, राय०
२४४; पन्न० १; सु० च० १, २६६; उवा०
१, ४९; (२) क्षाय, गज, वगेरेतुं माप-
मान; क्ष. हाथ, गज, वार आदिका माप-
परिमाण, सीमा a measure by arm
or yard; limit. ठा० २, ४; ओव०
१०; सम० प० १६८, नाया० १ ३; जं० प०
७, १६२; १३५; २, २०, ३६; ६, १२५;
भग० ७, १; ११, ११; वव० २, २२; प्रव०
१११५; पन्न० १२; ३०; राय० २७;
६३; अणुजो० १३२; (३) आहारनी
मर्यादा. आहार की मर्यादा. limit of
food. पिं० नि० १; (४) हेतु; कारण.
हेतु, कारण; निमित्त. reason; cause.
सू० प० ४; (५) न्याय शास्त्र. न्याय शास्त्र;
तर्कशास्त्र. logic. सु० च० ४, ६; —अद्-
कंत त्रि० (अतिक्रान्त) प्रमाणने उलंघन
किया हुआ.

a trespasser. નાયા૦ ૫; મગ૦ ૭, ૧; ૬, ૩૩;—અહરિત્ત. ત્રિ૦ (—અતિરિક્ત) પ્રમાણથી વધારે. પ્રમાણુસે અધિક. inordinate. નિસી૦ ૧૬, ૨૫;—અર્દ્ય. ત્રિ૦ (—અતીત) પ્રમાણ-હદ ઉલંઘી ગયેલ. પ્રમાણ-સીમા કા હલ્લન ક્રિયા હુઆ-સીમો-હલ્લન કરને વાલા. a transgressor; a trespasser પ્રવ૦ ૮૨૨;—અંતર. ન૦ (—અન્તર) પ્રમાણ પ્રમાણ વચ્ચે તફાવત હોવાથી શું સાચું અને શું ખોટું એવી શંકા પડે તે. પ્રમાણોં મેં ભેદ હોને કે કારણ કૌનસી વાત સચ હૈ ઔર કૌનસી ખૂંઠ હસ વિષય મેં પડને વાલી શંકા; પ્રમાણ ભેદ કે કારણ સત્ય ઔર અસત્ય નિર્ણય મેં પડને-વાલી શંકા. doubt as to which is true or false of two opposite proofs. મગ૦ ૧, ૩;—કાલ. પું૦ (—કાલ) પ્રમાણરૂપ કાલ; માસ, ઋતુ, અયન, શતવર્ષ, પલ્યોપમ વગેરે નક્ષી કરેલ કાળ. પ્રમાણિત કાલ; માસ, ઋતુ, અયન, શતવર્ષ, પલ્યોપમ આદિ નિશ્ચિત કાલ. the fixed time viz. month, season, solstice, hundred years, Palyopama etc.; a big measure of time. મગ૦ ૧૧, ૧૧; ઠા૦ ૪, ૧; વિશે૦ ૨૦૬૮;—પક્ષ. પું૦ (—પક્ષ) પ્રમાણરૂપ પખવાડિયું; અજ-વાલીયું અને અન્ધારીયું. પ્રમાણરૂપ પક્ષ-ગઢા-પક્ષ; શુક્લપક્ષ તથા કૃષ્ણપક્ષ. a fortnight; the bright and the dark half of a month. કપ્પ૦ ૩, ૩૮;—પક્ષ. ત્રિ૦ (—પ્રાસ) પ્રમાણુને પામેલું. પ્રમાણ પ્રાપ્ત; પ્રમાણિત. obtained by authority or measure. વ્રવ૦ ૮, ૧૫;—સંવત્સર. પું૦ (—સંવત્સર) નક્ષત્ર સંવત્સર, ચન્દ્ર સંવ-

ત્સર, ઋતુ સંવત્સર, આદિત્ય સંવત્સર, અને અભિવર્ધિત સંવત્સર એ પાંચ સવ-ત્સરનો સમુદાય, જે વડે યુગનું માપ દર્શા-વાય છે. નક્ષત્ર સંવત્સર, ચંદ્રસંવત્સર, ઋતુ સંવત્સર, આદિત્ય સંવત્સર ઔર અભિવર્ધિત સંવત્સર इन पांच संवत्सरो का समुदाय जिसके द्वारा युग-काल मापा जाता है. an aggregate of the five epochs viz. Nakṣatra Samvatsara, Chandra Samvatsara, Ritu-Samvatsara, Āditya Samva-tsara and Abhivardhita Samvatsara—which reveal the mea-sure of a big Yuga. ઠા૦ ૫, ૩, જં૦ ૫૦ ૭, ૧૫૧; સૂ૦ ૫૦ ૧૦;

પ્રમાણગુલ. પું૦ (પ્રમાણગુલ) પ્રમાણગુલ-મહાવીર સ્વામિની એક હજાર આત્માંગુલ પ્રમાણ ભરપ, આ અંગુલથી પૃથ્વી વિમાન વિગેરે દરેક શાશ્વત પદાર્થોનું માપ કરવામા આવ્યું છે, પ્રમાણગુલથી ભરેલ એક જ્વેળ-નમાં આત્માંગુલની ભરપના ચાર હજાર ગાઉ સમાય છે. પ્રમાણગુલ-મહાવીર સ્વામી કા એક સહસ્ર આત્માગુલ પ્રમાણ, હસ અંગુલદ્વારા પૃથ્વી, વિમાન આદિ પ્રત્યેક શાશ્વત પદાર્થોકા માપ ક્રિયા ગયા હૈ; પ્રમાણગુલ યુક્ત એક યોજન મેં આત્માંગુલ કે ચાર હજાર કોસોકા સમાવેશ હોતા હૈ. Pramāṇāṅgula; a unit of measure equal to one thousandth part of Atmāṅgula of the lord Mahāvīra; all the eternal things viz. the earth, celestial abodes etc. are mea-sured with this unit of measure one lacs Yojanas of Pramāṇā-ṅgulas are equal to 8000 miles of Atmāṅgula. અણુજો ૧૩૪, વિશે૦

३४१;

प्रमाणभूत. त्रि० (प्रमाणभूत) प्रमाणभूत;
प्रमाणरूप. प्रमाणभूत; प्रमाणरूप. Au-
thoritative; standard; norma-
tive. नाया० १; ७; गच्छा० ६४;

प्रमाणमेतत्. त्रि० (प्रमाणमात्र) प्रमाण
मेतदुक्तं. परिमाण-प्रमाणानुरूप. Only
according to measure or au-
thority. जं० प० २, ३६; ओव० १६;

प्रमाणीयठाय. न० (प्रामाणिकस्थान) भाप
करानी जग्या. माप करने-तौलने का स्थान.
A place for measuring. निती०
१२, ३०; ३२;

✓ प्रमाद. धा० I. (प्र+मद्) प्रमाद करवे.
प्रमाद करना; असावधान होना. To be
heedless.

प्रमायण. उत्त० १०, १;

प्रमायंत. व० कृ० सु० च० १, १३०;

प्रमाद. पुं० (प्रमाद) भद, विषय, कषाय,
निद्रा, अने विकथा ओ पांच प्रमाद. मद,
विषय, कषाय, निद्रा तथा विकथा आदि पांच
प्रमाद. The five-fold carelessness
viz. pride, lust, passion, sleep
and prattle. सम० ५; आया० १, ३,
३, ११९; १, ६, ४, १५; ओव० २१; ४०;
नाया० ७; १०; भग० १, ३; ३, ३; १६,
१; २५, ७; ओघ० नि० भा० ४५; ओघ०
नि० ६५५; उत्त० १०, १५; दस० ५, २;
४२; ६, १६;

प्रमाय. पुं० (प्रमाद) प्रमाद-गद्वलत; आश्र-
वतु त्रीलुं स्थान. प्रमाद; असावधानी;
वेफिकी; गफलत; आश्रव का तीसरा स्थान.
Laziness; negligence; the 3rd
resource of Āśrava. भग० २, ३;
८, ९; १, ४३; —दोष. पुं० (-दोष)
प्रमादरूपी दोष. प्रमादरूपी दोष. a fault

in the form of laziness. गच्छा० ३६;

—पच्चय. पुं० (-प्रत्यय) प्रमाद जेतुं
करलु-लक्षलु ओ तेतुं. प्रमाद के कारण-
लक्षण वाला. that whose charac-
teristic is laziness. भग० २, ३;

८, ६; —परवस. त्रि० (-परवश)
प्रमादने वश. प्रमाद वश; अज्ञान वश.
subdued by idleness. प्रव० ८१७;

—वसग. त्रि० (-वशग) प्रमादने वश
थेल. प्रमादी; अज्ञानी. (one) subordi-
nate to idleness. गच्छा० १६;

प्रमायप्रमाय. न० (प्रमादाप्रमाद) २९
उत्कालिक सूत्रों में से १० वां. The tenth of the
29 Utkālika Sūtras. नंदी० ४३;

✓ प्रमिला. धा० I. (प्र+म्लै) मंजुं
पडुं; करभाई जवुं. कुम्हलाना; मलीन
होना. To fade away.

प्रमिलाह. भग० ६, ७;

प्रमिलायह. ठा० ३, १;

प्रमुदय. त्रि० (प्रमुदित) प्रुशाली युक्त;
प्रुशी थयेल. खुश; प्रसन्न; सुखी. Happy.
ओव० १०; नाया० १; ५; ८; भग० १, १;
११, ११; १४, ८; सु० च० १, ७७;
जीवा० ३; सू० प० १; राय० १३१;
कप्प० ४, १६; ५, १०१; —अंत. त्रि०
(-अन्तर) हर्षित थित वालो. हर्षित
हृदय वाला. happy-minded. कप्प०
३, ४२; —कर. त्रि० (-कर) आनन्द
करनार. आनन्द करने वाला; आनन्द देने
वाला; आमोद प्रद one who makes
happy. “ समयार्हं प्रमुदयकराय ” वव०
३, ६;

प्रमुक्ख. त्रि० (प्रमुख्य) अग्रेसर. अग्रेसर;
नायक; नेता. Leader. प्रव० १४२७;

✓ पमुञ्च. धा० I. (प्र+मुञ्च्) मूहुं; छोडी-

देवुं. छोड़ना; त्याग देना. To leave off; to release.

पमुक्खासि. भवि० आया० १, ३, १, १०८;

पमुंचमाण. व० कृ० नाय० १; ६;

पमुत्तुणं. सं० कृ० आउ० ३२;

पम्ह. त्रि० (प्रमुख) आगेवान; प्रधान; नेता; अगुआ. Chief. क० गं० १, ३४; प्रव० १२०६; पंचा० २, २२; ८, ३५; ओव० २६; सम० १३; जीवा० ३, २; (२) पुं० प्रमुअ नामने ४६ भो ग्रह. प्रमुख नामक ४६ वां ग्रह. the forty-ninth planet named Pramukha. ठा० २, ३; सू० प० २०;

पम्हुरि. त्रि० (प्रमुक्खरि) वायाल; धल्ले भोलनार. वाचाल; अत्यधिक बोलने वाला; बकवादी. Talkative; loquacious उत्त० १७, ११;

पमेइल. पुं० (प्रमेइ) धल्ले मेइवालुं; गडुं. मोटा; स्थूल; अधिक मेद वाला. Fat; thick. दस० ७, २२;

पमोक्ख. पुं० (प्रमोच) उत्तर पक्ष; जवाब. Retort; reply. उत्त० २५, १३; (२) भोक्ष; कर्मथी छुट-क्षरो. मोच-कर्म से मुक्ति. emancipation; freedom from Karma. उत्त० ३२, १; भग० २, १; ५; आया० १, २, ६, १०२;

✓ **पमोद.** धा० I. (प्रमुद्) हर्ष पाभवे; खुशी थपुं. हर्षित होना; खुश होना To get pleased; to be happy .

पमोयंति. उत्त० १४, ४२;

पमोद. पुं० (प्रमोद) आनंद. आनन्द; खुशी. Happiness; joy. परह० २, १;

पमोय. पुं० (प्रमोद) महोत्सव; आनंद. महोत्सव; आनन्द. Festivity; happiness विवा० ३; जं० प० ३, ६८;

पम्ह. पुं० (पचमन्) कमलने तन्तु; पद्म-केशर. कमल तन्तु; पद्मकेशर Lotus-filament. उवा० १, ७६; ओव० २६; पञ्च० २; (२) पांयभा देवलोकतुं ऐक विमान. पांचवें देवलोक का एक विमान. a celestial abode of the fifth Devaloka. सम० ६; (३) पुल; 'लुग-जाने पुं०. पुम्हा; बत्ता; पूरी; पचम. a bunch of cotton fibre; a fillet made of a piece of cloth. अणुजो० १३८; (४) छेडा. छोर; अन्त. extremity. ओष० नि० भा० ३२२; (५) पश्चिम महाविदेहना दक्षिण भांडवानी मेरु तरङ्गथी पहेली विजय. पश्चिमीय महाविदेह के दक्षिण प्रदेश की मेरु पर्वत वाली पहिली विजय. the first part towards the Meru mountain in the southern region of the west Mahāvi-deha. जं० प० (६) ऐ विजयने राज. इस विजय का राजा. the king of this part. जं० प०

पम्हंतर. पुं० (पचमांतर) पुम्ह पुम्हमा अंतर; छुट्टे छुट्टे पुलुं. पलक-पचम के बीच का अन्तर. The interval between a hair. ठा० ४, १;

पम्हकंत. पुं० (पचमकान्त) ऐ नामतुं पांयभा देवलोकतुं ऐक विमान. पांचवें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of this name of the 5th Devaloka. सम० ६;

पम्हकूड. पुं० (पचमकूड) ऐ नामतुं पांयभा देवलोकतुं ऐक विमान. पांचवें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of the fifth Devaloka of this name. सम० ६; (२) सीता

महानदीना उत्तर झांझा उपरनी ओझ
वपारा पर्वत. सीता महा नदी के उत्तरी
तीर वाला एक बखारा पर्वत. a Vakhārā
mountain over the northern
bank of the great river Sitā.
ठा० ४, २; (३) विद्युत्प्रल-वपारा पर्वत
उपरनी नवकूटमांनुं ओयुं कूट-शिखर.
विद्युत्प्रभ-बखारा पर्वत पर के नवकूटों में से
चौथा कूट-शिखर. the fourth peak
of the nine peaks of Vakhārā
mountain. जं० प०

पद्मगंध पु० (पद्मगन्ध) देवकु३, उत्तरकु३ क्षेत्रना
माणुसीनी ओझ जल. देवकुरु, उत्तरकुरु क्षेत्र
के मनुष्यों की एक जाति. A class of
men of Devakuru and Uttara-
Kuru. जं० प० ४, ६७; जीवा० ३, ४;
(२) पद्मना जेवी गन्ध. पद्म की सुगंध के
समान सुगंध. fragrance resembling
that of a lotus. भग० ६, ७;

पद्मगावई. स्त्री० (पद्मकावती) पद्मकावती
नामनी महाविदेहनी ओझ विजय. पद्मकावती
नामक महाविदेह की एक विजय. A part
of Mahā Videha known as
Padmakāvati ठा० २, ३;

पद्मगौर. त्रि० (पद्मगौर) धोणा पद्म जेवुं
श्वेत. श्वेत कमल के समान सफेद. White
as the white lotus. भग० १, १;

पद्मजम्भय. पुं० (पद्मजम्भ) ओ नामनुं
पांयभा देवलोकनुं ओझ विमान. पांचवें देव-
लोक का एक विमान. A celestial
abode of the fifth Devaloka
of this name. सम० ६;

पद्महृ. त्रि० (प्रस्मृत) भूली गयेल. विस्मृत;
भूला हुआ. Forgotten. (२) पड़ी
गयेल. गिरा हुआ; पतित. fallen. परह०
२, ३;

पद्मजम्भ. पुं० (पद्मजम्भ) ओ नामनुं पांयभा
देवलोकनुं ओझ विमान. पांचवें देवलोक का
एक विमान. A celestial abode of
the 5th Devaloka of this name.
सम० ६;

पद्मज. न० (पद्मज) पद्म; क्षमल. पद्म.
Lotus. जीवा० ३, ३;

पद्मल त्रि० (पद्मल) पुं० वापुं; पुं०
वापुं (पद्म विशेष). बाल वाला वस्त्र
विशेष; ऊनी वस्त्र. A wooly garment.
नाया० १; २; १६; भग० ६, ३३; जीवा०
३, ४; श्रोव० ३१; जं० प० ४, १२२; कण्प०
४, ६२; —सुकुमाल. पुं० (-सुकुमार)
क्षुभलुं-नालुक पद्म. कोमल-नालुक-मुलायम
वस्त्र. delicate or soft garment.
नाया० १६; भग० १५, १;

पद्मलग. त्रि० (पद्मलक) सुं० वापुं; लीसुं.
सुन्दर; मनोहर केश वाला; सुहावना.
Shaggy; smooth. त्रिवा० ७;

पद्मलेस्स. पुं० (पद्मलेश्य) ओ नामनुं
पांयभा देवलोकनुं ओझ विमान. पांचवें देव-
लोक का एक विमान. A celestial
abode of the fifth Devaloka.
सम० ६;

पद्मलेस्सा. स्त्री० (पद्मलेस्या) क्षमलगर्भ
जेवा सङ्केद पुद्गलना संसर्गथी यता आत्मा-
ना उल्लवध परिणाम; पद्मलेस्या; ७ लेस्या-
मांनी पांयभी लेस्या. कमलगर्भके समान श्रेत
पुद्गलों के संसर्ग से होने वाले आत्मा के
उज्ज्वल परिणाम; पद्म लेस्या; पांचवीं लेस्या.
A luminous presentation to
the soul by a contact with
the atoms, white as the inte-
rior of a lotus; pink thought-
tint the fifth of the 6 thought-
tints भग० १, १; २५, ६; २६, १; ४१,

२१; उत्त० ३४, ८; पञ्च० १७; सम० ६;
आव० ४, ७; प्रव० ११७४;

पम्हयरण. पुं० (पद्मवर्ण) ओ नामनु
पायभा देवलोकनुं ओक विमान. पाचवें
देवलोक का एक विमान. A celestial
abode of the fifth Devaloka.
सम० ९;

पम्हसिंग. पुं० (पद्मसिंग) ओ नामनु पाय-
भा देवलोकनुं ओक विमान. पाचवें देवलोक
का एक विमान. A celestial abode
of the fifth Devaloka. सम० ९;

पम्हसिद्ध. पुं० (पद्मसिद्ध) पायभा देवलोकनुं
ओक विमान. पाचवें देवलोक का एक विमान
A celestial abode of the fifth
Devaloka सम० ९;

पम्हा छा० (पद्मा) पद्मा नामनी महाविदे-
हनी ओक विजय पद्मा नामक महाविदेह का
एक विजय. A part named Padmā
of Mahā Videha ठा० २, ३; (२) ७
लेश्याभानी पायभी लेश्या छ लेश्याओं मे
से पाचवा लेश्या. the fifth thought-
tint out of six. क० ग० ३, २२; ४,
१६; उत्त० ३४, ३;

पम्हाण त्रि० (प्रम्लान) ग्धानी पामेल;
ऊरमायेल. कुम्हलाया हुआ, उदास; थका
हुआ; मलिन. Faded; exhausted.
अणुजो० १३०;

पम्हावई. स्त्री० (पद्मावती) महाविदेहनी सीता
महानदीने जमले ऊठे आवेक्षी रम्यगा
विजयनी पद्मावतीनामनी मुख्य नगरी.
महाविदेह की सीतामहानदी के दक्षिण किनारे
पर स्थित रम्यगाविजय की पद्मावती नामक
राजधानी-प्रमुख नगरी. The capital
city named Padmāvati of
Ramyagāvijaya situated on
the right banks of the great

river Sitā in Mahā Videha.
ठा० २, ३; (२) पश्चिम-महाविदेहना
दक्षिण भांडवानी योथी विजय. पश्चिमीय
महाविदेह के दक्षिण प्रदेश की चौथी विजय.
the fourth part of the south-
ern regions of the west Mahā
Videha. जं० प०

पम्हावत्त न० (पद्मावर्त) ओ नामनु पायभा
देवलोकनुं ओक विमान. पाचवें देवलोक के
एक विमान का नाम. A celestial
abode of the fifth Devaloka
of this name सम० ६;

पम्हुट्टदिसत्ताय. पुं० (प्रस्मृतदिग्भाग)
भूखी जवायली दिशानुं लान भूला हुआ
दिशा-ज्ञान. The forgotten know-
ledge of the quarters. नाया० १८;
पम्हुत्तरवडिस्सग न० (पचमात्तरावर्तसक) आ
नामनु पायभा देवलोकनुं ओक विमान. पचवें
देवलोक का एक विमान. A celestial
abode of the fifth Devaloka of
this name. सम० ६;

पम्हुस्सण न० (अपस्मरण) भूखी जनुं ते.
भूल जाना; विस्मरण. Forgetfulness.
पंचा० १५, ११;

✓ **पय.** धा० I. (पच्) रांधवु; पकावु.
रावना; पकाना. To cook, to bake.
पयंति. सूय० १, ५, १, १०;

पयह. आ० आया० १, ७, २, २०४; सूय०
२, १, १७,

पयं. व० कृ० सूय० २, १, २४;

पयंत व० कृ० कप्प० ३, ४६;

पयावण. प्रे० उत्त० २, २; दस० १०, १,
४,

पयावेमाण. सूय० २, १, २४;

पय न० (पद) पग; पगलुं. पैर; पाँव;
पद. Foot. जं० प० ५, ११५; ओव०

१२; उत्त० ४, ७; २६, १३; पि० नि० ७५; १८२; भग० ६, ३; नाया० २; निसी० ६, ८; यु० च० १, ३१८; प्रव० ५८७; पंचा० १८, १०; कप्प० २, १४; (२) पद-विलक्षित सङ्घित नाम. पद-विभक्तियुक्त नाम. a substantive with terminations परह० २, २; ठा० १, १; आया० १, ५, ६, १७०; उत्त० १, २६; अणुजो० १६; ७३, १३१; १४९; विशे० १२८८; भग० १, ६; २, १; राय० ८७; (३) लांगो; प्रकार. प्रकार; भिन्नता; भाग. a variety. उत्त० २६, २८; (४) स्थान; संयमना स्थानक. स्थान; संयम के स्थानक. place; a division of self-restraint. दस० ६, ४, २३; नंदा० स्थ० ३२; परह० १, ४; पञ्च० १२; (५) पदनुं ज्ञान; श्रुत ज्ञानतो ओक प्रकार. पद का ज्ञान, एक प्रकार का श्रुतज्ञान. the knowledge of words; a variety of scriptural knowledge. क० गं० १; ७; (६) श्लोक के गाथानुं ओक अर्धश्लोक-पद्य अथवा गाथा का एक चरण. a quarter of a verse or prose. भग० १, ६; —अष्टोत्तरसहस्र न० (—अष्टोत्तरसहस्र) ओक ८०१२ अने आठ पद. एक सहस्र और आठ पद one thousand and eight words प्रव० १८५; —अणुसारि. पुं० (—अणुसारिन्) पदानुसार लब्धिवालो, सूत्रनुं ओक पद लब्धिवाली पोतानी प्रज्ञावडे धर्या सूत्र पदने अर्धश्लोक करवानी लब्धिवालो श्रुवात्मा पदानुसार लब्धिवाला; वह जीवात्मा-मनुष्य जो सूत्र के एक पद को पढकर अपनी प्रज्ञा के योगसे बहुत से पदों को ग्रहण कर सके-समझ सके. (one) having knowledge according to words; the soul

which has the intelligence of understanding many words in a Sūtra after having mastered one word of a Sūtra. प्रव० १५०८; परह० २, १; विशे० ७६६; श्रौव०—चंक्रमण. न० (—चंक्रमण) पगे आलपुं ते. पैरसे चलने का कार्य; पैदल जाना. walking on foot भग० ११, ११;—पंकय. न० (—पङ्कज) अर्धश्लोकमल. चरण कमल. the lotus-feet. भत्त० ३५; —प्रमाण. न० (—प्रमाण) पदनुं प्रमाण. पद का प्रमाण. the measure of feet; authority of a word प्रव० ७१८; —पाश. पुं० (—पाश) पग आंधरातो पाशलो पैर बाधने का फंदा-पाश. a trap to entangle feet. सूय० १, १, २, ८; —पीडिय. त्रि० (—पीडित) पगथी अर्धश्लोक. पैरों द्वारा रोंवा हुआ trodden by feet नाया० १; —चन्द्र. न० (—चन्द्र) ७-दो अक्ष काव्य. छन्दो बद्ध काव्य. metrical poem. जीवा० ३, ४; राय० १३१; —मग्न. पुं० (—मार्ग) पगने २स्तो-पग२स्तो. पैदल रास्ता; पगडंडी. foot-path नाया० १८; —वियार. पुं० (—विचार) पगे आलपुं ते. पैर से चलना, पैदल चलना-जाना-गमन करना. walking on foot. प्रव० ७८३; —संख्या स्त्री० (—संख्या) पदनी संख्या पदों की संख्या. numeration of words. प्रव० ७१८, —समास. न० (—समास) पदना समुदायनु ओकथी वधारे पदोनुं ज्ञान; श्रुत ज्ञानतो ओक प्रकार. पद समास अर्थात् पदों के समुदाय का ज्ञान; श्रुत ज्ञान का एक प्रकार. the knowledge of a group of words. क० गं० १, ७; —सुमरण. न० (—स्मरण)

पदसु स्मरण. पद का स्मरण. recollection of a word etc. भक्त० ८८,
—हीण. त्रि० (—हीन) पदे हीन—ओछु.
पद हीन. पद से रहित—न्यून omission
of a word, sentence etc. आउ०
४, ७;

पय. न० (पयस्) दुध दूध. Milk (२)
पाणी. पानी Water उत्त० ११, १६, पि०
नि० ५१८; विशेष० ६८; नाया० २;

पय. त्रि० (प्रद) आपनार; देनेर दाता,
देने वाला. Giver. विशेष० ३२२८;

पयस्र. त्रि० (प्रयत्) प्रयत्नवान् प्रयत्नवान्.
Diligent. (२) सोपयोगी; उपयोग-लक्ष
सहित, उपाय सहित, लक्ष्ययुक्त. cir-
cumspect. उत्त० १, २७, ओघ० नि० ५२५;
(३) व्यन्तरदेवनी ऐक ज्ञत. व्यन्तरदेव की
एक जाति. a class of the Vyantara
gods. ओव० २४, ठा० २, ३;

पयइ. स्त्री० (प्रकृति) वात-पित्तदि प्रकृति.
वात-पित्तदि. प्रकृति. The humours
of the body viz. wind, bile etc.
विशे० १७०३, (२) कर्म-प्रकृति;
कर्मनो स्वभाव. कर्मप्रकृति; कर्म का स्वभाव.
Karmic nature or matter.
नाया० ५; क० ग० १, २; ५८;
—बन्ध. पुं० (—बन्ध) प्रकृतिनो बन्ध
प्रकृति का बन्धन. the bond of
nature. क० ग० ५, २१; —भद्र्य त्रि०
(—भद्रक) स्वभावथी लक्षिक, लक्षिक
स्वभाववाहुं. स्वभाव से भद्र, भद्र-उत्तम-
स्वभाव वाला. of a good or sim-
ple nature नाया० १६;

पयंग पुं० (पतंग-पत्रमिव अंगं यस्य) पत-
गीथो; उडता जंतुनी ऐक ज्ञत पतंगा.
उडनेवाला जंतु विशेष. A moth; a
kind of flying insect उत्त० ३,
Vol. III/60.

४, १२, २७; ३२, २४, ३६, १४५; दस०
४; नाया० १७, पत्र० १, (२) पतंग
नामे व्यन्तर देवतानी ऐक ज्ञत. पतंग
नामक व्यन्तर देवता की एक जाति. a
class of the Vyantara gods of
the Pataṅga class प्रव० ११४५;
परह० १, ४; पत्र० २;

पयंगवीहिया. स्त्री० (पतंगवीथिका) लुओ
“पतंगवीहिया” शब्द. देखो “पतंगवीहिया”
शब्द. Vide. “पतंगवीहिया” उत्त० ३०,
१६, दसा० ७, १;

पयंगवीही. स्त्री० (पतङ्गवीथी) लुओ
“पतंगवीहिया” शब्द. देखो “पतंग-
वीहिया” शब्द. Vide “पतंगवीहिया”
प्रव० ७५२;

पयंड त्रि० (प्रचण्ड) प्रयड; लयंक२. प्रचंड;
भयंकर; घोर. Horrible; terrible.
नाया० १; परह० १, १; सु० च० १, ३४६;

पयंथिअ. त्रि० (प्रजल्पित) डडेलुं. कहा हुआ;
कथित. Spoken सु० च० १, ५६;

पयंपिर. त्रि० (प्रजल्पितृ) डडेतर. कहने
वाला. Speaker. सु० च० २, ५७६,

पयन्त्रिणा. स्त्री० (प्रदक्षिणा) प्रदक्षिणा
देवी ते. परिक्रमा देना, प्रदक्षिणा देने का कार्य.
Circumambulation. नाया० १७;
—अणुकुल. त्रि० (अनुकूल) प्रदक्षिणाने
अनुकूल. प्रदक्षिणा के अनुकूल. suited
to circum-ambulation नाया० १७;

पयग. न० (पदक) पदक, रत्नावलि तपनी
स्थापना-यित्रनो ऐक अयथय. पदक, रत्ना-
वलि तप का स्थापना-चित्र का एक अवयव.
A kind of austerity known as
Ratnāvali, a portion of a pic-
ture. प्रव० १५४०;

पयगवह. पुं० (पतंगपति) पतंग ज्ञतना
व्यन्तर देवतानो गीमे धन्. पतंग जाति

के व्यंतर देवता का दूसरा इन्द्र. The second Indra of the Vyantara gods of the Pataga class. अ० २, ३; पञ्च० २;

पयचुल्ल. न० (*) भाँखलाने आँधवानी अेक जालनी जाल. मछलियों को पकड़ने की जाल विशेष. A kind of net to catch fish. विवा० ८;

पयट्ट. त्रि० (प्रवृत्त) प्रवर्तितुं. प्रवर्तित आरंभित. Urged; commenced. पंचा० १६, ५०;

पयट्टअ. त्रि० (प्रकर्षक) प्रक्षेप-उत्क्षेप करनेवाला. (One) who elevates. परह० १, १;

पयट्टिअ त्रि० (प्रवर्तित) प्रवृत्त थयेल. प्रवृत्त; किया हुआ, चलाया हुआ. (One) urged. प्रव० ६१४; उत्त० ४, २; सु० च० २, ६०६;

पयट्टियव्व. न० (प्रवर्तितव्य) यत्न करने वाला; प्रवर्तितुं. प्रयत्न करना, प्रवृत्ति करना. Impelling; attempting. पंचा० ९, ४०;

पयड. त्रि० (प्रकट) प्रत्यक्ष; प्रगट; स्पष्ट प्रत्यक्ष; प्रकट; स्पष्ट. Directly sensed; clear. पंचा० ३, २८; प्रव० ११५;

पयडि. स्त्री० (प्रकृति) कर्मनी स्वभाव; कर्म की प्रकृति. The nature of Karma प्रव० १२८४; क० ग० १, २८; २, २४; ५, ६६; नंदी० स्थ० ३०; अणुजो० १२७; उत्त० ३३, ६; विशेष० ४४४; —ट्टाण न० (—स्थान) कर्म प्रकृतिनां स्थानक. कर्मप्रकृति के स्थानक the different divisions of Karmic nature. क० ग० ६, १५; —भेअ पुं० (—भेद) कर्मनी प्रकृतिना भेद. कर्म का प्रकृति के भेद. a variety of Karmic nature. क० ग० ५, ६५; —सत्त. पुं०

स्त्री० (—सत्ता) कर्म प्रकृतिनी सत्ता. कर्म प्रकृति की सत्ता-शक्ति. the power of Karmic nature क० ग० ६, २; पयडिय. त्रि० (प्रकटित) प्रगट करेले. प्रकट किया हुआ; प्रकटित. Revealed. नाया० १; ८; सु० च० १, २४;

पयण. न० (पचन) रांधवुं ते. पक, पकाने का काम. Cooking. नाया० २; उत्त० १२, ६; ३२, १०; परह० १, १; —पयाचण. न० (—पाचन) रांधवुं अने रांधावुं. पकाना तथा पकवाना; भोजन बनाना तथा बनवाना. cooking and getting cooked. दस० ६, ४;

पयण. न० (पतन) पतन-पडवुं ते. पतन; गिरना. Falling. विशेष० १८५६;

पयणण. पुं० (पचनक) तपेलुं; रांधवानुं वासणु. तपेली; भोजन बनाने का बर्तन विशेष A cooking basin. जीवा० २;

पयणु त्रि० (प्रतनु) सूक्ष्म; पतलुं; दुगलुं. सूक्ष्म, दुबला, पतला. Minute; thin. आया० १, ८, ७, २; उत्त० ३४, २९; भग० ३, ४; ५, ६; ८, ३१; पंचा० ६, ४२;

पयणुअ त्रि० (प्रतनुक) जीलुं; सूक्ष्म सूक्ष्म; महीन, उम्दा; बारीक. Minute; fine. आया० १, ६, ३, १८६;

✓पयणुतरण्य. ना० धा० I. (प्र+स्तन्) नेरथी गावुं; कडाका करवा जोरसे गर्जना करना, कड़कना. To roar; to thunder. पयणुतरण्यंति. राय० ३६;

पयत्त त्रि० (प्रयत्त) प्रवृत्त थयेल. प्रवृत्त; निमग्न. Engaged. परह० १, ३; उवा० १, ७२;

पयत्ति. स्त्री० (प्रकृति) प्रकृति; स्वभाव. प्रकृति; स्वभाव; तासीर. Nature. पंचा० २, ५;

पयत्त पुं० (प्रयत्न) पुश्र्थार्थ; भहेनत; प्रयत्न पुरुषार्थ; मिहनत; प्रयत्न. Effort;

attempt; diligence. प्रव० ६४७; भक्त० ६७; १५१; पंचा० १, ३४; ३२; ४, ३२; ७, २६; १६, ३२; नाया० १; ५; ८; भग० ३, २; विशेष० ३७२; सु० च० ४, ३१२; पि० नि० ११०; (२) कंठ, तालु वगैरे स्थानों की क्रिया. the activity of the organs i. e. throat palate etc. विशेष० ५४७; —छिन्न. त्रि० (-छिन्न) भङ्गेनतथी कापेल; अहु प्रयत्ने छेदायेल कष्ट से काटा हुआ, प्रयत्न पूर्व क छेदा हुआ cut by a great effort. दस० ७, ४२; —पक्व. त्रि० (-पक्व) प्रयत्नतथी पाकेल, पकावेल. प्रयत्नपूर्वक पकाया हुआ. matured by effort. दस० ७, ४२; —लङ्घ. त्रि० (-लङ्घ) भङ्गेनतथी सुंदर अनेत्र. मिहन्त द्वारा सुन्दर बना हुआ. made beautiful industriously दस० ७, ४२;

पयत्त. त्रि० (प्रवृत्त) कामभां लागेलु; उद्यमयंत. काम में लगा हुआ; उद्यम शील. Industrious. ज० प० ५, ११५; नाया० ६; १३; भक्त० २, १; ३, १;

पयत्त. न० (पदात्त) गेयना यार प्रकारभाने थीले प्रकार; पादलब्ध-चरण अह गीत. चार प्रकार के गान में से दूसरे प्रकार का गाना, पादलब्ध-चरण बद्ध गीत. The second variety of the four varieties of songs; versified song. राय० ९६; जं० प०

पयत्तश्रो. अ० (प्रयत्नतस्) प्रयत्नतथी. प्रयत्नपूर्वक, परिश्रम द्वारा. With effort प्रव० ९९८;

पयत्तज. त्रि० (प्रयत्नज) प्रयासतथी उभन थयेल. परिश्रमपूर्वक प्राप्त-उत्पन्न. Pro-

duced through effort. विशेष० २८२५;

पयत्ताय. न० (पदनात) गीत विशेष. गीत. विशेष. A particular song. राय० १३१;

पयत्थ. पुं० (पदार्थ) वस्तु. वस्तु; चीज. Substance. विशेष० ४४;

पयन्न. न० (प्रकीर्णक) पञ्चा-शास्त्र विशेष. पञ्चा-शास्त्र विशेष. A particular minor scripture; book known as Pannā. प्रव० ६७०;

पयर. पुं० न० (प्रतर) आकाश प्रदेशनी लांभी अने पडोली पकित आकाश प्रदेश की लम्बी और चौड़ी पंक्ति. A long and broad space of the sky. (२) थर; प३. प्रस्तर; थर; पुट. layer; stratum. भग० १३, ४; ३४, १; विशेष० ५९०; पञ्च० १; अणुजो० १३४; ओघ० नि० २८८; क० गं० ५, ६७; (३) पतरू. पतरा. a sheet of metal. कप्प० ३, ४४; —आयत. न० (-आयत) प्रतररूपे आयत सक्षालु प्रस्तररूप आयत संठाण. a kind of physical structure भग० २५, ३; —परिमंडल. न० (-परिमंडल) प्रतररूपे परिमण्डल संस्थान. प्रस्तराकार परिमंडल संस्थान. a kind of circular lairy structure. भग० २५, ३; —भेद. पुं० (-भेद) प्रतररूपे भेद; कोष्ठ वस्तुने भेदतां तेना प३ उभठे ते. प्रस्तराकार भेद; किसी वस्तुको अलग करते समय जुदे होनेवाले उसके थर. the coming out of layers in breaking a thing. पञ्च० ११; —रज्जु. पुं० (-रज्जु) जेनी दंयाध तथा पडोणाध होय अने जगध न होय ते

राजपरिमाण. वह राज परिमाण जिसकी लंबाई चौड़ाई तो रहती है परन्तु मोटाई नहीं होती. a surface measure of field. प्र० ६२१; —चट्ट. न० (-वृत्त) अतः पृथक् पृथक् वाटलो संठाण. प्रस्तराकार वृत्त संठाण. a circular shape of a layer. भग० २५, ३;

पयर. पुं० (प्रकर) समूह. समूह; निकर; कुण्ड. Collection. कप्प० ३, ३४; ३६;

पयरग. पुं० (प्रतरग) ओक जतने सोनाने दागीने. सुवर्ण अलंकार विशेष. A kind of golden ornament. जीवा० ३, ३; जं० प० ५, ११६; नाया० १; राय० ११०; भग० २५, ३; (२) घोडाने शण-गार. घोडे की सजावट-का शृंगार. a decoration of horse. जं० प० (३) पत्र; पण्डी. पत्र; पंखडी. a bud; a pestle. जीवा० ३, ४;

पयरतव. न० (प्रतरतवस्) श्रेणीने श्रेणी गुण्टी करतां प्रतरथाय दापला तरीके आर कोष्टनी श्रेणी होयते १६ कोष्टतुं प्रतर-थाय जेभके कर्मथी ओक, ओ, तलु, आर वगेरे व्यहो' अताप्या प्रमाणे उपवास करवा ते प्रतर तप. श्रेणी बद्ध गुणा करने पर प्राप्त होने वाला प्रस्तर,

१	२	३	४
२	३	४	१
३	४	१	२
४	१	२	३

उदाहरणार्थ, यदि चार कोष्टक की श्रेणी हो तां १६ कोष्टक का प्रस्तर होगा यथा यहाँ बतलाये हुए १, २, ३, ४ आदि क्रम से किया जाने वाला प्रतर तप. The arrangement of numbers in this diagram according to per-

mutation; fasting according to the serial order of the figures as shown in the diagram.

1	2	8	4
2	3	4	1
3	4	1	2
4	1	2	3

This is known as Pratara penance. उत्त० ३०, १०;

पयलपयला. स्त्री० (प्रचलाप्रचला) आलतां आलतां उधुंते ते; दर्शनावरणीय कर्मनी ओक प्रकार; चलते फिरते आने वाली एक तरह की निद्रा; दर्शनावरणीय कर्म का एक प्रकार. A heavy drowsiness while walking; a variety of sight-obscuring Karma. क० गं० १, ११;

पयला. स्त्री० (प्रचला) दर्शनावरणीयनी ओक प्रकृति के जेना उदयथी ओहा २ पलु निद्रा आवे ते; निद्राने ओक प्रकार. दर्शनावरणीय की एक प्रकृति जिसके कारण बैठे २ नौद आने लगे; निद्रा विशेष. Drowsiness; a variety of sight-obscuring Karma at whose onset a man sleeps while sitting; a kind of sleep क० गं० १, ११; ५, ६२; दसा० ६, १; पञ्च० २३; उत्त० ३३; ५; ठा० ६, १; अणुजो० १२७; सम० ६;

पयलाइय पुं० (प्रचलादिक) सर्पनी ओक जत. सर्प विशेष. A kind of serpent. पञ्च० १;

पयलापयला. स्त्री० (प्रचलाप्रचला) अलदनी पेठे आलतां आलतां उधु आवे ते; दर्शनावरणीय कर्मनी ओक प्रकृति. बैल के समान मस्त चाल से चलते चलत आने वाली गाढ निद्रा; दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति.

A heavy drowsiness (as in the case of a bullock while walking); a variety of sight-obscuring Karma. पञ्च० २३; उत्त० ३३, ५; ठा० १, १; अणुजो० १२७;

पयालिय. त्रि० (प्रगलित) अरेलुं. करा हुआ; गला-हुआ. Tricked. नाया० १;

पयालिय त्रि० (प्रचलित) थलायमान थयेल. प्रचलित; चला हुआ. Shaken. नाया० ८;

पयालिय त्रि० (प्रदलित) नाश करेलुं; थूलुं करेलुं. नष्ट किया हुआ, चूर चूर किया हुआ. Destroyed; pulverised. कप्प० ३, ३६;

पयावेभाग. पुं० (पदविभाग) पदविभाग नामे सामाचारी; सामाचारीने ओक प्रकार. पदविभाग नामक सामाचारी; सामाचारी का एक प्रकार. A Sāmāchārī of this name; a class of Sāmāchārī. प्रव० २३; विशेष० २०४०;

पया छी० (प्रजा) रैयत; प्रज. प्रजा; रैयत; प्रकृति. Ryot; subjects. (२) संतति, प्रिथार. सन्तति; परिवार. progeny; family. उत्त० ३, २; आया० १, ३, २, ११४; सूय० १, २, २, २२; १, १०, ३; ज० प० २, ३०; पंचा० ७, ३७; —हिअ. न० (—हित) प्रजानु हित. प्रजा का हित. the welfare of the subject. कप्प० ७, २१०;

पयाअ-य. त्रि० (प्रयात) आवेल; विस्तरेल. गया हुआ; विस्तृत, फैला हुआ. Departed; spread. भग० ११, १०; आया० २, ४, २, १३८; —साहा. छी० (—शाखा) विस्तरेल शाखा; वृक्षनी आनी वृक्षकी फैली हुई शाखा. an extended branch of a tree. दस० ७, ३१;

पयाण. न० (प्रतान) विस्तारपूर्वक स्वप्न-

दर्शन; स्वप्नना पांय प्रकारमाने भीन्ने प्रकार. विस्तृत स्वप्न दर्शन; स्वप्न के पांच प्रकार में से दूसरा प्रकार. Dreaming at length; the second variety of the 5 varieties of dreams. भग० १६, ६;

पयाण न० (प्रदान) आपुं; सोंपुं. देना; सोंपना; जिम्मे करना. Handing over. ओव० ४०; पंचा० १, १८; उवा० १, ४३;

पयाण. न० (प्रयाण) गपुं; प्रयाथ करेपुं. जाना; प्रयाण-प्रस्थान करना. Departure. प्रव० ६३७;

पयात त्रि० (प्रजात) प्रसव थयेल; ग-भ पाभेल. प्रसूत; उत्पन्न, जन्म प्राप्त. Born; produced. नाया० १; २; ८; १४; भग० ११, १०; ११; १५, १;

पयायार. पुं० (प्रदातृ) धणो उदार; दाता. अति उदार; औदार दानी. Very noble or munificent विशेष० ३४४५;

पयार. पुं० (प्रचार) प्रवर्तन, प्रवृत्ति. प्रवर्तन; प्रवृत्ति; प्रचार. Activity; promulgation. ओव० १६; नाया० १; भग० ७, ६; २५, ७; सु० च० १, ३१८;

पयार. पुं० (प्रकार) प्रकार-रीति; भेद. प्रकार; रीति; भेद. Kind; variety. प्रव० ८४६; नाया० १; सम० ६; अणुजो० १२८;

पयारण. न० (प्रतारण) ठगार्थ; छेतरेपुं ते. ठगी; धोखावाजी; विश्वासघातकता. Deceiving; cheating. पंचा० ३, ३६;

पयाच. पुं० (प्रताप) प्रताप; तेज. प्रताप; तेज; शौर्य. Majesty; lustre; valour. सु० च० १, ३४; दस० ६, ३५;

पयाचइ न० (प्रजापति) १८वां मुहूर्तनां नाम. १९वें मुहूर्त का नाम. The name of the nineteenth Muhūrta. सू०

प० १०; जं० प० ७, १५७; (२) रोहिणी नक्षत्रनो अधिष्ठाता देवता. रोहिणी नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. the presiding diety of the Rohinī planet. अणुजो० १३१; (३) कृत्तिका नक्षत्रनो स्वामी-देवता. कृत्तिका नक्षत्र का स्वामी-अधिपति देवता. the deity of the Krittikā planet. ठा० २, ३; (४) पडेल वासुदेव अने बलदेवना पितानुं नाम. पहिले वासुदेव तथा बलदेव के पिता का नाम. the name of the father of the first Vāsudeva and Baladeva. सम० प० २३५;

पयावण. न० (प्रतापन) तपावतुं गरम करना; तपाना. Heating. पि० नि० ३४;

पयावण. न० (पाचन) भीज पासे रसोप क्तावती ते. दूसरे से भोजन बनवाना. Cooking of food by another. उत्त० ३५, १०; सूय० २, २, ६२; परह० १, १;

पयास. पुं० (प्रकाश) प्रकाश; अज्वालुं. प्रकाश; उजेली. Light. (२) प्रगट; खुलुं. प्रकट, खुला. open; revealed. विशे० ५१०; २८१७; सु० च० ३, ८५; —यर. त्रि० (-कर) प्रकाश करना. प्रकाश करने वाला, उजेली देने वाला. publisher; illuminer. आड० २, ७;

पयास. पुं० (प्रयास) प्रयत्न; उद्यम. प्रयत्न; उद्यम; परिश्रम. Effort; industry. पंचा० ६, ३;

पयासणिज्ज. त्रि० (प्रकाशनीय) प्रकाश करवा योग्य. प्रकाश करने योग्य. Fit to be illumined. विशे० ३४७;

पयासय. त्रि० (प्रकाशक) प्रकाश करना. प्रकाशित करने वाला; प्रकाशक. Publisher, enlighter. प्रव० ७०५;

पयासरूच. न० (प्रकाशरूप) प्रकाशमान स्वरूप. प्रकाशमान स्वरूप. Luminous. क० गं० १;

पयासिय. त्रि० (प्रकाशित) प्रकाशित थयेल; प्रकाशित; प्रकटित-प्रसिद्धि पाया हुआ. Published; done. सम० ५;

पयाहिण. त्रि० (प्रदक्षिण) जमणी तरक्षुं; जमणी आणु पणतुं. दाहिनी ओर घूमता हुआ. Of the right side; turning towards the right. जं० प० ५, ११२; ७, १४०; ओव० १०; —आवत्त. त्रि० (-आवर्त) जमणी तरक्षुं जेने आवर्त (पण) होय ते. दाहिनी ओर के घुमाव वाला. (one) having a bend on the right side. पंचा० १४, ३२; भग० १, १; जीवा० ३, ३;

पयाहिणा. स्त्री० (प्रदक्षिणा) प्रदक्षिणा; ६२वुं; आवर्तन हेतुं ते. प्रदक्षिणा; चक्र लगाने या परिक्रमा देने का कार्य. The act of going round; circumambulation. भग० १, १; २, १; ३, १; ४१, ३२; नाया० १; ८; १३; १६; राय० २६; प्रव० ६३; कप्प० ४ ६६; उता० १, १; ७, १६०, पंचा० २, २२; ओव० २२;

पयाहिणीकरेउं. सं० कृ० अ० (प्रदक्षिणीकृत्य) प्रदक्षिणा दधने प्रदक्षिणा देकर; परि-क्रम्य. Having gone round. सु० च० १, ३६३;

पयोग. पुं० (प्रयोग) उपाय; साधन. उपाय; साधन. Means; instrument. (२) जिवनो व्यापार. जीव का व्यापार activity of a living being or a soul. पयोगसा. तृ० ए० राय० २८६; भग० ५, २; भग० ६, १; ३; (२) वाद विवाद करना. वाद विवाद. debating. ठा० ८, १; —परिणय. त्रि०

(-परिणत) प्रयोगार्थी-श्रवण्यापारार्थी परिणाम पाभेक्ष. प्रयोग द्वारा-जीवव्यापार द्वारा परिणमित. one attaining maturity by the activity of a soul. भग० ८, १; —संपया. स्त्री० (-सम्पत्) वाद करवानी संपद-शक्ति. वाद शक्ति; वाद विवाद करने की सामर्थ्य. the power to debate. ठा० ८, १; पयोधर. पुं० (पयोधर) स्तन. स्तन. Breast. (२) भाषण मेघ a cloud. जीवा० ३, ३; पयोयण. न० (प्रयोजन) कारण; व्यापार कारण; व्यापार. Cause; reason. पणह० २, १; नाया० १६. पयोहर. पुं० (पयोधर) लुओ "पयोधर" शब्द देखो "पयोधर" शब्द. Vide. "पयोधर." नाया० १; पर त्रि० (पर) अन्य; भीलुं; पोतासिवायनुं; पारुं अन्य, दूसरा, अपनेसे भिन्न; पराया Another; second; not one's own; stranger. उत्त० १, १६; २, १०; २०; ओव० ३८, भग० १, ६; २, ५; ५, २; ७, १; ६, ३३; नाया० १; २; ३; ७, दस० ५, २, २७; ६, १५; ३८; ४०; ८, ६२; ९, ४, २३; दसा० ६, १; ४; वेय० १ ३३, ६; निसी० १, ४७; २, २८, ११, १४; पिं० निं० १०४; ११४; १७३; १८६, पञ्च० १, १४; उवा० १, ४४; ५७; क० प० ४, २३, गच्छा० ११३, क० गं० १, ५४; २, २३, ३, ६; २०; पचा० ६, १; १६, १; (२) पुं० शत्रु; दुश्मन शत्रु, दुश्मन; वैरी. an enemy. भग० १, ७; (३) उपरान्त; उपरान्त; अधिक, विशेष मोक्ष. निसी० १, ४७, ४६, (४) परलोक, परलोक; परत्र. the other world ठा० ४, ३, (५) मोक्ष. मोक्ष

Salvation. विशेष० २६८१; (६) उत्कृष्ट. उत्कृष्ट, श्रेष्ठ; उत्तम. best. नाया० १, (७) तत्पर; सावधान. तत्पर; उद्यत; सावधान. ready; cautious. पणह० १, २, (८) न० ओक लतनु घास. एक प्रकार का घास. a kind of grass. पणह० २, ३; —अंतकर. त्रि० (-अन्तकर) भीलने उपदेश आपी तेना लयने अन्त लायनार-अर्थात् पारधाने मोक्षे पहुँचायनार. दूसरों को उपदेशद्वारा मुक्ति प्राप्त करानेवाला. one who makes others to attain salvation by advising them. ठा० ४, २; —अणीय. न० (-अनीक) शत्रुनु लश्कर. शत्रुसेना; दुश्मनकी फौज. an enemy's army. भग० १, ७; —अणुकंपत्र. त्रि० (-अनुकम्पक) पारधानुं हित आह्वान; दयालु. दूसरों का भला चाहने वाला; दयालु; परोपकारी. compassionate over others. ठा० ४, ४; —अणुमय. त्रि० (-अनुमत) भीलने अलिप्रेत-छष्ट. दूसरों द्वारा इच्छित; परानुमत-प्रिय desired or appreciated by another विशेष० ६५; —अहिगरणि. त्रि० (-अधिकरणिन्) परना उपर अधिकार करनेवाले दूसरों का अधिकारी. an officer over others. भग० १६, १; —अहीण त्रि० (-अधीन) परतत्र; गुरुने आधीन परतंत्र; गुरु के आधीन. dependent, subordinate to a preceptor. विशेष० ५५७; ८३८; —आगार. न० (-आगार) पारुं घर; गृहस्थीनुं घर दूसरे का घर another's house; the house of a householder. दस० ८, १६; —आरंभ. त्रि० (-आरम्भ) पोते आरम्भ न करे पणु भीलनी पासे श्रवणी हिसा करावे ते;

परारम्भी. परारम्भी-वह जो स्वयं तो आरंभ न करे परन्तु दूसरों से हिंसा करावे. one who does not kill himself but causes others to kill. भग० १, १, —आहुत्त. त्रि० (-अभिमुख) पीछे तर्क्ष भेदु शीर्षी पीछनी साथे वातचीतभा पणगेल. दूसरी ओर मुंह फेर कर दूसरों के साथ बातचीत में लगा हुआ (one) engaged in conversing with others while turning one's face to the other side " वक्खित्तपराहुत्ते पमत्तेमाकयाह् आलोए' आघ० नि० ५१४; प्रव० १२४; —उपक्रम. पुं० (-उपक्रम) पारङ्का विपक्ष-प्रयत्न दूसरे का प्रयत्न-उपक्रम. the effort of another. भग० २०; १०; —उपघादणी. स्त्री० (-उपघातिनी) परने नाश करनेारी (भाषा). दूसरों का नाश करने वाली (भाषा). language that destroys others दस० ७, ५४; —कड. त्रि० (-कृत) परने भाटे करेखु, साधु भाटे करेखु नहि. दूसरों के लिए किया हुआ, साधु-ओके लिए नहीं done for others; not done for an ascetic. उक्त० १, ३४, भग० १, ६; १७, ४, —कर्म. न० (-कर्मन्) पीछनी कर्म; पीछनी भाटे करेखा कर्म. दूसरों के कर्म; दूसरों के लिए किए गए कर्म. acts of others; acts done for others. जं० प० ७, १६६, ५, ११८; भग० ३, ५; २०, १०; २५, ८; पिं० नि० १०६; १०८; —कसाय. पुं० (-कषाय) पीछनी कषाय-क्रोधादि. दूसरे का कषाय-क्रोधादि. the passion, anger etc. of the others. मच्छा० ६७; —किरिया. स्त्री० (-क्रिया) पर-साधु शिवाय-गृहस्थनी क्रिया-चेष्टा. पर-साधु के

शिवाय-गृहस्थ की क्रिया-चेष्टा. the affairs of a householder. आया० २, १३, १७२; पिं० नि० १०८; —ग्राम. न० (-ग्राम) पीछनी ग्राम. दूसरे का ग्राम-गांव. another's village. पंचा० १३, १३; —घर. न० (-गृह) पारङ्क घर; गृहस्थनु घर पराये का घर, गृहस्थ का घर. another's house; house of a householder. दस० ५, २, २७; प्रव० २७६; —घरव्वेस. पुं० (-गृहप्रवेश) पारङ्का घरमा प्रवेश करेवा ते; शिक्षा भाटे करेखु दूसरों के घरों में भिक्षा के लिये प्रवेश करना-घुसना. to enter other's house or to wander for begging. ठा० ६, १; —चक्र. न० (-चक्र) परशत्रुनी सेना; शत्रुनी सेनानां लयज्जनक क्षय. पर-शत्रुकी सेना; शत्रु सेना के भीषण-भयोत्पादक कार्य. an enemy's army; havoc caused by an enemy's army. सम० ३४; नाया० ९; —छंद. न० (-च्छन्दस्) पारङ्का छन्दो; पीछनी अभिप्राय. दूसरे की इच्छा-अभिप्राय, छंद. the wish of another. ओव० २०; —छंदाणु-वत्तिय त्रि० (-च्छन्दानुवर्तिक) पारङ्काना अभिप्रायने अनुसरना. दूसरों के अभिप्राय का अनुकरण करने वाला. (one) who follows the wishes of others. ठा० ४, ४; भग० २५, ७; —जूरणया. स्त्री० (-जूरणता) पीछनी शैवरापपुं; जूरण करायवी ते. दूसरों को रुलाना; दूसरों का भुराना-याद में दुखी करना causing others to weep or pine. भग० ७, ६; —(५) दृ. पुं० (-अर्थ) परने अर्थ; पीछनी भाटे. दूसरों के लिये; परार्थ. for another; for

the sake of another. उक्त० १, २५; दस० ६, १२; ६, २, १३; भक्त० १; —ठाण. न० (—स्थान) पारकुं स्थान; ठेकाणुं. पराया स्थान—जगह—ठिकाना. a strange place. भग० २५, ४, ६; क० प० २, ६३; —तिगिच्छिअ. त्रि० (—चि-कित्सक) पारकानी चिकित्सा ज्ञाणु पणु पोतानी ज्ञाणु नहि ते. दूसरों की चिकित्सा कर सकने पर भी अपनी चिकित्सा न कर सकने वाला. (one) who heals others but not himself ठा० ४, ४; —त्थ. त्रि० (—अर्थ) परलोकना सुपनी भुञ्जामाणे. पारलौकिक सुख का इच्छुक. (one) desirous of paradise ठा० ४, ३; (२) पु० मोक्ष माटे. मोक्ष के लिये for salvation. विशेष० २६८१; —दत्त. त्रि० (—दत्त) भीज्जणे आपेक्षुं. दूसरोंद्वारा दिया हुआ. bestowed by another. आया० २, ७, १, १५५; —दार. पुं० (—दार) पारकी स्त्री दूसरेकी—पराये की पत्नी—स्त्री another's wife. पंचा० १, १५; —दाराप्रसंगि पु० (—दाराप्रसंगिन्) परस्त्री लपट. परस्त्री लपट; व्यभिचारी. an adulterer. नाया० १८; —दुक्खणया. स्त्री० (—दुख-नता—दुःखदान) भीज्जने दुःख देवुं ते. दूसरों का पीडन; परपीडन. troubling another. भग० ७, ६; ८, ९; —घण. न० (—घन—परेषां घनम्) पारकुं धन. पराया धन; बिरानी दालत. another's wealth. विशेष० ४१; भक्त० १-२; —धम्मिय. त्रि० (—धार्मिक—परस्यधर्म-स्तत्रकुशल.) असमान धर्मवाणुं; परधर्मी. असमान धर्मवाला; परधर्मी; विधर्मी. possessing another characteristic or religion वेय० ४, ३; —निमि

त्त. न० (—निमित्तरञ्जितजिनि तंच) भीज्जुं निमित्त, कारण. दूसरा निमित्त; अन्य कारण. another reason or cause. विशेष० ६४; —पइट्ठिअ त्रि० (—प्रतिष्ठित) भीज्जना आश्रयथी प्रतिष्ठा पामेअ—उत्पन्न थयेअ. दूसरों के आश्रय द्वारा प्रतिष्ठा प्राप्त—उत्पन्न. one stationed or produced by the help of others. ठा० २, ४; ४, १; —पक्ख. पुं० (—पक्ष-परश्चासौपक्षश्च) अ-य पक्ष—गृहस्थ वर्ग. अन्यपक्ष—गृहस्थ वर्ग. the other side; the class of householders. पि० नि० ६५; —पक्खक्खमण. त्रि० (—पक्ष-क्षमण) भीज्ज पक्षने सहनार परपक्ष को सहन करने वाला (one) bearing the other side. नाया० ११; —परि-यावणया. स्त्री० (—परितापना) भीज्जने सतापयुं ते, परने दुःख आपयु ते. परपीडन, दूसरों को दुःख देना. troubling another. भग० ७, ६; —परिवाइय. त्रि० (—परिवादक) भीज्जनुं वांऊं भोजनार; नि-न्दक. दूसरे की बुराई करने वाला, परनिन्दक. a back biter; a reviler. ओव० ४१; —परिवाद. पुं० (—परिवाद) पारकी निन्दा. पराई निन्दा; दूसरों की बुराई. another's censure. नाया० १; —परिवाय-अ पुं० (—परिवाद) पारकी निन्दा करपी ते. दूसरों का निन्दा करने का कार्य; परनिन्दा. censuring others. सम० ५२; ओव० ३६; भग० १, ६६; १२, ५; पञ्च० २२; कप्प० ५, ११७, प्रव० १३६६; —पाणपरियावण. न० (—प्राणपरितापन) भीज्ज आणुने सतापयुं—दुःख देवुं ते दूसरे प्राणि को पीडा पहुँचाने का कार्य, परपीडन. troubling other beings दसा० ६, ४; —पाय. न० (—पात्र) पारकुं

पात्र. दूसरे का पात्री-वर्तन. another's utensil निसी० ३, ८२; —पासंडप-डिमा. छी० (—पाण्डप्रतिमा) अ-य धर्मीनो संप्रदाय. विधर्मी का संप्रदाय-पंथ. a sect of another religion. वव० १, ३५; —पिट्टणया. छी० (—पिट्टनता-सारण) भीजने पिट्ठु भारपुं ते. दूसरों को मारने का कार्य. beating another. भग० ७, ६; —पुट्ट. पुं० (—पुट्ट-परण-काके-नपुट्टःपालितः) डेयल. कोकिल; परभृत; कौयल. cuckoo. राय० ५०; पज० १७; —उपयोग. पुं० (—प्रयोग) पारकाने प्रयोग व्यापार प्रवृत्ति. दूसरे का प्रयोग-व्यापार-प्रवृत्ति. the industry of another भग० ३, ४५; १६, १; १७, ३; २०, १०; २५, ८; ३२, १; —उपाचित. त्रि० (—प्रवृत्त) भीजने भाटे करेहुं-अनेहुं दूसरों के लिये किया हुआ, बना हुआ; made for another. उत्त० १२, ६; —वत्त न० (—वत्त) पर शत्रुपुं ६२३२. दूसरे की-शत्रु की सेना; दुश्मन की फौज an enemy's army. विवा० ५; —बोहण. न० (—बोधन) भीजने बोध आपवे ते. दूसरों को उपदेश देने-सिखाने का कार्य; परोपदेश. giving of counsel to another विशेष० १७२; —भव. पुं० (—भव) भीजे अव; जन्मान्तर दूसरा जन्म, जन्मान्तर. another life भग० २; नाया० १३, —भाववङ्कणया. छी० (—भाववङ्कता) लुहु ६भी पारकाने छेतरपु ते. मिथ्या बात लिख कर किसी को ठगना. deceiving another by writing falsely. ठा० २, १; —मत्त न० (—अमत्त) परपु-गृहस्थपुं लाज्जन-वासण. परायेका-गृहस्थ का पात्र-वर्तन. a utensil of another or of a house-

holder. सूय० १, ६, २; —मय. न० (—मत) भीजने मत-मान्यता. दूसरों का मत-सिद्धान्त. the principle of another. विशेष० ३१५; —लाभेहा. छी० (—लाभेहा) भीज पासेधी लालनी धर्मि ३२वीं ते. दूसरे से-पराये से लाभ प्राप्ति की इच्छा. desiring profit from other's. प्रव० ८२३; —वत्थ. न० (—वत्त) पारपुं वत्त. पराया वत्त. another's garment. निसी० १२, ६; —वचएस. पुं० (—व्यपदेश) पोतापुं छतां साधुनी पामे भीजनुं छे ओभ डेहुं. अपना होते हुए भी साधुसे यह कहना कि यह दूसरे का है. telling an ascetic that a thing belongs to another although it is one's own. पंचा० १, ३२; —वत्त त्रि० (—वत्त —परस्य परेषां वा वत्तः) पराधीन; परतन्त्र परतन्त्र; पराधीन. dependent; subordinate. नाया० १६; नाया० ध० तंडु. —वागरण. न० (—व्याकरण —व्याक्रियन्ते सदुपदेशत्वेन स्फुटीक्रियन्ते मोक्षोपयोगिवचोत्तियाहति) पारके उपदेश; भीजनुं कथन. परोपदेश; दूसरे को दिया हुआ बोध-ज्ञान. an advice to another. आया० १, १, १, ४; (२) तीर्थ-करना आगम तीर्थकर के आगम trust-worthy affirmation of Tirthankara. आया० १, ५, ६, १६७; —वाय. पुं० (—वाद) पैदादिना सिद्धा-ततो वाद; पर मतनी युक्ति प्रयुक्ति. बौद्धादिके सिद्धान्तों का वाद; परधर्म की युक्ति प्रयुक्ति the discussion of other's doctrines such as of the Bauddhas. ओव० १६; —विहयजण. त्रि० (—विस्मयजनन) अन्यने विस्मय पमाडनाइं दूसरों को आश्च-

ये करानेवाला। Exciting wonder in others, creating wonder in the mind of another person.

—वेयावच्चकम्मपडिमा. स्त्री० (—वैयावृत्त्य कर्मप्रतिमा) भीष्मनी सेवालक्षित करवा आहारादि लायी देवानो अभियोग धारण करवा ते दूसरेकी वेयावच्च करनेके लीये आहार पानी लेआनेका अभियोग करना। A vow of service, a vow to serve other saints by bringing food etc for them सम० ६१, -संक्खिय. त्रि० (साक्षिक) भीष्मनी साक्षीवाणु दूसरेकी साक्षीयुक्त Having been witnessed by any other person; having an eye-witness, having a testimony of another person. ओ० नि० ७६४, —समय पु० (—समय) अन्यदर्शन, जेनेतर सिद्धांत. जैन शिवायके दर्शन, बौद्धादिकका शास्त्र A non-jain religion; a non-jain philosophy भग० १६, ६; नदी० ६६; —सोयणाया. स्त्री० (—शोचना) भीष्मने शोच करवावे ते ओगेकों दिलगीर करना Making others sorry, grieving others. भग० ७, ६; —हड. न० (—हृत भावेत्त) भीष्मनी वस्तु हरवी-ओरवी ते. दूसरे का माल हटना Robbing a person of something, plundering or stealing something belonging to another person. पणह० १, ३;

परं. अ० (परम्) परतु, किंतु. पर. But.

(२) उपरांत. बाद Except. (३) इक्षत. केवल Only नाया० ६; १३, १४; वच०

१, ५; १३, दस० ६, १, ५, निमी० १६, १०;

परंगमण. न० (परगमन) भीष्मनी हाथ पकडो आणक आलनां शीमे ते. दूसरे का हाथ पकड वालक चलता है वो. Learning to walk by a child with the support of another person. (२) आणक आलनां शीमे ते वप्पते उत्स-वादि करवाभा आवे ते, गमन सरकार. वालक के प्रथम गमन समयमें उत्सवादि करनेमें आता है वो. The ceremony to be performed at the time when a child learns to walk with someone's support राय० १० २८८,

परंतम. त्रि० (परतम) भीष्मना उपर तमे लाव राखनार. दूसरे के पर तामस भाव रखनेवाला. Angry with others ठ० ४, २,

परंदम. त्रि० (परदम) भीष्मनु दमन करनार दूसरे को दमन करनेवाला An oppressor, a tyrant, one who oppresses others उत्त० ७, ६, ठ० ४, २;

परंपर. त्रि० (परम्पर) अनंतर नली ते. अेकाद समय के प्रदेशना आंतरावाणु समय या प्रदेशसें व्यवहित. Something divided by time or space (A thing having some distance with some other thing an event succeeding another event with some difference of time) भग० ५, ४, १३, १, ३०, ६; ३४, १, (२) पु० विच्छेद गयेल आ-

रसा दृष्टिवाद् अगता भीम विलास
 भूतानां छद्मे भेद. विच्छिन्नं हुवा वारवा दष्टि-
 वाद् अग का दूसरा विभाग जो सूत्र उसका छद्म
 भेद The sixth division of the
 second chapter of one of the
 12 Angas or sūtras, called
 the Drushtivāda sūtra which
 is not existing at present.
 नदी० ५६; (३) स्त्री० अनुक्रम, परिपाटी.
 परंपरा. Succession or following
 respectively. भग० ५, ३, ४;
 —आगम पु० (—आगम) शिष्यानु-
 शिष्य परंपराधी आयेल आगम. शिष्यानु-
 शिष्य परंपरसे आयाहुवा आगम. A phi-
 losophy or a scripture handed
 over from preceptor to pupil,
 a shāstra handed over by a
 preceptor to his pupil
 and then by him to his
 pupil and so on. भग० ५, ४;
 —आघात. पु० (—आघात) ओं
 पक्षी भीमने अनुक्रमपूर्वक नाशन करुं
 ते. अनुक्रमसे ताड़न करना. Giving a
 blow or punishing, beating,
 or striking others one by
 one. भग० ६, १; —आहारग. त्रि०
 (—आहारक) ओं समय वीत्या पक्षी
 भीमने त्रीने आदि समय आहार लेनार.
 एक समय व्यवहित समयमें आहार लेनेवाला.
 One who takes food periodi-
 cally; i. e. one who does
 not take his or its food
 just after the birth but
 after one or two periods (a

period being an indivisible
 part of time). भग० २६, ७, ३३,
 ७; —उचवरागम. त्रि० (—उचवरागम)
 ओं समय वीत्या पक्षी भीम त्रीम
 आदि समयोंमा उत्पन्न थयेल. प्रथम समय
 बाद दूसरा तीसरा आदि समयमें उत्पन्न हुवे.
 Born or created after one
 "Samaya" or more (A
 samaya means an indivisible
 period of time). भग० १३, १;
 १४, १; २६, ३; ३३, ३; —अगोदग.
 त्रि० (—अगोदग) ओं समयधी वधारे
 समय सुधी आकाश प्रदेशने अवगाही
 रहेल. दो तीन आदि समय पर्यन्त आकाश
 प्रदेशको अवगाह कर रहनेवाला. One
 who stays or exists by touch-
 ing space for more than one
 "Samaya". भग० १, ६; १३, १;
 २६, ४, ३३, ५; ठ० २, २; —खेत्तो-
 वगाह. त्रि० (—खेत्तोवगाह) ओं प्रदेश
 भुक्त्या आदि भीम त्रीम आदि आकाश
 प्रदेशने अवगाहीने रहेल. द्वितीय तृतीय
 आदि आकाश प्रदेशको अवगाह कर रहनेवाला.
 One who exists or stays by
 touching the second or third
 or any other division of
 space. भग० ६, १०; —गंडिया. स्त्री०
 (—गन्धिका) परिपाटीपूर्वक आपेक्षी
 गांठ. अनुक्रमसे दीहुइ गांठ. Knots in
 succession भग० ५, ३; —गय.
 त्रि० (—गत) ससार परंपराधी नीकणी
 गयेल ससार प्रवाहसे छुटा हुवा. One who
 has made himself free from
 the cycle of births and deaths;

one who has attained salvation. भग० २, १; —पञ्जलग. त्रि० (पर्याप्तक) એક સમય વી.યા પછી બીજે ત્રીજે આદિ સમયે પર્યાપ્ત થયેલ. દુસરે તીસરે આદિ સમયે પર્યાપ્ત બનાવવા. One

who has attained a full development of the characteristics of the body into which his soul is to incarnate, after second or third "Samaya."

ભગ० ૨૬, ૬; ૩૩, ૬; —પરુદ્ધ. ત્રિ० (-પ્રરુદ્ધ) પરંપરાથી રૂઢ થયેલું. પરંપરાસે આપાદુઆ. Conventional. ભગ० ૧૧, ૧૧; —બંધ. પુ० (-બન્ધ) એક સમયથી વધારે સમયનો થયેલ બંધ. દ્વિ ત્રિ આદિ સમયકા બન્ધ. A relation of soul and "karma" taking place after more than one "Samaya" ભગ० ૨૦, ૭, —સિદ્ધ.

પુ० (-સિદ્ધ) એક સમય પહેલાં બીજા ત્રીજા આદિ સમયમાં થયેલ સિદ્ધ ભગવાન. દો ત્રીજા આદિ સમયસે સિદ્ધિપદ પામે હુવે. One who attains salvation during the second or the third "Samaya" નદી० ૨૦, પત્ર० ૧, ઠાં ૨, ૧; ભગ० ૨૫, ૪;

પરંપરા. સ્ત્રી० (પરમ્પરા) નિરવચિન્ન પ્રવાહ, ચાલુ પરિપાટી. અવચિન્ન પ્રવાહ. A continuous following; a continuous custom. નાયા० ૪; સમ० ૬, પિં० નિં ૧૮૫;

પરંભર. ત્રિ० (પરમર) બીજાનું ભરણ પોષણ કરનાર. અન્યકા ભરણ પોષણ કરને વાલા. One who supports an-

other person; one who maintains others. ઠાં ૪, ૩,

પરંમુહ ત્રિ० (પદ્મામુહ) વિમુખ; વિરુદ્ધ; વિપરીત ઝલટા મુઠ્ઠા કરનેવાલા, પ્રતિપન્ની.

Opposite, Contradictory; an antagonist; an opponent. નાયા० ૧૪; ભગ० ૬, ૩૩, દસ० ૬, ૩, ૬, વિવાં ૧; સૂચ० ૧, ૩, ૪, ૬; વિશે० ૨૨૭૨; ઓધં નિં ૪૮;

પરકીય. ત્રિ० (પરકીય) પારકું પરસબધી; દુસરેકા Belonging to another person. વિશે० ૪૧;

પરકંત. નં (પરાકાન્ત ભાવે કં) પરાક્રમ; પુરૂષાર્થ. પ્રયત્ન, ઝયમ. Exploit or valour; manly effort સૂચ० ૧, ૮, ૨૨;

✓પર+ક્રમ. ધા. I. (પરા+ક્રમ) પરાક્રમ કરવું, પ્રયત્ન કરવો. પરાક્રમ કરના, પ્રયત્ન કરના. To try; to make an effort; to venture

પરક્રમિજ્ઞાસિ. આયા० ૧, ૬, ૪, ૧૬૩,

પરક્રમેજ્ઞા. દસા० ૧૦, ૩;

પરક્રમિજ્ઞા. દસ० ૮, ૪૧,

પરક્રમમાણ. દસા० ૧૦, ૮;

પરક્રમ પુ० (પરાક્રમ) સામર્થ્ય, મર્દાનગી; ઇષ્ટ કાર્યસાધક બલ પૌરુષ, શક્તિ Manliness, strength to succeed. નાયા० ૧, ૮, ૧૬, ભગ० ૧, ૩, ૧૭, ૨; પત્ર० ૨૩; દસ० ૫, ૧, ૪, સૂચ० ૨, ૭, ૭, ઠાં ૧, ૪, અણુજોં ૧૩૦, ઉત્તં ૬, ૨૧, ૨૬, ૧;

परकमियव्व. त्रि० (परकमितव्व) पराक्रम
करना योग्य. पराक्रम करने योग्य. What
ought to be tried; what
ought to be ventured; worth
aiming at. भग० ६, ३३:

परग. पुं० (परक) जेनाथी कूट गुथाय तेवा
तृण विशेष. फूल गुथनेका एक जातिका तृण.
A kind of straw; a kind of
grassy fibres to wreath a
garland of flowers सूय० २, २,
७; आया० २, २, ३, २०; (२) धान्य
विशेष; अटी धान्यकी एक जाति. A kind
of corn. सूय० २, २, ११; (३)
धासनुं लाञ्छन विशेष, तृण विशेषनी अनेन
छाया. एक जातिका तृणका भाजन A
straw-plate. आया० २, १, ११,
६२; २, १, १, १००; जीवा० ३;

परवन्न. त्रि० (परावर्ण) मोक्ष; अङ्ग मुक्तुं बहोत
किम्मती. Extremely valuable,
very costly दस० ७, ४३,

परउक्क त्रि० (परध्य=पराधीन) परवश; पर-
तत्र. पराधीन, परवश. Dependent. उत्त०
४, १३;

परतंत त्रि० (परतन्न) पराधीन परवश.
Dependent. सु० च० ११, ५४, विशेष
१८६७;

परत्थ. अ० (परत्र) परलोकां. अन्य लोकमें.
In another world. (२) अन्य स्थले.
दूसरे स्थलमें. At any other place.
सूय० १, ७, ४; उत्त० १, १५,

परम. त्रि० (परम) उत्कृष्ट; वधारेमां वधारे.
सर्वमें अधिक. Highest or greatest.
भग० २, १, ३, १; १४, १, १६, ५,

नाया० १; ६; १६; जीवा० ३; दस० ६,
२, २; (२) श्रेष्ठ, उत्तम, अच्छा. Best.
उत्त० २, २६; (३) अत्यंत; धृष्ट. बहोत,
ज्यादा. Most considerable. ओव०
११; सम० १५; पणह० १, ३; (४) मोक्ष.
मुक्ति. Salvation. उत्त० ३, १;
(५) प्रधान; मुख्य. प्रधान, प्रमुख Chief
or principal. दस० ६, ३, ८; (६)
सयम; आरिच्य. Character; a
higher type of asceticism.
सूय० १, ६, ६, राय० २२५;
—अंग न० (अङ्ग) मोक्षनु अंग-
साधन. मुक्तिका कारण A way to
salvation; a key to success
to attain the highest bliss.
उत्त० ३, १, —आउय. न० (—आयुष्य)
उत्कृष्ट आउषु. परम आयुष्य A long-
est life. विवा० १; नाया० १; —आउस.
त्रि० (—आयुष) उत्कृष्ट आयुष्यवाणे.
परम आयुष्यवान्. A person or
being of long age; a person
or a being living a longest
life. भग० ७, ६, —आणंद. पु०
(—आनन्द) उत्कृष्ट सुख. बहोत आनंद.
The highest bliss; greatest
happiness नाया० १५; —आहोहिय.
न० (—अधोऽवधिक) उत्कृष्ट अवधिज्ञान
विशेष. परम अवधिज्ञान विशेष A kind
or a class of the highest
visual knowledge. भग० ७, ६; १४,
१०; १८, ८; —ओहि. न० (—अवधि)
परम अवधिज्ञान. उत्कृष्ट अवधिज्ञान. The
highest type of the highest

visual knowledge. प्रव० ७००;
—ओहिघ्नाण. न० (-अवधिज्ञान)
परम उत्कृष्ट अवधिज्ञान. परमोत्कृष्ट अवधि-
ज्ञान. too high visual knowledge.
विशे० ५६८; ६८६; —ओहिघ्न. न०
(-अवधिक) श्रेष्ठ अवधिज्ञान श्रेष्ठ अव-
धिज्ञान. the high visual know-
ledge. भग० १, ४; —किरह. त्रि०
(-कृष्ण) गड्ढा काला. jet-
black. भग० १, ५; ६, ५; —(म) ग-
सूर. पुं० (-अग्रशूर) आस-मुष्ण योद्धा;
वीराने अग्रसर. प्रमुख योद्धा; वीर नायक.
the van guard. दस० ६, ३, ८;
—तत्त. न० (-तत्त्व) परम तत्त्व. परम
तत्त्व. the highest reality. भक्त०
५३; —दंसि. त्रि० (-दर्शित्र) भोक्ष
अथवा भोक्षनु कारणु जे सयम, तेना जालु-
नार-जेनार मोक्ष का कारण-संयमको जान-
ने तथा देखने वाला (one) who
knows " Restraint " which is
Salvation or a cause of it.
आया० १, ३, २, १११, —दुच्चर. त्रि०
(-दुश्चर) अत्यन्त कठिन; दुष्कर. अत्यन्त
कठिन, दुष्कर. very difficult. दस०
६, ५; —दुरभिगंध त्रि० (-दुरभिगंध)
अत्यन्त दुर्गन्ध वाला अत्यन्त दुर्गन्ध
वाला. possessing bad smell
दस० ६, १; —निरुद्ध. त्रि० (-निरुद्ध)
परम सूक्ष्म; जीवाभां जीवुं. परम सूक्ष्म;
अत्यधिक महीन. minutest. तदु०
—पय. न० (-पद) परमपद, भोक्ष.
मोक्ष; परमपद. salvation- कप्प० ५,
१०८; पंचा० ४, २३; —वंभ न० (-ब्रह्मन्)
परम ज्ञान; केवल ज्ञान; प्रकृष्ट ज्ञान. परम
ज्ञान; पूर्ण ज्ञान; प्रकृष्ट ज्ञान. perfect
knowledge. चउ० २६; —भूसण.

न० (-भूषण) श्रेष्ठ अलंकार. उत्तमा भूषण;
श्रेष्ठ अलंकार-गहना-जेहवर. a high or-
nament. प्रव० १५६०; —मंत, पुं० (-मन्त्र)
श्रेष्ठ मन्त्र. श्रेष्ठ मन्त्र. a high charm or
incantation. पंचा० ४, २८; —मुत्ति.
स्त्री० (-मुक्ति) उत्तम मुक्ति; श्रेष्ठ भोक्ष. उत्तम
मुक्ति. a high salvation. पंचा० २, ४३;
—संखिज्ज न० (-संख्येय) उत्कृष्ट
संख्येय. उत्कृष्ट संख्येय. highest nume-
rable. क० गं० ४, ८०; —सिद्धि. स्त्री०
(-सिद्धि) उत्तम मुक्ति श्रेष्ठ मुक्ति. a good
emancipation. पंचा० ३, १४; —सुह.
त्रि० (-शुभ) धलुं पवित्र; मंगलकारी.
अति पवित्र; शुभ; कल्याणप्रद; मंगलकारी.
very fine; auspicious नाया० ८;
—सुह. त्रि० (-शुचिभूत) अत्यन्त पवित्र
अथवा अति पूत; अत्यन्त पवित्र बना हुआ-
किया हुआ. very much purified.
भग० ६, ३३; ११, ६; नाया० १; ८; १२;
१६; विवा० ३; —सोमणस. न० (-सौ-
मनस्य) चित्तनु अत्यन्त शांतपणु.
tranquillity of the mind. कप्प०
१, ४; —सोमणसिय. त्रि० (सौमनस्य)
उत्कृष्ट सौमनस्य; मननी उच्च वृत्तिवाणुं.
उत्कृष्ट सौमनस्य; मन की उत्कृष्ट वृत्ति वाला.
magnanimous; noble minded.
नाया० १,

परमह. पुं० (परमार्थ) भोक्ष; मुक्ति. मोक्ष.
मुक्ति. Salvation; emanci-
pation. भग० २, ५; १५, १; सूय० १,
६, ६; राय० २२५;

परमण. न० (परमाज) दूधपाक. दूधपाक.
Milk pudding. भग० १५, १, पंचा०
१६, १०;

परमत्थ. पुं० (परमार्थ) परम तत्त्व; ज्ञादि
नव तत्त्व. परम तत्त्व; जीवादि नव तत्त्व.

The highest reality; the nine principles vz. Jiva etc. पञ्च० १; उक्त० २८, २८; गच्छा० ४३; (२) परमार्थ; परोपकार. परहित; परोपकार. gratitude. सु० च० १, ३७८; —विउ. पु० (-विद्) पंडित. (तत्त्ववेत्ता). परिष्ठत (तत्त्ववेत्ता). learned man. सु० च० १, ३१७; —सेवण. स्त्री० (-सेवना) परमार्थसेवना. परमार्थ सेवन. the enjoying of the highest truth. प्रव० ६४२;

परमत्थओ. अ० (परमार्थतस्) वास्तविक रीते; वस्तुतः; अरी रीते. वस्तुतः; वास्तविक रीत्या; सचमुच. Truly speaking; really; as a matter of fact. विशेष० ६६; भक्त० ५;

परमप्प. पुं० (परमात्मन्) परमात्मा; धृश्वर. परमात्मा; ईश्वर. God; Almighty. सु० च० ३, ११;

परमहंस. पुं० (परमहंस-परम. श्रेष्ठः हंसः सोहमित्यात्मागत्यासौ) परमहंस; परि-प्राणकृते अेक प्रकार. परमहंस सन्यासी; परित्राजक विशेष. A great Sanyāsi; a class of ascetics. ओव० ३८;

परमाणु. पुं० (परमाणु) अन्धधी छुटे पडेले पुद्गलने निर्विभाज्य अंश के लेना अे भाग थर्क शके नहिं तेम कल्पी पणु शक्य नहि, ले अस्थि अले नहि, शस्त्रथी छेदाय नहि, तेवे आरीक अंश. पुद्गलका वह अश जो अविभाज्य है, कल्पनातीत है, अदृश्य है, अच्छेद्य है और सूक्ष्मातिसूक्ष्म है. Atom; an indivisible portion of matter which cannot be discerned burned or cut. ठा० १, १; अणुजो० ७४; १३४, उक्त० ३६, १०;

भग० १, ९; २, १०; ६, ७; जं० प० —पोगल. पुं० (-पुद्गल) पुद्गलने धल्ले सूक्ष्मभां सूक्ष्म भाग. पुद्गलका सूक्ष्मातिसूक्ष्म अंश. minutest division of matter. भग० १, १०; १०, १; १२, ४; १६, ८; १८, ६; २०, ५; २५, ४; पञ्च० १; राय० २७०;

परमायत्त. त्रि० (परमायत्त) परम — उत्कृष्ट; आयत्त — दीर्घ; परमायत्त—मोक्ष. परमात्कृष्ट मुक्ति Highest; salvation. सूय० १, २, ३, १५;

परमावतीगंगा. स्त्री० (परमावतीगंगा) सात अवती गंगा परिमित अेक परमावती गंगा; गोशालानी भते कालमान विशेष. सात अवन्तीगंगा के परिमाण की एक परमावती गंगा; गोशाला के मतानुसार एक कालमान विशेष. According to Gōśālā, a measure of time. भग० १५, १;

परमाहम्म. पुं० (परमाधर्म) परमाधामी; नारकीने दुःख देनेवा. परमाधामी; नारकी को दुःख देने वाला. one of the highest abode; the chastiser of the hell-beings. प्रव० ४१;

परमाहम्मि पुं० (परमाधर्मिक) परमाधामी; नारकीने दुःख देनेवा देवतानी अेक जाति. नारकी को दुःख देनेवाली देवता की एक जाति. The class of gods who punish the hell-beings. प्रव० १०८८;

परमाहम्मिअ-य. पुं० (परमाधर्मिक) नारकीना जेवने शिक्षा आपनार अेक देवताने वर्ग; परमाधामी देव. नारकी जीवों को शिक्षा देने वाला देवता का एक वर्ग; परमाधामी देव. A class of gods who punish the hell-beings. उक्त० ३१, १२; सम० १५; आव० ४, ७;

परमाहस्मिन्-य. पुं० (परमधार्मिक—परम सुख तदर्थमेवस्यस्य.) परम सुखने आह्वानर.
परमानन्दका इच्छुक (one) desirous of bliss. “सन्वेपाणा परमाहस्मिन्या” दस० ४;

परय. अ० (परतस्) भीष्मथी; पारश्रथी.
दूसरे से; परायेसे From another “अहो
ठविज्जंति सय परय सदा” प्रव० १२०३,

परलोक्ष. त्रि० (परलोकस्तेदम्—पारलौकिक)
परलोक्षसम्बन्धी, पारलौकिक. पारलौकिक,
परलोकविषयक Pertaining to the
other worlds. आया० २, ११, १७०;
सम० ६; वखा० ६, २७,

परलोक. पुं० (परलोक) परलोक्ष, आवतो लव.
परलोक, आनेवाला जन्म-भव The
other world; the coming life.
पि० नि० २६५; कथ० ५, ११८, भक्त०
१०५, उवा० १, ५७, —अव्या. स्त्री०
(-अर्थता) परलोक्षनी अपेक्षा. परलोककी
अपेक्षा. Expectation of the other
world. दस० ६, ४, २-३, —पडिवद्ध.
त्रि० (-प्रतिबद्ध) परलोक्षनी भोग वगेरेमां
गुथायेल. परलोकके उपभोगमें तल्लीन (one)
entangled in the enjoyments
of the other worlds ठ० ४, ४,
—भय. न० (-भय) परलोक-तिर्य्यक देव
वगेरेयी उपलुप्त लय परजातिर्य्यक, देव आ-
दिसे (के कारण) होनेवाला भय-डर Fear
produced by another class of
animals, gods etc. सम० ७, ठ०
७, १,

परलोय. पुं० (परश्चासौलोक्य-परलोक) पर-
लोक्ष, -गन्तव्य-परलोक-परम-जन्मान्तर
The other world; another
life. दसा० ६, ३, नाया० १; २; ७, १५;
१६, भग० २, १, प्रव० ५२; २६६; पचा०
१, २; —आसंसा. स्त्री० (-आशा) पर-

लोक्षनी आशा. परलोककी आशा. Hope
of the other worlds. प्रव० २६६;
—गह. स्त्री० (-गति) परलोक्ष गन्तुं ते.
परलोकगमन-गति To reach the other
worlds. प्रव० ५२; —हिय. न० (-हित)
परलोक्षनु हित करनेर. परलोकका हितकर
Beneficial for the other world.
पंचा० १, २;

परवध. पुं० (परव्याघ्र) गहोटा बाधना आभ-
गनु अपनेल वस्त्र विशेष. बडे बाघके
चर्मसे बनाहुआ वस्त्र विशेष A particular
garment made from the skin of
a big tiger निसी० ७, ११;

परसंतग. त्रि० (परस्तक) लुभो “परसतिभ्य”
शब्द. देखो “परसतिभ्य” vide “परसतिभ्य”
परह० १, ३;

परसंतिभ. त्रि० (परस्तक) पारश्रु; भीष्मनु. पराया,
दूसरेका. Another's पि० नि० ३७८,

परसु. पुं० (परसु) कुडाडा: इरशी नामनु
छथीयर. कुल्हाड़ी, परसा, परसु, शस्त्रो
विशेष An axe; hatchet. नाया०
१, १८, उत्त० १६, ६७, अणुजो० १४८,
भग० ६, ३३, १६, ४; राय० २६३. —गगाह.
त्रि० (-ग्राह) इरशी लधने आलनार. परशुधर
(one) walking with an axe.
ज० प० ३, ६७, —नियत्त. त्रि० (-निवृत्त)
कुडाडेथी अपिल कुल्हाड़ीसे काटा हुआ Cut
by an axe. विवा० २; —हृत्थ. त्रि०
(-हस्त) कुडाडा छे हाथमां नेने ओषु
परशुधर, कुल्हाड़ी वाला. (One) having
an axe in his hand. निर० १, १,
परस्सर. पुं० (पराशर) गेडु, पये प्रिय तिर्य्य-
यनी ओक्ष जलत. गंडा. पचेन्द्रिय तिर्य्यकरी एक
जाति. Rhinoceros, a kind of five
sensed living beings. जीवा० ३,
३; भग० ७, ६; पद्म० १, ११;

परहृत्थ. पु० (परहस्त) पारङ्गा-भीष्मनो हाथ.
पराया हाथ; दूसरेका हाथ. Other's hand.
भग० ३, ३; —**पराणादवाय.** पु०
(-प्राणातिपात) पारङ्गने हाथे पोतानी
अथवा पारङ्गानी हिंसा करी ते. दूसरेके
हाथसे अपनी या दूसरेकी हिंसा करनेका कार्य.
Killing of one's self or other
by the hands of another
person. ङ० २, १;

परहस्मिय. पु० (परमाधार्मिक) अम्ब, अम्ब-
रीस, वजरे पन्धर जलतना परमाधामी देवता.
अम्ब; अम्बरीस आदि पन्धर जाति के परमाधर्मी
देवता. The gods of fifteen kinds
named Amba, Ambarisa etc.
सूय० १, ५, १, ६;

परहुत. पु० (परभृत) डायल कोकिल, कोयल
Cuckoo कम्प० ४६, ०;

परहुय-अ. पु० (परभृत) डायल. कोकिल,
Cuckoo नाया० १; ज० प० ३, ४५;

✓ **परा-अय.** धा० (परा+अय्) छोड़ने लागी
जुं; पलायन. दौड़कर भाग जाना; पलायन
करना. To run away.

पलायइ. उत्त० २७, ७;

पलायउ. हे कृ सु० च० २, ५४७,

पलायमाण. व कृ भग० ३, २;

पराइअ. वि० (पराजित) पराजय पाभेल;
छारेल. पराजित, विजित. Defeated. उत्त०
३२, १२; ओव०

पराघाय-अ. पु० (पराघात) वासना विशेष
वासना विशेष A particular incli-
nation. विशेष ३५१, (२) नाम कर्भनी
ऐक प्रकृति के जेना उद्यथी ज्य पोते
आधात न पाभे अने भीष्म तेने जेतावे-
त०४ ह्याध जय ते. नाम कर्षकी एक प्रकृति
जिसे उद्यसे जीव स्वयंते घातको प्राप्त नहीं
परन्तु दुसरेके देखते ही दबजाय-सहमाजोय.

A variety of Nāmakarma at
whose appearance a life
becomes invulnerable and the
others become submissive to
it at its mere sight. पत्र० २३,
—**नाम न०** (-नामन्) पराधान नामे
नामकर्भनी ऐक प्रकृति. पराघात नामक
नामकर्षकी एक प्रकृति A variety of
Nāmakarma named Parāghata.
स्म० २८;

✓ **परा-जय.** धा० १. (परा+जि) पराजय करेवा-
छरावपुं. हराना, पराजित करना. To defeat.

पराजइत्या. भग० ७, ६;

पराइजइ. क. वा. भग० १, ८,

पराजयित्तप. हे. कृ भग० ७, ६;

पराजिणित्तर. वि० (पराजेतु) पराजय करेवाला;
विजेता. Victor. ङ० ४, २;

पराजिय-अ. वि० (पराजित) छारेल. पराजित;
हाराहुआ. Defeated. उत्त० १३, १;
भग० १६, ६;

पराभव. पु० (पराभव) पराजय; पराजय, ति-
रस्कार. पराभव, अपमान, तिरस्कार, Defeat,
insult. विवा० १;

पराभिओगत्तर. न० (पराभियोगत्व) परतत्रपणुं.
परतत्रता Dependence सत्या० ६५;

पराभूअ. वि० (पराभूत) पराजय पाभेल.
पराभवप्राप्त, विजित Defeated. नाया० १८,

परामुह. वि० (परामृष्ट) परामर्श करेले. (२)
स्पर्श करेले. परामर्श किया हुआ, स्पर्श किया हुआ
Considered; touched. पन्ध० १, ३;

✓ **परा-मुस.** धा० (परा+मुश्) स्पर्श करेवा. स्पर्श
करना, छुना. To touch.

परामुसइ. भग० ३, २, ५, ६; ७, ६;
१५, १, १८, १;

परामुसंति. भग० १५, १, नाया० २; १६;
१८; विवा० १, ज० प० ३, ४३;

परामुसेज्जा. वि० दसा० ७, १, वेय० ५, १३.

परामुसइत्ता. स. कृ. भग. ३, २, ७, ६;
१८, ३, नाया० १६; १८,

परामुसिय. स. कृ. भग० ५, ४,

परायग. त्रि० (परकीय) परायुं; श्रील्लनु, पारकु
पराया; दूसरेका, अन्यका, परकीय Another's;
belonging to the other person,
stranger's. भग० ८, ३; ४,

परायण. त्रि० (परायण) तपस्; सावधान
तत्पर, तैयार, सावधान Ready; Cautious.
पण्ह० १, ३, नाया० २, क० ग० १, ६१;

✓ परा-वत्त. धा० (परा+वृत्) पाछुं वणवुं. पीछे
लौटना To turn back.

परावत्तेइ-ति. भग० ७, ६, ६, ३१; ज०
प०; राय० २३६;

परावत्तेहि. आ० राय० २३६;

परासर. पु० (पराशर) पराशर नामना आ-
दाथु संन्यासी. पराशर नामक ब्राह्मण सन्यासी
A Brahmana Sānyasi of this
name. ओव० ३८, भग० ३, ५,

परिअच्छिय. त्रि० (परिकच्छित) धुंरेल, धारण
करेले. पहिनाहुआ, धारणकियाहुआ. Worn;
put on. ज० प० ५, ११७,

परिअट्टअ. त्रि० (परिवर्तक) अवर्तक; अग्रेसर.
प्रवर्तक, अग्रेसर, अगुआ, जन्मदाता. A guide,
fore-runner ओव० १०;

परिअट्टणा. स्त्री० (परिवर्तन) सूत्रार्थनु पर्या-
लोचन करवुं, अर्थ्या करपी. सूत्रार्थका
पर्यालोचन करना, चेलाणा प्रचोलाणा-चर्चा
करना To discuss or examine
the meaning of Sūtras ओव०
२०; अणुजो० १३,

परिअडण न० (पर्यटन) परिभ्रमण; रण्ड-
पटी. परिभ्रमण, भटकना Wandering
भत ६६;

परिअरवंध. पु० (परिकरवन्ध) कम्भर कसीने

आंधवी, लंगोटी बाणवी, कुन्धोटो आधवे
वगेरे. कमरको कस कर बांधना, लंगोट कसना,
कच्छ बांधना. Girding fast the
waist; to fasten a piece of
cloth across the private parts.
अणुजो० १३१;

परिआअंतगडभूमि. स्त्री० (पर्यायान्तकभूमि)
तीर्थकरनी केवल अवस्था दरभान अतगड-
भोक्ष गामी श्रवणी परपरांनी मर्यादा.
तिर्थकरकी केवली अवस्थाके मध्य अतगड मोक्ष
गामी जीवोंकी पारम्परिक मर्यादा A limit
of serial of order of lives
which attain Amtagada Salva-
tion during the interval in
which a Tirthamkara reaches
the perfect state. ज० प०

परिआइत्ता. स० कृ० अ० (पर्यादाय-स्वीकृत्य)
स्वीकरीने; ग्रहण करीने. स्वीकार करके,
ग्रहण करके. Having accepted or
received ग० ३, १, भग० ३, ४, ६, ६,

परिआग. पु० (पर्याय) अवस्था, दशा.
अवस्था, दशा. State; Condition. ज० प०

✓ परि-आ-दा धा० (परि+आ+दा) ग्रहण करवुं,
लेवुं ग्रहण करना, स्वीकारना To accept.
परियाइयइ भग० ३, १; ७, १;

परियापति. राय० २६,

परियादियइ. भग० १५, १, ज० प० ३, ५०;

परियादियंति. भग० ११, १२, २५, २;
ज० प० ३, ६८,

परियादियइत्ता. स० कृ० भग० २४, १;

परियादियंतित्ता. स० कृ० भग० ११, १२;

परियाइत्ता. स० कृ० भग० ३, ४; ६, ६;
७, ६; १४, ५; १६, ५;
२५, २; पण० १६;

परियापत्तए हे० कृ० नाया० ६; भग०
१६, ५,

✓परि-आ-पञ्ज. धा० (परि+आ+पञ्ज) भूयर्था
पामयी; भेलान् थयुं. (२) परिशुभावयुं;
इषान्तर इरयुं. (३) पञ्जु. (४) अन्तर
पेशयुं. (५) पीज् थयी. (६) नाश पामयुं
मूर्च्छित होना, वेदोश होना. (२) परिणमित होना;
स्वान्तर करना. (३) अन्तर सुखना. (४) पीज्
होना; नाश पाना. To faint; to become
senseless; to transform; to
fall; to force inside.

परियावज्जंति. आया० १, १, ४, ३७;

परियावज्जेज्ज. वि० अणुजो० १३४,

परियावज्जेज्जा वि० भग० ५, ७, १८, ८,
वेय० ५, १२; ६, ३;

परियावज्ज. वि० दया० ७, १;

परियाविज्जमाण. व. क. सूय० २, १, ८८;

परिआय. पु० (पर्याय) प्रवर्त्या आदि अ-
वस्था. प्रवर्त्या आदि अवस्था. The state
of asceticism etc. जं० प० २, ३१,
ओव० १४; नदी० ५०;—जिह्व वि० (—ज्येष्ठ)
दीक्षाभां ज्येष्ठ-भेदेष्टे. दीक्षा क्रमसे ज्येष्ठ.
Older in concecration. द्य० ६,
३, ३;—ठाण. न० (—स्थान) सर्व विरति
रूप दीक्षानु स्थान. सर्व विरति रूप दीक्षाका
स्थान The Sthāna of concecration
in form of renunciation
of all. दस० ८, ६१;

परिआल. पुं० (परिवार) परिवार, फसदासी
अपने सम्बन्धिन. परिवार, दासदासी और
सम्बन्धीवर्ग. Family; retinue. जं० प०
५, ११५; ओव० ३३;

परिआवण. न० (परितापन) दुःख उपपन्नपुं.
दुःख उपजाना, दुःख पैदा करना Producing
pain गच्छा० ८१;

✓परि-आ-सव धा० (परि+आ+सव्) शत-
वासी शाययुं. गतवासी रखना. A thing

kept overnight. परियासवेड. निघो०
११, २७,

✓परि-इ. धा० (परि+इण्) लभयुं; इरयुं. भ्रमण
करना; घूमना, फिरना. To revolve; to
turn. परियंति. ज्ञ० २७, १३;

✓परि-इस्सव. धा० (परि+ईच्) आरे तरङ्ग लेयुं,
परीक्षा इरवी. चारों ओर देखना, परीक्षा करना.
To look on all sides; to test
परिक्खेड. सु० च० ६, २६;

परिक्खण. गच्छा० ८,

परिउड. वि० (परित्त) घेरायेयुं; घेरायेयुं.
बिगुहा; परित्त; परित्तित्त. surrounded;
wound. नि० १, १;

✓परि-उच-आस. धा० I. II. (परि+उच+आम्)
उपासना इरवी; सेवा इरवी. उपासना करना,
सेवा करना. To meditate, to serve.
पञ्जुवासेह. भग० ३, १, ७, १०; सु० च०
११, ४३;

पञ्जुवासेड-ति. राय० ७४; नाया० १; ५,
१३; १६; १६; उवा० १, ६; ५६;
२, ११६; जं० प० ५, ११८,

पञ्जुवासंति. ओव० २२; नाया० ८; ६; १६;

पञ्जुवासिंति. सु० च० २, ६००;

पञ्जुवासामि. नाया० १४;

पञ्जुवासामो. भग० २, १; ५; ३, १; नाया०
१३; राय० ३०;

पञ्जुवासेज्ज. जं० प० २, ३१;

पञ्जुवासेज्जा. वि० भग० १३, ६, वव० १०,
१; राय० २७,

पञ्जुवासेहि. आ० नाया० १४;

पञ्जुवासित्ता. स० कृ० भग० २, १;

पञ्जुवासेत्ता. स० कृ० भग० २, १, ५, ६;
ठा० ३, १;

पञ्जुवासित्तए. हे० कृ० ओव० ४०; नाया० ५०

पञ्जुवासमाण. व० कृ० भग० १, १, २, १; ५;

३, १; ६, १, १०, ४; नाया० १; ६;

परिपस. पु० (परिवेष) भण्डल, सूर्य के चंद्रने
क्षरतु कुण्डल थाय ते. मण्डल; सूर्य या चंद्रके
चारों ओर दिखाई पडनेवाला मण्डल. a cir-
cular disc; a round moving
halo surrounding the Sun or
Moon. जीवा० ३, ४,

परिपसिज्जमाण. त्रि० (परिवेष्यमान) पीरसवामां
आपतुं परोसनें आनेवाला; परोसा जानेवाला.
That which is served. आया० २,
१, २, १०;

✓ **परि-ओ-सव.** धा० (प्रति+अव+वस्) पयु-
पाण् इक्षुं आत्यरुं. पर्येषण कल्प का आचरण
करना To observe the religious
days known as Paryusana
पञ्जोसवेह. न्ति० १०, ४८;

पञ्जोसवित्तप. हे० कृ० वेय० ५, ४२;
परि-कंख. धा० (परि+कांक्षा) धृञ्छु (२) राड
नेपी. इच्छा करना; बाट जोहना to desire;
to expect; to await.

परिकंखप. उत्त० ७, २,
परिकच्छिय. त्रि० (परिकक्षित) पडेरुं, धारण
करेहुं पहिना हुआ; धारणकिया हुआ worn;
put on. राय० ७०;

परिकहुलिय. त्रि० (परिकर्षित) पिडे करेल.
पिंडित, चिटीया हुआ. Forming a lump;
vexed. २३६;

परिकत्थ. धा० (परि+कथ्) आत्म-प्रेषाया करवी
आत्म प्रशंसा करना. To praise oneself.
परिकत्थह. दसा० ६, २२,

✓ **परि-कप्प.** धा० (परि+कल्प्) सन्ध करवुं;
सन्ध-तैयार करवुं. सजाना, सन्नद्ध-तैयार करना.
To make ready; to prepare.
परिकप्पेह. आ० नाया० १;

परिकप्पिय. त्रि० (परिकल्पित) तैयार करेहुं;
शुल्गारेहुं, नेडेहुं. (२) कपेहुं. तैयार किया
हुआ, शृंगारित; जोड़ाहुआ; (२) काटाहुआ

Prepared; adorned; joined, cut.
पण्ड० १, ३,

परिकम्म न० (परिकर्मन्) अंग संस्कार, शरीर
सुश्रूषा, अंग सरकार-सुधार, शरीर सुश्रूषा
Nursing of the body, (२) वस्तु
संस्कार; वस्तुमां इक्षुण् विशेषता उत्पन्न
करवी ते (२) वस्तु सरकार, पदार्थमें कुछतोमी
विशेषता का उत्पन्न करना. refining an
object, creating some speciality
in an object. अणुजो० ६१, विशेष०
६२३; ओष० नि० ३२७, सत्था० १०६, सूय०
१, ३, २, ७, ओष० प्रव० ६३१; (३) रोगने
उपाय, चिकित्सा. (३) रोगका उपाय, चिकित्सा
healing, curing. उत्त० १६, ७७,
(४) आरमा दष्टिवाद अंगना पांच विभाग-
गमानो प्रथम विभाग के ने पीन आर
विभाग लण्वानी लायकात उत्पन्न करे छे.
(४) बारहवें द्रष्टिवाद अंगके पांच विभागमें से प्रथम
विभाग-जो अन्य चार विभागका अध्ययन करनेके
योग्य बनाता है 1st division of the
five divisions of the twelfth
Drstiāvda. Amga, a study
of which produces fitness.
सम० १२; ठा० ४, १, नंदी० ५६; महा प० ६४,
—विशोधि स्त्री० (विशोधि) परिकर्म-शरीर
शुश्रूषा ३५ शुद्धि परिकर्म शुद्धि, शरीर
शुश्रूषा शुद्धि. Purity in the form
of nursing of the body. ठा० ५, २;

परिकम्मिय. त्रि० (परिकर्मित) शरीर संस्कार
करेल शारीरिक सरकार किया हुआ One
having ordinary accompani-
ments. विशेष० १६६,

परिकर. पु० (परिकर) लेह-डेह आंधवी ते.
कमरबांधना; कटीबद्ध होना Girding.
ज० प०

परिकलिय वि० (परिकलित) अलंकृत. अलंकृत,
सजायाहुया Adorned. नाया० ८; १६;

✓परि-कह. धा० (परि+कृष्) डहेलुं, ओललुं.
कहना, बोलना. To speak; to tell.
परिकहेई ओव० ३४; भग० २, १; १६,
५; नाया० ५; ८; ६; १२; १४;
१६; १६; उवा० ७, २०३;

परिकहेति. भग० २, ५;

परिकहेहि. आ० भग० १५, १;

परिकहित्तए. हे० कृ० भग० ५, ८;

परिकहंत व श्रु सु० च० ८, १३५;

परिकहिज्जामो. क० वा. नाया० १४;

परिकहा. स्त्री० (परिकया) पिडथा. विकया;
कल्पित गोप्ती. a fiction पिं० नि० १२६;

परिकहिय. वि० (परिकथित) डहेलुं कथित,
कहाहुया. Said. भग० १५, १;

परिकिरण वि० (परिकीर्ण) आरे आलुथी
धेराअेध; व्याप्त चारों आरसे व्याप्त; चारों
बाजूसे घिरा हुया Surrounded on all
sides; occupied. “चेडिया चक्काल परि-
किरण” उवा० ७, २०८; उत० ११, १८,
नाया० ८, नाया० ध०

परिकिलंत. वि० (परिक्लान्त) उत्रानि पाभेध;
थाडी गभेधुं. थकाहुया; परिक्लान्त. Exhausted;
tired. राय० २५८,

✓परि-किलेस. धा० १ (परि+क्लिष्) दुःख
पाभनुं. दुःख पाना; To suffer pain
परिकिलेसति ठा० १, १;

परिकिलेसंति. ओव० ३८

परिकिलिस्संति. ओव० ३४, राय० २३६.

परिकिलेसइत्ता सं कृ भग० १, १;

परिकिलेस. पु० (परिक्लेश) डलेश पाभवे;
दुःख पाभनु ते. क्लेश पाना; दुःख सहना.

Suffering misery or pain. सुय०
२, २, ६२; उत० ११, १८; नाया० ८;
नाया० ध० भग० ६, ३३; दसा० ६, १४;

परिकुंठिय वि० (परिकुण्ठित) थाडी गभेध
शुद्धिवाणो. कुण्ठित-शिथिल-शुद्धिवाला. one
whose intelligence is ex-
hausted वि० १८३;

परिकुविय. पु० (परिकुपित) डापेलुं. क्रोधित,
धुस्सेसे भराहुया. enraged. भग० ७, ६;
नाया० ८, ६;

परिक्रन्त. वि० (परिक्रान्त) संयम संयंधी प-
राक्रम-उद्यम-इरेल. संयम सम्यन्वी पराक्रम
कियाहुया Prowess concerning
restraint. सुय० १, ३, ४, १५;

✓परि-क्रम धा० (परि+क्रम्) पराक्रम इरेलुं.
(२) पाठा डडलुं. (३) पर्यटन इरेलुं. पराक्रम करना.
(२) पीछे हटना. (३) पर्यटन-भ्रमण करना.
To show valour: to recede;
to roam.

परिक्रमे. वि दस० ५, १, ७; ८१;

परिक्रमिज्जासि. आ. आया० १, २, ६, ६८;

परिक्रम्म. स० कृ० सुय० १, ४, १, २;

परिक्रममाण. व० कृ० भग० ७, १;

परिक्रमंत. व. कृ. आया० १, ६, ३, १८५;

परिक्रम. पु० (परिक्रम) इलोत्पादक पुत्रपार्थ; परा-
क्रम. फलोत्पादक-सफल-पुरुषार्थ. valour;
prowess ओव० ३८,

परिक्रमिज्जमाण. वि० (परिक्रम्यमान) बारवार
इरातु. बारवार किया जानेवाला. Frequently
done भग० ६, २;

परिक्रमियन्व. वि० (परिक्रमितव्य) पुत्रपार्थ इरेलो.
पुरुषार्थ करना, पराक्रम प्रकट करना. fit for
displaying valour. नाया० १; ५;

परिक्रमिय. वि० (परिक्रमित) पराक्रम इरेलुं.
कृतपराक्रम, कृतपुरुषार्थ. valour being
displayed. भग० ११, ११;

परिक्रमण. न० (परीक्षण) परीक्षा इरेली;
आरीकाधथी न्नेलुं. परीक्षा करना; देखना.
Examination; noticing. प्रव० ४४०;

—अट्ट न० (-अर्थ) परीक्षा भाटे. परीक्षार्थ,
जॉचकेलिए For examination. नाया० ७,
परिक्खभासि. त्रि० (परीक्षभाषिन्) विचारने
भोलनार. विचारपूर्वक बोलनेवाला. one
who speaks after thinking
दस० ७, ५७,

परिक्खय. पु० (परिजय) सर्व प्रकारे क्षय
सर्वथा क्षय, ह्रतहसे पतन Decay in all
manner. भग० ७, १;

परिक्खा स्त्री० (परीक्षा) तपास परीक्षा;
जॉच. Examination, enquiry.
पचा १४, ४२;

परिक्खित्त. त्रि० (परिजित्त) घेरायलुं, विं-
टायेलुं घिराहुआ, परिजित्त. wound; circum-
scribed. ओव० २७, भग० ७, ६; ६, ३३;
नाया० १; ३; ५, १६; १८; अत० ३, १;
राय० ४४; १२८, २१३; जं० ५० ५, ११५,
निर० १, १; त्रि० ६, उवा० १, १०; २,
११६;

✓परि-क्खिच. धा० (परि+क्षिप्) डेंडपु, डें-
डेंडपु फेंकना. To throw away. परि-
क्खिचवेज्जा. वि० भग० ७, १, जीवा० ३, १;
परिक्खेयव्व. त्रि० (परीक्षितव्य) परीक्षा क-
रवा थोअ. परीक्षा करनेके योग्य. Fit for
examination. प्र० १३४५,

परिक्खेव पु० (परिक्षेप) परिधि, घेरावो.
(२) नगरने इरती भाध. परिधि, घेरा, (२)
नगरके चारों ओरकी खाई Circumference,
a ditch surrounding the city.
ज० ५० १३०; ७, १३२, १३५; १४७,
१, ११, अणुजो० १३३; ठा० १, १, भग० २,
१-३-६, ६, ५, ६, ३; १६, ८, २०, ६,
नाया० ६; सू० ५० १, १६; पत्र० २,
जीवा० ३, २; ज० ५०

परिक्खेवि त्रि० (परिक्षेपिन्) गुर्वाफिडेना ति-
ररकार करनार गुरु आदिका तिरस्कार करनेवाला.

One who insults preceptor etc
उत्त० ११, ८;

परिखा स्त्री० (परिखा) भाध. खाई a moat,
ditch भग० ५, ७;

परिगय-अ. त्रि० (परिगत व्याप्त. व्याप्त, व्यरत.
Occupied. ओव०; भग० ८, २, ६, ३३,
१५, १, नाया० १, ५; उवा० ७, १६०,

परिगलण. न० (परिगलन) पाणी-दुध-यगेरे
गणवुं ते पानी-दुध आदिका घूर्ना-गलना.
straining of water, milk etc.
पह्द० १, १,

परिगायमाण त्रि० (परिगायमान) गान करतु.
गातेहुए, गाता हुआ. Singing ज० ५० ५,
११२; ११३;

✓परि-गिरह. धा० (परि+ग्रह) लेवु, अडपु
इरवुं. लेना, ग्रहण करना. To accept,
to receive.

परिगिरहइ नाया० १; १३,

परिगिरिहत्ता. नाया० १;

परिगिज्झ स० कृ० सूय० १, १, २, १, उत्त०
१, ४३; आया० १, २, ३, ८०, दस०
८, ३३, ६, ३, २ सु० च० २, ३;

परिगिज्झमाण. व० कृ० नाया० १,

परिगीयमाण. व० कृ० त्रि० (परिगीयमान) दुभेशं
गवातु सदा गाया जानेवाला Sung often
नाया० १,

परिगुणण. न० (परिगुणन) रवाध्याय, शास्त्र
विचार रवाध्याय, शास्त्रविचार Religious
study. ओघ० नि० भा० ६२,

परिगह पु० (परिग्रह) जमीन, धरतार,
सो, इपु वगेरे द्रव्य उपर आसक्ति-
भुज्जा, पांथभु पाप रथानक जर जमीन
विषयक आशक्ति, पाचना पाप रथानक attach-
ment to mammon, the fifth
Pāpsthānaka ज० ५० २, २५,
ठा० १, १, ओव० ३४, भग० १, ६-६, ७,

१-२; १८, ७; नाया० १; ५; १३; सन० ४; उत्त० २, १६; ३२, २८; आया० १, २, ५, ८८; १, ३, २, ११३; १, ६, ४, १६३; ओष० नि० ७८७, दय० ४; ६, २१; पत्र० २२; —वेरमण. न० (—विमण) परिग्रहणी निवृत्ति. परिग्रहणी निवृत्ति. The end of Parigraha. ठा० १, १; —सगणा. स्त्री० (—सज्ञा) परिग्रहणी अलिखापा; तृप्या, धननी वासना; आर संज्ञाभांती ओष. परिग्रहणी अभिलाषा; धन लालसा, चार संज्ञाओंमेंसे एक A desire for Parigraha; a desire for wealth; One of the four desires. ठा० ४, ४; मग० ७, ८; ११, १; १२, ५; २०, ७; २४, १; २६, १; पत्र० ८, —सज्ञा. स्त्री० (—सज्ञा) परिग्रह संज्ञा. परिग्रह संज्ञा. The name of Parigraha आब० ४, ७, परिग्रहिय-अ. वि० (परिग्रहीत) स्वीकारेले; ग्रहणु करेले स्वीकृत; ग्रहीत. Accepted. ज० प० ५, ११२; ११५; १२१; ओष० ११; ३०, आया० १, ७, ४, २११, अणुत्त० ३, १; दसा० १०, १; मग० २, १; ३, १; ५, ७, ७, ६; ११, ११; नाया० १, ५; ८; १३; १४; १६; पत्र० ४; राय० २८, ४४; उवा० १, ४८, विवा० ३; आब० ४, ५; —तालियंट. वि० (—तालवृत्त) गेले पपेा ग्रहणु करेले ते. पखा लियाहुआ; वह जिसने पखा लेकराहै One who has taken a fan. दसा० १०, ३; परिग्रहिया. स्त्री० (परिग्रहिकी) परिग्रहणी किया. परिग्रह राखवाथी लागती किया. परिग्रह रखनेकेकारण लगनेवाली किया. The Act of Parigraha; an action accruing through Parigraha. ठा० ४, ४; मग० १, २; ५, ६; पत्र० १७, √परि-घट्ट. धा० (परि+घट्ट) घेष्टा करवी. चेष्टा करना; हलचल करना To move.

परिघट्टक क० वा० नियी० १, ४०; ज० प० ५, ११७; परिघट्ट. वि० (परिघट्ट) भूषण धरेलुं; रूब पिता हुमा-अतिमर्दित, Well rubbed. राय० ६६; परिघासिय. वि० (परिघासित) अरक्षयलुं; लेपायलुं लिपटाहुमा; लगाहुमा; Rubbed; smeared आया० २, १, १, १; परिघासेउं. ह. कृ. अ. (परिघासयितुम्) अवरा-ववाने; ओषन करववाने. भोजन करानेके लिए; खिलानेके लिए. For causing to eat. आया० १, ७, २, २०३; परिघित्तव्य. वि० (परिग्रहीतव्य) पोतानु करी राखलुं; नाया० राखलुं. स्वाधीन रखना; स्वा-धिकारमें रखना. making one's own; controlling. आया० १, ४, १, १२६, परिघोलेमाण. व. कृ. वि० (परिघूर्णत्) घेरलुं; अमलुं करतु फिरता हुमा, भ्रमण करता हुमा moving; turning. नदी० ८६; नाया० ४, √परि-चर. धा० (परि+चर्) सयार करवो. सचार करना; घूमना. To roam. परिचर. सु० प० १; परियारेह. प्रे० ठा० २, २; दसा० १०, ६; परियारेमाण. मग० ३, १; १२, ६; परिचारण. वि० (परिचारक) अलिखारी. व्यभिचारी Adulterous. पग० १, २; परिचारणा स्त्री० (परिचारण) प्रतापना अत्रना ओष पढलुं नाम. प्रज्ञापना सूत्रके एक पदका नाम. The name of a verse in the Pragnapanā Sūtra. मग० १३, ३; परिचितुं हे० कृ० अ० (परिचितयितुम्) विचारवाने. विचार करनेके लिए. For considering. सु० च० १, ५१; परिचिय वि० (परिचित) परिग्रह-समागमभां आवेश; ओषणभितुं. परिचित, जानबहिचानवाला.

acquainted; known. पण्ह० १, ४, विशेष० १६८; सु० च० १, १११; —स्तुअ. त्रि० (—स्तु) सर्व सूत्रने ज्ञातुनार सब सूत्रों का ज्ञाता. One who knows all Sūtras दसा० ४, १५;

✓परिचुंब. धा. I. (परि+चुम्ब) युष्मन् ३२वु. घूमना, चुम्बन करना To kiss

परिचुंबेज्ज वि० निशी० ७, ३१;

परिचुंबिज्जमाण. क० वा० व० क० राय० २८६;

परिच्छत्त. त्रि० (परित्यक्त) तज्जेहुं; छोडेहुं त्यक्त, छोड़ा हुआ, तजा हुआ. abandoned; released. ओव० ३८, उत्त० १४, ३८; सु० च० १, ५५; पंचा० ११, १४, विशेष० २३८३, —संग. त्रि० (—सङ्ग) जेहे सग तज्जेहे छे ते निरासक्त; नि.सग One who has abandoned attachment भत्त० १२८;

✓परिच्छय. धा० I. (परि+त्यज्) तथु देवु छोड़ देना. To abandon

परिच्छयइ. उत्त० ६, ३; नाया० ८;

परिच्छयसि उवा० ४, १४८,

परिच्छत्तए हे० क० नाया० ८;

परिच्छज्ज स० क० उत्त० १७, १८;

परिच्छयमाण व० क० भग० ७, ७,

परिच्छाइ त्रि० (परित्यागिन्) त्याग करनार. त्याग करनेवाला, छोड़नेवाला One who abandons. उत्त० १७, १७,

परिच्छाय—अ. पु० (परित्याग) त्याग; परिहार त्याग; परिहार. abandoning. नंदी० ५०, उत्त० २६, २; सम० ६; अणुजो० १३०, प्रव० ७६०, पचा० १८, ३२,

परिच्छज्ज. पु० (परीक्षक) परीक्षा करनेनार; कुशल. परीक्षक; कुशल. Examiner; skilful. ज० ५०

परिच्छराण. त्रि० (परिच्छिन्न) ढकायलु. ढका-हुआ. Covered. नाया० १;

परिच्छा. स्त्री० (परीक्षा) विचारणा, परीक्षा करवी. विचारणा; परीक्षा करना. Examination, test ओष० नि० भा० ३१, विशेष० ८४८,

परिच्छिदिउं. हे० क० अ० (परिच्छेत्तुम्) ३-पवाने. काटनेके लिए, छेदनार्थ. To cut off सु० च० १ ३५३;

परिच्छेअ. त्रि० (परिच्छेक) लघु; नाल; छ-लघु. छोटा, हलका; चुदा, लघु. Small; light ओव० ३०,

परिच्छेज्ज. त्रि० (परिच्छेद्य) परभीने बेचाय तेवु. परीक्षा करनेके बाद बेचने योग्य. That which can be sold after scrutiny. विवा० २,

परिच्छेय. पु० (परिच्छेद) शुद्ध पाहुं (२) निर्णय. अलग करना, जुदा-पृथक् करना. (२) निर्णय. separation; conclusion. विशेष० १८५२;

परिज्ञाण. पु० (परिजन) सम्बन्धि भाएसो, परिवार; नोकर-दास, दासी वगैरे सम्बन्धी का; परिवार, दासदासी वगैरा. Relatives, members of a family भग० ६, ३३; १८, २, ओव० ४०, नाया० १, ४; ७, ६, १४, दसा० ४, १०४, उवा० १, ८; वेय० २, १६;

परिज्जविय. स० क० अ० (परियाप्य) पृथक्-शुद्ध करीने पृथक् करके, अलग-अलग करके. Having separated. सूय० २, २, ४०; निशी० ३, ६;

✓परिज्ञाण. धा० I. II. (परि+ज्ञा) ज्ञातुपु; सम्बन्धुं. जानना, समझना. To know, to understand.

परियाणाइ. नाया० १२, १४, भग० ३, १; उवा० ८, २४७,

परियाणोइ. नाया० १,

परिजाणाह. नाया० ५, १६; भग० ६, ३३;
राय० ७८; २२७, उवा० ७,
२१५; विवा० ६;

परिजाणोह. नाया० १,

परियाणंति. नाया० १, ६; १४, भग० ३, २;

परिजाणंति. नाया० १; २;

परिजाणामि. भग० १५, १; महा० ५० १०;

परिजाणाहि आ० नाया० १४;

परिजाणह. आ० नाया० १,

परियाणह भग० ३, १; नाया० ६;

परिजाणिया. स० कृ०-सूय० १, १, १, १;

परिजाण न० (परिज्ञान) ज्ञाप्युं ते, संपूर्ण मा-
हिती मेजवनी ते. ज्ञान प्राप्त, सम्पूर्णज्ञानकी प्राप्ति.

An understanding; acquire-
ment of full information. पचा०
७, १८,

परिजाणियच्च. वि० (परिज्ञातव्य) इ प्रतिज्ञाथी
ज्ञापुं प्रतिज्ञाभ्यान् प्रतिज्ञाथी परिहरवा
योग्य. आया० १, १, १, ७;

परिजित. वि० (परिचित) तत्त उपस्थित
थाय तेषु, परिचित. शीघ्रही उपस्थित होनेवाला;
परिचित A thing with which one
is familiar; known. अणुजो० १३.

परिजिय. वि० (परिचित) ज्ञुओ उपले। शब्द. देखो
उपरका शब्द. vide above. विशेष० ८५१.

परिजुराण. वि० (परिजीर्ण) ज्ञुतु थयेलुं; ध-
सायेल. जीर्ण, विसादुआ; पुराना. old;
Scoured. आया० १, १, २, १४; १,
६, २, १८५;

परिजुन्न. वि० (परिजीर्ण) ज्ञुओ उपले।
शब्द. देखो उपरका शब्द vide above.
आया० १, ७, ४, २१२; उक्त० २, १२;

परिजूर धा० I (परिजृ) ज्ञुथयु; शरीरनी
हानी थवी. जीर्णहोना, शरीरक्षय; बूढाहोना.
To get old.

परिजूरह. उक्त० १०, २१,

परिज्जअ. पु० (पर्यर्जक) राहुना पुर्जन
पंदर प्रकारमात्रो अेक. राहुके पुद्गलके पन्ध्र
प्रकारोंमेंसे एक प्रकार. One of the
fifteen varieties of atoms of
Rāhu. सू० ५० २०;

परिमुसिय. वि० (परिजुप्ति) सेवा दशयेल.
परिसेवित. One served. भग० २५, ७,

परिमुसियसंपन्न वि० (परिजुप्ति सम्पन्न) रात-
वासी राभवाथी निपजेल-दडिं वगेरे.
रातभर वासी रखनेके कारण उत्पन्न-दर्हो
आदि Produced by keeping
over-night like curd etc,
ठ० ४, २;

परिद्व. धा० I (परिद्व) परद्वयु; तजु;
यतनाथी नाभयुं सन्धानतापूर्वक त्याग करना.
To throw or abandon with
care.

परिद्वेह. नाया० २; उवा० ७, २००;

परिद्वेति. नाया० १६;

परिद्वंति ठ० ४, ३;

परिद्वेमि. नाया० २,

परिद्विज्ज दस० ८, १८,

परिद्विज्जा आया० २, १, १, १, १, ७,
४, २१२;

परिद्वेज्जा. वि० उवा० ७, २००;

परिद्वेहि. आ नाया० १६;

परिद्वित्तण हे. कृ वेय० १, १६;

परिद्वप्प स कृ. उक्त० १४, ६; दस० ५,
१, ८१,

परिद्वेत्ता. सं. कृ. नाया० १६,

परिठावित्ता स. कृ वेय० ४, २४;

परिद्वयण. न० (परिद्वयण) आगमने अनु-
सारे सभ्य प्रकारे परद्वयुं ते. आगमा-
नुसार सम्यक्रीत्या सवधानीसे-अन्नदिका परित्याग
करना. Properly throwing of
food etc with care according

to the Scriptures. प्रब० २४, ५६३;
५७६;

परिट्टविज्जमाण. त्रि० (क वा. व. कृ.) स्था-
पन करणं. स्थापन कियाहुआ Being
placed. वेय० ४, २५;

परिट्टवियच्च. त्रि० (परिस्थापयितव्य) पररुवपुं
सावधानीसे फेंकाया—त्याग जानेवाला. That
which is to be thrown with
care. भग० ८, ६; वेय० ४, ११, १२, १३;
परिट्ठावण न० (परिष्ठापन) पररुवपु; त्याग
करने। ते उचित सावधानीसे त्याग करना.
abandoning or throwing with
proper care. कय० ५, ११६,

परिट्ठावणिया. स्त्री० (परिष्ठापनिका) पररुवपा—
नाभी देवानी विधि सावधानतया त्यागने या
डालदेनेकी विधि The mode of aban-
doning with proper care.
आव० ४, ५; ६, ४, ओव० —आगार
पु० (—आगार) लावेख आडारादि भीजने
पररुवपा पडता होय तो अमुक प्रतमां
ते आडारादि वापरवाना आगार—भोडणी
वह स्थान जहाँपर दूसरोंद्वारा लाये हुए
आहारका समग्र कियाजाताहै और उनके द्वारा
फेंकदिया जानेपर दूसरोंद्वारा काममें लायाजाता है.
a place for storing food, etc
to be used in a particular vow
when it is brought by another
and is to be thrown away.
आव० ६, ४;

परिट्ठाविय. त्रि० (परिष्ठापित) पररुवपावेख.
अच्छी तरहसे रखवायाहुआ; सुस्थापित कावायाहुआ.
well left आव० ४, ५;

परिट्ठि स्त्री० (परिट्ठि) पा२३ अ३. परायी
समृद्धि, दूसरेका उत्कर्ष. The prosperity
of another. भग० ३, ४; १०, ३; २०,
१०; २५, ८,

परिणह. स्त्री० (परिणति) परिणाम. परिणाम,
फल, नतीजा. Result. सु० च० ३, १५७,
—मग्र त्रि० (—मय) परिणाममय; प-
रिणाम स्वरूप. परिणाममय; परिणाम—फल
स्वल्प. Possessing fulness. विशेष० ५४;
परिणत. त्रि० (परिणत) वृद्धि पाभेलुं. वृद्धिप्राप्त;
बढ़ाहुआ. well grown. नाया० १; राय०
३२,

परिणद्ध त्रि० (परिणद्ध) विं० टायलु; धेरायलुं.
घिराहुआ, आवृत्त. wound up; circum-
scribed. नाया० ८, ६; उवा० २, ६५;

परिणय. त्रि० (परिणत) परिणाम पाभेल. परिणत;
फलप्राप्त. one that is full grown
आया० २, १, ७, ४१, उत्त० ३४, १३, ५८,
भग० १, १; ५, ७, ६; ७, ६; ८, १;
१६, ५, २०, ३; नाया० १, १६, दस० ५,
१, ७७, पन्न० १; ओव० १०; ओष० नि०
१२, पि० नि० १०६; २०७, कय० ३, ५३;
पचा० ७, ३३; क० प० ४, ७६; —वय
त्रि० (—वयस्) वृद्ध; परिपक्व अवस्था-
वाला. वृद्ध, परिपक्व अवस्थावाला. aged;
of a mature age. नाया० १; ६;
भग० ६, ३३; —वायणा स्त्री० (—वाचना)
भील—परिणत नामे वाचना; ओकवार आपेल
पाठ परिणाम पाया पछी—आवड्या पछी
भील वांयणुी आपवी ते. परिणत नामक दूसरी
शिक्षाविधि, एक बारके पाठपर पूर्ण आधिपत्य
पाजाने पर दूसरे पाठका देना. way of
teaching after the lesson is
fully mastered at first. प्रब० ५५२;

परिणयमित्त न० (परिणतमात्र) परिणाममात्र
परिणाममात्र only result. त्रिवा० ८,
परिणयापरिणय पु० (परिणतपरिणत) वि-
च्छेद गयेख प्यारमा दृष्टिवाद अगना भील
विलाग सूत्रना भीले लेद. विच्छेद प्राप्त वा-
रखे छेदवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्रका दूसरा

भेद. Separated; the second variety of the second Vibhāga Sūtra of the twelfth Drastivāda नदी० ५६;

परिणाम. पु० (परिणाम) अवस्थांतर; रूपांतर; १५ अवस्थांतर; रूपांतर; फल. another state; result. जं० प० ७, १६१; ३, ५०; भग० ५, ६, ८, ८; ७, ६; ८, ६; ११, ११; १४, ३; १५, १; १६, ३; २५, ६, ७; उत्त० ३४, २-२०, विशेष० १५०, ८२३; पत्र० १; १३; १७, ओष० १०; ३४; अंत० ३, ८; दस० ८, ५६; क० प० १, ४, प्रव० ४०; पचा० ४, २५; मत० ५, उवा० १, ७४; (२) छेवटनो निर्णय अन्तिम; निर्णय The final result. क० ग० ४, ६८; विशेष० ४७; (३) लाव; मननी स्थिति. मानसिक स्थिति; भाव Sentiment; disposition नाया० १; ८, १४; भग० ४, १०; (४) परिणामिक लाव, ७ लावमानो अक्ष. परिणामिक भाव; छ मावोंमेंसे एक. a disposition of fruitfulness; one of the six Bhāvas. क० ग० ४, ७०; —उष्ण. न० (—स्थान) परिणामनु स्थान. परिणामका स्थान. A place of result. क० प० ५, ६; —प्रत्यय पु० (—प्रत्यय) परिणामरूप प्रत्यय-निमित्त परिणामरूप प्रत्यय-निमित्त, फल निमित्त. क० प० ५, ३०; —मेय पु० (—भेद) परिणामना भेद. परिणामके भेद. a variety of end. पचा० १, ५; —विशुद्धि. स्त्री० (—विशुद्धि) परिणामनी विशुद्धि. परिणामकी विशुद्धि-पवित्रता. The purity of the end. मत० १६६;

परिणामत्रो. अ० (परिणामतः) परिणामथी परिणामसे; फलसे. From the result. भग० १२, २;

परिणामिमा-या. स्त्री० (परिणामिका) अयस्थाने अनुसार उत्पन्न होती बुद्धि. अवस्था-नुसार उत्पन्न होनेवाली बुद्धि Intelligence produced according to age. नदी० २६; भग० १२, ५; नाया० १;

परिणामिय. त्रि० (परिणामित) परिणत-परि-पक्ष थयेलुं, परिणामवाणुं. परिणत; पकाहुआ; परिणामवाला; फलप्रद. Ripe; mature, bearing result. भग० ५, २; ७, १०; १४, ७; ओष० नि० ७६०.

परिणह. पुं० (परिणह) परिधि; घेरावे; विस्तार. परिधि; घेरा; विस्तार. Circumference; extent ठा० २, ३; जं० प० **परिणिगिया.** स्त्री० (परिनिगिता) जेभां पारवार घास नींदवाभां आवे तेवी कृषि. वह खेती जिसमें बार-बार घास निंदवाईकी आवश्यकता होतीहो. agriculture which requires weeding often. ठा० ४, ४;

परिणिट्टा. स्त्री० (परिनिट्टा) परिनिट्टा; परिपूर्णता. परिनिट्टा; पूर्णभक्ति; परिपूर्णता. Devotedness; fullness विशेष० ५६५; **परिणिट्टाण.** न० (परिनिट्टान) अवसान; छेडा. अवसान; अन्त; छोर. End; extremity. विशेष० ६२६;

परिणिट्टिय. त्रि० (परिनिट्टित) पराकाष्ठाये पहुँचयेल; पूर्णता भेगवेल. पराकाष्ठाको पहुँचा हुआ; पूर्णता प्राप्त. One reaching the highest point or the completion. पंचा० १२, १४; नाया० ८;

परिणिट्-वा. धा० I (परिनिट्+वा) संतापने छोडी शीतल थवुं; निर्वाणपद प्राप्त. सतापको त्यागकर शान्त होना, निर्वाणपद पाना. To be calm after leaving off sorrow; to attain salvation.

परिणिव्वायंति. ओष० ३४;

परिणिव्वाहंति. भग० १५, १; जं० प०

परिणिन्वाहिति. भवि० ओव० ४०, भग० २, १;

परिणिन्वाहिति. भवि० नाया० १,

परिणिन्वाचिय. स. कृ वेय० ५, ५;

परिणिवय. पु० (परिनिपात) त्रिष्टु कुट्टु
तिरछा कूटना To jump obliquely.
राय० ६५;

परिणिन्वाण. न० (परिनिर्वाण) सर्वथा दुःखतो
क्षय, मोक्ष. दुःखका एकान्तिक लय, मोक्ष Utter
dissolution of pain: salvation
ओव० ३४, ज० प० —महिम. पु०
(—महिमन्) तीर्थंकर देवना निर्वाण सम-
यतो भट्टोत्सव तीर्थंकर देवके निर्वाणवसर
पर. किया जानेवाला महोत्सव a festivity
at the time of the salvation
of a Tirthamakara. ज० प० २,
३३; भग० ३, १; १४, २; नाया० ८;
—वृत्तिय. वि० (—वृत्तिक) साधुना
अवसान-देहत्याग निमित्ते छडिसंग पगेरे
करवाभा आवे ते. साधुके अवसान-
देहत्यागके उपलक्ष्यमें कार्योत्सर्ग आदिका किया-
जाना. a form of meditation prac-
tised at the death of an
ascetic नाया० १; १६;

परिणिन्वुअ. वि० (परिनिर्वृत) सर्व प्रकारनां
दुःखथी तदन निवृत्ति पाभेल; मोक्ष पाभेल
सर्व विष दुःखोंसे एकान्त निवृत्ति प्राप्त; मोक्ष प्राप्त
One free from all pain; eman-
cipated. कप्प० १, १, ओव० ३४;
अणुजो० १२७, ज० प०

परिणिन्वुड. वि० (परिनिर्वृत) लुओ “परि-
णिन्वुअ” शब्द देखो “परिणिन्वुअ” vide
“परिणिन्वुअ” ज० प० २, ३१. दसा० ३, १५;

परिणाय. स्त्री० (परिज्ञा) समञ्जस, ज्ञान
समम्, ज्ञान. Understanding; know-
ledge (२) समञ्जसपूर्वक त्याग-पञ्चखाण.
समम्-विचारपूर्ण त्याग-पञ्चखाण. abandon-

ing after a careful considera-
tion. आया० १, १, १, १०; १, १,
२, १५;

परिणाय. स० कृ० अ० (परिज्ञाय) समञ्जस
पूर्वक त्यागवृत्ति लक्ष्मीने; पञ्चखाण करीने.
विवेकपूर्ण त्यागवृत्तिद्वारा पञ्चखाण करके.
Having vowed according
to judicial renouncement.
भग० १, ६, उत्त० ४, ७, १६, ८,
आया० १, १, ४, ३५;

परिणाय. वि० (परिज्ञात) प्रतिज्ञा करेले प्रतिज्ञा
कियाहुआ, वृत्त-सकल्प; वृत्त निश्चय One who
has made a Vow (२) समञ्जसे त्याग
करेले. समम् वृत्तकर छोड़ाहुआ. One aban-
doning after a careful conside-
ration दस० ३, ११; उत्त० २, १६; दसा०
६, २; वव० ८, ११; सूय० १, ७,
१२; आया० १, १, १, १३, —कर्म.
वि० (—कर्मन) त्याग करेले छे कर्म-आ-
रंभ समारंभ जेणे ते. आरंभ समारंभ-कर्मका
त्याग करनेवाला One who has aban-
doned karma. ठा० ४, ३;
—गिहावास. वि० (—गृहावास) लक्ष्मी-
समञ्जसे तल्लो छे गृहस्थाश्रम जेणे ओवो.
जानवृत्तकर गृहस्थाश्रमको छोड़नेवाला. One
who renounces the household
after considering much ठा० ४, ३,

परितंत. वि० (परितान्त) थकी गयेहुं. थका
हुआ; क्लान्त, परिश्रान्त Tired. नाया० ४;
८, ६, १३; १६, १८, विवा० १; राय०
२६३, उवा० २, १०१, ७, २०२;

✓परितप्य. धा० I. (परितृप्) विनय, आहार,
उपधि आदि वडे प्रत्युपकार करेवो. विनय,
आहार, उपधि आदिके द्वारा उपकार करना.
To oblige another by showing
modesty or giving food and

other objects of religion.

परितपण. दशा० ६, २०; २१;

परितपण. न० (परिताप) परिताप-दुःख
प्राप्त्युं. परिताप पाना; सतप्त होना; दुःख-
सताप. Distress

“परितपणत्ताप” सूय० २, ४, ६; दशा०
६, १; ४,

परितलिप्त. वि० (परितलित) तेलभां तलेषुं.
तेलमें तलाहुआ. Fried in oil. ओष०
नि० ८८,

✓परितत्र. धा० I. (परित्तृप्) परिताप प्राप्तेऽपि;
(२) सताप उपलव्यते. परिताप पाना;
सतप्तहोना. to get pain.

परितावेह. प्रे० भग० ५, ६; १५, १;

परियायेह. उत्त० ३२, २७;

परिताव्रं-वेति. आया० १, १, २,

१४; १, १, ६, ५१; पत्र० ३६;

परितावेह. भग० ८, ७;

परितपमाण. क० वा० व० कृ० उत्त० १४, १०;

परितावेत्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

परिताव. पु० (परिताप) पीडा; सन्ताप. पीडा,
सन्ताप; कष्ट. Pain; distress. ओष० २०,
प्रव० १०७४, (२) अक्षरे, अक्षणा भक्षु. उष्णता;
हृफ; गर्मी, आकुलता. Heat. ओष० ३८;

परितावणया. स्त्री० (परितापन) परिताप-पीडा.

परिताप; सताप, पीडा Pain भग० ८, ६;

परितावणिया. स्त्री० (परितापनिका) भीमने
परिताप-दुःख उपलव्यवाथी लागतो क्रिया.
दुसरोके दुःखी करनेके कारण लगनेवाला दोष
बन्ध. A fault accruing through
troubling another. आत्र० ४, ७,
परिताविय. वि० (परितापित) परिताप-पीडा पा-
भेद प्राप्तसताप; दुःखी; सतप्त. Distressed.
भग० १५, १;

परितावेयव्य. वि० (परितापयितव्य) संताप
उपलव्यवा लायक. सताप उत्पन्न करनेके योग्य.
Fit to be afflicted. सूय० २, १, ४८,

✓परि-तिप्प. धा० I (परि + तेप्) दुःख देयुं.

(२) तृप्ति करवी. (३) तृप्ति थयुं. दुःख देना;
तृप्ति करना; तृप्ति होना. To torment;
to satisfy; to be satisfied.

परितिप्प. आया० १, २, ५, ६२;

परितिप्पा. सूय० २, १, ३१;

परितिप्पति. सूय० २, २, ५५;

परितिप्पामि. सूय० २, १, ३१;

परितोस. पु० (परितोष) सन्तोष; आनन्द. स-
न्तोष, आनन्द, तृप्ति. Contentment; hap-
piness. पचा० ७, २२; सु० च० २, ४ ६६;

परित्त. वि० (परीत) संख्यात; गणनीय
आवे ते; परिमित. सत्यात; परिमित; गि-
तिमें आने योग्य. Counted; which
can be counted; measured. भग०

५, ६; विशेष० ६५१; जीवा० ३; सम० प०

१६८, प्रव० ६००; नंदी० ४५; दशा० ४, ६३;

(२) परस्पर निरपेक्ष; भिन्नभिन्न. परस्पर

निरपेक्ष; अलग २; भिन्न २. mutually in-

dependent; separate. विशेष० १३५०;

भग० ५, ६; ६, ३; (३) प्रत्येक वनस्पति.

प्रत्येक वनस्पति every vegetation

जीवा० १, ओष० नि० ४१; पि० नि० ५३४;

पत्र० ११; (४) पत्रवणाना त्रीम पदना

सोमभा क्षरनु नाम. पत्रवणके तीसरे पक्षे

सोलहवें द्वारका नाम. पत्र० ३; (५) शुक्लपक्षी;

अक्षयसंसारि शुक्लवर्ण सम्बन्धी, अल्पसंसारि.

of the bright half of a month;

an Alpa Samsāri जीवा० १०;

पत्र० ३; (६) अष्ट; रक्षित. अष्ट; रहित; पतित.

Fallen; devoid of. सूय० २, ६, १८;

(७) अल्प; थोड़ा. अल्प; थोड़ा; कन.

little. भग० १, ६; ६, ३; १५, १;

—अनन्तय. न० (—अनन्तक) अनन्तना

नव बेहमानो अक्ष. नव प्रकारके अनन्तोंमेंसे

एक. One of the nine kinds of

Anantas अणुजो० १५० —अनन्तलङ्घ;

त्रि० (-अनन्तलघु) न्यून्य परित अनन्त;
अनन्तना नव प्रकारमानो अेक. नव प्रकारके अन-
न्तोमेंसे एक, जघन्य Lowest, one of
the nine varieties of Anant.
क० ज० ४, ८६; —असखेज्जअ. पु०
(-असख्येयक) असम्भ्यातना नव लेहमानो अेक
नव प्रकारके असंख्यातोमेंसे एक One of the
nine varieties of Asamkhyāta.
अणुजो० १४६, —कायसंजुत्त. त्रि० (-काय-
सयुक्त) प्रत्येक वनस्पतिकाय सयुक्त
प्रत्येक वनस्पति कायसयुक्त United with
every form of vegetation.
निसी० १२, ४, —जीव. पु० (-जीव)
प्रत्येक शरीरी ज्व, ज्वदीह अेकेक शरीर-
वाणी ज्व. प्रत्येक शरीरी जीव Beings
with one body each पत्र० १,
—तिग. न० (-त्रिक) प्रत्येक नाम, स्थि-
रनाम अने शुभनाम अे नाम धर्मेनी त्रय
प्रकृति प्रत्येक त्रिक अर्थात् १ प्रत्येक नाम
कर्म. २ स्थिर नाम कर्म और ३ शुभ नाम
कर्म. The three varieties of
Nāmkarma viz Pratyeka Nā-
ma, Sthira Nāma and Śubha
Nāma क० ग० २, २१, —संसार.
पु० (ससार) जेने थोडोअे काल ससा-
रमां परिभ्रमणु करवानु होय ते; अल्प
ससारी थोड़े समयतक ससारमें भ्रमण करने-
वाला, अल्प संसारी. One who has
to wander through this world
only for a short time; an
Alpa Samsari उत्त० ३६, २५८,
—संसारि. त्रि० (ससारिन्) अल्प ससारी
अल्प संसारी One who has to wander
through this world only for
a short time. भग० ३, १, राय० ७६,
परित्याग. न० (परित्राण) रक्षाणु; शरणु चारों
ओरकी रक्षा, शरण Protection on all
sides, refuge. सूय० १, १, २, ६,

परित्यास. पु० (परित्रास) त्रास, भेद. त्रास;
खेद, दुख Trouble; sorrow. भग०
११, ११, नाया० १; ज० ५०

परिदाह. पु० (परिदाह) अणतरी. (२) अक्षरी.
ऊष्णता, गर्मी; दाह, हूफ Heat, warmth.
भग० १, १, उत्त० २, ८,

✓परिदेव. धा० I. (परि+देव्) शोक करवे; वि-
लाप करवे, पश्चाताप करवे. शोक-विज्ञाप
या पश्चाताप करना To be sorry, to
cry, to repent.

परिदेवते-त्ती. सूय० १, २, ३, ७,

परिदेवण. वि० उत्त० २, ८;

परिदेवइज्जा. वि० दस० ६, ३, ४,

परिदेवणया. स्त्री० (परिदेवन्) जेनी तेनी
आगण दुःख प्रकाशवु, रोहणुं रोवा ते.
जिसकिसीके आगे अपना दुखडा गाना-दुख
प्रकट करना To cry before every
one ज० ४, १, भग० २५, ७,

परिदेविय. न० (परिदेवित=भावे क्त) प्रलाप क-
रवे। प्रलाप करना, चिल्लाना; बकना To
cry. पणह० १, १,

✓परि-धा. धा० I (परि+धा) धारणु करवु;
पहेरवु. धारण करना, पहिना To put
on, to wear.

परिहेइ. भग० ३, २, सु० च० ८, ६८,
जीवा० ३, ४,

परिहिइ. भग० ६, ३३,

परिहिति. नाया० १६,

परिहिस्सामि. आया० १, ६, ३, १८५,

परिहिइत्ता. स कृ भग० ३, २, ६, ३३;

परिहित्ता. स कृ सूय० १, ४, १, २५;

परिहावेइ. सु० च० ४, ७६.

परिहावेउं स कृ. सु० च० ४, ८३.

परिहावेमाण. व कृ नाया० १,

✓परिधाव. धा० (परि+धाव्) दौडवु. दौड़ना,
घाना; भागना To run

परिधावन्ति भग० ३, १; नाया ८; ज० ५०
५, १२१;

परिधावमाण. व. कृ. नाया० १; १८;

परिधावित्था. भग० ७, ६;

परिधावित्ता. स. कृ. भग० ३, १;

✓परिनिम. धा० I. (परिनिम्) परिणाम पाभयु;
अः अवरथाभांभी पीछ अवरथाभां दः
अल थपुं. परिणमित होना; एक अवस्थासे
दूसरी अवस्थामें प्रवेश करना. To obtain
a result; To change from
one state to another.

परिणाम(मे)ह. भग० १, १-३; ३, ३; ५, ७;

७, १०; १२, ५; १४, ४; १७, ३;

ओव० ३४, सम० ५. ६६; नाया० १६;

राय० २६६; पत्र० १६; विवा० १; ठा० २, २;

परिणामेह. प्रे० भग० ६, ६;

परिणामेति. भग० १, २; १६, ३;

परिणामेज्ज. वि. भग० ६, ५;

परिणामेत्तप. हे. कृ. भग० ३, ४; भग० ६,
६; ७, ६;

परिणामेत्ता. स. कृ. भग० ३, ४;

परिणामेमाण व. कृ. नाया० ८, भग० १७, ३;

परिणामिज्जमाण. क. वा. व. कृ. भग० १, ७,

परिनिष्ठिय. त्रि० (परिनिष्ठित) निष्ठा पाभेल; पुरु
थथेधुं. प्राप्त निष्ठ; पूर्ण; समाप्त. Confident;
finished ओव० ३८; उत्त० २, ३०; प्रव०
७७१; —अट्टकम्मभर. त्रि० (—अट्टकर्मभार)
दूर डरेल छे आठ डर्मेना लार जेले ते.
आठो कर्मके भार को दूर करनेवाला. One
who has removed the weight
of the eight Karmas प्रव० ३६३;

✓परिनिर्वा. धा० I. II. (परिनिर्वा)
दुःखने सर्वथा शांत डरेपु; शांति भेणववी;
भोक्ष भेणववो. दुःखको सर्वथा शान्त करना;
शान्ति प्राप्त करना; मोक्ष प्राप्त करना To
allay all pain; To attain
peace or emancipation

परिनिष्वेह उत्त० १२, २०;

परिनिष्वायन्ति. उत्त० २६, १; पत्र० ६;

परिनिष्वास्सन्ति. सम० १; आया० २, १५,
१७८;

परिनिष्वाण. पुं० (परिनिर्वाण) दुःखने सर्वथा
नाश; भोक्ष. दुःखका सर्वथा—एकान्त—नाश;
मोक्ष annihilation of all pain;
salvation. ज. ५, २, ३३; ठा० १, १;
आया० १, १, ६, ५०; राय० ६५; —मग्ग.
पुं० (—मार्ग) निर्वाणुनो मार्ग; भोक्ष मार्ग;
मुक्तिनो ररतो. निर्वाणपथ; मोक्ष मार्ग; मुक्ति
रास्ता. The path of Salvation
or emancipation. दसा० १; ११;
—वत्तिय. त्रि० (—प्रत्यय) लुओ ' पडि-
णिव्वाणुवत्तिय ' शब्द देखो 'परिणिष्वाणवत्तिय
vide (परिणिष्वाणवत्तिय) भग० २, १;
परिनिव्वुड त्रि० (परिनिर्वृत) सडल सन्ताप
रहित; निर्वाण पद पाभेल. सर्व सुताप नश्य;
निर्वाण प्राप्त. Free from all mis-
eries; one that has attained
salvation. भग० २, १; उत्त० ५, २८,
१४, ५३; ३५, २७, ज० ५० ३, ७०;

परिनिव्वुय. त्रि० (परिनिर्वृत) सर्वथा दुःखने
नाश डरेल; निर्वाण पद प्राप्त डरेल. सर्वथा
दुःखको नाश किया हुआ; निर्वाण पद प्राप्त.
One who has destroyed pain
in every way: One that has
attained salvation. भग० १, ६; विरो०
५८; ठा० १, १; उत्त० १०, ३६; ३६, २६६;

✓परिने. धा० I. (परिनी) विवाह डरेवो;
परलुपुं. विवाह करना; ब्याह करना, पाणिग्रहण
करना; परिणय करना. To marry.

परिणेह सु० च० १, २८६; पचा० १, ३६;

परिणेहि. सु० च० १, २८१;

परिन्न. त्रि० (परिण) विशेष लक्षणार. विशेष.
one knowing the peculiari-
ties. आया० १, ५, ६, १७०;

परिभाषा. स्त्री० (परिभाषा) प्रत्याख्यानः त्यागः.
प्रत्याख्यान, त्यागः. abandoning. ओष०
नि० ६२६,

परिभाषा स० कृ० म० (परिभाषा) ज्ञातुं, जानने
समर्थने जानकर सपजकर Having
understood or known आया०
१, २, ३, ८०, १, ६, २ १८३ १८४, स्य०
१, १, ४, २;

परिभाषा-अ वि० (परिभाषा) समझपूर्वक
प्राप्त्यर्थक इत्येतत्. समझपूर्वक-विवेकपूर्वक
प्रत्याख्यान. Sensible पि० नि० २८१,
ओष० नि० ८०७,

परिभाषा-ईर. धा० I (परि + प्र + इ) प्रेरणा
इत्येति. प्रेरणा करना To urge.

परिपिष्टः सु० च० ३, १६६,

परिपिष्टि वि० (परिपिष्ट) अक्षय्यं यथेष्ट,
अक्षय्यं यथेष्ट एकत्रित. सग्रहीत. accumu-
lated, gathered पि० नि० ४६६;
४६५, प्र० १५०. —वयस्य न० (—वयस्य)
उतावणे भोजनार्थी अरुण-सङ्गीतं यथेष्ट
यथेष्ट जल्दी २ बोलनेक कारण अस्पष्ट बोलने
वाले वचन Indistinct speech due
to speaking humdily प्र० १५७,

परिपिष्टि वि० (परिपिष्ट) ढाँडलु. ढाँ-
डलु Covered. आया० २, १, ५, २८,

परिपीडिता स कृ० अ० (परिपीड्य) पीडा
इति; नाश इति दुःख पहुँचाकर, नष्ट करके.
Having vexed or squeezed.
पत्र० २८, जीवा० १,

परिपीडित वि० (परिपीडित) पीडा पाभेष्ट.

पीडा पायाहुआ, दुःखित. vexed भग० ७, ६,

परिपीडित्या स कृ० अ० (परिपीड्य) पीडा
इति; दुःखदेकर, पीडा पहुँचाकर Having
vexed. आया० २, १, ८, ४३,

परिपुच्छणा स्त्री० (परिपुच्छना) पुच्छने
प्रश्नादि पुछ्वा ते गुरुसे प्रश्न आदिका पूछना.

questions asked of a preceptor
ज० प० ७, १६६, उत्त० २६, २,

परिपुष्पा वि० (परिपूर्ण) संपूर्ण. सम्पूर्ण,
समस्त, सकल Complete ज० प० ७,
१६६,

परिपुष्पावहता (परिपुष्पित्वा) रसलभ्य भोज-
नार्थी लास्य आपीने मिष्टान्न भोजन-खानेकी-
इच्छामे दीक्षाकर ग्रहण. Seducing
through the offer of delicious
dishes ज० ४, ४;

परिपूर्णः पुं० (परिपूर्णक) सुधरीता भाषा
पक्षी विशेषक बोंसला. A bird's nest.
विशे० १४५४, नदीस्थ० ४४,

परिपूय-अ वि० (परिपूय) पश्चिमी गणेश;
अष्टोत्तु, वस्त्रद्वारा गाढा-ढाँडाहुआ. Strained
or filtered with a piece of
cloth. ओष० ३८, जीवा० ३, ४,

परिपेरंतः पु० (परिपर्यन्त) आरेप्यान्तु चारों
ओर all sides नाया० ४, १३, १६,
१७, अत० ६, ३, विवा० ३,

परिपुष्ट वि० (परिपुष्टक) नाशक, विनाश
इत्येतत्. नाशक, घातक, विनाशक Des-
troyer. कय० ३, ३६

परिफासिय वि० (परिफास्य) आनन्दार्थी स्पर्श
पाभेल चारों ओरसे स्पृष्ट-हुआ हुआ Tou-
ched on all sides दस० ५, १, ७२,

परिवृहता स्त्री० (परिवृहण) वृद्धि, आयादी
वृद्धि आबादी. Prosperity; Populous-
ness स्य० २, २, ६,

परि-भज धा० II (परि + भज्) वितरण,
लाग पाडवे बाटना, विभाग करना To
distribute, to divide

परिभाज्यमाणः क. वा व कृ. गय० ५६;

परिभाज्यता स कृ. आया० २, ६, २, १५४,
२, १५, १७६, गय० २२३,

परिभाण्ड. निगी० २, ३, ४, ५, ६, ७;

परिभाण्ड. आ० आया० २, १, ५, २६,

परिभाण्डं हे. कृ. नाया० १; भग० ११, ११;

परिभाण्डा. ज० प०

परिभाण्डुं. भग० ६, ३३;

परिभाण्डमाण. व. कृ. भग० ३, १. १२, १;

नाया० १. ८, १३, १६; वि० २;

परिभायन्त. व. कृ. आया० २, ११. १७०,

नि० १२, ३४;

परिभाइजमाण. क. वा. व. कृ. गय० ५६,

परभाइता. सं. कृ. आया० २, ६, २. १५४,

२, १५, १७६, गय० २२३;

परिभट्ट. वि० (परिभट्ट) अष्ट थयेस. अष्ट; पति

Fallen. व० ५, १५, ८, ११; भग० ७, ६;

परिमममाण. वि० (परिभ्रम) भ्रमयु डरतुं

भ्रमण करता हुआ; घूमता हुआ one

wandering. नाया० १८,

परिमम. धा० I. (परि + भ्रम्) भ्रमयु

घूमना, भ्रमण करता. To wander

परिममइ. नाया० १७;

परिममउ आ मु० च० २, १३८;

परिममंत. व. कृ. नाया० १;

परिमव. धा० I (परि + भू) पराभव डरवो.

पराभव करना, हरना To defeat.

परिमवइ स्य० १, २, २, २, २, १७,

परिमवति. भग० १६, ६, नाया० १६;

परिमवे. वि. दस० ८, ३०,

परिमवमाण. व. कृ. नाया० २, भग० १५, १;

परिमव. पु० (परिभव) अपमान, पराजय.

अपमान, पराजय. तिरस्कार. Insult, defeat.

ग्रोव० २१, पण्ड० २, २, नदी० स्व० ४७,

परिमवणा. स्त्री० (परिभव) पराभव परा-

भव; पराजय. तिरस्कार. Defeat ग्रोव० ४०,

राय० २६४,

परिमवगिज्ज. वि० (परिभवनीय) निरन्तर

पाभवा लायक. तिरस्कार; गर्ह Fit for

insult नाया० ३;

परिमस्स. धा० I (परिभ्रम्) अष्ट थयु.

पतिन थयुं. अष्ट हांगा, पतिन होना. To

fall off; to degenerate.

परिमम्मइ. उ० ३, ६; द० ६, ५३.

परिमायनिया. स्त्री० (परिमायनिया) पर्याना

द्वियोगा स्वयं वरगां पालन, मिठाई

वगैरे भाग पडतुं तेंही आपना अं.

त्योहार पर्वक अवसर पर स्वजनोंमें राजा मिठाई

आदि पदार्थोंको रगड़न. अगम बाटनेवाली स्त्री -

महिला—मृत्तली a female who distri-

butes amongst her relations

sweets like khāja etc. in the

Parva days नाया० ७,

परिमायण. न० (परिभाजन) भाग पाडने

थयु. गण्ड करके बाटना. To distribute

after dividing. वि० नि० १६३;

परिमावणीय. वि० (परिमावणीय) विचारपा या-

ग्य. विचारणीय worth consideration

पचा० ४, ४३;

परिभास. धा० II. (परि + भाप्) गो-

लपु, कथन डरवु बोलना, कथन करना. To

speak; (२) निंदा डरनी. निन्दा करना

to describe; to censure.

परिभासेइ. मू० २, ७, ३६; उ० १८, २०,

परिभासय. वि० (परिभाषक) भाषण बोलना; गु-

रनी भाषे थनार सामने बोलनेवाला; गुस्से रा-

न्मुख होनेवाला, गुस्से सिझनेवाला. Speaking

in an insulting tone उ० १७, १०,

परिभासा स्त्री० (परिभाषा) सांकेतिक भाषा.

(२) जो नामनी मानीति, अपराधीने शिक्षा

डरवानी भाषा सांकेतिक भाषा, इस नामकी

झाट नीति विशेष. अपराधीको दंड देनेकी

भाषा Symbolic language; the

science of Ethics of this

name, sentence. उ० ७, १,

परिमिदिय. स० कृ० अ० (परिमिद) लेदीने

भेद करके, छेद करके Having penetra-

ted. नि० ५ ६७.

✓ परिभुज. धा० I. (परिभुज्) भोग्य
इत्तु, भावुं (२) भोग्यत्तु, उपभोग इत्तु
भोजन करना, खाना; उपभोग करना. To
eat; to enjoy.

परिभुजइ. नाया० ३, निसी० २, ६, ५, २६

परिभुजित्ता. म कृ. भग० ५, ६

परिभोत्तु हे कृ भग० ११, ११,

परिभुजे-माण. नाया० १, २, १६; भग० ३,
१, ६, ३, १२, १, राय०
२८६

परिभुजन्त आया० २, ११, १७०;

परिभुज्जइ क वा पिं नि० ५६,

परिभुज्जमाण. क. वा. व कृ. जीवा० ३,
१, नाया० १; भग० १५, १;
कय० ३, ४२,

परिभुक्त. त्रि० (परिभुक्त) भोगवेद. भुक्त,
भोगाहुआ. Enjoyed. दस० ५, १, ८२;
आया० २, १, १, ६, वेय० १, ४४; ३,
४, कय० ६, २, आव० ४, ५,

परिभूय. त्रि० (परिभूत) तिरस्कार पाभेत्तु
तिरस्कृत. परिभूत. Defeated. सु० च० १५,
६०, नाया० १६;

परिभोग. पु० (परिभोग) भोग्यत्ता; उपभोग.
भोग, उपभोग Enjoyment. पिं० नि०
भा० ३०, ३४; ५०, ज० प० उत्त० २४,
११, नाया० १४, १६; गच्छा० ८, पत्रा०
१, २४, ८, ६; १२, २३; उवा० १, २२;

परिभोगत्ता स्त्री० (परिभोग+त्ता) उपभोगपात्रु
उपभोगवत्या; उपभोगिता State of en-
joyment. ज० प० ७, १७३, २, २४,
भग० १८, ४, २५, २;

परिमंडल. पु० (परिमण्डल) वलयधार-अलोथाना
लेवे आधार, प य सहायमानु अेड. मडला-
कृति, आवर्तरूप, बलयाकृति, पांच संठाणोंमेंसे एक.
circular, round. ज० प० ५, ११५;
११२; द० १, १; ७, १, आया० १, ५, ६, १७०,

उत्त० ३६, ३१; भग० ८१-१०, १४, ७;
१६, ६, २५, २; नाया० १, जीवा० ३, १,
पत्र० १, ११, -संठ्ठाण न० (-संस्थान)
वलय-अलोथानी आकृति; पाय सहायमानु
अेड वलयाकृति; पांच संठाणोंमेंसे एक
circle, ring भग० १६, ६,

परिमंडिय. त्रि० (परिमण्डित) अलंकृत: शालु-
गारेत्तु अलंकृत, भूषित, सजायाहुआ adorned-
ed; decorated ओव०; नाया० १;
ज० प० ५, ११७, ७, १६६ ३, ५७,
राय० ५६, ७०;

परिमज्जित्ता स० कृ० अ० (परिमार्ज्य) आरे
तरई साइ इरीने आसमत्तात् साफ करके,
चारों ओरसे शुद्ध करके clearing on
all sides. भग० ८, ६;

परिमर्दत. व० कृ० त्रि० (परिमर्दयत्) मर्दन
इरापतो. मर्दन कवाताहुआ one massag-
ed निसी० १, १४,

परिमर्द्दा. न० (परिमर्दन) मर्दन इत्तु. मर्दन
करना, दवाना. to rub, to shampoo
नाया० १,

परिमर्दन न० (परिमर्दन) योक्षतु, भसलतु
मालिश करना घिसना. to rub, to
massage. कय० ४, ६१,

परिमल. पु० (परिमल) सुगन्ध; सुवास सुगन्ध,
सुवास. fragrance, odour पण० १, ५;

परिमाण न० (परिमाण) माप; मान माप,
मान, तौल measure; standard. (२)
संख्या; गणुनी सख्या, गिनती number.
नाया० १; भग० ६, ७, ७, २, १६,
६, २३, १, २४, १६, ३१, १;
३५, १; क० ग० ५, ८५; उवा० १, १७;
४२, -कड त्रि० (-कृत) मापेत्तु;
परिमात्तु इरेत्तु मापाहुआ; परिमाण कियाहुआ
measured. भग० ७, २, प्रव० १०००;

परिमाणवंत. न० (परिमाणवत्) परिमाणवाणुं
पञ्चमाणु; दश प्रकारना पञ्चमाणुमानु
ओष्ठ परिमाणवाला पञ्चस्वराण; दशविध पञ्च-
स्वराणो मेंमे एक. a limited vow;
one of the ten vows. प्रव०
१८७;

परिमात्स पु० (परिमर्श) स्पर्श स्पर्श. touch
नाया० ६;

परिमिन्न-य त्रि० (परिमित) मापितः परि-
मित. मापाहुप्र, मित; परिमिन्न मीमित
measured limited. दम० ८, ३४;
प्रव० ८८३ ओष०

परिमित. त्रि० (परिमित) माप-मर्यादा स-
हित, परिमित परिमित. मीमित; मर्यादित
limited. भग० १२, २. —पिंडवाह्य. त्रि०
(-पिंडपातिक) माप सहित व्याहार
क्षेत्र. परिमित व्याहार करनेवाला, नियमित
अल्पाहारी. One who eats with a
measure ओष० १८ पण० २, १ डा०
५, १

✓परिमिला. धा० I (परि+म्ल्) इरभाध ण्यु-
सुडाध ण्यु. कुम्हला जाना; सख जाना म्लान
होना to fade

परिमिलायन्ति. मु० च० २, १८५;

✓परिमुञ्च. धा० I. (परि+मुञ्च्) मुञ्च देवु;
त्याग इरेवा. छोड़ना, त्याग करना. to
give up. to abandon

परिमुञ्च क वा. उत्त० ६, २२.

परिमुक्त. त्रि० (परिमुक्त) छोड़ना. छोड़ना
त्यक्त मुक्त. released; let loose सु०
च० १, १८४,

✓परिमुत्स. धा० I. (परि+मुत्सृज्) स्पर्श इरेवा.
स्पर्श करना. to touch.

परिमुत्सन्ति. भग० १८, ७,

परिमोक्ख. पु० (परिमोक्ख) परित्याग.

परित्याग. abandoning. सूय० १,
१२, १०;

परियंत. पु० (पर्यन्त) छेडे; अन्त प्रदेश.
छोर; अन्तिम प्रदेश. अन्त. Limit; extre-
mity. सूय० २, १, १५;

परियट्ट. पु० (परिवर्त) परिवर्तन; बदल
ते. परिवर्तन; फेरबदल. Change: alter-
ation. आया० २, १, २, १०; तडु०
प्रव० १०५३.

परियट्टा. न० (परिवर्तन) बदल बदल इरेवुं
फेरबदल करना. परिवर्तन होना To change:
to exchange. पि० नि० ३२४, (२)
लभयु; लटइयु भ्रमण करना; भटकना, to
roam; to wander. नदी० ५६.
पण० १, १;

परियट्टाया स्त्री० (परिवर्तन) मनन इरेवुं;
छेडापोह-विचारणा इरेवी ते. मनन करना;
उहापोह या विचारण करना. meditation.
thinking of pros and cons उत्त०
२६, २.

परियट्टाया स्त्री० (परिवर्तन) इरेवेला अभ्यास
पाछे सलारवे ते; धर्म अर्था इरेवी ते
हुन अभ्यासका किरसे स्मरण, धर्मचर्चा revi-
sion, religious discussion. डा०
४, १ भग० २५, ७ नाया० १ पि० नि०
३०४ पण० १, १, नदी० ५६. उत्त०
२६, २ (२) ओष्ठ पडपे इरेवु एक ओर
घूमना-घुमाना. turning to a side
आव० ४, ४.

परियट्ट्यागह. पु० (परित्यागह) राजना
शरीर उपरथी उतरेला वस्त्र तथा आभ-
रण लेना राजाके शरीर परसे उतरेहुए वस्त्र-
भूषण ग्रहण करनेवाले One who ac-
cepts the ornaments and dress
worn by a king. निमी० ६, २४,

परियट्टिअ. पु० (परिवर्तित) आधु निमित्त
आहारादिना अदलो अदलो इरी आपवाथी
आगतो अक दोष; सोण उद्गमनमानो
१० भो दोष. आहारादिका बदला बदला कर
साधुंक निमित्त देनेमे लगनेवाला दोष, १६
उद्गमनमैमे १० नो दोष a fault connect-
ed with giving of food etc.
to an ascetic after changing
पि० नि० ६३;

परियडण. न० (पर्यटन) लटकुलु अटन क-
रवु ते. मटक्का, घूमना, सफर-यात्रा करना to
roam, to travel. भत्त० ६५,

परियड्डिय. वि० (परिकृष्ट) भँथाओलु खिचा-
हुआ. drawn, extended. सु० च०
२, १३,

परियण. पु० (परिजन) दास पुश्थ, नोकर
वर्ग. सेवक, नौकर, चाकर Servants,
employees. उत्त० ६, ४, नाया० १, २,
८, १४; भग० ३, १, ६, ३३. विवा० ३,
सु० च० १, १०८, ४, १६२; कय० ५,
१०२, नाया० ४०

परियत्त. पु० (परिवर्त) चक्र, पैडु चक्र, पहिया
circle, discus, wheel. पण० १, ३;

परियर; पु० (परिका) बेड, डेड डेपर ताणुनि
पञ्च आंधुं ते. कटिबन्धन, कण्ठबन्ध loin-
cloth; belt. पण० १, ३. गय० ८१
२६३;

परियरिय. वि० (परिकरित) युक्त युक्त सहित
including; attached to सू० च०
१, १४६,

परियल्ल. पु० (परिवर्त) आटी पिटवु ते.
आटी देना; लपेटना घेना Winding,
circumscribing ओष० नि० ७०६

परियस्सओ अ० (परिपार्चतस्) पःभेथी,
पासे, समीप पास सपीप, पडौसमें near,
in the vicinity भग० १४, १

परियाअ. पुं० (पर्याय) इपान्तर भीष्
अवस्था रूपान्तर. दूसरी अवस्था trans-
formation, change. सूय० १, १, ३,
६, ओव० उवा० १०, २७७. (२) दीक्षाइय
पर्याय. श्रमणपाणु. साधुनो लाव दीक्षारूप
पर्याय, श्रमणता साधुता consecration
asceticism. सम० ५३. भग० ३, १.
आया० १, ६, २, १८६,

परियाइणया. स्त्री० (पर्यादान) आतस्थी
अडलु इरवु ते. चारों ओरसे ग्रहण करना-स्वी-
कारना accepting from all sides
पन्न० ३४,

परियाग. पु० (पर्याय) पर्याय, मनोगत लाव.
पर्याय मनोगतभाव Sentiment, idea
गय० २६३, उवा० १, २२. (२) पर्याय,
दशा State, condition. विवा० १,
कय० ५, १४६ भग० १, ६, नाया० १
(३) प्रवर्णना, श्रमणपाणु. प्रवर्णना, श्रमणता
asceticism. भग० २५, ७ गय० २६४
नाया० ५, अणुत्त० १, १

परियाग. पु० (परिपाक) फल. परिणाम
फल, परिणाम fruit, result आया० १,
६, १, १७२

परियागय. वि० (पर्यागत) व्यापेडु व्याप्त. फैला
हुआ Full, immanent, inherent
उत्त० ५, २१, नाया० ३ ७, भग० १२,
४, पन्न० १६,

परियागिय. न० (परिवारित) रक्षाणु-शरणना
स्थान रक्षण स्थान, त्राणभूमि, आश्रयस्थान
refuge, shelter सूय० १, १, २, ७,

परियात. वि० (परियात) पाभेल प्राप्त मि-
लाहुआ Obtained, got. भग० १४, ७.

परियाय. पु० (पर्याय) दीक्षा आदि अवस्था
दीक्षा आदि अवस्था a stage of conse-
cration etc भग० ३, १, ७, ६. १४,
६, १५, १ १६, ८ नाया० ८; १२. निर०

३, १; —अंतगडभूमि. (—ग्रन्तकृद्भूमि)
तीर्थक्षेत्रे देवज्ञान रूप पर्याय उत्पन्न तथा
पछी निरवच्छिन्नपक्षे साधु परंपरा मोक्ष
लय त्या सुधीनी प्राप्त मर्यादा. तीर्थकरको
केवलज्ञान रूप पर्याय उत्पन्न होनेके बाद निरवच्छिन्न-
तया साधु परंपरा मोक्ष प्राप्त करे तब तककी
काल मर्यादा. A period of time in
which ascetics get salvation
continuously after a Tirtham-
kar reaches kevala jñāna
(Perfect knowledge). कथ० ५,
१४५; —थेर. पुं० (—स्थवि) पीर ५५
उपरान्तनी दीक्षावाला साधु; प्रव्रज्याये स्थ-
विरे बीस वर्षके उपरान्त वाढकी दीक्षावाला
साधु. ascetic; an ascetic after
twenty years of consecration
अ० ३, २, वच० १०, १६;

परिवार. पु० (परिवार) शब्दादि विषयेनो
उपभोग इवे ते; विषयविचार, भैयुनसेवन.
शब्दादि विषयेका उपभोग, विषयविकार, सैयुनसेवन.
Sexual enjoyment; epicuri-
anism पत्र० ३४, भग० १०, ५; (२) अर्जु-
नाश-भ्यान. खड्ग-कोश, म्यान scabbard.
पण० १, १; —अद्धि स्त्री० (—अद्धि) शब्दादि
द्विष्य विषयनी अद्धि-सामग्री. शब्दादि द्विष्य
विषयकी समृद्धि-सामग्री Prosperity of
divine objects like sound etc.
भग० १०, ५;

परिवार. पु० (परिवार) परिवार, कुटुम्ब.
परिवार, कुटुम्ब Family. भग० ७, ६;
१६, ५; सू० १० १८, जीवा० ४, १;

परिवारत्र. त्रि० (परिवारक) भाँस भाँसनी
याधरी इरनार; सारवार इरनार. लण
मनुष्यकी परिचर्या करनेवाला; सुश्रूषक an atten-
dant on a sick person अ० ४, ४;

परिवारणा. स्त्री० (परिवारणा) भैयुन सेवन;
विषयभोग भैयुन सेवन, विषयविभोग. Sexual
enjoyment अ० ३, १; आया० २, १,
३, १५; पत्र० ३४,

परिवारल. पु० (परिवार) पैतानी पाछ्या
यावनार दासी दास वगैरे. अपने पंडित चलने
वालेनोंकर चाकर-मेवका-दि. attendants;
retinue. श्रोत्र० १३; नाया० १; ८, १६,
भग० ६, ३३, राय० २८८.

परियाव पुं० (परित्याग) सताप. पीडा, वेदना
सताप पीडा; वेदना. Distress, pain.
उत्त० २, २; आया० १, २, १, ६२; १, ३,
२, ११३; पिं० नि० ५८४; दम० ६, २, १४,

परियावज्जण न० (पर्यापादन) डोहाध णवु,
अधुं; अगधुं ते. सड़जाना, दू-करनेलगना,
बिगडजाना. becoming sour or decom-
posed. पिं० नि० २८०;

परियावणया. स्त्री० (परित्यापनता) डोधाने दुःख
हेतुं ते. परपीडन Troubling, haras-
sing. भग० ३. ३ ७, ६; १२, २,
१५, १,

परियावराण. त्रि० (पर्यापन्न) विभूत थंयु
विस्मृत भूलाहुया. Forgotten. (२) तनेयु
त्यक्त, छोडाहुया abandoned. वंय० ३,
२६; (३) भुय पाडेयु खव पकाहुया; सुन्दर पका-
हुया-परिपक्व well matured; ripened.
पत्र० १७, (४) व्याप्त. व्याप्त pervaded
(५) पूर्ण. पूर्ण Full, filled. पत्र० २.

परियावन्न. त्रि० (पर्यापन्न) अेड परिव्यामने
छोडा भीयन परिव्यामने पाभेल. परिवर्तन,
एक परिव्यामको त्यागकर दूसरे परिव्यामको प्राप्त
transformed, changed. प्रव० १४८३;

परियावसह. पुं० (पर्यावसव) भिक्षुकोना भट.
भिक्षुकोका मठ-निवासस्थान. hermitage,
monastery. आया० २, १, ८, ४४;
२, २, २, ७७, निती० ३, १,

परिधाविद्य त्रि० (परितापित) परितापना-
दुःख उपगम्येक्ष दुःखित, सतप्त. distressed;
harassed भग० १६, ३ आव० ४, ३,

परिधावेद्य त्रि० (परितापयितव्य) दुःख देवा
योग्य, परिताप आपधा योग्य परिपीडन योग्य,
दुःखदने योग्य. Fit to be harassed
or distressed आया० १, ४, १, १२६,

परिभिङ्ग स० कृ० अ० (परिभ्य) आलिङ्गन
धृति आलिङ्गन देक छातीसे लगाकर. having
embraced. सु० च० ३, १२४,

परिक्लिप्त य. त्रि० (परिचित) रक्षायु दरेल,
सायवेक्ष रजित, वचायाहुआ Protected
उत्त० १८, ७६, सु० च० २, १७५,

परिरय पु० (परिग्रह) घेरावे घेरा, वृत्त.
extent, circumference प्रब० १०३३
उत्त० ३६, ५८, भग० ६, ७, ज० प० ७,
१३२, १४७, (२) वेग वेग, गति Speed
ग्रोध० नि० भा० २६, (३) हेरने भाग,
आडे रस्ते चकरदार रास्ता, घुमाववाला रास्ता.
circuitous way ग्रोध० ११२,

परिरायंत त्रि० (परिराजमान) आरे तरङ्गधी
प्रशशु चारो ओरसे प्रकाशमान. Shining
on all sides कप्प० ३, ४१,

परिलिप्त त्रि० (परिलीयमान) लयलीन थतु
लयलीनता, तल्लीनता, तद्रूपता, एकात्मकता
harmonizing, blending in tune
पगह० १, ३, ओ०

परिली स्त्री० (परिली) वाद्य विशेष वाद्य
विशेष, एक प्रकारका वाजा a sort of
musical instrument. राय० ८६,
निती० १७, ३५ जीवा० ३, ३,

परिवंदण न० (परिवन्दन) प्रशंसा, स्तुति
प्रशंसा श्लाघा, स्तुति Eulogy, praise
आया० १, १, १, ११,

परिवंदिजमाण त्रि० (परिवन्द्यमान) प-द
करावु वन्द्यमान, प्रार्थ्यमान, वन्दना क्रियाजाता

हुआ. Being bowed, saluted or
prayed to. राय० २८६,

✓**परिवज्ज** धा० I (परिवर्ज्) तणु
त्यागना, छोडना, तजना To avoid, to
abandon

परिवज्जण वि० दस० ५, १, ४ १२, ६, ५६.
उत्त० १, १२, स्यु० १, १, ४, ४.

परिवज्जितु स कृ उत्त० २४, १०,

परिवज्जियाण व कृ आया० १, ८, १, १६

परिवज्जण न० (परिवर्जन) तणु, छोडतु
त्यागना, छोडना abandoning; avoid-
ing उत्त० ३०, २६, पचा० १०, ११,

परिवर्जिय त्रि० (परिवर्जित) वर्जित करे
मनाक्रियाहुआ, निषिद्ध, वर्जित Prohibited
forbidden. भग० ३, २ ७, ६, नाया०
५, ८, १६, सु० च० २, ३३ कप्प० ३,
४१, उवा० २, ६५,

परिवट्टण न० (परिवर्तन) चारवार शरीरतु
उद्वर्तन करे वार २ शरीरका उद्वर्तन करना
anointing the body oftener
(२) गुणाधाररूपे सामग्रीनी वृद्धि. गुणा
कारक सामग्रीकी वृद्धि an increase of
materials like multiplication
आया० १, २, १, ६२,

परिवडिय त्रि० (परिपतित) पडे, भ्रष्ट थ
थेल पतित, भ्रष्ट Fallen, degenerated
भग० ११, १२, पचा० ३, २४,

✓**परिवड्ड** धा० I. (परिवर्द्ध्) पधु, वृद्धि
पामवी बढना, वृद्धिपाना, उत्तति-बढती होना
To increase, to wake progress
परिवड्डइ नाया० १६, विशेष ४६६,

परिवड्डति नाया० १०,

परिवड्डिउं सु० च० २, ३६६,

परिवड्डमाण व कृ भग० ११, ११, नाया०
१०, निर० ३, १, ज० प०
४, ८४,

परिवृद्धय. त्रि० (परिवर्द्धक) वृद्धि इरनाः
वृद्धि करनेवाला, बढ़ानेवाला Enlarger;
increaser. नाया० १;

परिवृद्धिय. त्रि० (परिवर्धित) वृद्धि
पांमल. बढ़ाहुआ, वृद्धिप्राप्त, परिवर्धित
increased. progressed. enlarged.
नाया० ८,

✓परि-चत्त धा० ३ (परि+चत्त) भटइयु. इरवु.
भटकना; फिरना. To roam; to wander
(२) स्वाध्याय इरवो, पर्यालोचन इरवु.
स्वाध्याय करना, पर्यालोचना करना to study
religious book (३) अवलल इपाटीअ
अव्ययन इरवु. उलटी ओगंम तैल मर्दन करना-
रक्तकी गतिके विरुद्ध मालिश करना rubbing
of oil in the opposite manner
परिवृष्टेइ निसी० १, ६,
परिवृत्तइ सूय० १, २, २, २,
परिवृत्तेइ. नाया० ३.
परिवृष्टेइ निसी० ५, ११, १४ २ १६, ३,
परिवृत्तंति नाया० ४,
परिवृष्टंति. ओव० २१,
परिवृष्टिस्सइ. नाया० ७,
परिवृष्टिय. स. कृ. निसी० १४, ३
परिवृष्टंत. निसी० १, ६,
परिवृत्तयंत. सूय० १, ५, १, १५,

परिवृत्त. पु० (परिवर्त) आवर्त, लभरी.
आवर्त, भँवर a whirlpool; an eddy.
ओव० २१, विवा० १.

परिवृत्ति स्त्री० (परिवर्ति) परिवर्तन. अदल
अदल परिवर्तन, फेरबदल Exchange,
transference. क० प० ५, ६२,

परिवृत्तिय. त्रि० (परिवर्तित) अदलायेलु वरला
हुआ परिवर्तित changed; transferred
सु० च० १, ३५३,

परिवृत्तिअ त्रि० (परिवर्तित) वीटायेलु,
दडायेलु घिराहुआ, लिपटाहुआ, ढँकाहुआ.

wound up; entwined: covered.
ओव० ३०.

परिवर्त. व० कृ० त्रि० (परिवर्त) मालवु,
भटवु. चलताहुआ. जाताहुआ. going;
walking. ज० प० ५, १२१, दस० २, ४;

✓परिवृत्त. धा० I (परि+वृत्) वाववु बोना:
बोज बपन करना. to sow.

परिवावेज्जा. प्रे० वि० नाया० ७,

✓परिवस. धा० I. (परि+वस्) वसवु, रहवु,
निवास इरवो वसना: रहना. निवास करना.
To reside; to dwell

परिवसइ ओव० भग० २, १ १५, १,
१८, १० नाया० ५; ६, १३,
१६, १८, उवा० १, ३८, ३,
१२७, ज० प० ७, १७७,

परिवसंति नाया० ३; ४, ८, १६, १७, भग०
२, ५, ३, १, पन्न० २, ज० प०

परिवसामो. नाया० ८; १७, अत० ६, १५,

परिवसेज्जा. वि० भग० १२, ७,

परिवसइ आ० अत० ६, १५

परिवसित्तण. हे० कृ० नाया० ८;

परिवसावेइ. प्रे० नाया० १२,

परिवासेइ. प्रे० नाया० १२,

परिवसावेइत्ता. स० कृ० नाया० १२,

परिवसण. न० (परिवसन) निवास, गहुँडाए
निवास, रहनेकास्थान a residence; dwell-
ling. भग० ११, ६, ज० प०

परिवसिय त्रि० (पर्वुषित) सुअपूर्वक रहल
सुखपूर्वक रहाहुआ (one) living hap-
pily. नाया० ८,

✓परिवह. धा० II. (परि+वह) उपाडी इरवु:
वाहवु उठाकर लेजाना, वहन करना, सहना. To
pulfer, to carry, to endure.

परिवहइ. नाया० १: २, ८;

परिवहंति. भग० ३, १, ६, ६; ज० प०
७, १६६,

परिवहेजा वि० ठा० ३, १,

परिवहह प्रा० नाया० १, ८, भग० ६, ३३;

परिवहित्तए हे० कृ० वव० ८-१३-१४;
राय० २५८,

परिवदंत. व० कृ० पि० नि० ३५६,

परिवाच. पु० (परिवाद) अपवाद निन्दा
अपवाद; निन्दा. A slander, a censure
प्रव० ६२८, अ० १, १, विरो० १४५७,

परिवाहणी स्त्री० (परिवहिनी) तंत्री, वीणा
वीणा, तंत्री a lute. जीवा० ३, ३.

परिपाटी. स्त्री० (परिपाटी) पद्धति; अनुक्रम
पद्धति, परिपाटी; चाल, रीति. अनुक्रम a way;
usage; custom सम० २२,

परिपाटी स्त्री० (परिपाटी) अनुक्रम, परिपाटी;
रीति, पद्धति; व्यवस्था अनुक्रम; परिपाटी,
रीति; पद्धति, व्यवस्था. Serial order;
tradition, usage, custom, way.
ज० प० ७, १५७, भग० १, ३; ३, ५,
५५, ६, ५ २०, ५, २८, ३, नाया० अणुजो
१३१; पि० नि० २८६, विरो० १६१, ६१७,
अत० ८, १, संत्या० २, राय० १०६; प्रव०
१०५२, (२) तपनी श्रेणी, तपनु गणित
उपराने एनेस यंत्र-के कोष्टकी सिद्धिपद्धति.
तपकी श्रेणी, तप सम्बन्धी गणितके लिए बनाहुआ
यंत्र अथवा कोष्टकी सिद्धिपद्धति. An order
of austerities. A Siddhi row
of a table related to the
arithmetic of austerities भग०
३, ७, नाया ८; (३) जमखवार, जमवा
भेडल भाणुसोनी पडित ज्योनार, भोजनार्थ
बैठेहुए मनुष्योंकी कतार-पक्ति a feast;
a row of men sitting to dine.
उत्त० १, ३२.

परिवादिणी. स्त्री० (परिवहिनी) वीणा; सतार.
वीणा, सितार; वाद्यविशेष a lute; a satar
(a stringed musical instrument)
पण० २, ५;

परिवायणी स्त्री० (परिवहिनी) सात नारवाणी
वीणा. सात तारोंवाली वीणा a lute of
seven wires ज० प० राय० ८.

परिवार. पु० (परिवार) कुटुम्ब, कुटुम्बो,
अवयव, परिवार, कुटुम्बीजन, रवजन Family;
retinue, relations. भग० २, ५; ८.
३, १, ६, ५ ६, २. नाया० ८, ज० प०,
राय० १८,

परिवारण. न० (परिवारण) रोकना.
stopping पण० १, १.

परिवारयंत व. कृ वि० (परिवारयत्) परिवार
वधारने परिवारकी वृद्धि कताहुआ Increasing
the retinue. उत्त० १३, १४,
परिवारिअ-य. वि० (परिवारित) घेरायेल.
वीरायेल, व्याप्त घिराहुआ, लिपटाहुआ, व्याप्त
surrounded, wound up, full
उत्त० १४, २१; सम० प० २१०, नाया०
१; पत्र० २,

परिवारिया. सं कृ. अ० (परिवार्य) घेरील-
धने चेरकर; घेरा डालकर Having beseg-
ged or surrounded. सुप्र० १, ३,
२, २,

परिवाविया स्त्री० (परिवारिता) पावेसु उ-
भेरी पाखु रोपवायी उगे ते-शालो वगेरेनी
कृषि. शाली आदि धान्यकी कृषि-जिनके बोचे
हुए अकुरोंको उखाडकर फिरसे रोपना-जमाना
पड़ता है. Cultivation of rice etc.
which require transplantation.
ठा० ४, ४,

परिवित्तस. वा० I (परिवर्त्ति-वत्स) त्रास
पामवो; पीसु त्रासपाना; डरना, भयखाना To
be distressed or troubled.

परिवित्तसिज्जा. वि० आया० १, ६, ५,
१६५,

परिवित्ति स्त्री० (परिवृत्ति) लुब्धो 'परिवृत्ति'
शब्द देखो 'परिवृत्ति' शब्द Vide परिवृत्ति
क० प० ५, ३४.

परिविद्धसं. धा० I. (परि + वि + ध्वम्) ध्वञ्
 ३२वो; नाश ३२वो ध्वन कना; नाश कना.

To destroy; to annihilate

परिविद्धसंति. भग० ६, ३;

परिविद्धसेज्जा. वि० भग० ६, ७

परिविद्धसहता न० कृ० जीवा० १,

परिविद्धत्य. वि० (परिविद्यन्त) विनाश-ध्वंस

पामेस विनष्ट; ध्वंस. नाश कृपाहुया Destroyed; ruined. नृप० २, ३, २, भग०
 १६, ४,

परिविसज्ज धा० I. (परि + वि + सृज्) विभर्जन
 ३२वु. विभर्जन कना, आदरपूर्वक त्याग कना.

To dismiss; to give leave

परिविसज्ज नया० ८,

परिविसिद्ध. वि० (परिविगिष्ट) विशिष्ट; युक्त.

विशिष्ट, अधिकतुक. Especial; particu-
 larised भग० ६, ३३.

परिविस्त. स कृ० अ० (परिविद्य) पिररीति.
 नभाडीने फोसल; जिमाकर; भोजन करणक,

Having served food; having
 given food उत्त० १४, ६

परिवुड. वि० (परिस्त) व्याप्त, घेराओले;

घेराओले व्याप्त, घिराहुया, लपटाहुया Full;
 surrounded; wound up. ज. प

५, ११७, ११५, नाया० ५, १४, भग० ५,

६, ७, ६; १२, २. सू० च० २, उका० ७,

२०८, ५८६; नदी० म्य० ८, प्रव० ३६३

परिवुड्ड वि० (परिवुद्ध) पुष्ट; वृद्धि. पामेस.

अक्षयान पुष्ट, वृद्धियुक्त, बलवान Int,

strong, increased दम० ७, २२,

परिवुड्डि. स्त्री० (परिवृद्धि) वधाई; वृद्धि.

अधिकता, वृद्धि, वढती. Excess; increase

ज० प० ४, ६४, क० प० १, ६,

परिवुसिद्ध. वि० (पर्युषित) सयभभा उद्यत

विहारी; सयभतत्पर सयभमें तत्पर विहारी;

सयभशील Devoted to self-restraint

ब्रामा० १, ६, २ १८३; (२) यस्य, नि-
 वास ३२वो. बगलुया, गितान गियाहुया. Re-
 sident; inhabitant लि० ६,
 १२;

परिवुद्ध वि० (परिवृद्ध) अभय; शक्तिवान
 नमरी. शक्तिवान Able; strong. उ०
 ७, २,

परिवेष्टिय वि० (परिवेष्टित) आदरे नष्ट हो-
 टाओले. चारों ओरों घिराहुया. Surrounded
 on all sides नाया० १६, भग० ७, ६,
 ८, १०, १६, ६. लि० ३, ६; १६, २१;
 १० प०

परिवेस धा. II. (परिवेष) पीरसयुं
 पोसना. To serve food.

परिवेसेड. नाया० २, १६;

परिवेसेडता न कृ० नाया० २,

परिवेसेमाण. व कृ० नाया० ८,

परिवेस. पु० (परिवेष) अरु २४वने ३२वु कुआयु
 थाय छ ते चन्द्र सूर्यक चारो ओर दिखई
 घनवाला आभापूर्ण सटन. A revolving
 lustrous holo round the
 Moon and Sun. जीव० ३, ३,

परिवेसंतिया. स्त्री० (परिवेष्यन्तिका) धरना
 भाणसेने पीरसनारी-नभाडनाली स्त्री.
 घरके लोनोको परोसकर जिमाने-भोजन-करने-
 वाली स्त्री a female who serves
 food to the members of a
 family नाया० ७,

परिवेसण. न० (परिवेषण) पीरसयु ते.
 परोसनेका कार्य. Serving of food.
 पि० नि० ४५, ११६; ४४५;

परिव्वध धा० II. (परिवध्) विचरयु.
 विहरयु विचरण कना, विहार कना To
 roam; to play. (२) सयभ निर्वाह
 ३२वो. सयभ निर्वाह कना. To accom-
 plish self-restraint

परिव्वण वि उत्त० २, १६, आया० १, ५,
२, ५, ८७, १, ६, २, १८३;
सूय० १, १, ४, ३;

परिव्वणज्जासि वि. सूय० १, १, ४, १३,
२, ५, ३३,

परिव्वाह्या स्त्री० (परित्राजिका) सन्यासिनी
सन्यासिनी a female ascetic सूय० २,
७, १६, नाया० ८, आया० १, १, ३,
१५,

परिव्वायअ. पु० (परित्राजक) सन्यासी, तपस्वी
सन्यासिन्-तपस्वी and ascetic आया० १,
१, ३, १५, कप० १, ६.

परिव्वायग. पु० (परित्राजक) सन्यासी, सन्यासी,
परित्राजक an ascetic सूय० २, ७ १६,
नाया० १, ५, ८, भग० २, १, ११, १२, १४, ८,
पन्न० २०, अणुतो० १३१, सु० च० ८, १३८,
—आवसह पुं० (—आवसय) सन्यासीना भट्ट.
सन्यासीनोका भट्ट a monastery भग०
११, १२, —धम्म पु० (—धर्म) सन्यासीना धर्म.
सन्यासीका धर्म. The duty or reli-
gion of an ascetic नाया० ५, ८,

परिसंक्रमाण. व० कृ० त्रि० (परित्क्रमान) गुण
देपनी दूरकार सम्भतो, भेददूरकार न भनतो.
गुणदोषको दूरकार-अपेक्षा-रखनेवाला अनपेक्ष
न होनेवाला. (one) expecting or
attending to virtue and vice,
not uninterested. उत्त० ४, ७,

परिसंखा स्त्री० (परिसंख्या) मर्यादा, हद
मर्याद, हद, सीमा. Limit, boundary.
आउ० ५; (२) ज्ञान. ज्ञान Knowledge. दस० ७, १,

परिसंठिय. त्रि० (परिसंस्थित) सारी रीति स्थिर
रहेलु उत्तमतया कायम रहाहुआ, प्रतिष्ठापित
well established प्रव० १५६३,

परिसंत. त्रि० (परिस्रान्त) थाड़ी गयेलु थका
हुआ. नाया० १४,

परिसंभित्तार. त्रि० (परिसंभेत्) भेद पाडना.
भेद करनेवाला, खण्ड करनेवाला One who
differentiates or breaks सम० ३३,

परिसकिर. त्रि० (परिश्रविक) विस्तार पाभ-
वाना व्यापक. विस्तारशील. Exten-
sible. “वायवस विपुलगगण चवलपरिसकिरेषु”
नाया० १,

✓परिसिड. धा० I. (परि+शट्) सड़ी गयु;
झाडा गयु. सड़जाना, वास देने लगना. To
get rot, to decay. (२) उपयोगी
थयु; क्षमभां व्यापुं उपयोगी होना, काममें
आना. To be useful; to be ser-
viceable.

परिसिडइ. आया० २, १, ६, ५४,

परिसिडंति. अ० २, ३,

✓परिसिड. धा० II. (परि+शट्) डेंडो देवु, ड-
डो मुडुवु, धड्डेली देवु. (२) देवराववु. (३)
नाश करवो (४) पाडवु: अपेरेवु. फेंक देना,
धक्का देदेना (२) लिबाना, (३) नाश करना
(४) गिराना, खखरना. To throw away,
to push; to pour out; to
cause to take, to fell; to
shake

परिसाडेइ-ति. निसी० १, ५६, नाया० १,
भग० ३, १, राय० २६, ३२;

परिसाडंति. आया० २, १५, १७६;

परिसाडइत्ता. स कृ जीवा० १; पन्न० २८.
भग० ३, १;

परिसाडंत व. कृ निसी० १, ५६;

परिसडित. त्रि० (परिसडित) सड़ी गयेव; पड़ी
गयेव. सड़ाहुआ, पतित, अष्ट. Rotten,
fallen. निर० ३, ३. —कन्दमूल न०

(—कन्दमूल) सड्या पड्या कन्दमूल. सड़े
पिड़े कन्दमूल. Rotten roots. निर० ३, ३,

परिसिडिय. त्रि० (परिसिडित) सड़ी गयेलु.
सड़ाहुवा Rotten, ओव० ३८, नाया० १;

भग० ७, ६, राय० २५८; ज० १० —उज्जु.
 ग्री० (—उज्जु) सत्री गंधर्वी देशी गंडीहुरे
 रस्सी. a rotten rope. नाया० ६;
 ✓परिस्त्प. धा० I. (परिस्त्प) अरुंधी अरुंधीने
 आलवु. रंगते छुट्-मरते २ चनना. To
 crawl.

परिस्त्पेति. मय० १, २ २, ११;

परिस्त्प पु० (परिस्त्प) पेटुअर ३ अनीलर
 आलनार आली; सनीदि चैट या हत्तीके
 बल रंगनेवाले नर्ष आदि A reptile c.
 g. a serpent etc. उत० ३६, १५८;
 भग० ८, १, जीव० १, पत० १;

परिस्त्पिणी. ग्री० (परिस्त्पिणी) अनीलर
 आलनार निर्धयली; नागशु पजेरे. छातीके
 बल चलेनेवाली तिर्थच पत्नी-नागिन आदि a
 female reptile. जीवा० १;

परिस्त्पणीय. वि० (परिस्त्पणीय) सम्पूर्ण
 इरेडु. सम्पूर्ण-सम्पन्न. समाप्त कियाहुआ.
 Finished. विशेष० १०१२;

परिस्त्पणिय. वि० (परिस्त्पणित) परिपूर्ण इरेडु
 परिपूर्ण कियाहुआ. Fulfilled. विशेष० ३६०२;

परिस्तर. पु० (परिस्तर) अष्टापद जनावर.
 अष्टापद जानवर आठ पैरवाला पशु. An octo-
 ped. आया० २ १, ५, २७,

परिस्तरिस्त्प. हे. क. ग्र० (परिस्तरिस्त्प) सला
 रवाने. स्मरण करनेके हेतुमे; स्मृत्यर्थ. For
 remembrance. व० ५, १८,

परिस्तर. पु० (परिस्तर) आश्रित आनी पडतु
 इष्ट; उपसर्ग. लूप्प तरस पजेरे आवीस
 परिपड सहन इरेवा ते. अकस्मात् आगिने-
 वाली विमति. उपसर्ग, भूख, प्यास आदि २२
 परिस्तरोंका सहन an accidental misery,
 vis major, trouble, endurance
 of 22 miseries e. g. hunger,
 thirst etc. ओव० १६; सम० २२; राय०
 २६४, कय० ५, १०३; प्रव० १६-६६४;

भग० १५६; —उपसर्ग. पु० (—उपसर्ग)
 आश्रित अने इष्ट आपति; अनुप्य नि-
 र्धयहन परिपड अने देवदूत उपसर्ग. मा-
 नुषिक तथा दैविक आपति, मनुष्य निर्धयहन
 परिपड तथा देवदूत उपसर्ग Human and
 divine calamity. दगा० १०, ३;
 —वृत्तिय. पु० (—वृत्तिय) परिपडनु इरेडु-
 निमित्त. परिपडका कारण-निमित्त. The
 cause of calamity. भग० २ ७;

परिस्ता ग्री० (परिस्ता) प्रभवा; सला; श्रो-
 ताओनी सम्पद; इयेरी. सभा; श्रोतृसमाज;
 कवर्हा. परिस्ता an assembly; audi-
 ence, a court. ओव० ३४, ठा० ३,
 १, सूय० १, ४, १, १८, अष्टुत० ३ १,
 उ० २२, २१, २५, १२; भग० १, १;
 २, १; ३, १, १०; ७, १०; १४, २; १५, १,
 नाया० १: २: ५: ८. १३; १६; दसा० ३,
 २७-२८-२९-३०: ४, १६; ५, ७; ६,
 ४; ६, १०, १०, ११; सू० १० १, १८;
 वि० १०५६, २३५५, नंदी० स्य० ४६.
 जीवा० ३, ४; निती० ६, ११; सु० च० ३,
 ३८६, ८, ४२; ज० १० ५, ११५; राय०
 ६५, कय० २, १३, ५, १०७, प्रव० १३१.
 ८६२; गच्छा० १२८; उवा० १, ६, ११; ८,
 २३५, २५८, दस० ४; —उपवराणाय.
 वि० (—उपवराणाय) सलाभां उत्पन्न थयेल
 सभामें उत्पन्न Born in an assembly.
 भग० ३, २; —मज्झ. न० (—मज्झ)
 सलाानी मध्ये; सलाानी अंदर. सभाके बीच,
 सभामध्य. सभामें. In the midst of
 an assembly. निती० १४, ४८;

परिस्ता वि० (परिस्ताविन) जेभांथी सहेज
 साज पाणी अरतु होय ओतुं इरेडु. वह
 मल्ला जिससे सभाकेही सरलतया पानी मल
 रहाहो. a raw thing from which
 a little water oozes out. ठा. ४, ४;

परिसाड पु० (परिशाट) विनाश इत्येते
विनाश कार्य Destruction. (२) पाड्यु,
पटड्यु गिराना; पटकदिया To let fall
पि० नि० ५००, पत्र० १

परिसाडण न० (परिगाटन) गर्भपात इत्येते,
गर्भानु पाड्यु गर्भपात कर्ता, गर्भ गिराना
abortion. पि० नि० ५११,

परिसाडणिया स्त्री० (परिशाटनिका=परिशाटन)
रस्ताभा टहिरातु-टोणातु होय नेवी रीते
आडारादि लघु आपवा ने रास्तेभर गिरता
हुआ आवे इस भौति-नेमे परिभाणमें आहारादि-
का लाना Bringing of food in a
manner in which it falls out
आव० ४, ५,

परिसाडि स्त्री० (परिशाटि) घेरायु, टोणातु.
ढुलना, गिरना, बिखरना Falling down,
scattering. पि० नि० ५५२,

परिसामंत पु० (परिसमत) पथ-नयनि प्रदेश,
अंतर्भाग (२) आरे नरक्ष अन्तिम प्रदेश,
पर्यन्त भाग (२) चारों ओर The bound-
ary, the extremity, on all
sides जीवा० ३; १, भग० १३, ४,

परिसामिय त्रि० (परिण्यामित) जणु थयेतु
काला बनाहुआ, कृष्ण क्रियाहुआ Blackened
नाया० १,

परिसाविय त्रि० (पर्युक्ति) वासी राखेला
वासी रखाहुआ kept stale निक्षी० ११.
२८,

परिसावियाण स० कृ अ० (परिसाव्य) गाणाने,
गणाने. गालकर, छानकर, गलकर, चूकर
straining, oozing out आया० २,
१, ८, ४३,

✓**परिसिंच** धा I. (परिसिच) सिंचयु,
पाणी रेतु सींचना, पानी देना, छिड़कना. To
sprinkle; to water.

परिसिंचेजो वि० उत्त० २, ६,

परिसिंचमाण व. कृ नाया० १, भग० ८,
३३, १५, १, कय० ३, ४६,

परिसिद्ध वि० (परिणिष्ट) आडी रहेलुं, व-
धारातु शेष बचाहुआ, अवशिष्ट Remain-
der; residue आया० २, २, ३, ८०,
परिसीसक न० (परिशोषक) आटा पगेरेथो
अनावेलेो भाथानेो आडार आटे आदिकी
बनाई हुई सिकी आकृति An image of
a head made of flour etc.
पगह० १, २.

परिसुक्क त्रि० (परिशुष्क) सुडेलु सुखाहुआ.
शुष्क. Dried. उत्त० २, ५. विवा० २;

✓**परिसुज्ज** धा. I (परिशुज्) निर्मल थयु
निर्मल होना, पवित्र होना To be pure
or clean.

परिसुज्ज-ति उत्त० २८, ३५, दसा० ५, ३.

परिसुण त्रि० (परिशून्य) सर्वथा शून्य.
सर्वथा शून्य, नितान्त सूना. Vacant in all
manners विशेष० २५६,

परिसुद्ध त्रि० (परिशुद्ध) शुद्ध; निर्दोष शुद्ध,
अति निर्दोष-पवित्र Pure, clean; fault-
less. भत० १०७. पंच० १, ३३, २, २८,
३. १. ४, ८०; ६, ४६,

परिसेय पु० (परिषेक) पाणी छोटयु ते
पानी छिड़कना Sprinkling of water.
पि० नि० भा २३,

परिसेस पु० (परिषेप) आडी रहेलु, अवशेष
बाकी बचाहुआ, अवशेष Remainder,
residue. विशेष० २७५, क० ग० ६, ७२,

परिसोढव्व त्रि० (परिसोढव्य) सहन इत्यु
सहन कर्ता-नेके योग्य Endurable. विशेष०
३००४,

परिसोसिय त्रि० (परिशोषित) सुडयी नाभेलु.
सुखायाहुआ. Dried. उत्त० १२, ४, नाया० १,

परिसोहिय त्रि० (परिशोधित) विशेष शोधेलु.
विशेष रूपसे शोधहुआ especially
purified. जीवा० ३, ४,

परिस्संत. वि० (परिश्रान्त) अनिशय थांडल; श्रमित थयेल अन्यन्तग्रान्त; थकाहुआ. much exhausted, tired नाया० १; ६; ओव० ३१, सु० च० १२, ८, क० ४, ६१;

परिस्सम. पु० (परिश्रम) परिश्रम; थक. परिश्रम; थकावट. Exhaustion; weariness. ओव० ३१; नाया० १, १३; वि० ११६६, ओव० नि० ५२१. भन० १६३; क० ४, ६१;

परिस्सव. पु० (परिश्रव) कर्म त०वाना स्थान; कर्म छोडवाना हेतु. कर्म नजने-त्यागनेके स्थान, कर्म त्यागके हेतु. The stage or reason of abandoning karmas. आया० १, ४, २, १३०;

परिस्सवमाण. व. कृ. वि० (परिस्सक्) चलते वहाहुआ. Flowing. वि० १,

परिहृत्थ. वि० () दुशीया२; निपुण. होगियार, चतुर, निपुण. wise, adept; skilful. ओव० २१, (२) थपु, ग० १. much more. नाया० १३. जीवा० ३, १, (३) लरेडु; ल२पु०. भरहुआ, परिपूर्ण, भरपूर Full; complete. क० ३, ४२,

✓परिहर. धा० II. (परि+हृन्) परिहर ३२वे, त०पु (२) १६२तु, धारण ३२तु (३) धारणतु. परिहार काना, छोडना. (२) पहिना, धारण काना. (३) भुगताना; सहन कवाना. To renounce; to avoid. (2) to wear. (3) to endure, to suffer. परिहरेह निवी० १२, १४-१५;

परिहरंति. दस० ६, २०-३६,

परिहरे. वि० उत० १, २४;

परिहर. आ. भत० ६७;

परिहरतु. भग० २५, ७.

परिहरित्तप. हे कृ वेय० १, १६-३७, ३, २४,

✓परिहर. धा० I. (परि+हृणि) उपभोग ३०वे. (२) त०पु. उपभोग काना. (२) तजना; त्यागना. To enjoy, to renounce, to abandon.

परिहारयति. जीवा० ३, १;

परिहारित्तप. हे कृ क० व० ७, १७,

परिहरण. न० (परिहरण) ६२ ३२तु. (२) परिभोग. द० काना. (२) परिभोग. To set aside; extent. वि० २६१७; पि० नि० १८६; —अरिह. वि० (—अर्ह) भोगववा योग्य भोगने योग्य; नोग्य. Fit to be enjoyed. वेय० ३, २६, ४, २४, क० ७, १७; —विसंहि स्त्री० (—विशोधि) परिहरण-तप विशेषनी शुद्धि परिहरण तप विशेषनी शुद्धि Purity due to Pariharana (a kind of austerity). ठा० ५, २;

परिहरणा. स्त्री० (परिहरण स्त्रीत्व प्राकृत्यात्) लुओ 'परिहरण' श०६. देखो 'परीहरण' -शब्द. Vide 'परीहरण' पि० नि० १६७, परिहरिय. वि० (परिहृत्) त०पु; छोडु ल्यक्त; छोडहुआ Abandoned; left off. भग० १५, १; सु० च० १, २७२;

परिहरियच्च. वि० (परिहृत्त्य) त०पु लाप३. (२) उपभोगने योग्य छोडने योग्य, त्याज्य (२) उपभोग योग्य Fit to be avoided; fit to be enjoyed. भग० २८, २; प० २, १; प्र० ६४७, पचा० ७, १६;

✓परिहा. धा० I. (परि+हृ) थ२तु, ओछु थुं घटना; कप होना. To decrease; to lessen

परिहाइ—नदी० १३;

✓परिहा धा० I. (परि+हृ) थ२स थवे; ओछुं थुं. घट होना; नारा होना; क्षति होना. To be destroyed or ruined.

परिहायइ-ति. सुय० १, २, २, १६; भग० २४, १,

परिहायंते—विं० नि० ४५,

परिहायंत—व० कृ० ३६, ५६,

परिहायमाण—व० कृ० भग० ६, ३१,
११, ११, नाया० १०, १३, निग०
३, २, पत्र० २,

परिहा. स्त्री० (परिखा) नाथ साडडी અને
ઉપર પહેળી ખોદેલી ખાઇ નીચેમે સેકડી
ઝોર ઉપરકી ઝોર ચોડી खुदी हुई खाई a
ditch broad at the mouth and
narrow at the bottom अणुजो०
१३४ भग० ८, ६. मु० च० २ ७, पत्र०
२, ज० ५०

परिहाण न० (परिधान) पञ्चादिक પહેરવા તે,
વસ્ત્ર, પોષાક. वस्त्रधारण, वस्त्रा, पोषाक. a
garment, a dress सु० च० २,
३२७, पत्र० २,

परिहाणि. स्त्री० (परिहानि) હાનિ, ઘટાડો.
હાનિ, ઘાટા, નુકસાન. Loss, decrease.
પત્ર० ૨, જ૦ ૫૦ ૨, ૨૬ પંચાં ૧, ૪૮,

परिहार. पु० (परिहार) માસ, લઘુમાસાદિ પ્રાયશ્ચિત્ત-
તપ વિશેષ. માસ, લઘુમાસાદિ પ્રાયશ્ચિત્ત-
તપ વિશેષ a particular austerity.
વેય० ૨, ૪, ૩, ૨૪, ૪, ૨૬, વિશે० ૧૨૭૨,
વવ० ૧, ૨૨-૨૩, ૭, ૧૭, ૮, ૫, ક૦
ગ૦ ૩, ૧૮, ૪, ૧૫ ૪૪, (૨) ત્યજ્યું તે,
ત્યાગ છોડના, ત્યાગ. abandoning,
divorce પંચાં ૧૬, ૨૧. —ઠાણ. ન૦
(-રથાન) પ્રાયશ્ચિત્તનું ઠેકાણું. પ્રાયશ્ચિત્ત સ્થલ
The place of expiation. વેય० ૧,
૩૬, વવ० ૧, ૧-૨૦ ૬, ૧૬, નિસી० ૨૦,
૧૦-૧૧ —પત્ત. વિં० (-પ્રાપ્ત) પ્રાયશ્ચિત્તને
પામેલું. પ્રાપ્ત પ્રાયશ્ચિત્ત expiated. વવ०
૨, ૨૨,

परिहारग. पु० (परिहारक) પાપ કર્મને દૂર
કરનાર મુનિ પાપ કર્મકો દૂર કરને વાલે મુનિ.
a sage who spurns sins. ભગ०
૨૫, ૭.

परिहारविशुद्ध. न० (परिहारविशुद्ध) પરિહાર
વિશુદ્ધ ચારિત્ર, ચારિત્રના પાંચ પ્રકારમાનો
ત્રીજો પ્રકાર, જે ચારિત્રમા તપ સાધુ એક
મણ્ડલરૂપે રહી અદાર મહિના સુધી વારા
ફરતી તપ કરે છે તે તપ વિશેષ પરિહાર
વિશુદ્ધ ચારિત્ર, ચારિક્કા ત્રીસરા પ્રકાર, જિમ
ચારિત્રમે તપ સાધુ કપડલહર મેં રહકર અ-
ઢાગ્હ માસવર્ષનંત અનુક્રમસે તપ કરતે હૈં વઢ તપ
વિશેષ a life purified by a parti-
cular austerity the 3rd variety
of conducts out of five, an
austerity in which nine ascetics
form a group and perform
ansterity turn by turn for
18 months. ઓવ० ૨૦,

परिहारविसुद्धि. पु० (परिहारविसुद्धि) પરિહાર
વિશુદ્ધ ચારિત્રવાન સાધુ પરિહાર વિશુદ્ધ
ચારિત્રવાલા સધુ. An ascetic perform-
ing a particular penance વડ૦
૩૩, પત્ર० ૧,

परिहारविसुद्धिय. न० (परिहारविसुद्धिक) પરિ-
હાર વિશુદ્ધ નામે એક અદાર મહીનાનું
તપ છે, તે તપને યોગ્ય તપ સાધુઓનું એક
મણ્ડલ વારાફરતી તપ કરે. ગ્રીષ્મ ઋતુમાં
જ્યય એક ઉપવાસ મધ્યમ છટ્ટ અને-
ઉકૃષ્ઠ અહમ, શીયાગામા છટ્ટ, અહમ અને
ચાર ઉપવાસ, ચોમાસામા અહમ, ચાર અને
પાંચ ઉપવાસ કરે, પારણે આયમિલ કરે,
પ્રથમ ચાર સાધુ જ માસ મુધી ઉપર પ્ર-
માણે તપ કરે ખીજા મેવામા રહે, પછી
ખીજા ચાર જ મહિના સુધી અને પછી
એક સાધુ જ માસ મુધી તપ કરે એમ
અદાર મહિને પરિહાર તપ પૂર્ણ થાય તેથી
જે વિશુદ્ધિ થાય તે વિશુદ્ધિ દશામા જે
ચારિત્ર હોય તેનું નામ “પરિહારવિશુદ્ધિય”
ચારિત્ર, ચારિત્રનો ત્રીજો પ્રકાર પરિહાર વિ-

शुद्ध नामक अग्रह महीनेका एक तप. यह तप नौ योग्य साधुओंके एक मंडलद्वारा अनुक्रमसे किया जाता है, शिष्टमनुमें एक उपास जघन्य, कुछ मध्यम और अष्टम उत्कृष्ट, जाड़ेके दिनोंमें कुछ, अष्टम और चार उपवास, वर्षाकालमें चार आठम तथा पांच उपवास करते हैं पारणवसपर आय-म्विल करते हैं। प्रथमतः चार साधु छ मास पर्यन्त उपोक्त विधिमें तप करते हैं और शेष उनकी सेवामें उपरिथन रहते हैं फिर दूसरे ४ छ मास पर्यन्त और फिर एक साधु छ मास तक इस प्रकार अग्रह पहिनोंमें यह व्रत पूर्ण होता है। इससे जो विशुद्ध होती हैं और जो चारित्र्य तयार होता है उसे “परिहारविशुद्धिय” चारित्र्य कहते हैं; यह चारित्र्यका तीसरा प्रकार है An austerity so named extending upto 18 months, this is performed by 9 saints turn by turn. पचा० ११, ३; उत्त० २८, ३२; भग० ८, २; २५, ६-७,

परिहारिअ-य. पु० (परिहारिक) दोषना परिहार करी शुद्ध आहार लेना साधु. दोषका परिहार करके शुद्ध आहार ग्रहण करनेवाला साधु an ascetic who accepts pure food avoiding all faults. आया० २, १, १, ४, निसी० २, ४०; विशेष० १२७२, वव० १, २२. प्रव० ६१०.

परिहारिय. त्रि० (परिहार्य) परिहरेया-तर्जया यात्र. परिहार करने या त्यागने योग्य Fit to be avoided or abandoned वव० ७, १८,

परिहास. पु० (परिहास) हँस्य, मस्करी मजाक. Laughter; a joke सूय० १ १४, १६,

परिहि. पु० (परिधि) घेरावा. घेरा, परिधि Circumference प्रव० १४१७,

परिहिअ-य. त्रि० (परिहित) धारणु करेले; पहरेले धारण कियाहुआ, पहिनाहुआ worn;

put on. ज. प. ३, ५८; सूय० २, २, ५५; श्रौव० ११, २२; भग० २, ५, ६, ३३; ११, १२; नाया० १, २, ५; ८, १६, सू० प० १, पत्र० २; नाया० घ उवा० २, ११२.

परिहीण. त्रि० (परिहीन) छिष्ट; ओष्ट. हीन, क्षुद्र, हलका Less; light. ज प ५, ११५, प्रव० ६७७,

परिहीन. त्रि० (परिहीन) रहित; हीन. रहित. हीन. Destitute of, devoid of. राय० ३६,

परीसह. पु० (परीसह) साधुओंमें सहन करवानुं श्रुत्य, तस्स वगेरेनु क्षु. साधुओंको सहन करने योग्य भूख, प्यास आदिका कष्ट. an affliction of hunger, thirst etc. fit to be borne by saints श्रौव० ३६, उत्त० २, १-१४, सम० ६; २२, भग० १, ६; २, १, ८, ८, नाया० १; दस० ३ १३; १०, १, १४, राय० २१५;

परिप्लव. न० (परिप्लव) छन्दियोनी सहायताथी यतुं जान, परीक्षणान. इन्द्रियोकी सहायतासे होनेवाला ज्ञान; परीक्षणान. a knowledge produced by the help of the senses, perceptual knowledge. नदी० २४; सु० च० ५, ७१, —वयण. न० (-क्व) नगर अक्षरानुं छं अतापवानु वयन; नेमके-ते-देवदत्त. इससे परे किसी पदार्थका निर्देश-यथावह-देवदत्त a word indicating an object beyond sight e. g. that Devadutta etc. आया० २, ४, १, १३२;

परिप्लव त्रि० (परिप्लव) रोयेले, रुदन करेले रोयाहुआ; रुदित; रुदन कियाहुआ (one) who has cried; wept. भग० १५, १,

परिप्लव. त्रि० (परिप्लव) कठिन; कठोर. कठिन; कठोर Hard; cruel. सूय० १, २, २, ५;

परुड. वि० (प्ररुड) उग्रेलु; वधेलु उगाहुआ;
वडाहुआ. grown; thriving. भग० ७,
६, पणह० १, ३; ओव० ३८, —मूल वि०
(-मूल) अ-मज्जुत थयुं छे मूल जेनु ते.
रुढ-मज्जुत मूलवाला, रुढमूल firmly
rooted. भत्त० ५३,

✓परुव धा० I II. (प्ररुव) निरूपयु
करु निरूपण काना. To expound
परुवेइ ज प ७, १७८, ओव० २७,
४०; भग० ८, २. १६, ६, उवा० ८,
२६२.

परुवइ. भग० ३, १,

परुवेति भग० १, ६; २, ५, ५, ३-४,

परुविति आया० १, ४, १, १२६;

परुवेमि भग० २, ५, ७, ६.

परुवेज्ज वि. भग० ६, ३१,

परुवेह आ भग० १५, १;

परुवि(वि)स्सं. भा वि० १७६, ४४३,

परुवित्ता मं कृ ठा० ३, १,

परुवेमाण. व कृ भग० ३, १, ६, ३३;

११, १२, नाया० ८, ओव० ३८,

परुवित्ति. व. कृ. गन्ध० २४,

परुविज्जति. क वा लभ. व० १७०,

परुवगाया. स्त्री० (प्ररुवण) विचारपूर्वक ध्यान,
प्ररुपण. विचारपूर्ण कथन, प्ररुवणा Ex-
pounding, explanation सम० २;
वि० ४०७,

परुवणा स्त्री० (प्ररुवणा) प्ररुपण करुनी
प्ररुवणा काना. Explanation. अणुलो०
७३ १३८, भग० २५, ३; पि० नि० ३,

परुविचय. वि० (प्ररुपित) निरूपयु करुल.
निरूपित Enplained. अणुनो० १६;

परुवज्ज. अ० () ५२म दिवसे. परसेके
दिन. Day before yesterday or
after tomorrow. पि० नि० २४१;

परुइय. न० (प्ररुदित) रुदन करुनु. रोना.
विलाप काना; रोसु वहाना. crying; weep-
ing वि० १७५४;

परुक्ख. न० (परोक्ष) इन्द्रिय अने मननी
सहायथी जे ज्ञान आय ते; परोक्ष ज्ञान;
प्रत्यक्ष नही ते. इन्द्रिय तथा मनके योगसे
होनेवाला परोक्ष ज्ञान Knowledge pro-
duced by the union of the
mind and senses. ठा० २, १, वि०
८८, ५६७; नदी० २, प्रव० ६०३; वव० ७, ४;

परुक्खत्त. न० (परोक्षत्व) परोक्षपणुं.
परोक्षता The state of direct
perception वि० ८५,

परुप्पर. पु० वि० (परस्पर) ५२२५२; अन्धो-
न्ध. परस्पर; अन्योन्य, एक दूसरेके सम्बन्धका,
आपसका. Mutual; one another. भग०
८, १०; १२, १०, सु० च० ५, ८, पत्र० २२;
ज० प० १, १४; क० प० २, ३;

परुप्परओ अ० (परस्परतस्) ओक्षणीगथी.
एकदूसरेसे. From one another.
वि० ७२;

परुहड. न० () अज्ञायु भोयइ
उजेला भोयरा-तलवर. An unknown
cellar ओष० नि० ४१७,

पल. न० (पल) ओक्ष प्रकरनु वजन, ताल
एक ताल-माप विशेष A measure.
अत० ६, ३, प्रव० १३८४, (२) दशमा
देवलोकांनु ओक्ष विमान, ओनी स्थिति वीस
सागरोपमनी छे, ओना देवता दशमे महिने
आसोच्छवास ले छे, ओने वीस उन्नत
वरसे क्षुधा लागे छे (२) दसवें देवलोकका
एक विमान, इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी है,
इसके देवता दसवें महिने आसोच्छवास लेते हैं.
इन्हे वीस सहस्र वर्षों भूख लगती है. A
celestial abode of the 10th
Devaloka; its gods live for

20 Sāgaropamas (a measure of time), breathe once at the 10th month and feel hungry once in 20000 years. सम० २०, (३) भास. मांस, गोस्त, आमिष. Flesh ओष० १०;

पलंडु. पु० (प्लाण्डु) दुग्णी, प्याज, प्याज. Onion. उत्त० ३६, ६७, अग० ८, ५, नि०नि० १६४, पद्म० १;

पलंव. पु० (प्रलम्ब) लुग्म-लट्कतां क्षोणेो जुमपो लुम्ब-लुपकीका भुमका. A liang-ing bunch आया० २, १, ८, ४५; दत्त० ५, १, ७०, उवा० २, १०१; (२) क्षुसले। aulas of corn. आया० २, १, १, ३; (३) त्रि० दीर्घ, लाथु दीर्घ, लम्बा. Lengthy. ज. प. ५, ११५; ७, १६६, नाया० १; दत्त० १०, १, पत्र० २, ज० प० राय० ८०; (४) न० क्षल फल. A fruit. द० ४, १; (५) पडिलेहाना वस्त्रोना पुष्पा दम्पावत-जे यथाथी लागतो दोष, पडिलेहाना दोषनेो ओक्ष प्रक्षार पडिलेहके वस्त्रोके कोणको लम्बा कम्पा-खांचनसे लगता हुआ दोष, पडिलेहका दोष विशेष A fault due to stretching the corners of a cloth which is to be especially cared for, a fault of Padilehanā. उत्त० २६, २७, (६) महा शुद्ध देवलोडनु ओक्ष विमान; ओनी स्थिति सोण सागरापमनी छे; ओ देवता आड महिने श्वासो छपास ले छे ओने सोण उत्तर वर्षे क्षुधा लागे छे. महाशुद्ध देवलोका एक विमान, यह देवता आळवे महिने श्वासेच्छ्वास लेते है तथा इन्हे सोलह सहस्र वर्षोमे भूख लगती है. A celestial abode of Mahā Śukradevaloka. Its gods breathe at the 8th month and feel

hungry once in 16000 years. सम० १६; (७) जुमणु, ओक्ष अतनुं धरेणुं भुमका; एक ग्राम्भण विशेष. An ear ornament. ओष० २२; पद्म० १, ४; (८) प्रलय नामे आहं भुर्ता. प्रलय नामक आठवो सुहृत्. The 8th Muhūrta named Pralamba. ताम० ३०; (९) प्रलय नामनेो गृह प्रलम्ब नामकग्रह A planet so named. द० २, ३, सु० प० २०, —कुक्खि. सी० (—कुक्कि) लट्कतो पेटनेो लाग. पेटका लट्कताहु भाग. The suspending portion of a belly. नाया० ८, —चनमालाधर त्रि० (—चनमालाधर) पग सुधी लांणी पायवर्णा पुष्पनी मालाने धारणु करतार. पैरोलक लम्बी पंचवर्णी पुष्पोकी मालाको धारण करनेवाला. One who puts on a garland of five sorts of flowers reaching the feet. कय० २, १३,

पलंवमाण. त्रि० (प्रलम्बमान) जप्पातु; लट्कतु. लम्बा होता हुआ. लट्कता हुआ. Hanging, lengthening ज० प० ५, ११५, ओष० १२, राय० ६४; दत्ता० १०, १; कय० २, १४; ४, ६२,

पलंवसुत्त. न० (प्रलम्बसूत्र) जुमणु. भुममन, भुमका. An ornament. त्रि० ७, ८,

पलंवित्तप. हे० कृ अ. (प्रलम्बवित्तम्) लट्क-ववाने, लट्कानेके लिए To suspend or hang. दत्ता० ७, १,

पलंविय. त्रि० (प्रलम्बित) लट्कावेल. लट्का-याहुआ. Suspended. वेय० ५, २२;

पलंविर. त्रि० (प्रलम्बशील) धाणुं लांणुं. अति लम्बा. Very long. सु० च० १, १४२;

पलज्जण. त्रि० (प्रज्जण) रंजन थयेल; अणु-रागयाणो रजित, अनुरक्त Coloured; attached ओष० ४१,

पलल. न० (पलल) तल्लो छुटे., तल्लवट
Pounded Tila seeds. पिं० नि०
१६५; पण० २, ५,

पललिय. न० (प्रललित) विशेष क्रीडा. क्रीडा
विशेष A particular play. नया० १,

पलत्रिय. न० (प्रलत्रित) अर्थ रहित अशु
ने. अर्थहीन प्रलाप Meaningless talk.
पण० १, १,

पलसइआ स्त्री० (पलसत्तिका) अष्ट सौ पणनी
अष्ट तुला एक सौ पलक्री एक तुला. A
balance of 100 Palas. अणुजो०
१३३;

पलाइय. त्रि० (पलायित) भागी गयेल. भगा
हुआ, पलायित Run away. दत्त० ४,

पलाय. न० (पलायन) नाशी जवुं ते. भग
जाना; पलायन. Run away. ओप० नि०
४६७, सु० च० १, २६४,

पलायण न० (पलायन) नासवु, भागवुं
भगाना; पलायन करना. Running. ओष०
नि० भा० २६; उत० १४, २७, नया० ३;
पिं० नि० १२५,

पलाल न० (पलाल) पराण, धुँ वजरेने
लु सो. सूक्ष्मा, गेहू अदिका भूसा Chaff,
husk; straw आया० २, ७, २, १६१,
अणुजो० १३१, उत० २३, १७, राय० २६६,
पचा० ८, ४५, —पीढय पु० (-पीक)
पराणनी ओईष्ट सूक्ष्मेकी बैठक a straw
seat निरी० १२, ६, —भार. पु० (-भार)
पराणने लार सूक्ष्मे-भूसका भार. a
bundle of straw भग० ८, ६,

पलालग. न० (पलालक) पराणनु पथरशु
सूक्ष्मे-भूसका बिहोना. a straw-bed.
आया० २, २, ३, १००,

पलाव. पु० (प्रलाप) निरर्थक जेववु ते.
निरर्थक वकवाद. a jargon. ठा० ७, १,

पलावय. त्रि० (प्रलापक) प्रलाप-अशवाह ३२-
नार. प्रलापी, वकवादी a prattler; a
babbler. भग० १५, १,

पलावि त्रि० (प्रलापिन्) प्रलाप-अशवाह ३२नार
प्रलाप जानेवाला, वकवादी a prattler.
भग० १५, १, पण० १, २;

पलास. पु० (पलाश) आभरानु आड. खाख-
रेका-पलासक-वृक्ष. The Palāśa tree.
अणुजो० १३१, भग० ११, ३, २२, २,
नया० ४, पत्र० १, कय० ३, ३६; (२)
दिशकुमार देवताकु चैत्यवृक्ष. दिशकुमार देव-
ताका चैत्यवृक्ष a memorial tree of
the Diśa Kumāra god. ठा० १०, १,
(३) पलाश नामने देवता. पलाश नामक देवता.
A god so named भग० ३, ७, (४)
पत्र; पाड्डु. पत्र, पत्ता, पत्रा, पान a leaf.
आया० १, ६, १, १७२, निरी० ५, १३;

पलासअ. पुं० (पलाशक) आभराने नामे
पाडेले डोछनु नाम. पलाशके नामपर खाडुआ
किलीका नाम-पलाश नामवाला An indivi-
dual named Palāśa. अणुजो० १३१,

पलासकूड. न० (पलाशकूट) लक्ष्माल वनना
आहं दिगुरित कूटमानु छु कूट-शिपर
भद्रसाल वनके माठ दिगुरित कूटोसेसे कूट कूट.
The 6th peak of the 8 Dig-
hasti peaks of the Bhadrāsāla
ज० प०

पलासग. पु० (पलासक) मात्रीयो; मात३-
लधुनीत करवानु लागन. A vessel to
make व० २, २७,

पलिअंक पु० (पल्यङ्क-पर्यङ्क) पल्लग, पल्लग,
पर्यङ्क. A cot; a headstead. सम्प०
१८, ज० प० ७, १५६; १, १६,

✓**पलि-इ.** धा० I. (परिभङ्ग) आरे तरस्थी
पामवु. चारों ओरसे पाना To receive
from all sides.

पलिति. स्य० १, १, ४, ६.

✓पलिउंच धा० I. (परिगुण) अपवाप
इवे; पारी यान छुपावपी. झालाप
कना, देप द्विपाना. To hide a fault;
to tell a lie.

पलिउंचंति. उत्त० २७, १३;

पलिउंचंति स्य० १, १३, ४,

पलिउंचिय. निती० २०, १,

पलिउंचगा. वि० (पकिञ्चक) भीन्नने छेन-
रना२. दुर्यंको धेरा दनेवाला; विश्रामतक
परवंचक. One who deceives ano-
ther. उत्त० ३४, २५.

पलिउंचगा न० (पकिञ्चन-पकिञ्चते आत्मा
वचनां प्राप्यते येन) भाषा; इपट; माया;
काट; छल Deceit, fraud; illusion
स्य० १, ६, ११,

पलिउंचगाया श्री० (प्रतिकुञ्चनता) नम,
भाषा दम; भाषा Hypocrisy; fraud.
भग० १२, ५.

पलिउंचगा. श्री० (पकिञ्चना) भाषा, इपट.
भाषा, कपट वंचना. Deceit; fraud;
cheating. अ० ४, १,

पलिउञ्जिय. वि० (परिगुणिक) विशेष ज्ञान-
ना०, विशेषत विद्वान्ना A connoisseur
भग० २, ५,

पलिउञ्जिय न० (पल्लोपम) ओष्ठ जेजल
(आर गाडि) नो लामो पलोणो दुवो पारीड
वावाअथी हारी २ ने लया पछी सो सो वपे
ओष्ठ पण्डु इडाउतां नेटवा वपतमां दुवो
नैन आसो आय नेटवो वपत; दुवानी
उपमाये गगातो डाय. कृष्णो उपमासे गिता
जनेवाला कल. A period of time
counted according to a simi-
le of a well viz. that time
which is required to comple-
tely empty a well which is

one yojana (8 miles) long and
wide by removing one hair
after every 100 years when
it is filled up closely by the
ends of hair ज० १, १५; ओष्ठ
३८, अणुजो० ११५, १३६; ठा० २, ३-४,
सप० १; भग० ३, ७, ५, ८; ६, ७, १८,
८, २४, १; २५, ५; ४०, ३; नाया० २,
१२; नाया० घ० १०; विग० ४२६; नगी०
१८, निग० ३, १, जीवा० १; ज० १० ज्वा०
१, ६२, प्रव० ३८, —टिठ गी० (—रिथति)
पल्यापमनी श्रिनि. पल्लोपमनी रिथति. The
duration of Palyopama (a pe-
riod of time) भग० १, १;

पलिउंचगाया. श्री० (पकिञ्चन+ता) भाषा. माया,
वचना. deceit: fraud; illusion.
सप० ५२;

पलिगांच. पु० (परिगोप) इफय-इथिअ. कौचड
बलबल. mine; bog. (२) लोल लोभ.
greed स्य० १, २, २, ११.

पलिउञ्जिया. वि० (परिच्छिन्न) ढाडेलु ढकाहुआ
covered. भग० ७, ७.

पलिउञ्जिय. स० कृ० अ० (परिच्छिन्न) रागादि
अन्धन छेदीने रागादि बन्धनोको रिदाक- हेक्कर
Breaking off the bonds of
love etc. आया० १, ३, २, १११; २,
४, ३, १३६; २, ५, १, १५०, निती०
५, ६७,

पलिउञ्जिय वि० (परिच्छिन्न) मापेलु; इफाय
मागहुआ, सीमित. measured, limi-
ted. आया० १, ४, ३, १३८; (२) परिवार-
युक्त परिवारवाला Having a family.
वव० ४ २४;

पलिगण. पु० (प्रलीनक) पीनर पीजरा, पजर
a cage. स० १० १०,

पलित. न० (पलित) सङ्केत वाण, धोणो देश. श्वेत
केश, सफेद बाल white hair सू० प० १८,

पलितोवम. पु० (पल्योपम) लुओ “पलितोवम”
शब्द देखो “पलितोवम” शब्द Vide
“पलितोवम” शब्द. सु० प० ८,

पलित वि० (प्रदीप्त) दीपायमान; अग्नितु
दीप्यमान, प्रदीप्त, जलता हुआ Burning,
blazing; enlightened. उक्त० १६,
२२; भग० २, १; ६, ३३, १८, २, नाया०
१, विरो० ११५२, जीवा० ३, ३.

पलिपाग. पु० (परिपाक) परिपाक, निष्पत्ति.
परिपाक, परिणाम; निष्पत्ति. Result. final
fruit. सू० २, ३, २१, -

पलिभाग. पु० (प्रतिभाग) भागतो भाग,
अंशतो अंश. सूक्ष्मभाग—अंश. A minute
part or division. पत्र० १२, १५,
(२) उपरी भाग, सपाटी सतह. उररीहिस्सा.
Upper surface ज० ५०

पलिभाणि. वि० (परिभाणि) सदृश; सरूप.
सदृश, सरीखा; समान Similar to; like.
पत्र० २३;

पलिभिंदियाणं. स० कृ० अ० (परिभिय)
भेद पाडीने भेद करके Differentiating
सू० १, ४, २, २.

✓**पलिमंथ** धा० I. (परिमथ) आधु; लपेटवु.
बाधना, लपेटना To bind, to wind
पलिमंथ उक्त० ६, २१,

पलिमंथ. पु० (परिमंथ) हानि, नुकसान.
Loss; deprivation
(२) निष, अंतर्नाय. विघ्न, अन्तराय, व्यत्यय
Obstruction; hinderance ओष०
नि० २८८, विरो० १४५७, सू० १, ६, १२,

पलिमंथग पु० (परिमंथ) कृष्ण गन्धक
काले चने a Black gram सू० २,
२, ६३; ठा० ५ ३, भग० ६, ७, २१.
२, पत्र० १;

पलिमंथु. पु० (परिमंथु) प्रतिपक्षी. धानः
प्रतिपक्षी विपक्षी, घातक adversary,
treacherous enemy ठा० ६, १
वेय० ६, १६,

✓**पलिमह.** धा० I (परिमह) मर्दन धरवु;
शरीरे तेल पिगेरे आपडवु मर्दन करना,
शरीर पर तेल आधिकारी मालिन करना to
Rub, to massage with oil
etc.

पलिमहये. वि० निसी० १, ४,

पलिमहज्ज. वि० आया० २, १३, १७२

पलिमहेज्ज. वि० निसी० ३, १७, ६, ४,

पलिमोडअ. पु० (परिमोटक) वासनी गाँठ
उपरतो अक्षरगत भाग. बांसकी गाँठका चक्रा-
कार भाग a circular part over
the knot in a bamboo. पत्र० १,

पलिय-अ. न० (पलित) निन्दनीय कर्म; अशुभ
कृत्य. निन्द्य कर्म, अशुभ कृत्य. a censu-
rable or wicked deed. आया० १,
६, २, १८३. १, ६, ४, १६१; (२) ज्ञाना
परशुयादि आठ कर्म. ज्ञानावरणीयादि आठ
कर्म. The eight knowledge—ob-
scuring Karmas. आया० १, ४, ३,
१३४, (३) धोणा देश. केश, बाल, कच
Hair ज० प० २, ३६, भग० ७, ६,
विरो० ३४०१, जीवा० ३, ३, सू० २, १,
४२, (४) रोग. रोग disease निसी०
३, ३४,

पलिय. न० (पल्य) लुओ “पलितोवम”
शब्द देखो “पलितोवम” शब्द. Vide
“पलितोवम” शब्द उक्त० ३४,
३५. भग० ४, १: विरो० २०३६,
उवा० १०, २७७, पचा० १०, ६;
—असंखंस. पु० (असंख्यांश) पल्योपमना
असंख्यातमे भाग पल्योपमका असंख्यातर्था
भाग—अति सूक्ष्म. an innumerable

portion or division of Palyo-
pama (a period of time). क० ग०
५, ३४, ८४; —चउभाग. पु० (—चतुर्भाग)
पल्योपमनो येथो लाग पल्योपमका चौथा
भाग. The 4th part of Palyo-
pama (a period of time). प्रव०
४३३; —पुद्गल. न० (—पुद्गल) पल्योपमनी
येथी नव बुद्धीनी सख्या; येथी नव
पल्योपम बुद्धी. पल्योपमकी दोसेनो तकती
सख्या. दोसेनो पल्योपम पर्यन्त. Four two
to nine Palyopamas (period of
time). पंचा० १, ६;

पलियंक. पु० (पर्यङ्क) पक्षग. (२) आटवो
पलंग; (२) खटिया a cot; a beadstead.
भाग० ३, ५, ५, ६; ७, ६; दस० ६, ८—
५४; सू० ५० १०; (२) पक्षाडी वाणनी.
पक्षाडी मारता; आसतसे बैज्जा. Sitting
with folded legs. जीवा० ३;
निती० ७, २४, (३) पक्षासन. पक्षासन
a particular posture in sitting.
कथ० ५, १४६, —निसरण. वि० (—निषण्ण)
पक्षासने येठेले पक्षासने बैज्जाहुआ. (one)
sitting in a particular posture.
भाग० २, १;

पलियंकअ. पु० (पर्यङ्क) लुगो 'पलियंक'
शब्द दखो " पलियंक " शब्द. Vide
" पलियंक " शब्द. दस० ३, ५,

पलियंका. स्त्री० (पर्यङ्का) पक्षाडीवाणी जेसवु.
आसन लगाकर—आलखी पालखी—मारकर बैज्जा
Sitting by folding the legs.
अ० ५, १;

पलियंत. पु० (पर्यन्त) अत, छेडो. (१)
सीमा उपर आवेज अदेश. अंत; छोर.
सीमा प्रान्त. end; extremity, bound-
ary. सू० १, ३, १, १५, —कर.
वि० (—कर) कर्मेनो अंत करनार; ससा-

रनो विक्षय करनार. कर्मोका अंत करनेवाला,
संसारका विलय करनेवाला. That which
destroys karmas or brings an
end of birth etc. आया० १, ३,
४, १२१;

पलियंत. अ० (पल्यान्त) पल्योपमनी अंत.
पल्योपमके अंदर. Within a Palyo-
pama (a period of time.)
सू० १, २, १, १०;

पलियट्ट. पु० (परिवर्त) अनती उत्सर्पिणी
अने अवसर्पिणी परिमित काल विशेष;
पुद्गल परावर्तन. अनती उत्सर्पिणी और
अवसर्पिणी परिमित काल विशेष, पुद्गल परावर्तन.
A particular period of time
measured by Ananti Utsar-
pini (aeon of increase) and
Avasarpini (aeon of decrease)
विशे० २०३६;

पलियस्सअो. अ० (परिपार्श्वतः) पासे; आ-
लुगालु आसपास; चारोंओर, पार्श्वभागमें.
Near; sideways. भाग० ६, ५,

✓पलिविद्धंस धा० I. (परि+वि+ध्वञ्छु)
ध्वंस करवो, नाश करवो. ध्वंस करना, नाश
करना. To destroy; to demolish.
पलिविध्वंसिज्जा-वि. अणुजो० १३६,

✓पलि-स्सय. धा० I. (परि+स्मि) अडकुटु,
स्पर्श करवो. (२) आश्रय करवो. छुना;
स्पर्श करना. (२) आश्रय लेना. To touch,
to take shelter.

पलिस्सपज्जा. वि० निती० ७, ३१;

पलिस्सपज्ज. वि० देय० ४, ६, १०;

पलिमंथ. पु० (पलिमन्थ) सथमनु विध.
सथममें—का—विघ्न. An obstruction in
self restraint. " वमणजण पलीमंथ "
सू० १, ६, १२;

पलीवग वि० (प्रदीपक) आगनाइ प्रज्वलि-
तकरनेवाला, जलानेवाला. (one) who

burns or enlightens पण० १, १,

पलीवण न० (प्रदीपन) सगणवु; आगवु सुलगना,
जलाना kindling, burning. स० ११,
प्रोच० नि० ३७४,

पलुङ्ग वि० (पर्यस्त) व्याप्त; भरपूर. व्याप्त,
फैलाहुआ, पूरित. Full, occupied.

सु० च० १, ३६:

पलुङ्गेत व० कृ० वि० () दीपवु, चमकवु
दीप्यमान, चमकताहुआ. Shining; glit-
tering. सु० च० १, ३१,

पलेमाण व० कृ० वि० (प्रलीयमान) लीन थो,
मिश्रणार्थ भयो. लीन होताहुआ, एकत्र
होताहुआ Blending, harmonizing
आया० १, ४, १, १२८,

पलोइ वि० (प्रलोकित) अवलोकित करनेवाला,
नेनाइ अवलोकन कर्ता, दर्शक, देखनेवाला.
(one) who sees; an observer.
प्रोच० ४१;

✓ **पलोक** धा० I (प्रलोक) नेवु, देखवु.
देखना; विलोकन कर्ता To see; to ob-
serve

पलोएइ सु० च० २, ४२,

पलोयइ सु० च० १, ३२३,

पलोअंति अणुजो० १३०.

पलोइजा वि० दस० ५, १, २३;

पलोयमाण भग० १५, १,

✓ **पलोइ** धा० I. (प्रलोइ) परिवर्तन करनेवाला,
उधवारवु परिवर्तन करना, उधेलना, उलटाना.
To change, to turn up

पलोइड भग० १, ६,

पलोभित्ता स कृ० अ० (प्रलोभयित्वा)
लोभायनी; लक्षणायनी लुभाकर, लालच
वतलाकर. alluring, tempting. उक्त०
८, १८,

पलोयण न० (प्रलोकित) नेवु ते देखना;
अवलोकन observation प्रोच० नि० भा०
५२; ६२; दस० ५, १, २३, पचा० २, २८;

पलोयणा स्त्री० (प्रलोकना) नेवु ते. विलो-
कन, दर्शन, देखनेका कार्य. observation
seeing निसी० ३, १४, भग० २, ५

पङ्गु पु० (पल्य) पादो, पादाने आक्षरे
कुवे। पाला, वाघ, वायके आकारका कूप a
tank; a well like a tank
(२) धान्य राखवानी डोडो, डोडार धान्या
गार, कोठार a store for grain,
granuary. भग० ६, ७, दस० ३, २,
अणुजो० १३६; नाया० ७, ज० प० क० ग०
४, ७६, क० प० २, ३५, प्रव० १०३३,
(३) पद्योपम, कालमान विशेष पल्योपम,
कालमान विशेष Palyopama, a period
of time क० प० १, १०; ७३, २,
६१; क० ग० ५, ३३, —अंतर. न०
(-अन्तर) भीम डोडार बसरे कोठार-भ-
डार another store-house. नाया० ७,

—असंख्यभाग. पु० (-असंख्यभाग)
पद्योपमभो असंख्यातभो भाग पल्योपमका
असंख्यातवो भाग an innumerable
division of a Palyopama (a
period of time). क० प० १, १०,

—आउत्त. वि० (आणुत्त) पादाभा ना-
भेल, डोडारभा भुडेल. कोठेमें रखाहुआ, आ-
गार स्थित Stored in a granary
or store room. दस० ३, २, भग०
६, ५, वेय० २, ३; —आगार पु०
(-आकार) धान्य नाखवानी पादानो
आक्षरे धान्य डालने-एकत्रित करनेके वाघका
आकार The size or form of a
store house of grain प्रव० १४६६,
—तिग. न० (-त्रिक) त्रय पद्योपम
तीन पल्योपम. Three Palyopamas (a

period of time) क० ग० ५, ३३;
क० प० १, ७३; —भाग. पु० (—भाग)
पल्योपमता अ ५३ भाग. पल्योपमका भाग
विशेष a (particular) portion of
a Palyopama (a period of
time). क० प० २, ६१,

पल्लङ्क. पु० (पल्यङ्क) पलङ्ग; पलग; पर्यक a
cot; a beadstead भग० ११, ११,
मु० च० २, ३६; प्र० २४१,

पल्लङ्ग. पु० (पल्यङ्ग) लुओ 'पल्लङ्ग' शब्द.
देखो 'पल्लङ्क' शब्द Vide 'पल्लङ्क' ज० प०
४, ७७,

पल्लङ्गण न० (प्रलङ्घन) ओलङ्घयु. उल्लङ्घन करना,
लांघना. Transgressing; crossing
उत्त० २४, २४; भग० २५, ७,

पल्लङ्घेत्तप हे० कृ० अ० (प्रलङ्घितुम्) ओलङ्घ-
वाने. लांघनेके हेतुसे. For transgres-
sing or crossing भग० ३, ४, १४, ५,

पल्लङ्ग. पु० (पल्लङ्क) पातो; लाट देश प्रसिद्ध
अनाज मापवानु पात्र. पाला, लाटदेश
प्रसिद्ध धान्य मापनेका पात्र विशेष. a pot
for measuring corn famous in
Lāta country. (२) लघनपतिना
अवधिज्ञानतो आक्षर. भवनपतिके अवधिज्ञानका
आकार. The form of the limited
knowledge of Bhavanapati.
विशे० ७०६; पत्र० ३३,

पल्लल. न० (पल्लल) नानु तणाव, तणावडी
तलैया. पल्लल a pond; a puddle
निसी० १२, २१, भग० ५, ७, नाया० १,
प्र० २;

पल्लव पु० (पल्लव) नया पाछा. नव पल्लव, नये
पत्ते. Sprouts. नाया० १, स० ३४; ओव०
विशे० ८५५, जीवा० ३, ४, गय० १५५,

पल्लविय पु० (पल्लवित) नवपल्लव, नया
अंशुखाणु नवपल्लव, नये अक्षुखाला. Fresh

sprouts; or having fresh sprouts
नाया० १;

पल्लविया. स्त्री० (पल्लविका) पल्लव देशमां उ-
त्पन्न ध्येयी दासी. पल्लव देशोत्पन्नचेरी-दासी.
a maid-servant born in Palhava
country. नाया० १;

प-ल्लिय. घा० १. (प्रमली) सारा स्वभाव-
वाणा थुं. उत्तम स्वभाववाले बनना. To
become good-natured.

पले. विधि० सूय० १, २ २, २२;

पल्लो स्त्री० (पल्ली) ओशेने रहैवानु स्थान
चारोंके रहनेका स्थान A den of thieves
उत्त० ३०, १६; पिं० नि० ११८; प्र० ६२८,

पल्लोग. त्रि० (प्रलीन) लीन ध्येयुं. लीन;
तल्लीन. completely absorbed in
or blending with भग० २५, ७;

पल्लोय. पु० () ओ ध्रियुं अत्र विशेष
दोहन्द्रियवाला जीव विशेष a two sensed
being. उत्त० ३६, १२८,

पल्लस्थ. त्रि० (पर्यस्त) भुङ्कत; राभेन रखाहुआ,
स्थापित Placed, established. ज०
प० ३, ५६. गय० २६३. क्रय० ४, ६२
सूय० २, २, १६

पल्लतिया. स्त्री० (पर्यस्तिका) आसन विशेष,
पलाडी; वस्त्रथी के लुग्नथी अन्ने धुटल
आंधवा ते. आसन विशेष, पालरची; वस्त्र या
भुजाद्वारा दोनों खुटनोंका बांधना A parti-
cular seat, folding of legs,
tying of both knees by cloth
or hands. नाया० १६. भग० ३, ५;
उत्त० १ १६, प्र० ४४२,

पल्लव. पु० (पल्लव) पल्लव नामना ओ३
देश पल्लव देश विशेष. a country so
named. (२) त्रि० ते देशना रहैश
पल्लव देश निवासी. an inhabitant of
that country पय० १, १; पत्र० १,

पल्हवि पु० (पल्हवि) हाथीनी पीठ ७५२
नाभवांनी खुल. हाथीकी पीठ पर डाले जानी
काली To be put on the back of
an elephant. प्र० ६८५;

पल्हविआ-या. स्त्री० (पल्हविका) पल्हवदेशनी
उत्पन्न थयेली दासी पल्हव देगोत्पन्न दासी. A
maid servant born in Palhava
country. भग० ६, ३३; ज० ५०

पल्हाअ पु० (प्रल्हाद) प्रल्हाद-आयनी चो-
वीसीना पायमा प्रतिवायुदेव. प्रल्हाद,
आगामी चौवीसीके पांचवें प्रतिवायुदेव The
5th Prati Vāsudeva of the
coming chaubisi. (२) आन०. सम०
५० २४२, भत० १५४;

पल्हायण. न० (प्रल्हादन) शुशी थवु. खुश होना;
प्रसन्न होना. Pleasing. उत्त० २८, १७;

पल्हायणिज्ज. वि० (प्रल्हादीय) ६९ ७५०७
तेवुं हर्षोत्पादक; आमोदप्रद. That which
would produce joy. ओव० ३१;
नाया० १; जीवा० ३, ३; पत्र० १७, ज०
५० कय० ४, ६१, भत० १५७,

✓पव. धा० I. (प्लु) (१) पडुं; (२) कुदंडा
भारवे. गिरना (२) कूदना, उडी मारना
To fall down, to jump.

पवति. जीवा० ३४;

पवेज्ज. वि० सूय० १, १, २, ८,

पवेगम पु० (प्लवगम) वानर. बानर, बन्दर
A monkey. सु० च० १५, १०३,

पवंच पु० (प्रपच) प्रपच; विस्तार.
प्रपच, विस्तार; बखेडा. Fuss; extension,
prolixity. भग० २, १; आया० १, ३,
३, १२०; सम० ६, (२) विकल्प; भेद
विकृति; भेद Alternative, variety.
आया० १, ३, ३, १२०; (३) क्लेश;
कुटिलता. क्लेश, कुटिलता. Distress;
crookedness. ओव० नि० १७, पत्र०
२; (४) संसार संसार, दुनिया. The

world. “ शिष्यक्रमण पंचवेद ” सूय०
१, ७, ३०;

पवंचअ. न० (प्रपचक) लुब्धाध, धगाध.
लुब्धापन, ठगी, जोहदापन Cunningness;
fraud. ओघ० नि० २२०;

पवंचण न० (प्रपचन) धगुं ते ठगीकार्य.
वचक्ता. Cheating; defrauding.
पपह० १, १,

पवंचा. स्त्री० (प्रपचा) भागुसनी दश दशाओ
पैडी सातमी दशा; ६१ थी ७० वरस
सुधीनी अवस्था ३ जेभा शरीरमण धटतां
भननो प्रपच पधि छे. मनुष्य दस दशाओमेंसे
७ वीं दशा; ६१ से ७० वर्ष पर्यन्तकी अवस्था
जिसमें शारीरिक बल चयके साथही साथ
मानसिक प्रपचकी वृद्धि होती है The 7th
stage of a man out of the
ten viz. from 61 to 70 years
when bodily strength decreases
but the extension of the mind
increases. तडु०

पवग. पु० (प्लवक) वानरनी पेडे कुदना२.
बन्दरके समान छलागे मारनेवाला. (one)
Jumping like a pog ओव० अणुजो०
६२; जीवा० ३, ३; ज० ५० निस्सी० ६, २२
कय० ५, ६६;

पवगपविभत्ति. पु० (पवर्गप्रविभत्ति) ३२
नाटकभांतु ओड. ३२ नाटकोंमेंसे एक One
of the 32 dramas राय० ६४,

✓प-वच. धा० I. (प्रवच्) ओडतुं; डलेतुं
बोलना, कहना. To speak; to say
पवुचइ. आया० १, १, ४, ३४, १, २, ६,
१००, ठा० २, ४, भग० २, ८,
५, ८, ६, ४-७, १०, १, १३, ४;

पवोच्छिरिह. भ० विगे० २६१७,

✓प-वच. धा० I. (प्रवच्) व्यान डरतु,
वर्णन डरतु. वर्णन करना, बयान करना. To
describe.

पञ्चस्वामि. भवि० उत्त० २६, १; ३४, १;
पि० नि० ११३,

पञ्चजिह्व. त्रि० (प्रपत्त्य) स्वीकार्युं. स्वी-
कारना, संजुर करना. Admitting. विशेष०
१८७४,

पञ्चद्वारा. व. कृ. त्रि० (प्रवर्तमान) प्रवर्तयुं;
प्रवृत्त थयुं. प्रवृत्तहोताहुया. Proceeding
उत्त० २४, २१,

पञ्चङ्गा. न० (प्रपत्तन) पडी गिरजाना,
विशेषपत्तन Falling. टा० ४, ४.

पञ्चङ्गाया. स्त्री० (प्रपत्तन+ता) पड्यु. पत्तन;
गिरना Falling down. पत्र० १६,

✓पञ्चद्व. धा० I. (प्र+वृध्) वधयुं. वदना; अधिक
वृद्धि होना. To increase.

पञ्चद्व. उत्त० ८, १७,

पञ्चद्व. सु० च० १ ३०४,

पञ्चद्व. दस० ६, २, १२;

पञ्चद्व. व० कृ० दस० ८, ४०; ६, २, १२;
नाया० १३, पन्न० ३३,

पञ्चद्व. न० (प्रवर्धन) वृद्धिहेतु; वृद्धिकारक.
वृद्धिका हेतु-निमित्त; वृद्धिकारक, वदती. The
cause of growth; that which
would increase सूय० १, १, २, २४;

पञ्चद्व. न० (पवन) कुप्यु. वृद्धना. To jump.
जीवा० ३, १,

पञ्चद्व. पु० (पवन) पवन; वायु. पवन, हवा,
वायु. Wind स्वा० २, १०२; कप्य० ३,
४३, क० प० ४, ४०; प्रव० ४५५, ७६३,
अणुजो० १३१, क० ग० ४, ३६; नाया० ५,
(२) पवनकुमार, पवनपतिनी ओष्ठ ज्ञात.
Pavana Kumāra, a class of
Bhavanapati gods. ओव० २३;
पणह० १, ४;

पञ्चद्व. त्रि० (प्रपन्न) पाभेयुं. प्राप्त, पायाहुया.
Obtained, received. प० चा० १८, २६,

✓पञ्चद्व. धा० I. (प्र+वृध्) प्रवर्तयुं; वर्तन
करयुं. प्रवृत्त होना, वर्तन करना, फैलना,
व्यवहारमें लाना. To proceed; to
extend, to move.

पञ्चद्व. अणुजो० २, भग० १३, ४,
२५, ३-८,

पञ्चद्व. भग० १३, ४,

पञ्चद्व. वि विशेष० १२६

पञ्चद्व. आ० नाया० ८;

पञ्चद्व. व. कृ पचा० ७, ७,

पञ्चद्व. त्रि० (प्रवृत्त) प्रवृत्त थयेल. प्रवृत्त,
तत्पर, उद्यत. Proceeded, ready,
prompt. विद्या० ३, नाया० १६; गच्छा०
१०२;(२) श्रीगणेशाने ज्ञानादिक्रमा प्रवर्तयन्तार.
दुसरोको ज्ञानादि सम्मार्गपर लगानेवाला. One
who brings others to the right
path of knowledge etc. कप्य० ६,
४६;

✓पञ्चद्व. धा० II. (प्र+वृध्) प्रवर्तन करयुं.
प्रवर्तन करना. To proceed.

पञ्चद्व. सू० च० २, ३५२;

पञ्चद्व. सु० च० २, ४०६;

पञ्चद्व. आ० सु० च० २, ६६४,

पञ्चद्व. पचा० २, ३२;

पञ्चद्व. न० (प्रवर्तन) प्रवृत्ति; उद्यम. प्राप्ति,
व्यम. Industry, movement. उत्त०
३१, २,

पञ्चद्व. पु० (प्रवर्तक) प्रवर्तयन्तार, प्रवृत्ति
करयन्तार. प्रवर्तक; जन्मदाता. One who
originates or causes to pro-
ceed. राय० २०८, गच्छा १०, पचा० ६,
४२, (२) दीर्घ स्वरस्थी आरम्भाय तेवे
ओष्ठ राग दीर्घस्वरसे आरम्भ किया जानेवाला
सुर-राग-विशेष. A musical tone to be
begun with a loud tone. जीवा०
३, ४;

પવત્તિ સ્ત્રી० (પ્રવૃત્તિ) વૃતાન્ત, હીલચાલ
વૃતાન્ત; હાલચાલ; ગતિ, રુચિ. News,
movement; tendency નાયા० ૧૬,
પવત્તિ પુ० (પ્રવર્તિત) સાધુઓને સંયમ
પ્રવૃત્તિમાં બેસનાર, પ્રવર્તક, સાધુઓનો સ્વ-
મપ્રવૃત્તિમે લગાનેવાલા, સયમ પ્રવર્તક (one)
Who causes saints to stick to
self-restraint. પ્રવ० ૧૦૨; લેય० ૪,
૧૫; કં० ૫૦ ૫, ૭૩;

પવત્તિણી સ્ત્રી० (પ્રવર્તિત્રી) પ્રવૃત્તિ કરાવનાર
સાધ્વી, મુખ્ય આર્યા. પ્રવર્તિકાનેવાલી—પ્રવર્તિત્રી
સાધ્વી; પ્રમુખ આર્યા A chief nun
who causes others to stick to
self-restraint. પત્ર० ૪, ૩૧૦;

પવત્તિય, વિ० (પ્રવર્તિત) પ્રવૃત્ત થમલ પ્રવૃત્ત-
પ્રસરિત Proceeded, extended. સમ०
૭૪, ઉત્ત० ૨૦, ૧૭;

પવત્ત્ય, ન० (પ્રવત્ત) આસન ઉપર બિછાવેલું
વસ્ત્ર; ઓચાડ; આદર આસનના નિહાળાહુઆ
વસ્ત્ર, ડાઘવસ્ત્ર, ચદર. A bed sheet,
cloth spread over a seat. નાયા० ૮,

✓**પવત્ત**, ધા० I (પ્રવત્ત) બોલવું. બોલના
To speak.

પવચણા, વિ० વચ્ચે ૨, ૨૨,

પવદમાણ વ. કૃ. વિ० (પ્રવદમાન) પ્રવાદ
કરતું; બોલવું પ્રવાદ કરતાહુઆ, બોલતાહુઆ.
Speaking, slandering. ગ્રાયા० ૧,
૧, ૪, ૨૬,

પવન, પુ० (પવન) બુદ્ધિ “પવણ” શબ્દ
દેખો “પવણ” સમ્મિ વીદે “પવણ” શબ્દ. પિં०
નિં० માં ૧, -

પવમ્મ, વિ० (પ્રવમ્મ) પ્રાપ્ત થયેલ, મેળવેલ
પ્રાપ્ત, નિલાહુઆ, નિલાયાહુઆ Received,
got. ઉત્ત० ૧૪, ૨,

પવમાણ, વ. કૃ. વિ० (હવમાન) કુદરત, ઠેકરું.
કુદરતહુઆ. Jumping. મગ્ન ૨૫, ૮-૧૨,
૩૧, ૧;

પવચ-અ. વિ० (હવક) કુદરત. કુદરતેવાલા,
કુદરત. One who jumps મગ્ન ૨૫,
૮-૧૨, ૩૧, ૧,

પવચણ, ન० (પ્રવચન) આગમ, શાસ્ત્ર; સત્ય
વચન (આચારાગાદિ સૂત્રો-સિદ્ધાન્ત.)
આગમ, શાસ્ત્ર, સર્વજ્ઞ વચન (આચારાગાદિ સૂત્ર-
સિદ્ધાન્ત) Scriptures; the words
of an omniscient. ઓવ० ૧૦, ઉત્ત०
૨૪, ૩; મગ્ન ૨૦, ૮, નાયા० ૮, વિશે०
૧, ૧૩૭૩, ૨૬૨૧, દસ ૨, ૧૨,
પગ્ન ૧, ૧; પત્ર ૧, સૂ ૫ ૨૦;
પ્રવ० ૮૨૩; કં ૫૦ ૫, ૨૫; પિં નિ ૧૩૮,

(ણ)—અંતર. ન० (-અન્તર) શાસ્ત્ર શાસ્ત્ર
વચ્ચે અતર-ફેરફાર-તફાવત. દો શાસ્ત્રો
બીચકા અંતર-મેદ The difference bet-
ween two scriptures. મગ્ન ૧, ૩;

—**ઉદ્ઘાટક**. વિ० (-ઉદ્ઘાટક) શાસ્ત્રને ક્લેષક
લગાડનાર શાસ્ત્રનો કલ્પકિત કરનાર One
who stigmatises a scripture.

મન્દા ૫૫, —**કુસજ્ઞ**. વિ० (-કુસજ્ઞ)
પ્રવચનમાં કુશળ પ્રવચનવદ્. Adept
in scriptural sermon. વચ્ચે ૩, ૩;

—**લિસા**. સ્ત્રી० (-લિસા) જિન શાસનની
નિંદા કરવી તે. જિનશાસ્ત્રના નિન્દન-કી નિન્દા
કર્તા. Censuring the commands
of Jina. પચા ૪, ૧૨, —**ણિતિ**

સ્ત્રી० (-નીતિ) શાસ્ત્રનો ન્યાય શાસ્ત્રના
ન્યાય The stand point of
ethics of scriptures. પચા ૬, ૧૪,
—**દેવી**. સ્ત્રી० (-દેવી) શ્રુતદેવી, શાસનદેવી

શ્રુતદેવી, શાસનદેવી. The scriptural
goddess; the commanding
diety. મગ્ન ૪૨, ૧, —**માયા**. સ્ત્રી०
(-માતૃ) આચારાગાદિ સૂત્રના આધારભૂત

સાધની માતા; આઠ પ્રવચન માતા,
પાંચ સમિતિ અને ત્રણ ગુપ્તિ. આચારાગાદિ
સૂત્રને આધારભૂત સર્વકી માતા; આઠ પ્રવચન

माता; पांच सम्मिति और तीन गुप्ति The mother of the Sangha which is the main prop of the Sutras namely Acharang etc; the eight Pravachana Mātās. भग० १, ४, २५, ६-७, पिं० नि० ६२; सम० ८, —सार.

पु० (-सार) सिद्धान्तनो सार, आगम रहस्य.

The essence of a creed or scripture. नाया० ६, भक्त० ५४, १४८,

पवर. वि० (प्रसर) श्रेष्ठ; प्रधान. श्रेष्ठ, प्रधान.

Best, chief. उक्त० ११, १६; ओव० नाया० १, २, ३, ८, १६, भग० २, ५,

७, ६, ६, ३३, ११, ११, १२, १, ४२, १, विरो० २२६२, दत्ता० १०, १, सु० च०

२७, सु० प० २०; पन्न० २; राय० २७, ६६, उवा० २. ११३; पचा० ३, ११, ६,

३०; कण्ठ० १, २; ५, १०२, प्रव० १२३६, ज. प ५, ११२, ११३; ३, ४५, —पुंडरिञ्च.

न० (-पुंडरीक) श्रेष्ठ श्वेत डमरु श्रेष्ठ श्वेत कपल Best white lotus. कण्ठ० १, २,

पवरा. स्त्री० (प्रवरा) वासुपूज्यपलुनी देवीनु नाम. वासुपूज्यप्रभुकी देवीका नाम Name

of the wife of the lord Vāsupūjya. प्रव० ३७८,

✓पवह. धा० I, (प्र+वह्) नीकण्वु. निकलना.

To flow out

पवहंति भग० १३, ४.

पवार्हिति प्रे० भग० २०, ८

पवाहिता. स० कृ० भग० २०, ८,

पवह् पु० (प्रवाह) नदीनो प्रवाह; वहेन.

नदीका प्रवाह, धारा Current of a river.

भग० १, ३; १३, ४; जं० प०

पवहण. न० (प्रवहण) जहाज, वहाणु. जहाज;

पोत A ship, a boat. नाया० ३; ८;

१४, सु० च० १५, ५०, जीवा० ३, ३;

पवा. स्त्री० (प्रपा) जलाशय. (२) पाण्डुजं

पर्व. जलाशय (२) जलपर्व. A watering

place अणुजो० १६, १३४; ओव० १६; आया० १८, २, २; भग० १८, १०; नाया० २; १८, दत्ता० १०, १; पणह० १, १; राय० ३३, कण्ठ० ४, ८८;

पवाअ. पु० (प्रवाद) आचार्य-शुद्धो उपदेश आचार्योपदेश, गुरुकी सीख. The advice of a preceptor. आया० १, ५, ६, १६७, (२) छल, भिष, धुराध. कल, कपट, बुराई Fraud; deceit; slander. सु० च० ४, १८७; सूय० १, ४, १, २६;

पवाइअ. वि० (पवादित) वगाडेहुं; भ्रमवेषु. वजायाहुआ, प्रवादित. Played upon. ओव० ३१, नाया० ८, पन्न० २, जं० प० ५, ११२, कण्ठ० ५, १०१;

पवाइय. पु० (प्रवादुक) प्रतिवादी, परधर्मी प्रतिवादी, विपक्षी, विपरी. A defendant; a disputant of another religion. आया० १, ४, २, १३३;

पवात. पु० (प्रपात) डेस वागे ने पडी जवाय तेवु स्थान. घक्का लगतेही जहाँ गिरनेका भय हो ऐसा स्थान, झरना. A steep precipice. सन्न० २५; निर० ५, १; जं० प०

पवादि वि० (प्रवादिन) अन्यतीर्थी, जैन धर्मनी सामे वाद करनेवा. अन्यतीर्थी; जैन धर्मके सामने-विपक्षमें वाद करनेवाला. (one) Belonging to another religion, an opponent of Jaina religion उक्त० ४, १३;

पवाय. पु० (प्रवात) विशेष पवन. (२) वि० पवनवाणु स्थान. जोरका पवन. (२) पवनवाला स्थान. A strong wind; a windy place. आया० २, १, २, १३; २, २ ३, ११०; नाया० ८, पिं० नि० ३२,

पवाय. पु० (प्रपात) पाण्डुनो दरेडो. पानीका झरना; बहस्यान जहाँ उँचेसे पानी गिरता हो- A water-fall. विवा० ३; पम० १६; जं० प० नाया० ५;

पवायग्र. पु० (प्रवाचक) शास्त्रानु प्रवचन-
व्याख्यान करना. शास्त्रीय प्रवचन-व्याख्यान
कानेवाला. One who delivers a
scriptural sermon विशेष १०६२,

पवाल. पु० (प्रवाल) परवाणु, ओष्ठ जलजुं
अवेरान प्रवाल, मृगा Coral अणुजो०
१३३, सू० २, १, ३६, उत० ३६, ७४,
भग० ३, १, ८, ५ नाया० १, १८, जीवा०
३, ३; दसा० ६, ४, ज० प० २, ३८,
कथ० ३, ४५; ओव० (२) डामण पांडु,
पांडुनी टीसी. किसलय, कोमल पत्ता. A
sprout, tender leaf. ओव० भग०
७, ६; २१, ६, आया० २, १, ८, ४५,
दस० ५, २, १६; पण्ड० २, १, जीवा०
१. सु० प० १०, पत्र० १, राय० १५५,
ज० प० ७, १५१, —भोयण. न० (—भोजन)
प्रवाल-नया पांडुनु लोवन. प्रवाल-नये
पत्तोंका भोजन. Food of tender leaves.
सन० २१; दसा० २, १६,

पवास. पु० (प्रवास) प्रवास, मुसाफिरी.
प्रवास, मुसाफिरी; यात्रा. Travelling,
journey सु० च० १, १०७,

पवासिय त्रि० (प्रवासित) परदेश गयेले,
प्रवास करेले. विदेश गयाहुआ, प्रवासी A
traveller. भत० १४५;

पवासिय त्रि० (प्रष्ट) परसेल. बरसाहुआ.
That which has rained. नाया०
१,

पवाह. पु० (प्रवाह) पाणुनि प्रवाह. पानीका
प्रवाह. A current of water. भग०
३, ७, सु० च० १, २४, जीवा० ३, ३,

पवाहमाण. व० कृ० त्रि० (प्रवाह्यत्) बहेले.
बहताहुआ. Flowing. भग० ५, ४;

पविश्यण. त्रि० (प्रविकीर्ण) व्याप्त. व्याप्त,
विकीर्ण, फैलाहुआ. Occupied; full;
scattered. ओव०

पविउं हे० कृ० अ० (प्रवितुम्) उडवाने; कुद-
वाने उडनेकेलिए, कुदनेके उदेशसे To
jump. सू० १, १४, २;

✓**पविकथ.** धा. I (प्र+वि+कथ) आत्म
स्थाधा करवी आत्मलाधा-प्रशंसा करना To
praise oneself.

पविकथइ. सम० ३०

पविकलरमाण व कृ त्रि० (प्रविकीरत्) विभाट,
विभराट. बिखरताहुआ, गिरताहुआ; फैलताहुआ
Scattering; falling भग० ३, २,
जीवा० ३, १;

पविज्जल. त्रि० (प्रपिच्छिल) शीथलवाणु
कीचड़पूर्ण, दलदलवाला. Muddy; slimy.
सूर्य १, ५, २, १६;

पविट्ट. त्रि० (प्रविष्ट) समाधगयेल, अतर्भूत,
दाम्पल थयेल. समाविष्ट; अतर्भूत; प्रविष्ट
Entered; penetrated अणुजो० ३,
आया० २, १, १, २; उत० २, २६;
भग० ३, २, ७, ७; ८, ६; ६, ३१,
पिनि० भा० ३, दस० ५, १, १६,
जीवा० ३, १, पत्र० १, क० प० ७,
४४, उवा० २, १०१;

पवितक्रिय. न० (प्रवितर्कित) तर्क-विचार,
आशंका. तर्क; विचार, आशंका. Inference;
an expectation. उत० २३, १४,

✓**पवित्त.** ना० धा० II (पवित्र) पवित्र
करवु. पवित्र-पावन-करना To purify
पवित्तेमि सु० च० ७, १४६,

पवित्तोकाउं. सु० च० १०, २०४;

पवित्तप्रंत. सु० च० ३, ४०;

पवित्र. त्रि० (पवित्र) विशुद्ध; पवित्र.
विशुद्ध; पवित्र. Pure, holy. पण्ड० २, १,

पवित्त. त्रि० (प्रवृत्त) कार्य करवा प्रवर्तेले.
कार्य करनेको तत्पर, कार्य प्रवृत्त Proceed
ing or ready to do a work
पवा० १२, ३२;

पवित्र-य. न० (पवित्र) तांजानी वीटी;
पवित्री. ताम्बेकी अण्डी; पवित्री. A cop-
per ring. ओव० ३८, ३९; भग० २,
१; नाया० ५.

पविति पु० (प्रवर्तिन्) साधुओंने देयावच्य
आदि धर्ममां प्रवृत्ति करावनार साधु; प्रव-
र्तक पदवीधारी मुनी. साधुओंको बैयावच्य
आदि सेवा कार्यमें प्रवृत्त कानेवाला साधु.
प्रवर्तक पदवीधर मुनी. A sage who ex-
horts saints to attend to others,
a saint entitled as Pravartaka.
आया० २, १, १०, ५६; ठा० ४, ३;
पण० २, ३; पत्र० १६;

पविति. स्त्री० (प्रवृत्ति) प्रवृत्ति, ढीलयाव;
समाचार. प्रवृत्ति, गति; हालकल; समाचार
Movement; tendency; news
सु० च० १, १८; पि० नि० ५१२; ओव० ११;
भग० १५, १; पवा० ४, २६; ८, १३; १४,
१३; १६, ४१;

पवितिणी. स्त्री० (प्रवर्तिनी) साध्वीओंने सय-
भमां प्रवर्तानार साध्वी, प्रवर्तिनी साध्वी.
साध्वीओंको सयभकी ओर मुकानेवाली-प्रवर्तिनी-
साध्वी. A nun who exhorts
other nuns to proceed in self-
restraint वेय० १, ३६, वग० ५, १-१३,
भग० ८, ६; सु० च० ३, २००;

पवितिता. स्त्री० (प्रवर्तिता) प्रवर्तकपणुं.
प्रवर्तकता. The state of a Pravart-
taka (exhorter) वग० ३, ७,

✓**पवित्थर.** धा० I (प्रवित्+स्त्) विस्तारवु
विस्तार करना. To extend.

पवित्थरति. ज० प०

पवित्थरमाण. व० कृ० भग० ६, ५,

पवित्थर. पु० (प्रविस्तार) धरवभरी; परिग्रह.
परिग्रह. Belongings सूय० २, २, ६२,
पण० १, ५; उवा० १, ४; १७; ६, २६८,

—**विधि.** पु० (-विधि) धरवभरीना विधि-
भर्याना थांधवा ते. The limitation
of property. दसा० ६, ४;

पवित्थरिअ. वि० (प्रविस्तीर्ण) ईसायलु;
विस्तार पाभेलु. फैलाहुआ; विस्तृत, प्राप
विस्तार Extended; extensive. सु०
च० २, १६४;

✓**पविहंस.** धा० I. (प्र+वि+हन्) ध्वस
डरवो; नाश डरवो. ध्वस करना, नाश करना.
To destroy; to demolish.

पविहंसइ. ठा० ३, १;

पविद्ध. वि० (प्रविद्ध) व्यवस्था पिना पदना
डरवी ते; पदनाना उर दोपभानि त्रीने
प्रविद्ध नाभे दोप अव्यस्थित ह्यसे वंदना
करनेका कार्य; ३२ दोषोंमेंमे तीसरा प्रविद्ध
नामके दोष Saluting without
order; the 3rd fault out of
the 32 connected with saluta-
tion. प्रव० १५०,

पविद्धस्थ. वि० (प्रविद्धस्थ) ध्वस पाभेल,
नष्ट थभेल. प्रध्वसित; नष्ट, नारा कियाहुआ.
Destroyed; ruined; demoli-
shed. जीवा० ३, १;

✓**पविने.** धा० I II (प्र+वि+नी) दूर डरवु
दूर कला. To set aside.

पविणइ. दसा० १०, १,

पविणइ. भग० १, ६,

✓**पविने.** धा० II. (प्र+वि+नी) भसेडवु; दूर
डरवुं खसेडना, खिस करना, दूर करना. To
chase; to set rside.

पवीणइ. ओव० ३०;

पवीणीत्ता. स कृ० ओव० ३०;

पविभक्त. वि० (प्रविभक्त) मुडरर डरेलु;
पडेयेलु. कायम कियाहुआ, स्थापित कियाहुआ.
बांटाहुआ Arranged; distributed.
ज. प. १, १०; पत्र० १६, क० प० ५, ६६,

पविभक्ति स्त्री (प्रविभक्ति) विभाग; पृथ-
क्षरण. विभाग; प्रत्यक्षरण A division,
distribution. उत्त० २, १,

पविमोचण न० (प्रविमोचन) मुञ्चु, राखु
रखना, स्थापन करना Keeping, placing.
ओव०

पवियक्षलण. वि० (प्रविचक्षण) प्रवीण, कुशी-
या २ प्रवीण, दक्ष, चतुर Skilful, adept
उत्त० ६, ६२; वस० २, ११,

पवियरित्तण हे कृ अ (प्रविचरित्तम्) डरवा
डरवाने. हिरफिरने-घूमनेकेलिए For the
purpose of roaming. राय० २,

पवियार. पु० (प्रविचार) भेथुन. मैथुन, सम्भोग
Coition. प्रव० ६३;

पवियारण. न० (प्रविचारण) डरुं डरु
चलना फिरना, विचारण करना Roaming
about पि० नि० ६५०, (२) पन्नपणा
भूतना उ४ मा पदनु नाम डे नेमां
प्रविचारणा विषय सेवननु पणन छे.
(२) पन्नवणा मूत्रके ३४ वें पदका नाम
जिसमें प्रविचारणा-विषय सेवनका वर्णन है.

Name of the 34th Pada of
Pannavanā Sūtra which deals
with sexual enjoyment पन० १,

पवियासिप. वि० (प्रविकाशित) भीलेखु
विकसित; प्रफुल्लित, खिला हुआ. Bloss-
omed; open सु० च० २, ४४,

पविरल वि० (प्रविरल) थोडु (२) सान्तर
थोड़ा, विरला, (२) सान्तर A little;
with a gap, few. नाया० ४, ५;
८, भग० ७, ६; १५ १; १६, ४, सु०
च० १३, ६, जीवा० ३, ३; राय०
२६, २५८, —मणुस्स. पु० (—मनुष्य)
थोडां भाइसे। विरले मनुष्य. A few
men नाया० ८, १२.

पविरल्लिय. वि० () विस्तारवाणु
विस्तृत; विस्तीर्ण, फैलाववाला. extensive
पण० १, ५,

पविरायमाण व कृ वि० (प्रविराजमान) शोभतु
विशेष रूपसे शोभा पताहुआ. Displaying
beauty. नदी० स्थ० १५,

पविजीण वि० (प्रवितीन) लीन थयेखु.
गणेतु लीन, लथपायाहुआ, गलाहुआ ab-
sorbed in; soaked in. जिवा०
३, १,

✓पविस धा० I. II. (प्र+विस्) प्रवेश
डरवे।; दाभल थनु. प्रवेश क ना, दाखिल
होना To enter, to penetrate

पविसइ निसी० ६, ४,

पविसेइ. निसी० ८, १४,

पविसंति भग० २०, १,

पविसेइ नाया० ८,

पविसे आया० १, ८, ४, ६,

पविसिस्सामि. सुय० २, ४, ४,

पविसित्तण हे० कृ० वव० ८, ५, दसा० ७,
१, वेय० १, ४७, ५, १५-४२,

पविसेउं हे० कृ० प्रव० १२६

पविसित्तु. रा० कृ० दस० ८, १८,

पविसित्ता स० कृ० दस० ५, १,

पविसइत्ता. स० कृ० भग० ११, ११,

पविसंत व० कृ० सु० च० १, १००. २,
४३, ज० प० ३, ६५,

पविसमाण व० कृ० सम० ८२ नाया० ३,
ज० प० ७, १३१, १४६,

✓पविस. धा० II (प्र+विशु-णि) दाभल
थनु, प्रवेश डरवे।. प्रविष्ट होना, अन्दर जाना.

To enter, to penetrate

पवेसेइ-ति. प्रे० नाया० ८, सु० च० ४, १४८.

पवेसेहि. आ० सु० च० २, ४५६

पवेसमाण. व० कृ० भग० ६, ३२,

पविसण न० (प्रवेशन) दाभल थनुं ते

प्रवेश; दाखिल होनेका कार्य; दाखला. Entrance. पिं० नि० ८०;

√पवि-स्व. धा० I (प्र+वि+प्) उत्पन्न करने. उत्पन्न करना. पैदा करना. To give birth to.

पविसुहृत्ता. ग० क० सू० २, २, ६५;

पविसिष्ठ. वि० (प्रविशिष्ट) शीघ्र श्रुति वधारे विशेषतावाला. दमर्ग अधिक विशेषताएँ रखने-वाला. Special; extraordinary. भग० ६, ३३. राय० ७०;

पविसिय. वि० (प्रवेशित) अन्दर दाखल करने मीतर प्रवेश किया हुआ (one) entering inside. प्र० ७५३;

पविसियंगी. स्त्री० (प्रवेशितांगी) स्त्री. अगमा देवतानो प्रवेश छे तेची स्त्री. वह स्त्री जिसके अग-सारीर-में देवता-प्रवेश-वास है. A woman haunted by a god. नाया० १,

पवीइअ. वि० (प्रवीजित) चीन्हे पखा किया हुआ, पवन डुलाया हुआ Fanned. ओप० ३१; भग० ६, ३३;

पवीण. वि० (प्रवीण) शत्रु; बुद्धिमान् चतुर, बुद्धिमान् Clever, proficient. सु० च० १, ३७५;

पवीण्या. स्त्री० (प्रवीणता) शत्रुशत्रु चतुराई, दक्षता. Proficiency: skilfulness. सु० च० ८, ३०१

पवूढ. वि० (प्रवृद्ध) नीडलेखुं. निकला हुआ. Coming out. भग० १५, १. ज० प० ३, ६५, ५५;

पवेइय. वि० (प्रवेदित) अज्ञावेद; निवेदन करने, दशावेद. जताया हुआ; निवेदित, दर्शित, विज्ञापित Notified; pointed out; said. भग० १, ३; २ ६; उत्त० २, १; ४६; १३, १३, २६, ४; २६, १; दस० ४; आया० १, १, १, १०; १, १, २, १५;

१, १, ३, २५; १, ६, ३, १८५; १, ७, २, २०४; सू० १, २, १, १४; क० प० ६, २३;

√पवेद्. धा० II. (प्र+विद्-णि) निवेदन करने. To request.

पवेदेर. निशी० १३, २७;

पवेदेमि. सू० २, १, ११;

√पवेच. धा० I. (प्र+वेच) कंपवुं; धुन्नु कांपना, घुजना. To shake; to tremble.

पवेवंति. आया० १, ६, २, १३;

पवेविय. वि० (प्रवेपित) कंपावमान थथेल; धुन्नेल. कपित, उद्वेलित; धृजा-थथर कांपा हुआ (one) trembling, quaking. पण० १, १; भग० ६, ३३, —अंगमंग. वि० (-अङ्गोपाङ्ग) स्त्री. अङ्गोपाङ्ग धुन्नेल छे ते. वह जिसके अग-प्रत्यग कम्पित हो चुके हैं. One whose limbs and minor limbs have trembled. भग० ६, ३३.

पवेस पु० (प्रवेश) प्रवेश करने प्रवेग करना. Entering. ओव० ४०; नाया० १६; भग० १, ६; २, १-५; वेय० १, १०; पण० २, ३; सु० च० १, ३७, ज० प० पचा० ५, २१, ८, १६;

पवेसअ वि० (प्रवेशक) प्रवेश करनेवाला प्रवेशक; दाखिल होनेवाला (one) Who enters. भग० २०, १०;

पवेसण पु० (प्रवेशनक) प्रवेश करनेवाला प्रवेश करना. Entering. भग० २०, १०;

पवेसणय-अ पु० (प्रवेशनक) प्रवेश करनेवाला प्रवेश करनेका कार्य-विधि. Entrance भग० ८, १. ६, ३२; १३, ४;

पवेसण्या. स्त्री० (प्रवेशन) प्रथम प्रवेश, उत्पत्ति. प्रथम प्रवेश; उत्पत्ति. The first entrance; origin. क० प० १, ४१;

पञ्च. न० (पर्व) वांस शेरडी आदिनी गांठ.
 वास, ईख आदीकी गाठ Knot of a
 bamboo, sugar-cane etc भग०
 ५, ७, २२, ६; पन्न० १, (२) तडेवारने
 दीवस पर्व त्यौहारका दिन A festi-
 val day. पि० नि० ५०३; (३) पक्ष,
 पञ्चवाडीयुं पक्ष, परववाद A fortnight
 सू० ५० १०, ज० ५० ५, ११७, ७,
 १५१, (४) परवडी, पाणीनुं पर्व पानीका
 पर्व A watering place. आया० २,
 २, २, ८०; (५) पर्वतनी मेखला. पर्वत
 मेखला. The saddle of a moun-
 tain. सू० १, ६, १२; (६) काष्ठी, घुटणु
 वगेरे डाडकाने सांधे कुहनी घुटने आदिकी
 हडियोंकी सधि-जोड The joints
 e. g. of elbow, knee etc. ठ० २,
 ३, उत्त० २, ३, जीवा० ३, ३, (७) आ-
 गुणीने वेढो A portion of a
 finger. ओघ० नि० ४८६, विरो० ३४८७,
पञ्चइय. त्रि० (प्रव्रजित) भ्रमन्त्या-दीक्षा
 दीधेस प्रव्रज्या लिया हुआ, गृहीत प्रव्रज्या
 An ascetic, (one) who is
 turned a recluse ओव० १४, उत्त०
 १०, २६, नाया० १, २, ३, ५, ७, ८,
 ६, १०; ११; १४, १५, १६; १८, १६,
 नाया० ध० १०, सम० १६; अणुजो० १३०,
 भग० ३, १, ७, १०; १३, ६, दस० ४,
 १८, ६, १६, ६, २, १२; उवा० १, १२,
 ७, २१०, सू० १, १, १, १६,
पञ्चंग पु० (पञ्चांग) अक्षर छिद्रवाणु वाद्य
 विशेष अठारह छिद्रवाला वाद्य विशेष A
 musical instrument with 18
 holes. ज० ५०
पञ्चग. पु० (पर्वग-क) गांठवाणी वनस्पति
 गंटीली वनस्पति A knotty vegeta-
 tion. भग० ७, ६, २१, ६; जीवा० १,
 पन्न० १, राय० ८६,

पञ्चज्जा. स्त्री० (प्रव्रज्या) दीक्षा, भ्रमन्त्या
 दीक्षा; प्रव्रज्या. Consecration; enter-
 ing a religious order. उत्त० ६,
 ६, ठा० ४, ४, सु० च० १५, ८५, विरो०
 ७, पि० नि० ५०५, नाया० ३; १४; १६,
 भग० ३, १, १५, १, नदी० ५०, भत०
 ८, २५, पंचा० १०, ३६, १७; २६,
पञ्चणी स्त्री० (पार्वणी) पर्वतिथी पर्वतिथि
 A festival day नाया० १, २, भग०
 ६, ३३,
पञ्चत पु० (पर्वत) पर्वत; पहाड. पर्वत, भुधर,
 पहाड A mountain अणुजो० १२७,
पञ्चति पु० (पर्वतिन) काश्यप गोत्रनी शाखाने
 पुत्र्य काश्यप गोत्रकी शाखाका पुरुष. A
 man of the branch of Kāśyapa
 family-origin. ठा० ७, १;
पञ्चय. धा. I. (प्रव्रज्) दीक्षा लेवी दीक्षा
 लेना To enter into a religious
 order.
पञ्चयामि नाया० १, ५; ८, १२; १६,
 भग० १३, ६; १६, ५, १८, २,
 नाया० ध
पञ्चयामो भग० १८, २, नाया० ५, ८, १६,
पञ्चपञ्जा. ठा० २, १;
पञ्चयाहि. नाया० ५, १२, १६,
पञ्चयह. नाया० ५, ८, १६,
पञ्चइहिति भवि० भग० १५, १,
पञ्चइस्ससि भवि० नाया० १, २,
पञ्चइहिसि. भग० ६, ३३,
पञ्चइस्सामि. नाया० १, १६,
पञ्चइस्सामो. ओव० २७, नाया० १२,
पञ्चइय. स कृ. भग० ३, १,
पञ्चइत्तए हे. कृ. ओव० ४०; नाया० १,
 ५, १२, १४; १६, भग० २, १;
 ३, १; ६, ३३; ११, ६, १५, १,
 १८, ७; सू० २, ७, १०, विवा०
 १; भत० ५, १, दसा० ८, १,

पञ्चयंत व कृ. उत्त० ६, ५; नाया० ५,
पञ्चावेह. प्रे० भग० २, १; १८, २. नाया०
१; नाया० घ० निसी० १, ३३;

पञ्चावेज्ज. प्रे० भग० ६, ३१;

पञ्चावेह. नाया० ८;

पञ्चावेहत्ता. प्रे० स. कृ. भग० ६, ३३;

पञ्चाविउं. प्रे० भग० १८, २;

पञ्चावित्तप. प्रे० वेय० ४, ४, ठा० २, १,
वव० ७, ६,

पञ्चावंत. निसी० ११, ३३;

पञ्च-य पु० (पर्वत) पहाड; दुंगर; पर्वत.
पहाड; पर्वत. A mountain. ज० प०
२, ३३; ३, ४१; ५, ११४; ६, १२५,
७, १४०; ओव० ३०; ठा० २, ३; सप० ७;
उत्त० ६, ४८, सू० प० ८, नि० ५, १,
नाया० १; ५, १६; भग० १, ८, २, १८,
३, २; ५, १, ६, ५; १५, १; १६, ६;
दस० ७, २६, ६, १, ८, सूय० २, २, ८;
निसी० १२, २२; सु० च० २, १७६, जीवा०
३, ३; ज० प० —आउय. वि० (—आयुष्क)
पर्वतना जेटला आयुष्यवाणो. पर्वत समान
आयुष्यवाला. (one) having an age
like a mountain. ज. प० ५, ११४,
उवा० १, ७४, ८, २५३; भत० २८; क०
ग० ७, १६; कथ० ३, ५२; —ग.
न० (—अग्र .) पहाडनी टोय. पहाडकी
चोटी. A summit of a mount.
दसा० ६, १; —दुग्ग पु० (—दुर्ग) पर्व-
तना टिह्लो, पर्वत उपर टिह्लो. पहाडी
किला, पहाड पर बनाहुआ किला. A moun-
tain-stronghold. प्रव० १४६७,
—मह. पु० (—मह) पर्वतना उत्सव.
पार्वतीय उत्सव. A mountain festi-
vity. भग० ६, ३३, —राय पु० (—राज)
पर्वतना राज भेइ पर्वत पर्वतका राजा
मह पर्वत. The king of the

mountains, the Meru mount.

ज० प० ७, १४०, —विदुग्ग. पु० (—विदुर्ग)

पर्वतानो समूह पर्वत समूह A group
of mountains भग० १, ८, नि०

१२, २०; —संठिय. वि० (—संस्थित)

पर्वतने आधारे रहैल पर्वतकारस्थित.

Remaining in the form of a
mountain. भग० ८, २; —समिय.

वि० (समिक) पर्वत समान पर्वतके समान.

Like a mountain. ज० प० १, १२,

पञ्चयत्र पु० (प्रव्रतक) प्रव्रतक—भीष्म वासु-

देवना तीन पूर्व जन्म नाम प्रव्रतक—दूसरे

वासुदेवके तीसरे पूर्व भवका नाम. Name

of the 3rd previous life of

the 2nd Vāsudeva. सम० ५-२३६,

पञ्चराहु. पु० (पर्वराहु) सूर्य तथा चंद्र

ग्रहण करनार अथ अह सूर्य चंद्रको ग्रसनवाला

एक ग्रह A planet which preys

upon the sun and moon. भग०

१२, ६; सू० प० २०;

पञ्चह. घा० I. (प्रमथ्य) पीडा उपजनयवी.

पीडा उत्पन्न करना To afflict

पञ्चहंति. भग० ३, १,

पञ्चहेज्जा. वि० सूय० १, १४, ६;

पञ्चहिज्जमाण नाया० १६;

पञ्चहणा. न० (प्रव्यथन) लय उत्पन्न करवे;

अथ करवी. भय उत्पन्न करना; व्यथा होना,

पीडा Causing pain or fear.

ओव० ४०; राय० २६४,

पञ्चहिय. वि० (प्रव्यथित) प्रथम अथ—पीडा

पामेक्ष; दुःखी थयेल प्रबलव्यथामे पीडित,

दुःखप्राप्त. Distressed; troubled.

आया० १, १, २, १४; १, २, ६, ६७,

पञ्चा. स्त्री० (पञ्चा) सूर्यनी आल परि-

षद. सूर्यकी बाह्य परिषद The ex-

ternal assembly of the Sun.

जं. प. ७, १५१, जीवा० ३, ४;

पञ्चाइया स्त्री० (प्रवाजिका) तपस्विनी स्त्री,
सन्ध्यासल्य तपस्विनी स्त्री, सन्ध्यासिनी. A
nun. मु० च० ४, १३५,

पञ्चाण. वि० (प्रस्तान) क्षुब्धमात्रेण, ७२
मुक्षुत्रेण. कुम्हलायाहुआ, कुक्ष २ सखाहुआ
Faded, dried up. ओष० नि० ४४८,

पञ्चान. वि० (प्रस्तान) लुओ "पञ्चाण" शब्द.
देखो "पञ्चाण" शब्द. Vide 'पञ्चाण'.
अणुत्त० ३, १,

पञ्चाय. वि० (प्रस्तान) लुओ "पञ्चाण"
शब्द देखो "पञ्चाण" शब्द. Vide 'पञ्चाण'
पि० नि० भा० ४४,

पञ्चावणा स्त्री० (प्रवाजन) दीक्षा आपत्ती
ते दीक्षा देनेका कार्य Initiation. ठ०
४, ३, वव० १०, १३, १४, प्रव० २५,
—अन्तेवासि. वि० (—अन्तेवासिन्) दीक्षा
अर्पण करेला शिष्य, दीक्षित दित्तित गिष्य
A consecrated, disciple. ठ० ४,
३, वव० १०, १३-१४, —अणरिह वि०
(—अर्णह) दीक्षा आपवाने योग्य नदि ते
दीक्षाके लिए अयोग्य व्यक्ति Not fit
for consecration. प्रव० २५,
—आयरिअ. पु० (—आचार्य) दीक्षा
आपनार गुरु दीक्षा देनेवाला गुरु-आचार्य
A preceptor who initiates ठ०
४, ३, वव० १०, १२,

पञ्चाविय. वि० (प्रवाजित) प्रवक्त्या आपेक्ष;
दीक्षित करेला प्रवक्त्या दियाहुआ, दीक्षित.
(one) consecrated. भग० २, १,
१५, १, नाया० १; नाया० ध० पचा० १०,
४८,

पञ्चाहरंत वि० (प्रव्याहृत) प्रकर्ष करी व्या-
ख्यान आपत्ता. उत्तपरीतिसे व्याख्यान देतेपुण
Lecturing well. वञ्चाहरओ-प० ए०
सम० ३४,

✓पञ्चिह. धा० I (*) डेडु फेंकना.
To throw

पञ्चिहिति भग० १६, १,

पञ्चिहमाण. व० कृ० भग० १६, १,

पञ्चीसग. पु० (पञ्चीसक) वाद्य विशेष. वाद्य
विशेष. A kind of musical instru-
ment. पणह० १, ४,

पसइ. स्त्री० (प्रघति) डयेणीमा माय तेडलु
माने, पसली हयेली प्रमाण. That which
can be contained in the palm;
a rib अणुजो० १३२, तडु० प्रव० ५१८;

पसंग पु० (प्रसङ्ग) अवसर; तड अवसर,
सन्धि A chance, an opportunity.
ओव० २१, ओष० नि० भा० ३००, पि० नि०
१११, १८७, पणह० १, ४, पचा० ३, १६,
६, ५०, ८, १५, आव० ४, ७,

पसंत वि० (प्रशान्त) शान्त, उपशमेला शान्त,
उपशमित. Tranquil; pacified ज० प०
५, ११३, ओव०, अणुजो० १३०; उत्त० ३४,
२६, भग० २५, ७, सु० ष० ३, २, दस०
१०, १, १०; राय० ३५, प्रव० १२५, कय०
५, ११६; —चित्त. न० (—चित्त) शान्त
मन शान्त मन A calm mind. पचा०
२, २, —चित्तमाणस वि० (—चित्तमानस)
जेनुं थित अने मन राग द्वेषादिःथी शान्त
थयु होय ते राग षादिसे निवृत्त चित्तवाला.
(one) whose mind is free from
love and hatred सम० ३४; —जीवि.
वि० (—जीविन्) शान्तिपूर्वक शयनार.
शान्तिपूर्वक जीनेवाला. (one) who lives
peacefully. भग० ६, ३३;

पसंघण न० (प्रसन्धन) सततपण्डे प्रवर्तवु.
सतत प्रवर्तन Moving or proceed-
ing always. पि० नि० ४६०,

✓पसंस धा० I (प्रशस्) वभाणु करवां,
कडेवु. वर्णन करना, कझा, प्रशंसा करना. To
praise, to eulogise.

पसंसद. सू० २, २, २०; निमी० ११,
३१-४२;

पसंसंति. सू० १, ११, २०;

पसंसंत. व. कृ. सू० १, १, २, २३,
सु० च० २, ६४३; १५, ५५;

पसंस. पु० (प्रशस) लोभ. लोभ Greed.
सू० १, २, २, २६;

पसंसण. न० (प्रशस्त) प्रशसा इत्येते
प्रशस्त, तारीफ-स्तुति कर्त्तव्य कार्य. Ista-
logy; praise. दस० ७, ५५;

पसंसणिज्ज. त्रि० (प्रशस्नीय) प्रशसा इत्या
योऽय. प्रशस्नीय, स्तुत्य. Praiseworthy;
laudable. तद्ध०

पसंसा. स्त्री० (प्रशसा) प्रशसा; वप्ताण्यु;
श्लाघा. प्रशसा; स्तुति, वखान, श्लाघा.
Praise; eulogy उत० १५, ५; पि०
नि० ११७; सु० च० १, ३७७, प्रव० ६४७.
उवा० १, ४४;

पसंसिअ. त्रि० (प्रशसित) वप्ताण्यु इत्येते;
स्तुति इत्येते, प्रशसित, कृतस्तुति. Praised;
eulogised उत० १४, ३८, आया० १,
२, ४, ८५. १, २, ५, ६३;

पसज्ज था० I. (प्रसज्ज) तत्पर रहने;
आसक्त धनुं. तत्पर रहना, उद्यत रहना, आ-
नक्तहोना. To be ready, prompt,
to be attached to.

पसज्जसि. उत० १८, ११, सु० च० ४, २८६.

पसज्ज स० कृ० सू० २, ६, ३०,

पसद. त्रि० (प्रशठ) शठ, अनि लुब्धो. शठ,
दुष्ट, अन्यन्त लुचा A knave, a wick-
ed fellow. सू० २, ४, ३, (२)
लेशवरीथी भेगवेसु शक्तिद्वारा मिलायाहुआ.
Forcibly obtained. दस० ५, १, ७२,

पसराण न० (प्रसन्न) मद्यविशेष मद्य विशेष
A sort of wine. विवा० २, नाया०
१६. (२) सुंदर, अत्यंत, निर्भय. सुंदर.

गच्छ, निर्मल. Beautiful; pure,
clear. ओव० ३८.

पसत्त. त्रि० (प्रसक्त) प्रसक्त्या प्राप्त धनं.
प्रसक्त्या प्राप्त. Come by chance,
occurring at an opportunity.
ज० १० ५, ११५. वि० १८; सु० १० २०,
राय० ६५, गच्छा० १०४,

पसत्थ. त्रि० (प्रशस्त) श्रेष्ठ. प्रशसा इत्या योऽय
श्रेष्ठ, प्रशस्नीय, स्तुतिपात्र. Excellent;
praiseworthy. उत० २६, २८, ३२, १३;
अणुजो० ६६, ओव० भग० १, ७-६, ३,
१, ६, १, ६, ३१, ११, ११, २४, १;
नाया० १, ८; पि० नि० ५६; वि० ५०७,
जीवा० १; वेय० ६, १६; पत्र० १७, राय०
५८, मम० २८, उवा० ७, २०६. भत० १८,
३१, ६८, कय० ३, ३५; ३६; ५६; जं.
५० ७, १६६, २, २०; ३, ५७, (२)
वप्ताण्येते; प्रशसा पाभेद प्राप्तप्रशसा; श्रुत
कीर्ति; प्रशसित Praised. eulogised.
गच्छा० १२७; —कायचिणाय पु०
(—कायविनय) शरीरने स्थाधीन राखनुं ते;
शायतो प्रशस्त विनय. शरीरको अपने
आधीन रखना, कायाका प्रशस्त विनय. Con-
trolling the body. भग० २५, ७,
—द्वियह. पु० (—द्वियह) सारे द्वियह
सारादिन, दिनभर The whole day.
पचा० ७, २०; —दोहल पु० (दोहल)
गर्भिलुत्पिना प्रशस्त मनोरथ गर्भिलुत्पिना प्रशस्त
मनोरथ, दोहल, अभिलाषा. An excellent
desideratum नाया० ८, —पुरिस.
पु० (पुरिस) प्रशस्त-प्रख्याति पाभेद पुरिस.
प्रख्यात व्यक्ति An eminent person
गच्छा० १२७,

पसन्धार. त्रि० (प्रशस्त) धर्म शास्त्र भाष-
ना; पाठ इत्यादि. धर्मशास्त्रका विद्यार्थी; धर्म
शास्त्रको पढ़नेवाला One who studies

the scriptures. ओव० १४, २७,
ठ० ३, १,

पसत्थार वि० (प्रशास्त्र) बुद्धि अण्थी
शासन करनेवाला, शासक A minister, one
who governs by intellectual
power. सूय० २ १, १३, सम० ३०,
भग० ६, ३३,

पसन्न. वि० (प्रसन्न) व्यञ्ज, निर्भण स्वच्छ,
निर्वल, साफ Clear. (२) हर्ष पाभेल.
हर्षित Pleased उत्त० १, ४६, १२, ४६,
१८, २०, पि० नि० भा० १८ दम० ६,
६६, नदी० स्थ० २६, तडु० उवा० ८, २४०;
—मुह वि० (—मुख) हस्ययुक्त मुखावाला.
हास्ययुक्त मुहवाला. Having a smiling
face. सु० च० १, ३०६,

पसन्ना. स्त्री० (प्रसन्ना) ऐक्यजननी भस्त्रि.
मदिरा—मद्य विणेष A kind of wine.
पत्र० १७; उवा० ८, २४०,

पसप्पग. वि० (प्रसर्पक) देशान्तरभां जनार,
मुसाद्री करनेवाला. देशान्तरगामी, प्रवास करने
वाला A traveller. ठा० ४, ४,

✓पसम धा I (प्र+मम्) शान्त धवु गान्त
होना To be pacified

पसमद्. प्रव० ७१२,

पसमंत. व० कृ० प्रव० १७३;

पसम पु० (प्रसम) शान्ति शांति, निरतञ्चना
Tranquility, calmness. भन०
१३,

पसमण. न० (प्रसमन) द्यावपु, शान्त करनेवाला,
दवाना, शान्त करना Pressing; appeas-
ing, pacifying. पि० नि० ६६३

पसमिक्ख स० कृ० अ० (प्रसमीच्य) विचार
राने, आलोचने विचार करके, आलोचना
करके. Having thought or con-
sidered. उत्त० १४, ११,

✓पसर. धा० I (प्र+सृ) विस्तार पाभयो
विस्तार पाना; फैलना. To extend;
to expand

पसरद्. उत्त० २८, २२, भग० ११, ६,
पत्र० १,

पसरद्दत्ता भग० ११, ६;

पसरंत. सु० च० १, ५६,

पसारेति. प्रे० राय० ८०,

पसारिण. वि० उत्त० १, १६,

पसारेज्ज. वि० भग० १४, १०,

पसारेज्जा वि० भग० १४, १,

पसारित्तु स० कृ० आया० १, ८, १, २२,

पसारेत्तप. हे० कृ० भग० १६, १-१, ८,

पसारेमाण. व० कृ० नाया० १, भग० १६, ८,

पसर. पु० (प्रसर) प्रसर-विस्तार. प्रसार;
विस्तार. Expansion नाया० १, गच्छा०
६६, कय० ३४३,

पसर. पु० (प्रसर) सफेद धायावाणु डरगु.
सफेद धायावाला हिरण्य. A white-spott-
ed deer भग० ८, २, पणह० १, १,
पत्र० १, ज० प०

पसरिअ-य वि० (प्रसृत) विस्तार पाभेल,
पसरल. प्राप्तविस्तार, विस्तृत, फैला हुआ
Expanded, extended ओव० २१,
नाया० १, पणह० १, ३, सु० च० ७, २८,
जीवा० ३, ३,

✓पसव धा० I (प्र+सृ) जलपु. प्रसव
थेना. जनना; प्रसव होना, जन्म देना. To
give birth to; to deliver.

पसवद् नाया० ३,

पसवन्ति जीवा० ३, ३;

पसवामि. सु० च० १, १६५,

पसव. पु० (प्रसव) उत्पत्ति, जन्म. उत्पन्न होना,
जन्म, उत्पत्ति Birth delivery. नाया०
१, २ —काल. पु० (—काल) प्रसूतिना

समय प्रसूतिकाल, जन्मसमय. The time of delivery or birth. भग० १, ७;
पसवण न० (प्रसव) प्रभूनि; जन्म प्रसूति,
जन्म; उत्पत्ति Delivery, begetting.
भग० १, ७,

पसाय. पु० (प्रसाद) भक्षेयानी. कृपा.
पंडेयानी, कृपा, प्रसन्नता, आशीष. Favour,
kindness. उत० १, २०, भग० ४२,
१, वि० ६३५, ३२२८, सु० च० ४, १४७,

पसायण. न० (प्रसादन) भुञ्जी क्षत्रु. खुशी
करना Favouring, propitiating
सु० च० १, ७६;

पसारण. न० (प्रसारण) विस्तार क्षत्रु
रूप किया, पांच कर्मोंमें विस्तार कर्म.
विस्तार किया, पांच कर्मोंमें तीसरा कर्म
Expanding, spreading. the
3rd of the 5 karmas. ओव० ४, ४,
वि० २४६२;

पसारिअ-य. वि० (प्रसारित) पसारेल, फैलावे
पनरा हुआ, फैलाया हुआ. Extended,
spread भग० १६, १, उत० १२, २६,
दम० ४; वि० १०६८, गय० ६५, ज०
प० ५, १२१.

पसासेमाण. व० क० वि० (प्रजासमान=प्रजासत)
शासन अलायतु, शासन व्यवस्था करने.
शासन करना हुआ, राज्य व्यवस्था करता हुआ
Governing, ruling ओव० ज० प०
३, ४२,

पसाह. वा० I. (प्रसाध) पालन क्षत्रु,
सेवतु. (२) साधितु, पश क्षत्रु पालन करना,
मेवन करना. (२) साधना, वश करना. To
nourish; to serve; to support,
to control.

पसाहि. आ० उत० १३, १३,

पसाहिता. उत० १८, ४२.

पसाहेमाण नाया० १६,

पसाहण. न० (प्रसाधन) शृंगारना साधन,
आभूषण पदार्थ शृंगारके साधन. आभूषण आदि.
Ornaments. embellishments
भग० ११, ११, नाया० १ जीवा० ३, ८,
गय० ११६, —ग्र० न० (-ग्रह) अक्षर
पक्षेयानी उतावानु ध० अलंकार ग्रह, शृंगारग्रह-
कत्र. A room or place for
decorating oneself, a toilet-
room. जीवा० ३, ४, गय० १३६,

पसाहणक. वि० (प्रसाधक) शृंगारनु स्थान
शृंगार भूमि A place of decoration
or sexual sports. पग० २, ४,

पसाहा. स्त्री० (प्रसाधा) शाखाभांथी तीक्ष्ण
शाखा. अण० शाखामें निकली शाखा, डाल,
छाती An offshoot. गय० १५५, ओव०

पसाहिय. वि० (प्रसाधित) अलंकृत क्षत्रु
सजायाहुआ; अलंकृत Decorated, adorn-
ed. उत० २२, ३०, सु० च० २, ४८३;

पसाहिया स्त्री० (प्रसाधिका) शृंगार क्षत्रुयाणी.
शृंगार करनेवाली A female who
looks to the toilet. भग० ११, ११;

पसिऊण स. क० अ० (प्रसीध) प्रसन्न धरने
प्रसन्नहोकर Being pleased सु० च०
१, ८३, ८, ४०,

पसिद्धिल. न० (प्रसिद्धिल) पडिलेयाना पत्रा
दिक्क भूत रीने न पडियाथी लागतो दोष;
पडिलेयाना दोषतो अक्ष प्रकाश पडिलेहनेके
बलादिको सज्जतीमें न पकडे कारण लगनेवाला
दोष, पडिलेहण दोष विशेष A fault due
to not holding tightly the
garments to be especially
cared for (२) वि० शिथिल, ढील.
शिथिल, ढीला. Loose, slack. उत०
२६, २७, ओव० २६, भग० ६, ३३, नाया०
१, ओव० नि० २६७, पग० २,

पसिण. पु० (प्रश्न) प्रश्न; सवाल
A question. उक्तं १८, ३१; ओव०
१६, भग० २, १-५, ५, ४, ११, १२,
१५, १, १८, ७, नाया० १, ५, निशी०
१३, १५, नदी० ५४, राय० २३५, प्रव०
६५१, उवा० ६, १७४, —**अपसिण.** पु०
(—अप्रश्न) शुभ तथा अशुभ प्रश्नारने
तेभ्यः नदि पूछनारने इहेयु ते. शुभाशुभ
प्रश्नके कर्ता एव अकर्ता दोनोसं कहनेका कार्य—
कथन Stating to both who asks
or does not ask omens प्रव० १११,
६५१, नदी० ५४, निशी० १३, १५,

पसिद्ध त्रि० (प्रसिद्ध) ग०हेर, प्रख्यात.
प्रख्यात, प्रसिद्ध, जाहिर Famous noted
पि० नि० ६, पचा० ३, १६, ३२, प्रव०
६८६,

पसिद्धि स्त्री० (प्रसिद्धि) प्रसिद्धि प्रसिद्धि
Fame. (२) शङ्कानु समाधान. नकासमाधान.
Clearance of a doubt. त्रि०
२८०५, प्रव० ७४०, पचा० ४, ४८,

पसिस्त. पु० (प्रशिष्य) शिष्यनो शिष्य
शिष्यका शिष्य. A disciple of a dis-
ciple भग० ६, ३१,

✓**पसीद्.** धा० II. (प्र+प्) प्रसन्न इरवु;
रीअपवु प्रसन्न करना, रिभाना, खुश करना.
To please, to propitiate
पसापद्. प्रे० उक्तं १२, ३०,
पसाअप विधि० उक्तं १, १३, ४१,
पसीय. आज्ञा० सु० च० १, ३४६,

पशु पु० (पशु) गाय लैंस वगेरे पशु गाय
भैंस आदि पशु. An animal उक्तं ३,
१८, ६, ५, ६, ४६, ओव० १६, स० ६,
अणुजो० १३०, भग० ३, १, ८, २, १८, १०,
नाया० १, ५, दस० ७, २२, ओघ० नि०
७३६, —**जाह.** स्त्री० (—जाति) जनपदेशनी
जन पशुप्रोक्ती जाति. A class of

animals. निशी० ७, २६, —**जाईअ.** त्रि०
(—जानीय) पशु जनिनुं. वानरादि पशु
जातिका, वानरादि Belonging to the
class of animals वंश० ५, १३,
—**बंध.** पु (—बन्ध) पशु बन्धननो हेतु.
पशु बन्धनका हेतु The cause of the
animal-bondage उक्तं २५, २८
निर० ३, २, —**भक्त** न० (—भक्त) पशुने
अर्थे भोजन पशुका भोजन Food for
animals निशी० ६, ६, —**विवर्जित**
त्रि० (—विवर्जित) पशु रक्षित. पशु किंहीन
Devoid of animals प्रव० ८९,

पसुत्त त्रि० (प्रसुप्त) सुनेलु. सोया हुआ.
Sleeping नाया० १६, पण्ड० १ ३,
पसुवद् पु० (पशुपति) शिव, महादेव शिव,
शकर, महादेव Śiva, the god San-
kera. सु० च० २, १०,

पसूद्. स्त्री० (प्रसूति) प्रसव. उत्पत्ति प्रसव,
उत्पत्ति, जन्म Birth, begetting त्रि०
१३४८, पचा० १३, ४,

पसूति. स्त्री० (प्रसूति) डाढ विशेष हे जेभा
नथ क्षपवा छना येतनाने लान न थाय
तेवा स्थितिना डाढ कुष्ठ विशेष जिममें नखोंके
कटने परभी चेतनाका स्पर्श न मिले A
kind of leprosy in which the
leper does not feel though his
nails are cut. पि० नि० ६००,

पसूय. त्रि० (प्रसूत) प्रसव पामेल, जन्मेन.
प्रसूत, जन्माहुआ Begotten, born उक्तं
२३, ५१, अणुजो० १३४, नाया० ७, उवा०
१४, २, दस० ७, ३५, भग० ११, ११,

पसेण्ड-य. पु० (प्रमेतजित्) अतगःसूत्रना
१ला-वर्गना नवमा अध्ययनतु नाम
अतगःसूत्रके १ ले वर्गके नव अध्ययनका नाम.
Name of the 9th chapter of the
1st Varga of Antagada Sūtra

(२) अधकृष्णिना पुत्र नवमा दशर ३ वे नेमनाथ प्रभु पासे दीक्षा ग्रह गार वर्ष प्रमन्या पाणी शेषुंगन उपर ओष्ठ मासना सधारो डरी निर्यालुपद पाभ्या. अधकृष्णिके पुत्र नवं दशर जिन्होंने नेमनाथ पशुमं दीक्षा ले चारह वर्ष तक प्रमन्या पाली और गुरुजय पर एक मासका मयाग काके निर्वाणपदको पहुँचे. The 9th Daśāra, the son of Andhakavṛṣṇi, who was consecrated by the lord Nemi-nātha, remained an ascetic for 12 years and fasting on Śatrunjaya for a month attained salvation. अतः १, ६; (३) आरभा कुलगरनुं नाम. जं० प० २, २८, (४) प्रसेनजित् नामे आलु अवसपिण्डिना पांयभा कुलकर. प्रसेनजित् नामक वर्तमान अवसपिण्डीके पाचवें कुलकर. The 5th Kulakara named Prasena-jit of the current aeon of decrease. सम० १-२२६,

पसेणि स्त्री० (प्रसेणि) उपवर्गः धीपा १, थांयी २, भोयी ३, गाया ४, सेध ५, लुडार ६, लिसान ७, सराण्णीया ८, नापी ९, ये नय नानतो डरीगर वर्ग. उपवर्गः छीपे, धांची, मोची, गाछे, खैस, लोहार, नाई आदि नौ जातके कारीगर. A class of 9 artisans viz. a dyer; oilman; cobbler; smith; barber नाया० १, २, ८, ज० प० ५, ११६, (२) पंक्ति-भायी नीडुगेव पंक्ति. पक्तिषमे निकलीहुई पक्ति, दूसरी पक्ति A row drawing out from another. राय० ४६;

पसेवय. पु० (प्रमेवक) लज्जमनी डोथणी नाईकी पेटी. A barber's bag. "एहा-विश्वसेवप्रोव उखिलवनि दोवि तरस थणया" उवा० २, ६४.

पस्स. पु० (प्रक्ष) लुभो "पर्सलु" शब्द. देगो "पर्सण" शब्द. Vide 'पर्सण'. राय० २६५;

पस्सास. (प्रथम) विच्छेद गयेल आरभा द्रष्टिवाद अंगना पीज्ज विलाग-सूत्रतो २१ भो भेद. विच्छेद प्राप्त वारहणं. द्रष्टिवाद अंगकं दूसरे विभागसूक्ता २१ वा भेद The 21st variety of the 2nd part of the 12th Drstivāda which is lost. नदी० ५६.

पस्सि. पु० (पाईयक) जेतना०-मनिजान-१ मनिअजान-२ अयलुगर्शन-३ ये तलु उपयोग शिवाय आडीना नय उपयोगवाणो ७५. द्रष्टा-मति ज्ञान, मति अज्ञान, अचक्षु दर्शन आदि इन तीन उपयोगोंके अतिरिक्त शेष नौ उपयोगवाला जीव An observer; a being with the nine uses exceeding the three viz. Matiguāna; Matiaguāna and Achaksdar-sana. पम० ३०;

पह. पु० (पथ) रस्ते; मार्ग. रास्ता, मार्ग. पथ A path; a way. ओव० २७, उ१० ६, २; १०, ३२; स्य० १, १, २, १६, नाया० १; ३; १५; भग० २, १, ५, ७, ६, ३३; १५, १; पि० नि० ५१, २००; विवा० ३; निसी० ११, २६; नदी० स्थ० २२; जीवा० ३, ३; सु० च० १२८; पत्र० २, १६; उवा० ४, १५८; वज० ७, २०-२१; गच्छा० ४८,

पहंकरा. स्त्री० (प्रभंकरा) प्रलंडरा नामनी देवी. प्रभका नामक देवी. A goddess named Prabhaṅkarā नाया० ध० ८;

पहंजण. पु० (प्रभज्ज) प्रलज्जना नामनी ओष्ठ धन्द्. प्रभंजन नामक इन्द्र Indra named Prabhanjāna. सम० ३२;

पहकर. पु० (प्रकर) समूह; ७थी. समूह; मुंड. A group; a hort. ओव० भग० ६, ३३; नाया० १; पण्ड० १, ३; ज० प० राय० ७०; २१३; कथ० ३, ४२;

पहह. वि० (प्रहृष्ट) आनन्द पाभेक्ष. प्राप्त आनन्द; प्रसन; हर्षित. Delighted, pleased. नाया० ६; जीवा० ३;

✓पहण. धा० I. II. (प्र+हृन्) मारजुं. मारना, हनन करना. To slay; to kill.

पहणैइ. दसा ६, ५,

पहणइ. भग० ७, ६,

पहणाहि. आ० भग० ७, ६,

पहण आ० भग० ७, ६,

पहणित्तप. हे कृ. भग० ७, ६,

पहणांति. प्रे० सूय० १, ४, २, २,

पहणिय वि० (प्रहत) मारनामां आवेक्ष. माराहुआ, हत. Slain; killed. सु० च० १, ४३;

पहय. वि० (प्रहत) हलुवाभां आवेक्ष. हत, माराहुआ. Slain. भग० ७, ६; ६;

✓पहंर धा० I. (प्र+हृन्) प्रहार करने. प्रहार करना. To strike.

पहरिज्जइ. क० वा० सु० च० १०, ५६,

पहर. पु० (प्रहर) पड़ोस. प्रहर, पहर. A watch (of 3 hours). सु० च० ८, १८६; —उवरिं. अ० (-उपरि) ओक्ष पड़ोसथी पधारे-उपर एक प्रहरसे अधिक. More than or above a watch प्रव० ८८६;

पहरण. न० (प्रहरण) आयुध; शस्त्र आयुध; शस्त्र. A weapon. ओव० ३०; भग० ७, ६; नाया० २, ८, १६, जीवा० ३, ४; विवा० २; ज० प० ३, ५२; ४, ८८; राय० १३०; प्रव० १२४०; —रयण न० (-रत्न) शस्त्र रत्न; श्रेष्ठ धृतीयार श्रेष्ठ हथियार; उत्तम शस्त्र. The best weapon. भग० १८, ७, विवा० ३;

पहराइया. स्त्री० (पहराजिका) ओक्ष तरहनी क्षिपि, १८ क्षिपिभांती ओक्ष. श्रद्धारह लिपि-योंमेंसे एक लिपि विशेष. A kind of character; one of the 18 characters. पत्र० १,

पहव. पु० (प्रभव) उत्पत्ति स्थान. उत्पत्ति-स्थान. A birth place. सु० च० २, १६; पत्र० ११;

पहवीकरण न० (प्रह्वीकरण) अन्नभने नन्न अनापनार. उद्धतको विनयी बनानेवाला. One who humbles the rude. विशेष ३००८;

पहसिय वि० (प्रहसित) हसेलुं; भुशी थयेलु. हँसाहुआ; प्रहसित, प्रसन्न. Delighted, laughed. नाया० १; ८; भग० ११, ११; जीवा० ३, ३;

पहसिर. वि० (प्रहसन्शील) हसमुख. हँसमुख, हास्यपूर्ण Smiling. सु० च० २, ३२७,

✓पहा धा० I (प्र+हा) तग्यु. छोड़ना; तजना; त्यागना. To abandon; to give up.

पहिज्ज वि० उत्त० ४, १२;

पहाय. स० कृ० उत्त० २१, २१;

पहा. स्त्री० (प्रथा) प्र्याति. प्र्याति; रीति, पद्धति Fame; usage ज० १०

पहा. स्त्री० (प्रभा) कान्ति; तेज. कान्ति; तेज Lustre. नदी० स्थ० १०; सु० च० १, ४६; कथ० ३, ३४;

पहाण. न० (प्रहाण) नाश; हानि. नश; हानि; नुकसान. Destruction; loss उत्त० ३, ७, सम० १०,

पहाण. वि० (प्रवाल) श्रेष्ठ; उत्तम; मुख्य. श्रेष्ठ, उत्तम; प्रमुख. Excellent; Chief; principal ज० प० ७, १६६; ओव० १४, १६, ४०, ठा० ४, २, भग० ७, ६; १२, ६, नाया० १; विशेष १०५२, ओव० नि० ११४; नदी० स्थ०

३८; सु० च० १, २८८; कप० ३, ५६, ५, १४६; पंचा० २, ३६; ४, ६, भत० ३३;
 (२) सांख्य मताभिमत प्रकृति; सत्त्व, २०७
 अने तमश्चनी सांख्यापद्धत्या. गांख्य मताभि
 मत प्रकृति, सत्त्व, रजस् तथा तमस्को साम्या-
 वस्था. The "matter" of the Sān-
 khya system of Philosophy; the equal status of Satva, Rajas
 and Tamas. सूय० १, १, ३, ६;
 —पुरिस. पु० (-पुल्ल) शैयादि शुभोत्थी
 श्रेष्ठ. शौर्यादि शुभोत्ते श्रेष्ठ. An excellent
 or eminent man. सन० ५-२३५;
 पहाणायर. त्रि० (प्रवानतर) अत्यन्त श्रेष्ठ.
 अत्यन्त श्रेष्ठ-वत्कृष्ट. More excellent;
 better. विने० ११३१;
 पहाण्या. स्त्री० (प्रधानता) मुख्यपक्षं मुख्यता,
 प्रधानता; प्रामुख्य. Eminence, promi-
 nence अणुजो० १३१;
 पहाणवंत त्रि० (प्रधानम्) सयम-समाधिवालो.
 सयम समाधिवाला. One who concen-
 trates on self-restraint व्त० २१,
 २१;
 पहाय. न० (प्रभात) प्रातःकाल प्रात काल,
 प्रभात, सवेग. Morning. ओव० १३,
 ओघ० नि० १०;
 पहाया. स्त्री० (प्रभाता) वनस्पति विशेष
 वनस्पति विशेष. A particular vege-
 tation. अणुत० ३, १;
 पहार. पु० (प्रहार) प्रहार-मार, धा. पहार,
 मार, धाव. A stroke; a blow. नाया०
 १; २; ६; पण० १, १, दम० ६, १, ८;
 स्या० ६८, क० प० ५, ३८, —गाढ.
 त्रि० (-गाढ) गाढ प्रहार; मज्जित धा.
 गाढ प्रहार; मज्जित गहरा धाव. A strong
 blow or stroke. दसा० ७, ४२;
 पहाराहया. स्त्री० (प्रभाराजिका) अक्षर लिपि-
 भांती सातभी लिपि. अक्षरह लिपियोर्मिसे

सातवीं लिपि. The 7th character
 of the 18. "सामाविद्या पदाराध्यायतस्या"
 सम० १८; पन० १;
 पहारित्य. अ० (प्रहारित्व) धारु, निश्चय
 इत्यां. निश्चिक्रिया; दृढ निर्धारण क्रिया A
 thing resolved or decided
 ओव० ३१,
 पहारित्य त्रि० (प्रहारित्व) लुप्तो 'पहारित्य'
 शब्द. देवो "पहारित्य" वन्द Vide
 "पहारित्य." सूय० ७, ७, ३६; "पहारित्यगमणां"
 भग० ६, ३३; १२, १; १५, १; १६, ५,
 नाया० १, २, ४, ८, ६; १३; १४; १६.
 १६; विद्या० ३; जीवा० ३, ४; ज० प०
 पहाव. पु० (प्रभाव) पण्डित, भावित्य.
 पराक्रम; महत्त्व. Prowess; greatness.
 कथ० २, २७,
 पहाविअ-य. त्रि० (प्रवाक्ति) दौडेल; दौड
 दौडेल दौडालुआ. (one) who runs
 ओन० २१; नाया० १; पण० १, ३; सु०
 च० १४, ४३;
 पहास. पु० (प्रभास) प्रभास नामना श्री
 महावीर स्वामिना अगीयारभा गणधर.
 श्री महावीर स्वामिके प्रभास नामक ग्यारहवें
 गणधर. The 11th Ganadhara
 named Prabhās of the lord
 Mahāvira. वित्ते० १६७२; नदी० स्थ०
 २१, कथ० ८,
 पहिद. त्रि० (प्रहृष्ट) शुशी धयेल हर्षित,
 प्रसन्न Delighted; pleased. भग० १,
 १; ओव० १०; २६; सु० च० १, ५८,
 पहिय. त्रि० (प्रक्षित) विस्तार पाभेल. विस्तृत,
 प्रथित; फैलाहुआ. Extended; spread.
 ओव० ३१; ज० प० सु० च० १, ३५५;
 पहिय. पु० (पथिक) भुसाक्षर. पथिक, यात्री,
 भुसाक्षर. A traveller. भग० ३, २,
 नाया० ८; १३; पि० नि० १६३; सु० च०
 २, ४०६,

पहिय. वि० (प्रहित) भोक्षेयु मेजाहुआ.

Sent, despatched. नाया० ८,

पहीण. वि० (प्रहीन) नष्ट थयेव, हानि

पामेव, रक्षित. नष्ट, हानि पायाहुआ, रक्षित.

Destroyed, lost, devoid of.

उत्त० ५, २५, २८, ३५, अणुजो० १२७,

ठ० १, १, भग० १, १-७-६; २, १, ३,

७, ५, ६, ७, १०, ६, ३२, ११, १०;

नाया० १, ५, १६, पिं० नि० ६३१, जीवा०

३, ३, कथ० ४, ८८,

पहु. वि० (प्रभु) समर्थ, शक्तिमान्, स्वामी

समर्थ, शक्तिमान, स्वामी Able, power-

ful, lord ज० १० ७, १६२; ओव०

४०, उत्त० ३५, २०, आया० १, १, ७,

५५; भग० २, १, नाया० ७, १६, पिं०

नि० ३६८, ५६८, विशेष० १०६१, प्रव०

८०७, क० १० ५, ६७, भक्त० २६, उवा०

१, ६२, —संदिष्ट. वि० (—संदिष्ट) धरिअ

सोपेव. स्वामीको सौमीहुई Handed

over by a master प्रव० ८०७,

पहुत्त. न० (प्रभुत्व) प्रभुपण्य, समर्थपण्य

प्रभुता, समर्थता, स्वामित्व Mastery,

lordship, authority भक्त० ६६,

पहुत्तण. न० (प्रभुत्व) भोटापण्य महत्ता,

प्रभुता Supremacy भक्त० ६५,

पहुनंद. पु० (प्रभुनन्द) दशमा तीर्थंकरना १ ला

गणधरनु नाम दमन तीर्थंकरके १ ले गणधरका

नाम Name of the 1st Gana-

dhara of the 10th Tirthankara.

प्रव० ३०६,

पहेण. न० (प्रहेण) लाण्य, आवानी वस्तु

सम्पत्तीने धेर आपवी ते लेन, लायन, खाद्य

पदार्थको रिशेदरोंके घर पर देना—पहुचना

Sending of eatables to the

relatives, a present of food.

सूय० २, १, ५६, आया० १, २, ५, ८६,

पिं० नि० ३३५, (२) विवाह पछी इत्याना

आपने धेर भोजन थाय ते, गोरव विवाहके

वाद कन्याके पित्तके घर होनेवाला भोजन A

feast given at the house of

a father of a girl after her

marriage. आया० २, १, ४, २२,

पहेरक. पु० (प्रहेत्यक) आभरण विशेष.

आभरण विशेष A kind of orna-

ment. पयह० २, ५;

पहेलिया. स्त्री० (प्रहेलिका) शुभ आशयपण्य

पद्य. (२) तेवां पद्य अनापवानी छणा गढ

अर्थवाला पद्य. (२) गूढार्थ पद्य रचनाकी चातुरा-

कला A riddle; the art of mak-

ing riddles, enigma. ओव० ४०,

नाया० १,

✓प-हो. धा० I. (प्रभू) पछोत्यवु, लभ्यावु;

समर्थ थवु पहुचाना, लम्बा करना, समर्थहोना.

To reach, to lengthen, to be

able

पहुप्पते. भग० १४, ७,

पहुप्पह. विशेष० ४५२, सु० च० ४, ८६,

पहुव्वंति ओव० नि० २७१,

पहोलिर. वि० (प्रघूर्णक) निस्सामां धेराती

आभवाणो नरोमे पूर आखोवाला. (one)

whose eyes are swimming

through intoxication. सु० च०

६, ४५

पहोलेत्ता. स० क० अ० (प्रक्षाल्य) पाणीथी

धोधने पानीद्वारा धोका Washing with

water. आया० २, ५, १, १४६,

✓पा. धा० I. (पा) पीवु पीना To

drink.

पिवह. राय० २४०,

पिंशंति. भग० १५, १, नाया० २,

पिदे. दस० ५, १, ८४, ५, २, ३६;

पाहुज्जा वि० आया० २, १, ५, २६,

- पाहामो. भ० आया० २, १, ५, २६;
 पिबइत्ता. नं० कृ० अ० ३, २; भग० १५, १;
 पाउं. रा० कृ० ओप० नि० ५८५; मु० च०
 ४, ३१६;
 पिवित्तप. हे. कृ० ओव० ३८.
 पाइत्तप. हे. कृ० ओव० ४०,
 पाउं. हे० कृ० आया० १, १, ३, २७; २,
 १, ३, १५;
 ✓पा. धा० II. (पा) पीवु पीना पनछना.
 To drink.
 पउजेड. प्रे० विश० ६.
 पउजेति. भग० १५, १;
 पउजेतिता. नं० कृ० भग० १५, १.
 पाइ. वि० (पाति) पञ्जा०, अष्ट थना०.
 पतलतील, अष्ट शेनेबला. One who falls
 or degenerates पचा० ५, २०;
 पाइअ. नि० (पायित) पीवअवेधुं. पीमहुवा;
 वासी और दुर्गन्धयुक्त स्थलिको प्राप्त. Caused
 to drink. उत्त० १६. ६६;
 पाइक. पु० (पदाति) पेदल. पैदल सेना
 Infantry. पण० १, ३;
 पाइन्न. न० (प्राचीन्य) प्राचीन्य नामनु गोत्र.
 प्राचीन्य नामक गोत्र. A family-origin
 named Prāchīnya. नदी० स्थ०
 २४;
 पाइम वि० (पाक्य) पशववाने योग्य. पकाने
 के योग्य. Fit to be cooked. द्य०
 ७, २२;
 पाइया. स्त्री० (पाडिका) पग पैर, पद; पैव
 Foot. के० ५, २२;
 पाई. स्त्री० (पात्री) -छानु पान; पातरी. छोटा
 बर्तन, लघुपात्र A small pot or
 bowl स्य० २, २, ८१; पत्र० १; राय०
 ११६;
 पाई. स्त्री० (प्राची) पूर्व दिशा. पूर्व दिशा.
 East. द्य० ६, ३४;

- पाईण वि० (प्राचीन) पूर्व दिशा संबंधी.
 पूर्व दिशा विस्मक Oriental. (२) स्त्री०
 पूर्व दिशा. पूर्व दिशा. Eastern direc-
 tion. ज० प० ५, १२०; ७, १५०; १,
 १०; ४, ७२, भग० ५, १; १५, १;
 १६, ६; २५, ३; नाया० ५; जीवा १; ज०
 प० दशा० ७, १; राय० १०२; —अभिमुह.
 नि० (-अभिमुख) पूर्व दिशाने सम्मुख.
 पूर्वनिमुख. Opposing the East.
 व० १, ३७, —गामिणी. स्त्री० (-गामिनी)
 पूर्व दिशाभां गन्तारी. पूर्व दिशाकी ओर जाने
 वाली Going towards the East
 क० ५, १०७, —जणवय पु० (-जनद)
 पूर्व देश. पूर्व देश. The eastern coun-
 try भग० १५, १; —वात. पु० (-वात)
 पूर्व दिशाने पवन. पूर्वी पवन, पूर्वकी हवा.
 An eastern wind or breeze
 भग० १५, १; —वाय. पु० (-वात)
 पूर्व दिशाने वायु; पवन. पूर्वांत्य वायु; पूर्वीहवा.
 An eastern wind. भग० ३, ७;
 अ० ५, ३; ७, १; पत्र० १;
 पाईणा. स्त्री० (प्राचीना) पूर्व दिशा. पूर्व दिशा.
 East. आया० १, १, ५, ४१; १, ६,
 ५, १६४; २, १, २, १३; अ० २, २;
 भग० १०, १; ज० प०
 पाउ. अ० (प्रादुम्) प्रकाश; प्रगट. प्रकाश,
 प्रकट. Light; open. अणुजो० १६;
 नाया० १; १३; १४; १६; स्य० २, ६,
 ११; प्रब० ४४२; उवा० २, ६३;
 ✓पाउकर. धा० I. (प्रादुस्कर) लाहेर इच्छुं;
 प्रसिद्ध इच्छुं. जाहिर करना; प्रकट करना. To
 reveal; to make famous.
 पाउकरे. भू० वृत्त० १८, २४;
 पाउकरिस्सामि. वृत्त० १८, १;
 पाउकरे. सं० कृ० वृत्त० ३६, २६६;
 पाउकुव व० कृ० स्य० २, ६, ११;

पाउकरणा. न० (प्रादुष्करण) प्रकट करवु ते.
प्रकाशन, प्रकटन. Revealing; publish-
ing. पचा० १३, ११;

पाउकर त्रि० (प्रादुकर) प्रगट करनार.
प्रकाशक, प्रकटकर्ता. A publisher; one
who manifests उत्त० २५, ३२,

पाउकखालय न० (पादकालक) ज्यां गया
पछी पगे घोवा पडे ते ज्या, पायभाजुं
शौचक्ष आदि स्थान जहाँ जाने पर पैर धोना पडे
A privy, any place which
will require one to wash his
feet by visiting it. भत्त० ११२,

पाउगरणा. न० (प्रादुष्करण) अधाराभाथी अ-
ज्याणे लावेले आहार. अंधेरमेंसे उजेलेंमें
लायाहुआ आहार. A food brought
to light from darkness पण्ह०
२, ५,

पाउग. त्रि० (प्रायोग्य) अडणु करवाने योग्य.
ग्राह्य, ग्रहणीय, Acceptable; fit to
be received. भग० १२, ४; १७, ३,
नाया० ८, १७, पि० नि० १६३; १६६;
ओघ० नि० ८२; क० प० १, १७, ६३,
२, १११, ४१८,

पाउग पु० (प्रयोग) क्षरणु, निमित्त. कारण,
प्रयोजन, निमित्त A reason, occasion.
नाया० १, २;

पाउगहण. न० (पादग्रहण) पगे लागवु ते,
वदन पैर छूना, वदन करना. Touching
of feet; salutation. राय० २२६,

पाउड. त्रि० (प्रावृत्त) ढांडेहुं. ढकाहुआ. Cever-
ed. आया० १, २, २, ७३, सूय० १, २,
२, २२,

✓ **पाउण.** धा० I (*) ओढवु, ढांडवुं.
ओढ़ना, ढांकना. To cover

पाउणिहि उवा० १, ६२;

पाउणिस्सामि. आया० १, ६, ३, १८५;

पाऊण. सं० कृ० ओघ नि० ४०,

पाउणिता उवा० १, ८६,

पाउप्पभा स्त्री० (प्रादु प्रभा) प्रातःकालीनी
कांति प्रातःकालीन प्रभा The light of
the morning. ज० प० ३, ६८, भग०
२, १, नाया० २, दसा० ७, १,

पाउप्पभाय. त्रि० (प्रादु प्रभात) जेभां प्रगट
पणु प्रभा देभाय तेवा समय, सवार
प्रकट्ठपमें प्रभापूर्ण समय, सवेरा, प्रभात A
morning, when the light is
clearly seen. ओव० १३; भग० ३,
१; ११, ६; नाया० १, १६; राय० २३८;
क० ४, ६०,

पाउम्भवणा. स्त्री० (प्रादु भवन) प्रगट थवु.
प्रकटहोना. Manifestation. भग० ३, १,

पाउम्भाव. पु० (प्रादुभाव) प्रगट थवु प्रकट
होना. Arising. सम० ३४,

पाउभूय. त्रि० (प्रादुभूत) प्रगट थयेस,
ज्हार आवेस प्रकटित, प्रादुर्भूत, बहार आया
हुआ. Manifested; revealed;
arisen भग० २, ५, ३, १, २, ५, ४,
६, ३३, १५, १, नाया० १, ५, ८, ६,
१३, १६, १६, विवा० ७, दसा० १०, १,
सु० च० २, १०६, राय० २२४, ओव०
३६, निर० १, १,

पाउय. त्रि० (प्रावृत्त) लापेटेहु, ओढेहु
लापेटाहुआ, ओढाहुआ Wound, covered
up ओघ० नि० ६८,

पाउयर. पु० (प्रादुष्कर) प्रादुष्करणु नामने
आहारने ओक दोष, अधाराभां पडेस वस्तु
हीवे प्रगटावी साधुने आपनाथी साधुने
लागतो ओक दोष प्रादुष्करण नामक आहार
दोष, अंधेरीमें पड़ीहुई वस्तुको दिया जलायाकर
साधुको प्रदान करनेसे साधुको लगताहुआ दोष
A fault of food named Prä-
dusakarana; a fault incurred

by a saint by giving him food kept in the dark after burning a lamp. प्रब० ५७२,

पाउया-आ स्त्री० (पादुका) पापडी; आभडी.

पादुका, खडाँ A sandal. ज० प० ३, ४३, ५, ११५. ओव० १२, ३१, ३६, भग० २, १, वि० १, पि० नि० ५७२; नाया० ध० क० २, १४, सु० च० २, ६३७, राय० २३३;

पाउरणा. न० (प्रावरण) आच्छादन, दुपट्टो, पत्र उपवस्त्र, आच्छादन, दुपट्टा, वस्त्र. A covering garment; a cloak. उत्त० १७, २, अणुजो० २१, पि० नि० भा० २५, पण्ड० २, ५, प्रब० ५००; ७६१; (२) अने नामने अने आहारने दोष एक आहार दोष A fault of food प्रब० ५०४, —वडिजय. त्रि० (-वर्जित) प्रादु-७२ए नामने दोषही रक्षित प्रादुष्करण दोष से रहित-मुक्त. Free from the fault named Prāduskarana प्रब० ५०४,

पाउर-एस. धा० I. (प्रादु+एस्) शोध करनी. शोध करना, खोज करना To search; to find out

पाउरेसए विधि० आया० १, ८, ७, १७,

पाउर-भव धा० I. (प्रादु+भू) प्रगट् थवुं प्रकट होना. To arise; to become manifest.

पाउरभवइ नाया० १२, भग० ३, १,

पाउरभवति भग० १८, २; नाया० ५, ८, राय० ४२, ज प. ५, ११५,

पाउरभवामि भग० १८, १०, नाया० ८,

पाउरभवामो. भग० ३, २, नाया० ५;

पाउरभवह. आ० भग० १८, २, राय ३६, नाया० ५, ८,

पाउरभवित्था जं प. ५, ११५; ओव० २२, नाया० १, ५; भग० १५, १; उवा० ४, १४६; ६, १६५;

पाउरभवित्सइ ज. प. २, ३८.

पाउरवित्ताणं स कृ उवा० १. ८१,

पाउरभवसाण. व. कृ. नाया० ५, ज प ५, ११५;

पाउरभवंत. व. कृ. सु. च १. ७०,

पाउरु न० (पादुका) पादुका, आभडी पादुका, खडाँ A sandal. सूय० १, ४ २, १५,

पाउरगम. पु० (पादोपगम) पादोपगमन सथारे. पादोपगमन सथारा. A Pādo-pagamana (becoming steady like a tree) fasting. भत्त० ६; १६२, प्रब० ८८४;

पाउरगमण. न० (पादोपगमन) वृक्षनी शाखानी भाक्षे निश्चेष्ट थथे स्थिरपणु अजग रडी समाधि मरण करवु ते, सथाराने अने प्रक्षर. वृज शाखावत् निश्चेल हो स्वस्थतापूर्वक अचल रहकर समाधि मरण, सथारेका एक प्रकार Meeting death by concentration remaining motionless like a tree: A form of Santhārā (austerity) भग० २, १, ठा० २, ४, सत्था० ६५; सन० १७,

पाउरदाइया } स्त्री० (पाचोपदायिका) ५१
पाउरदाई. पाचोपदात्री

घोयानु पाणी आपनार दासी पैर घोनेका पानी देनेवाली दासी A maid giving water for washing the feet. नाया० ७,

पाउस. पु० (प्रादुष्) योभासुं; वर्षाऋतु चौमासा, वर्षाऋतु, बरसात The rainy season. ज० प० ७, १५४; ठा० ६, १, भग० ७, २; ६, ३३; नाया० १, ७, ६; निर० ५, १, निसी० १०, ४५, सू० प० १२; सु० च० २, १०७, १२, ३५, —उऊ. पु० (-ऋतु) वर्षाऋतु, योभासुं बरसात, चौमासा. The rainy season. नाया० ६; —सिरि.

स्त्री० (-श्री) येमासानी शोला. वर्षा ऋतुको ढवि, बरसातकी खूबी Beauty of the rainy season. नाया० १,

पाजसिय. त्रि० (प्रातिवेशिक) पड़ोसी पड़ोसी A neighbour. सु० च० २, ५३८,

पाजसिया. स्त्री० (प्राद्वेषिकी) भत्सर अहे-आधुथी लागती किया सत्सर इष्यादिके कारण लगनेवाली क्रिया An action incurred by showing jealousy. सम० ५; ठा० २, १, पत्र० २२; आव० ४, ७,

पाजसिया स्त्री० (प्राद्वृ) लुब्धो "पाजस" शब्द Vide "पाजस" नाया० १, ६,

पाप. अ० (प्रायस्) धातु करीने बहुत करके, प्राय. Generally. वि० २५,

पापण अ० (प्रायेण) धातु करीने. बहुत करके, प्रायशः. Generally सु० च० ५, ६४, क० प० २, ६६;

पाप्रो. अ० (प्रात) सवारनो पड़ोस सवेरेका प्रहर. In the morning. सू० १, ७, १३,

पाप्रोअर. न० (प्रादुष्कर) दीवानो भ्रष्टाश करीने साधुने आडाराहि आपवाथी लागतो अ० दोष, शोण उद्गमभानो सातभो दोष. दिया जलाकर साधुको आहार देनेसे लगनेवाला दोष विरोध, सोलह उद्गमभानो सातवाँ दोष. A fault incurred by giving food to a saint by lighting a lamp, the 7th fault of the 16 Udgamas पि० नि० ६२, पचा० १३, ५,

पाप्रोकरण न० (प्रादुष्करण) धुँडु करवुं. खोलना, खुला करना Exposing; revealing. पि० न० २६८;

पाप्रोग. त्रि० (प्रायोग्य) उचित, योग्य. उचित, योग्य Proper, suited भग० ३, १, वि० ६३४,

पाप्रोवगमण. न० (पादोपगमन) लुब्धो "पाडव-गमण" शब्द देखो "पाडवगमण" Vide "पाडवगमण" ओव० १६; नाया० ५, ८; भग० ३, १-२, १२, ७, २५, ७,

पाप्रोवगय. त्रि० (पादोपगत) छाट्या आट्या विना अ० आभने स्थिर रहैयानी स्थिरातने प्राप्त थपेल अचल-स्थिर गतिको प्राप्त. Attaining a motionless position ओव० ३६, भग० ३, १, नाया० १, क० ६, ५१,

पाप्रोसिया स्त्री० (प्राद्वेषिकी) द्वेष करवाथी लागती किया द्वेष कानेसे लगनेवाला दोष A fault due to showing hatred भग० १, ८, ३, ३,

पांजलि. पु० (प्राजलि) अ० लि; जंभो अजलि, सम्पुट, खोवा Folding of the palms of a hand. सू० ७४,

पांडुकिय त्रि० (पाण्डुकि) पीला रंगनु, डिंडु. पीलेरगका, फीका Pale, yellowish नाया० १; —मुखी स्त्री० (-मुखी) शीका भुपवाणी, पांडुवर्णी. फीके मुखवाला; पांडुवर्णी A pale-faced (female). नाया० १,

पांसुलिया स्त्री० (पांसुलिका) पासणी, पेटनी उपर अ० आलुअे कुमान पेडे वनेल छा-उडानी अ० पसली, पेटके उपरी भागमें स्थित अस्थितियोंकी धनुषाकार श्रेणि The rib. मणुत्त० ३, १,

पाक पु० (पाक) पकवतुं; रांधतु ते पकाना, राधना, पाककार्य Cooking सू० १, ४, २, ५,

पाकसासण. पु० (पाकसासन) पाक नामना शत्रुने वश करनार-इन्द्र. पाक नामक शत्रुको वशमें करनेवाला-इन्द्र Indra, who over-

helmed an enemy named Pāka.
पम० २;

पाखिकायण. पुं० (पक्षिकायण) दैशिकगोत्रनी
शाखा. कौशिकगोत्रकी शाखा. A branch
of the Kauśika family-origin.
(२) त्रि० ते शाखाभां उत्पन्न थयेथ.
कौशिकगोत्रकी शाखामें उत्पन्न. Born in this
branch. ठा० ७, १;

पाक. पुं० (पाक) रांधयुं; पकययुं. पकाना;
रांधना; भोजन बनाना. Cooking; pre-
paring food. जं प. ५, ११४; पिं० नि०
भा० ३६; भग० ७, १ ; उवा० १, २५;

पागइअ. त्रि० (प्राकृतिक) साधारण्य प्रभ
वर्गना भाष्यस. साधारण्य प्रजा वर्गका मनुष्य.
Ordinary; subject. मोघ० नि०
३००;

पागट्टि. त्रि० (प्रकफिन्) प्रवर्तक. प्रवर्तक,
जन्मदाता Originator. जं० प०

पागड. त्रि० (प्रकट) स्पष्ट; खुल्लु. स्पष्ट;
खुला; जाहिर. Clear; open; public;
overt. जं० प० २, ३१; ३, ४२; ओव०
१७, पणह० २, ५; पिं० नि० २८६; जं० प०
कन्य० ३, ४३; (२) स्त्री० द्वतीना ऐक भेद
डे ने न्नेर रीते सदेशा पडेयाडे. द्वती
विशेष जिस्का कार्य प्रकट स्वसे सदेश पहुँचाना
है. A particular female messen-
ger whose work it is to carry
openly a message. पिं० नि० ४२६;

पागडण. न० (प्रकटन) न्नेर डरुं ते.
प्रकटन; प्रकाशन. Publication विरो०
८१०; नंदी० १८;

पागडिय. त्रि० (प्रकटित) स्पष्ट थयेथ.
प्रकाशित; स्पष्ट. Published; clear.
ओव० २५, २६;

पागडिक्क. त्रि० (प्रकर्षिक) आकर्षणार. आक-
र्षक. That which draws. पणह०
१, ३;

पागन्मि. त्रि० (प्रगल्भन्) धीक्ष. क्षीड; प्रग-
ल्भ; सहमी. grave; sedate; adven-
turous. सूय० १, ५, १, ५;

पागय. त्रि० (प्राकृत) प्राचीन; पुरातनी.
प्राचीन; पुरातन. Ancient; old. (२)
साधारण्य. साधारण. Ordinary. सु० च०
१, १२; १३, ३२; —जगण. पुं० (—जन)
साधारण्य मनुष्य. साधारण्य मनुष्य; प्राकृतजन.
An ordinary person. सु० च०
१३, ३२;

पागसासण. पुं० (पाकसासन) धेन्द्र. इन्द्र.
Indra. जं० प० ५, ११५; भग० ३, २;
कन्य० २, १३;

पागसासणी. स्त्री० (पाकसासनी) धेन्द्रजाल
विद्या. इन्द्रजाल नामक विद्या. An art of
magic. सूय० २, २, २७;

पागार. पुं० (प्राकार) डैल; डिल्ले. कोट;
किला; दुर्ग. A fort; rampart. जं०
प० ७, १५६; पम० २; सू० प० १०;
राय० १०३; उत्त० ६, १८; अणुजो० १३४;
ओव० भग० ५, ७; ८, ६; १३, ६; नाया०
१८; अंत० १, १; निधी० ८, ३; नदी०
स्य० ५०; जीवा० ३, ३; —तिगणसास.
पुं० (—त्रिकन्यास) त्रय गढनी रचना. तीन
कित्तो-दुर्गोंकी रचना. An arrangement
of three forts. पचा० २, १५,

पागस. पुं० (प्रकाश) प्रकाश. प्रकाश; उज्जला.
Light. भग० १५, १;

पाठ. पुं० (पाठ) पाठ-सूत्रनुं पर्यायवाचक
नाम; मूलपाठ. पाठ-सूत्रका पर्यायवाचक नाम;
मूलपाठ. Original reading; a
synonym for Sūtra. विरो० १३७८;

पाठंतर. न० (पाठान्तर) पाठान्तर पाठान्तर.
Another reading. भक्त० १४७;

पाठीण. पुं० (पाठीन) ऐक न्तनुं भाष्युं.
एक मछली विशेष. A species of fish.
पणह० १, १;

✓ पाड था० I (पाट्) उभेडी नाभयु;
पाडु उखेड डालना, गिराना To root
out, to fell.

पाडावेइ. प्रे० सु० च० १३, ६६,

पाडण. न० (पातन) विनाश करेवा. विनाश
करना Destroying. पिं० नि० १०४,
विवा० १, निर० १, १,

पाडल नि० (पाटल) लास, रातु लाल,
रक्तवर्ण Red; rosy. (२) न० राता
गुलाभयु वृक्ष. लाल गुलाबका वृक्ष. A
red rose-plant (३) गुलाभयु फूल
गुलाबका फूल A rose-flower. नाया०
८, ६, १६, १७, जीवा० ३, ४, पत्र० १,
तडु० ज० प० ५, १२२, निसी० ५, १३,
भग० २२, ४, कर्म० ३, ३७, (४) आरमा
तीर्थकरनु चैत्यवृक्ष बागवृक्ष तीर्थकरका चैत्यवृक्ष
A memorial tree of the 12th
Tirthankara. सम० ५-२४३. —पुड
पु० (-पुड) पाटलना फूलनो पडो. पाटलक
फूलके पुड. A fold of rose flowers
नाया० १७, —~~एक~~वृत्ता री० (वृत्ता)
पाटलवृक्षपण्यु पाटलवृक्षना. State of a
rose-plant भग० १४ ८

पाडलिपुत्त न० (पाडलिपुत्र) पटला नामनु
शहरे पटना नामक नगर. A city named
Pataua. अणुजो० १४८, भग० १६, ८,
सत्था० ७०, प्रव० ८०५,

पाडलसंड. न० (पाटलखंड) पाटलीखंड नामे
अेक नगर पाटलीखंड नामक नगर A city
named Patalikhandā विवा० ७

पाडिपक वि० (प्रत्येक) एउदु एउदु, प्रत्येक,
दरेक भित्र २; पृथक् २, प्रत्येक. Indivi-
dually, separate. each one.
नाया० १६, भग० १५, १,

पाडिक्कअ वि० (प्रत्येक) प्रत्येक, दरेक.
प्रत्येक, हएक Each one indivi-
dually ठा० १, १,

पाडित वि० (पातित) पाडी नाभेल. गिराया
हुआ, ढायाहुआ Felled, demolished
उत्त १६, ५४;

पाडि-य. वि० (पातित) पाडेकु, अडित करेस
गिराया हुआ, खडित Felled, destroyed.
ज० प० नाया० ७,

पाडियंतिय. न० (प्रात्यस्तिक) अलिनयना
चार प्रक्षरमानो प्लीगे प्रक्षर चार प्रकारके
अभिनयमेंसे दूसरे प्रकारका अभिनय. The
2nd variety of acting out of
four. राय० ६६, जीवा० ३, ४,

पाडियक. वि० (प्रत्येक) दरेक, अेकैक प्रत्येक
हएक Each one; severally आया०
१. ७, १, २०१, वव० ७, ४

पाडिया. स्त्री० (पाटिका) उत्तरीय वस्त्र, साडी.
साडी, उत्तरीय वस्त्र. A Sāri, an upper
garment. भग० १५, १

पाडिचअ. पु० (प्रतिपत्) पडवो, अेकम.
प्रतिपदा. एकप, पडवो The 1st date
of a lunar month ठा० ४, २,
ज० प०

पाडिचया स्त्री० (प्रतिपदा) पडवो. अेकम.
प्रतिपदा, एकम The 1st date of a
lunar month भग० १२, ६, १५, १,
नाया० १०, —चंद्र. पु० (चन्द्र) पडवानो
अेकम. प्रतिपच्चंद्रमा The moon of
the 1st date नाया० १०,

पाडिहारिअ वि० (प्रातिहारिक) साधुथो अभुक्त
नयन राभी पाडु गृहस्थने अपाय तेवु,
पाडीपारु. साधुके पास कुछ सपयतक रमे जाने
पर पुन गृहस्थको दिया जानेवाला Any-
thing again given to a house-
holder after being kept with
a saint for some time. आया०
२, २, ३, ६६, नाया० ५, वेय० २, १६;

वन० ६, १, निमी० १, ३२; गय० २२६;
उया० ७, १६३; २२१; पम० ३६;

पाडिहेर. पु० न० (प्रातिहार्य) तीर्थंकरनो
प्रलाप, तीर्थंकर श्रीराने त्या देवनाय्यो
अंगोदृक्ष, पुष्पवृष्टि पजेरे अभ्यन्तरि
देवाय करे ते तीर्थंकरका प्रभाव, तीर्थंकरके
वैद्यनके स्थान पर देवताओं द्वारा अंगोंक पुष्पोंकी
वृष्टिरूप चमत्कारिक कार्य. The majesty of
a Tirthankara the miraculous
shower of flowers on the seat
of a Tirthankara, by the gods.
ओव० नाया ८, भग० १२, ८; विश० ३०४६;
भक्त० ६६, प्रव० ८;

पाडुधिया. स्त्री० (प्रातीतिका) पडाइनी वस्तुनो
आश्रय करवाथी लागती क्रिया-कर्म-
• पध बहारकी वस्तुका आश्रय ग्रहण करनेसे
लगनेवाली क्रिया-विशेष. A fault in-
curred through taking the
support of external thing; a
karmic bond. ठा० २, १,

पाडियच्च. त्रि० (पातयितव्य) पाडुं गिगता.
Feling नाया० ६;

पाठ. पु० (पाठ) पाठ; अध्यास पाठ; अ-
भ्यास, सबक. A lesson. सु० च० १२, ६,
(२) ओ नामनो अक देश. देश विशेष A
country so named. भग० १५, १,
—अंतर. न० (—अन्तर) पाठा-तर;
श्रीने पाठ पाठान्तर, दूसरा पाठ. Another
reading. भग० १, १;

पाठग त्रि० (पाठक) राजानो वशावणी
शुहेनार. राजाकी वशावलि कहनेवाला. A
bard; who recites the geneo-
logy of kings. कण० ५, ६६,

पाठय. पु० (पाठक) लालावनार पढ़ानेवाला;
पाठक A teacher. विवा० ७, भग० ११,
११. नाया० १, पण० १, ३; कण० ४, ६५;

पाठव. त्रि० (पार्थिव) पृथ्वी सम्बन्धी,
पृथ्वी उपरु. पृथ्वी विषयक. पृथ्वीपङ्का.
Earthly; mundane जन्० ३, १३,
पाठा. स्त्री० (पात्र) वनस्पति विशेष वन-
स्पति विशेष. A species of vegeta-
tion. भग० २३, ३. पत्र० १,

पाठि. त्रि० (पाठिन) पाठ करने
वाला. A student, a reader.
ओघ० नि० ७४.

पाढोआमासपय. न० (४ प्रवक्तृमासपद)
सिद्धमेखिया अने भण्डुससेखिया परि-
कर्मनो चौथा भेद अने पुद्गसेखिया आदि
पांच परिकर्मनो पहिलो भेद. सिद्ध मेखिया
और मण्डुस संखिया परिकर्मका चौथा भेद
और पुद्गसेखिया आदि पांच परिकर्मका पहिला भेद
The 4th variety of Siddha
Seniā and Mannussa Seniā
Parikarma and the 1st of 5
Parikarmas (a division of
Scriptures) viz Puttha Seniā
etc. नदी० ५६.

पाण. पु० (प्राणिन) प्राणी, जन्तु, सत्त्व.
प्राणी, जीव, सत्त्व. A sentient be-
ing; an animal आया० १, १, २,
१५; १, ६, २, १८४; १, ६, ४, १६२.
भग० १, १० २, १, ३, ३; ६, ५; ७, ७,
१७, २, १८, ८. २०, २, नाया० १, ओव०
३८, अणुजो० १४७. दस० ४, १; ५, १,
३, ६, १०, २४, २५, जन्० २, ११; स्य०
१, १, १, ३, दस० ६, २; ७, १; जीवा०
३, १, पम० ३६, —अणुकंपा. स्त्री०
(—अनुकम्पा) जन्तुनी दया जीवोंकी दया.
Compassion to beings नाया० १,
२; भग० ७, ६. ८, ६, —कमण. न०
(—क्रमण) प्राणीने क्यरवा-दयाववा ते.
प्राणीका दमन Overwhelming the

sentient beings. आव० ४, २.
—कञ्ज पु० (—कञ्ज) प्राणितो नाश प्राणि-
शोका नारा Destruction of the sen-
tient beings. भग० ३, ७, —जाह.
स्त्री० (—जाति) भ्रमरा वगेरे जतना
प्राणियो भ्रमर आदिजातिके प्राणी A class
of beings *e. g.* a bee etc. आया०
१, ८, १, ३, —रक्खड्ड. न० (—रचार्य)
शुपनी रक्षा भण्टे जीव रचार्या प्राणीके स-
रक्षणके लिए. For the protection
of sentient beings. प्रव० ५११.
—वह पु० (—वच) प्राणिनी डिंसा
प्राणी हिंसा, जीव वच Destruction of
sentient beings. उत्त० ८, ७, पण्ह०
१, १, पचा० १, ७, १०, ८.

पाण पु० (पाण) श्वासोच्छ्वास प्रमाण काल The time
taken in breathing (२) प य ध्रिय,
त्रलु पल, श्वासोच्छ्वास अने आयुष्य—ओ दश
प्राणमानो गमे ते ओक पांच इन्द्रिय, तीन बल,
श्वासोच्छ्वास और आयुष्य—इन दस प्राणोंमें से
चाहेत्रौनमा एक प्राण Any of the 10
Prāṇās *उद्.* 5 senses, three
powers, breath and life भग० ५,
१; ६, ६, ७, नाया० २, पिं नि २६,
भा० पिं नि. १०४, विरो० २२५६, दसा०
१०, ७, सु० च० १, १८४, ज ५
गच्छा० ७७, कय० ५, १२३, उवा०
१, १३; २५, (३) - अजल चञ्जल
An untouchable भक्त० ६६, —च्चाअ.
पु० (—त्याग) प्राणितो त्याग करवे ते,
मृत्यु. प्राणत्याग, मृत्यु, देहत्याग Death,
giving up of the ghost गच्छा० ६१,
—वत्तिआ स्त्री० (—वृत्ति) श्रवणने
निर्वाह करवे ते. जीविकानिर्वाह, गुनरक्तर.
Maintenance; subsistence प्रव०
७४४, गच्छा० ५६,

पाण. न० (पान) पाणी; पेय पदार्थ, पीवानी
पशु पानी; पेय पदार्थ. Water; any
drink. ओव० १६; भग० २, १-४-५;
५, ४; ७, १, सम० ६; २१; ३३; सन०
५० १६८, आया० १, ७, १, १६७; २,
११, १७०, नाया० १; ३; ५, १४, १६;
दसा० ७, १, पिं नि० २५५; वेय० १,
१६; ४, २५; वव० ८, ५, पण्ह० १, १;
सु० च० १, १०२, दस० ४, ५ २, १०;
उत्त० २, ३, सूय० १, १, ४, ११, उवा०
१, ५८, १०, २७७, कय० ५, १०२;
भक्त० १५४, पचा० १, १; ५ २८, प्रव०
२२, ५८६, ६३६; ६४३; १४०६; (२) ओक
जतनी वनस्पति एक वनस्पति विशेष. A
particular vegetation पच० १;
—अगार. न० (—अगार) (भध) पीवानु
स्थान शराव पीनेका स्थान. A place
for drinking नाया० २; —एस्णा.
स्त्री० (—एषणा) पान—जल वगेरेनी
ओषणा गवेषणा. जलादि पान कानेकी एषणा.
A desire for getting a drink
or water etc. आया० २, १, ११, ६२;
ठ ७, १; पिं नि० ६१, प्रव० ७५१;
आव ४, ५; —घरिणीआ. स्त्री०
(गृहिणीका) पाणीनी व्यवस्था करनारी;
पाणी, भरनारी धारिनी. पानी भरनेवाली दासी.
A maid-servant kept for fetch-
ing water भग० ११, ११, —पुन.
न० (—पुण्य) अनुकपाथी तरस्याने पाणी
आपवाथी थतु पुण्य, पुण्यना नव प्रकार-
मानो ओक. दयापूर्वक वृत्ति व्यक्तिको पानी
पिलानेसे लगताहुआ पुण्य, नव प्रकारके पुण्योंमेंसे
एक A merit due to supply-
ing water kindly to a thirsty,
one of the nine varieties of
merits ठ० ६, १, —भोयण न०

(-भोजन) पाण्यी तथा पोरान्. अन्न जल. आहार पानी. Food and drink नया० ५, १६, भग० ६, ३३, वेय० ४, १३; दस० ५, १, २७; आव० ४, ५, प्रव० ६४५, —विपर्यासिया. स्त्री० (-विपर्यासिका) पाण्यीनो विपर्यास थयो डोय ने. पानीका विपर्यास. A change of water. आव० ४, ४; —शाला. स्त्री० (-शाला) पाण्यीयारु पानी रखनेका स्थान; पनिहारी. A watering-place. निती० ६, ७,

पाण्यम्. न० (पानक) पाण्यी, पीवाना पदार्थ. जल, पीनेका पदार्थ. Water, a drink. ज० प०

पाण्यम्. न० (पानक) कांछ वगैरे पीवाने पदार्थ. कांजी आदि पीनेके पदार्थ. A drinkable substance e. g. gruel etc. भग० १५, १; दस० ५, १, ५३, १०, १, ८, पि० नि० भा० ३७, प्रव० १४२६; कथ० ६, २५;

पाण्यघर न० (पानग्रह) मद्यशाला, दाउनु पीहुं. शराबकी दुकान, मद्यशाला A tavern. नाया० १८,

पाण्यजम्भ पुं० (पानजम्भक) जलने साइ, नरसुं अनावनार देव, जलकादेवनी ओक जल जलको अच्छा या बुरा बनानेवाला देव, जम्भका देवकी एक जाति. A class of Jambhakā gods, a god who makes the water good or bad. भग० १४, ८;

पाण्यत. पु० (प्राण्यत) दशमा देवलोकनु प्राण्यत नामे विमान, अनी स्थिति ओगण्यीस सागरोपमनी छे, ओ देवता साडा नय मदिने आसोच्छवास ले छे, अने ओगण्यीस उन्नर वर्ष क्षुधा लागे छे दसवे देवलोकका प्राण्यत नामक विमान, इस विमानकी स्थिति उन्नीस सागरोपमकी है, यह देवता सादेनव

महिनासे आसोच्छवास लेते हैं, और उन्हें उन्नीस हजार वर्षोंमें चुथा लगनी हैं. A celestial abode named Prānata of the 10th Devaloka, the life of its gods is for 19 Sāgaropamas, these gods breathe once in nine and half months and feel hungry once in 19000 years सम० १६;

पाण्यपिय पु० (प्राण्यप्रिय) पति, आशुथो वडासो. पति, प्राण्यप्रिय A beloved, a husband सु० च० १३, १६;

पाण्य-अ पुं० (प्राण्यत) आशुत नामे दशमा देवलोक प्राण्यत नामक दसवां देवलोक The 10th paradise named Prānata विशेष० ६६६; आव० २६, भग० ३, १, १५, १, १८, ७, नाया० १; जीवा० २, कथ० ६, १५०, प्रव० ११४८, अणुजो० १०३; सम० ३२; (२) १० भा देवलोकने धन् (२) दसवें देवलोकका इन्द्र उत० ३६, २०६, ठा० २, ३, भग० २४, २१, पत्र० १, २, —देव पुं० (देव) दशमा देवलोकना देवता दसवें देवलोकके देवता Gods of the 10th Devaloka (paradise). भग० २४, २१,

पाण्य. न० (पानक) पीवानी वस्तु. पेय पदार्थ A drink; a potion. प्रव० २१२;

पाण्यग. त्रि० (प्राण्यग) आशुत देवलोक सम्बन्धी. प्राण्यत देवलोक सम्बन्धी. Relating to the Prānata Devaloka' paradise). ज० प० ५, ११८,

पाण्यविहि. पु० (पानविधि) शरीरने अनुकूल के प्रतिकूल, सारे के हलकु, पाण्यी आशुवानी इत्या. वह कर्म जिसके द्वारा पानीकी शरीर-विषयक अनुकूलता या प्रतिकूलता, हलकापन या

મારી પત્તા પતા ચલતા હૈ The art by which it can be known whe her the water is suited or unsuited, light or heavy for a body
ઓવં ૪૦.

પાળાહ. સ્ત્રી (ડવાનહ) ખાસડુ, પગરખા.
જૂતી, પાદવાળ. A shoe. ભગં ૬, ૩૩.
પ્રવં ૪૩૮,

પાળાહવાય. પુ (પ્રાણતિવાત) પ્રાણીનો વધ
કરવો તે; છવ હિસા. પ્રાણિહિસા, જીવહત્યા.
Injury to beings. ઉત્તં ૧૬, ૨૫,
ઠાં ૧, ૧, ૨, ૧, ઓવં ૩૪, ૩૬; નાયા
૧; ૫; ૬; ૧૩, ૧૬, ભગં ૧, ૬-૮, ૨, ૧,
૩, ૨; ૭, ૬; ૧૨, ૫; વેયં ૬, ૨; દસાં
૨, ૧૨-૧૩-૧૪; દસં ૪, પત્રં ૨૨;
રાયં ૨૨૧; પ્રવં ૩૬; આવં ૪, ૭,
—કિરિયા. સ્ત્રી (-ક્રિયા) પ્રાણીનો નાશ
કરવાથી લાગતી ક્રિયા. પ્રાણીકા નાશ કરનેસે
લગનેવાલી ક્રિયા—દોષ A fault due
to killing of sentient beings.
સનં ૫. ભગં ૩, ૩; —વિરમણ નં
(-વિરમણ) છવ હિંસાથી નિવર્તવું તે,
જીવહિંસાસે મુક્ત હોના—દૂર રહના. Freedom
from injury to beings. (૨) અ-
હિંસા નામે પ્રથમ વ્રત. અહિંસા નામકપ્રથમ વ્રત
The 1st vow named Ahi sã
(non-injury) ભગં ૭, ૬; ઠાં ૧, ૧,

પાળાહ. નં (પ્રાણાયુર) પ્રાણાયુ નામે યારમો
પૂર્વ; જેમાં પ્રાણી અને આયુષ્યનુ વર્ણન છે.
પ્રાણાયુ નામક વારહૈયા પૂર્વ—જિસમે પ્રાણી ઓર
આયુષ્યક વર્ણન હૈ The 12th Pūrva
named Prāṇāyu which deals
with beings and life સમં ૧૪;
નદીં ૫૬;

પાળાતિવાત. પુ (પ્રાણતિવાત) છવહિસા.
જીવહિંસા. Injury to beings. પંચાં

૧૫, ૩૦, —વિરમણ નં (-વિરમણ)
છવહિંસાની નિવૃત્તિ જીવહિંસાસે નિવૃત્તિ વિરમણ
Turning away from injury to
beings પંચાં ૧૫, ૩૦;

પાળામ. પુ (પ્રાણ) નીચે શ્વાસ મુકવો તે,
નિશ્વાસ. નિશ્વાસ ક્રિયા. Exhaling
breath. ભગં ૨, ૧,

પાળામા. સ્ત્રી (પ્રણામી) પ્રાણામિત્રી પ્રવ-
ન્યા કે જેમાં પ્રેક્ષને પ્રણામ કરવો એ
મુખ્ય ધર્મ છે, પ્રાણામિકી વ્રતજ્યા જિસમે
પ્રત્યેકકો પ્રણામ કરના પ્રસુખ કર્તવ્ય માનાગ્યા
હૈ. A kind of asceticism in
which the chief duty is to
salute all. ભગં ૩, ૧;

પાણિ. પુ (પ્રાણિન) પ્રાણીવર્ગ. પ્રાણીવર્ગ.
The animal class. ઉત્તં ૩, ૫;
૨૬, ૨૫, નાયાં ૧૨; ૧૪, સમ ૩૦;
દસાં ૬, ૨; સું ચં ૨, ૫૪૩, ગચ્છાં
૨, કં ગં ૧, ૪૪, —દયા. સ્ત્રી
(-દયા) પ્રાણિની દયા. પ્રાણિયોવર દયા,
જીવદયા. Compassion to animals
પ્રવં ૭૪૫; —વહ. પુ (-વવ) છવોની
હિસા જીવહિંસા Injury to beings
દસં ૬, ૧૧; સું ચં ૩, ૨૫૨, પ્રવં
૪૫૮, ૫૬૦; ૬૬૧;

પાણિ પુ (પાણિ) હાથ હાથ The
hand. ઓવં ૧૦, ૧૬; સમં ૨૧, ઉત્તં
૨૬, ૨૫; નાયાં ૧, ૫; ૮, ૧૬; ભગં ૬,
૩૩, ૧૧, ૧૧; ૧૪, ૮; ૧૫, ૧, ૧૬, ૩;
દસાં ૬, ૨; કપં ૧, ૮; વેયં ૫, ૬,
વવં ૬, ૪૩; જં પં જીવાં ૩, ૧, રાયં
૩૨, —ગ્રહણ. નં (ગ્રહણ) પાણિયહણ
કરવું, પિવાહ સરકાર પાણિગ્રહણ કરના,
વિવાહસન્કાર. Mairying, marriage
ceremony નાયાં ૧૪, ૧૬; વિવાં ૨,
—તલ. નં (-તલ) હથેળી. હથેળી. The

palm of a hand. सू० २, ६, ३४;
—पडिगहि. पु० (प्रतिग्रहिन्) द्विपात्रभां
भिक्षा लेनेवाला साधु, जिनकल्पी. A monk
who receives food in the hand;
a Jinakalpi. कण० ६, २८; —पाद.
पुं० (-पाद) हाथ पग. हाथपैर. Hands
and feet. भग० २५, ७, —पाय. पुं०
(-पाद) हाथ अने पग हाथ और पैर.
Hands and feet नाया० १६; १८;
निर० १, १, —फास. पु० (-स्पर्श)
हाथने स्पर्श. हाथका स्पर्श. The touch
of a hand. नाया० १६; —लेहा. स्त्री०
(-रेखा) हाथनी रेखा. हस्तरेखा. The
lines on the palm. क० ६, ४३;

पाणि. न० (-पानीय) पाणी, जल.
पानी, जल. Water. नाया० १; ५; भग०
१२, ७, दस० ७, ३८; (२) ओष्ठ जलनी
पाणीमा धती वेल-वनस्पति विशेष पानीमें
उत्पन्न होनेवाली एक लता-वनस्पति विशेष. A
water creeper. प० १, —पिञ्ज.
त्रि० (-पेय) जेनु पाणी डाँठेथी प्राणीओ
पी शंके तेषु नवाणु. ऐमां निवान-कुआ-
वावड़ी-आदि जिसका पानी प्राणी किनारे पगही
से पी सकें. A reservoir of water
so full that its water can be
drunk even from its bank.
दस० ७, ३८,

पाणिश्र. न० (पानीय) पाणी. पानी, पेय पदार्थ,
जल. Water. उवा० १, ४१, भन० ४६;
१५४; प्रव० ६४०, गच्छा० ७७,

पाणिय. न० (पानीय) जल, पाणी. जल;
पानी Water. उत० १०, २८, नाया० १,
२, ८, १३, १७, १८, भग० १५, १,
पगह० १, ३; प्रव० १४२६, उवा० १, ४१;
—घरिय. त्रि० (-गृहिक) पाणी पातर;

पाणीपारानी व्यवस्था करनेवाला. पानी पिलाने-
वाला; प्याऊनी व्यवस्था करनेवाला; पानी महा-
राजका प्रबन्धकर्ता. (one) who supplies
water; (one) who looks after
a watering-place. "तपसा पाणियवतिण
जियगुत्तु एव वयासी" नाया० १२,

पाणु. पु० (प्राणु) नटुइस्त माणसना ओष्ठ
आओष्ठवास प्रमाणेना क्षण, संख्यानी आ-
वलिक्षा प्रमाणेना ओष्ठ क्षण पिलाण.
स्वस्थ पुरुषक एक आसोच्छ्वास प्रमाणका
काल, मत्स्यानीय आवलिका प्रमाणका एक काल-
विभाग. The time taken in breath-
ing by a healthy person, a
measure of time equal to
Sankhyati āvalikā. मणुजो० ११५,

पाणुत्तिग. न० (प्राणोत्ति) छोटीआर, छथवा
पगेरे मक्षम छोवे. कीड़ी, चींटी-आदि सूक्ष्म
जीव. Minute insects e.g. worms,
ants etc. दस० ८, १५;

पात. न० (पात्र) पातर, लाटन. भाजन,
पात्र. A pot, a vessel उत० ६, ८.
मणुजो० १३१;

पातग. पु० (पातक) पाप. पाप दुष्कृत Sin.
पगह० १, २;

पातरास पु० (प्रातगश) सवारतु आणु.
शीराभाणु. कलेवा, सवेका भोजन A break-
fast. सू० २, १, ५६;

पाताल. पु० (पाताल) समुद्र. समुद्र. A sea.
सू० १, ३, २, १२,

पातो. स्त्री० (पात्री) न्हाणु पात्र, प्याले
छोटो पात्र-प्याला A small pot or
vessel, a cup. जीवा० ३, ३.

पातो. अ० (प्रातर) प्रात काल प्रभात; प्रातः
काल. Morn. सू० प० २,

पाद. पु० (पाद) पग. पैर, पैर. A foot;
a leg नाया १, भग० ६, ७; ११, ११;

१६, ५, २५, ७, राय० ३२, निर० ४, १,
—केसरिया स्त्री० (—केसरिका) पुष्प/पुष्पी,
गुच्छो, पुज, गुच्छ. A bunch; heap
वेय० ५, ३५,

पादपीठ. पु० (पादपीठ) पग राखवानो आगोठ
पैर रखनेका बाजुट. A foot-stool भग०
१५ १, जीवा० ३, ४,

पादुया स्त्री० (पादुका) आंखड़ी खडाऊँ,
पादुका. A sandal. राय० ६६,

पादोद्वपय. न० (पादोद्वपद) दृष्टिवादान्तर्गत
सिद्ध श्रेणि परिकर्मना त्रीन्ने लेख दृष्टिवादा-
न्तर्गत सिद्ध श्रेणी परिकर्मका तीसरा भेद The
3rd variety of the Siddha
Śreniparikarma (a division
of scriptures) coming in
Dr̥ṣṭivādā. सम० १२,

पादोसिय त्रि० (प्रादोषिक) सवारनु सवे-
रका, प्रदोषकालिक Of morning, of
twilight. ओष० नि० ६५८,

प्राभाह्य. त्रि० (प्राभातिक) प्रभातशायनु
प्रभातकालीन Matutinal ओष० नि०
भा० ३११;

प्रामात्र न० (प्रामात्र) प्रत्यक्षादि प्रमाशुभा
रहेछु प्रमाशुपशु प्रत्यक्षादि प्रमाणमें वर्तमान
प्रामाणिकता Authority residing in
a mode of proof e g direct
perception etc. विशेष १४६६,

पामर त्रि० (पामर) नीच, तुच्छ नीच, तुच्छ-
छुद्र A wretched or mean fellow
भग० ६, ३३, —जण पु० (—जन)
नीच भाखुस. नीच पुरुष. A low man.
भग० ६, ३३,

पामिच्च. धा० II. () उधार लेउ
ते. ऋण लेना, उधार लेनेका कार्य To
borrow.

पामिच्चेइ निमी० १०, २-३, १६, २,

पामिच्चिय. स. कृ. निमी० १६, २.

पामिच्च न० (प्रामित्यक) साधुने भाटे उछीनुं
लक्ष लोसारयु ते, उद्गमनना १६ दोषभानो
नयभो दोष साधुके लिये उधार लेकर बहोराना,
उद्गमनका नवौ दोष. Distributing
after borrowing for a monk,
the 9th fault of Udgamana
ओष० ४०, अ० ६, १, भग० ६, ३३,
पि० नि० ६२, २१६, दसा० २, ७, पगह०
२, ५; आया० १, ७, २, २०२, दस० ५,
१, ५५, निमी० १४, २, पचा० १३ ५.

पामुक्ख. त्रि० (प्रमुख्य) मुख्य, अग्रणी
मुख्य, अग्रणी, प्रधान Chief, princi-
pal, leader. विवा० ६, कय० ५, १३३.

पामूल. न० (पादमूल) थरलु सभोपनी
जगह पैंरोके पासकी जगह, चरणतल A
place near the feet विशेष ३३६२,
भल० १७,

पामोक्ख. त्रि० (प्रमुख्य) प्रमुख, मुख्य,
अग्रेश्वर प्रमुख, मुखिया. अग्रेश्वर Chief,
leader; principal नाया० ५, ८, १६,
अन० १, १, निर० ५, १, सम० ८४, भग०
११, ११, ज० ५० उवा० ६, १७०,

पाय-अ. पु० (पाद) पग. थरलु पैर, चरण,
पौव Feet. आया० १, १, २, १६, भग०
१, ७, ५, ४, ८, ३, १८, ८, नाया० १,
२, ४, ५, ६, ८, १५, १६, १७, निमी०
७, २६ ११, ११ १६, २४, दसा० ६,
२, ७, १, वव० ६, ७, १, १०, २, दस०
४, ८, ४५, ६, २, १७, पि० नि० ५००,
जीवा० ३, १, सु० च० १, ४३, पन० १७
सू० ५० २०, ज० ५० उत्त० १, १६,
नाया० ध० (२) थरलु-श्लोक या गाथाको येथे
भाग-पद चरण श्लोक या गाथाका चतुर्थ
भाग-पद The quarter of a metre.
अणुजो १२८, १४६, (३) पल्ल-पाट

वगेरेना पाये पलंग-पाट आदिका पाया-पैर
 The leg of a cot etc. राय० ६१;
 १६१; —अंगुष्ठ. पु० (अंगुष्ठ) पगने
 अंगुठो पैरका अंगुठा The toe. नाया०
 ८; १६, —अंगुलिय. पु० (-अंगुलिक)
 पगनी आंगणीयो. पैरकी अंगुलियाँ. *Fingers*
of the foot. नाया० १४, —अंडुय.
 न० (अन्दुक) पगनुं अंधन, पग आंधवानी
 सांडण. पद बन्धन; पैर बांधनेकी जंजीर.
 A chain to bind feet. विवा ६,
 —कंचणिया स्त्री० (कांचनिका) पग
 धाया माटेनी सोनानी पात्री. पैर धोनेके लिए
 प्रयुक्त सोनेका पात्र A gold vessel for
 washing the feet. जीवा० ३, ३;
 —कंबल. न० (कम्बल) पाथरथु, पगे
 पाथरवानो झाल्लो बिछौना; पैर तले बिछानेका
 कम्बल. A bed; a blanket spread
 under feet. उत्त० १७, ७; —गमय.
 पु० (-गमक) पगना अधिधारवालो
 अलावो Dealing with feet निती०
 ३, ५७; —गहण न० (-ग्रहण) पाथ-
 यदन, नमस्कार. पदवन्दन, नमस्कार; प्राणिपात
 Saluting; falling at the feet
 नाया० ५; ८ १६; अत० ३, ८, नि० १,
 १, प्रव० ५२४, —चार पु० (-चार)
 पगेपाया आधवुं ते Going on foot.
 अणुत्त० ३, १, राय० २२६; ज० प० २, ३४,
 —छिन्नान. न० (-छिन्नक) पग छेद-
 वानी सज्ज पैर काटनेकी सजा The pu-
 nishment of cutting of the
 legs राय० २४७, —गेउर. न० (-गूर)
 पगमां पडेरवानीं ओंठर पैरमें पहिरनेके
 भांभरिये Anklets. दसा० १०, १,
 —तल. न० (-तल) पगनुं तणीथुं.
 पैरका तलुआ The lower surface
 of foot. प्रव० १३८८ —दहर न०

(-दर्दर) पगे इरी जमीनने अपेटा
 मारया ते पैर द्वाया जमीन पर धक्का करना.
 Striking the ground with the
 foot. नाया० १, १६; —दहरय. पु०
 (-दर्दक) पगथी अपेटा मारया ते.
 पैर में धक्का करनेकी क्रिया. Kicking
 with a foot. ज० प० ५, १२१;
 —पडण न० (-पतन) पगमां पडुं,
 नमनु प्रणिपात; पैरोंमें पड़कर नमन करना
 Falling at the feet. विवा० ६,
 —पत्त. वि० (-प्राप्त) पगमां प्राप्त थयेल
 पैरोंमें प्राप्त, पैरोंमें आयाहुआ, शरणगत.
 Come resorted to the feet,
 taken shelter नाया० १६; —पालंष.
 पु० (प्रलम्ब) पग मुधी लटकतु आलेश
 विशेष, जुमालु. पैर तक लटकनेवाला गहना
 विशेष An ornament reaching
 the foot. नाया० १, —पसारण. न०
 (-प्रसारण) पग लाया पडोणा इरया ते.
 पैरोंको लम्बे चौड़े करना-फैलाना Stretch-
 ing the legs. प्रव० ४४२, —पीठ.
 न० (-पीठ) आलेक, पग राखवानु
 आसन बाजुट, पैर रखनेका आसन A
 foot stool राय० ३४, नाया० १, १६,
 मग० ११, ११; विवा० १; राय० २२, ६२,
 २३३; नाया० ध० कथ० २, १४, —रेणु.
 स्त्री० (-रेणु) पगनी धूस-रेणु पदरज,
 पैरकी धूल. Dust of the foot.
 नाया० १, —लेहणिया. स्त्री० (-लेखनिका)
 पग साध इरवानु साधन वस्त्रेनो इडो.
 पैर साफ करनेका साधन-वस्त्रका टुकड़ा A
 towel to wipe the feet. ओघ०
 नि० २६, —वंद-ण. न० (-वन्दन)
 वन्दन-पगे लागवु पैरछूना, पद वन्दन. Sa-
 luting the feet. नाया० १, —वडिय.
 वि० (-पतित) पगमां पडेसु पैरोंमें गिरा

हुआ. Fallen on the feet. नाया० २, ८, १६, विवा० ३, —विहार. पु० (-विहार) पगे विहार करेवे ते. पैदल विहार करना, पाद विचरण Wandering on foot भग० १२, १, नाया० ५, १३, १६, —वीढ. न० (-पीठ) जुओ "पायपीठ" शब्द देखो "पायपीठ" Vide "पायपीठ" ओव० १०, ज० प० ३, ४३, ५, ११५, —संजय. पु० (सद्यत) क्षय-आनी पेडे पगने पापथी गोपथी सयभमां राखनार मुनि कडुवेके समान पैरोंको पापमे बचाकर सयभमें रखनेवाला मुनि A sage who contracts his feet from sin like a tortoise and devotes them to self restraint. दस० १०, १, १५, —साहम्म. न० (-साधर्म्य) ऐक लागथी समानपायु ऐक अंशे समान धर्म एकात्म समानता, एकाधिक समान धर्म A partial common attribute. अणुजो० १४७,

पाय-अ. न० (पात्र) पात्र, पातरां. पात्र A vessel ओव० १६, ३८, पि० नि० भा० ४६, ओष० नि० ६६१, दस० ६, २०-२६, उत्त० ६, ८, अणुजो० १३१, प्रव० ६३२, —केसरिया. स्त्री० (-केसरिका) पात्राने पुज्यानी पुज्यली; वस्त्रभूष पात्रको शुद्ध करनेका वस्त्र-खण्ड A piece of cloth to wipe vessels ओष० नि० ६३८, प्रव० ४६८, —चउत्थ. त्रि० (-चतुर्थ) त्रय वस्त्र अने योथु पात्र धरनार तीन वस्त्र और चौथा पात्र धारक Three garments and the fourth vessel-bearer. आया० २, ७, ४, २११, —द्वचण न० (रथापन) पात्रांनी नीये मुकवानु ऐक योथुपु डपु पात्रके नीचे रखनेका एक चौखुटा कपडा. A square

cloth to be placed under a vessel ओष० नि० ६६८, प्रव० ४६८, —निज्जांग. पु० (-निर्यांग) पात्रांनी सामग्री पात्र सामग्री The property consisting of vessels ओष० नि० ६६८, पि० नि० भा० २६, प्रव० ४६८, ८७१, —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) पात्रां समुधे प्रतिमा-अभिग्रह विशेष. A vow relating to a vessel ठ० ४, ३, —पडिया स्त्री० (-प्रतिज्ञा) पात्रनी प्रतिज्ञा पात्रकी प्रतिज्ञा A vow of a vessel निमो० ११, ३, —पडिलेहणिया स्त्री० (-प्रति-लेखनिका) ऐक वेत अने यार आगणतो पात्रां पुज्यानी वस्त्रो डडो एक वंत चार अंगुलका पात्र पूजनेका वस्त्र खण्ड. A piece of cloth of a particular measure to wipe vessels ओष० नि० ६६४, —पडिलेहणी. स्त्री० (-प्रतिलेखनी) पात्र पुज्यानु ऐक उपकरण; डेसरिया, पुज्यली पात्र पोंजनेका एक उपकरण, पूजणी. A piece of cloth to wipe a pot or vessel. प्रव० ५०६, —बंधण. न० (-बन्धन) पात्रां आंध्यानी-राख्यानी ओणी. पात्र रखनेकी मोली. A bag for keeping a vessel. पणह० २, ५, पाय. अ० (प्रायस्) ध्यु डरीने बहुत करके, प्राय. Generally पचा० २, ४०, पाय. पु० (पात) पयु पतन, गिरना Falling नाया० १४, पचा० १८, ४०, पायए हे० कृ० अ० (पदुम्) पीवाने पीनेके लिए. To drink. भग० ६, ३३. नाया० १, आया० १, ७, ५, २१६, पायं. अ० (प्रायस्) ध्यु डरीने बहुत करके. Generally. उत्त० ३२, १०, पि० नि० ४४३; विरो० ८४,

पायं. अ० (प्रातर) प्रातःकाल प्रातःकाल,
संवेग. Morning. उत्त० १२, ३६,

पायंजली. पु० (प्रातर्जलि) पतञ्जलि
पुस्तक पुस्तक. पतञ्जलिखित पुस्तक A
book written by Patanjali
नदी० ४१,

पायखज्ज वि० (पाकसाय) गंधनि आया
योग्य राखक-पकाकर-खाने योग्य Fit to
be eaten after cooking. दन्०
७, ३२,

पायच्छिन्त. न० (प्रायश्चित्त) पापना पश्चा-
त्ताप, शुद्धा-अपराधनी शुद्धि भाटे ईश्वर
तप योगेरे पापका पश्चात्ताप-पायश्चित्त, अपराध
शुद्धि के लिए निर्गमि तपादि Repentance
or expiation of a sin; any au-
sterity etc fixed for the puri-
fication of sins or faults.
अ० २, १. सम० ६; मृ० २, २, ५५;
आ० ११, २०, भग० २, ५; ७, ६, ८,
६; ६, ३३; २५, ७, नाया० १; १८.
नाया० ध० पगह० १, २, वे० ८, २५,
व० १, ३७, सू० प० २०, दसा० ६,
४, १०, ११, महा० प० ३१, २४७,
उवा० ७, १६०, प्रव० २२; २७२, आव०
१, ५; ४, ६७, —करण न० (—करण)
देपनी शुद्धि भाटे शुरुये आपेक्ष प्राप्त-
तप विशेषनु करतु दोष विशुद्धि के लिए
आचार्य दत्त प्रायश्चित्त विधान The per-
formance of expiation shown
by a preceptor. उत्त० २६, २,

पायजाल न० (पादजाल) आभरण विशेष
आभरण विंगप, एक विंगप प्रकारका गहना.
A particular ornament जीवा०
३, ३,

पायड वि० (प्रकट) प्रगट, खुल्लु. प्रकट, स्पष्ट.
Overt; open. वि० २०६५; पिं० नि०
७२;

पायन्त. न० (पादान) पदनि-पायन्त अश्विनो
समूह. पैदलसेना समूह An infantry.
उत्त० १८, २, आ० ३१, मु० च०
२, ६८१. ज० प० ५, १०१, ११५,
—अणीय न० (—अनीक) पायन्त सेना.
पैदल सेना. An infantry. अ० ५,
१, ७, १; नाया० १ भग० ६, ३३; १६.
० म० ३७, —अणीयाहिचड. पु०
(—अनीकाधिवानि) पायन्त अश्विनो अधिपति
पैदलसेना नायक. The commander,
leader of an infantry. क० २,
२०, ज० प० ५, ११५,

पायपुच्छण न० (पादप्रोच्छण) पगनी २०
लुछानु रगेलरुछ पैरकी धूल पोंछनेका एक
खोहरण A piece of cloth to
wipe away the dust of the
feet भग० २, ५, ७, १-७, आया०
१, २, ५, ८६, १, ७, १, १६७, दस०
४; ६, २०; ३६; वे० १, ३७, ५, ३५;
निमी० २, १-२, ५, १५, आ० नि० ५११;
पगह० २, १; राय० २२६; उवा० १, ५८,
क० ६, ५२,

पायपुच्छणाय न० (पादप्रोच्छणाय) पग लुछ-
वानु पच्छ, पथराय. पैर पोंछनेका वस्त्र. A
piece of cloth to wipe the
feet प्रव० ६६२;

पायमूल न० (पादमूल) पर्वतनी तण्डली.
The base of a mountain भग०
३, २, १५, १; नाया० १, (२) पग पास,
लुछुआ. पैरके पास Near the
feet. सम० ३४, वे० १, ३७-३६,

पायय वि० (प्राकृत) प्राकृत-साधारण.
प्राकृत-साधारण. Ordinary, common.
नाया० १, (२) मी० प्राकृत भाषा, लोक
भाषा लोकभाषा, जन साधारणकी बोली A
vernacular; language of the

people. विशेष ३५२१, —जण. पु०
(—जन) सामान्य पुरुष. सामान्य व्यक्ति. A
common person. नाया० १,
पायया स्त्री० (प्राकृता) 'प्राकृत भाषा. प्राकृत
भाषा. A vernacular अणुजो० १२८,
पायया स्त्री० (पादुका) आभूषण, पादुका
पादुका, खडाऊँ. A sandal भग० १५, १,
पायरास. न० (प्रातरास) सीराभूषण, सवा-
रनु गमल. कलेवा, सवेरेका सोजन A
breakfast. नाया० १५, आया० १, २,
५, ८६; विवा० ३, राय० २१३,
पायव पुं० (पावप. पादैर्मूलैः पिवतीति) वृक्ष,
आड. वृक्ष, म्हाड़, पेड़. A tree. ओव०
नाया० १, भग० ३, २, दस० ६, २, १२,
सु० च० ३, ८०, राय० ४, ज० प० २,
३१, कथ० ३, ५२, ५, ११३, ६, १७४,
पायस. पु० न० (पायस) भीर, दुधपाद.
खीर, दुधकी खीर A milk-pudding
अणुजो० १४७, सूय० १, ४, १, १०,
विशे० ८५५, पिं० नि० २०६, जीवा० ३, ३,
पायसीसग. पु० (पादसीर्षक) पलंग, डपाट
वगेरेना पायातो उपरतो भाग. पलंग, द-
वाजा, आलमारी आदिके पायोंका ऊपरी भाग
The upper portion of the
bore of a bedstead, cupboard
etc जीवा० ३, राय० ६१, १६१,
पायसो. अ० (प्रायसासु) धातु क्षरीने. बहुत
करके; प्राय. Generally पण० १, १,
पायहंस. पु० (पादहंस) ओंके जलतो हंस.
एक हंस विशेष. A species of royal
swans. पत्र० १,
पायार पु० (प्राकार) डिन्दो किला. A
rampart, a fort नाया० ५; सु० च०
१, २६,
पायाल. पु० (पाताल) लवणसमुद्रमा आ-
वेस पाताल डलश, लवणसमुद्रने तणायेथी

पाताल मुधी पहोंयेस डलश डे जेनी ड-
अर्ध वधारेमां वधारे ओंके लाभ जेजनी
छे. लवणसमुद्रमें आयाहुआ पाताल कलश,
लवणसमुद्रके तलियेमे पाताल पर्यन्त पहुँचाहुआ
कलश जिसकी ऊँचाई अधिकसे अधिक एक लाख
योजनकी है. A pot of the nether
world which appears in the
salt sea; a pot reaching the
nether world from the bottom
of the salt sea whose depth
at most is 1 lac yojanas
(yojana=8 miles). ओव० २१,
अणुजो० १२७, जीवा० ३, ४, भग० ६,
३१; पत्र० २; प्रव० ३७६, १५८५; (२)
पातालोडोड; अधोलोड. पाताल लोक, अधो
लोक The nether world. नाया०
१६; सु० च० १, ६७, —कलस. पु०
(—कलश) लवणसमुद्रमांनो पाताल डलश
लवणसमुद्र स्थित पाताल कलश A pot of
the nether world situated in
the salt sea प्रव० ६४;

पायावच्च पु० (प्राजापत्य) प्राजापत्य नामे
ओंके मुहूर्त. प्राजापत्य नामक चौदहवाँ मुहूर्त
The 14th Muhūrta named
Prājāpatya सम० ३०, ज० प० ७,
१५२;

पायाहिणा स्त्री० (प्रदक्षिणा) प्रदक्षिणा
क्षरी, ओतरक्ष क्षरी वणवु ते प्रदक्षिणा
करना, चारों ओर फिरनेकी-चक्कर लगाजानेकी क्रिया
Circumambulation, moving
round and round उक्त० ६, ५६,
ओष० नि० ७०३; प्रव० ५१३,

पायु पु० (पायु) पुड; अपान प्रदेश. पुडा,
अपान प्रदेश The hip; the anus
दा० ६, १,

✓ पार. धा० II (पार) पार पामवु पार
पाना. To reach the other end.

पारेइ-ति नाया० ८, उवा० २, ११४; अंत० ६, ३;

पारेंति. नाया० ८;

पारेइत्ता. स० कृ० नाया० १, १३;

पारेत्तप. हे० कृ० अंत० ६, ३;

पारित्तप. हे० कृ० उवा० २, ११६;

पार. पु० (पार) छेडा, अंतः डांडो. छोर; अन्त, तीर, किताब End, extremity; bank. भग० ७, ७; ओव० १७; उत० १०, ३४; सूय० १, १, २, ३१, वव० ६, ४१. —गय. त्रि० (गत) पार पामेइ पार पायाहुआ (one) who has reached the other end. भग० २, १, ५, ४; ७, ७, १८, ७, —गामि. त्रि० (गामिन्) पार पामेनार. पार पानेवाला (one) who goes to the other end. आया० १, २, २, ७४;

पारंचिय. त्रि० (पारचित) पारयिथ नामे दशमु प्रायश्चित्त; साधुने गृहस्थने वेष भुइरावी अभुइ वभत राभवे ते. पारचिय नामक वसवा प्रायश्चित्त, साधुको गृहस्थके भेपमें एक नियमित समय रखनेका कार्य The 10th expiation so named which requires an ascetic to remain for a certain period in the garb of a householder. डा० ३, ४, ५, १, वेय० ४, २, प्रव० ७६३; पचा० १६, २; —अरिह. न० (-अर्ह) पार-यिथ नामना प्रायश्चिनने योग्य पारचिय नामक प्रायश्चित्तके योग्य Fit for the expiation named Pāranchika भग० २५, ७;

पारंभ. पु० (प्रारभ) आरभ, शुरुआत. प्रारंभ, शुरुआत Beginning, Commencement प्रव० ११७२,

पारग. त्रि० (पारग) पार पामेनार; छेडा लेनार. पार पानेवाला. पारगत, छोरतक-चोटीतक

पहुँचनेवाला. (one) who reaches the end or highest point. अणुजो० १२८; ओव० ३८, सूय० १, १४, १८;

पारगमण. न० (पारगमन) पार पामेनुं ने. पारगतता; स्नातकता. Reaching the other end. त्रिगे० १३;

पारण. न० (पारण) उपवासादि पूर्ण तथा पछी आनुं ते पारणा, उपवासादिके समाप्त होनेपर अन्नग्रहण. Breaking a fast. सूय० २, ६ २८; पगह० २, ३, पचा० १६, १०;

पारणग. न० (पारणक) लुब्धो " पारणु " शब्द देखो ' पारण ' शब्द. Vide ' पारण. ' अणुत० ३, १; भग० ११, ६, १५, १, नाया० १३; पिं० नि० २०६; प्रव० ६१३; उवा० १, ७७;

पारणाय. न० (पारणक) लुब्धो " पारणु " शब्द. देखो ' पारण ' शब्द. Vide ' पारण. ' भग० २, ५, सु० च० ३, १५; —विहि. पु० (-विधि) पारणाने विधि पारणा विधि, उपवास छोड़नेकी विधि The procedure of breaking a fast. प्रव० १५४३;

पारणा स्त्री० (पारणा) अतनुं पारणुं करनुं ते अतका छोड़ना; पारणा करना. Breaking a fast; releasing a vow. भग० २, १; प्रव० १५३१;

पारतंत. न० (पारतन्त्र्य) परतंत्रपणु पार-तन्त्र्य, परतन्त्रता, पराधीनता. Dependence. पंचा० ६, ४१, १८, २२;

पारत्त त्रि० (पारत्त) परलोके सम्बन्धि. पारलौकिक Related to the other world. ओष० नि० ६२;

पारदारिय त्रि० (पारदारिक) परस्त्री सेवनार; व्यभिचारी परस्त्री सेवी, व्यभिचारी. An adulterer. विवा० ३; ६; नाया० १८;

પારદ્ધ. ન૦ (પ્રારદ્ધ) ભાગ્ય; નશીબ. મામ્ય, દૈવ, નસીવ. Fate; lot; destiny. સુ૦ ચ૦ ૧, ૨૫,

પારદ્ધિય. પુ૦ (પારદ્ધિક) પારાંધી, શીકારી. પારયી; વ્યાધા; ગિકારી A hunter; a fowler. સુ૦ ચ૦ ૨, ૫૪૫,

પારદ્ધમાણ. વ. કૃ. ત્રિ૦ (પરામ્ભ્યમાન) પરા-ભવ પામતો પરામવ પાતાહુઆ, હારતા હુઆ. Being defeated. ઓવ૦ ૩૬,

પારલોદ્ધ-ય. ત્રિ૦ (પારલૌકિક) પરલોક સંબંધી પરલોક વિષયક. Related to the other world સમ૦ ૩૦, સુ૦ ચ૦ ૪, ૬૭, પચા૦ ૪, ૧૭,

પારલોગ. પુ૦ (પરલોક) પરલોક. પરલોક, પર. The other world. પ્રવ૦ ૧૩૨૦;

પાર્ય. ત્રિ૦ (પારગ) પારગામી પારગામી, પારગત, સુદદ્ય. (one) who has reached the other side. મગ૦ ૨, ૧; સૂય૦ ૧, ૨, ૨, ૬,

પારવિડ. ત્રિ૦ (પારવિત્) આરપારને બાણનાર. આદિ અન્તકો જાનનેવાલા, પારજ્ઞ. (one) who knows this and the other end સૂય૦ ૨, ૧, ૬૦,

પારસ. પુ૦ (પારસ) પારસ નામનો અનાર્ય દેશ. ફારસ નામક અનાર્ય દેશ. A non-Āryan country named Pārasa (Persia). પગ્દ૦ ૧, ૧, પત્ર૦ ૧; (૨) ત્રિ૦ પારસ દેશનો રહીશ. An inhabitant of that country. પ્રવ૦ ૧૫૬૭,

પારસી. સ્ત્રી૦ (પારસી) પારસ નામના અનાર્ય દેશમાં જન્મેલી દાસી. ફારસ નામક અનાર્ય દેશમાં ઉત્પન્ન દાસી A maid-servant born in Persia. નાયા૦ ૧, નિસી૦ ૬, ૨૫; ઓવ૦ ૩૩, મગ૦ ૬, ૩૩, જ૦ ૫૦

પારામ્ભોઞ. ત્રિ૦ (પારામ્ભોગ) સસારનો પાર પમાડનાર સસારસે નિસ્તીર્ણ હોનેવાલા, સર્વ રક્ષા પાર-અન્ત પ્રાપ્ત કરાનેવાલા. That which will make to cross the world. “ પારામ્ભોય પોસહોવવાસ પદ્ધિવિસુ. ” કમ્પ૦ ૫, ૧૨૭,

પારાયણ. ન૦ (પારાયણ) પાર પામવું તે. પારપ્રાપ્તિ, પારાયણ Reaching the other end. વિશે૦ ૫૬૫,

પારાવત. પુ૦ (પારાવત) પારેવો. કઢૂતર, કયોત. A dove. કમ્પ૦ ૪, ૬૦;

પારાવય. પુ૦ (પારાવત) કબુતર; પારેવો. કઢૂતર, કયોત. A pigeon; a dove. નાયા૦ ૧; (૨) વૃક્ષ વિશેષ. વૃક્ષ વિશેષ. A kind of tree જીવા૦ ૩, ૪,

પારાસર પું૦ (પારાસર) એ નામના એક ઋષિ, કે જેણે પારાસર સ્મૃતિ બનાવી છે. પારાસર સ્મૃતિકે પ્રણેતા ઋષિ. A sage so named who composed the Pārāsara smiti. સૂય૦ ૧, ૩, ૪, ૩; ઘ૦ ૭, ૧; (૨) વનનુ જનનવર. જંગલી પશુ. A beast. નાયા૦ ૧,

પારિગિલાયમાણ ત્રિ૦ (પરિગિલાયમાન) કાપર થતો, અશક્ત બનતો. કાચર હોતાહુઆ; શિથિલ બનતાહુઆ. Becoming a coward or slow. આયા૦ ૧, ૭, ૩, ૨૦૬;

પારિગ્ગહિઆ. સ્ત્રી૦ (પારિગ્ગહિકી) પરિગ્રહ-ધન-ધાન્યાદિકની મમતાથી લાગતી ક્રિયા. પરિગ્રહ-ધન્ય ધાન્યાદિ વિષયક આસક્તિ જન્ય ક્રિયા-દોષ. A fault due to an attachment to property. ઘ૦ ૨, ૧,

પારિચ્છિજ્ઞ ન૦ (પારિચ્છેય) સેતુ, હીરા-મણિ વગેરે, પરીક્ષાથી વેચાતી વસ્તુ. સુવર્ણ, હીરા, માણિક આદિ, પરિચ્છાકે વાદ બેચીજાનેવાલી વસ્તુ Any article which is

sold after a scrutiny e. g. gold, diamond etc. नाया० ८, ६, १५,

पारिजाणिय न० (पारिजानिक) शीघ्र निमित्ते उपरोक्त २५. क्रीडार्थ काममें लाया जानेवाला २५ A chariot used in sports. भग० ११, ११,

पारिजाय पु० (पारिजात) पारिजात नामनुं देवानुं १३१-३२५३३. पारिजात नामक देववृक्ष-कल्पवृक्ष A divine tree named Pārijāta. पत्र० १७;

पारिद्धावणिया. स्त्री० (परिष्ठापनिका) ५३। पेसाय वगेरे शास्त्रोक्त विधिपूर्वक परकयवा-नापयवा-ते पांयभी समिति. The 5th samiti (carefulness) in regard to throwing away according to prescribed rites excreta, urine etc. जं प. २, ३१, सम० ५; भग० २०, २;

पारिणामिअ. पु० (पारिणामिक) ६२५नुं परि-लुभयु अथवा परिणामथी निष्पन्न-परिणाम-मिक लाय, ७ लायमानो अेक. द्रव्यकी परिणती-पारिणामिक भाव, छः भावोंमेंसे एक The maturity of substances or form of such maturity, one of the 6 qualities. अणुजो० ८, १२७,

पारिणामिया. स्त्री० (पारिणामिकी) पाश्री उमरे उत्पन्न यती भुद्धि; भुद्धिने अेक प्रकार पकी हुई वयमें उत्पन्न होनेवाली बुद्धि, बुद्धिका एक भेद A wisdom produced in old age; a sort of intelligence. भग० १७, २, निर० १, १, ठ० ४, ४; नाया० १,

पारितावणिया स्त्री० (पारितापनिका) परने दुःख-पीडा उपलव्यवाथी लागती क्रिया-कर्मबंध.

दुःखोंको दुःखी करनेसे लगनेवाला-कर्मबंध.

A bondage of karma incurred by troubling others. मत्त० ५;

पारितोसिय. न० (पारितोषिक) धनाभ. पुस्तकार; इनाम. A present. सु० व० १, ३६०;

पारित्त. हे. क. अ (पारित्तुम्) पारित्तुं करवाने. पारण करनेके लिए. To break a fast. नाया० ८, भग० १२, १,

पारित्ता. स० कृ० अ० (पारित्त्वा) पार पड़े-आगेने; पुई करीने. पार पहुँचाकर; समाप्त करके. Having crossed, finished. वय० ५, १, ६३;

पारिप्पव. पु० (पारिप्पव) अेक जतनुं पक्षी. एक प्रकारका पक्षी. A species of birds. पणह० १, १; पत्र० १;

पारिय. त्रि० (पारित) पारेलु; समाप्त करेले. पूर्ण कियाहुआ; समाप्त कियाहुआ. Finished; completed. उत्त० २६, ४०;

पारियट्टिय. पु० (परिवर्तित) परिवर्तित ना-भनो दोष, साधुने भाटे गृहस्थे डाध वस्तु अथवा अथवा करी हीकडाड तैयार राणी छाय ते लेवाथी साधुने लागतो अेक अडा-रेनो दोष परिवर्तित नामक दोष, साधुके निमित्त गृहस्थने यदि कोई वस्तु फेरबदल करके ठीक तरह सजाकर तयार रखी हो तो उसके ग्रहण करनेसे साधुको चडनेवाला आहारका एक दोष.

A fault named Parivartita; a fault related to food incurred by a saint by accepting anything which has been changed by a householder and kept neatly for being given to a saint. प्रव० ५७३;

पारियल्ल. न० (परिवर्त) २६-पैडानो धेरावे. पहियेका घेरा, चक्की परिधि. Circum-

ference or periphery of a wheel नदी० स्थ० ५,

पारियावर्णिया स्त्री० (पारितापनिका) लुओ
‘पारितावर्णिया’ शब्द देखो “पारितावर्णिया”
शब्द. Vide “पारितावर्णिया” भग० १, ८,
३, ३, ठा० २, १, पत्र० २२,

पारिचासण न० (परिचासन) वासी राभ्यु
वासी रखना Keeping stale food
जीवा० ३,

पारिचासिय. त्रि० (परिचासित) पहिला ५-
हो२नु. पहिले प्रहसका Of the 1st
watch. वेय० ५, ३७, निती० ११, ४०,
(२) गन दिननु, गर्धडावनु, वासी कलका,
वीतहुए दिनका, वासी Stale, yester-
day's भग० १५, १,

पारिहारिय. त्रि० (पारिहारिक) जेना धनी
भिक्षा साधुये तजणी न्नेधये ते, सेना-
तरीओ पगेरे. वह जिसके धक्की भिक्षा
साधुका छोडना चाहिए, सत्रातीय आदि. (one)
whose alms are to be avoid-
ed by a monk, a man of the
same caste. वेय० २, १२, (२)
प्रायश्चित्तने योग्य, गु-हेगार प्रायश्चित्तका पात्र,
दोषी Fit subject for expiation,
a defaulter वव० २, २७,

पारी. स्त्री० (पारी) भाजन विशेष पात्र
विशेष A particular vessel जीवा०
३, ३,

पारेवत पु० (पारावत) झूत२, पारेवो
कतूर, कपोत. A pigeon, a dove
(२) पारेवाना रग जेतु भाटा रसवागु
येड डग कपोत वर्णो खटे स्वादवाला एक
फल A sour fruit having the
colour of a pigeon. पत्र० १६ १७,

पारेवय. पु० (पारावत) लुओ “पारेवत”
शब्द देखो “पारेवत” शब्द Vide

“पारेवत”. उक्त० ३४, ६, पत्र० १; राय०
५२, पगह० १, १,

पारेवयग पु० (पारावतक) लुओ उपरनो
शब्द. देखो उपरका शब्द Vide above
पगह० १, १,

✓पाल. धा० II. (पाल्) पावन धरु, पोषण
धरु, भेदयु पालन पोषण करना, संव
करना. To nourish, to serve,
to bring up

पालेड. ठा० २, ३, नाया० १, ७, भग०
२, १, उवा० १, ७०,

पालंति ओव० ३८, ज० ५०

पालयामि नाया० ६,

पालेहि. आ० ओव० ३२, जीवा० ३, ४,
नाया० १,

पालसु. आ० सु० च० २, ६०८,

पालइत्ता. स० कृ० सम० ८४, उक्त० २६, १,
नाया० १, ८,

पालयाहि ज० ५० ३, ६७,

पालिया स० कृ० उक्त० १ ४७, वव०
६, ३७,

पालेउं स० कृ० सु० च० १, ३२७,

पालित्ता. स० कृ० नाया० १,

पालेमाण व० कृ० सम० ७८, भग० ११,
११, १३, ६, १८, २, ज० ५०
५, ११५, नाया० ५, १४, पत्र०
२; कप० २, १३,

पालंत. व कृ० नाया० ७, आव० १, ४, ६,

पालिज्जइ. क० वा० विशेष १०६,

पाल त्रि० (पाल पालपतिरक्षतीति) पालनार
रक्षण धरनार. पालक, रक्षक A prote-
ctor. भग० ३, १,

पालञ्च-य. पु० (पालक) शक्ति-दना विमाननो
व्यवस्थापक देव शक्तिन्द्रके विमानके व्यवस्थापक
देवता The managing deity of the
celestial abode of Śakrendra.

भग० १६, १; ज० प० ५, ११८, ११६;
११५, (२) शकेन्द्रं विमान. शकेन्द्रका विमान
The celestial abode of Śakreñ-
dra. अ० ८, १, (३) त्रि० पालन इरनार
पालन करनेवाला. A nourisher; a
protector. प्र० १२८;

पालंगा. स्त्री० (:) ओ३ गननु क्ष्ण.
एक प्रकारका फल. A kind of fruit.
उवा० १, ३६;

पालव पु० (प्रालम्ब) गणामां पहरेवानी
लांणी भाषा; लुभायु. गलेमें धारण करनेकी एक
लम्बी माला, सुमनी. A long rosary
to be worn in the neck. ओव०
१२, नाया० १, दसा० १०, १; जीवा० ३,
३; ४, राय० २१; १८६; ज० प० कथ०
२, १४, ४, ६२; ज० प० ५, ११५;

पालक. न० (पालक) पहुँचा देवलोकना
पुनः मुसाक्षरी विमान. पहिले देवलोकक
इन्द्रका मुसाक्षरी विमान A travelling
ariel car of the Devendra of
the 1st Devaloka ओव० २६,

पालका स्त्री० (पालक) ओ नामनी प्रसिद्ध
क्षीदी पनरपति. इस नामकी एक प्रसिद्ध हरि
वनस्पति. A common green vege-
table so named. पत्र० १;

पालणा. स्त्री० (पालना) रक्षा इरती ते;
पालना इरती ते, पालन पालन, रक्षण.
Nursing, protection महा० प०
३५, पचा० ११, ७, ५, ४,

पालणी स्त्री० (पालनी) पालन इरनारी,
रक्षायु इरनारी, (स्त्री.) पालिका, रक्षिणा. A
nurse; a (female) protector
पचा० ७, ३०,

पालन न० (पालन) पालन-रक्षायु पालन,
रक्षण. Protection, nursing विशे.
१०५;

पालि. स्त्री० (पालि) तणाव आदिने इरती
पाणि. तालाव आदिकी पाल. The round
bank of a pond etc. अत० ३,
८, सु० च० १०, ४२; जीवा० ३, ४;
राय० २०४;

पालिअ-य. पु० (पालित) ओ नामनी ओ३
व्यापारी श्रावक. इस नामका एक व्यापारी
श्रावक. A merchant layman so
named. उत्त० २१, १, (२) त्रि० पाणेशु;
अथावेसु. पालित, रक्षित. Protected;
nursed. महा० प० ३५; प्र० २१३;
कथ० २, १०१;

पालिजातय. पु० (पारिजातक) वृक्ष विशेष
वृक्ष विशेष. A particular tree.
नाया० १,

पालित्त. पु० (पादलित) ओ३ मरु रागने
भरतइती पीडा भययोग्धी मटाडी धर्मानु-
रागी पनाच्या हतो ने ओ३ मरि वे
सुरिजी जिन्होने मरु राजाकी भस्तिष्क पीडाको
मघवलमे दूर का उम धर्मानुगामी बनायाया. A
Sūri (a sage) who converted
the king Marunda into a
lover of religion after curing
his headache by the power
of charm. पि० नि० ४६८,

पालिया स्त्री० (पालिका) पनरपति विशेष.
वनस्पति विशेष A particular vege-
table जीवा० ३, ४,

पालियाअ. पु० (पारिजात) पारिजात वृक्ष
कल्पवृक्ष, सुतर. The divine tree
राय० ५३;

पालियातय. पु० (पारिजातक) लुओ "पासि-
याअ" शब्द देखो "पासियाअ" शब्द
Vide "पासियाअ." जीवा० ३, ३,

पाली. स्त्री० (पाली) पद्योपम प्रमाण
शाल विभाग. पद्योपम प्रमाण काल विभाग.

A duration of time equal to Palyopama (a measure of time उत्त० १८, २८, (२) पाणी रोक्वानो अन्ध, पाण. पानी गेकनेका बाध, पाल An embankment पण्ड० २, ४;

पालुकिमिय. पु० (पालुकमिक) डरभीया; अतु विशेष. किमिया, कृमि विशेष A particular kind of worm निसी० ३, ४,

✓पाव. धा० I. II (प्रतयाप्) प्राप्त करतु, भेगवतु प्राप्त करना, मिलाना. To obtain: to get; to acquire प्रव० ६८,

पावइ. अणुजो० १४६, १५०; उत्त० ३२, २४, नाया० १ ७, १३, १८, विशेष० १११, दस० ६, १, १७, पन्न० २,

पावए. प्रव० ६४७,

पावेइ नाया० ७, १०,

पावति. नाया० ४, ६, १७, १८, ओष० नि० भा० ४५, विशेष० २०६,

पावति. सु० च० ७, १८८, नाया० ६,

पावेमि. सु० च० ५, ७;

पावे. वि० सु० २, ५, १२

पाविज्ज वि० प्रव० ७३४,

पावय. आ० नाया० १, १२; भग० ६, ३३,

पावेही. भवि० सु० च० ५, १०१,

पाविहिति. भग० १८, १, नाया० २,

पाविहिसि सु० च १, १३२;

पाविडे. स० कृ० विशेष० २१०. सु० च० १५, २७,

पाविज्जइ क० वा० विशेष० १०६.

पाव. न० (पाप) अशुल कृत्यथी अधातु अशुल कर्म; पाप; नव तत्त्वमांनु योशुं तत्त्व, (२) दुष्कृत्य, अशुल कृत्य अथ हिंसादि. दुष्कृत्य जन्य कर्तव्य, पाप; नव तत्त्वामेसे चौथा तत्त्व, (२) दुष्कृत्य, अशुल कृत्य जीव हिंसादि Sin, a karmic bond due to wicked deeds; an evil deed,

injury etc; the 4th principle out of 9. कथ० १, १. आव० १, ५. ४, ७, पचा० ३, ४. क० ग० १, १५; भत्त० ६२, उत्त० २८, १४, ओव० ३४. सप्त० १, सु० १, १, १, १२, ठा० १, ११, नाया० २, ४, १३, भग० १, ४, २, ५, ६, १ ७, १०; २६, १; विशेष० ४३, २००६, पि० नि० १२५, दस० ४, १६, ५, २, ३५, दसा० ६, १, विवा० १, सु० च० २, १८६; राय० २२४, लवा० १, ४३, प्रव० १६००; गच्छा० ६; क० प० ४, ४७, (३) त्रि० पापी, अधर्मी. पापी, अधर्मी A sinner; an immoral person. पण्ड० १ १, वि० २; (४) अशुल. अशुभ, अमंगल inauspicious. स० ११, —अणुभाग पु० (—अनुभाग) अशुलरस. अमंगलरस. An inauspicious essence, taste. स० ११; —उपपस पु० (—उपदेश) पापपाणा कार्यनो उपदेश. पापपूर्ण कार्यका उपदेश. An evil counsel, advice पचा० १, २४, —कम्म. न० (—कर्मन्) अशुल कर्म. अशुभ कर्म. A wicked deed. ' पावकम्म न बचड ' दस० ४, १, नाया० ४; १६, भग० १७, २, २६, १, २६, १; आव० ४, ८, —किरिया. स्त्री० (—क्रिया) पापकारी क्रिया पापजनक क्रिया. A sinful deed नाया० १८; —क्रोध पु० (—क्रोध) पाप प्रकृतिथी कोप डरवो ते पापप्रकृतिसे क्रुद्ध होना. Becoming angry with a sinful disposition पण्ड० १, १, —जीवि वि० (—जीविन्) पापथी अवनत पाप द्वारा जीनेवाली. (one) who lives by sinning वच० ३, २७, पि० नि० ६७, —दिट्ठि. वि० (—दृष्टि) अशुल दृष्टिवाणी, शिदधाडी. अमंगल दृष्टिवाणी, शिदधान्वेपी

Evil-eyed; (one) who looks after loop holes उत्त० १, ३८; —धम्म. पु० (-धर्म) सावध धर्म. सावध कार्य. A sinful deed. सूय० १, १४, २१; —पयडि. स्त्री० (-प्रकृति) पापनी ८२ प्रकृति. पापको ८२ प्रकृति The 82 varieties of sins क० ग० ५, १७; प्रव० ५०; १३०३; —प्यणासणा. वि० (-प्रनाशन) पापने नाश करनेवाला. A destroyer of sins. कथ० १, १; —प्यसत्त. पुं० (-प्रसक्त) पाप दुर्भर्मा आसक्त. पापकर्ममें आसक्त. Addicted to sinful deed. नाया० १२; —फल. न० (-फल) अशुभ कर्मजुं फल. अशुभ कर्मका फल. The fruit, result of sinful deeds भग० ७, १०; —फल-विवाग पु० (-फलविवाक) विपाक सूत्रतो दुःखविपाक ३५ ओष्ठ विवाग-प्रथम श्रुत २४५. विपाक सूत्रका दुःखविपाक एक विभाग-प्रथम श्रुतस्त्वय A portion of Vipāka Sūtra named Dukha Vipāka 1ṣṭ Śrūta Skandha. सम० ५५; (२) पाप इणतो विपाक. पाप फलका विपाक. The maturity of the fruit of sins. दना० १०, ३; —मुक्ख. पु० (-मोक्ष) पापथी मुक्त थनुं पाप मुक्त होना. Emancipation from sins. आया० १, २, २, ७५; —लोगय. पु० (-लोकक) नरकआदि दुर्गति नकमादि दुर्गति. Wretched state e. g. hell etc. सूय० १, २, ३, ६; —चट्ठण. वि० (-वर्धन) पापनो हेतु; पाप वधारना. पापका हेतु; पापको बढ़ानेवाला. The cause or enlarger of sins. दस० ८, ३७; —सउण. पु०

(-शकुन) शिकारी पक्षी; पापी पक्षी. शिकारी पक्षी, हिसक पक्षी. A bird of prey. राय० २२८; —समण. पुं० (-अनण) दोषी-पापी साधु. दोषी-पापी साधु. A guilty or sinful ascetic उत्त० १७, ३; —सियालग पुं० (-श्यालक) पाप शीयालीया. पापी नियाल. A wicked jackal. नाया० ४; —सुमणि. पु० (-स्वप्न) दुष्ट स्वप्न. An evil dream. नाया० १; भग० ११. ११; कथ० ३, ५६; —सुय. न० (-श्रुत) अधर्म पापकीनु शास्त्र अधर्मी पापकीका शास्त्र. The scripture of an atheist. सम० २६; —हियय. न० (-हृदय) पापमय हृदय; दुष्ट अन्तःकरण. पापपूर्ण हृदय; दुष्टान्त करण. A wicked heart, mind. नाया० ६;

पावंस. वि० (पापीयस्) पापी; पाप करनेवाला. पापी, पाप करनेवाला. A sinner. ठ० ४, ४; पावक. न० (पापक) अशुभ कृत्य; पाप. अशुभ कृत्य; पाप A sin; a wicked deed. उत्त० १, १२; पावग. पुं० (पावक) अग्नि. मग्नि. The fire. दस० ६, ३३; ८, २२; ६, १, ६; विवा० १; आवा० १, ४;

पावग न० (पापक) पापकर्म; अशुभकृत्य. पापकर्म, अशुभ कृत्य. A sin; a wicked deed. ओव० ३४; उत्त० २, ४२; ६, ६; ११, ८;

पावण. वि० (पावन) पवित्र. पवित्र; शुद्ध. Holy. ओव० ३५;

पावण. न० (लावन) परस्पर, नापी हेतु. डालदेना. To place; to throw away. पि० नि० भा० २;

पावण. न० (प्रापण) भेजवतुं. मिलाना; प्राप्त करना. Requiring; obtaining. नाया० १८;

पावणिय. पु० (प्रावणिक) प्रवचन वाचनार
आचार्य. प्रवचन बांचनेवाले आचार्य. A pre-
ceptor to read a sermon. नदी०
स्य० ४२,

पावय. त्रि० (पापक) पापरूप, निन्द्य; अप-
यशवालो. पापरूप, निन्दास्पद, अपयशवाला,
दुष्कृति Sinful, censurable; noto-
rious आया० १, ६, ४, १६३, नाया०
१७, भग० २५, ७,

पावय-अ. पु० (पावक) अग्नि अग्नि, आग.
The fire. सु० च० १, ३६, उत्त०
३, १२,

पावय. त्रि० (प्रापक) प्राप्त करानेवाला. (one) who causes to
acquire. चि० १३८२,

पावयण न० (प्रवचन) आगम, सिद्धान्त,
जैनशासन. आगम, सिद्धान्त, जैनशासन. Scrip-
tures; a settled principle;
The Jain precepts. ठा० ३, ४,
ओव० १६; ३४; भग० २, १-५, ६, ३३,
२०, ८, नाया० ३, ८, पण० २, १, दसा०
१०, १, निर० ३, ४, राय० २२२, आव०
४, ८; उवा० १, १२, ७, २१०,
(गं)—अंतर. न० (-अंतर) सिद्धान्त
सिद्धान्त वच्ये हेभातु अतर-द्वेक्षार दो
सिद्धान्तोके बीचका अन्तर. The difference
between two Jaina canons भग०
१, ३,

पावयणि. त्रि० (प्रवचनिन्) सिद्धान्तनु अनि-
पादन करनार, तीर्थंकर गणधर वगैरे. सि-
द्धान्तके प्रतिपादक, तीर्थंकर गणधर आदि The
expounder of a jaina canon,
a Tirthankara, ganadhara etc.
भग० २०, ८, प्रव० ६४८,

पावयणिय त्रि० (प्रावचनिक) आगमवेत्ता,
युग प्रधान आचार्य. आगमवेत्ता, युगप्रधान

आचार्य. (one) versed in scrip-
tures; a preceptor famous in
an epoch. सम० ३४;

पावर. न० (प्रावर) रोमवाणु वस्त्र. रुँदार
वस्त्र, ऊनी वस्त्र A hairy or wooly
garment. (२) भेटोटा क्षमलो. मोटा
कम्वल A thick blanket. आया०
२, ५, १, १४५,

पावरण. पु० (प्रावरण) वस्त्र विशेष; दुपट्टो.
वस्त्र विशेष, दुपट्टा A covering gar-
ment. नाया० १७,

पावसत्र त्रि० (प्रावर्षक) योमासाभां जन्मेस.
चतुर्मासमें जन्माहुआ Born in the
rainy season. अणुजो० १३१;

पावा स्त्री० (पापा) सुरसेन देशभां प्रसिद्ध
नगरी. सुरसेन देशकी प्रसिद्ध नगरी. A
famous city of the Sūrasena
country कप० ५, १२१; पण० १,
(२) पापुली स्त्री. पापिनी स्त्री. A sinful
woman नाया० ६;

पावाइ. त्रि० (प्रवादित्) वाद करनार; वादी.
वाद करनेवाला, वादी. A disputant; a
plaintiff सूय० २, ६, ११;

पावाइय त्रि० (प्रवादित) वगाडेस. बजायाहुआ.
Played upon. सूय० २, २, ५५;

पावाउय. त्रि० (प्रावादुक) वादी; वाद करनार,
पूर्वपक्षी वादी; वाद करनेवाला, पूर्वपक्षी A
disputant; a plaintiff. सूय० १,
१, ३, १३,

पावाउय. त्रि० (प्रावादुक) वाद करनार, वादी
वादी, वाद करनेवाला A disputant, a
plaintiff सूय० १, १२, १, २, २, ७६,

पावार पु० (प्रावार) वस्त्र विशेष, दुपट्टो.
वस्त्र विशेष, दुपट्टा. A kind of gar-
ment; a turban दस० ५, १, १६;
प्रव० ६८५,

पादावली. स्त्री० (पापक्री) ओ नामनी
ओऽ वेक्ष. इत्त नामनी एक लता. A cree-
per so named. पत्र० १;

पाविट्ट. वि० (पाविष्ठ) पापी. पापी. Sin-
ful. सु० च० ७, ३०३;

पाविय. वि० (प्राप्त) प्राप्त इत्येव; भेगवेक्ष.
प्राप्त कियाहुया, मिलायाहुआ. Obtained;
acquired. नाया० ७; ६; सु० च० १,
६; ७२;

पाविया. स्त्री० (पाविष्ठा) पापायशुयाणी स्त्री.
पापिनी-कुन्दा स्त्री. A sinful woman.
उत्त० १३, १६;

पावेस्त. वि० (प्रावेग्य) राजसभादिभिं पटे.
रथा येत्य वस्त्र. राजसभा आदिमें पहिने
योग्य वस्त्र. A garment fit to be
worn in a royal assembly.
भग० २, ५; १२, १, उवा० १, १०; २,
११६; नाया० १, २;

✓पास. धा० I (ह्रस्वः) ज्ञेयु. देखना.
To see.

पस्सद्. पि० नि० ३६६,

पस्सामि. दसा० ६, २६; सम० ३०;

पस्स. धा० आया० १, ६, ४, १६३;

पस्सह. धा० दत्त० ५, २, ३७;

पस्समाण. व. कृ विवा० १,

✓पास. धा० I. II. (ह्रस्वः) ज्ञेयुं;
देखनु. देखना, अवलोकन करना To see,
to look.

पासद्-ति. श्रोव० १२; भग० २, १; ३,

१-२; ६; ५, ४, नाया० १; १६;

उत्त० ३२, १०६; सूय० १, १, ४,

६; ठा० २, २; विशे० २११; पत्र०

१५; ३०; उवा० १, ७४; ज. प

५, ११५; आया० १, १, ५. ४१,

राय० २०;

पासेइ. नाया० ७; १४,

पासंति. श्रोव० २७; नाया० १; ४; ८;
६; १३; १६; भग० ५, ४; ७,
१०; १४, ८; १८, ३; जं. प. ५.
११२;

पासिज्जासि. राय० २४७,

पासामि. नाया० १६; भग० ३, ६; १७,
२; उवा० १, ८०;

पासेमि. भग० ११, ११;

पासामो. नाया० ८, भग० २, १; ३, २;
५, ८; १५, १; १८; ७;

पासप. वि० सूय० १, २, १, १३;

पासेज्ज. दत्त० ८, १२;

पासेज्जा. विधि० वेय० ४, २५; भग० १४,
८, राय० २११;

पासउ. धा० भग० ७, ६; नाया० १;
नाया० ५०

पासतु. धा० राय० २३; भग० २, १; ३, २;

पास. धा० आया० १, १, २, १४; १,
६, ३, १६५; पव० १, ३७;

पासह. धा० राय० ७७, आया० १, ६, ४,
१६३;

पासिहिति. भ० भग० १५, १,

पासिहसि. नाया० १६;

पासि(से)त्ता. सं कृ अणुजो० १६; १४७;

श्रोव० २७; नाया० १; २; ३;

५; ८; १८; भग० ३, १; ७,

६; उवा० ३, १३२; दसा० ६,

२; १०, ३; ठा० ४, १; सूय०

२१; ४३;

पासंतिता. भग० ३, १;

पासइत्ता. भग० २, १; ३, २; ७, ६-१०

६, ३३; नाया० १; २; ५; ६;

१४; १६;

पासउं. स. कृ पि० नि० ४१६;

पासिताणं. भग० ६, ५;

पासित्तप. हे. कृ. सम० १०; नाया १०;

भग० ७, ७; दसा० ५, २०-२१;

२४; २५; विवा० १; राय० २६४.

पासिउं. हे. कृ. पत्र० १;

पासित्तु. भत० ३८;

पासअ. दस० ४, ६;

पासमाण. नायर० ८; भग० ६, ३३; १६,

६, जं० प० २, ३१;

पासं. विशेष० ६७७,

पासंत. पिं० नि० ३६५;

पास. पु० (पाष) ये नामनेा देश. इस नामका देश. A country so named. (२) त्रि० ते देशभां रहेंनार. इस देशका निवासी. An inhabitant of this country. पत्र० १;

पास. पुं० (पार्श्व) त्रेवीशभा तीर्थंकरनुं नाम तैसवें तीर्थंकरका नाम. Name of the 23rd Tirthankara. प्रव० २६४, आव० २, ४, कय० ६, १४६; भग० ५, ६; ६, ३२; ३३; २०, ८, अणुजो० ११६; सम० ८; २३; २४, उत्त० २३, २६, सम० ८, ठ० २, ४; नाया० ध० ६; निर० ३, १; (२) पासै, नष्टक-पड्ये. पासमें, निकट, पडौसमें. Near by in the vicinity or neighbourhood "पासेग्रविइ" नाया० १६; सूय० १, ४, १, ३, नाया० १; १४, १७; सु० च० १, २७१; उत्त० १४, ४७, विरो० १४७१, (३) पड्यु, पासुं A side; a rib. आया० १, १, २, १६, ठ० २, ३; जीवा० ३; १; ज० प० ५, ११४; ११७; उत्त० २७, ५. पिं० नि० मा० १६; क० प० १, ४०; प्रव० ५४३, दसा० ६, ४, मोव० १०; ३१; भग० १२, ६; पिं० नि० ५८२, तंडु —अवच्छिज्ज. पु० (-अपत्यीय) २३भा पार्श्वनाथ लगवान्ना अनुयायी-शिष्य-प्रशिष्य वगेरे. २३ वौ पार्श्वनाथ भगवान्के अनुयायी-शिष्य-प्रशिष्य

आदि. A follower of the 23rd Lord Parsvanātha. सूय० २, ७, ५; भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ६, ३२, राय० २१४; —ठिअ. त्रि० (-स्थित) पासै रहैव. पास रहा हुआ; समीपस्थित (one) who has remained near. प्रव० ६४२; —सूल. न० (-शूल) पड्यानुं शूल-पीडा. पसलीका पीडा. A pain of the ribs भग० ३, ७,

पास. पुं० (पाश) पासलो, अन्धन, शस्त्र विशेष. पाश; फन्दा; शस्त्रविशेष A net; a noose; a trap. आया० १, ३, २, १११, उत्त० ४, २, सूय० १, ४, १, ४, जीवा० ३, ४, नाया० १७, —ग्राह. पु० (-ग्राह) पाशलो धर्ध आलनार पाशल नामक शस्त्र-धारी. (one) who goes holding a particular weapon (an axe). ज० प० ३, ६७, —बंधण. न० (-बन्धन) पाशलातुं अन्धन. पाशल बन्धन. A noose or bond of. ... नाया० १७,

पासओ. अ० (पार्श्वतम्) पड्ये, नष्टक पास, नजदीक, नीकट. Near; at hand. ज० प० ५, ११५, भग० ७, ७, नाया० १४, नदी० १०, राय० ७०,

पासंगिय. त्रि० (प्रासंगिक) प्रसगोपात. प्रसगोपात, प्रसगवरा आयाहुआ, प्रासंगिक Incidental. विरो० १३४७;

पासंड पु० (पावड) धर्मने नामे आलतो ढोंग, मिथ्या दर्शन. धर्माडम्बर, मिथ्याधर्म-दर्शन. Hypocrisy or vain show of religion, heresy अणुजो० १३१; उत्त० १७, १७, ज० प० उवा० १, ४४, (२) त्रि० पापडी, नागितड पाखणडी, नास्तिक. An atheist; a heretic. ठ० १०; —त्य. पुं० (-त्य) पापडी; कुमति. पाखंडी; कुमति; दुष्ट-बुद्धि An atheist;

a heretic; impious. मग० ३, १;
६, ३१; नाया० ८; १५; अणुजो० २०;
—धर्म. पु० (—धर्म) पाप्मणीने आचार
विचार पाखंडीका आचार विचार. The
conduct etc of an unbeliever.
ज० प० २, ३५, ठा० १०; —बहुल. वि०
(—बहुल) पाप्मणीने ज्यां धर्मा होय ते
वह स्थान जहाँ पाखंडीयोंकी प्रचुरता हो. A
place where heretics are
numerous. ज० प० १, १०;

पासंडि. वि० (पाखंडिन) भोटो भत अशाव-
नार. दुष्ट पय प्रवर्तक; पाखंडी A heretic.
वि० नि० १४३; २२१; नदी० ४६; सु०
च० ८, ५४; भक्त० १००; प्रब० ४७;

पासक न० (पाशक) पाशा दाणवानी इणा.
पासे ढालनेकी कला. An art of mould-
ing & dice. ओव० ४०;

पासग. न० (पागक) क्षांसी. फांसी. A
noose; hatter. नाया० १४;

पासग पु० (पश्यक) सर्वज्ञ तीर्थक्षर. सर्वज्ञ;
तीर्थका. Omniscient; a Tirthan-
kara. आया० १, २, ३, ८१; १, ३,
३, १२१;

पासण. न० (दर्शन) दर्शन; हेम्बुं. दर्शन,
अवलोकन. A sight; a spectacle.
वि० नि० ८; सु० च० २, ६०; ओष० नि०
६३;

पासणया. स्त्री (दर्शन) हेम्बु, लेबुं. देखना.
Seeing, noticing. नाया० १; पत्र०
१; ३०; राय० २४५;

पासणा. स्त्री० (दर्शन) लेबु ते. दर्शन;
अवलोकन A sight; a spectacle;
observation. वि० ५५५, ८२२;

पासणिअ-य. पु० (प्राश्निक) शुभाशुभ
प्रश्नोनां इलाक्ष इहेनार साधु. शुभाशुभ
प्रश्नोकि पलापितका कथन करेवाला साधु.

An ascetic who tells the good
or evil result of a question,
an arbitrator. सुय० १, २, २, २८,
निसी० १३, ५४;

पास्तथ. वि० (पास्तथ) पाश-इर्भधभां
रहेनार साधु; साधुपक्षाधी पतित. पास्तथ-
कर्षवद्ध रहेवाला साधु, साधुत्वसे भ्रष्ट. An
ascetic remaining in karmic
bondage, one fallen from asce-
ticism. सुय० १ १, २, ५; नाया० ५;
१६; नाया० घ० भग० १०, ४; ओष०
नि० भा० ४८; पणह० २, ४;

पास्तथ. वि० (पास्तथ) पास्तथी, आचार
भ्रष्ट. आचार भ्रष्ट. Fallen from right
conduct. निसी० ४, ३४-३५; प्रब०
१०३; —विहारि. वि० (—विहारीन्)
आरित्रथी भ्रष्ट थपाय तेवुं अनुष्ठान इरेनार.
ऐसा अनुष्ठान काना जिससे चरित्र भ्रष्ट हो.
Doing such a thing which
would spoil the character.
नाया० ५; १६; भग० १०, ४; नाया०

पासवर्ण. न० (पत्रवर्ण) लघुनीत; भात३;
पेशाभ. लघुजंका; मूत्र. Urine. प्रब०
१५१०, ६४०, कय० ५, ११६; ६, ५१;
आव० ४, ७, उवा० १, ५५; सुय० १, ६,
१६; उत्त० २४, १५; आया० २, १, ५,
२६; २, ३, २, १६५; सन० ५; ठा० ४,
३; भग० २, १-५; ६, ३३; १२, ७; २०,
२; नाया० १; २; ५, ओष० नि० २२१;
वेव० १, १६; दस० ८, १८; पत्र० १,

पासवर्णया. स्त्री० (*) लुओ "पासणा"
शब्द देखो "पासणा" शब्द Vide
"पासणा." भग० ६, ३३;

पासवर्णापद. न० (पश्यतापद) पत्रवर्णा सूत्रना
नीशभा पदं नाम. पत्रवर्णा सूत्रके तीसरे
पदका नाम. Name of the 3rd pada

of Pannavanā Sūtra भग०
१६, ७;

पासाईय. त्रि० (प्रासादीय) मनने प्रसन्न
करना२. मनको प्रसन्न करनेवाला. That
which pleases the mind. सम०
प० २११; नाया० ५, ६; १३; भग० १३;
६; राय० ४७; उवा० १, ७,

पासाण. पु० (पापाण) पथर. पत्थर A
stone. जीवा० ३, ४; ज० प० —घर.
न० (-गृह) पथर धर. (२) वनस्पति
विशेष. पत्थरका घर (२) वनस्पति विशेष.
A stone-house; a species of
vegetation नाया० ३;

पासाद. पुं० (प्रासाद) डबेली, भडेल. प्रासाद,
महल. A mansion; a palace.
उत्त० ६, ७; सू० प० ३, राय० २;

पासादीय. त्रि० (प्रासादीय) चितने प्रसन्न
करना२. चित्तको प्रसन्न करनेवाला. That
which delights the mind. नाया०
१; ७; भग० २, ५; १८, ५; श्रोव०
निर० ५, १; जीवा० ३, २; पत्र० २; सू०
प० १; ज० प० २ २१;

पासामित्र. पुं० (पासामृग) ओ नाभनो ओड
यक्ष. इस नामका एक यक्ष. A yakṣa
(semi-divine being) so named
विवा० १०;

पासाय. पु० (प्रासाद) भडेल, लयन, डबेली.
महल, भवन, हवेली. A palace; a
mansion. ज० प० ५, ११५; नाया०
१, ५; ८; १६; भग० २, ८; ३, ७, ५, ७,
८, ६; ६, ३३; उत्त० ६, २४; १६, ३;
अणुतो० १३४; दस० ५, १, ६७, सु० च०
१, ६४, जीवा० ३, ३; राय० २७५; ज०
प० ३, ६७, —खंभ. पु० (-स्तंभ)
भडेलनो थांलडो. प्रासादस्तंभ; महलका स्तंभ.
A pillar of a palace. दस० ७, २७;

—पंत्तिया. स्त्री० (पट्टिका) भडेलोनी
श्रेणी. महलोंकी कतार, प्रासादश्रेणी. A row
of palaces जं. प. ४, ८८, भग० ३, ७;

—वडिसय. पुं० (-यवतसक) देवनाने
रहेवानो भडेल. देवताके रहनेका महल. A
palace of a god. जं. प. ५, ११२;
११३, भग० २, ८; ३, ७, ११, ११, १६,
६-६; नाया० १; ८; ६, १४; १६, विवा०
६; ज० प०

पासित. त्रि० (पाशित) पाश-लपना स्थानो.
पाश-भयके स्थान. The places of
fear. सूय० १, १, २, ७;

पासिय. पु० (पाशित) इस विशेष. फल
विशेष. A particular kind of fruit.
भग० २२, २;

पासियव्व. त्रि० (द्रष्टव्य) न्हेवा थांय.
देखने योग्य Fit to be seen. कय०
६, ४५;

पासिल्लय. त्रि० (पार्श्विक) पडभासर सुनार.
पार्श्वभागमें सोनेवाला. One who sleeps
on the sides दस० ७, ८; वव० ५,
१८; भग० १, ७,

पासुत्त. त्रि० (प्रसुप्त) सुतेडो; डधी गयेडो.
सोयाहुआ, निद्रित Sleeping. किर० २२५;
पिं० नि० ३३५; ४७७; अणुतो० १३०;

पाहणा. स्त्री० (उपानह) जूती; भोजडी
जूती, जोड़ा. A shoe. दस० ३, ४;

पाह. न० (प्राधान्य) मुख्यता. प्रामुख्य,
मुख्यता. Supremacy; eminence.
पचा० ६, १३;

पाहन्न. न० (प्राधान्य) मुख्यता; प्रधानता.
मुख्यता, प्रधानता. Supremacy; pro-
minence; importance ओष० निं
७७२;

पाहाण. पु० (पापाण) पथर. पत्थर.
Stone. ज० प० उवा० २, ८४, —चट्टा.

पु० (छत्क) पथरनो गालो. पत्थरका
गला-रत-चक. A groove; drain of
stone ज० प० ५, ११४;

पाहुड. पु० (प्राप्त) अध्ययन अने शतकनी
भाकिक पुर्यनु ऐक प्रश्नगु; अध्याय. अध्ययन
तथा शतकके समान पूर्वका एक प्रकारका; अध्याय
A chapter of a Purva. सू० प०
२०; अणुजो० १४६; पणह० २, ५; नदी०
५६, क० ग० १, ७; (२) उपहार; भेट.
Present. नाया० २; ५; ८; १३; १५;
१७; १८; सु० च० ६, १३६; राय० २११;
ज० प० ३, ५२; (३) डलेश; कोध. क्लेश;
क्रोध. Anger; trouble. वव० ७, १०-
११; वेय० १, ३३; ४, ६; ठा० ३, ४;
—समास. पु० (-सास) ऐकथी वधारे
पाहुडनु ज्ञान; श्रुत ज्ञाननो ऐक प्रकार.
एकसे अधिक पाहुडका ज्ञान, श्रुतज्ञान विरोध.
Knowledge of more than one
chapter; a particular kind of
scriptural knowledge. क० ग० १, ७,
—सीलया स्त्री० (-शीलता) डलेश कर-
वानो स्थलाय; कक्षस प्रियता. क्लह प्रियता.
The state of liking quarrel.
ठा० ४ ४,

पाहुडपाहुड न० (प्राप्तप्राप्त) अकरलुभां
अकरलु ते आलुत आलुत तेनुं ज्ञान; श्रुत
ज्ञाननो ऐक प्रकार. प्रकरणमें प्रकरण समान
प्राप्तप्राप्तका ज्ञान, श्रुत ज्ञानका एक प्रकार.
A variety of scriptural know-
ledge; knowledge of a chapter
inside a chapter. क० ग० १, ७;
—समास पु० (-समास) ऐकथी
वधारे पाहुड पाहुडनुं ज्ञान; श्रुत ज्ञाननो
ऐक प्रकार एकाधिक पाहुडपाहुडका ज्ञान; श्रुत
ज्ञान विरोध. Knowledge of more
than one chapter; a variety

of scriptural knowledge. क० ग०
१, ७;

पाहुडिया-आ. स्त्री० (प्रायतिका) नगराणु,
भेट. नगराना, भेट; उरायन. A present.
वेय० २, १६; पि० नि० ६२; (२) नदीनो
अध्याय. छोटा अध्याय. A short chap-
ter. अणुजो० १४६; (३) आलन नामे
उदगमननो छोटी दोप; साधुने प्राहुणा नरीके
भानी अक्षीस नरीके आचारान्दिक आपवाथी
आगनो ऐक दोप उदमनका प्राप्त नामक छत्र
दोप, साधुकी बिहमानदयमें भोजन पान आदिमे
मेरा करनेके कारण लगनेवाला दोष. The
6th fault named Frābhṛta of
Udgamana incurred by offering
food etc. to an ascetic like a
guest. पंचा० १३, ५; प्रव० ५७२; ५८८;
पाहुण. पुं० (प्रापूर्ण) मेमान; प्राहुणो.
मिहमान, पाहुना, भतिथि A guest. पि० नि०
४८०; प्रव० १७४; गच्छा० १२०; —भक्त.
न० (-भक्त) मेमान भाटेनु भोजन.
मिहमानको भोजन. Food for a guest
भग० ६, ३३. निमो० ६, ६;

पाहुणग. पुं० (प्रापूर्णक) मेमान; अध्यागत;
प्राहुणो. मिहमान, अध्यागत, पाहुना. A
guest. ओव० ४०; सु० च० १, १५१,
—भक्त. न० (-भक्त) मेमान भाटे अ-
नावेधुं भोजन. मिहमान-भतिथिके लिए तयार
क्रियागया भोजन Food for a guest.
ओव० ४०;

पाहुणिअ. पु० (प्रापूर्णिक) ६६ अहुनुं नाम
छेते ग्रहका नाम Name of the 6th
planet. ज. प. ७, १७०; सू० प० २०;
ठा० २, ३;

पाहुणिज्ज. वि० (प्राहवणीय) अर्धे करी
आहवान करवा भोज्य. प्रकृतया आहवनीय.
Fit to be properly invited.
ओव०

पाहेज्ज. पु० (पाथेय) लातु. पथ्य, रूचनेवाला
Victuals उत्त० १६, २०;

पाहेण्ण न० (प्रहेणक) लाडु, वगैरेनुं स्थाणुं.
लडूँ आदिकी लेन-लीयण A present of
sweet balls etc पि० नि० २८८,

पि. अ० (अपि) पाणु, पणी. पर; और; भी;
परन्तु But; also; too. (२) सत्तापना.
सभावना Probability उत्त० १, १३;
भग० ३, २, ५, ४-५; ७, ६; २५, ७,
नाया० १, ५, ७, ८, दम० ४, ११-२८;
६, २०-३६, ७, ६, ८, २४, पि० नि०
भा० ४; पन्न० ६ १७, क० ग० १, ४४,
५६; उवा० २, ६७,

पिमंगु पु० (प्रिययु) प्रिययु, गजपीपर
प्रिययु, गजपीपल. A kind of creeper.
कण० ३, ३७,

पिआमह. पु० (पितामह) दादा, आपना आप
दादा, पिताक पिता Grand-father.
अणुजो० १३१;

पिइ. पु० (पितृ) पिता, आप. रिता, जनक,
नाय. Father. भग० १५. १; पि० नि०
१२१, ४८५, सूय० २ २, १२, (२)
पितृदेवता. अश्वेखा नक्षत्रेना स्वामी. पितृ
देवता, अश्वेखा नक्षत्रका स्वामी Pitr god,
the lord of Aslesā constella-
tion. डा० २, ३, —**पउजय** पु० (प्रार्थक)
आपदादा, वज्जा, पूर्वज्जे. वापदादे, पूर्वज,
बडौल Ancestors अत ६, ३.

पिउ. पु० (पितृ) आप. पिता. Father.
ज० प० ७ १५७, भग० ८, ५, गोव०
सु० च० १, २६४. ३, २४५, नाया० ६,
—**पउजय** पु० (—प्रार्थक) लुओ। ‘पिध-
पउजय’ शब्द. देखो ‘पिउपजय’ शब्द.
Vide ‘पिउपजय.’ भग० ६, ३३,
—**सुक्क.** पु० न० (—शुक्र) पितानु वीर्य.
पिताका वीर्य. The semen of a
father. भग० १, ७,

पिउत्था. स्त्री० (पितृस्वसृ) देाध; आपनी अहेन.
फूकी, भुवा, पितृभगिनी. Father's sister.
‘उदायणस्सरणो पिउत्था’ नाया० १६; भग०
१२, २,

पिउमंद. पु० (पितुमद) लीअडानु आड.
नीमका वृक्ष. The Nima tree निसी०
५, १४;

पिउवण. न० (पितृवन) स्मशान. श्मशान,
मण्डट. Cemetery. पणह० १, ३;

पिउसेणकप्पा. स्त्री० (पितृसेनकप्पा) अत-
गउसेनना आडमा वगैना नवमा अध्ययननु
नाम. अतगउस्सुके आउवे वर्गके नवे अध्ययनका
नाम. Name of the 9th chapter
of the 8th group of Antagada
sūtra. अत० ८, ६, निर० १, १, (२)
श्रैलिक राजाकी ओक राणी डे जेहे मुक्ता-
वलि नामनुं तप आचरी सोण वर्यनी
प्रमत्त्या पाणी कर्म अपावी सिद्धि भेजवी.
श्रैलिक राजाकी एक रानी जिसने मुक्तावलि
नामक तप करके सोलह वर्षकी प्रव्रज्या पाली
और कर्मोंका नाश करके सिद्धि प्राप्तकी. A
queen of the king Śreṇika
who practised Muktāvali pe-
nance, remained a nun for 16
years and attained salvation.
अत० ८, ६,

पिउस्सिया स्त्री० (पितृस्वसृ) आपनी अहेन,
देाध. पिताकी बहिन, फूकी, भुवा. Father's
sister. विवा० ३, दत्त० ७, १५,
—**स्सियपति.** पु० (—स्वसृपति) पुवे। फूका.
Father's sister's husband.
विवा० ३,

पिंकार पु० (अपिंकार) अपिंकार, अपिंशब्द.
अपिंशब्द The word “अपिं” डा० १०, १

पिंग. पु० (पिङ्ग) आतकपक्षी. चातक पक्षी
पपीहा The chātaka bird. सूय० १,
३, ४१२, (२) पल्लु—२१ विशेष. वर्ण—रग

पिंड. पु० (पिण्ड) पिंडा पिंड. A ball.
 मण्डूजो० ५७ ओव० विंग० ६; वव० ६,
 ४४-४५. निमी० ११, ३०; (२) पतरपति
 विशेष; इन्दी ओ३ जल. वत्स्यति विशेष,
 कन्दकी एक जाति. A species of
 bulbous root. जीवा० १, (३) संयथ,
 परिग्रह. सचय; परिग्रह. Possession.
 पण्ड० १, ५; (४) भोराड; भोदकादि व्याहार;
 आस, डोपाओ. सुगक, मोदकादि भोज, प्रास,
 कौर Food, morsel. भग० ८, ६;
 दस० ६, ४८, नाया० ८, पण्ड० २, ५;
 दस० १, ५, उत्त० १, ३४; सम० २१;
 प्रव० २२; गच्छा० २१; पचा० १३, २;
 पि० नि० १. (५) शरीर शरीर. Body.
 विशेष १५८१, पि० नि० भा० ४६, —गुड.
 पु० (-गुड) लिवां तथा रगानो गोण; इण्ण
 गोण. भेली और ग्वेदागुड, कडा गुड. Hard
 molasses. प्रव० २२१, —गुला. ली०

(गुड) पिंड ३५ इत्यं गोण मेली स्वर्मे क्लीन जमाहुया गुड. Molasses in the form of a ball. पिं० नि० २८३, —नियर पु० (-निकर) पिं० नो ७२थो; पितृपिंड, आर्धनु लो०न. पिंडसमूह; पितृपिंड, आदका भोजन Groups of balls of rice etc offered to the manes आया० २, १, २, १२, —मह पुं० (-मह) पितृपिंड-आदका महोत्सव Festivity connected with the manes नि० ८, १५; —वृद्धि न० (-वर्द्धन) लो०ननी वृद्धि. भोजनकी वृद्धि. Increase of food. भग० ११, ११, —वृद्धामण न० (-वर्द्धन) आणकना भोजनकी वृद्धि थाय ते प्रसंगे सस्कार इत्यादि आये ते मन प्राशन वृद्धि सस्कार, बालककी खुराकके बढ़नेपर किया जानेवाला सस्कार A ceremony performed at the time of increase of food of a child सय० २८६; —विसुद्धि स्त्री० (-विशुद्धि) आहारनी शुद्धि आहारकी शुद्धि Purity of food पचा० १५, ३१; —विसोहि स्त्री० (-विशोधि) पिण्ड विशुद्धि, आहारनी शुद्धि. पिण्ड शुद्धि; आहार शुद्धि. Purity of food. प्रब० ५७०, —विहाण. न० (विधान) आहार लेवाने विधि भोजन विधि; आहार ग्रहण करनेकी विधि Mode of taking food. पचा० १३, १, —हलिदा. स्त्री० (-हृग्नि) पिंड ३५ इत्यं हलिदी, हलिदीकी गाठ Turmeric in the form of a lump. भग० ७, ३, पिंडग्र पु० (पिण्डक) पगे चोटाटा डीयडना पिंडा पगे तेहले इत्यं; मध्यम डीयड इत्यादी कीचकि जिसके पैरमें लगतेही लोदेके लोदे बनने लगे, मध्यम कीच Mud which

forms into lumps when trampled upon ओच० नि० भा० ३३, (२) मोदकादि भोजनकी पिंडा मोदक-लडू वगैरकी खुराकका पिंड-समूह. A ball of sweet food etc. वेय० २, ७, (३) सग्रह सग्रह A collection. (४) समुदाय समुदाय. A host ज प. ६, १२५,

पिंडण स्त्री० (पिण्डन) आंड वगैरे आद्य पदार्थानु सामान्य मिश्रण गन्ध आदि खाद्य पदार्थोंका सामान्य मिश्रण A general mixture of such eatables as sugar etc पिं० नि० २,

पिंडित्य. पु० (पिण्डार्थ) पद समुदायनो अर्थ, वाक्यार्थ पद समुदाय-वाक्यका अर्थ. Meaning of a sentence अणुजो० ५६; विशेष० ६०४,

पिंडनिर्गुणति. स्त्री० (पिण्डनिर्गुणति) लो०म पिंड अटले आहारना गुण दोष सम्बन्धि विवेचन छे ते पुस्तक. वह ग्रन्थ जिसमें आहारके गुण दोष आदिके विषयमें विवेचन किया गया है. A book on dietetics पिं० नि० १

पिंडपगड. स्त्री० (पिण्डप्रकृति) अन्तर्गत लो०म वाणी कर्म प्रकृति-लो०म नामकर्मनी गति लनि आदि प्रकृति अन्तर्गत भेदवाली कर्म प्रकृति-यथा नामकर्मकी गति जाति आदि प्रकृति. A nature of karmic matter of intermediate variety. क० ग० १, २५, क० प० १, २७,

पिंडचात पु० (पिण्डदान) दाना भिक्षा Alms उत्त० ६, १७.

पिंडचाय पु० (पिण्डदान) दाना, गोचरी. भिक्षा, गोचरी. Alms आया० २, १, १, १, २, १, ६, ५०, उत्त० ३५, १६, पिं० नि० भा० ३, वेय० १, ३७, ४, २६, क० ६, २६, —चायपडिया. स्त्री०

(यातप्रतिष्ठा) आहार लेवानी प्रतिज्ञा-धा-
रणा-धरणा. आहार लेनेकी प्रतिज्ञा-संकल्प-व्रत
निश्चय. Vow of accepting food.

मग० ८, ६;

पिंडालु. पुं० (पिण्डालु) इन्द्र विशेष; पिंडालु.
कन्द विशेष; पिंडालु; पिंडी. A species of
bulbous roots. प्र० २४२:

पिंडि. स्त्री० (पिंडि) इंडो. (२) शुभभो.
हृदय. (२) समूह; लून. A piece; a
cluster. जं. प. ५ ११२: सू० २, ६,
२६;

पिंडिआ. स्त्री० (पिण्डिका) छिप्य. A
roof. श्रव० १०:

पिंडित. त्रि० (पिण्डित) संयथ इरेलुं संक्ति;
संग्रहीत. Collected. पण० १, ३:

पिंडिम. त्रि० (पिण्डिम) पिण्ड-अर्थार्थ. प.
गिण्डत्प; समूहकार. In the form of
a group. श्रव०

पिंडिय-अ. त्रि० (पिण्डित) भेगुं थयेलुं;
अधुं इरेलुं. एकत्रित; सम्मिलित. Collect-
ed. श्रव० नि० ५२२; त्रि० २००४;
पत्र० २; १६; प्र० १२२०; पंचा० १४,
७, अणुजो० १०६; — अर्थ. पुं० (—अर्थ)
सामान्य अर्थ; समूहइये अर्थ सामान्य अर्थ;
समुद्रत्य अर्थ. A general meaning;
meaning of the whole. पिं० नि०
७२: अणुजो० १०६.

पिंडेसरा नी० (पिण्डेसरा) पिण्डेसरा नामनुं
आचारंग स्रुतना भीत श्रुतइधनुं प्रथम
अध्ययन पिण्डेसरा नामक आचारंग सूत्रं दूसरे
श्रुतअर्थक प्रथम अध्ययन. Name of the
1st chapter of the 2nd Śrūta
Skandha of Āchārāṅga named
Pindeśanā. आया० २, ५, १, १४३;
(२) पिंड-आहारनी अर्थार्थ; दोषदोष नि-
रीक्षण. पिण्डेसरा-आहारिच्छा: दोषदोष निर्माण.

Scrutiny of food आया० २, १,
११, ६२; अ० ७, १; पिं० नि० ६१; प्र०
५७७;

पिंडोलअ. पुं० (पिण्डोलक) शिक्षा उपर
धनार; शिक्षु. भिजाइति पर गुजारा करने
वाला; भिजुक A beggar उ० ५, २२,

पिंडोलग. त्रि० (पिण्डोलक) शिक्षा उपर
निर्वाह व्यापनार; शिक्षु. भिजुक; भिजारी.
A beggar, one who lives on
food offered. आया० १ ६, ४, ११:

पिंसुअ. पुं० (पिंशुक) व्यायः Mosquitoes.
जं० १०

पिक्खविकलंत. त्रि० (पक्ख) नेतो; निहा-
णतो. देखताहुआ; अवलोकन करताहुआ See-
ing. गच्छा० ४;

पिष्ठा. सं० ह० अ० (प्रेत्य) परलोकां
गच्छति. परलोकमें जाकर; मरणके अनन्तर. Hav-
ing died. सू० १, १, १, ११;

पिच्छ. न० (पिच्छ) पिच्छुं; पांभः मोर-
पीछी. पंख; पक्ष; मोरपक्ष; पीछी; पीछ.
A feather. सू० २, २, ६; उ० ३४,
५; आया० १, १, ६, ५३; नाया० १;
पण० १, १; जीवा० ३, ४; पत्र० १७; राय०
५१; उवा० ७, २१६; —मालिया. स्त्री०
(—मालिका) पीछानी भागा. पीछकी माला;
पंखोंकी माला. A garland of feathers.
नि० ७, १:

पिच्छअ. पुं० (पक्षक) पांभ. (२) पक्षी.
पक्ष (२) पक्षी. Wing; a bird.
“कुडकुड पिच्छएणं इमिया यावि होत्वा” नि०
१, १.

पिच्छण. न० (प्रेक्षण) नेतुं; देखनुं. जोइना:
देखना. Seeing. पुं० च० २, ३३१;

पिच्छणिज्ज. त्रि० (प्रेक्षणीय) नेवा येअ.
दर्शनीय. Fit to be seen. मग० ११,
११: संथा० २८: कय० ३, ३५: ४०.

पिच्छाघर. न० (प्रेक्षागृह) प्रेक्षकाने भेसवानु
स्थान. प्रेक्षकोंके बैठनेकी जगह Place for
spectators to sit. ज० प० ५,
११६.

पिच्छि. पुं० (पिच्छिन्) भेद पीछ धरनार
अेक प्राचीन अन्य तीर्थी वर्ग. मोरपञ्चारी
एक प्राचीन अन्य तीर्थी वर्ग. A class of
people belonging to a non-jain
order who hold peacock-fea-
thers. ओव० ३१, ज० प० ३, ६७,

पिज्ज. पु० (प्रेमन्) प्रेम; स्नेह. प्रेम, प्रीति,
स्नेह. Attachment. क्य० ५, ११७,
—बन्धण. न० (-बध्न) स्नेहस्य अधन
प्रेम बन्धन A bond of attach-
ment. क्य० ५ १२६; —दोस. पु०
(-दोष) राग अने द्वेष. रागद्वेष Attachment
and hatred. ' पिज्जदोस
सिच्छादमणविज्जम. ' उक्त० २६, २,

पिट्ठ. पु० (पिट्ठक) पेटी, भण्डुप. पेटी,
सदूक. A box. अणुजो० ४२,

✓**पिट्ठ.** धा० I (पीड्) पीड्युं पीडादेना;
दुख देना. To trouble.

पिट्ठंति सूय० २, २, ५५,

पिट्ठे. भा० दसा० ६, ४;

पिट्ठ न० (पेट) पेट. Stomach.
पचा० ३, १६; —उवरि. अ० (-उपरि)
पेट उपर. पेटके उपर. Over the belly.
प्रव० ७४;

पिट्ठ्या. न० (पीडन) पिट्ठ्यां पिट्ठ्यां. (२)मार्युं.
पिट्ठना; मारना; ठोक्ना. Striking. सूय० २,
२, ६२; ओव० ४१; पि० नि० मा० ३४;
दसा० ६, १-४; पण्ह० १, १,

पिट्ठ्यात्ता. स्त्री० (पीडनता) पिट्ठ्यापत्यु नि-
पुडता, पीडकता, पीटनेका स्वभाव. Cruelty;
nature of beating सूय० २, ४, ६;

पिट्ठावणात्ता. स्त्री० (पिठ्ठ) पीडनानी पासे
पिट्ठ्यां पिट्ठावयां ते ज्योतेके सामने पीटने-

पीटना-शोक करना आदि. Striking or
causing some one to strike
before others. भग० ३, २,

पिट्ठ. पुं० (पिठ्ठ) डोटा, पीभेली वस्तु आटा,
पीमाहुआ पदार्थ. Flour. आया० २, १,
६, ३३ नाया० ३. जीवा० ३. १; ४,
दमा० ५. २; निसी० ४, ५१. भग० १६,
२; पन्न० १७, —उंडी स्त्री० (उगई)
डोटनी पीडी आटकी पिठ्ठ. A ball of
flour. नाया० ३, —निष्फन्न. त्रि०
(निष्पन्न) पीष्ट धर्तु डोटया आवल वगेरे
धान्य तथा दूराभ आदिना सोड डरी तेमाथा
निष्कृता रसथी निष्पन्न-तेपार थयेस; गोणतो
अेक प्रकार. गुड़ विशेष, गेहु, कोंदो, चौवल
आदि धान्य तथा दाख आदिको पीसकर इसमेंसे
निकलनेवाले रससे पैदाहुआ गुड़ विशेष. A
kind of sugar prepared out
of the juice of grapes, rice,
wheat etc प्रव० २२१

पिट्ठ. न० (पृष्ठ) पुठ, पृष्ठ, पीठ. पीठ; पृष्ठ
Back. ओव० १०; ३८; नाया० ६, जीवा०
३, १, पि० नि०, विवा० १, राय० ३२, उवा०
२, १०१; —करगडय. पु० (-करगडक)
परागुतु हाडपु. पीठपड, रीझकी हड्डी. Back
bone. ज० प० २, २६; प्रव० १३८२,

पिट्ठओ. अ० (पृष्ठतस्) पृष्ठयाउथी. पुठे,
पीठ तरङ्ग. पीठसे, पीठकी ओरसे. From
the back. ज० प० ५, ११७; ३, ६७,
ओव० ३१; उक्त० १, १८, २, १५, नाया०
१; ८; १४, १६, १८, भग० ६, ३३;
सम० ३, सूय० १, १५, १०; निसी० ८,
८१, दस० ८, ४६, दसा० १०, ३,

पिट्ठंत. न० (पृष्ठान्त) अपानद्वार. अपानद्वार,
उपस्थ. The anus. निसी० ६, १०;

पिट्ठचंपा स्त्री० (पृष्ठचंपा) अे नामनी अेक
नगरी. नगरी विशेष. A city so
named क्य० ५, १२१,

पिठनो. अ० (पृष्ठतः) पाछगथी. पीछेसे.

From behind. सू० १, ३, २, ११,
१, ३, ४, १७,

पिठ्ठि. न० (पृष्ठ) वासानो भाग पीठका भाग.

Portion of the back. आया० १,

१, २, १६, दस० २, ३; प्रव० ८८७, क०
ग० १, ३४, —करंडग. पु० (—कराडक)

पांसणी. फली Rib. जीवा० ३, ३;

ज० प० —मंस. न० (—मांस) पुष्टनु

मांस-विष्टा (२) पाछगथी डाधनी निन्दा

करती ते; आडी पियुन्ता; पीठ पीछे कीर्ण

निन्दा, चुगलखोरी. Back-biting. दस०

८, ४७, पण० १, २; —मंसि वि०

(—मासिन्) पारङ्गी निन्दा करी परना भर्भ

उधाडा पाउना२. परायी निन्दा करके दूसरोंके

भेदको प्रकट करनेवाला (one) who back-

bites and exposes the secret

of others. सू० २, २, १८,

—मंसिअ. वि० (—मासिक) असमाधिनु

दशमु स्थानक सेवनार, निन्दा करनार. अ-

माधिके दसवै स्थानकका सेवक, निन्दक. A

back-biter, one who incurs

the fault of non-concentration

at the 10th stage. सम० २०, दसा०

१, ११-१२-१३;

पिठिवडिसिया. स्त्री० (पृष्ठवत्सिका) आधपर

येसाडीने ईरवतुं ते; डावड. कनेपर बिउलाकर

ले चलनेका कार्य; कावड उठाना. Walking

about by carrying on the

shoulder. स० ३, १;

पिड. पु० (पिठ) पेटी; पटारो. पेटी, सन्दूक,

पिटारी. A box. सु० च० ८, ८०;

पिडिअ. न० (पिठक) टोपली. टोपली A

basket राय० २७१; (२) ये अन्ध तथा ये

सूर्यनु नोडुं दो चन्द्र तथा दो सूर्यका जोडा.

Pairs of two moons and two

suns. जीवा० ३, ४,

पिडग. पु० (पिठक) पेटी; मण्डूषा (२) तेत-

रनी इरडीयो. पेटी, सन्दूक (२) वेंतकी टोपली.

A box. a cane-basket सम० १;

नदी० ४; कथ० ८, उवा० २, ११६.

पिडर न० (पिठ) पेटी डाडली; तपेली

तपेली A vessel. पिं नि० ३४. आया०

२, १, ११, ६२,

पिडरग. पु० (पिठक) लुथो " पिडर "

शब्द. देखो " पिडर " शब्द Vide " पिडर. "

पिं नि० ५४६;

पिणद्ध. धा० I. II (अपि+नद्ध) धारण

करवु; पडेरवुं. धारण करना, पहिना To

wear; to put on.

पिणद्धइ. नाया० ८, विवा० ६;

पिणद्धेइ. निती० ७, ३; राय० १८६;

पिणद्धेति. भग० ६, ३३,

पिणद्धति. नाया० १;

पिणद्धित्तप. हे कृ. भोव० ३८,

पिणद्धित्ता सं. कृ. नाया० ८;

पिणद्धित्तिता. स. कृ. भग० ६, ३३,

पिणद्ध. वि० (पिठक) ढाँडलुं; (२) पडेरलुं;

ढकाहुआ; (२) पहिनाहुआ. Covered, worn

भोव० ३०; ३१, नाया० १, भग० ७, ६;

जीवा० ३, ४; सु० च० ४, ३०८, दसा०

१०, १, राय० ८६, ज० प० कथ० ४, ६२;

पित पु० (पितृ) भद्रा नक्षत्रनो अधिष्ठाता

देव; (२) पिता. मघा नक्षत्रका अधिष्ठाता देव,

(२) पिता. Father, the presiding god

of maghā constellation. अणुजो०

१३१; भग० १५, १; — पिंड. पु० (पिण्ड)

पितृने पिण्ड देवानी क्रिया; आर्द्र आदि.

पितृको पिंड पहुँचानेकी क्रिया; आर्द्र आदि,

Offering rice balls to the

manes. जीवा० ३, ३;

पितृ. पु० (पितृ) पिता, आप. पिता, जनक, बाप. Father. पंचा० १७, ३१, (२) मध्या नक्षत्रेण अधिष्ठाता देवता. मध्या नक्षत्रका अधिष्ठाता देवता. The presiding god of maghā constellation सू० प० १०, — अंग न० (-अङ्ग) पितानुं अंग. पिताका अंग A limb, body of a father. ठा० ३, ४;

पितृत्ता. स्त्री० (पितृता) पितापत्य. पितृत्व. जनकता, पितापन. Fatherhood. भग० १२, ७,

पित्त पु० (पित्त) अेक प्रकारनी शरीरनी पाली धातु; पित्त; पित्तोदु शरीरकी एक पीली धातु, पित्त. Bile. सूय० २, २, ६; आया० १, १, ६, ५३; २, १, ५, २६, भग० १, ७. १२, ७, नाया० १, ५, ओष० नि० भा० २८४, पण्ड० १, १, २, ५, पत्र० १, प्रब० ४३६; आव० १ ५; — **आसव.** पु० (-आश्रव) पित्त अरना, पित्तनुं उपज्यु पित्तका गिरना-उत्पन्न होना Secretion of bile. भग० ६, ३३; नाया० १, ८, १८, दसा० १०, ६ — **ज्वर** पु० (-ज्वर) पित्तज्वर, पित्तने ताव पित्तज्वर. Bilious fever. भग० ६, ३३, १५, १, — **धारिणी.** स्त्री० (-धारिणी) पित्तने धारण करनारी नाडी-नस. पित्त धारक नाडी-नस A vein that bears bile; bile-duct प्रब० १३६२,

पितृज्ज. पु० (पितृव्य) छडी काका, चाचा, चचा. An uncle कय० ५, १०३,

पित्तिय. पु० (पैत्तिक) पित्तनी व्याधि, गर-भीने रोग पित्तरोग, गरभीकी विमारी I i sease of the bile; syphilis नाया० १. ५; ठा० ४, ४; ओष० ३६, भग० २ १, ११; ६, १८, १०;

पित्तियञ्च. पु० (पितृव्य) छडी, आपने। लाछ. चाचा, काका; पिताका भई. An uncle. आया० २, १५, १७७,

✓ **पि-धा** धा० II. १. (अपि+धाञ्) ढाँड्यु; पड़ेर्यु ढाँकना, पहिना. To cover, to wear

पिहेइ. नाया० २, ८, ६; १२, १४, १६, भग० ३, ३,

पिहाइ. भग० ३, २,

पिहेति. भग० १३, ४, १५, १,

पिहे. वि० सूय० १, २, २, १३,

पिहेइ. आ० नाया० ८,

पिहिस्सामि. भ आया० १, ८, २, १.

पिहाइत्ता. स कृ भग० ३, २;

पिहेत्ता. सं कृ. नाया० ८,

पिहेइत्ता स कृ नाया० ६; १४, भग० ३, ३. १३, ४,

पिहेत्तिता. स कृ भग० १५, १,

पिहित्तु स कृ पिं० नि० ४६;

पिहावेमि. क० वा. राय० २५३

पिधाण. न० (पिधान) ढाँड्युं ढकन A cover. राय० १०६;

पिन्नाञ्च. पु० (पिण्याक) तल वगेरेनी जेण तिल आदिकी खोल Sediment of se-samum after the oil is extrac-ted. सूय० २, १, १६

पिन्नाग पु० (पिण्याक) सरसव वगेरेनी जेण. सरसो आदिकी खोल Sediment of yellow mustard etc after the oil is extracted. सूय० २, ६, २६; दस० ५, २, २२,

पिपीलिगा. स्त्री० (पिपीलिका) कीडी. चींटी, कीडी. An ant. नाया० १६,

पिपीलिया-आ स्त्री० (पिपीलिका) कीडी चींटी. An ant. दस० ४, पत्र० १, कय० ६, ४;

पिप्परी. स्त्री (पिप्पली) गजपिपर. गज
पीपर. Long pepper. पत्र० १,
पिप्पल. पुं० (पिप्पल) न्हातो अन्तर.
छोटा उस्तग. A small razor. पिं०
नि० भा० ३७, विवा० ६;
पिप्पलत्र. पुं० (पिप्पलक) डाँटा छानवाना
शीपीये। कैंटा निमलनेका चीपिया. Pinches
to remove thorn (२) अन्तर.
उत्तग A razor, माया० २, ७, १,
१५७,
पिप्पलग. न० (पिप्पलक) पीपलाना पातरांतु
पाथरांतु. पीपलके पत्तोंका चिड़ौना. Bed of
the Pipala tree leaves. आया० २,
२, ३, १००; (२) डाँटर. कातर, दुखी,
कतानी, कैंची. Scissors. निसी० १, १७;
पिप्पलि. स्त्री० (पिप्पलि) पीपर पीपल.
Long pepper पत्रा० ५, ३०; निसी०
११, ४०, —चूर्ण. न० (-चूर्ण) पीपरतुं
चूर्ण. पीपलका चूर्ण Powder of long
pepper. निसी० ११, ४०;
पिप्पलिया. स्त्री० (पिप्पलिका) पिपर; वृक्षनी
ऐक वान पीपर; वृक्ष विशेष. A species
of tree भग० २१, ७; पत्र० १,
पिप्पली. स्त्री० (पिप्पली) पिपर. पीपर.
Long pepper. भग० २२, ३; पत्र०
पत्र० १७, सूय० २, ६, ३७; आया० २,
१, ८, ४५; प्रव० १०१६;
पिप्पीसग न० (वद्वीमक) ऐक वानतुं वा-
द्यत्र वाद्य विशेष. A kind of musical
instrument आया० २, ११, १६८;
पिप्प. न० (प्रेमन) प्रेम, प्रीति; स्नेह
प्रेम, प्यार, प्रीति; स्नेह Love, affec-
tion विशेष० १८७५; राय० २५२; भक्त०
६४;
प्रिय त्रि० (प्रिय) हृदयने गमे तेवुं; प्रिय;
छट, सुगंधारी, प्रीतिपात्र मित्र; पति

हृदयंगम; प्रिय; इष्ट; सुखद; प्रीतिभाजन मित्र,
या पति. Beloved; dear; desired.
भोव० ११; २४; ३६; उत्त० १, १४; सूय०
२, १, ३६; ठा० २, ३; भग० २, १; ७,
६; ११, ११; १३, ६; नाया० १; ६;
१२; दसा० १०, १, वम० २, ३; ४, २८;
पत्र० १७; राय० ५१; कथ० ३, ४८; भक्त०
६०; १४५; सू० प० २०; (२) पु० ५३५५;
पनि. पति; प्राणप्रिया; वल्लभ; कान्त. Be-
loved; husband. अणुजो० १३०,
—आउय त्रि० (-आयुस्) वंने प्राप्
प्रिय छे ऐवे; श्रव्यानी छिछायाणो. जीव-
नमे प्रेम करनेवाला. (one) to whom
life is dear. आया० १, २, ३, ८०,
—आयश्च. त्रि० (-आत्मक) आत्मप्रेमी.
आत्मप्रेमी (one) who loves ownself.
उत्त० ६, ७; —गंधर्व. त्रि० (-गन्धर्व) प्रिय
छे गंधर्व (नाटकादि) जेने ऐवे। वह जिसे गंधर्व-
नाटकादि प्रिय है. (one) who is fond
of dramas etc. नाया० १६; —क्या.
स्त्री० (-अर्थता) प्रीतिनी अपेक्षा-हेतु. प्री-
तिकी अपेक्षा-हेतु. Cause; expectation
of love. भग० ११, ११; नाया० १;
१६; ज० प० ३, ४३; ६१, —दंस्तरण.
त्रि० (-दर्शन) जेनु दर्शन प्रिय छे ते,
सुन्दर देखाववाणु प्रियदर्शन; मनोरम दृश्यवाला
(one) whose sight is beautiful.
भग० ६, ३३; ११, ११; १२, ६; नाया०
१; २, ५, १४, १६, निर० ५, १; सम०
प० २३५, कथ० १, ६; २, ४७; (२)
पुं० मेरु पर्वत मेरु पर्वत The Meru
mountain. सम० १६; —धम्म. त्रि०
(-धर्म) धर्ममां रुचिवाणो; धर्मप्रेमी.
धर्मप्रेमी; धर्ममें श्रद्धा रखनेवाला. (one)
liking religion. भग० १२, १; उत्त०
३४, २८; ठा० ४, ६; सम० नाया० ८;

वृ० १०, १०-११, ओष० नि० ६४७;
प्रव० १२०, भत० १६; —बालवयस्य
त्रि० (-बालवयस्य) प्रिय छे आण भित्र
जेने. वह जिसे बालमित्र प्यार है, बालमित्र-
प्रेमी (one) to whom a child-
friend is dear नाया० ८; विवा० ५;
—मण. त्रि० (-मनस्) प्रसन्न मनवाला.
प्रसन्नचेता; हँसमुख. Of a pleased mind.
नाया० १; —विष्ययोग. पु० (-विष्ययोग)
प्रिय-प्रेमी जनने वियोग. प्रियविशोग,
प्यारोंकी जुदाई. Separation of be-
loved. सूय० २, २, ८२,

पियञ्च. पु० (प्रियक) असतनु अड. अस्तका
वृक्ष A species of trees ओष०

पियंकर. पु० (प्रियकर) प्रिय-हित करनेवाला,
हितेश्च. प्रियकर; उपकार करनेवाला; हितकर,
शुभेच्छु. (one) desirous of doing
good. उत्त० ११, १४;

पियंगल. पु० (प्रियङ्गल) आर धन्वियाला
ऐक ७५ चार इन्द्रियवाला एक जीव A
four-sensed being. पत्र० १,

पियंगु. पु० (प्रियङ्गु) ऐक जनतनु फुलवाणुं
वृक्ष के जेनी नीचे ५ पायभा तीर्थकरने
केवलज्ञान उपलब्धुं फूलवाला वृक्षविशेष जिसके
नीचे पाँचवे तीर्थकरको केवलज्ञान उत्पन्न हुआ.
A kind of flowering tree
under which the 5th Tirthan-
kara attained perfect know-
ledge. सम० ५० २३३; दा० २, ४;
ओष० जीवा० ३, ४; —सम. त्रि० (-सम)
प्रियगु वृक्ष जेनु; नीलवर्ण. प्रियगु वृक्षके
समान, नीलवर्ण Blue colour, like
the Priyangu tree. नाया० ८;

पियंगुभारिया. स्त्री० (प्रियगुभार्या) ऐक
स्त्रीनु नाम. एक स्त्रीका नाम. Name of
a woman. विवा० १०;

पियंवाह. त्रि० (प्रियवादिन्) प्रिय-मीठु बोल-
नार. प्रियभाषी; मधुर-मीठा बोलनेवाला.
(one) who speaks sweetly.
उत्त० ११, १४;

पियण. न० (पान) पीनु; पान करने. पाना,
पान करना. Drinking. पिं० नि० भा०
२३, पिं० नि० ५०६; सु० च० १३, ७४;

पियदंस्त्रणा. स्त्री० (प्रियदर्शना) श्रीमहावीर
स्वाभीनी पुत्रीनुं नाम. श्रीमहावीर स्वामीकी पु-
त्रीका नाम Name of the daughter
of Śrī Mahāvīra कथ० ५,
१०३; विशे० २३२५; आया० २, १५, १७७,

पियदेव पु० (पितृदेव) पितास्वरूपी देव; पितृ-
देव. पितृदेव, पिता स्वल्प देव. Father
in the form of god. निर० १, १,

पियमित्त पु० (प्रियामित्र) प्रियमित्र-छ्वा
वासुदेवना त्रीन पूर्व जन्मनु नाम. छठे
वासुदेवके तीसरे पूर्व भवका नाम-प्रियमित्र.
Name of the 3rd previous
life of the 6th Vāsudeva सप्त०
५० २३६;

पिययम. त्रि० (प्रियतम) अत्यन्त प्यार. अ-
त्याधिक प्रिय. Dearest. सु० च० १, ६७,

पियर. पु० (पितर = पितृ) पिता. पिता,
Father सूय० १, ३, २, ४; नाया० १,
नाया० ध० भग० ५, ५, ६, ३३, १५, १,
भत० ११५,

पियसेण. पु० (प्रियसेन) प्रियसेन नामन्ता
ऐक राजा प्रियसेन नामक एक राजा A
king named Priyasena. विवा० २,

पिया. पु० (पिता = पितृ) पिता पिता Father.
पियाहिं-त. व० सूय० १, २, १, ३, भग
८, ५, ६, ३३; नाया० १, २, ८, ६,
१४, १६; १८; जीवा० ३, ३; नाया० ध० २,
पिया. स्त्री० (प्रिया) आर्या, स्त्री. भार्या;
पत्नी, स्त्री. Wife. निर० ४, १;

पियामह. पुं० (पितामह) दृढो. दादा; पिताके पिता. Grand father. सु० च० १, १८४, पचा० २, १७,

पियाल. पु० (पियाल) रायलानुं वृक्ष के नीचे नीचे ४ था तीर्थकरने केवल ज्ञान थयुं. रायनका वृक्ष जिनके नीचे ४ थे तीर्थकर केवली हुएये. A particular tree under which the 4th Tirthankara attained perfect knowledge. सम० प० २३३; पत्र० १; (२) रायलानुं इण; रायलु. रायण फल. Fruit of the Rāyana tree. भग० २२, २, दस० ५, २, २४;

पिरिपिरिया. स्त्री० (पिरिपिरिया) पिरिपिरि शब्द करती बांसकी नली; ओके बनतनु बांसकी. पीपी शब्द करनेवाली बांसकी नली, तूली; एक तरहका बाजा. A bamboo flute. आया० २, ११, १६६; भग० ५, ४; राय० ८२;

पिरिली. स्त्री० (पिरिली) ओ नामको वनस्पतिना गुच्छा. इस नामकी वनस्पतिका गुच्छा. A cluster of vegetation so named. पत्र० १; (२) बाध विशेष. बाध विशेष. A kind of musical instrument. ज० प०

पिलखु. पु० (पिलख) पीपलो; वृक्षनी ओके बनत. पीपलका वृक्ष. The Pipala tree. ओघ० नि० २६, भग० ८, ५;

पिलक पु० (पिलक) कीट विशेष. कीट-कीडा विशेष. A particular insect. भग० ७, ६,

पिलकखु. पु० (पिलक) पीपलो, वृक्षनी ओके बनत पीपल-अश्वत्थ वृक्ष The Pipala tree. भग० २२, ३, निसी० ३, ६८, ७८; —वृक्ष. पु० (वृक्ष) पीपलानो इत्यरो-सुख पान योगेरे. पीपलका कक्या-सुखे पने

आदि. Dry leaves etc. of the Pipala tree. निसी० ३, ६८-७८;

पिलग. पु० (पिलक) पक्षी विशेष. पक्षी विशेष. A particular bird. ज० प० ५, ११६,

पिलय. पुं० (पिलक) कीट विशेष. एक विशेष प्रकारका कीडा. A particular insect. भग० १२, ८;

पिलाग. पु० (पिलक) पाइल शुभकु; इलाहो पकाहुवा गुच्छा. A boil सूय० १, ३, ४, १०;

पिलिहा. स्त्री० (प्लीहा) कुटीना जग्या ला-गमां आमाशय उपर पाएलीने वहेनारी नसानु भूण; तल्ली; शरीरनी अदरने ओके भाग. नाभीकी बाई ओर आमाशयके ऊपर पानीकी नसोंका मूल; शरीरके भीतरका एक भाग विशेष; तिल्ली. The liver. तडु०

पिलुखु. पुं० (पिलख) पीपल वृक्ष; पीपलो. पीपलका वृक्ष. The Pipala tree. आया० २, १, ८, ४५;

पिलुख. पु० (पिलख) पीपल, पीपलो. पीपल The Pipala tree. पत्र० १;

पिलुण. न० (प्रेरण) प्रेरणा करपी ते. प्रेरणा करनेका कार्य. Urging ज० प०

पिलुणा. स्त्री० (प्रेरणा) प्रेरण; प्रेरणा करपी. प्रेरणा करना. Urging. कम्प० ३, ३३;

पिलिअ. वि० (प्रेरित) प्रेरणा करेल. प्रेरित; उत्तेजित, जाग्रतकी गई. Urged. ओघ० नि० ७६६;

पिव. अ० (इव) उपमा वाचक तरीके वपरतु अव्यय. उपमा वाचक अर्थमें व्यवहृत अव्यय. An indeclinable used in the sense of "Like" नाया० १; ५; १६; १८, भग० ३, २; ६, ३३; दसा० ८, ५५; गच्छा० २२;

पिवासा स्त्री० (पिपासा) पिपासा, तरस पिपासा, प्यास. Thirst. भग० २, १

नाया० १; ६, दस० ८, २७, जीवा० ३, १,
निशी० ११, २६-३०; उत्त० २, ४, ओष०
२१, दसा० १०, ३, सु० च० ३, १८३,
प्रव० ६६२, (२) स्नेह, अनुकम्पा. स्नेह;
अनुकम्पा, दया. Attachment; affec-
tion पणह० १, १. —गय. वि० (-गत)
पिपासीत थयेस प्यासा, पिपासाकुल. Thir-
sty नाया० ६. —परिसह. पु० (-परिषह)
तृषानो परिसह. तृषा-प्यासका परिषह.
Endurance of thirst. सम० २२,
भग० ८, ८,

पिवासिग्र. वि० (पिवासित) त२२थे; तृषातुर.
प्यासा, तृषातुर Thirsty. उत्त० २, ५;
नाया० १, भग० १६, ४; जीवा० ३, १,
वेय० ४, २६; राय० २५८, उवा० २, ६५;
पिबीलिया-आ. स्त्री० (पिबीलिका) झीडी;
भ झीडी चींटी; कीड़ी, मकाडी. An ant.
उत्त० ३, ४; ३६, १३६, विरो० १२०४;

पिसाय-ग्र. पु० (पिशाच) पिशाच देव; वायु-
व्यन्तर देवतानी ऐक जलत. पिशाचदेव; वाणव्य-
न्तर देवकी जाति विशेष. Pisāch gods,
a class of Vānavyāntara gods.
उत्त० ३६, २०५, ओष० २४, भग० ८,
१; १६, ६; २५, १२; ओष० नि० भा०
५७, जीवा० १, पत्र० १, भत० ८२, प्रव०
११४४; उवा० २, ६४; —इंद्र. पु० (-इन्द्र)
पिशाचोनेा इंद्र. पिशाचोंका इंद्र Lord of
the Pisāchas (goblins). भग०
१०, ५; —कुमार. पु० (-कुमार) पिशाच
कुमार; व्यन्तर देवतानी ऐक जलत पिशाच
कुमार; व्यन्तर देवताकी एक जाति Pisācha
kumāra; a class of Vyantara
gods. भग० ३, ८, जीवा० ३, ४,
—राय. पु० (-राज) पिशाचोनेा राजा.
पिशाच राज. King of the pisāchas
भग० १०, ५; —रूव. न० (-रूप)

पिशाचयु ३५ पिशाचका रूप. Form of
pisācha. नाया० ८, भग० २४, २०,
पिसायभूअ. वि० (पिशाचभूत) पिशाच जेवे
लपानक. पिशाचकतू भयकर. Dreadful
like a pisācha. उत्त० १२, ६;

पिसित न० (पिसित) भास. मास. आमिष.
Flesh. सय० २, ६, ३७, "

पिसिय. न० (पिसित) लुओ " पिसित "
शब्द. देखो " पिसित " शब्द. Vide
"पिसित." पि० नि० २७४, पचा० ५, ११;
१३, ४५, प्रव० २०६;

पिसुण. वि० (पिसुण) आडीयो; युगलीभोर.
जुगलखोर; निन्दक. A back-biter. उत्त०
५, ६; दस० ६, २, २३;

पिसुण. न० (पिसुण) आडीयापणु. जुगल-
खोरी. Back biting. भग० १, ६; पणह०
१, २;

पिसुय. पु० (पिसुय) आंयड; त्रयु धंद्रियवालो
ऐक लुप. तीन इन्द्रियवाला एक जीव. A
three-sensed living being.
जीवा० ३, ३; पत्र० १;

पिस्समाण. वि० (पिस्समाण) पीसातुं, धसातुं
पिसाताहुआ, पिसाताहुआ. Being ground;
rubbed. उत्त० ३४, १७;

✓ **पिह.** धा० I. II. (स्पृह) स्पृहा-ईच्छा
करनी. स्पृहा-ईच्छा करना. To desire
पिहति. दसा० १०, १,
पिहाह. भग० ३, २,
पिहेह. नाया० ६,

पिहं. अ० (पृथक्) लुहुं; लिन्न. भिन्न; जुदा;
पृथक् Different. पि० नि० १३२,

पिहंजण. पु० (पृथगज्ज) सामान्य भायुस
साधारण मनुष्य. A common person
ठा० ३, १,

पिहडग. पु० (पित्रक) थकडीओ; राधवालु
भोडुं वासणु. भोजन बनानेका मोटा बरतन.
A big cooking-vessel. जीवा० ३, १,

पिहडय. पु० (पितृक) लुओ " पिहडय " शब्द. देवो " पिहडय " गन्ध Vide " पिहडय " उवा० ७, १८४.

पिहाण. न० (पिधान) ढांडेलु, आच्छादन. टक्कन; आच्छादन. A cover; a lid. ज० प० ५, १२१; विशेष० १८६५, नाया० ८; जीवा० ३, ४; राय० २५३;

पिहिय-अ. न० (पिहित) ढांडेलु, छुपावेलु. ढंकाहुआ, छिपायाहुआ. Covered, hidden. विशेष० १२५६; भग० ६, ५; ठा० ३, १; आया० १, ६, १, ११, दस० ४, ६; ५, १, १६-४५; पिं० नि० ३४७, वेय० २ २; पंचा० १३, २६; प्रब० ५७६; १०१२; (२) ओपणाना दश दोषमांता ओधो दोष. एणणके दस दोषोंमेंसे चौथा दोष The 4th of the ten faults of Eṣanā. (३) सञ्चित्थी ढांडेली पग्गु लेवाथी मुनिने लागतो ओड दोष. सचित्तमे ढंकी वस्तुके लेनेसे मुनिको लगनेवाला एक दोष. A fault incurred by an ascetic by receiving food covered with a living thing. पिं० नि० ५२०;

पिहीकअ. वि० (पृथक्कृत) लुहुं पाडेडु. पृथक् किया हुआ. Set apart. पिं० नि० ३६१;

पिहु. वि० (पृथु) विस्तारवाणु; पडोणु; भोटुं विस्तारवाला; फैला हुआ. Extensive; vast विशेष० १०७२; सु० च० १, ३२०;

पिहु. अ० (पृथक्) लुहुं; भिन्न. जुदा, भिन्न Different. दस० ७, ३४, पत्र० ६; उद्देस. पु० (-उद्देश) लुहुं लुहुं नाम बधने उद्देश इरेवो ते पृथक् २ नाम लेकर कियाहुआ सम्बोधन. Addressing by separately naming things. स्य० २, १, २२, —खज्ज. वि० (-खाद्य) लुहुं आवाणुं. प्रयक् खाद्य; भिन्न अलग मोजन

A separate food दस० ७, ३४; —जण. पु० (-जन) साधारण भाणुस. साधारण मनुष्य. A common person. पत्र० ६,

पिहुंड. न० (-पिहुण्ड) ओ नामनु ओड नगर. इस नामका एक नगर. A city so named. उत० २१, २;

पिहुण. न० (~~पिहुण~~) भोरनुं पीच्छु. मोरक पख A pea-cock feather. आया० २, १, ७, ३६; दस० ४; —हृथ. पु० (-हृत्त) भोर पीछोतो पपो-पुण्णु, धणु पीछोतो बांधिल गुच्छ. मोरके पखोंकी पूंजणी. A duster made of pea-cock feathers. आया० २, १, ७, ३६; दस० ४;

पिहुपिहु. अ० (पृथक्पृथक्) लुहुंलुहुं. भिन्न भिन्न, प्रयक् २. Different. प्रब० ६२६; —संजोग. पु० (-संयोग) पृथक्पृथक् संयोग पृथक् पृथक् संयोग-मेल. Different combinations. प्रब० ६२६;

पिहुय. न० (पृथुक्) पौवां. पोहे. Crushed rice. आया० २, १, १, ३;

पिहुल. वि० (पृथुल) पडोणु. चौड़ा, विस्तीर्ण. Vast. ओव० १०; ठा० १, १; ७, १; जीवा० ३, ३; प्रब० ६७२;

पिहो अ० (पृथक्) भिन्न; लुहुं. भिन्न, पृथक् Different. विगे० १०;

✓पी. घा० I. (पा) पान इरवु, पीवुं पान करना; पीना. To drink.

पिप. दस० १०, १, २;

पियइ अणुचो० १२८, नाया० १; १३;

पियासि. सु० च० ४, २६७;

पिआमो. निशी० ४, ६०;

पियइत्ता. सं. क. नाया० १,

पियमाणा. ष० क० नाया० १३;

पियावह. क० वा० दस० १०, १, २,

पियट्ट. आ० पि० नि० ५१६;

पिन्ना. उत्त० १७, ३;

✓पी. धा० I. (पा) पान करवु, पीवु

पान करना; पीना. To drink

पीइज्ज वि० आया० २, १, १, १,

पीह. आ० वव० २, २७.

पीतप. हे० कू० वव० २, २७,

✓पी. धा० I. (पा) धरारववु. दूध पिलाना,

धिलाना. To feed.

पिज्जे. आ० पि० नि० ४१२

पिज्जाहि. आ० पि० नि० ४१३;

पिज्जंत. सु० च० २, ३८४;

पीअ. त्रि० (प्रीत) प्रसन्न, हर्षित. प्रसन्न, हर्षित, खुश. Glad; pleased. कण० १, ५;

पीह. स्त्री० (प्रीति) प्रेम; प्रीति-स्नेह प्रेम,

प्रीति-स्नेह Love; affection. दसा० १०,

१; ओव० ११; २८; भग० २, १, ओष० नि०

मा० १३६; दस० ८; ३८, काप० ४, ८६,

पवा० २, ३७; (२) ओक जलनी लता.

एक लता विशेष. A species of

creepers पम० १, —कर. त्रि० (-कर)

प्रीति करनेवाला. A lover.

प्रव० ११५०; —कारअ-य. त्रि० (-कारक)

प्रीतिकारक. प्रेमोत्पादक. Lov-

able. ठा० ३, १; भग० ५, ६;

—दाण न० (-दान) प्रीतिदान; पारि-

तोषिक; धनाम; अक्षीस प्रीतिदान, पारितोषिक.

A present; a reward. ज० प० ३.

४३; ४८, नाथा० १, ३, ८, १६; भग०

११, ११; राय० २३३; ओव० २८, कण०

४, ८२; दसा० १०, १;

पीइकारिणी. स्त्री० (प्रीतिकारिणी) पीर प्रभुनी

माता त्रिशलातुं श्रीलुं नाम. वीर प्रभुकी

माता त्रिशलाका दूसरा नाम. Another

name of the mother Trisālā

of Vira Prabhu काप० ५, १०३,

पीइगम. न० (प्रीतिगम) आठमा देवलोकना

धन्नुं नाम आठवें देवलोकके इन्द्रका नाम.

Name of the lord of the 8th

heaven. ज० प० ५, ११८, ७, १६६;

ओव० २६;

पीइमण. पु० (प्रीतिमण) सातमा महाशुक

देवलोकना धन्नुं भुसाक्षरी विमान सातवें

महाशुक देवलोकके इन्द्रकी यात्राका विमान. A

travelling aerial car of the

lord of the 7th Mahā Śukra

heaven. ज० प० ५, ११५; ३, ४३,

ठा० ८, १; (२) त्रि० प्रसन्न चित्तवाणु.

प्रसन्न चेता, हंसमुख. Of a pleased

mind. कण० १, ५,

पीइवहण. पु० (प्रीतिवर्धन) कार्तिक महिनातु

लोकांतर नाम. कार्तिक मासका लोकोत्तर नाम.

An extraordinary name of

the Hindu month of Kārtika.

ज० प० ७, १५२, कण० ५, १२३;

पीऊस. न० (पीयूष) अमृत, सुधा. अमृत;

सुधा. Nectar. सु० च० १, १०२;

पीठ. न० (पीठ) आसन; आलोडे. आसन,

नाजूट. A seat भग० २, ५; वेय० ५,

३२; दस० ५, १, ६७, (२) धोडेस्वार.

घुइस्वार. A horseman. ठा० ५, १,

७, १; —अणिअ. न० (-अनीक) धोडे

स्वारतुं सैन्य. अण्वानीक, अण्वारोही सैन्य.

घुइस्वारोंकी फौज. Cavalry ठा० ५, १;

७, १

पीठमह. पु० (पीठमह) राजनी नशुक पोस-

नार डल्लुरी. राजाके पास बैठनेवाला-पारि-

पार्श्विक हजुरी An aid-de camp of a

king. ओव० १; राय० २५३, कण० ४, ६२,

पीठमहग. पु० (पीठमह) लुओ "पीठमह"

शब्द. देखो "पीठमह" शब्द Vide

"पीठमह." नावा० १;

पीठय-अ. पु० (पीठक) शृष्टिमय आसन,
पाट काष्ठमय आसन, लकडीका पाट; काष्ठपीठ.
A wooden board. दस० ६, ५५;
७, २८;

✓पीड. धा० I. II. (पीड) पीडु; दुःख
देवु. पीडा पहुँचाना, दुःख देना. To give
trouble

पीडइ. दस० ८, ३६,

पीडाइ. सय० २, १, ३१;

पीडिड. सु० च० १४, १,

पीडामि. सय० २, १, ३१;

पीडे. भा० दसा० ६, १,

पीडा. स्त्री० (पीडा) दुःख; व्यथा. दुःख,
व्यथा. Trouble; pain पि० नि० भा०
२५; गच्छा० ७५, —सहन. न० (-सहन)
पीडा-दुःखनुं सहन करुं ते. पीडा-दुःख
सहन, कष्ट सहन. Enduring pain.
प्रव० १३६६,

पीठ. न० (पीठ) लुगो " पीठ " शब्द
देखो " पीठ " शब्द. Vide " पीठ. "
श्रोत्र० ३१, उत० १७, ७, श्रया० २, ४,
२, १३८, भग० १८, १०; पि० नि० भा० ४६,
नाया० ५, गय० २२६, कय० ४, ६२;
उवा० १, ५८, —फलक. न० (-फलक)
आन्तेऽ अने पाटीयुं बाजट और पट्टिया
A seat and a board. प्रव० १०६;

पीठय-य पु० (पीठक) लुगो A foot-
stool (२) पाटलो पाट, पाटला, काष्ठआसन.
A board. श्रया० २, ३, १, ११६;
दम० ५, १, ४५; (३) पीठे राखवानु
पाटीयुं. पीठकी ओर रखनेका पट्टिया. A
board to be kept behind the
back. गच्छा० १०;

पीठग. पु० (पीठक) पाटलो; आन्तेऽ.
पाटला; पाट, बाजट A wooden board
दस० ४;

पीठमह. पु० (पीठमह) लुगो " पीठमह "
शब्द. देखो " पीठमह " शब्द Vide
" पीठमह ". नाया० ८,

पीठसाप्प. वि० (पीठसाप्प) गेदां गेदां
श्रसयाना २ आशयाना २. पीठक बलरेंगक चलने-
वाला (one) who crawls on the
back. श्रया० १, ६, १, १७२;

✓पीणा. ना० धा० I. (पीन) स्थूल थवुं. स्थूल
होना. To become thick

पीणांति. सय० १८२,

पीणांति. ज० प० ५, १२१;

पीण. वि० (पीन) स्थूल; पुष्ट. स्थूल, पृष्ट.
Thick. ज० प० २, २०; श्रोत्र० १०;
नाया० १, ८; अणुन० ३, १; जीवा० ३, ३,
४; —उन्नय. वि० (-उन्नत) गतुं अने
उत्थु. मोटा और उँचा. Thick and
high. सु० च० २, २७, ज० प० २,
२०;

पीणाग. वि० (पीनक) लुगो " पीणु " शब्द.
देखो " पीन " शब्द Vide " पीन " जीवा०
३, ४;

पीणाणिज्ज. वि० (प्रीणनीय) तृप्त करे तेवुं;
शरीरनी वृद्धि करे तेवुं. तृप्तिकारक, पुष्टिकारक;
पौष्टिक, बलवर्द्धक Satisfying; stren-
gthening. द० ६, १; नाया० १, १२;
पत्र० १७, कय० ४, ६१;

पीणित. वि० (प्रीणित) तृप्त थयेव; प्रसन्न
थयेव. तृप्त; प्रसन्न, सन्तुष्ट. Satisfied;
pleased. उत० ७, २; दम० ७, २२;
(२) पुं० सूर्यनी साथे अलडे नक्षत्रने
योग थाय ते सूर्यके साथ होनेवाला ग्रह या
नक्षत्रका योग. Conjunction of a
planet or constellation with
the Sun. सू० प० १२;

पीतय. वि० (पीतक) पीणु; पीणा रंगवु.
पीला, पीले रंगका. Yellow. (२) पुं०

पीला रंग. (२) पीला रंग. Yellow. भग० १२, ६;

पीति. स्त्री० (प्रीति) प्रीति, स्नेह प्रीति, स्नेह. Love. जीवा० ३, ४; राय० २१, —दाण. न० (-दान) भुशाक्षीनी अक्षीस प्रीतिदान, प्रेमोपहार, उत्सव पुरस्कार. Reward; a present ओव० १२, ज० प० पीतिगम. पु० (प्रीतिगम) सातमा देवलोडना धन्ना यान विमानो व्यवस्थापक देवता. सातवें देवलोकके इन्द्रके विमानका व्यवस्थापक देवता. The managing god of the aerial car of the lord of the 7th heaven. ज० प०

पीतिवृद्धण. पु० (प्रीतिवर्धन) कार्तिक मासनु लोकातर नाम. कार्तिक मासका लोकोत्तर नाम. An extraordinary name of the Hindu month of Kārtika. सू० प० १०;

पीतिय. त्रि० (पीतक) पीलु, पीला रंगनुं. पीला; पीले रंगका. Yellow. (२) पीला रंग. (२) पीला रंग. Yellow. “पीतिया” हलिहा” भग० १८, ६;

पीय. त्रि० (पीत) पीला वर्णनुं, पीलु. पीतवर्ण, पीला. Yellow. (२) पीला रंग. पीला रंग. Yellow colour. सम० प० २३६; भग० १, १, ६, ३३; नाया० १; ५; ८; १६; नाया० ध०, जीवा० ३, ४; कय० ३, ४०; सु० च० २, ६२, पत्र० ५; राय० ५४, —वस्त्र. न० (-वस्त्र) पीताम्बर, पीलु वस्त्र. पीताम्बर; पीला वस्त्र A yellow dress अंत० ५, १,

पीयमाण व०. कृ० त्रि० (पीयमान) पान करने, पीना. पियाजानेवाला, पान कियाजाता हुआ. Being drunk. वि० १;

पील धा० II. (पीड्) पीडा करने; दुःख देना पीडा पहुँचाना, दुःख देना. To give pain

पीलेइ उत्त० ३२, २७,

पीलिज्जा. वि० विशेष २२०;

पीलेज्ज. वि० विशेष ८६५,

पीलिज्जह. क० वा० राय० २७६,

पीलण न० (पीडन) पीडनु, मर्दन करने, शेरखीनी पेड़े पीडनु पीडा देने, मर्दन करना, सादेईखके समान पेलना. Troubling; crushing, squeezing. विशेष २०४३, पणह० १, १, तंडु० उवा० १, ५१,

पीला. स्त्री० (पीडा) पीडा, दुःख. पीडा, दुःख Trouble; pain. विशेष १२६६; दस० ५, १, १०;

पीलिअ-य त्रि० (पीडित) शेरखीनी पेड़े पत्रभा पीलेलु, नीयोवेलु. ईखके समान यत्रमें पील-दवाया हुआ-निचोड़ा हुआ Squeezed, crushed like a sugar-cane ओव० ३८, अ० ५, ३, पि० नि० भा० ४०, (२) भिनु वस्त्र नियोपता ने पवन नीकणे ते, अथित वायु गीला वस्त्र निगोदते समय निकलनेवाला पवन, अचित्वायु Wind containing no living germs, that which comes out when a wet cloth is squeezed अ० ५, ३,

पीलु. पु० (पीलु) पीलुनुं आ०. पीलुका वृक्ष. (२) न० तेनु इण. पीलु फल A particular tree and its fruit. भग० २२, २; पत्र० १, (३) दुध दुध, दूध Milk पि० नि० १३१,

पीलुअ पु० (पीलुक) पीलुना आ० उपरथी पाडेलु डेअ पुइधनु नाम. पीलु वृक्ष परसे-तद्वत्-रखाहुआ किसी पुरुष्का नाम Name of man on the analogy of a particular tree. अणुजो० १३१,

पीलुक. पु० (पीलुक) वृक्ष विशेष इ नेनी नीये १० भा तीर्थकरने देवदान उपलब्ध. वृक्षविशेष जिसके नीचे १० वें तीर्थकरको

केवलज्ञान प्राप्तहुया. A particular tree under which the 10th Tirthankara attained perfect knowledge. सम० प० २३३,

पीथर. वि० (पीथर) घनपु; पुष्ट. मोटा, पुष्ट. Thick. भग० ११, ११, ओव० १०; अणुजो० १३०; नाया० १; ६; जीवा० ३, ३; ज० प० कय० ३, ३५; गय० ६०; —कर. पु० (-कर) मुख्य-प्रधान दिग्ग. मुख्य किरण. The chief ray. नाया० १; ६,

✓ पीस. धा० II. (पिप्) पीसयु. पीसुं. पीसना, दलना. To grind. पीसेज्जा. वि. भग० १६, ३; पीसन्त. पि० नि० ५७४, पीसिज्जमाण. क० बा० ३० क० ज० प० ४, ८६,

पीसण. न० (पेयण) पीसयुं, पीसयु. बाटना: पीसना. grinding; pounding. पि० नि० ५८८; पण० १, १; सूय० १. २, १, १२;

पीसणिया. स्त्री० (पेयनिका) पीसणु धानारी स्त्री. धान पीसनेवाली स्त्री A woman who grinds corn. नाया० ७,

✓ पीह. धा० II. (पीह्) पीह्य करी. इच्छा काना To desire.

पीहिह. उक्त० २६, ३३. नाया० ६;

पीहिंति. ओव० ११,

पीहिज्जा. वि. ठा० ३, ३,

पीह्य. वि० उक्त० २, २६;

पुं. पु० (पुड्ड) ओ नामनु पांच्यभा देवलोकानु ओइ विमान डे जेभां वसता देवानु १२ सागरनु आयुष्य छे. इस नामका पांचवें देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताओंकी आयुष्य १२ सागरकी है. A celestial abode so named of the

5th Devaloka, its gods live upto 12 Sāgaropamas. सम० १२; (२) पायुषु पुंभु. वाणका पंख. Feather attached to an arrow. ज० प०

पुं. पुं. न० (प्रोच्छन) पुं. पुं. ते. लोका. Plucking out. ठा० १, ५८;

पुं. पु० (पुज) न०. धो. समूह, दल. पुज. A host; a heap. ज० प० ४, ६२; अणुजो० ५७; ओव०; भग० ६, ३३; ११, ११; १४, ६; १५, १; नाया० १; ६; १७; जीवा० ३, १; वेय० ४, २६; पि० नि० ८२, पत्र० २; ठा० २, ६४; कय० ३, ३२; ज० प० राय० ३६; ६०; —उपचार. पु० (-उपचार) पुं. पुं. सभूतनी उपचार-व्यवस्था. पुं. समूहकी व्यवस्था. An arrangement of a collection of flowers. नाया० १;

पुं. पुं. वि० (पुंजित) धो. धो. इरेल एकत्रित; सगठित Heaped up. वि० २०६१;

पुं. पुं. वि० (पुंजीकृत) धो. धो. इरेल. ऊँचा ढेर-टाँग बनायाहुआ; समूहपरमें एकत्रित. Heaped up. वेय० २, २;

पुं. पुं. (पुड्ड) ओ नामनु पांच्यभा देवलोकानु ओइ विमान डे जेभां वसता देवानु १२ सागरनु आयुष्य छे. इस नामका पांचवें देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताओंकी आयुष्य १२ सागरकी है. A celestial abode so named of the 5th Devaloka; its gods live upto 12 Sāgaropamas. सम० १२; (२) पुं. पुं. नामनी देव. A god named Puṇḍaka. भग० ३, ७; (३) ओ नामनी ओइ देश. इस नामका एक देश. A country so named. अत० ५, १; भग० १५, १; (४) धि. धि. अथो. चिन्ह, दाग; निशान A sign. पि० नि० भा० ४३;

पुंडरीका. स्त्री० (पुण्डरीका) उत्तर दिशाना
 रुचक पर्वतपर वसनारी आदि दिशाकुमारिका-
 भांती त्रीण. उत्तर ओर रुचक पर्वतपर निवास
 करनेवाली आठ दिशाकुमारिकाओंमेंसे तीसरी.
 The 3rd of the 8 Diśākumārīs residing on the Ruchaka
 mount of the north ज० प०

पुंडरीगिणी. स्त्री० (पुण्डरीकिणी) पुष्कलावती
 विजयती मुख्य नगरी. The chief city of Puska-
 lāvatī territory. जीवा० ३, ४; ठा०
 २, ३; नया० १४, १६; ज० प० (२)
 दक्षिण दिशाना अञ्जनगिरिनी उत्तर तरङ्गनी
 पावडीनुं नाम. दक्षिणी अञ्जनगिरिके उत्तर
 ओरकी बाबडी-बापिकाका नाम. Name of
 a well to the north of the
 southern Anjana mount प्र०
 १५०१.

पुंडरीय न० (पुण्डरीक) श्वेत कुमल श्वेत
 कमल White lotus ज० प० ५, ११४;
 भाव० ६, ११; कय० २, १५, ३, ४२;
 सु० च० १५ ३५; स० १, ओव० नया०
 १; ४, १३; जीवा० ३, १; राय० २३,
 (२) ये नामे आदिमा देवलोकांशुं ओक विमान,
 ओनी स्थिति अठार सागरोपमनी छे, ये
 देवता नव महिने आसोच्छवास ले छे,
 ओने अठार हजार वर्षे क्षुधा लागे छे
 इस नामका आठवें देवलोकका एक विमान,
 इसकी स्थिति १८ सागरोपम है, यह देवता नौ
 महिनोंमें स्वासोच्छवास लेते हैं और १८ हजार
 वर्षोंमें इन्हे क्षुधा लगती है. A celestial
 abode so named of the 8th
 Heaven, its gods live for 18
 Sāgaropamas, breathe once in
 9 months and feel hungry in
 18000 years. स्म० १८, कय० ३,

४४; (३) मयगजंगमस्तनु १७ मुं अभ्ययन.
 17th chapter of Sūyangadānga
 Sūtra. स० २३; नया० १; (४) पुं-
 रीकराज; पुंडरीकेनां लाघ. राजा पुंडरीक;
 कुञ्जीकका भाई. King Pundarika,
 brother of Kunderika. नया० १६;
 (५) पुंडरीक नामना युल हिमवत पर्वत
 उपरने ओक द्रव. पुंडरीक नामक कुल हिमवत
 पर्वतस्य एक द्रव. A lake named
 Pundarika on the Chula Hi-
 mavanta mount. ठा० २, ३;
 —सुवराय पु० (—सुवराज) पुंडरीक ना-
 भने युवराज. पुंडरीक नामक युवराज. A
 prince named Pundarika.
 नया० १६; —द्वह पु० (—द्वह) जेमाथी
 सुवर्णकुला नदी नीकणी ते शीमरीपर्वत
 उपरने ओक द्रव सुवर्णकुला नदीके उद्गम
 स्थान शीखरीपर्वत परका एक द्रव A lake
 on the mount Śikhari, from
 which issues out the river
 Suvarnakulā ज० प० स० १०००;
 पञ्चय. पु० (—पर्वत) ये नामने पर्वत;
 शेरुगे इस नामका पर्वत, शेरुजा-शरुनय.
 A mountain so named. नया० ५;
 —महारिसि. पु० (—महर्षि) पुंडरीक
 नामना मुनि पुंडरीक नामक मुनि. A sage
 named Pundarika. नया० १६;
 —गुम्भ पु० (—गुल्म) आदिमा देव-
 लोकांशुं ओक विमान; ओनी स्थिति अठार
 सागरोपमनी छे, ओना देवता नव महिने
 आसोच्छवास ले छे; ओने अठार हजार
 वर्षे क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोकका एक
 विमान, यह अठारह सागरोपम स्थितिका है, इसके
 देवता नौ महिने स्वासोच्छवास लेते हैं और
 अठारह सहस्र वर्षोंमें उन्हे क्षुधा लगती है. A
 celestial abode so named of

the 8th Heaven; its gods live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and feel hungry in 18000 years. सम० १८;

पुंवेद्य. पु० (पुवेद) पु३५ वेद. पु३५ वेद. Masculine inclination. प्र० १३; ७०१; ७१०;

पुंवेद पु० (पुवेद) पु३५ वेद पु३५ वेद Masculine inclination. सम० २१;

पुंस. पु० (पुस) पु३५वेद, जेना उद्यथी स्त्रीनी अलिखाया थाय ते. पु३५वेद, जिसके उद्यसे स्त्रीकी अमिलाया होती हैं. Masculine inclination. क० ग० २, २६;

पुसकोइलग. पु० (पुसकोकिल) न२ दायल. ना कोकिल. Male cuckoo. भग० १६, ६;

पुस्कली. स्त्री० (पुस्कली) पु३५ देशमां जन्मेसी स्त्री. पुस्कल देशमें जन्मी हुई स्त्री. A woman born in Puskala country. भग० ६, ३३;

पुस्कर. न० (पुस्कर) इमल. कमल Lotus. भ्र० १०; जीवा० ३, १; पत्र० २; १५; ज० ५० क० ५, ११६; (२) मादल वगेरे वाद्यं उपर भट्टे खुं आभट्टु. Skin fixed over a drum etc. रा० ४८; ज० ५० ५, ११६; १२०; (३) इमलवाणु तणाव. कमलवाला तालाव. A pond having lotuses. अणुजो० १३१; द्रवो दधिने इरेतो त्रीज नंयरेतो पु३५ द्वीप अने तेने इरेतो त्रीजे पु३५ समुद्र. कालोदधिके चहुं ओरका तीसरे नवरवाली पुस्कर द्वीप और उसको परिक्रमा देनेवाला तीसरा पुस्कर समुद्र. The third Pus̄kara island surrounding k̄alodadhi and the 3rd sea surrounding it. भग० ५, १; प्र० ८५; अणुजो० १०३; ठा० ३, १;

—उद-घ. पुं० (-उदक) पु३५रोदक नामने। समुद्र. पु३५रोदक नामक समुद्र. A sea named Pus̄karodaka. जीवा० ३, ४, सू० १६; —पत्त. न० (-पत्र) इमल पत्र. कमलपत्र. A lotus-leaf. क० ५, ११६; ज० ५० २, ३१;

पुस्करद्व. न० (पुस्करार्द) त्रीज पु३५ द्वीपने अर्ध लाग; अर्ध पु३५ द्वीप. तीसरे पु३५ द्वीपका आधा हिस्सा; अर्ध पु३५ द्वीप. Half of the 3rd Pus̄kara island. भग० २, ६; ६, २, द्वि० ३४५;

पुस्करवर. पु० (पुस्करवर) अने नामने त्रीजे द्वीप. इस नामका तीसरा द्वीप. The third island so named. जीवा० ३, ४; भग० ६, २; सू० ५० १६; (२) पु३५वर समुद्र. पुस्करवर समुद्र. The sea Pus̄karavara. जीवा० ३, ४;

पुस्करसारिया. स्त्री० (पुस्करसारिका) अने जलतनी लिपि, अक्षर लिपिमांनी अने एक जातिकी वर्णमाला लिपि; अक्षर लिपियोंमेंसे एक. One of the 18 kinds of script. पत्र० १;

पुस्करिणी. स्त्री० (पुस्करिणी) वर्तुण; गोण आकारे तथा जेमां इमल थतां होय अने वर्तुल; गोलाकर कमलपुष्प जलाशय. A circular well, pond having lotuses. ठा० २, ४; भ्र० ३८; सू० २, १, २; अणुजो० १३४; उत्त० ३२, ३४, प्र० १४६२; नाया० १; २; भग० ५, ७; ८, ६; १३, ६; जीवा० ३, १; पत्र० २; ज० ५०

पुस्कल. न० (पुस्कर) इमल. कमल. Lotus. सू० २, १, २; २, ३, १८,

पुस्कलसंवद्ध. पुं० (पुस्करसंवर्तक) अने नामने महाभेद्य; उत्सर्पिणी क्षणमां भीजे आरे भेसतां जे वरसाद वरसे छे ते.

इस नामका महामेघ, उत्सर्पिणी कालमें दूसरे
अरिके बैठेतेही बरसेनेवाली बरसात-वर्षा.

A huge cloud so named which
sheds rain when the 2nd Ārā
(part of a cycle of time) of
an aeon of increase closes. भग०
५, ७, ठ० ४, ४; ज० प० ३, ३८;

पुष्कला. स्त्री० (पुष्कला) पुष्कलावती
नामनी भडाविदेहकी एक विजय. पुष्कला-
वती नामक महाविदेहकी एक विजय. A terri-
tory of Mahāvideha named
Puskalavati. ठ० २, ३;

पुष्कलावई. स्त्री० (पुष्कलावती) ऐ नामनी
भडाविदेहकी एक विजय. इस नामकी महा
विदेहकी एक विजय. A territory of
Mahāvideha named Puskalā-
vati. ठ० २, ३; —विजय. पु० (-विजय)
पूर्व भडाविदेहमां ऐ नामनी विजय छे.
एष महाविदेहमें इस नामकी विजय है. A
territory of Mahāvideha nam-
ed Puskalāvati. नाया० १४, १६,

पुष्कलावती. स्त्री० (पुष्कलावती) सीतामुख
वननी पश्चिमे अने एक शैल वपारा
पर्वतनी पूर्व अने वज्येना क्षेत्र विलाग,
भडाविदेहान्तर्गत एक विजय. सीतामुख
वनकी पश्चिमी दिशामें और एक शैल बखारा
पर्वतकी पूर्व दिशाके इन दोनोंके बीचका क्षेत्र
भाग, महाविदेहान्तर्गत एक विजय. A terri-
tory inside Mahāvideha, which
is to the west of Sītā mukha
forest, east of the Ek Śaila
vakhārā mount and between
these two. ज० प०

पुष्कलावत्त. पु० (पुष्कलावर्त) पंकावती
नदीनी पूर्व अने एक शैल वपारा
पर्वतनी पश्चिमे अने वज्येना क्षेत्र
विलाग; भडाविदेहान्तर्गत एक विजय.

पंकावती नदीके पूर्व और एक शैल बखारा
पर्वतकी पश्चिम दोनोंके मध्यका क्षेत्र विभाग,
महाविदेहान्तर्गत एक विजय. A territory
inside Mahāvideha, east of
the river Pankāvati and west
of the Ek Śaila Vakhārā
mount and between these two.
ज० प०

पुष्कलावत्तकूट. पु० (पुष्कलावर्तकूट) एक
शैल वपारा पर्वतनी आर कूटमांनुं त्रीनुं
कूट-शिखर. एक शैल बखारा पर्वतके चार कूटों
मेंसे एक तीसरा शिखर-कूट. The 3rd
of the four peaks on the Ek
Śaila Vakhārā mountain ज० प०

पुष्काफ्फोडिय. न० () शरीरनी
आमड़ी उतावपी ते. खाल खींचना; शरीरकी
चमड़ी उधेड़ना Flaying “ इस पुष्का-
फ्फोडिय कोह ” सूय० २, २, ६३;

पुगल. पु० (पुगल) वज्य, गंध, रस अने
स्पर्शवाण पुगल नामनुं एक मूर्त द्रव्य, ७
द्रव्यमांनुं एक. वर्ण, गंध, रस और स्पर्शवाला
पुगल नामक एक मूर्त द्रव्य है; छ द्रव्योंमेंसे
एक A material molecule having
colour, smell, taste and touch,
one of the 6 substances. उत्त०
२८, ७, अणुत्रो० ३१; दस० ८, ६; सू०
५० ४; राय० २६, क० ग० १, ३५; कय०
२, २६; (२) गर्ल; इणने सुंछाणे। मध्य
भाग गर्भ, फलके मध्यका मनोरम अंश.
The interior, heart of a fruit.
आया० २, १, १०, ५६; (३) लोकना
सर्व पुगलें एक छव जेटला वज्यतमां
भोगपी ल्ये तेदलो काण; पुगल परावर्त
नामे काद विलाग. लोकके सर्व पुगलोंके एक
जीव भोग परिमित काल; पुगल परावर्त नामक
काल विभाग A period of time in
which a soul endures all the

molecules of the universe. क० ग० ५, ८४; —कृ. न० (-ग्रह) अर्ध पुद्गल परावर्तन. अर्ध पुद्गल परावर्तन. Change of half molecule. क० ग० ५, ८४; —परिवर्त. न० (-परिवर्त) सर्व पुद्गलानां परावर्तन, गेटला क्षणमात्रेण एव इरी ह्ये तेदला क्षण; अनन्तराणि यत्र परिमित ओष्ठ क्षण विभाग. वह समय जिसमें सर्व पुद्गलका परिवर्तन एक जीव काल सके, अनन्तराल चक्र परिमित एक काल विभाग. A period of time in which a soul can change all the molecules. भग० ८, ६; —विवागी. स्त्री० (-विवागी) पुद्गलना योग्यी विपाक पाभनारी धर्मनी क्षीयश प्रकृतियो. पुद्गलके योगसे विपाक प्राप्त करनेवाली कर्मकी क्षीयश प्रकृतियों. The 36 natures of karmic matter which mature when coming in contact with the molecules. क० ग० ५, २१;

पुच्छ. वि० (*) पोत्यु. दीप्तुं पोचा, ढीला, नरम. Loose; soft. पण० १, १;

✓पुच्छ. धा० I. (कृच्) पूछतुं; अश्न हरेवो. पूछना, प्रश्न करना. To ask; to enquire.

पुच्छय पि० नि० १६६;

युच्छइ नाया० २, नंदी० रथ० ४७, निती० १६, ६; उवा० १, ५८;

पुच्छंति. नाया० २, भग० ५, ४; दस० ६, २; राय० २३२;

पुच्छसि. उत्त० १८, ३२;

पुच्छामो. भग० ५, ४; नाया० ५,

पुच्छजा-ज. उत्त० १, २२; २६, ६; दस० ८, १४; ४४;

पुच्छ. पि० नि० १६८;

पुच्छज्जुप. भू० पि० नि० १६२;

पुच्छिंसु. भू० आया० १, ६, २, ११;

पुच्छिस्सामि. भ० भा० ५, ४; १८, १०;

पुच्छिस्सामो. राय० ४२;

पुच्छिस्सम् सु० च० १, २७१;

पुच्छित्ता. स. कृ. दत्ता० १०, १;

पुच्छित्ता. नाया० २; १३;

पुच्छिज्जा. पि० नि० ४६६;

पुच्छिज्जं. हे. कृ. सु० च० १, २७३;

पुच्छित्तप. हे. कृ. नाया० १; भग० २, १,

७, १०; १६, ५; १६, ७;

वच० ७, १;

पुच्छमाणा व. कृ. ठा० ४, २; उत्त० १, २३;

पुच्छिज्जह. व. कृ. भग० २६, १;

पुच्छिज्जति. व. कृ. भग० ३५, २; पत्र० २८;

पुच्छ. न० (पुच्छ) पुं० पुं०; पुं०डी. पूछ;

पुच्छ, दुम. A tail. स्य० २, २, ६;

आया० १, १, ६, ५३; उत्त० २७, ४;

नाया० १; जीवा० ३, ४; ज० प० निती०

७, २६;

पुच्छम. वि० (कृच्छ्र) पूछना. पूछनेवाला,

प्रश्नकर्ता. An enquirer; a questioner. पि० नि० १२६;

पुच्छणा स्त्री० (कृच्छ्र) अश्नादि पूछना ते.

प्रश्नोका पूछना. Enquiring. अणुजो०

१३; ओव० २०; नाया० १; भग० २, ५;

पण० २, ३;

पुच्छणी स्त्री० (कृच्छ्र) अश्नादि पुछ्णानी

भाषा. प्रश्नादि पूछनेको भाषा Language

of putting question. दत्ता० ७, २;

ठा० ४, १; भग० १०, ३; पत्र० ११;

प्रव० ६०१; (२) छत; छतुं. छत. Roof.

जीवा० ३, ४;

पुच्छा. स्त्री० (कृच्छ्र) परपुत्र इत्ये; पुछ्णुं.

छानवीन करना, पूछना, शोध लगाना. Enquiry.

ज० प० ७, १४२; ठा० ४, ३; अणुजो०

१३४; नाया० ८; नाया० घ० २; भग० १,

१; ६; २ १; ५, २; ७, २, ६, ३४;
२५, ३-४; पि० नि० ५१; १६०, ३८१,
विशे० २६३०; पत्र० ४; २८; सू० प० १६,
निसी० १६, १०; उवा० ३, १२७,

पुच्छिय. वि० (वृष्ट) पूछेधु; प्रश्न करेधुं
वृष्ट, पूछाहुआ. Enquired. श्रव० ४१,
भग० २, १-५; पि० नि० १३७, उवा० ७
१८१, कथ० ४, ७२; —ह्र. पु० (-अर्थ)
नेछे अर्थ पुछ्या छेय ते. वह जिसने अर्थ
पूछा हो. (one) who has enquired
a meaning. नाया० १; भग० २, ५,
सूय० २, ७, ३;

पुच्छियव्व. वि० (वृष्टव्व) पूछवु पूछना
Asking. भग० ६, ८; २५, ४, वव०
२, २२-२३-२४;

पुज्ज. वि० (पूज्य) पूज्या शोभ्य, पूजनीय
पूज्य, पूजनीय. Adorable उत्त० १, ४७;
५, २६, विशे० ५६; ६३३, नाया० ७,
दस० ६, ३, १; सु० च० ८, १२०; भत०
६६; क० ग० १, ४७;

पुट्टिल. पु० (पोडिल) महावीर स्वामिनो
अेक श्रावक. महावीर स्वामिका एक श्रावक.
A layman follower Mahāvīra Svāmī. प्रव० ४६५; —जीव पु०
(-जीव) पोडिल नामे श्री वीर प्रभुनो
श्रावक तेनो छव, के ने आवती योवीसीभा
योथा स्वयंप्रल नामे तीर्थंकर थरो. पोडिल
नामक श्रोवीर प्रभुके श्रावकका जीव जो आगामी
चौवीसीमें चौथा स्वयंप्रभ नामक तीर्थंकर होगा.
A layman named Pottila-
a follower of Śrī Vīra Prabhu
whose soul will be born as
the 4th Tīrthankara named
Svayam Prabha in the com-
ing cycle प्रव० ४६५;

पुट्ट. वि० (वृष्ट) पूछेध. पूछाहुआ; विचाराहुआ.
Asked. उत्त० १, १४, दस० ८, २२,
पण्ह० १, २; सु० च० १, २७, ५६; भग०
५४; पचा० १०, ३३; —लाभिअ. पु०
(-लाभिक) “हे साधो, आपने शुं आपु?”
अेम पुछनार फता आपे तोज लेवु अेवा
अलिअलथी गवेषणा करनार. हे सावो !
आपकी क्या सेवा करू ? इसमेंति पृच्छनेवाला
दाता यदि कुछ दे तभी ग्रहण करनेका सकल्प
लेकर फिरनेवाला (one) who goes
about begging food with the
vow that he would accept
only when the giver says
“oh ascetic ! what may I give
you?” श्रव० १६, ठा० ५, १, (२)
“ निर्दोष छे के सदोष छे ” अेम पुछी पुछीने
आहार लेनार. (साधु) “निर्दोष है या सदोष”
इस बातका पता लगाकर आहार लेनेवाला
(साधु). An ascetic who takes
food asking whether it is
faultless or otherwise पण्ह० २, १.
—वागरणि पुं०(-व्याकाणिन्) प्रश्नोत्ता उत्तर
देनार. प्रश्नोका उत्तर देनेवाला (one) who
answers a question. दस० ७, १,

पुट्ट. वि० (पुष्ट) मातो; शरीरे लरेलो, पुष्ट.
मोटा, पुष्ट, स्थूल कथ. Fat, stout
उत्त० ७, २; दस० १०, ३; नाया० ३;

पुट्ट. वि० (स्पृष्ट) स्पर्श करेध; झूसेध.
स्पृष्ट, छुआहुआ, Tonched. ज० प० ६,
१२४, ७, १३७, आया० १, १, ४, ३७;
१, ३, ३, १२०, १, ६, २, १८४, १, ६,
४, १६१; १, ८, ७, ८; सूय० १, १, २,
२५; ठा० २, ३, उत्त० २, ४; भग० १,
६; २, १, ३, ३, ५, २-४, ८, ८; १३,
४, १६, १; ६, १७, १; ४; विशे० ३३६;
२५१३; दस० ७, ५; प्रव० १०५८; क०
ग० ५, ८८;

पुट्टव्या. स्त्री० (प्रौष्ठपदा) पूर्वाभाद्रपदा तथा उत्तराभाद्रपदा नक्षत्रजुं नाम. पूर्वाभाद्रपदा तथा उत्तराभाद्रपदा नक्षत्रका नाम. Name of Pūrvā Bhādrapada and Uttarā Bhādrapadā constellation सू० प० १०;

पुट्टसेणिका. स्त्री० (वृष्टसेणिका) पृष्ट श्रेणीनी गणना; द्रष्टव्यादान्तर्गत परिश्रमनो अेक भाग. वृष्टसेणिकी गणना, दृष्टिवादान्तर्गत परिश्रमका एक भाग. A division of Parikarma coming in Drṣṭivāda. सम० १२; —**परिकर्म.** न० (-परिकर्त्तृ) द्रष्टव्यादना परिश्रमनो त्रीन्ने भेद. द्रष्टिवादके परिकर्मका तीसरा भेद. The 3rd variety of Parikarma of drstivāda. नंदी० ५६;

पुट्टा सं० कृ० अ० (पृष्टा) पूछीने. पूछकर; विचारकर. Having asked आया० १, ७, २, २०४,

पुट्टापुट्ट. (पृष्टापृष्ट) विच्छेद गयेला आ० २मा द्रष्टव्या अंगना प्लीग विलागसूत्रनो १४भो भेद. विच्छेद प्राप्त वारह्वे द्रष्टिवादअंगके दूसरे विभागसूत्रका चौदहवां भेद. The 14th part of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th Drṣṭivāda Āṅga which is lost. नंदी० ५६;

पुट्टावत्त. न० (पुट्टावर्त) पुट्टसेणिका परिश्रमनो १४भो भेद. पुट्टसेणिका परिकर्मका १४वां भेद. The 14th part of Putthaseniya Parikarma. नंदी० ५६;

पुट्टि. स्त्री० (पुट्टि) पुष्टि; मज्जुताप. पुष्टि, मज्जुती. Strength; durability. विशेष० २२१, पण० २, १; —**कर.** त्रि० (-कर) पुष्टि करनेवाला. पुष्टिकर्त्ता. Tonic. गण्डा० ६२;

पुट्टिमा. स्त्री० (वृष्टिमा) दुयुक्तिथी अथ क्षरतां लागती पापक्षिया. कुयुक्तिपूर्वक प्रश्न करनेसे लगनेवाली क्रिया. Sin incurred by asking a question full of evil reason. ग० २, १;

पुट्टिमाइ. पु० (पुट्टिमायिन्) (१) अणुत्तरोववाच सूत्रना त्रीन्ने वर्गना सातमा अथयननुं नाम. (२) कांडी नगरी निवासी लक्षार्थवादीना पुत्र केने दीक्षा लक्ष छुछुना पारश्वानी प्रतिज्ञा लक्ष धनार्थ अथयन पाणी अेक मासतो सधारे क्षरी सर्वार्थसिद्ध विमाने पहुँच्यो; त्यांथी अेक अवतार क्षरी भोक्षे नशे. अणुत्तरोववाइ सूत्रके सातवें अथयनका नाम; काकंदी नगरी निवासी भक्षार्थवादीके पुत्र जो दीक्षा लेकर छठ २ के पारश्वोका सक्त्य कर कई वर्षोंतक प्रमज्या पालनकर एक मासके सधारेके पश्चात् सर्वार्थसिद्ध विमानमें पहुँचे, वहाँसे एक अवतारके अनन्तर मोक्षको प्राप्त होंगे. Name of the 7th chapter of the 3rd group of Anuttarovavāyi Sūtra. Son of a merchant of Kākandī city who being initiated practised a particular penance remained an ascetic for many years and after fasting for a month was born in Sarvārtha celestial abode. Thence after one incarnation he will attain Salvation. अणुत्त० ३, ७;

पुड. पु० (पुड) छीपनुं सपुट. छीपका संपुट. A cavity of mother of pearl. (२) पडो. पुड; पुट, दल; फाँक. A fold; a piece. ज० प० ५, ११४; पण० २, ५; जीवा० ३, ४; शय० ५६; उवा० २, ६४;

—अंतर. न० (-अन्तर) सरणे सरभी
जे वस्तुना जोडलानु अन्तर. दो समान
वस्तुके योगका अन्तर. A cavity bet-
ween two evenly joined arti-
cles. राय० १४४;

पुडई. स्त्री० (पुटिका) ओ नामनो गुच्छो;
ओलथी. इस नामका गुच्छा; एलची. Carda-
moms. पत्र० १,

पुडग. पु० (पुटक) नाडना नसकेरा. नारि-
काके नथुने, नासिकापुट. Nostrils. उवा०
२, ६४;

पुडपाग पु० (पुटपाक) अमुक रसोनो पुट
आपी अग्निमां पकवेल औषधि. अमुक
रसका पुट देकर अग्निमें पकई हुई औषधि
A medicine prepared on a
fire being coated with a parti-
cular juice. विवा० १;

पुडपाय पु० (पुटपाक) लुओ "पुडपाग"
शब्द. देखो "पुडपाक" शब्द. Vide "पुडपाक."
नाया० १३;

पुडपुडी. स्त्री० (पुटपुटी) अगुडो तथा आं-
गणीथी यपरी वगाडरी ते अगूडे या अंगु-
लियो द्वारा चुटकीका बजाना. Snapping
the two fingers. प्रव० ४४२;

पुडभेयण. न० (पुटभेदन) नाना देशाभांथी
आवेक्ष (क्षरीयाणु) ज्यां वेयाथ ते; नगर.
नाना देशोंसे आयाहुआ किराना जहाँ विकता हो
वह नगर. A city market where
commodities brought from
different places are sold. वेय०
१, ६;

पुडय. न० (पुटक) ओड पात्रमां पाडेल
लुण लुण आना-पड. एक पात्रके भित्र २
खाने-पुड, पुट Partitions made
in a vessel. भग० ३, २. (२) नाडना
नसकेरा. नाकके नथुने. Nostrils. उवा०
२, ६४,

पुढची. स्त्री० (पृथ्वी) पृथ्वी; भूमि; जमीन;
रत्नप्रला वगेरे आठ पृथ्वी पृथ्वी; भूमि,
जमीन; रत्नप्रभा आदि आठ पृथ्वी. The
earth. अणुजो० १०३; १३४; ठा० २,
४, संत० ६, ४६; २६, ३०; ३६, ६६;
सम० १, सूय० १, १ १, ७, आया० १,
६, १, १२; ओव० दस० ४, ८, २; १०, १,
२-४, पत्र० १; १५; गच्छा० ७५; क० प०
२, ७४, उवा० ६, १६४, ज० प० ७, १५१;
भग० १, ५, २, १; ३; ५, ८; ७, ३-६;
१५, १; १७, ७; निती० ७, १६, १३,
१, १४, ३४; १६, २०-२६; दसा० २,
१५-१६; पिं० नि० भा० ६; जीवा० ३,
४; नदी० १८; सू० प० १०; राय० ४; (२)
ईशानेन्द्रना लोकपाल सोमनी पहिली पटरानी.
ईशानेन्द्रके लोकपाल सोमकी पहिली पटरानी.
The 1st principal queen of
the Lokapāla Soma of Īśā-
nendra. ठा० ४, १; (३) भगवतीसूत्रना प-
हेला शतकना पांचमा उद्देशानु नाम भगवती
सूत्रके प्रथम शतकके पांचवे उद्देशका नाम.
Name of the 5th Uddeśā of
the 1st century of Bhagavati
Sūtra. भग० १, १; (४) भगवतीना भीम
शतकना भीम उद्देशानु नाम भगवतीके दूसरे
शतकके दूसरे उद्देशका नाम. Name of the
2nd Uddeśā of the 2nd century
of Bhagavati Sūtra. भग० २, १,
—उद्दस. पु० (-उद्देश) पृथ्वी सभधी;
ज्वालामुख सत्रनो उद्देशो. पृथ्वी सम्बन्धी
जीवभिगमसूत्रका उद्देश. An Uddeśā
of Jivābhigama Sūtra related
to the earth भग० २, ३; —कम्म.
न० (-कर्म) पृथ्वी आशी क्रिया; ज-
मीन जोदवी वगेरे क्रिया पृथ्वी सम्बन्धी
क्रिया, जमीन खोदनेका काम आदि. Work

related to the earth e. g. digging etc. आया० १, १, २, १५
—काइय. पु० (-कायिक) पृथ्वीमां उत्पन्न
थयेत्त ७५. पृथ्वीमें पैदाहुए जीव. Earth-
embodiment. भग० १, १; २; ५;
६, १; १७, ७; ३३, १; ठा० १, १;
अणुजो० १३४, दस० ४; पत्र० १;
—काइयत्त. न० (-कायिकत्व) पृथ्वी क्षाय-
पणुं. पृथ्वीकाय भाव. The state of
earth embodiment. भग० ६, ५;
६, ६, १२, ४; २०, ६, —काय पु०
(-काय) पृथ्वीनां शरीर; सञ्चित
पृथ्वी. पृथ्वीके जीवोंका शरीर, सञ्चित पृथ्वी.
Body of the living beings of
the earth उत्त० १०, ५, भग० ६, ५;
७, १०; १६, ३; निती० १४, ४०; दत्त०
६, २७; सम० ६, आव० ४, ७, काय-
समारभ. पु० (-कायसमारभ) पृथ्वी
क्षायने आरंभ. पृथ्वीकायका आरंभ. Injury
to the earth-embodiment दस०
६, २६; —काल. पु० (-काल) ओ३
अथ पृथ्वीमां निरन्तरपणुं-नेटलो वणत रहे
तेटलो क्षाल, असंख्यात उत्सर्पिणी अव-
सर्पिणी परिमित क्षाल जितने समय-काल तक
एक जीव पृथ्वीपर निरन्तर रुकसे रहे उतना समय-
काल; अस्वस्थता उत्सर्पिणी अक्सर्पिणी परिसित
काल. A period of time during
which a soul lives on the earth
eternally. भग० ८, ६; —जीव. पु०
(-जीव) पृथ्वीक्षायना अथ. पृथ्वीकायके
जीव Living beings of earth-
embodiment प्रव० ८५०, —जीव. पु०
(-जीव) पृथ्वीमां रहेनार अथ. पृथ्वीमे
रहनेवाला जीव. Living beings of
the earth. दस० ५, १, ६८, —पश्टिय.
वि० (-प्रतिष्ठित) पृथ्वीने आशरे रहेल.

पृथ्वीके सहारे रहाहुआ. Established on
the earth. निती० १७, २५; —परिणाम
पु० (-परिणाम) पृथ्वीनां विचार. पृथ्वीका
विकार. A change of the earth.
ज० प० ७, १८६; भग० ६, ५; —सत्थ.
न० (-शस्त्र) पृथ्वीरूप शस्त्र. पृथ्वीरूप
शस्त्र. A weapon in the form
of the earth. आया० १, १, २, १५;
—सम वि० (-सम) दुःख सुख सहन
करवामां पृथ्वी तुल्य; 'सहनशील. दुःख
सुख सहन करनेमें पृथ्वीके समान; सहिष्णु.
Like the earth in enduring
pain or pleasure दत्त० १०, १, १३;
—सोअ. न० (-जौच) भारीथी थती
पवित्रता. मिष्टीसे होनेवाली पवित्रता. Purity
caused by earth. ठा० ५, ३;

पुढवीवडंसअ. न० (पृथ्वीवत्सक) ओ ना-
भने ओ३ अगीओ. इस नामका एक बगीचा.

A garden so named. वि० ६;

पुढवीसिरी. स्त्री० (पृथ्वीश्री) ओ३ स्त्रीनु
नाम एक स्त्रीका नाम. Name of a
woman. वि० १०;

पुढवीसिला. स्त्री० (पृथ्वीशिला) शिलारूपे
लागे पड़ेला पृथ्वीनां प्रदेश. शिलारूप
लम्बा चौड़ा पृथ्वी प्रदेश. A wide and
long strip of land. आया० २, ७,
२, १६१; दसा० ७, १, भग० ३, २;
—पट्टय पु० (-पट्टक) पृथ्वीनी शिला
रूप पाट. पृथ्वीकी शिलारूप पाट A wide
strip of land in the form of
a slab. नाया० ५; ८; ६; १४; १६;
दसा० ५, ७;

पुढीभूय. वि० (पृथ्वीभूत) लुहुं थयेलुं. पृथ्वी-
विलग हुया हुआ. विलगित Separated.
सु० च० १२, ३०;

पुढो. अ० (पृथक्) अनेक. अनेक Many.
सू० १, १, २, १; उत्त० ३, २; आया०

१, १, २, १४; १, १, ३, २८; (२) भोदुं; विस्तारवाणुं. मोदा; विस्तृत. Big; extensive. अया० १, २, ६, ६७, —जग. वि० (—गत) क्षिप्र २ नरकादि स्थानते पापेभ्यः. मित्र २ नरकादि स्थान प्राप्त-पायाहुमा. (one) who has reached different hell etc. places सू० १, २, १, ४; —वेमाया. वि० (—विमात्रा) अनेक प्रभेदनु. अनेक प्रकारका, विविध. Of different kinds ङ० ४, ४;

पुण अ० (पुनर्) पारवार; क्षरी, वणी. बारबार, पुन. पुन, औरभी. Again and again. अणुत्रो० ३; १२८; सू० १, १, २, १; भग० १, ३-१०, ३, १, ५, ५; ६, ३१; १२, १०, १५, १, २०, ८, नाया० ७; ६; ११; ओत्र० २७, निरी० ६, १२; वियो० १०; वेय० २, २, पिं० नि० भा० १; पिं० नि० ८७, दस० ४, ६, २, १६, उ० च० ४, १२४, क० ग० ३, १२; २०; प्रव० ७५; —उवओग. पु० (—उयोग) क्षरीथी-शिवान्तरे थतो उपयोग. कालान्तरमें होनेवाला उपयोग A use that is to hold good at some other time. विशेष १८८,

पुण्यभवा पु० (पुनर्भव) क्षरी जन्म लेवे ते, पुनर्जन्म. पुनर्जन्म, फिरसे पैदाहोना. Taking rebirth. सू० २, २, ८१; ओत्र० नि० ८०५; ओत्र० ४३; दस० ८, ४०, पत्र० २,

पुण्यरवि. अ० (पुनरपि) वणी पणु; क्षरीने पणु. औरभी, पुनश्च. Also; ever again. नाया० १; ५; ८; ६; १४; १८; भग० २, १; ६, ७; ८, ६; ११, २०, ६; २४, १; दसा० १०, ८-६; उत्रा० ७, २१४;

पुण्यरुत. न० (पुनरुक्त) पुनरुक्ति दोष; क्षरीथी डहेतुं ते. पुनरुक्ति दोष, दुहराकर कहना. Tautologise. विशेष २२६०; सु० च० ४, २००, २५७;

पुण्यवसु. पु० (पुनर्वसु) पुनर्वसु नामनु नक्षत्र. पुनर्वसु नामक नक्षत्र. A constellation named Punarvasu. जं० प० ७, १५५; सू० प० १०; सम० ५; अणुत्रो० १३१; ङ० २, ३, (२) दशमा तीर्थक्षरने प्रथम लिङ्गा आपनार गृहस्थ. दसवें तीर्थक्षरको सर्व प्रथम भिक्षा देनेवाला गृहस्थ. A householder who first of all gave alms to the 10th Tirthankara. सन० प० २३२; (३) आहमा वासुदेवना त्रीणि पूर्व लवनु नाम आठवें वासुदेवका तीसरे पूर्व भवका नाम. Name of the 3rd previous birth of the 8th Vāsudeva सप० प० २३६;

पुण्यइ अ० (पुनर्) वणी, क्षरी. और; फिर; पुन. Again. उत्रा० २, ११६; ६, १७४,

पुण्यो. अ० (पुनर्) क्षरीथी, श्रीश्वार फिसे, दुवारा, दूसरीवार Again. उत० १, १२-४१, अया० १, १, १, ४, सू० १, १, १, १५, सम० २०; नाया० १; २, ६, दस० ५, १, ६१; ६, ५३;

पुण्य. न० (पुण्य) शुभ क्षरणीथी सञ्चित थतु शुभ कर्म के जेनु परिणाम श्रवने सुखरूप आवे छे, नव तत्त्वभानु त्रीणु तत्व. शुभ कार्योंद्वारा सञ्चित शुभ कर्म जिसका परिणाम जीवके लिए सुखप्रद होता है, नौ तत्वोंमेंसे तीसरा तत्व. Merit that results from good deeds and which leads to happiness, one of the nine realities. उत० २८, १४, ओत्र० ३४, ङ० १, १; सू० १, १, १, १२; २, ५, १२, सम० १, भग० १, ७; २, ५, नाया० १८, दस० ४, १६; ५, १, ४६; पिं० नि० २२८, विशेष २००६; राय० २२४; क० ग० १, १५, उत्रा० २, ६५, (२) वि० पुण्यथी पाभवा योग्य. पुण्यद्वारा प्राप्त होने

योग्य. To be got by merits
गच्छा० २५; (३) पवित्र; उत्तम; पुण्य-
शाली. पवित्र; उत्तम, पुण्यवान्. Holy.
meritorious. भाषा० १, २, ६, ११०;
जं० प० ५, ११२; ११७; पंचा० १५, २०;
—संज्ञा. त्रि० (—सुद्ध) पुण्यपण्यः.
पुण्यदाता; पुण्यवाला. Meritorious.
पंचा० ७, ३६;

पुण्या. वि० (पूर्ण) सम्पूर्ण; समस्त. सम्पूर्ण;
 सन्; समस्त. Whole; full; all ठ०
 ४, ४; नाया० १; ८, १०; ११; भग० १,
 ६; २, २; ३, ३; ८; १३. ४, १५, १;
 ओष० २३; ३१; उत्त० १२, १३; सन्
 ३२; ओष० नि० भा० ८५; दत्ता० १०, ७,
 कय० ३, ४१; पंचा० ८, २२; व्या० २,
 १०७; (२) दक्षिण ओरके द्वीपकुमारोंका इन्द्र. The
 lord of the Dvīpa Kumārs of
 the south. पत्र० २; (३) स्वरनी सधणी
 श्रुत्याश्रित गावुं ते; गायनतो ओष्ठ श्राव. स्व-
 रकी समस्त कलायुक्त गायन, गायन-गानका एव
 गुण. A quality of singing;
 singing in all the terms of
 the musical notes. अणुजो० १२८,
 —उच्छ्रंग. वि० (-उत्सर्ग) नाना प्रका-
 रना मालाशी लरेल. विविध वस्तुओंसे पूर्ण.
 Full of different things. नाया० ८
 —ओभासि वि० (-अवभासित) पूर्ण
 नहि छातां पूर्ण-लरेलो छे ओभ द्रव्याय ते
 पूर्ण नहोते हुएभी पूर्ण-भराहुआ दीखनेवाला.
 That which seems to be filled
 up. ठ० ४, ४, —कलस. पुं० (-कलस)
 पाशुश्री लरेलो धडा. पानीसे भराहुआ घड़ा.
 A pot full of water. पंचा० ८, २२;
 कय० ३, ४१; ज० प० ५, ११७;
 —चंद्र. पुं० (-चन्द्र) पुरो यद्; पुनभनो

यद्. पूर्णवन्द. पौर्णिमाका च्द्र. The full
 moon. कप० ३, ३८, —प्यमाण. वि०
 (-प्रमाण) प्रभाश्रमां पृथ्वा. प्रमाणमे पृथ्वा.
 Full in measure. भग० १, ६; ३,
 ३; ६, ८; —सुह वि० (-सुग) भोदा
 शुधी लवेक्ष. सुहृत्त भ्रातृभ्रा Full to
 the brim. नाया० १; ८; —सद्व्य.
 वि० (-स्वय) पृथ्वाय० ५; संपूर्ण. पूर्ण
 स्वय, संपूर्ण. A full, complete
 form नाया० १०;

पुराणघोस. पुं० (पूर्णधोष) लम्बुदीपना
 औरवतक्षेत्रमां आयती उत्तर्पिणीमां यना
 ११मा तीर्थं पुं० लम्बुदीपके ऐरावतक्षेत्रे
 गाम्भी उत्तर्पिणीमे होनेकाले ११वें तीर्थक.
 The 11th would-be Tirthan-
 kara to be born in the coming
 aeon of increase in Airavata
 ksetra of Jambudvīpa. सन०
 प० २४३;

पुष्पाभङ्ग. पु० (पृ० ३३) अथ यक्ष देवता
नाम. एक दक्ष देवताका नाम Name of a
Yaksa god. (२) वाणव्यन्तर जनिना
यक्ष देवताको छ. वणव्यन्तर जातिके दक्ष
देवताका इन्द्र. The lord of Yaksha
gods of the Vānavyantara
class. श्रोत्र० टा० २, ३; भग० ३, ७;
१०, ५; १५, १; पद्म० २; द्वा० १, १;
२, ६२; (३) इक्षु सागरी अधिपति
देवताको नाम इक्षु समुद्रके अधिपति देवताका
नाम. Name of the presiding
deity of Ikṣu ocean. जीवा० ३, ४;
(४) अन्तर्गत सूत्रना ७१ वर्गना ११ भा
अध्ययनको नाम. अन्तर्गत सूत्रके छठे वर्गके
११ वें अध्ययनका नाम. Name of the
11th chapter of the 6th group
of Antagada sūtra. अंत० ६, ११;

(५) वाणिज्य ग्राम निवासी ओक गृहस्थ
के जेणे महावीर स्वामी पासो दीक्षा लई
पांच वर्षनी भ्रमण्या पाणी विपुल पर्वत
उपर सथारो इरी सिद्धि भेगनी. वाणिज्य
ग्राम निवासी एक गृहस्थ जिसने महावीर रवाीसे
दीक्षा ले पांच वर्षों की प्रव्रज्या वाली, विपुल पर्वत पर
संधारा किया और सिद्धि प्राप्त की. A resi-
dent of Vānijjya village who
being initiated by the lord
Mahāvīra, remained an asce-
tic for five years and attain-
ed salvation after fasting for
a month on the Vipula mount.
अत० ६, ११, (६) यथा नगरीना भडारनु
ओक उद्यान चम्पा नगरीके बाहरका एक उद्यान
A garden outside the city
of Champā. अत० १, १, नाया० १,
नाया० घ० ४, (७) संभूतिविजयना
शिष्यनुं नाम. समूतिविजयके शिष्यका नाम
Name of the disciple of Sam-
bhūti Vijaya. कप्प० ८, (८) पुं'क्षया
सूवनु पायमु अध्ययन. पुष्पिका सूत्रका
पाक्वा अभ्ययन The 5th chapter of
Pupphiyā Sūtra. नि० ३, १,
—चेइय. न० (—वैत्य) यथा नगरी
भडारनु' पूरुषाक्ष नामे अत्य-उद्यान. चपा
नगरीके बाहरका पूर्णभद्र नामक वैत्य-उद्यान
A memorial garden named
Purnabhadra outside the city
of champā. नाया० ६; १२; १५,
नाया० घ० ४;

पुराणभद्रकूट. पु० (पूर्णभद्रकूट) वैताड्य
पर्वत उपरना नव कूटमानु छुं शिखर
वैताड्य पर्वत परके नौ कूटोंमेंसे छठा कूट The
6th of the 9 peaks on the
Vaitādhya mount. ज० प० १,

१२; (२) भाडवत पर्वतना नव कूटमानुं
आक्षु कूट-शिखर. मालवत पर्वतके नौ कूटों
मेंसे आठवाँ कूट. The 8th of the
9 peaks of Mālvanta. ज० प०

पुराणभद्रय. पु० (पूर्णभद्रक) यथा नगरीनी
भडारनो ओक भगीनो चम्पा नगरीके बाहरका
एक बगीचा. A garden outside the
city of champā. भग० ६, ३३;

पुराणमासिणी. स्त्री० (पौर्णिमासी) पूनेम.
पूनेमः पौर्णिमा; पूर्णिमा The last date
of the bright-half of a month.
दस्ता० ६, २; भग० २, ५, ३, ३; नाया०
२; ६; राय० २२५,

पुराणमासी. स्त्री० (पौर्णिमासी) पूरिभा;
पूनेम. पूर्णिमा, पूनेम. The last date
of the bright-half of a month.
ज० प० ७, १५१; सन० ३६; वत्त० ११,
२५, जीवा० ३, ४;

पुराणरक्ख पुं० (पूर्णरक्ष) पूरुषाक्ष नामे
ओक देवता पूर्णरक्ष नामक एक देवता. A
god named Pūrparakṣa. भग०
३, ७;

पुराणसेण पु० (पूर्णसेन) अलुत्तरोववाध
सूत्रना भिन्न वर्गना तेरभा अध्ययननुं
नाम. अलुत्तरोववाइ सूत्रके दूसरे वर्गके तेरहवें
अध्ययनका नाम Name of the 13th
chapter of the 2nd group of
Aṇuttarovavāi Sūtra. अलुत्त० २,
१३, (२) श्रेष्ठिक राजनी धारणादेवीना
पुत्र के जे दीक्षा लई ११ अगलक्षी गुण-
रयलु तप आचरी सोण वर्षनी भ्रमण्या
पाणी विपुलपर्वत उपर ओक भासनो सं-
थारो इरी सवार्थसिद्ध महाविमाने उत्पन्न
थया, त्याही ओक अवतार इरी मोक्षे नशि.
श्रेष्ठिक राजाकी धारिणीदेवीक पुत्र, जिन्होंने
दीक्षा लेकर ११ अर्गोंका अध्ययन किया, गुण-

रयण तप किया, सोलह वर्षोंकी प्रयत्ना पाली, विपुलपर्वतपर एक सालका संवारा किया, और सर्वार्थसिद्ध महाविमानमें उत्पन्न हुए, वहाँमें एक भवतारके बाद मोक्ष प्राप्त करेंगे. Son of the queen Dhārini, wife of the king Śrenika, who being initiated, practised Guṇarāyana austerity, remained an ascetic for 16 years, fasted for a month on the Vipala mountain and was born in Sarvārtha Siddha celestial abode. Thence after one incarnation he will attain salvation. अष्टुत्त० २, १३.

पुण्या. स्त्री० (पूर्णा) यक्षिणी भद्र पूरुष-लक्ष्मी पट्टराष्ट्री. यक्षके इन्द्र पूर्णभद्रकी पत्नी. The principal queen of the lord of the Yakṣa. ठा० ४, १; भग० १०, ५; नाया० ध० ५; (२) पांचम, दशम अने पुनम तथा अभापारय ओ त्रय पूरुष तिथि. पचमी, दशमी और पूर्णिमा तथा अभावत्या ये तीन पूर्णा तिथियाँ. The three dates of a lunar month viz. 5th, 13th and the last. सु० प० १०;

पुण्या. पुं० (पुत्र) ओ नामनुं ओक वृक्ष. इस नामका एक वृक्ष A tree so named. नाया० ८, भग० २२, २, पत्र० १; ज० प०

पुण्या. स्त्री० (पूर्णिमा) पुनेम. पूर्णिमा; पूनम. The last date of the bright half of a month. ज० प० ७, १५३; १५५; नाया० १०; भग० ११, ११, वेद्य० १०, २; ज० प० —चंद्र. पु० (—चंद्र) पुनेमनो अन्द्रमा. पूर्णचंद्र, पुन-

मका चन्द्र. The moon of the last date. नाया० १०;

✓ पुन-कर. धा० II. I. (पूरु+कृ) पोक्षर क्षेपो. पुकारना; पुकार मचना. To shout. पुकरद. सु० च० ४, २१; पुकारेति. जीवा० ३, ४; रथ० १८३; ज० प० ५, १२१; पुकरंति. जीवा० ३, ४; पुक्त्त. पण्ड० १, २; पुकरंत. सु० च० २, ५३३;

पुत्त. पुं० (पुत्र) पुत्र, दीक्षर. पुत्र, लक्ष्म. A son. ज० प० २, ३०; वृत्त० १, ३६; ६, ३; ६, २; आया० १, २, १, ६२; २, १, २, १२; सुय० १, १, २, २८, २, २, १२; अणुजो० १२८; ओव० नाया० १, २; ५; ७, ८; ६; १२; १४; १६; १८, भग० ३, १; ७, ६; ८, ५; ६, ३३; १२, २; १६, ५; १८, २; विवा० १; ३; पि० नि० भा० ३५; पि० नि० ५०६; दत्त० ७, १८; जीवा० ३, ३; सु० च० ३, २४५; पंचा० १०, ३०; १७, ३१; भत्त० १३३; ज्वा० १, ६७; —णिहि. पुं० (—निधि) पुत्ररूप लंकार; पुत्रनिधान. पुत्ररूप कोव. पुत्रनिधि-आगार. Treasure in the shape of a son. ठा० ५, ३; —पिदास. त्रि० (—पिपास) जेने दीक्षरनी उत्तः॥ ओ तेपो; पुत्रनी पिपासावाणो. वह जिसे पुत्रकी कामना है, पुत्र कामना-इच्छावाला. (one) who is desirous of getting a son. त्रि० ३, ४; —मंस. न० (—मांस) पुत्रनुं मांस. पुत्रका मांस. Flesh of a son. ठा० ४, ४; —मारग. त्रि० (—मारक) पुत्रने मारनार. पुत्रघाती. One who kills a son. नाया० २; —लाभ. पुं० (—लाभ) दीक्षरनो लाभ-श्रम. पुत्रजन्म; पुत्र लाभ.

Birth of a son. भग० ११, ११, नाया० १; कस० १, ७; — विहूण. वि० (—विहीन) पुत्र पिनातु. पुत्रविहीन. Without a son. सु० च० ४, १४६, —सय. न० (—शत) सो पुत्र. १०० पुत्र. 100 sons. कस० ७, २१०; —सोअ. पु० (—शोक) पुत्रनो शोक. पुत्रका शोक, पुत्रशोक. Sorrow for a son. नि० १, १;

पुतंजीवग-य पु० (पुत्रजीवक) श्यापोत्ता नामनुं अेक्ष वृक्ष के जेनो उपभोग संताननी उत्पत्ति भाटे करवाभां आवे छे पुत्र जीवक नामक एक वृक्ष जिसका उपयोग सन्तानोत्पत्तिके मर्म्य किया जाता है. A tree named Jiyāpottā which is used for securing the birth of a son भग० २२, २; पन्न० १;

पुतजीव. पुं० (पुत्रजीव) पुत्रनो श्रव; गर्भनो श्रव. पुत्रका जीव; गर्भका जीव. The soul of a son. भग० १, ७; —फुड्. वि० (—सृष्ट) गर्भना श्रव साथे नालथी जेअथेली (मातानी नालिनाण). गर्भस्थ जीवके साथ नालद्वारा जुड़ी हुई माताकी नाभि-नाल. The umbilical cord. भग० १, ७; —रसहरणी. स्त्री० (—रसहरणी) गर्भनी नालिनाण के जे वडे गर्भभां पोषण भेजवे छे. गर्भकी नाभिलिका जिसके द्वारा गर्भका पोषण होता है. The umbilical cord. भग० १, ७;

पुतत्त. न० (पुत्रत्व) पुत्रपण्य. पुत्रत्व, पुत्रता. The state of a son. भग० २, ५;

पुतत्ता. स्त्री० (पुत्रता) पुत्रपण्य. पुत्रभाव. पुत्रता; पुत्रभाव Sonship. भग० ११, ११, १२, ७; १५, १; विवा० १; ५;

पुत्तय. पुं० (पुत्रक) नानो पुत्र, आलक्ष. शिशु, बालक पुत्र. A young child or son. सु० च० १, ६५;

पुत्तलिया स्त्री० (पुत्तलिका) पुतली. पुतली A puppet सु० च० १५, २२१;

पुत्तवंत. वि० (पुत्रवत्) पुत्रवाणो. पुत्रवान. Having a son सु० च० २, ६१;

पुत्ता. स्त्री० (पुत्री) दीकरी, छोड़ी पुत्री, कन्या, लङ्की. A daughter. नाया० १, ७, ८; नि० १, १;

पुत्तिआ स्त्री० (पुत्तिका) दीकरी. लङ्की. A daughter. अणुजो० १३०;

पुत्तिया. स्त्री० (पौत्तिका) पौत्तिक, चोअद्रिय श्रव विशेष. पौत्तिक, चतुरिन्द्रिय जीव विशेष. A four-sensed being उक्त० ३६, १४५, (२) मुहपत्ति, भुप वस्त्रिका मुहपत्ती, मुखवस्त्रिका. मुखपट्टी. A piece of cloth to cover the mouth. प्रव० १७६;

पुत्ती. स्त्री० (पौत्तिका) मुहपत्ती; भोपत्ती. मुहपत्ती. A piece of cloth to cover the mouth. प्रव० ५०२;

पुत्ती. स्त्री० (पुत्री) पुत्री, कन्या पुत्री; कन्या; सुत. A daughter. सु० च० १, ६५;

पुत्थ. पुं० (पुस्त) पुतणी; दीगदी. पुतली, डेर, छोटा सप्पूह. A puppet, a heap. पि० नि० भा० ७, निस्सी० १२, २०;

—कम्म. न० (कर्म) दीगदी अनापवातु कर्म. डेर-ढोंग बनानेका काम. The act of making dolls निस्सी० १२, २०;

पुत्थय. न० (पुस्तक) पुस्तक पुस्तक, किताब; ग्रन्थ. A book. प्रव० १८; भत्त० ३१;

पुत्थिय. न० (पुस्तक) पुस्तक; ग्रंथ. पुस्तक; ग्रंथ. किताब. A book. सु० च० ६, ४८; गगद्. वि० (—ग्रह) पुस्तकने अलक्ष कर-नार. पुस्तक हाथभां लक्ष आलनार. पुस्तकको ग्रहण करनेवाला; पुस्तक हाथमें लेकर करनेवाला.

(one) who holds a book. भग०
६, ३३;

पुन. पुं० (पूर्ण) द्वीपकुमार देवताको छ-६.
द्वीपकुमार देवताको इन्द्र. Lord of Dvīpa
Kumāra gods. ठा० २, ३; (२) त्रि०
परिपूर्ण. परिपूर्ण. Full. क० प० ३, ५,
कन० ३, ३६; ठा० २, ३. विशेष ३८५,
—रुच. त्रि० (—रुच) सम्पूर्ण रूपवान्.
सम्पूर्ण रूपवान्. Of the full form.
ठा० ४, ४;

पुन. न० (पुण्य) सुकृत. शुभकर्म सुकृत,
शुभकर्म, पुण्यकर्म Merit. क० गं० ५, १;
पि० नि० ३७८; चउ० ३८; —खंध्य. पु०
(—कथ्य) पुण्यनो व्यर्थो. पुण्य-सुकृत
समूह An aggregate of merits
सूय० २, ६, २६; —प्यडि. स्त्री०
(—प्रकृति) पुण्य-शुभ कर्मनी ४२ प्रकृति.
पुण्य-सुकृतको ४२ प्रकृति. The 42 na-
tures of meritorious acts. प्रव०
५०; १३००, —भाव. पु० (—भाव)
पुण्य-सुकृतको भाव. पुण्य भाव, सुकृतता.
The state of a merit. दस० १०,
१, १८;

पुनघोस. पुं० (पुण्यघोष) अथर्वत क्षेत्रमा
लागि २ गन तीर्थक्षर. ऐवत क्षेत्रको भावी
द्वितीय तीर्थका. The 2nd would-be
Tirthankara in Airawata
ksetra. प्रव० ३०१;

पुनभद्र. पु० (पूर्णभद्र) जुमो “पुण्यभद्र”
शब्द. देखो “पूण्यभद्र” शब्द. Vide
“पुण्यभद्र”. निर० १, १;

पुनमासी. स्त्री० (पूर्णमासी) पूर्णिमा. पूर्णिमा,
पूनम. The last date of the
bright-half of a month. सु०
५० १;

पुन्याग. पुं० (पुन्याग) वृक्षानी ओः गत.
वृक्षको एक जाति. Species of trees.
जीवा० १, जं० प० ५, ११२; कन० ३, ३७;
—चण न० (—चन) पुन्याग आङ्गु वन.
पुन्याग वृक्षको वन. Forest of Punnāga
trees. अणुजो० १३१;

पुन्रिमा. स्त्री० (पूर्णिमा) पूर्णिमा. पूर्णिमा,
पूनम. The full moon day. सु०
च० २, ३३८; प्रव० १५७४;

पुष्क. न० (पुष्प) पुष्प. पुष्प, फूल; सुमन.
A flower. घोष० २२; अणुजो० १६;
१४७, आना० २, ३, ३, १२६, उत०
३४, ६; नाया० १; २, ८, ६; ११; १३,
१६; भग० ३, ४-७, ६, ३३, २१, ८;
दस० ५, १, २१-५७; ६, २, १; जीवा०
१; सु० च० २, ८०; विवा० १; निरी०
४, ५४; ५, ४५; पि० नि० भा० ४५;
निर० १, १; सु० प० ४; १०; पत्र० १;
ज० प० ३, ४३, गच्छा० ८९; प्रव० ६६; कन०
३, ३२; उवा० १, ३०; (२) धृष्टानेन्द्रना
(मुसाक्षरी) विमानको व्यवस्थापक देवता.
विमानका व्यवस्थापक देवता. The manag-
ing god of the travelling
aerial car of Īśānendra. ज० प०
२, ३८; ४, ६२; ५, ११८; ११३; ११५;
(३) दशमा देवलोकाङ्गु ओः विमान;
अनी स्थिति वीस सागरोपमनी छे, अना
देवता दशमे भडिने श्वसोच्छ्वास ले छे,
अने वीस हजार वर्षे क्षुधा लागे छे. दसवें
देवलोकक एक विमान, इसको स्थिति वीस
सागरोपमकी है इसके देवता दसवें भडिने श्वसो-
च्छ्वास लेते और वीस हजार वर्षोंमें उन्हें भूख
लगती है A celestial abode of
the 10th heaven; its gods live
for 20 Sāgaropamas, breathe
once in 10 months and feel

hungry once in 20000 years.
सम० २०; (४) शुभ वर्ष अने शुभ
गंधर्वा युक्त. शुभ वर्ष और शुभ गंधर्वा युक्त.
आया० २, १, ६, ५३, (५) ८६ भो अ६.
८६ वें ग्रहका नाम. The 86th planet.
सू० प० २०; —आराम. पु० (—आराम)
पुलवागो आग; अगीयो पुष्पोद्यान, फूलबाग
A garden having flowers.
निर० ३, २, अत० ६, ३. —आरुहण.
न० (—आरुहण) पुल अढाववां ते.
फूलोंका चढ़ाना. Offering flowers.
ज० प० ३, ४३; ५३; विज्ञ० ७;
—आहार. पु० (—आहार) पुलनो
आहार-भोजन. फूलका आहार-खराक
Food consisting of flowers
भा० ११, ६, निर० ३३, —उदग्र.
न० (—उदग्र) पुष्पना रसथी मिश्रित
थपेल पाण्डी. पुष्प रस मिश्रित जल
Water mixed with juice of
flowers. ओव० ज० प० ५, ११४;
—उदग न० (—उदग) लुओ “पुद्गि-
द्व” शब्द. देखो “पुष्कोदग्र” शब्द. Vide
“पुष्कोदग्र” शब्द. नाया० १; —उवग्र.
वि० (—उवग्र) धूलां पुलवागु आस; पुलनो
समृद्ध. बहुपुष्पी वृक्ष, पुष्प समूह. A tree
having plenty of flowers; a
cluster of flowers. ठा० ४, ३;
निसि० ३, ८१. —उवग्रार. पु० (—उवग्रार)
पुष्पो वडे इरेलो उपचार-पूजा. पुष्पद्वारा
कोई पूजा-पुष्पोत्तर A worship by
means of flowers नाया० १६; ज०
प० ७, १५६; —करंडग्र. पु० (—करंडग्र)
पुल राखवालो इरेलीओ. फूल रखनेके करंडक. A
flower-basket विज्ञ० १; —गोलय.
पु० (—गोलय) पुष्पनो-झूलनो फडा. पुष्पकी
गेंद, फूलकी दंडी. A ball of flowers.

प्रव० १११६; —चंगेरि. स्त्री० (—चंगेरी)
पुष्प राखवाली छत्रि. फूल रखनेकी छत्रि-
छाव. A flower-basket ज० प० ५,
१२०; पत्र० ३३; —छणिय. वि० (—छर्चनीय)
झूलथी पूज्या योग्य. पुष्पद्वारा पूजनीय Fit
to be worshipped by flowers.
नाया० २, ६; —जाइ स्त्री० (—जाति)
भालनी वगेरे पुष्पनी अनि. मालति आदि
पुष्पजाति. A species of flowers.
नाया० १; —दाण. न० (—दान) पुष्प-
झूल आपवां ते पुष्प समर्पण; फूलोंका दान
Offering flowers. पचा० २, २५,
—धारिणी स्त्री० (—धारिणी) पुष्पेने
धारण इरेनारी धारी. पुष्पेको धारण करनेवाली-
रखनेवाली दासी, पुष्पवाहिनी. A maid
who bears flowers. भग० ११, ११;
—पात्र. पु० (—पात) पुष्पत्रयि, झूलनो
वर्षा कुसुम वृष्टि. प्रसूतोंकी वर्षा, फूलोंकी
बोसत. A shower of flowers.
पंचा० २, २५; —पूरय. न० (—पूरक)
पुलनो अनावेल शिपर. फूलोंका बनायाहुआ
शिखर. A coronet made of
flowers. नाया० १६, —फल न०
(—फल) पुष्प-झूल तथा झूल. फल फूल.
Fruit and flower. ज० प० २,
२२, ७, १५१ प्रव० २४८, —वालिकम्म.
न० (—वालिकर्म्म) पुष्पोधी इरेनु फूलत इरे.
पुष्पेद्वारा कियाजानेवाला पूजा समारंभ. Wor-
ship done by flowers नाया० ८;
—भायण. न० (—भोजन) पुलनु भोजन फूलका
भोजन Food consisting of flowers.
दसा० २, १६; —मंडव पु० (—मण्डप)
पुलनो भांडवो; भांडव. फूलोंका सडप, पुष्प
मंडप-बितान. A bower of flowers.
नाया० ८, —माला. स्त्री० (—माला)
झूलनी भाणा, पुष्पहार, कुसुममाला; फूलोंका

हार. A garland of flowers. जं० प० ५, ११२; —मालिया. स्त्री० (—मालिका) फूलनी भाणा. फूलोंकी माला. A garland of flowers. निमो० ७, १; —चद्दल पु० (चर्दल) दूधनु बाढण. फूलका. A cloudof flowers जं० प० ५, ११३, —चल्लि स्त्री० (—चल्लि) पुष्पनी बेल-लता पुष्पकी बेल-लता. A flower-creeper. नाया० १; —चास. पु० (वर्ष) दूधनो परसाद फूलोंकी वर्षा A shower of flower. जं० प० ५, ११३; —संठाण न० (—संस्थान) दूधनो आक्षर. फूलक आकार. Size of a flower जं० प० ७, १३५; —सुहुम. न० (—सुद्धम) पुष्पसदृश-वृक्ष उभरे वगेरेनां दूध. पुष्पसूत्र, वट, लुम्बिक आदिके फूल. An invisible flower like that of a banyan & fig tree. दस० ८, १५;

पुष्पग्र. पु० (पुष्पक) ईशानेन्द्रं मुसाक्षरी विमान ईशानेन्द्रका यात्रा करनेका विमान—मुसाक्षरी रथ. A travelling aerial car of Īśānendra. जं० प० ५, ११८, ठा० ८, १;

पुष्पग्रगि पु० (फुफुकगि) आणाने अग्नि, लिहाने अग्नि कोंकी अग्नि Fire of cowdung cakes. जीवा० २;

पुष्पाक. न० (पुष्पक) श्रीम देवलोका १८८ मुसाक्षरी ३२वानु विमान. दूसरे देवलोकके इन्द्रका मुसाक्षरी—प्रवास करनेका विमान. A travelling aerial car of the lord of the 2nd Devaloka. घोव० २६;

पुष्पकंत. न० (पुष्पकान्त) दशमा देवलोकं अक्ष विमान; ऐनी स्थिति वीस सागरोपमनी छे; ऐना देवता दशमे महिने श्वासे-अवास ले छे, ऐने वीस हजार वर्षे क्षुधा

लागे छे. दसवें देवलोकका एक विमान; इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी हैं; इसके देवता दसवें महिने श्वासेच्छवास लेते हैं; इसे वीस हजार वर्षों में क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 10th Devaloka, its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years. सम० २०;

पुष्पकेतु. पु० (पुष्पकेतु) जम्बूद्वीपना औरा-वत क्षेत्रमां आरती उत्सर्पिणीमां यनार सातमा तीर्थं २ जम्बूद्वीपके ऐवत क्षेत्रमें आगामी उत्सर्पिणीमें होनेवाला सातवें तीर्थक. The 7th Tirthāṅkara of the coming aeon of increase in Airāvata kṣetra of Jambūdvīpa. सम० प० २४३; (२) पुष्पकेतु नामने अक्ष ग्रह. पुष्पकेतु नामक एक ग्रह. A planet named Puṣpaketu. ठा० २, ३;

पुष्पग न० (पुष्पक) वासणनु तणीधुं. बतका पैदा. Bottom of a vessel. ओध० नि० २६०; (२) पुष्प; फूल पुष्प; फूल, कुसुम. A flower. भग० ६, ३३;

पुष्पचूला स्त्री० (पुष्पचूला) २३ भा तीर्थ-३२नी भुष्य साध्वी. २३वें तीर्थककी प्रमुख साध्वी The chief nun of the 23rd Tirthāṅkara सम० प० २३४; सत्या० ५६; नाया० ध० १०; प्रव० ३०६; कय० ६, १६१; (२) ऐ नामनी अक्ष स्त्री. इस नामकी स्त्री. A lady so named. विवा० १;

पुष्पचूलिआ-या. स्त्री० (पुष्पचूलिका) ऐ नामनु अक्ष क्षत्रिक सत्र; अगीयारभु उपांग सत्र. इस नामका एक क्षत्रिक सत्र; न्याहर्वो भाग सत्र. A kālīka Sūtra

so named; the 11th Upāṅga sūtra. નંદી૦ ૪૩; નિર૦ ૪, ૧,

પુષ્કર્ણભગ. પુ૦ (પુષ્કર્ણમ્) જામ્બકા દેવતાની એક જાત. જમ્બક દેવતાની એક જાત A class of Jambhaka gods. ભગ૦ ૧૪, ૮;

પુષ્કર્ણજાય. પુ૦ (પુષ્કર્ણજ) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એના દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છવાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. દસવેં દેવલોકના એક વિમાન, इसकी स्थिति बीस सागरोपमकी है; इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इसे बीस सहस्र वर्षों में छुधा लगती है. A celestial abode of the 10th heaven; its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years. सम० २०;

પુષ્કર્ણ. સ્ત્રી૦ (પુષ્પતા) કુલપત્નિ. પુષ્પતા, ફૂલમતા; ફૂલપત્નિ. The state of a flower. સ્વ૦ ૨, ૩, ૫,

પુષ્કર્ણવંત. પુ૦ (પુષ્પવંત) પુષ્પવંત નામે વર્તમાન યોગીસીના નવમા તીર્થંકર. પુષ્પવંત નામક વર્તમાન ચોવીસીકે નવે તીર્થંકર The 9th Tirthankara named Puśpadant of the current cycle. પ્રાવ૦ ૨, ૩, ઠા૦ ૨, ૪, ભગ૦ ૨૦, ૮, (૨) ઇશાનેન્દ્રના હાથીના સૈન્યનો અધિપતિ. ईशानेन्द्रके हाथीकी सैन्यका नायक Leader of the elephant-army of Īśānendra ઠા૦ ૫, ૧, (૩) ક્ષીરવર દ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. क्षीर-व द्वीपके अधिपति देवताका नाम Name of the presiding god of Kṣīravara island. જીવા૦ ૩, ૪;

પુષ્કર્ણમ્. પુ૦ (પુષ્કર્ણમ્) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એના દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છવાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. દસવેં દેવલોકના એક વિમાન, इसकी स्थिति बीस सागरोपमकी है; इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इसे बीस सहस्र वर्षों में छुधा लगती है A celestial abode of the 10th heaven its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years. सम० २०,

પુષ્કર્ણવંત. વ. ક. ત્રિ૦ (પૂર્વવંત) સર્પાદિની પેઠે કુદ્રાડા મારતું. સર્પકે સમાન ફુફ્ફારતાહુઆ Hissing like a serpent નાયા૦ ૮,

પુષ્કર્ણસ. પુ૦ (પુષ્કર્ણસ) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છવાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. દસવેં દેવલોકના એક વિમાન, इसकी स्थिति बीस सागरोपमकी है; इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इसे बीस सहस्र वर्षों में छुधा लगती है. A celestial abode of the 10th heaven, its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years. सम० २०,

પુષ્કર્ણવર્ધ. સ્ત્રી૦ (પુષ્પવર્ધ) કિંપુરુષના ઇન્દ્ર સુપુરુષની પટરાણી. क्लिपुरुषके इन्द्र सुपुरुषकी पटरानी The principal queen of Supuruṣa, lord of Kīmpuruṣa ઠા૦ ૪, ૧; ભગ૦ ૧૦, ૫, નાયા૦ ધ૦ ૫, (૨) એ નામનો તુગીયા નગરીનો એક અગીઓ. इस नामका तुगियानगरीका एक उद्यान.

A garden so named of Tun-giā city. भग० २, ५;

पुष्पवर्ण. पु० (पुष्पवर्ण) दशभा देवलोकनुं
એક વિમાન; એની સ્થિતિ વીસ સાગરો-
પમની છે, એ દેવ દશમે મહિને શ્વાસો-
ચ્છવાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા
લાગે છે. દસવેં દેવલોકના એક વિમાન; इसकी
स्थिति बीस सागरोपमकी है, इसके देवता दसवें
महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इसे बीस सहस्र
वर्षों में क्षुधा लगती है. A celestial
abode of the 10th heaven;
its gods live for 20 Sāgaro-
pamas, breathe once in 10
months and feel hungry once
in 20000 years सम० २०;

पुष्पवती. स्त्री० (पुष्पवती) वीशभा तीर्थ-
करनी मुख्य साध्वी. बीसवें तीर्थकरकी मुख्य
साध्वी The principal nun of the
20th Tirthankara. सम० प० २३४,

पुष्पचिन्टिय. पु० (पुष्पचिन्तक) त्रयुष्टि-
वाणा छयनी એક જાત. ત્રીન ઇન્ડ્રિયવાલે
જીવકી એક જાતિ A species of three-
sensed beings પત્ર० ૧;

पुष्पसिग. पु० (पुष्पशृंग) दशभा देवलोकनुं
એક વિમાન; એની સ્થિતિ વીસ સાગરો-
પમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસો-
ચ્છવાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા
લાગે છે. દસવેં દેવલોકના એક વિમાન, इसकी
स्थिति बीस सागरोपमकी है, इसके देवता दसवें
महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं; इसे बीस सहस्र
वर्षों में क्षुधा लगती है. A celestial
abode of the 10th heaven,
its gods live for 20 Sāgaro-
pamas, breathe once in 10
months and feel hungry once
in 20000 years. सम० २०;

पुष्पसिद्ध. पु० (पुष्पसिद्ध) दशभा देवलोकनुं
એક વિમાન; એની સ્થિતિ વીસ સાગરો-
પમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસો-
ચ્છવાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા
લાગે છે. દસવેં દેવલોકના એક વિમાન, इसकी
स्थिति बीस सागरोपमकी है; इसके देवता दसवें
महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं; इसे बीस सहस्र
वर्षों में क्षुधा लगती है. A celestial
abode of the 10th heaven; its
gods live for 20 Sāgaropamas,
breathe once in 10 months
and feel hungry once in
20000 years सम० २०;

पुष्पा. स्त्री० (पुष्पा) शिखा सुधी लरेल
પુષ્પની ચંગેરી કે જેને આકારે નવ ગ્રેવે-
યકવાસી દેવોનું અવધિજાન છે. શિખાપર્ણ
મરીદુર્હ પુષ્પ जिसके आकारका ग्रैवेयक
निवासी देवताओंका अवधिज्ञान है. A.....of
flowers full to the brim; its
form is like the limited know-
ledge of the gods residing in
Graiveyaka. विग० ७८६;

पुष्पावत्त. पु० (पुष्पावर्त) पुष्पावर्त नामे
દશભા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ
વીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા દશમે
મહિને શ્વાસોચ્છવાસ લે છે, એને વીસ હજાર
વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. દસવેં દેવલોકના એક
વિમાન; इसकी स्थिति बीस सागरोपमकी है,
इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं,
इसे बीस सहस्र वर्षों में क्षुधा लगती है. A
celestial abode of the 10th
heaven; its gods live for 20
Sāgaropamas, breathe once
in 10 months and feel hungry
once in 20000 years सम० २०;

पुष्पिन्ध्रा. स्त्री० (पुष्पिका) એ નામનું એક
કાનિક સૂત્ર; દશમુ ઉપાગ સૂત્ર. इस नामका

एक कालिक सूत्र, दसवाँ उपानि सूत्र. A kālika Sūtra so named; the 10th Upāṅga sūtra. नदी ४३; निर० ३, १;

पुष्पिय. त्रि० (पुष्पित. पुष्पाणि सजातानियस्य)
पुल्लवाणु, पुलेषु. पुष्पित, फूलाहुआ, कुसुमित
Flowering. निरी० २, ४४, नाया०
११, १३, १५; भग० ७, ३; १५, १;
सु० च० २, ३७२,

पुष्कुत्तर. पु० (पुष्पोत्तर) द्रव्य विशेष, ऐक
जलनी साकर. द्रव्य विशेष; एक जातिकी शकर-
चीनी. A kind of sugar. नाया०
१७, (२) दशभा देवलोकानुं ऐक विमान
दसवें देवलोकका एक विमान. A celestial
abode of the 10th Devaloka.
कय० १, २;

पुष्कुत्तरा. स्त्री० (पुष्पोत्तरा) ऐक जलनी
मीठाई. एक जातिकी मिठाई A kind of
sweet. पत्र० १७, ज० ५०

पुष्कुत्तरावर्द्धिसग पु० (पुष्पोत्तरावतसक)
दशभा देवलोकानु ऐक विमान, ऐनी स्थिति
वीस सागरापमनी छे; ऐ देवता दशमे
महिने श्वासोच्छ्वास ले छे, ऐने वीस उभर
वर्षे क्षुधा लागे छे. दसवें देवलोकका एक
विमान, इसकी स्थिति बीस सागरापमकी है, इसके
देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इसे
बीस सहस्र वर्षों में क्षुधा लगती है A cele-
stial abode of the 10th hea-
ven, its gods live for 20
Sāgaropamas, breathe once in
10 months and feel hungry
once in 20000 years. सम० २०;

पुष्कोत्तरा. स्त्री० (पुष्कोत्तरा) लुप्ते "पुष्कु-
त्तरा" शब्द. देखो "पुष्कुत्तरा" शब्द. Vide
"पुष्कुत्तरा" शब्द जीवा० ३, ३;

पुम. पु० (पुम्) पुरुष, माणुस. पुरुष; मनुष्य.
A man वि० १५०४; दस० ६, ३,

१२; पत्र० ११; (२) पुरुषवेद; पुरुषने
विषय विकार. पुरुषवेद. पुरुषका विषय विकार.
Masculine inclination. क० ग०
२, ११; ५, ६४; —वड. स्त्री० (—वाक्)
पुस्तिग, पुरुषवाचक शब्द. पुस्तिग; पुरुषवाचक
शब्द A word indicating mas-
culine gender. पत्र० ११;

पुमत्त. न० (पुस्त्व) पुरुषपणु; पुरुषात्तन.
पौरुष, पुरुषता. Manliness उत्त० ३४, ३;
पुमत्तत्र न० (पुस्त्वक) पुरुषपणु. पुरुषार्थ.
पुरुषता. Manliness. दसा० १०, ४,

पुमत्ता. स्त्री० (पुंस्ता=पुंस्त्व) पुरुषपणु
पुरुषता. Manliness. ठा० ८, १; ओष०
४०, दसा० १०, ३;

पुयण. पु० (*) हाथीना जेवुं गोण
पगवाणु ऐक पशु. हाथीके समान गोल पैरों
वाला एक पशु. An animal having
round legs like an elephant.
पत्र० १;

पुयली. स्त्री० (*) पुरुषयिन्द; लिङ्ग.
पुरुषचिह्न; लिङ्ग. Penis. " अथ कद्वयमाणे
पुयलि पक्कोट्टमाणे. ' भग० १५, १;

पुयावदत्ता. म० (प्लावयित्वा) भीष्म ज्ञानाये
नसादीने के पूजा महत्त्व देखादीने दीक्षा
आपनी ते; दीक्षातो ऐक प्रकार. दूसरे
स्थानमें भगवा या पूजा महत्त्व बतलाकर दीक्षा
दान, दीक्षाका एक प्रकार A variety
of initiation; initiating by
running away in some place or
showing the majesty of wor-
ship. ठा० ३, २; ४, ४;

पुर. न० (पुर) नगर; शहर. नगर, शहर, पुर.
A city. नाया० १; भग० ५, २; ११,
११, १५, १; वि० ६०७; राय० २२२;
२८२; प्रव० ६६०; उवा० २, ६४; —गम
पु० (—गम) शहरमें जावु ते. नगरगमन.
Going into a city. नाया० १५;

पुरओ अ० (पुरतम्) आगण; सभक्ष. सम्मुख, आगे In front ज० प० ५, ११६, ओव० १०, ३१, सम० ३३, ठा० ४, ४; उत्त० १, १८, भग० १. १, २, १, ३, १, ७, ७, १८, ५, ८; नाया० १; ५, ७; ८, ६, १४, १६, दसा० २, २-३-४-५-६-७-८-९; ६, २; १०, १-३; दस० ५, १, ३, ८, ४६, ओघ० नि० ११७; वव० ४, १०-११, तिसी० ८, ११, सु० च० १, ४६; ज० प० प्रव० ७५, ४१४, राय० ४६, ७०, ११२, उवा० १, ६६; —कड. त्रि० (—कृत्) स-भु० अरेल; आगण अरेल सम्मुख रखकर; सामने काके-रखकर Having placed in front. भग० १८, ५, —पवाय पु० (—प्रपात) स-भु०-सामने आगे प्रपात, सम्मुख या सामनेका खड्डा A precipice in front. नाया० १४,

पुरओकाडं. अ० (पुरस्कृत्य) आगण अरीने. आगे फाके; पुरस्कृत्य. Having placed in front भग० २, १.

पुरं. अ० (पुरस्) सभक्ष. आगण समक्ष, सामने, आगे. In front. ठा० ३, १, नाया० १,

पुरंगम. त्रि० (पुरोगम) आगण आलनार, अग्रेसर अगुआ; अग्रेसर A forerunner स्य० १, ३, ३, ६;

पुरंदर. पुं० (पुरन्दर) पहिले देवलोकने भ-द्र. पहिले देवलोकका इन्द्र Indra of the 1st heaven. उत्त० ११, २३; २२, ४१, भग० ३, २, १६, १; पिं० नि० १३५; पत्र० २, ज० प० ५, ११५, कण्ठ० २, १३;

पुरकार. पुं० (पुरकार) आगण अरेल; भु०यता आपनी. आगे कना, प्रमुखत्व प्रदान करना Placing at the head. उत्त० २४, ८, आया० १, ५, ४, १५७;

पुरक्खड. त्रि० (पुरस्कृत) आगण अरेल आगे कियाहुआ, दत्त-प्रामुख्य. Placed in front. भग० १, १; ५, १; १२, ४; सू० प० ११; पचा० ३, ३०;

पुरक्खाय. त्रि० (पुराख्यात) पूर्व अरेल. पूर्व कथित. Said beforehand. स्य० १, १, २, २४,

पुरच्छिम. न० (पौरस्त्य) पूर्व, पूर्व प्रदेश. पूर्व; पूर्व प्रदेश. The east ज० प० ३, ५०; नाया० ८, भग० ३, ७, ५, १-४, ६, ५-१०, १०, १. १२, ६; —दिशा. स्त्री० (—दिश) पूर्व दिशा. पूर्वदिशा. The east निर० ३, ३; —द्ध. पु० (अर्ध) पूर्वार्ध; पूर्व तरफने अर्ध भाग. पूर्वार्ध; पूर्वकी ओरका आधा भाग. The first half; half part of the east. नाया० १६; —बाहिर. न० (बहिष्) पूर्वनी ओर. पूर्वके बाहर. Outside the east. भग० ६, ७;

पुरच्छिमा. स्त्री० (पूर्वा) पूर्व दिशा. पूर्व दिशा. The east. आया० १, १, १, १;

पुरच्छिमिल्ल त्रि० (पौरस्त्य) पूर्व सम्बन्धि. पूर्व सम्बन्धि; पौरस्त्य Oriental. ज० प० २, ३३, नाया० ८; १३; १८, भग० १६, ८; —वणसंड न० (—वनखण्ड) पूर्व दिशानुं वन. पूर्वी वन. A forest in the east. नाया० १३;

पुरस्था. अ० (पुरस्तात्) आगण; पास. आगे; पास In front. (२) पूर्व दिशा. पूर्व दिशा. The east. स्य० १, ५, १, १; ओव० १२; —अभिमुह. त्रि० (—अभिमुख) पूर्व दिशानी स-भु० अरेल. पूर्वदिशाके सामने बैठनेवाला. (one) facing the east. ज० प० ५, ११५; भग० २, १; ७, ६; ६, ३३; ११, १०; नाया० १; १६; नाया० घ० कण्ठ० २, १५; ४, ६३;

पुराणिम. त्रि० (पौरस्त्य) पूर्वदिशा सम्बन्धि.
पूर्वदिशा सम्बन्धी Oriental. अ० ३, १,
नाया० १६, १६; भग० ५, १; राय० ४५,
पत्र० ३; जं० ५० ५, ११२, ११४ वेय०
१, ४६; उवा० १, ७४, ८, २५३;
—वाहिणा स्त्री० (-दक्षिणा) पूर्व अने
दक्षिण दिशा; अग्निभुजो. पूर्व और दक्षिण
दिशा, आग्नेय विदिशा—कोण. South-east
भग० १०, १;

पुराणिमा. स्त्री० (पौरस्त्या=पूर्वा) पूर्व दिशा.
प्राची दिशा; पूरव. The east. आया० १,
१, १, २, सूय० २, १, ६;

पुराणिमिल्ल. त्रि० (पौरस्त्य) पूर्व दिशा—पूर्व
सम्बन्धी. पूर्व दिशा सम्बन्धी; प्राच्य, पौराण्य.
Oriental. ज० ५० ५, ११७; ११४,
भग० ३४, १, नाया० १६; जीवा० ३, १;
ज० ५० राय० ६७, पत्र० १६; —वणसंड.
न० (-वनलण्ड) पूर्व दिशानुं वन पूर्व
दिशाका वन. A forest in the east
नाया० ६,

पुरावर. पु० (पुरवर) श्रेष्ठ नगर. श्रेष्ठ नगर
An excellent city. उवा० २, ६४,

पुरावरी. स्त्री० (पुरवरी) नगरी. नगरी A
city. उवा० १०, २७७,

पुरा. अ० (पुरा) पूर्व भ्रमे, आगण, पहेलां
पूर्वकाल, पहिला जमाना, प्राचीन समय For-
merly. भग० २, १, ३, १; सूय० २,
६, १; उत० १०, ३, नाया० १; दसा०
१०, ३; पि० नि० ८२;

✓**पुराकर.** धा० I. (पुर+कृ) आगण करी
स्थानवतु आगे करके चलाना. To place
in front.

पुराकरंति. सूय० १, ५, २, ५;

पुराकर. त्रि० (पुराकृत) पूर्व भवमां करेव—
भाधिल, आगण संस्थ करेव. पुराकृत,
प्रागभ्य, पूर्वसंचितकर्म. Done, gathered
up in the past life उत० १०, ३;

पुराकम्म. न० (-पुराकर्मन्) साधु साध्वी
आत्मा पहेला साधु निमिते हाथ वासाण
सयिन पाणीथी धोवा वगेरे आरल करेवो
ने साधु साध्वीके आनेके पूर्व साधुके निमित्त
हाथ एव पात्र आदिको सचित्त जलसे धोना
आदि आरभ कार्य Injuring living
beings by washing hands,
vessels etc. for an ascetic be-
fore he comes. आब० ४, ५,

पुराकाउं. अ० (पुराकृत्य) आगण धरीने;
आश्रीते आगे रखकर, आश्रय लेकर. Hav-
ing placed in front उत० ७, २४;

पुराण. त्रि० (पुराण) लुनु; प्राचीन, पुरातन.
पुराणा, प्राचीन, जूना. Old, ancient.
आया० १८, ४, १३, उत० ८, १२, १४,
१; (२) न० लागवत वगेरे पुराण शास्त्र.
भागवत आदि पुराण शास्त्र Purāṇa works
e. g. Bhāgavata etc अणुजो० ४१;
नदी ४१, —पावण. न० (-पापक)
चिरतन—लूनां पाप कर्म चिरतन—प्राचीन
पाप कर्म. Old sinful deeds दस०
६, ४, २-३,

पुराणय. त्रि० (पुराणक) लुनु, पुराणु;
पूर्वजुं. जूना, पुराणा, पहिलेका. Old,
ancient. उत० १६, ८,

पुरिम. त्रि० (पूर्व) आगणनुं, पहेलानु; पूर्व
क्षणनुं. आगेका, पहिलेका; पूर्वकालिन Of
former old times. भग० ५, ३,
२०, ८, २५, ८; उत० ३६, २५, विशेष
६४२; प्रव० ६५४; पचा० १७, १;
—भव पु० (-भव) पहेलो भव;
आगलो भव. पूर्वभव Previous life.
भग० २५, ८;

पुरिमड्ड न० (पूर्वर्द्ध) द्विपसना पहेला भे
पहेल. दिनके पहिले दो प्रहर The first
two watches of the day. (२)

दिवसना प्रथम भे पहोर सुधी आहारना
पन्थभाणु करवा ते. दिनेके प्रथम दो प्रहरतक
आहारके पन्थखाण. Abstaining from
food for the first two watches
of a day. पचा० ५, ८; प्रव० २०२;
१५२३;

पुरिमद्ध. (पूर्वार्द्ध) लुओ. “ पुरिमद्ध ”
शब्द. देखो “ पुरिमद्ध ” शब्द. Vide
“ पुरिमद्ध. ” पि० नि० ३३८,

पुरिमद्धिअ. पु० (पूर्वार्द्धि) पुरिमद्ध तप
करना; पहोला भे पहोर सुधीनां पन्थभाणु
करना. पुरिमद्ध तप करनेवाला, पहिले दो
प्रहरतक पन्थखाण करनेवाला. One who
observes Purimaddha austerities;
one who fasts in the first
two watches of a day. पण० २,
१, ठा० ५, १;

पुरिमत्ताल. न० (पुरिमत्ताल) ओक शहरनु
नाम के जेमां पडुलुकनिन्दव थया तथा
जेनी अहार ऋषभदेव प्रभुने केवलमान
थयुं. एक शहरका नाम जिसमे पडुलुकनिन्दव
हुए तथा जिसके बाहर ऋषभदेव प्रभुको केवल-
मान मिला. Name of a city where
Sḍuluka heretic lived and
outside which the lord Rsa-
bhadeva attained perfect
knowledge विवा० ३; उत्त० १३, २;
ओव० ३६; ठा० ७, १, जं० ५० २, ३१;
कण० ७, २१२;

पुरिमा. स्त्री० (पुरिमा) भरईटङ्क; पडिसेलुमां
वस्त्रने जरीक आटङ्कुं ते. प्रस्फोटक, पडि-
लेहणमें वस्त्रका तन्त्रिक मटक्का. Jerking
slightly clothes. ठा० ६, १;

पुरिस्स त्रि० (पुरातन) आगण थयेला;
पुरातनी. पूर्व संभूत; पुरातन. Ancient.
विशे० १३२६;

पुरिस. पुं० (पुरुष) पुरुष; भाणुस. पुरुष,
मनुष्य. A man. अणुजो० १३४, ठा० ३,
१, उत्त० ६, १; ८, १८, ३०, २२; ३६,
४६-५२; आया० १, १, १, ८; ओव०
भग० १, ६-८; ३, ४; ६, ३; १६, ६;
नाया० १; ५; ६; ६; ११; १५; दस० ६,
४; ७, १; ६, १; १०, ७; निखी० १२,
३४; विशे० १६३; दस० ५, २, २८; नदी०
३५; पि० नि० ८०; सु० च० ४, २८. ५,
६१०; पन्न० १; सू० प० १; तडु० राय० ५४;
प्रव० ५७; ५५३; भत० ६२; १२५; कण०
२, १५; उवा० ६, २६८; (२) सर्व उपाधि
रहित शुद्ध आत्मा; धर्मर सर्व उपाधि रहित
शुद्ध आत्मा, ईश्वर God; free from
all associations. सूय० २, १, २६;
विशे० ७७२; २०६०; भग० ८, ८; (३)
पुरुषवेद-भोदनीय धर्मनी ओक प्रकृत के
जेना उद्यथी पुरुषने स्त्री साथेना भोगनी
धर्म थाय छे. मोहनीय कर्मकी एक प्रकृति
जिसके उदयसे पुरुषको स्त्री समोगकी इच्छा
होती है. Masculine inclination;
a nature of deluding karma at
whose rise a man seeks to
enjoy a woman. क० ग० १, २२;
—आगार. पुं० (—आकार) पुरुषने
आकार-आकृति. पुरुषका आकार. The
form of a man. तंडु० —आदाणीय.
त्रि० (—आदानीय) जेतुं वयन सर्व पुरुषो
मान्य करे ते; माननीय. माननीय; सर्वमान्य
वक्तवाला. Trustworthy. सूय० १, ६,
३४; स्म० ८; भग० ५, ६; ६, २२;
निर० ३, १; कण० ६, १४६; —उत्तम.
त्रि० (—उत्तम) पुरुषोमां उत्तम-श्रेष्ठ.
पुरुषोत्तम; पुरुष श्रेष्ठ. Best amongst
men. ज० प० ५, ११५; —उच्यार.
पुं० (उपचार) पुरुषने उपचार-साधन.

पुरुषका उपचार-सत्कार. Respect for a man. वि० २; —**गुत्त** न० (-गोत्र) पुरुषनु गोत्र. पुरुषका गोत्र. Family-origin of a man दस० ७, २०; —**च्छाया**. स्त्री० (-च्छाया) पुरुषनी छाया. पुरुषकी छाया. Shadow of a man. ज० प० ७, १३३ —**जाय-त्र**. पु० (-जात) पुरुषनी जाति-प्रकार. पुरुषकी जाति-प्रकार. A class of men. भग० ८, १०; वच० १०, ४, दसा० ६, १-४; १०, ३; —**जुग**. पु० (-युग) ओकनी पाछाणी भीन्ने, ते पुरुषजुग छेवाय. पुरुषयुग्म, एको के बाद दूसरे पुरुषका होना. One after the other. नाया० ८; —**जेष्ठ**. वि० (-ज्येष्ठ) पुरुषोभां श्रेष्ठ (भेदो) पुरुषोंमें श्रेष्ठ-ज्येष्ठ Best amongst men. प्रव० ६५७, —**गपुंसगवेदय**. पु० (-नपुंसकवेदक) पुरुष नपुंसक वेदवाला; इत नपुंसक. पुरुष नपुंसक वेदवाला, कृत नपुंसक पुरुष. A man of impotent tendency. भग० ६, ३१; २५, ६; **पुंडरीक**. पु० (पुण्डरीक) पुरुषोभां पुंडरीक-कमल-समान. पुरुषोंमें पुंडरीक कमलवन. Like a lotus amongst men प्रव० ४१७; —**रूप**. न० (रूप) पुरुषनु रूप. पुरुषका रूप. The appearance of a man. भग० ३, ४, वेय० ५, ३; —**लक्षण**. न० (-लक्षण) पुरुषनु लक्षण जानैकी कला. The art of knowing the characteristics of a man. नाया० १, —**वगुरापरिखित्त**. वि० (-वागुरापरिचित्त) पुरुषवृद्ध-जन समूहथी विराज्येत्. पुरुष समूहसे घिराहुआ. Surrounded by a host of men. भग० ११, ११, —**वयण** न० (-वक्त्र) पुरिदंग, नरजाति. पुष्टिग.

नरजाति. Masculine gender. आया० २, ४, १, १३२; —**वत्स** वि० (-वत्स) पुरुषने आधीन. पुरुषाधीन. Dependent on a man. भत० ८२, —**वेद**. पु० (-वेद) पुरुषवेद नामे मोहनीय कर्मकी ओक प्रकृति. पुरुषवेद नामक मोहनीय कर्मकी एक प्रकृति. A nature of deluding-karma named Puruṣaveda भग० २, ५; ८, २, २०, ७; जीवा० १, —**वेदग**. पु० (-वेदक) पुरुषवेदी श्रव पुरुषवेदी जीव. A being having masculine inclination. ठा० ४, ४, भग० ११, १, २४, १, ३५, १; —**वेदय**. पु० (-वेदक) श्रुत्यो “पुरिसवेदग” शब्द. देखो “पुरिसवेदग” शब्द Vide “पुरिसवेदग”. भग० ६, ३१, २६, १; —**वेय**. पु० (-वेद) श्रुत्यो “पुरिसवेद”. देखो “पुरिसवेद”. Vide “पुरिसवेद”. क० प० २, ८७, प्रव० ७०७; ठा० ६, १; भग० २, ५; पत्र० २३; —**वेयग**. पु० (-वेदक) श्रुत्यो “पुरुषवेदग” शब्द. देखो “पुरुषवेदग”. Vide. “पुरुषवेदग”. भग० ६, ३-४; —**वेयय**. पु० (-वेदक) पुरुषवेदी श्रव. पुरुषवेदी जीव. A nature of deluding-karma named Puruṣaveda भग० २५, ६; —**वैर**. न० (-वैर) पुरुषनी साथे वैर-विरोध. पुरुषके साथ वैर-विरोध. Enmity with a man. भग० १, ८; ६, ३४, **संकम**. पु० (-सङ्क्रम) पुरुषवेद ओ प्रकृतिनु संक्रमण कर्तवु ते. पुरुषवेद प्रकृतिका संक्रमण. The transformation of masculine inclination. क० प० ७, ३०, —**सजलण**. पु० (-सज्वलन) पुरुषवेद अने सज्वलन कथाय पुरुषवेद और सज्वलन कथाय. Masculine inclina-

tion and perfect right conduct preventing passion क० प० २, ३४, —सम. त्रि० (-सम) पुरुषवेदः समान. पुरुषवेद समान. Like masculine inclination. क० प० ५, ४८, —सहस्स. पु० (-सहस्स) श्रेष्ठ ६०१२ पुरुषो. एक सहस्र पुरुष. One thousand men. नाया० ५; —सहस्सवाहिणी स्त्री० (-सहस्सवाहिनी) ६०१२ पुरुषोऽने चरन् धरनारी, शिपिका. सहस्र पुरुषोंको वहन करने-वाली—गिबिका—पालकी A palanquin that carries 1000 men. नाया० १, ५; ८, १४; भग० ६, ३३; १६, ५; —सागारिय. त्रि० (-सागारिक) शेरान्तरीया पुरुषानी साथे रहेनार. An attendant वेय० १, २५-२६-२७-२८;

पुरिसइज्ज. न० (पुरुषीय) उत्तराध्ययनना छद्वा अध्ययननु अपरनाम उत्तराध्ययनके छेदे अध्ययनका दूसरा नाम. Another name of the 6th chapter of Uttarādhyaṇa “जावति विज्ञापुरिसा इत्यादि.” अणुजो० १३१;

पुरिसकारिय. न० (पुरुषकार्य) पुरु० ५३१; पराक्षम. पुरुषकार, पराक्रम. Manliness वस० ५, २, ६

पुरिसकार. पु० (पुरुषकार) पुरुषाभिमान, भर्दाष्ट. पुरुषाभिमान, पुरुषार्थ, पौरुष Manliness; valour. सू० प० १६; उवा० १, ७३; जं० प० ७, १६६, ओव० ३८, ठा० १, १; भग० १, ३; नाया० १; ८, पत्र० २३; —परक्रम. पु० (-पराक्रम) भर्दानगी भवेत् पराक्षम—पहादुरी. पराक्रम; शूरता; बहादुरी; पुरुषार्थ. Valour; bravery. भग० ३, ६; ७, ७; १२, ५, पुरिस्तथ. पु० (पुरुषार्थ) पुरुषार्थ; मनः

पलातु प्रयोगन. पुरुषार्थ, मनुष्यत्वका निमित्त-प्रयोजन. Manliness. सु० च० ४, ३१३;

पुरिसपुंडरीक. पुं० (पुरुषपुण्डरीक) छद्वा वासुदेवनु नाम. छेदे वासुदेवका नाम. Name of the 6th Vāsudeva. प्रव० १२२६.

पुरिसियार. पु० (पुरुषकार) लुओ “पुरिम-कार” श०६. देखो “पुरिसकार” पञ्च Vide “पुरिसकार”. जीवा० ४, १;

पुरिसलिंग. न० (पुरुषलिंग) पुरुषनु यिन्द. पुरुषका चिह्न. Penis प्रव० ४७६; —सिद्ध. पु० (-सिद्ध) पु० ५ दिगे सिद्ध थयेत्त. पुत्रिद्वारा सिद्ध Man-Siddha. पत्र० १,

पुरिसवर. पुं० (पुरुषवर) श्रेष्ठ पुरुष श्रेष्ठ पुरुष An excellent man. आव० ६, ११, —गंधहृत्थि. त्रि० (-गन्धहृत्तिन्) पु० ५ भा गन्धहृत्तिनी पे० श्रेष्ठ—प्रधान. पुरुषोंमें गन्धहृत्तिके समान श्रेष्ठ. Best amongst men like a particular elephant. भग० १, १; —पुंडरीक. पुं० (-पुण्डरीक) पुरुषोभां श्रेष्ठ ज्वेत इमत्त जेवो. पुरुषोंमें ज्वेत कमलके समान श्रेष्ठ. Best amongst men like a lotus भग० १, १.

पुरिससीह पु० (पुरुषसिंह) पुरुषोभा सिंह समान. पुरुषसिंह, नरकेहरि. Like a lion amongst men. भग० १, १, कय० २, १५; आव० ६, ११; प्रव० १२२६; (२) पुरुषसिंह नामे पांथभा वासुदेव. पुरुषसिंह नामक पांचवें वासुदेव सम० प० १६६;

पुरिससेण. पु० (पुरुषसेन) अणुत्तराववाध सुत्रना प्रथम वर्गना चौथा अध्ययननु नाम. अणुत्तराववाध सूत्रके प्रथम वर्गके चौथे अध्ययनका नाम. Name the 4th chapter of the 1st group of Anuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० १,

४, (२) श्रेणिष्ठ राजनी धारणी राणीना पुत्र के ने महावीर स्वामी सभीपे दीक्षा लई ११ अंगलपुत्र गुणुरयण तप करी सोण वर्षनी प्रवन्ना पाणी विपुल पर्वत उपर ओके भासने सथारे करी अप-राष्टत नामना अनुतर विमानमां ३२ सागरने आउपे उत्पन्न थया, त्यांथी ओके अयतार करी भोक्ष जशे श्रेणिक राजाकी धारिणी रानीके पुत्र जिन्होंने महावीर स्वामीसे दीक्षाले ११ अंगोंका अध्ययन किया, गुणुरयण तप किया और सोलह वर्षकी प्रवज्या पालन कर विपुल पर्वत पर एक मासके सथारके पश्चात् अपराजित नामक अनुत्तर विमानमें ३२ सागरकी आयुमें उत्पन्न हुए; वहाँसे एक अवतारके पश्चात् मोक्ष प्राप्त करेंगे. Son of the queen Dhārini wife of the king Śrenika, who was consecrated by the lord Mahāvira, studied the 11 Angas, practised gunarayana austerity and remaining an ascetic for 16 years, fasted on for a month on the Vipula mountain, was born in Anuttara celestial abode having an age of 32 Sāgaropamas. Thence will he attain salvation after one incarnation अणुत्त० १, ४, (३) अतगड सूत्रना योथा वर्गना योथा अध्य-यननु नाम. अतगड सूत्रके चौथे वर्गके चौथे अध्य-यनका नाम Name of the 4th chapter of the 4th group of Anta-gada Sūtra अत० ४, ४ (४) वासु-देव राजनी धारिणी राणीना पुत्र के ने नेमनाथ प्रभु पास दीक्षा लई पार अंगने अभ्यास करी सोण वर्षनी प्रवन्ना पाणी शत्रुजय उपर ओके भासने सथारे करी

निर्वाणपद पाया वासुदेव राजाकी धारिणी रानीके पुत्र जिन्होंने नेमनाथ प्रभुसे दीक्षित हो बारह अंगोंका अभ्यास किया, सोलह वर्षकी प्रवज्या पाली और शत्रुजय पर एक मासका सथारा करके निर्वाण पदको प्राप्त किया. Son of the queen Dhārini wife of the king Vāsudeva, who was initiated by the lord Nemi-nāth, studied the 12 Angas, remained an ascetic for 16 years, fasted for a month on the Śatrunjaya mount and attained salvation अत० ४, ४,

पुरिसुत्तम पु० (पुरुषोत्तम) पुरुषोत्तमां उत्तम-श्रेष्ठ पुरुषोत्तम, नरोत्तम, पुरुषोत्तम Best amongst men. सम० १, भग० १, १; दस० २, ११, राय० २३; आव० ६, ११, कप० २ १५, (२) पुरुषोत्तम नामना योथा वासुदेव के ने अनन्तनाथ तीर्थकरना वपत्तमा थया पुरुषोत्तम नामक चौथे वासुदेव जो अनन्तनाथ तीर्थकरके समयमें हुए थे The 4th Vāsudeva named Purusottama who was born at the time of Anantnātha Tirthankara प्रव० १२२६, सम० ५०.

पुरीस पु० (पुरीष) विष्ठा विष्ठा, मैला Excretion नाया० १, ८, भग० ६, ३३, प्रव० १३८६,

पुरुष. पु० (पुरुष) पुरुष, नर पुरुष, नर Man. नाया० १४, —जाग्र. पु० (—जात) पुरुष जति पुरुषजाति. Male-class. दसा० ६, ४, —नेवत्थिया. स्त्री० (नेपथ्या) पुरुषना वेश-पोशाक धारण करेदी. पुरुष वेश धारिणी. A lady dressed in a man's attire. विवा० ३, —सहस्सवाहिणी स्त्री०

(-सहस्रवाहिनी) लुओ "पुरिससहस्रवाहिणी"
शब्द. देखो "पुरिससहस्रवाहिणी" शब्द. Vide
"पुरिससहस्रवाहिणी." नाया० १,

पुरे अ० (पुरस्) अथभनु; पूर्व०-भनु
पूर्वका, पूर्वजन्मका. Of former times
or life निमी० १२, १८,

पुरेकड. न० (पुरस्कृत) पूर्व०-भमां करेक्ष
धर्म पूर्वजन्म कृत कर्म. Deeds done
in past lives. दस० ६, ६८, ७, ५७;
८, ६३, ६, ३, १५. उय० १, १५, ६;

पुरेकम्म न० (पुर कर्मन्) साधुने आहार
वहोरान्था पडेखा सयेन पाएथीथी हाथे
पासाय धोवे तेथी लागतुं धर्म. साधुको
आहार वहोरानेके पूर्व मचेन जलद्वारा हाथ या
वगन धोनेमे लगनेवाली क्रिया-दोष. An
action incurred by washing
the hands or vessel with living
water before any food is
offered to an ascetic. दस० ५,
१, ३२ ६, ५२, पण० २, ५,

पुरेक्खड त्रि० (पुरस्कृत) आगण करेक्ष.
आगे क्रियाद्वारा, पुरस्कृत. Placed in
front पत्र० १५,

पुरेसंथव. पु० (पुर सत्तव) दान दीक्षा पडेखां
ताना आगण पोताना वप्पाय करवामा
आवे, ते येथा हेतुथा के दातार सारी रीते
आपे दान देनेके पहिले दातांक सम्मुख अधिक
दान मिलनेकी इच्छासे आत्म प्रशंसा करना.
Praising oneself before a donor
with a view that he may give
properly. निमी० २, ३८,

पुरेसंथुय. त्रि० (पुर सम्भुत) पूर्वना परिचित,
मायाप, लाभ, गृहेन वगेरे पूर्व परिचित,
माता, पिता, भाई, बहिन आदि Acquaint-
ed of old & g parents,

brother etc. आया० २, १, ४, २४;
२, १, १०, ५६, निमी० २, ३६;

पुरोकाउं. स० कृ० अ० (पुरस्कृत्य) आगण
करेनि; स्वीकारेनि आगे करके, स्वीकृत्य;
आगे बढ़कर. Having placed in
front. सूय० १, १, ३, १५,

पुरोहड. न० (पुरोहित) आगणनु आरथ
आगेका दरवाजा. A front door. मोघ०
नि० ६२२,

पुरोहिय पु० (पुरोहित) राजानो गोर; पाठक.
राजपुरोहित, उपाध्याय. A king's priest
उत्त० १४, ३. द्य० ७, १; मोघ० विवा०
५, सु० च० १२, ४, (२) पुरोहित-
शानि धर्मकारी; यक्षवर्तना शोध रत्नमानो
ओक्ष. शान्तिकर्मकारी-पुरोहित, चक्रवर्तीके चौदह
रत्नोंमेंसे एक (one) of the 14 jewels
of a chakravartī, one who per-
forms propitiatory rites. सम०
१४, पण० १, ५; —कम्म. न० (—कर्मन्)
पुरोहितनु धर्म पुरोहितका कर्म. The
act of a priest. विवा० ५; —रयण.
न० (—रत्न) यक्षवर्तनां शोध रत्नमानो
पुरोहित नामे शोध पयेदिय रत्न चक्रवर्तीके
चौदह रत्नोंमेंसे पुरोहित नामक चौथा पचेन्द्रिय
रत्न The five-sensed fourth
jewel out of 14 of a chakra-
vartī. पत्र० २०,

पुलअ पु० (पुलक) पुलक्षमणि, सचित्त
कटिन पृथ्वीनो ओक्ष प्रकार. पुलकमणि, सचित्त
कटिन पृथ्वीकी एक जाति. A kind of
gem. उत्त० ३६, ७६, जीवा० ३, १,

पुलइय. त्रि० (पुलकित) रोमाय थयेद
रोमाक्षित, पुलकित Horripulated. सु०
च० २, २२३,

पुलंपुल. न० (#) निरंतर, हमेशा.
निन्तर, सतत, हमेशा. Always मोघ०

२१; पण्ड० १, ३, (२) त्रि० प्रभूत; धातु प्रभूत; बहुत. Plantiful; much. पण्ड० १, ३;

पुलक. पुं० न० (पुलक) रत्न विशेष. रत्न विशेष. A particular gem. जीवा० ३, ४;

पुलग पुं० (पुलक) रत्नप्रभा पृथ्वीना सातमे। पुलककाण्ड. रत्नप्रभा पृथ्वीका सातवौं पुलककाण्ड. The 7th Pulaka Kānda of Ratnaprabhā earth. सम० १० १६४, उवा० १, ७६; (२) ऐक्य जलतनुं रत्न. एक जातिका रत्न. A kind of gem भग० १, १, नाया० १; राय० २६; कप्य० ३, ४५; (३) ऐक्य जलतनु जलचर प्राणी. एक जातिका जलचर प्राणी. A kind of water-animal. पत्र० १,

पुजनिपुलाग्र. पु० (पुलाकनिपुलाक) सपभने दूषित करनेवाले दोषोंसे रहित. सयमको दूषित करनेवाले दोषोंसे शून्य. Devoid of faults which spoil self-restraint. वस० १०, १, १६;

पुलय. पु० (पुलक) रोमांच, रोमहर्ष; रोमहर्ष; पुलक. Horripulation. सु० च० १, ३६८; (२) ऐक्य जलतने मणि एक जातिका मणि. A kind of gem कथ० २, २६; पत्र० १, राय० २६;

पुजा. स्त्री० (पुरा) पाणीमां उत्पन्न यथा पोरा; जे धृष्टि ज्ञानी ऐक्य जलत. दो इन्द्रिय जीवकी एक जाति A species of two-sensed beings. जीवा० १;

पुलाकमि. पुं० (पुराकमि) गुदाभां उत्पन्न यतार कृमि-जे धृष्टि ज्ञानी ऐक्य जलत. गुदा भागमें उत्पन्न होनेवाला कृमि. दो इन्द्रिय जीवकी एक जाति. A species of two-sensed beings; a thread-worm. पत्र० १;

पुलाकमिय पुं० (पुराकमि) जे धृष्टि ज्ञानी विशेष. दो इन्द्रिय जीव विशेष. A particular two-sensed being भग० १५, १;

पुलाग. पुं० (पुलाक) वाल, अण्डा वगैरे निःसार धान्य. चने आदि निःसार धान्य. Worthless corn such as beans, grams etc. उत्त० ८, १२; आया० १, ८; ४, १३; (२) पुलाक-नियन्त्र; नियन्त्राणां प्रकारभेदां ऐक्य. पुलाक नियन्त्र, नियन्त्रेका प्रकारोंमेंसे एक One of the 6 kinds of Niyanthas. भग० २५, ६; —भक्त. न० (-भक्त) तुच्छ-नीरस भोजन. तुच्छ-बेस्वाद-भोजन A tasteless food. वेद्य० ५, ४२;

पुलाय. पुं० (पुलाक) लुत्से; धान्यनां छोतरां. भूसा, धानका छिलका. Chaff; husk. प्रव० ७३७; सूय० १, ७, २६, (२) पुलाक लब्धिवान् साधु जेनु आरिज लुसा जेवुं-निःसार-दोष सहीत होय छे पुलाक लब्धिवान् साधु जिसका चारित्र भूखे समान-निस्तार एवं दोष पूर्ण होता है. An ascetic whose conduct is worthless like chaff. प्रव० ७००; व० ३, २; ५, ३; मग० २५, ६;

पुलायत्त. न० (पुलाक) पुलाक नियन्त्रा लाय. पुलाक नियन्त्रा भाव. The state of Pulāka Niyantṛha. भग० २५, ६;

पुलिंद. पु० (पुलिन्द) पुलिन्द नामने ऐक्य अनार्य देश. पुलिन्द नामक एक अनार्य देश. A non-Āryan country named Pulinda. (२) त्रि० ते देशभां रहेनार. उक्त देशमें रहनेवाला; इस देशका निवासी. An inhabitant of that country. भग० ३, २; ब्रौष० नि० ७६६; पण्ड० १, १; पत्र० १; प्रव० १५६८;

પુલિંદી. સ્ત્રી (પુલિંદી) પુલિંદ નામના અનાથ દેશમાં જન્મેલી દાસી. પુલિંદ નામક અનાથ દેશમાં ઉત્પન્ન થાસી. A maid-servant born in Pulinda country ઓવં ૩૩: મગ ૬, ૩૩: નાયા ૧, જ ૫૦

પુલિણ નં (પુલિન) કાંઠા; તીર-નદી. તીર, નદી; કિનારા A bank; beach. નાયા ૧, જીવા ૩; મૂં ૫૦ ૨૦; રાય ૧૬૨; કય ૩, ૩૨,

પુલિય. નં (પુલિત) થોડાની એક પ્રકારની ગળિ. અગ્નિ-ત્રોફેટી ચાલ વિશેષ. A particular gait of a horse. ઓવં ૩૧;

પુલુય પું (પુલક) જળચર પ્રાણીની એક જાત. A species of water-animals. પગ ૧, ૧;

પુલ્લ. ત્રિ (પર્વ) પહેલાનું, અગાઉનું (૨) પૂર્વ તરફનું. પહેલેકા, અગાઉ. (૨) પર્વઓરકા. (૩) of olden days, oriental. (૩) પું પૂર્વ દિગ્વિભાગ. (૩) પર્વદિશામાગ. The eastern direction કય ૬, ૩૩. ૫, ૧૦૩, મગ ૧૪; સય ૨, ૬, ૨. ઓવં આયા ૧, ૧, ૪, ૩૫, ૧, ૪, ૨, ૧૩૩, ઉત્ત ૧, ૪૬. ૧૬, ૪૬; મગ ૧, ૧, ૨, ૩-૫. ૩, ૧-૩; ૫, ૧, ૭, ૬, ૧૭ ૨; નાયા ૧: ૮. ૧૬: પિં નિં ૩૩; વિશે ૮ વત્ત ૧, ૧૬; ૩, ૧૦-૧૧; ઓવં નિં ૬૬૨, નિસી ૧૬, ૬, દસા ૩, ૧૧-૧૨-૧૩, મું ૫ ૧, ૧૬, રાય ૬૩, ઉચા ૧, ૬૬, (૪) યોરાશી લાખ પૂર્વાગ-અથવા સીતેર લાખ કરેલ અને અપ્પન હજાર કરેલ વરસ પ્રમાણેનો એક કાળ વિભાગ. ૭૦૫૬૦૦૦૦૦૦૦૦૦૦ વરસ પ્રમાણે એક પૂર્વ. ૮૪ લાસ પૂર્વાગ અથવા સત્તર લાસ કરોડ ઓર કુપ્પન સહસ્ર કરોડ વર્ષ પ્રમાણકા એક કાલ વિભાગ.

૭૦૫૬૦૦૦૦૦૦૦૦૦૦ વર્ષ પ્રમાણકા એક પૂર્વ. A period of time equal to 70560000000000 years. અણુજો ૧૧૫; ઉત્ત ૩, ૧૫; પગ ૨; જં ૫૦ ૫, ૧૧૩; ઠાં ૨, ૪; મગ ૬, ૭, ૨૫, ૫; (૫) પૂર્વ શાસ્ત્ર; ચૈદ પર્વમાંનું ગમે તે એક. પર્વ શાસ્ત્ર; ચૈદ પર્વોમાંંમેં ચહે જોનસા. A scripture; one of the 14 Pūrvas. કં ૧૦ ૧, ૭; કય ૮, મગ ૧૧, ૧૧; ૧૮, ૨; ૨૫, ૬, નંદી ૨૫; —અગ્નિપ્રવણા. સ્ત્રી (—અનુજાપના) પૂર્વની આજ્ઞા. પર્વજ્ઞા, પહેલેકી આજ્ઞા The command of a scripture વેય ૩, ૨૫. —અમિમુહ ત્રિ (—અમિમુલ) પૂર્વ તરફ મોઢું રાખેલ. પૂર્વ દિશાકી ઓર મુંહ કિયા હુઆ. Facing the east. મું ૫ ૩૫૬; —અવરણકાલ. પું (—અપરાદ્વનકાલ) દિવસનો આગલો અને પાછલો ભાગ. દિનકા પર્વાદિ ઓર ઉત્તરાર્દ. The first and the last part of a day. નાયા ૧, ૩, ૮; ૧૬; ૧૮; —અવરણ. નં (—અપરાદ્વન) દિવસનો પહેલો તથા પાછલો પહેલર. દિનકા પહેલા ઓર અન્તકા પ્રહર. The first and the last watches of a day. અર્ત ૩, ૮; વિવા ૩; નાયા ૧; ૫; —અહીય. નં (—અધીત) પહેલાં લખેલું. પહેલે પઢાહુઆ That which was read formerly. નાયા ૧૪; પ્રવં ૫૩૦, —આડસ. ત્રિ (—આયુક્ત) સાધુના આન્યા પહેલાં આરંભેલું-રાંધવા માટેલું અર્થાત્ સાધુને માટે નહિ કિન્તુ ગોતાને માટે થોળેલું અપને લિયે બનાયા હુઆ મોજન. Food prepared for oneself. પંચા ૧૦, ૩૭, (૨) પહેલાં ઉતરેલ. પહેલે ઉતપહુઆ.

Firstly descended दसा० ६,
२; वव० ६, ३, ४, —आगमण.
न० (—आगमन) आत्मा पहेला. आनेके
पहिले. Before coming. दसा० ६, २,
वव० ६, ३, —आचार्य. पु० (—आचार्य)
पूर्वना आचार्य. पहिलेके आचार्य. Pre-
ceptor of old. पंचा० १४, १६;
—आलक्षण. न० (—आलपन) पहेलां
प्रेषयुं ते. पूर्व भाषण. Speaking first.
प्रव० १२६, —आहारिय. त्रि० (—आहारित)
पूर्व-उत्पत्ति समये आहार करेव पहिले-
उत्पत्तिके समयपर कृताहार Eaten before
i. e. at the time of birth.
स्य० २, ३, २; —उद्भय. त्रि० (—उदित)
पूर्वे कहेलुं. पूर्व कथित, पहिले कहा हुआ.
Said before. विरो० २८८; पचा० १०,
२०; —उत्त. त्रि० (—उक्त) प्रथम
कहेलुं. पूर्वोक्त, पूर्व कथित. Said before.
दस० ५, २, ३; दु० च० १, २१७; विरो०
१५१; क० प० ४, ५३, ५, ५३, क० ग०
४, ६१; —उद्दिष्ट. त्रि० (—उद्दिष्ट) पूर्व
कहेल. पूर्वोक्त, पुराकथित, पहिले कहाहुआ.
Said before. क० ग० ६, ५१;
—उवन्नविय. त्रि० (—उत्स्थापित) पूर्व
दीक्षा दीधेन. पहिलेसे दीक्षित, पूर्व दीक्षित
Consecrated formerly वेद्य० ३,
१३; —उवन्नगणन. त्रि० (—उपगणक)
पहेलां उत्पन्न थयेव. पूर्वोत्पन्न; प्रथम ही
उत्पन्न. Born first. भग० १, २;
—कर्म. न० (कर्म) पूर्व जन्ममां
करेव कर्म. पूर्वजन्म कृत कर्म Deeds
done in past lives. क० प० ५,
३५; नाया० १६; दस० ३, १५; —कीलिय.
न० (—कीलित) पूर्व गृहस्थाश्रममां स्त्री
आदिनी साथे करेव कीडा-कामयेष्टा. प्रथम
गृहस्थाश्रममें स्त्री आदिके साथ कीर्ण कामयेष्टा

आदि कीडा. Sexual sports with
woman etc. in a married stage.
सम० ६; —कोडि स्त्री० (—कोटि)
पूर्व कोटि, करोड पूर्व प्राण विभाग. पूर्व-
कोटि, करोड पूर्वकाल विभाग. A crore
of Purvas (a period of time).
भग० ३, ३ ६, ३, ८, ६; १८, ८, २४,
१-२०, ३६, १, अणुजो० १४६, क० ग०
५, ३४, प्रव० ६२०; पचा० १७, ४०,
ज० प० २, ३४, —गमय पु० (—गमक)
पूर्व-प्रथमनो गये आलावे-सूत्र पाठ.
भग० ३६, ५; —गय न० (—गत)
पूर्व-शास्त्र विशेष गत ज्ञान, पूर्वनु ज्ञान
शास्त्र विशेषका ज्ञान; पूर्वज्ञान. Knowledge
of scriptures. प्रव० ४३७, —गहिअ.
त्रि० (—गृहीत) प्रथम ग्रहण करेलुं. पहिले
ग्रहण कियाहुआ. Taken formerly.
पचा० १२, ३४; —चिंतित त्रि० (—चिन्तित)
अगाडि चितवेव पूर्व चिन्तित, पहिलेसे सोचा
हुआ Thought beforehand.
निर० ३, ३, —जाइ स्त्री० (—जाति)
पूर्व-पहेलांनो लव, पूर्वजन्म पूर्व भव;
पूर्वजन्म. Past life. नाया० १३; —ठाण.
न० (—स्थान) लक्ष्मी परित्ता अन्त त्याग-
रूप संथाराथी धंगित भरेलुं करेव ते.
भक्त परिज्ञा-अन्त्यागस्य सधारा करके इंगित
प्राप्त मृत्यु Dying of fasting. आया०
१, ८, ७, २०; —गाथ. त्रि० (—न्यस्त)
पहेलां मुकेलुं. पूर्वत्यक्त; पहिलेही छोड़ाहुआ.
Deposited previously. ज० प० ५,
११७, नाया० १, १३; भग० ११, ११,
—तव. न० (तपस्) पूर्व कोटिनुं-सराग
अवस्थानु तप. पूर्वकोटिका-सराग अवस्थाका
तप. A penance of the first
stage having attachment. भग०
२, ५; —तित्ययर. पु० (—तीर्थकर)

पूर्वना-पहेलाना ऋषभदेव स्वामी आदि तीर्थंकर. पहिलेके तीर्थंकर-ऋषभदेव आदि स्वामी. Tirthankara of former days. कण० १, २; २, १५; —तुल्य. वि० (—तुल्य) प्रथम जेनुं; प्रथम सरणु. पहिले सरीखा; पूर्ववत् Like first; as before. क० प० १, ३३; —दक्षिण. पु० (—दक्षिण) पूर्व अने दक्षिण, अग्नि भुजो. पूर्व और दक्षिण-ग्रामनेय (कोण). South-east. नाया० १; पंचा० २, १८; —दिह. वि० (—दिह) पूर्व जन्मभां पाणेशुं. पूर्व जन्ममें पालाहुआ. Observed in past lives. नाया० १४; —दिशा. स्त्री० (—दिशा) पूर्व दिशा. पूर्व दिना; पूरव. The east. मोष० नि० ६६२, —दुग. न० (—द्वि) प्रथमना जे. पहिले दो. First two प्रव० १२८६. छ. वि० (—अर्थ) पूर्वार्ध; पहेलो अर्धो भाग पूर्वार्ध; पहिलेका आधा हिस्सा. The first half विरो० १२५२; ३०६८, घर. पु० (—घर) स्याद पूर्वने धारण करेनार; पूर्वना लखनार. चौदह पूर्वको धारण करनेवाला-पूर्वाध्यायी-पूर्वका अभ्यास करनेवाले. (one) who has studied the 14 Pūrvās (scriptures). पचा० १८, २५; —निसिद्ध. वि० (—निषिद्ध) पहेला निषेध करेन. पूर्व निषिद्ध; पहिलेसे मना किया हुआ. Formerly prohibited. प्रव० ७७३; —पडिलेहिय. वि० (—प्रतिलेखित) पूर्वे पडिलेहिय करेन-नजर जेअेल. पूर्व पहिलेहण कियाहुआ-आखोसे देखा; पूर्वपरीक्षित. Formerly examined, observed. वेय० १, ४२; दसा० ७, १; —पडिवरण. वि० (—प्रतिपन्न) प्रथम स्वीकारेहुं. प्रथम स्वीकृत, पहिले मंजूर कियाहुआ. Formerly admitted. नाया० १३; भग० २५, ६;

—पडिवरण. वि० (—प्रतिपन्न) प्रथम अहण करेहुं. प्रथम ग्रहण कियाहुआ; पूर्वमहीत. Accepted first. भग० ८, ८; २५, ७; —पडिवन्न. वि० (—प्रतिपन्न) लुओ. “पुन्यपडिवरण” शब्द. देखो “पुन्यपडिवरण” शब्द. Vide ‘पुन्यपडिवरण.’ विरो० ४१०; प्रव० ६३५; —पुरिस. पुं० (—पुरुष) पूर्वना पुरुषो; अगाडिना भाणुओ. पूर्वज, पुरखे; पहिलेके पुरुष. Ancestors. पंचा० ६, २५; —प्योन पुं० (—प्रयोग) पूर्व-पहेलानो प्रयोग-व्यापार. पूर्व प्रयोग, पहिलेका व्यापार. A former activity. भग० ७, १, ८, ६; —प्यवत्त. वि० (—प्रवत्त) पूर्वे प्रवर्तल-यथा प्रवृत्तिकरहुं; तय करहुंभानुं अेक. पूर्व प्रवत्त-यथा प्रवृत्तिमय, तीन कारणोंमेंसे एक. One of the three Karanas (causes) that which has proceeded formerly. क० प० ५, ११; —भाव. पु० (—भाव) पूर्वना पर्याय; पहेलानी दशा. पूर्वका पर्याय, पूर्वदशा. The original condition. भग० ५, २; —रत्त. न० (—रात्र) प्रथम रात्री; रात्रिनो पहेलो पहेल रात्रिका पहिला प्रहर. The first watch of a night. भग० २, १; नि० १, १; कण० १, २; —रत्तालरत्त. न० (—रात्रापररात्र) मध्यरात्री; अर्धी रात. मध्यरात्रि, आधी रात. Mid-night. नाया० १; ५; १४, १५; भग० २, १; ३, १; ११, ६; १५, १; —रय. न० (—रत) पूर्वे गृहस्थाश्रमभां लोगवेन कामभोगादि. पूर्व गृहस्थाश्रममें भोगेहुए विषयभोग आदि. Sexual sports formerly enjoyed in a married life. सम० ६; —वर्णित. वि० (—वर्णित) प्रथम वर्णन करेन. पूर्व कथित-वर्णित. Described formerly. ज० प० २, २६; ७, १३५;

विस्तारय. त्रि० (-विस्तारय) १४ पूर्वभा
पण्डित १४ पूर्वों का ज्ञाता-विस्तारद Learn-
ed in the 14 scriptures. त्रि०
५५८; —**वेर.** न० (वै) पहिलेनु वैर
पहिलेकी शत्रुता; पूर्व वै A former
enmity. नाया० १, —**संगदय.** त्रि०
(-संगतिक) पहिलेनो संगी, आस्था-
वस्थानो मित्र पहिलेका मित्र, बालमित्र,
लगेदिया दोस्त A friend of child-
hood. भग० २, १, —**संगतिय.** त्रि०
(संगतिक) लुओ "पुञ्चसंगदय" शब्द
वेओ "पुञ्चसंगदय". Vide "पुञ्चसंगदय"
नाया० १, १६; —**संजम** पु० (-सयम)
सरासंयम, सयमनी पूर्ववस्था. संगसयम,
सयमकी पूर्ववस्था. The first stage
of self-restraint. भग० २, ५,
—**सम** त्रि० (-सम) पूर्व-आगणना
वेतु पूर्ववत्, पहिलेके समान. As of old.
क० प० १, ८, —**समास.** पु० (-समास)
ओइथी वधारे पूर्वतु ज्ञान; श्रुतज्ञाननो ओइ
प्रकार. एकसे अधिक पूर्वोंका ज्ञान, श्रुतज्ञानका
एक प्रकार. A kind of scriptural
knowledge; knowledge of more
than one scripture. क० ग० १, ७,
—**सयसहस्र.** न० (-शतसहस्र) लाख
पूर्व. लाख पूर्व. A lac of Purvas
(period of time). प्रव० ४२१, कथ०
७, २१०; ज० प० २, ३०, ३, ६७;
पुवं भ० (पूर्वम्) प्रथम, पहिलु. प्रथम,
पहिला. First. भग० ७, १, ८, ५;
नाया० १६, निती० २, ३६;
पुवंग पु० (पूर्वाङ्ग) चौराशी लाख वर्षनो
ओइ पूर्वाङ्ग; श्राण विभाग विशेष. चौरासी
लाख वर्षका एक पूर्वाङ्ग; काल विभाग विशेष
A period of time equal to 84
lacs of years ज० प० ७, ११२;

२, १८, जीवा० ३ ४, ठा० २, ८,
अणुजो० ११५. १३८, भग० ५, १, ६
७, २५, ५, ज० प० प्रव० ५६; १८००,
(२) पञ्चवासीआना पहिला दिवसनु नाम
पञ्चके पहिले दिनका नाम. Name of the
1st date of a fortnight. ज०
प० सू० प० १०; —**परिमाण** न०
(परिमाण) पूर्वाणनु परिमाण प्रमाण
परिमाण. A measure of a
Pāivānga. प्रव० ५६,

पुञ्चगय. त्रि० (प्रवर्गत) अत पहिला प्रशशित
थवाथी पूर्व-डिवादि १४ पूर्व ३ ३
हाल विच्छेद अर्ध गयेल छं, दृष्टिवाद् सत्रनो
ओइ विभाग दृष्टिवाद् सूत्रका एक विभाग,
श्रुतके पहिले पहिल प्रकाशित होनेके पूर्वके-
उत्पादादि १४ जो सम्प्रति विच्छेद प्राप्त है.
A section of Dr̥stivāda which
is lost. नाया० १६, सम० १२, ठा० ४,
१, भग० १५, १, २०, ८, नदी ५६,

पुञ्चह. न० (पूर्वहण) दिवसना आगवा ये
पहिले. दिनके पहिले दो प्रहर The first
two watches of a day. अणुजो०
२५, ठा० ४, २, नाया० ८; सु० च० ३,
५२; प्रव० ६५५, विशेष० २०३; ज० प०
२, ३१, —**कालसमय.** पु० (-कालसमय)
सवारनो समय, पहिलो पहिले. सर्वेका समय,
पहिला प्रहर The first watch of a
day. कथ० ६, १७३; ज० प० २, ३१,
पुञ्चतराग. त्रि० (पूर्वतरक) आगणनु; पहिलानुं.
पहिलेका, पूर्वका. Of former times.
दया० ३, १२-१३,

पुञ्चमह्वया. स्त्री० (पूर्वभाद्रपदा) पूर्वाभाद्रपद
नक्षत्र पूर्वभाद्रपदा नक्षत्र. The con-
stellation Pūrvābhādrapadā
ज० प० ७, १५५, —**भव** पु० (-भव)
पूर्व भव आगवा लय. पूर्व जन्म, बीता-

दुआ जन्म. Previous life. सम० ५० २३०; सम० १०; नाया० घ० २; ८, राय० ६५, २०५; प्रव० ४४६; —पद्धिय. त्रि० (—पठित) पूर्व ७८-भभा लजेय. प्रव० जन्ममें सीखाहुआ; Studied in previous life. प्रव० ५३३. —पुञ्जा. स्त्री० (—पृच्छा) पूर्व लवनो भ्रम. प्रव० जन्मका प्रश्न. A question of previous birth. विवा० ३;

पुञ्चवंत. न० (पूर्ववत्) पूर्वशालीन शिन्धु— शिन्धु साधुनुं ज्ञान थाय ते; अनुमाननो ओ३ प्रकार. पूर्वकालिन चिन्त—लिङ्गद्वारा साध्य का ज्ञान होना, अनुमानका एक प्रकार. A variety of inference; inference by precedence. अणुजो० १८७;

पुञ्चविंश. पु० (पूर्वविद्) पूर्वना नालुना; पूर्वधर—आधुर्वि. प्रव०, प्रव०—चौदहपूर्वक ज्ञाता. (one) versed in the 14 scriptures विगे० ३६०२,

पुञ्चविदेह. न० (पूर्वविदेह) ७८-भूषणना मध्यक्षेत्र—महाविदेहना पूर्वार्ध; मेरुधी पूर्व तरङ्गना विभाग जम्बुद्वीपके मध्यक्षेत्र महा- विदेहका पूर्वार्ध, मरुसे पूर्व ओरका विभाग The first half of Mahāvideha, the middle part of Jambudvīpa अणुजो० १३४; ठा० २, ३; भग० ६, ७, जीवा० २, पत्र० १६; ज० ५०

पुञ्चविदेहप्र. त्रि० (पूर्वविदेह) पूर्व महा- विदेह क्षेत्रमां ७८-भेद पूर्व महाविदेह क्षेत्रमें उत्पन्न Born in the eastern Mahāvideha region. अणुजो० १३१,

पुञ्चविदेहकूट. पु० (पूर्वविदेहकूट) निपथ पर्वतनां नव कूटमानु योयु कूट—शिखर. निपथ पर्वतके नौ कूटोंमेंसे चौथा कूट. The

fourth of the 9 peaks of the Nisadha mount. ज० ५० (२) नीलवंत पर्वतनां नव कूटमानु योयु कूट— शिखर नीलवत पर्वतके नौ कूटोंमेंसे तीसरा कूट. The 3rd of the 9 peaks of the Nilavānta mount. ज० ५०

पुञ्चविदेहवास. पु० (पूर्वविदेहवास) पूर्व महाविदेह क्षेत्र. पूर्व महाविदेह क्षेत्र. The eastern Mahāvideha region. नाया० १८,

पुञ्चसिञ्जातरी. स्त्री० (पूर्वसिञ्जातरी) साधु- ओने उपाश्रयमां रहवाने पहिली आना आपनार—स्त्री (महावीर स्त्रीभीने पहिल वहेला जयन्ती आदिक्षेत्रे भक्तानी आना आपी हनी) साधुओंका उपाश्रयमें रहनेके लिए पहिली आना देनीवाली स्त्री (महावीरस्त्रीभीको जयन्ती आदिक्षेत्रे पहिल पहिल भक्तानी आना दीयी). A lady who first of all permitted the ascetics to reside in a place of shelter, Jayantī, a laywoman, had first so permitted the lord Mahāvīra. भग० १२, २,

पुञ्जा. स्त्री० (पूर्वा) पूर्वा क्षत्रुनी तथा पूर्वालादपः नक्षत्र. पूर्वा फाल्गुनी तथा पूर्वा भाद्रपदा नक्षत्र The Pūrvāphālgunī and Pūrvā Bhādrapada constellations. सु० ५० १०,

पुञ्जाणुपुञ्जि. अ० (प्रवालपूर्वम्) अनुक्रमे अनुक्रमसे, क्रमशः. Serially राय० २३०;

पुञ्जाणुपुष्पी. स्त्री० (प्रवालपूर्वी) अनुक्रम, परिपाटी अनुक्रम, परिपाटी Serial order. ओव० १०; भग० १, १; ३, २; १६, ५; १८, १०; नाया० १; २; ५, १२, १४, दसा० १०, १, दिशा० १; दिग्ग० ६४३,

पुष्पाफगुणी. स्त्री० (पूर्वाफाल्गुनी) पूर्वा
श्रस्थुनी नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र. The
pūrvāphālgunī constellation.
सम० २, ज० प० ७, १५५;

पुष्पाभद्रपदा स्त्री० (पूर्वाभद्रपदा) पूर्वा-
भाद्रपदा नक्षत्र. पूर्वाभद्रपदा नक्षत्र. The
Pūrvā Bhādrapadā constella-
tion. सम० २, सू० प० १०,

पुष्पायामगाया. स्त्री० (पूर्वायामनाभःपूर्वाकर्ण)
पहेला धनुषकी कमान्ना खींचना Drawing
the string of the first bow
' पुष्पायामगायाएत विधेया " भग० १, ८,

पूर्वावर न० (पूर्वावर) पूर्व अने पश्चिम
पूर्व और पश्चिम The east and west
भग० ६, ५, १५, १, पचा० ३, ४६,
(२) पूर्वदृत्य-अभ्युपगम भर्तृनादि,
अपरदृत्य-विलेपन भोजननादि ते अने
दृत्यसहित. दोनों कृत्यसहित-पूर्वकृत्य-अभ्युप-
गमनादि, अपरकृत्य-विलेपन भोजन आदि सहित.
Together with the prior e. g.
bathing etc. and subsequent
deeds e. g. food etc सू० २,
२, ५५;

पूर्वाषाढा. स्त्री० (पूर्वाषाढा) पूर्वाषाढा
नक्षत्र. पूर्वाषाढा नक्षत्र The Pūrvāṣā-
ḍhā constellation. ज० प० ७,
१५५, ठा० २, ३, सम० ४, अणुजो०
१३१,

पूर्वि. वि० (पूर्व) पूर्वने ज्ञानुना२. पूर्वको
जाननेवाला, पूर्वज्ञ. (one) who is
versed in the scriptures. कण० ८;

पूर्वि. अ० (पूर्व) प्रथम; शर्यातमा.
प्रथम, आरम्भमें. Formerly; at first.
भा० १, ४; ३, ३, ६, १०, ६, ३३;
१०, ३; नाया० १; ८, १४, आया० १, २,

१, ६४, दस० ५, १, ६१, जीवा० ३ ४,
राय० १७१, दमा० ६, ३१, विशेष १६८,
स्वा० १, ५८;

पुर्विल्ल. वि० (पूर्व) पहेला. आगणतु
पहिलेका Ancient; old ज० प० ५,
११७, उत्त० २६, ८,

पुर्वी. स्त्री० (पूर्वी) अनुपूर्वी नामे नाम
धर्मनी ओइ प्रदृति के ले धवने ओइ
गतिमाथी भीछ गतिमा सिद्धि शीते अछ
गन्य छे. आनुपूर्वी नाम कर्म. A migra-
tory nature of karmic matter.
क० ग० १, ४३,

पुर्वोत्तरा. स्त्री० (पूर्वोत्तरा) दक्षिण पुरो-
ईगान्य कोण. North-east प्रव० ७६०.

पुस्त. पु० (पुष्य) पुष्य नामनु नक्षत्र पुष्य
नामक नक्षत्र A constellation named
Pusya. विशेष ३४०८, सम० ३; अणुजो०
१३१, ठा० २, ३, नाया० ८, सू० प० १०.
(२) नवमा तीर्थकरने प्रथम शिक्षा आपना२
नवें तीर्थकाको पहिले भिजा देनेवाला (one)
who offered alms first of all
to the 9th Tirthankara मम०
प० २३२,

पुस्तमाणाव. पु० (पुष्यमानव) अन्दिजन,
भगणपाईक वन्दीजन; बिरदावलि गायक,
संगलपाठक. A bard ओव० ३२,
नाया० ८.

पुस्तसायण. पु० (पुष्यायन) रेवती नक्षत्रनु
गोत्र रेवती नक्षत्रका गोत्र The family-
origin of Revatī constellation
ज० प० ७, १५६, सू० प० १०;

पृथ्वी. स्त्री० (पृथिवी) पृथ्वी. भूमि. पृथ्वी,
भूमि. The earth सु० च० २, १६;

पुहत्त न० (पुष्यक्त्व) भेथी भाडी नव मुथीनी
सभ्या. दोसे लगाकर नौ तककी मख्या.
From two to nine ठा० ४, १,

भग० ६, ५, २०, ५; २१, १, २५,
४-६; नंदी० १२;

पुहत्तिय. न० (पृथक्त्व) लुभो " पुहुन "
शब्द. देखो "पुहत्त" शब्द Vide "पुहत्त"
भग० १८, १,

पुह्वी. स्त्री० (पृथ्वी) पृथ्वी; भूमि. पृथ्वी;
भूमि, धरा. The earth. अणुजो० १२८;
प्रब० ४८८; (२) पश्चिम दिशांना इत्यङ्
पर्वतपर वसनारी आड दिशाकुमारीमांनी
त्रीश. पश्चिम दिशाकं रुचक पर्वतपर निवास
करनेवाली आड दिशाकुमारियोंमेंसे तीसरी The
3rd of the 8 Disākumāris
residing on the Ruchaka
mount of the east ज० प० ५,
११४; (३) सातमा तीर्थंकरनी माता.
सातवें तीर्थंकरकी माता. Mother of the
7th Tirthankara. प्रब० ३२१; सम०
प० २३०; (४) त्रीज वासुदेवनी माता.
तीसरे वासुदेवकी माता. Mother of the
3rd Vāsudeva. सम० प० २३५;
—शिलापट्टय. न० (-शिलापट्टक) पृथ्वी-
भय शीशानुं पट्टक; पाटने आकारे भोली
पृथ्वीनी शिक्षा. पृथ्वीमय शिलापट्ट, पाटके
आकारमें विशाल पृथ्वीकी पाषाण-शिला An
earthen slab. नाया० १;

पुहुत्त. न० (पृथक्त्व) भेथी नव मुधीनी
संख्या. दोसे लगाकर नौ तककी संख्या
From two to nine पचा० १०, ६,
अणुजो० १४; १३४, (२) पृथक्पणुं, लुभ
पाणुं, अनेकता. भिन्नता, जुदाई; अनेकता.
Difference; multiplicity. ठा०
१०, १; उत० २८, १३; ३६, ६४; भग०
५, ६; ८, ६; १२, ६; १७, १, १८, १,
२४, २०, मोड० २०; विशे० ६०८;
जीवा० ३, १, पत्र० १५;

पुहुत्तवितकसवीयारि त्रि० (पृथक्त्ववितर्कसवि-
चारिन्) शुद्धध्याननो पहिलो भेद, अेक
द्रव्य आश्रित उत्पान व्यय अने ध्रौव्यनो
विचार करेतां श्रुतज्ञानानुसार अर्थधी व्य-
जनमा अने व्यंजनधी अर्थमां विचार
संक्रमण करेतां ते. शुद्धध्यानका पहिला भेद;
एक द्रव्य आश्रित उत्पात व्यय और ध्रौव्यका
विचार करतेहुए श्रुतज्ञानानुसार अर्थमे व्यंजनमें
और व्यंजनमें अर्थमें किया जानेवाला विचार
सक्रमण. The 1st variety of the
highest form of meditation,
transforming thought activity
from the consonants to a
meaning and vice versa ac-
cording to scriptural know-
ledge while thinking about
the destruction, expenditure
and eternity of a particular
substance भग० २५, ७,

पुहुत्तवियक पु० (पृथक्त्ववितर्क) शुद्ध ध्या-
ननो पहिलो भेद, अेक द्रव्य आश्री रहेल
पर्यायनो भेद-लुदापणुं चिन्तयतुं ते. शुक्ल
ध्यानका पहिला भेद The first va-
riety of the highest form of
meditation; meditating upon
the difference that lies in the
modification of a substance.
आंव० २०,

पूअण. न० (पूजन) पूजन, अर्थन. पूजा,
अर्चन. Worship ज० प० ५, ११५,
दस० १०, १, १७,

पूअणा. स्त्री० (पूजना) पूजन. पूजन.
Worshipping प्रब० १००,

पूड. स्त्री० (पूति) दुर्गन्धी, सडेलु. दुर्गन्धित,
सडाहुआ. Foul-smelling, rotten.
उम० ७, २६, पि० नि० २४३, विशे०

२०८, (२) ५२; २२१ तड्ड. (३) जेभा आधा
 दुर्भीनी सीथ भणी होय तेवे आहार
 लेवाथी लागतो अेक दोष. A fault
 incurred by taking food which
 has.....प्रव० ५७८, —पिनाग.
 पुं० (—पिनाग) डाढी गयेवे पिनाग
 (पोण).....that is rotten.
 आया० २, १, ८, ४६, —मंस. न०
 (मास) सडेलुं भास. सडाहुआ मांस.
 Rotten flesh पचा० १६, १२,

पूइअ. त्रि० (पूजित) पूजयेलु, पूजा पायेल.
 पूजित; प्रतिष्ठित, प्राप्त पूजा—प्रतिष्ठा. Wor-
 shipped. ज० प० ५, ११२, अणुजो०
 ४३; दस० ५, २, ४३, दसा० ५, २; उत्त०
 १, ४८,

पूइकड. त्रि० (पूतिकृत) आधा दुर्भी आडा-
 रना अंशवाणु आधा कर्मी आहारके भंगवाला.
 Having a portion of food of
 Ādhakarma. सूय० १, १, ३, १;

पूइकरणी. स्त्री० (पूतिकर्णा) डाढा—सडेला,
 क्षानवाणी सडेहुए, —वरनेवाले—कानवाली. (one)
 whose ears are rotten. उत्त०
 १, ४,

पूइकर्म पु० (पूतिकर्मन्) आधा दुर्भी
 आहारना अंशवाणु, साधुअे आहारमां
 टाणवाना दोषमानो अेक दोष आधाकर्मी
 आहारके भंगवाला; साधुको आहारमें टालने
 योग्य दोषोंमेंसे एक दोष. A fault of
 food which an ascetic ought
 to avoid, having a portion
 of food of Ādhā karma. प्रव०
 ५७२, निती० १, ५७, ओव० ४०; दस०
 ५, १, ५५;

पूइस्ता. स्त्री० (प्रतिता) दुर्गंधपाणु; सडवापाणु.
 दुर्गन्धता; सडन, दुर्गन्धी; बदडू. Noise-
 someness. अणुजो० १३६; सग० ६, ७;

पूइय. त्रि० (प्रतिक) सडेलु; दुर्गंधवाणु.
 सडाहुआ, दुर्गन्धवाला. Rotten; foul-
 smelling. नाया० ८, ६, भग० ६, ३३,
 पिं० नि० १७४, राय० २६,

पूइय. त्रि० (पूजित) सत्कार करीअेलु; पूजेलु.
 सत्कारित, सम्मानित, पूजित. Worshipp-
 ed, honoured. उवा० ७, १८७,
 २१८; नाया० १; ८; भग० ११, ११; १२,
 ८, ओव० नि० ५२७; दस० ५, २, ४३,
 उत्त० १, ४८, कथ० ४, ६८,

पूई. स्त्री० (प्रति) अे नामनु अेक वृक्ष.
 इम नामका एक वृक्ष A tree so named.
 पत्र० १,

पूइकर्म. पु० (प्रतिकर्मन्) लुअे “पूइकर्म”
 शब्द. देखो “पूइकर्म” शब्द. Vide.
 “पूइकर्म”. पिं० नि० ६२,

पूज. पुं० (पूज) सोपारीनुं आड. सोपारीका
 वृक्ष. The Betel-nut tree. ज० प०

पूज. धा० I. (पूज्) पूजन करवुं; पूजवु.
 पूजना; पूजा कना. To worship.

पूयह. पु० च० ४, ८१;

पूअंति. दस० ६, २, १५;

पूअयामि दस० ६, १, १३;

पूअजह. क० वा० पु० च० ४, २६;

पूजग. त्रि० (पूजक) पूजनार; पूजने
 पुजारी; पूजक. A worshipper. पचा०
 ४, ४४,

पूजिअ. त्रि० (पूजित) पूजेलु; मानेलु;
 माननीय. पूजित, मान्य. Worshipped;
 honoured. ओव०

पूति स्त्री० (प्रति) दुर्गंध; अदुअे. दुर्गन्ध,
 बदडू. Stench; foul-smell. ज० प०

पूतिकर्म न० (प्रतिकर्मन्) लुअे “पूइ-
 कर्म” शब्द. देखो “पूइकर्म” शब्द.
 Vide “पूइकर्म”. पचा० १३, ५;

पूतिय. न० (पूतिक) ३७१ विशेष. फल विनोद. A particular fruit. भग० २२, २;

पूतिया. स्त्री० (पूतिका) रस विक्षार; रसजुं ७१३३ रग विकार; रसका विगडना. Putrefaction of a juice. (२) ५२; रसी पीव Pus जीवा० ३, ३;

पूय. पु० (अपूप) पुः३३; मालपुवा. मालपूए. A sweet-cake. पि० नि० ५५७,

पूय. त्रि० (पूत) पवित्र; शुद्ध थयेल. पवित्र, प्रत, शुद्ध. Purified. सु० च० १, ३१८, ओव० ३८, ४०, दस० ५, १, ८६; नाया० ७, —पूया. पु० (—आत्मन्) शुद्ध-पवित्र आत्मा. शुद्धात्मा, पवित्रात्मा. A pure soul नाया० ५,

पूय-अ. न० (पूय) ५२; रसी रसी; रक्ता. Pus आया० २, १, ५, २६, दस० १, ७१, विना० ७, ८, निमी० ३, ३६; सूय० १, ५, १, २३; २, २, ६६; भग० ६, ३३; १२, ७, नाया० १, ८; दसा० ६, १, पत्र० १; २. पणह० १. १; —आसव. पु० (आप्रव) विक्षार पामेल रधिर; पनु वडेनु. विवृत्त रुधिर; रसी-प्रदरका बहना. Flowing of pus नाया० ८; —कवल. न० (—कवल) पनुं ३५८-३५९। ओ. पीवका कौर. A morsel of pus. विवा० ८; —पडल. न० (—पडल) पनुनी समूह. पीवका समूह. A collection of pus नाया० १२, —प्यवाहि. त्रि० (—प्रवाहिन्) पनु-रसीने वडन ३२७-३२८. पीवको बहन करनेवाला. That which increases the flow of pus. दिवा० १.

पूय. पु० (अपूप) पुरी, मालपुवा वगेरे. पूरी मालपूए आदि. Sweet-cake. आया० २, १, ६, ५१; प्रव० १३७५;

पूयअ. त्रि० (पूजक) पुग-सेवा ३२१२. पूजक मेवक A worshipper. उत्त० १७, ५;

पूयण न० (पूजन) पूजन. Worshipping. पंचा० ६, २६; आया० १, १, १, ११; प्रव० १५०५; नि० ३, ३; उत्त० ३५, १८, —ठ त्रि० (—अर्थ) पूज भाटे. पूजाके लिए. For worshipping. दस० ५, २, ३५;

पूयणा. स्त्री० (पूजना) कामविभूषा, कामोद्दीपक शल्गार. कामविभूषा, कामोद्दीपक शल्गार. A decoration of the body that excites sexual feeling. सूय० १, ३, ४, १७,

पूयणा. स्त्री० (पूतना) ये नामनी येक शाकिनी ३ ७२ पोताना लुवान पुत्र उपर आसकत थछ डती इस नामकी एक शाकिनी जो अपने युवा पुत्र पर मोहित हो गई थी. A Sākinī so named who was enamoured of her own young son. सूय० १, ३, ४, १३ (२) ३५९नी वेरथु येक सिद्धाधरी; भासी पूतना. An enemy of Kṛṣṇa; his mother's sister. पणह० १, ४;

पूयणिअ. न० (पूतनिक) वासथु वगेरेनुं तणीथुं बरतन आदिवा पेंडा. Bottom of a vessel. ओष० नि० ३७४;

पूयणिज्ज. त्रि० (पूजनीय) पूज्या योज्य. पूज्य, पूजनीय. Adorable, पंचा० ८, ४०; ओव० भग० १०, ५; नाया० १६; राय० १६०;

पूयता. स्त्री० (पूयता) रसी-परपथु रसी; पूयता. Pus. दिवा० १;

पूयफल. न० (पूयफल) मोपारी. छुपारी. Betel-nut. सूय० १, ४, २, १२; भग० २२, १;

पूयफली. स्त्री० (पूयफली) सोपारीनु अड.
सुपागीका वृक्ष Betel-nut tree. जीवा०
३, ३; पत्र० १,

पूयलिया. स्त्री० (प्रफिका) पुडका मालपुआ.
Sweet-cake. प्रव० २३६;

पूयसङ्कार. पु० (प्रजासङ्कार) पूज्ज अने
पस्त्रान्द्रिथी सत्कार पूजा तथा वस्त्राद्विद्वारा
हुन सङ्कार Honouring by wor-
ship and garments. प्रव० ८८७,

पूया-आ. स्त्री० (पूजा) पूज्ज; पूजन;
पस्त्र पात्रादि वजरेथी सत्कार इरेवो ते.
पूजा; पूजन, वस्त्र पात्रादिविद्वारा किया जानेवाला
सत्कार Worship; adoration; vene-
ratio: उन० १५, ५; ८, भग० ११;
११, १५, १; ओष० नि० भा० ७७, पण्ड०
२, १; सु० च० १, ४३, पंचा० ७, ५; ८,
१८, मल० ३१, —भक्त. न० (—भक्त)
इत्याचार्यादिना सत्कारार्थे निष्पन्नवेत्तु भोजन
कलाचार्य आदिके सत्कार निमित्त उत्पादित भोजन.
Food prepared for honouring.
वेय० २, १६, —सङ्कार पु० (—सङ्कार)
पूज्ज अने सत्कार पूजा और सत्कार समान.
Worship and honour. डा०
६, १,

~ पूर. भा० II. (पूर) पूरुं कर्तुं, पुरु पाउवु,
पूरा काला. To fulfill (२) पालन कर्तु
(२) पालना. To observe

पूरेइ. भग० १, ६, २, १; नाया० १६;
पत्र० ३६; ज० प० ७, १५१,

पूरिति. सु० च० २, १६४, ज० प० ५,
११४;

पूरेइत्ता. सं० कृ० नाया० १६,

पूरित्तप. हे० कृ० आया० १, ३, २, ११३;

पूरयंत. व० कृ० नाया० ६;

पूरिज्जद. क० वा० विरो० १०६;

पूर पुं० (पूर) नदीने वधेइ प्रवाह. नदीका
बढ़ाहुआ प्रवाह Flood. सथा० ७८; (२)
समूह. समूह. A host पण्ड० १, ३;

पूरज. त्रि० (पूरक) पुरनार; भरनार. पूरक;
पूर्ण करनेवाला; भरनेवाला. (one) who
fulfills, fills कथ० ३, ३८,

पूरण. पु० (पूरण) अये नामने अयेक गृहस्थ.
इस नामका एक गृहस्थ. A householder
so named भग० ३, २, उवा० १, ६६,

पूरण. पु० (पूरण) अमरेंद्रना पुर्वं भवनं
नाम चमरेंद्रका पूर्वं भवका नाम. Name
of the previous life of Chama-
rendra भग० ३, २; (२) सलिला-
वती विजयनी वीतशोका नगरीना अल
राजनी धारणी राणीने पुत्र. सलिलावती
विजयकी वीतशोका नगरीके बलराजाकी धारणी
रानीका पुत्र. Son of the queen
Dhārinī wife of the Balarāja
of Vitasoka city in Salilāvati
territory. नाया० ८, (३) अंतगड
सत्तना आल वर्गना सातमा अध्ययननु
नाम अतगड सूत्रके दूसरे वर्गके सातवें अध्ये-
यका नाम Name of the 7th
chapter of the 2nd group of
Antagada Sūtra. अत० २, ७, (४)
अधकत्रिंशु राजनी धारणी राणीना पुत्र
के ने नेमनाथ प्रभु पासे दीक्षा लध शुशु-
रथल तप करी सोण वर्षनी प्रवन्त्या पाणी
अयेक भासनेो सथारे करी शत्रुंन्य उपर
निर्वाणपद पाया. Son of the queen
Dhārinī, wife of the king
Andhakavṛṣṇī, who being ini-
tiated by the lord Neminātha,
practised Gunarayana penance,
remained an ascetic for 16
years and attained salvation

after fasting for a month on the Śatrunjaya mount. अंत० २, ७, (५) पूर्युः इत्युः; पार उताः। पूर्य काना, पार उताः। Fulfilling; completing. विगे० १०५,

पूरय. पु० (परक) दुधने उकाणे। दुधका उफान. Swelling of the milk when boiled. पत्र० १७,

पूरिअ वि० (पूरित) सम्पूर्ण करेय, पुरु करेय सम्पूर्ण कियाहुआ, समाप्त. Completed, finished. ज० प० ५. ११५; विगे० ३५५. नंदी० ३५.

पूरिम. वि० (पूरिम) इर्ध वस्तुनी पूरणी इरीने अनावेल-भाटी, धातुनां पुतणीं वगेरे. कई वस्तुओंके योगमें बनायाहुआ-मिष्टी-धातु आदिके पुतले A statue made of an alloy of metals etc आया० २, १२, १७१, अणुजो० १, नाया० १३, (२) वासनी शणीमां पुत्र परेपीने अनावेल बांसकी स्त्रीमें फल पिरोनेके लिए, बनायाहुआ। Made of flowers strung on a bamboo needle ओव० ३८. भग० ६, ३३, नाया० १ अ० ४, ४. निमी० १२, २०, जीवा० ३, ३. ४.

पूरिमा. स्त्री० (पूरिमा) ये नामनी गन्धार ग्रामनी त्रीश मूर्च्छना इस नामकी गन्धार ग्रामकी तीसरी मूर्च्छना. The 3rd intonation so named of the Gandhāra group of musical notes अणुजो० १२८; अ० ७. १.

पूरियव्व. वि० (पूरितव्य) पूरया लायक पूर्य करने-भरनेके योग्य Fit to be filled. भग० १२, ४.

पूह. पु० (पू) भावपुषा, पुज्जा वगेरे. मालपुष. Sweet-cake. वेय० २, ७,

पूस. पुं० (पूषन्) पुषादेवता; रेवती नक्षत्रने अधिष्ठाता देव. पूषादेवता, रेवती नक्षत्रका अधिष्ठाता देवता. The presiding god of Revatī constellation. ज० प० ७, १५५; १५७, अ० २, ३; अणुजो० १३१;

पूसनंद-दि. पु० (पुष्यनन्द-न्दि) पुष्यनंदी नामे ओक युवराज. पुष्यनंदी नामक एक युवराज. A prince named Pusya nandī. विवा० ६,

पूसफली. स्त्री० (पुष्पफली) कुभांड-कांड-गानी वेवडी. कदू-कोला-कुम्भांडकी बेल A pumpkin. भग० २२, ६, पत्र० १,

पूसमाणय पु० (पोष्यमानव) भाट, आरक्ष भाट; चारण, वन्कीजन A bard. ज० प० ३, ६७; कय० ५, १०७;

पूसमाणव. पु० (पोष्यमानव) भणिनु ओक गतनु लक्षशु. मणिका एक लक्षण A characteristic of a gem राय० ४६; (२) भगणपांडक, भाट आरक्ष वगेरे भाट चारण आदि मगल स्तुति पाठक A bard. ज० प० ३, ६७, ५, ११६;

पूसमित्त. पुं० (पुष्पमित्र) आर्यरक्षित सरिना हर्षलक्षि पुष्पमित्र नामना शिष्य. आर्य रक्षितमूरिके दुर्बलिकाके पुष्पमित्र नामक शिष्य A disciple named Puspa mitra of ... विगे० २२८६;

पूसा. स्त्री० (पुष्या) महावीर स्वामीना छ्वा कुंडाक्षिय आवाइनी स्त्रीनुं नाम. महावीर स्वामीके छठे कुंडकोलिय आवाइकी स्त्रीका नाम Name of the wife of the 6th layman follower of Mahāvīra Svāmī उवा० ६, १६३; १०, २७७.

पेञ्चम पु० (पेक्क) हाथीनी पुछडीना मूल भाग. The root of the tail of an elephant. अ० ४, २,

पेय. वि० (पैतृक) पिता सम्बन्धी. पिता सम्बन्धी पैतृक. Paternal भग० १, ७, —अंग. पुं० न० (—अङ्ग) पितामा अंग, पिता तरुकी वारसाभां भोज्य अंग—अपयय पितके अंग—पिताकी ओरसे वसियतमें आयेहुए—प्राप्त अवयव. Inheritance got from a father. भग० १, ७, —दाय. न० (—दाय) पिता सम्बन्धि धन. पैतृकधन, दायभाग. Paternal wealth. दसा० १०, ३.

पेंखोलमाण वि० (पेंखोलमान) डोलतु. डीयडतु. डोलताहुआ; झूलताहुआ Roll- ing; swinging नाया० १,

पेंकखणाय. न० (प्रेक्षणक) खेल. तमाशा. खेल, तमाशा A play, a sport सु० च० ६, ४०,

पेंकखणा. स्त्री० (प्रेक्षणा) पडिलेइएनेो पर्याय शब्द. पडिलेइएका पर्यायवाची शब्द. A synonym for Padilehana ओघ० नि० ६२;

पेव पु० (प्रेत्य) भरीने जन्मान्तरभां जवु ते, परलया. प्रेत्य; परत्र, परलोक गमन. Taking another birth after dying उत० ४, ३, भग० १, १, विशेष १५६०, (२) भरीने Having died सु० च० १४, १, —भव पु० (—भव) भरीने जन्मवु; जीजे अवतार; पुनर्जन्म पुनर्जन्म. Rebirth ओव० २७,

पेवमाण व० कृ० वि० (आक्रमण) आक्रमण करतु आक्रमण करतहुआ Attacking भग० ८, ७, १८, ८,

पेव्हा अ० (प्रेत्य) परलोकाभां, भरीने. परलोकमें, मरनेके बाद After death. उत० ६, ५८; ओव० ३८, आया० १, १, १, ३, पव० २, १,

पेव्हा स्त्री० (प्रेक्षणा) नेवु ते, निरीक्षण. प्रेक्षण; दर्शन निरीक्षण Observation. भग० ३, १; पचा० ६, ५, —घर—ग न० (—गृह—क) नेमां भेसी वनना के नाट- कता दृश्यो नेछे शिष्य तेवुं घर, प्रेक्षा घर बड़ मकान—या स्थान जहाँ बयल वन के नाटककी रगभूमिके दृश्य देखे जासके. A theatre; a play-house. नाया० ३, राय० १३६,

पेव्हाणिज्ज. वि० (प्रेक्षणीय) नेवा थोअ. दर्शनीय Fit to be seen ज० प० २, २१, नाया० १, भग० ११, ११; जीवा० ३, ३, ओव०

पेव्हा. स्त्री० (प्रेक्षा) नेवु, निरीक्षण करवु. देखना; निरीक्षण करना Observing ओव० ३८, राय० ५५, —मंडव. पुं० (—मण्डप) प्रेक्षामंडप—माडवे. प्रेक्षक मंडप. A theatre. प्रव० १४६१,

पेव्हाघर न० (प्रेक्षागृह) मुख्यमण्डप आ- गलनी पटशाल, प्रेक्षाघर; नाटक वगेरे नेवानु स्थान. रगभूमिके सामनेका स्थान जहाँ पर प्रेक्षकगण बैठते हैं. A theatre; a play house. जीवा० ३, ३; ज० प० ठा० ४, २, राय० १५२; —मंडव पु० (—मण्डप) पटशालनेो माडवे. पटशाल- रगभूमिके सामनेका मंडप. A theatre. भग० ११, ११;

पेज. वि० (प्रेयस्) अतिशय प्रिय; वडालु. अतिशय प्रिय; प्यारा Very dear. ओव० ३६,

पेज न० (पेय) पीवा लायक—दुध वगेरे पदार्थ. पेय; पीनेके योग्य, दूध आदि पदार्थ That which can be drunk नाया० १७; पिं० निं० ६२४, उवा० १, ३३,

पेज. पु० (प्रेम) प्रेम, स्नेह, राग. प्रेम; स्नेह, राग. Love. ठा० १, १; उत० ४, १३; अणुजो० १२७, नाया० १, भग० १,

६; ८; १२, ५. सय० २, ५, १२, षष्ठा० ६, ४; पत्र० ११; —चंद्र. पु० (—वन्ध) प्रेम-राग अन्धन, राग मोहनीयता सम्बन्ध प्रेम-रागवन्धन, राग मोहनीयता सम्बन्ध. Bond of attachment अ० २, ४, —चंद्रण न० (—वन्धन) प्रेमनुं अन्धन प्रेमना वन्धन, Bond of love. भग० ८, ५, दशा० ६, २, —चक्षि. स्त्री० (—श्रुतिका) प्रेमनिमित्तक मूर्च्छा, माया उपराध लोभशी धनादिनी मूर्च्छा प्रेम निमित्तक मूर्च्छा. माया छट आदि लोभके कारण धनादिकी मूर्च्छाका मोह Infatuation due to attachment, infatuation of wealth through deceit, hypocrisy etc अ० २, ४,

पेट. पु० (पेट=जठर) पेट, उदर पेट, उदर Stomach. तड्ड. —वेयणा. स्त्री० (—वेदना) पेटपीडा, पेटने दुःखावे. पेटकी पीडा Stomach-ache तड्ड.

पेटा. स्त्री० (पेडा) पेटि. पेटि; सन्दूक A box. तड्ड० (२) डोह साधु शिक्षा-गोथरीने भाटे पेटिने आकारे अलिग्रह धारण करे ओटले के पेटिने आकारे आरे दिशाभा आगे भुल्ले गोथरी करे ने. शिक्षा-ना अलिग्रहने ओक प्रकार. A vow of begging in the form of a box i. e. begging in all corners and directions. प्रव० ७५२; उत० ३०, १६, अ० ६, १, दशा० ७, १,

पेटि. स्त्री० (पेडा) पेटि, मन्त्रुषा. पंटी, सन्दूक A box. भग० १३, ६,

पेट न० (पीठ) पाल्ने (२) ओटले वाट्ट, ओटला, वेदी A platform; a stool. नदी० स्थ० १२. ज० प० ५, ११४,

पेटाल. पु० (पेटाल) पेटाल नामे लावि आठमा तीर्थकर. पेटाल नामक भावी आठवें तीर्थकर The 8th would-be Tirthankara named Pedhāla. प्रव० २६५; ४६७;

पेटालपुत्र पु० (पेटालपुत्र) पेटाल नामना विद्याधरने पुत्र के जेले भाड़ावीर स्वामिना शासनमा तीर्थकर नाम गोत्र उपात्तु-भेदात्तु, अने आवती यावीसीमा आठमा तीर्थकर थरे पेटाल नामक विद्याधरका पुत्र जितने महावीर स्वामीके शासनमें तीर्थकर नामक गोत्रका उपादन किया, और जो प्राणामी चौबीसीमें आठवें तीर्थकर होंगे. Son of a Yidyādhara named Pedhāla who in the reign of the lord mahāvīra Svāmi earned the Tirthankara family-origin and will be the 8th Tirthankara in the coming cycle. अ० ६, मम० प० २४१, (२) अलुत्तराववाध सूत्रना त्रीन वर्गना आठमा अध्ययननु नाम अणुत्तराववाध सूत्रके तीसरे वर्गके आठवें अध्ययनका नाम Name of the 8th chapter of the 3rd group of Anuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० ३, ८, (३) डाङ्गी नगरी निवासी भद्रासा-थेवाहीना पुत्र के जे दीक्षा लध छुट्टना पारलुानी प्रतिज्ञा लध ११ अग लण्णी धरा वर्षनी प्रवन्त्या पाणी ओक मासने सथारे डरी, सर्वार्थसिद्ध भलाविमाने पहुँचिया, तथाथी ओक अवतार डरी मोक्षे नशे. काकन्दी नगरी निवासी भद्रासार्थवाहीके पुत्र जिन्होंने दीक्षित हो छठ २ के पारणोकी, प्रतिया ली, ११ अगोका अध्ययन कर बहुत वर्गोकी प्रवज्या पाली, और जो एक मासका सथारा कर सर्वार्थसिद्ध महा विमानमें पहुँचे वहाँसे एक अवतारके बाद मोक्षको

जायगे. Son of a merchant residing at Kākandī, who being initiated, practised a vow of fasting, studied the 11 Angas, remained an ascetic for a long time, fasted for a month and reached Sarvārth siddha great celestial abode. Thence will he attain salvation after one incarnation अणुत० ३, ८,

पेढिया. स्त्री० (पीठिका) भाथी; भांथडी. माथी. A stool सूय० २, ७, १७, (२) पेढली, योतरा, प्हाटकार्म चतुरा A platform ज० प० (३) ज्वां छन्द्री-क्षिडा-कुमास अटकाववानु साधन रहेउ होय ते स्थान वह स्थान जहाँ दरवाजेको अटकानेका साधन-हस्तकीलिका-रहती हो. The place which has a hook to support a door. जीवा० ३, ४,

पेम. न० (प्रेमन्) आसक्ति, प्रीति. आसक्ति, प्रीति. Attachment, love ओव० १०; भग० २, ५, दस० ८, २६-५६, राय० २२४; प्रव० ४५८, उवा० ७, १८१; —अणुराग पु० (-अनुराग) प्रेमने अनुराग प्रेमपूर्ण अनुराग Love भग० २, ५, —अणुरागरस्त त्रि० (-अनुरागरक्त) प्रेमना अनुरागे रगायेल. प्रेमानुरागमें रंगा-हुमा. Enamoured. दसा० १०, ८, —बंधण. न० (-बन्धन) प्रेमनुं बंधन. प्रेमका बन्धन. Bond of love. ज० प० २, २४,

पेयकाइय पु० (प्रेतकायिक) व्यतर देवतानी ओड जत. व्यन्तर देवताकी एक जाति. A class of Vyantara gods भग० ३, ७,

पेयदेवयकाइय. पु० (प्रेतदेवताकायिक) शङ्केन्द्रना लोकपाल जमनी आजा माननार देवतानी ओड जत. शङ्केन्द्रके लोकपाल यमकी आज्ञा माननेवाले देवताकी जाति. A class of gods who obey Yama the lokapāl of Sakreन्द्र. भग० ३, ७,

पेयसद्. न० (पेयासद्) भोटी डाढली-वाजित्र विशेषतो शब्द. वाद्य विशेषकी ध्वनि Sound of a particular musical instrument. निसी० १७, ३३,

पेया. स्त्री० (पेया) भोटी डाढली, वाद्य विशेष वाद्य विणेष A big musical instrument. राय० ८२;

पेयाल पु० (*) विचार. विचार. Thought विशेष १३६१; उवा० १, ४४, (२) प्रमाण, माप. माप; परिमाण Measure. नदी० स्थ० २७,

पेयालणा स्त्री० (*) प्रमाण करवु, मापवु. मापना. Measuring. पि० नि० ६५;

पेरण न० (प्रेरण) प्रेरणा. (२) टपका प्रेरणा (२) ठपका Urging, 'blame. उत्त० १, २८,

पेरन्त न० (पर्यन्त) छेडा; अन्त अन्त, छोर An extremity, end. अणुजो० १४६; ओव० ४३, नाया० १, ५, १८; विवा० ३, ज० प०

पेलव. त्रि० (पेलव) मृदु; कामल, सुवाणु. मृदु, कामल, सुमनोहर. Soft. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ४, राय० १८६,

पेलु. पु० (पेलु) रूनी पूली. रूईकी पूनी. A spindle of cotton. पि० नि० भा० ३५;

पेलुगा. स्त्री० (पीलुका) ओ नामनी वन-स्पति, पीलु. इस नामकी एक वनस्पति, पीलु A particular vegetation पत्र० १,

पेष्ठप्र. पु० (प्रेरक) आश्विनरोववाध सूत्रना
 गीष्म वर्गनां योथा अध्ययनं नाम. अणु-
 सरोववाध सूत्रके तीसरे वर्गके चौथे अध्ययनका
 नाम. Name of the 4th chapter
 of the 3rd group of Anuttar-
 ovavāi Sūtra. अणुत्त० ३, ४; (२)
 डाकदि नगरी निवासी लघुसार्थवाहीना
 पुत्र के ने दीक्षा लध, छहछहनां पारश्वानी
 प्रतिज्ञा लध, ११ अंगव्युष्टी ध्यानां वर्गनी
 प्रवर्त्तना पाणी अेक मासतो सधारो करी,
 सर्वार्थसिद्ध विमाने उत्पन्न तथा, ' त्याग्यी
 अेक अवतार करी मोक्षे नश्ये. काकन्दी नगर
 निवासी भद्रसार्थवाहीके पुत्र जिन्होंने दीक्षित हो,
 छहछहके पारणोंकी प्रतिज्ञा की, ११ अंगोंका
 अध्ययन किया, बहुत वर्षोंतक प्रवज्या पाली
 और अन्तमें जो एक मासका संन्यास करके
 सर्वार्थसिद्ध विमानमें उत्पन्न हुए, वहाँमें एक
 अवतारके पश्चात् मोक्षको प्राप्त होंगे Son
 of a merchant residing at
 Kakandī, who being initiated,
 practised a vow of fasting,
 studied the 11 Angas, re-
 mained an ascetic for a long
 time, fasted for a month and
 reached Sarvārthsiddha great
 celestial abode. Thence will
 he attain salvation after one
 incarnation. अणुत्त० ३, ४;

पेष्ठण. न० (प्रेरण) प्रेरणा करवी; काम
 करावतुं. प्रेरण करना; काम करवाना. Urg-
 ing; impelling. पि० नि० ३५५;
 पष्ठ० १, ३; ओष० नि० भा० ७५;
 ओष० नि० ४६३;

पेष्ठिय. वि० (प्रेरित) धकेलायेतुं. धकायाहुआ;
 प्रेरित. Graded. पि० नि० ४१८,

पेस. न० (पेस) सिधदेशमांना पेस नतना
 अक्षम आभरीवाणा पशुना आभयनी यना-

वटनु वस्त्र. सिंव देगस्थ पेस नामक सूत्र्य
 चर्मवाले पशुके चर्मकी पनावटका वस्त्र. A
 dress made of the thin skin
 of an animal known as Pesa
 in Sindha. आया० २, ५, १, १४५;

पेस. पु० (प्रेष्य) नोकर; आकर. नौकर;
 चाकर; सेवकर्त्ता. A servant. प्रव०
 १००४; सूय० २, २, ६३; उत्त० १६,
 २६; ओष० नि० ४६७; नाया० १४; जीवा०
 ३, ३; दमा० ६, ४; वव० ६, ३-८;
 ज० प० पचा० १, २८, १०, २६; द्वा०
 १०, २७७, —आरंभ. पु० (—आरंभ)
 आकर पास आरल करावणे ते. सेवकके
 पास-द्वारा करायाहुमा आरभ. An injury
 caused to be done by a ser-
 vant. दसा० ६, २;

पेसग. वि० (पेय्यक) काम करनेवाला; नौकर; सेवक. A servant.
 सूय० १, २, २, ३;

पेसण. न० (प्रेषण) भेजना.
 Sending. नाया० ७; पचा० १, २०;
 पेसण. न० (पेपण) पीसतुं ते. पीसना;
 पीसनेका कार्य. Grinding. गच्छा० १२६;
 पेसणकारी. स्त्री० (प्रेषणकारिणी) सदेशी
 भेजनेवाली दासी. सदेश वाहक स्त्री. A
 female messenger. नाया० ७,

पेसणकारिया. स्त्री० (पेपणकारिका) अ-हन
 वगेरे पीसनारी-धसनारी दासी. चन्दन
 घिसनेवाली दासी. A maid who rubs
 sandal. नाया० १; भा० ११, ११,

पेसत्ता. (प्रेष्यता) आकरपाणुं सेवकाई, दास्ता.
 The state of a servant. भा०
 १२, ७,

पेसपरिभाषा. वि० (प्रेष्यपरिभाषा) आवडनी
 नवमी पडिमा आकरनार आवड के ने नव
 भास सुधी नोकरनी पासे पणु आरल के

शमकान् करावे नहि. श्रावककी नवीं पहिमाका
आदर करनेवाला श्रावक जो नव मास तक
नौकरानीकेसे भी काम न करावे. A lay-
man who observes the 9th
vow viz. that he will not
cause his servant to commit
injury or any work for 9
months. सम० ११;

पेसल. त्रि० (पेसल) भनोत, सुंदर. मनोह,
सुंदर. Attractive, beautiful. उत्त०
८, १६; १२, १३, आया० १, ६, ५,
१६५; स्य० १, १३, ७, जीवा० ३, ४,
पत्र० १७, (२) पेसल नामना पशुनां जीवुं
रुवांती अनावटुं पस्त्र. पेसल नामक पशुके
घारीक रुधौं-बालोंको बनावटका वस्त्र A gar-
ment made of the thin hair
of an animal called Pesala.
माया० २, १, ५, १४५,

पेसवण. न० (प्रेषण) भोडलवु भेजना.
Sending. उवा० १, ५४, प्रव० २८५,

पेसिय. त्रि० (प्रेषित) भोडलेल. भेजाहुआ.
Sent. उत्त० २७, १३;

पेसिया. स्त्री० (पेशिका) धनारी; पीसनारी.
कलने या पीसनेवाली Female grinder.
भग० १६, ३;

पेसिया. स्त्री० (पेशिका) शेरडी विगेरेनी
डातणी, थीर. ईख-साटे आक्की पेरी-चेरी-
फांक A piece of sugar-cane
etc. आया० २, ७, २, १६०, अणुजो० १,

पेसी. स्त्री० (पेती) मांसनी पेशी-कड्डो.
मांस पेती-मांसका टुकड़ा. A piece of
flesh. पि० नि० १६३; (२) गर्भनी त्रीन
अठवाडीआनी स्थिति; पाण्डुनी परपोटाभांथी
गाटलानी मांस मांस पिडरूपे गर्भनी
आकार अंशाय ते. गर्भकी तीसरे सप्ताहकी
स्थिति. The condition of an

embryo at the 3rd week. तड०
१६,

पेसुण. न० (पैशुन्य) याडी, युगली. जुगली;
पिशुनता. Backbiting. नाया० १, भग०
१, ६; पत्र० २२; ओव० ३६; महा०
नि० १;

पेसुन्न. न० (पैशुन्य) याडी जुगली. Back-
biting. कप्प० ५, ११७, प्रव० १३६६;

पेस्स. पु० (प्रेष्य) नोकर; आकर; सेवक.
नौकर; चाकर, सेवक, दास. Servant.
नाया० २,

पेहण. न० (प्रेक्षण) जेवुं, देखवुं. देखना;
प्रेक्षण करना. Seeing; observing.
पंचा० ४, ११;

पेहणया. स्त्री० (पिधान) ढांकवुं. ढांकना.
Covering. उवा० १, ५६;

पेहणियज्ज. त्रि० (प्रेक्षणीय) देखाया योग्य.
देखने योग्य, दर्शनीय Fit to be seen.
दसा० १०, ५,

पेहा. स्त्री० (प्रेक्षा) अनुभवयथी विचार
करवे ते. अनुभवसे कीर्ण विचारणा. Think-
ing with experience. सम० १७;
उत्त० ६, ४; निसी० १८, १८, दस० २, ४;
(२) आसन शय्यादिक जेध पुछने वापरवा
ते; संयमना १७ प्रकारमाने अेक. सयमके
१७ प्रकारोंमेंसे एक. One of the 17
kinds of self-restraint; using
a seat or bed after carefully
looking at it and sweeping.
प्रव० ५६३, (३) होठ हलावतां काउसग्ग
करवे ते; काउसग्गने १८ भो दोष. होंठ-
मोठ-हिलातेहुए काउसग्ग करण. काउसग्गका १६
वाँ दोष. The 19th fault of
kāusagga; shaking the lips
while performing kāusagga.
प्रव० २५०;

पेहिय न० (प्रेक्षित) इटाढालरी शीते जेवु ते. कञ्चनपूर्वक प्रेक्षण-प्रवलोकन. Looking with amorous glances
दस० ८, ५८; उत्त० ३२, १४,

पेहुण. न० (वर्णिण) मोरना पीछा; मोरपीछ. मोरके पस-पीछ. Pea-cock feathers.
जीवा० ३, ४, पण्ह० १, १: २, पत्र० १७;
राय० ५५, भत० १४१. — कलात्र. पु०
(-कलाप) मोरपीछाना समूह. मोरके पखका ढेर-समूह. A heap of pea-cock feathers. नाया० ३,

पोहय. वि० (पोतित) निमग्न, डुबेसु, निमग्न
झबाहुआ. Plunged. मोघ० नि० १३६;
पोई. पु० (पोती) पोछा वनस्पति विशेष.
पोई; वनस्पति विशेष. A particular
vegetation. भग० २१, ६;

पोड. न० (पोण्ड) विद्रास न पामेसुं डमण.
विकासहीन कमल. An unopen lotus.
पण्ह० १, ४, विशेष० १४२५;

पोडग. पु० (पोण्डक) वनस्पति विशेष
वनस्पति विशेष A particular vegeta-
tion. जीवा० ३, ४;

पोंडरीकिणी. स्त्री० (पुण्डरीकिणी) दक्षिण
दिशाना अञ्जनक पर्वतनी पुण्डरीकिणी
नामनी वाय दक्षिण दिशाके अञ्जनक पर्वतकी
पुण्डरीकिणी नामक बावली-बापिकी. A well
named Pundarikinī of the
Anjanaka mount of the
south. ग० ४, २;

पोंडरीय. पुं० (पुण्डरीक) सुखगङ्गासूत्रना
पीछ श्रुतस्त्वधनां पहेला अध्ययननुं नाम,
३ जेभां पुण्डरीक-सङ्केत डमणनी उपमा
छे. सुखगङ्गा सूत्रके दूसरे श्रुतस्त्वधके पहिले
अध्ययनका नाम जिसमें पुण्डरीक-श्वेत कमलकी
उपमा दी गई है. Name of the 1st
chapter of the 2nd Śrutas-

kandha of Sūyagadāṅga
Sūtra which describes the
simile of the white lotus.
सूय० २, १, १; ६०, (२) पीछानी पांजोवाणु
पक्षी. पखवाला पत्ती. A bird having
feathers. पत्र० १, (३) धोणु डमण. श्वेत
कमल. White lotus आवा० ४०; सूय०
२, ३, १८, पत्र० १, राय० ४८; ज० प० (४)
सानभा देवलोडनु ओइ विमान; ओनी स्थिति
सत्तर सागरोपमनी छे; ओ देवता साधव्याह
भरिते श्वासोच्छ्वास ले छे; ओने सत्तर डग्लर
वर्षे लुधा लागे छे. सत्तर देवलोडका एक
विमान, इसकी स्थिति सत्तर सागरोपमकी है, यह
देवता साढ़ आठ मासमें श्वासोच्छ्वास लेते हैं, और
इन्हे सत्तर हजार वर्षों में चुधा लगनी है. A
celestial abode of the 7th
heaven; its gods live for 17
Sāgaropamas, breathe once in
8½ months and feel hungry
once in 17000 years स्म० १७;
(५) कुंडरीक अने पुण्डरीकना अधिपतिवाणु
जाता सत्तर १८ भु अध्ययन. कुंडरीक और
पुण्डरीकके अधिकावाला जाता सूत्रका १९वां
अध्ययन. The 19th chapter of
Gnātā Sūtra describing Kun-
darika and Puṇḍarika. स्म०
१६,

पोकरा पुं० (पोकर) ओ नामना ओइ देश.
इस नामका एक देश. A country so
named. (२) वि० ते देशमां रहेनार.
इस देशका निवासी. An inhabitant
of that country पण्ह० १, १,
पत्र० १;

पोकारेमाण. व. क. वि० (पुकार) पोकार
धरतु. पुकार मचाताहुमा. Shouting.
नाया० १८;

पोखर. न० (पुष्कर) कुमण. कमल. The lotus. ज० प० ३, ५७, निसी० १२, २१, (२) कुमण नेतु अेक वाजि३. कमलवत् एक वाद्य यत्र. A musical instrument like a lotus. (३) ते वाजि३ वगाड्यानी कुणा. इस बाजेकी बजानेकी कला The art of playing on this instrument. नाया० १; —**कर्णिया.** स्त्री० (कर्णिका) कुमणने मध्य भाग. कमलका गर्भ-मध्यभाग. The interior of the lotus. सम० १३; —**स्थिभाय.** पु० (-स्थिभाग) कुमणनां पी० न्या रहेता होय ते भाग. कमलका वह स्थान जहाँ उसके बीज रहते हैं. The place where the seeds of the lotus are lodged ज० प० ४, ७३; पत्र० १;

पोखरिणी. स्त्री० (पुष्करिणी) कुमणवाणी वाय. कमलवाली बावली-पुष्करिणी A well having lotuses. नाया० २, ८, ६, १२, १३, राय० १३२,

पोखल. न० (पुष्कर) कुमण (२) पद्मकेशर. कमल. (२) पद्मकेशर. The lotus. आया० २, १, ८, ४७, पत्र० १, —**विमंग.** पु० (-विमङ्ग) पद्मकन्द पद्मकन्द The root of the lotus आया० २, १, ५, ४७

पोखलावतीकड. पु० (पुष्कलावतीकूट) अेकशैलवपारापर्वतना आर दूटमांनु दूट-शिप्यर एक शैल वखारा पर्वतके चार कूटोंमेंसे एक कूट One of the 4 peaks of Ekaśailavakhārā mount. ज० प०

पोखलि. पु० (पुष्कलि) आवस्ति नगरीने रहोश अेक आवड, शमथ आवडनेो नेडीदार आबस्ति नगरी निवासी एक आवक; शखजी आवकका साथी. A layman resident

of Śrāvastī city and friend of Śāṅkhajī layman. भग० १२, १, **पोखिलण.** पु० (प्रोक्षिण) पाणी छाटी इण दूध आनार तापसनेो अेक वर्ग. पानी छोट कर फल फूल खानेवाले तपस्वियोंका एक वर्ग. A class of ascetics who eat fruits and flowers after sprinkling water. निर० ३, ३,

पोगल पु० (पुद्गल) रूप-रस-गन्ध अने स्पर्शयुक्त मूर्तद्रव्य; उ द्रव्यमांनु अेक द्रव्य. रूप, रस, गन्ध और स्पर्शयुक्त मूर्त द्रव्य; क द्रव्योंमेंसे एक द्रव्य. A material molecule having form, taste, smell and touch, one of the six substances. ओव० ४१; अणुजो० ७४; १३२, १३४; भग० १, १-२-४, २, १; ३, १-२-४, ५, ७-६; ७, ६, १६, २, १८, ७, २०, २, २५, ४; नाया० १, १२; निसी० ७, २६; सू० प० २०, पत्र० ३; राय० २६; (२) आत्मा, शुव. आत्मा; जीव The soul सूय० १, १३, १५; भग० ८, १०, (३) मांस मांसा, आमिष. Flesh. विशेष० २३५, पि० नि० ५४, (४) पुद्गल नामना परित्राणक के ने आलंभिडा नगरीनी आहुर रहेता हता पुद्गल नामक परिव्राजक जो आलम्बिक नगरीके बाहर रहते थे An ascetic named Pudgala who lived outside the city of Ālambikā. भग० ११, १२; —**उवचय.** पु० (-उपचय) पुद्गलनेो समूह. पुद्गल समूह. An aggregate of molecules भग० ६, ३; —**कय.** त्रि० (-कृत) पुद्गल रक्षणा समूहथी करेल. पुद्गल स्वधके समूहद्वारा कियाहुआ Made by an aggregate of molecules. विशेष० ६०, —**कलेष** पु० (-उत्क्षेप) काडरादि पुद्गलनुं देकुं. ककर आदि पुद्गलोंका

फेंकना. Throwing of molecules such as pebbles etc. पचा० १, २८; —स्थिकाग्र. पु० (अस्तिकाग्र) पञ्च-गंध-रस अने स्पर्शग्राह्य उ द्रव्यभानुं ओक द्रव्य, जेना रसभाव पुरण तथा हावन छे, पुद्गल नामनु ओक अस्तिकाग्र-प्रदेश समूह-रूप द्रव्य वर्ण-रस-गंध और स्पर्शवाला छ द्रव्यमसे द्रव्य; जिसका स्वभाव पूरण तथा है; पुद्गल नामक एक अस्तिकाग्र-प्रदेश समूह-रूप द्रव्य. A substance made up of a group of spatial units; a material having colour, smell, taste and touch. सम० ५, अणुजो० ६७, भा० १, ६, २, १०, ७, १०, ८, १०; २० २, —परिग्रह. पु० (-परिवर्त) अनन्त अवसर्पिणी अने अनन्त उत्सर्पिणी. प्रमाणे ओक क्षण विभाग; ओक श्व जेटला वणतमां दोडमाना सर्व पुद्गलौ उदारिक आदिपणु अहणु करी परिणु-भावी ल्ये तेडलो वणत अन्त अवसर्पिणी और अन्त उत्सर्पिणी प्रमाणका एक काल विभाग; एक जीव जितने समयमें लोकके समस्त पुद्गल्लोको उदारिक आदिपणुसे अहणकर परिणमित-परिणत-करले उतना समय. A period of time required by a soul for the maturity of all the molecules of the universe in the form of physical body etc. अणुजो० ११५; भा० १२, ४, २५, ५-६; जीवा० १, पम० १८; किर० ४३७; प्रब० ३८, —परिणाम पु० (परिणाम) पुद्गलनु परिणुभनुं. पुद्गलकी परिणति-परिणाम-होना-करना. Maturity of molecules. ज० प० ७, १७६; भा० ६, ५; ८, १०; —विभागि त्रि० (विपाकि) पुद्गलना निमित्ते विपाक पाभनार. पुद्गलके निमित्त

व्याक पानेवाला. That which attains
maturity by means of mole-
cules. क० प० ४, ७२,

पोगलत्ता. सी० (पुद्गलता) पुद्गलपञ्च.
पुद्गलपना-ता. The state of a mole-
cule. भा० ६, ६;

पोग्गलि. वि० (पुढलिन्) पुद्गलोने भोगव-
नार. पुद्गल्लोको भोगनेवाला. (one) who
enjoys a molecule. भग० ८, १०;

प्रोगालित्व. त्रि० (पौल्लिक) पुद्गल सख्यन्धी.
पुद्गल विषयक Atomic. पि० नि० ३२४,

पोष्यड. वि० (*) सार विनानु सारहीन.
 Worthless. (२) भलिन. मलीन.
 Dirty. नाया० ३, (३) व्याप्त; लीन थय्येल.
 व्याप्त; लीन. Occupied; absorbed
 in. नाया० ३, १२; —तमु. वि० (—तमु)
 जल वजरेमा लीन थय्येल शरीरवाणो. जल
 आदिमें निमग्न शरीरवाला. (one) whose
 body is absorbed in water
 etc. नाया० ८;

पोष्ट. न० (२) पेट; उदर, जठर. पेट;
 उदर. Stomach. ओष० नि० भा० ७६;
 ज० प० स्वा० २, ६४; —रोग पु०
 (—रोग) पेटनो रोग. फेफ्फा रोग Disease
 of the stomach. प्रब० ८८६;

पोद्दलिआ. सी० (पोद्दलिका) पोद्दली;
गांढी. पोद्दली; गंढी A bundle. जं०
प० ५, ११४,

पोट्टसाज. पु० (पोष्टाल) पोष्टाल नामने
 ओक परियाजक-(तापस) के ने पोताना
 पेठ उपर लोहपट्ट-लोहाने पाठो आंधता-
 तेथी पोष्टाल नामथी न्हडेर थयेल छे.
 पोष्टाल नामक एक परियाजक-तापस-जो अपने
 पेठपर लोहपट्ट-लोहकी पटी बांधते ये अस्तन
 पोष्टाल नामसे प्रसिद्ध हुए हैं. An asce-
 tic named Pottasāla who

wore an iron belt round his belly. विरो० २४५९;

पोट्टिल. पु० (पोट्टिल) भगवान् महावीर स्वामीना जन्म पूर्व भवन्तु नाम, ते भवमां अत्र करोड वरस प्रवर्त्तया पाणी हत्ती. भगवान् महावीर स्वामीके कृते पूर्व भवका नाय, इस भवमें एक करोड वर्षकी प्रवर्त्तया पाली थी. Name of the 6th previous birth of the lord Mahāvīra when he had remained an ascetic for 1 crore of years सम० प० १६६, (२) जम्बूद्वीपना भरत-भूमा थनार नवमा तीर्थंकर जम्बूद्वीपके भरतखण्डमें होनेवाले नवें तीर्थंकर The 9th Tirthankara to be born in Bharata khanda of Jambūdvīpa. प्रब० २६६; सम० प० २४१; (३) जम्बूद्वीपना भरतभूमा थनार योथा तीर्थंकरना पूर्व भवन्तु नाम. जम्बूद्वीपके भरतखण्डमें होनेवाले चौथे तीर्थंकरके पूर्वभक्का नाम Name of the previous birth of the 4th Tirthankara to be born in Bharata khanda of Jambūdvīpa सम० प० २४१, (४) अलुप्तरोववार्ध सन्नना त्रीज वर्गनां नवमा अध्ययननु नाम अणुत्तोक्ताद सुक्के तीसरे वर्गके नवें अध्ययनका नाम. Name of the 9th chapter of the 3rd group of Anuttarovavāi. अणुत्त० ३, ६, (५) डाकही नगरी निवासी लक्ष्मणार्थवादीना पुत्र के ने दीक्षा लध, जठु जठुना पारशुना प्रतिज्ञा लध, ११ अगलशुी धृष्टा वरसनी प्रवर्त्तया पाणी, अत्र भासना सधारे करी सर्वार्थसिद्ध विमाने उत्पन्न थया, त्याही अत्र अवतार करी मोक्षे नशे ककदी नगरी निवासी महासार्थ-

वाहीके पुत्र जिन्होंने दीक्षित हो जठुजठुके पारणोंकी प्रतिज्ञा की, ११ अर्गोंका अध्ययन कर, बहुत वर्षोंकी प्रवर्त्तया पाली, फिर एक मासका सधारा कर सर्वार्थसिद्ध विमानमें उत्पन्न हुए और जो वहाँसे एक अवतारके अनन्तर मोक्षको प्राप्त करेंगे Son of a merchant residing at Kākandī, who being initiated, practised a vow of fasting, studied the 11 Angas, remained an ascetic for a long time, fasted for a month and reached Sarvārth-siddha great celestial abode. Thence will he attain salvation after one incarnation. अणुत्त० ३, ६;

पोट्टिलदेव. पु० (पोट्टिलदेव) पोट्टिल नामने देव के ने पूर्वभवे तेतली प्रधाननी स्त्री पोट्टिला रूपे हतो. पोट्टिल नामक देव जो पूर्व जन्ममें तेतली प्रधानकी स्त्री पोट्टिला रूपमें था. A god named Pottīla who in his previous birth was in the form of Pottīla, the wife of Tetali minister नाया० १४;

पोट्टिला. स्त्री० (पोट्टिला) तेतली पुत्र मन्त्रीनी स्त्रीनु नाम तेतली पुत्र मन्त्रीकी स्त्रीका नाम Name of the wife of Tetali putra, a minister. नाया० १४, —अमन्त्री. स्त्री० (—अमात्या) पोट्टिला नामे अमात्य-मन्त्रीनी स्त्री. अमात्यकी पोट्टिला नामक स्त्री. Name of the wife of Tetali-putra, a minister नाया० १४, —दारिया. स्त्री० (—दारिका) पोट्टिला नामनी कलाद पुत्री पोट्टिला नामक कलाद पुत्री-कन्या The Kalāda daughter named Pottilā. नाया० १४, —भारिया. स्त्री० (—भार्या) पोट्टिला

नामे तेतली प्रधाननी भार्या-स्त्री. पोडिला नामक तेतली प्रधानकी स्त्री. Name of the wife of Tetali-putra, a minister. नाया० १४; —रूच. न० (-रूप) पोडिला नामनी स्त्रीनुं २.५-आक्षर पोडिला नामक स्त्रीका रूप-एव आकृति The appearance of a lady named Pottilā. नाया० १४; —सम-गोवासिया. स्त्री० (भ्रमगोवासिका) पोडिला नामनी श्राविका. पोडिला नामक श्राविका. A laywoman named Pottilā. नाया० १४;

पोट्टुवई. स्त्री० (प्रोष्ठपदा) भाद्रपदा महीनानी पुनम भाद्रपद महिनेकी पूनम-पूर्णिमा. The last date of the Hindu month Bhādrapada ज० प० ७, १६१,

पोट्टुवया. स्त्री० (प्रोष्ठपदा) भाद्रपद नक्षत्र. भाद्रपदा नक्षत्र Bhādrapada constellation. ज० प०

पोडइल्ला. स्त्री० (-) ओष्ठ वनतनी पर्व-तनी वनस्पति एक जातिकी पहाड़ी वनस्पति. A species of vegetation. पत्र० १; पोंड वि० (प्रौढ) पीठ, पाडी उभरनुं वृद्ध, पकीहुई उमरका, प्रौढ वयवाला. Old. सु० च० १, ६१;

पोणुइ. स्त्री० (पोणुकी) इण विशेष. फल विशेष A particular fruit भग० २२, ३;

पोत. पुं० (पोत) पक्षिनुं अन्धु. पक्षीका बच्चा. Young one of a bird गच्छा० १२४, पणह० १, १; (२) वहाणु; वाहण वाहन; जहाज. A ship. पणह० १, ३,

पोतअ. पु० (पोतज) अर्धधो विंटाधने उत्पन्न थाय ते, लाथी वगेरे-पोतअ प्राणी चर्मसे आवृत होकर उत्पन्न होनेवाले हाथी आदि पोतज प्राणी An animal which

is born covered up by skin e. g. an elephant etc. दस० ४, पोतग. न० (पोतक) ताडपत्र वगेरेने सांथीने अनावेलु वस्त्र ताडपत्र आदिको जोड़कर बनायाहुया वस्त्र. A dress made of palm leaves etc. आया० २, ५, १, १४१;

पोतज. वि० (पोतज) लुओ " पोतअ " शब्द देखो " पोतअ " शब्द. Vide " पोतअ. " अ० ७, १,

पोत्त न० (पोत) लुगडु; डपडु. लुगडा; कपडा; वस्त्र. A garment. अणुजो० १३०, पि० नि० ३०८;

पोत्त. पु० (पौत्र) दीडरानो दीडरो पोता; लडकेका लडका. A grandson. भग० १२, २;

पोत्तअ. न० (पोतक) सुतराउ डपडु. सूती वस्त्र Cotten cloth. वेय० २, २२;

पोत्तिय-अ. पु० (पौतिक) वस्त्रधारी वान-प्रस्थ, तापसनी ओष्ठ वनत. वस्त्रधारी वान-प्रस्थ; तपस्वीकी जाति. A class of ascetics who wear clothes भग० ११, ६; ओव० ३८; नि० ३, ३; (२) डपासनुं वस्त्र. कागसका वस्त्र; रूईका सूती कपडा. Cotton cloth. अ० ५, ३; (३) चार इन्द्रियवाला जीवनी ओष्ठ वनत. चार इन्द्रियवाले जीवकी एक जाति. A species of four-sensed being. भग० १५, १, जीवा० १;

पोत्तिया. स्त्री० (पोत्तिका) मोहपत्ती; मुख वस्त्रिका. मुखपट्टी. A piece of cloth to cover the mouth. नाया० १; भग० ६, ३३, पत्र० १; —पडिलेह पु० (-प्रतिलेख) मोहपत्तीनुं पडिलेहणु डरवु ते. मुखपट्टीकी पडिलेहणु क्रिया. Examining of the piece of cloth used

in covering the mouth. प्र०
१७५,

पोती. स्त्री० (पोती) ओढ़वाली साड़ी.
ओढ़नेकी सारी. A Sari (upper gar-
ment) विशेष० २६०१, सु० च० ८, २४२,

पोचुलुय. पुं० (पुत्तलिका) पड़ेरवानु वस्त्र.
पहिनैका वस्त्र A wearing apparel.
नाया० १८,

पोत्थ न० (पुस्त) वस्त्र. वस्त्र Dress,
(२) पुस्तक. (२) पुस्तक A book, (३)
ताडपत्र (३) ताडपत्र Palm-leaf.
अणुजो० १०, १४६, (४) लेख्य कर्म; माटी
वगैरैयी बनावेस पुत्तलां वगैरै. लेख्यकर्म;
मिट्टी आदिमे बनाये हुए पुत्तले-खिलौन-आदि
Statues, dolls etc. made of clay.
विशे० १४२५, —कर्म न० (—कर्म)
वस्त्र तथा पुस्तकनी बनावट. वस्त्र और
पुस्तककी बनावट Making of cloth
or a book. आया० २, १२, १७१,
नाया० १३, —कार. वि० (—कार) पुस्तकनी
शिल्प उपर श्रविका यज्ञावनार शिल्पकार.
An artizan अणुजो० १३१, —रथग.
न० (—रत्न) सूर्याभिवेदानु रत्न समान
ऐक पुस्तक है जेभा देवनीनि-देवताना
कुसुधर्म सभधी ज्यान छे सूर्याभिवेदाको
खवत एक पुस्तक जिसमें देवताओंकी कुलधर्म
सम्बन्धी बातोंका हाल लिखा हुआ है A
jewel-like book of the Sūryā-
bha god which deals with
the ethics of the gods. राय० १६६,
पोत्थग. न० (पुस्तक) पुस्तक, पोथी, ओपडी
पुस्तक, किताब, पोथी A book ओष०
नि० भा० १६६,

पोत्थय. न० (पुस्तक) लुओ " पोत्थग "
शब्द देखो " पोत्थग " शब्द. Vide
" पोत्थग. " भाव० ३१, अणुजो० ३३;

विशे० ८५७, जीवा० ३, प्र० ६७१,
—ग्गाह. पुं० (—ग्गाह) पुस्तक धरनार
पुस्तक धारण. करनेवाला-रखनेवाला. (one)
who holds a book. ज० प० ३, ६७;

पोन्धार पुं० (पुस्तककार) लेखक, लखीये
लेखक, लिखनेवाला. A writer; a
scribe. प० १;

पोम्म. न० (पद्म) कमल. The
lotus उत० २५, २६;

पोय-अ. पुं० (पोत) वडाणु. वाहन, जहाज,
पोत A ship, a boat. ओव० २१,
उत० १४, ३०, नाया० १, भा० १, ६;
महा० प० ७६, विं० ११४४, सु० च० ३,
८२, भत० २४, (२) मनुष्य, पशु, पक्षि
आदिनुं पन्थु. मनुष्य, पशु, पक्षी आदिका
गिशु-शवक. A young one of a
man, animal, bird etc सूय० २,
३, २२, —पड्डाण. न० (—प्रतिष्ठान)
वडाणुने राखवानी जग्या. बन्दरगाह, जहाजके
ठहरनेकी जगह A harbour, moor-
ing. नाया० ८, —वहण. पुं० (—वहन)
वडाणुने यथावतु ते. जहाजका चलाना.
Sailing of a ship नाया० ८, ६,
१७, विवा० २, —विवसिअ. पुं०
(—विवर्तक) वडाणुने पाछुं ईरवनार. जहाजको
वापिस फेरने-फिरवानेवाला (one) who
turns a ship. विवा० २,

पोयग. पुं० (पोतक) पन्थु बच्चा, गिशु A
young one. नाया० ३.

पोयणपुर. पुं० (पोतपुर) ऐ नामनु ऐक
प्राचीन शहर. इस नामका एक प्राचीन नगर.
An ancient city so named.
सत्या० ५६;

पोयय वि० (पोतज) लुओ " पोत्थ "
शब्द. देखो " पोत्थ " शब्द. Vide.
" पोत्थ. " भा० ७, ५; नाया० ३, ठा० ३,

२; आया० १, १ ६, ४८; सूय० १, ६, ८; जीवा० ३, २, प्रव० १२५०; उवा० ८, २४२;

पोया. स्त्री० (पोया) वाद्य विशेष. वाद्यविशेष. A particular musical instrument. भग० ५, ४;

पोयाई. स्त्री० (पोताकी) पक्षिणी. (२) पक्षी सम्बन्धी विद्या. पक्षिणी (२) पक्षी सम्बन्धी विद्या. A female bird, an art pertaining to birds. विशेष २४५३;

पोयाल. पु० (पोत्तल) भृग आदिनु अर्च्यु. भृग आदि पशु शावक. A young one of a deer etc. भोष० नि० ४४८;

पोर. न० (पर्वन्) गाँड; वेष्टा. गाँड, गेंठान. A knot. भोष० नि० ७०७, सूय० २, ३, १; (२) शेरडी वगेरे. Sugar-cane etc. नाया० १७, —परिगह. त्रि० (—परिग्रह) अंगुष्ठाने पर्व अने प्रदेशिनी अंगुष्ठीनु दुष्टाणु डरीअे तेभां अरापर समाध गाय तेष्टु. अंगुष्ठके पर्व और प्रदेशिनी अंगुलीद्वारा क्रियेगये आर्तमें बराबर समाजाय इय प्रमाणका. That which can be contained in a circle made by joining the index-finger to the phalange of the thumb भोष० नि० भा० ३२२, —पाणग न० (—पातक) शेरडी वगेरेने रस. सादेका रस. Sugar-cane juice. नाया० १७, —बीय. त्रि० (—बीज) जेनी गाँड पीनरूप छे, अर्थात् गाँड वाचवाथी छे ते; शेरडी वगेरे. बीज रूप गेंठान्वाला यया सादा-ईव आदि. That whose knot acts as seed e. g a sugar-cane etc. आया० २, १, ८, ४८; ठा० ४, १; दस० ४,

पोरग. पु० (पर्वक) शेरडी वगेरेने साँझ. माँडा. A sugar-cane. भग० २१, ५; ७, जीवा० ३, १; पत्र० १;

पोरसी. स्त्री० (पौरसी) ओष्ठ पडेर सुधीने समय, पुरुष प्रमाण छाया थाय ते दान. एक प्रहरका समय, पुरुष प्रमाण छायाकाल. A watch of a day; time required for casting a shadow as long as a man पंचा० ५, ८,

पोराण त्रि० (पुराण) जुनु; पुरातन. जूना, पुराना. Old. कय० ४, ८८; सम० २०; भग० ३, १-७, २५, ७; सु० च० ११, २; दसा० १, १४; ४, ५२, ६१; जीवा० १; ३, ३, ४, निती० ४, २३, विवा० १; भोव० पत्र० २८; राय० ४; ३०;

पोराणिय. त्रि० (पौराणिक) धर्मा दानुनु; प्राचीन. बहुत समयका प्राचीन; पुराना. Ancient उक्त० ६, १;

पोरिसिअ. पु० न० (पौरसिक) पोरसी प्रहर सम्बन्धी पञ्चणालु, पोरसी ओषिहार. पोरसी-प्रहर सम्बन्धी पञ्चणालु. An abstinence related to a watch of a day जं० प० ७, १६२; भाव० ६, २;

पोरिसी स्त्री० (पौरसी) पडेर; दिवस अथवा रात्रीने ओषा लाग. प्रहर, दिन या रातका चौथा भाग A watch of a day, a quarter of a day or night. विशेष २०७०; उक्त० २६, १२-१३; ३०, २०; भग० २, ५, ७, १, ११, ११, नाया० १४; १६; १६, विवा० १, निती० १२, ३६; वेय० ४, ११-१२; पि० नि० भा० १२; कय० ५, १०७, (२) त्रि० पुरुष प्रमाणे लाथु. पुरुषके प्रमाणमें लम्बा. As long as a man. आया० १, ८, १, ५; सू० प० १; (३) पुरुषनी छाया पुरुषकी छाया, छँट. Shadow of a man. जं० प० (४)

अेक पहरना योविहारना पय्यभाणु करवा
ते. एक प्रहरके चोविहारका पक्खाण करनेकी
क्रिया. Observing a vow..... of
a watch of a day. प्रब० १८०;
उवा० १, ७७, —च्छाया. स्त्री० (—च्छाया)
पुरुषानी छाया. पुरुषकी छाया. Shadow
of a man. सम० २७,

पौरिसीमंडल. न० (पौरिसीमण्डल) २८
उत्कालिक सूत्रभांनुं १७ भुं. २६ उत्कालिक
सूत्रमेंसे १७ वां सूत्र. The 17th of
the 29 Utkalik Sūtras नदी० ४३,

पोरुस. न० (पौरुष) पदाति-पाणानो समूह.
पदाति-पैदलसेना समूह. A host of
pedestrians उत्त० ३, १८, ६, ५,
(२) आकर. नौकर, सेवक. A servant.
स्त्री० ६, ४,

पोरेकब. न० (पौरकृत्य) नगर-शहरेनु रक्षायु
करवानी कला. नगर रक्षणकी कला. The
art of protecting a city. भोव०
४०, नाया० १,

पोरेवब. न० (पौरपत्य) नगरनु अधिपतिपायु;
अधिशेसरपत्य. नगर नायकत्व Leading
citizenship ज० प० ५, ११५, भग०
१३, ६, भोव० ३२, सम० ७८, पत्र० २,
कप्य० २, १३;

पोलास पु० (पोलास) पोलासपुर नगर.
पोलासपुर नामक नगर. A city called
Polāsapura उवा० १०, २७७,

पोलासपुर. न० (पोलासपुर) न्यां देवकीछनो
जन्म थयो हुतो ते नगर. देवकीजीके जन्म
स्थानवाला नगर. A city where De-
vakiji was born. अत० ३, ८;
उवा० ७, १८०,

पोलिंदी. स्त्री० (पुलिन्दी) अेक गतनी
लिपि. एक जातिकी लिपि. A kind of
script. पत्र० १;

पोल्ल. वि० (पोल्ल=शुक्ति) आली; शून्य;
पोल्लुं. खाली; शून्य, रहित. Empty,
vacant. उत्त० २०, ४२; —रुक्ख.
पुं० (—रुक्ख) पोल्लुं वृक्ष. पोला-खोखला
वृक्ष. A hollow tree. नाया० १;
पोल्लाड. वि० (*) पोल्लु, गर्भ वगरनु.
पोला; गर्भ रहित. Empty. भोव० नि०
७३५;

पोखलइ. पुं० (*) अे नामनो कन्द.
इस नामका कन्द. A bulbous root so
named. पत्र० १;

✓पोस. धा० II. (पुष) पोषयु करवुं,
पोषवुं. पोषण कना, पालना. To nourish;
to rear.

पोसेति आया० १, २, १, ६६;

पोसेज्जा. वि. उत्त० ७, १;

पोसिज्जा. वि. आया० १, २, १, ६६;
नाया० २;

पोसाहि. आ. सूय० १, २, १, १६,

पोस. पु० (पोष्य) मण्डार; पुढेनो भाग,
अपान प्रदेश. मलद्वारा; अपान प्रदेश, गुदा
भाग. The anus. आब० १०; भोव०
नि० ५५६; जीवा० ३, ३; ज० प०

पोस. पु० (पौष) पोस महिनो. पौष मास
The Hindu month of Pausa.
उत्त० २६; १३; सम० १८; २६; भग०
१८, १०, नाया० ५; भोव० नि० २८३,
(२) विषय पोषवानुं स्थण. विषय सेवनकी
जगह. A place of sexual enjoy-
ment. निसी० ६, १०; —पुषिणमा.
स्त्री० (—पुषिणमा) पोष मासनी पुनेम. पौष
मासकी पूर्णिमा. The last date of
the Hindu month of Pausa
भग० ११, ११; —सुद्ध पुं० (—शुक्ल)
पोष सुदी पौष सुदी; पौष शुक्ल. The
bright-half of the Hindu
month of Pausa नाया० ८;

पोसत्र पु० (पोषक) जननेन्द्रिय, उपस्थ. The male generating organ. अ० ६, १,

पोसण. न० (पोषण) पोषण् इत्यु ते. पोषण कार्य. Nourishing. सूत्र० १, २, १, १६; भग० ११, ११. (२) अपान प्रदेश. अपान प्रदेश The anus. ज० १० पोसणया. स्त्री० (पोषण) पोषण् इत्यु. पोषण करना. Nourishing. उवा० १, ५१.

पोसय न० (पोषक) अपान प्रदेश अपान प्रदेश The anus. आया० २, २, ३, १०६;

पोसह पु० न० (पोष्य) पोष्य-आवकं अंगीयारमु वन-पोषो-अष्ट अष्टोरात्र मुधी सर्व सायद्यष्टिया तद्य अपानपान विना धर्म स्थानमां विधिपूर्वकं रह्यु ते. पोष्य-आवकका ११ वां वन-एक दिनात् तक सर्व सायद्य क्रिया छोडकर निराहार रूपमे धर्म स्थानमे विधिपूर्वक निवास. The 11th vow of a layman in which he has to abandon all sinful activities for a day and has to remain in a religious place fasting. पंचा० १, २६, १०, ३; कथ० ५, १२७, प्रव० २८६, अ० ३, १; उवा० ५, २३, ६, ४२; आया० २, १, २, १०; नाया० १; १३; भग० २, ५, १२, १, पगह० १, २, नंदी० ५१, पत्र० २०; राय० २२५, उवा० १, ६६; —उषवास. पु० (—उषवास) पोषधवत अने उपवास. पोषध वत और उपवास. The vow of Posadha and fasting कथ० ५, १२७, भोव० ३४, भग० २, ५, ७, २; ६, ८, ८; १२, ८, नाया० ८, दशा० ६, २; —उषवासनिरग्र. त्रि० (—उषावमन्ति) आवकनी योथी पडिमा धरनार आवक,

३ के पाण्डी तद्य पडिमा सहित आठम वगेरे पर्यन्ते दिने आर भरिना मुधी पोषध इरे. आवककी चौथी पडिमा धारक धावक जो विज्जली तीन पडिमा सहित अष्टवी आदि पर्वक दिन चार मास तक पोषध (वन) को A layman who observes the 4th vow who observing the last three vows observes the 4th vow for four months on particular dates मम० ११; —पडिमा. स्त्री० (—प्रतिमा) आवकनी योथी पडिमा. आवककी चौथी पडिमा The 4th vow of a layman. प्रव० ६६४, —विहि. पु० (—विधि) आवकना अंगीयारमा वननी विधि, पोषधनी विधि आवकके ग्यारहवें वक्तकी विधि, पोषधविधि. The mode of Posā or the 11th vow of a layman आउ० ५; —साला. स्त्री० (—शाला) पोषध किया इरवानी शाला-स्थान. पोषध क्रिया करनेका स्थान A place for observing Posadha. नाया० १; १३; १६; भग० १२, १; अंत० ३, ८, ज० १०

पोसहिय. त्रि० (पोषिक) पोषध इरनार पोषध (वत) करनेवाला (one) who observes Posadha. ज० १० ३ ४८, नाया० १, भग० १२, १; उवा० १, ६६,

पोसिय. त्रि० (पोषित) पाणी पोषी उछरेल. पाल पोषक बड़ा कियाहुआ. Reared, brought up. उत० २७, १४,

पोसी. स्त्री० (पोषी) पोष मासनी पुनेम. पोष मासकी पूर्णिमा; पोषी पूतम. The last date of the Hindu month of Pausa. ज० १० ७, १६१,

पोह. पु० (*) छांशुने पोषणो. A heap of cow-dung-cakes पि० नि० २४५,

पोहल. न० (पृथुत्व) गजपण्यु, विस्तार
मोटाई; विस्तार. Thickness. भग० २,
४; पम० १५,

पोहलिय. न० (पृथक्त्व) अनेकपण्यु. अनेकत्व;
भिन्नत्व. Difference, multiplicity.
भग० १, २; ५, ४, १२, ४, १८, १,

✓फाल धा० I. () डाड्यु; यीरयु.

फाझा, चीला. To rend, To tear
फालिति. नाया० १४.

फाले. वि० दसा० ६, ५,

✓फोड. धा० I. (स्फुट्) डेड्यु. फोझा.

To break

फोडंति. नाया० ८.

फोडयंत व. कृ नाया० १,

फोडमाण. व. कृ. भग० ३, २;

फ

✓फंद धा० I. II (स्पन्ड्) धोडुंक् आल्यु,
अक्षायमान थनु, अक्षभगति करवी धडकना,
चंचल होना, सत्तम गति करना To throb;
to quiver, to palpitate.

फंदइ भग० ३, २, गय० २६६,

फंदेइ. नाया० ३,

फंदंति. उम० १४, ४५,

फंदंत. व. कृ. सय० १, ४, १, ८,

फंदम न० (स्पंदन) अक्षन, आल्यु. धडकन,
चलन; चलना Throbbing; palpita-
tion विशेषे १८४६,

फंदिय. वि० (स्पन्दिता) धोडुंक् आलेख, येष्टा
डरेल कुळ २ चलाहुआ, चेरित, धडक २
कियाहुआ. Throbbled, quivered.
जीवा० ३, ३, ४,

✓फंल. धा० I. (फं प्सा) डलक लगाड्यु.

कलेक लगावा. To stigmatise

फंलेउज. पि० नि० ५०८;

फनगु. स्त्री० (फल्यु) थीग तीर्थकरनी प्रथम
साध्वी दूसरे तीर्थकरकी प्रथम साध्वी The
1st nun of the 2nd Tirthan-
kara. सम० ५० २३४, प्रब० ३०६;

फनगुण. पु० (फाल्युन) डागलु मडिनो,
डाड्युन भास. फाल्युन मास, फागन महिना.

The Hindu month of Fālguna.

उत्त० २६, १५, सम० २८, सु० च० ३, ५२;

ज० ५० २, ३१; नाया० ५, मोघ० नि० २८५;

कय० ७, २१२; —सुद पु० (—शुद्ध)

डाड्युन सुद-शुद्ध पक्ष फाल्युन शुक्ल (पच)

The bright-half of the Fālguna

month, नाया० ८, .

फनगुणी स्त्री० (फाल्युनी) पूर्वा डाड्युनी
तथा उत्तरा डाड्युनी नक्षत्र पूर्वा फाल्युनी
और उत्तरा फाल्युनी नक्षत्र. The con-
stellations Purvā and Uttarā
Fālgunī ठा० २, ३, सू० ५० १०,
(२) डागलु महिनानी पुनेम फाल्युन मासकी
पूर्णिमा ज० ५० ७, १६१, (३) सालिणीपिया
पिया नामना आवकनी स्त्री. सालिणीपिया
नामक आवककी स्त्री. Wife of a lay-
man named Sālinīpiyā. उवा०
१०, २७३;

फनगुमिन्न पु० (फल्युमिन्न) ओक मुनिनुं नाम
एक मुनिका नाम. Name of a sage
कय० ८,

फडाडोव. पु० (फडाडोप) डेलु विस्तारवी
ते; डेलु अग्रपवी ते पेन विस्तारण, पेन

उत्थान. Spreading or causing foam. भग० १५, १; नाया० ६;

फ३ न० (फ३क) आत्मानो ज्ञान न्योतिने
ज्जहार निङ्गवानु स्थान-ज्जेम वस्त्रादिनी
ज्जणीवती वोटायेव दीपक पोतानो प्रकाश
छिद्रादिद्वारा आहरे पाडी शके छे, ओटले छे
प्रकाशने निङ्गवानु स्थान ज्जेम वस्त्रनी
ज्जणी छे तेम अवधिज्ञानने प्रगटवाना
स्थानने " फ३क " कह्ये छे. आत्माकी ज्ञान
ज्योतिको बाहर निकलनेका स्थान-जिस भाँति
बल्बकी जालद्वारा फिहाय्मा दिपक स्वप्रकाशको
द्विद्रादिद्वारा बाहर पहुँचा सकता है, अर्थात्
प्रकाशके बाहर फैलनेका स्थान जिस तरह बल्बकी
जालमेंसे है तथैव अवधिज्ञानको प्रकट करनेके
स्थलको "फ३क" कहते हैं. The outlet
of the light of knowledge of
a soul, just as a lamp throws
a ray out of any hole in a
cloth surrounding it so the
outlet of a limited knowledge
is called " फ३क ". विशेष ७३८;
(२) काष्ठको पिंडो. मिट्टीका गोला; कीचका
गोला. A ball of clay or mud.
वि० नि० २५३;

फ३ण पु० (स्पर्धक) आकाश प्रदेशनी ओं
श्रेणिना असंख्यातमा लाग जेटली वर्ग-
णानो ओं स्पर्धक थाय छे. आकाश प्रदेशकी
एक श्रेणिके असंख्यातवर्ग भागके बराबर वर्गणाकी
स्पर्धक होती है. A group of class
of an innumerable portion
of a row of a unit of space
occupied by an atom. क० प०
१, ५; २२; ३१; २, ४४; ३, ७; ५,
४६; —**दुग**. न० (-द्वि) जे स्पर्धक.
दो स्पर्धक Two Spardhakas. क०
प० ७, ४६; —**नि०** पु० (-निर्देश)

स्पर्धक-परमाणु वर्गणाना समूहको निर्देश-
कथन स्पर्धक-परमाणु वर्गणके समूहका निर्देश-
कथन A description of Spar-
dhaka. क० प० २, ४४;

फ३य न० (स्पर्धक) तीव्र मन्द वगेरे भेद
युक्त रस विशेष; रसवर्गणानो न्यो.
तीव्र मन्द आदि भेद युक्त रस विशेष, रसवर्गणाका
समूह. A group of collection of
taste; a particular taste hav-
ing sharp or dull varieties.
विशे० २८८५; (२) छटका; छटका. दुकडा.
A piece. ओष० नि० भा० १११;

फ३फ३ अ० (फ३फ३) शुद्धभेदा ओंक लाग
छटका; ओंक गणाय-छेदकी सरदारी नीचे
रहेल-साधुओ भेगा यधने मंडलीमां गोठवाध
रहे ते गुल्मका एक भाग फ३क; एक गणव-
च्छेदकी सरदारीके आधीन रहनेवाले साधुओंका
एकत्रित होकर मंडलबद्ध होना. A sub-
division of a fraternity; the
living of monks in a group
under the rule of a Ganāva-
chchedaka (an officer). ओष०
२१;

फ३ण पु० (फ३ण) सर्पनी श्रेण. सर्पका फेन-
फन. The hood of a serpent.
प० २; भ० १०६;

फ३ण न० (फ३ण) कांसकी; क्षुणी. फणी.
A comb. उत्त० २२, ३०;

फ३ण पु० (फ३ण) क्षुणिसुं आ३. (२)
क्षुणिसुं क्षुणी. फ३ण वृक्ष. (२) फ३ण फल.
A bread-fruit tree. जीवा० १;
प० १; १७; ओष० भग० २२, ३; प०
५, २६;

फ३ण स्त्री० (फ३ण) सर्पनी श्रेण सर्पका
फन. Hood of a serpent. पु० च०
१, ५;

फणि पु० (फणिन्) सर्प; तेवीशमा तीर्थकरनु
लांछन-चिह्न. सर्प, तेईसवें तीर्थकरका लांछन-
चिह्न A serpent; the symbol
of the 23rd Tirthankara. (२)
सर्प सर्प; साप A serpent. प्रब० ३८२;
फणिंद पु० (फलीन्द्र) ईशुवाणो सर्प.
फणवाला सर्प. Best among serpents.
भत० १४६,

फणिवह पु० (फणिवति) शेषनाग. शेफनाग.
The Śeṣa serpent सु० च० २, ७,
फणिह पु० (फणिह) भाथाना वाण ओण-
वानु साधन, डागसी. कागसी; कट्ठी, सिके
वालोको साफ करने और जमानेका साधन
विशेष. A comb. भणुजो० १८, -

फणुज्जय पुं० (फणुज्यत) ओ नामनी ओक्ष
हरित वनस्पति. इस नामकी एक हरी वनस्पति
A green vegetation so named.
पत्र० १,

फणोज्जा स्त्री० (फणोज्जा) वनस्पति विशेष.
वनस्पति विशेष. A particular vege-
tation. भग० २१, ८,

फरय न० (फलक) ढाँध. ढाल. A
shield. सु० च० १३, ११;

फरसु पु० (फरशु) क्षरसी; डोढाणी परसा,
कुल्हाड़ी. An axe. विवा० ६; —**निहत्त**.
त्रि० (—निहत्त) क्षरसीथी कपायेल. परसेसे
कटाहुआ. Chopped by an axe.
विवा० ८,

फरसुराम पुं० (परशुराम) परशुराम नामना
ओक्ष ऋषि. परशुराम नामक एक ऋषि A
Rsi named Paraśurāma. भत०
१५३;

फरिस पु० (स्पर्श) स्पर्श. स्पर्श, छूत
Touch. नाया० १, १७, दसा० ६, ४,
ओव० आया० १, १, ७, ५८, गच्छा०
८३, क० प० ७, ५७,

फरिस्सण न० (स्पर्शन) स्पर्शेन्द्रिय स्पर्शेन्द्रिय
The sense of touch. विरो० २०५,
फरिहा स्त्री० (परिखा) खाई. खाई, गर्त.
A ditch, a moat. विवा० ३,
—उदय. न० (—उदक) खाईनु पाणी
खाईका पानी. Water of a moat.
नाया० १२,

फरुफुरंत व. कृ त्रि० (फोस्फुर्यमाण) फलु
तरङ्गुं. अत्यधिक तड़फडाताहुआ. Flut-
tering a great deal. पिं० नि० ५८०;

फरुस त्रि० (परुष) कर्कश, कठिन. कर्कश,
कठिन, कठोर. Harsh, difficult;
cruel. नाया० १, ८, ८, भग० ७, ६;
निसी० १०, ३; १३, ११; ठा० ६, १,
आया० १, ८, ३, १३, ओव० २०; ओघ०
नि० ७३६, उत्त० १, २७, ज० प० जीवा०
३, १; गच्छा० ५४, प्रब० १३३५; उवा०
२, ६४, (२) पु० कठिन स्पर्श. कठिन स्पर्श.
A rough, hard touch. नाया० ८,
(३) न० निष्ठुर भाषण, कठोर वचन
निष्ठुर भाषण, कठोर बात. Harsh or
cruel speech. दस० ५, २, २६, ७,
११, निसी० २, १८, सय० १, १३, २,
—वयण. न० (—वचन) कर्कश वचन
कठोर वचन. Harsh word. वेव० ६, १,

फरुसग पु० () कुलार. कुभार, कुम्हार,
पात्रकार A potter. विरो० २३५,

फरुसया स्त्री० (परुषता) कर्कशपण; कठिन-
पण. कर्कशता, कठिनता. Harshness,
stiffness. आया० १, ३, १, १०८,

फल न० (फल) वृक्षादिना फल. वृक्षादिके
फल. Fruit. भग० २, ५, ८, ३, १-८-
७, ११, ८, २१, ६, दस० ५, २, २४, ७,
३२, ८, १०, दसा० ६, ७, पत्र० १, उत्त०
१२, १८, पिं० नि० भा० ४५ पिं० नि०
५४, १६१, १७२, ज० प० २, ३८:

ओव० विवा० १, निशी० ५, ४६, सू० ५०
१०, नंदी० १६, नाया० १, ५, ८; ११,
१३; १५; १६, प्रव० १४२५; भत० ७२;
उवा० १, २४, (२) परिणाम परिणाम-
नतीजा. Result. दस० ४, ११, (३)
कंधपशु वस्तुनी प्राप्ति. किसी वस्तुकी प्राप्ति.
Attainment of any object.
विगे० २; (४) कार्य. कार्य A deed.
विगे० ६४; (५) सारांश साराज, निष्कर्ष.
The purport. भग० ७, १०;
—आहार. वि० (—आहार) इणतो आहार
करनार, इणहारि. फलभोजी, फलाहारी.
(one) who lives on fruits. निर० ३,
३; भग० ११, ६; —उद्देश. पु० (—उद्देश)
इणतो उद्देश फलका उद्देश A chapter
or purpose of fruits. भग० ३२,
६; —उवगय. वि० (—उपगत) धत्थुं इण
वाणु (आड.) घने फलवाला वृक्ष (tree)
having numerous fruits. ठ० ४,
२; —उवचय पु० (—उपचय) इणतो उप-
चय-ओइकां करवां ते. फलसमग्र. A collec-
tion or accumulation of fruits.
निशी० ३, ८१; —भोयण. न० (—भोजन)
इणतुं भोजन. फलका भोजन. Fruit
diet. दसा० २, १६-२०, भग० ६, ३३;
सम० २१, नाया० १; —मंथु. न० (—मन्थु)
गेर वगेरे इणतो लुके-थूर्णु केर आदि
फलोंका घूर्ण. A powder of plum-
seeds, stones. दस० ५, २, २४;
—मालिया. सी० (—मालिका) इणनी
भाणा. फलोंकी माला. A garland of
fruits. निशी० ७, १; —यिसि. सी०
(—यस्ति) इणथी आणविका यसायवी ते.
फलद्वारा वृत्तिनिर्वाह. Living on fruits.
नाया० १; —वित्तविशेष. पु० (—वित्त-
विशेष) इणथी निर्वाह करवानो ओइ प्रकार.

फलद्वारा जीविका निर्वाहका एक प्रकार. A
sort of maintenance of life on
fruits. ज० ५० १, १२; दसा० ६, ४,
विवा० १; कथ० १, ७६; —विवाग. पु०
(—विपाक) इण-सुभ दुःखादिरूपे इभंनो
विपाक-परिणाम. फल-सुख, दुःखादिरूप
कर्म विपाक-परिणाम. The result of
action in the form of happi-
ness or misery. भग० ६, ३२,
—सिद्धि. सी० (—सिद्धि) इणतो लाभ,
इणप्राप्ति, फलका लाभ; फलप्राप्ति. The
acquisition of fruits. पंचा० ६, ७,
—हर. पु० (—भर) इणतो भार. फलका
भार A load of fruits. पंचा० १६,
३६;

फलग. पु० (फलक) पाटीयुं. पाटिया, पट्टी.
A board पणह० १, १; राय० १२,
२२६, नाया० ५, दस० ४, ५, १, ६७, दसा०
४, ६०, वेय० ५, ३२; जं० ५० ३, ५६,
पिं० नि० भा० ४६, जीवा० ३, ४, सूय०
१, ५, १, १४, उत्त० १७, ७, प्रव०
६७४, उवा० १, ५८, ओव० (२) पट्टो.
पट्टा A belt. भग० २, ४, (३)
अरिसानो काय. दर्पण. A mirror.
(४) शस्त्र विशेष; ढाल. शस्त्र विशेष; ढाल.
A shield. नाया० ६; (५) पलंग. पलंग.
A cot. भग० १८, १०; —खंड. पु०
(—खंड) पाटियानो अड-इकडो. पट्टियेका
टुकड़ा. A piece of wooden board.
नाया० ६; —गाह. वि० (—ग्राह)
पाटीयुं हाथमां लध आलनार. पट्टिया हाथमें
लेकर चलनेवाला. One who holds a
board in his hands. ज० ५० ३,
६७,

फलजंमग पु० (फलजंमक) इलणलका;
नंलका देवतानी ओइ जगत. फलजंमक;

जम्भक देवताकी एक जाति. A class of gods; Falajambhaka भग० १४, ८, फलत्ता. स्त्री० (फलता) क्षणपक्षु फलता.

Fruitfulness. सू० प० २, ३, ५;

फलविन्दिय. पु० (फलवन्तक) त्रयु इन्द्रिय प्राणा श्रवणी ऐक्य गत तीन इन्द्रियवाले जीवकी एक जाति. A class of three-sensed beings पत्र० १,

फलय न० (फलक) पाटीयु पट्टिया. A plank. भ्रोग० नि० १०२, विवा० ३, राय० ४५, विगो० १०८८, नाया० १८, —खंड. पु० (खंड) पाटीयानो ऐक्य भ्रु-क्षंडो. पट्टियेका एक टुकड़ा A piece of a plank. नाया० ६,

फलवती. स्त्री० (फलवती) क्षणप्राणी फल वाली. (female) having fruits. पचा० ४, २;

फलह. न० (फलक) मोटु पाटीयु मोटा पट्टिया. A big plank. भग० १, ६, —अंतर. पु० (-अंतर) पडाणुना पाटीयांनु अन्तर. जहाजके पट्टियेका अन्तर A gap or interval between the planks in a ship. नाया० ६, —खंड. न० (-खंड) पाटीयानो पट्टो, भां. पट्टियेका टुकड़ा-भाग Part of a plank नाया० ६,

फलभ्रम(य) न० (स्फटिक) रक्षटिक भण्डि, ऐक्य गततो पारदर्शक पत्थर स्फटिक मणि, एक जातिका पारदर्शक पत्थर A crystal. भ्रोग० १०, —रयण न० (-रत्न) रक्षटिक रत्न रफटिक रत्न Crystal stone भग० ३, २,

फलिय. पु० (फलित=फलानि सज्जातान्यस्य) क्षोधी युक्ता, क्षोडु. फलयुक्त, फलाहुमा. Bearing fruits. नाया० ११; १५, भग० ७, ३; १५, १,

फलिह. न० (फलिह) भाथाना वाण भोग-वानी श्रद्धा मिरके बालोंको सजाने-भोलनेकी कड़ी. A comb सूय० १, ४, २, ११,

फलिह पु० (परिष) भोगण, पारशाने अटकाववानो दीडा. दरवाजेको अटकानेकी दडी A bar to lock up doors. दम० ५, २, ८, ७, २७, पगह० १, ४, राय० २२५, भ्रोग० १०, जीवा० ३, १, (२) रक्षटिक नेपुं २५७ अत करण. स्फटिक वत् स्वच्छ अन्त करण. A soul clear like a crystal भग० २, ५, राय० २२५,

फलिह. न० (फलक) पाटीयु; पांडोडा. पट्टिया. A plank. भाया० २, ४, २, १३८, —उचहड. वि० (-उचकत) लाडलाना पाटीया उपर नांभाने लावेदी वस्तु लकड़ीके पट्टियपर डालकर लाई हुई वस्तु A thing brought on a board. वव० ६, ४४-४५,

फलिह. पु० (रफटिक) रक्षटिक नाभनु रत्न, क्षुडित पृथ्वीको ऐक्य प्रकाश. स्फटिक नामक रत्न, कश्चित् पृथ्वीकी एक जाति. Crystal, quartz. पत्र० १, नाया० १, सु० च० १, १२५, ८, ६४, जीवा० ३, १, उत्त० ३६, ७६, राय० २६, विगो० १७४४; कम्प० २, २६, गच्छा० ८८, (२) आकाश आकाश Sky or space. भग० २०, २, (३) रक्षटिकना नेपुं निर्माण अन्त करण. स्फटिकवत् निर्मल अन्त करण A soul clear like a crystal. राय० २२५, (४) नास्तो पगेरे नास्ता-कलेवा-भादि. breakfast य० ३३, —कूट पुं० (-कूट) गंधमादन पर्वतना सात दूटभां पायभु दूट-शिभर गन्धमादन पर्वतके सात कूटोमेमे पाचवाँ कूट. The 5th of the 7 peaks of Gandhamādana

mount. ज० प० —रयणमय. वि०
(-रत्नमय) रश्मिर्दृष्ट रत्नमय; रश्मिर्दृष्ट
मणिर्दृष्ट अनेलुं. स्फटिक रत्नमय; स्फटिक
मणिका वनाहुया. Made of crystal;
crystalline. भग० ३, २;
फलिहमय. पु० (स्फटिकमय) रश्मिर्दृष्ट रत्नमय
(अणुनां विमान). स्फटिक रत्नमय (ग्रह विमान).
Crystalline; a celestial abode
of the planets. भग० १६, ७;
फलिहवडंसय. पु० (स्फटिकावतंसक) अ
नामनु ईशान देवलोकना चन्द्रं अने विमान.
इस नामका ईशान देवलोकके इन्द्रका एक विमान.
An ariel car so named of the
Indra of Īśāna devaloka. भग०
४, १;
फलिहा. स्त्री० (परिधा) अर्गला; आगलीयो.
अर्गला; आगल. A bar. पण० १, १;
फलिहा. स्त्री० (परिधा) आर्ध. खाई. A
ditch. ओव० सम० प० २१०; निरी०
१२, २१; १७, ३७; —उवगूढ. वि०
(उवगूढ) आर्धथी युक्त. खाई युक्त. Hav-
ing a moat. नाया० १८;
फाइ. स्त्री० (स्फाति) वृद्धि; वधाये. वृद्धि;
वद्धी. Progress; increase. (२)
कीर्ति; प्रसिद्धि. कीर्ति, प्रसिद्धि. Fame.
ओव० नि० २६४; —कय. वि० (-कृत)
प्रसिद्धिभां लावेलुं. प्रसिद्धि कियाहुया; प्रकाशित.
Famed; published. विशेष० २५०७,
फागुण. पु० (फाल्गुन) क्षत्रिय मास.
फाल्गुन मास. The Hindu month
of Fālguna. भग० १८, १०;
फाडिअ. वि० (स्फोटित) क्षोडलुं; चीरेलुं
फटाहुया; चीराहुया. Torn; rent.
ओव० ३८,
फाडेउ. स. कृ. अ० (स्फोटयित्वा) क्षोडिने;
चीरीने. फाडकर; चीरकर Having rent,
torn. सु० च० ६, १४०;

फाणि(अ)य. न० (फाणित) दीपो गोण.
टीला गुड. Treacle. आया० २, १, ४,
२४; दस० ५, १, ७१; ६, १८; पत०
१५; पि० नि० २२६, ६२५; निमी० १३,
३६; ओव० ३८, प्रव० २२३; (२) डवाथ;
उडालेन रस. क्वाथ, उडालाहुया रस. A
boiled juice; decoction. पत०
१७; —गुल. पु० (गुड) दीपो गोण.
टीला पतला-गुड. Treacle. भग० १८, ६;
फासिय. न० (पाहय) मर्मभेदक वाक्य;
छोरे लापा. मर्मभेदक वाक्य; कठोर वाक्य.
A harsh speech, speech which
touches a vital part. आया० १,
६, ४, १८८;
फाल. न० (फाल) पाटीयुं. पट्टिया. A
plank. गंथा० ८४; उवा० २, ६४; नाया० ८,
फालण. न० (रफोटन) क्षोडलुं; क्षापलुं; चीरेलुं
फोडना; काट्या; चीरना. Cutting; break-
ing. पण० १, १;
फालण. न० (स्फालन) लुओ उडयो शब्द.
Vide above. सम० ११;
फालिअ(य). पु० (रफाटिक) रश्मिर्दृष्ट रत्न.
स्फटिक मणि. Crystal. नाया० १२;
ज० प० कय० ३, ४०; —वणाभ न०
(वर्णाभ) रश्मिर्दृष्ट रत्ननी समान सुंदर.
स्फटिक मणि समान सुंदर. Beautiful
like a crystal. नाया० १२;
फालिअ-य. वि० (स्फोटित) क्षोडलुं; चीरेलुं.
फाडहुया, चीराहुया. Torn; rent. पि०
नि० ३२१; राय० २६१; उत० १६, ५४,
ज० प० ७, १६६;
फालिय. न० (फालिक) वस्त्रनु क्षाल-पनापने
क्षोडो. वस्त्रका फाल-पनेवार टुकडा. A piece
of cloth widthwise. निरी० १, ५१;
(२) क्षालादीन; अने प्रक्षालित वस्त्र. फालालीन,
एक प्रकारका वस्त्र. Flannel. आया० २,
५, १, १४५;

फालियामय. त्रि० (स्फटिकमय) स्फटिक
मण्डितः स्फटिकमणि युक्तः Crystalline
ज० प० ७, १६५, सम० ३४,

फालिह. पु० (स्फटिक) स्फटिक रत्न विशेष
स्फटिक रत्न विशेष. Crystal stone
नाया० १, सु० च० ३, ७७,

फालिहामय त्रि० (स्फटिकमय) स्फटिक
रत्नमय स्फटिक मणिमय Crystalline.
भग० १, १,

✓फास. धा० II. (स्पर्श) स्पर्श कर्त्तव्यो
(२) पाश्चन कर्त्तव्य. स्पर्श कर्त्तव्य. (२) पालन
कर्त्तव्य. To touch; to observe.
नाया० १; उत्त० ५, २३, उवा० १, ७०;
फासेह भग० २, १, दस० १०, १, ५,
फासित्ता. सं० कृ० भग० २, १, नाया० १,
फासेत्ता सं० कृ० उवा० २, १२४;
फालिया. सं० कृ० वव० ६, ३७,
फासित्ता. सं० कृ० उत्त० १, २८, १;
फासयंत. व० कृ० भग० २५, ७,
फासंत व० कृ० आव० ४, ८,

फास. पु० (स्पर्श) स्पर्श, अङ्गुलि ते. स्पर्श,
कृत, क्षीना Touching. उत्त० ५, २३;
२८, १२; ओव० ठ० १, १, २, १, सु०
प० २०; दस० ८, २६, नाया० १, राय०
४३, सु० च० १, २६५, भग० १ १, २,
५, सुय० २, १, ४२, आया० १, ६, २,
१८४, प्रव० ५६७, ६४७, १०५५, आव०
४, ७, क० प० १, २७, क० ग० १,
२४, ४१, २, ३१, ज० प० ५, ११६,
७, १७५, (२) स्पर्श-त्वगिन्द्रियतो विषय;
शीत, उष्ण, रिक्त, लघु, कर्कश, कोमल,
लघु, गुरु ये आठ स्पर्श शीत, उष्ण,
स्निग्ध, रू-क्ष-खा, कर्कश, कोमल, लघु, गुरु ये
आठ स्पर्श The tactual feeling
of 8 kinds viz cold, hot, oily,
rough, hard, soft, light and

heavy भग० १, १; २, ३, ५, ७,
७, ७, ८, ८, १६, ३; २०, ५; पत्र०
१, १५, २३, ओष० नि० २६७; उत्त० १,
३३, ४, ११, ३२, ७४; ३४, २, सम०
५, नाया० १२; (३) दश भक्षद्विती
परिसह मच्छर डास आदिका परिषद The
affliction due to mosquitoes
etc. सुय० १, ४, २, २१, १, ११,
३७, (४) स्पर्शेन्द्रियतो विषयतो क्षयोपशम.
स्पर्शेन्द्रियके विषयका क्षयोपशम The control
of the tactual sense पत्र० २,
(५) गुरु शिष्यतो सम्बन्ध गुरु शिष्यका
सम्बन्ध. The relation between a
disciple and a teacher. विशेष० २६०६;
(६) स्पर्श नामतो ग्रह स्पर्श नामक ग्रह
A planet named Sparsa. ठ०
२, ३, (७) शरीरनी व्याप्री शरीरकी चमड़ी-
काचाम-चर्म Skin of the body
पत्र० १५, (८) दुःखानु आवृत्ति. दुःखागमन
The approach of distress.
आया० १, १, १, ६; —करण. न०
(—करण) स्पर्श कर्त्तव्यो ते. स्पर्शकरण;
कृतका कार्य Touching भग० १६, ६;
—गिर्वृत्ति. स्त्री० (—निर्वृत्ति) स्पर्शनी
निर्वृत्ति-उत्पत्ति स्पर्शकी निर्वृत्ति-उत्पत्ति
The origin of tactual feeling
भग० १६, ६, —नाम न० (—नामन्)
स्पर्शनाम; नामकर्मनी ऐक्य प्रकृति. स्पर्श
नाम, नामकर्मकी एक प्रकृति. A variety
of Nāma karma matter. सम०
२८, —परिणाम. त्रि० (—परिणाम)
कठिननु कोमल यत्तु अने कोमलनु कठिन
यत्तु ते, स्पर्शनु परिवर्तयत्तु. कठिनका कोमल
और कोमलका कठिन होना, स्पर्शका परिणाम
The transformation of touch
viz. hardening of a soft thing

and vice versa. अ० ४, १, भग० ८, १-१०, —परिचारक. पु० (-परिचारक) स्पर्शमात्रेण विषयं संवत्तं इती विहारं शमायन्तारं स्पर्शमात्रं द्वाग विषयं संवत्तं करे विहारका शमनं करनेवाला. (one) who subdues the passions by enjoying the objects through touch only. अ० २, ४, —परिचारणा. स्त्री० (-परिचारणा) स्पर्शार्थी भैयुत्तं इत्युत्ते. स्पर्शं भैयुत्तं विधि. A kind of tactual sensual enjoyment. अ० ५, १, —वत्त. न० (-वत्त) स्पर्शं इत्युत्तं शक्तिः; स्पर्शेन्द्रियं सामर्थ्यं. स्पर्शं करनेकी शक्ति. स्पर्शेन्द्रियका सामर्थ्य. The tactual power; the power of the sense of touch. उत्त० १०, २५ —सह. वि० (-सह) दंशं भक्षयति परिषु सङ्गत्तं इत्युत्तं. मच्छरं डासं आदिकां परिषु सहनं करनेवाला. (one) who endures the biting of mosquitoes, gad flies etc. कथ० ५, ११६.

फासत्र. वि० (स्पर्शक) स्पर्श-अनुष्ठानं इत्युत्तं; संवत्तं इत्युत्तं स्पर्श-अनुष्ठानं करने वाला, संवत्तं करनेवाला. One who enjoys the sense of touch only. उत्त० १०, २०,

फासत्रो. अ० (स्पर्शत) स्पर्शार्थी, अस्पर्शाने स्पर्शद्वारा-मे, दूनेमे From touching. भग० ८, १, १८, १०, उत्त० २६, १५,

फासण न० (स्पर्शत) स्पर्शार्थी, पांच इन्द्रियोंमें एक The sense of touch; one of the 5 senses प्रव० ५६७; —काल पु० (-काल) स्पर्शानां काल-पञ्च स्पर्शनाका काल-समय. The time of Sparsānā. क० प० १, ४६;

फासमंत. वि० (स्पर्शक) स्पर्शार्थी, स्पर्श-वान्. Tactual भग० २, १, १०; २०, ५;

फासिन्द्रिय(अ). न० (स्पर्शेन्द्रिय) स्पर्शेन्द्रियः शीतं उष्णं गन्धं रसं शक्तिं वाणी त्वग्निन्द्रियं स्पर्शेन्द्रियं; शीतं उष्णं जाननेकी शक्तिवाली त्वग्निन्द्रिय The feeling of touch, the organ of touch which feels the sensation of cold and heat. नदी० ४, श्रोत्र० १६, भग० १, १, २, १, ८, १, २४, १, १२, नाया० ५, १७; सम० ६; अष्टांगो० १२७; भग० १४६; —उच्यते वि० (-उच्यते) स्पर्शेन्द्रियना उपभोगवाण्. स्पर्शेन्द्रियका उपयोगवाला. Having the use of the sense of touch भग० १३, १, —निग्रह पु० (-निग्रह) स्पर्शेन्द्रियने शत्रुभां शान्तिं ते स्पर्शेन्द्रियका शमन-मयम-दमन. Controlling of the organ of touch. उत्त० २६, २; —मुंड वि० (-मुण्ड) स्पर्शेन्द्रियने निग्रह इत्युत्तं. स्पर्शेन्द्रियका निग्रह करनेवाला. (one) who controls the organ of touch. अ० ५, ३, —लब्धि. स्त्री० (-लब्धि) स्पर्शेन्द्रियनी प्राप्ति. स्पर्शेन्द्रियकी प्राप्ति. The attainment of the sense of touch भग० ८, २, —लब्धिया स्त्री० (-लब्धिका) स्पर्शेन्द्रियनी प्राप्ति स्पर्शेन्द्रियकी प्राप्ति. The attainment of the sense of touch भग० ८, २;

फासिन्द्रियत्त न० (स्पर्शेन्द्रियत्व) स्पर्श-इन्द्रियत्वं स्पर्शेन्द्रियत्व-स्पर्शेन्द्रियका भाव. The state of the sense of touch. भग० ३, ४, २५, २;

फासिय. वि० (स्पर्श) स्पर्श इत्युत्तं स्पर्श कियाहुआ, दूसाहुआ Touched. प्रव० २१३,

फाल्गुय. न० (फाल्गु) ७५ इति अथेत;
निर्दोष जड जीवहित, अचेत, निर्दोष Inert;
unconscious; faultless दस० ५,
१, २०-२२, ८, १८, पि० नि० १०७,
१७७; भग० १, ६; २, ५; ५, ६, ७,
१, ८, १; १८, १०; ठा० ४, २, उत्त० १,
३६, नाया० ५, १३, १६; १६. पगह०
२, १, वेय० ४, ११-१२, राय० २२५,
गन्ध० ७८, प्रव० ३१, ६३१, ८८८;
उवा० १, ५८, —एसगिज्ज. वि० (—गणनीय)
अधित अने निर्दोष-आधारदि अक्षि और
निर्दोष-आहारदि. A food which is
lifeless and faultless. उवा० ७,
१६४, —विहार पु० (—विहार) आभा-
स्थि इ२ शुद्ध वसनि-धर्मशाखा. ग्रामादि
दूर शुद्ध बस्ती-धर्मशाला. An inn or
monastery away from a
village etc नाया० ५, भग० १८, १०,
फिट्. पु० (*) मार्ग; इत्ये. पथ, मार्ग,
रास्ता A path, a road. सु० च० ८,
२५०,

फिट्ति वि० () छुट्टे पडेल. पृथक् २
किराहुया, बिखराहुया. Scattered,
spread. योग० नि० २६, भोग० १४;
(०) अक्षु पडेल, लक्ष्म धयेल, पतित. भूलाट्या;
अट, पतित, Forgotten; degraded.
fallen भोग० नि० ७,

फिफिस. पु० (*) उरनी अरने
अवयव, ईक्षसा. उरने कीतरका अवयव,
फुफुस The lung. पगह० १, १, तड०

फुफुमा. लो० (*) अग्रयानो अग्नि.
करियागि-उपनीको अग्न. A fire of
dried cow-dung. क० ग० १, २२,

फुकनास. वि० (फोक्नास) लुगो “ फुड-
नास ” शब्द. दसो “ फुकनास ” शब्द
Vide “ फुकनास ” उत्त० १२, ६,

फुकनास. वि० (फोक्नास) लोना नाडनी
टोय धाणी अने उथी होय ते; लाया
अने उथी नाडवालो. ऊँची और लम्बी
नासिकावाला (one) having an
aquiline nose उत्त० १२, ६;

फुगफुग वि० () अलग अलग-
परपर छुटा छुटा रोमवालो. बिखेहुए-
किल-रोमवाला. (one) having
thin and scattered hair उवा०
२, ६४;

फुटित. वि० (स्फुटित) छटेहु; थोराछ गयेहु
कटाहुया, चीराहुया, फटाहुया. Torn,
rent, cut जीवा० ३, १,

फुट. धा० I. (स्फुट) छुटवुं, छुटवु. फटना,
टटना. To break

फुट्ट. नदी० ४७,

फुट्ट. ज० प० ५, १२३,

फुट्टंत. व० क० नाया० ६;

फुट्टमाण. व क० नाया० १, भग० ६; ३३;
ज० प० ३, ६७,

फुट्ट. वि० (स्फुटित) छुटेहुं. फटाहुया; अक्षरित.
Broken; sprouted. नाया० ८; उवा०
२, ६४; —सिर. न० (—सिर) छुटेहुं
भायु. फटाहुया सि. A fractured
head. नाया० ८, भग० ७, ६; ज० प०
३, ३६, —हडाहडसीस. वि० (—हडाहडसीस)
जेनु भायु छुटी गयुं होय ते. जाते आते
सि फटाहुया (one) whose head is
fractured in a fray. विवा० १;
नाया० १६;

फुड. धा० I. (स्फुट) छुटवु. फटना.
To burst, to break. ज० प० ५,
१२३;

फुडिही. सु० च० २, ३१०;

फुडित्ता. स० क० ठा० २, ४,

फुडंत. व० क० भग० ३, २;

कुड. वि० (स्फुट) स्फुट, प्रकट. स्फुट; प्रकट
Clear, plain; (२) उधेडु; विस्फुट.
मिताहुमा; विकसित. revealed, bloom-
ing. विगे० २२६; भग० ३, १;
१५, १, नाया० १६; पि० नि० ७२; राय०
२७३; क० ग० ४, ७६; पंचा० ६, ४४;
जा० २, १०७; सु० च० १, ६१; (३)
सुवद्वारा स्फुट इहेवायेडु होथ ते. सुवद्वारा
स्पष्ट कहाहुमा-कियाहुमा. Made clear or
explained by a Sūtra. विगे०
३१२१; (४) पु० अव्यक्त शब्द अव्यक्त
शब्द An indistinct word. नाया०
६; —चयण. न० (-वचन) स्फुट वचन.
स्पष्ट वचन. A clear word प्रव०
५५१;

कुड. वि० (स्फुट) स्पर्श इरेड; अडेड.
स्पर्श कियाहुमा; अटकाहुमा, झुमाहुमा.
Touched. भग० ६, १०, ७, १-३;
८, ३; १८, ७-१०; २०, २; ओव० ४२;
पत्र० १५; ३६; विगे० ३७८, सु० च० १,
६१; (२) सुभादि भोगवेड. सुभादिका उ-
भोग कियाहुमा (one) who has en-
joyed pleasures etc. भग० १, १;

कुडण. न० (स्फोटन) फुटवु; चीरावु फटना;
चीगना. Breaking, bursting;
rending. पण० १, १,

कुडत्त. न० (स्पष्टत्व) स्पष्टपणु स्पष्टता.
Clearness. क० ग० ५, ८०;

कुडा. स्त्री० (स्फुटा) महोरगना ४-६ अति-
शयनी चोथी पटराणी. महोरगके इन्द्र अति-
कायकी चौथी पटगनी. The 4th prin-
cipal queen of Atikāya, the
Indra of Mahoraga. भग० १०,
५; जा० ४, १,

कुडाइया. स्त्री० (स्फुटीकना) ओड देवीनुं नाम.
एक देवीका नाम. Name of a god-
dess. नाया० घ० ५;

कुडिय. वि० (गफुडित) डोरेड; फुटेड. फटा
हुमा, फटाहुमा. Rent; broken;
blooming. ओव० नि० ७३६; भग० ७,
१-६; पत्र० ११; ज० ५०

✓कुम. धा० I. (वीज्) फुंङ भादवी. फुंक
मारना, सुहंम दवा काटना. To blow.

कुमेज्जा. वि० दस० ४; निरी० ३, २१;

कुमिज्ज. वि० आया० २, १, ७, ३६;

कुमावेज्जा. क. वा. वि० दस० ४;

कुमिज्जंत. क. वा. व. क. राय० ८६;

✓फुर. धा० I. II. (स्फुत्) फुरडवु, अडन
थवुं. फडकना; स्फुरण होना; चंचल होना.
To throb; to palpitate; to
quiver.

फुरड. नाया० १७,

फुरेड. सु० च० १, १०८;

फुरित्ता. जा० २, ४,

फुरंत. सुय० १, ५, १, १५; नाया० १;

सु० च० १, ५; नदी० १६; भत०

१६८,

फुरण. न० (स्फुरण) फुरडवु. फडकना.
Throbbing. विगे० २३३;

फुल्ल वि० (फुल्ल) विडसित; विडस पाभेड;
उधेडुं; भीलेडु. विकसित, विकासप्राप्त, खिला
हुमा. Blooming; blossoming.

नाया० १३; भग० ३, २; सु० च० १,

६५; अणुजो० १६; १३१, ओव० १३;

राय० ४६; जीवा० ३, १; पचा० ६, २६;

कण्ठ० ४, ६०; —उप्पल. पुं० न०

(-उप्पल) विडसित डमण. विकसित कमल.

A blooming lotus. भग० २, १,

नाया० १; ८;

फुल्ला. पुं० (फुल्लक) सीस डुल. गीगफूल.

A particular flower. जीवा० ३, ३;

फुल्लावलि. स्त्री० (पुष्पावलि) भीलेडा डुलनी

पडिनि विकसित पुष्प पंक्ति. A row of

blooming flowers. ज० प० ५,
११६;

कुल्लिग. पु० (स्फुल्लिग) अग्निना तत्पुष्पा
अग्निकी चिन्तारो. A spark. नाया० १;
भग० ३, २;

✓कुस. धा० II. (स्पर्श) अऽऽबुं, स्पर्श
इरेवे. छूना; स्पर्श करना. To touch
कुसइ. भग० १, ६; २, १०, ५, ७,
२५, ६, विशेष० ४३२; ओव० ३४,
कुसंति. आया० १, ६, ३, १८५, अणुजो०
८६, पत्र० ११; पि० नि० २५६,
नाया० १, उत्त० १०, २७,

कुसिज्ज वि० आया० २, १३, १७२,
कुसंतु. आ. भग० २, १, १५, १, ओव०
३६;

कुसिय. स. कृ क० ग० ५, ८७,
कुसित्ता. स. कृ ठा० २, ४, भग० २,
१०, पत्र० १५,

कुसमाण. व. कृ. पत्र० १६, भग० १,
६, ५, ७,

कुसंत व. कृ. ओव० नि० ३५. उत्त० १२,
३८;

✓कुस धा० I. (मृज्) धोयु. साधु इरेवुं.
धोना, साफ करना. To wash, to
rinse

कुसिज्जउ. सु० च० ६, २८४,

कुसिय-अ स कृ ओव० नि० भा० २८५,

कुस. पुं० (स्पर्श) स्पर्श, अऽऽबु ते. स्पर्श,
छूनेका कार्य Touching. भग० १, १०,
सु० च० १, ५७,

कुसण. न० (स्पर्शन) स्पर्श इरेवे। स्पर्श
करना. Touching. भग० २५, ६,

कुसणा स्त्री० (स्पर्शना) स्पर्श इरेवे।
Touching अणुजो० ८०,

कुसाविअ. वि० (स्पर्शित) स्पर्शयित, अडेअ
स्पर्श कियाहुआ, छूत Touched. भग०
५, ७,

कुसावेयअ. वि० (स्पर्शितव्य) स्पर्श इरेवे।

स्पर्श करना Touching. भग० ५, ७,

कुसिय. न० (वृष्ट) छाटा. छीटे. A
drop, spray of water नाया० १,

कुसिय. वि० (वृष्ट) स्पर्श इरेवे। वृष्ट,
स्पर्श-कियाहुआ. Touched. गय० ३५,
कय० ६, २८,

कुसिया-आ स्त्री० (वृष्ट) जल पिन्डु.
जलविन्दु A drop of water, a
spray. आया० १, ५, १, १४२, प्रव०
१४६५,

कुसिया. स्त्री० (पुष्पिका) आ नामनी अडे
वेअ इस नामकी एक वेल. A creeper
so named. पत्र० १,

फेडण. न० () पड्यु पडना, गिरना.
Falling down. प्रव० ८८६,

फेडणा. स्त्री० (स्फोटना) धाडी तोडी नाभयु
काडना तोडना. Tearing पि० नि० ३८७,

फेडिअ. वि० (स्फोटित) धाडी नाभेल,
थीरी नाभेल. काडाहुआ, चीराहुआ. Torn,
rent. ओव० नि० भा० ४२,

फेण पु० (फेन) धीयु. फेन Foam

ओव० १०, २१, भग० ६, ३३, पत्र० १,
३, नाया० १, जीवा० ३, ३, राय० ६२,

उत्त० १६, १३, कय० ३, ३८, ४३, ज०

प० ५, १२२; —पिंड पु० (—पिण्ड)

धीयुतो पिंडो। फेनका समूह-पिंड. A
lump of foam. प्रव० १४६५,

—मालिणी. स्त्री० (—मालिनी) मडा
विदेहना वप्रावती पिन्वनी पूर्वं सरखे

उपरनी मडा नदी. महाविदेहकी वप्रावती
विजयकी पूर्वसीमावती महानदी. A great

river on the eastern bound-
ary of the territory Vapraṇvati

of Mahāvīdeha ज० प० ठा०

२, ३,

फेस्ताडाजाय पु० () धान्यनी नीचेना भाग. धान्यके नीचेका भाग The lower portion of a corn. नाया० ७,

फोडण. न० (रफोटन) भूमिआदि कुडनी ते मिट्टी-पृथ्वीका फोडना. Breaking a clod, earth etc. नाया० ८, पि० नि० ३६२, (२) दाण शाक आदिने वधार आपवेा ते. डाल शाक आदिका वधारना-छाँकना. Seasoning of soup etc पि० नि० २५०,

फोडि की० (स्फुटि) पृथ्वी डोडवी-भोडवी ते पृथ्वी खोदनेका कार्य. Digging or breaking a clod, earth etc. प्रव० २६७,

फोडीकम्म. न० (स्फोटनकम्मन्) भूमि आदिने जादवानो आपार डरवो ते; पंदर डर्मादान-मानो ओक. भूमि आदि खोदनेकी क्रिया, पन्ध्र कर्मादानोंमेंसे एक The act of digging ground etc; one of the 15 karmādānas. भग० ८, ५;

फोफल. न० (पूग-फल) सोपारी. सुपारी. Bettle-nut. भत० ४२,

फोफस. न० (फोफस) शरीरनेा ओक अवयव; डेड्यु. गरीरका एक अवयव, फुफ्फुस. A lung. पण० १, १;

फोल्लई. खी० (फाँडकी) ओ नामनी ओक वेल. इस नामकी एक लता-बेल. A creeper so named पण० १,

ब

बउल पु० (बकुल) अकुल वृक्ष, भोवसरी-वरशोखीनुं जाड डे गेनी नीचे २१ मा तीर्थक्षरने डेवगजान उपायुं हउ. बकुलवृक्ष; बोलसरी वृक्ष जिसके नीचे २१ वें तीर्थकरको केवलज्ञान उत्पन्न हुआ था. The Bakula tree under which the 21st Tirthankara attained perfect knowledge. भग० २२, २; सम० प० २३३; पण० १; विगे० १७५५, जं० प० (२) न० अकुलनु पुव. बकुल फूल. A flower of Bakula tree. नाया० ६;

बउस. पु० (बकुज) शरीर तथा उपक्षरणुनी शोभा डरतां भृण शुणुमां दोष लगाडी आरित्रने भडीन डरनार साधु गरीर तथा लप करणांकी गोभाकी अपेजा मूल गुणमें दोष लगाकर चारित्रको मलीन करनेवाला साधु An ascetic who pollutes his conduct by imposing a sin on a

primary merit. (२) ओ नामनेा ओक देश इस नामका एक देश. A country so named. प्रव० ७२६; भग० २५, ६; डा० ३, २, ५, ३; कय० ३, ३७; (३) वि० अकुश देशनेा रहेवासी. बकुज देशका निवासी. An inhabitant of Bakuśa country. पण० १, पण० १, १; —कुसील. पु० (-कुशील) अकुश अने कुशील नियडो; आरित्रमां दोष लगाडनार ओक प्रक्षरना साधु. बकुज और कुशील नियडो; चारित्रमें दोष लानेवाले एक प्रकारके साधु. An ascetic with partial transgression of conduct. प्रव० ७३७,

बउसत्त. न० (बकुजत्त) अकुशपायु. बकु-गता-त्व. Partial transgression of conduct. भग० २५, ६;

बउसिया(आ). स्त्री० (बकुशिका) अकुश
देशमा उत्पन्न थपेली दासी बकुश देशमें
उत्पन्न दासी A maid-servant born
in Bakuśa country. ज० प०
भग० ६, ३३;

बंधिगहण. न० (बदिग्रहण) डाधने छुट्टीने
डेह डरेवा ते. कियोको लुटकर बन्दी बनाना.
Plundering and capturing one
विवा० ३, नाया० १८;

बंध. धा० I. (बन्ध्) आधवु, जडवु
बाधना; जकड़ना. To bind; to tie;
to chain.

बंधइ. दस० ६, ६६; निसी० १, ४५,
१२, १; भग० १, ६, ५, ४; ६,
३, ६; ७, ८, ८, ८, २५, ६,
२६, १; नाया० ७; १४, पि० नि०
१०१, सु० च० ११, २२, क०
ग० १, ५७, ४, ६३;

बंधंति. भग० १, ३, २, १, ३, १, ६,
३, ८, ८, १६, ३, ३३, १, ज
प० ५, ११४, नाया० १, पत्र० १४;
ग० ४, १, क० ग० ३, २०,

बंधेजा. वि० भग० ६, ५, सुय० २, ५, १२,

बंधिस्सइ. भग० ८, ८; २६, १,

बंधेहिंति. भग० १५, १,

बंधिस्संति. पत्र० १४,

बंधिस्तु पत्र० १४,

बंधी भू का भग० ८, ८, २६, १;

बंधित्ता नाया० १, १४,

बंधित्तए. गय० २७३;

बंधइत्ता. भग० ६, ३२; १५, १, नाया०
२, ७, १४; ज० प० ५, ११४,

बंधतित्ता. भग० ३, १, २०, १,

बंधमाण भग० ६, ६, २५, ६, ३३, १,

बंधत निसी० १२, १,

बंधिउं. सुय० १, २, १, १८,

बंधिउणं सुय० १, ५, १, १४,

बंधित्तु. सं. कृ सुय० १, ५, १, १०; क०
प० ४, ३६,

बंधावेइ. क. वा. विवा० ६, सु० च० ११, ४८.

बंधे वि. क० ग० २, ८, सुय० २, ५, १२,

बंधइ. आ. विवा० १, ८, ८,

वज्झा क. वा. पि० नि० ६४,

वज्झंति नाया० १, १७, भग० ६, ३,

उत्त० ६, ३०;

बंध. पुं० (बन्ध) अंधन डरेवु; आधवु.

बधन काना, बांधना. Binding, chain-
ing. भग० १, १, १८, ३, गय० २२४,

दसा० ६, १-४, निसी० ५, ७१, मोव०

३८, ४१, सुय० २, २, ६२. अणुजो०

१३०, नाया० २, १७, क० ग० १, ३२,

२, १०; ११, २५, क० प० २, ३, ३,

३. पंचा० १, १०; उवा० १, ४५, (२)

अथ अने कर्मना सगंध, अथ प्रदेश अने

कर्म पुद्गलना क्षीर नीरनी पेडे थतो

सगंध, नय तत्त्वमांनु आहंमु तत्त्व जीव

और कर्मका सम्बन्ध, जीव प्रदेश और कर्म

प्रदलका क्षीर नीरवन् होनेवाला सम्बन्ध, नय

तत्त्वोंमेंसे आदवा तत्व. The relation

of the soul and karma, the

8th principle out of nine, a

harmonious mingling of the

soul particles and the mole

cules of karmas भग० १, १, २,

५, १३, ८, ४०, १५, दस० ४, १५,

१६, ओव० ३४, सम० १, ४, डा० १,

उत्त० ६, १०; २८, १४, क० ग० १, १५,

२, १, ३, आया० १ २, ६, १०२,

(३) पञ्चवृत्ताना त्रीणि पदना पञ्चसिमा

क्षीरनु नाम. पण्णवणके तीसरे पदके

पचीम्वे द्वारा नाम. Name of the

25th Dvāra of the 3rd Pada

of Paṇṇavanā. पत्र० ३, (४) सयोग.

Relation. भग० १८, ३; २०, ७;
(५) जेडी आदिजुं अंधन. आदिका बधन.
A bond of fetters etc. षस० ६,
२, १४; (६) लेप. Anointing. पि०
नि० १४, —अंतग. वि० (-अन्तक)
अंधनो अत विच्छेद इरनार बधका अंत-
विच्छेद करनेवाला. The destroyer of
bondage. क० प० ४, २०; —अंतर.
न० (-अन्तर) इर्मअंधनुं अन्तर. कर्म
बन्धका अन्तर. The difference of
karmic bond. भग० ८, ६, —उकोस.
पु० (-उत्कर्ष) उदृष्ट अंध. उच्छृष्ट बध
A good bond. क० प० २, ३१,
—उदय. पु० (-उदय) इर्मनो अंध अने
उदय. कर्मका बध और उदय. The bond
and appearance of karmas.
क० प० ५, ४३, प्रव० ४८; —उवरम.
पु० (-उपरम) इर्मअंधनी निवृत्ति-अलाव.
कर्मबन्धकी निवृत्ति-अभाव. The absence
or cessation of karmic bond.
क० ग० ६, ७; —ट्टाण. न० (-स्थान)
अधनां स्थानक. बधके स्थानक Stages
of bondage क० ग० ६, १२; —हिड.
स्त्री० (-स्थिति) इर्मना अधनी स्थिति.
कर्मके बन्धकी स्थिति. The condition
of karmic bondage. सम० २०;
भग० ६, ३; —पगइ. स्त्री० (-प्रकृति)
अधनानी इर्म अदृनि. बांधनकी कर्म प्रकृति,
बधनशील कर्म प्रकृति Binding karmic
matter. क० प० २, ७, —विह. पु०
(-विध) अधना लेद-प्रशर. बधके भेद-
प्रकार. Varieties of bonds. क० ग०
५, १; —विहाण न० (-विधान) अधनो
विधि बधकी विधि-का विधान The pro-
cedure of bondage. क० प० १,
१०२, ३, १, —विहि पु० (-विधि)

अधना प्रशर-लांगल. बंधके प्रकार-भाग-
खण्ड. A portion of bondage.
क० ग० ६, २७, —बुच्छेअ. पु०
(-बुच्छेद) अधनो विच्छेद-अलाव. बधका
विच्छेद-अभाव. The absence of a
bond. क० ग० ६, २४; —बोच्छेय.
पु० (-बुच्छेद) अधनो विच्छेद-अलाव.
बधका विच्छेद-अभाव. The absence
of a bondage. क० प० २, २५;
—सयग. न० (-शतक) अध प्रशरुनी
सो गाथा, सो गाथावाणु अध प्रशरु.
बध प्रकरणकी १०० गाथा, १०० गाथावाला
बध प्रकरण. 100 tales of the topic
of bondage. क० प० १, १०२,
—सामि. पु० (-स्वामीन) अधनो स्वामी;
इर्म आधनार. बन्धका स्वामी; कर्म बन्धक.
That which binds the karmas;
the master of bondage. क० ग०
५, १; —सामित्त. न० (-स्वामित्व)
अधनु स्वामिपणु. बधका स्वामित्व. The
state of a master of bondage.
क० ग० ३, १; २४; ६, ७५,

बंधअ. वि० (बन्धक) अधनार; इर्म अंध
इरनार. बांधनेवाला; कर्मबन्ध करनेवाला.
Binder; (one) who binds
karmas पि० नि० २०७,

बंधग. पु० (बन्धक) इर्म अधनार. कर्म
बांधनेवाला. (one) who binds
karmas. भग० ५, १, ८, ८, पप्र० ३;
पंचा० २, ४४; १६, ४०, ११, १, २१,
१, २५, ३; ३३, १, ३५, १,

बंधवृत्तिउद्देश. पु० (बन्धवृत्तिउद्देश) पण-
वणु सूनना ओइ उद्देशानुं नाम. पणवणु
सूत्रके एक उद्देशका नाम. Name of a
chapter of Pannavaṇā Sūtra
भग० १३, ८,

બંધન. નં (વન્ધન) બંધન, બધ. વધન, વધ. Bond; bondage. ભગ. ૭, ૬, ૬, ૩૩, ૧૮, ૩; નાયા. ૨; પત્ર. ૧૩, ૧૬, રાય. ૨૫૩; ઉત્ત. ૧, ૧૬, સમ. ૨, ઓવ. ૨૧, ૩૮, આવ. ૪, ૭; જ. ૫૦ ૩, ૭૦, (૨) શરીરનું બંધારણ. શરીરકા ગઠન The make-up of the body. નાયા. ૧, (૩) જન્મ મરણ. Life and death દસ. ૧૦, ૧, ૨૧; (૪) નાવાનું બંધન નાયા. ૮; (૫) ઔદારિક, વૈકલ્યઆદિ પાંચ શરીરના પુદ્ગલોનું જોડાણ-મેળ. ઔદારિક, વૈકલ્ય આદિ પાંચ શારીરિક પુદ્ગલોંકા મેલ-સયોગ The combination of the molecules of the five bodies viz. physical etc. અણુજો. ૧૨૭, પત્ર. ૨૩, (૬) જ્ઞાનાવરણીય આદિ આઠ કર્મનું બંધન જ્ઞાનાવરણીય આદિ આઠ કર્મકા વન્ધન A bondage of eight karmas viz. knowledge-obscuring etc. પત્ર. ૩૬, આયા. ૧, ૪, ૩, ૧૩૮, (૭) ફળનું બીટકું ફલકા વટકા A slice of fruit. સૂય. ૧, ૨, ૧, ૬, (૮) આઠ કર્મ અને તેના હેતુઓ. આઠ કર્મ ઓર ઉત્કે હેતુ. The 8 karmas and their causes. પત્ર. ૩૬, સૂય. ૧, ૧, ૧, ૧, (૯) જેથી કર્મનો બધ થાય તે અધ્યવસાય, આઠ કરણોમાંનું એક. કર્મ વન્ધણીલ અધ્યવસાય, આઠ કરણોમાંસે એક. An effort that causes a karmic bondage, one of the 8 means. ક. ૧૦ ૧, ૨૪, ૩૧; ૩૫, ૩૭, ૨, ૩૧, ક. ૧૦ ૧, ૨, —કરણ નં (—કરણ) કર્મનો બધ કરવો તે કર્મવધ કરણ The incurring of a karmic bond. ક. ૧૦ ૧, ૧૦૨; —જેયણ નં (—જેદન) જીવ સાથેના

કર્મ સબધનું છેદન. જીવ વિકલ્પક કર્મ સમ્બન્ધકા છેદન The destruction of the relation of karmas with a soul ઠ. ૫, ૩; —જેયણગદ. સ્ત્રી. (—જેદનગતિ) શરીરથી જીવનું જુદું પડવું. શરીરસે જીવકા જુદા હોના. The separation of a soul from the body. ભગ. ૮, ૭, (૨) શરીરથી છુટેલ જીવની અને જીવથી છુટેલ શરીરની ક્રિયા થાય છે તે. શરીરસે મુક્ત જીવ ઓર જીવસે મુક્ત શરીરકો હોનેવાલી ક્રિયા. The act of a soul liberated from a body and a body liberated from a soul. પત્ર. ૧૬; —જેયણયા. સ્ત્રી. (—જેદન+તા) બંધનનું છેદન થવું તે. વધનકા છેદન કાર્ય. The destruction of a bondage. ભગ. ૭, ૧; —નામ. નં (—નામનું) બંધન નામે નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ. વધન નામક નામ કર્મકો એક પ્રકૃતિ. A variety of Nāma karma matter named Bāndhana. ક. ૧૦ ૧, ૨૮; —પદ્ધત્ય. પુ. (—પ્રત્યયિક) પરમાણુ પુદ્ગલોનો પરસ્પર બંધ, જેમ દ્વિપ્રદેશિકાદિ રકંધ. પરમાણુ પુદ્ગલોંકા પરસ્પર વધ; યથા દ્વિપ્રદેશિકાદિ સ્કન્ધ The combination of molecules e. g. a Skandha. ભગ. ૮, ૬; —પરિણમ. ત્રિ. (—પરિણત) બંધનરૂપે પરિણમેલ. વન્ધનરૂપે પરિણત-પ્રતિકલિત. Resulting or matured into a bondage ક. ૧૦ ૨, ૧;

બંધન. નં (વધન) બાંધવું તે. વધન, બાંધ. A binding. પચા. ૧, ૧૮, બંધય. ત્રિ. (વન્ધક) કર્મ બાંધનાર. કર્મ બાંધનેવાલા. That which binds the karmas. ભગ. ૫, ૪; ૮, ૬; ૨૫, ૬,

बंधव. पु० (बान्धव) २५७१. सादे०, भा०
रवजन; सहोदर; भ्राता. Brethren, a
brother उत्त० ४, ४; १०, ३०, ११०
१, १;

बंधवया स्त्री० (बान्धवता) अधुना, ला०प०.
बंधुता, भ्रातृत्व, भायप. Brotherliness.
उत्त० ४, ४,

बंधाविय. त्रि० (बन्धित) अधावेश. बंधाया-
हुआ, बंधाहुआ. Bound. सु० च० २,
४६२,

बंधिसय. न० (बन्धिसय) भगवती सूत्रना
२६ भा शतकनुं नाम भगवती सूत्रके २६ वें
शतकका नाम. Name of the 26th
century of Bhagavati Sūtra.
भग० २७, १,

बंधीसा स्त्री० () बाध विशेष, वा०नुं
बाध विशेष; बाजा. A kind of musi-
cal instrument. राय० ८८,

बंधु पु० (बन्धु) भ्राता; ला० भ्राता, भाई.
A brother. गच्छा० २५; १०६,

बंधुजीव. पु० (बन्धुजीव) अपोरीयानु आ०.
बपोरिया-बंधुजीव वृक्ष. A species of
trees भग० २२, ५; राय० ५१, ५३.
५४; (२) वर्षाऋतुमां थतो ला० सुवाणी
आमरीवालो छवडे; भेमभोलो. वर्षाऋतुमें
पैदा होनेवाला सुन्दर लाल चमडीवाला जीव.
A worm with soft red velvet
like skin, which is born in
the rainy season. जीवा० ३, ४.

बंधुजीवग. पु० (बन्धुजीवक) अपोरीया वृक्षनु
झूल. बन्धुजीव वृक्षका फूल. A flower of
a particular tree ज० ५० पत्र०
१, कप्प० ४, ६०, (२) वर्षाऋतुमां थतां
नानां दा० छवडां. वर्षाऋतुमें उत्पन्न होनेवाले
लाल र छोटे जीव-प्राणी A red
worm born in the rainy
season. नाया० १.

बन्धुदेस पु० (बन्धुदेशक) पाण्डुपत्नी सूत्रना
योपीशमा पटना ओ० उद्देशानु नाम.
पणवणा सूत्रके चौथीमें पदके एक उद्देशाका
नाम. Name of a section of
the 24th Pada of Pannavanā
Sūtra भग० ६, ६:

बंधुमई. स्त्री० (बन्धुमती) १९ भा तीर्थकरनी
मुख्य साध्वीनु नाम. १६ वें तीर्थकरकी मुख्य
साध्वीका नाम. Name of the prin-
cipal nun of the 19th Tir-
thankara. प्रव० ३०६,

बंधुमती. स्त्री० (बन्धुमती) अर्जुन भाणीनी
स्त्रीनु नाम. Name of the wife
of Arjuna māli. अत० ६, ३, (२)
मल्लिनाथ तीर्थकरनी मुख्य साध्वीनु नाम
Name of the principal nun
of Mallinātha Tirthankara.
नाया० ८,

बन्धुय. पु० (बन्धुक) बन्धु देश. बन्धुक देश.
A country called Bandhuka.(२)
त्रि० ते देशना रहेवासी. इस देशके निवासी
An inhabitant of that country.
पत्र० १:

बंधुर त्रि० (बन्धुर) सु०. २५०. सु०.
रमणीक. Beautiful, attractive.
च० १०,

बन्धुवती. स्त्री० (बन्धुमती) १९ भा तीर्थकरनी
मुख्य साध्वी. १६ वें तीर्थकरकी मुख्य साध्वी.
The chief nun of the 19th
Tirthankara. सम० ५० २३४;

बंधुसिरी. स्त्री० (बन्धुस्री) ओ० राणीनु
नाम एक रानीका नाम Name of a
queen वि० ६,

बंध. पु० न० (ब्रह्मन्) ब्रह्मचर्य. ब्रह्मचर्य.
Celibacy, continence राय० २१५;
वि० नि० भा० २४; वि० २६ ३६; मो० ०

૧૬. ઉત્ત૦ ૧૨, ૪૬, ૩૧, ૧૪, પ્રવ૦ ૪૦, (૨) અભિજિત નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. અભિજિત નક્ષત્રના અધિષ્ઠાતા દેવતા. The presiding god of the constellation Abhijita. સુ૦ ૫૦ ૧૦; અણુજો૦ ૧૩૧; (૩) પાચમો દેવલોક. The 5th Devaloka ભગ૦ ૧૮, ૭, શ્રાવ૦ ૨૬, વિગે૦ ૫૬૫, નાયા૦ ૧ (૪) પાચમા દેવલોકનો સ્વામી-ઇન્દ્ર. The Indra (lord) of the 5th Devaloka ટા૦ ૨, ૩, સમ૦ ૩૨; પત્ર૦ ૨. (૫) બીજા બલદેવ-વાસુદેવના પિતા દ્વિતીય પલદેવ-વાસુદેવના પિતા Father of the 2nd Baldeva-Vāsudeva સમ૦ ૫૦ ૨૩૫; (૬) વર્તમાન અવસર્પિણીના આરમ્ભા ચક્રવર્તી વર્તમાન અવસર્પિણીના ચક્રવર્તી The 12th Chakravarti of the current aeon of decrease. સમ૦ ૫૦ ૨૩૪; (૭) મોક્ષ મોક્ષ; મુક્તિ Salvation. સૂય૦ ૨, ૬, ૨૦, (૮) સ્વિસ રાતના ત્રીસ મુહૂર્તમાં નવમુ મુહૂર્ત. દિન રાતકે ત્રીસ મુહૂર્તમાં ૬ થી મુહૂર્ત The 9th Muhūrta out of 30 of a day and night જ૦ ૫૦ ૭, ૧૫૨, સમ૦ ૩૦, (૯) બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તીના એક મહેલનું નામ બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તીના એક પ્રાસાદના નામ. Name of a palace of Brahma-datta sovereign “ઉચ્ચોદય મટ્ક વકેય વમે” ઉત્ત૦ ૧૩, ૧૩. (૧૦) જ્ઞાન સ્વરૂપ આત્માનું આશ્રય સ્થાન હોવાથી સિદ્ધશિલાનું બીજું નામ, જ્ઞાનસ્વરૂપ આત્માના આશ્રયસ્થાન હોનેના કારણે સિદ્ધશિલાના દૂસરા નામ Name of a Siddha Śīla being the fulcrum of the soul

in the form of knowledge. મમ૦ ૧૨, (૧૧) ૧૨મા ચક્રવર્તીના પિતા. ૧૨વું ચક્રવર્તીના પિતા. Father of the 12th Sovereign ruler. સમ૦ ૫૦ ૨૩૪, (૧૨) બ્રહ્મ નામનું એક જગત્ દેવલોકનું વિમાન કે જેના દેવતાનું ૧૧ સાગરોપમનું આયુષ્ય છે. વદ્ય નામક છટે દેવલોકના એક વિમાન જિસકે દેવતાની આયુષ્ય ૧૧ સાગરોપમની છે A celestial abode of the 6th Devaloka named Brahma the life of whose gods is 11 Sāgaropamas (a period of time) મમ૦ ૧૧, (૧૩) બ્રહ્મા, વિધાતા બ્રહ્મા, વિધાતા, સૃષ્ટિકર્તા. The creator, Brahmā. સૂય૦ ૧, ૧, ૩, ૫, (૧૪) શીતલનાથજીના યક્ષનું નામ. શીતલનાથજીના યક્ષના નામ Name of a Yakṣa (semi divine being) of Śīṭalanāthji. પ્રવ૦ ૩૭૫, —ગુપ્તિ. શ્લો (ગુપ્તિ) બ્રહ્મચર્યનું રક્ષણ બ્રહ્મચર્યના રક્ષણ Observance of celibacy પિ૦ નિ૦ ૬૨; (૨) બ્રહ્મચર્યનું રક્ષણ કરવાને કિલ્લાની પેઠે આધવામા આવેલી નવ વાડ બ્રહ્મચર્યના રક્ષણાર્થે કિલ્લાના સમાન બનાઈ હુઈ નહીં વાગુર પરિધિ ઉત્ત૦ ૩૧, ૧૦, મન૦ ૧૦૭, પ્રવ૦ ૫૫૬, ૫૬૫, —સંતિ શ્લો (—શાન્તિ) બ્રહ્મ-આત્મજ્ઞાનથી શાન્તિ થાય તે બ્રહ્મ-આત્મજ્ઞાનદ્વારા પ્રાપ્ત શાન્તિ Tranquillity due to the knowledge of the soul ભગ૦ ૪૨, ૧, વંમકં ૫૦ ન૦ (વદ્યાગડ) જગત્ જગત્, વિશ્વ The Universe સુ૦ ચ૦ ૨, ૧૬૬. વંમકંત. ૫૦ (વદ્યાગડ) એ નામનું જગત્ દેવલોકનું એક વિમાન કે જેના દેવતાઓનું આયુષ્ય ૧૧ સાગરોપમનું છે. આ નામના છટે દેવલોકના એક વિમાન જિસકે દેવતાના

आयुष्य ११ सागरोपमका है A celestial abode of this name of the 6th Devaloka, the age of whose gods is 11 Sāgaropamas. (a period of time.) सम० ११,

वंमकूड पु० (ब्रह्मकूट) ओ नामनु षड्हा देवलोकानु ओड विमान डे जेभां वसतार देवतानु ११ सागरोपम आयुष्य छे इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताकी आयुष्य ११ सागरोपम है. A celestial abode so named of the 6th Devaloka the gods of which live for 11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११, (२) महा कुञ्ज विजयनी पूर्वे अने कुञ्ज गावर्ध विजयनी पश्चिमे आवेले ओड वज्जारा पर्वत. महाकच्छ विजयके पूर्व और कच्छगावर्ध विजयके पश्चिममें स्थित एक वज्जारा पर्वत. A Vakhārā mount to the east of the Mahākachchha territory and west of kachchhagāvaī territory. ज० प०

वंमचारि. वि० (ब्रह्मचारिन्) अलस्यर्थ धारणु करतार ब्रह्मचारी. A celibate. भग० २, १, उत्त० ३२, ११; उवा० २, ११३; (२) पु० पार्श्वनाथना ओ नामना ओड गलुधर पार्श्वनाथके इस नामके एक गणधर. A Ganadhār so named of Pārsvanātha. ठ० ८, १;

वंमचेर न० पु० (ब्रह्मचर्य) अलस्यर्थ; विषय त्याग. ब्रह्मचर्य; विषय त्याग. Continence; celibacy. आया० १, ४, ३, १३७, १, ६, ४, १८८; ठा० २, १; उत्त० १६, १, २५, ३०; सूय० १, ३, १, १३, २, १, ४५; ज० प० ७, १६२, भग० १, ६; दस० ५, १, ६, ६, ५८; नाया० १, पि० नि०

६६६; पगह० १, २; सु० च० ७, २७३, भक्त० १०७; गच्छा० ६७, १०७; प्रव० ६४६; उवा० १, ७६, (२) सयम अनुष्ठान. सयमानुष्ठान Practice of self-restraint. सूय० १, १, ३, १३; (३) जिनेन्द्रनु शासन जिनेन्द्रका शासन. The command of Jineन्द्र. सूय० २, ५, १; —गुप्ति. स्त्री० (—गुप्ति) अलस्यर्थना रक्षण भाटे योग्यवती नव गुप्ति-वाड. ब्रह्मचर्यके निरीक्षणार्थ नियुक्त नौ गुप्ति. Nine methods of protecting celibacy. भाव० १, ४; —धारिणी. स्त्री० (—धारिणी) अलस्यर्थ पाणनारी स्त्री. ब्रह्मधारिणी. A female celibate. नाया० १६; —वसा गुप्ति. वि० (वसानयन-ब्रह्मचर्य वसानयनति-आयत करोति दर्शना क्षेपादिनेति) अलस्यर्थने अन्त करतार; अलस्यर्थने तोडनार. ब्रह्मचर्यका अन्त करनेवाला; ब्रह्मचर्यको भ्रष्ट करनेवाला. (one) who terminates celibacy. “ नचरेज वेससामते बभचेर वसाणुए ” दस० ५, १, ६, —वास. पु० (—वास) अलस्यर्थमां रहेतु ते; अलस्यर्थनुं पालन. ब्रह्मचर्य पालन. Observance of celibacy. भग० १, ४; ६, ३१, १५, १; नाया० १०, १६; ठा० ५, १,

वंमजोग. पु० (ब्रह्मयोग) अलस्यर्थ धारणु करतु ते. ब्रह्मचर्यका अभ्यवसाय-योग The observance of celibacy. गणि० ३०;

वंमज्झय पु० (ब्रह्मज्जय) ओ नामनु षड्हा देवलोकानु ओड विमान डे जेभां वसतार देवतानु ११ सागरोपम आयुष्य छे. इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताकी आयुष्य ११ सागरोपमकी है. A celestial abode so named of the 6th Devaloka, the gods of which live for

11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११;

वंभण. पु० (ब्राह्मण) आहोषु; आर वर्णुमानो
ऐक वर्णु ब्राह्मण, चार वर्णोंमेंसे एक वर्ण.
A brāhmana, one of the 4
varnas-castes भग० २, १, सु० च०
७, २८७, उत्त० २५, १८,

वंभणअ(य). त्रि० (ब्राह्मणक) आहोषु सण्धी.
ब्राह्मण विषयक Pertaining to a
Brāhmana ओव० ३८, भग० ६. ३३,
१८, १०; कण० १, ६;

वंभदत्त पु० (ब्रह्मदत्त) अहमना नामेनो
अकवर्ती, के ने पोनाना पूर्वजन्मना लाध
चित्तमुनिअे समज्जव्या छतां पणु न समज्जतां
छेवट सुधी धामक्षोगमां आसकन रडी
भरीने सातमी नरके गयो. ब्रह्मदत्त नामक
चक्रवर्ती जो अपने पूर्वजन्मके भाई चित्तमुनिद्वारा
समझाया जाने परमी न समझते हुए अन्तिम
समय तक कामभोगमें आसक्त रहा तथा मरने
पर सातवें नरकको पहुँचा. A sovereign
ruler named Brahmadatta,
who, though advised by his
brother of previous birth,
Chitta muni, did not give up
sensual enjoyment to the last
and hence reached the 7th
hell after death. प्रव० ४१६; ठ०
२, ४; ४, ३; उत्त० १३, १, जीवा० ३, १,
(२) २ न तीर्थकरने प्रथम लिक्षा आपनार.
दूसरे तीर्थकाको १ले भिक्षा देनेवाला. (one)
who gave alms first of all to
the 2nd Tirthankara. सम० १०
२३२;

वंभदीवग. पु० (ब्रह्मदीपक) रेवती नक्षत्र
आचार्यना शिष्यनु नाम रेवती नक्षत्र आ-
चार्यके शिष्यका नाम Name of the

disciple of the preceptor
Revatī Naksatra. नदी० ३२,

वंभदीविआ स्त्री० (ब्रह्मदीपिकास) ऐ नामनी
ऐक शाखा इस नामकी एक शाखा. A
branch (of a family) so
named कण० ८,

वंभप्पभ. पु० (ब्रह्मप्रभ) अन्निप्रल नामनु
छ्ढा देवलोकनु ऐक विमान के नेना देवानु
आयुष्य ११ सागरोपम होय छे. ब्रह्मप्रभ
नामक छठे देवलोकका एक विमान जिसके
देवताकी आयुष्य ११ सागरोपमकी होता है
A celestial abode of the 6th
Devaloka named Brahma-
prabha, its gods live upto
11 Sāgaropamas. (a period of
time). सम० ११,

वंभवन्धु. पु० (ब्रह्मवन्धु) पट्ठर्भ रहित
मात्र जन्मने आहोषु पट्ठर्भ रहित मात्र
जन्मका ब्राह्मण. A Brāhmana by
birth only but devoid of six
karmas. पि० नि० ४४८,

वंभयारि. पु० (ब्रह्मचारिन्) अन्नार्थ पाणनार.
ब्रह्मचारी A celibate. भग० ३, ३,
१२, १; नाया० १, दस० ५, १, ६, ८,
५४, ओव० १७, पचा० १०, १८; (२)
पार्श्वनाथना ऐक गणधर. पार्श्वनाथका एक
गणधर A ganadhara of Pārśva-
nātha. सम० ८;

वंभलेस्स. पु० (ब्रह्मलेख्य) ऐ नामनु छ्ढा
देवलोकनु ऐक विमान के नेमां वसता
देवानु ११ सागरोपम आयु छे. इस नामका
छठे देवलोकका एक विमान, जिसके निवासी देव-
ताकी आयु ११ सागरोपमकी है. A celestial
abode of the 6th Devaloka so
named the gods of which

live upto 11 Sāgaropamas (a period of time) सम० ११;

वंभलोग. पु० (ब्रह्मलोक) पांथमा देवलोकं
नाम पाचवें देवलोकका नाम. Name of
the 5th Devaloka. प्र० ११२६,
(२) पांथमा देवलोकं रतेनार देव.
पाचवें देवलोकमें रहेवाला देव. A god
residing in the 5th Devaloka
उ० २६, २०८,

वंभलोगवडिंसग. पु० (ब्रह्मलोकवतसक)
अहलोकावतसक नामनु पांथमा देवलोकं
अ० विमान ३ जेना देवतानु आयुष्य ११
सागरोपम छे. ब्रह्मलोकवतसक नामक पाचवें
देवलोकका एक विमान जिसके देवताकी आयु १०
सागरोपम है A celestial abode
named Brahmālokāvātansaka
of the 5th Deva'oka, the gods
of which live upto 10 Sāga-
ropamas सम० १०,

वंभलोय. पु० (ब्रह्मलोक) अहलोका, पांथमा
देवलोक ब्रह्मलोक, पाचवें देवलोक The 5th
Devaloka (heaven) सम० ७,
अणुजो० १०४, १४२; जीवा० २, ओव०
३८; नाया० १६, भग० ३, १, २४, २०;
अ० २, ३, पत्र० १, नि० २, २, ज०
५० ५, ११८, — कप्प पु० (-कल्प)
पांथमा देवलोकं नाम. पाचवें देवलोकका
नाम. Name of the 5th Deva-
loka (heaven). भग० १, २; नाया० ८;

वंभवडिंसग्र. पु० (ब्रह्मवतसक) सडण
लोडने मुकुटरूप होवाथी सिद्धसिंहाणा नाम.
सकल लोकका मुकुट होनेके कारण सिद्धसिंहाणा
नाम. Name of Siddha-Silā
being the crown of all worlds.
सम० १२;

वंभववर्ण पु० (ब्रह्मवर्ण) अ० नामनु छडा
देवलोकं अ० विमान ३ जेमा वसता

देवानु आयुष्य ११ सागरोपमनु छे. इस
नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके
निवासी देवताकी आयु ११ सागरोपमकी है.
A celestial abode of the 6th
Devaloka; its gods live upto
11 Sāgaropamas सम० ११,

वंभवि. वि० (ब्रह्मवि) आत्मजानी. आत्म-
जानी. (one) who knows the
souls. आयु० १, ३, १, १०७,

वंभसिंग पु० (ब्रह्मसिंग) अ० नामनु छडा
देवलोकं अ० विमान ३ जेमा वसता
देवानु आयुष्य ११ सागरोपम छे. इस
नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके
निवासी देवताकी आयुष्य ११ सागरोपमकी है.
A celestial abode of the 6th
Devaloka; its gods live for
11 Sāgaropamas (a period of
time) सम० ११,

वंभसिद्ध. पु० (ब्रह्मसिद्ध) अ० नामनु छडा
देवलोकं अ० विमान ३ जेमा वसता
देवानु आयुष्य ११ सागरोपमनु छे. इस
नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसमें
वसनेवाले देवताओंकी आयु ११ सागरोपमकी है
A celestial abode of the 6th
Devaloka (heaven), its gods
live for 11 Sāgaropamas
(a period of time). सम० ११;

वंभसोअ न० (ब्रह्मसोअ) शील-अहर्षथी
थती पवित्रता. ब्रह्मचर्यके कारण होनेवाली
पवित्रता. Purity due to conti-
nence अ० ५, ३,

वंभावत्त पु० (ब्रह्मवर्ण) अ० नामनु छडा
देवलोकं अ० विमान ३ जेमा वसता
देवानु आयुष्य ११ सागरोपम छे. इस
नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके
निवासी देवताकी आयु ११ सागरोपमकी है.

Name of a celestial abode of the 6th Devaloka, its gods live for 11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११,

वंभावति. स्त्री० (ब्रह्मावती) रम्यकविजयकी मुख्य राजधानी The capital city of Ramyaka territory. ज० १०

ब्रह्मी. स्त्री० (ब्राह्मी) आह्मी लिपि ब्राह्मी लिपि. Brāhmī script. भग० १, १, सम० १८, पत्र० १. (२) ऋषभदेव प्रभुकी पुत्री के जेन प्रभुये आह्मी लिपि शापवी ५ती ऋषभदेव प्रभुकी पुत्री जिसे प्रभुने ब्राह्मी लिपि सिखलाईथी The daughter of Rsabhadeva who was taught by him the Brāhmī script भग० १, १ ज० १० सम० १८ ८४, सम० १० २३४, प्रव० ३०८

बंभुत्तरवडिसंग पु० (ब्रम्हावतसक) ओ नामनु छंडा देवलोडनु ऐक निभान के जेना देवानु ११ सागरोपम आयुष्य छे. इस नामका छंडे देवलोकका एक विभाग जिसके देवोंकी आयु ११ सागरोपमकी है. A celestial abode of the 6th Devaloka, its gods live upto 11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११

बक पु० (बक) अगले बगला A stork. पत्र० १, १

बकुलअ. पु० (बकुलक) अकुल उक्षिता नामे छे। छे भाषासनु पाडेले नाम बकुल वृक्षके नामपर रखाहुआ किसी मनुष्यका नाम. Name given to a man on the name of the Bakula tree अणुजो० १३१;

बकुली स्त्री० (बकुली) अकुश देशनी उत्पन्न थयेली दासी बकुल देगमें उत्पन्न दासी A

maid-servant born in Bakula country नाया० १

बग पु० (बक) अगले बक, बगुला A stork पत्र० १,

बगिअ त्रि० (बकीय) अगला संयधी बगुले सम्बन्धी. Pertaining to a stork त्रि० ३

बज्ज. त्रि० (बाह्य) आह्य वस्तु अह्यरती वस्तु बाहरकी वस्तु. External object त्रि० ८१४ पंचा० १०, ४२. (२) आह्यरनु गीतगो लखे तेवी रीतनु. बहारका दूसरोंके जानमेंके योग्य External public उत० ३० ८

बज्ज. न० (बध्य) अधनु डारलु-पाशसे, पागुगदिध अधन बधका कारण The cause or means of a bondage, a snare noose etc सूय० १, १, २, ८. —अभाव. पु० (-अभाव) आह्य क्रियानी अप्रगति बाह्य क्रियाकी अप्रगति-अभाव Absence of external activity पचा० ११, १७,

बज्जओ. अ० (बाह्यतत्त्व) अह्यरनु बहारका Externally प्राया० १, ५, ३, १५३, उत० ६ ३५,

बज्जंतय. त्रि० (बध्यमान) अध्यमान कर्म पुद्गल, वर्तमान क्षणभा अधाता कर्म बध्यमान कर्म पुद्गल. वर्तमान कालमें बधनेवाले कर्म 'The binding karmic molecules, a karma binding in the present' " जुगावद्धाकर्मतायाय पत्ता उईरणावहिव " त्रि० २६६२, क० ग० १, ३५

बज्जंतर. त्रि० (बाह्यान्तर) आह्य अने अह्य-न्तर बाह्य और अभ्यन्तर. External and internal त्रि० ३११,

वक्तागम. पु० (वक्तागम) ध्वजां आगमने
गणपति. बहुते अगमोंका ज्ञाता. Know-
er of many scriptures. वक्ता
१, ३७.

वज्रिन्ध्यायण न० (वाज्रिन्ध्यायण) पूर्वपादा
नक्षत्रं गोत्र. पूर्वापादा नक्षत्रका गोत्र. The
family-origin of the constel-
lation Pūrvāsādhā. ज० प० ७,
१५६;

वडिस्. न० (वडिस्) माछदाने विधवाने
भाटे वपरने लोहने सणीओ, ३ न्ना
७पर भांसनी ३ लोहनी गोणी रायवाभां
आवे छे. मछनीको वीधनेके लिए काममें लाई
जानेवाली लोहकी सलाई जिसपर मांस या
आटेकी गोली लगाई जाती है; फन्दक, वडिस्.
A hook, au angle. वन० ३२, ६३;

बहुअ पु० (बहुअ) नाछो छोटरी अलथारी.
बहुअ, ब्रह्मचारी, बालक. A young boy,
a stripling. सु० च० ८, ४८; ओष०
नि० भा० ६०,

वत्तीस. वि० (वत्तीस) अतीस. वत्तीस
Thirty two. मग० १, ५; २, ८;
३, १; ७, १, १०, ६, १२, ६, १६,
५, १६, ७, २०, ५, मग० २४, ३२,
नाया० १, ५, ८, नाया० ४० ५, नदी०
४६, पि० नि० ३७८, ६४२; विवा० २;
वक्ता ८, १५, ओष० १६, पद्म० २, ४,
सु० च० २, ३०६, क० ग० ६, ५६,
पचा० १६, ३३, ज० प० ५, ११५, ७,
१३३, ३, ६७; २, २०. —पुसिखवार
कुसला स्त्री० (पुसिखवारकुसला) पुरुषने
७पया० इत्याना अतीस प्रक्षरमा क्षण.
पुरुष चिन्हाक वत्तीस प्रकारोंकी कुशल ज्ञाता.
Skilful in the 32 varieties of
treating men. नाया० ३; —सय.
न० (सय) अतीससो. वत्तीससौ, ३२००

Thirty two hundred, 3200
विवा० ७,

वत्तीसवद्ध. वि० (वत्तीसवद्ध) अतीस प्रक्ष-
रशी अधायेस. वत्तीस वत्तीस बंधाहुआ.
Bound in 32 ways. नाया० १:
राय० ७८; मग० ६, ३३,

वत्तीसइम. वि० (वत्तीसइम) अतीसशु.
वत्तीसवा. Thirty-second. नाया० १,
मग० २, १, २०, ५.

वत्तीसविह वि० (वत्तीसविह) अतीस प्र-
क्षरनु वत्तीस प्रकारका. Of thirty two
varieties. मग० ११, १०.

वत्तीसवद्ध वि० (वत्तीसवद्ध) अतीस प्रक्षरनु,
अतीस प्रक्षर अधायेस-२५अयेस वत्तीस
प्रकारका, वत्तीस तरहमें बनायाहुआ-निर्मित.
Of 32 kinds; bound or arrang-
ed in 32 ways मग० ३, २. प्रव०
६८३,

वत्तीसविह वि० (वत्तीसविह) अतीस
प्रक्षरनु. वत्तीस प्रकारका. Of 32 kinds
मग० ३, १, १८, २;

वत्तीसिआ(या). स्त्री० (वत्तीसिआ) माशीना
अतीसमा लागनु ओके धान्य मापवानु
माप. मापनेके वत्तीसवै भागका धान्य मापनेका
एक साधन. A means of measuring
the 32nd part of 1 māni (6
maunds). अणुजो० १३२ राय० २७२.

वत्थि पु० (वत्थि) नालिनी नीयेने ओके
अदरने शरीर अवयव, पेडु. नाभिके नीचेका
भीतरी अवयव, पेडु. वत्ती Pelvis. ज०
प० पि० नि० भा० ८१, पद्म० १, ३. (२)
छाने मध्य लाग. छत्रका मध्य भाग. The
middle part of a royal um-
brella. ज० प० (३) पाणिनी भक्ष. पानीकी
मक्षक. A leather-bag of a water.
मग० १, ६; १८, १०; नदी० ४७. राय०

२६०, — रोम. त्रि० (रोमन्) शुद्धरोम-
याण. गुमरोम-वाल. Pubic hair. निसी०
३, ४१;

वर्तिकर्म. न० (वस्तिकर्षन्) न० तथा
अगलना रोम-केश सभारवा ते. नख एव
बगलके वालोंका सम्हालना-वनवाना. Paring
the nails and shaving the
hair of the armpit. सूय० १, ६,
१२, (२) योगनी ऐक शारीरिक क्रिया के
नेथी शरीरना अदरना अचयवे साके कराय
छे योगकी एक शारीरिक क्रिया जिसकेद्वारा
शरीरके भीतर अवयवोंकी शुद्धि कीजाती है.
A physical exercise of yoga
which produces the purity
of internal organs. नाया० १३,
दस० ३, ६, विवा० १,

बदर. न० (बदर) ओर बेर; बोर. A
Plum पत्र० १,

बद्ध. त्रि० (बद्ध) अंधायेस बंधाहुआ, बद्ध
Bound, tied. आया० १, २, ६, १०२,
सम० ११; भग० १, १, ३, ३, ७, ६;
११, १०; १२, ४, पि० नि० ५८४, राय०
२५३, ओव० ३०; नाया० १, २; १७,
ज० ५० ३, ४८, ७, १६६; (२) श्रव
प्रदेशनी साथे अंधायेस कुर्मी जीव प्रदेशके
साथ बंधेहुए कर्म. Karmās bound
with the soul. विशेष० २५१३, (३)
गद्यपद्यरूपे रचायेस सूत्र गद्य-पद्य-आकार-स्वर्मे
रचित सूत्र A Sūtra written in both
prose and poetry विशेष० ३३५५,
—आउअ. त्रि० (—आयुष्क) जेहे अलिप्रेत
नाम गोत्रनु आयुष्य आंधी दीधु होय ते.
अभिप्रेत नाम गोत्रकी आयुष्य बांध दी हो वह.
(one) who has fixed the age
of Abhipreta Nama-gotra.
अणुजो० १४६; —कच्छ. त्रि० (—कच्छ)

कुच्छ आधिस, तैयार थयेस. कच्छबद्ध, कटि
बद्ध, तत्पर, तैयार (one) who is
girded, prompt, ready भग० ६,
३३, महा० ५० १३०, —पयसिय. पु०
(—प्रादेशिक) आयुना प्रदेश आधिसा होय
तेवे आयुके प्रदेशोंसे आवद्ध. Bound by
the molecules of life. नाया० १३;
—पुट्ट त्रि० (स्पृष्ट) अत्यंत गाढ आं-
धिस, आंधीने स्पर्श करेस खूब कसकर
बांधाहुआ, बांधकर स्पर्श कियाहुआ Bound
very tightly; touched after
being bound. विशेष० ३३६, —फल.
न० (—फल) उत्पन्न थयेसु ६ण. उत्पन्न
फल Fruit put forth. नाया० ७;
—मउड. त्रि० (—मुकुट) जेहे मुगट
आधिस छे ते (राज). मुकुटधारी (राजा).
A crowned king. भग० १३, ६;
मूल. त्रि० (—मूल) जेनु मूल आधिस
होय ते. बद्धमूल (That) whose root
is fixed भग० १५, १; —लक्ष्म.
त्रि० (—लक्ष्य) आधिस छे लक्ष्य-दृष्टिपिदु
जेहे ते निश्चित दृष्टिबिन्दुवाला. Attentive;
concentrating. गच्छा० ३६;
बद्धग त्रि० (बद्धक) जुओ " अक्ष " शब्द.
देखो " बद्ध " शब्द. Vide " बद्ध ".
उत्त० ३३, १८,
बद्धेन्द्रग त्रि० (बद्ध) अंधायेस, श्रवनी साथे
संअधवायु जीवमे सम्बन्ध रखनेवाला. Bound;
related to the soul पत्र० १२,
बद्धीसक. पु० (बद्धीसक) वाद्य विशेष.
वाद्य विशेष A particular kind of
musical instrument पण्ड० २, ५;
बद्धेन्द्रग. त्रि० (बद्ध) श्रवनी साथे सअध
करेस जीवके साथ सम्बद्ध Bound with
the soul पत्र० १२, (२) ग्रहण करेस.
ग्रहण कियाहुआ. Accepted. अणुजो०
१४१;

वज्रलया त्रि० (वज्र) जुम्मा " अथ्वेन्नग " २५६ वगो " वज्रलग " शब्द Vide " वज्रलग. " निती० १२, १:

वाप्य. पु० () पिता, आप पिता. वाप. Father. ज० प० २, १६ दम० ७, १८, पगद० १, १.

वाष्प. न० (वाष्प) वराण, आ६ वाफ, वाष्प. Vapour विभ० १५३५; पि० नि० २५८.

वज्रवर पु० (वज्र) अर्थ० देश. कर्ष (जगती-अन्तर्ग) देश Barbara country. a barbarian-country ज० प० भग० ३, २, प्रव० १५६७, (२) त्रि० अर्थ० देश निवासी. वज्र देशवासी. A barbarian, an inhabitant of Barbara country. पत्र० १. पगद० १, १.

वज्रवरिया. स्त्री० (वज्रवरिका) अर्थ० देशनी दारी. वज्र देशकी दामी A maid-servant of Barbara country. भग० ६, ३३.

वज्रवरी. स्त्री० (वज्रवरी) अर्थ० देशमां उत्पन्न थयेंसी स्त्री. वज्र देशमें उत्पन्न एक स्त्री. A female born in Barbara country ज० प० भोव० ३३ नाया० १,

वज्र. पु० (वज्र) अथवा नक्षत्रनां स्थायी देवता श्रवण नक्षत्रका स्वामी देवता The god of Śravaṇa constellation. ज० प० ७, १५७, ठा० २, ३; (२) नयमा मुहूर्तनु नाम नरं मुहूर्तका नाम Name of the 9th Muhūrta. सू० प० १०,

वज्रकूट. पु० (वज्रकूट) अथवा वज्रपरा पर्वतना सार कूटमानु श्रीगुरु शिखर वज्रकूट-वज्रपरा पर्वतके चार कूटमेंसे दूसरा गिहर. The 2nd peak of the 4 of Vakhārā mountain ज० प०

वज्र. पु० (वज्र) गो० वंर, वोग. A plum अणुत्रो० १४३,

वज्र. पु० (वज्र) अटी: धान्य विभ०. धान्य विभेण A kind of corn. ज० प०

वज्र. पु० (वज्र) अटी. धान्यनी अर्थ० वज्र. एक प्रकारका धान्य A kind of corn प्रव० १०१३,

वज्रहिंग पु० (वज्र) मोर. मोर Peacock. नाया० १, ६, पगद० १, १. पत्र० १. भोव०

वज्र. पु० () सादरी, नुप्रा धुआली, सुंदरीया, गुप्रा धुआली आनायनार. वज्रहिंग, झादरी, मूष, टोकरी आदि बनानेवाला A basket-maker अणुत्रो० १३१,

बल. न० (बल) शरीरना शक्ति. ताकत. सामर्थ्य. शारीरिक बल-सामर्थ्य Strength, power.

बलसा न० द० व० ठा० ५, २, भग० १, ३, ८, ३, २; ७, ७, ६, ३३, १२, ५ भोव० १६, ३४; सू० प० १७. ज० प० ३, ५२: निती० २, ३०. १८, १६, पत्र० २३; ठा० १, १: उत्त० ३, १८; राय० ३२, २१५; २२२, २८२. नाया० ८, १६; प्रव० ५०५, पचा० १५, २७; भक्त० १२; स्वा० ७, २१८; (२) सेना. सेना, फौज An army भग० ११, ६-११. १५, १; नाया० १. २; १४; १६; राय० २०६, पगद० १, ३, उत्त० ६, ४, भोव० २६, (३) मानसिक शक्ति मानसिक शक्ति Mental force. भग० ३, ६, दस० ८, ३५; नाया० १, (४) ये नामने वीतशोका नगरीना राजा. इस नामका वीतशोका नगरीका राजा A king so named of Vītaśokā city. नाया० ८, (५) हरकेशी मुनिनु अपरनाम. हरकेशी मुनिका दूसरा नाम. Another

name of Harkesī sage उत्त० १२, १, (६) नन्दनवनना अलङ्कृतमा वस-
नार देव अने तेनी राजधानी नन्दनवनके
बलकूट निवासी देव और उनकी राजधानी.
Gods residing in the Bala
peak of Nandana forest and
their capital. ज० प० (७) उपत्य
वधारो समृद्ध, वृद्धि Accumulation.
increase विश० १६२६. (८) हस्ति-
नागपुरतो राजा. हस्तिनागपुरका राजा King
of Hastināgapura भग० ११, ११;
(९) अल नामतो अेक राजर्षि. बल नामक
एक राजर्षि A royal sage so
named. ओव० ३८, (१०) आत्मिक
शक्ति आत्मिक शक्ति Soul-force.
नाया० १, (११) न० पुष्पिकाता नवमा अध्या-
यननु नाम. पुष्पिकाके नवें अध्यायनका नाम
Name of the 9th chapter
of Puṣpikā नि० ३, १,
—अभियोग. पु० (—अभियोग) अण
पूर्वक आज्ञा. बलपूर्वा आज्ञा. A forcible
command. प्रब० ७६६; ६५३; पंचा०
१२, ८, भग० ७, ६, —अमद. पु०
(—अमद) अणतो मदन करवो ते. बलका
घमड न करना, निर्भिमानता Not enter-
taining any pride of strength
भग० ८, ६, —तिभाय. पु० (—विभाग)
सेनातो तीन्हे लाग सेनाका तीन्हा भाग.
The 3rd part of an army.
नाया० १६; —मद्य. पु० (—मद)
अणतो मदनार्थ. बलका गर्व Pride of
power. सम० ८, ठा० १, —वाउअ(य).
पु० (—व्यावृत्त) सेनातो अधिकांशी. सेनाका नायक
A commander of an army. नाया०
८, १६; ओव० दसा० १०, १, —वाहणकहा
स्त्री० (—वाहनक्या) लक्ष्मणां अगो तथा

वाहनानु वर्णन संवाके अगो तथा वाहनोका
वर्णन. A description of the con-
stituents and vehicles of an
army ठा० ४, २, —विवडुण त्रि०
(—विवर्धन) अण-शरीरनु सामर्थ्य वधार-
नार. शारीरिक बलको बढ़ानेवाला That
which increases physical stre-
ngth गच्छा० ६२, —विवडुणह न०
(—विवर्धनार्थ) अण वधारवाने. बल वृद्धयर्थ
For increasing strength. विवा०
५, —वीरिय न० (—वीर्य) अण वीर्य,
पुरुषादार. बलवीर्य, पुरुषाकार. Mauliness
नाया० १६, दसा० ६, २८, —संपरण
त्रि० (—सपन्न) संपूर्ण अणवान् सम्यक्
समर्थ, पूर्ण सशक्त. Fully powerful.
भग० २, ५, —संपन्न. त्रि० (—सपन्न)
शुभो उपलो शब्द. देखो उपरका शब्द.
Vide above ठा० ४, २, —हेउ पु०
(—हेतु) अणनु कारण. बलका निमित्त
The reason or cause of power.
नाया० १८,

बलकूड. न० (बलकूट) नन्दन वनना नव
कूटमानु नवमु कूट-शिखर. नन्दन वनके नौ
कूटोंमेंसे नवों शिखर. The ninth of
the 9 peaks of Nandana
forest ज० प० सम० ५००;

बलराण. त्रि० (बलज्ञ-बलमात्मनः शक्ति जाना
तीति) पोतानी शक्ति अणुनार आत्म
शक्तिका जाननेवाला (one) who knows
his own strength. आया० १, २,
५, ८८,

बलस्थ पु० (बलस्थ) अणवान्, अणी.
बलवान्, बली. Powerful; strong
भग० १२, ६,

बलदेव. पु० (बलदेव) इष्टु वामुदेवना
मोटा भाग के जे तेने युद्धमां सहाय

आपी अन्ते सयम लक्ष पदवी प्राप्त
 ३रे छे कृष्णवासुदेवके उभेष्ट वन्धु जो उन्हें युद्ध
 में सहायता प्रदान कर अन्तमें सयम ग्रहणके बाद
 मोक्ष पदवी प्राप्त करते हैं The elder
 brother of Kṛṣṇa Vāsudeva
 who helped him in the battle
 and becoming an ascetic is
 attaining salvation पत्र० १,
 नाया० १; ५, १६, अंत० १, १; दस०
 ६, ४, ज० १० श्रव० ३४, सम० १०;
 जीवा० ३, ४, निर० ५, १, भग० ५, ५;
 ११, ११. १६, १, कथ० २, १६; (२)
 लघुश्रुतिपना लरतभ० भा थनार १४ भा
 तीर्थक्षरना पूर्व लपनु नाम. जवुद्धीपकं भरत
 त्वण्डमें होनेवाले १४ वें तीर्थक्षरके पूर्व भवका
 नाम. Name of the previous
 life of the 14th Tīrthankara
 to be born in Bharatkhandā
 of Jambūdvīpa. सम० १० २४१;
 —जीव. पु० (-जीव) अणदेवतो अण.
 बलदेवका जीव. The soul of Bala-
 deva. प्रव० ४७०; —मायरा. स्त्री०
 (-मातृ) अणदेवनी माता. बलदेवकी माता
 The mother of Baladeva.
 नाया० १;

बलह. पु० (बलीवर्द्ध) अण६. बैल. An
 ox. सु० च० १२, ६०;

बलज्ञ. वि० (बलज्ञ-बलाबल जानातीति) अण-
 अण लणुनार. बलाबलका ज्ञाता. (one)
 who knows strength and
 weakness आया० १, ७, ३ २०६;

बलभक्त. पु० (बलभक्त) देवने माटे भोगन;
 अण६न. देव प्रीत्यर्थ भोजन; बलिदान. An
 oblation. निसी० ६, ६;

बलभद्र. पु० (बलभद्र) आपती योपीसीना
 सातभा वासुदेव. आगामी चौबीसेके सातवें

वासुदेव. The 7th Vāsudeva of
 the coming chaubīsī. सम० १०
 २४२; (२) महाबल राजानो पुत्र. महाबल
 राजाका पुत्र. Son of the king
 Mahābala. नाया० ८; (३) ये नामने
 राजा. इस नामका राजा, A king so
 named. उत्त० १६, १; —कुमार. पु०
 (-कुमार) अणलभ० दुभार. बलभद्र कुमार
 The prince Balabhadra नाया० ८;
 बलमिच्छ. पु० (न०) (बलमित्र) अक्ष दुभार
 एक कुमार. A prince. नाया० ८,

बलवन्त. वि० (बलवत्) अणलवान्. बलवान्
 बली. Powerful; strong. भग० १४,
 १, १६, ४; १६, ३; २५, ८; नाया०
 १; जीवा० ३, २; आया० २, ५, १, १४२,
 (२) सैन्ययुक्त. सैन्ययुक्त; फौजवाला. Hav-
 ing an army. श्रव० (३) आठमा
 मुहूर्तनु नाम. आठवें मुहूर्तका नाम. Name
 of the 8th muhūrta (part of
 a day). ज० १० ७, १५२,

बलवग्ग. पु० (बलवत्क) अणलवान्. बलवान् ;
 शक्तिशाली. Powerful; strong. नाया०
 ५; १६;

बलसिरी. पु० (बलश्री) मृगाराणी अने
 अणलभ० राजानो पुत्र के ने मृगापुत्र ये
 नामधी प्रसिद्ध छे. मृगारानी और बलभद्र
 राजाका पुत्र जो मृगापुत्र नामसे प्रसिद्ध है Son
 of the king Balabhadra and
 the queen Mrgā; he is also
 known as Mrgāputra. उत्त०
 १६, २;

बलहरण. पु० (बलहरण) भोल. Wax
 “बलहरणे मिथ्याई” भग० ८, ६,

बला. स्त्री० (बला) भाणुसनी दश दशाओ
 पैडी योथी दशा ३१ थी ४० वर्ष सुधीनी
 लरलुपानीनी अवस्था, के नेमां शरीरनु
 अण अली नीइछे छे. मनुष्यकी दस दशा-

ग्रोमसे चौथी दशा, ३१ से चालीस वर्ष तककी पूर्ण यौवनावस्था जिसमें शरीरकी शक्ति विकसित हो जाती है The 4th stage of the 10 stages of a man which ranges from 31st to 40th year when his full physical power comes out तदु०

बला ग्र० (बलात्-बलात्कारेण) अशात्कारार्थी। बलात्कारसे, जबरदस्तीसे. Forcibly. ओष० नि० भा० २०,

बलाका. स्त्री० (बलाका) अगदी. बगली, मादा बगली. A female stork. पण्ड० १, १,

बलाग पु० (बलाक) अगदी. बगुला. A stork पत्र० १: नाया० १,

बलागा. स्त्री० (बलाका) अगदी, पक्षि विशेष. बगली, पक्षी विशेष. A female stork. उत० ३२, ६; पि० नि० ६३२;

बलाय. वि० (बलवत्) संयमथी पतित यत्नां भरलु निपले ते, आण भरलुमांतु ओक. समयभ्रष्ट होनेके कारण प्राप्त मृत्यु, बालमृत्युका एक प्रकार Death due to a lapse in self-restraint, a kind of non-religious death. प्रब० १०२०; —मरण. न० (—मरण) लुओ "अलाय" शब्द. देखो " बलाय " शब्द Vide " बलाय " प्रब० १०२०,

बलाया. स्त्री० (बलाका) अगदी बगुली A female stork जीवा० ३, ४, राय० ५४,

बलायालोय. पु० (बलाकालोक) म्लेच्छ लोकांते ओक देश म्लेच्छ लोगोंका एक देश. A country of the Mlechchhas ज० प० ३, ५२

बलाहक. पु० (बलाहक) मेघ. मेघ, बादल. A cloud जीवा० ३ ४.

बलाहग पु० (बलाहक) मेघ. मेघ. A cloud. भग० ३, ४; (२) अगदी. बगुला. A stork. ज० प० ५, ११३,

बलाहय. पु० (बलाहक) मेघ. मेघ. A cloud. नाया० ५, राय० ५५; पत्र० १७ भग० २, ५; ६, ५, दस० ७, ५२. जीवा० ३, ४, (२) अगदी बगुला A stork. कप्य० ३, ४२;

बलाहिका. स्त्री० (बलाहिका) उपर्वलोकावासी आठ दिशाकुमारीमांती छेली. ऊर्ध्वलोकावासी आठ दिशाकुमारियोंमेंसे अन्तिम दिशाकुमारी The last Disākumārī of the eight who reside in the upper world. ज० प० (२) नन्दनवनना वज्रकुटमां वसनारी देवी अने तेनी राजधानी. नन्दनवनके वज्रकुटमें रहनेवाली देवी और उसकी राजधानी. A goddess residing in the Vajrakūta of Nāndana forest and her capital. ज० प०

बलि. पु० (बलिन) उत्तर दिशाना असुर कुमारोंने स्वाभी-धन्व. उत्तर दिशाके असुर कुमारोंका स्वामी-इन्द्र. The lord of the Asura kumārs of the North. भग० ३, १; १०, ४; १६, ६; पत्र० २, ठा० २, ३, जीवा० ३, ४; नाया० ८; नाया० ध० सम्प० ३२; ज० प० ५, ११६, (२) देवताने अर्घ्य कुर्ममा अर्पता भेट. बलिकर्ममें देवोंको दी जानेवाली भेंट An offering given as a sacrifice to gods पचा० ४, १४, ६, ३१, भग० ११, ६; सू० प० २०, पि० नि० १६५; पण्ड० १, १, (३) ये नामना छुड़ा प्रतिवासुदेव. इस नामके छठे प्रतिवासुदेव. The 6th Prativāsudeva so named प्रब० १२२७, —कम्म न०

(कर्मन्) शरीरकी स्फूर्तिने भाटे नेवादिधी
मर्दन क्त्वं ते शरीरकी स्फूर्तिके लिए तैलादि
मर्दन कार्य Rubbing oil etc. on
the body for refreshing it
श्रोत्र० ११, भग० २, ५, (२) देवताने
निमित्ते अपाय ने. देवताके निमित्त द्वाजाजने
बला That which is offered
for gods श्रोत्र० २७, सूय० २, २,
५५, (३) गृह देवतानु पूजन गृह देवताकी
पूजा. Worship of a household
diety कण्ठ० ४ ६७, श्रोत्र० ११, ज० ५०

कड वि० (-कृत) आभ्या-पत्रेने
अलि आपेल आदिकी दीहुई बलि A
offering of cooked pulse etc.
प्रव० ८८०, —कारिया स्त्री० (-कारिका)
अलिधर्म करनार (स्त्री) बलिकर्म करनेवाली
स्त्री. A female who offers obla-
tions etc भग० ११, ११, —पिंड
पु० (-पिण्ड) अलिधर्म भाटे करेल पिंड-
द्रव्य विशेष. A ball made for an
offering भग० ११ १०, —पेढ. पु०
(-पीठ) सूर्याभ्या अलिधर्म करवानी
पेढ सूर्याभ्या बलिकर्म करनेकी बैठक A
seat of Sūryābha for offering.
भग० १६, ६, गय० १७०

बलिनचक्रा. स्त्री० (बलिचक्रा) अने नामनी
अलीन्दनी शहरवाली. बलीन्दकी इस नामकी
गजधानी A capital city so named
of Balindia भग० ३ १, १०, ५,
१६, ६, नाया० ३० २

बलिय. वि० (बलिक) अणवान्, शक्तिवाण्,
बलवान्, शक्तिशाली Powerful नाया०
५, १६, भग० ६, ३३, १५ १ कण्ठ०
६ १७, —सरिर न० (-शरीर) अलिष्ठ
शरीर. बलिष्ठ शरीर A powerful

body. नाया० ५; १६, भग० ६, ३३;
१५, १;

बलियतर. वि० (बलवत्तर=गाढतर) भण्युत,
धाटुं. मजबूत, दृढ़, गाढ़ा. Harder.
tighter, stronger. भग० ६, ३३,
नाया० ६,

बलियतराग वि० (बलवत्तरक) दृढ; धाटु
भण्युत. दृढ़. अधिक गाढ़ा. Tight,
stronger. नाया० १, २; ८;

बलियस्त. न० (बलिकत्व-वत् विद्यतेऽस्येति तस्य
भावस्तत्) अलिपायु, सामर्थ्य बलशालित्व,
सामर्थ्य. Strength, powerfulness
भग० १२, २;

बलिसार. पु० (बलिसार) उत्तर दिशाना
असुर कुमारने पद. उत्तर दिशाक असुर
कुमारका इन्द्र. The lord of the
Asura kumār of the north.
प्रव० ११५२;

बलिस्सह. पु० (बलिस्सह) महागिरिना
शिष्यनु नाम महागिरिके शिष्यका नाम
Name of the disciple of Ma-
hāgiri नदी० २५, कण्ठ० ८,

वच. पु० (वच) द्वेक भक्षिताना शुद्धपक्षमा
पाचम अने पारसने द्विसे तथा पक्षमा
आहम अने पुनमनी राते तेभण कृष्य
पक्षमा योथ अने अगिपारसने द्विसे
तथा सातमनी राते आवतु अेक करण,
सात अरकराभानु पडेहुं करण, ११ करण
भानु पडेहुं करण. एक करण जो प्रत्येक मासके
शुक्लपक्षकी पचमी और चारमक दिनमें तथा
प्रतिपदा अष्टमी और पूर्णिमाकी रात्रिमें तथैव
कृष्णपक्षकी चतुर्थी और एकादशीके दिनमें और
सप्तमीकी रात्रिको आता है सात चरकराभोंमेंसे
पहिला करण, ११ करणोंमेंसे पहिला एक.
A Karana (a sacred occasion)
falling on the 5th and 12th

day, and the 1st, 8th and 15th night of the bright-half of every month; similarly in the dark-half of a month, falling on the 4th and 11th day and the 7th night, one of the 7 or 11 Karanas (a religious occasion). ज० प० ७, १५३, क्रि० ३३४८,

बहल. पु० (बहल) ओ नामने ओइ देश. इस नामका एक देश. A country so named पत्र० १; (२) वि० गडु, धट्ट. जाड़ा, घना, घट्ट. Thick; dense ठा० ४, २, (३) ६६; मज्झिम्. दृढ; मज्जुत. Thick; strong; firm. ज० प० (४) सप्त; डेडु. सत्त, कठिन; कठोर., Hard; solid. भग० ३, ४;

बहलतर. वि० (बहलतर) धणु भोटुं. बहुत मोटा Very thick. पत्र० १,

बहलिक. वि० (बहलिक) अडल देश निवासी. बहल देश निवासी. An inhabitant of Bahala country. पण० १, १, पत्र० १,

बहलिय वि० (बहलिक) अडल देशवासी. बहल देशवासी An inhabitant of Bahala country पण० १, १;

बहली स्त्री० (बहली) अडल देशमा जन्मेल दासी बहल देशमें जन्मी हुई दासी. A maid-servant born in Bahala country. भग० ३, ४, नाया० १, ओव० ३३, ज० प०

बहस्सइ-ति. पु० (बृहस्पति) ओ नामने ओइ ग्रह; गुरु नामे ग्रह इस नामका एक ग्रह. गुरु नामक ग्रह The planet jupiter. ज० प० ७, १५७; पण० १, ५, पत्र० २; सू० प० १०, अ० २, ३;

(२) बृहस्पति नामे देवता. बृहस्पति नामक देवता. A god named Brahaspati. विवा० १; भग० ३, ७, (३) पुनर्वसु नक्षत्रने अधिपति देवता. पुनर्वसु नक्षत्रका अधिपति देवता. The presiding diety of the Punarvasu constellation. ठा० २, ३, —चरिया. स्त्री० (-च्या) बृहस्पतिनी यात्र गणुवानी विद्या बृहस्पतिकी गति जाननेकी विद्या. The art of knowing movements of jupiter. सूय० २, २, २७, —दत्त. त्रि० (-दत्त) बृहस्पतिने दीधेले. बृहस्पतिका दियाहुआ. Given or consecrated to jupiter. विवा० ५;

बहिआ. म० (बहि) आडेर. बाहर. Outside. ज० प० ७, १४१; १, १; दस० ३, ११,

बहि. म० (बहिर्) आडेर; आडेर. बाहर Outside पि० नि० २३२; उत्त० १४; ४, नाया० १;

बहिह. वि० न० (बहिःस्य) मैथुन सेवन; अश्रयार्थ. मैथुन सेवन; अश्रयार्थ. Sexual intercourse सूय० १, १६, ३;

बहिहाण. न० (बहिःस्थान) विषय सेवन. विषय सेवन. Sexual intercourse. राय० २२१;

बहिह. न० (बहिष्चन्) मैथुन; स्त्री समागम. मैथुन, स्त्री संसर्ग-संग. Sexual intercourse. सूय० १, ६, १०;

बहिह्वा. पु० (बहिष्चन्) मार्गथी आडेर. मार्गसे बाहर Out of the road. दस० २, ४;

बहिषोगलपक्खेव. पु० (बहि पुटलपक्खेव) उपाश्रयनी आडेर आडेर पगेरे पुटल ईंडी कथ लाववानु कहेपु ते; दशमा प्रतने ओइ अतिआर. उपाश्रयके बाहर ककरआदि पुटल

पंकज कोइ धरतु बुलाना, दगवै बलका एक
अतिचार. A violation of the 10th
vow, telling someone to bring
something by throwing a
pebble etc. outside Upāsraya.
प्रव० २८५,

बाह्या. अ० (बहिः) आदेशः, ०५२. बाह्य
Outside भग० २, ५, ५, ४, ८, ६,
१५, १, नाया० १: २; ४, ५; १३; १५
१६, १६, आया० २, १, १, ४, अत०
१, १, उत्त० ६, १४; ज० ५० निमी० ६,
६; ६, १०; ओव० १०, व० १, २३;
८, ६; ६, ४१, वेय० १, ३८; प्र० ५६२,
ज्वा० १, ३; ७, ५४, —अभिमुख. त्रि०
(-अभिमुख) आदेश त३६ म३अ०५७. बाह्यकी
ओर मुँहवाला, बहिराभिमुख. Facing out-
side. भग० ११, १०;

बहिर. त्रि० (त्रिवि) गृहस्थ; श्रमण शक्तिहीन.
 बहिरा, श्रमण शक्तिहीन. Deaf. सू० प० १;
 वि० १६५; पृ० १, १,

बहिरं वि० (बधिर्यत्) ७६२३ इतो; इत्थुं
साधयत्वा न देतो। ध्यान न देताहुआ, मुनी
अनमुनी करता हुआ. Deafening. सु०
च० २, ५०१,

वहिरस्त न० (वहिरस्त्य) अश्रितपाशु; अश्रित-
पाशु, वहिरता, वहिरासन Deafness. प्र०
५५१, आया० १, २, ३, ७८,

वहिल्लेस. त्रि० (त्रिदिग्ग्य) सयमथी अहारनी
 लेयावालो; असयम वृत्तिवालो. सयमके
 बाहरकी लेयावाला, असयम वृत्तिवाला. (one)
 of the non-self-restraining
 class दा० ५, २,

बहु. अ० (बहु) प्रत्यु, अधिङ; प्रत्यु, अधारे.
 वृत्त, अधिक, अति. Much, excessive.
 भा० १, १-६, २, १-५, ३, १; ४, १०;
 ५, ३; ६, ३, ७, ६, १५, १, १८, २,

નાયા૦ ૧, ૨, ૫, ૮, ૯; ૧૧; ૧૨; ૧૪;
 ૧૫; ૧૬: ૬૧૦ ૪, ૫, ૧. ૭૩-૬૬; ૬,
 ૧૪, ૭, ૮, ૯, ૪૦, ૪૧, ૫૨, ૬,
 ૧, ૨; ૬, ૪-૧૬: ૧૦, ૭; નદી ૩૩;
 મૂ. ૫૦ ૧, ૧૦, જીવા૦ ૧; પિં. નિં. ૮૪,
 પિં. નિં. માં ૧૧; આયા૦ ૧, ૩ ૨,
 ૧૧૧; વિગે. ૧૨; ગય૦ ૧૨: ૫૮, ૬૦
 ૩, ૨૩, ૬; ૧૪, ૪૦; વિવા૦ ૧, જ૦ ૫૦
 ૫, ૧૧૦. ૧૧૪, ૧૧૨; — અદ્વિય. વિં
 (ગ્રનિક) જેમાં ધણા ઈંચા અથવા ખીજ
 હોય તે. વહુનંમ ઘીજ યા ઢઠવાલા. Having
 many seeds or stones. મળ૦ ૮, ૩;
 — આગમ. વિં (— આગમ) ધણાં શાસ્ત્રના
 જ્ઞાતા. વહુ યાજ્ઞવેત્તા. Knower of
 many scriptures વેચ૦ ૪, ૨૫;
 — ઈદ્ધિ. સીં (— ઈદ્ધિ) ધણી સમૃદ્ધિ.
 વિગુલ સમૃદ્ધિ A great prosperity.
 નાયા૦ ૧૧; — ઝમ્મિયધમ્મિય. નં
 (— ઝમ્મિયધર્મિક) જેમાંથી ખાવામાં થોડું
 ઉપયોગમા આવે અને વધારે નાખી દેવાનું
 હોય તેવું. અધિકાગમેં દેકામ ઘૌર કુદ્ધ ૨
 લપયોગી સ્વાદ વતુ. An eatable
 which contains much that
 has to be thrown away. દસ૦
 ૫, ૧, ૭૪; — ઉદ્દમ્મ વિં (— ઉદ્દમ)
 ધણા પાણીવાળું વહુત પાનીવાલા. Having
 plenty of water. જ૦ ૫૦ ૭, ૧૫૧;
 — કંટક. વિં (— કંટક) ધણા ઠાંટાવાળું.
 વહુત કાંટોવાલા, અતિ કંટીલા. Very
 thorny. જ્ય૦ ૫ ૧, ૭૩; — સ્વજ્ઞ.
 વિં (— સ્વજ્ઞ) ખૂબ ખાવા લાયક
 (અન્નાદિ). સ્વજ્ઞ ખાને યોગ્ય. Fit to be
 eaten excessively. ૨, ૪, ૨, ૧૩૮,
 — ગામ. નં (— ગ્રામ) ધણા ગામ.
 વહુતસે ગાવ. Many villages. વિવા૦
 ૩; — ગુણ. વિં (— ગુણ) ધણા ગુણ.

बहुतसे गुण. Many merits. गच्छा०
८७, —जड. त्रि० (जडित) अनेक प्रकारे
तलेलुं. कई भांतिसे त्यक्त. Abandoned
in many ways. दसा० ६, ३२;
—जण. पु० (—जन) अहु भाणुसो;
धला लोका बहुतसे लोक. Numerous
people. नाया० २, ५, ७, १३, १६,
भग० २, १, ७, ६; १२, ५ १५, १;
१८, ७, २५, ७, दसा० ६, १७, निर०
५, १, सम० ३०; —जणसद्. पु०
(—जनसद्) धला भाणुसोना शब्द-
काळाढल. बहुतसे मनुष्योंका शब्द-कोलाहल.
Din or bustle caused
by many men भग० ६, ३३;
—जणपायोगत्ता. स्त्री० (—जनप्रायोग्यता)
धला भाणुसोने योग्य. बहुतसे मनुष्योंके
योग्य. Fit for many men. दसा०
४, ५८; —जत्र. त्रि० (—जन्य-बहु जने-
भ्यो हितम्) धला जलुने हित करनार.
अधिकांश मनुष्यका हितवह. Beneficial
to the majority of men. सूय०
२, ६, २; —गायार. त्रि० (—ज्ञातृ)
धलुं जलुनार बहुज्ञा; बहुत जाननेवाला.
(one) knowing much. नाया०
१४; १६, निर० ३, ४, —गोह. पु०
(—स्नेह) धला स्नेह-रिग्य पदार्थ
बहुत चिकना-स्निग्ध पदार्थ. Very greasy.
नाया० १६; —गोहावगाढ. त्रि० (—स्नेहा-
वगाढ) धला धृत तैलादिथी युक्त. अधिक
घी तैलादिसे युक्त Having plenty
of ghee, oil etc. नाया० १६,
—देवसिअ. त्रि० (—दैवसिक) धला
दिवसनुं. बहुत दिनोका. Of many
days. “ जे भित्तु गणए मे पडिगहे भेदति-
कहु बहुदेवसिएण तेन्ले य वाजाव साइज्ज. ”
निसी० १४, १५; —पडिपुण्य. त्रि०

(—प्रतिपूर्ण) अथ लरेलु; लरपु२. खूब
भराहुआ; भरपूर Full, full to the
brim. (२) पुरेपुरे, सपूर्णा. सम्पूर्ण, आकण्ड;
दवाद्व, पूरापूरा. Complete कथ० १,
८, नाया० १; १६; विवा० २, ६; —पडि-
पुण्यइंदिय त्रि० (प्रतिपूर्णन्द्रिय) जेनी
धन्द्रियो शक्तिभां परिपूर्ण होय ते. पूर्ण
शक्ति सम्पन्न इन्द्रियवाला (one) having
fully grown senses. दसा० ४,
१६; २०, २१; २२; २३; —पडिय.
त्रि० (—पडित) धलु ललुल. बहुपाठी,
खूब पढाहुआ. Well-read. “ बहुपायाओ
बहु पडियाओ ” निर० ३; ४, —पदेसग.
त्रि० (—प्रदेशाग्र) धला प्रदेशवाणु बहुतसे
प्रदेशवाला. Occupying much
space. भग० १, १; —पय.
त्रि० (—पद) धला पगवाणु,
धानअलुने धत्यादि. बहुतसे पैरोवाला, कान-
खजूरा; मंद आदि Multi-ped. अणुजो०
१३१, —परियावण त्रि० (—पर्यापन्न)
धलुं पर्याप्त-पूर्ण. पर्याप्त; काफी, पूर्ण.
Enough; sufficient; too much.
निसी० २, ४५; —परिवार. त्रि० (—परिवार)
धला परिवारवाणु. बहु कुटुम्बी. (one)
having a large family. नाया०
१४; १६; —पगार. त्रि० (—प्रकार)
नाना प्रकारनु. विवध. Of many varie-
ties! भग० ७, ६, —पगार. त्रि०
(—प्रकार) अनेक तरेलुनुं, विचित्र प्रकारनु.
कई तरहका, विचित्र भौतिका Of different
or peculiar kinds प्रव० १०८४;
—फासुय(अ) त्रि० (—प्रासुक) शुद्ध नि-
र्जिव पदार्थ, अहु प्रासुक-अयित. शुद्ध
निर्जीव पदार्थ, बहु प्रासुक-अयित Pure,
lifeless object. वय० ३, ६; ७, १७,
८, १२; भग० ८, ६; —फोड. त्रि०

() બહુ ખાનાર. વહુત યાનેવાલા; મગરોરી. A glutton ગ્રોષઁ નિઁ માઁ ૧૬૧; —વીજ. વિઁ (-વીજ) ધણી ખીવાળુ વહુત વીજોવાલા Having numerous seeds. પ્રવઁ ૨૪૭; —વીચ વિઁ (-વીજ) જેમાં વધારે ખીજ હોય તે; ધણી ખીજવાળુ વહુત વીજો વાલા Having numerous seeds જીવાઁ ૧, —વીચરા. વિઁ (-વીજક) જેમાં અનેક ખીજ હોય તે; ધણી ખીજવાળુ અનેક વીજોવાલા. Having numerous seeds. પવઁ ૧, —મચ. પુઁ (-મચ) અનેક ભવ કર્મ જન્મ Many lives. પ્રવઁ ૨૮, —મેચ. વિઁ (-મેદ) ધણી બેદવાળુ. વહુત પ્રકારકા. Of many varieties કઁ ૧૦ ૧, ૧૫, —મચ(ચ). વિઁ (-મન) ધણી જનને સમન, બહુ માનનીય વહુ માન્ય; વહુસમ્મત Worshipful to or respected by many. પચાઁ ૧૮, ૪૮, મગઁ ૨, ૧; ૬, ૩૩; નાયાઁ ૧, ૫૫૬ ૨, ૨; રતઁ ૧૦, ૩૧; વવઁ ૩, ૬; —મચ્ચદેસમાગ. પુઁ (-મચ્ચદેસમાગ) બહુ મધ્યભાગ, અરાખર મધ્ય પ્રદેશ. સમ મધ્ય પ્રદેશ. The middle part. જંઁ ૫૦ ૫, ૧૧૬; નાયાઁ ૫; ૮, ૧૫. ૧૬; વિવાઁ ૨, —મત વિઁ (-મત) ધણી વસ્તુઓમા સૌથી પહેલા ધખવા યાચ્ય; બહુ મનુષ્યાએ ડખુલ કરેલુ. અત્યન્ત ઇચ્છ, વહુ જન પ્રિય-સ્વીકૃત Very desirable; admitted by many. ગ્રોવઁ ૩૮; પચાઁ ૬, ૩૨, —માણ. નઁ (-માન) ધણુ માન; આર્તિ સતકાર. વહુ માન-સ્તકાર. A great honour. મગઁ ૨૫, ૭, નાયાઁ ૧, રતઁ ૧૩, ૪, ગ્રોવઁ ૨૦, પચાઁ ૧, ૩૬; ૪૬; ૨, ૩૬, ગચ્છાઁ ૬૦; મતઁ ૨૦; પ્રવઁ ૫૫૮, —મોહ

વિઁ (-મૂલ્ય) ધણી કિંમતવાળું; બહુ મૂલ્ય. વહુ મૂલ્ય, વેરા કીમતી. Very valuable. પ્રવઁ ૨૮૦; —રવ. વિઁ (-રવ) મોટા શબ્દવાળો. મોટે-જશ શબ્દ વાલા. Having a loud tone. દસાઁ ૬, ૧૬; (૨) યશસ્વી; વિખ્યાત. યશસ્વી; વિખ્યાત Famous સમઁ ૩૦; —રુચ વિઁ (-રુચ) બહુરુચી વહુરુચી, વહુ રુચિયા. Having numerous forms or garbs વિરઁ ૬૭. —લેવ. પુઁ (-લેવ) ધણી લેવ લાગ્યો હોય તે. વહુતમ લેવવાલા. Having many coatings આવઁ ૬, ૧૦; —લોંદય વિઁ (લૌકિક) ધણુ લોંદ સમ્બંધી કાર્ય જેને હોય તે પ્રતિ લૌકિક કામકાજવાલા; માંસાગિક કર્મ કામકાજવાલા. Having many secular or worldly affairs. નાયાઁ ૬; —ચત્ત. —ચવ્યા. સ્ત્રીઁ (-વચ્ચ) બહુ કથન વહુ માણ-કથન. Speaking a great deal. મગઁ ૨૫, ૩; —ચવણ. નઁ (-વચન) બહુવચન, વહુવચન Plural. ટાઁ ૩, ૪, ગ્રાયાઁ ૨, ૪, ૧, ૧૩૨, —વાહુડ. વિઁ (વ્યાહુત) બહુધા ભરેલ. વહુધા મગહુઆ. Generally full. દસઁ ૭, ૩૬; —વિહકત. વિઁ (-વ્યતિકાંત) ધણુ ગયેલ, ધણો ભાગ પસાર થયેલ. વહુતપેલા-વીતાહુઆ, ગુજરાહુઆ. A great deal past or elapsed. કવ્યઁ ૧, ૨; —વિચ્છિદગા સ્ત્રીઁ (-વિસ્તૃતોદકા) જેમાં પાણી ધણુ વિસ્તરેલું હોય તેવી નદી. ચૌંદે પાટવાલી નદી. A river with a vast expanse of water. દસઁ ૭, ૩૬; —વિહિય. વિઁ (-વિષ્ણુ) ધણી વિધિવાળો. વહુતસી વિધિવાળા. Having many ways નાયાઁ ૮,

—संजय. त्रि० (-सयत) धा॒त्वा सा॒यध॒त्वी
निवृत्त; संयमनी अडुलतापाणे। प्रचुर सयम
वाला; बड़ी सावधानीसे मुक्त-निवृत्त Having
much self-restraint, completed
with great caution दसा० १०,
७, —संपत्त. त्रि० (-सप्राप्त) धा॒त्वा
लाग पसार करेह, न०३३ आनी पढेअयेह.
बहुतसा भाग पार कियाहुआ, पास आ पहुँचा
हुआ. Finishing a greater part,
coming near. भग० २, १.
—संभारयोहकय. त्रि० (-सभारस्नेहकृत)
धा॒त्वां द्रव्य॒थी सं॒स्कार॒ पामे॒सी वस्तु. कई
द्रव्योंद्वारा सस्कृत वस्तु. An object re-
fined by many things नाया०
१६; —संभारसंजुत. त्रि० (सभारसयुक्त)
धृ॒तादि॒ अने॒क द्रव्य॒थी सं॒स्कारि॒त वस्तु
धृतादि अनेक द्रव्योंद्वारा सस्कारित पदार्थ An
object refined by many arti-
cles such as ghee etc नाया०
१६, —संभूत त्रि० (-सभूत) धा॒त्वा
प्रभा॒लुभां उत्प॒न्न थये॒लु. बहुत प्रमाणमें
उत्पन्न Produced in a great
quantity. दस० ७, ३३-३५, —सम.
त्रि० (-सम) धा॒त्वं स॒र॒पु-स॒पाट. विलकुल
समतल, समान. Very flat or even.
भग० १३, ४; नाया० १; दस० ७, ३७,
सम० ३४; समरमणिज्ज. त्रि० (-समरम-
णीय) स॒पाट॒ ढोवा॒थी धा॒त्वं र॒मणी॒य.
समतल अतएव अत्यन्य रमणीक. Very
attractive due to being flat.
ज० प० १, ११; ३, ५२; ५, ११६;
भग० ३, ७, ६, ७; —समोववन्नग
त्रि० (-समोवपन्नक) अ॒रा॒ण्य॒र निय॒मस॒र
उत्प॒न्न थना॒र. बराबर नियमित रूपसे उत्पन्न
होनेवाला. Born or produced at
regular time पन्न० ३, —सजि-

लु॒प्पिलो॒द्गा. स्त्री० (सलिलोत्पीलोदका)
भी॒ल नदी॒ओना पा॒णीने॒ रेड॒नार (नदी).
दूसरी नदियोंके पानीको रोकनेवाली नदी A
river which checks the water
of other rivers. दस० ७, ३६,
—सस्स. त्रि० (-शस्य) धा॒त्वं प्र॒श स॒नीय
अति प्रशसनीय, स्तुतिमान. Very praise-
worthy सु० च० २, १६,
—सिन्निखय त्रि० (-शिक्षित) धा॒त्वं
ल॒णुव॒. बहुत पढ़ाहुआ, विशेष शिक्षित Very
learned. नाया० १४, —स्सुअ॒(य) त्रि०
(-श्रुत) पि॒द्धान, धा॒त्वां शास्त्रो॒ने ज॒णुना॒र
विद्वान्, बहुतसे शास्त्रोंको जानेवाला. A learn-
ed; versed in many scrip-
tures. दसा० ४, १५, भग० २, ५; निर०
३, ५, वेय० ४, २५; दस० ८, ४४;
सु० प० २०, उत्त० ५, २६, ११, १५;
ठ० ६, १, सूय० १, २, १, ७, सु० च०
१, ३८६, नाया० ८, १४; १६; ओष०
नि० ७८३, वव० १, ३७; गच्छा० ६४,
बहुअ न० (बहुक) धा॒त्वाप॒णुं; अ॒धि॒क॒ता
अधिकता, बाहुल्य, प्राचुर्य. Profusion,
excess भग० २, २, ३, २,
बहुई. स्त्री० (बह्वी) धा॒त्वी. बहुत, घनी.
Much. ज० प० ३, ५३,
बहुओ. अ० (बहुतस्) धा॒त्वे ला॒गे अ॒धिका॒श.
In the majority. प्रव० ११८०,
बहुग. न० (बहुत्व) धा॒त्वाप॒णुं, अ॒धि॒क॒ता.
अधिकता; विपुलता. Opulence, profu-
sion पन्न० २, भग० १२, ३,
बहुगबंध. पु० (बहुकबन्ध) भे॒डो॒टा अ॒न्ध
मोटा बन्ध A great bond भग०
१६, ६,
बहुतर त्रि० (बहुतर) धा॒त्वं॒५ व॒धारे; अ॒ति
धा॒त्वं. अ॒त्या॒धि॒क, अ॒ति॒शय. Very much.
क० प० १, ८३, भग० १, २; ७, १०,

बहुतरय त्रि० (बहुतरक) पधारे पञ्च.
बहुत सा 'Too much' भग० ७, १०;
८, ६,

बहुतराग. त्रि० (बहुतरक) ध्याना क्षाणानां
आधेय. बहुत समयमे बंधेहुए. Bound
from a long time. विरो० १२०६;

बहुत्त. न० (बहुत्त) ध्यापापुं. अधिकता.
Excess. विरो० १३८, १६१,

बहुदक. पु० (बहुदक) जेओ गावमां ओइ
रात अने शहरमां पांच रात रहे अने जे
भगे तेना उपर सतु'ट रहे ओवा सन्यासी.
सन्यासी विरोध जो किसीभी ग्राममें एक रात्रि
और नगरमें पांच रात रहें और जो कुछ मिलें
उसीपर सतुष्ट रहें An ascetic who
stays in a village for a night,
and in a city for 5 nights
and is contented with what
he receives. ओव० ३८;

बहुपंडिया स्त्री० (बहुपंडिता) धलु लज्जेश्री
स्त्री. निजिता-विदुषी स्त्री. A learned
lady नाया० १४,

बहुपुस्तिय. न० (बहुपुस्तिक) ओ नामनु निर-
यावलीया सूत्रनु ओइ अध्ययन. निरयावली-
या सूत्रका इस नामका एक अध्ययन A
chapter of a Niryaṅvaliyā
Sūtra, so named. निर० ३, १.(२)
विशाखा नगरीनी अहोरात्र ओइ उद्यान.
विशाखा नगरीके बाहरका एक उद्यान. A
garden outside the city of
Viśākhā. भग० १८, ३;

बहुपुस्तिया. स्त्री० (बहुपुस्तिका) पूरुषभद्र यक्षे-
न्द्रनी पटशाली. पूर्णभद्र यक्षेन्द्रकी पटरानी.
The chief queen of Purna-
bhadrā Yakṣendra. भग० १०, ५;
ठ० ४, १;

बहुभंगिग्र. पु० (बहुभंगिक) विच्छेद गयेल
आरमा दृष्टिवाद अंगना पीन विभाग
सूत्रनो गीने भेद. विच्छिन्न वारह्वे दृष्टिवाद
भगके दूसरे विभाग सूत्रका तीसरा भेद. The
3rd variety of the 2nd section
of the 12th Drstivāda Aṅga
(scripture) which is lost.
नदी० ५६;

बहुमिस्तुत्त. पु० (बहुमिस्तुत्त) मथुरा नगरीना
श्रीदामराजना सुबधु नामे अमात्यनो पुत्र.
मथुरा नगरीके श्रीदामराजाके सुबधु नामक अमा-
त्यका पुत्र. Son of the minister
Subandhu of the king Śrī-
dāma of Mathurā city. विवा० ६;

बहुय. त्रि० (बहुय) पधारे; धलुं. अधिक;
बहुत. Much, excessive मणुजो०
८६; पत्र० ३; भग० ११, १०; २५, ४,
उत्त० १; १०; आया० १, २, ३, ८०;
प्रव० १३६; दमा० ४, ३८; उवा० १, ८;
बहुयर. त्रि० (बहुतर) अति धलुं. अतिशय;
अधिकतर. Too much. सुय० २, ७,
१३; नाया० ११; विरो० १६१;

बहुरय. पु० (बहुरत) जमालिनो मत; वस्तु
ओइ समयमां थती नथी पलु धला लांया
क्षणे थाय छे ओइ भाननार. वस्तु एक ही
समयमें उत्पन्न नहीं होती वरन उसे तयार होने
दीर्घ कालकी अपेक्षा होती है इस आशयका
जमालि मत. The doctrine of
Jamāli, that an object is not
produced at once but takes
a very long period. विरो० २३००;
ओष० ४१;

बहुरूपा. (बहुरूपा) भूतना ईन्द्र सुरूपनी
पटशाली. भूतना इन्द्र सुरूपकी पटरानी. The
chief queen of Surap, Indra
of goblins. भग० १०, ५; ठ०
४, १; नाया० ४० ५,

बहुल. त्रि० (बहुल) अधारे, धातु. अधिक, बहुत Much, plenty नाया० १, २, भग० १, १; ७, ६, उत्त० १०, १५, ओष० २१, दमा० ६, ४, दस० ६, ३७, ज० प० ७, १५४, (२) कृष्णपक्ष, अधा-
त्रिंशु, अधारू कृष्णपक्ष, अंधेरापक्ष, विदी
The dark half of a month.
darkness ओष० त्रि० २८५, भग०
१२, ६, ज० प० आया० २, १५, १७६;
मन० ३७, (३) व्याप्त व्याप्त, फैला हुआ
Occupied, spread जीवा० ३, १,
(४) २४वां तीर्थक्षरने प्रथम शिक्षा आप-
नार गृहस्थ २४वें तीर्थक्षरको प्रथम भिक्षा
देनेवाला गृहस्थ. A man who gave
alms first of all to 24th Tir-
thankara. भग० १५, १, सम० प०
२३२, (५) विच्छेद गयेय आरमा दृष्टिवा
अगना भीम विभाग सूत्रो १३मो भेद
विच्छिन्न वारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग
सूत्रका १३वां भेद. The 13th variety
of the 2nd section of the
12th Drstivāda Anga (scrip-
ture) which is lost. नदी० ५६,
—दोस पु० (-दोष) हिंसादि प्रवृत्ति
दोष. हिंसादि प्रवृत्ति दोष. Sin in the
form of harmful tendency.
भग० २५, ७, —पक्ष. पु० (-पक्ष)
कृष्णपक्ष, अधारीयु. कृष्णपक्ष, अंधेरा पक्ष-
वाड़ा, विदी The dark-half of a
month. वव० १०, २, नाया० १०;
सू० प० २०, ज० प० ७, १५२, उत्त०
२६, १५; —पाडिवअ. श्री० (-पतिम्)
कृष्णपक्षो पडवो. कृष्णपक्षकी प्रतिपदा-एकम.
The 1st date of the dark-
half of a month. वव० १०, १२;
बहुला. श्री० (बहुला) श्री महावीर स्वामिना
सुषप्ततक नामना आवडनी श्रीनु नाम

श्रीमहावीर स्वामीके सुषप्ततक नामक श्रावककी
श्रीका नाम. Name of the wife of
chulaśataka voter of the lord
Mahāvira उवा० ५, १५५.

बहुलीकय त्रि० (बहुलीकृत) धातु ५अत
क़रेल बहुधा-अनेकवार-किमाहुआ Done
many a time. नाया० ८,

बहुवृत्तव्य न० (बहुवृत्तव्य) अनापना सूत्रना
श्रीमत् पद्मनाम के जेभां श्रवणु अल्प
अल्पव्युत्पन्न वृत्ति भे. प्रज्ञापना सूत्रके तीसरे
पदका नाम जिसमें जीवोंके अल्प-बहुत्वका
वर्णन है Name of the 3rd Pada
of Pragnāpauṇa Sūtra which
deals with the inferiority or
profusion of jiva. पत्र० १;

बहुविध. त्रि० (बहुविध) धातु प्रक्षरनु. कई
तरङ्का. Of many varieties प्रव०
२१०;

बहुविह. त्रि० (बहुविध) धातु प्रक्षरनु
विविध-विध, कई प्रकारका Of different
kinds. ज० प० ३, ४३, दग० ४, १४,
दसा० ४, ३८, ५२, था० ६, १, —आगम
त्रि० (—आगम) अनेक प्रकारे आगमना
आगमनार बहुविध आगमके जाता. Versed
in scriptures in many ways
नाया० १६,

बहुव्रीहि. पु० (वुव्रीहि) आहुव्रीहि समास
बहुव्रीहि समास. An adjectival
compound. अणुजो० १३१;

बहुसख न० (बहुसख) दसभा सुहृत्तनु
नाम. दसवें सुहृत्तका नाम. Name of
the 10th Muhūrta (part of a
day) सू० प० १०, ज० प० ७, १५२,

बहुसालय. न० (बहुसालक) आभिलषुकुड
नगरनी अडार आवेक्षु ओ नामनु ओक्ष
उद्यन ब्राह्मणकुण्ड नगरीके बाहरका एक उद्यान.

An orchard outside the city of Brāhmana kuṇḍa. भग० ६, ३३; बहुसो. अ० (बहुसो) बारवार; धातु इरीने. बारवार; बहुत बारके. Many times; often नाया० ८, पि० नि० ६४४; ज्ञ० ६, १, ३६, २५६; अणुजो० १३०; व० १, ६, गच्छा० १३२, क्य० २, ७५, बहुसुर्देक्य. वि० (बहुसुर्देक्य) आहु शास्त्र लक्षावेक्ष, आहु श्रुत-गीतार्थ अनावेक्ष. बहुतसे शास्त्रोंको पढ़ाहुआ-को पढ़ानेवाला, बहुत श्रुत. (one) very learned; (one) who has taught many scriptures. भग० १५, १.

बहुहा. अ० (बहुहा) आहु प्रकाश. बहुधा; मनेकधा, अकसर In many ways पि० नि० मा० १०.

बहेल्लग पु० (निर्भीतक) गेहल्लग वृक्ष बहेल्लग The tree of Bahellā (a particular fruit). भग० २२, २, बाउसिय. पु० (बाउसिक) शरीरना गोआ इरवामा आसक्त थर आरित्रने भलीन इरवार अकुश नियक्षा शारीरिक मजाकके कारण चरित्रको दूषित करनेवाला बहुत नियता. An ascetic who pollutes his conduct being attached too much to bodily decoration. धोष० नि० ४६५, (२) वि० अकुश नियक्षा सुषधी. बहुकनियता सुषधी. Pertaining to an ascetic having the said fault पगह० २, ४,

बाढझार न० (बाढझार) आ आभ छे, अन्यथा नहीं ऐम गोअनु ते, निश्चयकारी गोअनु ते निश्चयपूर्ण भाषण; यह यों हे अन्यथा नहीं इस प्रकार दृढतापूर्वक बोलना. Speaking with a decision e. g. "this is so and not otherwise" विश० ५६५.

बाण. पु० (बाण) वृक्ष विशेष वृक्ष विशेष A particular tree. गय० ५२ जीवा० ३, ४, (२) तीर; आण. तीर, बाण. An arrow सूय० २, ६, ५२; प्रव० १५५४;

बाणउत्तर. ग्री० (द्वावति) आणु: ६२. ध्यानेत्र; ६२ Ninety-two; 92 न० १, १६.

बाणउत्तर. ग्री० (द्वावति) आणु: ६२. ध्यानेत्र, बाणु Ninety-two, 92. सम० ६२; क० ग० ६, ६०.

बाणारम्मी. ग्री० (बाणारमी) अनादस; इक्षी बनारस, काशी. Benares, Kāśī. उवा० ३, १२६. ४, १२६, १०, २७७.

बादर. वि० (बादर) रथुस, मोटु स्थूल. मोटा Gross, thick. भग० १, ६, ५, ७, ६, ३; ५, ७; ८, १, १८, ४, सू० १० १०, सम० १०, डा० २, १, ५, २, (२) पु० नाम इर्भरी ऐइ प्रहृति इ नेना उन्वथी छवने सुद्धम शरीरनी अपेक्षाऐ मोटु शरीर भये ने. नाम कर्मकी एक प्रहृति, जिसक उदयमें जीवको सूक्ष्म शरीरमें अपेक्षाहुन मोटा शरीर प्राप्त हो. A variety of karmic matter at whose appearance a minute body becomes gross पग० १, २३, (३) आदर ऐइ-दियादि छव; ने शरीररूपे देखाय तेवा छव-पृथ्वी, पाणी पगेरे. बादर ऐकन्त्रिय जीव. शरीररूपमें दीखनेवाले जीव यथा पृथ्वी, जल आदि. A one-sensed gross soul-sentient being which is visible in a bodily form e. g. the earth, water etc. भग० १६, ३; २५, १; ३३, १, (४) भूदेहा देवा, अथ देवा मोटा-स्थूल दोष. A gross or palpable fault. भग० २५, ७,

—अग्निशिकाइयत्ता. स्त्री० (-अग्निशायिकता)
 आदर-स्थूल अग्निपात्र बादर-स्थूल अग्नि-
 भाव. The state of gross fire-
 embodiment भग० ६, ५, —आउ.
 स्त्री० (अउ) आदर पाणी बादर-स्थूल
 जल. Gross water भग० २४, १२,
 —निओद-य. पु० (-निगोद) आदर
 निगोद-साधारण वनस्पति बादर निगोद-
 साधारण वनस्पति. Gross vegetation;
 ordinary vegetation भग० १६,
 ३, २५, ५, —परिणय. वि० (-परिणत)
 आदर-स्थूलरूपे परिणाम पात्रे (पुद्गल).
 बादर-स्थूलरूपे परिणमित (पुद्गल) A
 (molecule) matured into a
 gross form भग० १८, ६, २०, ५;
 —पुदविकाइयत्ता स्त्री० (-पृथ्वीकायिकता)
 आदर पृथ्वीकायपात्र. बादर पृथ्वीकायभाव
 The state of gross earth-em-
 bodiment. भग० ६, ५, —पुदविकाय.
 पु० (पृथ्वीकाय) आदर पृथ्वीना अय.
 बादर-स्थूल पृथ्वीके जीव The soul of
 gross earthly beings. भग० १५,
 १, —बोदिकलेवर पु० (-बोन्दिक्लेवर)
 ओ नामे गोसाधाने अलिभन अण विगेष.
 इस नामका गोसाला अभिमत काल विशेष
 A period of time so named
 according to Gośālā भग० १५,
 १, —बोदिधर. वि० (-बोन्दिधर) आदर
 शरीर धारण करनेवाले बादर-स्थूल शरीरधारी.
 (one) having a gross body.
 अ० ५, १, —वणप्फइकाइयत्ता. स्त्री०
 (-वनस्पतिकायिकता) आदर वनस्पति काय-
 पात्र बादर वनस्पति कायिकता. The state
 of gross vegetation-embodi-
 ment. भग० ६, ५,

बादरतरय. वि० (बादरतरक) अतिशय स्थूल
 अतिशय स्थूल Very gross भग० १६, ३;

बायर. वि० (बादर) स्थूल, दृष्टिगोचर थाय
 तेनुं, भेटोहुं. स्थूल, मोटा, दृष्टिमें आने योग्य
 Gross, visible. भग० १, १ ३,
 १-४, राय० २६, पि० नि० २४३. उ०
 ३५, ५, ३६, ७०, नाया० १ जीवा० १, क०
 ग० १, २६; १, ४६, ६, ७८, प्रव० ६६७,
 क० प० १, १४, ६४, २, २६, ४३.
 —आउकाइयत्ता. स्त्री० (-अष्कायिकता)
 आदर पाणीपात्र स्थूल जलकायिकता The
 state of gross water-embodi-
 ment. भग० ६, ५; —काय. पु०
 (-काय) आदर पृथ्वीकाय स्थूल पृथ्वीकाय
 Gross earth-embodiment. उ०
 ३६, ७४, —तसकाल. पु० (-तसकाल)
 आदरत्रस-ओ छन्दिपादिकने आदरत्रसपात्रे
 रहेवाने अण. दो इन्द्रियवालेको बादरत्रस रूपमें
 रहनेका काल. The period of time
 for the existence of two-sensed-
 beings etc. in a gross mobile
 form. क० १० २, ७४. —तेउकाइय. पु०
 (-तेजस्कायिक) आदर अग्निना अय. बादर-
 स्थूल अग्निके जीव. The soul or living
 beings of gross fire जीवा० १.
 —नाम. न० (-नामन्) आदर नाम, नाम
 कर्मनी ओके प्रकृति, जेना उदयथी अय आदर
 शरीर पात्रे, बादर नाम, नाम कर्मको एक प्रकृति.
 जिसके उदयसे जीव बादर शरीर प्राप्त को A
 variety of Nāma karma matter
 at whose appearance a soul
 acquires gross body. सम० २८,
 —पजत्त. वि० (-पर्याप्त) आदर पर्याप्तो
 बादर पर्याप्त A soul capable of
 developing the characteristics
 of a gross body क० प० २, ७४.
 —परित्त. वि० (-प्राप्त) आदर पर्याप्तो
 बादर पर्याप्त A soul capable of

developing all the characteristics of a gross body. प्रव० ११२४, — पचगा. पु० (-पवन) आदर-स्थूल वायु. वादर-स्थूल वायु. Gross wind. क० प० ४, ६, —पुढवी. स्त्री० (-पृथ्वी) आदर पृथ्वी स्थूल पृथ्वी. Gross earth. क० प० ४, १३, —चणस्सड्काइ. पु० (-वनस्पतिकामिन्) जेजु शरीर आदर वनस्पति होय ते; आदर वनस्पति क्षयिष्ठ छव. वादर वनस्पति कृषिक जीव. Having a gross vegetation for its body. जीवा० १; —वाउकाइय. पु० (-वायुकायिक) जेजु शरीर आदर वायु क्षय होय ते, आदर वायुक्षयना छव. वादर-स्थूल वायुकायिके जीव. The living beings of gross wind: having a gross wind-embodiment. जीवा० १;

वायरसंपराय. पु० (वादरसंपराय) नवमा शुशुक्षानु नाम. नवें गुणगणका नाम. Name of the 9th spiritual stage. प्रव० ६६७,

वायाल स्त्री० (द्वाचत्वारिंशत्) भेताक्षीस. वर्धालीस; ४२. Forty two, 42. ओष० नि० ५०२; अणुजो० १४१; क० गं० १, २३; २, २०; —पुगणपगड. स्त्री० (-पुण्यप्रकृति) भेताक्षीस पुण्यप्रकृति. वर्धालीस पुण्यप्रकृति. Forty-two meritorious natures. क० गं० ५, १६;

वायालद्ध. न० (सार्द्धद्वित्वारिंशत्) साक्ष भेताक्षीस; ४२½. सार्द्धे वर्धालीस. Forty two and a half. प्रव० ४१५;

वायालीस. स्त्री० (द्वाचत्वारिंशत्) भेताक्षीस. वर्धालीस; ४२. Forty-two. 42. जं० प० २, १६; भग० २, १-८; ६; ५; ७; ११, ११; १२, ६; १६, ६-६; सम० ४२;

ओष० ४३; अणुजो० १४२; पि० नि० ६३४; नाय० १, पप्र० ४, कय० १, २; वाग. नि० (द्वावज) आदरी संख्या; १२. बारहका इक, १२. Twelve; 12. गय० ६५; पण० १, १, क० गं० २, २६; —उवत्रांन. पु० (-उपयोग) आर उप-योग, पाय ज्ञान, त्रय अज्ञान अने आर दर्शन. बारह उपयोग; पांच ज्ञान, तीन अज्ञान और चार दर्शन. 'The 12 uses, applications viz. five kinds of knowledge, three of ignorance and four Darśanas क० गं० ४, ८; —मुहुत्त. न० (-मुहूर्त) आर मुहूर्त; योवीश धरी. बारह मुहूर्त; चौबीस घड़ी. The 12 muhuratas (a measure of time). क० गं० ५, २७,

वारगा. स्त्री० (द्वाका) साराट देशभा आ-वेशी श्री कृष्णजी राजधानी; द्वारका नगरी. सौगष्ट देगस्य श्रीकृष्णकी राजधानी; द्वारिका नगरी. The capital city of Śrī Kṛṣṇa in Gujarāta. उत्त० २२, २२;

वारवई स्त्री० (द्वारवती) द्वारिका नगरी. द्वारिका नगरी. The city of Dwārakā. सम० प० २३१, नाया० ५; १६, पण० १, ४; नि० ५, १; कय० ६, १७३;

वारवती. स्त्री० (द्वारवती) द्वारिका नगरी. द्वारिका नगरी. The city of Dwārakā. जे श्री कृष्णजी राजधानी होती, जेने कुबेर लंकारिअे आर भोजन क्षांभी अने नव भोजन भोजनी अनावी होती, जे क्षा "भेट द्वारिका" तरीके भोजनाय छे. श्री कृष्णकी राजधानी द्वारिका जिमे कुबेरने बारह योजन लम्बी और नौ योजन चौड़ी बनवाई थी जो हालमें बेट द्वारिका नामसे ख्यात है. The city of Dwārakā now known as "Beta Dwārakā" the capital of Śrī Kṛṣṇa

which was constructed by Kubera 12 yojanas in length and 9 in breadth (1 yojana= 8 miles). अतः १, १;

बारस. त्रि० (द्वादश) आ२. बारह Twelve. ज० प० १, ४; भग० १, ५, १०; २, ५; ५, ८; ८, ८, १२, ७, १४, ५, १५, १, २०, १-५; २४, १; ३१, १, सम० १२; अणुजो० १३३; विशेष० ३४८, नाया० १, ५, १६; दसा० ७, १; पत्र० ४, सु० च० १, ३६१, क० ग० २, २२, ३४, ३, १७, पचा० १८, २, उवा० १०, २७७, —अह पु० (-अहन्) आ२ द्विस बारह दिन. Twelve days नाया० १; विवा० ५, —आह्निय. त्रि० (-आह्निक) आ२ द्विसनु. बारह दिनोका. Of 12 days. नाया० १६; —पणसिय. न० (-प्रदेशिक) युग्म प्रदेशिक जघन्य सक्षायु -के ने आ२ प्रदेशीय निपले छे. बारह प्रदेशसे उत्पन्न होनेवाले युग्म प्रदेशिक जघन्य सक्षाय. A yugmapradesika which is produced by 12 atoms भग० २५, ३, —भक्त. पु० (-भक्त) अग्नीधर टके वीतायी आ२मे टके जमनु ते, पांच उपवास भेगा करवा ते. ग्यारह टक व्यतीत कर बारहवें दिन भोजन करना, पांच उपवासोका एकत्रीकरण. Dining on the twelfth time having fasted for 11 times, observing of the 5 fasts together ओव० १६, —भिक्षुपडिमा. स्त्री० (-भिक्षुप्रतिमा) लिङ्गपु-साधुनी आ२ पडिमा-अलिग्रह विशेष भिक्षु-साधुकी बारह पडिमा-अग्निग्रह विशेष. A particular vow of an ascetic. नाया० १, —मुहूर्त. न० (-मुहूर्त) आ२ मुहूर्त; चौबीस घड़ी

बारह मुहूर्त, चौबीस घड़ी. 12 Muhū-ratas (a period of time). भग० १, १०. —वरिस. न० (-वर्ष) आ२ वर्ष. बारह वर्ष. Twelve years. प्रव० ७६३; —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) आ२ परसनी दीक्षावाला. बारह वर्षोंकी दीक्षावाला. One for whose consecration 12 years have elapsed वव० १०, २८-२६, —समर्जिय. त्रि० (-समर्जित) आ२ आ२ना समूहथी अर्जन करेहुं, 'अर्ज' बारह बारहके समूहमें अर्जित, 'डभन्तवार'. Arranged in a group of twelve भग० २०, १०; बारसम त्रि० (द्वादश) आ२भुं; आ२भा न० २२नु. बारहवें; बारहवें संख्यावाला. Twelfth. पत्र० ४; नाया० १२; भग० २, १; १६, ८; २०, ३; (२) पांच उपवास भेगा करवा ते. पांच उपवासोका एकत्रीकरण. Observing of the five fasts together. भग० २, १; बारसय त्रि० (द्वादशक) लुप्तो "आ२स" शब्द. देखो "बारस" शब्द. Vide "बारस." भग० २०, १०; बारसविह. त्रि० (द्वादशविध) आ२ प्रकारनु. बारह प्रकारका Of twelve kinds. पचा० १५, २६; बारसी. स्त्री० (द्वादशी) आ२स. बारस; द्वादशी. The 12th date of a lunar month. ज० प० ७, १५३; विशेष० ३४०७; बाल पु० (बाल) आ२क; अन्धु शिशु, बालक; बच्चा. A child; a baby. आया० २, २, ३, १०७, पि० नि० १६४, राय० ५३, विशेष० ४; नाया० २, १८; पत्र० १७; भग० ७, ६; ११, ११; १४, ६; जीवा० ३; ३; भक्त० २२; गच्छा० १६; प्रव० ७६८, (२) त्रि० अ२; पा२२;

अविवेकी, मिथ्यावादी; अज्ञानी. अज्ञ, पाप्मर; अविवेकी, मिथ्यावादी: अज्ञानी. Fool, stupid; a liar; illiterate उ० १, ६-३७, ५, ३, ६, ४४, १३, १७, स्य० १, १, १, ८, २, ६, १७, आ० ३८, भग० २, १, ३, २, ७, २; १८, ८; दशा० ६, ७, १३, दम० ६, ७, (३) लघु. नवीन लघु. छोटा, नवीन Little; new, minute. भग० ११, ११, १४, ८, (४) क्षेमण कोमल Soft. गय० ५७, कय० ४, ६०; (५) भगवती सप्तम प्रथम शतकंता आश्रमा उद्देशानु नाम छे, नवीन अज्ञान आश्र आदि विषय पर प्रश्नोत्तर छे. भगवती सूत्रके प्रथम शतकके आठवें उद्देशका नाम जिसमें एकान्त बाल आदि विषयक प्रश्नोत्तर हैं. Name of the 8th Uddēśa (section) of the 1st century of Bhagvati Sūtra. भग० १, १; —आयव पु० (-आतप) प्रभातमे तद्वत्. सर्वेङ्गी ध्रुव The morning sun कय० ४, ६०; —इन्दु. पु० (-इन्दु) आ० चंद्रमा. बाल शशि-चंद्र. The new moon. सु० च० ४०, ४४. —काल. पु० (-काल) आ० अथ अथ-स्था बाल्यावस्था, बाल्यकाल Childhood. भग० २२, -कीलावण न० (-क्रीडा) आ० अने रमायुते - बालकको खिलाना, बालकसे क्रीडा करना Amusing or playing with a child नाया० १८, —गव्ही. स्त्री० (-गो) बाल्ही. वत्सवती, बल्लुङ्गवती. A heifer. उ० २७, ४, —ग्राहि त्रि० (-ग्राहिन्) आ० अने ग्रहण करनेवाला (one) holding a child. नाया० २, १८, —घायग. त्रि० (-घातक) आ० अने धात करनेवाला. बालकके घाती. (one) killing a

child नाया० १८, --घायय त्रि० (-घा-तक) आ० अने धात करनेवाला. बालघाती, बाल-हत्याग (one) killing a baby. नाया० २. —चंद्र. पु० (-चन्द्र) ग्रीष्ममे अ-द्वितीयाका चन्द्रमा. The moon of the 2nd date ज० प० ३, ४५, प्रव० २६८; —जण. पु० (-जन) अज्ञानी. अज्ञानी; अविवेकी. Illiterate person; fool उ० ३२, ३, —तमाल. पु० (तमाल) नवानु तमालनु माल. छोटा तमाल रज A young Tamāla tree. प्रव० १४८७, —तव पु० (-तप) आ० लावे करने तप, अज्ञान छे. अज्ञानपूर्वक कीया जानेवाला न Penance done ignorant-ly क० ग० १, ५६. —तवस्सि. त्रि० (-तस्मिन्) अज्ञान छे करनेवाला, आश्र लावे तप करनेवाला, तपस्य योगे. अज्ञानमे कट उठनेवाला; बाल भावमे तर करनेवाले तपस्वी आदि. An ignorant ascetic; (one) who practises penances with ignorance भग० ३, १, १५, १; —तवो-कम्म. न० (-तप कर्मन्) अज्ञान छे, मिथ्यात्वयुक्त तपोनुष्ठान अज्ञानपूर्ण कट महन, मिथ्यात्वयुक्त तपोनुष्ठान A false or ignorant practice of austerities. भग० ८, ६, —भाव. पु० (-भाव) आ० लावे अथ; आ० अथ. बाल्या-वस्था; बाल चेत्य Infancy, childish actions नाया० १, १६; रय० ६५; कय० १, १८, —मरण. न० (-मरण) अज्ञान मरण; आ० लावे अज्ञान दशाभां लायवोय करने मरण पावतु ते. अज्ञानपूर्ण मरण, बाल भावसे अज्ञान दशामें क्षयदाय

કરતેહુપ મૃત્યુપાતા An ignorant form of death, dying after grumbling and moaning a great deal. સમ૦ ૧૭, ઉત્ત૦ ૩૬, ૨૫૬; ઝ૦ ૩, ૪, નિસી૦ ૧૧, ૪૨, મળ૦ ૧૩, ૭, —વઢા. સ્ત્રી૦ (વત્સા) નાના વત્સવાળી-ગાય વગેરે. ક્ષોટે વત્સ-વઢકેવાલી-ગાય આદિ. A cow etc having young calves દસા૦ ૭, ૧; —વિઢોહ પુ૦ (વિઢોમ) આળકથી ભુદું પડવું; આળકનો વિયોગ. વાલકકા વિયોગ. The separation from a child. વવ૦ ૧૦, ૨; —વીરિય. ન૦ (—વીર્ય) આળભાવ સહિત વીર્ય શક્તિ. વાલભાવયુક્ત વીર્ય, વાલ પરાક્ષમ. A child's powers અળુજો ૧૨૭, —વીરિયતા. સ્ત્રી૦ (—વીર્યતા) આળ વીર્યપણું; આળભાવ સહિત શક્તિ. વાલ વીર્યતા; વાલ પુરુષાર્થ-શક્તિ The state of a child's powers. મળ૦ ૧, ૪, —વીરિયલદ્વિ. સ્ત્રી૦ (—વીર્યલલ્લિ) અજ્ઞાન દશામાં કાર્યની શક્તિ અજ્ઞાન દશામાં કાર્યકો શક્તિ. The power of work in an ignorant state મળ૦ ૮, ૨; —વીરિયલદ્વિયા. સ્ત્રી૦ (—વીર્યલલ્લિકા) આળ વીર્યની પ્રાપ્તિ વાલ વીર્યકો પ્રાપ્તિ The attainment of a child's powers. મળ૦ ૮, ૨; વાલગ પુ૦ (વ્યાલક) સર્પ. સર્પ; સાંપ A serpent નાયા૦ ૮, વાલત્ત ન૦ (વાલત્વ) આળપણું વાલપન, Childhood. હુ૦ ૧૩, ૫૧, વાલવંડિઅ ત્રિ૦ (વાલપંડિત) દેશ વિરતિ શ્રાવક; પાપથી કંઈક નિવર્તેલ અને કંઈક ન નિવર્તેલ, કંઈક આળ ભાવ અને કંઈક પડિત ભાવ યુક્ત દેશ વિરતિ ભાવક, અજ્ઞાત. પાપસે નિવૃત્ત અજ્ઞાત

અનિવૃત્ત. વાલભાવ ઔર પડિત ભાવસે અજ્ઞાત. યુક્ત. A layman with partial renunciation; partially attached to sins or ignorance. મળ૦ ૧, ૪; ૮; ૧૭, ૨; અળુજો ૧૨૭; —વીરિય. ન૦ (—વીર્ય) આળપડિત-શ્રાવકનું વીર્ય-સામર્થ્ય. વાલપડિત શ્રાવકકા વીર્ય-સામર્થ્ય The prowess of a partially renouncing layman અળુજો ૧૨૭; વીરિયલદ્વિ. સ્ત્રી૦ (—વીર્યલલ્લિ) આળપડિત ભાવે શ્રાવક વૃત્તિમાં પુરુષાર્થ કરવાની શક્તિ. વાલપડિત ભાવસે શ્રાવકવૃત્તિમાં પુરુષાર્થ પ્રદર્શન શક્તિ The attainment of showing prowess in a partially renouncing layman. મળ૦ ૮, ૨; —વીરિયલદ્વિયા. સ્ત્રી૦ (—વીર્યલલ્લિકા) ભુઝો ઉપલો શબ્દ. દેહો ઉપરકા શબ્દ. Vide above. મળ૦ ૮, ૨; વાલપંડિત. ત્રિ૦ (વાલપંડિત) ભુઝો “વાલ-પંડિઅ” શબ્દ દેહો “વાલપંડિઅ” શબ્દ Vide “વાલપંડિઅ”. સમ૦ ૧૭, —મરણ ન૦ (—મરણ) આળપંડિત ભાવ-દેશ વિરતિપણામાં થયેલું મરણ. વાલપંડિત ભાવ-દેશ વિરતિમાં પ્રાપ્ત મરણ. Death in a state of partial renouncement. સમ૦ ૧૭; વાલય. પુ૦ (વાલક) ભુઝો “વાલ” શબ્દ. દેહો “વાલ” શબ્દ. Vide “વાલ”. મળ૦ ૧, ૬; —મારય. પુ૦ (—મારક) આળકને મારનાર. વાલકકો મારનેવાલા. One who slays a child. નાયા૦ ૨; વાલયા. સ્ત્રી૦ (વાલતા) મૂર્ખતા; આળકપણું; આળભાવ મૂર્ખતા; વાલપન, વચન. Childishness; infancy. આયા૦ ૧, ૫, ૧, ૧૪૪; ૧, ૬, ૪, ૧૮૬; વાલવ. ન૦ (વાલવ) દરેક માસના શુક્ર પક્ષની બીજ અને નોમને દિવસે, તથા

पांचम अने आरसनी राते, तेमळ दृश्य
पक्षना ज्येष्ठ अने आश्विने दिवसे, तथा
चैत्र अने अगिथारसनी राते आयत,
ज्योतिः शास्त्र प्रसिद्ध सात चरित्रांशुमांशुं
श्रीलु इरश; ११ इरशुमानु श्रीलुं इरश.
प्रत्येक मासके शुक्लपक्षकी द्वितिया और नवमीके
दिन तथा पचमी द्वादशीकी रात्रिको दैर्घ्य
कृष्णपक्षकी प्रतिपदा और अष्टमीके दिन तथा
चतुर्थी और एकादशीकी रात्रिको अनेकाला
उद्योतिः शान्ध प्रसिद्ध सात चरित्रांशुमांसे दूसा
करण, ११ करणोंमेंमें दूसा करण. 'The
2nd Karṇa (religious occa-
sions) out of the seven or
eleven which are well-known
in the science of astronomy
and it falls on the 2nd and 9th
day and 5th and 12th night
of the bright half of every
month and similary falls on
the 1st and 8th day and 4th
and 11th night of the dark-
half of every month ज० ९०
७, १५३,

वाला. श्री० (बाला) से परसना भाष्-
सती दश दशाग्रोभांती प्रथम दशा के
गेभां ससारती भाया के संक्षेप होना
नथी. गौ वर्षक मनुष्यकी दश दशाग्रोमेंसे
प्रथम दशा जिसमें सांसारिक भाया या सकृन्प
का प्रभाव नहीं रहता. The 1st stage
out of the 10 of a man who
is hundred years old when
he is not influenced by the
delusion of the world or
resolutions तड० (२) कुमारी. कुमारी
A young girl. गच्छा० ८४,

वाल्मिय. न० (वाल्य) व्याजभाव; अज्ञान;
मिथ्यात्व. बालभाव; प्रज्ञान; मिथ्यात्व.

Infancy; ignorance; falsity. भग० १, ६; (२) आत्य अदस्ता. वचन, बाल्यकाल. Infancy. राय० —सूरिय पु० (—सूर्य) उगते। सूर्य. दृश्यमान सूर्य. उगताद्ग्रा सूर्य The rising sun. राय० बालियत्त न० (बाल्यत्वं) अनानपात्र, पाण्डुपत्र, अज्ञानता, बालियता; वचन. Ignorance; childishness. भग० १, ६;

बालिया. री० (बालिका) इत्या; छडी.
 कन्या, पुत्री; बाला. A girl. भग० ६
 ३३; नाया० ५, मु० च० १५, १३७,
 —सद. पु० (-शब्द) आगच्छते शब्द-
 अत्रात्. बालिकाया शब्द-प्रवाज The
 sound of a girl निस्सी० १७, ३५;
 बालिस. वि० (बालिग) भूषा; अविवेकी.
 मूर्ख; अविवेकी. Stupid; idiot. स्य०
 १, ७, ११;

वाचह. री० (द्वापदि) आसःनी संख्या.
 वासःकी संख्या, ६२. Sixty two; 62.
 भग० २५, ६-७,

वाचहि स्त्री० (द्वापदि) आसेह; ६२. वाँसड;
६२ Sixty two, 62. जं० प० ४, ८८,
सन० ६२,

वाचस्पत्य. त्रि० (द्विपचाशत्) आचन. वाचन,
५२ Fifty two; 52. भग० ३, ७;
६३, ४; ज० प० १, ६;

वाचस्पति. स्त्री० (द्वास्वन्ति) भोतिर, ७२ कहोत्तर;
७२. Seventy-two; 72. जं० प० ५,
११८, पत्र० २; ४, सम० ७२; श्रव० ४०;
अणुजो० ४१; १४३; विवा० २; ७, नाया० १;
भग० १, ५; ७, ६; ११, ११, १२, ६; १४,
६; १६, ६; २४, २१; ज० प० सु० च०
४, ६८, —कला. स्त्री० (-कला) पु२-
पोनी ७२ इशा. पुरुषोंकी ७२ कला. The

seventy-two arts of man.
नाया० १६,

वाचन. स्त्री० (द्विपञ्चाशत्) आवन. वाचन.
Fifty-two, 52. सम० ५२, क० ग०
६, ५६, —भेद पुं० (—भेद) आवन
भेद (विनयना) विनयके वाचन भेद Fifty-
two varieties. प्रव० १६,

वाचीस. स्त्री० (द्वाविंश) आवीस. वाईस
Twenty-two. भग० १, ६, २, १-८,
८, ८, १३, ४, १५, १, १६, ३, २४, १,
अणुजो० १४२, ग्रोव० ४१, उत्त० ३१, १५,
सम० २२, नाया० १, पत्र० ४, —वासस-
हस्स न० (—वर्षसहस्र) २२ हजार वर्ष. २२
हजार वर्ष 22000 years भग० १, १,
—सयभागमुहुत्त. न० (—शतभागमुहुत्त)
अधे मुहुर्तना १२२ भाग इत्ये तेभानो
अधे भाग. एक मुहुर्तके १२२ भागोंमेंसे एक
भाग. One part of one hundred
and twenty-two parts of a
muhūrta (part of a day).
भग० ११, ११; —सागरोपम. पु०
(—सागरोपम) आवीस सागरोपमनी स्थिति
वाईस सागरोपमकी स्थिति. Duration of
twenty-two Sāgaropamas (a
period of time). नाया० १६;

वाचीसहम. न० (द्वाविंशतिम्) अक्षवीस टके
उत्पद्यते आवीसमे टके आधार लेवे ते;
दश उपवासनी सत्ता. इक्कीस टके लघनके
बाद वाईसवें टकमें आहार ग्रहण कार्य, दश
उपवासकी संज्ञा. Taking food on
the 22nd turn after fasting
for 21 turns. A name for 10
fasts. नाया० १; भग० २, १,

वासति. स्त्री० (द्वापष्टि) आसठ वासत.
Sixty-two. नाया० १६,

वासीस. स्त्री० (द्व्यशीति) आसी. ८२.

व्यासी, ८२. Eighty-two, 82. क०
ग० ५, १७, ६, ६३, कय० २, ३०;
सम० ८२,

वाह. न० (वाष्प) आसु. आसु; अश्रु A
tear. अणुजो० १३०, (२) वराण भाप
Vapour. सु०च० १, ३२, —प्रमोक्त्वण.
न० (—प्रमोक्षण) आसु ढालना अश्रु
डालना; अश्रु मोचना Shedding tears
नाया० २, १८, (२) हाथ, भुजा. हाथ,
भुजा Arm; hand. भग० ५, ४;
१४, १,

बाह्यदोष. पु० (बाधकदोष) आश्रितो आध
इत्येतद् दोष, काम रागादि. चारित्रिके बाधक
दोष, काम रागादि. A sin or trans-
gression which pollutes good
conduct. e. g. passion etc.
पचा० १, ४६,

बाह्या. न० (बाधन) आध इत्येतद् ते, पीडा
इत्येतद् ते. बाधकदोष, विघ्न डालना; पीडा
पहुँचाना. Obstructing, troubling.
पचा० १६, ५;

बाह्या. स्त्री० (बाधना) पीडा. पीडा.
Trouble, pain. पण० १, ४,

बाह्य. न० (बाह्य) लघु, दृढ. मोटाई,
स्थूलता, दल. Thickness; solidity.
राय० १५२, ज० प० ७, १३०; १४५,
५, ११६, जीवा० ३, १; पत्र० २; १५,
भग० २, ३; ३, १, १३, ४; उत्त० ३६,
५६, सम० २०; प्रव० ६७२; —उच्चत.
न० (—उच्चत्व) लघु, अने उच्च.
मोटाई और उँचाई. Thickness and
height भग० २, ७,

बाह्य. न० (बाहुल्य) अत्यन्त अत्यन्त,
प्रचुर्य. Excess, profusion. राय०
६१, प्रव० ६७५, ११२०,

बाह्य स्त्री० (बाह्य) दरवाजा उपर पायेज
ता. दरवाजे पर बनाहुया तक A
niche above a door सम० ६,
(२) आधु; अथ बाहु. हथ. The arm,
hand जीवा० ३, ३. च० प० ५, ११८.
४, ७४, वेग० ५, २२, नाया० ८; ६;
१६; भग० ३, १, ६, ३१, (३) पायु;
पार्थिवभाग. पासु पार्थभाग The rib.
जीवा० ३, ४, राय० ४५, (४) लून आदि
क्षेत्रनी लून. भन आदि क्षेत्रनी भुजा A
peninsula of Bharata ksetra
etc. ज० प० (६) आधु, दिशा. बाजू,
दिशा. Side; direction. " सूरियाम्भसा
विमाणस्य एगमेगाए बाह्य दारसहस्र भवतीति
मवाय." राय० १०४.

बाहि. अ० (बाहिर) अ० बाह्य Outside
ज० प० ७, १३५, भग० ३, ४, १५, १,
पम० २, दस० ६ १, क्य० ६, ३-४,
विशे० २१५; वेग० १, ७ नया० १;
सु० च० १५, ८; ओव० २७, स्य० २,
२, ६६, गच्छा० १०८,

बाहिंत. वि० (बाह्यत) पीडा करने पीडा
कने-पहुंचानेवाला 'Troubling' विशेष
१७६४,

बाहिंदुष्ट. वि० (बाहिंदुष्ट) अ० बाह्य पीडा
करनेवाला बाह्यमे पीडा पहुंचानेवाला.
Troubling from outside. ठ०
४, ४,

बाहिसह न० (बाह्यसह) अ० बाह्य देखातु
शक्य. बाह्य दीखनेवाला गल्य-कांटा. A
thorn seen from outside ठ०
४, ४;

बाहिज. न० (बाह्यज) अ० बाह्य बाह्यपन.
Deafness विगे० २०८;

बाहिया. स्त्री० (बाह्या) लुओ " बाह्य "
शक्य. देखो " बाह्य " शब्द. Vide
" बाह्य " वेग० ५, २२,

बाहिर वि० (बाह्य) अ० बाह्य; देखीतु.
बाह्यक; देखातुया, दीखनेवाला; दृश्यमान.
External; visible ज० प० ५,
११६, ३, ४५, ४३, ७, १३४, १४६,
सु० प० १. पन० १; नाया० १८, दस०
४, ८, ३०, भग० ६, ५, ७, ६; आणुजो०
३, सन० ६. ओव० दंत० २८, २१-३४,
गच्छा० ७७; पचा० १५, २६; क्य० ३,
३०; (२) आद्य अवधिज्ञान, अवधिज्ञानतो
ओष्ठ प्रसार. बाह्य अवधिज्ञान, अवधिज्ञानका
एक प्रकार External limited
knowledge; a kind of
knowledge विशेष ७४८, ७४६,
-- द्विष्ट. स्त्री० (-स्थिति) उदयावलीकांमे बाह्यकी
कने स्थिति The duration of karma
outside Udayāvalikā क० प० ३,
१, —पेसणकारिया. स्त्री० (-पेसणकारिका)
अ० बाह्यतु शक्य करनेवाली स्त्री. घरके बाह्यका
काम करनेवाली स्त्री A female doing
out-door work. नाया० ७:
—भंडमत्तपरिगाह पु० (-भागडमात्रपरिग्रह)
पात्र, वस्त्रादि आद्य वस्तु प्रत्ये भवत्यभाव
पात्र वस्त्रादि बाह्य वस्तुमें समता. Attach-
ment to external objects e. g.
pots, dress etc. ठ० ३, १;
—भंडमत्तोवगरणपरिगाह. पु० (-भागड-
मत्तोवकरणपरिग्रह) लुओ उपलो शक्य.
देखो उपरका शब्द Vide above भग०
१८, ७, —भंडमत्तोवगरणोवहि. पु०
(-भागडमात्रोवकरणोवधि) करियाणुं वासाणुं
उपकरणा वगेरे अ० बाह्यतु उपाधी किना
वस्तु उपकरण आदि बाह्य उपाधि Attach-
ment to external worldly be-
longings e. g. pots, materials
etc. भग० १८, ७,

बाहिरअ(य). त्रि० (बाह्यक) अ० ५२नु. बाह्यका.

External. ज० ५० अ० १८, २६, नाया० १; भग० ३, ४-६, ६, ८, ७, ६; १६, ५; द० ३, १; प्र० २५७,

बाहिरओ. अ० (बाह्यतः) अ० ५२थी बाह्यसे. From outside. भग० ११, ११,

बाहिरंग. त्रि० (बाहिरंग) अ० ५२नु बाह्यका.

External आया० १, ८, ३, १३६, (२) आत्मा की साथे सम्बन्धना सधध राप्पना नही. आत्माके साथ सतत सम्बन्ध न रखनेवाला. Not associated eternally with the soul सू० २, १, ३८.

बाहिरप्पवाही. स्त्री० (बाह्यप्रवाही) अ० ५२ छेती-छेनारी. बाह्य बहनेवाली Flowing outside. वि० १,

बाहिरिग. त्रि० (बाह्यक) अ० ५२नु. बाह्यका. External. भग० १८, २;

बाहिरिप. त्रि० (बाह्यक) अ० ५२नु. बाह्यका. External नाया० १. २, ८; क० ४, ५८, ज० ५० अ० २६, वे० १, ६; द० ६, ४; १०, १, भग० ५, ७, ७, ६, ६, ३३; २५, ७,

बाहिरिया. स्त्री० (बाह्य) अ० ५२ बाह्य. Outside नाया० ५; भग० १५, १, द० १०, १, (२) पर. नगर की ओर पड़ेला पासनेला वसतिवाला प्रदेश. नगरसे भिन्न बाह्यका आबाद प्रदेश. An inhabited region surrounding a city. नाया० ५. सू० २, ७, १, (३) अ० ५२नु काम करनेवाली दासी. A maid-servant doing out-door work भग० ११, ११, (४) अ० ५२नी सभा. बाह्यकी सभा External assembly. नाया० ८, १४, —परिसा.

स्त्री० (-परिषत्) अ० ५२नी सभा बाह्यकी सभा External assembly. नाया० ८.

बाहिरिह त्रि० (बाह्य) अ० ५२नु. बाह्यका. External. भग० २, ८, ६, ५, ३४, १,

बाहिसंघुका. स्त्री० (बाह्यसंघुका) गौचरी की आठमी वीधि, अ० ५२ना लागभाथी शम्पना आचरनी पेठे इतरता अदरना लागभा आची गौचरी करवाभा आये ते, गौचरी की आठवीं वीधि, बाह्य भागमेंसे शखके आवर्तकी भौति फिरते हुए भीतरी भागमें आकर कीजानेवाली गौचरी The 8th path of begging, begging from outside and reaching the inner part moving in a circular manner -like a conch. प्र० ७५२,

बाहु पु० (बाहु) लुग्न, हाथ भुजा; हाथ Arm; hand. नाया० ८, पि० नि० ३३१; नदी० ५४; भग० १६, ८, द० ४; सू० १, ४, १, ३; आया० १, १, २, १६, १, ६, ३, १८६. अ० १०, क० ग० १, ३४, प्र० ६७, —उत्तरण न० (-उत्तरण) जे हाथपडे तन्नु दोनों हाथोंसे तैरना. Swimming by two hands पचा० ६, २१, —छाया स्त्री० (-छाया) लुग्ननी छाया. भुजा की छाया The shadow (protection) of two arms. नाया० ५, ८, वि० ३, —जुद्ध. न० (-युद्ध) आहुथी युद्ध करनेवाले. बाहुद्वारा कियाजानेवाले युद्ध, बाहुयुद्ध A hand to hand fight, a duel, a boxing. अ० १, नाया० १, —जोधि. त्रि० (-योधिन) आहुथी युद्ध करनेवाला. A boxer, a hand-to-hand fighter नाया० १. —जोहि त्रि० (-योधिन) हाथ हाथ लड़नेवाला. A hand-

to hand fighter. राय० २६२;
—प्रमाण. वि० (-प्रमाण) आहु-भुज
सुधीनु. बाहु पर्यन्त, भुजाके मानका. Measur-
ing an arm. प्रव० ६७७; —पमदि.
वि० (-प्रमर्दिन्) आहुथी मर्दन करनेवाला.
बाहुद्वारा मर्दन करनेवाला. Rubbing by
means of an arm. नाया० १;
—बल. न० (-बल) आहुनुं भग;
भुज भग. बाहुबल, भुजाकी ताकत. The
strength of arm तडु०

बाहुअ पुं० (बाहुक) ओ नामना ओके तपस्वी.
इस नामका एक तपस्वी. An ascetic
so named. सूय० १, ३, ४, २;

बाहुवलि. पु० (बाहुवलिन्) भरत चक्रवर्तिना
लार्धनु नाम के जेणे पूर्ण अवस्था साधु-
ओनी वैधावन्त्य करनेवाली अनि भग प्राप्त
कर्तुं. भरत चक्रवर्तिके भारिका नाम जिन्होंने
पूर्व जन्ममें साधुओंकी वैध्यावध करके अति बल
प्राप्त किया था. Name of the brother
of Bharata chakravartī, who
obtained great strength due
to serving in previous life,
ascetics. सम० ८४; ओष० नि० ५३५;

बाहुया स्त्री० (बाहुजा) त्रयु छन्दियवाला
शुभ. तीन इन्द्रियवाला जीव. A three-
sensed sentient being. पत्र० १;

बाहुलेर न० (बाहुलेय) काला वाकडा. काला
बकड़ा. A black calf. अणुजो० १४७;

बाहुल्य. न० (बाहुल्य) आधिक्य; धन्ये लागे,
प्रापश, अहुलता. आधिक्य; बहुलता; बहुतायत,
प्राचुर्य. Excess; opulence; pro-
fusion. भग० १२, ७, पिं० नि० ५६;

वि. वि० (द्वि) ओ. दो. Two. क० ग०
१, ४६; —द्वारा. न० (-स्थान) ओ
हाथीओ रस. दो स्थानोंका रस. Two
stages. क० प० १, ६२;

विअ-य. वि० (द्वितीय) पीणुं. दूसरा-द्वितीय कसाय
अप्रत्याख्यान-चतुष्क. Second. क० ग०
२, २५, २८; ३, १६; —कसाय. पु०
(-कसाय) अप्रत्याख्यानपरस्त्रीय नामे
पीणुने कसाय. अप्रत्याख्यानकरण. The
second passion named Apra-
tyakhānāvaranīya क० ग० २, १५;

विअाल वि० (द्वित्वारिणत्) ओतालीस; ४२.
बयालीस; ४२. Forty-two; 42. क०
ग० ६, २६;

विदय. वि० (द्वितीय) पीणु. दूसरा. Se-
cond. पिं० नि० १७२; नाया० १; आया०
१, ५, १, १४४; १, ६, ४, १८६; उत०
२६, १६; ओष० ३८, उवा० १, ७७,
पंचा० ५, ७; —पंतिठवणा. स्त्री (-पक्ति-
स्थापना) पीणु पंक्तिनी स्थापना. दूसरी
पंक्तिनी स्थापना. The establishing
of second row. प्रव० ४१०;

विट. न० (वृन्त) फूलनी टांडी; १५८५,
डीटडु. फूलकी डीठ, पुण्डरी; फूलका डंठल.
Stem अणुजो० १४६, —बद्ध. वि०
(-बद्ध) दीटडीथी पाधेल फूल. डीठसे बद्ध
फूल. A flower attached to a
stem. पत्र० १;

विटिआ स्त्री० (विण्टका) पोतली. पोतली,
गरी. A bundle ज० प० ७, १५२,
१५३, ओष० नि० २६५,

विंदु पुं० (विन्दु) छोटा; जिंदु; टीपु; टपडु.
विन्दु; बूद, छीटा, टिका, टीप. A drop.
भग० ३, २; ६, ३३; उत० २८, २२,
ओष० १४, सू० प० १०; नंदी० ३५; पिं०
नि० ५०८; पत्र० १, गच्छा० ७७;
—प्रमाण. वि० (-प्रमाण) बिन्दुमात्र.
विन्दुमात्र. As big as a drop. निसी०
११, २८;

विंदुअ. न० (विंदुक) टीपु. छाटो वूड, छोटो
A drop. अणुजो० १३१, नाया० १६;
वत्त० १, २,

विंदुग. न० (विन्दुक) भिन्दु; टीपु. विन्दु,
बूद. A drop नाया० १६,

विंदुय. न० (विन्दुक) लुओ " विंदुग "
श०६. देखो "विंदुक" शब्द. Vide "विंदुक"
नाया० १६,

विंदुसार. पु० (विंदुसार) मौर्यवंशी यन्त्रगुप्त-
नो पुत्र बिंदुसार राजा मौर्यवंशी चन्द्रगुप्तका
पुत्र राजा बिन्दुसार. Bindusāra, a son
of chandragupta Maurya विशेष
८६२, (२) लोडमा अक्षरना जेवु सारभूत,
बिंदुसार नामे आधेमा पूर्व. लोकमें चत्तर-
वत् सारभूत बिंदुसार नामक १४ वें पूर्व The
14th Purva (scripture) named
Bindusāra which is as weighty
as alphabets. सम० १४; प्रब० ७२४,

विंब न० (विम्ब) प्रतिबिम्ब, प्रति छाया.
प्रतिबिम्ब, प्रतिछाया, परछाई Reflection
विशे० ३०४, नाया० १६, पचा० २, १७. (२)
लाड्डातु के लोड्डतु जनावेले भिन्नु लकड़ी
या लोहेका बनायाहुआ विम्ब. A disc
made of wood or iron ओघ०
नि० ७७४, (३) स्त्री पुरुषना आधार अने
अवयव शून्य आगक जन्मे ते स्त्री पुरुषके
आकार एव अगोसे शून्य बालकका जन्म A
child born without any sign or
limbs of a male or female
तद्ध०

विंबफल. न० (विम्बफल) गोला, शाकनी
अेक जाति. गोला, शाकनी एक जाति, विम्बफल
विशेष. A species of vegetable.
ज० ५० ओव० १०; जीवा० ३, ३,

विंबभुय. त्रि० (विम्बभूत) पालिभां पडता
अन्धना प्रतिबिम्ब जेवु; अर्थ शून्य. पानीमें

गिरनेवाले चन्द्रप्रतिबिम्बके समान निरर्थक.
Like the reflection of the
moon in the water; meaning-
less. सूय० १, १३, ८;

विंबोही स्त्री० (विम्बोष्ठी) जेना होठ भिन्-
झ-गोला जेवा लाल होठ तेवी स्त्री.
विम्ब फलके समान लाल होठ-ओठवाली स्त्री.
A lady with lips (red and
round) like a Bimba-fruit.
नाया० ८,

विंबल. त्रि० (विहल) आकुल व्याकुल
आकुल व्याकुल, विहल, दुखी. Sorrow-
ful; agitated, perturbed. ओघ०
नि० ७३,

विहणिज्ज. त्रि० (वृहणीय) धातुने पुष्ट कर-
नार भोजन-मर्दन वगेरे. धातुपुष्ट भोजन-
मर्दन आदि A food or massage
that increases the semen.
नाया० १, पत्र० १७, ज० ५० २, २३;
ठ० ६, १, ओव० ३१; कप० ४, ६१;

विचक्षु. त्रि० (द्विचक्षु) अक्षु छन्दिय अने
अवधिज्ञान अेम जे अक्षु धरनार (देवता)
चक्षु इन्द्रिय और अवधिज्ञान चक्षुओंके धारक
(देवता) A (god) possessing the
organ of sight and limited
knowledge (in the form of
another eye) ठ० ३, ४;

विह. त्रि० () जेडेकुं बैसहुआ Seated,
sitting. ओघ० नि० ४७१; ६६१,

विड. न० (विड) पडागरु भीड. Salt
दस० ६, १८,

वितिअ(य). त्रि० (द्वितीय) भीलु, भील
नम्बरतु. दूसरा, दूसरे नम्बरका Second.
भग० ३, १, ३, ५, ६; ७, १, १२, ६;
१३, ४, १७, १२, २०, २; ६, २६, १;
३५, ६, ओव० २२, सू० ५० १०, ज०
५० ७, १५१, अणुजो० १२६, पत्र० ४;

वित्तिकसाय पुं० (द्वितीयतृतीयकषाय) अप्रत्याख्यानी अने प्रत्याख्यानी कषायनी ये-
कडी; भीन्ने अने त्रीन्ने कषाय अप्रत्याख्यानी
और प्रत्याख्यानी कषायकी चौकडी; दुसरा और
तीसरा कषाय. A quaternary of
Apratyākhyāni and Pratyā-
khāni; the 2nd and 3rd
passions क० गं० ५, ६०;

वित्तिगुण, न० (द्वितीयतृतीयगुण) भीन्नु अने
त्रीन्नु गुणस्थानक. दूसरा और तीसरा गुण
स्थानक The 2nd and 3rd spiri-
tual stages क० गं० ५, ६०;
—**विष्णु**, अ० (-विना) भीन्ना अने
त्रीन्ना गुणस्थाना विना-शिवाय. दूसरे और
तीसरे गुणस्थानों में रहित-के अतिरिक्त Ex-
cepting the 2nd and 3rd spi-
ritual stages. क० गं० ५, ६०;

विष्णा, स्त्री० (विष्ना) ओ नामनी नदी,
जेना नदी इस नामकी नदी; वेना नदी. A
river so named. पिं० निं० ५०३;

विष्वोअण, न० (*) ओशीकु.
उसीसी, तकिया. A pillow वप्प० ३, ३२,

विष्वोय पु० (*) अलिमान. अभिमान,
गर्व. Pride भत्त० १३०: (२) अनादर;
तिरस्कार. अपमान. In-
sult, disrespect. भत्त० १०६,

विराल पु० (विडाल) भिलाडी; भीहड.
भिलाव, बिल्ली A cat. उक्त० ३२, १३;
नाया० १, ज० ५० आया० २, १, ५, २७,

विरालिय, न० (विरालिक) कुहनी ओक जल.
कड़की एक जाति A species of bul-
bous roots. आया० २, १, ८, ४५;

विरालिया, स्त्री० (विडालिका) भिलाडी
बिल्ली A female cat. सूय० २, ३,
२५;

विराली, स्त्री० (विडाली) भिलाडी. बिल्ली.
A female cat. नदी० सूय० ४४;
विशे० १४५४; २४५४;

बिल, न० (बिल) आण. A mine; a
hole निसी० ११, ४०. (२) पर्वतनी
गुहा पर्वतकी गुहा. A mountain-
cave. नाया० ८; भग० ५, ७; ७, ६;
(३) गंगा अने सिन्धुनी पासें बैताद्वये जे
पडये छत्रीश छत्रीश बिल छे ते. गंगा और
सिन्धुके पास बैताद्वकी दोनों बाजू पर स्थित
छत्तीस २ बिल. Thirty-six holes on
both the sides of Baitādhya
near the Ganges and Indus.
जं० ५० (४) आभेत्थीयुं; पाण्डितो आडा.
जलका खड्डा-गड्डा. A pool of water.
राय० १३१, पन्न० २; (५) राइडा; सर्प,
ढंढरने रहेवानुं दर. सांप या घूहोंके रहनेका
बिल; बौबी. A hole or burrow.
वक्त० ३२, ५०; सूय० २, १, ५६; अणुजो०
१३४; भग० ७, १-६; जीवा० ३, ४;
ओघ० नि० १०६; ओव० ३८, ठा० ४, ४;
नाया० १६; १७, १६; —आयार. वि०
(—आकार) बिलना जेवे जेवे आकार
होय ते. बिलके आकारवाला. Having
the form of a hole. पु० व० १, ६७;
—धम्म. पु० (—धर्म) बिल-राइडाभां
रहेनार प्राणीओना धर्म-स्वभाव. बिलमें
रहनेवाले प्राणियोंका धर्म-स्वभाव. The
nature of animals living in
holes. नाया० १, —पंत्ति. स्त्री० (—पट्टि)
बिल-नानी कुहनी पट्टि-हार. बिल-छोटी २
कुहकी कतार. A row of holes,
burrows. भग० ८, ६; —पंत्तिया.
स्त्री० (—पट्टिका) लुओ उपलो शब्द.
देखो उपरका शब्द. Vide above. न०
५० ४, ८८; पन्न० २; भग० ५, ७,

—लोण. न० (-लवण) आणुथी उत्पन्न
थयेलुं भीडु. खानसे निकला हुआ नमक.
Mine-salt. निसी० ११, ४०, आया०
२, १, ६, ३५: —वासि. त्रि० (-वासिन्)
भिल-गुफाभा वास करनार बिल-गुफा-
निवासी. Living in a hole
“ बिलवासिणो भवन्ति ” भग० ७, ६, ११,
६; ज० प० २, ३६,

बिल्ल. पुं० (बिल्व) भिल्वनु आऽ. बिल्वपत्रका
वृक्ष, बेल पत्रका झाड़. The Bilva tree.
निसी० ५, १३; पत्र० १; निर० ३, २;
(२) न० भिल्वनु फल. बिल्व फळ. The
fruit of Bilva tree. दस० ५, १,
७३; भग० २२, ३, अणुजो० १४३.

बिल्लिघालक. पुं० (बिल्लिघालक) ओझ लतनु
घास; घुण; वनस्पति विशेष. एक जातिका
घास, घृण, वनस्पति विशेष. A kind of
grass. भग० २१, ७,

बिस. न० (बिस) कुंड भूण, कद मूल.
Bulbous root. ज० प०

बिसट्टि. स्त्री० (द्वाषष्टि) आसठ; ६२ बासठ,
६२. Sixty-two; 62 प्रव० ६०८,
—मास. पु० (-मास) आसठ मास.
बासठ महिने. Sixty-two months
प्रव० ६०८;

बिसत्तरि. स्त्री० (द्वासत्तरि) अष्टोत्तेर, ७२नी
सप्प्या. बहोत्तरकी सख्या. Seventy-two
72. क० ग० २, १८,

बिसयारि. स्त्री० (द्वासत्तरि) अष्टोत्तेर
बहोत्तर; ७२. seventy-two, 72. क०
ग० २, ३३, ३, ५,

बिहष्फति. पु० (बृहस्पति) बृहस्पति ग्रह.
बृहस्पति ग्रह. The planet jupiter.
ज० प० ७, १५१;

बिहस्सति पु० (बृहस्पति) जुओ. “ बिह-
ष्फति ” शब्द देखो “ बिहष्फति ” शब्द.
Vide “ बिहष्फति ” शब्द० २६;

बीज. न० (बीज) श्रीज. बीज. Seed
भग० ३, ४; दस० ४; —मालिया स्त्री०
(-मालिका) श्रीजनी भाणा बीजकी
माला. A garland of seeds निसी०
७, १;

बीमच्छ. त्रि० (बीमत्स) शुक्ल शोणित
नेवाथी ने लाव उत्पन्न थाय ते, जुगु-
प्सित, धण्डा-सुध उत्पन्न थाय तेवु, शुक्ल
शोणितके देखनेमे उत्पन्न होनेवाला भाव;
जुगुप्सित-घृणित-भाव The sensation
of repulsion or disgust e. g.
at seeing the semen or blood.
ठा० ४, ४; सु० च० ६, १०१, अणुजो०
१३०, पण्ड० १, १; नाया० २; ८, १२,
उवा० २, ६४;

बीमत्थ. पुं० (बीमत्स) जुओ. “ बीमच्छ ”
शब्द देखो “ बीमच्छ ” शब्द. Vide
“ बीमच्छ. ” जीबा० ३, १; भग० ६,
३३; निर० ३, ४;

बीज(य). त्रि० (द्वितीय) श्रीजे; श्रीजुं दूसरा-
ने-री. Second. आया० २, ४, १,
१३२; विशेष ३७०, पिं० निं० १२३,
दस० ८, ३१, भग० २, १-२-५; ३, ६,
६, ५; ११, १०; सय० १, ४, १, २६,
सम० ८; ज० प० ५, १२१, नदी० २०;
वव० १०, २, नाया० १६, पवा० १६, ११,
कय० ८; प्रव० ८८, ६०६; क० ग० ४,
७८; उवा० १, ६१; २, १२५; —आवरण.
न० (-आवरण) श्रीजुं आवरण-दर्शना
परणीय कर्म. दूसरा आवरण-दर्शना वरणीय
कर्म. The second sight obscur-
ing karma. क० ग० ६, ६; —कसाय.
पु० (-कसाय) श्रीजे-अप्रत्याख्यानी
कसाय-जेना उद्यथी आवरण-दर्शना न आवे
ते. दूसरा-अप्रत्याख्यानी कसाय-जिसके उद्यसे
आवक्रता प्राप्त नहीं होती. The second

Apratyākhānīpassion at whose appearance a layman cannot observe partial vows. क० ग० २, ६, ३, ८; ५, ६६; —पञ्च. न० (—पद) उत्सर्ग अने अपवादाभानु द्वितीय-शीघ्र पदः अपवाद मार्ग. उत्सर्ग और अपवादमैका दूसरा पद. अपवाद मार्ग. The 2nd Pada of Utsarga and Apvāda, The path of exception to a general rule. गच्छा० ७८,

वीय न० (बीज) श्रीः, दाया. बीज; दाना. A seed. उ० १, ३५, १२, १२; २४, १८, सूय० १, ३, ४, ३, नाया० १५; जीवा० ३, ३. पत्र० १; भग० ३, ४, ३, ७, ६, ७, ७, ३; १७, १; २१, १०; विवा० १; दमा० ७, १; निरी ५, ४७; नाया० २; १२; दमा० ५, ३६; दस० ४, ८, १०, १०, १, ३; पि० नि० ४०५; ५८; आया० २, ३, ३, १२६; १, ७, ६, २२२, ओव० १५; ४३; ठा० १, ३, कप० ६, ४४, गच्छा० ८१, मन० ५६; (२) वीर्य; शरीरतो अेध धातु. वीर्य, शुक्र, शरीरको एक धातु. Semen भग० २, ५; (३) हेतु; कारण. हेतु, कारण. Cause; reason पंचा० ७, ७, (४) धर्मनु ओज —भूण कारण-समझित धर्मका मूल कारण-बीज-समझित. The root-cause of religion प्रव० ६६४, —आहार वि० (—आहार) ओजने आहार करनेर बीज खानेवाला. (one) living on seeds. भग० १३, ६, नि० ३, ३, —काय. पु० (—काय) धान्य पगेरे ओजने उ०. धान्यआदि बीजका जीव A living being of corns etc. सूय० २, ६, ७, कर्मण. न० (—कर्मण) ओजने कृत्रया ते. बीजोंको धीसने-कुचलेन-दाबनेका कार्य

The pounding of seeds आव० ४, ३; —पड्ड. वि० (—प्रतिष्ठ) ओज ७५२ राधेक्ष. बीजपर स्थापित. Kept on seeds. दस० ४; —भोजण. न० (—भोजन) ओजनुं भोजन; सञ्चित धान्यनुं भोजन इत्युं ते. बीजका भोजन, सचित धान्यका भोजन. A diet of seeds, a food of corn full of living beings भग० ६, ३३, दमा० २, १६-२०, नाया० १, आव० ४, ५, —मंथु. न० (—मन्थु) ओजनुं मूला; दो०. बीजका घूर्ण, आटा-पीठ. A powder of seeds. दस० ५, २, २४; रहिच. वि० (—रहित) ओज पिनानुं बीज रहित, निर्बीज. Without seeds. प्रव० ७१७, —रुद्ध. स्त्री० (—रुचि) अनेक अर्थ ओधक अेध पद साधणीने थयेल तत्परुचि, समझितना दश प्रकारमाने अेध. अनेकार्थक पदको सुनकर उत्पन्न तत्परुचि; दशविध समझितमैसे एक A love towards reality brought about by hearing a word having different meanings. (२) वि० तेवी रचिवाणे ऐसी रुचिवाला. (one) having such a taste. उ० २८, १६; प्रव० ६६४; —रुद्ध. वि० (—रुद्ध) श्री वायवाधी ठगे तेवा वृक्षादि. बीज बोनेपर उगेवाले वृक्षादि A tree growing by planting seeds दस० ४, —लाम पु० (—लाम) जिनशासनना भूणरूप सम्यक्त्वरूप ओजनी प्राप्ती. जिनशासनके मूलरूप-सम्यक्त्वरूप बीजकी प्राप्ति The acquisition of the fundamental principle viz. right belief of the command of Jina. पचा० ६, २३, संसक्त वि० (—संसक्त) ओजने स्पर्शनि

रहेलु. बीजसे लगाहुआ. Attached to a seed. दस० ६, २५, —हरिय. न० (—हरित) भीज-दाण्डा अने हरित-धीधी पनरूपति बीज और हरी वनस्पति. Seed and green vegetation दस० ४, ८, १५;

बीयंबीयग. पु० (बीजबीजक) पक्षी विशेष पक्षी विशेष. A particular bird भग० १३, ६.

बीयग. त्रि० (द्वितीयक) भीज. दूसरा. Second पचा० ३, ३६;

बीयग. पु० (बीजक) वृक्षनी ओके जल. वृक्षकी एक जाति A species of trees. राय० ५४;

बीयत्ता. स्त्री० (बीजता) भीजपाणु. बीजता; बीजत्व The quality of seeds. सूय० २, ३, ५;

बीयपूर. न० (बीजपूर) भीजेरानु क्षण. बिजोरा नामक फल, बिजोरेका फल. The citron fruit, a particular fruit. पि० नि० १६६;

बीयबिंदिय पु० (बीजवेष्टित) भीजभा रहे-नार त्रयु छिन्दियवाणा ज्वनी ओके जल. बीजमें रहनेवाले तीन इन्द्रियवाला जीवकी एक जाति. A species of three-sensed sentient beings living in seeds. पत्र० १;

बीयबुद्धि. स्त्री० (बीजबुद्धि) जेनी बुद्धि भीजना जेवी होय ते, जेम् ओके भीज-भांथी अनेके भीज उत्पन्न थई शके छे तेम् ओके अर्थवाणा पदार्थ अनेके अर्थने अनुसरनार, अशपीस लब्धिभांनी ओके लब्धि बीजके समान बुद्धिवाला—जिस तरह एक बीजमेंसे अनेक बीज उत्पन्न हो सकते हैं उसी तरह एकार्थक पदसे अनेक अर्थका अनुसरण करनेवाला; अर्थात् लब्धियोंमेंसे एक

लब्धि. (one) having intellect like a seed i e one seed produces many seeds so (one) whose intellect leads him to many meanings from a word having one meaning; one of the 28 attainments. ओव० १५, त्रिगे० ७६६. प्रव० १५०८

बीयभूत्र. त्रि० (बीजभूत) भीजरूप बीजरूप In the form of a seed पचा० १, ५०,

बीयमेत्त न० (बीजमात्र) भीज मात्र. थोड़ा बीजमात्र, थोडा सा. As small as a seed भग० ७, ६,

बीयरुहा. स्त्री० (—बीजरुहा) भीजरुहा नामकी साधारण पनरूपति. बीजरुहा नामक साधारण वनस्पति, An ordinary vegetation named Bijaruha. पत्र० १; भग० २३, १;

बीयवावअ. पु० (बीजव्यापक) विकलेन्द्रिय ज्व विशेष. विकलेन्द्रिय जीव विशेष. A sentient being with defective organs. अणुजो० १३१;

बीह. घा० I (भी) बड़ोबु; लय पाभवे. डरना, भयभीत होना. To fear; डोहंति. ओष० नि० भा० १६, वीहंत. व. क. सु० च० १०, ६४, वीहावेद. णि० निरी० ११, १३; भेसेज्जा वि० पण० २, २;

भायप. वि० दस० १०, १२, भायमाण. व. क. सु० च० १४, ३५०;

बीहणअ त्रि० (भयानक) लय उपज्जपनार. भय पैदा करनेवाला, डरावना. Terrible; terrorising. पण० १, १;

बीहणकर. त्रि० (भयङ्कर) लयडरक, लयडर भय देनेवाला, भयानक, डरावना. Terrible, horrible पण० १, १;

वीहणग. वि० (भयानक) ७५७८१३. भयोत्पा-
दक, डरावता. Terrible. पण० १, १;
बुद्धअ(य) वि० (उक्त) ६६६, ७७७. कहाहुआ,
उक्त Said; told. भग० ३, १; ५,
६; उत्त० १८, २६; आया० १, ५, ४,
१५७,

वुक्कत. न० (बुक्क) अ५६, भग० पगेरे डोला
धान्यनी छल. उर्द, मूगआदि धान्यके किलके.
The skin of pulses such as
beans etc. उत्त० ८, १२, (२) पुं० निपाद
पिता अने अमस्थी माता नेनाथी उत्पन्न थयेन
येक जात. निपाद पिता एव अवस्थी माता-
द्वारा उत्पन्न एक जाति A caste sprung
from the union of a Niṣāda
father and Abmasti mother.
वंशयेण सुदीओ जातो णिमाउत्तिवुक्क
वंशयेण वेसीए जातो अवस्थोत्तिवुक्क
तत्थ णिमाएण जो अवस्थीए जातो सो बुक्कसो
भणयति " उत्त० ३, ४; (३) ये नामने
येक अनार्य देश. इस नामका एक अनार्य
देश. A non-āryan country so
named प्र० १५६८,

वुक्कास पु० () ५७३२, ५७५५ ५७५-
ना२. बुननेवाला. बुलहा. A weaver.
आया० २, १, २, ११,

✓ बुज्झ. धा० I. (बुज्ज-य) आ५७; समञ्जु.
जानना, समझना. To know; to under-
stand.

बुज्झइ. भग० ५, ७, १६, ६, १८, ३.
दस० ६, २, ३;

बुज्झंति. ओव० ३४, उत्त० २६, १३, ज०
प० भग० १५, १; नाया० १२;

बुज्झामि म्म० १२, २;

बुज्झजा. विधि. ठा० २, १,

बुज्झस्संति. म्म० १.

बुज्झेज्जा. वि. भग० ६, ३१; १२, ८,
नाया० ३; पण० २०; सुय० १,
१; १, २;

बुज्झिहिंति. भ० विवा० १०; ओव० ४०;
नाया० १, नाया० ५० भग० ३,
१; १५, १;

बुज्झिस्संति. आया० २, १५, १७८;
बुज्झइ. आ० विशेष० २०२०; सुय० १, २,
३, ८;

बुज्झिया सं. क. उत्त० ३, १६;

बुज्झित्ता. भग० १८, ३;

बुज्झाहि. आ० नाया० ८;

बोहेति प्रे० विशेष० १७२,

बोहेहि नाया० १४;

✓ बुद्ध. धा० I. (बुद्ध) अ५७; बुद्धी भारवी.
डुवना; डुवकी लगाना. To sink; to
dive.

बुद्धंति. पण० २, २;

बुद्धंत. सु० ७० १, ३००,

बुद्ध. वि० (बुद्धित) पाण्डुभां उप्पी गयेल.
जलमें डुवाहुआ. Drowned. भत० १२२,

बुद्ध वि० (बुद्ध) ओध पाभेल; विचारवान; पंडित
बोधप्राप्त, विचारशील; पंडित. Enlightened;
thoughtful; learned. ज० प० ५,
११५; उत्त० १०, ३६; आया० १, ७, २,
२०४, दस० १, ५; ६, २२. ओव० म्म०
१, नाया० १, ५; ६; पण० २, ३; भग० १, १;
२, १; १७, २; कप० २, १५; प्र० ६४६;
(२) पु० डेव ज्ञान पाभेल आत्मा. केवल-
ज्ञान प्राप्त आत्मा A soul attaining
perfect knowledge. उत्त० ३६.
२६६; ठा० १, १; अणुजो० १२७; (३)
बुद्ध भनना प्रथम आचार्य, शाक्यमुनि.
बुद्ध मतके प्रथम आचार्य, शाक्यमुनि. The
1st preceptor of Buddhism;
Śākyamuni. सुय० २, ६, २८,

(४) जगृत, ओध पाभेल. जाग्रत, बोधप्राप्त. Wakeful नदी० ८, (५) तीर्थंकर. तीर्थकर. Tirthankara. दस० ६, ३७, ६, ६७, उत० १, ७, —अइसेस. पुं० (—अतिशेष) बुद्ध-तीर्थंकरना ३४ अतिशय बुद्ध-तीर्थकरके ३४ अतिशय. The 34 extras of the Buddha-Tirthankara. सम० ३४; —जागरिया. स्त्री० (—जागरिका) बुद्धनी जगृत्वा, तत्तन् विचारणा. बुद्धकी जागरणा-तत्त्व विचारणा. The metaphysical speculation of the Buddha. भग० १२, १; —बोहिय वि० (—बोधित) बुद्धद्वारा ओध पाभेल, गुरुना उपदेश सांख्यी ओध पाभेल. बुद्धद्वारा बोध पायाहुआ, गुरुका उपदेश सुनकर बोध पायाहुआ. Enlightened by the Buddha. नदी० २१; ठा० २, २, प्रब० ४८०, —बोहियसिद्ध. पु० (बोधितसिद्ध) बुद्धथी उपदेश पाभी सिद्ध थयेस. बुद्धद्वारा उपदेश पाक सिद्धिप्राप्त. (one) attaining salvation being advised by the Buddha पत्र० १, —वयण. न० (—वचन) तीर्थंकरनां वचन. तीर्थकरके वचन. The words of a Tirthankara दस० १०, १, १-६; (२) बुद्धनु पनावेस पुरतक बुद्धचित्त-कृत पुस्तक. A book written by the Buddha. नदी० ४१, —बुत्तमहिद्दग. वि० (—उत्ताधिष्ठातृ) तीर्थंकरनी आज्ञानुं पालन करनार; तीर्थंकरना कथन प्रमाणे अनुष्ठान करनार तीर्थकरकी आज्ञाका पालक, तीर्थकरके कथनानुसार अनुष्ठान करनेवाला. (one) who follows the commands of a Tirthankara. दस० ६, ५५, —शासन. न० (—शासन) बुद्ध भतनु शासन. बुद्धमतका शासन. The commands of the creed of the Buddha. अणुजो० ४१;

बुद्धि. स्त्री० (बुद्धि) बुद्धि; मति. बुद्धि; मति. Intellect. नाया० १; ५; ८, भग० ११, ११, पणह० २, १, निर० ४, १, दस० ८, ३०; अणुजो० ४१; ज० प० भत० १०२; उवा० ३, १३८, (२) अवायतु ओक नाम. अवायका एक नाम. Name of judgment or ascertained knowledge. विशेष० २१; ६३; नदी० ३२; (३) रुक्मि पर्वत उपरना महापुंडरिक द्रव्यनी अधिष्ठात्री देवी. रुक्मी पर्वतस्थ महापुंडरिक द्रव्यकी अधिष्ठात्री देवी. The presiding goddess of the lake Pundarika on the Rukmi mountain. ठा० २, ३, —कअ. वि० (—कृत) बुद्धिमां पनावेस-कल्पेस बुद्धिद्वारा रचित-कल्पित. Made or produced by intellect. क० ग० ५, ६७; —दिद्व. वि० (—दृष्ट) श्रुतरूप बुद्धिवडे ग्रहण करेसु. श्रुतरूप बुद्धिद्वारा ग्रहीत. Comprehended by scriptural intellect. विशेष० १२८, —विज्ञाण. न० (—विज्ञान) बुद्धिनु विज्ञान बुद्धिका विज्ञान. Discrimination of intelligence. कय० १, ७, —विवड्ढण. वि० (—विवर्धन) बुद्धिने वधानार. बुद्धिको बढ़ानेवाला. That which increases intelligence. गच्छा० ६२; बुद्धिकूड. पुं० (बुद्धिकूट) रूपी पर्वत उपरना आठ कूटमांनु पांयसु कूट-शिखर. रूपी पर्वतपरके आठ कूटोंमेंसे पांचवां कूट. The 5th of the 8 peaks of the Rūpi mount ज० प० बुद्धिमत्. वि० (बुद्धिमत) बुद्धिवाण. बुद्धिवान; बुद्धिसंपन्न. Intelligent; wise. पंचा० ७, ३२, बुद्धिल. वि० (बुद्धिल) पोते अरु दधने भीजनी बुद्धिओ आलनार. स्वयं ब्रह्म होनेसे

दूसरेकी बुद्धिपर चलनेवाला. (one) who is guided by the intelligence of others being himself stupid. ओघ० नि० भा० २७.

बुध. पु० (बुध) ओ नामेनो ओइ अड. इस नामका एक ग्रह The planet mercury. सू० प० २०; पगह० १, ५; पन्न० २,

बुबुअ(य). पु० (बुदबुद) प२पोटो. बुदबुदा. वबूला. A bubble. ओव० १४; नाया० १, उत्त० १६, १४; पिं० नि० भा० १६; स्य० २, १, २६; प्रव० १४६५; (२) गलेना भीजा अठवाडियानी अवस्था. गर्भके दूसरे सप्ताहकी स्थिति. The condition in the 2nd week of a foetus. तड० १६;

बुस. न० (बुस) शैतरां; छुस्सो. किलके; भूसा. Chaff; refuse. भग० ५, २;

बुसिमंत त्रि० (वश्यकत्) छिन्द्रिय वश करनार. जितेन्द्रिय. (one) who has controlled his senses स्य० २, ६, १४; स्य० १, ८, १६;

✓बुह. धा० I. (वृह्) वृद्धि करवी. बढ़ती करना. To increase बुहए स्य० २, ५, ३२; बुहइत्ता. उत्त० ४, ७;

बुह. पु० (बुध) विद्वान; पडित; अछो. विद्वान, पडित, दाना Learned; wise. ज० प० ५, ११२; ठा० ४, ४; उत्त० ३३, २५, पिं० नि० ६४५; विशे० २६८१; भग० ४२, १, सु० च० १, १६; भत्त० ४, प्रव० ६७४; पचा० ३, २५; ४, ११, (२) बुध नामेनो अड. बुध नामक ग्रह The planet mercury ओव० २५, ठा० २, ३; भग० ३, ७, —जण. पु०

(-जन) अछो भाएस. दाना-सम्भदार-मनुष्य. A prudent or wise man. पचा० ६, ५०; १६, ५;

✓बू. धा० II. (बून्) ओलवुं. बोलना. To speak.

वेइ विशे० २३०८;

बुयाड. राय० २४०;

वेति. विशे० ४२; १७६; पिं० नि० ६७; १६५;

विन्ति. अणुजो० १५६; क० ग० ३, १२;

वेमि. आया० १, १, १, १३; १, १, २, १६; नाया० २; ७; १६; १६; दसा० २, २२; १०, ११; दस० ८, ६४, १०, १, २१; वव० १, ३७, वेय० ६, २०;

बुयामि. पन्न० ११;

बूया. वि० आया० १, ७, २, २०२; दस० ६, १२; ७, १७; ५३; निसी० ६, ७;

बूहि-आ. उत्त० २५, १४;

अन्ववी. उत्त० ६, ६; २५, १०;

आह. स्य० १, १, १, १; पिं० नि० ३८०;

आहु. वेय० १, ३३;

आहंसु. भग० १, १; ६; २, ५, ७, ६; ८, १०; १२, ५; सू० प० २०, उत्त० २, ४५;

बुयमाण. भग० ३, २;

बुयाण. स्य० १, ७, १०;

बुवंत उत्त० २३, २१;

बुइत्ता. ठा० ३, २;

बूर. पु० (बूर) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष A particular vegetation. ओव० भग० २, ५; ११, ११; नाया० १; राय० ५७, (२) सुवाणा वनस्पती ओइ अत.

જીવાં ૩, ૪, કચ્ચ ૩, ૩૨; (૩) જુરી; બાર બાબરના ફેતરા જૂરી, જ્વાર વાજરાકે જિલકે-ફોતરે The chaff of Jūvari, Bājarā (kinds of corn). ઉત્ત ૩૪, ૧૬,

વેદંદિય પુ (દ્વીન્દ્રિય) જેને બે ઇન્દ્રિય હોય એવા જીવ. દો ઇન્દ્રિયવાળા જીવ Two-sensed being. ઉત્ત ૩૬, ૧૨૫; પિં નિં માં ૬, ઠાં ૧, ૧, અણુજોં ૧૪૪, પત્ર ૧; મગ ૧, ૧-૫; ૨, ૧-૧૦; ૬, ૫; ૮, ૧, ૨૦, ૧, ૨૪, ૧; ૨૬, ૧, ૩૬, ૧; જીવાં ૧; દસ ૪,

વેદંદિયકાય પુ (દ્વીન્દ્રિયકાય) બે ઇન્દ્રિયવાળા જીવનિકાય-ભવસમૂહ દો ઇન્દ્રિયવાળે જીવકી કાયાકા ભવ સમૂહ. An embodiment of two sensed living being. ઉત્ત ૧૦, ૧૦;

વેદંદિયતા. સ્ત્રી (દ્વીન્દ્રિયતા) બે ઇન્દ્રિયપણુ. દો ઇન્દ્રિયત્વ. The state of having two senses. મગ ૬, ૫;

વેદ. નં (વૃત્ત) દીટીયું, બિંટકુ. કીટ, ડઝલ. A stem. રાય ૧૫૫,

વેદગ. નં (વૃત્તક) દીટીયું; બિંટકુ. કીટ, ડઝલ. A stem વેચ ૫, ૩૩;

વેદોણિય. ત્રિ (દ્વિગોણિક) બે દ્રોણ પ્રમાણુ. દો દ્રોણ પ્રમાણકા. Equal to two Dronas (a particular measure) in measure. ડાં ૮, ૨૩૫,

વેદા. સ્ત્રી (વેદા) એ નામની એક નદી. આ નામકી એક નદી. A river so named. અણુજોં ૧૩૧;

વેદા. સ્ત્રી (વેદા) એ નામની એક લતા-વેલ. આ નામકી એક લતા. A creeper so named પત્ર ૧;

વેદાહિય. પુ (દ્વાહિક) બે આતરીયો તાવ. દો દિનકે અતરસે આનેવાલા જ્વર, તિજારી A kind of fever attacking at an interval of two days. જીવાં ૩, ૩; જ ૫૦

વેદિય. ત્રિ (દ્વાહિક) બે દિવસનું દો દિનકા. Of two days મગ ૩, ૭, ૬, ૭, જ ૫૦ ૨, ૧૬;

વોડ. નં () કપાસના જીવાં કપાસકે ફેદ. The pod of cotton જીવ ૧૦; —કપાસ પુ (—કપાસ) જીવાં કપાસ ફેદકા કપાસ. Cotton pods. નિસી ૩, ૭૨,

વોડિયસાલા. સ્ત્રી (વોડિકાલા) કપાસ વેચવાની શાળા-દુકાન. કપાસ વેચેનેકી દુકાન. A cotton-shop વવ ૬, ૨૧-૨૪-૨૫-૨૬-૩૦;

વોદિ. નં () શરીર શરીર. The body. ઉત્ત ૩૫, ૨૦; સૂ ૫૦ ૧૦; જીવ ૨૨, અણુજોં ૧૨૭, ઠાં ૪, ૪, પત્ર ૨, વિશે ૩૧૫૮, મગ ૩, ૨, ૮, ૧, ૧૮, ૭, દસા ૫, ૪૦; પ્રવ ૪૬૩, —ચિય ત્રિ (—ચિત) શરીરરૂપે ભેગા કણ પુદ્ગલ શરીરરૂપે એકજિત પુદ્ગલ Molecules of matter arranged in the form of a body. મગ ૧૬, ૨-૮, —ધર ત્રિ (—ધર) શરીર ધારી, દેહ ધરનાર શરીરધારી, દેહધારક. Having a body, corporeal. મગ ૧૮, ૪,

વોક્સ. પુ (વુક્સ) વર્ણસંકર; બાલભૂતી શુદ્રોમાં ઉત્પન્ન થયેલ અથવા શુદ્રથી વૈશ્યાદિમાં ઉત્પન્ન થયેલ. વર્ણસંકર, વ્રાહ્મણદ્વારા શુદ્રની ઉત્પન્ન થયેલ શુદ્રદ્વારા વૈશ્યની ઉત્પન્ન સંતાન Intermixture of castes; one born of such intermixture. સ્વ ૧, ૬, ૨;

बोड. पुं० (*) जेनुं भरतक मुडेल होय ते. मुंडित मस्तक-सिवाला. (one) whose head is shaved. पिं० निं० २१७;

बोडाण. पुं० () ओ नामनी हरित वनस्पति. इस नामकी एक हरी वनस्पति. A green vegetation so named. पत्र० १.

बोडिय. पुं० (बोडिक) दिगम्बर संप्रदाय. दिगम्बर संप्रदाय. The sect of Digambaras (a class of Jains) विशेष० १०४१, २५५०;

बोधण. न० (बोधन) उपदेश; शिक्षा वचन. उपदेश, शिक्षावचन Advice, instruction. सम० ६;

बोधव्य. त्रि० (बोद्धव्य) ज्ञातव्य योग्य. ज्ञातव्य, जानने योग्य. Fit to be known. दस० पत्र० १; निर० ३, १; अणुजो० १३०; १३४; पिं० निं० ७७; भग० ३, ५; १०, १; १६, ८; प्रब० २८, १८४; ३२६; ४८२; उवा० १०, २७७; ज० प० ७, १५२; १५६;

बोधि. स्त्री० (बोधि) सम्यग् दर्शन. (२) धर्म प्राप्ति. सम्यक् दर्शन. (२) धर्म प्राप्ति. Right belief; acquisition of religion. ठा० २, २;

बोर. पुं० (वदर) भोर; अदरी क्षण. बेर; बोर, बदरी फल. A plum. भग० ८, ५;

बोरी. स्त्री० (बदरी) भोरडी. बोरका वृक्ष. A plum tree अणुत्त० ३, १,

बोरु. न० (वदर) अदरी क्षण; भोर. बदरी फल; बेर; बोर. A plum. भग० १५, १;

बोस्टी. स्त्री० (बूरोष्टी) २ पजेरे भरवानी भोरी. रूई इत्यादि भरनेकी बोरी-बैली. A gunny-bag. प्रब० ६८७;

बोल. पुं० (बोल) भोलायल; डोलायल; धोधाट; गड्ढाट; हलथल. बोलचाल, कोला-

हल; हलदीयुवत, गड्ढाट; हलकल. Conversation; bustle; din; stir. ओष० २१; २४; २७; सूय० १, ५, १, १०, भग० २, १; ३, ७; ज० प० ५, ११५; ७, १४०; ३, ४५; ओष० निं० ६४४; पत्र० २; निसी० १२, ३३; राय० ४०; जीवा० ३, ३; —करण. न० (-करण) धुमरोड-धुमाटो धरवे। ते. बोम मारना. Raising a hue and cry. ओष० निं० २४८;

बोर्लिलिपि. स्त्री० (बोर्लिलिपि) १८ लिपिभांती ओक लिपि. १८ लिपियोंमेंसे एक लिपि. One of the 18 scripts. सम० १८;

बोर्लितार. पुं० (बूडित) धूडाडनार. डुबानेवाला. (one) who drowns. दसा० ६, ४;

बोह. पुं० (बोध) भोध; ज्ञातव्य; उपदेश. बोध, ज्ञान; उपदेश. Understanding; advice. विशेष० ८८०; ८३८; सु० च० २, ६४; पचा० २, ३७; ७, ३१; (२) सूत्रतो धर्म-स्वभाव सूक्ता धर्म-स्वभाव. The nature of a Sūtra. विशेष० १३७६; —कर. त्रि० (-कर) भोध धरनार; उपदेशक. बोध करनेवाला; उपदेशक. A preacher; an advisor. सम० १०; —बुद्धि. स्त्री० (बुद्धि) ज्ञाननी वृद्धि. ज्ञानकी वृद्धि The increase of knowledge पचा० २, ४१;

बोहणा. न० (बोधन) ज्ञातव्य. (२) ज्ञातव्य. जगाना. (२) जगाना; बतलाना; ज्ञान कराना. Rousing; waking; enlightening. ओष० निं० ६;

बोहणा. स्त्री० (बोधना) ज्ञातव्य; विज्ञापन. जाहिर करना; विज्ञापन, प्रकटन. Revealing; manifesting. पिं० निं० ४५७,

बोहभाव. पुं० (बोधभाव) ज्ञानं ज्ञेयं बोधायणं.
ज्ञान भाव. The existence of know-
ledge पचा० २, ४१,

बोहय. त्रि० (बोधक) बोध आपनार;
उपदेश आपनार. बोधक, उपदेशक
Appriser; instructor. (२)
जगानार. जगानेवाला. A preacher,
a teacher. ज० प० ५, ११२; ११५;
नाया० १, सम० १; ओव० १२; १३;
भग० १, १; २, १; अणुजो० १६; कप्य०
२, १५;

बोहि. स्त्री० (बोधि) सम्यक्त्व; सुदृष्टि. सम्यक्त्व,
सुदृष्टि. Right sight or belief. (२)
धर्म प्राप्ति. धर्म प्राप्ति. The acqui-
sition of religion. सम० १; उत्त०
३, १४, ८, १५; ३६, २५५; भग० ७,
१; १५, १; १८, ३; विशेष० २७८४;
ओव० १२; विवा० ४; राय० २३, पिं०
नि० ३२४; पण्ड० २, १; प्रब० ५२८,
—दय पुं० (-दय) सम्यक् दृष्टि देना.
सम्यक् दृष्टि देनेवाला. (one) who

bestows right sight or belief.
ज० प० ५, ११५; विवा० भाव० ६, ११;
—धम्म पुं० (-धर्म) बोधि-सम्यक्त्वकी
प्राप्तिरूप धर्म. बोधि-सम्यक्त्वकी-प्राप्तिरूप धर्म.
Religion in the form of acqui-
sition of right belief or sight.
प्रब० ६४१, —लाभ पुं० (-लाभ)
धर्मकी प्राप्ति. धर्मकी प्राप्ति. The attain-
ment of religion. भत्त० १३६;
भाव० २, ६, सम० ६; पंचा० ६, २३;

बोहित्य. न० () वहाणु, जहाज; वाहन.
A ship; a boat. भत्त० १८,

बोहिदुल्लाहा. स्त्री० (बोधिदुर्लभा) बोधि की
दुर्लभप्राप्ति लायना. बोधि जीवकी दुर्लभताकी
भावनाका विचार A thought of the
difficulty of the germ of right
belief. प्रब० ५८१;

बोहिय. त्रि० (बोधित) बोधित, बोधपमा-
उत्त. समझायाहुआ, बोधदियाहुआ. Instru-
cted; taught, enlightened. ओव०
१०, भग० १, ६; भाव० ४, ८; कप्य० ३,
४२;

इति श्रीलीम्वडीसम्प्रदायतिलकायमानप्रज्यपाद श्री १००८ श्री गुलाबचन्द्र-

जित्स्वामिशिष्य श्रीजित्नासन्सुधाकर-शतावधानि-परिज्ञत

प्रवरमुनिराज श्री १००८ श्री रत्नचन्द्रजित्स्वामि

विरचिते बृहदर्थमागधीकोपे सप्रमाणम्

तकारादि बकारान्तशब्दसङ्कलनं

समाप्तम् ।

इति

तृतीयो भागः